1961

Vol. I Nos. 8-18 : 11

CONTENTS

Thursday, the 23rd February, 1961

Price Rs. 4.35 nP.

Punjab Vidhan Sabha Debates

23rd February, 1961
(Afternoon Sitting)

Vol. I No. 8

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Thursday, the 23*rd February*, 1961

Price Rs. 4.35 nP.

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES VOL. I, NO. 8,
DATED THE 23RD FEBRUARY, 1961.

Read	*for*	*on page*	*line*
ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ	ਸਰਦਾ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ	(8)1	5th from below
Sunam	Sumam	(8)3	11
Cheema	Chhema	(8)3	12
Radio	Raido	(8)6	8th from below
to	no	(8)7	18th from below
Committee	Conomettee	(8)8	10
Policy	plicy	(8)14	22
Parishad	parishald	(8)15	30
repairs	repares	(8)16	28
answer	a er	(8)17	17
those	these	(8)17	5th from below
Add the word "अध्यक्ष" before "अगर आप"		(8)20	4
सिंचाई	सिाई	(8)25	38
Fertilizer	Ferilizer	(8)25	9th from below
to be avoided	to avoid	(8)37	5th from below
outstanding	out stading	(8)40	2
ਲੋਕਾਂ	ਲੀਕਾਂ	(8)47	25
Cusecs	Cuses	(8)52	32
राम्रो गजराज सिंह	राम्रो गजरास सिंह	(8)53	6th from below
resolution regarding	resglution reoarding	(8)55	Heading
water courses	wate courses	(8)55	9
consumption	cocnsuption	(8)57	Heading
रंगी	ंगी	(8)60	16

Read	*for*	*on page*	*line*
ਸਾਹਿਬ	ਮਾਹਿਬ	(8)62	20
ਰੋਂਦੇ	ਹੋਂਦੇ	(8)62	Last
ਪਾਜ	ਪਜ	(8)64	16
ਇਸ	ਜਿਸ	(8)64	17
ਦਰਅਸਲ	ਦਰਅਲ	(8)73	4th from below
ਸਾਹਮਣੇ	ਸਾਸਮਣੇ	(8)74	3
वाराबन्दी	चाराबन्दी	(8)77	6
resources	resourees	(8)78	9
ਲਿਆ	ਸਿਆ	(8)85	14

PUNJAB VIDHAN SABHA

Thursday, the 23rd February, 1961

The Vidhan Sabha met in the Assembly Hall, Sector 10, *Chandigarh, at* 2.00 *p.m. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Gurdial Singh Dhillon) in the Chair*

---

*SUPPLEMENTARIES TO STARRED QUESTION NO. 6828

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜੇ qualified trained teachers, already department ਵਿਚ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 25 per cent posts ਭਰੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ਜਾਂ ਭਰੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਅਜਿਹਾ ਕੋਈ ਇਕ ਵੀ ਹੁਣ ਤਕ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਨ੍ਹਾਂ 25 per cent ਪੋਸਟਾਂ ਦੇ against ?

ਉਪ ਮੰਤਰੀ (ਸ੍ਰੀ ਯਸ਼ ਪਾਲ) : ਅਜ ਤਕ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਗਿਆ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਅਜ ਤਕ ਇਸ grade ਵਿਚ ਨਵੀਆਂ appointments ਹੋਈਆਂ ਹਨ ?

ਉਪ ਮੰਤ੍ਰੀ : Appointments ਤਾਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ posts reserve ਰਖੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ।

ਸ ਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ; ਜਦ ਨਵੀਆਂ appointments ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਤਾਂ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕੋਈ appoint ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ?

ਉਪ ਮੰਤਰੀ ; ਇਹ ਜੋ 25 percent ਪੋਸਟਾਂ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ fill ਕਰਨ ਲਈ Subordinate Services Selection Board ਦੀ concurrence ਜ਼ਰੂਰੀ ਸੀ, ਜੋ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਸਰਦਾ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੋਸਟਾਂ ਨੂੰ fill ਕਰਨ ਲਈ selection ਕਰ ਲਈ ਗਈ ਹੈ, ? Board ਦੀ concurrence ਦਾ ਸਵਾਲ ਤਾਂ ਬਾਦ ਵਿਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ।

ਉਪ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ Board ਦੀ concurrence ਜ਼ਰੂਰੀ ਸੀ, ਉਹ ਲੈਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

Note: Starred Question No. 6828 with its reply appears in the Punjab Vidhan Sabha Debates Vol. I No. 6, dated 22nd February, 1961.

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

GOVERNMENT INSTRUCTIONS REGARDING SHIFTING OF COMMUNITY DEVELOPMENT BLOCK HEADQUARTERS IN SANGRUR DISTRICT

***6802. Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) whether the Financial Commissioner (Development) issued any instructions in the first week of January, 1961, regarding the location of Community Block Headquarters in the State ;

(b) If the answer to part (a) above be in the affirmative, the details of the instructions so issued ;

(c) whether there is any proposal under the consideration of Government regarding the re-demarcation of the present boundaries of existing Development Blocks in Sangrur District; if so the details thereof ;

(d) whether there is also any proposal under the consideration of the Government for shifting the existing headquarters of Development blocks in Sangrur District to some other places; if so, the details thereof together with the proposed headquarters in each case with reasons therefor ;

(e) the names of Community Development Blocks in Sangrur District and names of places where their headquarters are located at present ?

Chaudhri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) Yes.

(b) A statement is laid on the Table of the House as Annexure 'A'.

(c) No.

(d) No.

(e) A statement is laid on the Table of the House as Annexure 'B'.

Annexure 'A'

The details of the instructions issued to all Deputy Commissioners/ Sub-Divisional Officers/Block Development and Panchayat Officers are :—

(i) The Block Headquarters should be located in a Central place of the Block, preferably in a village.

(iii) The headquarters should be connected by rail or road, preferably both.

(iii) The convenience of the officers is only a secondary consideration, the paramount consideration should be the convenience of the people who live in the villages of the Block.

(iv) The above instructions do not apply to the Blocks where block buildings have either been constructed or are in the process of construction.

Annexure 'B'

Name of Blocks		*Places where their Headquarters are located*
1. Malerkotla	..	Malerkotla
2. Ahmedgarh	..	Do
3. Dhuri	..	Dhuri
4. Barnala	..	Barnala
5. Sehna	..	Sehna
6. Narwana	..	Narwana
7. Sangrur	..	Sangrur
8. Sunam	..	Sumam
9. Cheema	..	Chhema
10. Lehragaga	..	Lehragaga
11. Jind	..	Jind
12. Safidon	..	Safidon

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ Block ਦਾ headquarter ਤਬਦੀਲ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਲਈ ਕੀ procedure adopt ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

उप मन्त्री : इस को recommendation D.C. करता है। वह Government को लिख कर खुद भी change कर सकता है । अगर कोई representation आए तो उस पर action लिया जा सकता है ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਮਾਮਲਾ District Development ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ refer ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ?

उप मन्त्री : कई cases में होता है और कई में नहीं होता । ऐसा नहीं कि ज़रूरी तौर पर यह वहां जाए ।

चौधरी इन्द्र सिंह : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि नरवाना ब्लाक के headquarters को कई दफा क्यों तबदील किया गया ? अब जो उस की position है वह यह है कि वह आधा पंजाबी रिजन में है और आधा हिन्दी रिजन में है ।

श्री अध्यक्ष : इस के लिए separate notice दें । (Please give separate notice for this.)

पंडित श्री राम शर्मा : इन्हों ने कहा कि बाज़ सूरतों में Development का जो Board है उसे consult करना ज़रूरी होता है और बाज में नहीं होता। मैं पूछता हूं कि यह किन सूरतों में ज़रूरी होता है और किन में नहीं होता ?

उप मन्त्री : अगर D.C. local conditions मालूम करना चाहे और ज़रूरी समझे तो District Development Committee को consult कर ले।

श्री राम चन्द्र कामरेड : मैं पूछना चाहता हूं कि क्या D. C. Block Development Committee को नजर-अंदाज कर के अकेला ही फैसला कर सकता है कि block का headquarter तबदील कर दिया जाए ?

श्री अध्यक्ष : इस का जवाब दे दिया गया है। (This has already been replied to.)

चौधरी इन्द्र सिंह : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि headquarters मुकर्रर करते वक्त इस बात का लिहाज़ नहीं रखा जाता कि यह Block के centre में हो और बिल्कुल एक side पर न हो ?

उप मन्त्री : इस के लिए कई बातों का ख्याल रखा जाता है जिन में एक यह भी है ।

चौधरी इन्द्र सिंह : क्या यह सच है कि नरवाना का जो headquarter है वह Block के बिल्कुल एक तरफ़ है ? (*Interruption*) यह block 20 मील लम्बा है और headquarter एक side को है जहां से block एक तरफ सिर्फ दो मील रह जाता है ।

Mr. Speaker : Your suggestion has come on record.

श्री राम प्यारा : क्या headquarter के अलावा भी कुछ गांव Block से निकाल रहे हैं ?

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਾਗਜ਼ ਰਖਿਆ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਬਲਾਕ ਦੇ headquarters ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਹੋਣ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਿਲਾ ਸੰਗਰੂਰ ਵਿਚ 12 headquarters ਦਸੇ ਹਨ, ਜਿਹੜੀ ਪਹਿਲੀ ਹਿਦਾਇਤ ਹੈ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਕਿ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ head-quarter ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਉਹ ਕਿੰਨੀ ਜਗ੍ਹਾ ਮੰਨੀ ਗਈ ਤੇ ਕਿੰਨੀ ਜਗਾ ਨਹੀਂ ਮੰਨੀ ਗਈ? ਹਿਦਾਇਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ :

"The Block Headquarters should be located in a central place of the Block preferably in a village".

उप मन्त्री : इस में शब्द preferably है । इस बात का ध्यान रखा जा सकता है अगर और amenities हों । यह ज़रूरी है कि village में सारी चीज़ें मिलती हों तब तो village में, नहीं मिलतीं तो शहर में भी रखने हैं । यह statement में दिया हुआ है ।

चौधरी इन्द्र सिंह : क्या यह हकीकत नहीं कि नरवाना Block का headquarter नरवाना Block की एक side में वाक्या है कोई central place नहीं, सारे Block area के south में वाक्या है ?

उप मन्त्री : Location के मुताल्लिक इस तरफ है या उस तरफ है अब मैं कुछ नहीं कह सकता ।

श्री अध्यक्ष : आप का question नहीं बनता था लेकिन मैं ने इजाज़त दे दी । (The supplementary put by the hon. Member was not very relevant but even then I allowed it.)

चौधरी इन्द्र सिंह : Block का नाम नरवाना है लेकिन 26 गांव दूसरी तहसील के हैं ।

श्री अध्यक्ष : इस में नरवाना ब्लाक है ? (Is Narwana Block mentioned in the list ?)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਦੂਸਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਮੱਦੇ ਨਜ਼ਰ ਰਖ ਕੇ ਪਿੰਡ ਵਿਚ headquarter ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ; ਉਹ ਦੂਸਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਕਿਹੜੀਆਂ ਹਨ ।

Mr. Speaker : He has already replied.

श्री मंगल सैन : दूसरी चीजें क्या हैं मैं ने भी यही पूछना है ?

श्री अध्यक्ष : वह पहले बता चुके हैं । (He has already replied).

ਸਰਦਾਰ ਜਸਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜ਼ਿਲਾ ਸੰਗਰੂਰ ਦੇ ਇਕ ਬਲਾਕ ਦਾ headquarter ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਸੀ ਤੇ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਕਿਉਂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ?

डाक्टर परमा नन्द : क्या गवर्नमैंट ने कोई ऐसी instructions जारी की हैं कि Block headquarter शहरों की बजाए देहात में बनाएं ?

उप मन्त्री : पहले जवाब दे दिया है ।

चौधरी इन्द्र सिंह : क्या मूनक Block को मूनक से तोड़ कर शहर में ला रहे हैं ? क्या इसे गागे में लाया गया है ?

श्री अध्यक्ष : अलहदा सवाल पूछिए । (Please give a separate notice.)

RECOMMENDATIONS OF STATE EVALUATION COMMITTEE

***6803. Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Community Development be pleased to state with reference to the reply to starred question No. 6361 printed in the list of question for 14th November, 1960, whether any final decisions on the recommendations of the Evaluation Committee on Community Development Blocks have since been taken; if so, the details thereof ?

Chaudhri Dalbir Singh (Deputy Minister) : A statement on action taken on the observations/recommendations made by the State Evaluation Committee on Community Development in their Report is laid on the Table.

Report on the action taken on recommendations made by the State Evaluation Committee in its Report on the working of the Community Development Programme in Punjab.

References in this report are to the Chapters and paragraphs of the State Evaluation Committee's Report.

CHAPTER I—IMPACT OF THE COMMUNITY DEVELOPMENT PROGRAMME IN PUNJAB.

Para 2. It is correct that the weaker sections of the community have not benefited from the C.D. Programme to the desired extent. This is an all-India problem. The Government of India have appointed a study group on the welfare of these sections of

[Deputy Minister]
the village community. The problem will be studied by the group comprehensively and their recommendations will receive prompt and close attention of the State Government. Meanwhile, the Co-operative Department has evolved a pattern of financial assistance to help Co-operative Farming Societies of the marginal cultivators and the landless ; the C.D. Organisation gives special concessions to the Scheduled Castes and Backward Classes in respect of local development and amenities schemes ; the Industries Department has decided to spend 50 per cent of the III Plan provision—which is about Rs 5.5 crores, for the development of industries in rural areas. It is proposed to establish 72 rural industrial estates, set-up several model villages with industries, train village artisans etc., during the Third Plan period. The department is fully aware of the defects pointed out and steps have been or are being taken to remove procedural bottlenecks and to strengthen the organisation so as to produce satisfactory results. The Khadi and Village Industries Board is increasingly giving preference to rural artisans by restricting its financial aid to their Co-operative Societies, while the Directorate of Scheduled Castes and Backward Classes has been given substantial funds for amelioration of the conditions of these weaker sections of the community. The problem is a difficult one and not peculiar to this State alone. Every effort will be made to tackle it. With a view to evolve ways and means to deal with the problem of unemployment and under-employment in rural areas, pilot projects are being started throughout the country. Our State has been allocated two such projects in the current year and these have been started in Naraingarh (Ambala District) and Amb (Hoshiarpur District) blocks.

Para 3. Community Development, Agriculture and Co-operative Departments, have taken necessary steps to rectify the defects pointed out by the Committee. The distribution of fertilisers has been entrusted to Service Co-operatives, who are also progressively taking over the distribution of improved seeds, insecticides and agricultural implements. At the same time, the departments concerned have taken steps to ensure that supplies are timely, adequate and of good quality. Particular mention may be made of the scheme to manufacture improved implements. Total requirements of each district and the number of fabricators required for eash district have been assessed and under the scheme, the requisite number of fabricators will be appointed for each district, there will be quality control and two government workshops—one at Ludhiana and the other at Nilokheri, to supplement production in the private sector.

Para 4.—To ensure that 70 to 80 per cent of the time of the V.L.Ws. is spent on agricultural development, a suitable job-chart has been laid down for this functionary. Agriculture Department has issued comprehensive instructions regarding the number and specifications of the demonstration plots for each V.L.W. Norms have been laid down to judge the success of the Blocks. Basically, these norms relate to increase registered in agricultural production. The entire concept of the C.D. Programme has undergone a change. Amenities and facilities are now of secondary importance. Preparation of village agricultural plans and their implementation are regarded as of primary importance. Thus the comments of the Evaluation Committee have been largely met.

Para 5.—There has undoubtedly been lack of inter-departmental co-ordination. To bring about the necessary co-ordination between the State Electricity Board and local authorities, Government has constituted sub-committees of the District Development and Planning Committee to deal with this and allied problems concerning the supply of electricity to rural areas.

As regards social education programmes, it is true that success to the desired extent has not been achieved. These programmes will, in Panchayati Raj, be the responsibility of Panchayats and Panchayat Samitis, and it is to be hoped that these authorities will tackle the problems of social education more vigorously and effectively and ensure that com munity raido sets are properly used and do not adorn the houses of sarpanches.

Para 6.—Government is fully alive to the problem of making the fullest use of block funds and all that is possible is being done to ensure that physical targets are achieved. With the introduction of Panchayati Raj at village, block and district levels, the responsibility for the achievement of targets will fall upon panchayats, panchayat samitis and zila parishads, and it is hoped that these authorities will take vigorous action in the matter. The administrative machinery at State Headquartes will be reorganised to make this possible,

CHAPTER II.—PEOPLE'S PARTICIPATION

Para 1.—So far as the people's participation in the Community Development Programme is concened this State occupies the first position in the country. The contributions made by the people by way of cash, kind or labour in local development and amenity programmes, the increasing activities of Co-operatives, Panchayats, Gram Sahayaks, Yuvak Mandals and the extent to which people in this State have adopted scientific practices of agriculture and other progressive ideas clearly indicate active public participation in the programme. With the introduction of Panchayati Raj at the three levels of the village, the block and the district, public participation is expected to increase and become a dynamic and integral factor in the development of rural areas.

Para 2.—No comments.

Paras 3 *and* 4.—There is no doubt that villagers have generally come forward with enthusiasm and vigour, whenever called upon and properly organised, to contribute, in terms of cash and labour, to local development works. With the introduction of Panchayati Raj, the initiative will be in the hands of the people's elected representatives and officials will no longer be in a position to discourage such initiative. Even at present, schemes have to be drawn up with the approval of Block Development Committees, and if the non-official members of these Committees take sufficient interest, there is no reason why people's initiative should not find adequate scope in the realisation of felt needs.

Para 5.—People's representatives are associated at the levels of the Block, District and State even today, through Block Development Committees, District Development and Planning Committees and the State Informal Consultative Committees, but, unfortunately, such representatives have not evinced the necessary interest. It is not true to say that the Community Development Organisation has failed to get the people out of their slavish attitude. However, with the introduction of Panchayati Raj, initiative will pass entirely to the people and their elected representatives, and the official will be merely an agent to execute the policies and programmes approved by panchayats, panchayat samitis and Zila parishads.

CHAPTER III—ADMINISTRATIVE AND FIELD SUPERVISION

The criticism and recommendations made in this chapter relate to touring and inspections by various technical and administrative officers concerned with Commuminty Development Programmes. While appreciating the recommendations made, it must be pointed out that they cannot be implemented in toto for two reasons viz., (a) some of them while theoretically desirable are not feasible ; and (b) all standing instructions on the subject are being radically altered in the context of Panchayati Raj under which a great deal of this responsibility will fall upon the Zila Parishad, Panchayat Samiti and Panchayat at the levels of the district, block and village, respectively. As Panchayati Raj at these levels is to be introduced in the near future, it has been decided no follow current instructions on the subject under which—

(1) Deputy Commissioner has to visit two blocks per month and inspect every block in his district at least once a year ;

(2) the District Development and Panchayat Officer must inspect every block at least twice a year ; and

(3) Heads of Development Departments are required to visit at least two blocks each month ; etc., etc.

These instructions are being suitably amended in the context of Panchayati Raj, to ensure not only proper inspection at all levels but also constructive guidance and help to Panchayats, Panchayat Samitis and Zila Parishads in the discharge of their onerous responsibilities.

CHAPTER IV—SELECTION AND TRAINING OF PERSONNEL

Para 1.—The view expressed in this paragraph are fully shared by Government.

Paras 2 *and* 7.—Every effort is made to select dedicated and sincere workers, at all levels, for the programme ; unfortunately, it is not easy to find so many of them. The present Head of this Organisation is Government's most senior officer and it has been decided to keep him at this post till March/April, 1964. He has the qualities to which

[Deputy Minister]

the Committee has referred. As regards his deputies at headquarters, it is not true to say that they are selected merely on the basis of seniority. Recently, Government has selected an officer for the post of Development Commissioner for Hill Areas not merely on seniority.

As regards Block Development Officers, they are recruited as follows—

(a) Directly through Public Service Commission 55%

(b) By promotion of those already in service. 30%

(c) By selection of deserving Political Sufferers and Social Workers 15%

The criteria suggested by the Committee are kept in view while making these selections.

In the selection of Extension Officers, Social Education Officers and Village Level Workers also, the considerations stressed by the Committee are kept in view, but here again, it is not easy to find a high percentage of sincere and dedicated persons.

It may also be mentioned that action to weed out bad officials is being taken. The records of all Block Development and Panchayat Officers, have been carefully examined and Block Development and Panchayat Officers placed in three categories, viz :—

Category I.—Block Development and Panchayat Officers with good records.

Category II.—Block Development and Panchayat Officers whose work has to be carefully watched and who should be advised/warned to improve.

Category III.—Block Development and Panchayat Officers whose services are to be terminated because of consistently bad work and reports.

Similar action is being taken in respect of other categories of Block officials and Villge Level Workers. It must, however, be appreciated that action to weed out bad workers has to be co-ordinated with the recruitment and training of new personnel to fill resultant vacancies.

Paras 3, 4, 5, 6, 9, 10, 11, 12 *and* 13.—It is true that a man trained as an administrator is not necessarily fit for all jobs ; he also requires training and experience and must be a dedicated and sincere worker if he is to be good in Community Development Work. An elaborate training programme in three phases, for all categories of officials and non-officials who will be concerned with Panchayati Raj, is to be undertaken in the near future.

Steps have also been taken to ensure that all seats allotted by the Government of India to this State Government for orientation and other training courses run by them are fully utilised. For the training course at the Mussoorie Institute, a full year's programme of deputation is framed in advance. Similarly the various categories of the Block staff are deputed for training according to a phased programme drawn up well in advance, with the result that, with a few exceptions, all the staff working in the Blocks in the State are trained personnel. In the Community Development Programme, emphasis has been laid from the beginning on training of workers. The Block Development Officers, the Extension Officers, the Village Level Workers all are given orientation and job training, either before their appointment or soon after. In-service training by way of refresher and other courses is also imparted to them, keeping in view the aims of training set out by the Committee in para 13 of this chapter. Unfortunately, it is not always possible to have so many officers out on training courses without seriously denuding blocks of essential staff. Steps are being taken to create training reserves but in view of the pace at which the work has to spread, there is a limit, imposed by financial considerations, to this remedy. In the circumstances, the best training ground for Community Development personnel is the field itself, where, as rightly pointed out by the Committee, guidance from supervisory officers should make a positive contribution. Officers from head-quarters do visit blocks for this purpose and arrangements are being made to ensure that this contribution is effective and adequate.

Para 14.—It is constantly the endevour of Government to post the best available persons as Principals and Instructors of the Training Centres at Nabha, Batala and Sirsa. Positive action has been taken to improve the working of these Centres and it is expected that these Centres will give a better account of themselves in future.

As Instructors in the various fields are drawn from their respective departments, they are paid salaries in the grade and scale of pay of those departments. However, in order to make the posts attractive, a compensatory allowance of Rs 25 per month has been sanctioned for all non-gazetted personnel working in these training centres and they are given rent-free accommodation or house-rent in lieu thereof.

From the above, it will be seen that the recommendations of the Committee in regard to selection and training of personnel have been substantially met.

CHAPTER V—INTER-DEPARTMENTAL CO-ORDINATION

Paras 1 *and* 2.—As rightly observed by the Committee, the greatest problem today is to ensure a change in the outlook of Departmental officers, so that they may shake off their aloofness and departmental approach, which was the main objective of the Community Development Programme. Adequate instructions on the subject have been issued and steps taken to ensure their compliance. Serious notice is taken of any instance of non-compliance.

Paras 3 *and* 4.—No comments.

Para 5.— There are undoubtedly black sheep and misfits in every organisation but, by and large, there is better inter-departmental co-ordination than previously, though it may not be to the extent desirable.

Para 6.—The steps taken by Government to ensure inter-departmental co-ordination and compliance with standing instructions may be briefly given :—

1) The Organisation has been placed under the Financial Commissioner (Development) and the present incumbent (Shri Fletcher) is Government's most senior officer.

(2) The Financial Commissioner (Development) is the Chairman of the State Development Board. The Secretaries and Heads of all Development and allied Departments are members of this Board. It meets regularly and, *inter alia*, deals, with all matters pertaining to inter-departmental co-ordination.

(3) Financial Commissioner (Development) is also the Chairman of the State Level Working Group on Agricultural Production and in this capacity and through this Group co-ordinates and integrates the activities of the following departments, which are specially concerned with stepping up Agricultural Production—

(i) Community Development and Panchayats ;
(ii) Agriculture ; and
(iii) Co-operatives.

(4) Financial Commissioner (Development) is now the final official reporting authority on the work of Commissioners and Deputy Commissioners. This ensures that these officers take adequate interest in Development work.

(5) Financial Commissioner (Development) is also incharge of District and Divisional Establishment and Chairman of the Standing Committee on Re-organisation of District and Tahsil Administration. In this capacity he ensures that tahsil, district and divisional administration is geared to tackle effectively the problems of Rural Development.

(6) The Deputy Commissioners have been empowered to report on all district-level officers not only in respect of their integrity and public relations but on co-ordination with other development departments.

(7) The Deputy Commissioners have been authorised to ensure that district-level officers tour block areas in accordance with the Government instructions.

(8) Instructions have been issued to ensure that district-level officers regularly attend meetings of Development and Planning Committees at district and block levels.

[Deputy Minister]

(9) The Deputy Commissioners have been asked to report on B.D.P.Os. in consultation, in writing, with various district-level officers concerned, in order to give greater control to the district-level officers of the Agriculture and Co-operation and other Development Departments over the B.D.P.Os.

(10) The duality of control over block-level extension officers has been removed ; they are now under the administrative control of their B.D.P.Os, and under the technical control of their district-level officers. They have to submit their tour programmes, tour diaries and leave applications to the B.D.PO.s, who also initiate their confidential reports. All correspondence between the Extension Officers and District- level Officers has been channelised through the B.D.P.Os.

(11) Apart from the State Development Board, which meets every month under the Chairmanship of the Financial Commissioner, Development, a quarterly review of the progress of development work in the blocks is held by the Financial Commissioner, Development, in a meeting with the Heads of all development departments. As a result, the block has been recognised in actual fact by all departments as a unit for planning and development and the block staff is regarded by them as their field agency.

It may be mentioned that with the introduction of Panchayati Raj at the three levels of the village, the block and district, the mechanics of inter-departmental co-ordination will alter radically and suitable instructions on the subject are being drafted.

Para 7. (i) It is not considered necessary or feasible to designate Heads of Development Departments as Deputy Development Commissioners. Neither is it necessary for the Financial Commissioner, Development, to write their confidential reports as, should he find the work of any Departmental Head unsatisfactory, he is in a position to take necessary action at Government level. There is, however, a proposal to make the Financial Commissioner, Development, Principal Secretary of the Departments of Agriculture, Co-orperatives, Animal Husbandry and Minor Irrigation in addition to Community Development and Panchayats. This proposal is under consideration.

(ii) This suggestion is not feasible. However, the Financial Commissioner, Development, can call such meetings should they be necessary in any particular case.

(iii) This is being done. With the introduction of Panchayati Raj, the responsibility for the District Development Plan will be that of the Zila Parishad and of the Block Development Plan that of the Panchayat Samiti. This responsibility will extend to both formulation and implementation.

District officers will be required under the law to assist and guide both Zila Parishads and Panchayat Samitis in their work. Suitable instructions on the subject will be issued to all officers and it will be the responsibility of the Deputy Commissioner primarily to ensure compliance with these instructions.

(iv) The recommendation cannot be wholly implemented. There is no need for the Irrigation, P.W.D. (B. and R.), Electricity and Forest Departments to provide an Extension Officer in each Block. Under the all-India pattern, Extension Officers at the block-level are to be provided by the Agriculture, Animal Husbandry, Co-operation, Industries, Panchayats, Medical and Public Health and Education Departments. Except the Education and Animal Husbandry Departments, Extension Officers at the block-level have been provided by all other departments. The Education Department has accepted in principle that the jurisdiction of A.D.Is should be co-terminus with the Blocks and is taking steps to implement this principle. The Animal Husbandry Department is, because of shortage of qualified personnel, obliged to entrust the duties of the Extension Officer on this subject to Veterinary Surgeons in-charge of the local Veterinary hospital or dispensary. These Extension Officers, as stated before, are under the administrative control of the B.D.P.O. but so far, their T.A. and salaries have not been integrated with the Block budget. This question is being considered as a part of the Panchayati Raj Scheme.

Departmental budgets will be broken up Panchayat, Panchayat-Samiti and Zila Parishad-wise according to the allocation of responsibilities to these three authorities and it will be for them to administer these funds properly and to decide who should be their Drawing and Disbursing Officers.

CHAPTER VI.—PROMOTIONS AND INCENTIVES

Paras 1 *and* 2.—Government does recognise the need to provide incentives to better performance in every service and one such incentive is undoubtedly, promotion. It is not, however, true to say that senior officers of the Development Department have ignored this need or that they were concerned only with their own promotions and prospects.

So far as Extension Officers are concerned, they have the avenues of promotion open to them in their respective departments. In the case of Block Development Officers, Social Education Officers and Village Level Workers, no Service Rules have so far been framed. Action to frame them is being taken in the context of Panchayati Raj. These services are of comparatively recent creation and it is not sound policy to encourage the desire for promotion before an official has served long enough to establish his claim to enter a higher and better paid job, particularly as the Community Development Programme calls for sincere and dedicated personnel at all levels.

Para 3.—No artificial barriers exist or have been created to prevent Block Development and Panchayat Officers, Social Education and Panchayat Officers and Village Level Workers from competing for appointments in better services. It is not true to say that some of the I.C.S./I.A.S./P.C.S. officials stand in the way of Block and Village Level Officials attaining higher posts, provided they are sufficiently experienced and competent.

Para 4.—There is nothing to prevent a deserving official, however low he may be in the official ladder, from attaining the highest post in due course, provided he has the requisite experience, qualifications and record of service.

Paras 5, 6 *and* 7.—Government fully agrees with the views of the Committee that opportunity for advancement and the chance to make the best possible use of one's capacities should be open to all categories of workers at all levels. It is true that a few Block Development and Panchayat Officers left the Department to better their prospects elsewhere, but no case has come to the notice of Government in which a Block Development Officer went out of the Department or desired to go out to join a post with smaller emoluments. In order to provide avenues for promotion for Village Level Workers, a selection grade is being provided. Though because of the merger of the Community Development and Panchayat Departments it has not been possible to promote any Village Level Worker as a Social Education cum-Panchayat Officer, Village Level Workers with the requisite qualifications can compete for such posts. Against 12½ per cent of promotion posts, it has been provided that 30 per cent of the future vacancies in the posts of Block Development and Panchayat Officers will be filled up by promotion of Social Education and Panchayat Officers and other Extension Officers. Besides, 8 posts of the District Development and Panchayat Officers are being filled up by promotion from amongst Block Development and Panchayat Officers and District Panchayat Officers, and a proposal to absorb a certain percentage of Block Development and Panchayat Officers in the cadre of the P.C.S. is also under consideration of the Government.

Para 8.—The system of awarding certificates of merit to deserving Village Level Workers, Extension Officers, Block Development Officers and other officers is a sound one.

CHAPTER VII.—ORGANISATIONAL DEFICIENCIES

Paras 1 *to* 4.—The success of the Community Development Programme undoubtedly depends on the adequacy of personnel in quantity, quality and training. Frequent transfers are also detrimental to the success of the programme.

It is true there has been shortage in the strength of personnel required in Blocks, inspite of vigorous and persistent efforts to fill all sanctioned posts. This is an unavoidable phase in a country of expanding economy and increasing development. For instance in spite of repeated attempts of the Subordinate Services Selection Board, adequate number of qualified accountants have not been found and the Department had to authorise the Deputy Commissioners to fill up the vacancies temporarily on an ad-hoc basis. To attract medical graduates to service in Primary Health Centres, the posts of Medical Officers have been gazetted and their grades upgraded. To remove the shortage among Block Overseers, their grade of pay has been brought at par with their counterparts of the P.W.D. and they have been made eligible for promotion as

[Deputy Minister]
Block Development and Panchayat Officers. Special efforts were made by the Industries Department to fill up the vacant posts of the Block Level Extension Officers. Government attaches the greatest importance to seeing that vacancies in the Block Organisation do not exist. The position of staff is reviewed every quarter by F.C.D. with the Heads of Departments. The State Development Board has issued instructions for pre-planning staff requirements and taking timely action in this behalf. The Government of India has made it a rule that additional Blocks will be allotted to the States only if essential staff is actually in position in the existing Blocks. Thus pressure is being exercised from all sides to provide the full complement of staff in all Blocks. Similarly, instructions have been issued by Government to do away with frequency of transfers and short tenures. These shortcomings are now things of the past. It has also been decided by Government that the present Financial Commissioner, Development, will hold this post till March-April,1964.

Para 5.—Although the phased programme in accordance with which the entire State will be covered by Blocks by October, 1963, is known, the areas where Blocks are started are determined after allocations according to the phased programme have beenconfirmed by the Government of India. The first year of the life of a Block, called the pre-extension stage, does not carry any funds except to pay for the cost of the nucleus staff provided to conduct surveys, etc. Nor is it advisable to undertake construction of the Block buildings before or immediately after a Block starts working because, more often than not, disputes and controversies arise over the demarcation of its boundaries and fixation of its headquarters, which take time for settlement. It is therefore, neither possible nor desirable to have the Block buildings ready by the time the Blocks are opened. However, as preplanning is done in respect of the staff, so in regard to the building programme also a phased programme has been prepared to provide buildings in all Blocks during their first stage. This is another aspect of planning which is continually under review by the State Development Board.

Para 6.—Instructions prohibiting driving of jeeps by any one other than their drivers exist. Deputy Commissioners have been authorised to sanction repairs of jeeps up to a cost of Rs 1,000 and to control misuse, decision has been taken to pool all jeeps at the District-level so that Block Development and Panchayat Officers, the District Level Officers and Inspecting Officers may use these jeeps in the best interests of this work.

Para 7.—Audio-visual equipment of the C.D. Organisation is being integrated with similar units of the Public Relations Department and suitable arrangements are being made for their proper use and maintenance.

Para 8.—A thorough enquiry into this matter was instituted and there is some truth in what is alleged in this paragraph. Necessary action is being taken.

Para 9.—Necessary action to remove shortage of stationery articles, forms and registers in the Blocks has been taken. It cannot be claimed, however, that the complaint no longer exists. The main reason for the shortage of stationery now is the limitation of the funds that have been provided in the Block budget on an All-India basis for contingencies and stationery.

Para 10.—The number of steps that have been taken to remove redtape and inefficiency at headquarters are too numerous to be detailed here. It can be claimed that the department is functioning reasonably efficiently and cases of sanctions of annual increments and the crossing of efficiency bars are attended to promptly.

Para 11. Government has taken a firm policy decision not to shift the incumbents of key posts for 3 to 5 years.

CHAPTER VIII.—DECENTRALISATION AND DELEGATION OF POWERS

Para 1.—(i) Schematic budgets do not come to headquarters for sanction. Deputy Commissioners have been authorized to sanction them, subject to the approval of the Block Development Committees concerned.

(ii) Financial and administrative powers have been delegated to such an extent that schemes in excess of Rs 20,000 alone have to be submitted to Financial Commissioner, Development, for sanction and such schemes in the block programmes are rare. Location of the Primary Health Centres does require consultation with District Medical Officer of Health and Director of Health Services and takes some time, but once this question is settled, implementation of the scheme is in the hands of the local authorities.

Schemes relating to rural arts and crafts are now handled by one authority, namely, the Joint Director (Village Industries) and technical and other sanctions are invariably issued expeditiously. There are, however, bottlenecks still to be removed, for which necessary action is being taken.

(iii) The Central and State Governments have laid down policies for utilization of block funds. These policies ensure maximum flexibility for adoption of schemes to suit local conditions. Certain limitations and provisos still remain and would remain unless the Central and State Governments divest themselves completely of all control over the Blocks. Proposals and Schemes which are contrary to Government instructions alone are objected to by the Headquarters. But the number of such cases is negligible.

(iv) The instance given by the Committee has a background. In the Blocks for agriculture there is a provision of Rs 30,000 only for a period of 5 years. This amount is so small that its expenditure has been restricted by the Government of India to supply of improved implements to Village Level Workers for demonstrations, laying out of demonstration plots, training of progressive and young farmers etc. It cannot be used for giving subsidies. These instructions are based on cogent reasons and on the directions of the Central Government. Even so, the State Government have been able to persuade the Central Government to allow subsidies for fruit and vegetable cultivation in the hilly and sub-montane areas. Otherwise, the schematic budget and other Block work has been decentralised to the maximum extent.

(v) The point is not valid now. Policies on Community Development have been and are evolved in extensive and intensive consultation with public opinion and knowledgeable experts. The Central and State Informal Consultative Committees, the Seminars, the Study Camps, the Orientation Courses, the Training Camps, the Block and District Level Committees on Development and Planning, not only bring their judgement and experience to bear on extant policies, but they also throw up ideas calculated to affect significantly programmes and policies in the field of Community Development. There is so much flexibility in the Community Development Programme now that schemes not suitable to local conditions and requirements can be discarded by the Blocks in favour of suitable programmes.

Para 2.—(i) Flexibility has been provided. Schematic budgets are sanctioned by the Deputy Commissioners.

(ii) The schematic budget is to be prepared during the pre-extension stage of a Stage I Block. It is sanctioned by the Deputy Commissioner, subject to the approval of the Block Development Committee. It does not have to come to the State Government.

(iii) It has been ensured that annual allocations are communicated to the Blocks before April, 15. Not only that : Blocks are intimated the tentative figures of allocatio s based on the sanction of the Planning Commission and the Planning Department before the end of December of the year previous to the financial year to which the figures relate. Instructions have been issued making it possible for the Blocks to frame schemes, get approval of the technical Department and the Block Development Committees etc., before the commencement of the financial year, so that they are now in a position to undertake actual execution of the schemes the moment they receive final allocations based on the vote of the Legislature before April 15.

(iv) These observations are based on some misunderstanding. In stage II of a Block funds do not exist for construction of a block building. As stated before, only schemes above Rs 20,000 have to be submitted to the State Government for sanction and, in view of the size of the Block Budgets, such schemes are extremely rare.

(v) There is more flexibility in the Community Development Programme in this matter than anywhere else as the schematic budgets of the Blocks are formulated for spans of 5 years and so long as the funds are utilised during this period, they do not lapse.

Para 3.—As stated already, in the matter of utilisation of Block funds, there is complete flexibility and whereas a complex of illustrative and type schemes has been suggested, the Blocks are free to choose programmes and schemes to match local requirements. The hill area blocks are not fettered in any way in the choice of their developmental activities. Special concessions have been given to them to utilise minor irrigation loans. The loans there carry a subsidy to the extent of 25 per cent. In other words, loanees in hilly areas have to return only Rs 75 as principal out of Rs 100 taken as a loan. The

[Deputy Minister]

rate of this subsidy is 50 per cent if the purpose of the loan is repairs, renovations and construction of Kuhls. These concessions have been given to encourage people in hill areas to take advantage of the loan provisions in the Block budgets. Nevertheless, the fact remains that sizable amounts of these provisions still go unutilised because of the deep-rooted disinclination of hill people to take money on loan from Government. The matter has been brought to the notice of the Government of India, who have been requested to reduce the size of the loan provision and increase that of the grants-in-aid It may be stated in this context that a number of other concessions have been extended to hill areas because of their backwardness and cmparative poverty. Generally speaking, the rate of public participation in hill areas is 50 per cent of that obtaining in the plains.

Para 4.—For special development of hill areas and to accelerate the pace of progress, a Development Commissioner (Hill Areas) with the status of a Commissioner and Additional Secretary to Government in the Development and Panchayat Department has been appointed by Government.

Para 5.—Deputy Commissioner is competent to sanction the schematic budget and divert funds from one head to another.

Para 6.—The Block as a unit of administration is an Organisation of recent origin. For its boundaries, location of headquarters, the circles of Village Level Workers and their headquarters to settle down, time was needed. The policy of Government upto now has been not to undertake construction of houses for Village Level Workers and other Block officials. Revision of this plicy is under consideration. In any case, funds have been placed at the disposal of Panchayats to enable them to construct houses for teachers, Village Level Workers and other officials.

Para 7.—An effort is made to post as many hill area personnel in hilly Blocks as possible. The complaint that inferior staff is sent to serve them, is unfounded. An effort is made to send good staff to the hill areas and compensatory allowance of 15 per cent of their pay is given to them.

Para 8.—As against the fixed T.A. of Rs 4-8-0 p.m. given to Village Level Workers in the plains, the rate for hil areas is Rs·10 p.m. and the rate of road mileage also is 50 per cent above the rate obtaining in the plains.

Para 9.—The standard unit of population to be covered by a Block in hill areas is 40,000 as against 66,000 in the plains and a number of Blocks have been opened in hill areas which have a population much below this standard.

CHAPTER IX.—TRANSFORMATION IN THE ROLE OF ADMINISTRATION.

Para 1.—There is undoubtedly need for transformation in the role of administration as envisaged by the Committee. Every effort is being made by Government to bring about this transformation by diverse means.

Para 2.—There is some truth in the view that the original faith in the extension educational process for involving village people in Rural Development Programmes has given place to bureaucratic reliance on the mechanical prescription of targets and insistence upon their achievements. For this, officers are not entirely to blame. Every effort has been made to decentralise authority and to delegate authority, but certain checks and balances are essential if funds are not to be frittered away or mis-spent and to ensure the achievement of physical targets.

As Panchayati Raj is now to be introduced, the shortcomings referred to in the Report are expected to disappear and responsibility—now resting on the shoulders of officials, will shift to elected representatives serving on Panchayats, Panchayat samitis and Zila parishads.

Para 3 —No comments.

Para 4.—The observations in this paragraph are not justified as comments on preceding chapters show. Only exceptional and rare cases have to come to State Headquarters for sanction.

Para 5.—The present system is to be replaced by Panchayati Raj, which, it is expected, will bring more dynamism and fervour to the Programme.

CHAPTER X.—THE ROLE OF DIVISIONAL COMMISSIONERS

The Committee's observations have been brought to the notice of Divisional Commissioners and necessary action, to ensure compliance, has also been taken. The role of the Commissioner in Panchayati Raj will be slightly different and to ensure that this role is effectively played, suitable instructions are being drafted. Commissioners will also participate in the three-phased training programme drawn up for Panchayati Raj. It will be ensured that Commissioners play their part effectively and properly.

CHAPTER XI.—ROLE OF THE DEPUTY COMMISSIONER

Para 1.—No comments.

Para 2.—There is much truth in the observations about the interest taken by Deputy Commissioners in the sphere of Development. Steps have been taken to ensure that all Deputy Commissioners take the necessary interest in this work and a serious view will be taken of defaulters.

Para 3.—Government shares the view expressed and has taken necessary action in the matter.

para 4: 'Development' is a primary responsibility of the Deputy Commissioner and there can be no question of his not owning the Community Development Agency as in the case of Revenue Agency. Steps have been taken to ensure the closest possible contact between the Deputy Commissioner and his Block Development Officers.

As Block Development Officers attend monthly meetings of the District Development Committees—which are also attended by officers of Development Departments, a separate meeting of Block Development Officers with District Officers of Development Departments is not considered necessary.

Para 5.—The Deputy Commissioner has all the powers and authority required to ensure proper co-ordination at district level. The fault lies not in the lack of necessary powers but in their defective or inadequate use.

With the introduction of Panchayati Raj, however, the Depnty Commissioner's role will be radically different and responsibility for the formulation and implementation of District and Block plans will be that of the Zila Parishald and Panchayat Samiti, respectively. The Deputy Commissioner, nevertheless, will have an effective role to play and suitable instructions and rules are being drafted to ensure this.

CHAPTER XII.—APPOINTMENT OF DISTRICT DEVELOPMENT OFFICERS

It is conceded that Government has not been able to post experienced and senior officers as District Development Officers or to avoid frequency of their transfers. Government is also keen to provide maximum avenues of promotion to the Block staff. Out of the 17 district Development Officers in the State, eight will soon be promotees from the ranks of Block Development and Panchayat Officers or District Panchayat Officers. The question of filling a certain number of posts in the P.C.S. from amongst the Block Development and Panchayat Officers is under the consideration of Government. This problem and allied issues will be dealt with fully before Panchayati Raj is inaugurated.

CHAPTER XIII.—ROLE OF BLOCK DEVELOPMENT OFFICER

Para 1.—Most of the observations, points and suggestions made in this chapter are a reiteration of what has been dealt with in earlier chapters and have accordingly been dealt with.

Para 2.—Government is fully aware of the fact that there are several misfits in the ranks of its Block Development Officers. As stated earlier, the records of all serving Block Development Officers have been screened with the following results :—

Category I.—Good Block Development Officers. ..	55
Category II.—Block Development Officers who have to be watched and who have to be advised/warned to "improve," ..	93
Category III.—Block Development Officers with thoroughly bad records and who are to be weeded out.	22

Action to weed out those belonging to category III is being taken along with action to recruit replacements.

[Deputy Minister]

Para 3.—Clear instructions exist to ensure—

(i) that the benefit of the Community Development Programme accrues to all sections of village communities ;

(ii) systematic touring by Block Development Officers and that at least 10 nights are spent each month in villages ;

(iii) that Block Development Officers and other Block officials record the fact of their visit and brief particulars of the work done by them in the Panchayat register.

The shortcomings mentioned in para 2 undoubtedly exist, in spite of instructions on the subject. It is, however, not possible to cover all villages in a block because of the limited funds available for block development. What is expected is that every block should have a plan for its development, which should involve a much larger measure of people's contribution and participation than is being realised at present. Better results can be achieved if Deputy Commissioners take more interest, Block Level Officers have the right approach to the problem and there is better co-ordination between departments.

Para 4.—Whatever is possible is being done to reduce the volume of paper work. To reduce this volume, a consolidated pro forma has been introduced to replace 50 odd returns and reports in vogue previously.

Block Development Officers who do not acquit themselves well in the field are apt to make the volume of office work the excuse for their failings in the filed.

Para 5.—The role of the Block staff in the collection of Small Savings Certificate, Red Cross Funds etc. has been the subject of study in various forums at the Central and State levels. The State Government's instructions on the subject are in complete accord with the advice of the Central Ministry of Community Development and Co-operation.

Para 6.—Government is congnisant of the misuse and neglect of Block jeeps in spite of rigid instructions on the subject. Steps have been taken to ensure that necessary repairs are carried out and all jeeps made roadworthy. Deputy Commissioners have been authorised to carry out repars, without reference to Headquarters, upto a cost of Rs1,000 in any one case.

The proposal to place all these jeeps in a district pool under the Deputy Commissioner's administrative control is under consideration. This arrangement should check abuse and misuse and ensure that they are put to the best use by all officers concerned with Development.

Para 7.—The suggestion that all new entrants to the P.C.S. and I.A.S. should serve for 3 years as Block Development and Panchayat Officers is not feasible in this State.

CHAPTER XIV.—THE WORKING OF THE BLOCK DEVELOPMENT COMMITTEES

***Para* 1 *and* 2.—No comments.**

Para 3.—It is a deplorable fact that District Officers of Development Departments and Members of Parliament and the State Legislature have generally not evinced sufficient interest in the meetings or business of these committees. So far as officials are concerned there are strict instructions requiring them to attend these meetings and it is for the Deputy Commissioner to see that they do and to bring cases of default to the notice of Government for necessary action. A serious views is taken when such cases are brought to the notice of Government, but Deputy Commissioners have been remiss in this matter.

As regards the recommendations made—

(i) With the introduction of Panchayati Raj, Panchayat Samitis will replace these Committees and it is hoped that adequate interest will be taken by all concerned in meetings and the business of Samitis. Rules and instructions are being drafted to ensure that officials required to attend such meetings do attend.

(ii) As regards the payment of T.A. to non-official members, it will be a matter for Panchayat Samitis to decide.

(iii) There is no provision in the Panchayat Samitis and Zila Parishads Act under which M.L.As./M.Ps. who do not attend meetings may be penalised.

(iv) Departmental action will certainly be taken against officials who do not attend 3 consecutive meetings, provided such cases are reported.

CHAPTER XV.—ROLE OF VILLAGE LEVEL WORKERS IN COMMUNITY DEVELOPMENT.

Para 1.—No comments.

Para 2.—The general assessment made in this paragraph is roughly true. As regards incentives or recognition of good work, the matter is receiving the attention of Government.

Para 3—This is true in a number of cases. Lack of accommodation in villages is one reason, but in most cases, the Deputy Commissioner and Block Development Officer have not cared to look into the matter or take necessary action.

(ii) This also is generally true. Better supervision by Block Development Officers is the answer. Block Development Officers must also set an example in the matter.

(iii) This also is generally true. The use of Gram Sewaks for office work at Block Headquarters is not permitted and it is for Deputy Commissioners to stop this practice, wherever it exists.

(iv) and (v) There is foundation for these observations. Better supervision by Block Development Officers is the solution.

(vi) There are clear instructions requiring Village Level Workers to devote 80 per cent of their time to agriculture and it is for supervisory officers to see that such instructions are carried out. A detailed monthly job chart has been introduced which should make it impossible for a Village Level Worker not to devote the bulk of his time to Agriculture.

(vii) Instructions require the Village Level Worker to record in his diary and the Panchayat Register a brief account of the work done by him.

(viii) Unless a Village Level Worker is dishonest in his work, he has perforce to proceed on the lines indicated by the Committee.

Para 4.—(i) Village Level Workers can be promoted as Social Education and Panchayat Officers, but as, at present, the department has a surplus number of the latter, no promotions of the former are possible. The surplus has resulted from the integration of Community Development and Panchayat Departments.

(ii) Departmental action is taken against bad Village Level Workers. The service is young and Village Level Workers should not expect promotions before they have adequately established their bonafides as good workers. The proposal to have Selection Grades for deserving Village Level Workers is, however, under consideration.

Besides, there is the Prize Competitions Scheme under which the best Village Level Workers in each district are selected and out of them the best in the State are given handsome prizes. The Government of India has also introduced a scheme to provide higher studies for Village Level Workers.

(iii) The suggestion has been examined. The present scale of pay is considered adequate and compares favourably with these of Village Level Workers in other States.

(iv) For financial reasons, the suggestion is not feasible. Besides, it has been found that the prevailing rate of stipend does not deter candidates from joining the service.

(v) The Government of India has not accepted the suggestion to reduce the existing circle of a Village Level Worker.

[Deputy Minister]

(vi) This is no longer true. However, a Village Level Worker is expected to concentrate on Agricultural Production.

Para 5.—Recommendations—

(i) to (vii) have been dealt with under para 4 above.

(viii) Action as recommended is being taken.

CHAPTER XVI.—PLANNING FOR MAINTENANCE

The observations and recommendations made in this chapter are sound. Most of the assets referred to belong to panchayats, which, unfortunately, lack either the will or the reasources or both to maintain them in good order. Steps are being taken to strengthen the financial resources of panchayats and it is hoped that with better finances, such assets will not, as at present, be neglected.

So far as Block staff is concerned, they have been directed to pay greater attention to this problem of maintenance than to undertaking new works of the same kind.

CHAPTER XVII.—NIGHT HALTS IN THE VILLAGES

Government is in full agreement with the Committee on the usefulness of night halts and the efficacy of this "Night Halt Method". There are standing instructions on the subject so far as Block Development Officers and Deputy Commissioners are concerned and what is required is compliance with these instructions.

So far as Financial Commissioner, Development, is concerned, it may not be possible for him to spend two nights every month in villages, but he is all in favour of the method, which has long been approved and followed.

With the advent of Panchayati Raj, when responsibility will rest squarely on popularly elected bodies, the utility or need of night halts by such senior officers is questionable.

CHAPTER XVIII.—NEED FOR CONTINUOUS EVALUATION

With the advent of the Panchayati Raj, the structure, patterns, procedures, the responsibilities and the institutions of Community Development will be transformed materially. In the present state of flux, consideration of the suggestions made by the Committee would be rather out of place. The suggestion of the Government of India that the Administrative Intelligence Unit of the Community Development Organisation should be merged with the Organisation of the Economic and Statistical Adviser and that the job of evaluation should also be entrusted to the Economic and Statistical Adviser, being an agency independent of the Community Development Organisation, is, however, being considered along with the suggestion that the evaluation of Community Development work in Districts should be done regularly by a sub-committee of the Zila Parishad concerned.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : Page 27 of the Statement ਤੇ ਇਹ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ—

> "Government is fully aware of the fact that there are several misfits in the ranks of its Block Development Officers. As stated earlier, the records of all serving Block Development Officers have been screened with the following results....."

The result is that there are some Block Development Officers with thoroughly bad records....

Mr. Speaker : It is stated in para 2 at page 27 of the Report that the records of all serving Block Development Officers have been screened and it has been found that there are 55 good Block Development Officers, 93 Block Development Officers who have to be watched and who have to be advised/warned to improve and 22 with thoroughly bad records who are to be weeded out.

श्री राम प्यारा : जो स्टेटमैंट वज़ीर साहब ने हाउस के टेबल पर रखी है उसमें लिखा है स्पीकर साहिब, कि 22 B.D.Os को weed out करना है तो मैं पूछना चाहता हूं कि क्या इसके लिए कोई time रखा गया है ?

उप-मन्त्री : यह मामला अभी ज़ेरे गौर है ।

श्री राम प्यारा : जनाब, डिप्टी वज़ीर साहब, ने पहले यह लिखकर फरमाया है कि 22 B.D.Os निकाले जाएंगे और अब यह कहा कि यह मामला ज़ेरे गौर है तो मैं उनसे यह पूछता हूं कि इनमें कौनसी बात सच है ?

उप-मन्त्री : मेरा मतलब यही है कि weed out करने का मामला ज़ेरे गौर है ।

ਸਰਦਾਰ ਜਸਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ weed out ਕਰਨ ਲਈ ਕੀ procedure adopt ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜਾਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ?

उप-मन्त्री : उनकी रिपोर्ट्स देखी जाएंगी और जिनका काम निकम्मा हुआ उनको निकाला जाएगा ।

श्री बलराम दास टंडन : Weed out करने से सरकार का क्या मतलब है ? क्या उप-मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे ?

उप-मन्त्री : मैंने पहले भी बतला दिया और मैं फिर बताना चाहता हूं कि 22 B.D.Os ऐसे हैं जिनको गवर्नमैंट समझती है कि यह निकाले जाएंगे लेकिन अभी सारी चीज़ finalize होनी है और अभी तक फैसला नहीं किया गया ।

ਸਰਦਾਰ ਜਸਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ : ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ reports ਵੇਖ ਲਈਆਂ ਹਨ ?

उप-मन्त्री : Reports देखी हैं । सफा 27 पर यह लिखा है कि 'The records of all serving Block Development Officers have been screened' तो मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि scrutiny हो चुकी है । Observation हो चुकी है अब गवर्नमैंट के पास मामला है ।

श्री राम प्यारा : यह जवाब जो डिप्टी वज़ीर साहब ने दिया है यह किसकी तरफ से है ?

उप-मन्त्री : यह गवर्नमैंट की तरफ से है ।

श्री राम प्यारा : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बतायेंगे कि यह जो statement Table पर lay की गई है और उस में जो points दिये गये हैं क्या उन के सिवा और भी कोई points हैं जिन के बारे में यह गौर कर रही है ?

श्री अध्यक्ष : यह सवाल ही पैदा नहीं होता । (This question does not arise.)

Mr. Speaker : It is also stated in para 2 at page 27 that action to weed out those belonging to category III is being taken along with action to recruit replacements.

श्री बलराम दास टंडन : डिप्टी मिनिस्टर साहिब ने बतलाया है कि 22 B.D.Os. को चुन लिया गया है तो क्या वह यह बतायेंगे कि इन को कैसे select किया गया है ?

उप-मन्त्री : यह तो report को देख कर किया गया है। अगर आप शुरु से ही यही कह देते तो बेहतर होता। (It would have been better, if the hon. Deputy Minister had told this thing in the very beginning.)

Sardar Rajinder Singh : It is stated at page 6 of the Report—

"It may also be mentioned that action to weed out bad officials is being taken."

ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਡਿਪਟੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਕੀ ਫਰਮਾਨ ਹੈ ?

श्री बलराम दास टंडन : क्या डिप्टी वज़ीर साहिब बतलायेंगे कि इस report में यह जो लिखा है कि 93 के बारे में देख भाल की जाएगी तो इस देख भाल के लिए सरकार क्या procedure adopt कर रही है ?

श्री अध्यक्ष : उन को देखेंगे। (They will be watched. (*laughter*)

श्री बलराम दास टंडन : स्पीकर साहिब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया। मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह जो लिखा है कि 93 के बारे में देख भाल की जायेगी, क्या इन की देख भाल उसी normal procedure से की जायेगी जिस तरह से बाकी employees की होती है या कोई और तरीका अपनाया जायेगा ?

Mr. Speaker : It is stated in the Report that these officers have to be watched and advised/warned to improve.

श्री बलराम दास टंडन : तो क्या सरकार इस काम के लिए कोई अलग machinery बना रही है ?

Mr. Speaker : This is an administrative matter.

चौधरी इन्द्र सिंह : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बतलायेंगे कि Evaluation Committee की जो यह report आई थी कि Community Development के काम से village life पर कोई effect नहीं हुआ तो सरकार इस बारे में क्या कर रही है।

उप-मन्त्री : सारी report ही इसी चीज के बारे में है। यह report जो 35 सफे की है इसी बारे में है। तो इस के लिये सरकार जो कर रही है उस में मोटी सी बात तो यह है कि अब जो जिला परिषद और ब्लाक समितियां बनाई जा रही हैं यह Block Development का काम इन्हों ने करना है तो अब जब इन के ज़रिये Development के कामों की implementation होगी तो उस से village life पर ज़रूर असर पड़ेगा।

चौधरी इन्द्र सिंह : जो कुछ डिप्टी मिनिस्टर साहिब ने बताया है उस से क्या मैं यह समझूं कि इस काम पर जो आज तक रुपया खर्च किया जा रहा था वह बिल्कुल फजूल खर्च किया जा रहा था ?

उप- मन्त्री : नहीं यह बात नहीं है। जो improvements हम लाना चाहते हैं और उन के लाने के लिये Evaluation कमेटी ने जो अपनी observations में कहा था उन को लाने की भी हम ने कोशिश की है और आइंदा के लिए जब यह ज़िला परिषद और ब्लाक समितियां बन जायेंगी तो उन के ज़रिये हम Evaluation कमेटी की report के मुताबिक इस काम को implement करेंगे।

श्री राम चन्द्र कामरेड : क्या डिप्टी वज़ीर साहिब बतलायेंगे कि जिन अफसरान के काम को Evaluation कमेटी की report में thoroughly bad कहा गया है उन को क्या आप नई ब्लाक समितियों के elections तक रखेंगे ?

श्री अध्यक्ष : इस report में तो यह नहीं दिया। यह तो आप ने खुद ही बना लिया है। (It is not given in this report. This is a creation of the hon. Member's own mind.)

पंडित श्री राम शर्मा : क्या डिप्टी वज़ीर साहिब बतलायेंगे कि Evaluation कमेटी ने जो recommendations की हैं उन में से वह खास खास recommendations कौन सी हैं जिन को गवर्नमैंट ने मंजूर किया है या जिन जिन को नामंजूर किया है ?

उप-मन्त्री : वह तो report में दर्ज हैं।

Mr. Speaker : They have been laid on the Table.

पंडित श्री राम शर्मा ;: रिपोर्ट में तो दर्ज है लेकिन क्या खास तौर पर कुछ बताया जा सकता है ?

उप-मन्त्री : यह सब इस रिपोर्ट में है अगर आप चाहें तो इस की कापी आप को दी जा सकती है।

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ experienced District Development Officers ਕਦੋਂ ਤਕ ਲਗਾ ਦਿਤੇ ਜਾਣਗੇ ?

उप-मन्त्री : यह सवाल availability का है लेकिन यह फैसला कर लिया है कि कुछ आदमी Community Development के महकमे से B.D.Os. और Panchayat Officers में से select कर के यानी 8 in number Development Officers लगायेंगे।

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਕਿਸੇ ਸਾਲ ਵਿਚ experienced hands ਲਗਾਏ ਵੀ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ ?

उप-मन्त्री : जैसे available थे लगाए हैं। कोशिश यही है कि जो मौजूदा वक्त में experienced आदमी मिले उसे Development Officer लगाया जाए।

श्री शेर सिंह : उप मन्त्री महोदय ने बताया है कि 8 Development Officers लेंगे। मैं दरियाफ्त करना चाहता हूं कि Community Development Department से कितने और Panchayat Department से कितने लिये जायें ?

उप-मन्त्री : यह इस वक्त नहीं कहा जा सकता।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ jeeps ਦੇ ਮੁਤਲਕ ਸਫਾ 17 ਤੇ ਜੋ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਉਹ ਠੀਕ ਹੈ ਜਾਂ 28 ਸਫੇ ਤੇ ਜੋ ਕੁਝ ਲਿਖਿਆ ਹੈ—ਉਹ ਠੀਕ ਹੈ ?

उप मंत्री : 28 सफा पर जो लिखा है वह ठीक है ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਰਿਪੋਰਟ ਦੇ 17 ਸਫੇ ਤੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ

"..decision has been taken to pool all jeeps at the District-level so that Block Development and Panchayat Officers, the District Level Officers and Inspecting Officers may use those jeeps in the best interests of this work."

ਸਫਾ 28 ਦੇ para 6 ਵਿਚ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੈ—

"The proposal to place all these jeeps in a district pool under the Deputy Commissioner's administrative control is under consideration."

ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 17 ਸਫੇ ਵਾਲੀ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਜਾਂ 28 ਸਫੇ ਵਾਲੀ ?

उप मंत्री : 28 सफा पर जो लिखा हुआ है वह ठीक है। 17 सफा पर printing में गलती हो गई है।

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : Blocks ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ Extension Officers ਦੀਆਂ ਜਗ੍ਹਾਂ ਖਾਲੀ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਭਰਨ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਹੜੇ special ਕਦਮ ਚੁਕੇ ਹਨ ?

ਉਪ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਲੱਕ S.S.S. Board ਨੂੰ ਲਿਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤੇ ਦੂਜਿਆਂ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਤੋਂ ਵੀ ਆਦਮੀ ਲਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ , ਇਹ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ Industries Department ਤੋਂ recruitment ਕਰ ਕੇ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ staff ਭੇਜਿਆ ਜਾਏ ।

पंडित श्री राम शर्मा : किसी लफज़ की तो printing में ग़ल्ती हो सकती है लेकिन क्या इबारत भी ग़लत हो सकती है ?

उप मन्त्री : 'has been taken' के शब्दों की बजाए 'is being taken' शब्द होने चाहिये थे ।

DEMAND FOR PROBE INTO CAUSES OF RECENT FLOODS

***6409. Sardar Atma Singh :** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether Government received any demand for a probe into the causes of the recent floods in the State ; if so, from whom ;

(b) whether the said probe has been made ; if so, with what results, if not, the reasons therefor ?

Chaudhri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) No.

(b) Question does not arise.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਹੜ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਰਨਾਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਮੁਤਾਲਬਾ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਿਆ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਰੋਹਤਕ, ਕਰਨਾਲ, ਕਪੂਰਥਲਾ ਪਟਿਆਲਾ ਅਤੇ ਸੰਗਰੂਰ ਵਿਚ ਜੋ ਹੜ੍ਹ ਆਏ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਰਨਾਂ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਹੈ ਜਾਂ ਪੜਤਾਲ ਕਰਵਾਨ ਦਾ ਪਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਹੈ ?

Mr. Speaker : It has been asked.—

> "Whether Government received any demand for a probe into the causes of the recent floods in the State;...."

and the reply is "No.

सिंचाई तथा विद्युत मंत्री : जहां तक पड़ताल का सम्बन्ध है पिछले October Session में डाक्टर मंगल सैन की तरफ से आई हुई adjournment motion पर बहस के दौरान यह चीज़ वाज़े कर दी गई थी। शायद सरदार आत्मा सिंह यहां पर मौजूद नहीं थे !

श्री मंगल सेन : क्या वज़ीर साहिब फरमायेंगे कि क्या जांच की ज़रूरत न थी या मांग न की गई थी ?

मंत्री : जी नहीं ।

श्री मंगल सेन : मैं ने तो मांग की थी कि इसकी judicial enquiry होनी चाहिए ।

मन्त्री : इस का जवाब दिया जा चुका है ।

चौधरी इन्द्र सिंह : क्या वज़ीर साहिब बतायेंगे कि floods से हर साल भारी नुक्सान होता है तो इसके reasons में *suo moto* सरकार को investigate करना चाहिए था । इसमें मुतालबा आने की क्या ज़रूरत है ?

मन्त्री : इसका जवाब हाउस में दिया जा चुका है कि ज़रूरत नहीं थी।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि सवाल यह था कि floods के reasons में probe किए जाने के लिए demand आई है या नहीं तो जवाब दिया गया कि कोई demand नहीं आई। फिर एक और जवाब दिया गया है कि इस की ज़रूरत नहीं, तो कौनसी बात ठीक है ?

श्री अध्यक्ष : पहला जवाब तो original के बारे में था और दूसरा जवाब supplementary के बारे में था । (First part of the reply given by the hon. Minister relates to the original question and the second part to that of the supplementary.)

APPLICATION OF ROHTAK-DELHI TRANSPORT CO., FOR NEW ROUTE PERMITS

***6761. Shri Mangal Sein :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether Government have received any application from the proprietors of the Rohtak-Delhi Transport Co. for any new route-permits ; if so, the details thereof and the action taken thereon ?

Rao Birendar Singh : No application for the grant of stage carriage permits on new and kacha routes has been received from the Rohtak-Delhi Transport Company, Rohtak.

श्री मंगल सेन : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि अगर proprietors ने खुद नहीं तो जनता के हस्ताक्षर करवा कर किसी route के दिए जाने की मांग की है कि service अच्छी है route permit ज्यादा मिलने चाहियें ?

Mr. Speaker : This is not relevant.

INCREASE IN BUSES OF PUNJAB ROADWAYS

***6762. Shri Mangal Sein :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether the number of buses owned by the Punjab Roadways has been added to ; if so, by how much and the names of the routes on which the extra buses are operating ?

Rao Birendar Singh : (a) Total number of buses added during 1960-61 .. 158

(b) A statement showing routes on which these buses are operating is laid on the Table of the House.

Statement showing Routes on which the Buses are operating

1. Gurgaon-Palwal-Hodel
2. Gurgaon-Ferozepur Jhirka
3. Gurgaon-Mathura
4. Gurgaon-Hodel
5. Delhi-Hodel
6. Rohtak-Delhi
7. Bhiwani-Hansi-Tosham
8. Rohtak-Bhiwani
9. Bhiwani-Loharu
10. Gurgaon-Manasir
11. Gurgaon-Pataudi
12. Sirsa-Dabwali
13. Rohtak-Sonepat-Meham
14. Rohtak-Jhajjar-Bahadurgarh
15. Hissar-Rohtak
16. Delhi-Sonepat-Panipat
17. Delhi-Kaithal
18. Delhi-Nagina
19. Rohtak-Gohana
20. Sirsa-Sangaria
21. Rohtak-Dadri
22. Delhi-Barri-Rohtak
23. Rohtak-Sampla
24. Faridabad-Hodel
25. Rewari-Narnaul
26. Delhi-Chandigarh-Nangal(Deluxe)
27. Sirsa-Hissar
28. Bawal-Tijara
29. Hansi-Khandakheri
30. Hissar-Ratia
31. Fatehabad-Tohana
32. Gurgaon-Rewari
33. Loharu-Bhiwani
34. Bhiwani-Rohtak-Hissar
35. Gurgaon-Frankanagar
36. Rohtak-Sonepat
37. Ratia-Tohana
38. Sonepat-Gohana
39. Bhiwani-Tosham
40. Hansi-Narnaud
41. Rohtak-Sonepat
42. Hansi-Hissar
43. Ambala-Naraingarh
44. Ambala-Shahzadpur
45. Karnal-Kaithal
46. Karnal-Panipat
47. Karnal-Kalesar
48. Karnal-Jamna Bridge
49. Karnal-Jagadhri
50. Kaithal-Guhla

51. Kalka-Rupar
52. Ambala-Kharar, via Banur
53. Ambala-Rupar
54. Ambala-Ludhiana
55. Ambala-Kalka
56. Shabad-Sadhaura
57. Karnal-Assandh
58. Thanesar-Ranjitpura
59. Karnal-Delhi
60. Rupar-Morinda
61. Rupar-Barnala
62. Rupar-Anandpur-Nangal
63. Rupar-Sirhind
64. Rupar-Gangowal
65. Jullundur-Hoshiarpur
66. Ludhiana-Malaud
67. Ludhiana-Jagraon
68. Ludhiana-Samrala
69. Samrala-Morinda
70. Ludhiana-Raikot
71. Raikot-Jagraon
72. Batala-Gurdaspur
73. Jullundur-Nawanshehar
74. Pathankot-Jammu
75. Jullundur-Nakodar
76. Jullundur-Mehatpur
77. Garhshanker-Nawanshehar
78. Batala-Sri Hargobindpur
79. Batala-Ghuman
80. Jullundur-Alawalpur
81. Jullundur-Sri Hargobindpur
82. Ludhiana-Jullundur
83. Hoshiarpur-Dharamsala
84. Pathankot-Baijnath
85. Pathankot-Dalhousie
86. Pathankot-Dharamsala
87. Hoshiarpur-Nangal
88. Hoshiarpur-Una
89. Nangal-Sujanpur Tira
90. Ludhiana-Ambala
91. Hoshiarpur-Dasuya
92. Kapurthala-Phagwara
93. Moga-Harike
94. Moga-Kotkapura
95. Malout-Muktsar
96. Malout-Dabwali
97. Malout-Abohar
98. Abohar-Fazilka
99. Ferozepur-Mukatsar
100. Ferozepur-Moga
101. Talwandi-Harike
102. Zira-Harike
103. Ferozepur-Makhu
104. Amritsar-Khem Karan
105. Amritsar-Harike via Bhikhiwind
106. Amritsar-Majitha
107. Amritsar-Ajnala
108. Amritsar-Pathankot
109. Dabwali-Giddarbaha
110. Amritsar-Naushehra-Dhalla
111. Fazilka-Hanumangarh
112. Tarn Taran-Patti-Sibrah
113. Dera Baba Nanak-Batala
114. Dera Baba Nanak-Fatehgarh Churian
115. Muktsar-Bhatinda
116. Amritsar-Wachhoa
117. Tarn Taran-Verowal.

श्री मंगल सेन : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि जो फैसला 50 : 50 route पर private Bus Owners और Punjab Roadways की buses run करने का हुआ था वह ratio पूरी हो चुकी है ?

सिंचाई तथा विद्युत मन्त्री : यह ratio 1961-62 के end तक पूरी होगी।

SUPPLY OF ELECTRICITY TO NANGAL FERTILIZER FACTORY

***6495. Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether electricity has been supplied to the Nangal Ferilizer Factory according to its needs ?

Rao Birendar Singh : Yes.

KULU-LAHAUL SPITI ROAD

***6494. Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Public Works be pleased to state:

(a) the up to-date progress made in the construction of the Kulu-Lahaul Spiti Road, its length and width ;

(b) the length of the incomplete portion of the said road and the time by which it is expected to be completed.

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : As all the border road schemes are of top secret nature, it is not in the public interest to disclose the information asked for.

श्री बलराम दास टंडन : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब फरमायेंगे कि सड़क बनाने में top secret की बात क्या है ?

उप मन्त्री : क्योंकि वह Border का इलाका है ।

श्री बलराम दास टंडन : क्या सड़कें वहां पर बार्डर के point of view से बनाई जाती हैं या कि उस इलाके की development को दृष्टिकोण में रख कर बनाई जाती हैं ?

उप-मन्त्री : इन्होंने Border Road के बारे में पूछा है ।

श्री राम प्यारा : डिप्टी मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि यह public interest में नहीं है । मैं पूछना चाहता हूं कि क्या वहां पर foreigners को जाने की ममानअत है ? उन्होंने वहां जा कर नहीं देखा है ?

उप मन्त्री : इस बात को Central Government जानती है ।

चौधरी इन्द्र सिंह : इस सवाल से यह बात तो जाहिर नहीं होती कि यह Border Road है । क्या मैं पूछ सकता हूं कि वहां पर आने जाने की ममानअत है, कोई development का काम वहां पर नहीं हो रहा ?

उप मन्त्री : जिस रोड के बारे में उन्होंने पूछा है वह Border Road Scheme में शामिल है ।

श्री शेर सिंह : इस Border Road को Defence Department बना रहा है या कि पंजाब सरकार बना रही है ?

उप मंत्री : खर्च उन का हो रहा है लेकिन बना पंजाब सरकार रही है ।

श्री राम प्यारा : यह जो जवाब में बताया गया है कि 'It is not in public interest to disclose. मैं पूछता हूं कि इस में कौन सा public interest involved है । हर एक आदमी जा कर वहां पर देख सकता है । इस में छिपाने की कौनसी बात है ?

उद्योग मन्त्री : मैं अर्ज करूंगा कि जिन सवालों के जवाब में defence point of view से हाउस में information देना नामुनासिब हो वहां hon. Members को persist नहीं करना चाहिये ।

श्री अध्यक्ष : ऐसे सवालात के बारे में जिन में हमारे Defence वगैरह के मुताल्लिक इतलाह मांगी गई हो मुझे पहले पता होना चाहिये ताकि मैं उन को disallow कर सकूं । (In such questions through which information regarding our defence etc. is sought, I should have prior information so that I may be able to disallow them.)

PANIPAT-MUNAK ROAD

***6825. Dr. Parma Nand :** Will the Minister for Public Works be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the construction of Panipat-Munak Road was duly approved in the Second Five Year Plan ; if so, the date when the construction thereof was started together with the mileage so far constructed ;

(b) the approximate date when it is likely to be completed ?

Chaudhri Suraj Mal : (a) Yes ; but it was subsequently deleted and as such the question regarding the date of its start, etc. does not arise.

(b) Does not arise.

डाक्टर परमानन्द : क्या मैं पूछ सकता हूं कि जब यह सड़क दूसरी पांच साला योजना में मंजूर की गई थी इस को drop क्यों किया गया ?

उप-मंत्री : यह सड़क शूगर फैक्टरी रोड स्कीम में रखी गई थी। लेकिन बाद में लोगों की तरफ से शिकायतें आईं कि इस का कुछ फायदा नहीं होगा क्योंकि वहां पर आबादी ही नहीं है। इस लिये कैबिनिट के फैसले के अनुसार उस सड़क का नाम बदल कर ज्यादा आबाद इलाके में बना दी गई है।

चौधरी इन्द्र सिंह : मैं वज़ीर साहिब से यह पूछना चाहता हूं कि क्या इस को 2nd Five-Year Plan में approve नहीं किया गया था ?

लोक कार्य मन्त्री : जी हां दरुस्त है। इस को इस Plan में तैयार करने के लिये approve किया गया था लेकिन जिस रास्ते से यह निकलती है उस में थोड़ी बहुत कमी बेशी की गई है। क्योंकि इस सड़क को निकालने के लिए कुछ मिट्टी डालनी थी मगर मिट्टी डालने के लिये लोग नहीं आये इस लिये इस की alignment बदल दी गई है।

चौधरी इन्द्र सिंह :On a point of Order, Sir, जनाब. Deputy Minister और Minister दोनों के जवाबात में vast difference है। हम किस को सही मानें। एक कहते हैं delete कर दी गई थी दूसरे कहते हैं delete नहीं की बल्कि मिट्टी डालने वाले नहीं आये थे इस लिये alignment change कर दी गई है।

श्री अध्यक्ष : बताईये कि असल बात है क्या ? (Please let the House know what is the actual position) ?

उप-मन्त्री : जनाब, पानीपत-मूनक जो सड़क थी वह तबदील करके मूनक-कुहाव बना दी गई है।

Mr. Speaker : The first alignment has been abandoned and so it is deleted.

लोक कार्य मन्त्री : मैं अर्ज़ कर दूं कि hon. Member साहिबान को थोड़ी सी misunderstanding हो गई है। इन की information के लिये मैं बता देना चाहिता हूं कि.........

श्री अध्यक्ष : वह ग़लत-फहमी दूर हो गई है अब। (That misunderstanding has been removed now.)

श्री बलराम दास टंडन : क्या इस सड़क के बारे में इस साल के बजट के अन्दर provision की गई है ?

Mr. Speaker : This supplementary has no concern with it.

श्री राम प्यारा : इस सड़क को delete करने के लिये Deputy Minister साहिब ने फरमाया है। क्या इस चीज़ की Cabinet से पहले मंज़ूरी ले ली गई थी ?

उप-मंत्री : इस की Cabinet से ही मंज़ूरी ली गई थी।

डाक्टर परमानन्द : क्या वज़ीर साहिब यह बात बतायेंगे कि आया alignment change करने के मुतालिक कापड़ी गांव के लोगों की तरफ से representation आई थी या कि किसी कांग्रेसी M. L. A. की तरफ से आई थी ?

Mr. Speaker : It has no concern with it.

BANNING THE ENTRY OF THE DAILY KHALSA SEWAK, NEW DELHI IN THE STATE

*6456. **Sardar Atma Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the date since when the entry of the daily 'Khalsa Sewak', New Delhi has been banned in the State and the reasons therefor ;

(b) whether the Emergency Sub-Committee of the Press Advisory Committee was consulted before taking this step ; if so, when and if not, the reasons therefor ?

Shri Mohan Lal : (a) 2nd November, 1960. The newspaper was found to be carrying on persistent, calculated propaganda in favour of Punjabi Suba agitation prejudicial to the maintenance of communal harmony in the State and likely to affect public order. The orders have since been rescinded on 9th January, 1961.

(b) No. In emergent cases Government takes action and informs the Governor."

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਖਾਲਸਾ ਸੇਵਕ ਅਖਬਾਰ ਤੇ 2-11-60 ਨੂੰ ਪਾਬੰਦੀ ਲਗਾਈ ਗਈ ਕਿਉਂ ਜੋ ਉਹ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਪਰਚਾਰ ਕਰਦਾ ਸੀ। ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਪਾਬੰਦੀ

ਆਇਆ ਉਨਾਂ ਅਖਬਾਰਾਂ ਤੇ ਵੀ ਲਾਈ ਗਈ ਸੀ ਜੋ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਤਹਿਰੀਕ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਤੋਂ ਰੁਪਏ ਲੈ ਕੇ ਪਰਚਾਰ ਕਰਦੇ ਸਨ ?

ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਗਲ ਇਹ ਕਹੀ ਸੀ ਕਿ ਅਖਬਾਰ ਲਿਖਦਾ ਸੀ —

Prejudicial to the maintenance of communal harmony in the State and likely to affect public order.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਬੋਲੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਸੂਬਿਆਂ ਦੀ ਹਦ ਬੰਦੀ ਦਾ ਪਰਚਾਰ ਕਰਨਾ ਵਿਧਾਨ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹਦਾ ਜਵਾਬ ਬਿਲਕੁਲ ਸਿੱਧਾ ਹੈ । ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਅਖਬਾਰ ਦੀ ਲਿਖਤ ਉਸ ਹਦ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚ ਜਾਵੇ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ public peace ਤੇ law and order maintain ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਨੁਕਸ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇ ਐਸੇ ਅਖਬਾਰ ਦੇ ਦਾਖਲੇ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਤਹਿਰੀਕ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਸਿੱਖਾਂ ਤੇ ਜਿਹੜਾ ਧੱਕਾ ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਦਿਲੀ ਵਿਚ ਕੀਤਾ, ਜਿਹੜਾ ਜ਼ੁਲਮ ਅਤੇ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਕੀਤੀ, ਡਾਂਗਾਂ ਚਲਾਈਆਂ, ਗੋਲੀਆਂ ਚਲਾਈਆਂ ਅਤੇ tear gass ਸੁਟੀ, ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਸਖਤੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੀਤੀ ਇਸ ਉਤੇ ਪਰਦਾ ਪਾਉਣ ਲਈ ਹੀ ਇਸ ਅਖਬਾਰ ਦੇ ਉਤੇ ਪਾਬੰਦੀ ਲਗਾਈ ਗਈ ?

Mr. Speaker : This is not a supplementary question.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ, ਜਨਾਬ, ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਸ ਸਖਤੀ ਤੇ ਪਰਦਾ ਪਾਉਣ ਲਈ ਹੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਅਖਬਾਰ ਉਤੇ ਪਾਬੰਦੀ ਲਗਾਈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਗਲ ਬਿਲਕੁਲ ਮਨਘੜਤ ਹੈ। ਗਲਤ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਵਿਧਾਨ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ?

Mr. Speaker : I am sorry I cannot allow a supplementary question asking for opinion about legal matters.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਹ, ਜਨਾਬ, ਬੜਾ important ਸਵਾਲ ਹੈ । ਪ੍ਰੈਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਅਧਿਕਾਰ ਖੋਹ ਲਏ ਗਏ ਹਨ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਕ Press Advisory Committee ਬਣਾਈ ਹੋਈ ਹੈ । ਕਾਇਦੇ ਔਰ ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਤਾਹਿਤ ਜੇ ਕਿਸੇ ਅਖਬਾਰ ਉਤੇ ਪਾਬੰਦੀ ਲਗਾਣੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਮਾਮਲਾ Press Advisory Committee ਪਾਸ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਅਖਬਾਰ ਉਤੇ ਪਾਬੰਦੀ ਲਗਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਅਖਬਾਰ ਦਾ ਮਾਮਲਾ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਪਾਸ ਭੇਜਿਆ ?

ਮੰਤਰੀ : Emergency cases ਵਿਚ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ । ਉਸ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਅਸੀਂ action ਲੈਕੇ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ P ess Advisory Committee ਦੇ convener ਨੂੰ ਇਤਲਾਹ ਦੇ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਔਰ ਇਸ case ਵਿਚ ਵੀ ਇਤਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਗਈ।

MURDERS IN AREA COMPRISING POLICE STATION PHAGWARA

***6457. Sardar Atma Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any murders took place in the area comprising Phagwara Police Station during October, 1960 ; if so, the names of those who were murdered together with the addresses of the deceased ;

(b) whether the Superintendent of Police, Kapurthala received any representations for maintaining peace in the jurisdiction ; if so, when, the details thereof and the action taken thereon ;

(c) whether any persons were bound down for maintaining peace in the said area ; if so, their names, if not, the reasons therefor ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : A statement is laid on the Table.

STATEMENT

(a) One case, Sohan Singh, son of Jarnail Singh, resident of Village Panchhat, was murdered.

(b) Yes. The details of the applications are given below—

Serial No.	Name of the complainant	Date of receipt of application	Names of persons complained against	Action taken
1	2	3	4	5
1	Chatu Ram, son of Karam Singh of village Bhanoki	10-10-60	1. Karam Singh, 2. Ram Singh of Village Bhanoki	The parties compromised through Village Panchayat.
2	Puna Singh of Village Toderpur	21-10-60	(1) Jagat Singh, son of Bishan Singh (2) Charan Singh, son of Jagat Singh (3) Joga Singh, son of Jagat Singh (4) Bhajan Singh, son of Jagat Singh (5) Gurnam Singh, son of Mehan Singh All of Village Wahdan	Proceedings under section 107/150, Cr. P.C. pending in the court of S.D.M., Phagwara

Serial No.	Name of the complainant	Date of receipt of application	Name of persons complained against	Action taken
3	Hari Kishan Parmar of village Toderpur	28-10-60	Ditto ..	Proceedings under section 107/150, Cr. P.C. pending in the Court of S.D.M., Phagwara
4	Puran, son of Dehru Ramgarhia of Bhagana	26-10-60	(1) Sujan Singh, son of Lachhman Singh (2) Tulsi, son of Puran (3) Kartar Singh (4) Ram Singh (5) Kulwant Singh, son of Gujjar Singh (6) Sagli Ram, son of Jamna Dass of Bhagana	The allegations contained in the application were found false
5	Shankar Dass, son of Moti Ram, of Phagwara	28-10-60	(1) Amrit Lal (2) Sant Ram (3) Sohan Lal of Phagwara	The parties compromised
6	Chibo, w/o Ashar Paul of Panchhat	29-10-60	(1) Bali (2) Fattu of Panchhat	The allegations contained in the application were found false
7	Manso, w/o Joginder Singh	29-10-60	(1) Sowarna (2) Dharma of village Panchhat	Ditto
8	Shankari, w/o Parkash of Village Panchhat	31-10-60	(1) Arju (2) Prema of village Panchat	Ditto

Besides, the following applications were received by the Station House Officer, Police station Phagwara direct from the complainants :—

Serial No.	Name of the complainant	Date of receipt of application	Name of persons complained against	Action taken
1	Mst. Parmeshri, w/o Jarnail Singh, Rajput of Panchhat	10-10-60	(1) Udepal Singh, son of Kundan (2) Salu } sons of Tha- (3) Lahori } kar Dass (4) Mohan, son of Natha (5) Sohan Singh, son of Jawala (6) Hans Raj, son of Sundar (7) Chaman Singh, son of Harnam Singh (8) Chanan, son of Khazan Singh (9) Parkash, son of Madu (10) Santa Singh, son of Jawand Singh (11) Dilbagh, son of Madu (12) Bhag, son of Thakar (13) Joginder Singh, son of Bhola (14) Resham, son of Ganga Ram (15) Piara, son of Hukam Singh	Proceedings under section 107/151, Cr. P.C., pending in Court

[Deputy Minister]

Serial No.	Name of the complainant	Date of receipt of application	Name of persons complained against	Action taken
			(16) Jaimal, son of Hukam (17) Piara, son of Hukam Singh (18) Jagtu, son of Basant Ram (19) Milkha Singh, son of Daya Singh (20) Sohan, son of Nathoo (21) Joginder, son of Babu All Rajputs of village Panchhat	
2	Hazara Singh, son of Babu Singh of Panchhat	11-10-60	(1) Lahora Singh, son of Basant Singh (2) Hardial Singh, son of Gurdas Singh (3) Pritam Singh, son of Gurdas Singh	Arrested under section 151, Cr. P.C. and proceedings pending in the court of S.D. M. Phagwara
			(4) Jaimal Singh, son of Lohara Singh (5) Gurdas Singh, son of Megh Singh (6) Lachman Singh, son of Megh Singh	Proceedings under section 107/150, Cr. P.C. pending in the Court of S.D.M. Phagwara
3	Ditto ..	7-10-60	(1) Lahora Singh, son of Basant Singh (2) Jaimal Singh, son of Lahora Singh (3) Gurdas Singh, (4) Lachhman Singh, sons of Megh Singh (5) Dharam Bir, son of Milkhi (6) Avtar Singh, son of Waryam Singh (7) Waryam Singh, son of Arjan Singh	Proceedings under section 107/151, Cr. P.C., pending in court.
4	Chanda Singh, son of Jaimal Singh of Village Panchhat	7-10-60	(1) Mohna, son of Jawala (2) Mohna, son of Natha Singh (3) Hans Raj, son of Sundar Singh (4) Jowala, son of Ghaneya (5) Natha Singh, son of Waryam Singh	Proceedings under section 107/151, Cr. P.C. pending in the court.

(c) Three persons were bound down for maintaining peace in the said area during October, 1960. A part from this, proceedings under section 107/151, Cr. P.C., and 107/150 Cr. P.C., are pending in the court of S.D.M., Phagwara, against 27 and 8 persons respectively.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਜੋ statement ਮੈਨੂੰ ਮਿਲੀ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ਕਿ ਪਿੰਡ ਪਾਂਛਟ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਸੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦਾ ਕਤਲ ਹੋਇਆ। ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਦਰਖਾਸਤ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਦਿੱਤੀ ਉਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਕਤਲ ਹੋਇਆ ਜਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ?

उप-मन्त्री : जो दरखास्तें police station में आई उनका सवाल के पहले part के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है । कत्ल के सिलसिले में पहले कोई दरखास्त नहीं पहुंची ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ local officers ਪਾਸ ਇਸ ਕਤਲ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਐਸੀਆਂ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਪਹੁੰਚੀਆਂ ਕਿ ਇਸ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਖਤਰਾ ਹੈ ਔਰ ਕੀ ਕਤਲ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ?

श्री अध्यक्ष : जो कुछ आपने पूछा उसका जवाब दे दिया गया है । (Whatever was asked by the hon. Member in the main question has been replied to.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਪਿੰਡ ਦੇ ਆਦਮੀਆਂ ਨੇ ਇਸ ਕਤਲ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਭੇਜੀਆਂ ਪਰ local officers ਨੇ timely action ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਔਰ ਕਤਲ ਹੋਇਆ ।

श्री अध्यक्ष : यह supplementary question नहीं है (This is not a supplementary question).

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਜਿਹੜੀ bind down ਕਰਨ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਹੋਈ ਹੈ ਉਹ ਕਤਲ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹੋਈ ਹੈ । ਇਹ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਅਣਗਹਿਲੀ ਦੇ ਕਾਰਨ ਕਤਲ ਹੋਇਆ ।

उप-मंत्री : इन का पहला सवाल यह था कि क्या उस गांव में कत्ल हुआ उसका जवाब दे दिया गया है । दूसरा सवाल यह था कि police station की jurisdiction में किस किस्म की complaint आईं, कितनी आइ । एक गांव की बाबत नहीं सारे police station की jurisdiction की बाबत सवाल पूछा था । यह बता दिया गया है । जहां तक उस गांव का सवाल है कत्ल से पहले कोई दरखास्त नहीं आई कि कोई ऐसा खतरा मौजूद है ।

ARRESTS OF EMPLOYEES OF CO-OPERATIVE SUGAR MILLS, PANIPAT

***6749. Shri Ram Piara :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) with reference to the reply to starred question No. 6072 printed in the list of questions for 18th October, 1960 whether the case has been investigated ; if so, the result thereof ;

(b) the name of authority who has investigated or is investigating the said case ;

(c) whether after the enquiries, any action has been taken against the persons involved ; if so, what ;

(d) the dates when the investigation was started and when it was completed separately ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) Yes. Challan is being put in court.

(b) Sub-Inspector Amar Nath, Assistant Sub-Inspectors Mulk Raj and Vishwa Mitter.

(c) Yes, 7 accused are being sent up.

(d) The investigation was taken up on 21st January, 1959. It is almost complete.

श्री राम प्यारा : क्या मनिस्टर साहब बतायेंगे कि जिन enquiry officers के उन्होंने नाम बताये हैं उन में से कोई शख्स काफी अर्सा पहले retire भी हो चुका है ?

उप-मंत्री : इसके मुताल्लिक separate notice दें ।

श्री राम प्यारा : Deputy Minister साहिब ने बताया है कि almost complete है। क्या मैं पूछ सकता हूं कि आखरी कार्यवाही कब हुई थी ?

उप-मंत्री (श्री हरबंस लाल) : इस के लिए आप separate notice दें ।

श्री राम प्यारा : मैं ने यह तो, जनाब, सवाला में भी पूछा है कि when was this enquiry completed ?

उप-मंत्री : मैं ने अर्ज कर दिया है कि enquiry almost complete हो चुकी है बाकी इस के इलावा हो सकता है कि कोई procedural चीज रहती हो क्योंकि challan पेश करने से पहले अगर कोई कमी रह गई हो तो उसे clarify करने के लिये या उस कमी को पूरा करने के लिये उस case को फिर investigating agency के पास भेजा जाता है ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ Deputy Minister ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਸ inquiry ਲਈ ਦੋ ਸਾਲ ਦਾ ਅਰਸਾ ਕਿਉਂ ਲਗਾ ਹੈ ?

ਉਪ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਵਿਚ ਪਹਿਲਾਂ accused ਦੀ arrest ਤੋਂ ਬਾਅਦ inquiry ਹੋਈ । ਜਦੋਂ ਉਹ prosecuting agency ਦੇ ਪਾਸ ਗਈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕੁਝ points ਹੋਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ enquiry ਕਰਨੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ points ਤੇ ਫੇਰ inquiry ਹੋਈ । ਬਾਕੀ ਜਿਥੋਂ ਤਕ delay ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ S. P. ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਜਿਸ Officer ਦੇ ਕੋਲੋਂ delay ਹੋਈ ਹੈ ਕੀ Government ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਕੋਈ action ਲਏਗੀ ?

Deputy Minister : If the facts of the case warrant any action it would be taken.

डाक्टर परमानन्द : क्या Deputy Minister साहिब बतायेंगे कि क्या वह मुलाजिम आज भी उस sugar factory में काम कर रहे हैं जिन के खिलाफ cases हैं। ?

उप-मन्त्री : मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि वह Co-operative Sugar Factory है। इस लिये Government के service rules उन पर लागू नहीं हैं। उन की अपनी मर्जी है वह उन्हें suspend करें या न करें।

CASES OF CORRUPTION REGISTERED IN THE STATE DURING 1960

***6805. Sardar Rajinder Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of cases of corruption, if any, registered in the State against Gazetted, Non-Gazetted and Class IV Government servants during the year from January 1, 1960 to December 31, 1960 ;

(b) the number of cases referred to in part (a) above which were sent up to the courts for trial and the number of those in which sentences were awarded respectively ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) 155 trap cases were registered.

(b) Only one case was sent up to the Court. In other cases appropriate departmental action was taken.

चौधरी निहाल सिंह : जनाब, इस में corruption के cases का नम्बर पूछा गया है। मैं पूछना चाहता हूं कि कौन २ से cases corruption के समझे जाते हैं। एक तो वह cases हैं जो Corruption Act के तहत आते हैं। इस के अलावा और किस किस्म के cases corruption में आते हैं ?

श्री अध्यक्ष : सवाल का जवाब तो साफ है। (The reply to the original question is quite clear.)

ACCOMMODATION FOR INDOOR PATIENTS IN THE CIVIL HOSPITAL, DHARAMSALA

***6813. Chaudhari Hari Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the number of indoor patients in the Civil Hospital, Dharamsala as at present as well as the number of such patients treated therein in the last 5 years ;

(b) whether there is any proposal under the consideration of Government to add to the number of beds for indoor patients in the said hospital ?

Dr. Prakash Kaur (Deputy Minister) : (a)—

Present number of patients	..	54
Treated in 1956	..	553
Treated in 1957	..	453
Treated in 1958	..	587
Treated in 1959	..	851
Treated in 1960	..	1,353

(b) Yes.

SETTING UP OF MILLS IN THE STATE

***6570. Shri Ram Piara** (on behalf of **Maulvi Abdul Ghani Dar**) **: Will** the Minister for Industries be pleased to state:

(a) the names of parties in the State, district-wise, who were given permission for setting up rolling mills, flour mills, sugar mills, paper mills, cloth mills and cotton mills separately, during 1960-61 ;

(b) whether the parties referred to in part (a) above obtained any loan from the Government or the Finance Corporation ; if so, the maximum and minimum amounts of loans obtained by them ;

(c) whether the Government acquired debentures or partnership rights of any of the said mills; if so, the value and conditions thereof ;

(d) whether Government are themselves going to set up any of the said mills, if so, when ?

Shri Mohan Lal : (a) A statement giving the requisite information is laid on the Table of the House.

(b) No.
(c) No.
(d) No.

Statement showing the names of parties in the State, Districtwise who were given permission for setting up Mills during 1960-61

Serial No.	Name of the Undertaking	District
	I. ROLLING MILLS	
1	Saraswati Steel Rolling Mills, Gobindgarh	.. Patiala
2	Shree Ganesh Steel Rolling Mills, Gobindgarh	Patiala
3	Kumar Iron and Steel Works, Sonepat	.. Rohtak
	II. FLOUR MILLS	.. Nil
	III. SUGAR MILLS	.. Nil

Serial No.	Name of the Undertaking	District
	IV. PAPER MILLS	
1	Messrs Vinod Industries, Sampla, district Rohtak ..	Rohtak
2	Messrs Oswal Paper Mills, Ludhiana ..	Ludhiana
3	Messrs Amin Chand Payare Lal, Jullundur ..	Jullundur
4	Messrs Girdhari Lal-Jagdish Lal, c/o Lakshmi Electric Flour Mills, Miller Ganj, Ludhiana ..	Ambala
5	Messrs Bharat Carbon and Ribbon Manufacturing Co., Ltd., New Delhi ..	Gurgaon
	V. CLOTH MILLS	
1	Messrs Rama Krishna-Kulwant Rai, 50, G.B. Road, Delhi (Spinning) ..	Gurgaon
2	Messrs Ghaki Mal-Hukam Chand, Miller ganj, Ludhiana (Spinning) ..	Panipat
3	Messrs Hissar Textile Mills Co., The Delhi Cloth and General Mills, Co., Delhi (Spinning) ..	Hissar
4	Messrs The Punjab Cloth Mills, Bhiwani (Weaving) ..	Hissar
	VI. COTTON MILLS	
		Nil

श्री राम प्यारा : क्या वज़ीर साहिब बतायेंगे कि जिन को licence दिया गया है क्या किसी ने काम शुरु किया है ?

मन्त्री : इस के लिए separate notice चाहिए ।

CLOSURE OF FACTORIES ETC. DUE TO SHORTAGE OF ELECTRICITY

***6572. Maulvi Abdul Ghani Dar :** Will the Minister for Industries be pleased to state the number of factories, foundries and mills in each district of the State which were closed due to the shortage of electric power in 1959-60 and 1960-61 together with the period for which each of them remained closed ?

Shri Mohan Lal : None ; the supply of power was not stopped altogether at any stage, but only a cut was applied.

CLOSURE OF FOUNDRIES IN JULLUNDUR DISTRICT

***6735. Dr. Bhag Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to State whether it is a fact that about 80 per cent of foundries in Jullundur District remained closed due to coal shortage in January, 1961, if so, the manner in which shortage of coal is intended to avoid in future ?

Shri Mohan Lal : (i) Out of about 1,100 foundries in Jullundur District, about 50 remained entirely closed during January, 1961, while a number of other foundries remained partially closed for one week or two due to coal shortage.

[Minister for Industries]

(ii) On receipt of individual complaints, the Department moved the Deputy Coal Controller (D), Calcutta, by letters and by telegrams requesting him to arrange despatches of coal on priority basis to such concerns. In future also the Departments will make all efforts to procure maximum supplies of coal for the foundries.

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਜਦ coal ਦੀ supply ਬੰਦ ਹੋ ਗਈ ਤਾਂ ਕੀ ਇਸ ਲਈ Government of India ਪਾਸ request ਕੀਤੀ ਗਈ ? ਕੀ coal ਮਿਲ ਗਿਆ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਹੁਣ supply position improve ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਦਿਨ ਬਦਿਨ ਹਾਲਤ ਦਰੁਸਤ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ।

Dr. Bhag Singh : Have these foundries restarted working ?

ਮੰਤਰੀ : ਹਾਂ ਜੀ, ਹੁਣ position ਬਹੁਤ improve ਹੋ ਗਈ ਹੈ । ਸਭ ਦੇ ਮੁਤਲਕ ਤਾਂ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਮਗਰ ਚੂੰਕਿ supply ਦੀ ਹਾਲਤ improve ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਲਈ by and large working ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ।

WORKING OF QUARRIES IN NARNAUL

***6748. Shri Ram Piara :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) with reference to the reply to starred question No. 6075 printed in the list of questions for 19th October, 1960 the amount of lease money or contract money from each of the persons shown at Nos. 1 to 8, which stood in arrears as on 1st October, 1960 together with the amount due to each of the contractor in respect of mines in the district of Mohindergarh ;

(b) the details of outstanding amount received from each contractor todate and the reasons for non-recoveries of the balance, if any ;

(c) whether any action has been taken against those contractors from whom recoveries are not forthcoming ; if so, what ?

Shri Mohan Lal : A statement giving the requisite information is laid on the Table of the House.

Statement showing the Amount stood in arrears and due from the Lease-holders in Mohindergarh district

Serial No.	Location of Mine	Name of mineral	Name of lease-holder(s)	Arrears due from the lessee as on 1st October, 1960	Details of outstanding amount received from the lessee	Action taken to recover the amount
1	2	3	4	5	6	7
1	Marble mines in villages Autri Zonepur, Dhananta and Dhane choli	Marble Stone	Messrs B.R. Sawhney (Industries) Ltd., Kashmere Gate, Delhi	Nil	Nil	..
2	Villages Chapra, Bibipur, Antri, Zenpur and Beharipur	Iron ore	Shri Amar Singh, Proprietor, Messrs Indian Stone Lime Co., (Regd.) Sabzi Mandi, Delhi-6	Rs 775	Nil	The lessee has been issued a final notice to make the payment of the amount
3	Village Chapra Bibipur	Iron ore	Shri Shri Kishan Agarwal Neem-Ka-Thana (Rajasthan)	Rs 169 The amount has been paid by the lessee *vide* Treasury receipt No. 4, dated 26th December, 1960	..	..
4	Village Rasulpur ..	Calcite ..	Shri Raja Gopal Narain, Munshi Bagh Alwar (Rajasthan)	Not assessed	..	According to the records maintained by the lessee royalty on the mineral removed works out lower than the dead-rent. According to the Mineral Concession Rules, the lessee is liable to pay royalty or dead-rent whichever is higher in amount. Government have accorded sanction to transfer this lease to another party, who have undertaken to pay the arrears. Action to execute the agreement deed is being taken and the amount will be recovered from the new lessee

[Minister for Industries]

Serial No.	Location of mine	Name of mineral	Name of lease-holder(s)	Arrears due from the lessee as on 1st October, 1960	Details of outstading amount received from the lessee	Action taken to recover the amount
1	2	3	4	5	6	7
5	Villages Behali, Kanti and Nandi	Slate, stone, shale and allied minerals	Shri Diwan Singh Sethi, Prop.: Messrs Shree Partap Slate and General Works, Ateli	Rs 3,419.93	The amount has been paid by the lessee *vide* T.R. No. 7, dated 28th December, 1960	..
6	Village Dhanauta-Dyancholi	Iron ore	Shri Shri Krishan Aggarwal, Neem-Ka-Thana (Rajasthan)	(a) Rs 4,589 (b) Rs 46,019.05	(a) The amount has been paid by the lessee *vide* T.R. No. 5, dated 26th December, 1960 (b) Nil	(a) .. .. (b) The agreement deed prescribed the following rate of royalty on the ore:— (i) Used for extraction of iron R 0-8-0 per ton (ii) Used for other purposes R 1-0-0 per ton The lessee paid the royalty at the rate of Re 0-8-0 per ton for the period from October, 1953 to October, 1958, for which the original lessee was granted. The Department of Industries has claimed royalty at Re one per ton as it has been contended that the ore was used for other purposes. The lessee has served a notice on the Government that royalty at Re one per ton should not be recovered from him. The legal implications of Government claim are being examined

7	Villages Pachnuta, Masnuta and Rupar Sarai	Mica ..	Shri Gajinder Kumar	Rs 11,624.89 n.P. ..		A certificate under section 25 of the Mines and Minerals (Reg. and Dev.) Act, 1957 was issued to the Deputy Commissioner, Mohindergarh, District Narnaul to recover the amount from the defaulter as arrears of land revenue, but the recovery proceedings are held up, as Shri Gajinder Kumar has filed a case against the Government in the Court of Sub-Judge, 1st Class, Narnaul.
8	Dhani Bathutha ..	Limestone and dolomite	Shri Raghunath Singh, Narnaul	Nil	Nil	..

श्री राम प्यारा : यह जो item 4 है इस के बारे में लिखा है कि, 'arrears not assessed' और action taken के बारे में लिखा है According to the records maintained by the lessee royalty on the mineral removed marks out lower than the deed rent क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि क्या आप ने भी कोई record maintain किया हुआ है या lessee के record पर ही depend करते हैं ?

Minister : The accounts ought to have been kept and I presume they must have been kept.

श्री राम प्यारा : मैं पूछता हूं कि क्या सरकार अपना record रखती है ?

मंत्री : Royalty की payment minerals के उस quantum पर होती है जो वह despatch करते हैं । उस का account lessee के पास ही होता है। मसलन अगर iron ore का सवाल है तो यह देखा जाता है कि कितनी ore निकली है और कितनी बेची गई है । उस का account उस से लिया जाता है और अगर ज़रूरत हो तो verification कर लेते हैं ।

श्री राम प्यारा : क्या वज़ीर साहिब बतलायेंगे कि यह जो item No. 6 में लिखा हुआ है legal implications कौन examine कर रहे हैं ? आज तक examine हुई हैं या नहीं ?

Minister : I have no information at present, and will need a separate notice for this.

श्री राम प्यारा : यह गवर्नमेंट ने खुद ही लिखा है ।

मन्त्री : Law Department examine कर रहा है, Industries Department कर रहा है । I cannot say at present. Separate notice चाहिये ।

श्री राम प्यारा : यह legal implications कब तक examine हो कर खत्म हो जायेंगी ?

मंत्री : मैं इस वक्त इसके मुताल्लिक कुछ नहीं कह सकता ।

श्री राम प्यारा : इन्होंने item No. 6 में कहा है 8 आने per ton क्या गवर्नमेंट को पता है कि iron extraction के लिये या other purposes के लिए use हो रहा है जिसके लिए आज झगड़ा चल रहा है ?

मंत्री : झगड़े की बात नहीं है different minerals होते हैं different rates होते हैं । Government of India की Ministry की तरफ से rates मुकर्रर किए हुए हैं । इसमें कोई झगड़े की बात नहीं ।

श्री राम प्यारा : Minister साहिब कहते हैं कि rates Government of India की तरफ से मुकर्रर हैं । Statement में rates 8 आने और एक रुपया बताये हैं। इसी वजह से तो झगड़े चल रहे हैं और settle नहीं कर पाते।

Mr. Speaker : Where does the Government come in ?

श्री राम प्यारा : गवर्नमैंट को घाटा पड़ने वाला है इस लिये मैं यह कह रहा हूं ।

DEVELOPMENT OF INDUSTRIAL AREAS 'A' AND 'B' OF LUDHIANA

***6832. Sardar Ramdayal Singh** : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether there is any scheme under the consideration of Government for providing better lighting and drainage arrangements etc., in the Industrial areas 'A' and 'B' of Ludhiana ; if so, details thereof ;

(b) whether Government have fixed any time limit for implementing the above referred to schemes in the said areas, if so, what ?

Shri Mohan Lal : (a) Yes, there is a proposal to provide drainage in the Industrial Area 'A' and 'B' at Ludhiana at the total estimated cost of Rs 1,98,000. There is no proposal for providing lighting.

(b) No, the fixing of a time limit is not practicable.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ lighting arrangement ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਈ ਸਕੀਮ ਹੈ । ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਸਮਝਦੇ ਨੇ ਕਿ Industrial area A ਅਤੇ B ਵਿਚ proper lighting arrangement ਹੈ ?

ਮੰਤ੍ਰੀ : ਇਹ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ question ਇਹ ਹੈ ਕੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਜਿਹੜਾ industrial area develop ਕਰਨ ਦੀ undertaking ਲਈ ਸੀ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਖਾਸ ਖਾਸ facilities, ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ drainage ਵਗੈਰਾ ਵਗੈਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਹੈ । lighting arrangement municipal ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਇਹ industrial area ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਆ ਜਾਏਗਾ ਉਹ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰਨਗੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਸਵਾਲ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ industrial area ਹੈ ਤੇ muincipal limits ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਹਨ ਅਤੇ municipal ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਬਾਹਰ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਕੋਈ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰੇਗੀ ਯਾ ਨਹੀਂ ?

ਮੰਤ੍ਰੀ : ਇਸ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗੀ । ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਕਿ industrial area ਨੂੰ muncipal limits ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ already ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ, notification ਹੋ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ।

Mr. Speaker: No more Supplementaries now.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਕਲ ਕਰ ਲਵਾਂਗਾ ।

3 p. m.

Mr. Speaker : Question hour is over.

RESOLUTION(S)

Regarding making arrangements for fixing meters on the water courses and charging for the actual consumption of water. (Resumption of discussion).

Mr. Speaker : Now, the House will resume discussion on the resolution regarding making arrangements for fixing meters on the water courses and charging for the actual consumption of water.

Sardar Ramdayal Singh was in possession of the House when it adjourned on the 16th February, 1961. He may resume his speech.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ (ਲੁਧਿਆਣਾ ਦਖਣ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਜੋ Resolution ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ support ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਮੈਂ ਇਸ ਲਈ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਇਸ ਨੂੰ ਮੰਨ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ cultivators ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਸਚ ਮੁਚ ਬੜਾ beneficial ਸਾਬਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਜੇ metric system ਨੂੰ ਅਪਨਾ ਕੇ ਉਸਦੇ ਜ਼ਰੀਏ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਨਾਲ ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਅਬਾਦੀ ਦੇ ਇਕ ਬਹੁਤ ਵਡੇ ਹਿੱਸੇ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਥੋਂ ਦੀ 70 ਫੀ ਸਦੀ ਅਬਾਦੀ ਦਾ ਦਾਰੋਮਦਾਰ agriculture ਤੇ ਹੈ ਔਰ ਇਸ 70 ਫੀਸਦੀ ਦੇ ਵਿਚ ਲਗ ਭਗ ਅਧੀ ਅਬਾਦੀ ਨਹਿਰ ਦੇ ਪਾਣੀ ਤੋਂ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਕਰਦੀ ਹੈ ਜਿਸਦਾ ਮਤਲਬ ਹੋਇਆ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ $\frac{1}{3}$ ਅਬਾਦੀ ਨੂੰ ਇਹ ਚੀਜ਼ concern ਕਰਦੀ ਹੈ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਕਿਸਾਨਾਂ ਤੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦਾ ਤਅਲੁਕ ਹੈ ਇਸ system ਦੇ ਲਾਗੂ ਹੋ ਜਾਣ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਹੀ ਫਾਇਦਾ ਹੋਣਾ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਸ਼ਾਇਦ ਥੋੜਾ ਬਹੁਤ ਫਰਕ ਜ਼ਰੂਰ ਪੈ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਵੀ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਨਹਿਰਾਂ ਦਾ ਪਾਣੀ meteric system ਦੇ ਨਾਲ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿਉਂਕਿ ਬੜਾ economically ਵਰਤਿਆ ਜਾਵੇਗਾ, ਇਸ ਲਈ ਪਾਣੀ ਜ਼ਾਇਆ ਨਹੀਂ ਜਾਏਗਾ ਔਰ ਵਧ ਜਾਏਗਾ। ਫਿਰ ਪਾਣੀ ਤਾਂ ਸਾਰਾ ਲਗ ਹੀ ਜਾਣਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਵੀ ਕੋਈ ਘਾਟੇ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਔਰ ਫਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਕਿ ਜੇ ਇਹ ਘਾਟੇ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਵੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਵੀ ਮੈਂ ਸਮ੍ਰਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਕੋਈ ਖਾਸ ਫਰਕ ਨਹੀਂ ਪੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਆਮ public ਦਾ ਮੁਫਾਦ ਵੀ ਤਾਂ ਮਦੇਨਜ਼ਰ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਔਰ ਇਸ system ਨੂੰ ਲਗਾਣ ਲਈ ਮੰਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਇਸ Resolution ਨੂੰ ਸਿਰਫ accept ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਬਲਕਿ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਸ ਨੂੰ practice ਵਿਚ ਵੀ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੁਝ ਫਸਲਾਂ ਐਸੀਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰ ਇਕ ਪਾਣੀ ਨਹਿਰ ਦਾ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਬਾਕੀ ਪੰਜ ਜਾਂ ਛੇ ਪਾਣੀ ਖੂਹ ਤੋਂ ਲਾ ਕੇ ਪਕਾਉਂਦਾ ਹੈ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਈ ਫਸਲਾਂ ਨੂੰ ਉਹ ਪੰਜ ਜਾਂ ਸਤ ਪਾਣੀ ਨਹਿਰ ਦੇ ਦੇ ਕੇ ਪਾਲਦਾ ਹੈ ਪਰ ਆਬਿਆਨਾ ਦੋਹਾਂ

ਦਾ ਇਕੋ ਜਿਹਾ ਹੈ । ਜੋ ਪੁਰਾਣੀਆਂ canals ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜੋ authorised irrigation ਹੈ ਜਿਸ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਨਹਿਰ ਦੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਸੈਰਾਬ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ ਉਸ ਦੀ 60 per cent ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾਏਗਾ ਪਰ ਸਮਝਿਆ ਇਹ ਜਾਏਗਾ ਕਿ 100 ਫੀਸਦੀ ਨੂੰ ਉਹ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ 60 per cent ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ 100 per cent ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਆਬਿਆਨਾ ਲਗਦਾ ਹੈ । ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਆਬਿਆਨਾ ਤਾਂ ਆਪਣੀ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਦੇਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਪਾਣੀ 60 ਫੀਸਦੀ ਨੂੰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਤੇ 40 ਫੀਸਦੀ ਦਾ ਮਜ਼ੀਦ ਖਰਚਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਯਾਨੀ ਉਸ ਨੇ ਜਿਤਨੀ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦੇਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਉਹ ਫਾਲਤੂ ਖਰਚਾ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਜੇ metric system ਅਪਣਾ ਲਿਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਉਸ ਤੇ ਇਹ ਫਾਲਤੂ ਖਰਚਾ ਨਹੀਂ ਪਏਗਾ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਦਾ ਮੌਜੂਦਾ system ਹੈ ਇਹ production ਨੂੰ ਵੀ adversely affect ਕਰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਕੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਫਰਜ਼ ਕਰੋ ਸੌਣੀ ਦੀ ਫਸਲ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਚਰੀ, ਬਾਜਰਾ ਅਤੇ ਮੱਕੀ ਵੀ ਕਿਸੇ ਹਦ ਤਕ ਬਾਰਸ਼ ਨਾਲ ਬੀਜੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਔਰ ਬਾਰਸ਼ ਨਾਲ ਹੀ ਪਕਣ ਤਕ ਪਹੁੰਚ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਥੋੜੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿਚ ਪਕ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਔਰ ਆਖੀਰ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਫਸਲ ਪਕ ਰਹੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਲਈ ਪਾਣੀ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਮੋਟਾ ਕਿਸਾਨ ਨਹੀਂ, ਜਿਹੜਾ ਕਮਜ਼ੋਰ ਕਿਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਜ਼ਰੂਰ ਸੋਚਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਮੈਂ ਇਸ ਫਸਲ ਨੂੰ ਪਕਾਣ ਲਈ ਪਾਣੀ ਦਿਆਂਗਾ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਸਾਰਾ ਆਬਿਆਨਾ ਲਗ ਜਾਣਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ, ਜਿਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪਾਣੀ ਨਾ ਮਿਲਣ ਕਰਕੇ ਪੈਦਾਵਾਰ ਘਟ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੀ income ਘਟ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਸੂਬੇ ਦੀ production ਵੀ ਘਟ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੌਜੂਦਾ system, production ਨੂੰ adversely affect ਕਰਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਮੋਘਿਆਂ ਤੇ meters ਲਗੇ ਹੋਏ ਹੋਣ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਦੀ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਜਿਤਨੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੋਏਗੀ ਉਹ ਉਤਨਾ ਬਗੈਰ ਕਿਸੇ ਸੋਚ ਦੇ ਵਰਤ ਲਏਗਾ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਜਾਣਦਾ ਹੋਏਗਾ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਉਤਨਾ ਹੀ ਆਬਿਆਨਾ ਦੇਣਾ ਪੈਣਾ ਹੈ ਜਿਤਨਾ ਉਸ ਨੇ ਪਾਣੀ ਵਰਤਣਾ ਹੈ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ Irrigation Department ਦੀ ਇਕ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਕਿਸਾਨ ਹਨ ਜਾਂ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰ ਹਨ ਉਹ ਅਪਣੇ water courses ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ maintain ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਅਤੇ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ agree ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ maintain ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਔਰ ਨਾ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖੇਤਾਂ ਤੋਂ ਮੋਘੇ ਬਹੁਤ ਦੂਰ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਬਹੁਤ ਘਟ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਲੰਮੇ ਖਾਲ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਹ ਇਕੱਲਿਆਂ ਤਾਂ ਸਾਫ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਜਦ ਤਕ ਸਾਰਾ ਪਿੰਡ ਮਿਲ ਕੇ ਖਾਲ੍ਹੇ ਸਾਫ ਨਾ ਕਰੇ ਉਹ ਹੋ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ । ਇਸ ਦੇ ਅਲਾਵਾ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰ ਪਾਣੀ ਆਪਣਿਆਂ ਖੇਤਾਂ ਨੂੰ ਲਾ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜਿਹੜਾ ਪਾਣੀ ਬਚਦਾ ਹੈ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਅਨਘੜ ਖਾਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਉਥੇ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਖੜ੍ਹਾ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਾਣੀ

[ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ]

ਜ਼ਿਆਦਾ waste ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਜੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਏ ਕਿ meters ਲਗ ਗਏ ਹਨ ਔਰ ਜੋ ਪਾਣੀ ਆਏਗਾ ਉਸੇ ਦਾ ਅਬਿਆਨਾ ਉਸ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਪਏਗਾ ਤਾਂ ਜੋ ਖਾਲ੍ਹ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਖੜ੍ਹਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਜ਼ਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਕਿਤੇ ਵੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣ ਦੇਵੇਗਾ । ਮੈਂ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਦਿੰਦਾਂ ਹਾਂ ਕਿ ਫਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਇਕ ਚੱਕ ਹੋਏ ਜਿਸ ਨੇ ਇਕ ਖਾਲ੍ਹ ਤੋਂ ਪਾਣੀ ਲੈਣਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਉਸ ਤੇ ਲਗ ਭਗ 5 ਹਜ਼ਾਰ ਆਬਿਆਨਾ ਲਗਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਕਿਸਾਨ ਦੇ ਮਨ ਵਿਚ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਹੋ ਜਾਏ ਕਿ ਖਾਲ੍ਹ ਅਛਾ ਬਣਾਉਣ ਨਾਲ ਉਸ ਨੂੰ ਆਬਿਆਨੇ ਵਿਚ ਬੱਚਤ ਹੋ ਜਾਏਗੀ ਕਿਉਂਕਿ meter system ਨਾਲ ਜਿਤਨਾ ਪਾਣੀ ਖਾਲ੍ਹ ਵਿਚ ਆਏਗਾ ਉਸੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਹੀ ਉਸ ਚਕ ਨੂੰ ਆਬਿਆਨਾ ਦੇਣਾ ਪਏਗਾ, ਸਾਰੇ ਚਕ ਦੇ ਕਿਸਾਨ ਇਹ ਸੋਚ ਕੇ ਇਕ ਵਾਰ 10 ਜਾਂ ਬਾਰ੍ਹਾਂ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਕੇ ਹਰ ਸਾਲ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਪਾਣੀ ਦਾ ਦੇਣਾ ਪਏਗਾ ਜਿਹੜਾ ਮਾੜੇ ਖਾਲ੍ਹੇ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਜ਼ਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਿਉਂ ਨਾ ਬਚਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ । ਉਹ ਖਾਲ੍ਹਾ ਪਕਾ ਕਰਵਾ ਲੈਣਗੇ । ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਪਤਾ ਹੋ ਜਾਏ ਕੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਨਾਲ ਉਹ ਕਾਫੀ ਰੁਪਿਆ ਹਰ ਸਾਲ ਬਚਾ ਲੈਣਗੇ ਤਾਂ ਉਹ ਖਾਲ੍ਹੇ ਪਕੇ ਕਰਨ ਵਿਚ ਜ਼ਰਾ ਵੀ ਗੁਰੇਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਰਨਗੇ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ Department ਦੀ ਸ਼ਕਾਇਤ ਵੀ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਏਗੀ । ਹਰ ਵਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚੇਗਾ । ਇਹ ਚੀਜ਼ ਮੀਟਰ ਲਗਣ ਦੇ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨ ਦੇ ਦਿਮਾਗ ਵਿਚ ਪੈਦਾ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਬਿਆਨਾ ਲਾਉਣ ਵਾਲੀ ਜਿਹੜੀ agency ਹੈ ਜਾਂ ਆਬਿਆਨੇ ਨੂੰ check ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਹਰ ਥਾਂ ਤੇ ਲਗੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਹ agency ਪਟਵਾਰੀ ਦੀ ਹੈ ਔਰ ਦੋ ਜਾਂ $2\frac{1}{2}$ ਹਜ਼ਾਰ ਦੇ ਕਰੀਬ ਨਹਿਰੀ ਪਟਵਾਰੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਜੇ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਹੋ ਜਾਏ ਯਾਨੀ meters ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਟਵਾਰੀਆਂ ਦੀ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ 25 ਜਾਂ 30 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਹੁਣ ਖਰਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਰਹੇਗੀ । ਨਹਿਰ ਦੇ ਪਟਵਾਰੀ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਆਬਿਆਨਾ ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਹੀ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਹਾਲਾਂਕਿ ਮਾਲ ਦੇ ਪਟਵਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕਈ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਨੇ ਪੈਂਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਮਾਲੀਆ ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ, voters list ਅਤੇ ਹੋਰ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਲ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ । Meter reading ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਆਬਿਆਨਾ ਲਿਆ ਜਾਣਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਟਵਾਰੀਆਂ ਦੀ agency ਨੂੰ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ corrupt class ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਰਕੇ ਸਹੀ ਮਹਿਨਿਆਂ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਬਦਨਾਮੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਖਤਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਪਟਵਾਰੀ ਦੀ agency eliminate ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਨੂੰ 25 ਜਾਂ 30 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੀ saving ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੀਟਰ ਲਗਣ ਨਾਲ ਪਟਵਾਰੀ ਨਹੀਂ ਰਖਣੇ ਪੈਣਗੇ । ਹਾਂ, ਮੀਟਰਾਂ ਦੀ ਦੇਖ ਭਾਲ ਵਾਸਤੇ ਰਖਣੇ ਪੈਣਗੇ ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਪਟਵਾਰੀਆਂ ਦੀ agency ਦੂਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਹ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, corruption ਦਾ ਅਡਾ ਹੈ ਅਤੇ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਤੇ ਮੇਰੇ ਕੋਲੋਂ ਭੁਲਿਆ ਨਹੀਂ । ਅਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਤਾਂ ਹਾਂ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਰੋਕੀ ਜਾਵੇ ਪਰ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦੇ ਅਡੇ ਬੰਦ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਅਡੇ ਪਟਵਾਰੀ ਹੀ ਹਨ । ਜਿਹੜਾ ਵਡਾ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰ ਹੈ ਜਾਂ landlord

ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਜਾਣਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪਟਵਾਰੀ ਤਾਂ ਥੋੜੀ ਜਹੀ ਗਲ ਤੇ ਰਾਜ਼ੀ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਰੋਟੀ ਖਿਲਾ ਕੇ revenue ਨੂੰ evade ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਲਈ ਪਾਣੀ ਲਗਵਾ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪਾਣੀ ਘਟ ਲਗਾ ਹੈ। ਰੀਪੋਰਟ ਲਿਖਵਾ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਮਾੜਾ ਆਦਮੀ, ਗਰੀਬ ਆਦਮੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਜੇਕਰ ਖਾਲ੍ਹ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਨੇੜੇ ਦੀ ਵੀ ਲੰਘ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਪਟਵਾਰੀ ਦਰਜ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਬਿਆਨਾ ਪੂਰਾ ਲਗੇ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਲਗਾ ਹੈ। ਮੀਟਰ ਲਗਣ ਨਾਲ ਪਟਵਾਰੀ ਦੀ agency ਖਤਮ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਅਤੇ ਜੋ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਹਨ ਉਹ ਦੂਰ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ। ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦੀ ਕਮੀ ਨਹੀਂ। ਮੇਰੇ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਦੋ ਪਿੰਡ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੈਂ ਨਾਮ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਪਟਵਾਰੀ ਦੇ ਨਾਮ ਦਾ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਤਾਂ ਸਾਰੀ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਡੁਬੀ ਪਈ ਸੀ ਅਤੇ floods ਦੇ ਕਾਰਨ ਅਸੀਂ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਵਰਤ ਸਕੇ ਪਰ ਪਟਵਾਰੀ ਨੇ ਰਿਪੋਰਟ ਕਰ ਦਿਤੀ, ਇੰਦਰਾਜ ਕਰ ਦਿਤਾ ਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਆਬੀਆਨਾ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹਾਲਾਂਕਿ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਹੇਠ area ਆਇਆਂ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਮੈਂ ਪਿੰਡ ਜਾ ਕੇ ਪਟਵਾਰੀ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਤਾੜਿਆ ਤਾਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਨੇ ਇਹ ਗਲ ਦਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ, ਸਾਨੂੰ ਉਪਰੋਂ ਹੁਕਮ ਹਨ ਕਿ ਇੰਨੀ ਰਕਮ ਆਬਿਆਨੇ ਦੀ ਪੂਰੀ ਕਰਨੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾਂ ਹਾਂ ਕਿ ਪਟਵਾਰੀ ਕਲਾਸ ਮੀਟਰ ਲਗ ਜਾਣ ਨਾਲ ਮੁਕ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਇਹ ਪਟਵਾਰੀ ਜੋ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਬਦਨਾਮੀ ਦਾ ਕਾਰਨ ਬਣਦੇ ਹਨ ਹਟਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨੇਕ ਨਾਮੀ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਜੋ ਬਦਨਾਮੀ ਪਟਵਾਰੀਆਂ ਰਾਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਧੋਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, meters ਲਗ ਜਾਣ ਨਾਲ ਪਾਣੀ economically ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜਿਥੇ ਨਹਿਰ ਦਾ ਆਗਾਜ਼ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਕੱਸੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਥੇ ਆਪ ਜਾਣਦੇ ਹੀ ਹੋ ਕਿ ਪਾਣੀ lavishly ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਮੋਘੇ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤੇ ਖਿਆਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੈਸੇ ਤਾਂ ਦੇਣੇ ਹੀ ਹਨ ਭਰ ਭਰ ਕੇ ਕਿਉਂ ਨਾ ਸਿੰਜ ਲਵਾਂ, consideration ਇਹ ਹੁੰਦੀ ਕਿ ਆਬਿਆਨਾ ਤਾਂ ਦੇਣਾ ਹੀ ਹੈ। ਪਰ ਇਸ ਨਾਲ ਇਕੋ ਜਿੰਨਾ ਪਾਣੀ tail ਤੇ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਤੇ tail ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦੀ starvation ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ suffer ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਦੇਵਾਂ ਕਿ ਸਿਧਵਾਂ ਕੇਨਾਲ ਹੈ ਤੇ ਲੁਧਿਆਨੇ ਤੋਂ ਨਿਕਲ ਕੇ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਤਕ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਕੁਝ ਹਿਸਾ ਲੁਧਿਆਣੇ ਦਾ ਸਿੰਜਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਤਲਵੰਡੀ ਭਾਈ ਦਾ ਇਲਾਕਾ tail ਤੇ ਹੈ, ਤੇ ਹੁੰਦਾ ਕੀ ਹੈ ਕਿ ਫਸਲ ਪਕਣ ਤੇ ਆਵੇ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਅਤੇ ਮੈਨੂੰ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਇਕ ਲਖ ਏਕੜ ਦੇ ਕਰੀਬ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਰਕਬਾ ਹੈ। ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਇਤਲਾਹ ਦੇਣ ਵਾਲੇ exaggerate ਕਰਦੇ ਹੋਣ ਪਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਇਲਾਕਾ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਦਾ ਤੇ ਫਸਲ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਟੌਣੀ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ। ਹਾੜ੍ਹੀ ਦੀ ਫਸਲ ਲਈ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਦਾ। ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕੀਂ ਆਏ। ਖੁਸ਼ ਕਿਸਮਤੀ ਨਾਲ ਇਕ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਦੌਰਾ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਦਾ ਸੀ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਲਵੰਡੀ ਭਾਈ ਜਾ ਕੇ ਮਿਲਿਆ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦਿਵਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ

[ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ]

Irrigation Minister ਨਾਲ ਗਲ ਕਰਾਂਗਾ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਲਈ ਵੀ ਕਿਹਾ ਸੀ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਾਣੀ ਨਾ ਲਗਣ ਨਾਲ production ਵਿਚ ਘਾਟਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਕਿਤੇ ਧਾਈਂ ਬੀਜੇ ਹਨ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਨਾ ਮਿਲੇ ਤਾਂ production ਕੁਦਰਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਘਟ ਹੋਵੇਗੀ । ਮੈਂ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਲੁਧਿਆਣੇ ਜ਼ਿਲੇ ਦੇ ਚੀਫ Engineer ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ । ਉਸ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਕਿ ਪਾਣੀ ਹੈ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਦੇਈਏ ਕਿਥੋਂ । ਮੈਂ ਅਗੇ ਕਹਿ ਹੀ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪਾਣੀ tail ਤੇ ਪਹੁੰਚਦਾ ਨਹੀਂ ਤੇ ਫਸਲਾਂ suffer ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਆਗਾਜ਼ ਤੇ ਪਾਣੀ economically ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਜੇਕਰ ਮੀਟਰ ਲਗ ਜਾਣ ਤਾਂ tail ਤੇ ਪਾਣੀ ਪਹੁੰਚੇਗਾ ਅਤੇ ਜ਼ਾਇਆ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵੀ ਵਧ ਸਕਦੀ ਹੈ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਖੀਰਲੀ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੀਟਰ ਲਗਾਣ ਦੀ ਸਕੀਮ practicable ਨਹੀਂ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ pre-partition ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਡਾਂਗਾ ਮਾਂਗਾ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ by measurement ਪਾਣੀ ਮਿਲਦਾ ਹੁੰਦਾ ਸੀ । ਜੇਕਰ ਉਥੇ ਪਾਣੀ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇੱਕਲੇ ਇੱਕਲੇ ਪਿੰਡ ਨੂੰ ਵੀ measurement ਰਾਹੀਂ ਪਾਣੀ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਮੇਰੀ ਇਕ information ਵਿਚ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਮਹਾਰਾਜ ਫਰੀਦ ਕੋਟ ਦੀ ਫਾਰਮ ਨੂੰ by measurement ਪਾਣੀ ਮਿਲਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੇਰੀ information ਵਿਚ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ automatic meter system ਹੈ । ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਥਾਂ ਥਾਂ ਤੇ ਮੀਟਰ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ । ਜੇਕਰ ਡਾਂਗੇ ਮਾਂਗੇ ਵਿਚ ਇਹ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਫਰੀਦ ਕੋਟ ਦੀ ਫਾਰਮ ਤੇ ਮੀਟਰ ਲਗ ਸਕਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਬਾਕੀ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਵੀ ਮੀਟਰ ਲਗਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਜੇਕਰ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਜ਼ਿੰਮੇ ਲੈ ਕੇ ਇਸ ਨੂੰ ਕਰਨ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰੇ ਤਾਂ ਮੀਟਰ ਇਥੇ ਵੀ ਲਗਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ।

ਮੀਟਰਾਂ ਦੇ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਨਾਲ ਨਾ ਕੇਵਲ production ਵਧੇਗੀ ਸਗੋਂ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰਾਂ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਗਰੀਬ ਦੀ ਭਲਾਈ ਹੈ ।

ਅਜ ਜੋ ਨਹਿਰਾਂ ਦੇ ਵਜ਼ੀਰ ਹਨ ਰਾਉ ਬਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਉਹ ਆਪ ਵੀ ਕਿਸਾਨ ਹਨ, ਇਕ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਦਰਦ ਰਖਦੇ ਹਨ । ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਜੋ ਆਪਣੀ ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਰੋਜ਼ੀ ਕਮਾਂਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਮੀਟਰ ਲਗਾਣ ਵਿਚ ਸਮਝ ਕੇ ਇਸ ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿ ਰਾਓ ਸਾਹਿਬ ਇਸ Resolution ਨੂੰ accept ਕਰਨਗੇ ਅਤੇ implement ਵੀ ਕਰਨਗੇ । ਮੈਂ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਦੀ ਪਰਵਾਨਗੀ ਵਿਚ ਮਦਦ ਕਰਨ । ਐਨਾ ਕਹਿਕੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਪਾਸੋਂ ਖਿਮਾ ਮੰਗਦਾ ਹਾਂ ।

ਪੰਡਿਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ (ਊਨਾ) : ਸ੍ਰੀਮਾਨ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਾਜਵਾ ਜੀ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ

ਹਾਂ । ਮੈਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਾਰੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ, ਜਿਥੇ ਜਿਥੇ ਵੀ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਦਾ ਕੰਮ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਪਾਣੀ ਨਾਪ ਕੇ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਹੋਰ ਵੀ ਜਿਹੜੇ ਸੁਝਾਓ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਾਹਰਲੇ ਦੇਸ਼ਾਂ ਬਾਰੇ ਰੱਖੇ ਹਨ ਉਹ ਮੰਨਜ਼ੂਰ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਪੰਜਾਬ ਦੇ Irrigation Department ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਮੈਂ ਬਹੁਤੇ ਇਲਫਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ। ਹਾਂ, ਇਤਨਾ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਿੰਦਾਂ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਤਨੀਆਂ ਬਦਅਨਵਾਨੀਆਂ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਹਨ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ । ਜਨਾਬ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੋਘੇ ਤਿੰਨ ਕਿਸਮ ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਕਈ ਜਗ੍ਹਾ ਪੈਪਸੂ ਵਿਚ ਮੋਘੇ 16 ਫੁਟ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ 21 ਫੁਟ ਤੱਕ ਲੰਮੇ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਰੇਤ ਭਰ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਨਿਕਾਸੀ ਬਹੁਤ ਘਟ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ । ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਜਿਹੜੇ ਮੋਘੇ E. P. M. ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਉਹ ਇੱਟਾਂ ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਾਸੀ ਵਧਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਪਾਣੀ ਦੇ discharge ਦਾ ਕੋਈ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਰੱਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ।

(At this stage Mr. Deputy Speaker occupied the Chair).

ਪਟਵਾਰੀ ਜਦੋਂ ਗਿਰਦਾਵਰੀ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਕਾਇਦਾ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਕ ਇਕ ਖੇਤ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਗਿਰਦਾਵਰੀ ਕਰਨ । ਪਰ ਉਹ ਇਹ ਖੇਚਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ । ਉਹ ਕਿਸੇ ਹਵੇਲੀ ਵਿਚ ਬੈਠ ਕੇ ਉਥੇ ਹੀ ਰੋਟੀ ਪਾਣੀ ਖਾਂਦੇ ਪੀਂਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਅੰਦਰ ਹੀ ਬੈਠੇ ਬਿਠਾਏ ਗਿਰਦਾਵਰੀ ਕਰ ਛਡਦੇ ਹਨ । ਜਿਥੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾਣ ਪੀਣ ਨੂੰ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਾਲੀਏ ਵਿਚੋਂ ਛੋਟ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹੀ ਖਰਚਾ ਦੂਸਰੇ ਤੇ ਪਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਖੇਤਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਗਿਰਦਾਵਰੀਆਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਆਪਣੇ ਆਪ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਤੇ ਸ਼ਕ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਚਲੇ। ਐਸੇ ਦਰਜਨਾਂ ਵਾਕਿਆਤ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਦਿਖਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਪਰ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸ਼ਕ ਦੀ ਕੋਈ ਗੁੰਜਾਇਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ staff ਹੈ, ਮੇਰਾ ਮਤਲਬ ਜਿਹੜੇ ਪਟਵਾਰੀ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਜਾਂ ਨਹਿਰ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਪਟਵਾਰੀ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵੀ ਇਹੋ ਹਾਲ ਹੈ । ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਇਕ ਗੱਲ ਸੱਚੀ ਸੱਚੀ ਕਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਬੈਂਚਾਂ ਤੇ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਕਹੀ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਇਹ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਦੀ ਪਾਲਿਸੀ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਰਕਬਾ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਵਿਚ ਦਿਖਾਇਆ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਆਮ ਕਿਸਾਨ ਤੇ ਬੋਝ ਪੈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸੈਰਾਬ ਕਿਸੇ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਮਲਾ ਦੇਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਦੂਸਰੀ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚ ਪੈਸੇ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਗੱਲ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਪਟਵਾਰੀ ਕਿਸਤਰਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਪਟਵਾਰੀ ਨੇ ਗੱਲ ਦੱਸੀ ਹੈ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਇਕ ਪਟਵਾਰੀ ਨੇ ਗੱਲ ਦੱਸੀ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਹਿਲੀ ਦਫਾ ਇਹ ਸੱਚੀ ਗੱਲ ਕਹੀ । ਦੂਸਰਾ

[ਪੰਡਿਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ]

ਨੁਕਸ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਵੇਲੇ ਪੂਰਾ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਇਤਨਾ ਘੱਟ ਪਾਣੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸਾਨ ਚਟ੍ਹੀ ਨੂੰ ਲਾਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਣਕ ਨੂੰ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇ ਕਣਕ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਲਾਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਦੂਸਰੀ ਫਸਲ ਨੂੰ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਫਸਲਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਉਹ ਕਦੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ । ਇਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ floods ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਉਸ ਵੇਲੇ ਨਹਿਰਾਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਟੁਟ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਜਾਂ ਜੇ ਬੰਦੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਨਹਿਰਾਂ ਕੱਟ ਕੇ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਦਾ ਪਾਣੀ ਪਾ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ । ਜੇ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਮੌਕੇ ਤੇ ਨਾ ਹੋਣ ਤਾਂ ਹਰ ਇਕ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਖਾਸ ਖਾਸ ਥਾਈਂ ਲੋੜਾਂ ਪੂਰੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਪਰ ਜਦੋਂ ਨਹਿਰ ਪੂਰੀ ਵਗਦੀ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਲੋੜ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮਲੋ ਮਲੀ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਪਹਾੜਾਂ ਤੋਂ ਬਰਫ ਨਹੀਂ ਪਿਘਲਦੀ ਜਾਂ ਹੋਰ ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਪੈ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਨਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਘਟ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਦਰਿਆਵਾਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਥੋੜ੍ਹਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਉਸ ਵਕਤ ਵੀ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਖਰਾਬੇ ਦੀ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਇਕ ਹੁਕਮ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਖਰਾਬਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ 75% ਆਬਿਆਨਾ ਮੁਆਫ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨ Executive Engineer ਨੂੰ ਦਰਖਾਸਤ ਦੇਵੇ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ ਤਹਿਕੀਕਾਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇਦਾਰ ਮੌਕੇ ਤੇ ਕਰੇ । ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਦ ਹੀ ਉਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਕ ਅਨਪੜ੍ਹ ਆਦਮੀ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਰਖੇ ਗਏ ਇਤਨੇ ਮਰਹਲਿਆਂ ਵਿਚ ਦੀ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਗੁਜ਼ਾਰ ਸਕਦਾ । ਬਾਅਜ਼ ਵਕਤ ਉਹ ਦਿੱਤੀ ਹੋਈ ਤਾਰੀਖ ਹੀ ਲੰਘਾ ਦਿੰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਉਸ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦਾ ਕਿ ਦਰਖਾਸਤ ਕਿਸ ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਹੈ । ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਬਦਉਨਵਾਨੀ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਦਾ ਅਬਿਆਨਾ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਫੇਰ ਇਹ remodelling scheme ਲਿਆਂਦੇ ਹਨ, ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਜਵੀਜ਼ਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਮੋਘੇ ਛੋਟੇ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਅਤੇ ਆਬਿਆਨਾ ਵਧਾਇਆ ਜਾਵੇ । ਜਿਥੇ ਜ਼ੇਰੇ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਬਹੁਤਾ ਰਕਬਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਥੇ ਚਾਹੀਦਾ ਤਾਂ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਪਾਣੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਪਰ ਰਕਬਾ ਵਧਾ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਉਹੀ ਰਖਿਆ ਹੈ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਜੀ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਹਕੂਮਤ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿਆਂਗਾ ਕਿ ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਚਾਲੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਮੈਂ ਮਿਸਾਲ ਦਿਆਂ ਕਿ ਅਜ਼ਰਾਈਲ ਵਿਚ ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ ਜਾਰੀ ਹੈ । ਅਗਰ ਇਥੇ ਕੁਝ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਬੜਾ ਭਲਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਨਾਲ ਹੀ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਦੀਆਂ ਬਦਉਨਾਵਾਨੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ, ਉਹ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ । ਕਦੇ ਕੋਈ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਘਟ ਪਾਣੀ ਮਿਲਿਆ ਅਤੇ ਕਦੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਪੂਰਾ ਪਾਣੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਸ਼ਕਾਇਤਾਂ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ । ਜੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੀਟਰ ਲਾਏ ਜਾਣ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਹ ਵੀ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਫਸਲ ਨੂੰ ਚਾਹੇ ਅੱਜ ਪਾਣੀ ਦੇਵਾਂ, ਚਾਹੇ ਦਸ ਦਿਨ ਨੂੰ ਦੇਵਾਂ । ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਮਹਿਕਮੇ ਦੀਆਂ ਬਦਉਨਵਾਨੀਆਂ ਵੀ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਅਰਾਮ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਅਗੇ ਨੂੰ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਹੀ ਮਿਲੇਗਾ ।

ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਕਿਸਾਨ ਦਾ ਅਜ ਜਿਹੜਾ ਪਾਣੀ ਦੇ ਘਟ ਵਧ ਮਿਲਣ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਰੁਪਏ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਸੁਖਾਲਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ।

चौधरी लहरी सिंह (गनौर) : साहिबे सदर, मेम्बर साहिबान ने ठीक ही कहा है कि मीटर लगाने से रिश्वत की भी कमी हो जाएगी और पानी का इस्तेमाल भी economic होगा । यह सवाल हमेशा गवर्नमैंट के सामने रहा है और मेरी वजारत के वक्त भी यह बड़ा अहम सवाल रहा । हमने इस पर खास तौर पर गौरोखोज़ किया और क्या क्या मुश्किलात आएंगी उन सब पर गौर करके यही फैसला किया गया कि इस वक्त मौजूदा हालात में यह system चालू करना नामुमकिन है। हां, in the long run वक्त आयेगा कि हम इसे लागू करने में कामयाब हो जाएंगे लेकिन इस वक्त यह चीज़ possible नहीं। इसको वजह क्या है? यह कि किसी outlet के 60 हिस्सेदार हैं, किसी के 70 और उन में से कोई गन्दम बोता है, कोई सब्ज़ी, कोई गन्ना, कोई चरी और फिर किसी की ज़मीन कम किसी की ज़्यादा, कोई कम पानी लेता है, कोई ज्यादा । बात बात पर लड़ाइयां होंगी और water rates की रकम वसूल करनी मुश्किल हो जायेगी । पहले भी आप देखें कि वाराबन्दी के मामले पर गांव के अन्दर कितने झगड़े होते हैं; झगड़े ही नहीं, कत्ल तक हो जाते हैं । इसी के लिए महकमा को ज़िलों में एक एक Canal Magistrate बैठाना पड़ा। वाराबन्दी मंज़ूर है लेकिन लोगों में इतनी अकल नहीं, ज़मींदार लोग मानते ही नहीं, लड़ाइयां होती हैं। नतीजा यह होता है कि मुकदमा बाज़ी होती है, वकीलों की जेबों में रुपया जाता है, litigation होने की वजह से लोगों को harass होना पड़ता है । हां, जिस मुल्क का reference दिया गया है उस तरह के हालात यहां भी हों तब यह तजरुबा कामयाब हो सकता है। जहां बड़े बड़े farms हों वहां तो मीटर लगाया भी जा सकता है; एक एक, दो दो एकड़ की मलकियत पर मीटर system कैसे successful हो सकता है? जहां पर लोग वाराबन्दी को maintain नहीं कर सकते वहां मीटर का हिस्सा कैसे इकट्ठा हो सकेगा? कहा गया है कि meter से economy होगी। ठीक है, एक दो मिसालें मेरे अपने वक्त की भी हैं कि हमने एक गांव के लिए मीटर लगवाया था । अफसरों ने कहा कि यह experiment uneconomic रहेगा, फिर भी, मैंने तजरुबे के तौर पर मीटर लगाने के लिए कह दिया । नतीजा यह हुआ कि उस जगह के ज़मींदार मालामाल हो गए। उनकी फसल काफी हो रही है और आबियाना बहुत कम है। लेकिन अब उनको बार बार notice दिया जा रहा है कि क्यों न तुम्हारा मीटर तोड़ दिया जाए । वह लोग मेरे पास आए कि चौधरी साहिब आप के वक्त का मीटर लगा हुआ है अब तोड़ रहे हैं । सो कहने का मतलब यह है कि जहां लोग willing होंगे, in the long run वहां मीटर system ज़रूर कामयाब होगा लेकिन जब तक एक एक मोरी पर बड़े २ farms नहीं बनते, छोटे २ टुकड़े ज़मीन के हैं, लोग पानी क लिए एक दूसरे के सिर काटने

[चौधरी लहरी सिंह]

को तैयार हैं वहां जब तक understanding और tolerance का जज़बा पैदा नहीं होता यह चीज़ चलनी मुश्किल है । अगर किसी तरह से मीटर लग भी जाएं तो Irrigation Department के लिए water rates की वसूली करनी बड़ी भारी मुसीबत बन जाएगी । अगर साल में एक मोरी की ज़मीन पर आप 50,000 रुपया water rates लगा दें तो किसी की जमीन 5 एकड़, किसी की 10 एकड़, कोई एक फसल बोता है कोई दूसरी । तो ऐसी हालत में water rates की distribution की एक भारी दिक्कत होगी जिसे सुलझाना department और irrigators दोनों के लिए एक problem बन जाएगी । हां, अगर किसी मोरी के ज़मीदार यकीन दिला दें कि हमारे यहां मीटर लगा दो---maintain करे या न करे---water rates जो हों हम खुद अपनी ज़िम्मेदारी पर गवर्नमैंट के पास जमा करा देंगे तो बात अलग है । वरना गवर्नमैंट के लिए अपने तौर पर यह करना मुश्किल होगा । अगर co-operative societies बन जाएं, co-operative farms बन जाएं तब भी काम आसान हो सकता है । उस हालत में मिनिस्टर साहब को भी क्या एतराज़ हो सकता है । लेकिन अब तो मुश्किल यह है कि जब वाराबन्दी ही maintain नहीं होती तो एक मीटर से पानी लेने वाले 60-70 हिस्सेदार आपस में adjustments कैसे कर पाएंगे । यह impossible काम होगा । कहने के लिये चाहे कछ ही कह लें, शायद ही कोई इस के खिलाफ बोले, शायद ही कोई अफ़सर इस के खिलाफ हो मगर मुश्किल है वसूली की, इसके working की । इस के लिये या तो co-operative farms चाहिएं या बड़े बड़े ज़मींदार हों और सुलझे हुए हों । तब यह स्कीम कामयाब हो सकती है । वैसे यह स्कीम in the long run कामयाब तो जरूर होगी मगर अभी कुछ मुश्किलात हैं । इस के चालू होने पर कई problems पैदा होंगी । इन पर विचार करने के लिये एक कमेटी बना दी जाए जो हर पहलू से इस बात पर विचार करे और सुझाव दे । इस कमेटी में engineers और M.L.A.s हों । वह इस सारी स्कीम को देखें । वरना मैं इस के खिलाफ नहीं हूं । बाकी जहां practicable हो और लोग चाहते हों तो उन को दे दें या जहां co-operative farms बन गई हैं वहां चालू कर दें । बाकी यह कहना कि पटवारियों को नुकसान होगा, रिश्वत होगी, यह ठीक नहीं है । सारी चीज़ को देख लेना चाहिये कि यह किन हालात में कामयाब हो सकती है । मैं इस के खिलाफ नहीं हूं । मैं ने अपना तजरुबा आप के सामन रखा है ।

श्री शेर सिंह (झज्जर, जनरल) : श्रीमान जी, यह जो प्रस्ताव House के सामने पेश है यह बड़ा अच्छा है और पास होना चाहिए । चौधरी साहिब इस बात को जानते हैं कि हरियाणा में और खास तौर पर Western Jamuna Canal के इलाके में बहुत थोड़ा water allowance है । यह 1.2 cuses से लेकर 2.4 cusecs तक है एक हज़ार एकड़ के लिए और जब भाखड़ा की नहर बन जायगी तब भी मुश्किल से 2.4 cusecs होगा । इस पानी से 70 प्रतिशत के करीब ज़मीन सैराब होती है । इसकी नहरों पर शायद 6 रुपए की एकड़ के हिसाब से खर्च पड़ता है मगर Western Jamuna Canal पर 7 रूपए फी एकड़ पड़ता है । (*interruption*) अपर बारी दोआब canal पर 3.5 cusecs water allowance है और आबपाशी सौ फीसदी ज्यादा है, तीन तीन फ़सलें पैदा

करते हैं। उन पर कोई बोझ नहीं पड़ता। इधर हालत यह है कि अगर कहीं नाका टूट गया और एक बार भी पानी चला गया आबयाना लग जाता है, फसल पके या न पके। अगर meters लग जाएं तो यह फायदा की बात होगी। कहीं पर तो एक पानी ही मिलता है और कहीं 4,5 पानी मिलते हैं, मगर आबयाना बराबर लगता है, यह ठीक नहीं। चौधरी लहरी सिंह जी ने कहा कि अगर meters लग जाएं तो हिस्सदारों में झगड़े होंगे, वसूली मुश्किल होगी। मेरी समझ के मुताबिक इस में कोई दिक्कत नहीं होगी। जिस outlet पर मीटर लगा हुआ हो, उस से जितनी ज़मीन सैराब हो उस पर पानी की कीमत की बांट की जा सकती है। बाकी वाराबंदी तो अब भी है, पटवारी भी है जो गिरदावरी करता है। वह सारा हिसाब रख सकता है। इस तरीके से किसी पर नाजायज़ बोझ नहीं पड़ेगा और वसूली में भी कोई दिक्कत न होगी। शुरू शुरू में चाह कुछ वक्त और मेहनत लगेगी। मगर बाद में कोई दिक्कत नहीं आयेगी। यह ठीक है कि co-operative farming होने पर हिसाब किताब और भी आसान हो जायगा मगर आज जब छोटे २ ज़मींदार हैं तो घंटे घड़ियों का हिसाब निकल आता है तो मीटर लगने पर भी हिसाब में मुश्किल न होगी। इस वक्त बहुत सारे outlets ऐसे हैं जो ऊंचे ह और अगर नहर भरी हुई न हो तो उन में पानी नहीं आता। कई जगह मोघे तंग हैं और अफसरान जिसे favour करना चाहते हैं उस का छल्ला निकाल देते हैं और जिसे तंग करना होता है उसके बड़ा छल्ला डाल देते हैं। यह सब शिकायतें मीटर लगने पर दूर हो जाएंगी क्योंकि सब के पास जितना पानी मिला है उस की reading होगी और उसी के हिसाब से पैसे लगेंगे। आज तो ज़मींदार फसल बोता है मगर पानी नहीं मिलता, नहर बंद हो जाती है या उस की बारी नहीं आती मगर नाजायज़ तौर पर आबयाना लग कर आ जाता है। इस तरह से किसान पर भारी बोझ डाल दिया जाता है और नाजायज़ वसूली हो जाती है। Flying Squad भी बनाया हुआ है मगर फिर भी ज्यादतियां हो रही हैं। मीटर लगने से इन तकलीफों से बचाव हो सकता है। इन चीज़ों से काफी हद तक बचत हो सकती है। तो यह जो मीटर वाला सिसटम है यह बहुत अच्छा है। जहां पर आउटलैट लगे हैं वहां पर मीटर लगा दिये जाएं और उसके बाद पैदावार का रिकार्ड देख लिया जाए और उसी के मुताबिक पानी का हिस्सा बांट लिया जाना चाहिए। मैं समझता हूं कि इसको as an experimental measure ज़रूर शुरू करना चाहिए। क्योंकि इसमें किसान का फायदा है। इसलिए यह रैज़ोल्यूशन सर्वसम्मत्ति से पास करना चाहिये।

राम्रो गजरास सिंह (गुड़गांव) : स्पीकर साहब, यह जो रैज़ोल्यूशन है इसमें दो राएं नहीं हो सकतीं। चौधरी लहरी सिंह ने लहर की तरह कहा कि यह चीज़ नामुमकिन है लेकिन उन्हें क्या यह पता नहीं कि यह atomic age है। और अब हर चीज़ मुमकिन है। इसलिए अगर इनकी कही हुई बात दुनिया वालों को मालूम हो कि हिन्दुस्तान में मीटर नहीं लग सकता तो फिर वे लोग हमारी अक्ल का क्या अंदाज़ा लगाएंगे? मैं तो यही समझता हूं कि जब इस प्रस्ताव का मकसद सही है तो गवर्नमैंट को

[राव गजराज सिंह]
इस काम के करने में कोई रुकावट नहीं होनी चाहिए । जहां तक माहरीन का सवाल है उसके लिए मुझे पता है कि वह इनके पास हैं और यहां तक अच्छे लोग हैं कि कुछ तो इनमें से centre में बैठे हुए हैं । और एक माहिर चौधरी लहरी सिंह जी भी बैठे हैं इनकी भी राए ली जा सकती है । इसलिए यह कहना कि नामुमकिन बात है यह मेरी समझ में नहीं आ सकता । मैं यहां पर यह बतलाना चाहता हूं कि अगर मीटर सिस्टम लग जाए और कंट्रोल हो जाए तो लोगों को बहुत फायदा हो सकता है । हम देखते हैं कि गुड़गांव से U.P. की आगरा नहर जाती है । वहां पर अजब अंधेरगर्दी मची हुई है । बरसात में तो वे लोग पानी खोल देते हैं और साल भर का आबयाना चार्ज कर लेते हैं लेकिन जब वक्त आता है माघ और पौष का महीना होता है तो वे कह देते हैं कि चूंकि आगे पानी जा रहा है इसलिए अभी नहीं मिल सकता। इस तरह से लोगों का नुकसान होता है । तो मेरे कहने का मतलब है कि जब पानी पंजाब के इलाके में आता है तो हमारे पंजाब का भी control होना चाहिये और उसे देखना चाहिए कि हमारे लोगों को तकलीफ तो नहीं है । यही नहीं कि पानी नहीं दिया जाता बल्कि जो आबयाना चार्ज किया जाता है वह हमारे यहां से ड्योढ़ा चार्ज होता है । इस मौके पर इसकी relevancy इस तरह से है कि अगर यह resolution पास हो जाए और मीटर वहां भी लग जाए तो वहां के रहने वालों का भी फायदा हो सकता है । अब चूंकि इस प्रस्ताव के लिए किसी भी तरफ से मुखालिफत नहीं तो मैं समझता हूं कि सरकार को इसे मान लेना चाहिए और implement करने के लिए जब जरूरत पड़े तो माहरीन की सलाह ली जा सकती है ।

श्री राम प्यारा (करनाल) : स्पीकर साहब, जो बाजवा साहब ने resolution पेश किया है मैं उसकी ताइद करने के लिए खड़ा हुआ हूं । इस सिलसिले में जो बात मैं सबसे पहले कहना चाहता हूं कि जितनी शिकायतें पटवारियों के ज़रिये यहां आती हैं वह सब गरीब आदमियों की होती हैं और वे इन पटवारियों के जरिये मुश्किल में पड़े रहते हैं । और जब पाकिस्तान से लोग यहां आए तो पटवारियों की मेहरबानी से नहरी और बारानी ज़मीन का हेर फेर कर दिया गया और बहुत गड़बड़ी हुई । इस बारे में canal drainage Act का हवाला देना चाहता हूं कि 1884 में इसकी डिमांड आ गई थी कि irrigation का महकमा revenue से अलग कर दिया जाए। इसके बाद लोअर चनाब और लोअर जेहलम पर इसका तजरुबा हुआ फिर 1940 से हवेली प्राजेक्ट पर तजरुबा किया गया ।

तजरुबे के तौर पर हर दफा यह चीज़ हमारे सामने आती रही कि अगर revenue staff को अलहदा कर दिया जाए तो इस से revenue कम हो जाता है इस

4-00 p.m.

लिये उसे अलहदा नहीं करना चाहिये । ठीक है कि शायद revenue में कुछ कमी आती होगी लेकिन हम ने socialistic pattern को कायम करने के लिये लोगों का collective तौर पर interest देखना है । जो revenue हम वसूल कर रहे हैं उस का बोझ ज्यादातर गरीब आदमियों पर पड़ता है । छोटे छोटे landowners

और cultivators की तादाद big landowners की निस्बत बहुत ज्यादा है । मेरे दोस्त सरदार राम दयाल सिंह ने फरमाया था कि महाराजा फरीदकोट की ज़मीनों को पानी meters की पैमाइश से दिया जाता है । छांगा-मांगा की मिसाल भी उन्होंने दी । उन्हें जो पानी दिया जाता है पैमाइश के लिहाज़ से दिया जाता है : गरीब किसानों की यह हालत है कि तगड़े तगड़े ज़मींदार अपनी ज़मीनों के लिये पानी पहले हासिल कर लेते हैं लेकिन tail वालों तक पानी पहुंचते २ खत्म हो जाता है । उन्हें फिर भी abiana देना पड़ता है । मौजूदा system के मुताबिक एक पानी पर और तीन पानी पर abiana एक जैसा देना पड़ता है। Wate courses से जो पानी निकलता है उस का फायदा तगड़े आदमी उठा लेते हैं लेकिन गरीब cultivators को कोई फायदा नहीं पहुंचता ।

पंजोरियां गांव में Irrigation Department ने एक हज़ार रुपया लोगों से वसूल किया और कहा कि चार पुल उस हलके में तामीर किये जाएंगे। अनपढ़ और गरीब आदमियों से दस्तखत कराये गये लेकिन Irrigation Department ने गांव के एक हिस्से के लोगों को पानी के हक से महरूम कर रखा है । नतीजा यह हो रहा है कि कई लोग जिन्हें पानी कम मुयस्सर होता है वे abiana ज्यादा देते हैं और जिन्हें पानी ज्यादा मिलता है उन से abiana कम वसूल किया जाता है । अगर meter system रायज किया जाए तो जितना पानी किसी किसान ने इस्तेमाल किया हो उस हिसाब से आबियाना उसे अदा करना पड़े । 1955 में 13-9-55 को हमारी गवर्नमैंट ने फैसला किया जब चौधरी लहरी सिंह भी कैबेनिट में थे :

> "The experiment of separating revenue work from irrigation branch was tried before on the Western Jumna Canal in 1926 and Haveli Canal in 1943, and proved a great failure as the income of the State was affected.

Revenue staff जो Irrigation Department के मातहत काम कर रहा है उस के ऊपर 74,27,000 रुपया खर्च हो रहा है अगर इसे हटा दिया जाए तो इस रकम की बचत हो सकती है । अगर हम small land holders को relief दे सकते हों तो इस की तरफ गवर्नमैंट को ज़रूर ध्यान देना चाहिये ।

मेरे मुअज़्ज़िज़ दोस्त चौधरी साहिब ने फरमाया है कि वाराबन्दी पर आये दिन लड़ाइयां होती हैं क्योंकि ज़मींदारों को पानी की अज़हद ज़रूरत रहती है । आये रोज़ झगड़ों का फैसला करने के लिए सरकार को मैजिस्ट्रेटों की तादाद में इज़ाफा करना पड़ता है अगर meter system रायज किया जाए तो मुकद्दमे बाज़ी में ज़रूर कमी वाक्या हो जाएगी । फिर स्पीकर साहिब नहरों में cuts की जाती हैं और यह हरकात बड़े २ ज़मींदार करते हैं—हर केस में तो मैं कह नहीं सकता क्योंकि exception proves the rule exception भी हो सकती हैं लेकिन आम तौर पर जुर्माना गरीब देहातियों पर डाला जाता है । जहां से खर्च में economy हो सकती हो ज़रूर करनी चाहिए लेकिन मैं अर्ज़ करूंगा कि Irrigation Department का कोई आदमी जा कर देखे कि करनाल model town में बुड्डा minor से 24 घंटे पानी waste होता रहता है लेकिन

[श्री राम प्यारा]

उस की तरफ कोई ध्यान नहीं देता । बुड्ढी नहर से भी water logging की मुसीबत पैदा हो रही है । अगर meters instal किये गये होते तो पानी को waste होने से बचाने की कोशिश की जाती । जहां थोड़ी बहुत जगहों में meters लगे हुए हैं वहां भी Irrigation Department पूछ ताछ नहीं कर रहा । Western Jamuna Canal में regulation centres दाऊदपुर और इन्दरी में हैं । उन के बीच में tube-wells लगे हुए हैं । गवर्नमैंट की गलती से महकमे ने 2,000 फुट के फासले की बजाए 1,500 फुट के फासले पर लगाये और साथ ही Western Jamuna Canal से पानी खैंचते रहे । अगर इन्दरी और दाऊदपुर के regulation centres के पानीकी actual measurement की जाए तो पता लगेगा कि इतना पानी निकलता नहीं । Tube-wells की repairs और establishment पर बहुत खर्च होता है लेकिन पानी लगातार मिल नहीं रहा । जो meters वहां लगे हैं उन का हम पूरा फायदा नहीं उठा रहे । इसलिए जरूरी है कि इस system को हम try करें और छोटे landholders को ज्यादा से ज्यादा relief दें । अगर हमारे revenues में इस तरह से कमी हो भी जाए तो भी हमें mind नहीं करना चाहिए क्योंकि Education, Health और दूसरे beneficent departments पर भी तो हम बिना फायदा उठाये खर्च करते हैं । करोड़ों रुपये खर्च करने का मतलब यह है कि maximum number को relief दिया जाए । अगर 5 या 10 लाख रुपया और खर्च करने से हम small cultivators को relief दे सकें तो हमें इस खर्च को महसूस नहीं करना चाहिए । हमें यह कह कर नहीं घबराना चाहिये कि यह system practicable नहीं और न ही मैं इस दलील को मानता हूं कि चूंकि यह system किसी दूसरे मुल्क में रायज नहीं इसलिए इसे यहां भी अपनाना नहीं चाहिये ।

(At this stage Khan Abdul Ghaffar Khan a member of the panel of Chairmen occupied the Chair.)

चंडीगढ़ नया शहर बन रहा है । इस को बनाने में बड़ी मुश्किलात पेश आ रही हैं । अब हम 6 मार्च को यहां से शिफ्ट कर के नए चैम्बर में जा रहे हैं । इस में भी मुश्किलात पेश आएंगी लेकिन हमें उन तमाम मुश्किलात का मुकाबला करना पड़ेगा और उन को दूर करना पड़ेगा । इसी तरह से अगर अवाम के फायदे के लिये कोई काम किया जाता है और उस में रुकावटें पैदा होती हैं तो उन को हम ने दूर करना है । उन को दूर करने की कोशिश करनी चाहिए । हमारी आबादी का 75 फीसदी हिस्सा खेती पर depend करता है हमें ऐसा प्रयत्न करना चाहिये जिस से कि आबादी के maximum number की भलाई कर सकें । हमें maximum number of growers को फायदा पहुंचाने का यत्न करना चाहिये । इस कदम से उन का फायदा होगा । उन की economic condition अच्छी होगी और पानी भी जाया नहीं होगा । अगली बात मैं यह कहना चाहता हूं कि करनाल ज़िला में पैडी की production के लिये temporary shoots दिये जा रहे हैं ।

लेकिन साथ ही शर्त यह रखी गई है कि जिन लोगों को temporary shoots दिये जायेंगे वे 25 एकड़, 50 एकड़ या सौ एकड़ का आबयाना ज़रूर देंगे। मेरा ख्याल है कि चार पांच ज़िलों में जहां पर पैडी production के लिए ऐसे shoots दिये जा रहे हैं उन सब में ही यह शर्त लगाई गई होगी । अब अगर दरियाओं में पानी कम हो जाए और महकमा नहर वाले पानी न दे सकें तो भी उन को पैसे पूरे देने पड़ेंगे । अगर बारिश हो जाती है, जमींदार को पानी की ज़रूरत नहीं रहती तो भी उन को आबयाना पूरा देना पड़ता है । यह दो तरह का बोझ petty cultivators को ज्यादा affect करता है । इस लिए मैं अर्ज़ करूं कि अगर मीटर सिस्टम अपना लिया जाए तो किसानों को फायदा हो जाएगा । हम पिछले चार पांच साल से कह रहे हैं कि class IV सरकारी मुलाज़मों की तनखाह बढ़ाई जाए । लेकिन जवाब यही मिलता है कि चूंकि उन की तादाद ज्यादा है इस लिये उन की तनखाह बढ़ाने के लिये बहुत ज्यादा पैसे चाहियें । लेकिन अगर आप जा कर देखें तो आप को मालूम होगा कि दोनों सेक्रेटरियेटों में बड़े बड़े अफसरों की तादाद कितनी बढ़ गई है । कितने Directors और कितने Deputy Directors बढ़ गये हैं । खास तौर पर मैं महकमा इंडस्टरी की मिसाल दे सकता हूं । वहां पर इतने Directors और Joint Directors नए appoint हो गए हैं कि एक एक के हिस्से में डेढ़ Assistant आता है हालांकि एक एक के हिस्से में precedent and convention के मुताबिक चार चार और पांच पांच Assistants आने चाहियें । (*interruptions*) सरदार राम दयाल सिंह ने कहा है कि महाराजा फरीदकोट की ज़मीन को पानी मीटर के ज़रिये दिया जाता है । इसी तरह से चौधरी लहरी सिंह जी ने फरमाया है कि जब वह मिनिस्टर थे उन्होंने भी किसी पार्टी को मीटर लगवा कर दिया था और वह पार्टी बड़े आराम में है । उन्होंने कहा कि वह पार्टी वाले उन के पास आते हैं और कहते हैं कि उन का मीटर भी हटाया जा रहा है लेकिन चूंकि उन का ताल्लुक बड़े आदमी से है इस लिये उन का मीटर नहीं हटवाया गया अगर किसी गरीब आदमी की बात होती तो कभी का वह मीटर हटवा दिया गया होता । गरीब आदमी की कुछ पूछ नहीं है उस को ज्यादा तकलीफ दी जाती है । मैं चाहता हूं कि किसानों के maximum number को फायदा पहुंचाने के लिये, उन की गुरबत का ख्याल रखते हुए ऐसा सिस्टम evolve किया जाना चाहिये जिस से कि उन बेचारों को पटवारियों के पीछे न भागना पड़े। जितना पानी वह इस्तेमाल करते हैं उतना ही आबयाना उन को देना पड़े । यह बड़ी हैरानी की बात है कि नहरों पर जो cuts होते हैं उन के लिये जो तावान डाला जाता है उस का बोझ भी ज्यादा तर गरीब आदमियों पर ही पड़ता है। अमीर आदमियों पर उस का बोझ भी कम पड़ता है । अगर सरकार एक दम इस सिस्टम को सारे पंजाब में लागू नहीं कर सकती तो न करे । मैं नहीं कहता कि आज ही शुरू कर दे या कल शुरू कर दे । जब मीटर मिल जाएं उस वक्त इस तरीके को अपनाया जाना चाहिये । हम अपने मुल्क को industrialise कर रहे हैं । मीटर

[श्री राम प्यारा]

सिस्टम को अपनाने के लिये अगर सरकार मीटर बनाने की इंडस्टरी शुरू कर दे तो शहरों की तरह ही देहात में भी मीटर स्पलाई किये जा सकते हैं । अगर शहरों में वाटर वर्कस वाले मीटर इस्तेमाल कर सकते हैं तो देहात में छोटे छोटे किसानों के लिये भी इन को इस्तेमाल किया जा सकता है । इस से एक तो मुल्क की इंडस्टरी तरक्की करेगी दूसरे लोगों को काम भी मिल जाएगा और उन को माली तौर पर रिलीफ़ मिल जाएगा । इन की जो revenue side है वह भी Irrigation Department के मातहत है । उस को अलग करने के लिये technical staff बहुत बड़ी रुकावट है क्योंकि वह इस के जरिये अपना आबयाना ज्यादा वसूल करता है । Technical side पर बड़े बड़े अफसरों की तनखाहें बहुत बड़ी बड़ी हैं और अपनी तनखाहों को justify करने के लिये उन को ज़्यादा आमदनी दिखानी पड़ती है । यह उन के interest में है कि additional income दिखाई जाए । अगर वे ज़्यादा आमदनी दिखाएं तो उन की नौकरी कायम रह सकती है । मेरी किसी के साथ नाराज़गी नहीं है मैं तो स्टेट के इंटरेस्ट में बात करता हूं कि इन दो ब्रांचेज़ को अलग कर दिया जाना चाहिये । हो सकता है कि मीटर सिस्टम लागू होने के बाद technical staff surplus हो जाए । उस स्टाफ को waterlogging menace दूर करने के लिये इस्तेमाल किया जा सकता है । आज कल 32 लाख एकड़ ज़मीन पंजाब प्रदेश की waterlogging के नीचे आ चुकी है । आज से चार पांच साल पहले पन्द्रह लाख एकड़ ज़मीन waterlogging के नीचे थी । पिछले साल में चार करोड़ रुपया इस मसले को हल करने के लिये हमारी सरकार खर्च कर चुकी है लेकिन फिर भी काफी हिस्सा ज़मीन का waterlogging के नीचे आ चुका है । कई बार यह कहा जाता है कि चूंकि दरियाओं में पानी ज़्यादा हो गया है और बारिशें ज्यादा होती हैं इस लिये बाढ़ ज्यादा आती है और waterlogging हो गई है । This is not the only cause. The land is already under waterlogging and unable to absorb any drop of water. ज़मीन में पानी जज़ब करने की capacity नहीं रही । चार कतरे बारिश के पड़ें तो ज़मीन पर खड़े हो जाते हैं । बहुत सी जगहों पर सड़कें wavy हैं और गवर्नमैंट ने काशन लगा रखे हैं "The road is wavy". सड़कें ऐसी हो गई हैं जैसे कि रबड़ की हों । सैंट्रल गवर्नमैंट के technical staff ने G. T. Road का survey किया है और इस नतीजे पर पहुंचा है कि ज़मीन के नीचे पानी पांच फुट गहराई तक पहुंच गया है । नीलोखेड़ी में यही problem थी । लेकिन वहां पर कुछ इकदाम किये जाने की वजह से करनाल में waterlogging में कुछ रिलीफ़ हुआ है । वरना यह तो कहा ही जाता है कि हरियाणा पंजाब वालों की कालोनी है और करनाल हरियाणा वालों की colony है । (*interruptions*) जितना आबयाना हमें कम आयेगा, उस की कमी revenue staff के हट जाने से पूरी हो सकती है । लोगों को relief भी मिल जाएगा । ज़ाती तौर पर मैं इस राए का हूं कि 50 लाख रुपये की कमी हो भी जाए तो उसे कमी नहीं समझना चाहिए । किसानों की economic condition अच्छी हो जाएगी । वाराबन्दी पर जो लड़ाइयां और फ़सादात

होते हैं वह कम हो जाएंगे और जो रुपया इस तरह से बचेगा वह तालीम पर और development के कामों पर खर्च किया जा सकेगा । जितना हमें revenue कम आएगा उतनी बचत भी हो जाएगी और लोगों को relief हो जाएगा । इन हालात में मैं बाजवा साहिब के resolution की पुरज़ोर ताईद करता हूं और गवर्नमैंट से कहता हूं कि वह इस को मंज़ूर करे ।

श्री जगदीश चन्द्र (पिहोवा) : इस resolution के पेश करने पर मुझे बाजवा साहिब से बहुत हमदर्दी हुई है । वह इस लिये कि इस से मालूम होता है कि इन्होंने ज़मींदारों के दिल की तड़प को बहुत हद तक समझ लिया है और महसूस किया है । वह ज़मींदारों को बचाना चाहते हैं । लेकिन दुःख की बात है कि जिस महकमे के चंगुल से वह ज़मींदारों को बचाना चाहते हैं वह इतना corrupt है और बेईमान है कि उस में from top to bottom corruption भरी है और उस से ज़मींदारों को बचाया नहीं जा सकता । मालूम यह होता है कि meter system को जारी कर के हम corruption को काबू में कर लेंगे । लेकिन मैं challenge करता हूं कि इतनी corruption होती है और wrong booking होती है जिस का बयान नहीं किया जा सकता । कहा गया कि जब मीटर लग जाएंगें तो साफ तौर पर पता चल जाया करेगा कि कितना पानी लगा है और उसपर कितना आबयाना लगाना जरूरी है । चेयरमैन साहिब, जहां आज लोग चाँद और सितारों तक पहुंच गये हैं वहां corruption में भी उन्होंने कमाल कर दिया है । मैं challenge करता हूं कि आप बेशक मीटर भी लगा लें आबपाशी भी हो जायेगी लेकिन मीटर कुछ भी नहीं बतायेगा । आज चोरी बहुत दूर तक पहुंच चुकी है ।

श्री सभापति : क्या आपने भी तजरुबा किया है ? (Has the hon. Member also got an experience of it).

श्री जगदीश चन्द्र : मैं आप, को एक मिसाल देकर समझाता हूं ।

श्री सभापति : कहीं वह ईजाद आप की अपनी ही तो नहीं (Is it not the figment of the hon. Member's own imagination ?)

श्री जगदीश चन्द्र : मेरी नहीं सरकारी नौकरों और इस department के कर्मचारियों की अपनी ईजाद है । मैं सरकार को सावधान करना चाहता हूं कि मीटर सिस्टम को सोच समझकर चालू करना । आज मीटर सिस्टम बिजली के महकमे में है। कई जगह tube-wells से irrigation का काम होता है मगर यह तजरुबा practically fail हुआ है । उसकी वजह यह है कि वहां बिजली की बड़ी भारी चोरी होती है । Operators tube well के मीटर को disconnect कर देते हैं तो ऐसी हालत में मीटर क्या बतायेगा । जब गवर्नमैंट का नमक खाने वाला अमला ही खुद बेईमान है तो आप इस सिस्टम को कैसे कामयाब कर सकते हैं । कई ऐसे cases पकड़े गए, पकड़ कर गवर्नमैंट के notice में लाए गए । लेकिन जैसा कि मैंने पहले

[श्री जगदीश चन्द्र]

कहा सारा department top से लेकर bottom तक ऐसी ज्यादतियों को protection देता है उनके खिलाफ कोई action ही नहीं लिया जाता ।

सिंचाई मंत्री : On a point of order, Sir. आनरेबल मेम्बर सारे महकमे की बाबत जो sweeping remarks कर रहे हैं यह गलत बात है आप उनको रोकें । इन्होंने कहा है कि top से लेकर bottom तक सारा महकमा corrupt है। ऐसी चीज़ तो कहीं भी नहीं होती छोटे से छोटा महकमा भी इतना corrupt नहीं हो सकता जितना इन्होंने बताया, फिर यह तो एक बहुत बड़ा महकमा है । इसके अन्दर निहायत काबिल अफ़सर हैं । हां कहीं एकाध केस हो जाए तो उस से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन उनके लिये इस तरह से sweeping remarks पास करना fair नहीं। आप इस तरह से उन्हें बोलने के लिये allow कर रहे हैं यह मुनासिब बात नहीं है ।

श्री जगदीश चन्द्र : यह बात तो ठीक ही है कि मनिस्टर साहब को अपने महकमा की बाबत इसी तरह defend करना चाहिए। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता। आप को मिसालें देकर मैं challenge कर सकता हूं कि tube-well irrigation के अन्दर इन्तहा दरजे की चोरी होती है। कई मिसालें ऐसी हैं जहां लोगों को गे हाथों पकड़ा गया । मैं तो आप के नोटिस में वह बुराइयां लाना चाहता हूं जिन को दूर करने से आप का काम अच्छी तरह चल सकता है गवर्नमैंट और public का जिस में मुफाद है और अगर आप उन बातों को नहीं सुनना चाहते तो न सुनें । दर असल चेयरमैन साहब मैं तो House में speech करना ही नहीं चाहता । में जानता हूं कि इसका कोई फायदा नहीं है । House की speech जंगल में रोने के समान है जहां कोई सुनने वाला नहीं । मैं ने नहीं कहा कि high officers पैसे लेते हैं मैं तो यह बताना चाहता हूं कि वह ऐसे अफसर को protection देते हैं जब कोई शिकायत की जाती है तो उस को department की prestige का सवाल बना कर उन केसिज को खटाई में डाल देते हैं। इसलिए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस department में corruption है। वज़ीर साहब मानें या न मानें, वक्त आने पर मान भी जायेंगे । इसलिए मैं महसूस करता हूं कि मीटर सिस्टम कोई बड़ा इलाज इस बीमारी का नहीं है। आप इससे wrong booking को नहीं रोक सकेंगे। जैसा मैं बताने जा रहा था इस वक्त tube-wells के सिलसिला में आपरेटर लोग क्या करते हैं ? वह मीटर को disconnect कर देते हैं tube-well चलता रहता है और आबपाशी होती रहती है। वह क्यों ऐसा करते हैं ? इसकी वजह यह है कि किसानों से उनके पैसे बन्धे होते हैं। यह एक सही बात है और कई cases Government के notice म लाए भी जा चुके हैं । सच्चाई अगर कड़वी लगती है तो इस में मेरा क्या कसूर है । मैं तो जो बातें कह रहा हूं good sense में कह रहा हूं। मैंने किसी अफसर के ऊपर personal attack नहीं किया। अगर उन में fairness हो तो क्यों ऐसे लोगों को protection देते हैं जो अपनी duty के दौरान हेराफेरियां करते हैं और corrupt

तरीके इस्तेमाल करते हैं । बजाए protection देने के ऐसे लोगों को फौरन पकड़ना चाहिए और सजा देनी चाहिये । इस लिये मैं कहता हूं कि जब tube-wells पर इस तरह बिजली की चोरी होती है, पानी की चोरी होती है, तो आप बेशक नहरों पर मीटर लगाकर देख लें यहां पर भी वे मीटर disconnect कर देंगे और अपनी जेबें पैसों से भरते रहेंगे। बताएं इसका क्या इलाज आप कर सकते हैं । जब तक आप के अफसरों और कर्मचारियों में इख्लाक ऊंचा नहीं होता जब तक वे लोग individual cases को महकमा की prestige का सवाल बनाकर defaulters को protection देंगे तब तक corruption दूर नहीं होगी । इसलिए मीटर system अच्छा होते हुए भी बीमारी का सही इलाज नहीं । आप के अफसरों को चाहिये कि जहां पर कोई corruption की शिकायत सुनें corrupt officials को सजा दें लेकिन सजा दी नहीं जाती (*interruptions*) । मैं आप को बताता हूं कि wrong booking कैसे होती है । एक ज्योतिसर के S.D.O. हैं । उसने अपने Division की progress दिखानी थी । 14-8-59 को वह एक तार भेजता है कि हर Irrigation booking clerk अपने record में कम से कम डेढ़ गुना आबपाशी दिखाए । 22-8-59 को वह खुद उनके पास पहुंचता है । जब उसने booking की entries को कम पाया तो 84-85 बीघे की booking खुद add कर डाली । उसका नम्बर वगैरा भी मैं details में बता सकता हूं अगर मनिस्टर साहब खुद इसकी पड़ताल करें । जिस ज़मीन की बाबत entries की गई वह इतनी ऊंची है कि वहां पानी पहुंच ही नहीं सकता लेकिन booking के अन्दर उस को भी दिया गया। कच्ची पर्ची वक्त पर जमींदारों को दी नहीं जाती लेकिन आबयाना 10,000 रुपए तक बढ़ा दिया जाता है । इस तरह गलत तरीके से progress दिखा कर figures सरकार के पास भेज दी जाती हैं । और यहां पर आंकड़े पेश करें दिये जाते हैं कि पंजाब के अन्दर इतने लाख एकड़ जमीन पर आबपाशी हो गई है । आए साल figures में बढ़ौतरी दिखा दी जाती है और यही तरीका इस्तेमाल किया जाता है । इसलिये मैं फिर कहूंगा कि जब तक corrupt officials को सजा नहीं दी जाती, इख्लाक नहीं बढ़ता तब तक meter system कामयाब नहीं हो सकता । एक दो आदमियों को आप सख्त से सख्त सजा दे दो तो बाकी के भी ठीक तरह से काम करेंगे और आप अपने सूबे को भी फायदा पहुंचा सकेंगे । इतना ही मैंने कहना था ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਰਿਆਮ ਸਿੰਘ (ਖ਼ਾਲੜਾ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ ਨੂੰ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਦੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਤੇ ਮੁਬਾਰਿਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਏਥੋਂ ਦਾ ਕਿਸਾਨ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਰੀੜ੍ਹ ਦੀ ਹੱਡੀ ਹੈ ਉਸ ਦੀਆਂ ਰੋਜ਼ ਦੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਉਤੇ ਕੁਛ ਅਮਲ ਹੋਵੇ ਲੇਕਿਨ ਜੇਕਰ ਇਸ ਦੇ ਉਤੇ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਗਲ ਵਿਚ ਵੀ ਹਾਰ ਪਾਉਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋਵਾਂਗਾ ਔਰ ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵੀ ਮੁਬਾਰਿਕਬਾਦ ਦੇਵਾਂਗਾ । ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਜਿਹੜਾ ਸਾਡਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦਾ

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ]

ਸਰਹੱਦੀ ਇਲਾਕਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਥੇ ਮੀਟਰ ਦਾ ਸਿਸਟਮ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਕੀ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਹੋਏ ਹੋਏ ਹਨ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਨਹਿਰ ਅਪਰਬਾਰੀ ਦੁਆਬ ਜਿਸ ਦਾ ਪਾਣੀ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੂੰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਸਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਦੀ ਵਗਦੀ ਹੈ। ਉਸ ਦਾ ਪਾਣੀ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੂੰ ਸਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਦੀ ਵਗ ਕੇ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਮਗਰ ਅਸੀਂ ਦੇਖ ਦੇਖ ਕੇ ਤਰਸਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਾਂ। ਸਾਡੀਆਂ ਖੇਤੀਆਂ ਪਾਣੀ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਸੁਕਦੀਆਂ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਜਦੋਂ ਮਾਲੀਏ ਦੀ ਵਾਰੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਪੂਰਾ ਹੀ ਦੇਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਸਾਡੀ ਫਸਲ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪਾਣੀ ਮਿਲਿਆ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਨਾ ਮਿਲਿਆ ਹੋਵੇ। ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਕ ਨਿਕੀ ਜਿਹੀ ਕਹਾਣੀ ਵੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਵਾਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਔਰ ਭਾਈ ਮਰਦਾਨਾ ਜਾ ਰਹੇ ਸਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਸਤੇ ਵਿਚ ਇਕ ਐਸੀ ਜਗ੍ਹਾ ਆਈ ਜਿਥੇ ਅੰਧੇਰ ਨਗਰੀ ਚੌਪਟ ਰਾਜਾ ਟਕੇ ਸੇਰ ਭਾਜੀ ਟਕੇ ਸੇਰ ਖਾਜਾ ਸੀ। ਹਰ ਚੀਜ਼ ਇਕੋ ਭਾ ਵਿਕਦੀ ਸੀ। ਮਰਦਾਨੇ ਹੋਰਾਂ ਸੋਚਿਆ ਖੂਬ ਮੌਜ ਹੋਵੇਗੀ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਨੇ ਮਰਦਾਨੇ ਨੂੰ ਆਖਿਆ ਕਿ ਆ ਚਲੀਏ। ਮਰਦਾਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਥੇ ਹੀ ਰਹਾਂਗਾ, ਤੁਸੀਂ ਜਾਉ। ਮਰਦਾਨੇ ਹੋਰੀਂ ਰਹਿ ਪਏ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੂਬ ਮੌਜ ਹੋਈ ਤੇ ਖਾ ਪੀ ਕੇ ਮੋਟੇ ਹੋ ਗਏ। ਕੁਝ ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਉਸ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਇਕ ਕਤਲ ਹੋ ਗਿਆ। ਕਾਤਲ ਨਾ ਲਭੇ। ਹਾਕਮ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਚਲੋ ਜੇ ਕਾਤਲ ਨਹੀਂ ਲਭਿਆ ਤਾਂ ਜਿਸ ਦੇ ਗਲ ਵਿਚ ਫਾਂਸੀ ਮੇਚ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਪਾ ਦਿਉ। ਲਭਦਿਆਂ ਲਭਦਿਆਂ ਘੰਟੇ ਦੋ ਘੰਟੇ ਉਹ ਇਹ ਦੇਖਦੇ ਰਹੇ ਕਿ ਕਿਸ ਦੇ ਗਲ ਵਿਚ ਫਾਂਸੀ ਪੂਰੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ, ਮਰਦਾਨੇ ਹੋਰਾਂ ਦੇ ਗਲ ਵਿਚ ਫਾਂਸੀ ਪੂਰੀ ਆ ਗਈ। ਏਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਾਣੀ ਅਗੇ ਚਲਦੀ ਹੈ। ਮਰਦਾਨੇ ਨੇ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬਾਂ ਨੂੰ ਯਾਦ ਕੀਤਾ। ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ ਆਏ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਬਚਾਇਆ। ਮੇਰਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੀ ਹਕੂਮਤ ਨੇ ਕੇਵਲ ਦੋ ਘੰਟੇ ਵਿਚ ਹੀ ਕਾਤਲ ਲਭ ਲਿਆ, ਕਾਤਲ ਨੂੰ ਲਭਣ ਵਾਸਤੇ ਦੋ ਘੰਟੇ ਲਗੇ। ਸਾਡਾ ਇਹ ਹਾਲ ਹੈ ਕਿ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਵਾਲੇ ਇਹ ਕਹਿ ਦੇਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡੀ ਪਨਸਾਲ ਘਟ ਗਈ ਹੈ, ਸਾਨੂੰ ਘਾਟਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਜਿਹੜੇ ਅਫਸਰ ਹਨ ਉਹ ਇਹ ਨਹੀਂ ਵੇਖਦੇ ਕਿ ਕਸੂਰ ਕਿਸਦਾ ਹੈ, ਕਾਤਲ ਕੌਣ ਹੈ, ਪਾਣੀ ਕਿਸ ਨੇ ਵਢਿਆ ਹੈ। ਉਸ ਨੂੰ ਤਾਂ ਲਭਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਤੇ ਲਾਗੇ ਦੇ ਰਜਬਾਹੇ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਨਕ ਵਿਚ ਦਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਪੜਤਾਲ ਦੇ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਕਈ ਵਾਰੀ ਏਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਪਿੰਡ ਰਾਜਬਾਹੇ ਦੀ ਟੇਲ ਤੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਦਾ। ਉਦੋਂ ਕਾਤਲ ਲਭਣ ਲਈ ਕਮ ਅਜ਼ ਕਮ ਦੋ ਤਿੰਨ ਘੰਟੇ ਤਾਂ ਲਾਏ ਜਾਂਦੇ ਸਨ ਪਰ ਹੁਣ ਉਹ ਭੀ ਨਹੀਂ ਲਾਏ ਜਾਂਦੇ। ਇਹ ਤਾਂ ਹੈ ਇਥੋਂ ਦੀ ਹਾਲਤ। ਜੇ ਕਰ ਕਦੇ ਪਾਣੀ ਆਉਂਦਾ ਵੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਤਕਸੀਮ ਬੜੀ ਨਾਕਸ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਬਾਜ਼ੇ ਸੂਇਆਂ ਯਾ ਰਾਜਬਾਹਿਆਂ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਉਤਲੇ ਹਿਸੇ ਵਾਲੇ ਹਨ ਉਹ ਮੌਜਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ, ਬਾਜ਼ ਔਕਾਤ ਜਿਹੜੇ ਟੇਲ ਵਾਲੇ ਹਨ ਉਹ ਮੌਜਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਰਜਬਾਹਿਆਂ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾ ਵਿਚੋਂ ਖਸੂਸਨ ਦੋ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਟੇਲ ਤੇ ਪਾਣੀ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਪਾਣੀ ਅਗੇ ਜਾ ਕੇ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੂੰ ਹੀ ਕਿਸੇ ਖਾਲ੍ਹ ਦੇ ਜ਼ਰੀਏ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਕਈ ਸੂਏ ਐਸੇ ਹਨ ਕਿ ਟੇਲ ਵਾਲੇ ਹੋਂਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ, ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ

ਪਹੁੰਚਦਾ, ਉਤਲੇ ਮੌਜਾਂ ਮਾਣਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਵੀ ਮੈਂ ਮੀਟਰ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ । ਜਿਹੜਾ ਮੀਟਰ ਮੋਘੇ ਤੇ ਲਾਉਣਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਮੈਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ । ਜਿਹੜੇ ਸੂਏ ਜਾਂ ਰਾਜਵਾਹੇ ਉਥੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ cusecs ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜੋ commanded area ਹੈ ਉਸ ਤੇ base ਕੀਤਾ ਜਾਏ । ਇਹ ਨਾ ਹੋਵੇ ਕਿ ਭਾਵੇਂ ਕਿਸੇ ਦੇ ਨਕੇ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਪਹੁੰਚਿਆ ਹੈ ਯਾ ਨਹੀਂ ਪਾਣੀ ਅਗੇ pass ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਏ । ਬੰਦੀ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਕਈ ਅਫਸਰ ਚੰਗੇ ਨਹੀਂ, ਮੈਂ ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ । ਮੈਂ ਬਤੌਰ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੇ ਜਿਹੜਾ ਮੇਰਾ ਤਜਰਬਾ ਹੈ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਬਣਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਤੇ ਹੁਣ ਵੀ ਦਸਦਾ ਹਾਂ । ਅਪਰੈਲ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਯਾ ਮਾਰਚ ਦੇ ਅਧ ਵਿਚ ਕਦੇ ਵੀ ਬੰਦੀ ਨਹੀਂ ਸੁਣੀ ਸੀ । ਇਥੇ ਹਮੇਸ਼ਾਂ ਹਰ ਸਾਲ ਅਮੂਮਨ 15 ਦਿਨ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ, ਬਾਜ਼ ਔਕਾਤ ਮਹੀਨਾ, ਮਹੀਨਾ, ਬੰਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਅਜ ਕਲ੍ਹ ਸਾਡੇ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਬੰਦੀ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਹੈ ਜਾਂ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਜੋ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਸੀਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਹੀ ਬਿਹਤਰ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਾ ਸਕਦੇ ਹਾਂ । ਅਪਰ ਬਾਰੀ ਦੁਆਬ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕ grey canal system ਹੈ, ਜੋ ਜ਼ਿਲਾ ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ । ਚਾਰ ਸਾਲ ਦਾ ਅਰਸਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਕਤ ਦਾ grey canal system ਜਾਰੀ ਹੈ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਦੀ position ਹਾਲੇ ਤਕ ਕਾਬਲੇ ਗੌਰ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਵਡੇ ਵਡੇ ਅਫਸਰ ਅਜੇ ਤਕ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ । ਇਹ ਇਲਾਕਾ ਐਸਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਛੌਨੇ ਵਾਲਾ ਇਲਾਕਾ ਕਰਾਰ ਦੇਣਾ ਹੈ । ਪਾਣੀ ਦੇ ਬਗੈਰ ਛੌਨੇ ਵਾਲਾ ਇਲਾਕਾ ਕਰਾਰ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਮਹਿਕਮੇ ਦੀ set policy ਨਹੀਂ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀ ਪਾਲਿਸੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ set ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਬਾਜ਼ ਔਕਾਤ ਛੌਨਾ ਲਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਮਗਰ ਲਾਉਣ ਤੋਂ 8 ਜਾਂ 10 ਦਿਨ ਬਾਅਦ ਬੰਦੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਲਗਿਆ ਲਗਾਇਆ ਛੌਨਾ ਖਰਾਬ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਹੁਣ ਸੂਰਤ ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਬਾਵਜੂਦ ਇਸ ਗੱਲ ਦੇ ਕਿ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਪਿਛਲਾ ਮੁਕਰਰ ਪਾਣੀ ਹੀ ਪਹੁੰਚਦਾ ਹੈ, grey canal ਦਾ schedule ਆਬਿਆਨਾ ਵੀ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ, ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਖੁਸ਼ ਹੈਸੀਅਤੀ ਟੈਕਸ ਲਾ ਦਿਤਾ ਹੈ ।

(At this stage the Mr. Deputy Speaker occupied the Chair.)

ਇਹ ਬੜੀ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਪਾਣੀ ਜਿੰਨਾ ਅਗੇ ਸੀ ਉਸ ਤੋਂ ਬਹੁਤ ਘਟ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਾਣੀ ਘਟਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਮਗਰ ਖੁਸ਼ਹੈਸੀਅਤੀ ਟੈਕਸ ਲਗਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਹਾਲਾਂਕਿ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਅਗੇ ਹੀ ਇਕ ਟੈਕਸ ਘੁਮਾਂ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਹੁੰਦਾ ਸੀ, ਜੋ ਅੰਦਾਜ਼ਨ ਪੰਜ ਫਸਲਾਂ ਤੇ ਲਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ । ਜਿਸ ਵੇਲੇ remodelling ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਜਿਸ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਸੂਇਆਂ ਜਾਂ ਰਜਵਾਹਿਆਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਚਲਾਉਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਚਲਾਇਆ ਜਾਂਦਾ । ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਕਿਸਾਨ ਅਰਜ਼ੀ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡੇ ਮੋਘੇ ਦਾ discharge ਲਵੋ ਤਾਂ ਓਵਰਸੀਅਰ ਉਸ ਦਿਨ ਆ ਕੇ discharge ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਦਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ full supply ਕੀਤੀ ਹੋਵੇ । ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਸਾਡੇ ਸੂਏ full supply ਤੇ ਨਹੀਂ ਚਲਦੇ । ਹਮੇਸ਼ਾਂ ਹੀ ਉਹ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਨੀਵੇਂ ਚਲਦੇ

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ]
ਹਨ, ਭਾਵੇਂ ਛੇ ਇੰਚ ਨੀਵੇਂ ਹੋਣ ਭਾਵੇਂ ਫੁਟ ਨੀਵੇਂ ਹੋਣ । ਇਸ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । Discharge ਘਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਵੀ ਅਗਰ ਮੀਟਰ ਲਗਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਜਿੰਨਾ ਪਾਣੀ ਆਵੇਗਾ ਉਹ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਸਾਨੂੰ ਹਿਸਾਬ ਦੇਣਾ ਪਏਗਾ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਬਾਜ਼ ਔਕਾਤ ਰਜਵਾਹ ਪਨਸਾਲ ਤੋਂ ਨੀਵਾਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਪਾਣੀ ਟੇਲ ਤਕ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਦਾ । ਉਥੇ ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਨੇ, ਕਿ ਇਕ ਸੂਆ ਚਾਲੂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਪਾਣੀ ਦੀ ਵਾਰੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਪਰ ਉਹ ਵਾਪਸ ਆ ਕੇ ਆਖ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਵੇਰੇ ਵਗਦਾ ਸੀ, ਹੁਣ ਖੁਸ਼ਕ ਹੋ ਗਿਆ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਤਦੇ ਹੀ ਹਟ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ ਅਗਰ ਉਥੇ ਮੀਟਰ ਹੋਵੇ । ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਤਸ਼ਖੀਸ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਸ ਵੇਲੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਬਾਜ਼ ਔਕਾਤ ਬਾਰਸ਼ ਮਹਿਕਮਾ ਨਹਿਰ ਦੀ ਮਦਦ ਤੇ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਐਤਕੀ ਬਾਰਸ਼ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋਈ ਅਤੇ ਅਸੀਂ ਨਹਿਰ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲੇ ਤੇ ਅਸੀਂ ਆਖਿਆ ਕਿ ਐਤਕੀ ਸਾਡੀ ਬਿਜਾਈ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਉਹ ਆਖਣ ਲਗੇ ਕਿ ਅਸਲ ਵਿਚ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਐਤਕੀ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਆਇਆ । ਮੈਂ ਆਖਿਆ ਕਿ ਮਾਮਲਾ ਤੁਸੀਂ ਫੇਰ ਵੀ ਲਾ ਦੇਣਾ ਹੈ । ਉਹ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਅਗੇ ਬਾਰਸ਼ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਸੀ, ਐਤਕੀ ਸਾਡਾ ਪਜ ਖੁਲ ਗਿਆ ਹੈ । ਤਸ਼ਖੀਸ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਬਾਰਸ਼ ਦਾ ਪਾਣੀ ਤੇ ਨਹਿਰ ਦਾ ਪਾਣੀ ਮਿਲਾ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੋ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਮਖਲੂਤ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਪਾਣੀ ਭਾਵੇਂ ਬਾਰਸ਼ ਦਾ ਹੋਵੇ ਉਹ ਲਿਖ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮਖਲੂਤ ਹੈ । ਆਡਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਸਾਨ ਬਾਰਸ਼ ਦਾ ਪਾਣੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਕਿਉਂਕਿ ਕਿਸਾਨ ਨੇ ਪਾਣੀ ਵਰਤ ਲਿਆ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਨਹਿਰ ਦਾ ਪਾਣੀ ਲਿਖ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਅਤੇ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਮਾਮਲਾ ਲਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਜਿਥੇ ਟਿੱਬਾ ਹੈ, ਬਾਰਸ਼ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਨਾਲ raises ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਥੋੜ੍ਹੀ ਬਹੁਤ ਫਸਲ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਤਸ਼ਖੀਸ ਕਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਜਿਥੇ ਬਾਰਸ਼ ਦਾ ਪਾਣੀ ਹੈ ਮਖਲੂਤ ਤੇ raise ਲਿਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਰੋਜ਼ ਦਾ ਪਾਣੀ ਵੀ ਉਸ ਤਸ਼ਖੀਸ ਵਿਚ ਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਨਕੇ ਤੇ ਪਾਣੀ ਪਹੁੰਚਿਆ ਹੋਵੇ ਜਾ ਨਾ ਪਹੁੰਚਿਆ ਹੋਵੇ, ਸਿਰਫ ਐਨਾ ਹੋਵੇ ਕਿ ਖਾਲ ਤੇ ਨਕਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਪਾਣੀ ਭਾਵੇਂ ਨਾ ਲਗਿਆ ਹੋਵੇ, ਮਾਮਲਾ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਅਗਰ ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਦਿਕਤਾਂ ਰੁਕ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ । ਅਗਰ ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਕਿਸਾਨ ਜਿੰਨਾ ਪਾਣੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰੇਗਾ ਓਨਾ ਹੀ ਮਾਮਲਾ ਅਦਾ ਕਰੇਗਾ ਯਾ ਜਿੰਨੀ ਰਕਮ ਉਸ ਦੇ ਜ਼ਿਮੇ ਹੋਵੇਗੀ ਉਹ ਅਦਾ ਕਰੇਗਾ । ਇਥੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਦਿਕਤਾਂ ਹਨ । ਜਿਥੇ co-operative farming societies ਬਣੀਆਂ ਹਨ ਯਾ ਦੂਸਰੀਆਂ co-operative societies ਹਨ ਯਾ agricultural societies ਬਣੀਆਂ ਹਨ ਉਥੇ ਕਾਫੀ ਆਸਾਨੀ ਹੈ । ਮਗਰ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚੌਧਰੀ ਲਹਿਰੀ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਜਿਥੇ ਛੋਟੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਹਨ, ਜਿਥੇ ਦੋ ਦੋ, ਚਾਰ ਚਾਰ ਯਾ ਪੰਜ ਪੰਜ ਏਕੜ ਦੇ ਮਾਲਕ ਹਨ ਯਾ ਇਕ ਮੋਘੇ ਤੇ 15 ਜਾਂ 20 ਹਿਸੇਦਾਰ ਹਨ ਉਥੇ ਦਿਕਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਮਗਰ ਮੈਂ ਇਸ ਦਿਕਤ ਨੂੰ ਵੀ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਗੇ ਅਸੀਂ ਉਥੇ ਐਸੇ ਆਦਮੀ ਰਖੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਦਾਣੇ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਅਸੀਂ ਪਾਣੀ ਦੀ ਵਾਰੀ ਪੁਛਦੇ ਹਾਂ ਹਰ ਹਿਸੇਦਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਦਮੀਆਂ ਕੋਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਤਨਾ

time ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਪਾਣੀ ਦੀ ਵਾਰੀ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ ਆਈ; ਆਦਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛ ਕੇ ਉਹ ਪਾਣੀ ਲਾਉਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਾਣੇ ਹਰ ਹਿਸੇਦਾਰ ਦੇ ਹਿਸੇ ਜਿਤਨੇ ਆਉਣ, ਉਹ ਆਪਣੇ ਆਪਣੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਸਾਰਾ ਪਿੰਡ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਾਣੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੇ ਮੀਟਰ ਲਗਾ ਹੋਏ ਤਾਂ ਚੂੰਕਿ ਵਾਰਾਬੰਦੀ ਮੁਕੱਰਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਪਤਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਫਲਾਣੇ ਫਲਾਣੇ ਬੰਦੇ ਦੀ ਐਨੇ ਵਜੇ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਐਨੇ ਵਜੇ ਤਕ ਵਾਰੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ। ਉਹ ਆਦਮੀ ਉਥੇ ਜਾ ਕੇ ਵੇਖ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਤਨਾ ਪਾਣੀ ਉਸ ਦੇ ਵਲ ਲਗਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਹੜਾ ਪਾਣੀ ਲਾ ਕੇ ਹਟਦਾ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਉਥੇ ਹੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੀ reading ਉਥੇ ਹੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਜੋ ਲਾਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਉਥੇ ਹੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪਾਣੀ ਲਾਉਣ ਵਾਲਾ ਉਥੇ ਨਾ ਜਾਏ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਦੀ ਆਪਣੀ ਗਰਜ਼ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਪਤਾ ਕਰੇ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਵਾਰੀ ਵਿਚ ਕਿਤਨਾ ਪਾਣੀ ਲਗਾ ਹੈ। ਉਸ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪਤਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਉਹ ਉਥੇ ਨਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋ ਜਾਏਗਾ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਉਹ ਪਤਾ ਹੀ ਨਾ ਕਰੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਬੜੀ ਮਾੜੀ ਗਲ ਹੋਏਗੀ ਜੇ ਸਿਰਫ ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਸ system ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਏ। ਮਹਿਕਮਾ ਨਹਿਰ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦਾ ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਕਾਫੀ ਹਦ ਤਕ ਤਜਰਬਾ ਹੈ ਕਿ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਇਸ Assembly ਦੇ ਵਕਫੇ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ, ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ ਸਾਹਿਬ, ਔਰ ਰਾਓ ਬਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਜਿਤਨੇ ਵੀ ਵਜ਼ੀਰ incharge ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਇਹ ਹਾਲ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਜੁੰਬਦ ਨਾ ਜੁਬਦ ਗੁਲ ਮੁਹੰਮਦ।

श्री उपाध्यक्ष : इस वक्त Irrigation Department पर discussion नहीं हो रही। आप relevant नहीं। (The Irrigation Department is not under discussion now. The hon. Member is not relevant.)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ : ਜਨਾਬ meter system ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹੀ ਲਾਗੂ ਕਰਨਾ ਹੈ।

Mr. Deputy Speaker : But, now only this resolution is under discussion.

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ : ਤੋ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਜੋ ਵੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਪਾਸ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਹ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਡੁਬ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਔਰ ਕਾਗਜ਼ ਗਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ Grow-More-Food Campaign ਵਿਚ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਔਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਵਾਸਤੇ 1810 cusecs ਪਾਣੀ ਮੁਹੱਈਆ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਅਤੇ ਕੁਝ ਨਵੇਂ ਰਾਜਬਾਹ ਕਢੇ ਗਏ ਸਨ ਤਾਂ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਚਲਾ ਕੇ grow-more-food campaign ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ, ਮਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਕਦੇ ਨਹੀਂ ਗਿਆ। ਸਾਨੂੰ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਦਰਿਆ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਘਟ ਹੋਣ ਕਰ ਕੇ ਉਹ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਪਰ ਅਸੀਂ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਕਿ ਦਰਿਆ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਜਾਂ ਕੋਈ ਹੋਰ ਬਹਾਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ technical

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ]

ਚੀਜ਼ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਗੱਲ ਮੰਨਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਬਾਵਜੂਦ ਇਸ ਗੱਲ ਦੇ ਕਿ ਭਾਵੇਂ ਨਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਪਰ ਸਾਨੂੰ ਆਬਿਆਨਾ ਪੂਰਾ ਠੋਕਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਜਿਹੜਾ 1,810 cusecs ਪਾਣੀ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਉਹ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਔਰ ਆਬਿਆਨਾ ਪੂਰਾ ਹੀ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਹ ਰਾਜਬਾਹ ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ Grow-More-Food Campaign ਦੇ ਮਾਤਹਿਤ ਚਲਾਏ ਗਏ ਸਨ ਉਨਾਂ ਦਾ scheduled ਆਬਿਆਨਾ ਘਟ ਸੀ । ਮਗਰ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਵਸੂਲੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਸਾਲਾਨਾ ਨਹਿਰਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਚਲਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ schedule ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਥੋਂ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

Upper Bari Doab ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਜਿਹੜੀ establishment ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਉਤੇ ਅੰਦਾਜ਼ਨ 10,25,000 ਰੁਪਏ ਦੇ ਕਰੀਬ ਖਰਚ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੈਂ suggest ਕੀਤਾ ਹੈ ਜੋ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ meters ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਤਾਂ ਇਸ ਵਿਚੋਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਬਚਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ meter reading ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਤਾਂ ਘਟ ਪੈਸੇ ਲੈਣੇ ਹਨ । ਫਿਰ ਸਾਰਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਵਡੀ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਪਟਵਾਰੀ ਨਹਿਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਬਚਾਉ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਇਹ system ਅਪਨਾ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਨਾਉਣਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । ਅਗਰ ਕਿਸਾਨ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ production ਵਧੇਗੀ ਔਰ ਜੇ production ਵਧੇਗੀ ਤਾਂ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਵਧੇਗੀ । ਇਸ resolution ਵਿਚ ਕੋਈ ਮਾੜੀ ਗਲ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਬਾਵਾ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ (ਕਪੂਰਥਲਾ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਜੋ resolution ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ resolution ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਜ਼ਰੀਏ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਪਾਣੀ ਸਬੰਧੀ ਕਾਫ਼ੀ ਤਕਲੀਫ਼ਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਦੂਰ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ । ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ resolution ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਮਨੋਰਥ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਦਾ ਇਸ ਵੇਲੇ ਜੋ inefficient system ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਬਜਾਏ meteric system ਅਪਨਾਇਆ ਜਾਏ ਔਰ ਪਾਣੀ ਤੇ ਕਾਬੂ ਔਰ control ਕੀਤਾ ਜਾਏ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਵੇਲੇ tube-wells ਲਈ ਬਿਜਲੀ ਦੀ supply ਤੇ meter ਲਗੇ ਹੋਏ ਨੇ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਿਥੇ ਜਿਥੇ ਨਹਿਰਾਂ ਨੇ ਉਥੇ ਉਥੇ meters ਲਗਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਨੇ । ਲੇਕਿਨ ਜਿਥੇ ਜਿਥੇ ਇਸ ਵੇਲੇ ਬਿਜਲੀ ਦੇ tube-wells ਲਗੇ ਹੋਏ ਨੇ ਉਥੇ ਜੋ irregularities ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਬੰਧੀ, ਮੈਂ ਕੁਝ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਪਹਿਲੇ tube-wells ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਪੈਪਸੂ ਵਿਚ ਜਾਰੀ ਹੋਏ ਸਨ (ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਇਹ ਮਤਾ tube-wells ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ) ਕਿਉਂਕਿ tube-wells ਜਿਹੜੇ ਹਨ ਉਹ irrigation ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ tube-wells ਸਬੰਧੀ ਜਾਂ ਆਬ-ਪਾਸ਼ੀ ਲਈ ਪਾਣੀ ਸਬੰਧੀ ਕੁਝ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਔਰ ਇਹ ਮਤਾ meter ਸਬੰਧੀ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਬਿਜਲੀ ਦੇ meters ਹੋਣ ਤੇ ਭਾਵੇਂ ਨਹਿਰਾਂ ਦੇ ਹੋਣ, ਦੋਹਾਂ ਬਾਈਂ irrigation ਲਈ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸੋ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਜਿਥੇ

tube-wells ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਉਥੇ ਇਕ ਇਕ tube-well ਦਾ commanded area 800, 800 ਏਕੜ ਹੈ.ਪਰ ਇਕ tube-well 800 ਏਕੜ ਰਕਬੇ ਨੂੰ ਸੈਰਾਬ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਛੋਨੇ ਦੀ ਫਸਲ ਦਾ ਕੁਲ 200 ਏਕੜ,ਰਕਬਾ ਇਕ tube-well ਤੋਂ ਸੈਰਾਬ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਤਦ ਜਾ ਕੇ ਉਹ ਫਸਲ ਪਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਇਕ tube-well ਲਈ 800 ਏਕੜ ਦਾ commanded area ਮੁਕਰਰ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਇਸ area ਵਾਸਤੇ ਇਕ tube-well ਨਾਕਾਫੀ ਹੈ। ਉਹ ਸਾਰੇ area ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦਾ। ਸਿਰਫ 200 ਜਾਂ 250 ਏਕੜ ਨੂੰ ਉਸ ਤੋਂ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਔਰ ਬਾਕੀ ਜੋ area ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਕਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ।

श्री उपाध्यक्ष : यह कैसे relevant है। इस resolution का tube-wells के meters वगैरा से क्या ताल्लुक है ? (How is this relevant ? This resolution has got nothing to do with the meters of tube-wells.)

ਬਾਵਾ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ: ਮੈਂ ਦਸਦਾ ਹਾਂ ਕਿ area ਘਟ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

Mr. Deputy Speaker: Confine yourself to the Resolution.

ਬਾਵਾ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ: ਮੀਟਰ ਲਗ ਜਾਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ tube-wells ਤੇ ਹਾਲਤ ਉਹੀ ਰਹੇਗੀ। Tube-wells ਤੇ ਵੀ ਮੀਟਰ ਹੋਣ, ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਦਿਕਤਾਂ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ।

श्री उपाध्यक्ष : यह Resolution water courses पर मीटर लगाने के लिये है। (This resolution relates to the installation of meters on water courses.)

बावा हरनाम सिंह : मैं भी यही अर्ज़ कर रहा हूं कि मीटर लगाए जाए और tube-wells पर भी लगाए जाएं ।

श्री उपाध्यक्ष: क्या आप ने कोई amendment दी हुई है। (Has the hon. Member given notice of any amendment?) You should try to be relevant.

बावा हरनाम सिंह : इस वक्त हम देख रहे हैं कि Tube-wells द्वारा या नहरों द्वारा जो जमींदारों को पानी मिलता है उस के प्रबन्ध में काफी irregularities होती हैं और corruption चलती है। बड़े २ जमींदार पटवारियों से मिल कर ज्यादा मिकदार में पानी हासिल कर लेते हैं और गरीब किसान नुकसान में रहते हैं इसलिए S.D.Os को हिदायत होनी चाहिये कि वह uncommanded area में लोगों को encourage करें कि वह private tube-wells लगा सकें।

इस के अलावा मैं अर्ज़ करूंगा कि गवर्नमैंट को पटवारियों की appointment करते वक्त खास ध्यान रखना चाहिये। कई दफ़ा डिप्टी कमिशनर कलर्कों को पटवारी

[बावा हरनाम सिंह]

appoint कर देते हैं जो अपनी duties बतौर पटवारी efficiently नहीं discharge कर सकते इस लिये मैं समझता हूं कि Tehsil agency में काफी सुधार करने की जरूरत है ।

श्री उपाध्यक्ष : माननीय मैम्बर irrelevant बात कर रहे हैं । तहसील एजैंसी का इस resolution के साथ कोई ताल्लुक नहीं (The hon. Member is irrelevant. Tehsil agency has nothing to do with this resolution.)

बावा हरनाम सिंह: डिप्टी स्पीकर साहिब मैं इस resolution को support करता हूं और गवर्नमैंट से अपील करता हूं कि नहरों से पानी की supply meters लगा कर दी जाए ताकि पानी की मिकदार का पूरा हिसाब रखा जा सके ।

चौधरी चम्बेल **सिंह** (बुटाना) : डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं बाजवा साहिब के resolution की हिमायत करने के लिये खड़ा हूआ हूं । इस resolution पर अमल करने से किसानों और जमींदारों की जो नहरी पानी इस्तेमाल करते हैं सही खिदमत की जा सकती है । मौजूदा हालात में कोई भी किसान या खेती करने वाला यह नहीं समझ सकता कि उसे कितना abiana देना पड़ेगा । इस वक्त बेचारे किसान पटवारियों के रहम पर हैं । नहरी पटवारी जो चाहें उन की जमीन का abiana तशखीस कर दें । ऐसे cases भी नोटिस में आए हैं जहां किसान को नहरी पानी बिल्कुल नहीं मिला या उस की एक दो किल्ला जमीन को पानी मिला लेकिन गिरदावर या पटवारी ने कागजात में 10 किल्ले जमीन का आबियाना दर्ज कर दिया और उसे उतना ही abiana pay करना पड़ा । इसलिए यह सोचने की बात है और हमारी सरकार को ऐसा रास्ता निकालने की कोशिश करनी चाहिये जिस से किसानों को इस मुसीबत से छुटकारा मिल सके । इस झगड़े से निजात पाने का यही इलाज है कि पानी की पैमाइश का इंतजाम हो और बाजवा साहिब की तजवीज के मुताबिक राजबाहों और मोघों पर meters लगाये जाएं इस से सही अंदाजा लग सकेगा कि किस किसान ने कितना पानी utilise किया है । अगर इस काम में कोई मुश्किलात हों तो उन को हल करने की कोशिश की जाए । आखिर रियाया के मुफाद के लिये मुश्किलात पर अबूर पाना भी तो हकूमत का फर्ज है । मैं उम्मीद करता हूं कि चूंकि हमारी अवामी सरकार है इसलिये वह हर मुमकिन कोशिश करेगी कि किसानों को इस high-handedness से बचाया जाए । मेरे दोस्त चौधरी जगदीश चन्द्र ने कहा है कि meters का कोई लाभ नहीं होगा । जिस तरह से tube-wells से पानी हासिल करने में चोरी हो जाती है इसी तरह इस system के रायज करने के बाद भी चोरी हो सकेगी । लेकिन मैं समझता हूं कि किसानों की कुछ मुसीबत तो हलकी हो जायेगी । मैं समझता हूं कि meters लगाने से किसानों का भला होगा । बाजवा साहिब ने वक्त की मांग के मुताबिक यह resolution पेश किया है । मैं उम्मीद करता हूं कि मिनिस्टर साहिब इस को मंजूर फरमाएंगे और किसानों के साथ हमदर्दी का सबूत देंगे । मैं ज्यादा समय न लेते हुए डिप्टी स्पीकर साहिब, आप का धन्यवाद करता हूं ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ-ਜਨਰਲ) ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਾਜਵਾ ਜੀ ਨੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਅਹਿਮ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਵੀ ਭਲਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵੀ ਫਾਇਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲੇ ਸਰਕਾਰ ਦਾ Grow-More-Food ਦਾ ਮਸਲਾ ਵੀ ਹੱਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ "ਮੁੰਜ ਬਗੜ ਦਾ ਸੌਦਾ ਨਾਲ ਹੀ ਦੇਵੀ ਦੇ ਦਰਸ਼ਨ"। ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਕੁਝ ਐਸੇ elements ਹਨ ਕਿ ਹਰ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ black markets ਦੀ ਤਰਫ ਲੈ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਜੇ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਦਾ ਰਕਬਾ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਤੋਂ ਦੋ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਹੋ ਜਾਵੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਤਾਂ ਦੁਗਣੀ ਆਮਦਨੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਪਰ ਪਾਣੀ ਉਤਨੇ ਦਾ ਉਤਨਾ ਹੀ ਰਹਿਣਾ ਹੈ। ਪਾਣੀ ਲਗਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਵੀ ਬੰਜਰ ਦਿਖਾ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਜੇ ਕੋਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਲਾਉਣਾ ਚਾਹੇ ਤਾਂ ਮੁਲਕ ਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਹਰਕਤ ਵਿਚ ਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਵਿਚ ਵੀ ਅਤੇ ਹੋਰ ਕਈ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਵੀ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਬਾਰ ਬਾਰ ਦਾਵਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ Grow-More-Food ਵਿੱਚ ਸਾਡਾ ਸੂਬਾ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਭਰ ਵਿਚ ਅਵਲ ਨੰਬਰ ਤੇ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਸਾਰਾ ਨਤੀਜਾ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਮੇਹਨਤ ਦਾ ਹੀ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਨਾਲ ਪੈਦਾਵਾਰ ਬੜ੍ਹੀ ਹੈ। ਬਜਾਇ ਇਸ ਦੇ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਕੋਈ incentive ਦੇਈਏ ਅਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਿਛੇ ਸੁਟਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜੇ ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ ਚਾਲੂ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਇਸ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚ ਆਉਣਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਖਿਦਮਤ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ food ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੱਲ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਹਰ ਮੁਮਕਨ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਹਰ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਪਾਣੀ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਸਾਡਾ ਮਸਲਾ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਹਲ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਅਜ ਅਸੀਂ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਿਆ exchange ਰਾਹੀਂ ਜ਼ਾਇਆ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਹੜੀ ਗੱਲ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਹੀ ਹੈ ਉਹ ਮੰਨੀ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਖਿਦਮਤ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੁਲਕ ਦਾ Grow-More-Food ਦਾ ਮਸਲਾ ਹਲ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਿਤਨੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਉਤਨਾ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਵਜ੍ਹਾ ਨਾਲ ਪੂਰਾ area ਸੈਰਾਬ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਉਹ ਇਹੀ ਹੈ ਕਿ ਪਾਣੀ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ। ਜੇ ਅਸੀਂ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ area ਸੈਰਾਬ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹੋ ਹੋਣਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧੇਗੀ ਅਤੇ ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਅਸੀਂ exchange ਰਾਹੀਂ ਬਾਹਰਲੇ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਭੇਜਦੇ ਹਾਂ ਉਹ ਬਾਹਰ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਚ ਜਾਏਗਾ। ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮੀਟਰ ਨਹੀਂ ਲਭਦੇ। ਜੇ ਹੋਰਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੇ ਮੀਟਰ ਲਭ ਸਕਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਨਹਿਰਾਂ ਦੇ ਮੀਟਰ ਨਹੀਂ ਲਭਦੇ। ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਚੌਧਰੀ ਲਹਿਰੀ ਸਿੰਘ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਤੁਹਾਡੇ ਵਰਗੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੀਆਂ ਕੰਮ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦੱਸੀਆਂ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਮਰੀਕਾ ਅਤੇ ਹੋਰ ਦੂਸਰੇ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਇਹ ਸਿਸਟਮ ਚਾਲੂ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਇਥੇ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ।

5-00 p.m.

ਸ਼੍ਰੀ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ ਅਤੇ ਚੌਧਰੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਚੰਦਰ ਨੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕੁਝ corruption ਦੇ cases ਦੱਸੇ ਹਨ। ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮੀਟਰ ਦੇ ਲਗਣ ਕਰਕੇ corruption ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਤੁਸੀਂ ਦੇਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜੇ

[ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ]
ਉਹ ਨਾਪ ਕੇ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੀ ਹਰਜ ਹੈ। ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਕੀ ਸਬੂਤ ਹੈ ਜੇ ਮੈਂ ਕਹਾਂ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। ਪਟਵਾਰੀ ਨੇ ਤਾਂ ਪੂਰੇ ਦੇ ਪੂਰੇ ਪੈਸੇ ਪਾ ਦੇਣੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਮਤਲਿਕ ਇਕ ਗੱਲ ਮੈਨੂੰ ਯਾਦ ਆਈ ਕਿ ਇਕ ਦਫਾ ਜਸਟਿਸ ਅਬਦੁਲ ਰਸ਼ੀਦ ਨੇ ਕਿਸੇ ਪਟਵਾਰੀ ਨੂੰ ਕੋਈ ਕੰਮ ਕਿਹਾ ਪਰ ਉਹ ਨਾ ਮੰਨਿਆ। ਉਸ ਨੇ ਇਹ ਗੱਲ ਜ਼ਾਹਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕਿ ਪਟਵਾਰੀ ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਡਰਦੇ ਇਕ ਨਕਲੀਆਂ ਦੀ ਟੋਲੀ ਬੁਲਵਾਈ ਜਿਸ ਨੇ ਪਟਵਾਰੀ ਦੀ ਨਕਲ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੇ ਗਵਰਨਰ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਸਾਰੇ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਅਫ਼ਸਰ ਸਨ। ਨਕਲੀਆਂ ਨੇ ਨਕਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਕਿਸ ਤੋਂ ਡਰਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਤੋਂ। ਫੇਰ ਨਕਲੀਏ ਨੇ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਕਿਸ ਤੋਂ ਡਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਫਲਾਣੇ ਅਫਸਰ ਤੋਂ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੁਛਦੇ ਪੁਛਾਂਦੇ ਉਸ ਜਸਟਿਸ ਦੀ ਵਾਰੀ ਆਈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸ ਤੋਂ ਡਰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਫਲਾਣੇ ਪਟਵਾਰੀ ਤੋਂ। (ਹਾਸਾ) ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਟਵਾਰੀਆਂ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਤਾਂ ਇਹ ਗੱਲ ਆਮ ਮਸ਼ਹੂਰ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਦਿਹਾਤੀ ਦਾ ਕਿਸੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਠੀਕ ਕੰਮ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਖੁਸ਼ ਹੋ ਕੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਰੱਬ ਤੈਨੂੰ ਪਟਵਾਰੀ ਬਣਾ ਦੇਵੇ। (ਹਾਸਾ) ਕਿਉਂਕਿ ਦਿਹਾਤੀ ਤਾਂ ਇਹੋ ਜਾਣਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਇਖਤਿਆਰਾਤ ਪਟਵਾਰੀ ਨੂੰ ਹਨ ਉਹ ਇਕ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੂੰ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪਟਵਾਰੀ ਮਨ ਮਾਨੀਆਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ checking ਤਦ ਹੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜੇ ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ ਜਾਰੀ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮਸਲੇ ਹਲ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਸਾਡੀ production ਦੇ ਵਧਾਉਣ ਵਿਚ ਵੀ ਕੰਮ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦਾ ਇਹ ਵੀ ਫਾਇਦਾ ਹੋਣਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਜਿਤਨੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੋਵੇ, ਚਾਹੇ ਘਟ ਚਾਹੇ ਵਧ, ਉਹ ਲਾ ਸਕੇਗਾ। ਚਾਹੇ ਉਹ ਆਪਣੀ ਖੇਤੀ ਨੂੰ ਦੋ ਦਫ਼ਾ ਲਾਵੇ ਚਾਹੇ ਪੰਜ ਦਫਾ ਲਾਵੇ, ਜਿਤਨਾ ਪਾਣੀ ਲਾਵੇਗਾ ਉਤਨਾ ਤਾਂ ਹਿਸਾਬ ਹੋ ਹੀ ਜਾਣਾ ਹੈ, ਪਰ ਸੈਰਾਬ ਉਹ ਮੌਕੇ ਬੇਮੌਕੇ ਕਰਦਾ ਰਹੇਗਾ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਇਹੋ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਬਾਜਵਾ ਜੀ ਨੇ ਜੋ ਰੈਜ਼ੋਲੀਊਸ਼ਨ ਰੱਖਿਆ ਹੈ ਇਹ ਪਾਸ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਕੋਈ ਸਹੀ ਕਦਮ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਚੁਕਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੁਨਿਆਦੀ ਤੌਰ ਤੇ ਚੁਕਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਤਰਾਂ ਸ਼੍ਰੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਚੰਦਰ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਚੋਰ ਨੂੰ ਨਾ ਮਾਰਿਆ ਜਾਵੇ ਬਲਕਿ ਉਸ ਦੀ ਮਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਮਾਰਿਆ ਜਾਵੇ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਗਲ ਬਿਲਕੁਲ ਸਹੀ ਆਖੀ ਹੈ। ਜੇ ਮੀਟਰ ਲੱਗ ਜਾਣ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ corruption ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਇਹ corruption ਬੰਦ ਕਰਨ ਲਈ ਸਭ ਤੋਂ ਮੁਨਾਸਬ ਤਰੀਕਾ ਹੈ। ਜਿਤਨੀ corruption ਰੈਵਨੀਊ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਰਾਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੁਣ ਤੱਕ ਕਦੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਬਾਜਵਾ ਜੀ ਦੇ ਮਤੇ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਰੀਜ਼ਰਵਡ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਜੇ ਇਸ ਨੂੰ ਮੰਨ ਲਿਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਪਟਵਾਰੀਆਂ ਦੀ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਵੀ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੇ ਦਿਨ ਰਾਤ ਪਾਣੀ ਤੋਂ ਝਗੜੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਣਗੇ। ਜੇ ਮੀਟਰ ਲਗਾ ਦਿਤੇ ਜਾਣਗੇ ਤਾਂ ਫੇਰ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਇਹ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਕਿ ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਾਣੀ ਵਰਤ ਲਵਾਂ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਦੂਸਰੇ

ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੇ ਹਿਸੇ ਦਾ ਪਾਣੀ ਵਰਤ ਲਵਾਂ । ਬਾਕੀ ਇਹ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਇਸ ਮੀਟ੍ਰਿਕ ਸਿਸਟਮ ਤੇ ਅਮਲ ਕਿਥੋਂ ਤਕ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਨੁਕਸ ਜਾਂ ਦਿਕਤ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮਹਿਕਮੇ ਵਾਲੇ ਖੁਦ ਉਸ ਦਾ ਇਲਾਜ ਸੋਚ ਕੇ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨ । ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਰੇਜ਼ੁਲਿਊਸ਼ਨ ਹੈ ਇਹ ਪਬਲਿਕ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਹੈ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਬਸ ਮੈਂ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਿ ਕੇ ਇਸ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

श्री श्री कृष्ण शास्त्री वैद्य (सफीदों) : डिप्टी स्पीकर साहिब, इस resolution पर बोलते हुए दो बातों का जिक्र किया गया । एक तो यह कि मोघों पर मीटर लगाये जाएं और दूसरे पटवारियों की ज्यादतियों का जिक्र किया गया । यह दोनों बातें ऐसी हैं जिन का कोई इलाज नहीं हो सकता । बाजवा साहब के हलके में तो शायद सफलता हो जाए लेकिन जो कुछ चौधरी बलबीर सिंह ने कहा वह भी आपने सुना। डिप्टी स्पीकर साहिब, जहां तक मीटर का ताल्लुक है उसके अन्दर इतनी लम्बी चौड़ी चोरी होती है कि चाहे आप उस पर Chief Engineer को बैठा दें, मिनिस्टर साहब खुद बैठ जाएं, वह लोग ऐसे तरीके इस्तेमाल करते हैं कि पता ही नहीं लगने देते । मीटर को आगे चलने ही नहीं देते । जिस वक्त यह महकमा राओ साहब के तहत आया तो इस बात का सन्तोष हुआ था कि tube-wells का जो झगड़ा होता है वह दूर होगा लेकिन पटवारी राओ साहब से भी ऊपर बैठा हुआ है, वह बड़ा होशियार है । यह लोग क्या करते हैं ? Tube-wells के मीटररों की बाबत ही मैं आप को बताता हूं । पानी चलता भी रहता है, जमींदार अपने खेत में पानी लगा भी लेता है, दो दो घण्टे की जो बारी होती है वह पूरी भी हो जाती है लेकिन मीटर फिर भी नहीं चलता । क्यों? पटवारी और आपरेटर ने अपने अपने पैसे तै किए होते हैं । और यह चोरी कैसे करते हैं इसकी बाबत भी मैं आप को बताता हूं । मीटर के अन्दर एक तार होती है कोई तो तार को ऊपर से नीचे लगा देते हैं तो मीटर उलटा चलता रहता है । जब काफी पानी ले लिया जाता है तो तार को सीधा कर देते हैं । पानी चलता रहता है और मीटर की reading फिर उसी जगह आ जाती है जहां से शुरू हुई थी । इसी तरह कोई tube-wells के लिये direct connection ले लेते हैं और मीटर चलता नहीं और कई बार pressure ज्यादा होने से और electricity की leakage होने से transformers जल जाते हैं जिसकी कीमत कम से कम 2,200 रुपया होती है । जब पूछा जाए या S.D.O. कोई action ले तो उन्होंने अपनी union बनाई हुई है और वावेला मचा देते हैं । कई बार उनसे बात चीत करने पर उन्होंने बताया कि 55 रुपये तो तन्खाह मिलती है अगर direct connection न लें तो खाने पीने का गुजारा कैसे हो। इतना ही नहीं खुद ही उन्होंने ऐसा यन्त्र बनाया हुआ है कि काम चला लेते हैं और मीटर बन्द रहता है । किसी रस्सी के साथ एक रोड़ा बांध कर vaccum पर रख देते हैं बिजली के मीटर की reading वही रहती है मीटर बन्द रहता है पानी चलता रहता है । कई बार current short होकर transformer जल जाता है । (*Interruptions*) इस काम में काफी लम्बी चौड़ी

[श्री श्री कृष्ण शास्त्री वैद्य]

research हो चुकी है । हां अगर राव साहब डंडा लेकर पीछे पड़ें तब तो शायद पटवारी को काबू कर लेंवे वरना वह तो चोरी करके अपनी जेबें भरते ही रहेंगे । आप उनको नहीं रोक सकेंगे इस चोरी को नहीं रोक सकेंगे ।

इसी तरह tube-wells की नालियां भी मुकम्मल और पक्की नहीं । नीची सतह पर तो दो दो इँच पक्का कर दिया लेकिन ऊपर से किनारे कच्चे होने की वजह से टूट जाते हैं और पानी सारी रात बहता रहता है । जो पुलियां लगाई गई हैं वह भी टूट जाती हैं कोई पता नहीं करता । इस लिये मैं कहूंगा कि बाजवा साहब की मीटर वाली युक्ति उस वक्त कामयाब हो सकती है जब कि एक तो उनको कम से कम सौ रुपया माहवार तन्खाह दी जाए और दूसरे यह कि लोगों के अन्दर नैतिक तौर पर ऐसी भावना पैदा करें कि वह हेराफेरियां न कर सकें ।

चौधरी बारु राम (रजौंद) : डिप्टी स्पीकर साहिब आज जो resolution इस House के ज़ेरे गौर है उसके बारे में यही अर्ज़ करना चाहता हूं कि बाजवा साहब ने लोगों की हकीकी तकालीफ को समझते हुए उनके एहसासों की सही तरजमानी की है । आज सुबह से इस resolution पर discussion हो रही है । जितने महानुभाव बोले हैं तकरीबन २ सब ने इस resolution की ताईद की है । एकाध ने शायद किसी तंगी की वजह से या खास लाभ उठाने की वजह से बेशक इसकी मुखालिफत की हो लेकिन ज्यादातर ख्याल यह है कि आज काश्तकारों से जो water rates चार्ज करते हैं वह एक तरह से उस पानी का मुआवज़ा आप लेते हैं जो काश्तकारों को देते हैं । ईख के ऊपर, चरी के ऊपर पानी ज्यादा लगता है लेकिन बाजरे जवार या चने के लिए कम पानी की ज़रूरत होती है । इसका मतलब यह है कि जितना कोई पानी इस्तेमाल करे उतनी उसकी कीमत अदा कर दे । लेकिन आजकल जो water rates लगे हुए हैं यह तो एक तरह से rough estimates पर based हैं । कुछ पता नहीं लगता कि काश्तकार ने कितना पानी इस्तेमाल किया और उस के लिये उसे कितनी कीमत अदा करनी चाहिये । तजुरबे की बिना पर ज़रूरी है कि जो फसल कम पानी लेती हो उस पर कम water rates लगें और जिस फसल पर ज्यादा पानी लगता हो उस पर ज्यादा लगाये जाएं । इसलिये मैं समझता हूं कि resolution के ज़रिये जो meter लगाने की मांग की गई है वह वाजब सिफारिश है । यह जानने के लिये कि काश्तकार ने कितना पानी consume किया मीटर ही सही पैमाना है । अभी २ मेरे फाज़ल दोस्त श्री शास्त्री जी ने कहा कि मीटर को यूं बाँध लेते हैं उसके अन्दर तार लगा देते हैं मीटर के आगे सेर का बट्टा बाँध देते हैं और पानी लगा रहता है । मैं हैरान हूं कि वह कैसी बातें करते हैं । अब कौन सा राम राज बना हुआ है ? अब भी जो मोरियां और मोघे हैं चोरी करने वाले वहां से भी पानी की चोरी कर लेते हैं । मतलब तो यह है कि अगर अब चोरी नहीं होती और मीटर लगने से हो जाए तब तो इन का एतराज़ माकूल है । जनाब मुझे एक मिसाल याद आ गई । मेरे गांव में दो हरिजन भाई हैं । एक का नाम है

राम चन्द्र जो चालाक है और दूसरे का नाम है भोलू जो शरीफ और सीधा है । जहां कोई अच्छा काम हुआ तो राम चन्द्र आगे आके कहेंगे मैंने किया है और अगर कोई बुरा काम हो जाए तो भोलू को आगे कर देता है कि इस ने किया है । (हंसी) वैद्य जी को भी इसी तरह मुखालिफत करने के लिये खड़ा कर देते हैं चाहे कोई दलील हो या न (*Interruption by Shri Shri Krishan Shastri Vaid.*)

Mr. Deputy Speaker : Order please.

चौधरी बारू राम : यह House इस बात का आला है । सुबह से शाम हो गई है इस पर discussion होते होते और 20 के करीब मैम्बरज़ इस पर बोले हैं और सभी ने इस की ताईद की है । और बड़ी दलील क्या हो सकती है इस के हक में ।

श्री उपाध्यक्ष : किसी को differ करने का हक भी तो है । (Any one has got the right to differ.)

चौधरी बारू राम : हां ज़रूर है मगर दलील दे । आज जितनी गड़बड़ महकमे में चलती है उस की सब से बड़ी वजह यह है कि पटवारी के सिर पर सारा बोझ है । वह बेचारा सर्दी गर्मी चौमासा हर मौसम में कदम नापता फिरता है सिर्फ यह देखने के लिए कि किस ने पानी लिया है और कितना । जब मीटर लग जाएं तो आप उसे उस के पास बैठा दो वह वहीं बैठा सब का हिसाब कर देगा और जिस को जितना पानी मिला होगा उतना ही बिल बना देगा । इस से सारी आज की तकलीफें दूर हो सकती हैं मगर यह गवर्नमैंट ऐसी है कि यह वही बात करती है जो इस के दिमाग में हो चाहे कोई कितनी ही सही तजवीज़ दे । बाजवा साहिब तो शामल हैं ही दूसरे ग्रुप में, यह इन की बात क्यों मानने लगी । यह resolution लोगों की तकलीफों का दुरुस्त हल बताता है और अगर पास हो जाए तो आफ़त वाली बात नहीं होगी । शहरों में बिजली और पानी मीटरों से ही दिए जाते हैं । किसी पर नाहक बोझ नहीं डाला जाता । इसी तरह अगर किसान के खेत को पानी भी मीटर से दिया जाए तो यह बढ़िया चीज़ होगी । इस लिये ज्यादा दलीलों की ज़रूरत नहीं । यह माकूल चीज़ है मैं इस का पुरज़ोर समर्थन करता हूं ।

ਸਰਦਾਰ ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ (ਡੇਰਾ ਬਾਬਾ ਨਾਨਕ) : ਜਿਹੜਾ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮੈਂ ਉਹ ਸਜਣ ਵੀ ਬੋਲਦੇ ਸੁਣੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਆਬਿਆਨਾ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਖਾਲ੍ਹ ਵਿਚੋਂ ਪਾਣੀ ਕਢ ਕੇ ਲਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਸਮੱਸਿਆ ਆਮ ਅਵਾਮ ਦੀ ਹੈ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਦੀ ਹਮਦਰਦੀ ਵਾਸਤੇ ਆਖਦੇ ਹਨ, ਕੁਛ ਨਾ ਕੁਛ ਆਖਣ ਦਾ ਚਾਰਾ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਖੈਰ, ਇਹ ਮੋਘਿਆਂ ਦਾ ਸਿਲਸਲਾ ਬੜੀ ਦੇਰ ਤੋਂ ਚਲਿਆ ਆਉਂਦਾ ਹੈ, ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦੇ ਵਕਤ ਤੋਂ ਚਲਿਆ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਦਰਅਲ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦੇ ਵਕਤ ਜਿੰਨੇ ਵੀ ਤਰੀਕੇ ਪਰਚਲਤ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਉਹ ਲੱਤ ਘਸੀਟਦੇ ਸਨ । ਉਦੋਂ ਆਖਦੇ ਇਹ ਸਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਨਹਿਰਾਂ ਦਾ ਖਰਚ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਲਾਉਂਦੇ ਹਾਂ ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਜਦੋਂ ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਜ਼ਰੂਰ ਗੌਰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਜੇ ਕੋਈ ਚੰਗਾ

[ਸਰਦਾਰ ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ]

ਤਰੀਕਾ ਰਾਇਜ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਉਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸੋਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਵੀ ਕਿਸਾਨ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਇਹ ਦਿਕਤ ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ, ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੇ ਸਾਸਮਣੇ ਰਖਦੇ ਹਾਂ, ਉਹ ਵੀ ਇਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸੋਚਦੇ ਹਨ। ਪਿਛਲੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ ਕਾਨਫਰੰਸ ਤੇ ਗਏ। ਉਥੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ represent ਕੀਤਾ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ ਅਪਰ ਬਾਰੀ ਦੁਆਬ ਦਾ ਪਾਣੀ ਅਧ ਤੋਂ ਵੀ ਘਟ ਆਇਆ। ਦਰਿਆ ਵਿਚ ਅਧ ਤੋਂ ਘਟ ਪਾਣੀ ਸੀ, ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਆਬਿਆਨਾ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਮੈਂ Tribune ਅਖਬਾਰ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ, ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਖਿਆ ਕਿ ਅਸੀਂ ਗ਼ੌਰ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ, ਸ਼ਾਇਦ ਅਧਾ ਆਬਿਆਨਾ ਵੀ ਛਡ ਦਿਆਂਗੇ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੋਚਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਵਾਜਬ ਗੱਲ ਮੰਨਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਗਲ ਆਖ ਕੇ ਕਿ ਅਧਾ ਆਬਿਆਨ ਛਡ ਦਿਆਂਗੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਦਿਲ ਨੂੰ ਕਾਫੀ ਢਾਰਸ ਦਿਵਾਈ। ਇਸ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰ ਸਾਲ ਵੇਖਣ ਨਾਲੋਂ ਜੇ ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਅਸੂਲ ਬਣਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਕੋਈ ਤਰੀਕਾ ਪ੍ਰਚਲਤ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਵੇਗਾ। ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਇਹ resolution ਹੈ। ਜੇ ਮੀਟਰ ਲਗ ਜਾਣ ਤਾਂ ਇਹ ਬਹੁਤ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਇਥੇ ਨਾ ਬਣੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਜੇ ਕਿਧਰੇ ਹੋਰ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ ਹੋਵੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ study ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਮੀਟਰ ਇਥੇ ਬਣ ਜਾਣ। ਇਹ ਕੋਈ ਐਡੀ ਔਖੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਜੇ ਹਰ ਇਕ ਨੱਕੇ ਤੇ ਮੀਟਰ ਲਗ ਸਕਦਾ ਹੋਵੇ ਫੇਰ ਉਸ ਤੋਂ ਵੀ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਆਖਿਰ ਜਿਸ ਆਦਮੀ ਨੇ ਪਾਣੀ ਲਾਉਣਾ ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਉਸ ਦਾ ਮੁੱਲ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਕੋਈ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਕਿੰਨਾ ਪਾਣੀ ਲਿਆ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਕੋਲ ਕੋਈ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਕਿੰਨਾ ਪਾਣੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਸਾਨੂੰ ਐਸੀ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਹੱਕ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਦਾ ਕਿ ਉਸ ਤੇ ਆਬਿਆਨਾ ਠੋਂਸ ਹੀ ਦੇਈਏ, ਉਸ ਨੇ ਭਾਵੇਂ ਫਸਲ ਖੂਹ ਦੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਪਾਲੀ ਹੋਵੇ, ਭਾਵੇਂ ਜੌਹੜ ਦੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਜਾਂ ਛੱਟੇ ਨਾਲ ਪਾਲੀ ਹੋਵੇ ਯਾ Tube-well ਦਾ ਪਾਣੀ ਮੁਲ ਲੈ ਕੇ ਪਾਲੀ ਹੋਵੇ, ਅਸੀਂ ਪੂਰਾ ਆਬਿਆਨਾ ਲੈ ਲਈਏ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਭਾਵੇਂ ਆਖਦੇ ਜਾਪਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ practicable ਨਹੀਂ ਯਾ ਮੀਟਰ available ਨਹੀਂ ਇਸ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਇਕ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਸੁਝਾਉ ਵੀ ਜ਼ਰੂਰ ਦੇਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਮੈਨੂੰ ਯਕੀਨ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਾਡੇ ਦਿਤੇ ਹੋਏ ਸੁਝਾਵਾਂ ਤੇ ਹਮਦਰਦੀ ਨਾਲ ਜ਼ਰੂਰ ਗ਼ੌਰ ਕਰਨਗੇ। (ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਤੋਂ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਇਹ ਸੁਣ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਸ਼ਾਇਦ ਇਹ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦੀ ਚਾਰਦੀਵਾਰੀ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਗਏ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ exchange ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹਮਦਰਦੀ ਲੈਣ ਵਾਸਤੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ। (*Interruptions*)

ਫਿਰ ਕਾਫੀ exchange ਦੇ ਮਸਲੇ ਆਉਣੇ ਹਨ ਤਦ ਤੁਸੀਂ ਬੋਲ ਲੈਣਾ। ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਮਸਲੇ ਤੇ ਬੋਲ ਲੈਣ ਦਿਉ ਔਰ interrupt ਨਾ ਕਰੋ। ਹੁਣ ਹਾਊਸ ਸਾਹਮਣੇ ਆਬਿਆਨੇ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ ਇਸ ਤੇ ਬਹਿਸ ਹੋ ਲੈਣ ਦਿਉ।

ਸਾਡੇ ਜ਼ਿਲਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਵਿਚ Upper Bari Doab ਨਹਿਰ ਚਲਦੀ ਹੈ । ਉਸ ਦਾ ਮੈਂ ਵੇਖਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਖਰੀਫ ਫਸਲ ਲਈ 8600 cusecs indent ਹੈ ਔਰ ਰਬੀ ਦਾ 7200 cusecs indent ਹੈ ਪਰ ਮਾ ਸਿਵਾਏ ਬਰਸਾਤ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅਗੇ ਪਿਛੇ ਉਹ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦਾ । ਇਸ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਵੀ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ metric system ਜ਼ਰੂਰ ਚਾਲੂ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਫਿਰ ਖਰੀਫ ਦੀ ਫਸਲ ਲਈ ਜਿਥੇ 8600 cusecs indent ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਵੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਅੰਦਾਜ਼ੇ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ 12 per cent loss ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ seepage ਰਾਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਾਂ cuts ਰਾਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਫਿਰ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਹੈ 12 per cent loss ਦਾ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਵੀ ਗਲਤ ਹੈ । 25 per cent ਤਾਂ ਘਟੋ ਘਟ ਪਾਣੀ seepage ਰਾਹੀਂ ਬਾਹਰ ਨਿਕਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨਹਿਰ ਵਿਚ silt ਖੜੀ ਬੈਠਦੀ ਹੈ ਔਰ silt ਜਮਾਂ ਹੁੰਦੀ ਰਹੀ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਕੰਢੇ ਉਚੇ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਔਰ silt ਨਹੀਂ ਕਢੀ ਗਈ ਜਿਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪਾਣੀ ਕੰਢਿਆਂ ਤੋਂ ਬਾਹਰ seepage ਰਾਹੀਂ ਨਿਕਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਹਿਕਮਾ ਨਹਿਰ ਨੇ ਜਦੋਂ ਇਹ ਪਾਣੀ ਦੇ loss ਦਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ 12 per cent ਲਗਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇਗਾ ਉਦੋਂ ਨਹਿਰ ਦੇ ਕੰਢੇ ਐਨੇ ਉਚੇ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੁੰਦੇ ।

Khan Abdul Ghaffar Khan: On a point of order, Sir. Can an hon. Member read papers in the House ?

Mr. Deputy Speaker: Order, Order.

ਸਰਦਾਰ ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ: ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਚੀਜ਼ in view ਰਖ ਲਈ ਜਾਵੇ ਕਿ ਐਨਾ ਪਾਣੀ ਦਾ indent ਹੈ ਔਰ ਐਨਾ ਪਾਣੀ ਦਾ loss ਹੈ ਪਰ Upper Bari Doab canal ਦਾ water allowance 3.5 per thousand cusecs ਦੇ ਰਹੇ ਹੋ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ intensity ਵੀ in view ਰਖ ਲਈ ਜਾਵੇ । ਸਾਡੇ Upper Bari Doab ਰਾਹੀਂ ਸੈਰਾਬ ਹੁੰਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ position ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਸੇਮ ਹੋ ਗਈ ਹੋਈ ਹੈ, ਇਸ ਵਾਸਤੇ intensity 100 per cent ਤੋਂ ਘਟਾ ਕੇ 60 per cent ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਜੇ ਪਿਛਲੇ 6 ਸਾਲਾਂ ਦਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਕਿਤਨੇ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਸੈਰਾਬ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਕਿਤਨੇ ਤੋਂ ਉਸ ਰਾਹੀਂ water rate ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਔਰ ਇਸੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਅਬਿਆਨਾ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ । ਜੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਇਕ meteric system ਦਾ substitute ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਮੇਰੀ ਦੂਸਰੀ proposal ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਇਸ ਢੰਗ ਨਾਲ water rate assess ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਵੀ ਉਹ ਤਕਲੀਫਾਂ ਜੋ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਆਬਿਆਨੇ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਆਉਂਦੀਆਂ ਨੇ ਕਾਫੀ ਹਦ ਤਕ ਦੂਰ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ ।

[ਸਰਦਾਰ ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ]

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕ ਹੋਰ ਗੱਲ ਵੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ staff ਦਾ ਖਰਚਾ ਤਕਰੀਬਨ 10,50,000 ਰੁਪਏ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ staff ਦਾ ਖਰਚਾ 74,22,000 ਦੇ ਲਗ ਭਗ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਜੇ fixed water rate asses ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਏ ਕਿ ਇਤਨੇ ਏਕੜ ਸੈਰਾਬ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਇਤਨਾ water rate ਵਸੂਲ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ 74 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੇ ਲਗਭਗ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਬਚ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ ਜਿਤਨਾ ਚਿਰ ਇਹ system ਚਲਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਤਨੇ ਚਿਰ ਵਾਸਤੇ ਇਕ suggestion ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਨਹਿਰ ਦਾ ਪਟਵਾਰੀ ਹੈ, ਉਹ whole time servant ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਕਿਸਾਨ ਜਦੋਂ ਕਿਤੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਵਾਰੀ ਲਾਵੇ ਉਸ ਨੇ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਗਿਰਦਾਵਰੀ ਕਰਨੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਕਿਹੜੇ ਕਿਹੜੇ ਖੇਤ ਨੂੰ ਉਸ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਸੈਰਾਬ ਕੀਤਾ ਹੈ ਔਰ ਕਿਹੜੀ ਕਿਹੜੀ ਫਸਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਵਾਰੀ ਦਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਤਨੀਆਂ ਵਾਰੀਆਂ ਪਾਣੀ ਦੀਆਂ ਆਈਆਂ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਕਿਤਨੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਸੈਰਾਬ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਮਿਸਲ ਵਜੋਂ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ ਨੇ ਛੋਨੇ ਵਿਚ ਦੋ ਵਾਰੀਆਂ ਪਾਣੀ ਲਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇ ਔਰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਵੀ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਛੋਨੇ ਦੀ ਫਸਲ ਨੂੰ ਪਕਾਉਣ ਲਈ 8 ਵਾਰੀਆਂ ਜਾਂ ਕੁਝ ਘੱਟ ਵੱਧ ਵਾਰੀਆਂ ਪਾਣੀ ਚਾਹੀਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹਿਸਾਬ ਲਾਕੇ ਉਸ ਤੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋ ਵਾਰੀਆਂ ਦਾ ਹੀ ਆਬਿਆਨਾ ਲੈ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਉਸ ਨੇ ਲਗਾਇਆ ਸੀ । ਜੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਵੀ ਉਸ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਘਟ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਆਖਰ ਸਾਡੀ ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦੇ ਵਕਤ ਦੇ ਪਰਚਲਤ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਤਰੀਕਿਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਹੁਣ ਨਹੀਂ ਚਲਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ।

ਇਤਨੇ ਲਫਜ਼ ਕਹਿ ਕੇ ਮੈਂ ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

Shrimati Om Prabha Jain : Sir, I beg to move that the question be now put.

श्री मंगल सेन (रोहतक) : जनाब, डिप्टी स्पीकर साहब इस सदन में बाजवा जी द्वारा प्रस्तुत किये गए प्रस्ताव पर सभी सदस्यों की ओर से जो विचार आए हैं वह बहुत मूल्यवान हैं । अब मंत्री महोदय ने देखना यह है कि कहां तक इस पर विचार करेंगे ।

मैं इस डिपार्टमैंट के बारे में एक बात बतलाना चाहता हूं वह यह कि यह महकमा जनता के लिए सरदर्दी है और जहां इसका काम खेती करनेवालों के दुख को दूर करना है वहां पर यह उस जनता के लिए दुखदाई है । डिप्टी स्पीकर साहब आपका इलाका और मेरा इलाका जहां पर पानी भरा रहता है वह तो वैसे ही दुःख में रहता है लेकिन जहां पानी नहीं है वहां पर एक एक outlet की मंजूरी लेने के लिये लोगों की जूतियां घिस जाती हैं (घंटी) मैं जनाब यह कहना चाहता हूं कि यह महकमा बड़ा corrupt है। सिर्फ पटवारियों को ही कसूरवार ठहराने की ज़रूरत नहीं है

बड़े से बड़ा आदमी इस महकमा का रिश्वतखोरी से बाज़ नहीं आता । जो सुझाव बाजवा साहब ने इस हाउस में दिया है कि पानी के लिये मीटर सिस्टम हो जाना चाहिये मैं इसका स्वागत करता हूं । रोहतक जिले में मैं यह जानता हूं कि तीन X.E.N. हैं, डिप्टी स्पीकर साहिब, तीनों Executive Engineers के पास भीड़ें लगी होती हैं ।

Mr. Deputy Speaker : Order please.

श्री मंगल सेन : डिप्टी स्पीकर साहिब, मक्लूल गांव में चारा बंदी का सवाल उठा । मुझे आज से चार साल हो गये हैं मैम्बर बने । इस के मुतल्लिक जब X.E.N. से दरियाफ्त किया जाता है तो वह कहता है कि मातहत अफसर इस मामले पर गौर कर रहे हैं कि पानी कैसे लगाना चाहिए । मातहत अफसरों से पूछा तो वह कहने लगे कि केस देहली गया हुआ है लेकिन जब उस के बारे में देहली जा कर दरियाफ्त किया तो वह कहने लगे कि उन के पास record नहीं आया। ज़मींदारों के हज़ारों के हज़ारों रुपये गुल हो गये हैं । नराते का किस्सा है तीन साल हो गये हैं कोई पूछने वाला नहीं । पटवारियों के पानी को assess करने का तरीका वही है जो अंग्रेज़ के वक्त से चला आ रहा है । यह पटवारियों की जेबें भरने वाला तरीका है । इसलिये मैं वज़ीर साहिब से अर्ज़ करूंगा कि वह जनता पर रहम करें और इस resolution को मंज़ूर फरमायें ।

श्री उपाध्यक्ष : दो दफा closure motion पेश हो चुकी है लेकिन मैं उन मैम्बर साहिबान को पांच-पांच मिनिट बोलने का time देता हूं जो इस resolution पर बोलना चाहते हैं । (Closure motion has been moved twice but I allow five minutes each to those hon. Members who still want to speak on this resolution.)

श्री मुन्नी लाल कामरेड (शिमला) : डिप्टी स्पीकर साहिब, बाजवा साहिब ने यह resolution पेश कर के वक्त की मांग को पूरा किया है । मैं समझता हूं कि जब अंग्रेज़ों के वक्त में नहरों का काम शुरू हुआ तो खेतों को पानी देने का प्रबंध तसल्ली बख्श नहीं था । अंग्रेज़ों के वक्त में जितने कानून बने और जितने पैमाने रखे गये उन में corruption के ज्यादा chances थे ज्यूं २ वक्त गुज़रता गया नहरों के पटवारियों ने ज़मींदारों की कमज़ोरी का नाजायज़ फायदा उठाया । अब इस महकमे में corruption इंतहा दर्जे पर पहुंच चुकी है । बाजवा साहिब ने यह resolution ला कर corruption को रोकने के लिये गवर्नमैंट के हाथ मज़बूत किये हैं । Abiana fix करने के सिलसिले में पटवारी खुदाई अख्तियारात रखते हैं और जिस तरह चाहें abiana मुकर्रर कर देते हैं । जिस ज़मींदार पर पटवारी की नज़रे-इनायत हो उस की ज़मीन में खराबा कह कर उसे रियायत दिला देते हैं । अगर ज़मींदारों को इस तरह रियायत मिलनी बंद हो गई तो corruption की रोक थाम में कुदरती तौर पर मदद मिलेगी । यह जो ज़मींदारों पर abiana अंदाज़े के साथ मुकर्रर किया जाता है इस में तबदीली होनी चाहिये । हमारे मिनिस्टर साहिब को शक है कि यह proposal impracticable साबित होगी । उन से दरखास्त करूंगा कि meters का

[श्री मुनी लाल कामरेड]

लगाना कोई नामुमकिन नहीं । पहले यह एक नहर पर इस का तजरुबा करें और उस से नतीजा निकालें कि आया ज़मींदारों को पानी के charges ज़्यादा देने पड़ते हैं अगर वह समझें कि ज़मींदार suffer करते हैं तो उन की इस outstanding demand को पूरा करें। उन को इस lines पर नहीं सोचना चाहिये कि यह नामुमकिन सी बात है क्योंकि आज कल के युग में कोई बात नामुमकिन नहीं । अमरीका में जहां तक मेरा इल्म है इस किस्म का arrangement है और meters का इस्तेमाल किया जा रहा है । फरीदकोट के राजा साहिब ने भी इस का तजुरुबा किया था। हमारी सरकार के पास तो enough resourees हैं और वह ज़मींदारों की इस मामूली सी मांग को आसानी से पूरा कर सकती है । मुझे इस बात का खदशा है कि चूंकि यह resolution बाजवा साहिब ने पेश किया है इसलिये शायद सरकार इसे मंज़ूर न करे । मिनिस्टर साहिब को इस बात की ज्यादा वुकअत नहीं देनी चाहिये कि यह किस धड़े की तरफ से आया है बल्कि हर मुफीद suggestion को मंज़ूर करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिये । हाउस के तमाम मैम्बर इस बात को महसूस करते हैं कि इस महकमे में corruption है और इस corruption को रोकने के लिय meters का लगाना एक जायज़ कदम है । अभी experimental तौर पर इस system को रायज किया जाए और कुछ अरसा बाद जब वह महसूस करें कि यह system कामयाब हुआ है तो फिर सब जगहों पर meters लगाए जा सकते हैं । मैं फिर मिनिस्टर साहिब से दरखास्त करूंगा कि हमें यह कह कर न टाल दें कि यह impracticable बात है।

श्री गोरख नाथ (बटाला) : मैं इस resolution पर ज्यादा नहीं कहना चाहता, क्योंकि बहुत से आनरेबल मैम्बर इस पर अपने ख्यालात का इज़हार कर चुके हैं। मेरा suggestion यह है कि rigidly यह न समझा जाए कि बाजवा साहिब का यह मकसद है कि meters हर मम्बे पर लगाए जाएं बल्कि जहां जहां ज़मींदारों की ख्वाहिश है कि meters लगाये जाएं, वहां फिलहाल यह तजरुबा शुरू किया जाए। अगर यह कहा जाए कि यह काम impracticable है तो गवर्नमैण्ट को उस का solution ढूंढने की कोशिश करनी चाहिये । उन का मनशा यह है कि proportionate equality आ जाए और जो ज़मींदार अपने influence की वजह से ज्यादा पानी इस्तेमाल कर के रियायत ले जाते हैं वह न लेने पाएं । Upper Bari Doab से बहुत सी distributaries बनी हैं। कुछ distributaries ऐसी हैं जो साल में 180 दिन पूरी चलती हैं।

अब कुछ distributaries ऐसी हैं जो साल में सिर्फ 35 दिन चलती हैं। उन से जो रकबा सैराब हुआ, चाहे एक दिन के लिये सैराब हुआ, चाहे रौनी हुई, और किसी फसल को पानी नहीं मिला, उस का आबयाना proportionately देखा जाए तो कितनी injustice मालूम होती है । इस लिये इस resolution का मनशा यह है कि कितनी capacity है किसी distributary की, और वह कितने घंटे चली है दूसरी की कितनी capacity है, और वह कितने घंटे चली है, एक मोघे की कितनी

capacity है, और दूसरे मोघे की कितनी capacity है—यह सब चीज़ें देखी जाएं और उस के हिसाब से आबयाना वसूल किया जाए। नानपैरीनियल के बारे में कहा गया है। नान-पैरीनियल उन के साथ सम्बन्धित थे जो कि अंग्रेज़ों के चहेते थे। वहां पर 5, 5½ तो क्या कई जगह पर 6 cusecs per thousand acre के हिसाब से मोघे लगे हुए हैं लेकिन किसी की जुरअत नहीं है कि कम कर सके। जमहूरियत का ज़माना है। यह बात इनसाफ के खिलाफ है। यह कैसे हो सकता है कि बेइनसाफी होती चली जाए। अगर हम ऐसे ही चलने देंगे तो यह बात inefficiency का सबूत होगा। हम यह बात मान नहीं सकते कि इतनी बड़ी बड़ी तनखाहें लेने वाले अफसर इस बात का हल न निकाल सकें कि किस तरह से proportionate मालिया वसूल किया जा सकता है। 3½ cusecs वाले मोघे पर इतनी वारी है, 5 वाले पर इतनी और 5½ cusecs वाले पर इतनी वारी मुकर्रर हो, कोई distributary किस proportion की थी साल भर में कितनी चली, यह सारी चीज़ per hour, per acre work out की जानी चाहिये। कोई मोघा नज़दीक है कोई दूर है, उस हालत में भी wastage की proportion मुकर्रर की जानी चाहिये क्योंकि पानी आखरी आदमी को कम मिलता है। यह resolution ऐसा नहीं है जिस को lightly लिया जाए कि चूंकि meter नहीं मिलते इस लिये इस system को नहीं अपनाया जा सकता। इस resolution का मकसद यह है कि जितना कोई पानी इस्तेमाल करता है जितना कोई फायदा उठाता है उतना उस से मालिया वसूल किया जाए। इस काम के लिये गवर्नमेण्ट कोई कमेटी experts की बना ले जो कि इस बात का हल निकाले। यह न कहे कि यह हो नहीं सकता।

ਸਰਦਾਰ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮਾਨ (ਸਾਮਾਨਾ-ਜਨਰਲ) : ਸਾਹਿਬੇ ਸਦਰ, ਇਸ ਤਜਵੀਜ਼ ਤੇ ਕਿ ਮੀਟਰ ਸਿਸਟਮ ਰਾਇਜ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ, ਜ਼ਾਹਰਾ ਤੌਰ ਤੇ ਬੜਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਹਰ ਸਮਝਦਾਰ ਆਦਮੀ ਇਸ ਭੁਲੇਖੇ ਵਿਚ ਪਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੇ ਨਾਲ ਢਾਕਾਈ ਜ਼ਿਆਦਤੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਬਿਲਾ ਵਜ੍ਹਾ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲਾ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਤੋਂ ਛੁਟਕਾਰਾ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਲਈ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਕਬੂਲ ਕਰ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਅਗਰ ਗਹੁ ਨਾਲ ਵੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਜੇ ਬਾਜਵਾ ਜੀ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਨੂੰ ਮੰਨ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਮੀਟਰ ਲਗਾ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਆਇਆ ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਬੰਦ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਮੁਮਕਿਨ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਦਾ ਮਕਸਦ ਤਾਂ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਵਗਦੀ ਨਹਿਰ ਵਿਚੋਂ ਜਿਤਨੀ ਕਿਸੇ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਉਹ ਪਾਣੀ ਲਾ ਲੈਣ। ਜਦੋਂ ਉਸ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਮੋਘਾ ਬੰਦ ਕਰ ਦੇਵੇ ਅਤੇ ਜਦੋਂ ਉਸ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਛੱਡ ਦੇਵੇ। ਜਿਤਨੇ ਘੰਟੇ ਚਾਹੇ ਛੱਡ ਦੇਵੇ ਅਤੇ ਜਿਤਨੇ ਘੰਟੇ ਚਾਹੇ ਪਾਣੀ ਦਿੰਦਾ ਰਹੇ। ਜੇ ਉਸ ਦੇ ਮੋਘੇ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿ ਦੇਵੇ ਕਿ ਅੱਜ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਿਹੜੀ position ਹੋਵੇਗੀ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਇਹ ਕਿਵੇਂ right position ਅਖਤਿਆਰ ਕਰੇਗੀ। ਅਗਰ R. D. ਦਾ ਮੋਘਾ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਤਾਂ ਇਕ ਨਵੀਂ ਕਿਸਮ ਦੇ floods ਪੈਦਾ

[ਸਰਦਾਰ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮਾਨ]

ਹੋ ਜਾਣਗੇ । ਅਗਰ ਇਕ ਮੋਘੇ ਤੇ ਮੀਟਰ ਲਗਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਇਕ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਪਾਣੀ ਲੈਣਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਸਰਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ, ਕੀ ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਮੀਟਰ ਲੱਗ ਜਾਣ ਨਾਲ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਡਾਂਗ ਸੋਟੇ ਹੀ ਚਲਦੇ ਰਹਿਣਗੇ । ਫੇਰ ਹੁਣ ਤਾਂ ਵਾਰੀਆਂ ਬਣੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਜੇਕਰ ਉਹ ਚਾਹੇ ਆਪਣੀ ਵਾਰੀ ਲਾ ਲਵੇ ਜੇ ਵਾਰੀ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦਾ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਵਾਰੀ ਕੱਟੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਪਰ ਜੇ ਮੀਟਰ ਲੱਗ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਬਹੁਤੇ ਵਿਚੋਂ ਇਹ ਕਹਿ ਦੇਣ ਕਿ ਅਸੀਂ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਾ ਲਓ ਕਿ ਜਦੋਂ ਸਾਢੇ ਤਿੰਨ ਹਜ਼ਾਰ cusecs ਪਾਣੀ ਵਹਿੰਦਾ ਹੋਵੇ, ਲੋਕ ਕਹਿਣ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਹੈ ਫੇਰ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੋਵੇਗੀ । ਫੇਰ ਇਹ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਕਿਹੜਾ ਮੋਘਾ ਚਲੇ ਅਤੇ ਕਿਹੜਾ ਨਾ ਚਲੇ । ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਦੇ ਦਿਨ ਵਿਚ ਨਹਿਰਾਂ ਟੁਟ ਜਾਇਆ ਕਰਨਗੀਆਂ, ਜਿਸ ਦਾ result ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਜਗ੍ਹਾ ਜਗ੍ਹਾ Man-made floods ਨਮੂਦਾਰ ਹੋਣਗੇ । ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਕਿ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਾਜਵਾ ਜੀ ਦੀ ਤਜ਼ਵੀਜ਼ ਦੀ implementation ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਮੀਟਰਜ਼ ਦੇ ਲਗ ਜਾਣ ਨਾਲ ਜਿਹੜੀਆਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਤੀਆਂ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ ਉਹ ਬੰਦ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਣੀਆਂ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫੇਰ ਹੋਰ ਵੀ ਬੁਰਾ ਹਾਲ ਹੋਣਾ ਹੈ । ਜਿੱਥੋਂ ਤੱਕ ਸਵਾਲ ਹੈ ਜਿਹੜੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਿਸਾਲਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਇਕ farm ਤੇ ਮੀਟਰ ਲੱਗ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ West Punjab ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਹਜ਼ਾਰ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਵਿਚ ਸਾਲਮ ਮੋਘੇ ਚਲਦੇ ਸਨ ਉਦੋਂ ਵੀ ਇਹੋ problem ਸੀ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦਾ ਬੋਝ ਹਲਕਾ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਬਲਕਿ ਝਗੜਾ ਹੋਰ ਵੀ ਵੱਧ ਜਾਣਾ ਹੈ ।

सिंचाई तथा विद्युत मंत्री (राओ बीरेन्द्र सिंह) : डिप्टी स्पीकर साहब, बाजवा

6-00 p.m.

साहब ने House के सामने यह resolution रखा है कि जो काश्तकार नहर से पानी लेता है, उस की तकलीफ को मद्देनजर रखते हुए कोई ऐसा तरीका निकाला जाए जिस से नहर के पानी की supply में जो ज्यादतियां होती हैं, corruption होती है और फसल को नुक्सान पहुंचता है उस का तदारक हो सके । उन्होंने निहायत नेक ख्याल से यह resolution रखा और इस की discussion के दौरान बहुत से hon. Members ने हिस्सा लेते हुए नहर के महकमे के अन्दर जो जो कमियां हैं या खराबियां हैं या जिस किस्म की शिकायात public को होती हैं उन को सरकार के नोटिस में लाने के लिये यह मौका पूरी तरह हासिल किया । बाजवा साहब की जो तजवीज है अगर सरकार किसी तरीके से इस की implementation कर सके तो मैं House को यकीन दिलाता हूं कि सरकार को बड़ी खुशी होगी (*cheers*) क्योंकि जिन बातों पर विचार किया गया है और जो तकालीफ hon. Members महसूस करते हैं उसे सरकार भी महसूस करती है। इस में शक नहीं कि नहर का ऐक्ट बहुत पुराना है, इस के rules, इस के regulations, इस को चलाने के कायदे उस वक्त के बने हुए हैं जिस वक्त कि इस महकमे को विदेशी सरकार की तरफ से सरकारी ढंग पर चलाया जाता था । आज यह महकमा एक welfare state

में public के मफ़ाद के लिये है और इसे commercial तरीके पर चलाना जरूरी है। जो नाता एक गाहक का, फायदा उठाने वाले का और supplier का होता है वही नाता आजकल irrigators और सरकार और उस के अफसरान के दरम्यान कायम होना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, जो बातें कही गई उन का लुब्बेलुबाब यह था कि मौजूदा तरीके बुनियाद इस बात पर है कि किसी मोघे से कितना पानी निकलता है, उस के ऊपर नहर का कितना खर्च पड़ता है, कितने एकड़ जमीन उस से सैराब होती है, किस २ किस्म की फसल उस पानी से उगाई जाती है, उस फसल की क्या कीमत होती है, इन सारी बातों के हिसाब किताब को निगाह में रखते हुए एकड़ के हिसाब से आबयाना या water-rate charge किया जाता है और बाजवा साहब की तजवीज़ यह है कि पानी को नाप लिया जाए जो मोघे से निकलता है और जितने एकड़ जमीन को वह पानी सैराब करे इस से सरकार का कोई सरोकार न हो। पानी की कीमत यकमुश्त ले ली जाए और फिर पानी लेने वाले की मर्जी है चाहे वह चावल के खेत में लगाए, चाहे गेहूं में लगाए, चाहे सब्जियां पैदा करे, चाहे 10 एकड़ में वह उस पानी को लगाए या 50 एकड़ में लगाए सरकार का इस से कोई वास्ता न रहे। यह तजवीज़ बजाहर बहुत अच्छी है और अगर ऐसा हो सके तो लोगों की बहुत सी मुश्किलात का हल निकल आता है लेकिन यह तजवीज कोई नई नहीं है। जैसा कि House के सामने कुछ साबक वजीर दोस्तों ने बताया गवर्नमेंट का बज़ाते खुद इस तरफ ध्यान रहा है लेकिन सब से बड़ी मुश्किल सरकार के सामने यह रही है कि हिन्दुस्तान में अभी तक कोई ऐसा मीटर नहीं निकला जिसे ऐसी नहरों और मोघों के ऊपर इस्तेमाल किया जा सके, जहां पानी का head बहुत नीचे हो। Engineers का ख्याल है कि पानी की ऊंचाई कम से कम एक फुट होनी चाहिए तभी मीटर काम कर सकता है। यह लाज़मी है लेकिन यहां जो मोघे लगे हुए हैं इन के पानी का head जमीन से चार या पांच इंच भी मुश्किल से ऊँचा है। इस लिये, अगर उन पर किसी तरह के मीटर लगा भी दिये जाएं तो low head की वजह से वह काम नहीं कर सकेंगे। इस के अलावा, जनाब डिप्टी स्पीकर साहब, Indian Standards Institute के engineers के भी यह तजवीज़ ज़ेरे गौर है लेकिन वह अभी तक कोई ऐसा मीटर evolve करने में कामयाब नहीं हुए।

एक तरीका और भी हो सकता है और पहले यहां पर रायज भी रहा है और आज भी कुछ मोघों पर वह तरीका चलता है जिस का ज़िक्र बहस के दौरान में किया गया है। वह यह कि एक मोघे से जितना discharge होता है उस के मुताबक पानी की कीमत इकट्ठी लगा ली जाए। लेकिन यह तरीका उसी जगह काम कर सकता है—इस्तेमाल में लाया जा सकता है जहां या तो, जैसा कहा गया, बड़े २ ज़मींदार हों, किसी मोघे के सालम मालिक हों या जो irrigators उस के हिस्सेदार हैं वह इस बात के लिये तैयार हों, सरकार के साथ contract करें कि हम इतनी रकम उस पानी की कीमत के तौर पर इकट्ठी कर के सरकार को अदा कर देंगे। यह होना निहायत मुश्किल है। मुमकिन है पंचायतें ऐसा काम करवा सकें, मुमकिन है अगर लोग co-operative

[सिंचाई तथा विद्युत मन्त्री]

societies बना लें तो इस तरीके से पैसा इकट्ठा कर सकें। ऐसी सूरत में तो सरकार भी इजाज़त देने के लिये तैयार है। कुछ मोघों पर तो पहले ही ऐसी इजाज़त मिली हुई है और partition से पहले भी कुछ मोघों पर यह तरीका रायज था। अगर लोग तैयार हों, मांग करें कि हम से पानी की कीमत यकमुश्त वसूल कर ली जाए और आपस में फैसला करके सरकार को पैसा दे दिया करें तो हमें क्या एतराज़ हो सकता है। ऐसा तजरुबा पहले भी हो चुका है। पिछली छः फसलों के water rates की जो औसत आए उस रकबा के लिहाज़ से और उस पानी के लिहाज़ से irrigators को बता दिया जाए कि इतनी रक्म आप के जिम्मे आनी है, सरकार को अदा कर दो। जब ऐसा समझौता irrigators से किया जाए तो सरकार के officers को हक हासिल नहीं होता कि पानी की तक्सीम के अन्दर दखल दें या वाराबन्दी कराएं। लोगों की अपनी मर्ज़ी पर होगा कि पानी की तक्सीम आपस में खुद करेंगे। बहुत से hon. Members ने यह बात महसूस करने में कोई हिचकिचाहट महसूस नहीं की और तकरीबन सारे इस के साथ मुतफिक थे। लेकिन यह ठीक ही कहा गया कि in practice मौजूदा हालात में इस system को अपनाने से लोगों के आपस में सिर फटेंगे। कोई कहेगा कि चूंकि मैंने चावल बोया है इस लिये पहले मैंने पानी लगाना है, कोई कहेगा मुझे सब्ज़ी के लिये पानी की पहले ज़रूरत है। कोई कहेगा कि चूंकि मैं 50 एकड़ का मालक हूं इस लिये मेरा ज्यादा हिस्सा है और कोई कहेगा कि मेरी तो सिर्फ दो एकड़ जमीन है इस लिये मेरा असासा तो वही 50 एकड़ के बराबर हैं और गुजारे का दारोमदार उसी की उपज पर है गर्ज़ेकि ऐसे हालात पैदा हो जाएंगे कि अगर एक मीटर लग गया तो लोगों से water rates का पैसा इकट्ठा करना एक मुसीबत बन जाएगी। लेकिन इस के बजाय लोग खुद चाहें कि इस तरीके स पानी लेंगे तो मैं यकीन दिलाता हूं कि हमें कोई एतराज़ नहीं होगा। इस से तो सरकार की बहुत सी सिरदर्दी कम होगी। लेकिन मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि जहां एक welfare state में सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि लोगों की तकालीफ को दूर करने की तजावीज़ सोचें वहां सरकार की यह भी जिम्मेदारी बनती है कि किसी ऐसी तजवीज़ को न अपनाएं कि जिस की वजह से तकलीफ बढ़ जाने का अन्देशा हो। सरकार अपनी ज़िम्मेदारी से भागना नहीं चाहती। इस लिये अगर कोई ऐसी तजवीज़ हो जिस से लोगों को नुक्सान न होता हो तो गवर्नमेंट उस पर विचार कर सकती है।

एक तजवीज़ यह रखी गई है कि गवर्नमेंट एक कमेटी बना दे जो मौजूदा तरीके से बेहतर हल सोचे। मैं यकीन दिलाता हूं कि अगर बाजवा साहब की तरफ से या उन के resolution का समर्थन करने वाले मैम्बर साहिबान की तरफ से कोई तजवीज आएगी तो हम उस पर पूरी तरह से ग़ौर करेंगे। सरकार ने State की एक Canal Advisory Committee बनाई हुई है। उस में भी ऐसे मामलात पर ग़ौर किया जाता है। कमेटी ने पीछे कई meetings की हैं मगर अफ़सोस की बात है कि कितने ही hon. Members ने, जो उस कमेटी में हैं, उस के काम में दिलचस्पी

नहीं ली। एक Chief Engineer को इस duty पर specially लगाया गया है। इस कमेटी ने सोचना है कि पुराने Act में क्या २ amendments की जाएं जिस से लोगों से जो ज़्यादतियां हो जाती हैं या जो corruption होने का मौका निकल आता है, वह खामियां दूर हो जाएं। हम उम्मीद करते हैं कि 6 महीन में शायद वह Chief Engineer अपनी तजवीज़ें रख सकें और Act में मुनासब तरमीमें हो सकें।

इस बहस के दौरान कुछ hon. Members ने सारे ही Canal Department को criticise किया है। यह मुनासिब नहीं था। यह बहुत बड़ा महकमा है। इस में 10 तो Chief Engineers हैं, कई सौ Executive Engineers हैं और Overseers और पटवारियों की तादाद तो कई हज़ार है। इतने अमले में कुछ बुरे लोग भी होंगे और अच्छे भी हैं। आप जानते हैं कि पंजाब के Engineers ने तमाम हिन्दुस्तान में अपना नाम रोशन किया है; तमाम दुनिया में उन की कद्र होती है। आप को मालूम है partition के वक्त कितना कम area पंजाब के हिस्से में irrigation का आया था, मगर इन engineers ने इसे बढ़ा कर कितना ज्यादा कर दिया है। इन लोगों ने अपनी मेहनत से हरिके, भाखड़ा और दूसरे छोटे मोटे बांध बनाए हैं और अब बयास पर बांध और सतलुज बयास link बना रहे हैं। आज partition के वक्त से irrigated area दोगुना हो गया है और पंजाब न सिर्फ हिन्दुस्तान बल्कि Asia में irrigated area के लिहाज़ से top पर आ गया है। (तालियां) culturable area की जितनी percentage पंजाब में तीसरी plan के दौरान होगी, इतनी शायद ही किसी और मुल्क में होगी। इन हालात में महकमे को outright condemn करना और Engineers को condemn करना दुरुस्त नहीं। पटवारी तो बड़ी थोड़ी २ तनखाह लेने वाले मामूली कर्मचारी हैं। यह बात नामुनासिब है कि इस सारे के सारे cadre पर धब्बा लगाया जाए। अगर पटवारी गलती करता है तो उस के लिये ज़िलेदार भी, S.D.O., Deputy Collector और Chief Engineer भी ज़िम्मेदार है। सरकार और वज़ीर ज़िम्मेदारी से भागते नहीं और गलती को सही करने की कोशिश की जाती है मगर उस के उपाय सोचने पड़ते हैं। और ऐसी खराबियां दूर करने में सब से ज्यादा काम पब्लिक और उस के नुमायंदों का होता है। अगर शिकायत न पहुंचे और सबूत न मिले तो सरकार कैसे गलती को दूर कर सकती है। बिना सबूत के किसी के खिलाफ action लेना दुरुस्त नहीं। आखिर services की कुछ security भी तो होती है। इसके बगैर आप उन से अच्छी तरह से काम नहीं ले सकते। यह नहीं हो सकता कि बिना किसी कायदे, कानून या enquiry के उन को सज़ा देनी शुरू कर दें। मैं इस बात के हक में हूं कि जहां भी शिकायत पहुंचे और सबूत मिले कि फलां आदमी ने बदअनवानी की है तो उसे सज़ा मिलनी ही चाहिए। हम ऊपर के अफसर को भी सज़ा देने के हक में हैं लेकिन जिस तरीके से सारे महकमे को यहां पर

[सिंचाई तथा विद्युत मन्त्री]

गन्दा और corrupt कहा गया है यह तरीका ठीक नहीं। महकमे में तो हज़ारों employees हैं। मुझे साल भर इस महकमे की देखभाल करते हो गया है और सिर्फ दो cases में शिकायतें आई हैं। अब आप बताएं कि मैं कैसे मान लूं कि महकमे में बेहद corruption है। (एक आवाज: 158 चोरियां तो गवर्नर साहिब ने मानी हैं।) मैं अपनी बात कर रहा हूं। वह अलग vigilance staff को गई हैं। जो शिकायतें मुझे आती हैं उन का मैं ज़िम्मेदार हूं। जिन दोस्तों ने corruption का ज़िक्र किया है मैं उन से पूछता हूं कि उन्होंने कितनी शिकायतें मेरे पास कीं और चोरियां पकड़वाईं। अगर गवर्नर साहिब के Address में 158 चोरियां पकड़ने का ज़िक्र है तो इस का credit तो इन्हीं अफसरों को जाता है कि जिन को condemn किया जाता है। Outright condemnation ठीक नहीं। महकमा बहुत बड़ा है, corruption के मौके भी बनते रहते हैं। कई गरीब आदमी और अमीर भी irrigation से नाजायज़ फायदा उठाना चाहते हैं। ऐसे लोग जो लालच दिये जाने पर फिसल न जाएं कम होते हैं। जब corrupt करने वाले लोगों की तादाद हज़ारों में हो, फायदा उठाने वालों की और भी ज्यादा हों तो कर्मचारी कैसे ईमानदार रह सकते हैं। हमें इन सारी बुराइयों को दूर करना है ताकि ऐसे मौके ही न पैदा हों कि corruption हो।

डिप्टी स्पीकर साहिब, जहां मौजूदा तरीका में कुछ बुराइयां भी हैं वहां इस में कुछ अच्छाइयां भी हैं। मसलन अगर हम water-supply का contract कर के meter लगा दें तो natural calamity की सूरत में, floods या दूसरी calamities की वजह से फसलों के खराब हो जाने पर irrigators यह उम्मीद नहीं रख सकते कि water-rate में कमी की जाए या आबयाना माफ हो जाए। आप सब ने देखा होगा कि शिकायतें आईं U.B.D.C. के area से कि फसलें नहीं पक सकीं। इस पर Chief Minister साहिब ने सारी हालत वहां जा कर देखी और ऐलान किया कि यह आप का हक है कि आप को पानी पहुंचे। आबयाना तब ही जायज़ तौर पर आप पर लगाया जा सकता है। अगर हम आप को फसलें पकाने के लिये पूरा पानी नहीं दे सकते तो पूरा आबयाना लेना भी नाजायज़ है। इसी तरह हर साल floods आते हैं और लाखों रुपया वाटर रेट का remit किया जाता है। अगर पानी की नाप तोल कर दी गई तो फिर सरकार कैसे लोगों के साथ हमदर्दी कर सकती है। मैं यह यकीन दिलाना चाहता हूं कि किसानों की वक्तन-फवक्तन जो शिकायतें आती रहती हैं उन की तरफ सरकार का पूरा पूरा ध्यान है और हम चाहते हैं कि जो यह कमियां हैं चाहे किसी वजह से हों–corruption की वजह से या अफसरों की गलती की वजह से–उन को दूर किया जाए। रूल्ज़ को और ऐक्ट को ऐसा बनाएं कि लोगों के साथ ज्यादती न हो सके। आज यह ज़िकर आया कि नहर में breaches होती हैं महकमे की गलती की वजह से लेकिन तावान किसानों पर डाला जाता है। इस चीज़ के लिये एक कमेटी बनाई जा रही है, और वह इस चीज़ को देखेगी कि गलती किस की है। आप जानते हैं कि यह सरकार

जनता की है इस लिये जनता के मुफ़ाद के लिये हर मुमकिन कोशिश की जाएगी। इस वक्त मैं बाजवा साहब से दरखास्त करना चाहता हूं कि यह मीटर वाली बात practicable नहीं है इस लिये ऐसा रेजोल्यूशन जिस को implement न किया जा सके उसके पास होने से कोई फायदा नहीं है। लिहाज़ा मैं उन से दरखास्त करूंगा कि वे इसे withdraw कर लें।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ (ਸ੍ਰੀ ਗੋਬਿੰਦ ਪੁਰ) : ਮਾਨਯੋਗ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਨੇ ਇਹ ਖਾਹਿਸ਼ ਜ਼ਾਹਰ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਇਹ resolution ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਵਾਂ। ਮੈਂ ਹੁਣ ਇਸ ਮਤੇ ਤੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬੋਲਣਾ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਹੁਣ ਬੋਲਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਇਤਨੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ ਕਿ ਮੇਰਾ ਮਕਸਦ ਹਰਗਿਜ਼ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਸ ਮਤੇ ਦੇ ਲਫਜ਼ਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਥੋਪ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਹਿਲੇ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਔਰ ਹਰ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਵੀ ਇਹ ਖਾਹਸ਼ ਹੈ ਕਿ ਨਹਿਰੀ ਪਾਣੀ ਬਾਰੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਨੇ ਉਹ ਦੂਰ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ। ਮੇਰਾ ਮਕਸਦ ਤਾਂ ਵਜ਼ੀਰ ਦੀ ਤਵਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਦਿਵਾਉਣੀ ਸੀ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਤਵਜੋ ਦੇਣਾ ਮੰਨ ਲਿਆ ਹੈ ਔਰ ਮੁਨਾਸਬ ਕਦਮ ਚੁਕਣੇ ਮੰਨ ਲਏ ਨੇ ਇਸ ਲਈ ਮੇਰਾ ਇਹ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਸ resolution ਨੂੰ press ਕਰ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੱਥ tight ਕਰ ਦਿਆਂ। ਮੈਂ ਬਸ ਇਤਨਾ ਕਹਿਕੇ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਮੰਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਇਸ resolution ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ।

Mr. Deputy Speaker : Now, I will put the resolution to the vote of the House.

Sardar Gurbachan Singh Bajwa : Sir, I beg to withdraw my resolution.

Mr. Deputy Speaker : It is the pleasure of the House that the hon. Member be allowed to withdraw his resolution.

(Voices : Yes).

The resolution was, by leave, withdrawn.

RESOLUTION
REGARDING ENACTMENT OF ANTY-DOWRY LEGISLATION

Raja Raghuvir Singh (Kulu. General) : Sir, I beg to move :

> This House recommends to the Government to take steps to bring about anti-dowry legislation in the State on the same lines as the proposed central legislation on this subject with such modifications as the local conditions in the State may necessitate.

आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, यह प्रस्ताव एक नया इन्कलाब हमारे समाज में लाने वाला है। मैं यह बतलाना चाहता हूं कि इस रिवाज ने जन्म क्यों लिया? और क्या वजह है कि यह आज तक चलता रहा? और आज क्या कारण है कि हम इस जहेज़ वाले रिवाज़ को क्यों नहीं चाहते? इस चीज़ पर रौशनी डालता हुआ मैं यह कहूंगा कि लड़की जब तक वह माता के घर रहती थी तब तक वह कन्या रूप थी और शक्ति रूप से उसकी उपासना होती थी और जब वह अपने पति के घर में चली जाती थी तो उसका रूप लक्ष्मी का यानी महालक्ष्मी

[राजा रघुबीर सिंह]

का हो जाता था। तो एक लड़की का पिता जब उसे दान में देता था तो वह यह समझता था कि वह लक्ष्मी का दान कर रहा है और वह यह देखता था कि जिस घर में जा रही है उस में धन उपार्जन और संचय की आवश्यकता है इस लिये उस को जो भी आवश्यकता की चीज़ होती थी पिता जुटाने की कोशिश किया करता था और यह समझता था कि नए जोड़े के जीवन को तो सफल बनाना ही है, अपने जीवन को भी सफल बनाना है। और इसी लिये पिता इस बात का प्रयत्न करता था कि उस जोड़े को इतना सफल बना दे कि आगे चल कर देश में सच्चे सेवक और वीर पैदा हों। लेकिन आज यह ढांचा बिखरता ही नज़र आ रहा है। यह मेरे जज़बात को छूनेवाली चीज़ है कि जिस को हम इख़लाक की बात समझते थे वह आज हम खत्म कर रहे हैं—

Mr. Deputy Speaker : The House stands adjourned till 9-30 a.m. tomorrow.

6-30 p.m.

(*The Assembly then adjourned till* 9-30 *a.m. on Friday, the 24th February,* 1961)

Punjab Vidhan Sabha Debates

24th February, 1961

Vol. I—No. 9

OFFICIAL REPORT
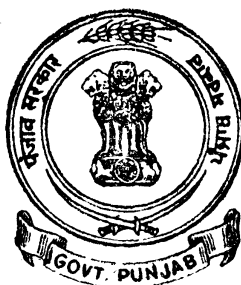
CONTENTS

Friday, the 24th February, 1961

Price..Rs 3.40 nP.

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES VOL. I—NO. 9, DATED THE 24TH FEBRUARY, 1961

Read	*for*	*on page*	*line*
not	nor	(9) 7	9
चाहें	चाह	(9)17	23
S. Bhupinder Singh Mann	S. Bhupunder Singh Mann	(9) 20	First
exceeding	exceedings	(9) 30	6
channelise	channelize	(9) 39	First
channelise	chanelise	(9) 39	8
channelise	channelize	(9) 39	20
वजह	वहज	(9)52	9
गैर	ैर	(9)55	15
देरी	`री	(9)56	2nd from below
रहना	रहन	(9)58	17
देते	दे	(9)60	28
देने	दे`	(9)60	30

PUNJAB VIDHAN SABHA

Friday, the 24th February, 1961

The Vidhan Sabha met in the Assembly Hall, Sector 10, Chandigarh at 9.30 a.m. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Gurdial Singh Dhillon) in the Chair.

*SUPPLEMENTARIES ON STARRED QUESTION NO. 6832

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਵਜ਼ੀਰ ਮੁਤੱਲਕਾ ਨੇ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ ਲੁਧਿਆਣੇ ਦੇ industrial areas 'A' and 'B' ਵਿਚ lighting arrangement ਕਰਨਾ ਹੈ । ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੋਈ step ਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ areas ਨੂੰ municipal committee ਦੇ area ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਏ ?

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : ਇਨ੍ਹਾਂ areas ਨੂੰ municipal committee ਦੇ area ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਦਾ preliminary notification ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਕੱਲ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਕਿ 1,68,000 ਰੁਪਿਆ drainage ਦੀ scheme ਨੂੰ finalise ਕਰਨ ਲਈ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ ।ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਕੀਮ ਕਦੋਂ finalise ਕੀਤੀ ਜਾਏਗੀ ? ਇਸ ਸੰਬਧ ਵਿਚ ਮਹੀਨਾ ਤੇ ਸਾਲ ਦਸ ਦਿਤਾ ਜਾਏ ।

ਮੰਤਰੀ : ਸਕੀਮ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ industrial areas ਦੀ development ਕਰਨੀ ਹੈ । 1949 ਵਿਚ industrial areas ਬਣੇ ਸਨ । ਇਹ ਸਕੀਮ ਉਦੋਂ ਤੋਂ ਬਣੀ ਹੋਈ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਸ ਸਕੀਮ ਦੇ ਅਧੀਨ ਹੁਣ ਤਕ drainage ਲਈ ਕੋਈ practical steps ਲਏ ਗਏ ਹਨ ?

ਮੰਤਰੀ : Public Works Department ਨੇ drainage ਕੀਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਸਕੀਮ ਅਨੁਸਾਰ ਜਿਹੜੀ 1949 ਵਿਚ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ । ਉਹ scheme ਕਾਮਯਾਬ ਨਹੀਂ ਹੋਈ; ਹੁਣ ਉਸ ਸਕੀਮ ਨੂੰ revise ਕਰਕੇ ਪੱਕੀਆਂ ਤੇ ਚੰਗੀਆਂ drains ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਸਕੀਮ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਚੰਗੀਆਂ ਤੇ ਪੱਕੀਆਂ drains ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਹਾਲੇ ਤਕ ਕੋਈ practical steps ਲਏ ਗਏ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

---

*Note.—Starred Question No. 6832 along with its reply appears in the Debate Vol I No. 8, dated the 23rd February, 1961 (afternoon sitting)

ਮੰਤਰੀ : ਹਾਲੇ ਬਣਾਉਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਕਿਉਂਕਿ funds available ਨਹੀਂ ਸਨ। Industrial areas ਦੀ development ਲਈ ਜਿੰਨੇ funds provide ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਉਹ ਖਰਚ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ। ਹੁਣ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ funds provide ਕਰਨੇ ਪੈਣੇ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਪਰਬੰਧ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ industrial areas ਦੀ development ਕਰਵਾਈ ਜਾਏ।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि क्या यह development charges allotees से वसूल किये गये हैं ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਿੰਨੇ development ਦੇ charges ਪਹਿਲੀ ਸਕੀਮ ਵਿਚ provide ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਉਹ ਵਸੂਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ।

श्री प्रबोध चन्द्र : मिनिस्टर साहिब ने अभी फरमाया है कि industrial areas की development के लिए जितने funds provide किये गये थे वह खत्म हो चुके हैं, अब इस के लिये और funds provide करने पड़ेंगे। मैं दरयाफत करना चाहता हूं कि यह खर्च गवर्नमैंण्ट खुद पूरा करेगी या कि allotees से वसूल किया जाएगा ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੇ funds originally ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਮਖ਼ਸੂਸ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲੋਂ ਖਰਚ ਵਧ ਗਿਆ ਹੈ। ਜਿੰਨਾ ਰੁਪਿਆ collect ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਉਹ ਸਾਰਾ ਖਰਚ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਗੌਰਮੈਂਟ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਪੈਸੇ ਖਰਚ ਕਰੇਗੀ।

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

APPOINTMENT OF OFFICER ON SPECIAL DUTY IN THE JAILS DEPARTMENT, PUNJAB

***6406. Sardar Atma Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether any official of the Jails Department, Punjab was recently appointed as Officer on Special Duty Jails ; if so, when, together with his name and qualifications ;

(b) the criterion kept in view while making the said appointment ?

Shri Benarsi Dass Gupta (Deputy Minister) : (a) Yes. Ch. Partap Singh, Deputy Superintendent, who is a graduate and has put in about 18 years service of outstanding merit was appointed to this post with effect from 26th May, 1960.

(b) Suitability on the basis of merit.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜੋ ਚੌਧਰੀ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ Officer on Special Duty in the Jails Department ਮੁਕਰਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜ਼ਿੰਮੇ as special duty officer ਕੀ ਕੀ duties ਲਗਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ?

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜ਼ਿੰਮੇ ਇਹ duty ਲਗਾਈ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਜੋ ਜ਼ਮੀਨ cultivate ਹੁੰਦੀ ਸੀ, vegetable ਬੀਜੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਸ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਤਸੱਲੀ ਨਹੀਂ, ਇਸ ਲਈ ਸਾਡਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਹੈ ਕਿ Officer-on-Special Duty ਲਗਾਉਣ ਨਾਲ ਵਧੇਰੀ vegetable ਤੇ ਹੋਰ ਕਾਸ਼ਤ ਹੋ ਸਕੇਗੀ । ਖਰਚ ਥੋੜਾ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਆਮਦਨ ਵਧੇਰੇ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਸ department ਵਿਚ ਹੋਰ ਵੀ senior officers ਮੌਜੂਦ ਸਨ ?

ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ: ਇਹ ਜੋ ਖਾਸ ਕੰਮ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਮਾਹਿਰ ਅਤੇ ਨਿਪੁੰਨ ਹੋਰ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਸੀ ।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या मुख्य मंत्री यह बताएंगे कि इस अफसर को agri-culture का कुछ तजुरबा है या सिर्फ graduate ही है ? और यह किस तरह पैदावार के बढ़ाने में मददगार साबित होगा ?

मुख्य मन्त्री : वह तो, पंडित जी, है ही agriculturist.

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या उद्योग मन्त्री, डिप्टी मिनिस्टर और मुख्य मन्त्री इन तीनों में से कोई भी यह बताएंगे कि जिस आदमी को appoint किया गया है उसका case Public Service Commission को refer किया गया है या नहीं ?

उद्योग मन्त्री : यह तो एक temporary appointment है इसलिए ऐसी कोई शर्त नहीं।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि क्या गवर्नमैंट का इरादा यह है कि post temporary रख कर इस post को extend कर दिया जाए ?

Minister : It is a temporary post and he has been appointed temporarily. हम उसके काम को watch करेंगे और बाद में फैसला करेंगे ।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या वज़ीर साहिब फरमाएंगे कि यह जो प्रबन्ध पैदावार को बढ़ाने के लिए किया गया है क्या गवर्नमैंट ने यह सोचा है कि यह पैदावार दो या चार हफ्ते में बढ़ जाएगी या उसको साल छ: महीने लग जाएंगे ?

मन्त्री : मैं अर्ज़ करूं कि हमने temporary scheme बनाई है, ख्याल है कामयाब होगी । इस post को मुस्तकिल करने के बारे में अभी सोचा नहीं । We will watch the scheme and the result thereof.

Mr. Speaker: What is the controversy about it? An officer has been appointed.

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, मेरी दरखास्त यह है कि गवर्नमेंट एक आदमी को मुकर्रर करती है और बाद में post create कर लेती है। गवर्नमेंट पहले फैसला कर लेती है कि किस आदमी को लेना है। इसलिए मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या इस post को Public Service Commission के through पुर किया जाएगा ?

मन्त्री : ऐसा करना ज़रूरी नहीं। By promotion भी लिया जा सकता है but that will be decided later on.

CONSTRUCTION OF WAREHOUSES IN THE STATE

***6571. Maulvi Abdul Ghani Dar :** Will the Minister for Industries be pleased to state the number of warehouses constructed by the Government for storing foodgrains during the peiod from 1956-57 to 1960-61, together with the total expenditure incurred thereon up to 31st January, 1961 ?

Shri Benarsi Dass Gupta (Deputy Minister) : No storage accommodation has been constructed by the Government in Food and Supplies Department from 1956-57 to 1960-61. The question of expenditure does not arise.

EXTENSION OF MUNICIPAL LIMITS OF LUDHIANA CITY

***6831. Sardar Ramdayal Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether any proposal from the Municipal authorities of Ludhiana to include industrial areas 'A' and 'B' of Ludhiana within Municiapl limits of the City has been received by Government ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether the said proposal is under the consideration of Government ; if so, the time by which a decision thereon will be taken ?

Shri Mohan Lal : (a) Yes.

(b) Yes, a preliminary notification for inviting public objections in regard to the proposal for the extension of the municipal limits has been published in *Punjab Government gazette* dated the 10th February, 1961. The matter will be finalised after objections, if any, have been received and considered.

GRANT OF TACCAVIS ETC. IN ROHTAK TOWN

***6785. Shri Mangal Sein :** Will the Minister for Revenue be pleased to state whether Government have distributed any 'Taccavis' and other loans due to recent floods in Rohtak district ; if so, the amount of gratuity, grant and loan so far distributed in Rohtak Town in particular ?

Giani Kartar Singh : Yes. A sum of Rs 1,06,875 has been distributed as house repair grant in Rohtak Town.

श्री मंगल सेन : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि grants कितने इलाके को distribute की गई हैं ?

मन्त्री : Grants के बारे में तो बता ही दिया है । बाकी urban areas में loans देने के लिए rules मौजूद नहीं थे, heading तो था, इसलिए Law Department से मिल कर rules बनाने पड़े हैं । Sanction अनकरीब Deputy Commissioner, Rohtak को भेज दी जाएगी । 20 लाख रुपया रखा गया है और यह एक महीने के अर्से में distribute हो सकेगा ।

श्री मंगल सेन : क्या मन्त्री महोदय फरमाएंगे कि जो बीस लाख रुपया sanction किया गया है यह 31 मार्च से पहले पहले दे दिया जाएगा ?

मन्त्री : एक महीने का अरसा तो 31 मार्च से पहले ही खत्म हो जाता है ।

श्री मंगल सेन : मैं पूछता हूं कि यह रुपया 31 मार्च से पहले पहले दे दिया जाएगा ?

मुख्य मन्त्री : आप के लिए कोशिश की जाएगी और जनता को दे दिया जाएगा ।

श्री मंगल सेन : स्पीकर साहिब, क्या इस हाउस में बैठ कर मुख्य मन्त्री यह कह सकते हैं कि आपके लिए तो कोशिश की जाएगी और जनता के लिए जवाब यह है कि उन को रुपया दे दिया जाएगा ?

श्री अध्यक्ष : आप के लिए खास रियात है । (He has special consideration for the hon. Member.)

श्री बलराम दास टंडन : जब मुख्य मंत्री हाउस में बैठ कर यह कहते हैं कि मेम्बर के लिए कोशिश की जाएगी और जनता को दे दिया जाएगा तो इसका मतलब यह है कि मेम्बरान को जवाब ठीक नहीं दिया जाता ।

श्री अध्यक्ष : उनके साथ खास प्यार है । (He has special regards for the hon. Member.)

COLONIES FOR EX-SERVICEMEN

*6833. **Sardar Jangir Singh Comrade :** Will the Minister for Revenue be pleased to state whether Government propose to set up any colonies for ex-servicemen in the State; if so, details thereof ?

Giani Kartar Singh : Yes. Three colonies are proposed to be set up in the State for resettlement of ex-servicemen. Two colonies, one in Mahablipur-Randhirpur in district Kapurthala and the other in Banur in Patiala District are in the making while site for the third colony is yet to be found.

Plots have been demarcated in the colony in district Kapurthala while these are being demarcated in colony in district Patiala for allotment to settlers. Sites for abadi in both the colonies have been selected.

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਫੌਜੀ ਚੁਣ ਲਏ ਗਏ ਹਨ; ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਚੋਣ ਕਰਨ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੀ criteria ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਵੇਲੇ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਇਹ information ਨਹੀਂ ਹੈ, ਜੇਕਰ ਮੈਂ ਦਸਾਂ ਤਾਂ ਗ਼ਲਤੀ ਹੋਣ ਦਾ ਇਹਤਮਾਲ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਉਹ ਨੋਟਿਸ ਦੇਣ ਤਾਂ criteria ਦਸਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਮਹਾਬਲੀਪੁਰ ਵਿਚ colony ਕਾਇਮ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ plots ਵੀ allot ਕਰ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਉਥੇ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਜਾ ਕੇ ਆਬਾਦ ਵੀ ਹੋਇਆ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਫੌਜੀ ਚੁਣ ਲਏ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ on paper ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ allotment ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ । Demarcation ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਪਰ ਅਜੇ ਤਕ ਹਰ ਇਕ ਦੀ colony ਮੁਕਰਰ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਕਿ ਕਿਹੜੀ ਕਿਸ ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਹੈ । ਅਨਕਰੀਬ ਹੋ ਜਾਏਗੀ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 500 ਰੁਪਿਆ ਜਮ੍ਹਾਂ ਵੀ ਕਰਵਾ ਦਿਤਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ ਨਿਸ਼ਚਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਬਾਦ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਣਗੇ ।

चौधरी लहरी सिंह : क्या मिनिस्टर साहिब फरमाएंगे कि हरियाणा में भी ऐसी colony बनाई जाएगी ?

ਮੰਤਰੀ : ਜੇਕਰ ਤੀਸਰੀ colony ਲਈ ਜ਼ਮੀਨ ਮਿਲ ਜਾਏ ਤਾਂ ਉਥੇ ਵੀ colony ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਜਾਏਗੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ colonies ਲਈ Defence Department ਰੁਪਿਆ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਰੁਪਿਆ ਬਹੁਤ ਥੋੜਾ ਮਿਲਦਾ ਹੈ । ਉਸ ਵਿਚ ਚੰਗੀ ਜ਼ਮੀਨ ਮਿਲਣੀ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੈ । ਜੇਕਰ hon. member ਇਸ ਕੰਮ ਵਿਚ ਮਦਦ ਕਰਨ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਜ਼ਰੂਰ colonies ਉਥੇ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦੇਵਾਂਗੇ ।

RATES OF LAND REVENUE IN ERSTWHILE MALERKOTLA, ETC.

***6834. Sardar Jangir Singh Comrade :** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether he is aware of the fact that the rate of land revenue in areas of erstwhile Malerkotla State and Pargana Lohat Baddi of erstwhile Lohat Baddi State is much higher than that prevailing in the villages of adjoining districts ; if so, the reasons therefor ;

(b) whether Government have issued any instructions for reducing the rate of land revenue referred to in part (a) above ; if so, what ;

(c) whether as a result of the instructions mentioned in part (b) above, the said rate of land revenue has been brought at par with the rate in the adjoining districts ; if not, the reasons therefor ?

Giani Kartar Singh : (a) There is no such disparity after the land revenue rates of the whole erstwhile Pepsu have been brought at par with those prevailing in the adjoining areas of erstwhile Punjab.

(b) Question does nor arise.

(c) Question does not arise.

ਸਰਦਾਰ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ ਕਾਮਰੇਡ : ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸੇ ਹਿੱਸੇ ਪ੍ਰਗਣਾ ਲੋਹ-ਟਵਦੀ, ਤਹਸੀਲ ਮਲੇਰ ਕੋਟਲਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੰਗਰੂਰ ਤੋਂ ਮਨਜ਼ੂਰ ਸ਼ੁਦਾ schedule ਤੋਂ ਇਸ ਲਈ ਵੱਧ ਮਾਲੀਆ ਲਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ floods ਜ਼ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਨਹੀਂ ਜੀ ਇਹ ਐਸੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਵਖਰੇ ਵਖਰੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦੇ ਵਖਰੇ ਵਖਰੇ rates ਹਨ । ਮਾਲੇਰ ਕੋਟਲਾ ਰੋਹਤਕ ਸਰਕਲ ਨਾਲ ਲਗਦਾ ਹੈ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਏਥੇ ਉਥੋਂ ਦੇ ਹਲਕੇ ਵਾਲੇ ਹੀ ਮਾਲੀਏ ਦੇ rates ਹਨ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ: ਜਿਹੜੇ rates revise ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਕੀ ਉਹ ਮਾਲੇਰ ਕੋਟਲਾ ਵਿਚ ਲਾਗੂ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ?

ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਇਕ ਸਾਲ ਤੋਂ ਵਧ ਅਰਸਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਾਗੂ ਹੋਇਆਂ ਨੂੰ ।

SECURING OF EVACUEE LAND FROM CENTRAL GOVERNMENT

***6498. Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state—

(a) whether Government have recently secured one lakh acres of evacuee land in the State from the Central Government; if so, the price paid therefor ;

(b) the manner in which Government utilized or proposed to utilize the said land ;

(c) whether it is proposed to sell the land referred to in part (a) above ; if so, at what rate ?

Giani Kartar Singh : (a) Yes. Punjab Government have purchased about 83,015 acres of inferior evacuee land at a cost of Rs 2,34,517/-

(b) and (c) The scheme for utilization of this land is under examination of the Government and it is likely to be finalized soon.

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਮੌਕੇ ਅਜੇ ਇਹ ਦੱਸਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਇਹ ਕਿਸ ਨੂੰ ਅਲਾਟ ਹੋਣੀ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਚੰਦਰ ਕਾਮਰੇਡ : ਕੀ ਇਹ ਦਸਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਇਆ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਵਾਸਤੇ ਵੀ waste land allot ਹੋਈ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਕਈ ਮਸਲੇ ਇਸ ਵੇਲੇ ਜ਼ੇਰੇ ਗੌਰ ਹਨ; ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਵੀ ਹੈ, ਮੁਜ਼ਾਰਰਿਆਂ ਦਾ ਵੀ ਹੈ । Ex-servicemen ਦਾ ਵੀ ਮਸਲਾ in view ਹੈ । ਇਹ ਅਜੇ ਵਿਚਾਰ ਲਈ Finance Department ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਏਥੋਂ ਇਹ Cabinet ਵਿੱਚ ਆਉਣਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੁਝ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

श्री राम प्यारा : वज़ीर साहिब ने बताया है कि 84,000 एकड़ inferior land खरीदी गई है । मैं पूछना चाहता हूं कि क्या कोई superior land भी खरीदी गई है ?

Mr Speaker: No please, this is no supplementary.

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ landless peasants ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਕੀਮਤ ਫੀ ਏਕੜ ਕੀ ਰੱਖੀ ਗਈ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਮੌਕੇ ਜਦੋਂ ਕਿ case Cabinet ਵਿਚ ਵੀ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ਅਜੇ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਮੁਨਾਸਬ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या Government ने ज़मीन खरीदने से पहले कोई फैसला नहीं किया था कि यह ज़मीन उन्हों ने किस काम के लिये खरीदनी है ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਜ਼ਮੀਨ Rehabilitation Department ਨੇ claimants ਨੂੰ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਲਈ ਸੀ । ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਇਕ ਸਾਲ ਠੇਕੇ ਤੇ ਦਿਤੀ ਗਈ ਸੀ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਦੇਣੀ ਸੀ ਜਿਹੜੇ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਤੋਂ ਉਜੜ ਕੇ ਆਏ ਸਨ । ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਇਹ ਮਨਸ਼ਾ ਸੀ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਮਿਲ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਏਥੋਂ ਦੇ ਹਾਜਤਮੰਦਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਸੋਚਿਆ ਜਾਵੇ ।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि इस ज़मीन को "no-profit, no-loss" basis पर दिया जाएगा या नफ़ा कमाने के इरादे से ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਦ ਤਕ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ ਮੈਂ ਕਿਵੇਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ?

श्री राम प्यारा : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि Central Government से सारी ज़मीन पंजाब सरकार ने खरीद ली है या अभी उनके पास कुछ ज़मीन बकाया भी है ?

ਮੰਤਰੀ : ਅਜੇ ਜ਼ਮੀਨ ਬਹੁਤ ਕਾਫ਼ੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਉਖੜ ਕੇ ਆਏ ਹੋਏ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

EXEMPTION OF AGRICULTURAL IMPLEMENTS FROM SALES TAX

***6830. Sardar Ramdayal Singh :** Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state—

(a) whether agricultural implements sold in the market are exempted from the payment of sales tax ;

(b) whether sales tax is charged on the sale of Power Wheat Thrashers ;

(c) if the answer to parts (a) and (b) above be in the affirmative, the reasons for charging sales tax on the sale of Power Wheat Thrashers ?

Dr. Gopi Chand Bhargava : (a) Yes, Sir, but only those which are worked by human or animal agency.

(b) Yes, Sir.

(c) The question does not arise as Power Wheat Thrasher is not an implement worked by human or animal agency.

CONSTRUCTION OF NEW BUILDING FOR DEGREE COLLEGE FOR WOMEN AT SANGRUR

***6804. Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under the consideration of Government to construct a new building for the proposed Degree College for Women at Sangrur ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether the site for the purpose has been selected ;

(c) whether Government propose to start Degree Classes in the Government College for Women at Sangrur ; if so, from which date ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a), (b) Yes. The site is being selected.

(c) Yes, with effect from the admissions of 1961.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਡਿਪਟੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਦ ਤਕ ਨਵੀਂ ਜਗ੍ਹਾ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਤਦ ਤਕ classes ਕਿਥੇ ਚਲਾਈਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ?

उप-मंत्री : जो मौजूदा building है उसी में कोशिश करेंगे ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਜਿਹੜੀ ਮੌਜੂਦਾ accommodation ਹੈ ਉਹ ਹੁਣ ਦੀਆਂ classes ਲਈ ਹੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਵੀਆਂ classes ਵੀ ਉਥੇ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ?

उप-मंत्री : Sufficient नहीं हैं, इसलिए नई building बनाना ज़ेरे ग़ौर है ।

CHANGES IN KARNAL BLOCKS

***6750. Shri Ram Piara :** Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) with reference to the reply to Starred Question No. 4868 printed in the list of questions for 17th February, 1960, whether the villages mentioned in Annexure 'B' thereof have been included in and the villages mentioned in Annexure 'C' excluded from the Karnal Block ; if so, when ;

(b) whether the villages mentioned in annexure 'C' have been included in any other Block; if so, which ;

(c) the criteria prescribed for inclusion or exclusion of villages in a block ?

Chaudhri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) Yes. In July. 1960.

(b) Yes. Nissang Block.

(c) A statement is laid on the Table of the House as Annexure 'A'.

ANNEXURE 'A'

The following criteria are prescribed for inclusion or exclusion of villages in a block :—

(a) In the plains the average population of a Block should be 66,000.

(b) In view of the fact that the entire State is to be covered by 228 blocks, each District should be allotted a number of Blocks on the basis of its rural population as compared to the total rural population of the State. On this basis Karnal was allotted 15 Blocks.

(c) The jurisdiction of a Block normally should remain within the boundaries of a Tehsil.

(d) The area included in Block should be compact which should not be divided by any physical barrier like a river or hills etc.

(e) Villages not included in any Block may be added to a Stage I, Block Straightaway.

(f) Villages included in Stage I Block may be excluded when the Block in which they are to be included comes into existence. This principle created an awkward position for Karnal Block as the continuance of 38 villages named in Annexure C in Karnal Block which are to form part of Nissang Block raised the population of Karnal Block to 90,681 which is 50 per cent in excess of the standard and therefore unmanageable. Since these villages will derive full benefit of a Stage I Block as part of Nissang Block and their continuance in Karnal Block was detrimental to the interests of the permanently included villages of this Block, these villages were excluded from Karnal Block in July, 1960. It may be added that these villages have been recepients of the benefits of a Stage I Block since 1st April, 1959, when Karnal Block entered Stage I till July, 1960, when they were excluded.

श्री राम प्यारा : Statement में बताया गया है कि 66,000 की आबादी का एक block बनाया जाता है। क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि जिस वक्त करनाल का block बनाया गया था तो उस वक्त उस में 66,000 की आबादी ही थी या कमोबेश ?

ਸਮੂਹਿਕ ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰੀ : ਜੀ ਹਾਂ; ਜ਼ਿਆਦਾ ਸੀ ।

श्री राम प्यारा: क्या इसीलिए इतने गांव निकाले गए हैं क्योंकि आबादी पहले ही ज्यादा थी या कुछ गांवों को पहले इस ब्लाक में डाला गया और अब उन्हें निकाला गया है ?

ਮੰਤਰੀ: ਕਰਨਾਲ ਬਲਾਕ ਵਿਚ ਪਹਿਲਾਂ 90,000 ਆਬਾਦੀ ਸੀ, ਹੁਣ ਉਸ ਵਿਚੋਂ ਕੁਝ ਪਿੰਡ ਕਢ ਦਿੱਤੇ ਹਨ ਅਤੇ ਬਾਕੀ 66,000 ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਰਹਿ ਗਈ ਹੈ ।

श्री राम प्यारा : क्या मैं जान सकता हूँ कि कुछ गांव जो मिलाए गए उनके मिलाने के बाद आबादी ज्यादा हो गई या original block में ही आबादी ज्यादा थी ?

ਮੰਤਰੀ: ਕੁਝ original block ਵਿਚ ਹੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸੀ ਔਰ ਕੁਝ ਨਵੇਂ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਾਉਣ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਗਈ । ਜ਼ਿਆਦਾ ਨੂੰ ਕਢ ਕੇ ਬਾਕੀ ਹੁਣ 66,000 ਰਹਿ ਗਈ ਹੈ ।

श्री राम प्यारा : क्या बताया जा सकता है कि नए गांव मिलाने की क्या ज़रूरत थी ?

Mr. Speaker: Order please, It is not relevant.

श्री राम प्यारा: स्पीकर साहिब, यह block दो दफा तोड़ा गया और यह इसलिए चूंकि राम प्यारा का ज़िला है; block तोड़ने की और कोई वजह नहीं। It is unfair on the part of the Government.

श्री अध्यक्ष : Order please, आप इस तरह से aspersions cast कर रहे हैं, यह तो administrative adjustment है और मेरी अपनी तहसील में भी हुई है और यह adjustments administrative point of view के साथ की जाती हैं। (Order please. In this way the hon. Member is casting aspersions. These adjustments are carried out from the administrative point of view and such adjustments have been made in my own tehsil also.)

श्री राम प्यारा : लेकिन मेरा सवाल तो यह है कि.....

Mr. Speaker : I request the hon. Member to resume his seat. If he does not resume his seat then I will ask him to withdraw.

श्री राम प्यारा : जवाब तो इन का सुन लें।

श्री अध्यक्ष : यह तो administrative मामले होते हैं। इन में राम प्यारे का सवाल नहीं। (These are adminstrative matters and it has nothing to do with Shri Ram Piara.)

श्री राम प्यारा : वह गांव, जनाब, एक साल तक फायदा उठाते रहे अगर तोड़ना ही था तो.........

Mr. Speaker: I would not allow any such questions.

पंडित श्री राम शर्मा : क्या वज़ीर साहिब बताएँगे कि जब नए गांव मिलाए गए तो उस वक्त यह idea नहीं था कि बलाक की आबादी पहले ही 66,000 से ज़्यादा है ?

ਮੰਤਰੀ : ਕੁਝ ਐਸੇ ਪਿੰਡ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ । ਇਸੇ ਕਰਨਾਲ district ਵਿਚ ਕੁਝ ਪਿੰਡ ਐਸੇ ਸਨ ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਬਲਾਕ ਨਾਲ ਮਿਲ ਸਕਦੇ ਸਨ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਬਲਾਕ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਸਨ ਮਿਲ ਸਕਦੇ। ਕੁਝ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਾਕੇ ਬਾਕੀ ਦਿਆਂ ਨੂੰ ਨਿਸੰਗ ਬਲਾਕ ਵਿਚ add ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਨਿਸੰਗ ਬਲਾਕ ਬਣ ਜਾਏਗਾ ਉਹ ਵੀ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾ ਸਕਣਗੇ । ਬਾਕੀ ਇੰਤਜ਼ਾਮੀ ਮਾਮਲੇ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਕਢਿਆ ਗਿਆ, ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਪਿਆਰਾ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਦੇ ਬਲਾਕ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਨਹੀਂ ।

श्री अध्यक्ष : मैं सिर्फ आपको relevant supplementary questions पूछने की ही इजाजत दे सकता हूं । इस तरह के explanatory remarks की इजाज़त नहीं दी जाएगी । मैं hon. Member को warn करता हूं कि आयंदा वह ऐसी बात न करें । (I can allow the hon. Members to ask only relevant supplementary questions during the Question Hour. No body shall be allowed to make explanatory remarks of any kind. I warn the hon. Member not to repeat this thing in future.)

SIDHARTHA CANAL IN DISTRICT KANGRA

*6857. **Shri Balram Das Tandon** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the original estimate for the construction of the Sidhartha Canal, from Kotla to Javali in tehsil Nurpur, district Kangra, and the date when construction thereof was started ;

(b) the expenditure so far incurred on the construction of the said canal and the length of its construction ?

Chaudhri Dalbir Singh (Deputy Minister): (a) Original estimated cost was Rs 11,57,600. Work was started during 1952. A revised estimate for Rs 26,38,523 was sanctioned in 1954 on account of charge of design, etc.

(b) The expenditure incurred so far is Rs 26,05,869. Length of the Sidhartha Canal is 10 miles plus about 11 miles of distributaries.

श्री बलराम दास टण्डन : क्या Deputy Minister साहिब बताएंगे कि इस canal का सारा काम पूरा हो गया है ?

उप मंत्री : जी हां, तकरीबन complete हो चुका है ।

श्री बलराम दास टंडन : स्पीकर साहिब, यह काम 1952 में शुरू हुआ था और 1960 में complete हुआ। क्या Deputy Minister साहिब बताएंगे कि इसे 8 साल का अर्सा क्यों लगा ?

उप मन्त्री : यह जो काम था hills के अन्दर होने की वजह से बहुत difficult था और इस किस्म का यह पहला experiment ही हुआ है। इस लिए, इस पर बहुत मेहनत करनी पड़ी और ज्यादा time लगा। हम यह भी सोच रहे हैं कि जितना इस नहर पर खर्च हुआ है या जितनी मेहनत आई है उतना इस का फायदा भी पहुंचा है या नहीं।

श्री राम चन्द्र कामरेड : Deputy Minister साहिब ने फरमाया है कि 26 लाख रुपया खर्च हो चुका है। क्या मैं पूछ सकता हूं कि क्या उस नहर की complete construction हो चुकी है या सिर्फ 26 लाख रुपया ही खर्च हुआ है ?

उप मन्त्री : Complete construction हो चुकी है।

श्री राम चन्द्र कामरेड : क्या उस नहर से खेतों को पानी मिलना शुरू हो गया है ?

उपमन्त्री : 1958 में यह नहर complete हो गई थी और उस से खेतों को पानी मिलना शुरू हो गया था। लेकिन उस के बाद जब बारिशें हुई तो वह फिर damage हो गई थी। उसके बाद हम पानी नहीं दे सके। अब सवाल यह पैदा हुआ है कि इस किस्म की schemes जो हैं उनका इतना फायदा नहीं है जितना होना चाहिए।

इस बात पर विचार हो रहा है और हमारे Engineers इस बात पर गौर कर रहे हैं कि आइंदा इस नहर का लोगों को पूरा फायदा हो सकता है या नहीं।

श्री बलराम दास टंडन : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि यह जो बातें अब बताई हैं

10 a.m.

इन का ध्यान project शुरू करने से पहले क्यों नहीं आया ?

SUBSIDISING COST OF POWER IN RURAL AREAS

*6549. **Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether Government, in collaboration with the Union Government and the Planning Commission, are investigating a scheme to subsidise the cost of electric power supplied in the rural areas of the State ; if so, the progress so far made in the investigation and the broad outlines of the scheme so far framed ?

Chaudhri Dalbir Singh (Deputy Minister) : Government of India have decided to afford loan assistance on special terms for selected rural electrification schemes included in the plans of the State. The concessions are that for the first five years only interest is payable and thereafter the loan and the interest together is recoverable in equal instalments spread over 25 years.

श्री राम चन्द्र कामरेड: क्या Government of India ने आप को ऐसा मश्विरा दिया है कि rural areas को बिजली concessional rates पर मुहैय्या की जाए?

उप मन्त्री : यह supplementary original सवाल से मुख्तलिफ है।

Shri Ram Chandra Comrade : Sir, my question is very clear. It reads—

"Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether Government, in collaboration with the Union Government and the Planning Commission are investigating a scheme to subsidise the cost of electric power supplied in the rural areas of the State ; if so, the progress so far made in the investigation and the broad outlines of the scheme so far framed ?"

Sir, it will be seen that I had asked the question about the subsidy to be given to the people and therefore the notice is already there.

सिंचाई मन्त्री : यह कहां है इस सवाल में ? सवाल के मुताबिक जवाब दे दिया गया है ।

Sardar Bhupinder Singh Mann : May I know whether the State Government has received an advice from the Ministry of Irrigation and Power, Government of India, that the electricity supplied in the rural areas for tube-wells should be supplied at a lesser cost ?

मंत्री : इस के लिए notice चाहिए ।

PANIPAT-BAPALI ROAD

***6826. Dr. Parma Nand :** Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) the date when the construction of Panipat-Bapali Road was taken in hand and the length thereof so far constructed ;

(b) the target date, if any, fixed for the completion of the above said road ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : (a) (i) Earthwork as flood relief measure started in December, 1956, and actual construction of road in January, 1959.

(ii) 7.5 miles.

(b) April, 1961.

डाक्टर परमा नन्द : जनाब, यह 7 मील की सड़क है । यह कहा गया है कि 1956 में शुरु हुई और 1961 में खत्म होगी । मैं पूछता हूं कि सिर्फ 7 मील के इस टुकड़े के बनने में इतनी देर क्यों लगी ?

ਉਪ-ਮੰਤਰੀ : 1956 ਵਿਚ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਮਿੱਟੀ ਪਾਈ ਗਈ ਸੀ । ਫਿਰ beneficiaries ਨੇ ਆਪਣਾ ਹਿੱਸਾ ਨਾ ਦਿਤਾ, ਇਸ ਕਰਕੇ ਦੇਰ ਹੋ ਗਈ ।

DAUNTAL INDORA ROAD IN NURPUR TEHSIL

6855. Shri Balram Dass Tandon : Will the Minister for Public Works be pleased to state whether the plan for constructing a Pucca

road from Dauntal to Indora in tehsil Nurpur, district Kangra, has been included in the Third Five-Year Plan ; if so, the time by which the said road is likely to be constructed ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : No. The question regarding its completion does not arise.

श्री बलराम दास टंडन : यह बताया गया है कि इस को तीसरी Plan में include नहीं किया गया। जो 20 साला Road Plan बनाई जा रही है, क्या इस को उस में लेने का विचार है ?

Deputy Minister: It is under consideration.

HARIJAN COLONY AT RAYE DAULE, DISTRICT ROHTAK

***6551. Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether Government decided to construct a Harijan Colony at Raye Daule, tehsil, Jhajjar, district Rohtak ; if so, the year in which the decision was taken and the amount of subsidy, if any, remitted to the District Welfare Officer, Rohtak, for disbursement ;

(b) whether the colony has been constructed ; if not, the reasons therefor ;

(c) the total amount sanctioned for the said Colony together with the number of houses proposed to be constructed therein ;

(d) whether any amount of subsidy has so far been given by the District Welfare Officer, Rohtak, to Harijans; if so, when ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a) A colony of 29 houses was sanctioned at village Daula (not Raye Daule), tehsil Jhajjar, district Rohtak, during 1957-58 and a sum of Rs 17,400 was remitted to District Welfare Officer, Rohtak, for disbursement to the beneficiaries concerned.

(b) Eleven houses have so far been completed and the remaining are under construction except one house of Shri Ram Dia. Due to consolidation operations, the site for the Colony was not readily available and the construction work was, therefore, started late. Action is being taken for recovery of the subsidy amount from Shri Ram Dia.

(c) Rs 17,400 were sanctioned for the construction of 29 houses at Rs 600 each.

(d) The whole amount of Rs 17,400 was disbursed to 29 beneficiaries on 6th November, 1958.

ENQUIRIES MADE BY VIGILANCE DEPARTMENT AGAINST BOGUS IRON/ STEEL QUOTA HOLDERS

***6796. Shri Ram Piara :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any enquiries have been held by the Vigilance Department in any district in the State during 1960 to ascertain who are the bogus quota-holders of iron and steel ; if so, the names of the districts in which such enquiries have been held and the names of quota-holders who have been found to be bogus ;

(b) the action, if any, taken by Government in the case of the bogus quota-holders mentioned in part (a) above ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) (i) Yes.

(ii) Amritsar and Jullundur;

(iii) Cannot be disclosed in public interest.

(b) Regarding firms/dealers of Amritsar it has been decided to remove their names from the list of quota-holders. As far Jullundur is concerned, the final enquiry report has, however, not yet been received from the D.I.G., C.I.D. (Vigilance), Punjab, as the association itself has voluntarily taken upon itself to give us the necessary information.

(*Shri Ram Piara rose to speak*)

श्री अध्यक्ष : आपका यह सवाल तो बहुत दफा आ चुका है कि अफसरों के खिलाफ क्या action लिया गया; इस का जवाब दिया जा चुका है। (The of trepeated question by the hon. Member as to what action had been taken against the officers, has already been replied to.)

श्री राम प्यारा : क्या Chief Minister साहिब बताएंगे कि जिस organisation ने अपने ऊपर ज़िम्मेदारी ली है उस organisation ने गवर्नमेंट को bogus quota-holders की list दे दी है ?

मुख्य मन्त्री : पूछ कर बता दूंगा, मेरा ख्याल है आ जानी चाहिए।

श्री राम प्यारा : जो अमृतसर के bogus quota-holders हैं उनकी तादाद कितनी है जिन को remove किया जा रहा है ?

उद्योग मन्त्री : यह information कई दफा repeat की जा चुकी है।

श्री राम प्यारा : मुझे गवर्नमेंट ने अभी पहली दफा जवाब दिया है कि उन्हें remove किया जा रहा है; क्या मिनिस्टर साहिब यह बताएंगे कि उनको remove कर दिया गया है या कब किया जा रहा है ?

मन्त्री : यह specific काम था; इसी Session में दिया गया है।

श्री राम प्यारा : उनको next quota मिलेगा या नहीं ?

मन्त्री : जिन को remove कर दिया गया है, list of quota-holders से जो निकल चुके हैं उनको quota मिलने का सवाल पैदा नहीं होता ।

Sardar Bhupinder Singh Mann : May I know which district in the State leads in the bogus quota-holders ?

उद्योग मन्त्री : अभी पटियाले की पड़ताल नहीं कराई गई ।

श्री प्रबोध चन्द्र : On a point of order. बताया गया है कि जो bogus quota holders हैं उनके नाम बताना public interest में नहीं । क्या यह ऐसा public interest है जो कि peace और tranquillity के खिलाफ है कि जिन को shelter दी जा रही है उन बेईमान आदमियों के नाम लिए जाएं ?

मुख्य मन्त्री : यह propriety का सवाल है । इतने बेईमान चलते फिरते हैं, किस २ का नाम लें ।

श्री प्रबोध चन्द्र: यह Parliamentary democracy के rules हैं कि जो public peace, tranquillity और military defence की बात हो वह न बताई जाए । इसमें कौन सा public interest है जो ?burning issue हो उस में किसी बेईमान आदमी का नाम लेने में न propriety और न public interest involved होते हैं । Specific cases हैं जिन में ऐसे जवाब दिए जा सकते हैं । आया इस गवर्नमेंट की यह considered policy है कि तमाम smugglers और बेईमान आदमियों को shelter देना है ? मैं आपका ruling चाहता हूं कि इस में कौन सा public interest involved है । तमाम दुनिया की Parliamentary democracy में यह बताया जाता है ।

Mr. Speaker :It is also in the public interest that I should not give my Ruling.

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब आप की powers बहुत बड़ी हैं । आप चाह तो चीफ मिनिस्टर से पूछ सकते हैं ।

श्री अध्यक्ष : वह मैं जानता हूं कि मेरी powers क्या हैं । (I know the powers vested in me.)

चौधरी लहरी सिंह : इस में public interst का क्या सवाल आता है, जनाब . . . .

Mr. Speaker : I think that where it is felt by a Minister that it is not in the public interest to give the information asked for in a question he should, before giving a reply to that effect, have the courtesy to inform me about it.

श्री राम प्यारा : क्या वजीर साहिब बताएंगे कि गवर्नमैंट ने या चीफ मिनिस्टर साहिब ने डी. आइ. जी. इंटेलीजैंस को कोई ऐसी हिदायत दी है कि bogus quota-holders के बारे में कोई inquiry करे ?

मुख्य मन्त्री : अगर कोई bogus quota-holders होंगे तो इन्क्वायरी होगी ।

श्री बलराम दास टण्डन: क्या मुख्य मन्त्री महोदय बतलाएंगे कि कोई टाइम-लिमिट रखी है ?

मुख्य मन्त्री : नहीं ।

श्री बलराम दास टण्डन : मैं, जनाब, फिर यह बात साफ करने के लिए पूछना चाहता हूं कि टाइम लिमिट fix की है तो क्या इलैक्शन तक की टाइम लिमिट fix की है ?

मुख्य मन्त्री : मैंने कह दिया कि नहीं ।

श्री राम प्यारा : क्या यह काम ऐसोसिएशन के ज़िम्मे लगाया गया है कि bogus quota-holders की लिस्ट दें या और भी कोई काम हैं जिनकी कि वह इत्तला देगी ?

मुख्य मंत्री : जो ऐसोसिएशन ठीक समझेगी कि किसी जीज़ की इत्तला देना ज़रूरी है तो वह देगा ।

Shri Prabodh Chandra: May I know from the Chief Minister way it his not in the public interest to divulge the names of the bogus quota-holders ?

Mr. Speaker : That has already been replied to.

Minister for Industries : That is not to be discussed here. I agree with you, Sir, that the Government should take the hon. Speaker into confidence. I will discuss this case with you and explain to you as to how it is not in the public interest to give that information.

श्री प्रबोध चन्द्र : मैं, जनाब, बड़े अदब से कहना चाहता हूं कि ऐसी कौन सी बात है जिसे मिनिस्टर साहिब बताने से गुरेज़ करते हैं ......

Mr. Speaker: It is in the interest of the House as also in my interest that I should not exercise the powers which is not vested in me.

If a minister says that it is not in the public interest to give a darticular information, I cannot force him to give it. I have to accept his statement.

श्री प्रबोध चन्द्र : लेकिन, जानब, हमें भी समझा दें तो बड़ी मेहरबानी होगी। The Chief Minister should take the Members into confidence.

SPECIAL POLICE FORCE TO COMBAT TRAFFICKING IN WOMEN

***6490 Sardar Atma Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether Government have created a special force in the State to combat organised traffiicking in women ;

(b) the total number of cases of trafficking in women reported during 1959-60 and the current year and the outcome of each of these cases ;

(c) the details of the Police Staff employed for tracing the women in the cases referred to in part (a) above and the total expenditure incurred thereon per annum;

(d) the total number of women involved in the cases referred to above and the manner in which they have been rehabilitated or are being rehabilitated ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) Yes. A staff has been sanctioned to enforce the provisions of the Suppression of Immoral Traffic in Women and Girls Act, 1956.

(b) One case in 1959-60. None in the current year.

(c) A specific staff comprising of D. S. Ps/5, S. Is/10 and Constables/20 has been sanctioned for five districts at an annual cost of Rs 1.24, 670.00 nP. but it has not yet been engaged.

(d) Four women were recovered by the district Police. Two of the recovered women were lodged in the Nari Niketan, Amritsar, while two were left with the respectables under magisterial orders.

TORCH LIGHT PROCESSIONS FOR PUNJABI SUBA

***6528. Sardar Atma Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any torchlight processions were taken out at any places in the State by the protagonists of the Akali Suba during the current year ; if so, where ;

(b) whether any of the procession ists mentioned in part (a) above were arrested ; if so, where and the action taken against them ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) Yes, at Amritsar and Ludhiana.

(b) A statement giving the requisite information is placed on the Table.

Statement of torch-light processionists arrested in the State in connection with the Punjabi Suba Agitation

Date	Place	Number of processionists arrested	Section of law under which arrested	Action taken
8-11-60	Amritsar	12	Under section 188, I.P.C. and section 5 of the Punjab Criminal Law (Amendment) Act, 1960	Of the 35 persons, 11 were released on the dissociation from the agitation and the remaining 24 were released as a measure of general amnesty.
27-11-60	Amritsar	5	Under section 188, I.P.C.	
4-12-60	Amritsar	8	Under section 188, I.P.C.	
12-12-60	Ludhiana	10	Under section 107/151, Cr. P.C.	
	Total	35		

Sardar Bhupunder Singh Mann : May I know whether the torches carried by those processionists were emitting light or darkness ?

Mr. Speaker : There was light from outside and darkness inside. (*Laughter*).

BAN ON THE PUBLICATON OF CERTAIN NEWS

*6529. **Sardar Atma Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of newspapers offices of which are sealed along with the date when this was done in each case ;

(b) the names of newspapers the entry of which is banned in the State ; along with the date since when this has been done in each case ;

(c) whether it is a fact that the publication of news about the Punjabi Suba Movement in the State was banned ; if so, from what date and for what pariod ?

Sardar Partap Singh Kairon : The information is laid on the Table of the House.

(a) Offices of no newspapers being published in the State were ever sealed.

(b) The bringing into Punjab of the newspapers mentioned below were prohibited with effect from the dates against each of these:—

1.	Nai Duniya (Delhi)	..	27th June, 1960—extended for another period of 2 months on 23rd August, 1960, expiring on 26th October, 1960, and also subsequently extended on 25th October, 1960 for another period of 2 months expiring on 26th December, 1960.
2.	Samaj (Singapore)	..	6th September, 1960—extended on 2nd November, 1960 for another period of 2 months expiring on 5th January, 1961 and subsequently extended for another 2 months on 3rd January, 1960 expiring on 5th March, 1961. Rescinded on 9th January, 1961.
3.	Partap (Delhi)	..	7th October, 1960-extended for another two months on 6th December, 1960 expiring on 6th February, 1961. Rescinded on 9th January, 1961.
4.	Vir Arjun (Delhi)	..	Ditto
5.	Bande Matram (Delhi)	..	11th October, 1960-extended for another two months on 8th December, 1960, expiring on 10th February, 1961. Rescinded on 9th January, 1961.
6.	Navi Prabhat (Calcutta)	..	Ditto
7.	The Khalsa Sewak (New Delhi)		2nd November, 1960—extended for another two months on 29th December, 1960 expiring on 1st March, 1961. Rescinded on 9th January, 1961.
8.	The Nawa-e-Punjab (Delhi)		15th December, 1960. Rescinded on 9th January, 1961.

9. The Sewadar (Delhi) .. 20th December, 1960. Rescinded on 9th January, 1961.

10. The Punjabi Suba (Delhi) .. 20th December, 1960. Rescinded on 9th January, 1961.

(c) The publication of news about Punjabi Suba movement in the State was prohibited in the following newspapers from the date and for the period shown against them—

(i) The Akali (Jullundur) ..	24th May, 1960—for a period of two months. Period extended on 21st July, 1960 for another two months. Period also subsequently extended for another two months on 21st September, 1960. expiring on 23rd November, 1960.
(ii) The Prabhat (Jullundur) ..	Ditto
(iii) The Hind Samachar (Jullundur)	24th May, 1960 for a period of two months. Orders withdrawn on 11th June, 1960. Again served on 13th August, 1960 for a period of two months. Period extended on 10th October, 1960 for another two months. Subsequently extended for 2 months more on 8th December, 1960, expiring on 12th February, 1961. Rescinded on 9th January, 1961.
(iv) The Pratap (Jullundur) ..	24th May, 1960, for a period of two months. Orders withdrawn on 11th June, 1960. Again served on 13th August, 1960, for a period of two months. Period extended on 10th October, 1960 for another two months Subsequently extended for two months. more on 8th December, 1960 expiring on 12th February, 1961. Rescinded on 9th January, 1961
(v) The Vir Pratap (Jullundur) ..	Ditto
(iv) The Akali Patrika (Jullundur)	3rd June, 1960, for a period of two months. Orders withdrawn on 11th June, 1960. Again served on 19th August, 1960, and subsequently withdrawn on 6th September, 1960.
(vii) The Punjab Guardian (Jullundur) ..	8th July, 1960, for a period of two months Ceased publication.
(viii) The Sacha Sewak (Amritsar)	2nd September, 1960 for a period of two months. Extended on 28th October, 1960 expiring on 1st January, 1961, and subsequently extended on 29th December, 1960 to expire on 1st March, 1961. Rescinded on 9th January, 1961.
(ix) Awami Tehrik (Amritsar) ..	27th October, 1960, for a period of two months Extended for another two months on 22nd December, 1960, ex piring on 26th February, 1961. Rescinded on 9th January, 1961.

ਸਰਾਦਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ: ਜਨਾਬ ਜੋ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਅਖਬਾਰ ਅਕਾਲੀ ਜਲੰਧਰ' ਤੇ ਪਰਭਾਤ' ਜਲੰਧਰ ਤੇ ਜਿਹੜੀ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਬਾਰੇ ਖਬਰਾਂ ਕਢਣ ਤੇ ਪਾਬੰਦੀ ਲਗਾਈ ਸੀ ਉਹ 23rd November, 1960, ਨੂੰ ਖਤਮ ਹੋ ਗਈ ਸੀ। ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਉਹ ਪਾਬੰਦੀ ਹੋਰ ਚਿਰ ਵਾਸਤੇ ਵਧਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ਸੀ ਜਾਂ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਸੀ ?

ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੀ ਇਤਲਾਹ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਸੀ ਉਹ ਮੈਂ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਜੇ ਕੋਈ ਮਜ਼ੀਦ ਖਬਰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਹੋਏ ਤਾਂ ਉਹ ਮੈਨੂੰ ਦਸ ਦੇਣ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਅਕਾਲੀ ਅਖਬਾਰ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਦੁਬਾਰਾ press seal ਕੀਤਾ ਸੀ ਕੀ ਉਹ ਪਾਬੰਦੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ?

(*Not replied*)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਅਖਬਾਰਾਂ ਐਸੀਆਂ ਨੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸੂਬੇ ਤੋਂ ਬਾਹਰੋਂ ਆਂਦੀਆਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਦਾਖਲਾ ਬੰਦ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, 9th January, 1961 ਨੂੰ ਉਹ ਪਾਬੰਦੀ ਹਟਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ਸੀ । ਪਰ ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 9th January, 1961 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਜਿਹੜੇ ਅਖਬਾਰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਛਪਦੇ ਸਨ ਪਰ ਉਹ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤੇ ਗਏ ਸਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਉਹ ਪਾਬੰਦੀ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਹਟਾਈ ਗਈ ਸੀ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਛਪਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ?

ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਜੋ rules and regulations ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਚਲਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਅਖਬਾਰ ਨੂੰ ਬੰਦ ਹੋਇਆਂ 6 ਮਹੀਨੇ ਹੋ ਗਏ ਹੋਣ ਉਸ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਉਸ ਵਕਤ ਤਕ ਛਾਪਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਜਿਤਨੇ ਤਕ ਉਹ ਦੁਬਾਰਾ declaration ਨਾ ਦੇਵੇ । ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਅਖਬਾਰ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ declaration ਨਹੀਂ ਸੀ ਦਿਤਾ । This is what I guess but I cannot say definitely.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਸਹੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਅਕਾਲੀ ਅਖਬਾਰ ਨੇ ਦੁਬਾਰਾ declaration ਦੇ ਦਿਤਾ ਸੀ ? ਪਰ ਡੀ. ਐਮ., ਜਲੰਧਰ ਨੇ ਉਹ ਮਨਜ਼ੂਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ?

Shri Prabodh Chandra : Sir, are we to be guided by guesses ?

Mr. Speaker : Very often.

Shri Prabodh Chandra : The Chief Minister should give a definite reply.

Mr. Speaker : Objections have been raised in this House in regard to the form and manner in which replies are given by the Government. Some Ministers, while giving replies, say "I think" or "I guess" or "It may be". I also think (laughter) that they are justified to some extent in saying so. After all, one cannot be sure or definite and positive on all matters.

Shri Prabodh Chandra : If a Minister is not sure, he can ask for a further notice.

Mr. Speaker : He is not bound to give a reply.

Shri Prabodh Chandra : Let him not give it. But if he gives any information, it should be definite.

QUOTAS/ESSENTIALITY CERTIFICATES FOR IMPORTING PIG IRON, STEEL ETC.

***6573. Maulvi Abdul Ghani Dar :** Will the Minister for Industries be pleased to state who were allotted quotas, or given essentiality certificates for the import of pig iron, steel and shoddy yarn during the years 1959-60 and 1960-61 together with the grounds on which these quotas/certificates were given ?

Shri Mohan Lal :

Pig Iron and Shoddy Yarn.—No quotas/essentiality certificates for pig iron or shoddy yarn were given by Government to any party during the years 1959-60 and 1960-61.

Steel.—The time and labour involved in collecting the information which will be extremely voluminous will not be commensurate with the ad vantage derived from it.

श्री शेर सिंह : क्या मिनिस्टर साहिब यह बताने की कृपा करेंगे कि पंजाबी रिजन को कितना steel का quota मिला और हिन्दी रिजन को कितना ?

उद्योग मंत्री : मेरे पास इस के मुताल्लिक data नहीं है।

ESTABLISHMENT OF INDUSTRIAL ESTATES IN THE STATE

***6575. Maulvi Abdul Ghani Dar :** Will the Minister for Industries be pleased to state the names of places in the State, district wise, where Industrial Estates were established during the period from 1st January, 1956 to 31st January, 1961 ; together with the amount spent by the Government on each such estate ?

Shri Mohan Lal : A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

Statement

Places where Industrial Estates have been established during the period from 1st January, 1956 to 31st January, 1961, together with the amount spent on each estate are given below—

Serial No.	Name of District	Name of place	Amount spent
			Rs
1	Ludhiana ..	Ludhiana ..	31,05,130
2	Gurdaspur ..	Batala ..	1,46,066
3	Sangrur	Malerkotla ..	2,85,565
4	Rohtak ..	Sonepat ..	69,836
5	Karnal ..	Nilokheri ..	2,63,681

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : मिनिस्टर साहिब ने इस सवाल का जवाब देते हुए फरमाया है कि पांच जगहों पर Industrial Estates कायम की गई हैं। उन्होंने मज़ीद फरमाया कि लुध्याना में 31,05,130 रुपये, बटाला में 1,46,066 रुपये, मलेर-कोटला में 2,85,565 रुपये, सोनीपत में 69,836 रुपये और नीलोखेड़ी में 2,63,681 रूपये खर्च हुए। इस से पता लचता है कि पंजाबी रिजन में 91 फीसदी रुपया खर्च किया गया और हिन्दी रिजन में 9 फीसदी। मैं दरियाफ्त करना चाहता हूं कि हिन्दी रिजन को क्यों ignore किया गया है ?

मंत्री : सिवाए लुध्याना के जितनी Industrial Estates हैं अभी मुकम्मल नहीं हुई। मार्च तक मुकम्मल हो जाएंगी। यह जो खर्च बताया गया है उस period का है जिस की इत्तलाह माननीय मैम्बर ने मांगी थी।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : Industrial Estates को कायम करने के लिये कौनसी वजूहात को मद्देनज़र रखा जाता है ?

मन्त्री : Industrial Estates को set up करने के लिये यह ख्याल रखा जाता है कि Industries की concentration heavy हो। अगर accommodation की कमी हो तो Industrialists को facilities हों ताकि congestion को remove किया जाए। अब गवर्नमैंट ने फैसला किया है कि हर ज़िले के important town में जो industry के लिये मौजूद हों Industrial Estate set up की जाए।

श्री शेर सिंह : क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि Industrial Estates पर बराबर खर्च होगा या इन के खर्च में फर्क होगा ?

मन्त्री : खर्च में फर्क होगा जैसे कि लुध्याना में Industrial Estates पर 31 लाख रुपया खर्च हुआ है बाकी पर 10 और 15 लाख के दरम्यान।

श्री शेर सिंह : सोनीपत और करनाल में कितना खर्च होगा ?

मन्त्री : 12 या 15 लाख के करीब। Exact figures इस वक्त मेरे पास नहीं।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या Industrial Estates के set up करने में इस बात का ख्याल रखा जाता है कि जो इलाके Industrially backward हैं उन को भी incentive दिया जाए या जो इलाका advanced है वहां Estate set up की जाती है ?

मन्त्री : गवर्नमैंट की यह पालिसी है कि जहां पर Industrial backwardness हो उस इलाके को तरजीह दी जाए।

मुख्य मन्त्री : जो इलाका Industrially advanced हो उस की advancement को हम रोकते नहीं लेकिन जो backward है उस को ज्यादा से ज्यादा मदद दी जाती है।

पंडित श्री राम शर्मा : मैं यह मालूम करना चाहता हूं कि Industrial Estates के बारे में जो figures हैं वह किसी पालिसी के मुताबिक हैं कि किस region को ज्यादा इमदाद दी जाए और किस region को कम ?

मन्त्री : हम ने जो Estates बनाई हैं वह इस तरह कि Hindi Region में दो, एक सोनीपत और दूसरी निलोखेड़ी मे, Patiala Division में एक मलेरकोटला में और दो Jullundur Division में और कल जो बजट पेश हो रहा है उसमें आपको और भी सकीमों का पता चलेगा।

पंडित श्री राम शर्मा : यहां तो Region का सवाल था, Division का नहीं ।

श्री अध्यक्ष : वह कहते हैं कि कल आपको बजट में रोशनी मिलेगी। (He says that the hon. Member will get more information when the Buget is presented tomorrow.)

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : क्या चीफ मिनिस्टर साहिब फरमाएंगे कि जहां-जहां इन्होंने Industrial Estates बनाई हैं वहां पर Industry ज्यादा थी और जगह कम थी या और कोई criteria था ? क्या इसमें बहादरगढ़, पानीपत और गुराया नहीं आते थे ? गुराया तो इनके अपने ज़िला में है ।

मुख्य मन्त्री : मेरा तो सारा पंजाब है एक ज़िला नहीं और मुझे हर ज़िला का ख्याल है ।

Sardar Bhupinder Singh Mann : May I know whether these financial allocations are made region-wise or to meet the particular demands of the industry as a whole ?

Minister for Industries : We have to take into consideration several factors, viz., existing need, scope for future development, removal of economic or industrial backwardness, etc., etc.

In making allocation for a particular estate, we have also to consider as to how many workshops or units can be set up and utilized in that locality or area. So, all these factors—and not one factor—have to be taken into consideration.

TECHNICAL ADVISERS FOR IMPROVEMENT OF INDUSTRIAL PRODUCTION

***6850. Sardar Ram Dayal Singh** : Will the Minister for Industries be pleased to state whether Government have taken any final decision to provide technical advisers for improvement of quality and quantity of industrial production at Industrial Centres in the State ; if so, the places where such advisers have been appointed and the places where they are proposed to be appointed ?

Shri Mohan Lal : The Government have decided that 50 per cent of expenditure in respect of pay of Industrial Engineers to be appointed by Local Productivity Councils functioning at Ludhiana, Jullundur, Amritsar, Sonepat, Batala and Faridabad will be met by the State as grant-in-aid. These Industrial Engineers when appointed will constitute the nucleus for persuing various industrial programmes and for the follow-up of training activities.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ Industrial Productivity Councils ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 50 : 50 expenditure ਦੇ basis ਬਾਰੇ convey ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ appointment ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ?

ਮੰਤ੍ਰੀ : Convey ਹੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ convassing ਵੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ Industrial Engineers ਜ਼ਰੂਰ appoint ਕਰੋ । ਇਥੋਂ ਤਕ ਹੀ ਨਹੀਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ Industrial Engineers ਦਾ ਖਰਚ 50:50 basis ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇਵੇਗੀ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ Government of India ਤੇ ਵੀ ਜ਼ੋਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ 25 per cent ਖਰਚ ਦੇਣ ਵਿਚ contribute ਕਰਨ ਤਾਂ ਜੋ local Productivity Councils ਨੂੰ 25per cent ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਦੇਣਾ ਪਏ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਅਜੇ ਤਕ ਕਿਸੇ Industrial Engineer ਦੀ appointment ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ?

ਮੰਤਰੀ : Appointment ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸਿਰਫ ਇਕ ਅਧ ਜਗ੍ਹਾ ਤੋਂ willingness ਦਾ ਇਜ਼ਹਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

Mr. Speaker : The supplementaries to this question will continue on the next sitting.

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

LOANS ADVANCED UNDER LOW-INCOME-GROUP HOUSING SCHEME

3338. Sardar Rajinder Singh : Will the Minister for Public Works be pleased to state whether Government have advanced any loans under the Low Income Group Housing Scheme during the current financial year ; if so, the total amount so far advanced, district-wise, in the State ?

Chaudhari Suraj Mal : Yes. A statement is attached.

Statement regarding the loans advanced under the Low income Group Housing Scheme from 1st April, 1960 to 31st December, 1960

Serial No.	District		Amount allocated	Amount disbursed (up to 31st December, 1960)	REMARKS
			Rs	Rs	
1	Amritsar	..	2,00,000	56,750	
2	Ambala	..	1,50,000	1,17,045	
3	Capital Project Chadigarh	..	1,50,000	1,26,300	

Note : The replay of unstarred question No. 3349 having received late from the Government is being printed at the end of this debate as an Annexure.

Serial No.	District		Amount allocated	Amount disbursed (up to 31st December, 1960)	REMARKS
4	Bhatinda	..	2,00,000	90,210	
5	Ferozepur	..	2,00,000	81,150	
6	Gurdaspur	..	2,00,000	1,07,950	
7	Gurgaon	..	2,00,000	95,630	
8	Hoshiarpur	..	1,50,000	54,350	
9	Hissar	..	5,57,000	1,76,000	
10	Jullundur	..	2,50,000	48,500	
11	Karnal	..	2,00,000	1,29,500	
12	Kapurthala	..	2,00,000	32,700	
13	Kangra	..	2,00,000	2,80,610 (13 and 14)	
14	Lahaul and Spiti	..	1,50,000		
15	Ludhiana	..	1,90,000	..	
16	Mahindragarh	..	2,96,000	7,500	
17	Patiala	..	2,50,000	1,35,460	
18	Rohtak	..	4,07,000	89,300	
19	Sangrur	..	1,56,000	78,200	
20	Simla	..	1,00,000	38,100	
	Total	..	44,00,000	17,65,255	

SUPPLEMENTARY ESTIMATES (SECOND INSTALMENT), 1960-61

Procedure regarding Discussion on the Supplementary Estimates and Voting of the Demands for Supplementary Grants.

श्री अध्यक्ष : अब मैम्बर साहिबान खुद फैसला कर लें कि वे Demands for Grants पर सिर्फ बोलने की खातिर ही बोलना चाहते हैं या हकीकत में वे चाहते हैं कि उन पर उन के जो विचार हों वह महकमा मुताल्लिका तक पहुंच जाएं। ज़ाती तौर पर मेरी यह राए है कि mixed debate का कोई फायदा नहीं होगा। इस की बजाय यह अच्छा रहेगा कि मैम्बर साहिबान एक एक डीमांड ले लें और उस पर बहस कर लें। इस तरह से उन के विचार clear और concise तौर पर सम्बन्धित महकमा तक पहुंच जाएंगे वरना अगर वे डीमांड्ज पर mixed debate

[श्री अध्यक्ष]
करेंगे तो उस से कुछ भी पता नहीं लगेगा और महकमा वालों के लिए यह मुमकिन नहीं होगा कि वह इन general remarks में से कुछ निकाल सकें। Mixed और general debates के लिए Governor's Address और General Discussion of the Budget के वक्त काफी मौके होते हैं। इस लिए इस के लिए यही way out है कि जब कोई मैम्बर साहिब Demands for Grants पर बोलना शुरू करें तो उन को चाहिए कि वह उस डीमांड का नम्बर पहले बोल दें जिस पर वह discussion करना चाहें। Minister Incharge of the Department को इस procedure की वजह से कुछ मुश्किल तो होगी फिर भी मैं समझता हूं कि वह इस को mind नहीं करेंगे और इस को right spirit में लेंगे। साथ ही मैम्बर साहिबान से request करूंगा कि वह Demands पर बोलते हुए concise और to the point रहें।
(It is for the hon. Members to decide whether they want to speak for the sake of speaking on the Demands for Grants or they really want to convey their views on them to the Departments concerned. Personally, I am of the view that a mixed debate will not prove useful. It would be much better if the hon. Members take up a particular Demand and discuss it. In this way, their ideas would reach the Departments concerned in a clear and concise manner. Otherwise, if they resort to a mixed debate on the Demands then it will lead them no where and it may not be possible for the Departments to make anything out of these general remarks. The discussion on the Governor's Address offers ample opportunities for a mixed and general debate and so does the general discussion on the Budget. So the way out is that when the hon. Members start speaking on the Demands for Grants they may indicate the number of the particular Demand which they want to discuss. The Ministers incharge of the Departments may experience some difficulty on account of this procedure, yet I think they will not mind it and take it in the right spirit. I would, however, request the hon. Members to be concise and to the point while speaking on the Demands.)

एक माननीय सदस्य : जनाब rules के मुताबिक.......

श्री अध्यक्ष : रूल्ज़ आफ प्रोसीजर का जो रूल नम्बर 222 है उस में कोई खास बात इस बारे में नहीं लिखी हुई। उस में लिखा है :

> "Supplementary, Additional, Excess, and Exceptional grants and Votes of credit shall be regulated by the same procedure as is applicable in the case of demands for grants subject to such adaptations, whether by way of modifications, addition or omission as the Speaker may deem to be necessary or expedient."

(Rule 222 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House does not specify anything in particular. It is like this :

> "Supplementary, Additional Excess and Exceptional grants and Votes of credit shall be regulated by the same procedure as is applicable in the case of demands for grants subject to such adaptations, whether by way of modifications, addition or omission as the Speaker may deem to be necessary or expedient."

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਜਿਤਨਾ ਵੀ ਤਜਰਬਾ ਹੈ Supplementary demands ਨੂੰ discuss ਕਰਨ ਦਾ ਉਹ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਇਕ Demand ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਲੈ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਤੇ ਕੋਈ discussion ਕਰਨਾ ਚਾਹੇ ਉਹ under discussion ਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੋਈ procedural difficulty ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ । ਪਰ ਜੇ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠੀਆਂ ਹੀ discuss ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦੇਈਏ ਤਾਂ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦਾ । ਇਹੋ ਤਰੀਕਾ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ important demands ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਇਕ ਇਕ ਕਰਕੇ ਲੈ ਲਈਏ, ਜਿਸ order ਵਿੱਚ ਕਿ ਉਹ ਲੱਗੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ discussion ਹੁੰਦੀ ਚਲੀ ਜਾਵੇ । ਜੇ ਸਾਰੀਆਂ ਇਕੱਠੀਆਂ ਲੈ ਲਈਆਂ ਜਾਣ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਪਰ ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਕਿਸੇ ਨੇ ਕਦੇ ਕਿਸੇ demand ਤੇ ਬੋਲ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਕਦੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਤੇ, ਇਹ procedure ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣਾ ਪਰ ਸਿਲਸਲੇ ਵਾਰ ਲੈ ਲਉ, ਕਿਸੇ demand ਨੂੰ ਭਾਵੇਂ touch ਕਰ ਲਉ । ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ ਕਿ un-important demand ਨੂੰ ਵੀ discuss ਕਰਨਾ ਹੈ, ਇਹ ਛੱਡੀ ਵੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ Minister concerned ਨੂੰ ਵੀ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਆਰਾਮ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਉਹ ਇਕੋ ਵਾਰੀ ਇਕ demand ਨੂੰ ਸੁਣ ਕੇ ਜਵਾਬ ਵੀ ਦੇ ਸਕੇਗਾ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਹਾਡਾ ਖਿਆਲ ਠੀਕ ਹੈ । (The hon. Minister is right.)

उद्योग मंत्री : मेरी अर्ज़ है कि इन डिमांड्ज पर बहस अलग अलग होनी चाहिये । यह मुनासिब होगा । जब Supplementary Estimates पर Appropriation Bill आता है तो उस में तो जेनरल डिस्कशन होती है । उस वक्त कोई पाबंदी नहीं होती ।

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਸੀਂ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਸਾਰੀਆਂ demands ਇਕੱਠੀਆਂ ਡਿਸਕਸ ਕਰ ਲਈਆਂ ਜਾਣ । Member discuss ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ demand ਦੱਸ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਸ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ।

श्री अध्यक्ष : अगर मैम्बर साहिब चाहें तो गिलोटीन का वक्त कम कर के आधा घंटा किया जा सकता है । ताहम मैं उन से कहूंगा कि वे बहुत concise बोलें और to the point बोलें । (If the House so desires the time of guillotine can be reduced to half an hour. I would, however, again request the hon. Members to be concise and to the point.) (आवाजें : ठीक है) ।

SITTING OF THE ASSEMBLY

श्री अध्यक्ष : कल हम साढ़े नौ बजे meet करेंगे और Question Hour नहीं होगा । (The House will meet at 9.30 a.m. tomorrow when there will be no Question Hour.)

DISCUSSION ON DEMAND FOR SUPPLEMENTARY GRANTS

Mr. Speaker : In order to save the time of the House, the Demands for Grants appearing in the Order Paper will be deemed to have been read and moved. As already stated a Member speaking will have to indicate the Demand No. on which he wants to raise a discussion—

That a Supplementary sum not exceedings Rs 30,760 to be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 9—*Stamps.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 3,09,310 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 10—*Forest.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 38,570 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending 31st March, 1961, in respect of 12—*Taxes on Vehicles*/13—*Other Taxes and Duties.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 36,350 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of *Charges on Irrigation Establishment.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 25—*General Administration.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 13,87,540 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 26—*Jails.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 2,30,290 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 29—*Police.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 7,86,530 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 36—*Scientific Departments and* 47— *Miscellaneous Departments.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 55,000 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 40—*Agriculture.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 50—*Civil Works.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 20,03,350 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 51—Other Revenue *Expenditure connected with Multipurpose River Schemes.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 3,08,68,620 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year endng the 31st March, 1961, in respect of 54—*Famin.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 3,61,100 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending 31st March, 1961, in respect of 54—*Privy Purses dan Alowances to Indian Rulers 55—Superannuation Allowances and Pension.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 14,74,500 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 56—*Stationery and Printing.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 57—*Miscellaneous.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 3,83,560 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 63-*B—Community Development Projects, G.E.S. and Local Development Works.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 31,80,000 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 71—*Capital Outlay on Schemes of Agricultural Improvement and Research.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 1,40,27,380 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 80-*A—Capital Outlay on Multipurpose River Schemes.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 22,10,000 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 81—*Capital Account of Civil Works outside the Revenue Account.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 1,49,230 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 82—*Capital Account of other State Works outside the Revenue Account.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 19,67,970 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 85-*A—Capital Outlay on Schemes of Government Trading.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 4,35,96,820 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course fo payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of *Loans to Local Funds—Private Parties etc.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of XVII—*Irrigation Receipts—Deduct—Working Expenses,* 18—*Other Revenue Expenditure financed from ordinary Revenue.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 43—*Industries.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 68—*Construction of Irrigation Works etc.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 79—*Expenditure on New Capital of Punjab at Chandigarh.*

श्री बलरामदास टंडन (अमृतसर शहर, पश्चिम) : स्पीकर साहिब, यह जो Supplementary Estimates की Second Instalment आज हाउस के अन्दर पेश की जा रही है उस के बारे में मुझे जो सब से पहले महत्वपूर्ण बात कहनी है वह यह है कि सरकार Supplementary Demands को हाउस के अन्दर क्यों लाती है ——

श्री अध्यक्ष : आप किस demand को ले रहे हैं ? (Which demand is the hon. Member taking up ?)

श्री बलराम दास टंडन : मैं general Supplementary Estimates की बात कर रहा हूं, general discussion नहीं कर रहा ?

श्री अध्यक्ष : आप सीधा demands की तरफ आएं और यह मत ख्याल करें कि opposition को ज्यादा time मिलेगा। (The hon. Member should directly come to demands and should not remain under the impression that the Opposition will be given more time.)

उद्योग मन्त्री : मैं एक अर्ज़ करना चाहता हूं। वह यह कि हमने आपस में यह arrangement किया है कि Cabinet का हर मिनिस्टर अपनी demand की बाबत खुद जवाब देगा। वह किस किस वक्त ऐसा करेंगे, यह इस वक्त कहा नहीं जा सकता। अगर मुख्तलिफ departments पर separately discussion होती तो हर मिनिस्टर अपनी demand पर हुई debate को सुनता और जवाब देता। लेकिन इस तरह general discussion करके आप क्या करना चाहेंगे मैं कह नहीं सकता।

Mr. Speaker : There should be no general discussion at all.—

श्री बलराम दास टंडन : मैं तो यह बताने जा रहा था कि जो इतने करोड़ रुपए की supplementary demands सरकार लेकर आई है यह गलत तरीका है। अगर आप समझते हैं कि general remarks भी नहीं कर सकता तो फिर . . .

Mr speaker : No, please. There should be no general remarks. He should come straight to the demand.

श्री बलराम दास टंडन : I am coming to the demands, Sir. जो Supplementary demands आज House में पेश की गई हैं उन में बहुत सी demands ऐसी हैं जिनकी कोई justification नहीं है।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : On a point of order, Sir. ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਹੁਣੇ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਿਸੇ particular demand ਤੇ ਗਲਬਾਤ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮਗਰ ਉਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਉਹ general ਗੱਲਾਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।

श्री बलराम दास टंडन : मैं demand नं. 4 पर आता हूं। इसमें कहा गया है कि 'a new administration named Hydel Administration has

been opened. One Chief Engineer along with some supporting staff is to be posted. यानी एक नया Chief Engineer और उसके साथ staff लगाया जा रहा है। वैसे तो सरकार इस बात का अच्छी तरह से विश्लेषण नहीं कर सकी कि आखिर कितने Chief Engineers की क्या जरूरत है, उनकी कोई limit भी है या नहीं। Peons की तादाद तो कम की जा रही है लेकिन Chief Engineers और Superintending Engineers की कितनी तादाद होगी इसका आखिरी फैसला सरकार ने नहीं किया। हर रोज़ सरकार की तरफ से यह ऐलान किया जाता है कि फलां जगह के लिए एक नया Chief Engineer लगाया जा रहा है। स्पीकर साहिब, आजतक यह समझा जाता था कि Chief Engineer का मतलब है Head of the Department। चाहिए तो यह कि Chief Engineers एक ही हो और उस के नीचे Superintending Engineer class I, class II, वगैरा को लगा दिया जाए। लेकिन यहां तो हर रोज़ नित्य नए Chief Engineers की posts create की जाती हैं, शायद इस लिए कि कुछ लोगों को ज्यादा तन्खाहें और बड़े बड़े scales देने का इरादा होता है। इस लिए मैं समझता हूं कि यह tendency एक बहुत ही निकम्मा तरीका है। इस तरीके को खत्म करके, जैसा कि मैंने सुझाव दिया, एक ही Chief Engineer होना चाहिए और उसके मातहत Superintending Engineers Class I और class II लगाए जाएं।

अब मैं page 9 पर जो "Interest of debts" की मद है उसकी तरफ आता हूं। इसके लिए सरकार ने 1,75,55,800 रुपए का provision किया है। इसके अन्दर बहुत सी amount वह है जो सरकार यह कहती है कि पैप्सू के वक्त की सन 1955 की देने वाली है। उसके ऊपर total interest कितना है यह सरकार की तरफ से clear नहीं किया गया। स्पीकर साहिब, लाखों रुपया हमारी सरकार हर साल interest के तौर पर pay कर रही है और उसकी वजह यह है कि centre की हकूमत ने इन्हें exact amount अभी तक बताई ही नहीं? आखिर यह जो रुपया सरकार ने बतौर interest देना है वह लोगों से टैक्सों के ज़रिया इकट्ठा किया हुआ रुपया है। इतनी बड़ी बड़ी रकमें interest के तौर पर pay करना सरकार के लिए मुनासिब बात नहीं। सरकार को सोचना चाहिए कि एक पैसा भी जो इस तरीके से दिया जाता है उसके लिए मुनासिब कारण होने चाहिएं। मैं समझता हूं कि इस तरह बेदरेगी से जनता का पैसा interest की शक्ल में लूटा जा रहा है। फिर यह date भी आगे से आगे बढ़ती जा रही है। सरकार को चाहिए कि सैण्ट्रल हकूमत से मिल कर इस बात का पता लगाए कि कितना रुपया finally निकलता है और उसकी अदायगी जल्दी से जल्दी की जाए ताकि जनता का पैसा interest के तौर पर फजूल ज़ाया न हो।

इसके बाद मैं आप का ध्यान Demand No. 10 के अन्दर गवर्नर साहिब के houses की maintenance बारे जो provision किया गया है, उसकी

[श्री बलराम दास टण्डन]

तरफ दिलाना चाहता हूं। इस सम्बन्ध में भारत सरकार ने एक लाख रुपया तै किया हुआ है। लेकिन अब जो revised estimates सरकार ला रही है उसके मुताबिक इस पर 1,69,000 रुपया खर्च किया जाएगा। उसको थोड़ी सा cut करके यह रकम 1,50,000 तक लाने की कोशिश की गई है। गवर्नर साहिब के दो houses हैं, एक चंडीगढ़ में और दूसरा शिमला में। समझ नहीं आती कि जब अपनी सरकार के सोचने का ढंग यह है कि जनता का पैसा फजूल जाया न हो, इतनी शान और ठाट को जिसे सात समुद्र पार से आकर विदेशी हकूमत ने कायम किया था, बरकरार क्यों रखा जा रहा है। इसमें सब से बड़ी बात जो कही गई वह यह है कि चूंकि अखराजात बढ़ गए हैं इस लिए इस रकम को ज्यादा करना पड़ा। आप अन्दाजा लगाएं कि अखराजात इतने बढ़ गए कि जिस काम के लिए पहले एक लाख का provision किया गया था उसके लिए 1,69,000 रुपए की demand की जा रही है यानी एक लाख पर 69,000 की बढ़ौतरी सिर्फ महंगाई के कारण करनी पड़ी। Socialistic pattern का दावा करने वाली सरकार गवर्नर साहिब की कोठियों की बाबत तो सोचती है कि चूंकि अखराजात बढ़ गए इस लिए खर्च को बढ़ाया गया लेकिन क्या इस हकूमत ने कभी इस बात का भी विचार किया है कि अगर water charges और electricity और maintenance पर गवर्नर के houses का खर्च एक लाख से बढ़कर एक लाख 69 हजार हो सकता है तो उन छोटे employees का क्या हाल होगा जिन की तन्खाहें ही बहुत कम हैं? क्या सरकार उन लोगों के लिए नहीं है? यह वह गवर्नर साहिब हैं जिन्होंने सन 1949 यानी partition से पहले जंगे आजादी की जद्दोजहद में हिस्सा लिया और जो हमेशा यह ऐलान किया करते थे कि हम इतनी बड़ी बड़ी तन्खाहें नहीं लेंगे।

श्री अध्यक्ष: यह रुपया तो existing buildings की maintenance के लिए मांगा जा रहा है। (This amount is being asked for the maintenance of the existing buildings.)

श्री बलराम दास टंडन: मैं तो यह बताने जा रहा हूं कि सरकार के अपने ही लफ़ज़ों में चीज़ों के rates बढ़ने के कारण ही इस मद में provision को बढ़ाया गया है। लेकिन यह consideration छोटी तन्खाहों वाले कर्मचारियों के सिलसिले में apply नहीं की गई। उन लोगों के अखराजात भी महंगाई की वजह से बहुत बढ़े हैं। (*Interruptions*) मैं यह बता रहा था कि दो Government Houses के लिए यह provision किया गया है, शिमला के लिए 70,000 का और चंडीगढ़ वाले के लिए 80,000। आप जानते हैं कि शिमला तो गवर्नर साहिब साल भर में मुश्किल से चन्द दिनों के लिए ही जाते हैं। मैं समझता हूं कि सूबे की इतनी tight economy में इन दो houses की जरूरत नहीं। जब किसी लोक भलाई के काम के लिए कहा जाए तो सरकार की तरफ से यह जवाब दिया जाता है कि पैसा नहीं है। लेकिन यहां पर फालतू government house बनाकर इतने रुपये की

demand की जा रही है। मैं समझता हूं कि एक ही Government House काफी है।

मैं, जनाब, एक दो मिनट और लेना चाहता हूं। Demand 12 के अन्दर, जनाब, famine का Head है। इस मद में तीन करोड़ से ऊपर का खर्च बताया गया है और हैरानगी की बात है कि यह खर्च हर साल होता है। फिर जब बजट बना था तो उस वक्त यह खर्च क्यों sanction नहीं कराया गया और First Instalment के वक्त क्यों नहीं यह खर्च लिया गया ? अब ही fag end of the year पर क्यों यह खर्च मांगा जा रहा है ? इन की dates नहीं बताईं कि कब इस खर्च की ज़रूरत पड़ी। इस के reason दिए जाने चाहिएं थे कि original budget के वक्त इसे क्यों न ले सके और अब क्यों Legislature के दो दिन ज़ाया करने ज़रूरी समझे गए। लाहौल और स्पीती ज़िले के headquarters में D. C. का bungalow बनाया जाना है staff के लिए quarters बनाने हैं। क्या इस बात को foresee नहीं किया जा सकता था ? अब क्यों पैसा साल के आखीर में मांगा जा रहा है ? यह एक अजीब बात है। (घंटी) जनाब, एक मिनट और दे दें।

श्री अध्यक्ष : अब मैं यह सब नहीं सुनूंगा। आप को पहली ही घंटी पर बैठना पड़ा करेगा। अभी बड़े मौके आएंगे। (I will not hear all this. The hon. Members will have to resume their seats at the first bell. The hon. Members will get many opportunities to have their say.)

श्री बलराम दास टंडन : अच्छा जनाब, तो मैं बैठ जाता हूं।

श्री रला राम (मुकेरियां, जैनरल) : जनाब, जो मांग नम्बर 18 है उस में ब्यास पर डैम के बारे में रुपया मांगा गया है। वहां पर तलवाड़ा में जो colony बन रही है उस का एक sector का काम शुरू हो चुका है। जिन लोगों की वहां ज़मीन थी उन की ज़मीन के साथ साथ फसलों पर भी कब्ज़ा कर लिया गया है। इस के लिए compensation देने के लिए इस demand में कोई रुपया नहीं रखा गया। अध्यक्ष महोदय, उन लोगों के रोज़गार का वाहिद ज़रिया ज़मीन था। अब वह उन से छीन लिया गया है। इस लिए उन लोगों को compensation देने को priority दी जानी चाहिए। इस के लिए estimate लगा कर रुपया provide किया जाना चाहिए और बाकी काम शुरू होने से पहले compensation उन गरीब लोगों को मिल जाना चाहिए। अगर इस में देर की गई तो कुदरती तौर पर उन के अन्दर बेचैनी पैदा होगी। आज तक अफसर साहिबान ने जो काम वहां किया है वह बड़े sympathetic तरीके से किया है और उन लोगों में इस का अच्छा प्रभाव है लेकिन अगर मुआवज़ा देने में नावाजिब देर की गई तो उन के लिए बड़ी hardship होगी। इस में इस चीज़ के लिए कोई रुपया न रखा देख कर मुझे खदशा है कि

[श्री रला राम]
इस में नावाजिब देर होगी और लोगों और सरकार के आपसी ताल्लुकात बिगड़ेंगे। इस लिए सरकार को इस ओर जल्द से जल्द ध्यान दे कर उन लोगों को भूखे मरने से बचाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, कुछ रुपया Demand No. 25 में मैंहगरवाल चो के लिए रखा गया है। जनाब यह हुशयारपुर तहसील के इलाके में है। ज़मीन ज़रखेज़ है मगर चो के पुराने bed का ध्यान न रखने के कारण floods आते हैं और पानी सब जगह फैल जाता है। वहां पर सेम भ्यानक रूप में प्रकट हो गई है। मैं देखता हूं कि इस के लिए 40,000 रुपया रखा गया है। मैं यह बात, आप के द्वारा सरकार से कहना चाहता हूं कि अगर यह काम piece-meal किया गया, हिस्सों में बांट कर किया गया तो जो relief सरकार उन लोगों को देना चाहती है वह उन को नहीं मिल सकेगा। यह बात सराहनीय है कि सरकार ने लोगों को relief देने के लिए अभी से waterlogging को दूर करने के प्रयत्न शुरू कर दिए हैं। लेकिन जो रुपया इस काम के लिए रखा गया है यह बिल्कुल नाकाफी है। अगर अगली बरसात आने से पहले पहले सरकार ने इस काम को तसल्लीबख्श तरीके से कर दिया, और waterlogging का मर्ज़ ज़्यादा न फैला तो लोगों को बड़ा भारी फायदा होगा और वह सरकार को दुआएं देंगे। मगर जो 40,000 रुपया इस के लिए रखा गया है यह बिल्कुल नाकाफी है।

फिर item Printing and Stationery के लिए 10 लाख रुपया paper और किताबों के लिए provide किया गया है। जहां तक कीमतों का ताल्लुक है, nationalisation of books एक बरकत साबत हुई हैं लेकिन जहां तक किताबों की get-up या printing का प्रश्न है, teachers के अन्दर बड़ा असन्तोष पाया जाता है। अब जब कि पेपर खरीदा जा रहा है तो मैं आपके द्वारा महकमे तक यह बात पहुंचाना चहिता हूं कि कम से कम ऐसी quality का पेपर हो जिसकी कोई value हो और उसे विद्यार्थी भी मूल्यवान समझें। पेपर को और किताबों के get up को अच्छा बनाया जाए ताकि किताबों की artistic value हो। आज कल जो get up है वह बहुत भद्दा मालूम होता है।

OBSERVATION MADE BY THE SPEAKER REGARDING AN INCORRECT NEWS APPEARING IN THE PRESS.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਮੈਨੂੰ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ, ਵਲੋਂ ਇਕ ਚਿੱਠੀ ਆਈ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੇਰਾ ਧਿਆਨ Tribune ਅਖਬਾਰ ਵਿਚ ਛਪੀ ਇਸ ਖਬਰ ਵਲ ਦਿਵਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਨਵੇਂ Chamber ਵਿਚ ਕਲ੍ਹ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਹ ਗਲਤ reporting ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਇਹ function 27 ਨੂੰ ਹੋਏਗਾ ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਹ 6th March, 1961, ਨੂੰ ਹੋਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ inform ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ 27 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਉਥੇ shift ਨਹੀਂ ਕਰ

ਰਹੇ ਬਲਕਿ 6th March, 1961 ਨੂੰ ਕਰਾਂਗੇ ਔਰ ਉਸ ਦਿਨ 9 ਬਜੇ ਸਵੇਰੇ ਨਵੇਂ Chamber ਤੋਂ ਬਾਹਿਰ assemble ਹੋਵਾਂਗੇ। ਇਹ ਗੱਲ ਮੈਂ ਇਸ ਲਈ ਦੁਬਾਰਾ ਕਹੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਗਲਤ ਫਹਿਮੀ ਨਾ ਰਹੇ। ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ legislators ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਹਾਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਾ ਕੇ address ਨਹੀਂ ਕਰਨਗੇ। ਇਹ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਗਲ ਹੈ। ਅਸੀਂ informally ਉਥੇ ਬਾਹਿਰ ਇਕੱਠੇ ਹੋ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਨਵੇਂ ਹਾਲ ਵਿਚ enter ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਨੂੰ address ਕਰਨਗੇ। ਅਸੀਂ ਸਿਰਫ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੀ speech ਰਖੀ ਹੈ। (I have just received a letter from the Governor, in which he has drawn my attention to the news item printed in today's Tribune that the Assembly will shift to the New Chamber on 27th February, 1961. This has been wrongly reported as we have to shift there on the 6th March, 1961 and not on 27th February, 1961. Once again I want to remind the hon. Members that we shall shift to the New Chamber on the 6th March, and shall assemble just outside the new building at 9.00 a. m. when the Governor will address us. I would like to clear any misunderstanding. The Governor will not address us inside the Chamber, as this will be only an informal meeting. This meeting will be addressed only by him and non else.)

RESUMPTION OF DISCUSSION ON THE ESTIMATES OF THE EXPENDITURE CHARGED ON THE REVENUE OF THE STATE

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ (ਸ੍ਰੀ ਗੋਬਿੰਦ ਪੁਰ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਦੋ ਚਾਰ demands ਵਲ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਪਹਿਲੇ ਜਿਸ demand ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਹੈ demand ਨੰ: 8 ਜਿਸ ਵਿਚ Administration of weights and Measures Act ਦੇ ਬਾਰੇ provision ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਕਿ Government of India ਦਾ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕਿ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ metric system of weights and measures ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਬੜਾ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ system ਲਾਗੂ ਤਾਂ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਕਿ 95 ਫੀਸਦੀ ਅਬਾਦੀ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਇਨ੍ਹਾਂ weights ਅਤੇ measures ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਜਾਣਦੀ। ਮੈਂ ਖੁਦ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਇਹ ਕੀ ਕੀ ਹਨ।

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ]

ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਤਾ ਲਗ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੰਡੀ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਨਾਜ਼ ਦੀ ਠੀਕ ਕੀਮਤ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਿਆਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਐਸਾ ਨਹੀਂ ਜਿਹੜਾ ਮੰਡੀ ਵਿਚ ਅਨਾਜ ਵੇਚਣ ਲਈ ਲੈ ਜਾਂਦਾ ਹੋਵੇ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਇਹ ਪਤਾ ਹੋਵੇ ਕਿ quintal ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤੇ ਕਿਲੋ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਗਰਾਮ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਉਹ ਤਾਂ ਹਾਲੇ ਤਕ ਕੱਚੇ ਸੇਰਾਂ ਤੇ ਕੱਚੇ ਮਣਾ ਵਿਚ ਆਪੋ ਵਿਚ ਹਿਸਾਬ ਕਿਤਾਬ ਕਰਦੇ ਨੇ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਛਟਾਂਕਾਂ ਤੇ ਸੇਰਾਂ ਦਾ ਪੂਰਾ ਹਿਸਾਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ । ਇਸ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਮੀਦ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਲੋ ਅਤੇ quintal ਦਾ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਏਗਾ । ਜਿਹੜੇ ਮੰਡੀਆਂ ਵਿਚ ਆੜ੍ਹਤੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਇਹ ਤਾਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਤਾਂ ਸਮਝਦੇ ਹੋਣ ਪਰ ਉਹ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਚੀਜਾਂ ਦੀ ਪੂਰੀ ਕੀਮਤ ਕਦੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦੇਣ ਲਗੇ । ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਆ ਕੇ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਕਿ ਇਹ ਮੁਸੀਬਤ ਸਾਡੇ ਵਾਸਤੇ ਕਾਹਦੀ ਪਾ ਦਿਤੀ ਜੇ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਅਗੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ metric system ਦੇ ਵਟੇ ਲਾਗੂ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਨੇ ਇਹ ਬਾਹਰ ਦਿਆ ਨਾਲ ਵਪਾਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਬੇਸ਼ਕ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿਉ ਪਰ ਸੂਬੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਰੋਜ਼ ਦੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਾ ਕਰੋ ਔਰ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦੀ ਪੂਰੀ ਕੀਮਤ ਮਿਵਣ ਦਿਓ । ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਇਥੇ ਪੁਰਾਣੇ ਵਟੇ ਹੀ ਰਹਿਣ ਦਿਉਗੇ ਤਾਂ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਕੀਮਤ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਹੈ ਵਰਨਾ ਨਹੀਂ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਨਵੇਂ ਵਟਿਆਂ ਦਾ ਕੁਝ ਪਤਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ । ਅੱਜ ਤੁਸੀਂ ਬਾਜ਼ਾਰ ਦੇ ਵਿਚ ਦੋ ਆਨਿਆਂ ਦਾ ਕੋਈ ਸੌਦਾ ਲੈਣਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਹੀ ਜਾ ਕੇ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹੋ ਕਿ ਦੋ ਆਨੇ ਦੀ ਫਲਾਨੀ ਚੀਜ਼ ਦਿਉ । ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਕਿ ਇਤਨਾ ਵਜ਼ਨ ਫਲਾਨੀ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਦੋ ਆਨਿਆਂ ਦਾ ਦੇ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਫਿਰ ਸੋਚੋ ਔਰ Government of India ਨੂੰ ਫਿਰ ਆਖੋ ਕਿ ਇਹ ਨਵੇਂ ਵੱਟੇ ਨਹੀਂ ਲਾਗੂ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ । ਹਾਂ ਬਾਹਰ ਵਾਸਤੇ ਤਾਂ ਕਰ ਲਉ ਪਰ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਅੰਦਰ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ।

ਦੂਜੀ ਅਰਜ਼ ਮੈਂ Demand No. 25 ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਰਨੀ ਹੈ ਔਰ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਇਕ ਤਾਂ ਸੰਗਰੂਰ drain ਜਿਹੜੀ ਸੰਗਰੂਰ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਲ ਕੇ ਘਗਰ ਦਰਿਆ ਵਿਚ ਪੈਣੀ ਹੈ ਔਰ ਦੂਜਾ ਕਾਦੀਆਂ ਦੀ drain ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸੰਗਰੂਰ drain ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਸੰਗਰੂਰ ਕੋਲੋਂ ਨਿਕਲ ਕੇ ਘਗਰ ਵਿਚ ਪੈਣੀ ਹੈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਸੰਗਰੂਰ ਵਿਚ ਇਸ ਸਾਲ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਜਿਤਨੇ ਚਿਰ ਤਕ ਉਹ ਪਾਣੀ ਨਾ ਕਢਿਆ ਜਾਏ ਉਤਨੇ ਚਿਰ ਤਕ ਇਹ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਰਹੇਗਾ ਔਰ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇਗਾ । ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਵੀ ਖਿਆਲ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਥਾਂ ਤੋਂ 22, 23 ਮੀਲ ਥਲੇ ਘਗਰ ਦਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਬਹੁਤ ਨੁਕਸਾਨ ਕਰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਜੇ ਕਰ ਸੰਗਰੂਰ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸ drain

ਰਾਹੀਂ channelize ਕਰ ਕੇ ਇਸ ਵਿਚ ਪਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਦਾ ਹੋਰ ਵੀ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਵੇਗਾ। ਪਿਛਲੇ 6 ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਖਰੀਫ ਦੀ ਫਸਲ ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਔਰ ਹੁਣ ਰਬੀ ਦੀ ਫਸਲ ਵੀ ਬਿਲਕੁਲ ਮਾਰੀ ਗਈ ਹੈ। ਹਾਂ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਘਗਰ ਦੇ ਉਤੇ ਬਨ੍ਹ ਬਨਾਉਣ ਦੀ ਇਕ ਸਕੀਮ ਬਣ ਰਹੀ ਹੈ ਪਰ ਜਿਤਨੇ ਚਿਰ ਤਕ ਉਹ ਸਕੀਮ ਸਿਰੇ ਚੜ੍ਹਨੀ ਹੈ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕ ਉਸ ਵਕਤ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਪਹਿਲੇ ਉਜੜ ਜਾਣਗੇ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ drain ਦਾ ਪਾਣੀ ਪੈਣ ਨਾਲ ਘਗਰ ਦਰਿਆ ਦਾ ਪਾਣੀ ਇਤਨਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਜਾਏਗਾ ਕਿ ਉਹ ਦਰਿਆ ਦੇ ਕੰਢਿਆਂ ਤੋਂ ਜ਼ਰੂਰ ਬਾਹਿਰ ਨਿਕਲੇਗਾ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਲਈ ਪਹਿਲੇ ਘਗਰ ਨੂੰ chanelise ਕਰਕੇ ਉਸ ਦੇ ਕੰਢੇ ਉਚੇ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਔਰ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਉਹ ਸਕੀਮ ਬਨਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਉਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕ ਉਥੇ ਖੁਦ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਤਿਆਰ ਨੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਨੂੰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਆਪਣੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਦ ਇਸ drain ਨੂੰ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਦੂਜੀ drain ਹੈ Qadian ਦੀ। ਜਿੱਥੋਂ ਉਹ ਕਢੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਉਥੇ ਇਕ ਇੰਚ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚ ਵੀ natural flow ਪਾਣੀ ਦਾ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਇਕ town ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਦੀ ਖਾਤਰ ਉਥੋਂ ਕਢੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਪਹਿਲਾ ਮੌਕਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਇਕ town ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਾਣ ਦੀ ਖਾਤਰ ਜਿਹੜਾ natural flow ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਉਲਟ ਚੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਏ। ਮੈਂ ਕੋਈ ਮਹਿਜ਼, criticise ਕਰਨ ਲਈ ਇਹ ਗਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਿਹਾ ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ incharge ਨੂੰ ਔਰ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਨੂੰ appeal ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਆਪ ਖੁਦ ਉਥੇ ਮੌਕੇ ਤੇ ਜਾ ਕੇ ਦੇਖ ਲੈਣ ਕਿ ਕੀ ਉਥੇ natural flow of water ਹੈ ਜਿਸ ਕਰ ਕੇ ਉਸ ਪਾਣੀ ਨੂੰ channelize ਕਰ ਕੇ ਕਢਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਸਰਦਾਰ ਦਾ ਜ਼ੋਰ ਪੈਣ ਕਰ ਕੇ ਉਹ ਕਢੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਫਿਰ ਇਹ ਪਹਿਲਾ ਮੌਕਾ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ local body ਜਾਂ Municipal Committee ਨੇ ਕੋਈ scheme ਬਣਾਈ ਹੋਵੇ ਔਰ ਉਸ ਦਾ ਖਰਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲੋਂ ਨਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਜਿਹੜੇ ਉਥੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹੋਣ ਬਲਕਿ ਦੂਜਿਆਂ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲੋਂ ਲਿਆ ਜਾਵੇ। ਕੋਈ ਵੀ ਸ਼ਖਸ ਉਥੇ ਜਾ ਕੇ ਦੇਖੇ ਕਿ ਜਿਥੇ ਇਹ scheme ਚਾਲੂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਕੀ ਵਾਕਈ ਹੀ ਉਥੇ ਪਾਣੀ ਚਲਦਾ ਹੈ? ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗਲਤ ਚੀਜ਼ ਚਾਲੂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

चौधरी लहरी सिंह (गनौर) : स्पीकर साहिब, मैं Demand No. 25 पर कुछ अर्ज़ करना चाहता हूं। रोहतक और करनाल में floods आने की वजह से बहुत तबाही हुई है। 1955 में सब से ज्यादा बारिश हुई। उस के बाद सैलाब का पानी निकालने के लिये प्रोग्राम बनाये गये। Drains खोदी गईं लेकिन सब की तरफ से यह united demand थी कि तमाम drains गोहाने में से गुज़र कर झज्जर के इलाके को तबाह करें। उस इलाके के लोग राड़ेवाला साहिब से मिले, लेकिन कोई ठोस कदम न उठाया गया। अब बारिश आने से और बाढ़ आने से नुकसान बहुत हुआ।

[चौधरी लहरी सिंह]

इस नुक्सान के होने से एक फायदा भी हुआ है कि पंजाब गवर्नमैंट और उस की administration की आंखें खुल गई हैं और अब हुकूमत ने Nai Nallah Drain को construct करने के लिये supplementary demand पेश की है जो 540 square miles area को serve करेगी। मैं गवर्नमैंट को यह step लेने पर मुकारकबाद देता हूं। इस साल सरकार ने पानी निकालने के लिये ऐसी projects बनाई हैं जिन पर करोड़ों रुपया खर्च होगा। झज्जर तहसील में 40 गांव तबाह होते थे और पानी के out fall के लिये कोई कदम नहीं उठाया गया था। 1955 के बाद ज्यादा बारिश होने की वजह से यह सारा पानी drains बना कर जमना में डालने की कोशिश की गई है। रोहतक का इलाका निचान में है इस लिये इस के आस पास के इलाके के पानी को drain out करने के लिये steps लिये गये हैं। मैं समझता हूं कि गवर्नमैंट ने यह सही कदम उठाया है। जहां तक रक्म provide करने का ताल्लुक है इस की मैं सराहना करूंगा लेकिन जहां तक इस प्रोग्राम को execute करने का ताल्लुक है इस की execution के लिये अभी कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये। ज़मींदार मारे मारे फिर रहे हैं।

(At this stage Mr. Deputy Speaker occupied the Chair.)

लोग बहुत मुज़ाहरे कर रहे हैं और मिनिस्टर साहिब को मिलने के लिये चंडीगढ़ भागते हैं। इस लिये मैं Chief Engineer साहिब से दरखास्त करूंगा कि वह गोहाना और सोनीपत के लोगों को इकट्ठा कर के समझा दें कि काम शुरू किये जाने के मुताल्लिक फैसला हो चुका है और वह जलदी शुरु कर दिया जायेगा। Development Block ने जो काम किया है उस से मुझे अंदेशा है कि खुदाई नहीं होगी। डिप्टी स्पीकर साहिब, चार महीने में pilot project को कामयाब बनाना है 40 गावों को बचाने के लिये। यह कोई मामूली सा काम नहीं है। Executive Engineer ने बताया है कि मज़दूरों की किल्लत है। मैं हैरान हूं कि इस गरीब मुल्क में मज़दूर न मिलने का सवाल कैसे पैदा होता है। यहां भाखड़ा डैम जैसी gigantic project की तकमील हुई है, चार हज़ार मील लम्बी नहरें बनी हैं। तो फिर मज़दूर कैसे नहीं मिलते-वे इस लिये नहीं मिलते कि ठेकेदारों को वक्त पर पैसे नहीं मिलते। Labour Co-operative Societies काम नहीं कर सकतीं अगर वक्त पर पैसे न दिये जाएं। मैं हैरान हूं कि यह कैसे कहा जाता है कि यहां मज़दूर नहीं मिलते। यह war basis पर काम, होना चाहिये और काम की progress का chart बनाना चाहिये। अगर यह काम वक्त पर complete न हो तो Chief Engineer के खिलाफ और उस के staff के खिलाफ action लेना चाहिये। सिर्फ यह कह देना कि यह नहीं मिलता और वह नहीं मिलता इस से हमारी तसल्ली नहीं हो सकती। हमारे सामने इस वक्त बड़ा भारी crisis है। इन हालात में अगर मज़दूरों को ज़्यादा उजरत भी देनी पड़े तो भी दे देनी चाहिये। अगर मज़दूर उत्तर प्रदेश से भी मंगवाने पड़ें तो मुझे उम्मीद है कि Chief Engineer साहिब ज़रूर

इंतजाम करेंगे। मिनिस्टर साहिब से भी मैं अर्ज़ करूंगा कि अगर उन के दिल में उस इलाके के साथ हमदर्दी है तो वह मौके पर जा कर काम की supervision करें। तीन करोड़ रुपया तो वह इस काम के लिये मंज़ूर करवा सकते हैं लेकिन 20-30 लाख रुपये अगर मज़दूरों को देने पड़ें टो इस के देने में उन्हें क्यों हिचकचाहट होती है ? डिप्टी स्पीकर साहिब, रोहतक शहर में से पानी निकालने के लिये सरकार को 22 लाख रुपया खर्च करना पड़ा ? मैं मिनिस्टर साहिब से अर्ज़ करूंगा कि वह इस काम में personal interest ले कर इस काम की तकमील करवाएं।

श्री जगत नारायण चोपड़ा (जालंधर शहर, दक्षण-पिश्चिम) : डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं Demand No. 14 पर कुछ अर्ज़ करना चाहता हूं। यह Demand text-books के बारे में है। 21 फरवरी की Tribune अखबार में एक अाहम खबर छपी थी।

"PUBLISHERS TO GET TEXT-BOOK PRINTING WORK

In partial modification of its policy, the Punjab Cabinet today authorised the Education Minister who is incharge of Printing and stationery also to utilze the services of private publishers in printing and distribution of nationalised text-books. This step has been taken in view of the limited capacity of the Government Printing Press and the urgency of printing 22 revised series of the nationalized text books before the beginning of the next academic session in April....'

डिप्टी स्पीकर साहिब, इस खबर को पढ़ने के बाद मैं ने महसूस किया है कि text-books को nationalise करन की पालिसी जो तय की गई थी उस को अब revert करना चाहते हैं। 21 फरवरी की Tribune में जो खबर छपी है उस से मालूम होता है कि यह सरकार वक्त की पालिसी को अाहिस्ता अाहिस्ता revise करने लगी है। अाप को तो इल्म ही होगा, मुख्य मन्त्री यहां बैठे नहीं हैं, Text books की nationalisation की policy उनके सलाह मशविरे से अपनाई गई थी। इस लिये अपनाई गई थी कि publishers कीमतें बहुत ज़्यादा चार्ज करते थे और जो matter, books में होता था वह हमारे ख्याल के मुताबिक नहीं होता था। जैसा matter गवर्नमैंट चाहती वैसा नहीं होता था। इस लिये सरकार ने किताबें खुद छपवा कर No profit, no loss basis पर बच्चों को supply करने का फैसला किया। इस सम्बन्ध में मैं अर्ज़ करूं कि हिन्दोस्तान के Prime Minister अपने हलके के दौरे पर गए। जब उन्होंने अपनी Constituency के एक स्कूल का मुअायिना किया तो उन्होंने देखा कि बच्चों के पास बस्ते नहीं थे, किताबें नहीं थी, उन के पावों में जूते नहीं थे। उस वक्त उन्होंने यह कहा कि State Governments को यह देखना चाहिये कि बच्चों को किताबें मुहैय्या हों, बस्ते उन के पास हों और वे अच्छे कपड़े पहन कर स्कूल में अाए। अब अगर गवर्नमैंट ने फैसला कर लिया है कि books की denationalization करनी है और publishers

[श्री जगत नरायण चोपड़ा]

को फायदा पहुंचाना है तो आप अंदाज़ा लगा सकते हैं कि प्रधान मन्त्री की ख़ाहिश कैसे पूरी हो सकती है। और इसी तरह से Public Accounts Committee की जो 1960-61 की रिपोर्ट है उस में भी लिखा है—

> "The Committee felt that the net profit on the capital invested was rather excessive and suggested to the Departmental representative that the prices of text-books should be reduced in consonance with the principles enunciated by Government when the system of nationalized textbooks was introduced. The Departmental representative stated that this question was already under the consideration of the Government. The Committee recommend that immediate steps should be taken to reduce the prices of nationalized text-books to such an extent that the scheme is run on a "no profit, no loss basis".

(At this stage Sardar Gurbachan Singh Bajwa, a member of the Panel of Chairmen occupied the Chair.)

मगर बजाए इस के अब उन्होंने private publishers को किताबें देनी शुरू कर दी हैं और nationalization की पालिसी को reverse करना शुरू कर दिया है। पिछले दो महीनों के अरसा में यह दो तीन बार फैसले बदल चुके हैं पहले तो किसी वज़ीर साहिब ने किताबें बांट दीं कि फलां publishers को यह मिलेंगी और फलां को वह मिलेंगी। उस के बाद जब Cabinet की meeting हुई और वज़ीर साहिब ने वह केस रखा तो, जैसा कि मुझको बताया गया है, कोई आदमी भी उन के साथ मुतफिक न हुआ बल्कि Chief Secretary ने कहा कि सिद्धान्त के तौर पर nationalisation of books को बदलना नहीं चाहिये। एक असूल पर आप को कायम रहना चाहिये। दूसरी बात उन्होंने यह कही कि technically भी आप नहीं बदल सकते, न ही आप को बदलनी चाहिये क्योंकि इस पर बहुत नुक्ताचीनी होगी। यह वजह दी गई कि हम publishers को इस लिये देना चाहते हैं कि किताबों की छपाई अच्छी नहीं होती, कीमत ज़्यादा होती है और वक्त पर नहीं मिलती हैं। Chief Secretary ने कहा कि अगर वक्त पर किताबें नहीं छपती हैं तो यह हमारे अपने ऊपर धब्बा है। चुनांचि उन के सलाह मश्विरे से Cabinet ने फैसला किया और किताबों को denationalize न किया। एक बार फिर ऐसा ही फैसला हुआ। उस के बाद हम ने सुना है कि यह अपनी policy revise कर रहे हैं। हम ने अखबार में पढ़ा है। अगर मैं गलती नहीं करता तो लोक सभा में Deputy Minister ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि हम nationalization की policy नहीं बदल रहे हैं। चाहिये तो यह जैसा कि पण्डित नेहरू चाहते हैं कि बच्चों को किताबें वक्त पर मिलें, और मुफ्त मिलें, उन को सस्ते मिलें। लेकिन अगर इन्होंने किताबों को denationalize करने का कदम उठा लिया तो फिर यह किताबों को publishers के हाथ में बेच देंगे। Printing और distribution भी उनके पास चली जाएगी। पता यह लगा है कि कुछ किताबें तो छापने के लिये इन्होंने publishers को दे दी हैं। पता नहीं कि

इस में क्या राज़ है जो इन्होंने खुद बखुद किताबें उनके घर पहुंचा दी हैं। लोग बहुत बातें करते हैं। वह कहते हैं कि उन से 2 लाख रुपये की सहायता elections के लिये मांगी गई है। ऐसा भी कहा गया है कि हम तुमको किताबें दे रहे हैं तुम हमें vote देना। नामालूम कि जब गवर्नमैंट खुद पैसे पैसे की मोहताज है यह 5—7 लाख रुपये का काम उन को क्यों दे दिया गया है। Third Five-Year Plan में जब कि इन्होंने Primary Education को लाज़मी करार दिया है लाखों बच्चों ने पढ़ना है। अगर यह खुद किताबों को छपवाते तो लाखों रुपयों का मुनाफा इन को होना था। किताबों की छपवाई में पिछले सालों में जो फायदा हमारी गवर्नमैंट को हुआ है वह मैं आप को बताना चाहता हूं :—

1953-54 में सवा पांच लाख, 1954-55 में 6½ लाख, 1955-56 में 15½ लाख, 1956-57 में 4¾ लाख, 1957-58 में 8⅓ लाख और 1958-59 में 8 लाख रुपया मुनाफा इन को हुआ। आज इन्होंने दस किताबें publishers को दी हैं कल तमाम किताबें उन को दे छोड़ेंगे। इस policy के तहत Third Five-Year Plan में लाखों रुपयों का मुनाफा पंजाब गवर्नमैंट को हो सकता था। Nationalization of books की पालिसी को बदलना ऐसी गलती है जिस का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। Cabinet में यह फैसला हुआ था कि एक बार कदम उठा कर फिर उस को बदलना निहायत गलत बात होगी। नमालूम फिर क्यों इन्होंने उस फैसले को बदल दिया।

अब मैं Demand No. 6 पर बोलना चाहता हूं। सरकारे बरतानिया के वक्त में मुझे 8,9 साल तक जेलों में रहने का मौका मिला। पंजाब की कई जेलों में मैं रहा। अपनी सरकार की हुकूमत में भी मैं जेलों में जाता रहा। अभी अभी मैं सात आठ दिन जेल में रह कर आया हूं। आप कभी फुर्सत निकाल कर देखें कि जेल में मुलाकातें किस तरह से होती हैं। मैं कहता हूं कि कुत्तों से भी ऐसा सलूक नहीं किया जाता जो कि कैदियों से मुलाकात के वक्त किया जाता है। बाहिर एक जंगला लगा होता है। अंदर एक और जंगला होता है और दोनों जंगलों के दरम्यान 2–3 फुट का फासला होता है। अंदर कैदी बैठे होते हैं और बाहिर की तरफ उनके रिश्तेदार बैठे होते हैं। कैदी बेचारे इतने ज़ोर से shout करते हैं कि मेरे घर में यह कहना, मेरे घर में यह कहना, फलां आदमी को यह कहना वगैरह-बगैरह—वहां इतना शोर होता है, इतना बुरा सलूक उन के साथ होता है कि जिस का कोई ठिकाना नहीं है। आप ज़रा जा कर देखें। हमारे Deputy Minister वहां पर तशरीफ लाए थे। लेकिन इन के पास वक्त कहां, इन्होंने हाज़री लगाई, अपना tour पूरा किया और पांच मिनट के लिए बैठे कर वहां से आ गए। हमारा ख्याल था कि हमारे साथी हैं, हमारे पास आएंगे लेकिन इन के पास वक्त कहां। हमारा इरादा था कि हम इन को बताएंगे कि वहां क्या हो रहा है। अगर मेरी बात गलत हो तो जो मर्ज़ी हो आप मुझे सज़ा

[श्री जगत नारायण चौपड़ा]
दें (*Interruptions*) आज जमहूरियत का जमाना है, हम corruption को दूर करना चाहते हैं लेकिन आप देखें कि क्या हालत है। कितनी बड़ी डाली आठ रुपये में Superintendent को दी जाती है, इसी तरह से पांच रुपये की इतनी बड़ी डाली Deputy Superintendent को जाती है। इसी तरह से अलग अलग दो दो रुपये में बड़ी बड़ी डाली दूसरे लोगों को मिलती है। यह हालत corruption की है। मेरा ख्याल था कि जो नुक्स British Government के वक्त थे उन में reforms होंगी। लेकिन आप हैरान होंगे कि इतनी सर्दी के मौसम में भी सरकार की तरफ से किसी कैदी को गर्म कपड़े नहीं दिए गए। कोई गर्म कोट नहीं, गर्म कमीज़ नहीं। अंग्रेजों के जमाने में तो फिर भी गर्म कोट और गर्म कमीज़ें मिल जाती थीं लेकिन आज इतनी सर्दी में किसी कैदी के जिस्म पर गर्म कपड़ा दिखाई नहीं पडता। मेरा ख्याल है कि वज़ीर साहिब इन बातों की तरफ भी ध्यान देंगे।

Sardar Bhupinder Singh (Samana, General): Mr. Chairman, Sir, I refer to Demand No. 12 under which a sum of Rs. 3,08,68,620 has been asked for under the Head "54-Famine" and also to Demand No.25 which relates to the "Construction of Irrigation Works, etc." (*voices*: In Punjabi, please). All right, I shall oblige my friends.)

ਜਨਾਬ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ 'ਕਹਿਤ' ਦੀ ਮਦ ਥੱਲੇ, ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਸਾਲ ਵਸੀਹ ਪੈਮਾਨੇ ਤੇ ਪੇਸ਼ ਆਇਆ ਹੈ ਔਰ ਸਾਥ ਹੀ ੨੫ ਨੰਬਰ ਦੀ ਡੀਮਾਂਡ ਨੂੰ ਜਿਹੜੀ ਕਿ Construction of Irrigation Works ਦੇ ਬਾਰੇ ਹੈ ਇਕਲਿਆਂ ਹੀ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਕਹਿਤ ਅਤੇ ਡਰੇਨੇਜ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਮਸਲਾ ਹੈ ਇਹ ਮੇਰੀ ਨਜ਼ਰ ਵਿਚ interconnected ਮਸਲਾ ਹੈ ਔਰ ਮੈਂ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ warning ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਇਹ floods ਅਤੇ ਕਹਿਤ ਦੇ ਮਸਲੇ ਨੂੰ interconnected ਔਰ co-ordinated ਮਸਲਾ ਨਹੀਂ ਸਮਝੇਗੀ ਉਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਉਹ ਇਸ ਦਾ ਹਲ ਨਹੀਂ ਲਭ ਸਕੇਗੀ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਹ ਤਾਂ ਇਕ ਰਬ ਦੀ ਭਾਵੀ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਹਰ ਸਾਲ ਹੜ੍ਹ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨਾਲ ਮੁਤਮਈਅਨ ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਅਸੀਂ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਹਿਤ ਅਤੇ ਹੜ੍ਹ ਹਰ ਸਾਲ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਉਸ ਵਾਸਤੇ ਚੰਦ ਬੇੜੀਆਂ ਦੇਣ ਨਾਲ ਜਾਂ ਕੁਝ ਮਸ਼ਕਾਂ ਦੇਣ ਨਾਲ ਜਾਂ ਕਣਕ ਵਗੈਰਾ ਦੇਣ ਨਾਲ ਉਸ ਦਾ ਇਲਾਜ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਇਸ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਮਸਲੇ ਦਾ ਹਲ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ। ਇਹ ਤਾਂ ਆਈ ਬੀਮਾਰੀ ਦਾ ਇਲਾਜ ਹੈ। ਉਸ ਬੀਮਾਰੀ ਦੀ permanent ਰੋਕ ਥਾਮ ਇਸ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਕ ਮੰਨਿਆ ਹੋਇਆ ਅਸੂਲ ਹੈ prevention is better than cure। ਮਗਰ ਏਥੇ ਇਸ ਅਸੂਲ ਨੂੰ ਬਿਲਕੁਲ ਨਜ਼ਰਅੰਦਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਅਜ ਕਹਿਣ ਨੂੰ ਇਹ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਕਹਿਤ ਤਾਂ ਰਬ ਦੀ ਭਾਵੀ ਹੈ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਅਸੀਂ ਬੇਬਸ ਹਾਂ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਸ ਦਲੀਲ ਨੂੰ ਮੰਨਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਰਬ ਤੋਂ ਮੁਨਕਰ ਨਹੀਂ ਹਾਂ ਮਗਰ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੁਸ਼ਕਲਾਂ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਮੈਂ ਦਾਅਵੇ ਨਾਲ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਪਿਛਲੇ ਚੰਦ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਸਾਡੇ ਇੰਜੀਨੀਅਰਾਂ ਦੀ bad

planning ਦੀ ਵਜਾਹ ਕਰਕੇ ਆ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਜਿਤਨੇ ਹੜ੍ਹ ਆਏ ਹਨ ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤਰ ਸਾਡੇ ਇੰਜੀਨੀਅਰਾਂ ਦੀ bad planning ਦੇ ਕਾਰਨ ਆਏ ਹਨ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਕਈਆਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੰਨ੍ਹ ਲਾ ਲਾ ਕੇ ਨਵੇਂ ਰਸਤੇ ਬਣਾਏ ਹਨ ਔਰ ਕਈਆਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਝੀਲਾਂ ਬਣਾਈਆਂ ਹਨ। ਜਿਹੜੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਪੁਰਾਣੇ ਕੁਦਰਤੀ ਰਸਤੇ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਰੋਕ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੀ ਵਜਾਹ ਕਰਕੇ ਪਾਣੀ ਅਪਣਾ ਜ਼ੋਰ ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਪਿੰਡ ਤਬਾਹ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਤਾਂ ਇਸ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਮਹਿਕਮਾ ਨਹਿਰ ਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਵਜ਼ੀਰ ਮੁਤੱਲਕਾ ਰਾਉ ਬਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਜੀ ਹਨ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਦੂਸਰੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਤਾਲਬ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਵੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਾਲੇ ਜਦੋਂ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਜਿੱਥੋਂ ਦੀ ਕੁਦਰਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਪਹਿਲੇ ਪਾਣੀ ਵਗਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਥੇ ਉਹ ਮਿੱਟੀ ਪਾ ਪਾ ਕੇ ਪੱਕਾ ਬੱਨ੍ਹ ਲਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਤਾਕਿ ਉਹ ਸੜਕ ਰੁੜ੍ਹ ਨਾ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਜਿਥੇ culverts ਜਾਂ syphons ਵਗੈਰਾ ਬਣਾਉਣੀਆਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪਾਣੀ ਰੁਕ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਤਬਾਹੀ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਬਰਸਾਤ ਦੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਨੀਵੇਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਕੁਦਰਤੀ ਰਸਤੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਜਾਏ obstruction ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦੇ tame ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਮਗਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਕੋਈ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ। (*At this stage Mr. Deputy Speaker occupied the Chair*). ਤਾਲਬ ਸਾਹਿਬ ਬਿਲਕੁਲ ਆਰਾਮ ਨਾਲ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਸ ਮਸਲੇ ਦੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਤਅੱਲੁਕ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮਗਰ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਇਹ ਵੀ ਉਤਨੇ ਹੀ responsible ਹਨ ਜਿਤਨੇ ਕਿ ਮਹਿਕਮਾ ਨਹਿਰ ਵਾਲੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ floods ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ ਇਹ ਉਦੋਂ ਤਕ ਹਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਜਦੋਂ ਤਕ ਨਵੀਆਂ ਸੜਕਾਂ, ਰੇਲਾਂ ਦੀਆਂ ਪਟੜੀਆਂ, ਪੁਲ ਅਤੇ ਨਹਿਰਾਂ ਵਗੈਰਾ co-ordinated ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਸਾਡੀ ਸਟੇਟ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ high level ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਉਚੇ ਪੈਮਾਨੇ ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਇਕ co-ordinated ਮੀਟਿੰਗ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ P.W.D. ਵਾਲੇ, ਮਹਿਕਮਾ ਨਹਿਰ ਵਾਲੇ ਔਰ ਸ਼ਾਇਦ ਰੇਲਵੇ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਨੁਮਾਇੰਦਾ ਵੀ ਬੈਠਦਾ ਹੋਵੇ। ਮੈਂ ਤਜਵੀਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਿਰੇ ਦੀ ਸਤਾਹ ਤੇ ਜਿੱਥੇ ਕਿ S.D.O. ਨੇ ਜਾਂ X.E.N. ਨੇ ਸੜਕ ਬਣਵਾਉਣੀ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਬੀ.ਡੀ.ਉ. ਨੇ ਮਿੱਟੀ ਪਵਾਉਣੀ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਜਿੱਥੇ over all ਡਰੇਨੇਜ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੋਵੇ ਉਥੇ Executive Engineer ਦੇ ਲੈਵਲ ਦੀਆਂ co-ordinated ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਣਾਈਆਂ ਜਾਣ। ਬਾਕੀ ਉਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਕੋਈ ਨਵੀਂ ਸੜਕ ਜਾਂ ਨਹਿਰ ਨਾ ਬਣਾਈ ਜਾਏ ਜਦੋਂ ਉਸ ਦੇ ਠੀਕ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ syphons ਜਾਂ culverts ਨਾ ਬਣਾਏ ਜਾਣ। ਰੇਲਵੇ ਵਾਲੇ ਅਜ ਇਸ ਗਲ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਦਸ ਸਾਲ ਪਹਿਲੇ ਦੀਆਂ ਰੇਲਾਂ ਦੀਆਂ ਪਟੜੀਆਂ ਜਾਂ ਪੁਲ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਉਹ ਕਿਸੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਅਦਲਾ ਬਦਲੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਰੇਲਵੇ

[ਸਰਦਾਰ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮਾਨ]
ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ compel ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਪੁਰਾਣੇ ਪੁਲ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਹ expand ਕਰਨ ਔਰ ਜਿੱਥੇ ਜਿੱਥੇ ਪੁਲਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਅਦਲਾ ਬਦਲੀ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਕਰਨ । ਅੰਤ ਵਿਚ ਮੈਂ ਫੇਰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਹ ਚੇਤਾਵਣੀ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਇਹ ਨਿਤ ਦੀਆਂ ਮੁਸੀਬਤਾਂ ਤੋਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ defective planning ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦਾ ਜਤਨ ਕਰੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ (ਕਪੂਰਥਲਾ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਜਿਹੜੀਆਂ 15,24,42,830 ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ Supplementary Demands ਆਈਆਂ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮੈਂ ਕੁਝ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਜਨਾਬ, ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਜਿਹੜੇ ਵਜ਼ੀਰ ਖਜ਼ਾਨਾ ਹਨ ਉਹ ਇਸ ਵੇਲੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮੌਜੂਦ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਸੀ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਬੈਠਦੇ ਔਰ ਜੋ ਮੈਂਬਰ criticism ਕਰਦੇ ਉਸ ਨੂੰ ਸੁਣਦੇ ਔਰ ਉਹ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦੇ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਪਬਲਿਕ money ਜ਼ਾਇਆ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਜ਼ਾਇਆ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਚਾਇਆ ਜਾਏਗਾ । ਲੇਕਿਨ ਜੇਕਰ ਉਹ ਬੀਮਾਰ ਹਨ, ਜੇਕਰ ਉਹ ਬੁਢੇ ਹਨ, ਕੰਮ ਕਰਨ ਤੋਂ ਨਾਕਾਰਾ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਰਸੀ ਨੂੰ ਜੱਫਾ ਮਾਰ ਕੇ ਨਹੀਂ ਬੈਠਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੁਦ ਬਖੁਦ ਰੀਟਾਇਰ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਕਿਸੇ ਨੌਜਵਾਨ ਨੂੰ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਥੇ ਗਊਸ਼ਾਲਾ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ । ਜਨਾਬ, ਮੈਂ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੰਬੰਧ ਵਿਚ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਹ ਮਹਿਕਮਾ ਪੰਡਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਹੋਰਾਂ ਦਾ ਹੈ । ਜਨਾਬ, ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਜੋ ਕੁਝ ਮੇਰੇ ਨਾਲ 8 ਮਹੀਨੇ ਬੀਤੀ, ਜੋ ਸਾਡੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਦੂਸਰੇ ਦੇਸ਼-ਭਗਤਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਬੀਤੀ ਜਾਂ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਬੇਗੁਨਾਹ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਉਤੇ ਜ਼ੁਲਮ ਕੀਤਾ ਉਸਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਨਹੀਂ ਸਨ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਬੰਦ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦਾ ਪਰੋਗਰਾਮ ਪੁਰਅਮਨ ਅਤੇ ਵਿਧਾਨਕ ਸੀ । ਉਹ ਵਿਧਾਨਕ ਤਰੀਕਾ ਵਰਤ ਕੇ ਗਲ ਬਾਤ ਰਾਹੀਂ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੀ ਜ਼ਬਾਨ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਹਦਬੰਦੀ ਕਰਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸੀ । 22 ਮਈ, 1960 ਨੂੰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਵਿਚ ਅਕਾਲੀ ਕਨਵੈਨਸਨ ਹੋਈ ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ (*At this stage Mr. Speaker occupied the Chair.*) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਦਸ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 13,87,540 ਰੁਪਏ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੀ ਐਜੀਟੇਸਨ ਤੇ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਨਤਾ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਦੇ 13,87,540 ਰੁਪਏ ਬਰਬਾਦ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਇਹ ਬਚਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਸਨ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕਿਸ ਨੇ ਬਰਬਾਦ ਕੀਤੇ ਹਨ ? (Who has wasted?)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਸਰਕਾਰ ਨੇ । ਇਹ ਬਚਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਸਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਕਾਲੀਆਂ ਦੀਆਂ ਗਰਿਫਤਾਰੀਆਂ ਕਰਕੇ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਭਰੀਆਂ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 12 ਜੂਨ ਨੂੰ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਜਲੂਸ ਕਢਣ ਤੇ ਰੋਕਾਂ ਲਾਈਆਂ ਪਰ ਉਹ ਸਫਲਤਾ ਨਾਲ ਨਿਕਲਿਆ ।

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : On a point of order, Sir, ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ jails ਦੀ demand ਤੇ ਬੋਲਣ । ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਕਿ ਐਜੀਟੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਤੇ ਕਿਉਂ ਫੜੇ, ਇਹ ਗੱਲਾਂ relevant ਨਹੀਂ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ 13 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਜ਼ਾਇਆ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਹ ਬਚਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ । ਇਹ ਏਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਚਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਤੇ ਕਪੜਾ ਨਾ ਦਿੰਦੇ ਤੇ ਡਾਲਡਾ ਵੀ ਖਾਣ ਨੂੰ ਨਾ ਦਿੰਦੇ, ਤਾਂ ਬਚਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਦੀਆਂ ਡੋਲ ਗਈਆਂ । ਬਿਨਾਂ ਕਿਸੇ ਵਜ੍ਹਾ ਦੇ ਅਕਾਲੀ ਗਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤੇ । ਇਹ ਜੋ 13 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਪਬਲਿਕ ਤੇ ਪਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ, ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੰਤਰੀ ਤੇ ਬਾਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਮੰਡਲੀ ਤੋਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ, ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਕਾਰਨ ਦੇ ਅਕਾਲੀਆਂ ਦੀਆਂ ਗਰਿਫਤਾਰੀਆਂ ਕਰਕੇ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਭਰੀਆਂ ।

ਮਾਲ ਮੰਤਰੀ: On a point of order, Sir, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਮਾਰਫਤ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਵਾਕਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੁੱਦਾ memorandum ਦੇਣ ਦਾ ਸੀ ਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਬਾਰੇ ਹੋਰ ਕੁਝ ਕਰਨ ਦਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ?

श्री अध्यक्ष : यह रुपए पैसे का मामला है किसी Demand का नाम लें । (This concerns money matters, the hon. Member should please speak on some demand.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਸਾਡਾ ਪਰੋਗਰਾਮ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਜਲੂਸ ਕਢ ਕੇ memorandum ਦੇਣਾ ਸੀ । ਜਲੂਸ ਪੁਰਅਮਨ ਸੀ ਅਤੇ ਕੇਵਲ ਦੋ ਨਾਰੇ 'ਸਤਿਨਾਮ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ' ਤੇ 'ਧੰਨ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ' ਸਨ । ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਨੂੰ memorandum ਦੇ ਕੇ ਵਿਧਾਨਕ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਲਈ ਗਲ ਬਾਤ ਕਰਨਾ ਸੀ । ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕੈਦੀਆਂ ਨਾਲ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਉਹ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਨਿਹਾਇਤ ਸ਼ਰਮਨਾਕ ਹੈ । ਰਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਜੇਲ੍ਹ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੇ ਬਹੁਤ ਬਦਦਿਆਨਤੀ ਕੀਤੀ । ਜੇਲ੍ਹ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੇ ਕੈਦੀਆਂ ਨਾਲ ਬਦਲਾ ਲੈਣ ਦੀ spirit ਨਾਲ ਕੰਮ ਕੀਤਾ । ਜੇਲ੍ਹ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਇਸ਼ਾਰੇ ਤੇ ਬੇਗੁਨਾਹ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਝੂਠੇ ਮੁਕਦਮੇ ਬਣਾਏ । ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬੇਗੁਨਾਹ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਠ ਅਠ ਮਹੀਨੇ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਡਕ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਮੁਕਦਮਾ ਨਹੀਂ ਚਲਾਇਆ, ਕੋਈ ਗਵਾਹ ਨਹੀਂ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਏਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ । ਹੋਰ ਗਰਿਫਤਾਰੀਆਂ ਕਰਨ ਲਈ Ordinance ਲਾ ਦਿਤਾ । ਉਸ ਰਾਹੀਂ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਆਦਮੀ ਗਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤੇ । ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਬੀਮਾਰ ਹੋ ਜਾਏ ਤਾਂ ਡਾਕਟਰੀ ਸਹਾਇਤਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ । 21 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਆਪਣੀ ਤਕਰੀਰ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਕਿ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ 200 ਅਲਾਰਮ ਹੋਏ । 200 ਅਲਾਰਮ ਕਿਉਂ ਹੋਏ । ਉਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਕੇਵਲ ਇਹ ਸੀ....

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜਦੋਂ ਬਜਟ ਆਏਗਾ ਉਦੋਂ ਕਹਿ ਲੈਣਾ। (The hon. Member may say this at the time of the discussion of the Budget.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਮੰਗਦੇ ਹਨ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ, ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਐਜੀਟੇਸ਼ਨ ਵਾਸਤੇ । ਮੇਰਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਦੱਸਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕੀ ਕੀ ਕੀਤਾ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਗੋਲੀਆਂ ਚਲਾਈਆਂ, ਬਠਿੰਡੇ ਵਿਚ 4 ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਜੋ ਨਿਹਥੇ ਤੇ ਬੇਗੁਨਾਹ ਸਨ ਗੋਲੀ ਮਾਰ ਕੇ ਸ਼ਹੀਦ ਕੀਤਾ ।

Mr. Speaker : जो बातें judicial enquiry का मौज़ू हो चुकी हैं उन को refer न करें। (The hon. Member may not refer to the matters that have formed the subject matter of a judicial enquiry.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਪਟਿਆਲਾ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਕੋਈ ਥਾਂ ਨਹੀਂ ਸੀ । ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ 10,000 ਕੈਦੀ ਰਖੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਅਗੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਹਿ ਚੁਕੇ ਹੋ । (The hon. Member has already said this in the House.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ 10,000 ਕੈਦੀਆਂ ਲਈ ਥਾਂ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 57,000 ਕੈਦੀ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਗਏ ਹਨ । ਪਟਿਆਲਾ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਡੰਗਰ ਬੰਨਣ ਵਾਲੇ shed ਵਿਚ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਰਖਿਆ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : It is not relevant. ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਿਣਾ ਹੈ । (It is not relevant. Has the hon. Member already decided that he must say this ?)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : Corruption ਅਖੀਰਲੇ ਦਰਜੇ ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਗਈ ਹੈ। ਏਥੋਂ ਤਕ ਕਿ ਦਾਤਣਾਂ ਵਿਚ ਵੀ corruption ਹੈ, ਰਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਵੀ corruption ਹੈ, ਜੇਲ੍ਹ ਦੀ ਸਬਜ਼ੀ ਵਿਚ corruption ਹੈ, ਜੇਲ੍ਹ ਦੀ ਹਰ ਚੀਜ਼ ਵਿਚ corruption ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਰਾਜ ਵੇਲੇ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਗਏ ਸੀ ? (Had the hon. Member gone to jail during the British regime ?)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ 11 ਫਰਵਰੀ ਨੂੰ ਕਪੂਰਥਲੇ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਗਏ। ਓਥੇ ਇਕ ਕੈਦੀ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਉਹ ਜ਼ੁਲਮ ਲਿਆਂਦਾ ਜੋ ਜੇਲ੍ਹ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੇ ਉਸ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰ ਪਾਸੋਂ ਝੂਠੀ ਰੀਪੋਰਟ ਲਿਖਵਾ ਕੇ ਉਸ ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਨੂੰ 6-2-61 ਨੂੰ ਤਾਰੀਖ ਪੇਸ਼ੀ ਤੇ ਪੇਸ਼ ਨਾ ਕੀਤਾ ਤਾਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ੁਲਮ ਨੰਗਾ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ ।

Mr. Speaker: It is not relevant.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ scope ਵਿਚ ਹਾਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 13 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਮੰਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ justify ਕਰਨਾ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਹਾਨੂੰ ਉਥੇ ਕੀ ਮਿਲਿਆ ਜਾਂ ਕੀ ਨਾ ਮਿਲਿਆ, ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ? (What relevancy has it got with the Demand as to what was supplied to the hon. Member in the Jail and what was not supplied?)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬਦਲਾ ਲੈਣ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਜ਼ੁਲਮ ਢਾਏ ਤੇ ਬਦਨਾਮ ਸਾਨੂੰ ਕਰਦੇ ਨੇ। ਇਹ ਬੜੀ ਵੱਡੀ ਗਲ ਹੈ। ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਐਜੀਟੇਸ਼ਨ ਦੇ ਨਾਉਂ ਥਲੇ ਬੜੇ ਭਾਰੀ scandals ਕੀਤੇ। ਇਕ ਕੰਬਲਾਂ ਦਾ scandal ਹੈ। 60,000 ਕੰਬਲ purchase ਕੀਤੇ। ਜਿਹੜਾ ਕੰਬਲ 15 ਰੁਪਏ ਦਾ ਸੀ ਉਹ 24 ਰੁਪਏ ਦਾ ਲਿਆ। 10 ਰੁਪਏ ਫੀ ਕੰਬਲ ਕੀਮਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲਗਾਈ ਗਈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੰਬਲਾਂ ਦਾ 6 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਜੇਲ੍ਹ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਜੇਬ ਵਿਚ ਪੈ ਗਿਆ। ਇਸ ਕੰਬਲਾਂ ਦੇ scandal ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (ਘੰਟੀ)

ਉਦਿਓਗ ਮੰਤਰੀ : ਐਸ ਵੇਲੇ ਤਕ ਚਾਰ ਮਨਿਸਟਰ ਬੋਲਣ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰਖਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 15, 15 ਮਿੰਟ ਤਾਂ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਕ ਬਜੇ ਤਕ sitting ਹੈ! (Half an hour ਪਹਿਲਾਂ guillotine apply ਕਰਨਾ ਹੈ। (The sitting is upto 1 p.m. and the guillotine is to be applied half an hour before that time.)

ਉਦਿਓਗ ਮੰਤਰੀ : ਜਿਤਨਾ ਟਾਈਮ ਦੇਣਾ ਹੈ, ਦਸ ਦਿਓ, ਮੈਂ adjust ਕਰ ਲਵਾਂਗਾ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਹੁਣ ਦੋ ਚਾਰ ਮਿੰਟ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਬੋਲਣਗੇ। ਜਿਹੜੇ ਟਾਈਮ ਲੈ ਗਏ ਨੇ ਉਹ ਆਪ ਤਾਂ ਚਲਦੇ ਬਣੇ ਨੇ। (Now, Professor Sher Singh will speak for three or four minutes. Those hon. Members who got ample time to speak have left.)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀਆਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ ਤੇ ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਤੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀ ਵਿਚ ਇੱਕਲੇ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਰਹਿ

[ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ]

ਗਏ । (The hon. Member says as if Shri Balram Dass Tandon and Sardar Atma Singh do not belong to any political party and only he belongs to a political party.)

श्री शेर सिंह (झज्जर, जनरल) : अध्यक्ष महोदय, वित्त मन्त्री महोदय बीमार हैं, इस लिए ज्यादा बातें नहीं कहूंगा। उन की जगह बोलने वाले उतावले हो रहे हैं। Demand No. 22 में एक item है "Advance for the publication of English version of 'Adi Granth" जनाब, secular state से जो आम तौर पर अर्थ लिया जाता है, वह यह है कि धर्म सबंधी कोई काम न किया जाए। वैसे मैं तो इस बात के हक में हूं कि धर्म का प्रचार सरकार करे और धर्म ग्रन्थों को छपवाए, शिक्षा के अन्दर अच्छे अच्छे परम ग्रन्थों को छपवा कर उन का प्रसार किया जाए। और सरकार इसके अन्दर जिम्मेदारी ले। एक बात देखने वाली है कि अगर सरकार किसी एक ही सम्प्रदाय के लिए इतनी बड़ी राशि रखती हैं तब फिर secularism कहां रह जाता है? इस लिए मेरा ऐतराज़ अगर कोई है तो वह यही कि 50 हज़ार रुपया किसी एक धर्म के ग्रन्थ के लिए ही क्यों रखा गया? और भी धर्म के ग्रन्थों के लिए सरकार को देना चाहिए ताकि इस सरकार पर साम्प्रदायिकता का अरोप न लग सके। इस लिए सरकार को इस बात की घोषणा करनी चाहिए कि जहां सरकार एक ही धर्म के ग्रन्थों के लिए सुविधा देना चाहती है वहां वह दूसरे धर्म ग्रन्थों के लिए भी सुविधा देगी।

अब मैं ड्रैनेज के बारे में कुछ अर्ज़ करना चाहता हूं। और वह यह कि तहसील झज्जर के अन्दर अभी भी 30 हजार एकड़ ज़मीन पानी के नीचे है। इसमें जो संकेत आया है वह यह है कि नाई नाला जो ड्रेन नं० 8 में पड़ता है उसका पानी जमुना में डालने के लिए part execution की बात कही गई है। मैं यह कहना चाहता हूं कि क्योंकि इस तरह से किया जाता है, इससे पूरा फ़ायदा नहीं हो सकता। क्यों न पूरी स्कीम बना दें? ताकि वह इलाका हमेशा के लिए बचाया जा सके। इस लिए मैं सरकार से यह बात बड़े जोर से कहना चाहता हूं कि अभी से काम शुरू होना चाहिए और 4 महीने के अन्दर war baspasis पर काम करके पूरी scheme बनाकर काम खत्म किया जाए।

इस सूबे में 20 स्कीमों में से 16 स्कीमें पंजाबी रीजन में दी हुई हैं और केवल 4 हिन्दी रीजन में। और उनमें से भी पूरी पूरी execution नहीं होती। इस लिए मैं यह कहना चाहता हूं कि जब हिन्दी रीजन बर्बाद हो रहा है तो उसके साथ या तो न्याय करना चाहिए या फिर अगर इसे अलग ही समझा जाता है तो इसको बिल्कुल अलग ही कर देना चाहिए।

ਮਾਲ ਮੰਤਰੀ (ਗਿਆਨੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪਰੋਫੈਸਰ ਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਛਪਾਣ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕੰਮ ਚੰਗਾ ਹੈ ਔਰ ਨਾਲ ਹੀ

ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਕੋ ਮਜ਼ਹਬ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਗ੍ਰੰਥ ਨੇ ਇਹ ਖਰਚ ਸਾਰਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਬਲਕਿ ਬਾਕੀ ਮਜ਼ਹਬਾਂ ਦੇ ਗ੍ਰੰਥਾਂ ਤੇ ਵੀ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਾਕਫੀਅਤ ਲਈ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿਚ ਵੈਦਕ research ਲਈ ਇਕ ਆਸ਼ਰਮ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੇ ਬਜਟ ਵਿਚ ਕੁਝ ਰਕਮ ਰਖ ਕੇ ਸਾਲਾਨਾ ਮਦਦ ਕਰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਉਹ 15 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਸਾਲਾਨਾ ਹੈ (ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਉਹ 40 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਹੈ) ਮੈਨੂੰ ਇਤਨਾ ਇਲਮ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਅੱਛੀ ਖਾਸੀ ਰਕਮ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਮਦਦ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਸ਼ਾਇਦ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨਿਗਾਹ ਵਿਚ ਨਾ ਆਈ ਹੋਵੇ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨਿਗਾਹ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਸੀ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਹੋਰ ਵੀ ਕਈ ਮਿਸਾਲਾਂ ਹੋਣਗੀਆਂ।

सिंचाई तथा विद्युत मंत्री (राम्रो बीरेन्दर सिंह) : स्पीकर साहिब, इस डिमांड पर जो मैम्बर साहिबान ने बातें कहीं हैं उनका मुख्तसर तौर पर मैं जवाब देना चाहता हूं। चौधरी लहरी सिंह जी ने और प्रोफैसर शेर सिंह जी ने रोहतक के बारे में यह कहा कि वहां पर जल्द अज जल्द ड्रैनेज़ बनाई जाएं वरना उस इलाके में आइंदा बरसात में फिर तबाही आ सकती है। मैं अर्ज करना चाहता हूं कि जहाज गढ़ के आसपास जो 15, 20 गांव का पानी है जो कि अभी भी वहां खड़ा है उसे पम्प आउट करने का सरकार बन्दोबस्त कर रही है। इसके लिए हमारी स्कीम साढ़े सात लाख की है। मुझे उम्मीद है कि बरसात से पहले पहले उस पानी को ज़रूर निकाल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधूरी execution से कुछ नहीं बनेगा इस लिए सारा काम एकदम होना चाहिए। प्रोफैसर साहिब इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि यह कितनी बड़ी स्कीम है और इसके लिए कितना वक्त चाहिए। नबंर 8 और नाइनाला के diversion की alignment तय हो चुकी है। चौधरी लहरी सिंह ने कहा कि alignment पूरी नहीं हुई। मैं उनकी information के लिए बताऊंगा कि इसकी diversion की alignment final हो चुकी है और ज़मीन का कब्ज़ा लिया जा चुका है और खुदाई बड़े जोरों से चल रही है। कुछ दिक्कतें सामने आई थीं उनको दूर किया गया और मैं खुद सोनीपत गया और लोगों की शिकायतों को सुना। चीफ मिनिस्टर साहिब भी खुद गांव गांव में गए और जिस तरह से भी हुआ चन्द हफतों के अन्दर अन्दर हमने जमीन का कब्जा लिया और काम को खुद शुरू कराया। जहां तक लेबर का सवाल है उसकी कोई मुश्किल नहीं है।

एक दिक्कत आ रही है क्योंकि दिल्ली के लोगों की तरफ से यह एतराज़ चल रहा है कि अगर जमुना में इस तरफ से पानी गया तो दिल्ली के कुछ गांव खतरे में पड़ जाएंगे इस लिए उस तरफ से यह पानी नहीं जाना चाहिए। लेकिन जब मेरी यूनियन मिनिस्टर के साथ मीटिंग हुई तो मैंने तसल्ली कराने की कोशिश की कि यह alignment हमारी सबसे बेहतरीन है और अगर इसको बदला गया तो काम ठीक से नहीं हो सकेगा।

[सिंचाई तथा विद्युत मंत्री]
जहां तक हमारे यहां के लोगों का सवाल था वह इस बात से सहमत हो गए हैं कि यह अलाइनमैंट ठीक है। और मैंने लोगों से वायदा किया है कि बरसात से पहले पहले यह पानी जमुना में डाल दिया जाएगा। अगर प्रोफेसर शेर सिंह जी के कहने के मुताबिक सारा काम एक साथ ले लिया जाए तो वह इतने महीनों के अन्दर पूरा नहीं हो सकता जितना कि सोचा गया है।

अभी प्रोफेसर साहिब ने यह कहा था कि झज्जर के आसपास पानी है उसके अन्दर 30 हज़ार एकड़ ज़मीन का रकबा है। यह इत्तला गलत है। मैं उन्हें बतलाना चाहता हूं कि यह सिर्फ 14 हज़ार एकड़ ज़मीन है। इस के बाद कोई वजह नहीं रह जाती कि बारिश की वहज से जो इलाके बरबाद होते हैं वह नुक्सान उठायें।

12. 00 Noon

फिर स्पीकर साहिब, यह एतराज़ उठाया गया कि Chief Engineers की तादाद बढ़ाई गई है। Beas Dam के लिए एक और Chief Engineer लगाया गया है। Hydel Administration के लिये एक नया Chief Engineer मुकर्रर किया गया है। हम कोशिश कर रहे हैं कि जल्दी से जल्दी ज़्यादा power हासिल कर सकें। इन हालात को मद्देनज़र रखते हुए मैं समझता हूं कि कोई एतराज की बात hon. Members की तरफ से नहीं हो सकती। मेरे मुअज़िज़ दोस्त श्रीमान् ने बहुत अच्छा suggestion दिया कि waterlogging को दूर करने के लिये और सैलाब को रोकने के लिये drainage की ज़रूरत पड़ती है। इस लिये यह भी सोचना चाहिये कि roads और railways बनाते वक्त इस बात का ख्याल रखा जाए कि उन से पानी के natural drainage में कोई रुकावट न पड़े और इस तरह से खराबियां पड़ती न चली जाएं। State Advisory Committee ने भी यह suggestion पेश किया था। यह suggestion बहुत अच्छा है और हम ने इस पर गौर किया है। इस सारी चीज़ को examine करने के लिये Technical Committee के सामने रखेंगे। Technical Committee इस लिये बनाई है कि drainage की सारी स्कीमों पर यह गौर करे और इस की तरफ से examine होने के बाद Cabinet के सामने पेश हों। Technical Committee उम्मीद है कि इस बारे में कोई ठोस तजवीज बनाएगी। Roads, Railways और नहर की सड़कें शुरू करने से पहले इस बात का फैसला कर लेना चाहिये कि किसी चीज़ से पानी के बहाव में रुकावट न हो ताकि आयंदा drainage और anti-waterlogging measures लेने के लिये कम से कम दिक्कतें उठानी पड़ें।

मेरे मुअज़िज़ दोस्त श्री रला राम ने एतराज़ उठाया था कि Supplementary Demands में compensation के लिये कोई रुपया नहीं रखा गया। Beas Dam की administration कायम हो चुकी है। जहां award दे दिया जायेगा उन

को compensation लेने में उन लोगों को कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्हें इस बात की तसल्ली होनी चाहिये। बाजवा साहिब ने कुछ एतराज़ किये। घग्गर के इलाके की drains के मुतल्लिक और कादियां drain का भी ज़िक्र किया कि यह एक town को फायदा पहुंचाने की गर्ज़ से बनाई जा रही है। Drain बनाने की स्कीम Technical Committee के सामने पेश होती है और Master Plan का भी ख्याल रखा जाता है। कादियां drain से जैसे कि explanatory note में बताया गया है कादियां, नत्थुपुर और मनसूरपुर के गांव को फायदा पहुंचेगा। यह Drain एक class के फायदे के लिये नहीं बनाई जा रही इस से काफी रक्बा ज़मीन को फायदा पहुंचेगा। अगर मेरे दोस्त यह चाहते हैं कि ऊपर के level की मुझे inspection करनी चाहिये तो मैं तैयार हूं। वैसे बड़े से बड़े अफसर drains को देख आये हैं। Drains जो बनाई जाती हैं technical point of view को देख कर बनाई जाती है। Drains इस तरीके से बनती हैं कि इस से ज़्यादा से ज़्यादा फायदा ज़मीनों को पहुंचे। घग्गर के मुताल्लिक मैं कुछ और अर्ज़ करना चाहता हूं। इस में कोई शक नहीं कि घग्गर में बहुत तुग़यानी आती है जिस से काफी नुक्सान होता है क्योंकि इस का कोई out fall नहीं अगर घग्गर के पानी को divert न किया जाए तो जिस इलाके में इस का पानी जाता है उस के नुक्सान को रोका नहीं जा सकता। Third Five-Year Plan में घग्गर की स्कीम को top priority दी जाएगी। जनती drain और पटियालवा नाले के पानी को सतलुज दरिया में divert करने की स्कीम भी मंजूर हो चुकी है। सीसवां नदी के लिये 25 लाख रुपया मंज़ूर हो चुका है। इस में जब तुगयानी आती है तो इस का पानी घग्गर में पहुंचता है। आयंदा के लिये घग्गर के पानी में रुकावट हो जाएगी। जब घग्गर का बांध मुकम्मल हो जाएगा तो इस से आबपाशी की जाया करेगी। मैं उम्मीद करता हूं कि जो एतराज़ात मेरे दोस्तों ने उठाये थे उन का मैं मुअस्सर तौर पर जवाब दे पाया हूं। शुक्रिया।

लोक कार्य मंत्री (चौधरी सूरज मल) : साहिबे सदर, मैं हाउस का ज़्यादा वक्त नहीं लूंगा। जो references P. W. D. के मुताल्लिक किये गये हैं उन का जवाब दूंगा। जो एतराज़ात मेरे मुअज़िज़ दोस्त सरदार भुपिंदर सिंह मान ने उठाये थे उन का जवाब राओ साहिब ने दे दिया है। जहां तक roads का ताल्लुक है इस में कोई शक नहीं कि पुरानी सड़कें बनी हुई थीं। उन में जगह जगह culverts और bridges नहीं बनाए गये थे लेकिन अब जो सड़कें बना रहे हैं उन में बाकायदा ख्याल रखा जाता है कि पानी के गुज़रने के लिये ज़्यादा से ज़्यादा culverts दिये जाएं और bridges भी काफी बनाए जाएं ताकि पानी के गुज़रने में रुकावट न हो सके। इस के लिये मैं हाउस को यकीन दिलाता हूं कि गवर्नमैंट की तरफ से हिदायात जारी हो चुकी हैं कि जहां भी नई सड़कें बने वहां ज़्यादा से ज़्यादा culverts दिये जाएं खास कर जहां जहां मोगों से पानी ज़मीदारों की ज़मीनों में जाता है वहां पानी के गुज़रने में किसी किस्म की रुकावट न हो। जहां जहां बाढ़ आने से सड़कों को नुक्सान पहुंचा

[लोक कार्य मंत्री]
है उन की दोबारा repair की जा रही है। जहां culverts न होने की वजह से नुक्सान हुआ है वहां culverts और bridges बनाए जा रहे हैं। गवर्नमैंट ने यह भी हिदायतें जारी की हैं कि जो bridges छोटे हैं उन को बढ़ाया जाए ताकि ज्यादा पानी वहां से गुज़र सके।

Flood Board की जो meeting होती है उसके अन्दर महकमे के तमाम अफसरान इकट्ठे हो कर सोचते हैं कि किस तरह से इस मुसीबत को दूर किया जा सकता है। वे कोशिश करते हैं कि जहां से रेल गुज़रती है, सड़कें गुज़रती हैं, नहरें गुज़रती हैं, या कोई drain गुज़रती है तो उन पर उसी मिकदार के पुल या साईफन बनाए जाएं जिस मिकदार का पानी गुज़रता है। रेलवे वालों को लिखा जाता है कि वह भी अपने पुल और साइफन वगैरह इसी असूल को मद्देनज़र रख कर बनाए। उन अफसरान की suggestions पर पूरा ध्यान देने की कोशिश की जाती है। अब जो सजैशन्ज़ इन्होंने दी हैं इन पर पूरा ध्यान दिया जाएगा और पूरा अमल करने की कोशिश की जाएगी। और तो किसी hon. Member ने P. W. D. के बारे में कुछ नहीं कहा सिर्फ मान साहिब ने ही कहा था सो मैंने उन की बात का जवाब दे दिया है।

श्री यश पाल (उप मन्त्री) : जिन माननीय सदस्यों ने शिक्षा विभाग और टेक्सट बुक्स की printing और distribution के सम्बन्ध में अपने ख्यालात ज़ाहिर किये हैं वे तीनों गैर हाज़िर हैं। मैं उन की गैर हाज़री में उनको तसल्ली के लिये कहना चाहता हूं कि उन्होंने जो सब से पहला एतराज़ उठाया था वह यह था कि गवर्नमैंट किताबों की nationalisation की पालिसी को बदलना चाहती है, इस सम्बन्ध में मैं बिल्कुल वाज़ेह तौर पर और स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि किताबों की nationalisation की पालिसी जो गवर्नमैंट की है उस को बदलने का या उस को वापिस लेने का किसी तरह से कोई सवाल पैदा नहीं होता। गवर्नमैंट ने बहुत सोच समझ कर किताबों को nationalise किया था और अब भी गवर्नमैंट का ख्याल है कि किताबों की nationalisation रहनी चाहिये। जिस बात की तरफ जालंधर के माननीय सदस्य लाला जगत नारायण ने ध्यान दिलाया है उस से मालूम यह होता है कि उन को कोई गलत फहमी है। सवाल यह नहीं है कि हम किताबों को denationalise करें या न करें, सवाल तो यह है कि nationalisation की पालिसी की functioning को किस तरह से ज़्यादा कामयाब बनाया जा सकता है या improve किया जा सकता है। पिछले एक दो महीनों में जो बातें सरकार के विचाराधीन रहीं हैं वह यही थीं कि किस तरह से उन आपत्तियों का सही जवाब दिया जा सकता है जो कि जनता के द्वारा nationalisation of books की बाबत उठाई जाती रही हैं। जब से पंजाब सरकार ने किताबों को नैशनलाईज़ किया है तब से बराबर यह एतराज़ उठाया जाता रहा है कि किताबों में बहुत गलतियां हैं, उन की quality अच्छी नहीं है। एक तरफ तो यह एतराज़ उठाया जाता रहा है। दूसरी तरफ जब सरकार ने किताबों को nationalise किया था तो इस विचार से किया

था कि किसी तरह से हम सस्ती किताबें बच्चों को मुहैया कर सकें। अब दोनों बातों में समन्वय करें तो सरकार इस बात में तो कामयाब हो गई कि किताबों की कीमत हो जाए लेकिन दूसरी तरफ की शिकायतें कम नहीं हुई। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जब लाला जगत नारायण जी शिक्षा मन्त्री थे उस समय जो किताबें छापी गई, उन में बेशुमार गलतियां रह गई। यह नहीं कि जान बूझ कर की गई, लेकिन रह गई। उससे nationalisation के मकसद पर बड़ी भारी चोट पड़ी। लिखा होता था शेर लेकिन तस्वीर बंदर जैसी बनी होती थी। इस लिये नहीं कि nationalisation की पालिसी गलत थी बल्कि उस पालिसी को implement करने के लिये जो हथियार इस्तेमाल किया गया उस को functioning का जो ढंग बनाया गया उस में नुक्स रह गया। अब काफी देर से इस बात की ज़रूरत महसूस की जा रही है कि किसी तरीके से ऐसा रास्ता निकल आए कि किताबों की कीमत भी न बढ़े, कोई आदमी बच्चों से ज्यादा मुनाफा भी न कमा सके और यह भी कि किताबों की quality भी improve हो। इस समस्या पर गौर करने के लिये शिक्षा विभाग ने एक Advisory Committee मुकर्रर की, उस कमेटी पर बड़े बड़े Educationists थे, उन्होंने सारी बात पर ौर करके अपनी रिपोर्ट submit की। वह रिपोर्ट Advisory Board on Education की general meeting में पेश हुई और सब ने इत्तफाक राए से उस रिपोर्ट को मंजूर किया। Advisory Board on Education में सभी तरह के सभी ख्यालात के मैम्बर होते हैं और बड़े बड़े Educationists होते हैं। हम यह भी महसूस करते हैं कि nationalisation की policy को functioning में और implementation में improvement की गुंजायश है। इस सारी चीज़ के पेशे नज़र पंजाब सरकार ने यह बेहतर समझा कि nationalisation की policy को कायम रखते हुए किसी तरीका से इस की functioning को improve किया जाए। अगर details में भी कोई तबदीली करनी पड़े तो बड़ी बात नहीं है। उसी ख्याल से और उसी मकसद से यह फैसला किया गया कि हम कोई और तरीका अखितयार करें। उस में बुनियादी तबदीली नहीं होगी। कोई कहे कि कोई बुनियादी तबदीली करने लगे हैं तो ऐसी बात नहीं है। जिस तरह से पहले nationalisation की गई थी वह अब भी है। (*interruptions*) (घंटी की आवाज़) मैं अभी खत्म करता हूं। मेरे कहने का मतलब यह है कि सारी पालिसी वैसे की वैसे है। कीमतें नहीं बढ़ेंगी। बल्कि हम कोशिश करेंगे कि पहले से भी कम हो जाएं। इस के बारे में कोई शक नहीं होना चाहिये। उन्होंने एक बात कही कि सारी पालिसी इस लिये तबदील की जा रही है कि सरकार दो लाख रुपया अपनी इलेक्शनों के लिये लेना चाहती है। लोगों के कहने को कौन रोक सकता है। जब लाला जी थे तो उन को भी लोग कहते थे कि उन के दामाद का प्रेस है, उन का अपना प्रेस है इस लिये उन को काम देने के लिये इन्होंने किताबों को nationalise किया है। इस में ज्यादा details में जाने की ज़रूरत नहीं

[श्री यश पाल]

है। पंजाब सरकार का इरादा न सिर्फ किताबों को ही सस्ता करने का है बल्कि यह भी चाहती है कि हम बच्चों को ज्यादा से ज्यादा मुफ्त तालीम दें। नौवीं-दसवीं तक लड़कियों की पहले ही तालीम मुफ्त की हुई है। अब लड़कों की तालीम भी मुफ्त करने की सोच रहे हैं। हमारी तो यह स्कीम है कि हम किसी तरह से बच्चों को किताबें मुफ्त दे सकें, दोपहर का खाना खिला सकें और जैसे कि उन्होंने इशारा किया था यह सरकार बिल्कुल प्रधान मन्त्री जी की इच्छाओं के मुताबिक काम कर रही है। प्रोफेसर शेर सिंह जी ने कहा था कि आदि ग्रन्थ को translate करने के लिये इस सरकार ने पच्चास हज़ार रुपया दिया है। सो यह पच्चास हज़ार रुपया तो कर्ज़ दिया गया है, यह वापिस मिल जाएगा, without interest वापिस लिया जाएगा। यह ग्रान्ट नहीं है। ऐसे अच्छे कामों के लिये पंजाब सरकार पहले भी मदद कर रही है और अब भी करेगी। अगर कोई representation या दरखास्त आती है तो सरकार पूरी तरह से गौर करती है। यह सरकार किसी तरह से discrimination नहीं बरतती। किसी एक धर्म के साथ कोई और, और किसी दूसरे के साथ कोई और व्यवहार नहीं करती। मैं उन को इस सम्बन्ध में विश्वास दिलाना चाहता हूं। प्रिंसिपल रला राम जीने भी किताबों की छपाई की तरफ तवज्जुह दिलाई है। मैं उन को भी विश्वास दिलाता हूं कि अब जो किताबें छपेंगी वह बदरजहा बेहतर होंगी। इन शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

उद्योग मंत्री (पंडित मोहन लाल) : स्पीकर साहिब, इस वक्त Supplementary Estimates के रूप में 15 करोड़ से कुछ ज़ायद रकम का मुतालबा किया गया है। बाज़ेह तौर पर तो किसी मैम्बर साहिब ने बहुत कुछ इस बात का एतराज़ नहीं उठाया लेकिन indirect ढंग से इस को refer किया गया है। इस लिये यह बहुत मुनासिब बात मालूम होती है कि गवर्नमैंट की तरफ से मैं यह बात बाज़ेह करूं कि 15 करोड़ रुपये से ज़ायद की रकम Supplementary Estimates (Second Instalment) में मांगना एक तरह से बहुत unusual सा step मालूम होता है ज़ाहिरा तौर पर यह बिल्कुल सही बात है। मैं खुद महसूस करता हूं कि Second Instalment में इतना रुपया Legislature से मांगा जाए यह काफी unusual बात है। लेकिन इसकी वजूहात हैं। आपने देखा होगा कि Revenue Accounts में 5,32,370 रुपए की demands हैं और Capital Account में 10,39,14,900 रुपए की। Revenue Account में दो बड़ी बड़ी important items हैं: एक तो पौने दो करोड़ रुपए की demand है जो interest के तौर पर अदा करना पड़ा हमारे पुराने पैपसु के वक्त के dues और कुछ rehabilitation के dues को देने के लिए। अभी अभी एक मैम्बर साहिब ने एतराज़ उठाया था कि सरकार ने इसमें देरी क्यों की। उन्होंने explanatory note में पढ़ा होगा कि राज्य सरकार की वजह से कोई देरी नहीं हुई बल्कि देरी इस लिए हुई क्योंकि original terms की बाबत Accountant General की तरफ से

clarification ग्रानी थी वह न ग्राई ग्रौर देर से ग्राई । लेकिन जिस वक्त वह clarification ग्राई State Government की तरफ से न सिर्फ सूद की रकम बल्कि जो ग्रसल amount थी जिसका हवाला बाद में Capital Account में दिया गया है, उसकी भी ग्रदायगी कर दी गई। इस लिए इस interest का इसमें शामिल होना ज़रूरी था ताकि repayment में ेरी को बचाया जा सके।

दूसरी रकम famine के head में 3,08,38,620 रुपए की है। ग्राप मेरे साथ agree करेंगे कि यह कभी anticipate नहीं किया जा सकता था कि floods ग्राएंगे। इस लिए यह unforeseen expenditure था जो कि flood relief के सिलसिले में करना पड़ा। ये दोनों रकमें कोई पांच करोड़ के करीब बन जाती हैं। बाकी की छोटी छोटी रकमें हैं तीस तीस, बीस, बीस लाख की जो कि normal ढंग के expenses supplementary demands में होते हैं।

जहां तक Capital Account का ताल्लुक है इसमें भी तीन बड़ी बड़ी items हैं। पहली items एक करोड़ 30 लाख के करीब है। यह खर्च demands No. 18 का है जिसकी तफसील सफा 45 पर दी गई है। यह रकम State Government ने State Electricity Board को दी जो कि साल के ग्राखिर में वापिस ले लेनी है। चूंकि कुछ तफसील दी जा चुकी है, वक्त भी मेरे पास थोड़ा है इस लिए ज्यादा तफसील में मैं इस वक्त नहीं जाना चाहता।

इसी तरह चार करोड़ 35 लाख की एक रकम ग्रौर 4 करोड़ 53 लाख की दूसरी रकम सफा 54 ग्रौर 56 पर दी गई है। जैसा कि तफसील में बताया गया है ये रकमें flood की वजह से कुछ agriculturists को ग्रौर कुछ urbanites को loans के तौर पर दी गई हैं। इसके इलावा loans की कुछ ग्रौर payments हैं जिनका ग्रभी ग्रभी हवाला दिया गया। ये सारी amounts कोई 9 करोड़ के करीब हैं ग्रौर इसके इलावा वह amounts हैं जिन का revenue account में जिक्र किया गया है जिन्हें पहले anticipate नहीं किया जा सकता था। इस लिए इस बार एक खासी बड़ी रकम 15 करोड़ रुपए के लगभग second supplementary demands में लानी पड़ी।

स्पीकर साहिब, मैम्बर साहिबान ने मेरे महकमों की बाबत चन्द एक बातें कहीं। एक ग्रानरेबल मैम्बर साहिब ने शुरू शुरू में ही गवर्नर साहिब के houses के मुताल्लिक कुछ कहा था। मुझे ग्रफसोस है कि उन्हें यह कहने की ज़रूरत क्यों महसूस हुई। ग्रब, जैसा कि ग्राप जानते हैं, पुराने वक्तों से शिमला में एक Government House है ग्रौर उसकी maintenance निहायत ज़रूरी है। उसपर कोई एतराज़ करना मुझे तो समझदारी की बात दिखाई नहीं देती। गवर्नर साहिब के house का वहां पर रहना ज़रूरी है ग्रौर ग्रगर उसे maintain न किया जाए तो क्या किया

[उद्योग मंत्री]

जाए ? उसका maintain किया जाना निहायत ज़रूरी है। जो एतराज़ गवर्नर साहिब के चण्डीगढ़ के house की बाबत किया गया मुझे उससे ज्यादा और कोई बोदी बात दिखाई नहीं देती। जैसा आप जानते हैं चण्डीगढ़ कैपिटल में गवर्नर साहिब का राज भवन बनाने के लिए Capital Project में 35—40 लाख रुपए का provision है लेकिन गवर्नर साहिब ने खुद, अपनी इच्छा से State Government को कहा कि वह राज भवन अलग नहीं चाहते। इसके बजाए उन्होंने शहर के circuit House में रहना मंजूर किया। जैसा कि आप जानते हैं, यहां के जो Chief Architect हैं वह इस बात पर हमेशा बज़िद रहे— शायद अब भी हों— कि Government House के बगैर चंडीगढ बिल्कुल अधूरा है। जहां तक मैं जानता हूं वह हमेशा यह कहा करते हैं कि Governor's House चंडीगढ़ कैपिटल का ताज है और इसके बगैर चंडीगढ़ का ढांचा बिल्कुल अधूरा रहेगा। दर असल इस बात में वजन भी दिखाई देता है। आप जानते हैं कि गवर्नमैंट के लिए Secretariat की building बन गई, Legislature के लिए Chamber मुकम्मल हो रहा है और आप उधर shift करने वाले हैं। High Court के लिए भी जगह बन गई। इस लिए State के constitutional head के लिए राज भवन का बनना कितना ज़रूरी था, इस से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन फिर भी गवर्नर साहिब की बड़ाई है कि उन्होंने personal comforts का ध्यान न रखते हुए circuit house में रहन ही मुनासिब समझा और अब अगर उसकी maintenance के लिए कुछ रुपया खर्च किया जा रहा हो तो उसपर भी मैम्बर साहिब एतराज़ उठाएं तो इस से बढ़कर बोदी और निकम्मी दलील दिखाई नहीं देती। उन्हें तो गवर्नर साहिब का मश्कूर होना चाहिए कि उन्होंने State की 40 लाख रुपए के करीब बच्चत कराई और खास कर इस वक्त जब कि हमें पाई पाई की ज़रूरत है। इस हालत में भी इस तरह एतराज़ करना, मैं समझता हूं बहुत नामुनासिब बात है और जिन मैम्बर साहिब ने एतराज किया है, उन्होंने एक बहुत ही graceless बात अपनी तरफ से दिखाई है।

एक बात जिसकी बाबत उन्होंने और कहा वह यह थी कि datas के मुताल्लिक तफसील नहीं दी गई कि कब खर्च हुआ, कितना खर्च हुआ। मैं समझता हूं कि शायद उनको इस चीज़ की वाकफियत नहीं, ये estimates House में लाने से पहले Estimates Committee के पास जाते हैं जहां पर हर item की पूरी तरह से जांचपड़ताल की जाती है। उसके बाद ही ये estimates Government Legislature के सामने लाती है।

बाजवा साहिब ने कुछ weights and measures की बाबत कहा। जो कुछ उन्होंने कहा, मुझे उसके साथ पूरी तरह इत्तफाक है कि लोगों को इस से दिक्कत होती है। लेकिन जैसे कि बाजवा साहिब खुद इस बात को समझते हैं, वह एक All-India Policy है। जिस grower की, खरीददार की और consumer की दिक्कत का हवाला दिया गया उसी को तो दूर करने के लिए decimal system all-

India basis पर adopt किया गया। यही दिक्कत पहले महसूस की गई थी कि जब कि decimal coinage जारी हुआ (घंटी) ठीक है कि लोगों की दिक्कत है लेकिन आहिस्ता आहिस्ता वह दिक्कत दूर हो जाएगी। जहां तक गवर्नमैंट का सम्बन्ध है, Centre और State Government की तरफ से लोगों को इस सिलसिले में educate करने के लिए, समझाने के लिए न सिर्फ press के ज़रिए बल्कि radio और publicity के ज़रिए लाखों रुपए का खर्च किया गया है ताकि उनको इस system की वाकफियत दी जाए। अगर हम खुद ही इसको follow करने की कोशिश न करें तो इस में गवर्नमैंट का क्या कसूर है। मैं समझता हूं कि लोगों को इतने लम्बे चौड़े propaganda और publicity के बाद शिकायत की गुंजायश नहीं रहनी चाहिए।

चन्द एक बातें jails के मुताल्लिक भी कही गई। लेकिन चूंकि वक्त नहीं रहा, इस लिए फिर किसी वक्त बात करूंगा।

OBSERVATIONS MADE BY THE SPEAKER

श्री अध्यक्ष: आप की मर्जी के मुताबिक मैं ने आध घंटा पहले guillotine apply करने का फैसला किया था। इस वक्त में, मेरा ख्याल है demands ही put करनी चाहिए amendments drop करदी जाएं।

(आवाज़ें : ठीक है जी।) All the amendments are dropped. मुझे इस बात का कई बार ख्याल आया है कि जो demands take up होने से रह जाती हैं उन की discussion के लिए कभी chance नहीं आता। आज जो हम ने नया procedure adopt किया इस में कभी न कभी ऐसी demands के take up होने की भी उम्मीद नज़र आती है। इस लिए मैं महसूस करता हूं कि इस procedure को try कर के देखें। इस का एक फायदा तो यह हुआ है कि discussion के दौरान Minister साहिबान को लाज़मी तौर पर बैठना पड़ा और दूसरा फायदा यह हुआ कि मैम्बर्ज़ को भी आखिर तक बैठना पड़ा। कुछ साहिब चले गए हैं शायद किसी meeting के लिए——

श्री बलराम दास टण्डन: आप को बाद में inform करेंगे।

श्री अध्यक्ष: मगर कोई ऐसी बात न करें कि बद-मज़गी पैदा हो। कुछ demands तो specially select हो कर House के सामने आनी हैं जैसे कि मौजूदा practice है। उन के इलावा जो demands रह जाती हैं नए procedure के मुताबिक उन सब के लिए एक या दो दिन discussion के लिए रख दें। इस तरह उन का भी chance आ जायगा और उन पर भी discussion हो जाएगी।

(आवाज़ें : यह ठीक रहेगा।)

(In accordance with the wishes of the House I had decided to apply guillotine half an hour earlier than the hour of interruption. Now within

[श्री अध्यक्ष]

this half an hour, I think only the demands be put to the Vote of the House and all the amendments thereto be dropped.

(Voices : Yes, we agree.) All the amendments are dropped.

I have felt very often that there are some demands for grants which get little chance for being ever discussed. The new procedure adopted by the House today offers a ray of hope of such demands being taken up some time. I, therefore, feel that this procedure may be tried. At least one advantage of adopting this procedure has been that ministers have perforce remained in their seats all the time during the discussion and the other advantage is that the members also have remained here. Some hon. members have left to attend some meeting.

Shri Balram Das Tandon : We will inform you later.

Mr. **Speaker** : But please do not create any embarrassing situation. Certain demands for grants come before the House after having been specially selected for discussion according to the existing practice. But these demands which are left out may be thrown open for discussion for one or two days according to the new procedure. In this way these demands too will get a chance on being discussed.

(Voices : We agree to that.)

उद्योग मन्त्री : जनाब हमारी difficulty यह है कि बाकायदा Leader of the Opposition कोई नहीं जिस से हम बात करें कि कौन कौन सी demand आनी चाहिए और किस ढंग से आनी चाहिए। आप Opposition में से जिस जिस को चाहें बुला लें।

श्री अध्यक्ष : सभी leaders रह गए हैं. Opposition नहीं रही। (हंसी) सभी भांति भांति की बोली बोलते हैं। मैम्बर साहिबान को चाहिए कि वह इस बात का ख्याल रखें कि जब वह बोलना शुरू करें तो वह उस demand की तरफ इशारा कर दें जिस पर कि वह बहस शुरू करना चाहें। इस से बाद में मनिस्टर साहिब को suitable reply देने में आसानी हो जाएगी। इस तरह से जो procedure आज हम ने adopt किया है शायद यह एक healthy convention साबत हो और इस सिलसिले में हम दूसरी legislatures को lead देने की पोजीशन में हो सकें। (We have all leaders and no Opposition. Laughter. Each of them speaks for himself. The members would be advised to remember that before they start speaking, they may indicate the demand which they are going to discuss. This would enable the minister to make a suitable reply afterwards, In this way the procedure which we have adopted today may prove to be a healthy one and we may be in a position to give a lead to other legislatures in this respect.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਦੋ ਦਿਨ ਬਾਕੀ time ਨਾਲੋਂ extra ਹੋਣਗੇ ?

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਦਫਾ ਦੋ ਦਿਨ ਵਾਸਤੇ ਸਾਰੀਆਂ demands open ਕਰਨੀਆਂ ਹਨ। (This time all the Demands will be thrown open for discussion for two days.)

---

3. VOTING OF THE DEMANDS FOR SUPPLEMENTARY GRANTS

Mr. Speaker : Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs 30,760 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 9—*Stamps.*

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs 3,09,310 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 10—*Forest.*

The motion was carried.

An Hon. Member : Sir, these demands may be put together to the vote of the House.

Shri Balram Das Tandon : We want Demand No. 13 to be voted upon separately.

Mr. Speaker . If there be no objection, I will put Demands Nos. 3 to 12 together to the vote of the House.

(*Voices : No Objection.*)

Mr. Speaker . Question is—

That a Supplementary sum not exceeding Rs 38,570 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending 31st March, 1961, in respect of 12—*Taxes on Vehicles*,13—*Other Taxes and Duties.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 36,350 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March,1961, in respect of *charges on Irrigation Establishment.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 25—*General Administration.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 13,87,540 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 28—*Jails.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 2,30,290 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 29—*Police.*

[Mr. Speaker]

That a Supplementary sum not exceeding Rs 7,86,530 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 36—*Scientific Departments and* 47—*Miscellaneous Departments.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 55,000 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 40—*Agriculture.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 50—*Civil Works.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 20,03,350 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 51—*Other Revenue Expenditure connected with Multipurpose River Schemes.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 3,08,68,620 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 54—*Famine.*

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding Rs 3,61,100 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 54-*B—Privy Purses and Allowances to Indian Rulers,* 55—*Superannuation Allowances and Pensions.*

After ascertaining the votes of the House by voices, Mr. Speaker said, "I think the 'Ayes' have it". This opinion was challenged. The division bells were then rung. Mr. Speaker after ascertaining the votes of the Members present by voices again, declared that the motion was carried.

The motion was declared carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a Supplementary sum not exceeding Rs 14,74,500 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 56—*Stationery and Printing*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 57—*Miscellaneous.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 3,83,560 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 63-*B—Community Development Projects, N.E.S. and Local Development Works.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 31,80,000 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 71—*Capital Outlay on Schemes of Agricultural Improvement and Research.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 1,40,27,380 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending 31st March, 1961, in respect of 80-*A—Capital Outlay on Multipurpose River Schemes.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 22,10,000 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 81—*Capital Account of Civil Works outside the Revenue Account.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 1,49,230 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 82—*Capital Account of other State Works outside the Revenue Account.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 19,67,970 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 85-*A—Capital Outlay on Schemes of Government Trading.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 4,35,96,820 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of *Loans to Local Funds—Private Parties etc.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of XVII—*Irrigation Receipts-Deduct—Working Expenses,* 18—*Other Revenue Expenditure financed from ordinary Revenue.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 43—*Industries.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 69—*Construction of Irrigation works etc.*

That a Supplementary sum not exceeding Rs 10 be granted to the Governor to defray the charges that will come in course of payment for the year ending the 31st March, 1961, in respect of 79—*Expenditure on New Capital of Punjab at Chandigarh.*

The motion was carried.

The Sabha then adjourned till 9-30 *a.m. on Saturday, the 25th February,* 1961.

12832 PVS—350—10-10-61 C.P., and S., Pb., Chandigarh.

ANNEXURE

(Please see the foot note at page (9) 26 of the debate Vol. I, No. 9 dated the 24th February, 1961)

COAL DEPOTS AND BRICK KILN LICENCES ISSUED IN 1960.

3339. **Sardar Dhanna Singh Gulshan** : Will the Minister for Industries be pleased to state the names and addresses of persons, district-wise, who were given Coal Depots and Licences for Brick Kilns during the year 1960 and the number of Harijans amongst them ?

Shri Mohan Lal : Requisite information is given in the enclosed lists.

ANNEXURE I

Coal Depots

Serial No.	Name of District	Name of the party with address	Number of Harijans amongst the parties in column No. 3
1	2	3	4
1	Amritsar ..	Shri Dev Raj, son of Daya Ram, Kubi Devi, Amritsar	One (for Nos. 1–9)
2	Do	M/s Rajinder Parkash Ram Sarup, Gopal Devi, Bhikhiwind, Amritsar	
3	Do	Shri Feroze Chand, Jallian Wala Bagh, Amritsar	
4	Do	Shri Prem Parkash Katra Khazana, Amritsar	
5	Do	Shri Gurdev Raj Islamabad, Amritsar ..	
6	Do	Shri Sucha Singh, Amritsar ..	
7	Do	Shri Keshav Chander Jaura Pipal, Amritsar ..	
8	Do	Shri Madan Gopal Tarn Taran, Amritsar ..	
9	Do	Shrimati Indra Wati Islamabad, Amritsar ..	
10	Ambala	M/s Sewa Yogi Asharam Multi purpose co-operative Society Ltd., Barana	Nil
11	Do	Shri Ram Lal Babyal ..	Do
12	Do	Shri Bal Krishan Dass Malhotra, Morinda ..	Do
13	Do	Shri Hira Lal Sharma and Shri Shushil Malhotra (Joint Depot) Baldev Nagar Camp., Ambala ..	Do

Serial No.	Name of District	Name of the party with address	Number of Harijans amongst the parties in Column No. 3
14	Ambala	Shri Mangar Rai, Sadhaura ..	Nil
15	Do	M/s Buta Ram Krishan Kumar, Chandigarh	Do
19	Do	M/s Sheo Parshad-Lachman Dass, Barwala ..	Do
20	Do	M/s Parshotam Lal and Co., Mani Majra ..	Do
21	Do	Hakim Gurdyal Singh, Chamkaur Sahib ..	Do
22	Do	Shri Rajinder Singh, Ambala Cantt. ..	Do
23	Do	Shri Bhagwant Singh, Ambala Cantt. ..	Do
24	Do	Shri Partap Singh, Ambala City ..	Do
25	Do	M/s Piara Lal and Co., Ambala Cantt. ..	Do
26	Do	Raizada Moti Ram, Chachhrauli ..	Do
27	Do	Shri Karam Singh, Yamunanagar ..	Do
28	Do	Shri Sadhu Ram Goel, Mustafabad ..	Do
29	Do	Shri Gurbachan Singh, Morinda ..	Do
30	Do	Shri Gurbachan Singh, Rupar ..	Do
31	Do	Shri Sardari Lal Sharma, Kalka ..	Do
32	Do	Shri Parbh Dyal Malik, Panchkula ..	Do
33	Ferozepore ..	Shri Kanwal Nain viz., Sant Lal Road, Ferozepore Cantt.	Do
34	Do	Shri Labh Singh, Nihal Singhwala Road, Bhagapurana	Do
35	Do	Shri Tirath Ram, Dharamkot ..	Do
36	Fazilka ..	M/s Hans Raj Kashmiri Lal, Abohar ..	One (for 36, 37, 37 A)
37	Do	M/s Tek Chand and Col. Gidderbaha ..	
37 A.	Do	Shri Styinder Nath, son of L. Suriam Rai, M.L. Fazilka	
38	Hissar ..	Shri Dewan Chand Khera, Retired District and Session Judge, Hissar	Nil
39	Do	M/s Ranbir Singh-Natha Singh, Barwala Mandi	Do
40	Hoshiarpur ..	Shrimati Pushpa Wati, C. D. H., Hoshiarpur	One (for 40–43)
41	Do	Shri Mulkh Raj, C. D. H., Hoshiarpur	
42	Do	M/s Magha Mal and Sons, C. D. H., Nangal	
43	Do	M/s Prit Paul Singh, Partap Singh, Coal depot holder, Nangal	

Serial No.	Name of the District	Name of the party with address	Number of Harijans amongst the parties in column No. 3
1	2	3	4
44	Hoshiarpur	Shri Daulat Ram, Coal Depot Holder, Gardhi-wala	Ono
45	Jullundur ..	Shri Jagan Nath, Bikrampura, Jullundur City	Nil
46	Do	M/s Wasanda Ram -Belu Ram, Gobindgarh, Jullundur City	Do
47	Do	Hakim Singh, Basti Gujan, Jullundur City ..	Do
48	Do	Tirlochan Singh, Banga ..	Do
49	Do	Shri Ved Parkash, Nawan Shahr ..	Do
50	Do	Shri Kartar Singh, Hoshiarpur Road, Jullundur City	Do
51	Do	Shri Amar Nath Sethi, Radio Colony, Jullundur City	Do
52	Do	Shri Jagat Singh, Adarsh Nagar, Jullundur City	Do
53	Do	Shrimati Sudershan Kumari, Kot Pakshian, Jullundur City	Do
53-A	Do	Shri Dev Raj, Phagwara ..	Do
54	Karnal ..	Shri Avtar Singh, son of Shri Gian Singh Kunj-pura Road, Karnal	One (54 to 62)
55	Do	Shri Ishwar Chander Gautom, son of Pt. Om Parkash, Ghoshi Street, Karnal	
56	Do	Shri Salig Ram, son of Shri Badhu Ram Hansi No. RA 943 Sdar Bazar, Ramji Mandi, Karnal	
57	Do	Shri Radha Krishan, son of Shri Parma Nand Radaur, Tehsil Thanasar, District Karnal	
58	Do	Shri Bishan Datt, Sharma, son of Pt. Rulia Ram Hakim Thanesar, Mohalla Chakarwarti, District Karnal	
59	Do	Shri Hans Raj Bedhark, President District Tonga Workers Union, Karnal	
60	Do	Shri Sant Lal, son of Shri Devi Ditta M of Mohd. pur, District Karnal	
61	Do	M/s Hari Chand-Sita Ram Latkania, Mohalla Bugaria, Kaithal Mandi	
62	Do	Shri Satya Paul, son of Shri Kashmiri Lal Aggarwal, Pundir, District Karnal	
63	Kangra ..	..	Nil
64	Kulu ..	..	Do

Serial No.	Name of the District	Name of the party with address	Number of Harijans amongst the parties in column No. 3
1	2	3	4
65	Ludhiana ..	Shri Bhanwan Singh, son of Gurbhu Singh, village and P. O. Gabadhi Tehsil and District Ludhiana	Two
66	Do	M/s Lal Singh-Iqbal Ganj, B-10/179, Ludhiana	
67	Do	M/s Ram Dass-Surinder Kumar, Timber Market, Ludhiana	
68	Do	Shri Raghunandan Dass, Amrit Niwas, Simla-2	
69	Do	Shri Partap Singh V. & P. O. Dakoha District Jullundur	
70	Do	Shrimati Sudesh Kumari, V. & P. O. Dhusar, Tehsil and District Hoshiarpur	
71	Do	M/s Sadhu Singh-Navinjan Dass, village Bilga District Jullundur	
72	Do	Shri Puran Chand Gupta, Lakkar Bazar, Near Rohani Shop, Ludhiana	
73	Do	M/s Sham Lal Gupta, and Co., Lajpat Rai Road Jagraon, Mandi, Jagraon, District Ludhiana	
74	Do	M/s Puran Chand Karnail Chand Press Reporter Khanna, District Ludhiana	
75	Do	Shri Arjan Singh, son of Sunder Singh Adda Dakha, District Ludhiana village Ghuman, P. O. Gurusar Sadhar, District Ludhiana	
76	Do	Shri Gurdev Singh, village Nanowal Kalan P.O. Kakrala, Tehsil Samrala, District Ludhiana	
77	Do	M/s Gajjan Singh Banarsi Dass Samrala	
78	Do	M/s Puran Chand Ram, Asra Jagraon	
79	Patiala ..	Shri Hans Raj, Coal Depot Holder, Chowk Kasera, Patiala	Nil
80	Do	Shri Surinder Mohan S.D.H. Gausala Road, Patiala	
81	Do	Shri Darshan Dalip Singh, Arshi Bhawan, Passey Road, Patiala	
82	Do	Shri Avtar Singh Namdar Khan Road, Patiala	
83	Do	Shri Jagan Nath, Sanaur ..	
84	Do	Shrimati Bachiri Devi, Rajpura Township ..	
85	Do	Shri Mohinder Singh, c/o Hira Bus Services. Gobindgarh	

Serial No.	Name of District	Name of the party with address	Number of Harijans amongst the parties in column No. 3
1	2	3	4
86	Patiala	M/s Shadi Ram -Muni Lal Commission Agent, Doraha	Nil
87	Rohtak ..	Shri Sher Singh, son of Amin Lal Chammar, V. & P. O. Rayya, Tehsil Jhajjar, District Rohtak	One (87–88)
88	Do	Shri Partap Singh Malik, son of Ch. Fateh Singh, Village Mirzapur Kheri, Tehsil Gohana District Rohtak	
89	Sangrur ..	Shri Baldev Krishan, son of Pt. Parmeshwari Dass Sharma, Malerkota	Nil
90	Do	Tarlok Chand, son of Shri Chakha Ram Lehar-gaga, Tehsil Sangrur	Do
91	Simla ..	Sabathu Mulitpurpose co-operative society Sabathu	Do
92	Do	M/s Des Raj and Sons, Kasauli ..	Do
93	Gurdaspur ..	M/s Bashanker Dass Joshi Sudershan Kumar, Pathankot	Do
94	Do	M/s Vidya Rattan Kishan Chand Dass, Pathan-kot	Do
95	Do	Shri Mulakh Raj Qadian ..	Do
96	Do	Shri Nand Lal, Dina Nagar ..	Do
97	Do	Shri Lajwant Rai, Kalanaur ..	Do
98	Do	Shri Sharam Singh, Batala ..	Do
99	Bhatinda ..	Shri Sat Pal Kapur, Bhatinda ..	Do
100	Gurgaon ..	Shri Arya Muni Coal Depot Holder, Soham ..	Do
101	Do	Shri Dip Singh Coal Depot Holder, Ballabgarh	Do
102	Do	Shri Gobind Ram Seth, Depot Holder Farida-bad	Do
103	Do	H. L. Bali, Coal Depot Holder, Faridabad ..	Do
104	Do	Shri Raghbit Singh, Coal Depot Holder, Taruru	Do
105	Narnaul ..	Nil	Do

ANNEXURE II

Brick Kilns

Serial No.	Name of the District	Name of the party with address	Number of Harijans amongst the parties in column No. 3
1	2	3	4
1	Amritsar ..	M/s Kala Ghanupur Co-operative Society, Kala Ghanupur, District Amritsar	Nil
2	Do	Butani Brick Kiln Co-operative Society Butani, District Amritsar	Do
3	Do	M/s Brick Kiln Industrial Society Nagoke, District Amritsar	Do
4	Do	M/s Tara Singh Santokh Singh, Khem Karan	Do
5	Do	Shri Uttam Singh, Ram Dass, District Amritsar	Do
6	Do	Shri Ram Singh, son of Assa Ram, Jandiala ..	Do
7	Do	M/s Thatha Gharyala Co-operative society, Gharyala, District Amritsar	Do
8	Do	M/s Prem Nath, Tulsi Ram Gurbachan Singh Gehri, District Amritsar	Do
9	Ambala ..	Nil	Do
10	Ferozepore ..	Shri Raghbir Singh Nayyar village Lahkake Behram, District Ferozepore	Do
11	Do	Shri Dina Nath Aggarwal, Makhu Bandia, District Ferozepore	Do
12	Do	Shri Gopal Chand Aggarwal, village Samadh Bhai, Moga, District Ferozepore	Do
13	Fazilka ..	Shri Barkat Ram Kamra, son of Shri Behari Lal Kamra, Muktsar	Do
14	Do	M/s Khaiali Ram-Inder Mohan, Abohar ..	Do
15	Do	Shri Rajinder Nath Ahuja, Ferozepore Cantt.	Do
16	Do	M/s Sant Ram-Sohan Lal, Abohar ..	Do
17	Do	Shri Kanshi Ram, son of Shri Jaimal Ram, Abohar	Do
18	Do	Col. Nau Nihal Singh Manu, Janter Manter Road, New Delhi	Do

Serial No.	Name of the District	Name of the party with address	Number of Harijans amongst the parties in column No. 3
1	2	3	4
19	Hissar ..	M/s Hans Raj-Raj Kumar, Village Dharrul, Tehsil Hissar	Nil
20	Do	M/s Devi Dayal -Tek Chand, Village Ram Nagria, Tehsil Sirsa	Do
21	Do	M/s Mangal Sain-Jai Lal, Jind Road, Hansi ..	Do
22	Do	M/s Nihal Singh-Mahabir Parshad, near Railway crossing, Hissar	Do
23	Do	M/s President Oustees Committee village Nauberi P. O. Dharsul	Do
24	Do	M/s Gupta Construction Co., Mandi Dabwali	Do
25	Do	Shri Amin Lal, son of Shri Mat Ram, Sarpanch Barnala	Do
26	Do	Shri Jaswant Singh, son of Kania Singh, Village Kullanwali	Do
27	Do	M/s Ramel Dass-Roshan Dass Gardhi Bhaman Fatehbad	Do
28	Do	M/s Ram Dhan, son of Jaimal Chamar, Village Malikpur No. I, Thesil Hansi	Do
29	Do	Shri Sansar Bhushan, son of Des Raj, Ellanabad	Do
30	Do	M/s Ram Kishan Som Nath, Sirsa ..	Do
31	Do	Kiriwala Brick Kiln production cum-sale Co-operative Industrial Society, Kariwal	Do
32	Do	M/s Amar Singh and Co., Shiv Niwas opposite Income Tax Office, Hissar	One
33-34	Do	Shri Suraj Bhan Bhupal, Bhadra Bazar, Sirsa	Do
35	Hoshiarpur ..	Nil	Nil
36	Jullundur ..	M/s Doaba Engineering Corporation Kapurthala	Do
37	Do	Shri Daulat Ram, Village Najjran , Tehsil Jullundur	Do
38	Do	Shri P.R. Khanna, Phagwara Gate, Jullundur	Do
39	Karnal ..	Shri Chuni Lal Narang, Panipat, District Karnal	Do
40	Do	The Kaithal Building Service Co., Kaithal ..	Do
41	Do	Shri Iqbal Singh, son of Shri Sunder Singh , Shahbad	Do

Serial No.	Name of the District	Name of the party with address	Number of Harijans amongst the parties in column No. 3
1	2	3	4
42	Karnal	Shri Surat Singh, Village Ranwar, District Karnal	Nil
43	Do	Shri Pritam Singh, Nilokheri ..	Do
44	Do	Shri Kalilash Chander Tiwari, Kaithal ..	Do
45	Do	Giani Labh Singh Pakhar Village Cheeka, District Karnal	Do
46	Do	Shri Kundan Lal, Viz., Panipat ..	Do
47	Do	M/s Kaithal Brick Kiln Production Co-operative Society, Kaithal	Do
48	Do	M/s Mohinder Singh Pushkar Datt Sharma, Thanesar, District Karnal	Do
49	Kangra ..	Nil	Do
50	Kulu ..	Do	Do
51	Patiala ..	Do	Do
52	Sangrur ..	Do	Do
53	Simla ..	Do	Do
54	Gurdaspur ..	Shri Raghbir Singh, Gaunspura, Batala ..	Two (for Nos. 54 to 59)
55	Do	M/s Surjan Singh-Banarsi Lal, Village Dharowali	
56	Do	M/s Dharma and Co., Village Tibbar ..	
57	Do	Shri A.C. Pathania Village Lamini ..	
58	Do	M/s Wasawa Ram, & Co., Gurdaspur ..	
59	Do	Shri Chaman Lal, Gurdaspur ..	
60	Bhatinda ..	Shri Sant Ram Vakil, c/o M/s. Tilak Ram Makhan Lal Nai Basti, Gali No. 3, Bhatinda	Nil
61	Do	Shri Mohan Lal Dhulliwan, Hospital, Road, Bhatinda	Do
62	Do	Shri Om Parkash Kishori Lal Government Contractor, Bhatinda	Do
63	Do	Shri Harijit Singh, son of Bachittar Singh Talib Mohalla, Faridkot	Do
64	Gurgaon ..	Shri Chaman Lal Brick Kiln owner, Gurgaon	Do
65	Do	The New Construction Co., Brick Kiln, Faridkot	Do
66	Do	M/s Baldev Raj and Co., Monesar, Tehsil and District Gurgaon	Do

Serial No.	Name of the District	Name of the party with address	Number of Harijans amongst the parties in column No. 3
1	2	3	4
67	Gurgaon	Shri Partap Singh, son of Sher Singh, Village Maibgarh, Tehsil Balabgarh	Nil
68	Do	Shri Shanti Saroop, Villlage Fathuper, Tehsil Ballabgarh	Do
68-A	Do	M/s Inder Pal Rajinder Singh, Village Ajromda Tehsil Ballabgarh	Do
69	Narnaul ..	..	Nil
70	Ludhiana ..	Shri Gopal Singh Khalsa Ex-M.L.A., Ferozepore Road, Ludhiana	One (for 70–74)
71	Do	Shri Om Parkash Tandon, c/o Tandon Cottage, Doraha, District Patiala	
72	Do	Industrial Co-operative Society V. & P.O Bassian, District and Tehsil Ludhiana	
73	Do	Large Mangat Co-operative Society Village Mangat, Tehsil and District Ludhiana	
74	Do	M/s Gurdial Singh Pritam Singh, Ludhiana ..	
74-A	Rohtak ..	Shri Raj Paul, son of Shri Kehri Singh, Village Chhara, Tehsil Jhajjar	Do
75	Do	Shri Bhagwan Dass, Qilla Road, Rohtak ..	Do
76	Do	M/s Akheri Madan pur Harijan Co-operative Society, Akheri, Madanpur	One (for 76–79)
77	Do	Shri Nand Lal, Jait, 15 Model Town, Sonepat ..	
78	Do	M/s Ved Parkash Dharam Singh Village Kanehli	
79	Do	Shri Prabha Ram Village Kaloi, Tehsil Jhajjar	
80	Do	M/s Haryana House Building Co-operative Society, Sonepat	
81	Do	Shri Behari Lal Batra House No. 2-B, Sector 18-A, Chandigarh	

12832 PVS—350—8-10-61—C.P. & S.Pb., Chandigarh.

Punjab Vidhan Sabha Debates

25th February, 1961

Vol. I, No. 10

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Price: Rs. 0.65 nP.

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, NO. 10, DATED THE 25TH FEBRUARY, 1961.

Read	*for*	*on page*	*li*
Cheers	che ers	(10)14	
Resources	Re ources	(10)15	

PUNJAB VIDHAN SABHA

Saturday, the 25th February, 1961

The Vidhan Sabha met in the Assembly Hall, Sector 10, *Chandigarh, at* 9.30 *a.m. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Gurdial Singh Dhillon) in the Chair.*

PRESENTATION OF THE BUDGET ESTIMATES FOR THE YEAR 1961-62

Minister for Finance (Dr. Gopi Chand Bhargava) : Sir, I rise to present the Budget for the year 1961-62.

Economic Conditions

2. At the outset I wish to place before the Honourable Members some important facts relating to the economic conditions in the State. The rising trend of prices which started in 1957, continued its upward course during the year 1960 as well but with the rate of increase comparatively slackened. The average general wholesale price index number for Punjab for the year 1960 with October—December, 1949, as the base, stood at 114.6 as against 111.8 for the year 1959 representing a rise of 2.5 per cent. As against this, the average index for 1959 was higher by 7.3 per cent than that for the preceding year. This index fluctuated within fairly narrow limits during the last two years from January, 1959, to December, 1960, the lowest level touched being 108.5 in May, 1959, and highest 116.6 in July, 1960. The All-India Index Number of wholesale prices of all commodities with 1952-53 as the base also exhibited somewhat similar trend, the average wholesale price index for the first ten months of 1960 being 122.4 as against 115 for the corresponding period of the previous year.

A peculiar feature of the price rise in 1960 was that the agricultural commodities played practically no part in the rise. The index of wholesale prices of agricultural commodities which is dominated by the prices of foodgrains, with 1952-53 as the base, worked out to 111.9 for the year 1960 as compared to 122.3 for 1959. The main reason for the decline in average prices of agricultural commodities during the year 1960 was that the production of Kharif crops of 1959-60 was considerably higher as compared to 1958-59. This prevented an undue rise in the prices of foodgrains which generally takes place in January—March. The average index of agricultural prices for January—March was 140.8 in 1959 as against only 113.4 in 1960. There was a decline in the production of Rabi food crops, but its effect was, to some extent, off set by higher production of Kharif crops and the announcement in May, 1960, of an agreement between the Governments of U.S.A. and India under which the former would supply 16 million metric tons of wheat and one million metric tons of rice to India over a period of four years. This liberal policy of food import adopted by the Government of India had its repercussions on the stockists and holders in the State which resulted in larger arrivals of wheat in the Mandis.

[Minister for Finance]

These trends in wholesale prices were also reflected in the Working Class Consumers Price Index Numbers compiled for some of the industrial urban centres in the State. The average Consumers' Price Index Number for the first ten months of 1960 for Ludhiana was 101.7 as against 102 for the corresponding period of 1959 which indicates that the average level of the general index was almost the same during the two years. The food group of the index, however, showed some decline, the average index having fallen from 102 to 99.2.

Agricultural production which had recorded a substantial rise in 1958-59, declined in 1959-60. This decline in production was, however, confined mostly to Rabi foodgrains like wheat, barley and gram. The total production of foodgrains including pulses was 57.7 lakh tons in 1959-60 as against 63.6 lakh tons in 1958-59. Considerable damage was also caused to the Kharif crops during the year 1960-61 by the floods in some parts of the State. Production of sugarcane and cotton, however, showed an upward trend and rose to 843 thousand tons and 769 thousand bales in 1959-60 from 709 thousand tons and 722 thousand bales in 1958-59, respectively.

Industries in the State also made progress during the year 1960. Considerable increase in production was registered in sugar, cement, paper and cycle industries. The production of sugar during 1959-60 season was higher by 17 per cent as compared to the previous season and that of cement, paper and bicycles during the first six months of 1960 was higher by 12.1, 8.5 and 7.7 per cent respectively as compared to the production during the corresponding period of the previous year. The rise in the production of sports goods and scientific and surgical instruments was also noticeable. The cotton textiles also maintained steady progress. The woollen textile industry, however, continued to face a persistent shortage of woollen yarns.

Significant progress has also been made by the Khadi and some other village industries, with the implementation of schemes undertaken by the State Khadi and Village Industries Board. The aggregate value of sales of Khadi effected by the recognised Khadi institutions increased from Rs 121.08 lakhs in 1958-59 to Rs 197.67 lakhs in 1959-60. During the first eight months of the current year, the aggregate value of sales amounted to Rs 143.23 lakhs. Progress was also recorded in the production of silk cloth. There has also been considerable improvement in other village industries as a result of the technical and financial assistance provided by the Board.

No reliable figures of unemployment are at present available, the only figures available being those relating to the number of persons on the Live Registers of Employment Exchanges. Although these figures provide some indication of the unemployment situation in the State, they have to be interpreted with caution because all unemployed persons do not necessarily get themselves registered in the Employment Exchanges and some employed persons also get themselves registered for improving their prospects. According to these figures, average number of persons on Live Registers of the Employment Exchanges in the State during January to September, 1960, was 61,600 being about 6,000 more than the figure for the corresponding period of the last year. It may, however, be

mentioned that the rate of increase in the number of persons on the Live Registers of Employment Exchanges during the first nine months of 1960, as compared to the corresponding period of the previous year, was considerably less than the rate of increase noticed in the earlier years.

Budget

3. Before dealing with the Budget Estimates for the ensuing year, I would like to state briefly the financial position as disclosed by the Accounts for the year 1959-60 and the Revised Estimates for 1960-61. For detailed information Honourable Members may kindly refer to the comprehensive Memorandum of the Finance Secretary.

Year 1959-60 (Accounts)

4. According to the Accounts, the year 1959-60 has closed with a book balance of Rs 594 lakhs as against Rs 80 lakhs anticipated in the Revised Estimates. There was thus an improvement of Rs 514 lakhs in the balances, made up of—

		(*In lakhs of rupees*)
Revenue Account	..	+537
Capital Expenditure (Net)	..	+262
Loans and Advances (Net)	..	+875
Public Debt (Net)	..	—204
Contingency Fund	..	—13
Unfunded Debt (Net)	..	+9
Deposits and Advances and Remittance Transactions	..	—952
Total	..	+514

These variations are explained in detail in the Finance Secretary's Memorandum. There was also an improvement of Rs 292 lakhs in our investments comprising Rs 300 lakhs in Treasury Bills offset by maturity of Securities to the extent of Rs 8 lakhs.

Year 1960-61 (Revised Estimates)

Revenue Account

5. In the Budget Estimates for the year 1960-61, as presented to the Legislature, Revenue Receipts were placed at Rs 59,42 lakhs and Revenue Expenditure at Rs 57,73 lakhs, showing a surplus of Rs 169 lakhs. In view, however, of the decision to abolish Electricity Duty in the case of industrial concerns which had installed their own generators for the production of power for their own use, it was estimated that there would be a loss of Rs 9 lakhs in revenue, thus reducing the surplus to Rs 160

[Minister for Finance]

lakhs. This amount was likely to be further reduced as a result of relief proposed to be given to the dealers making purchases of certain commodities liable to Purchase Tax. Purchase Tax has since been abolished on all items liable to it except cotton, oilseeds and resin. This is estimated to result in a loss of about Rs 8 lakhs in revenue. The year 1960-61 was, therefore, expected to close with a revenue surplus of Rs 152 lakhs.

According to the Revised Estimates now framed, however, the Revenue Receipts are anticipated at Rs 61,01 lakhs and Revenue Expenditure at Rs 62,56 lakhs, showing a deficit of Rs 155 lakhs.

Important variations in Revenue Receipts and Revenue Expenditure are—

Revenue Receipts		*(In lakhs of rupees*	*Revenue Expenditure*		*(In lakhs of rupees)*
Taxes on Income	..	+148	Insterest	..	+96
Land Revenue	..	—62	Jails	..	+14
Stamps	..	+22	Police	..	+14
Sales Tax	..	+96	Education	..	—78
Other Taxes and Duties	..	+25	Medical	..	—17
Irrigation	..	+27	Agriculture	..	—13
Education	..	—47	Interest on Capital Outlay on Multipurpose River Schemes		+58
Agriculture	..	+27			
Multipurpose River Schemes		—84	Famine	..	+544
Miscellaneous— Transport —8, Others +97		+89			
Grants-in-aid from Central Government	..	—141			
Extraordinary Receipts	..	+47			

It would thus be observed that the expenditure under the Head "Famine" is estimated to go above the original provision by the colossal amount of Rs 5.44 crores. This is due to the heavy expenditure which we had to incur for relief in various forms to the sufferers from floods,

heavy rains and hailstorms during the year. It is this item which is responsible for converting an estimated revenue surplus of Rs 152 lakhs into a deficit of Rs 155 lakhs, despite a substantial increase in Revenue Receipts.

Capital Expenditure

6. Capital Expenditure shows a drop of Rs 725 lakhs, the Revised Estimates being Rs 22,84 lakhs as against Rs 30,09 lakhs provided in the original Budget. The heads responsible for the decrease are (i) Irrigation Works (Rs 706 lakhs), (ii) Government Trading Schemes (Rs 59 lakhs) and (iii) Pensions (Rs 4 lakhs). This decrease of Rs 769 lakhs is offset to the extent of Rs 44 lakhs on account of increased expenditure under Civil Works.

Loans and Advances

7. According to the original Budget, Advances were estimated at Rs 15,39 lakhs and Recoveries at Rs 604 lakhs, showing a net debit of Rs 935 lakhs. The Revised Estimates, however, show Advances at Rs 20,74 lakhs and Recoveries at Rs 653 lakhs, resulting in a net debit of Rs 14,21 lakhs. The increase of Rs 486 lakhs in the net debit is due to grant of advance to (i) Agriculturists and others who suffered losses as a result of damage caused by hailstorms, heavy rains and floods during the year (Rs 429 lakhs), (ii) State Electricity Board to enable them to meet the ever-increasing demand of the public for the supply of power both in urban and rural areas (Rs 80 lakhs), (iii) Government servants for festivals, purchase of wheat, khadi hundis, etc. (Rs 95 lakhs) and certain other schemes (Rs 45 laksh). This increase of Rs 649 lakhs is offset to the extent of Rs 163 lakhs by lesser advances for the purchase of fertilizers (Rs 93 lakhs), conversion of handlooms into powerlooms (Rs 21 lakhs) and larger recoveries (Rs 49 lakhs).

Public Debt

8. Under Public Debt, a net credit of Rs 30,62 lakhs was taken in the original Budget in respect of loans to be received from the Central Government and the Reserve Bank of India. Against this, a net credit of Rs 17,61 lakhs is now anticipated. The decrease of Rs 13,01 lakhs in the net credit is due to lesser loans anticipated under Small Saving Collections (Rs 200 lakhs), Beas Dam Project (Rs 566 lakhs), Fertilizers (Rs 91 lakhs), Minor Irrigation (Rs 87 lakhs), Bhakra-Nangal Project (Rs 52 lakhs) and Industries and Power looms (Rs 31 lakhs) as counterbalanced to the extent of Rs 180 lakhs by larger loans expected to be received for Miscellaneous Development Schemes (Rs 156 lakhs) and Flood Control Works (Rs 24 lakhs) and an increase of Rs 454 lakhs in repayments to the Government of India on account of payment of arrears of Rehabilitation loans, loans for Pepsu Development Board, etc.

Debt, Deposits and Remittances

9. Debt, Deposits and Remittance Transactions show a credit of Rs 16,47 lakhs in the Revised Estimates as against Rs 674 lakhs in the original Budget. This improvement is mailny due to additional rediscounting of Treasury Bills.

[Minister for Finance]

Year 1961-62

10. The Budget proposals for the year 1961-62, as compared with the Revised Estimates for the year 1960-61, show—

Estimates

		Revised Estimates, 1960-61 (*In lakhs*	*Budget Estimates,* 1961-62 *of rupees*)
(i) Opening Balance—			
(a) According to books	..	5,94	+1,55
(b) Investments in—			
(i) Securities	..	6,30	5,47
(ii) Treasury Bills	..	18,00	3,50
(ii) Revenue Account—			
Revenue Receipts	..	61,01	63,77
Revenue Expenditure	..	62,56	64,73
Deficit	..	−1,55	—96
(iii) Capital Expenditure	..	22,84	19,94
(iv) Loans and Advances—			
Advances	..	20,74	16,62
Recoveries	..	6,53	7,61
Net	..	−14,21	−9,01
(v) Public Debt (Net)	..	+17,61	+22,83
(vi) Contingency Fund	..	+13	..
(vii) Unfunded Debt (Net)	..	+65	+55
(viii) Deposits and Advances and Remittance Transactions	..	+15,82	+4,08
(ix) Closing Balance—			
(a) According to books	..	+1,55	—90
(b) Investments in—			
(i) Securities	..	5,47	4,89
(ii) Treasury Bills	..	3,50	

11. The Revenue Account thus shows Receipts at Rs 63,77 lakhs and Expenditure at Rs 64,73 lakhs resulting in a deficit of Rs 96 lakhs as against a deficit of Rs 155 lakhs in the Revised Estimates. The improvement of Rs 59 lakhs over the Revised Estimates in the Revenue Account is due to the Receipts having gone up by Rs 276 lakhs and Expenditure by Rs 217 lakhs. The important heads responsible for these variations are—

Revenue Account

(*a*) *Revenue receipts*

(*In lakhs of rupees*)

Stamps	..	+175
Other Taxes and Duties	..	+34
Interest	..	+62
Multipurpose River Schemes	..	+49
Extraordinary Receipts	..	−52

(*b*) *Revenue Expenditure*

Land Revenue	..	+59
Forest	..	+47
General Administration	..	+52
Police	..	+20
Education	..	+153
Medical	..	+59
Agriculture	..	+45
Animal Husbandry	..	+41
Co-operation	..	+25
Industries and Supplies	..	+69
Labour and Employment	..	+73
Civil Works	..	+57
Transport	..	+23
Famine	..	−505

12. Capital Expenditure has been estimated at Rs 19,94 lakhs as against the Revised Estimates for the current year of Rs 22,84 lakhs, showing a drop of Rs 290 lakhs which occurs under Irrigation Works (Rs 15 lakhs), Chandigarh Capital (Rs 66 lakhs), Multipurpose River Schemes (Rs 140 lakhs), Transport (Rs 35 lakhs) and Government Trading Schemes (Rs 147

Capital Expenditure

[Minister for Finance]

lakhs). This drop of Rs 403 lakhs is counterbalanced to the extent of Rs 113 lakhs by increased expenditure under Industrial Development (Rs 57 lakhs), Civil Works (Rs 48 lakhs), Rail-Road Co-ordination Scheme (Rs 4 lakhs) and Pensions (Rs 4 lakhs).

Loans and Advances

13. Advances amount to Rs 16,62 lakhs against which Recoveries of Rs 761 lakhs are expected. The items of Advances mainly include advances for cultivators (Rs 463 lakhs), Housing loans (Rs 68 lakhs), National Water-supply and Sanitation (Rs 36 lakhs), Loans to Government servants (Rs 38 lakhs), State Electricity Board (Rs 874 lakhs) and other loans (Rs 183 lakhs).

Public Debt

14. Under Public Debt, loans expected to be received are estimated at Rs 29,45 lakhs as against the repayments of Rs 662 lakhs, showing a net credit of Rs 22,83 lakhs.

Second Five-Year Plan

15. The ceiling of the Second Five-Year Plan for the integrated State was placed at Rs 162.68 crores against Rs 48,00 crores to be spent in the public sector for the country as a whole. Pursuant to mid-plan appraisal of financial resources, however, the effective ceiling of the country was later reduced to Rs 45,00 crores which brought down the ceiling for this State to Rs 152.68 crores. Against this, the total expenditure incurred during the first four years, i.e., from 1956-57 to 1959-60 amounted to Rs 115.46 crores. The provision according to the revised estimates for 1960-61 stands at Rs 36.19 crores and assuming that it will be fully utilised, the Second Plan performance of the State is likely to be of the order of Rs 151.65 crores. Comparing the actual performance with the Plan ceiling as originally visualised it would be over 93 per cent. The original ceiling of Rs 162.68 crores, in fact, included Rs 232.54 lakhs for Village and Khadi Industries schemes, expenditure on which has not been reflected in the performance figures as the funds are not routed through the State Budget. If this amount is excluded, the performance will be over 94 per cent.

For financing a Plan of the order of Rs 151.65 crores the State Government had to make much greater efforts than those envisaged in the first instance. According to the original scheme of phasing the State resources were assessed at Rs 46.10 crores, but against this the State contribution is likely to be Rs 67.77 crores even though the total outlay during the Second Plan period is, as indicated above, lower than the original estimate of Rs 162.68 crores.

Third Five-Year Plan

16. So far as the Third Plan is concerned, we had originally proposed an outlay of Rs 298 crores, but after discussions with the Planning Commission the outlay for the State has been fixed at Rs 231.40 crores. For financing a Plan of this order Rs 97.40 crores are to be provided from our own resources and the balance, i.e., Rs 134 crores would be provided by the Government of India by way of central assistance. According to the phasing of the outlay on the Third Plan indicated by the Government of India the outlay during the year 1961-62 is to be 14-15 per cent of the total for the entire Plan period. The central assistance promised to us for the year, therefore, is placed at Rs 19.50 crores which works out to

Rs 14.8 per cent of the central assistance of Rs 134 crores promised to the State for the entire Plan period. With our proportionate 14-15 per cent share from Rs 97 crores to be made available from our own resources our Plan ceiling would have amounted to Rs 33.6 crores. This would, however, have given rise to an anomalous position as this ceiling would have been lower than the Plan for the current year, viz., Rs 36.49 crores and would not be adequate for meeting the pressing needs of the various departments particularly for spill-over projects like the Left Bank Power Plant at Bhakra which are well under way. In view of this and having regard to the fact that the pace of development set in the first year of the Plan will be of crucial importance for our eventual performance in the Plan period as a whole, we have decided to make a greater effort out of our own resources and the Plan for the ensuing year has, therefore, been fixed at Rs 39.18 crores. To finance this, Rs 19.50 crores will be made available by the Government of India and the balance will be met from the State's own resources.

17. Hitherto, it has been customary to review, briefly, the activities of the various departments at the time of the presentation of the budget.

Some Special Features

With a view, however, to acquainting the Honourable Members more fully with the achievements of the departments during the Second Plan period and the directions in which the future progress is contemplated, a booklet entitled "Punjab on the March" containing the necessary details has been circulated separately along with a booklet entitled "Budget at a Glance" and the "Statistical Abstract of Punjab, 1960". I do not, therefore, propose to burden this statement with the details of what is proposed to be done in the ensuing year and would refer only to some important features which deserve special mention.

Agriculture.—In the sphere of agriculture, there are two schemes, viz., "Crop Insurance Scheme" and "Intensive Agricultural District Programme" commonly known as "Package Programme" which deserve special mention. The fate of the cultivator is subject to many natural calamities and vicissitudes of weather over which he has no control. To protect the farmer against unforeseen contingencies it has been decided to introduce the scheme of Crop Insurance which is being taken up for the first time in the entire country (*cheers*). To begin with, four crops, namely wheat, gram, cotton and sugarcane will be covered by the scheme and six centres, each comprising a Community Development Block will be selected. The number of blocks to be covered will be increased to 9 in the second year and to 12 in the third year. Insurance premium at prescribed rates would be recovered along with the land revenue from the cultivators. In the event of the insured crops suffering losses beyond certain prescribed limits the cultivator will be allowed compensation commensurate with the losses sustained. An expenditure of Rs 8.94 lakhs is estimated to be incurred on this scheme during the ensuing year.

The Package Programme, which is being introduced in the Ludhiana District in view of the existence there of the Agriculture College and Research Institute, has been designed to increase food production as also the income of the farmer in the shortest possible time by a proper farm management and the maximum utilisation of resources at his command. A provision of Rs 25.92 lakhs including Rs 10 lakhs under Minor Irrigation has been made for this scheme in the budget for 1961-62.

[Minister for Finance]

Drainage and Anti-water logging.—The problem of excess water, both above the surface of the ground and below having assumed alarming proportions in certain regions of the State, the State Government have embarked upon a comprehensive programme for flood protection, drainage and anti-waterlogging. Work on 265 miles embankment and other subsidiary protection works along the Ravi, Beas and Jumna rivers have been completed during the Second Plan period and so has the work of first stage of 1825 miles length of drains, the important drains being Kasur Nallah, Hudiara Nallah, Patti Nallah, Sukkar Nallah, Dagroo Drain, Moga Drain, Basian Drain Sohna Drain, Bahahadursinghwala, Dhuri, Indri Drain, Main Drain No. 2 and Nai Nallah. Thus lakhs of acres of area have been saved from being flooded as a result of the execution of these works. Apart from providing subsidiary protection works to the embankments already constructed to hold them against river action, first stage work on about 400 miles length of drains would be completed before the monsoons of the year 1961 (*Cheers*) (*hear hear*) and beside enlarging the capacity of these drains work on a number of additional drains would be taken up in the ensuing year. Moreover, to relieve the State from waterlogging menace anti-waterlogging schemes have been launched in Hansi, Sangrur, Sunam, Fazilka, Zira and Amritsar area and it is anticipated that most of the work on these schemes would be completed before the monsoons of 1962. An expenditure of Rs 256.63 lakhs is proposed to be incurred during the ensuing year on the various schemes under the programme for flood protection, drainage and anti-waterlogging.

Multipurpose Projects.—The year 1961-62 will see the completion of the Bhakra Dam and the commencement of the work on the construction of the Beas Project, which is in the nature of a successor project to the former in magnitude and complexity. This project mainly comprises two units, namely units No. I and II. Unit No. I aims at transferring a part of the Beas supplies into the Sutlej for increasing the power production from the additional generating units to be installed at Daher where the water from the Beas will fall about 1,000 feet into the Sutlej. This will also result in increased power generation at Bhakra and additional irrigation in the State. Unit No. II comprises a 325 feet earthen dam with a live storage of 5.5 million acre feet at Pong on River Beas about 25 miles from Mukerian and a Power Plant at the same place at the toe of the Dam with installed capacity of about 150 M.W.

Power.—Power being in a State like ours the mother industry from which alone other industries, including the modernisation of agriculture, can flow our Power plan is considered to be of crucial importance. The power schemes for the ensuing year envisage an expenditure of Rs 10,74 lakhs and it is estimated that the combined firm generating capacity of all the Power Houses including the Hydel Stations at Bhakra, Jogindernagar, Ganguwal and Kotla and a few small Diesel and Steam Power Houses at other places will go up from 248,000 k.Ws. on 31st March, 1961 to 419,000 k.Ws. by the end of 1961-62. (*Cheers*). Besides completing the electrification of practically all towns in the State about 2,300 villages have already been electrified and another 500 villages are expected to be electrified by the end of 1960-61 (*Cheers*). During the year 1961-62 another 450 villages are expected to be electrified (*Cheers*).

Industries.—In the field of Industries, the Punjab now holds an almost unrivalled position in India so far as small-scale industries are concerned. (*Cheers*) A more concerted effort is proposed to be made for the promotion of industrialisation in rural areas. (*Hear hear*). Moreover, the provision of Rs 202,51 lakhs for Industries in the Budget for the ensuing year includes provision for the establishment of certain large-scale factories based upon the State's natural resources for which the capital investment will partly be contributed by the State Government either on participation basis with private enterprise or through advancement of loans to Co-operative Societies. New textile mills and sugarcane factories are also proposed to be set up in the co-operative sector for a more economic outlet for the available surpluses of our cotton and sugarcane crops. Likewise, a Newsprint Mill based upon the soft wood resources of the State's forests and a cement factory to consume the limestone deposits of the Kangra District will be established (*Cheers*) Alarge paper mill based on bagasse will also be set up at Panipat (*Cheers*).

Education.—In the sphere of Education, we have already allowed, as Honourable Members are aware, free education in Government institutions up to the 8th class and in flood-affected areas up to the 10th class. From 1st April, 1961, education will be free in the 9th class in all Government Girls High and Higher Secondary Schools in the State. (*Cheers*) Moreover, poor students in the 9th class of the Government High and Higher Secondary Schools for Boys, the income of whose parents is below 100, will be given half-fee concession. (*Cheers*). This will result in loss of revenue to the extent of Rs 12.87 lakhs in 1961-62.

We have also decided to launch upon the scheme of free and compulsory primary education for the age-group 6—11 years throughout the State except the district of Lahaul and Spiti with effect from the beginning of the next academic session. During the ensuing year the age-group 6-7 years will be covered by the scheme and one additional year would be covered in each successive year so that by the end of the Third Plan period primary education will be compulsory for all children in the age-group 6-11 years (*Cheers*). The scheme will require funds to the tune of Rs 492.93 lakhs during the Third Plan period and a provision of Rs 34.44 lakhs has been made for the scheme in the Budget for the ensuing year.

I may also mention that recently two Public Schools have been located in the Punjab and two more are under consideration. One of these is the King George Indian Military School run by the Government of India which has been located in the accommodation made available by the State Government at a nominal rent at Chail. The second school, the Punjab Public School, is run by the Post-War Services Reconstruction Fund Trust and has been located at Nabha. The State Government has made available to the school the Secretariat and Guest House buildings at Nabha without any rent. Similarly, the Old Secretariat Building at Nabha is to be made available by shifting the Government employees at present occupying residential sets in that building to five houses under construction under the Rental Housing Scheme. Two of these houses are to be built during the current financial year and the remaining three during the next financial year, i.e., 1961-62. Thirty-nine acres of land are also being provided to the school for play-grounds and Dairy Farm, etc. In addition, the State Government has given an *Ad hoc* grant of Rs 10 lakhs to the school during the current financial year for repairs, renovations,

[Minister for Finance]

etc., to the existing buildings and construction of a Gymnasium, Swimming Pool, purchase of furniture and fixtures, etc. Some time ago the Defence Minister, Government of India, showed willingness of the Defence Department for the location of a Sainik School in the Punjab under the Ministry of Defence. The State Government has proposed that this shcool should be located at Jhajjar in District Rohtak (*Cheers*) which has the largest number of ex-servicemen and serving soldiers in Ambala Division. The State Government has also requested the Defence Minister to agree to the location of another Sainik School in the Jullundur Division and a suitable location is being looked for (*Cheers*). The Defence Minister, Government of India, is expected to visit Jhajjar on the 26th February, 1961, to decide about the location of a Sainik School there. It is expected that the matter will be decided shortly. In case the location of the School at Jhajjar is approved by the Government of India, the State Government will make available a sum of about Rs 4 lakhs and 100 acres of land by public contribution and an *Ad hoc* grant of Rs 10 lakhs as given in the case of the School at Nabha (*Cheers*).

Panchayats.—As Honourable Members are aware, the colossal task of holding second general elections to the Panchayats has been completed successfully. As a result of these elections 18,832 members of the Scheduled Castes have been elected as sarpanches and panches and as women panches were not returned in sufficent numbers, 13,350 women have been co-opted as panches to make up the deficiency (*Cheers*). Women and Harijans will thus be able to play their part in the work of the Panchayats and we are sure that they will make a very useful contribution in this work. The Budget for the ensuing year includes a provision of Rs 43 lakhs as grants to the Panchayats where all the panches including sarpanch or the sarpanch or the rest of the panches were elected unopposed, beside their normal share of land revenue.

Now in conformity with the national policy to establish Panchayat Raj, Block Samitis at Block level and Zilla Parishads at District level will be set up. Thus, with the establishment of three-tire system, the Panchayats at village level, the Samitis at Block level and Zilla Parishads at District level, the Panchayat Raj would come into full swing and the new pattern of administration would emerge where the people themselves, through these institutions, would be responsible for the planning and execution of Community Development Programme and thus play a vital role in making the Plan programme a success.

Capital Project.—The Capital Project at Chandigarh is steadily progressing towards completion. It is gratifying to observe that the Central Government has taken an important decision to locate a Cantonment and an Air Force Station at Chandigarh and to shift the Research unit of the Central Research Institute at Kasauli to this place (*Cheers*).

Sports.—The youth of Punjab are the pride of India (*Cheers*) and have brought great credit and honour to the State and glory for the country in various international meets in the fields of athletics and sports in the past. With a view to providing greater facilities and training to them it has been decided to spend a larger sum of money during the next year on sports activities. A college and a school with emphasis on games and sports are proposed to be set up to serve as a nursery for future athletes and

sportsmen (*Cheers*). Moreover, it has been decided to set up a Gliding Club and a Flying club (*Cheers*) at Chandigarh in the ensuing year to make our young men and women air-minded and thus be able to take their proper place in the Air Wing of the Defence Services. (*hear, hear*) Of equal importance is our scheme for encouraging "Mountaineering" (*Cheers*) in the State for which a sum of Rs 2 lakhs has been set apart. It is expected that Punjab, already known for its vigour and physical fitness will, in keeping with its past traditions, shine out further with the provision of adequate coaching facilities, playgrounds and stadia in its villages and towns during the Third Plan period (*Cheers*).

Police Commission.—I might also mention that we have recently set up a Commission called the "Punjab Police Commission. 1961" with Shri Mehar Chand Mahajan (*Cheers*), retired Chief Justice of the Supreme Court of India, as its Chairman and Additional Inspector-General of Police as its Member-Secretary to enquire into the various aspects of the police force and its administration in the State and to make recommendations with a view to making the police force more suited to the present democratic set-up. The Commission will have, besides the Chairman and Secretary, certain other Members including Legislators. Its comprehensive terms of reference will also include an examination of the organisation, training and strength of the different ranks of police force in the State for preventing breach of peace, maintaining public order and investigation and detection of the crime as also the question whether the police force set up for rural areas is effective in the performance of the police duties in those areas and whether any changes are necessary in its strength, organisation, training and conditions of service. It will also examine how in the context of village Panchayats functioning all over the State the efforts of the district and rural police and those of the village Panchayats can be integrated in detecting crime (*Cheers*). It would also look into and recommend if in view of the public criticism in recent times against firings by the police the use of fire-arms by the police should be totally excluded and if not, the nature of the circumstances and conditions in which it should be allowed. The Commission is expected to conclude its labours during the next year.

Concessions to employees

18. As the Honourable Members are aware, the Government have, from time to time, been allowing various concessions to its employees, by improving their pay-scales, etc. During the current year, Government have raised the pay-scales of various categories of their employees, namely, Lecturers in the Education Department, Instructors, Supervisors, Foremen of the Industries Department, Drivers of Government vehicles, Midwives from erstwhile Pepsu in the Health Department, Record-Lifters in all the State Departments, Head Warders, Warders and certain categories of technical posts such as Tailor Master, Leather Master, Carpenter Master, Blacksmith, etc., in the Jail Department which have been brought at par with their counterparts in the Industries Department. In particular, the State Government have sanctioned an *ad hoc* increase of Rs 5 per mensem in the pay of Sweepers working in Government offices (*Cheers*),

Government have also decided to give certain concessions in the form of retirement benefits, leave, travel concessions, etc., to its employees in view of the decision taken by the Government of India in respect of their

[Minister for Finance]

employees on the recommendations of the Pay Commission. To specifically mention the retirement benefits, these include—

(a) change in the rate of gratuity so as to make the maximum amount available on completion of 30 years' qualifying service instead of 34 years as at present (*Cheers*);

(b) counting of temporary service, when followed by permanency, in full for purposes of pension in all cases ; (*Cheers*) and

(c) allowing of an additional benefit of half-a-year's pension for the purpose of determining the quantum of pension when the total period of qualifying service exceeds completed years by six months or more and allowing the benefit in respect of gratuity as well (*Cheers*).

We have also been considering whether the minimum remuneration payable to our Class IV employees should be increased in view of the fact that the Government of India have, on the recommendations of the Pay Commission, raised the minimum remuneration in the case of their employees by Rs 5 per mensem. It has now been decided to enhance the minimum remuneration of all categories of Class IV employees in the scale of Rs 30—½—35 from Rs 60 to 65 per mensem (*Cheers*) with effect from the 1st April, 1961, by allowing an increase to this extent in the dearness allowance admissible in their case, the additional amount so allowed being invested in Small Savings in their names. This will involve an additional expenditure of about Rs 24 lakhs per annum.

General

19. Honourable Members will recall that while presenting the Budget last year I made a broad analysis of the figures of expenditure on development and social services and indicated that it was increasing progressively so that whereas it amounted to Rs 23,33 lakhs in the last year of the First Five-Year Plan it was estimated to be 34,19 lakhs during 1960-61, the last year of the Second Plan. It is now estimated that this expenditure during the current year would be of the order of Rs 38,20 lakhs and the proposed allotment in the Budget for the ensuing year is Rs 39,55 lakhs. There has thus been a tremendous increase in such expenditure during the Second Plan period owing to the rising tempo of our developmental activities. A perusal of the booklet "Punjab on the March", to which I have already made a reference, would show that we have made all round progress in the various spheres of development—progress of which, I venture to think, any State can be justifiably proud. There can, however, be no room for complacency because, though much has been done, much remains to be done and we cannot rest on our oars. It is a great privilege for us to be associated with the implementation of the development schemes during these formative years for this State (*Cheers*). We have a fine human material in our people and with their responsive co-operation which is forthcoming in full measure there is no reason why we should not, by the grace of Almighty, be able to achieve our objective—the new Punjab of our dreams. (*Cheers*). Let us all join in this might endeavour, with confidence born of of what has been achieved, with faith in our people and with determination to take this State on the road to economic prosperity.

20. As already stated, the Revenue Account for the ensuing year shows a deficit of Rs 96 lakhs. In view, however, of the decisions in regard to the fee concessions in schools and additional dearness allowance of Rs 5 per mensem to Class IV employees to which I have already referred, this deficit will go up by about Rs 37 lakhs. Moreover, with increased emphasis on Panchayat Raj we have felt that the Panchayats should have adequate resources for local development works and it has accordingly been decided to assign the land revenue realised from persons owning 5 acres or less to the Panchayat concerned for such expenditure (*Cheers*). The exact financial implications of this decision have yet to be worked out, but it will take a large chunk off from our resources and make a corresponding addition to the deficit. We, therefore, need additional resources. The brave Punjabis have always responded generously whenever there has been need for additional funds and have contributed a lot towards the development of the State. I am sure that now when all possible resources have to be mobilised for development involving a large measure of sacrifice by the people they will not hesitate to tighten their belts and make as much sacrifice as possible to help us by further contribution in taking the State forward on the road to development. We propose to raise the rate of general sales tax from 4 to 5 per centum with effect from the 1st April, 1961 and also to enhance the entertainment duty by 6 naye Paise per rupee of the payment for admission (*hear, hear*). These measures are expected to yield additional revenue amounting to Rs 120 lakhs and Rs 11 lakhs, respectively, during the ensuing year and reduce the revenue deficit to this extent (*Cheers*). The rest of the deficit will be left uncovered.

Resources for Finance

21. Before I conclude, I would like to convey my thanks to the Members of the Legislature and our people for the help and co-operation so willingly extended by them. I would also like to thank the officers and the staff of the Finance Department who have, with their usual ability and industry, spared no pains throughout the year in the performance of their duties. On this occasion. I have the greatest pleasure in acknowledging the excellent work done by Shri J.S. Basur, our Finance Secretary, who though retiring in November this year, is taking over his new job as a Member of the State Electricity Board in April. His task in the Finance Department has been very arduous indeed, and he not only gave his best to the Department during the period he held its charge but also maintained strict control over Exchequer. Our thanks are also due to Shri P.D. Seth, Accountant-General of the State, for the valuable assistance received from him. The officers and staff of the Government Printing Press who, as in the previous years, did their best to ensure the timely printing of the Budget documents also deserve our gratitude.

Acknowledgement

And now, Sir, I request your leave to present the Budget, 1961-62.

JAI HIND (*Renewed and prolonged Cheers*)

ORDER OF THE GOVERNOR REGARDING REVENUE OF THE MEETINGS OF THE VIDHAN SABHA

Mr. Speaker : Before I adjourn the Vidhan Sabha, I will read out the Order of the Governor fixing the Assembly Chamber as the place for its meetings. I am glad that our distinguished visitor (Shri V.K. Krishna Menon) has seen the Members in their last sitting in this Hall,

[Mr. Speaker]

The Order reads—

"I, Narhar Vishnu Gadgil, Governor of the State of Punjab, in exercise of the powers vested in me by virtue of article 174 of the Constitution of India, do hereby appoint the Assembly Chamber, Sector 1, Chandigarh, as the place for the meetings of the Punjab Vidhan Sabha to be held from the 6th March, 1961 onwards instead of the Hall of the Junior Secondary School, Sector 10, Chandigarh."

Now the Sabha stands adjourned till 11.30 a.m. on Monday the 6th March, 1961.

The Sabha then adjourned till 11.30 *a.m. on Monday, the 6th March,* 1961

12647/P.V.S.—350—6-10-61—C., P. and S., Pb., Chandigarh.

Punjab Vidhan Sabha Debates

6th March, 1961

Vol. I No. 11

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Monday, the 6th March, 1961

Price : Rs 8.55 nP.

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, NO. II,
DATED THE 6th MARCH, 1961

Read	*for*	*on page*	*line*
Scheme	Cheme	(11)14	last
Tariffs	Tarrifs	(11)18	First and second
Tariffs	Tarrifs	(11)19	26
150	151	(11)26	last but one
above were	above who were	(11)44	4th from below
release	relaese	(11)46	13th ,, ,,
Bawa Singh	Bawas Singh	(11)46	9th ,, ,,
Chanan Singh	Chanaa Singh	(11)47	4
Suba	Suab	(11)47	25
hilly	hill	(11)51	20
area	areas	(11)51	24
in	is	(11)52	7
in various	various	(11)52	5th from below
sub-tehsil	sub-tehisl	(11)54	4
cattle	cattles	(11)54	25
acute	accute	(11)55	10
questions	quenstions	(11)61	Heading
where	were	(11)63	First
dates	D tas	(11)67	First
Maulvi Abdul Ghani Dar	Maulvi Abdul Ghani Dhar	(11)71	2
pleased	leased	(11)73	8
Answers	Answres	(11)75	Heading
pleased	leased	(11)75	3
during	druing	(11)75	13
Post office	society post office	(11)77	6
sewak	sewal	(11)77	S. No. 53
society	socieety	(11)78	S. No. 275
society	soci	(11)83	S. No. 274
poultry	poltry	(11)84	S. No. 299, 302
Industrial	Indusltrial	(11)84	S. No. 313

Read	*for*	*on page*	*line*
Industrial	Indistrial	(11)86	S. No. 355
Jandiala	Janidiala	(11)86	S. No. 357
Kalan	Kala	(11)86	last
Serial	Seriai	(11)88	2
Garhshankar	Garhshakar	(11)90	S. No. 472
Veterinary	Veteinary	(11)93	S. No. 568
Jatana	Jatan	(11)93	S. No. 585
district	districi	(11)94	2
Bhamniwala	Bahmiwala	(11)95	S. No. 637
Development	Devolopment	(11)110	First
speed	sppeed	(11)117	20
cases	caeses	(11)118	15
1961	11	(11)119	13
targets	tragets	(11)120	2
लोक कार्य विभाग	लेकार्य विभाग	(11)142	4
Absence	bsence	(11)144	last
ਤਰ੍ਹਾਂ	ਤਾਂ	(11)155	last
ਕੋਈ ਹੱਦ	ਕੋਈ	(11)157	2
ਛੋਟ	ਛੋਣ	(11)159	10
चुनाचि	चुनचि	(11)166	5
eff ciency	officiency	(11)167	19
ਦੇ ਹੋਰ	ਦੋ ਹਰ	(11) 167	20
ਤੰਗ	ਤੱਗ	(11) 167	22
Government	Governmen	(11)168	11
ਸੰਭਾਵਨਾ	ਸੰਭਾਵਾਨਾ	(11)174	11
ਦੇਣ	ਦੇਣ ਦੇਣ	(11)174	17
ਚਾਹੁੰਦੇ	ਚਾਹੁੰਦਾ	(11)177	18
बातें	बात	(11)178	13th from below
उन्होंने	उहोंने	(11)179	6th from below
बैठे	बैठ	(11)180	7
complainants	complaints	Ann. viii	9

PUNJAB VIDHAN SABHA

Monday, the 6th March, 1961

The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Sector 1, Chandigarh, at 11.30 a.m. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Gurdial Singh Dhillon) in the Chair.

(There was a loud thumping when Mr. Speaker entered the New Assembly Chamber and occupied his seat. Mr. Speaker, reciprocated the greetings with folded hands.)

SUPPLEMENTARIES ON STARRED QUESTION No. 6850*

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਉਸ ਦਿਨ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਕਿ 50 ਫੀ ਸਦੀ ਸਟੇਟ ਗੌਰਮਿੰਟ ਮਦਦ ਕਰੇਗੀ, 25 per cent ਮਦਦ National Productivity Council ਔਰ 25 per cent ਮਦਦ Local Productivity Council ਕਰੇਗੀ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ employees ਹਨ ਇਹ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ employees ਹੋਣਗੇ ਜਾਂ Council ਦੇ ?

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ employees ਹੋਣਗੇ, ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਨਹੀਂ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ Local Productivity Councils appoint ਕਰਨਗੀਆਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ appoint ਕਰਨ ਦਾ procedure ਕੀ ਹੋਵੇਗੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ appointment ਦੀ authority Local Productivity Council ਦੇ ਪਾਸ ਹੈ । ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ scales ਮੁਕਰਰ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਹਨ ਲੇਕਿਨ appointment ਉਹੀ ਕਰਨਗੇ ।

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, will this advice be tendered collectively to the Productivity Councils or to the individual industrialists ?

Minister : No. There is a scheme of the Government of India about creating National Productivity Councils in all the States and in every part of India. We, therefore, approached all the Industrial Units to have local Productivity Councils. There are only five or six centres in the Punjab which have formed such Councils. There is a universal pattern which the Government of India have prescribed in regard to the basic qualifications for Industrial Engineers. The Scheme relates only to the appointment of Industrial Engineers who will give guidance for higher activity to the Local Industrial Units and, therefore, they will, as a matter of fact, be

---

Note: Starred Question No. 6850 along with its reply appears in the Punjab Vidhan Sabha Debates, Volume I, No. 9, dated 24th February, 1961.

[Minister for Industries]

employees of the local Productivity Councils. But there is an overall pattern prescribed by the Government of India in order to help the appointment of Industrial Engineers. The State Government has also taken a decision to subsidize 50 per cent of the expenditure. Whatever is the pay of the Industrial Engineer, the State Government will make payment of 50 per cent. Apart from that, the National Productivity Council will also make payment to the extent of 25 per cent. So, only 25 per cent of the entire cost of the salary of the Industrial Engineer shall be borne by the Local Productivity Council.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਸਰਕਾਰ ਨੇ 50 ਫੀ ਸਦੀ ਮਦਦ ਕਰਨ ਦਾ ਜੋ decision ਕੀਤਾ ਹੈ ਕੀ ਇਹ decision ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ Councils ਨੂੰ convey ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਦੋਂ ਕੀਤਾ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ convey ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। Exact date ਤਾਂ ਯਾਦ ਨਹੀਂ ਗਾਲਬਨ ਤਿੰਨ ਮਹੀਨੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਬਲਕਿ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਤਰੱਦਦ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾਉਣ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੰਜਾਂ ਛਿਆਂ centres ਵਿਚ ਕੋਈ appointment ਹੋਈ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

ਮੰਤਰੀ : ਨਹੀਂ, ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੋਈ।

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

ELECTIONS TO MUNICIPAL COMMITTEES

***6574. (1) Maulvi Abdul Ghani Dar**
(2) Shri Balram Das Tandon } Will the Minister for Industries be pleased to state the names of Municipal Committees in the State to which elections have not so far been held and the time by which these are likely to be heid ?

Shri Mohan Lal : A list, showing the names of the Municipal Committees in the State to which elections have not so far been held, is laid on the Table of the House.

Elections to most of these municipalities are likely to be held in the month of June, 1961.

List showing the names of Municipal Committees which have not so far been taken in any of the three batches

1. Rohtak.
2. Gohana.
3. Kapurthala.
4. Nagrota Bhagwan.
5. Amritsar.

6. Ludhiana.
7. Abohar.
8. Muktsar.
9. Dalhousie.
10. Pathankot.
11. Hoshiarpur.
12. Sirhind.
13. Rajpura.
14. Kharar.
15. Jagadhri.
16. Sadhaura.
17. Bhiwani.
18. Fatehabad.
19. Kalanwali.
20. Jaitu
21. Rampura Phool.
22. Haily Mandi,
23. Ahmadgarh.
24. Jind.
25. Malerkotla.

श्री बलराम दास टंडन : जिस list का जिक्र वजीर साहिब ने अपने जवाब में किया है वह on the table of the House नहीं रखी गई।

श्री अध्यक्ष : मेरे पास भी नहीं आई। (I have also not received the list.)

श्री बलराम दास टंडन : जनाब, अगर list कल रखी जाए तो हमें इस पर supplementaries करने की ईजाज़त भी दी जाए।

श्री अध्यक्ष : आप कल supplementaries कर सकते हैं। (The hon. Members can ask the supplementaries to-morrow.)

ENQUIRY AGAINST PRESIDENT, MUNICIPAL COMMITTEE, SUJANPUR, DISTRICT GURDASPUR

***6860. Shri Balram Dass Tandon :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether any enquiry against the President, Municipal Committee, Sujanpur, district Gurdaspur, for misuse of municipal land, was held by the S. D. O. (Civil) ; if so, when, together with the date when he submitted his recommendation and the contents thereof ;

(b) whether the Deputy Commissioner, Gurdaspur, made any report to Government in the matter referred to in part (a) above ; if so, when and the details thereof ;

(c) whether Government have passed any final orders in the said case; if so, when and what ?

Professor Yashwant Rai (Deputy Minister) : (a) Yes. S. D. O. (Civil), Pathankot submitted his report on 6th February, 1959. It is not in the public interest to give contents of the enquiry report.

(b) Yes. 2nd July, 1959. The Deputy Commissioner, Gurdaspur, reported that the complainant failed to prove the charges against the President.

(c) Yes. 16th February, 1960. Government agreed with the report of the Deputy Commissioner, Gurdaspur, and decided not to take any action against the President.

श्री बलराम दास टंडन : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि जो सवाल के पहले हिस्से में इन्होंने बताया है और जवाब दिया है कि it is not in the interest of the Public तो वह कौनसी बात है जो Public interest में नहीं है ?

उद्योग मन्त्री: जो कुछ, मैंने कहा है वह यह है कि report के contents नहीं बताए जा सकते decision बतला दिया गया है ?

श्री बलराम दास टंडन : यह जो decision सरकार ने लिया है इस के बारे में जो S.D.O. की report थी इस के contents क्या हैं।

मन्त्री : जैसा कि मैंने पहले ही अर्ज़ किया यह उस की report थी, decision Government का था। This is what the recommendation of the Deputy Commissioner was.

श्री बलराम दास टंडन : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि D.C. साहिब ने report की कि case file कर देना चाहिए तो S.D.O. की report को क्यों मुनासिब नहीं समझा ?

मन्त्री : मैं ने अर्ज़ किया कि D. C. की report का purport क्या है, नहीं बताया जा सकता। हमने Deputy Commissioner को कहा तो उन्होंने S.D.O. से report ली। हमारे पास D.C. की recommendation आई, S.D.O की नहीं आई।

मौलवी अब्दुल गनी डार : क्या वज़ीर साहिब फरमाएंगे कि यह किस बात को enquiry थी ?

मन्त्री : Enquiry इस बात की थी कि एक President Municipal Committee ने कुछ ज़मीन किसी को lease out कर दी थी। यह allegation थी जिसका जवाब आया कि नहीं, ऐसी कोई बात नहीं।

मौलवी अब्दुल गनी डार : क्या वज़ीर साहिब फरमाएंगे कि वह ज़मीन किसको lease out की गई थी ?

मन्त्री : उनका नाम है साधु महाशय।

मौलवी अब्दुल गनी डार : क्या साधु महाशय की President के साथ रिश्तेदारी थी ?

मन्त्री : जी नहीं।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ S.D.O. ਦੀ report ਦੇ basis ਤੇ decision ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਜਾਂ independent decision ਕੀਤਾ ਗਿਆ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਤਾਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ decision ਹੈ ਅਤੇ ਪਤਾ ਇਹ ਲੱਗਾ ਕਿ President ਨੇ ਆਪਣੇ ਤੌਰ ਤੇ action ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਸਗੋਂ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਇਕ ਰੈਜ਼ੂਲਿਉਸ਼ਨ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਇਸ ਲਈ President ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਗਲ ਸਾਬਤ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ?

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ S.D.O. ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਅਤੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਵਿਚ ਫਰਕ ਹੈ ਜਾਂ ਮੁਤਾਬਕਤ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : S.D.O. ਦੀ report ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਵਧ details ਵਿਚ ਜਾਣਾ ਮੁਨਾਸਬ ਨਹੀਂ ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਚੀਜ਼ ਤਾਂ clear ਹੈ ਕਿ S.D.O. ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਆਈ ਅਤੇ ਇਹ ਹੋ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ ਕਿ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਾ ਹੋਵੇ । ਸਵਾਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਦੋਵੇਂ ਇਕੋ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਸਨ ਜਾਂ ਦੋਹਾਂ ਵਿਚ ਇਖਤਲਾਫ ਸੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਜਵਾਬ ਦੇ ਚੁਕਿਆ ਹਾਂ ।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि S.D.O. की report डिप्टी कमिश्नर के मांगने पर भेजी गई या गवर्नमैंट के मांगने पर ?

मन्त्री : यहां से Deputy Commissioner को enquiry करने के लिए मुकर्रर किया गया था क्योंकि complaint गवर्नमैंट level पर आई थी और D.C. ने S.D.O. पठानकोट को depute किया । S.D.O. ने D.C. को report भेजी और D.C. ने report Government के पास भेजी ।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि डिप्टी कमिश्नर ने S.D.O. से रिपोर्ट मांगी थी ?

मन्त्री : डिप्टी कमिश्नर ने खुद enquiry नहीं की थी बल्कि S.D.O. की रिपोर्ट के basis पर गवर्नमैंट को रिपोर्ट कर दी थी ।

श्री बलराम दास टंडन : जब S.D.O. ने मौके पर जा कर और देख कर रिपोर्ट की थी और D.C. ने बगैर मौका पर गए रिपोर्ट कर दी तो गवर्नमैंट ने किस basis पर डिप्टी कमिश्नर की रिपोर्ट को मंजूर कर लिया और S.D.O. की रिपोर्ट को reject कर दिया ?

Minister : But who has said this ?

मौलवी अब्दुल गनी डार : क्या मिनिस्टर साहिब फरमायेंगे कि गवर्नमैंट ने जो हुक्म दिया उस के मुतल्लिक शिकायत किस ने की थी ?

मन्त्री : मैं ज़बानी तौर पर नहीं बता सकता कि किस person ने शिकायत की थी ।

श्री बलराम दास टंडन : क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि क्या यह सरकार की पालिसी है कि अगर नीचे की रिपोर्ट सरकार को नापसंद है तो enquiry करने के लिये कोई और Agency कायम की जाए ?

KASHMIR GOVERNMENT'S REQUEST FOR WHEAT IN 1960

*6797. **Shri Ram Piara :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) with reference to the reply to starred question No. 6334, printed in the list of questions for 16th November, 1960, the reasons for calling tenders for the supply of wheat to Jammu and Kashmir State when Government had stocks of its own ;

(b) the quantity of wheat which the Jammu and Kashmir Government had asked for ?

Shri Benarsi Dass Gupta (Deputy Minister) : (a) The Provincial Reserve issue rate of Rs 15.73 nP. per maund ex-P.R. godowns excluding cost of gunny bag was not acceptable to Jammu and Kashmir Government, and, therefore, tenders were invited for supply of wheat from open market at Rs 15.15 nP. per maund F.O.R. Pathankot including cost of gunny bags.

(b) 30,000 tons.

श्री राम प्यारा : डिप्टी मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि पंजाब गवर्नमैंट को गंदम महंगी पड़ी थी । अगर पंजाब गवर्नमैंट ने गंदम महंगी खरीदी थी तो कशमीर गवर्नमैंट को inferior गंदम क्यों supply की गई ?

उप मन्त्री : जो गवर्नमैंट के पास stock था वह महंगे भाव पड़ा था क्योंकि उस के ऊपर charges पड़ गए थे । जो dealers से F.O.R मांगा गया वह सस्ता रहा ।

श्री राम प्यारा : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि पंजाब गवर्नमैंट ने जो गंदम खरीदी उस पर कौन से extra charges पड़े थे और जो कशमीर गवर्नमैंट को गंदम supply की गई उस पर कौन से charges नहीं पड़े ?

उप मन्त्री : जो गवर्नमैंट ने खरीद की थी उस के fixed rates थे । 14 या 15 रुपये । इस पर गवर्नमैंट को interest के charges, storage के charges और depreciation charges देने पड़ते हैं । इस लिये गवर्नमैंट की खरीद-शुदा गंदम का rate market rate से higher था।

श्री राम प्यारा : क्या वज़ीर साहिब यह बात बतायेंगे कि जितनी firms से पहले tenders invite किये गये थे क्या उन के stocks की list पहले Government के पास थी ?

उद्योग मन्त्री : Stocks का यहां question ही arise नहीं होता । बात तो यह थी कि tenders invite किये गये थे । मगर इस के बाद कश्मीर Government के साथ सौदा cancel हो गया था ।

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, may I know how far these higher rates of Government-owned stocks are incompatible with the declared policy of the Government to supply wheat to the people at cheaper rates ?

Mr. Speaker : This question does not arise.

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, the reply given by Government is that the Provincial Reserve issue rate of Rs 15.73 nP. per maund ex-P.R. godowns excluding the cost of gunny bags was not acceptable to Jammu and Kashmir Government. It, therefore, means that the Government-owned wheat was being supplied to the people at much higher rates.

Minister : Sir, there is some confusion which I would like to clear. The point is this. The Government made purchase at a specified price. The Government had a uniform issue price throughout the year. Normally, the rates are lower at the harvest time because there are no storage charges, etc. But the Government has maintained a uniform standard of price throughout the year. We have to take into account the expenditure up to a particular period. We have, therefore, worked out a uniform issue price which we maintain throughout the year. Therefore, there is always some difference. In the latter part of the year, as you know, the rate is much higher and at the harvest time the rate is lower than the issue price. We, however, maintain a uniform issue price throughout the year.

डाक्टर परमा नन्द : क्या वज़ीर साहिब यह बात बतायेंगे कि जब पंजाब Government से काश्मीर Government ने गंदम मांगी तो उस वक्त गंदम के क्या rates थे ?

Mr. Speaker : This question has already been replied.

श्री राम प्यारा : क्या वज़ीर साहिब यह बात बतायेंगे कि जितने भी अनाज के गोदाम होते हैं क्या उन की report सरकार के पास होती है ?

मन्त्री : जितने भी stocks होते हैं उन सब की periodical report Government को weekly पहुंचती है । जहां तक tenders का सवाल है वहां execution of stocks ज़रूरी नहीं होता, इस की यहां पर कोई relevancy नहीं है ।

FLOODS IN CHHAUNCH KHAD IN DISTRICT KANGRA

***6552. Shri Ram Chandra Comrade** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the area of land of Ban Hatarian and other villages in Indora Police Station, tehsil Nurpur, district Kangra submerged by floods in Chhaunch Khad during the years 1957—61 ;

(b) the action taken to combat the floods mentioned in part (a) above and to give relief to the cultivators during the said period ?

Giani Kartar Singh : (a) The alluvion and diluvion of Chhaunch Khad is recorded after every four years. The Chhaunch Khad had submerged 36 acres of land of village Ban Hatarian in the year 1957-58. As regards other villages situated on this Khad, the record will be prepared next year.

(b) With a view to saving these villages from the Chhaunch Khad flood waters, estimates for the construction of spurs have been prepared.

The land owners are generally compensated by way of remission of land revenue when any land of any village is submerged in the Khad.

Mr. Speaker : Starred Question No. 6836 is postponed.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਸਿਰਫ ਇਤਨਾ ਹੀ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਮੈਨੂੰ ਸਵਾਲ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਇਸ ਦੇ basis ਦੱਸ ਦੇਣ ਜਿਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਨਾਲ ਕਿ ਇਹ ਸਵਾਲ postpone ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

Mr. Speaker : No question of basis please. Next question.

PROVINCIALISATION OF VETERINARY HOSPITAL IN DISTRICT KANGRA

*6521. **Shri Rup Singh 'Phul'** : Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government for provincialisation of some Veterinary Hospitals or Dispensaries run by the District Board, Kangra ; if so, the names and number thereof and the time by which the proposal is expected to be implemented ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : *Part* (*a*).—No.

Part (*b*).—Does not arise.

NATIONALISATION OF PRIVATELY-MANAGED SCHOOLS IN THE STATE

*6519. (1) **Shri Rup Singh 'Phul**
(2) **Shrimati Sarla Devi Sharma** } Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the total number of privately-managed High Schools in the State, if any, which are proposed to be nationalised by the end of current financial year and the expenditure likely to be incurred thereon ;

(b) the names of the privately managed schools of district Kangra, if any, that are proposed to be nationalised by the end of the current financial year ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a) 113 Privately-managed High Schools are proposed to be nationalised by the end of the current financial year. The cases of these schools are still under consideration

and as it cannot be envisaged at this stage which of these will ultimately be taken over, the likely expenditure on this account cannot be calculated

(b) 1. Panchayat High School, Kotla.
2. Z.S. D. High School, Shahpur.
3. D. A. V. High School, Bhawarna.
4. S. D. High School, Khera.
5. S. D. High School, Bhareri.
6. V. P. High School, Mair.
7. M. G. M.S. D. High School, Nagrota Surian.
8. R. H. S.D. High School, Haripur.
9. S. D. High School, Krishan Nagar.
10. S. D. High School, Sujanpur Tira.
11. Z. A. V High School, Sullah.
12. St. Anne's Girls High School, Palampur.
13. S. D. High School, Jawalamukhi.
14. H.A. V High School, Dheera.
15. S. D· High School, Kakkar.
16. S, D. High School, Thural.
17. S. D. High School, Molag.
18. S. D. High School, Ladori.
19. Primary School, Sneh Khas.
20. Primary School, Tappa.
21. Primary School, Nona.
22. Aided Primary School, Dhangota.
23. D. A. V. Middle School, Hathli.
24. High classes Attached to G. M. S. Palampur.

श्री रूप सिंह फूल : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब फरमाएंगे कि इन स्कूलों को कब तक provincialise कर लिया जाएगा ?

श्री यश पाल (उप मन्त्री) : इस financial year में सब को लेने की कोशिश कर रहे हैं।

श्रीमती सरला देवी शर्मा: क्या उन पर कोई शर्त लगाई जा रही है या कि बिना शर्त के लिये जा रहे हैं ?

उप-मन्त्री : हर एक केस पर अलग अलग गौर किया जा रहा है। जिस तरह से मुनासिब होगा वैसे उन को लिया जाएगा।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या इस बारे में कोई uniform policy है या कि हर एक केस को जुदा जुदा देखा जाएगा ?

उप-मन्त्री : हर एक केस पर अलग अलग गौर करेंगे, जैसे मुनासिब होगा वैसे कार्यवाही की जाएगी।

NATIONALISATION OF THE SERVICES OF THE STAFF OF THE PRIVATELY MANAGED SCHOOLS IN THE STATE

***6520. Shri Rup Singh Phul :** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to nationalise the services of the staff of these privately managed schools in the State which are likely to be nationalised ; if so, in what manner; if not, the reasons therefor and the manner in which the staff of the privately-managed schools is to be compensated ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : Yes, the reply is laid on the Table of the House

In the conditions laid down by Government for taking over privately-managed schools, it has been made clear that Government will not be bound to recriut the members of the staff of these schools. Such of them as are considered suitable may be taken over on Government scales of pay and on terms and conditions applicable to their counter-parts in Government service in the following manner :—

(i) Government will not take over any member of the staff who is untrained or has an unsatisfactory record of service.

(ii) A Departmental Committee of the Education Department will scrutinise the case of each member of the staff, for judging his suitability for Government service.

(iii) For the purposes of selection only such staff as was working on 4th May, 1960, will be screened for absorption in Government service.

(iv) After selection has been made by the Departmental Committee the cases of selected persons will be referred to the Subordinate Services Selection Board or the Punjab Public Service Commission, for certifying their suitability for the posts.

(v) On the approval by the Subordinate Services Selection Board, or by the Punjab Public Service Commission, the staff will be placed at the bottom of old Government staff cadre. No credit, whatsoever, of the previous service will be given to them in this regard.

(vi) Normaly, the existing pay of such members of the staff will be protected within the Government grade, but in all cases the pay of an employee will be accepted only what it was prior to the declaration of the policy of Government to take over privately managed schools, i.e., prior to March, 1958. Subsequent enhancement in pay will not be recognised.

(vii) If prior to the declaration of the policy of taking over of schools by Government, any commitment had been made by a Management to any member of the staff with regard to his duration of service or pay, Government will do their best to honour the commitment.

(viii) Cases of hardship will, of course, be given special consideration.

श्री रूप सिंह फूल : जो स्कूल nationalise किये जा रहे हैं उन में जो उस्ताद काफी अरसे से काम कर रहे हैं और जिन के results भी बहुत अच्छे रहते रहे हैं लेकिन वे untrained हैं, क्या उन को रखा जाएगा ?

उप-मन्त्री : जो trained नहीं हैं उन को सरकारी नौकरी में नहीं लिया जाएगा ।

श्री रूप सिंह फूल : जिन के results बहुत अच्छे निकलते रहे हैं और जिन की सर्विस बहुत लम्बी है उन को क्यों नहीं रखा जाएगा ?

LOCAL DEVELOPMENT SCHEMES IN DISTRICT SANGRUR

***6839. Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Community Development be pleased to state the total amount allocated by Government for Local Development Schemes in district Sangrur for the year 1960-61 and the amount that has been spent on these schemes up to date with details thereof ?

Chaudhri Dalbir Singh (Deputy Minister) : —

Part (*i*) —Rs 52,300
Part (*ii*)—(a) Rs 37,200

(b) A statement is laid on the Table of the House.

Scheme No.	Purpose	Village	Tehsil	Amount
				Rs
1	Hand-pump ..	Kot Dunna (Nai Abadi)	Barnala	150
2	Repair of well ..	Kot Dunna ..	Do	310
3	Ditto	Aspal ..	Do	245
4	Ditto	Do	Do	235
5	Ditto	Dhilwan ..	Do	146
6	Ditto	Raya (Nai Abadi) ..	Do	594
7	Ditto	Jangiana ..	Do	245
8	Installation of hand-pump ..	PakhoKheri (Nai Abadi) ..	Do	90
9	Ditto ..	Bhadaur ..	Do	60
10	Repair of well ..	Do ..	Do	337
11	Repair of well and drain ..	Hardaspura ..	Do	494
12	Installation of hand-pump ..	Gahel (Nai Abadi) ..	Do	100
13	Repair of well ..	Ditto	Do	235
14	Installation of hand-pump ..	Raya ..	Do	93
15	Repair of well ..	Kharak Singh Wala ..	Do	192
16	Construction of well ..	Talwandi ..	Do	619
17	Installation of hand-pump ..	Tapa ..	Do	68
18	Repair of well ..	Chhiniwal Khurd ..	Do	287
19	Ditto	Dewana ..	Do	142
20	Ditto	Mehal Khurd ..	Do	191
21	Ditto	Kirpal Singhwala ..	Do	217
22	Installation of hand-pump ..	Ghunas ..	Do	161
23	Ditto	Do	Do	68
24	Repair of well ..	Bhuslana ..	Jind	222
25	Construction of well ..	Basian ..	Do	641
26	Repair of well ..	Dharsuli ..	Do	295

[Deputy Minister]

Scheme No.	Purpose	Village	Tehsil	Amount
				Rs
27	Repair of well ..	Sarsakheri ..	Jind	721
28	Ditto ..	Sugana ..	Do	231
29	Ditto ..	Hat ..	Do	387
30	Installation of hand-pump ..	Ramnagar ..	Do	200
31	Repair of well ..	Harigarh ..	Do	250
32	Ditto ..	Ashrafgarh ..	Do	645
33	Ditto ..	Pakhar Kheri ..	Do	413
34	Ditto ..	Nandgarh ..	Do	715
35	Ditto ..	Anehra Khurd ..	Do	485
36	Construction of new well ..	Lajwana Khurd ..	Do	1,943
37	Construction of well ..	Kailram ..	Narwana	2,200
38	Installation of hand-pump ..	Rasinda ..	Do	270
39	Construction of well ..	Kasum ..	Do	2,600
40	Ditto ..	Durjan ..	Do	2,300
41	Ditto ..	Surarha ..	Do	3,400
42	Installation of hand-pump ..	Gurthali ..	Do	325
43	Ditto ..	Singwal ..	Do	345
44	Construction of well ..	Mataur ..	Do	2,200
45	Ditto ..	Arakwas ..	Sunam	390
46	Installation of hand-pump ..	Lehragaga ..	Do	100
47	Ditto ..	Bakhora Khurd ..	Do	150
48	Construction of well ..	Mard Khera ..	Do	382
49	Repair of well ..	Fatehgarh ..	Do	105
50	Ditto ..	Mandvi ..	Do	350
51	Ditto ..	Phalerah ..	Do	120
52	Installation of hand-pump ..	Chandw[illegible] ..	Do	175
53	Repair of well ..	Bhakaura Kalan ..	Do	185
54	Ditto ..	Gandhuan ..	Do	250
55	Ditto ..	Ghasiwala ..	Do	200
56	Ditto	Do ..	Do	200
57	Ditto ..	Kasba Sehna ..	Barnala	400

Scheme No.	Purpose		Village		Tehsil	Amount
						Rs
58	Repair of well	..	Dadwara	..	Jind	234
59	Ditto	..	Do	..	Do	313
60	Ditto	..	Karsola	..	Do	673
61	Approach road	..	Mauran	..	..	4,411
62	Ditto	..	Mehlan	..	..	2,495

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : Local Development Schemes ਵਿਚ ਕਿਹੜੀ ਕਿਹੜੀ item ਆਂਉਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਪਰ ਰੁਪਿਆ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

उप-मन्त्री : इस सम्बन्ध में हिदायात जारी की हुई हैं; उन के मुताबिक रूपया खर्च होता है । (*Interruptions*)

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : On a point of order, Sir. ਜਨਾਬ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਨਾ ਤਾਂ question put ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਦਾ question ਸੁਣਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਜਵਾਬ ਸੁਣਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ sound system ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਨ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਹਾਂ ਜੀ, ਇਹ ਠੀਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। (Yes, the sound system is being set right).

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ Deputy Minister ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਉਹ ਕਿਹੜੀਆਂ ਕਿਹੜੀਆਂ items ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ local development schemes ਦੇ ਵਿਚ included ਹਨ ।

उप मन्त्री : इस में बहुत सी specified items हैं और वह हरेक Deputy Commissioner के पास होती हैं । उन schemes के लिए अगर लोग 50% रुपया दें तो बाकी 50% उन को Development Funds में से दे दिया जाता है ।

REVISION OF NORTHERN INDIA CANAL AND DRAINAGE ACT, VIII OF 1873

***6460. Sardar Ramdayal Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether the revision of the Northern India Canal and Drainage Act (Act VIII of 1873) was taken up after the partition in its application to the State of Punjab ;

[Sardar Ramdayal Singh]

(b) if so, whether the same has been finalised ;

(c) if not, the reasons thereof ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) Yes.

(b) No.

(c) Originally, it was in the year 1952 when certain proposals for the revision of the Northern India Canal and Drainage Act (VIII of 1873) were formulated, but the same could not be finalised due to certain legal hitches and difficulties. However, the revision work has been started afresh, with a view to removing all harsh and irksome provisions in the existing law to suit the new democratic set-up. An Officer on Special Duty of Chief Engineer's rank has been entrusted with the work of revision. This work is expected to be finalised shortly.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ legal ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਸਨ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਇਹ Act revise ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਿਆ। ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ legal ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਕਿਹੜੀਆਂ ਸਨ?

सिचाई मंत्री : जो recommendations आई थीं वह सारे Act को नया बनाने के लिए थीं। लेकिन अगर हम ऐसा करते तो हमारे Constitution के मुताबिक हम ने जो पुरानी नहरें बनाई हैं वह बात उन के खिलाफ जाती। इस लिए हम उस Act को नया बनाने की बजाए सिर्फ amend करने की ही बात सोच रहे हैं

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜਾ Chief Engineer ਦੇ rank ਦਾ Special Officer ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਲਾਇਆ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਤਨੀ ਦੇਰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ?

मंत्री : वह पिछले साल लगाए थे ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਉਸ Special Officer ਨੇ ਹੁਣ ਤਕ ਕੀ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ?

मंत्री : पता करके बताया जा सकता है।

FLOODS IN INDORA AREA, TEHSIL NURPUR

***6497. Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the total acreage of land in Indora area, tehsil Nurpur, district Kangra, which is affected by floods in River Beas and the action taken or proposed to be taken under the Flood Control cheme to save this area ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) Area affected by floods **during** the last 2 years is nil. Neither during 1958 nor during 1959 was the damage to crops in any case more than 25 per cent

(b) Three spurs have been constructed on River Beas, which were reinforced by putting crate aprons and pitching etc. before the floods of 1960. No further works are required at this stage for the protection of Indora Town.

12.00 Noon

श्री राम चन्द्र कामरेड : मैंने सवाल में इन्दौरा area की बाबत पूछा है। क्या मनिस्टर साहिब बताएंगे कि क्या सुरड़वां और घण्डवां गांव में कुछ जमीन पानी में बह गई थी, और अगर बह गई थी तो उसका रकबा कितना था ?

सिंचाई तथा विद्युत मन्त्री : स्पीकर साहिब, आप सवाल का मुलाहिज़ा फरमाएं। इससे कैसे पता चल सकता है कि इन्दौरा शहर की बाबत पूछा है, इन्दौरा थाने की बाबत पूछा है या इन्दौरा तहसील की बाबत पूछा है। इसमें तो सिर्फ इन्दौरा area की बाबत पूछा गया है।

श्री राम चन्द्र कामरेड : जो भी आदमी इस महकमा से ताल्लुक रखता है, वह जानता है कि इन्दौरा area दरियाए ब्यास से affected है। तो naturally इस area में वह affected places भी आ जाती हैं जिन की बाबत मैंने दरियाफ्त किया है।

मन्त्री : इन्दौरा area तो सौ मील तक हो सकता है, इस लिए इस तरह individual जगहों की बाबत इस वक्त off hand कैसे बताया जा सकता है।

Sardar Bhupinder Singh Mann : On a point of order, Sir. As voice is not audible, we are not participating in the proceedings of the House. Will it not be tant amount to the violation of the Constitution and also a breach of our privilege ?

श्री अध्यक्ष : ऐसी चीज़ रोज रोज नहीं होती। आहिस्ता आहिस्ता जब adjustments हो जाएंगी तो ठीक हो जाएगा। इसमें Constitution कैसे violate हो गया ? (Such exigencies do not arise daily. By and by it will be set right when adjustments in the arrangement of equipment etc. are made. How does it constitute violation of the Constitution?)

Mr. Speaker : Starred Question No. 6858 is postponed.

श्री प्रबोध चन्द्र : On a point of order, Sir. मैं आप के notice में यह बात लाना चाहता हूं कि किसी भी सवाल को postpone करने के लिए कुछ खास ज़रूरियात होती हैं। क्या आपने इस बात की तसल्ली कर ली है कि उन ज़रूरियात को पूरा किया गया है ?

श्री अध्यक्ष : मैं आप को बताना चाहता हूं कि जिन सवालों की postponement की बाबत गवर्नमैंट की तरफ से requisition भेजी जाती है, उसके लिए आप की Rules Committee की एक मीटिंग में यह तै किया गया था कि अगर

[श्री अध्यक्ष]

गवर्नमेंट ने किसी सवाल के लिए extension लेनी हो तो Government की तरफ से स्पीकर को valid reasons दिए जाने चाहिएं। मैं उम्मीद करता हूं कि आइन्दा के लिए आप इस बात का ख्याल रखेंगे। (In connection with the requisitions received from the Government asking for the postponement of the questions, I want to point out that it was decided in a meeting of the Rules Committee that whenever the Government wanted extension of time for giving reply to a question they should give valid reasons to the Speaker. I hope the Government will adhere to this in future.)

सिंचाई तथा विद्युत मन्त्री : Reasons तो, जनाब, आइन्दा दे दिए जाया करेंगे मगर आप मुलाहिज़ा फरमाएं कि इस enquiry पर जितना खर्चा हुआ वह सारा ढूंढ कर total करना पड़ेगा। यह एक महकमा के मुताल्लिक चीज़ नहीं, इधर उधर से बहुत सारी information इकट्ठी करनी मकसूद है। चीफ सैक्रेटरी साहिब से भी पता करना पड़ेगा। वहां से भी जवाब आएगा। तभी सारी information इकट्ठी होगी और जवाब तैयार होगा।

ELECTRICAL ENERGY PRODUCED IN THE STATE

***6859. Shri Balram Das Tandon :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total electrical energy being produced in the State in the Private and in the Public Sectors, separately, by the end of the First Five-Year Plan ;

(b) the total energy that was being supplied to the neighbouring States and to the West Pakistan, separately, at the end of the First Five-Year Plan period ;

(c) the extent of energy estimated to be produced by the end of the Second Five-Year Plan ;

(d) the extent of energy which Government have agreed to supply to the neighbouring States, State-wise by the end of the Second Five-Year Plan period and to Pakistan, separately ;

(e) the rate at which electricity is being supplied in the State, to the neighbouring States and to Pakistan, separately ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) to (e) A statement containing the required information is laid on the Table of the House

STATEMENT

(a) Total electrical energy produced in the State at the end of First Five Year Plan was :—

		Public Sector	Private Sector
		kW.	kW.
Hydro generation	..	84,000	1,700
Thermal	..	10,000	13,700
		94,000	15,400

(b) Energy supplied to the neighbouring States and West Pakistan at the end of First Five-Year Plan was :—

Delhi	Jammu and Kashmir	Himachal Pradesh	West Pakistan
kW.	kW.	kW.	kW.
16,000	1,500	500	4,000 (2,500) During December—March)

(c) Energy produced at the end of 2nd Five -Year Plan would be as under :—

		Public Sector	Private Sector
		kW.	kW.
Hydro Generation	..	238,000	1,750
Thermal		10,000	6,400
	..	248,000	8,150

(d) Energy to be supplied to the other States at the end of 2nd Five-Year Plan period would be :—

Delhi	Rajasthan	Jammu and Kashmir	Himachal Pradesh	Pakistan
kW.	kW.	kW.	kW.	kW.
20,000	5,000	3,500	1,500	Nil

(e) A copy of the schedule of rates in the Punjab State and in other neighbouring States is enclosed.

[Deputy Minister]

PUNJAB ELECTRICITY TARRIFS

1. Schedule L. S. Large Industrial Power Supply—

Demand charge—

Rs 5.00 per kVa per month plus energy charge.

4.06 naya Paise per kWh for the first 100,000 kWh/month.

3.75 naya Paise per kWh for the next 200,000 kWh/month.

3.44 naye Paise per kWh for all in excess of 300,000 kWh/month.

Subject to—

(i) a rebate of 0.94 Naya Paise per kWh for all units in excess of 360 kWh per kVa per month or in excess of 420 kWh per kW per month if the demand charge is based on Killowatts.

(ii) a maximum overall rate of 5.63 nP. per month.

2. Schedule M.S.—Medium Industrial Power Supply—

Demand charge—

Rs 6.00 per month (i) per kW of connected load up to a connected load of 70 kW.

(ii) per kW of maximum demand for connected load in excess of 70 kW.

Plus.
Energy charge—

5.31 naya Paise per KWH for the first 15,000 kWh/month.

4.69 naya Paise per KWH for the next 10,000 kWh/month.

4.38 naya Paise per KWH for all in excess of 15,000 kWh/per month.

Subject to a maximum over all rate of 9.38 nP. per kWh.

Note.—The above tarrif covers supply at 400V and rebate of 7-1/2 per cent will be allowed, if supply at the option of the supplier is given at 11,000V.

3. Schedule S. P. Small Industrial Power Supply—

10.94 naya Paise per kWh for the first 500 kWh/month.
9.38 naya Paise per kWh for the next 1,000 kWh/month.

7.81 naya Paise per KWH for all in excess of 1,500 kWh/month.

4. Schedule A. P. Agricultural and Cottage Industrial Power Supply—

9.38 naya Paise per kWh for the first 1,500 kWh/month.

7.81 naya Paise for all in excess 1,500 kWh/month.

5. Schedule C. S. —Commercial Supply—

32.81 naya Paise per kWh for the first30 kWh/month.

14.06 naya Paise per kWh for next 50 kWh/month.

10.94 naya Paise per kWh for all above 80 kWh/month.

Subject to a rebate of 1.56 Naya Paise per kWh provided the monthly bill is paid in full within the time specified on the bill.

6. Schedule D. S.—Domestic Supply—

32.81 naya Paise per kWh for the first 15 kWh/month.

14.06 naya Paise for the next 25 kWh/month.

10.94 naya Paise per KWH for all in excess of 40 kWh/month.

Subject to a rebate of 1.56 naya Paise per kWh provided the monthly bill is paid in full within the time specified on the bill.

7. Schedule SL—Street Lighting Supply—

(a) Line Maintenance and Lamp renewal charges—

(i) for lamps of up to 40 watts .. Rs 1.50 per lamp/month.
(ii) for lamps of 60 and 75 watts .. Rs 1.75 per lamp/month
(iii) for lamps of 100 watts .. Rs 2.00 per lamp/month.
(iv) for lamps of 150 watts .. Rs 2.25 per lamp/month.
(v) for lamps above 150 watts and special lamps Special quotations.

Plus.

(b) Energy charges based on metered supply at 14.06 naya Paise per kWh.

8. Schedule B.S.—Bulk Supply to Distributing Licensees—
Demand charges
Rs 5.50 per kVa per month
plus
Energy charge—

4.38 naya Paise per kWh for the first 10,000 kWh/month.
4.06 naya Paise per kWh for the next 20,000 kWh/month.
3.75 naya Paise per kWh for all excess of 30,000 kWh/month.

Subject to an over all maximum of 7.81 Naya Paise kWh without prejudice to the minimum monthly payment shall be limited to the demand charge.

Note.—The above tarrif covers a supply at 11,000 V and surcharge of 7 1/2 per cent will be levied if the supply is given at 400V.

9. Schedule G.S. Grid Supply—

Demand charge—
Rs 5.00 per KVA per month
plus
Energy charge—

2.81 naya Paise per kWh for the first 500,000 kWh/month.
2.66 naya Paise per kWh for the next 1,500,000 kWh/month.
2.50 naya Paise per kWh for all above 2,000,000 kWh/month.

Subject to over all maximum of 500 naya Paise kWh without prejudice to the demand charge.

10. Schedule TM—Temporary Metered Supply—

A. Domestice and Commercial Supply—

Rate No.	Total consumption in a period of 30 days or less		Rate of charge per kWh (net) in nP
1	10 KWH or less	..	42.19
2	More than 10 kWh but not more than 30 kWh	..	39.06
3	More than 30 kWh	..	35.94

[Deputy Minister]

3	More than 30 KWH	..	35.94

If the consumption of a consumer is 20/kWh 40 kWh the rate applicable to the entire consumption will be 39.06!35.94 naya Paise per kWh.

B. Tarrif for Industrial supply i.e. Agricultural and Cottage, Small Power, Medium Industrial Power and Large Industrial Power.—

As per rates *for* corresponding permanent supply plus twenty per cent.

C.—Tariff for Touring Cinemas—

(i) Lights and fans .. As per 10-A above.
(ii) Industrial .. As per 10-B above.

11. Schedule T.U.—Temporary un-metered Supply—

(i) At the rate of 28.13 naya Paise for 60 watts lamp per night and *pro rata* for lamps of wattage above and below 60 watts with minimum charge of 14.06 naya Paise per lamp per night.

(ii) At the rate of 56.25 naya Paise per table fan of capacity up to 60 watts per day (24 hours) or part of a day.

Re 1 per service irrespective of the capacity of service.

DELHI UNDERTAKING

(i) Demand Charges—
Rs 5.00 per kVA per month
plus
(ii) Energy Charges—

2.81 nP. kWh for the first 500,000 kWh/month.
2.66 nP. per kWh for the next 1,500,000 kWh/month.
2.50 nP. per kWh for all above 2,000,000 kWh/month.

Subject to an overall maximum charge of 5 nP. per kWh without prejudice to the minimum payment, which shall be limited to the demand charge payable during a month.

RAJASTHAN

(i) Demand Charge—
Rs 5.00 per kVa per month
plus
(ii) Energy Charge—
2.81 nP. per kWh for the first 500,000 kWh/month.
2.66 nP. per kWh for the next 1,500,000 kWh/month.
2.50 nP. per kWh for all above 2,000,000 kWh/month.

Subject to (i) an overall maximum of 5 Naya Paise per kWh without prejudice to the minimum payment, which shall be limited to the demand charge payable during a month.

(ii) The following adjustments for the different voltages of supply and metering :—

Voltage at which power is delivered	Voltage at which power is actually metered	Adjustment to the Tariff (plus means add, minus means deduct)
1. 132 kV	132 kV	—5 per cent
2. 132 kV	66 or 33 kV	—4 per cent
3. 66 or 33 kV	132 kV	—1 per cent
4. 66 or 33 kW	66 or 33 kV	Nil
5. 66 or 33 kV	11 kV	+ 1 per cent
6. 11 kV (at generating S/Stns)	11 kV	Nil
7. 11 kV (at S/Stns involving single transformation from 132 kV)	11 kV	+ 1 per cent
8. 11 kV at S/Stns involving double transformation from 132 kV)	11 kV	+ 5 per cent

JAMMU AND KASHMIR

A. For original supply to the extent of 1,500 kWs as per principal agreement :—

(i) Demand Charge—
Rs four annas four per kW per month
plus
(ii) Energy Charge—Five pies per unit

Subject to (i) the over-all rate of 9 pies per unit (inclusive of demand *plus* energy charges).

(ii) a minimum monthly payment limited to the demand charge payable during a month (i.e., for 1,500 kWs).

B. For additional supply to the extent of 2,000 kWs as per draft supplementary agreement—

(i) Demand Charge—
Rs 5.00 per kVA per month
plus
(ii) Energy Charges—
2.81 nP. per kWh for the first 500,000 kWh per month
2.86 nP. per kWh for the next 1,500,000 kWh per month.
2.50 nP. per kWh for all above 2,000,000 kWh per month.

Subject to the overall maximum of 5 nP. /kWh without prejudice to the minimum payment limited to the demand charge payable during a month.

HIMACHAL PRADESH

A. For supply being made up to the extent of 1,500 kWs under the erstwhile Mandi State Agreement of 1927—

(*a*) First 500 kWs .. Free

(*b*) Next 1,000 kWs .. (i) At cost price per unit. The cost price is to be assumed as 90 per cent of the tariff rates for ordinary bulk supply (ii) This supply has not started yet.

B. For supply being made in addition to above—

(i) Demand Charge—
Rs 5.50 per kVA per month
plus
(ii) Energy Charges—

4.38 nP./kWh for the first 10,000 kWh/month.
4.06 nP./kWh for the next 20,000 kWh/month.
3.75 nP./kWh for all above 30,000 kWh/month.

Subject to an overall maximum of 7.81 nP./kWh without prejudice to the minimum monthly payment which is limited to the demand charges payable in a month.

Note.—The above tariff covers a supply at 11,000 volts and surcharge of 7½ per cent will be levied if the supply is given at 400 volts.

PAKISTAN

13.5 pies per unit.

श्री बलराम दास टंडन : क्या मिनिस्टर साहिब बतलाएंगे कि private sector के अन्दर अब पहले की निस्बत जो कम बिजली produce हो रही है, इस कमी के क्या कारण हैं ?

सिंचाई तथा विद्युत मन्त्री : इस का कारण तो साफ है कि State की तरफ से जो बिजली produce की जा रही है उस की मिकदार बढ़ती जा रही है। पहले यहां

[सिंचाई तथा विद्युत मन्त्री]
Private Electric Supply कम्पनियां बहुत थीं जो खुद diesel और steam generating sets के जरिये बिजली produce करती थीं, और अब वह कम्पनियां State की produce की हुई बिजली को supply करती हैं और यही वजह है कि बहुत सारे diesel और steam generating sets बन्द हो गये हैं।

श्री बलराम दास टंडन : क्या मिनिस्टर साहिब बतलायेंगे कि Nangal खाद Factory को Second Five Year-Plan के अन्त तक कितनी बिजली supply की जायेगी ?

मन्त्री : वैसे यह supplementary इस सवाल से तो पैदा नहीं होता लेकिन फिर भी अर्ज़ कर देता हूं कि जितनी बिजली उस factory ने मांगी थी वह पूरी कर दी गई है और March के end तक यही supply रहेगी।

श्री बलराम दास टंडन : क्या मिनिस्टर साहिब बतायेंगे कि Second Five-Year Plan के end तक जितनी बिजली इस factory को supply करने का निशाना बनाया गया था क्या यह supply उस निशाने के मुताबिक पूरी हो जायेगी ?

मुख्य मन्त्री : बात यह हो गई है कि जैसे जैसे पानी की कमी होती गई थी वैसे वैसे बिजली की production में कमी होती गई थी। अब पानी की कमी कुछ दूर हो गई है इस लिये जैसा कि hon. Minister साहिब ने बतलाया है इस वक्त जितनी बिजली उस factory के लिये दरकार थी वह पूरी कर दी गई है। उन की ज़रूरत के मुताबिक अब उन्हें बिजली मिल रही है। इस के अलावा एक और दिक्कत भी है जिस की वजह से जितना पानी ज्यादा होता जा रहा है उतनी बिजली produce नहीं हो रही क्योंकि बिजली supply करने की एक line जो पहले बनाई गई थी वह सारा load नहीं सहार सकती। इस लिये अब दूसरी line build up कर रहे हैं। जब यह दूसरी line build up हो जायेगी तब जितनी बिजली उस factory को चाहिये होगी उसे दे दी जायेगी। अब तो उस को 15 हज़ार किलो वाट बिजली दी जा रही है। अब पानी बढ़ा है पर वह generators पूरी मिकदार में बिजली produce नहीं कर रहे क्योंकि अभी गंगूवाल और कोटले के Power-houses के लिये कई ऐसे parts की ज़रूरत है जो यहां हमारे देश में नहीं मिल रहे। कोशिश की जा रही है कि वह बाहर से जल्द अज़ जल्द मंगवा लिये जायें। जब वे आ जायेंगे, बिजली की किल्लत नहीं रहेगी। दूसरी line भी बनने वाली है। जब वह बन जायेगी कोटले और गंगूवाल से बिजली की पूरी supply दी जायेगी।

श्री बलराम दास टण्डन: क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि Second Five-Year Plan तक जो 2,49,000 kW बिजली पैदा करने का निशाना बनाया गया है वह 31 मार्च, 1961, तक पूरा हो जायगा ?

सिचाई मंत्री : जी हां, पूरी उम्मीद है।

श्री बलराम दास टंडन : जनाब, इस में जो rates दिए हैं उन में difference है। एक rate है 4.6 नए पैसे और दूसरा है 3.44 नए पैसे। इस difference का क्या कारण है ?

मन्त्री : यह कहां लिखा है ?

Shri Balram Dass Tnadon : On page 2 it is written that 3.44 naya paisa will be charged per k. W. h. and then on the next page in respect of Delhi undertaking it is stated that 2.81 naya paisa for the first 500,000 k. W. h. per month. मैं पूछता हूं कि यह rates में difference क्यों रखा हुआ है ?

मन्त्री : जहां ज्यादा बिजली supply की जाती है वहां rate कम होता है। फिर हम जो बिजली अपनी State में देते हैं, वह individuals और कम्पनियों को खुद ही देते हैं। जब दूसरी State को देते हैं तो उन को bulk supply ही होती है। Bulk supply पर खर्च कम आता है। वही उस का हिसाब किताब रखते हैं।

मुख्य मंत्री : जो वह distribution करते हैं, उस पर उन का खर्च अपना होता है।

श्री बलराम दास टंडन : जो यहां reason दिया है यह इस में नहीं लिखा हुआ कि वहां bulk supply करते हैं।

मन्त्री : Schedule में सब कुछ provide करते हैं।

श्री अध्यक्ष : इन्होंने कहा है कि दूसरी State को यह bulk supply करते हैं। उस को distribute करना उन की ज़िम्मेदारी होती है। (He has stated that this State supplies electricity to the other States in bulk and the distribution thereof is the responsibility of the States concerned.)

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, may I know whether the Punjab Government is getting all its dues on account of supply of electric energy to Delhi State according to the rates desired by our State Government?

Mr. Speaker : This is altogether a separate question. If the hon. Member wants to have this information then he should give a separate notice.

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, may I know whether the Delhi State Government is paying charges on the supply of electric energy according to the rates fixed by the Punjab Government ?

मन्त्री : जी हां, rate के मुताल्लिक कोई झगड़ा नहीं है। Electricity Duty के बारे कुछ झगड़ा है, मगर वह जुदा बात है।

मौलवी अब्दुल गनी डार : इन्होंने कहा है कि bulk supply वालों और थोड़ी थोड़ी supply वालों का rate एक नहीं होता। क्या दूसरों को बिजली bulk supply करते वक्त इन को पता होता है कि यह अपनी State का हिस्सा काट कर दूसरी State को देते हैं ?

Mr. speaker : This is not a supplementary question. The hon. Member is expressing an opinion.

मौलवी अब्दुल गनी डार : जनाब, उन को जो supply की जाती है ....

श्री अध्यक्ष : Order please. एक तो आप relevant नहीं हैं, दूसरे explanation दे रहे हैं. Please ask a direct question. (Order please. Firstly the hon. Member is not relevant. Secondly he is offering an explanation. He should ask a direct question.)

मौलवी अब्दुल गनी डार : जो bulk supply की जाती है उस का rate कम क्यों है ?

Mr. Speaker : The question already stands answered.

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, may I know whether the Delhi State is paying the electricity duty on the energy supplied by the Punjab Government or not ?

मन्त्री : Electricity Duty अभी दिल्ली से नहीं मिली ।

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, may I know the reasons why that (Delhi State) Government is not paying the electricity duty?

Chief Minister : The Delhi State Government raised an objection to the charging of duty on the electricity being supplied to that State. The matter has gone to the Zonal Council and has not yet been decided by it. For this reason we are not getting the duty for the present.

श्री बलराम दास टंडन : जब इन्होंने छोटी छोटी bulk supplies के लिए rate दिया है वह इस तरह है : 32.81 n.P. पहले 30 kW. के लिए, उस के आगे है 14.6 nP. 50 kW के लिए, 10.95 nP. 50 kW से ऊपर के लिए । दूसरी तरफ छोटी छोटी bulk supply के लिए rate दिया है 4.38, तो मैं यह पूछना चाहता हूं कि अपनी State में लाखों kWh की supply के लिए rate higher है और दूसरी States के लिए अलग rate रखे जाने की क्या वजह है ?

Mr. Speaker : By 'bulk supply' the hon. Minister meant that the energy is supplied to that State Government and thereafter they don't maintain any accounts for its further supply.

मुख्य मन्त्री : एक बात तो वज़ीर साहिब ने बता दी है। दूसरी यह है कि हमने Delhi State को बिजली की bulk supply उस वक्त दी जब वह हमारे use में नहीं थी और उस वक्त कम से कम कीमत पर दी गई। उस वक्त का agreement अब तोड़ा नहीं जा सकता।

श्री बलराम दास टंडन : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि 10 हज़ार kw और बिजली Delhi State को देने का फैसला किया गया है।

मन्त्री : अगर आप details जानना चाहें कि कितनी demand है तो आप separate notice दें आपको जवाब मिल सकेगा।

LOANS UNDER LOW INCOME, GROUP HOUSING SCHEME IN DISTRICT SANGRUR

***6838. Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) whether any loans for the construction of new houses under the Low Income-Group Housing Scheme were advanced by Government in district Sangrur during the period from January 1, 1960 to December 31, 1960 ; if so, the number of persons to whom these loans were given and the total amount thereof ;

(b) the total amount sanctioned by Government for advancement of loans for the Scheme referred to in part (a) above in the said district ;

(c) the number of applications for the grant of loans under the said Scheme pending in district Sangrur as on February, 1, 1961?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : (a) (i) Yes.

(ii) Twenty-six persons.

(iii) Rs 70,000.

(b) Rs 2,50,000.

(c) 472.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ, ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿੰਨਾ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਉਹ ਅਗੇ ਖਰਚਿਆ ਜਾ ਸਕੇਗਾ।

ਉਪ-ਮੰਤਰੀ : (ਸਰਦਾਰ ਨਰੰਜਨ ਸਿੰਘ ਤਾਲਬ) : ਜਿੰਨੀਆਂ pending applications ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਪੂਰੀ ਰਕਮ ਦੇ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਅਜਿਹੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਜੋ applications pending ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਕਮ ਦੇ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ?

ਉਪ-ਮੰਤਰੀ : ਜਿੰਨੇ pending cases ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਜਿੰਨੀਆਂ ਨਵੀਆਂ ਅਰਜ਼ੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਗਈ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਕਤ ਸਿਰ ਕਿਸਤਾਂ ਦੇਣ ਦੀ ਹਦਾਇਤ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ।

ਉਪ ਮੰਤਰੀ : ਜਿੰਨੀਆਂ ਵੀ ਅਰਜ਼ੀਆਂ pending ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੂਜੀ ਤੇ ਤੀਜੀ ਕਿਸ਼ਤ ਦੇ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਲਖ 30 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਹੁਣ ਵੰਡਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।

REQUESTS FROM AKALI SATYAGRAHIS FOR THEIR RELEASE ON PAROLE

*6530. **Sardar Atma Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state whether Government received any requests from any Akali legislator or any Akali worker arrested in connection with the Punjabi Suba Movement for their release on Parole to enable them to participate in the Flood Relief Work in their respective constituencies/areas; if so when, from whom and the action taken thereon?

Shri Mohan Lal (Minister of Industries) : Yes. A request for release on parole was received from Shri Atma Singh, M.L.A. on 12th September, 1960. It could not be acceded to by the Government as Shri Atma Singh was arrested under section 107/151 Cr. P.C. and the persons arrested under any of the provisions of Chapter VIII of the Cr. P.C. are not governed by the system of parole, as the facility of release on parole is only given to certain categories of convicted prisoners. The petitioner was informed accordingly, and advised to secure his release from the court concerned after furnishing the requisite amount of security as ordered by the court.

मुख्य मन्त्री : मेरा ख्याल है कि यह convention बनानी चाहिए कि कोई मैम्बर अपने सम्बन्ध में खुद question न किया करे। अगर पूछना जरुरी ही है तो किसी और से put करा दिया करे क्योंकि कड़ा जवाब देने में कुछ harassment होती है ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਇਆ ਇਹ ਗਿਰਫਤਾਰੀ ਦਫਾ 107/151 ਦੇ ਮਾਤਿਹਿਤ ਹੋਈ ਸੀ ?

उद्योग मन्त्री : 107/151 के मातहत हुई थी ।

Chaudhari Inder Singh : Sir, may I know, whether in view of the application made by Sardar Atma Singh for release on parole and in view of the reply given by the Government, the Government was right or the hon. Member was right?

Minister for Industries : Sardar Atma Singh was positively wrong and the Government was very right.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸ ਦਫਾ ਦੇ ਤਹਿਤ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਗਿਰਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਉਸ ਦੀ background ਕੀ ਸੀ ਅਤੇ ਗਿਰਫਤਾਰੀ ਦੇ reasons ਕੀ ਸਨ ਅਤੇ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਝੂਠਾ ਕੇਸ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ?

Mr. Speaker : This is not a supplementary question.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਗਿਰਫਤਰੀ ਦਫਾਂ 107/151 ਥੱਲੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ, ਸਰਕਾਰ ਗਲਤ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ।

T. B. CLINICS/HOSPITALS AND PATIENTS THEREIN

*6798. **Shri Ram Piara :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of T. B. Clinics/Hospitals in the State and the number of beds in each ;

(b) the number of indoor patients in the Clinics/ Hospitals mentioned in part (a) above at present and the number of those who are awaiting admission, separately?

Dr. Parkash Kaur (Deputy Minister) : (a) and (b) A statement is laid on the Table.

(a) (i) Twenty.

(ii) The following five T. B. Hospitals/Sanatoria are maintained by Punjab Government and their bed-strength is as under :—

	Name of Hospitals/Sanatoria		*Number of Beds*
1.	T. B. Sanatorium, Tanda	..	200
2.	T. B. Sanatorium, Amritsar	..	174
3.	T. B. Sanatorium, Dharampur	..	82
4.	T. B. Sanatorium, Hermitage Sangrur	..	100
5.	T. B. Clinic, Patiala	..	26 (Observation beds)

(b)		*Present number of indoor patients*		*Number of patients who are awaiting admission*
1.	T. B. Sanatorium, Tanda	183	..	164
2.	T. B. Sanatorium, Amritsar	171	..	260
3.	T. B. Sanatorium, Dharampur	75	..	20
4.	T. B. Sanatorium, Hermitage Sangrur	99	..	105

श्री राम प्यारा : क्या डिप्टी वज़ीर साहिबा बताएंगी कि statement के मुताबिक जब कि beds खाली पड़े हैं तो जो 500 patients on waiting list हैं उनको दाखिला क्यों नहीं दिया गया इसका क्या कारण है ?

उप-मन्त्री : जो खाली beds हैं, वह बहुत थोड़े हैं और patients की संख्या ज्यादा है। उनके लिये गौर किया जा रहा है कि कौन से ऐसे patients हैं जिनको पहिले beds मिलना ज़रूरी है।

श्री राम प्यारा : कितने अर्से से खाली पड़े हैं ?

श्री अध्यक्ष : अगर आप detailed information चाहते हैं तो separate notice दे दें। (If the hon. Member wants detailed information then he should give a separate notice.)

पंडित श्री राम शर्मा : क्या यह बात बताई जायेगी कि महकमा को ऐसा इंतज़ाम करने में क्या दिक्कत पेश आती है कि दाखल होने वाले मरीज़ों की एक waiting list बना ली जाये और उस के मुताबिक दाखिला किया जाये बजाये इस के कि 20-20 beds खाली ही पड़ी रहें।

उप मन्त्री : बात दरअसल यह है कि जब कोई मरीज discharge होता है तो उस की जगह पर ही दूसरा मरीज जो waiting list पर होता है दाखिल हो सकता है। कई मरीज़ों के मुताल्लिक पूरी information वक्त पर नहीं मिलती। उन के मुताल्लिक दोबारा information मांगी जाती है, इस तरह से भी beds खाली रखने पड़ते हैं।

Sardar Bhupindar Singh Mann : Sir, may I know what other steps have the Government taken to see that so many people are not to remain on the waiting lists for this purpose?

मुख्य मन्त्री : इस का एक नया ढंग निकाला गया है। आज तक यही ख्याल किया जाता रहा है कि T.B. का मरीज Hospital में दाखिल करवाये बगैर बच नहीं सकता। मगर Scientists ने यह साबत कर दिया है कि अगर मरीज़ को घर रख कर उस को properly Doctor visit करता जाये और जो इस के मुताल्लिक कहा जाये उस पर पूरी तरह से अमल होता रहे तो उस का भी इलाज घर पर हो सकता है। हमारा दिल चाहता है कि हम इस तरफ ज्यादा से ज्यादा खर्च करें। मगर Third Five Year Plan में इस काम के लिये उतना पैसा Government of India से नहीं मिला जितना कि चाहिये था।

Mr. Speaker : Further supplementaries to this question may be asked to-morrow

---

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

REGISTRATION DEEDS IN RESPECT OF LAND IN TEHSIL BALLABGARH DISTRICT GURGAON

3341. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether any registration deed/deeds in respect of land in tehsil Balabgarh, district Gurgaon, were written in English during the years 1959-60 and 1960-61 ; if so, whether they are hand-written or typed ;

(b) the value of the registration deeds for land which were written in English together with the names of the parties who got them executed ;

(c) the names of witnesses to the said registration deeds ;

(d) whether any registration deed/deeds written in English existed in Gurgaon District during the years referred to above ;

(e) the names of the officers who accorded sanction to the said registration deeds?

Giani Kartar Singh : (a) Yes, all in English typed.

(b) to (e) The results achieved by the member in getting answer to all these parts of the question are not in commensurate with the large amount of labour and stationery required for the purpose.

ENQUIRIES AGAINST QUOTA HOLDERS, ETC.

3344. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state the number of quota-holders, permit holders or Government-aided factories or other institutions, district-wise, in the State, about which the Flying Squad of the Police (C.I.D.) made enquiries during the years 1959-60 and 1960-61 together with the name of the party, if any, who was found at fault?

Sardar Partap Singh Kairon : No enquiries were held during the year 1959-60. With regard to 1960-61 questions were put and answered on the Floor of the House.

FATAL ACCIDENTS ON ROADS

3345. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of fatal road accidents district-wise during the period from 1952-53 to 1960-61 annually ;

(b) the number of persons killed and of those seriously injured separately?

Sardar Partap Singh Kairon : A statement is enclosed.

[Chief Minister]

Fatal Accidents on roads

(a) The following are the number of fatal road accidents district-wise which occurred during the period from 1952-53 to 1960-61 annually :—

Serial No.	Name of district		1952-53	1953-54	1954-55	1955-56	1956-57	1957-58	1958-59	1959-60	1960-61
1	Hissar	..	37	29	25	23	55	59	52	52	45
2	Rohtak	..	11	10	28	19	16	23	32	27	21
3	Gurgaon	..	14	24	17	27	25	23	19	38	35
4	Karnal	..	16	16	15	15	22	26	41	27	35
5	Ambala	..	10	21	17	22	26	26	26	18	23
6	Simla	..	..	2	1	2	..	2	2	7	3
7	Kangra	..	6	5	6	2	5	11	8	12	7
8	Hoshiarpur	..	9	15	11	13	11	16	15	11	20
9	Jullundur	..	17	12	16	26	17	11	14	22	14
10	Ludhiana	..	12	8	9	7	13	12	12	15	26
11	Ferozepore	..	16	9	11	14	20	25	13	22	21
12	Amritsar	..	20	14	15	14	9	15	10	18	11
13	Gurdaspur	..	10	9	8	15	15	7	15	12	13
14	Patiala	..	27	24	15	17	25	42	26	32	19
15	Sangrur	..	17	19	18	18	11	22	11	17	14
16	Bhatinda	..	36	17	21	14	10	16	9	27	19
17	Narnaul	..	2	1	2	3	6	3	4	1	4
18	Kapurthala	..	6	19	9	2	2	3	1	4	2

(b) (i) Number of persons killed is 2135.

(ii) Number of persons seriously injured is 1632.

REGISTRATION OF BUSES AND TRUCKS

3346. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the total number of the vehicles (buses and trucks) belonging to private parties registered in the State during the year 1960-61 together with the number of each make, separately?

Rao Birendar Singh : Total number of the vehicles (buses and trucks) belonging to private parties registered in the State during the year 1960-61, i.e. from 1st April, 1960, to 31st January, 1961, is as under :—

Type of the vehicle	Dodge	Des-toto	Fargo	Mer-cedez Benz	Ley-land	Bed-ford	Chevro-let	Stude Baker	Total
Buses ..	18	..	12	190	59	19	7	..	305
Trucks ..	16	1	5	642	18	103	36	1	822

CASES OF ABDUCTION AND RAPE

3347. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state the total number of cases of abduction and rape respectively, registered in the State in each of the years from 1952-53 to 1960-61?

Sardar Partap Singh Kairon : A statement is enclosed.

Cases of Abduction and Rape

Year	Number of cases	
	Abduction	Rape
1952-53 ..	380	225
1953-54 ..	425	236
1954-55 ..	349	210
1955-56 ..	321	224
1956-57 ..	309	229
1957-58 ..	308	122
1958-59 ..	289	186
1959-60 ..	304	196
1960-61 (upto 28th February, 1961) ..	203	148

INCREASE/DECREASE IN STRENGTH OF POLICE FORCE

3348. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the extent of increase or decrease effected in the strength of the Punjab Police Force, during 1955-56 to 1960-61; as compared to 1952-53 to 1955-56 ;

(b) the amount of annual increase or decrease in the expenditure as a result of (a) above?

Sardar Partap Singh Kairon : The extent of increase/decrease in the strength of Punjab Police Force and the consequent increase/decrease in annual expenditure is given below :—

Year		Increase in strength	Decrease in strength	Increase in expenditure	Decrease in expenditure
				Rs	Rs
1952-53	..	..	1,061	..	11,15,111
1953-54	..	569	..	6,48,660	..
1954-55	..	657	..	7,52,265	..
1955-56	..	219	..	2,61,267	..
1956-57	..	4,580	..	50,15,100	..
1957-58	..	1,308	..	15,43,440	..
1958-59	..	..	896	..	10,98,496
1959-60	..	..	612	..	7,90,704
1960-61	..	2,049	..	25,79,691	..

MAXIMUM DAMAGE TO CROPS IN THE STATE

3349. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Revenue be pleased to state the name of the district in the State in which the maximum damage was caused to the crops by rains during the period from 1955-56 to 1959-60 together with the name of the district to which maximum relief was given during this period?

Rao Birendar Singh (Revenue Minister) : The information is given below :—

Serial No.	Year	Name of the District where maximum damage was caused to crops.	Name of the District where maximum relief was given viz., Gratutous Relief, House Repair Grants, Remission of Land Revenue etc.
1.	1955-56	Bhatinda	Amritsar
2.	1956-57	Karnal	Jullundur
3	1957-58	Sangrur	Rohtak
4.	1958-59	Gurgaon	Gurgaon
5.	1959-60	Sangrur	Rohtak

CASES OF NON-PAYMENT OF PASSANGER-TAX AGAINST SANDHU BUS SERVICE, AMRITSAR

3350. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Finance be pleased to state the number of cases instituted against the management of Sandhu Bus Service, Amritsar during the years 1958-59 and 1959-60 for the non-payment of Passenger Tax?

Dr. Gopi Chand Bhargava : The information is as follows :—

Year		*Number of cases instituted in courts*
1958-59	..	37
1959-60	..	47

SATTA DARA CASES

3351. Shri Ram Piara : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) with reference to the reply to starred question No. 4639 printed in the list of questions for 22nd December, 1959, whether any raids were conducted by the police in the State, Police Station-wise under the Public Gambling (Punjab Amendment) Act, 1959, from the date of enforcement of the Act todate ; if so, the names of persons arrested as a result thereof together with the amount recovered from them with the date of raid in each case ;

(b) the number of cases of arrests mentioned in part (a) above which have been referred to the courts together with the decision in each case ;

(c) the amount so far forfeited under the said Act, the names of the persons from whom it was forfeited and the police station to which they belong?

Sardar Partap Singh Kairon : The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with the benefits sought to be derived by the Member.

The reply can be furnished regarding any specific case, if called.

WINDING UP OF CO-OPERATIVE SOCIETIES IN KARNAL DISTRICT

3352. Shri Ram Piara : Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) the number of Co-operative Societies in Karnal District with their names which have been wound up after enquiries under the orders of the Co-operative Department during the period from 1st January, 1960 to date and the reasons for the winding up of each ;

[Shri Ram Piara]

(b) whether any irregularities had been found in the working of the Societies mentioned in part (a) above during the process of enquiry ; if so, the details thereof in each case ;

(c) whether any action besides winding up is being taken against the said societies; if so, what ;

(d) the number of Co-operative Societies in Karnal District, enquries into the affairs of which are being conducted at pressent ?

Sardar Gurbanta Singh : (a) }
(b) } A statement is enclosed.

(c) No other action except that under sections 45 and 46 of the Punjab Co-operative Societies Act, 1954, has been taken against the societies.

(d) There are 34 Co-operative Societies in Karnal Circle, enquiries into the affairs of which are being conducted at present.

1st January, 1960 *to-date*

	Name of the Society	Reasons for winding up
1.	Chowdhry Passina Kalan Co-operative Farming Society, tehsil Panipat, district Karnal	The Society moved for its winding up by means of a resolution carried by the 3/4th majority. All its members had left the village and disposed of their respective lands
2.	Patti Kalyana Co-operative Multipurpose Society, tehsil Panipat, district Karnal	It was simply running a depot for the sale of fertilizers. Its salesman embezzled a certain sum regarding sale proceeds of fertilizers. The case is under investigation with the Police
3.	It had Co-operative Thrift and Credit Society, tehsil Panipat district Karnal	The Society moved for its winding up by means of a resolution carried by 3/4th majority. The members were not taking interest in the working of the Society
4.	Suluja Co-operative Thrift and credit Society, tehsil Panipat, district Karnal	The Society moved for its winding up by means of a resolution carried by 3/4th majority. The members were not taking interest in the working of the Society. Members had migrated to other places
5.	Bharat Co-operative Thrift and Credit Society, tehsil Panipat, district Karnal	Its members had left the village and the Government loan was not safe
6.	Mahabir Dal Co-operative Thrift and Credit Society, tehsil Panipat, district Karnal	The Society moved for its seizure by means of a resolution carried by 3/4th majority. It existed simply on paper because the members had left the area of operation
7.	Hind Co-operative Multipurpose Society, Ltd., Karnal	One family show, bogus business transactions, accounts were not up to date, was working in contravention of the by-laws, its admission, withdrawal and expulsion of members were in contravention of the Act

Name of the Society	Reasons for winding up
8. Madhuban Co-operative Cold Store, Kutail, tehsil and district Karnal	It was reduced to one family show and was leased out like private arhties, lessees did not appear to be financially sound and they failed to pay the rent and make payment of the loan instalment and interest to Appex Bank, the maintenance of accounts was far from satisfactory and its Manager failed to produce any account before the Enquiry Officer
9. Gawalra Labour and Construction Society, Ltd., post office Smalkha, tehsil Panipat, district Karnal	The members were not taking interest in the working of the Society and its by-laws were being violated
10. Lapauli Shujabadi Thrift and Credit Society, Panipat, Karnal	From the very beginning it did not function on sound lines. There was a bogus registration and most of its members left the village
11. The Karnal Mann Brothers Co-operative Farming Society, Ltd., Karnal	Admission, withdrawal and expulsion of members were not in accordance with the Punjab Co-operative Societies Act, 1954 ; accoutns were not properly maintained and the books were written monthly in place of daily, ultimately it was reduced to one family show, the amount regarding sale proceeds of fertilizers etc. remained unpaid since long; expenditure was incurred without any proper sanction, Central Bank loans were not properly utilised and the Society was running under heavy losses (M.C.L. of the Society is reduced to nil and the fertilizers depot has been cancelled)
12. Channel Heri Co-operative Industrial Leather Society, Ltd., tehsil Thanesar, district Karnal	Violation of bye-laws and under departmental instructions, the Society did not adopt the shoe making profession, four of its members left the area of operation and Central Bank loan remained overdue
13. Shahabad, Markanda Thrift and Credit Society, tehsil Thanesar, district Karnal	Violation of bye-laws and under departmental instructions, the Society ceased functioning. Central Bank loans remained overdue
14. Kurukshetra Co-operative Brick Kiln Society Ltd., tehsil Thanesar, district Karnal	Violation of bye-laws and under departmental instructions, the members were disinterested to the working of the Society, they had migrated to other places and the Society was under heavy Central Bank loans
15. Ladwa Purana Bazar, Co-operative Thrift and Credit Society, tehsil Thanesar, district Karnal	Violation of bye-laws and departmental instructions. Heavy Central Bank loans overdue, members migrated to other places and they showed no interest in the working of the Society
16. Chunian Co-operative Thrift and Credit Society, tehsil Kaithal district Karnal	Violation of bye-laws and under departmental instructions, members migrated to other places, Government loan remained outstanding and the Society ceased functioning

[Minister for Community Development]

Name of the Society	Reasons for winding up
17. Bhakar Co-operative Urban Thrift and Credit Society, tehsil Kaithal, district Karnal	Violation of bye-laws and under departmental instructions, the Society moved for its winding up by means of resolution carried by the 3/4th majority
18. Lohar Majra Co-operative Poultry Society, Ltd., tehsil Kaithal, district Karnal	Violation of bye-laws and under departmental instructions, the Society moved for its winding up by means of resolution carried by the 3/4th majority
19. Toontha Co-operative Tube-Well Society Ltd., tehsil Kaithal, district Karnal	Violation of bye-laws and under departmental instructions, the Society moved for its winding up by means of resolution carried by the 3/4th majority
20. Kaithal Patti Dogran Co-operative Thrift and Credit Society, tehsil Kaithal, district Karnal	Violation of bye-laws and under departmental instructions, outsiders were admitted. Government loans were not safe

LAND ACQUIRED UNDER THE EAST PUNJAB UTILISATION OF LANDS ACT, 1949

3353. Shri Ram Piara : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) with reference to the reply to unstarred question No. 2094 printed in the list of questions for 16th February, 1960, the area of land which has been taken back as 'surplus' being more than 30 standard acres, from the lessees under the East Punjab Utilisation of Lands Act, 1949 the dates when the areas were taken over and the names of the villages and their districts in which such land is situated ;

(b) whether the area referred to in para (a) above has been leased out; if so, to whom, and under what conditions , if not, the reasons therefor?

Giani Kartar Singh : (a) Nil so far.

(b) Question does not arise.

LAND RESERVED FOR HOUSE SITES FOR HARIJANS IN AJNALA AND AMRITSAR TEHSILS

3354. Dr. Bhag Singh : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number and names of villages in tehsils Amritsar and Ajnala, district Amritsar, in which land has been reserved for the houses of Harijans during the course of consolidation ;

(b) the area of land reserved in each case ;

(c) whether actual possession of the land mentioned in part (b) above has been given to the beneficiaries; if so, in how many cases?

Rao Birendar Singh : (a)—

		Number of villages	*Name of Villages*
(i) Amritsar tehsil	..	263	List attached
(ii) Ajnala tehsil	..	86	Ditto

(b) The time and labour involved is not commensurate with the benefit sought.

(c) (i) Amritsar tehsil .. In 223 villages only.

(ii) Ajnala tehsil .. Proceedings under section 21(1) have been carried out in 20 villages only. Physical possession will be changed at the proper time

Statement showing the area reserved for Harijans in Amritsar Tehsil

Serial No.	Name of village		Whether possession has been given or not
1	2		3
1	Chandan Ke	..	Yes
2	Argan Manga	..	Do
3	Dharmu Chak	..	Do
4	Athwal	..	Do
5	Tunail	..	Do
6	Bhoewal	..	Do
7	Ram Diwali Musalmana	..	Do
8	Ghanisham Pura	..	Do
9	Balowali	..	Do
10	Klar Bala Pai	..	Do
11	Bagga	..	No
12	Ram Diwali Brahmana	..	Do
13	Gadoo Rajada	..	Yes
14	Khido Wali	..	Do
15	Bopa Rai	..	Do
16	Ucho Ke Khurd	..	No
17	Chugawan	..	Yes
18	Rasulpur Khurd	..	Do
19	Tahar Pura	..	Do
20	Bhoe	..	Do
21	Saidu Lehal	..	No
22	Kohala	..	Do
23	Jiwan Bandher	..	Yes
24	Akal Garh	..	Do
25	Khalaira	..	Do

[Minister for Irrigation and Power[

Serial No.	Name of village		Whether possession has been given or not
26	Kazi Kot	..	No
27	Gadli	..	Yes
28	Bhangwan	..	Do
29	Talwandi	..	Do
30	Sangrai Khurd	..	Do
31	Ghari	..	No
32	Dherai Kot	..	Do
33	Bandala	..	Do
34	Kot Hayat	..	Yes
35	Bulari	..	No
36	Bhorsi Brahmanan	..	Yes
37	Thothian	..	Do
38	Bhani Badechhian	..	Do
39	Chajjalwidi	..	No
40	Khela	..	Yes
41	Tangra	..	Do
42	Muchal	..	Do
43	Rana Kala	..	Do
44	Shahpur	..	Do
45	Narain Garh	..	Do
46	Bothohan Garh	..	Do
47	Raipur Khurd	..	Do
48	Malian	..	Do
49	Chohan	..	Do
50	Balia Manjupur	..	No
51	Tara Garh	..	Do
52	Raj Pura	..	Do
53	Narang Pura	..	Do
54	Butala	..	Yes
55	Gajar Bhana	..	Do
56	Jhalari	..	Do
57	Ghaziwal	..	Do
58	Baba Bukala	..	Do
59	Nijjar	..	Do
60	Jallupur Khera	..	Do
61	Rayya	..	No
62	Bedadpur	..	Yes
63	Umra Nangal	..	Do
64	Rajadewal	..	Do
65	Sathiala	..	Do
66	Lidhar	..	Do
67	Khasi	..	Do
68	Paddy	..	Do
69	Tong	..	Do
70	Pheruman	..	Do
71	Bhani Ram Dyal	..	Do
72	Chima Bath	..	Do
73	Bule Nangal	..	Do
74	Husaim Pura	..	Do
75	Mad	..	Do
76	Wadala Khurd	..	Do
77	Sudhar	..	Do
78	Dunial	..	Do
79	Dhian Pur	..	Do
80	Kaler Ghaman	..	Do
81	Niranjan Pur Fatuwal	..	No
82	Lohgarh	..	Yes
83	Loharan Walan	..	Do
84	Jaru Nangal	..	No
85	Khalchian	..	Do
86	Butari	..	Yes

Serial No.	Name of village		Whether possession has been given or not
1	2		3
87	Bhindor	..	Yes
88	Rattan Garh	..	Do
89	Madepur	..	Do
90	Banian	..	Do
91	Bhalipur	..	Do
92	Singhpur	..	Do
93	Jaspal	..	Do
94	Ramana Chak	..	Do
95	Dholke	..	No
96	Tekkapur	..	Yes
97	Khaba	..	Do
98	Saidoke	..	Do
99	Butter Siatia	..	Do
100	Dherdev	..	No
101	Pallah	..	Yes
102	Daud	..	Do
103	Rajdhan	..	Do
104	Suro Padde	..	Do
105	Mahsampur Khurd	..	Do
106	Jalal	..	Do
107	Usman	..	Do
108	Ghugatwind Hinduan	..	Do
109	Kadra Bad	..	Do
110	Karalian	..	Do
111	Bathu Chak	.	Do
112	Sarala	.	No
113	Bala Chak	.	Do
114	Khera	..	Do
115	Phatu Bhila	..	Yes
116	Kotli Dholai Shah	..	Do
117	Lohrka	..	Do
118	Kehru Nangal	..	Do
119	Darai Ke	..	Do
120	Sadhpura	..	Do
121	Chatiwind lalan	..	Do
122	Mangal Sarai	..	Do
123	Bhilowal	..	Do
124	Babo Wal	..	Do
125	Bholar Hand	..	Do
126	Mian Bhander	..	Do
127	Jainti Pura	..	Do
128	Magosoi	..	Do
129	Saine Wal	..	Do
130	Shahzada	..	No
131	Pakharpura	..	Yes
132	Dhade	..	Do
133	Ram	..	Do
134	Bhoia Diwan Hindwan Fateh Garh	..	Do
135	Durala	..	No
136	Kot l Hirderam	..	Yes
137	Moin	..	Do
138	Kathu Nangal	..	Do
139	Gopal Pura	..	No
140	Kotla Syyedan	..	Do
141	Ajaib Wali	..	Yes
142	Kaler Mangat	..	No
143	Varyam Nangal	..	Do
144	Sham Nagar	..	Yes

[Minister for Irrigrtion and Power]

Serial No.	Name of village	Whether possession has been given or not
1	2	3
145	Alkara	.. Yes
146	Jhande	.. Do
147	Dyal Pur	.. Do
148	Chacho Wali	.. No
149	Talwandi Khuman	.. Yes
150	Rangil Pur	.. Do
151	Theral Wal	.. Do
152	Kotla Majhe Wala	.. Do
153	Borewal Kang	.. No
154	Murari Kalan	.. Yes
155	Johal	.. Do
156	Maidhi Pur	.. Do
157	Kotla Gujran	.. Do
158	Bhangwan	.. Do
159	Anait Pura	.. Do
160	Jethu Nangal	.. Do
161	Daudpura	.. Do
162	Dhing Nangal	.. Do
163	Bhaini Lidhran	.. No
164	Burj Nau Abad	.. Yes
165	Athwal	.. No
166	Hamja	.. Yes
167	Dadian	.. Do
168	Gabwali	.. Do
169	Harian	.. Do
170	Chande	.. Do
171	Supari Wind	.. Do
172	Ghosal Zemındaran	.. No
173	Buddatheh	.. Do
174	Nangal Dyal Singh	.. Yes
175	Othian	.. Do
176	Bhaman	.. Do
177	Malowal	.. Do
178	Birber Pura	.. Do
179	Dheul Khurd	.. Do
180	Kotla Khurd	.. Do
181	Gill	.. Do
182	Bhani Gillan	.. Do
183	Dhulkalan	.. Do
184	Majwind	.. Do
185	Miran Kot Khurd	.. Do
186	Kotla Dal Singh	.. Do
187	Bishambar Pura	.. Do
188	Nangal Panwan	.. Do
189	Lohar Ka Khurd	.. Do
190	Jhita Khurd	.. Do
191	Chhappa	.. Do
192	Khera Bad	.. Do
193	Naushehra	.. Do
194	Wadali Dogran	.. Do
195	Mudhal	.. Do
196	Jand	.. Do
197	Nangli	.. Do
198	Ludhan	.. Do
199	Jagat Pur Bazaz	.. Do
200	Mahnian Kehiran	.. Do
201	Mahoka	.. Do

Serial No.	Name of village	Whether possession has been given or not
1	2	3
202	Talwandi Dogran	Yes
203	Murad Pura	Do
204	Rai Pur	Do
205	Nawan Kot	Do
206	Sohian Khurd	Do
207	Rakh Devi Dass Pura	Do
208	Bhagatu Pura	Do
209	Kamboo	Do
210	Devi Dass Pura	Do
211	Jhitan Kalan	Do
212	Mahmen	Do
213	Bal	Do
214	Meharban Pura	Do
215	Zahan Gir	Do
216	Sahchander	Do
217	Malak Pur	Do
218	Rasul Pur	Do
219	Mana Wala	Do
220	Rakshkarga	Do
221	Gaunsa-Bad	Do
222	Mehnian Brahmanan	Do
223	Talwandi Dasonda Singh	Do
224	Hamidpur	Do
225	Pandoori Warich	Do
226	Fateh Garh Sukarehak	Do
227	Kila Jiwan Singh	Do
228	Heir	Do
229	Wadala Bhilte Wad	No
230	Nag	Do
231	Jaethu Wal	Do
232	Nazam Pura	Do
233	Miran Kot Kalan	Do
234	Bal Khurd Kalan	Do
235	Makhan Widi	Do
236	Shafi Pur	Yes
237	Pandori	Do
238	Dhatal	Do
239	But	Do
240	Verpal	Do
241	Ban Chari	Do
242	Iban Kalan	Do
243	Galwali	Do
244	Khasa	Do
245	Chatiwind	Do
246	Chak Mukand	Do
247	Kotli Mian	Do
248	Mulan Brahm	Do
249	Ghuman Pur	Do
250	Baser Ke	Do
251	Sur Singh	Do
252	Kotli Nasir Khan	Do
253	Khurmian	Do
254	Sangna	Do
255	Kathanian	Do
256	Khapar Khari	Do
257	Mandiala	Do
258	Chabba	Do
259	Ibban Khurd	Do
260	Ram Pura	Do
261	Bhoru	Do
262	Timme Wal	Do
263	Umar Pura	Do

[Minister for Irrigation and Power]

Statement showing the area reserved for Harijans in Ajnala Tehsil

Serial No.	Name of village		
1		2	3
1	Pandori		
2	Mula-Kot		
3	Bhopa Rai Khurd		
4	Kaloowal		
5	Klair		
6	Lalian		
7	Kotli Aulakh		
8	Madho Ke		
9	Gagar Mal		
10	Bhilowal		
11	Tapiala		
12	Beherwal		
13	Khizar Pura		
14	Thathi		
15	Lawan		
16	Kamirpur		
17	Thatha		
18	Maura		
19	Mohar		
20	Kakar		
21	Punga		
22	Jairam Kot		
23	Maidi Khurd		
24	Mandian Wala		
25	Mazuffar Pur		
26	Chuchak Wal		
27	Bhalot		
28	Bakraur		
29	Barlas		
30	Kot Sidhu		
31	Rokhe		
32	Rai Pur Khurd		
33	Chak Phula		
34	Kotli Koro Tana		
35	Rayar		
36	Gujjar Pura		
37	Wanjan Wala		
38	Panj Guriane Nijran		
39	Bhakha Hari Singh		
40	Pandori Sukha Singh		
41	Kotli Amb		
42	Harar Khurd		
43	Bakha Tara Singh		
44	Khanowal		
45	Kotli Kazian		
46	Kalomahal		
47	Dial Bhatti		
48	Perriawal		
49	Kotli Jamait Singh		
50	Jassar		
51	Sadhar		
52	Nanoke		
53	Dhurian		
54	Korialian		
55	Pherewaryah		
56	Bohar Wala		

Serial No.	Name of village
1	2
57	Kot Mughal
58	Heller
59	Kaiam Pur
60	Mukuam
61	Rajian
62	Harrir Mutsil Bhure Gill
63	Kotla Kazian
64	Chain Pur
65	Saidu Pur
66	Kotla Doom
67	Rodala
68	Blaggan
69	Dhariwal
70	Ludev
71	Mughalani Kot
72	Bua Nangli
73	Salim Pur
74	Dhadrai
75	Ranwali
76	Ghukewali
77	Dalam
78	Lalla Afghana
79	Pathan Nangal
80	Kot Kesra Singh
81	Saktu Nangal
82	Chetan Pur
83	Kotla Saddar
84	Talwandi Sephai Mal
85	Khatrai Khurd
86	Salodhin

LAND ACQUIRED FOR BEAS DAM COLONY

3355. Shri Rala Ram : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) Whether Government have acquired any lands in Talwara, Bhera, Dauhar, Nangal and Changarwan villages in Dasuya Tehsil for setting up a Beas Dam Colony ; if so, the amount of compensation paid therefor per ghamaon ?

(b) Whether the compensation referred to in part (a) above has been paid at the prevailing market prices ?

Rao Birendar Singh : (a) & (b) Land in villages Talwara, Bahera, Dohar, Ram Nangal and Changarwan is being acquired for setting up Beas Dam Colony for which notification under section 4 of the Land Acquisition Act, 1894, has been issued. Compensation will be assessed according to the provisions of the Land Acquisition Act by the Collector, Hoshiarpur and paid accordingly.

OUSTEES OF VILLAGES ACQUIRED FOR BEAS DAM COLONY

3356. Shri Rala Ram : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to find employment for the oustees of the villages acquired for building the Beas Dam Colony either as labourers or office hands ; if so, the details thereof ?

Rao Birendar Singh : The matter is under the consideration of the Government and it will take some time before a final decision is taken.

WIDENING OF MUKERIAN TALWARA ROAD

3357. Shri Rala Ram : Will the Minister for Public Works be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to widen the road between Mukerian and Talwara up to 120 feet. If so, the time by which this is expected to be done ?

Chaudhri Suraj Mal : There is no proposal to acquire additional land to widen this road up to 120 feet. However, a proposal to widen the crust to 22 ft. is under consideration.

NEW ARTS COLLEGES IN THE STATE

3358. Shri Rala Ram : Will the Minister for Education be pleased to state whether Government intend to start any new Arts Colleges in the State during the next two years (1961-62 and 1962-63), if so, the number thereof and the names of the places where they are likely to be located ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : Yes. Final decision about location has not, however, been taken so far.

AKALI RELEASED FROM KAPURTHALA JAIL ON 11TH JANUARY, 1961

3359. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the names of Akali undertrial prisoners of Kapurthala Jail whose release orders were received by the Jail authorities on 10th January, 1961 and the time at which they were received ;

(b) the names of those mentioned in part (a) above who were released on 11th January, 1961 as well as the time of their release in each case ;

(c) whether the persons mentioned in part (b) above who were served with meals in the Jail in the evening on the 10th January, 1961 and in the morning on the 11th January, 1961 before their release ; if not, the reasons therefor ?

Shri Mohan Lal : (a) (i) The requisite information is given in 'Annexure A'.

(ii) Release orders of 18 prisoners were received at 12.00 noon and of 57 prisoners at 1.50 p.m. on 10th January, 1961.

(b) (i) The requisite information is given in 'Annexure B'.

(ii) These prisoners were released at 11.30 a.m. on 11th January, 1961.

(c) Yes.

ANNEXURE 'A'

List of the prisoners (Akali) whose orders for release were received on 10th January, 1961

---

(1) Tej Bahadur Singh, son of Khushal Singh.
(2) Harbans Singh, son of Amar Singh.
(3) Ajit Singh, son of Lachhman Singh.
(4) Bawa Singh, son of Rakha Ram.
(5) Sham Singh, son of Khushal Singh.
(6) Ishar Singh, son of Nihal Singh.
(7) Harbans Singh, son of Jagat Singh.
(8) Surjit Singh, son of Hazara Singh.
(9) Pritam Singh, son of Ladha Singh.
(10) Balwant Singh, son of Sunder Singh.
(11) Khazan Singh, son of Mal Singh.
(12) Satnam Singh, son of Lal Singh.
(13) Dalip Singh, son of Lakha Singh.
(14) Gian Singh, son of Kirpa Ram.
(15) Mohinderpal Singh, son of Ajit Singh.
(16) Jagjit Singh, son of Surat Singh.
(17) Mohinder Singh, son of Gopal Singh.
(18) Prem Singh, son of Chanan Singh.
(19) Kashmira Singh, son of Bal Singh.
(20) Darshan Singh, son of Gian Singh.
(21) Chanan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(22) Bawa Singh, son of Guru Gobind Singh.
(23) Dhan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(24) Darshan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(25) Joginder Singh, son of Guru Gobind Singh.
(26) Harbhajan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(27) Harinder Singh, son of Guru Gobind Singh.
(28) Karnail Singh, son of Guru Gobind Singh.
(29) Jaga Singh, son of Guru Gobind Singh.
(30) Achhar Singh, son of Guru Gobind Singh.

[Minister for Industries]

(31) Gurbachan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(32) Faqir Singh, son of Mangal Singh.
(33) Kalwant Singh, son of Jhanda Singh.
(34) Nazar Singh, son of Guru Gobind Singh.
(35) Jaswant Singh, son of Guru Gobind Singh.
(36) Balwant Singh, son of Guru Gobind Singh.
(37) Balkar Singh, son of Guru Gobind Singh.
(38) Swaran Singh, son of Guru Gobind Singh.
(39) Suba Singh, son of Guru Gobind Singh.
(40) Kashmira Singh, son of Guru Gobind Singh.
(41) Gujar Singh, son of Guru Gobind Singh.
(42) Joginder Singh, son of Guru Gobind Singh.
(43) Pritam Singh, son of Guru Gobind Singh.
(44) Darshan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(45) Amarjit Singh, son of Guru Gobind Singh.
(46) Kashmira Singh, son of Guru Gobind Singh.
(47) Mangal Singh, son of Guru Gobind Singh.
(48) Dalip Singh, son of Guru Gobind Singh.
(49) Mukhtiar Singh, son of Guru Gobind Singh.
(50) Charan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(51) Sulakhan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(52) Joginder Singh, son of Guru Gobind Singh.
(53) Makhan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(54) Banta Singh, son of Teja Singh.
(55) Payara Singh, son of Saudagar Singh.
(56) Darshan Singh of Kapurthala.
(57) Assa Singh, son of Shiv Singh.
(58) Narain Singh, son of Mela Singh.
(59) Teja Singh, son of Jaimal Singh.
(60) Naranjan Singh, son of Satnam Singh.
(61) Darshan Singh alias Sucha Singh, son of Kartar Singh.
(62) Manohar Singh, son of Jiwan Singh.
(63) Narain Singh, son of Hari Singh.
(64) Amarjit Singh, son of Tirath Singh.
(65) Darshan Singh, son of Atma Singh.
(66) Hari Singh, son of Mala Singh.
(67) Darshan Singh, son of Jagat Singh.
(68) Mangal Singh, son of Amar Singh.
(69) Payara Singh, son of Santa Singh.
(70) Jaga Singh, son of Khem Singh.
(71) Lachhaman Singh, son of Chanan Singh.
(72) Baldev Singh, son of Kishan Singh.
(73) Hari Singh, son of Kehar Singh.
(74) Pritam Singh, son of Bahadur Singh.
(75) Nand Singh, son of Jawala Singh.

ANNEXURE 'B'

List of the prisoners (Akali) who were released on 11th January, 1961 as their release was obstructed by Shri Atma Singh, M.L.A. and few others whose relaese orders have not been received

(1) Tejbahadur Singh, son of Khushal Singh.
(2) Harbans Singh, son of Amar Singh.
(3) Ajit Singh, son of Lachhman Singh.
(4) Bawas Singh, son of Rakha Ram.
(5) Sham Singh, son of Khushal Singh.
(6) Ishar Singh, son of Nihal Singh.
(7) Harbans Singh, son of Jagat Singh.
(8) Surjit Singh, son of Hazara Singh.
(9) Pritam Singh, son of Ladha Singh.
(10) Balwant Singh, son of Sunder Singh.
(11) Khazan Singh, son of Mal Singh.
(12) Satnam Singh, son of Lal Singh.

(13) Dalip Singh, son of Lakha Singh.
(14) Mohinderpal Singh, son of Ajit Singh.
(15) Mohinder Singh, son of Gopal Singh.
(16) Khem Singh, son of Chanaa Singh.
(17) Kashmira Singh, son of Bal Singh.
(18) Darshan Singh, son of Gian Singh.
(19) Chanan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(20) Bawa Singh, son of Guru Go bind Singh.
(21) Dhan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(22) Darshan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(23) Joginder Singh, son of Guru Gobind Singh.
(24) Harbajan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(25) Narinder Singh, son of Guru Gobind Singh.
(26) Karnal Singh, son of Guru Gobind Singh.
(27) Faqir Singh, son of Mangal Singh.
(28) Kalwant Singh, son of Jhanda Singh.
(29) Gurbachan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(30) Achhar Singh, son of Guru Gobind Singh.
(31) Jaga Singh, son of Guru Gobind Singh.
(32) Nazar Singh, son of Guru Gobind Singh.
(33) Jaswant Singh, son of Guru Gobind Singh.
(34) Balwant Singh, son of Guru Gobind Singh.
(35) Balkar Singh, son of Guru Gobind Singh.
(36) Swaran Singh, son of Guru Gobind Singh.
(37) Suab Singh, son of Guru Gobind Singh.
(38) Kashmira Singh, son of Guru Gobind Singh.
(39) Gujjar Singh, son of Guru Gobind Singh.
(40) Joginder Singh, son of Guru Gobind Singh.
(41) Pritam Singh, son of Guru Gobind Singh.
(42) Darshan Singh, son of Guru Gobind Singh.
(43) Amarjit Singh, son of Guru Gobind Singh.
(44) Kashmira Singh, son of Guru Gobind Singh.

ARREARS OF REINSTATED EMPLOYEES IN THE JAIL DEPARTMENT

3360. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the names of employees of the Jail Department, in the State who were suspended during 1959-60 and the current year, but who were reinstated after the result of court cases or departmental enquiries against them ;

(b) whether the said employees were paid the arrears of their salaries for the period of their suspension ; if so, when, if not, the reasons therefor and the steps being taken for the payment thereof ?

Shri Mohan Lal : (a) &(b) The requisite information is indicated in the enclosed statement.

[Minister for Industries]

STATEMENT

Serial No.	Name of employees who were suspended during 1959-60	Name of employees who were suspended during 1960-61 (Current year)	Whether the suspended employees were paid the arrears of salaries for the period of suspension. If so when	If the arrears of salaries to the suspended employees were not paid, the reasons therefor and the steps being taken for the payment thereof
1	2	3	4	5
1	Shri Sucha Singh, officiating Assistant Superintendent	..	Not paid ..	Suspension period was not treated as duty
2	..	Shri Niranjan Singh Warder ..	Paid on 1st July, 1960 ..	..
3	Shri Madho Ram, Warder ..	..	Not paid ..	The period of suspension was a departmental punishment
4	Shri Jagdish Ram, Head Warder	..	Not paid ..	Matter is under consideration
5	Shri Ram Sarup, Warder ..	..	Paid on 14th December, 1960	..
6	Shri Risal Singh, Warder ..	..	Paid on 14th February, 1960	..
7	Shri Raghunath Singh, Warder	..	Paid on 14th February, 1960	..
8	Shri Dhian Singh, Warder ..	..	Not paid ..	The period of suspension was not treated as duty
9	Shri Hardit Singh, S. G. Warder	..	Not paid ..	Ditto
10	Shri Manohar Lal, Warder ..	..	Not paid ..	Ditto
11	Shri Sohan Singh, Warder ..	..	No paid ..	Ditto
12	..	Shri Budh Singh, Temporary, Warder	Not paid ..	Suspension period was not treated as duty
13	..	Shri Mohinder Singh, Warder	Not paid ..	Suspension period was treated as leave without pay

14	..	Shri Gurbachan Singh, Warder	Paid on 1st February, 1961 ..	..
15	..	Shri Jagir Singh, Temporary Warder	Paid on 25th February, 1961	..
16	..	Shri Babu Ram, Temporary Warder	Paid on 21st Februry, 1961	..
17	..	Shri Baldev Singh, Temporary Warder	Paid on 16th February, 1961 ..	..
18	Shri Mangal Singh, Warder ..	..	Not paid ..	Period of suspension was not treated as duty
19	Shri Ram Nath, O. G., Warder	..	Not paid ..	Ditto
20	Shri Kewal Kishan, Warder ..	..	Paid on 7th September, 1960	..
21	Shri Phuman Ram, Warder ..	..	Paid on 6th October, 1960 ..	..
22	Shri Des Ram, Warder ..	..	Paid on 11th November, 1959	..
23	..	Shri Des Raj, Warder ..	Paid on 29th June, 1960 ..	..
24	Shri Ram Saran Dass, Warder	..	Paid on 1st December, 1959 ..	..
25	Shri Barkat Ram, Warder ..	..	Paid on 1st December, 1959 ..	..
26	Shri Bidhi Chand, Warder ..	..	Paid on 1st January, 1960 ..	..
27	Shri Guranditta Mall, Warder	..	Paid on 1st November, 1959 ..	..
28	..	Shri Ram Nath, Warder ..	Paid on 1st January, 1960 ..	..
29	..	Shri Mast Ram, Warder ..	In the monthly pay bill as the the period of suspension was for 9 days only	..
30	..	Shri Thakar Das, Warder ..		
31	Shri Durga Das, Sweeper ..	..	Not paid ..	Period of suspension was not treated as duty
32	..	Shri Anokh Singh, Warder ..	Not paid ..	Period of suspension was treated as leave without pay
33	..	Shri Banarsi Das, Warder ..	Paid in July, 1960 ..	..

AKALIS TRANSFERRED FROM KAPURTHALA JAIL TO DISTRICT JAIL, AMRITSAR, ON 12TH JANUARY, 1961

3361. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of Akali prisoners transferred from Kapurthala Jail to District Jail, Amritsar, on 12th January, 1961, the reasons for this transfer and the name of the authority under whose orders they were transferred ;

(b) the names of districts in which cases had been registered against the prisoners mentioned in part (a) above, the dates of their registration and the law under which they were registered ;

(c) whether the said prisoners were produced before the courts ; if so, the dates on which this was done, and the details of the courts proceedings on each occasion in each case ;

(d) whether any orders were recorded on the warrants of the prisoners mentioned in part (c) above about their being transferred to Amritsar on 12th January, 1961 ; if so, copies of these orders be laid on the Table ;

(e) the date on which the said prisoners were released and the authority under whose orders they were released ?

Shri Mohan Lal : (a) to (e) Time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

APPLICATIONS OF PRISONERS FOR RELEASE ON PAROLE

3362. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the names of prisoners in Jails and Sub-Jails of the State who applied for their release on parole or furlough during the current year, the dates when each of them applied for the purpose and the dates when permission was granted ;

(b) the names of prisoners mentioned in part (a) above whose applications were rejected and the reasons therefor in each case ?

Shri Mohan Lal : (a) &(b) The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

DAMAGE BY FLOOD IN GHAGAR NADI

3363. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the names of villages in Patiala District which were affected by floods in the Ghagar Nadi, during the summer and winter seasons of the current year; the area affected village-wise and the total loss caused to crops and houses, etc. ;

(b) the details of the flood relief granted, village-wise and the total amount allotted for each such village ;

(c) whether Government received any representations during the current year, from the flood-sufferers referred to in part (a) above; if so, the details thereof and the action taken in each case ;

(d) whether there is any proposal under the consideration of Government to check the floods in the Ghagar; if so, the details thereof ?

Giani Kartar Singh : The time and labour involved in collecting and compiling the information asked for would not be commensurate with any possible benefit to be obtained from the reply of this question.

DEMARCATION OF HILLY AREAS

3365. Shri Rala Ram : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the criteria kept in view for demarcating areas in the State as Hilly areas ;

(b) whether the Shiwalik Hills with their Sub-montanous areas are included in the Hilly areas of the State ?

Dr. Gopi Chand Bhargava (Minister for Finance) : (a) Government observed the following criteria for demarcating hill areas of the State :—

(1) these should include all areas which are hilly and sub-montanous ;

(2) the smallest unit for the purpose should be the National Exension Service Block ;

(3) an existing block with a substantial areas that is hilly and sub-montane should be treated as a hilly area block, since it is not practicable to redemarcate such blocks for separating hilly areas ;

(4) areas from 1,000 ft. to 3,000 ft. height may be classified as sub-montane and those above 3,000 ft. height as hilly.

(b) Yes ; Sir.

WATER LOGGING IN SUB-TEHSIL SUNAM, DISTRICT SANGRUR

3366. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total water-logged area in sub-tehsil Sunam, district Sangrur and the period for which it has remained water-logged;

(b) the measures so far taken or proposed to be taken to check the spread of water-logging in the said area ?

Rao Birendar Singh : (a) Total water-logged area in sub-tehsil Sunam, district Sangrur, is 11,649 acres (Thur 3,740 acres and sem 7909 acres). The area has remained water-logged for the last five years.

(b) Effective drainage system is required to check the spread of water logging in any area.

The work on the following drainage schemes has been taken up or is proposed to be taken up shortly is Sunam area—

(1) Lehra Gagga main and link drainage system.

(2) Baretta Drainage system.

(3) Canalizing Sirhind Choe.

To relieve the area from the menace of water logging, Sunam. Pilot scheme has been prepared which is under execution. Apart from the construction and deepening of the above mentioned 223 miles long drains 250 miles length of ditch drains are also proposed to be constructed. Installation of 40 No. Tube-wells and 40 No. Pumping sets, construcion of 400 No. culverts and underground drainage in an area of ½ sq. miles are also envisaged in this area.

MEDICAL TREATMENT FOR AKALI UNDERTRIAL AT AMRITSAR

3367. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of Akali undertrial prisoners, if any, who were given medical treatment at the Amritsar Hospital, during the current year ;

(b) whether the said Akali prisoners were required to pay any charges for tests of various kinds ; if so, the amounts thereof in each case ?

Shri Mohan Lal : (a) A statement giving the required information is enclosed.

(b) No, in case they were admitted in the General Ward of the Hospital. But of the prisoners mentioned in (a) above, Shri Gurbachan Singh was admitted on his own request in a special ward room No. 8 of V. J. Hospital, Amritsar, on the 24th November, 1960, to undergo treatment and was discharged on the 1st December, 1960, from there. A sum of Rs 158 was charged from him for his treatment and hospital charges as a special ward patient.

List showing the names of Akali undertrials who were given medical treatment various hospitals (outside jails) at Amritsar

(1) Shri Bakshish Singh, son of Hakam Singh.

(2) Shri Gian Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(3) Shri Sohan Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(4) Shri Sarup Singh, M.L.A.

(5) Shri Mehar Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(6) Shri Partap Singh, M.L.A.

(7) Shri Amar Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(8) Shri Boota Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(9) Shri Manohar Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(10) Shri Gurbachan Singh, son of Bhag Singh.

(11) Shri Satnam Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(12) Shri Arjan Singh, son of Shri Labh Singh.

(13) Shri Sher Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(14) Shri Amarjit Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(15) Shri Gurbax Singh, son of Shri Wadha Singh.

(16) Shri Thakar Singh, son of Shri Gobind Singh.

(17) Shri Sadhu Singh Bhora, son of Shri Guru Gobind Singh.

(18) Shri Mohinder Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(19) Shri Balwant Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(20) Shri Dalip Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(21) Shri Gian Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(22) Shri Ram Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(23) Shri Arrorh Singh, son of Shri Hakam Singh.

(24) Shri Gurdial Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(25) Shri Shiv Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

(26) Shri Giani Harjeet Singh, son of Shri Chaudhri Singh.

(27) Shri Rur Singh, son of Shri Guru Gobind Singh.

POLICE PERSONNEL SENT TO DELHI IN JANUARY, 1961

3369. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of Police Officers/Officials who were requisitioned by the Delhi State administration in connection with the visit of Queen Elizabeth during the month of January, 1961 ;

(b) the total amount spent on the transport of the said police personnel to and from Delhi and the amount of Travelling Allowance/Dearness Allowance drawn by them in this connection ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) No Punjab Police personnel were requisitioned by the Delhi State Administration in connection with the visit of Queen Elizabeth.

(b) Does not arise.

MEMORANDUM FROM VILLAGERS OF BOWANI, DISTRICT PATIALA

3370. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Revenue be pleased to state whether the Financial Commissioner, Revenue received any memorandum from the residents of village Bowani, sub-tehisl Payal, district Patiala, for the supply of fodder during the current and last year; if so, when; the contents of the memorandum ; and the action taken thereon ?

Giani Kartar Singh : (i) Yes.
(ii) 2nd January, 1961.
(iii) Copy enclosed.

(iv) The memorandum was forwarded to the Deputy Commissioner, Patiala, on 18th January, 1961. It has been reported by him that since the loss sustained by the villagers on account of floods of 1960 was assessed at 45 per cent, they were not eligible for fodder which was distributed in those villages where the loss was 75 per cent or more.

The Financial Commissioner, Revenue,
Punjab Government, Chandigarh.

Subject.—Free supply of fodder (Turri) to the flood-stricken people in affected areas.

Respected Sir,

WE the residents of village Bowani, sub-tehsil Payal, district Patiala, beg to invite your attention to our petition, dated the 2nd September, 1960, on the subject cited above and to say that nothing has been heard so far inspite of issuing a chain of reminders to your goodself. We again approach your kind honour with the following request for an immediate necessary orders :—

(1) That due to heavy rains and floods in our village all the standing crops were totally damaged resulting in shortage of fodder for cattles.

(2) That we have learnt that free supply of fodder is being made in other affected villages by the Government, but this village has totally been ignored. We are in dire need of help at this stage. There is a great resentment among the affected people of this village.

It is, therefore, requested that immediate orders may kindly be issued to the lower authorities for free supply of fodder (Turri) to the affected and needy persons and save us from further destruction. We hope that our request will be acceded to by your benign hands and early orders are passed. We further request you that an intimation about the orders passed on our application may kindly be sent to enable us to proceed further in the matter.

Yours faithfully,

(Sd.) GURCHARN SINGH,

on behalf of the residents of village Bowani,
P.O. Doraha Mandi, sub-tehsil Payal
(District Patiala)

CIVIL DISPENSARIES IN VILLAGES TIBBA AND TALWANDI CHAUDHARIAN IN DISTRICT KAPURTHALA

3371. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the civil dispensaries in villages Tibba and Talwandi Chaudharian in district Kapurthala are without doctors at present, if so, since when and the reasons thereof in each case ;

(b) the steps taken or proposed to be taken to send doctors to the said dispensaries and the time by which this is expected to be done ;

(c) whether any representation in connection with the said dispensaries was received from the Director, Health Services from any Legislator ; if so, from whom, the contents of the representation and the action taken thereon ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) Yes, the Civil Dispensaries at Tibba and Talwandi Chaudharian, in Kapurthala District are without doctors since 16th January, 1960 and 27th June, 1958, respectively due to accute shortage of doctors in the Cadre.

(b) Dr. Jai Gopal Sahai (New Recruit), on his Selection by the Punjab Public Service Commission, was offered appointment as Civil Assistant Surgeon, I (G.) and is directed on 8th November, 1960 to assume charge of the Civil Dispensary, Talwandi Chaudharian, if declared fit by the Standing Medical Board. He was declared fit by the Board, but he has not yet reported for duty. He was given notice to join duty by 29th January, 1961. Efforts are being made to fill up this post by making temporary recruitment on six months basis.

As regards posting of a P.C.M.S. Officer at the Civil Dispensary, Tibba, Dr. Partha-Sarthi Basu (New recruit) has been directed on 23rd February, 1961 to assume charge of the Civil Dispensary.

(c) No. Does not arise.

AKALIS KEPT IN JAILS

3372. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state the number of Akali prisoners, jailwise, if any, who were kept in jails for periods of more than three months each without any evidence being produced against them during the current financial year ?

Shri Mohan Lal : The time and labour involved for the collection of requisite information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

REFUND OF PUNITIVE TAX

3873. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to refund the amounts of Punitive Tax assessed on and realized during the British rule in the State ; if so, the details thereof and the time by which it is likely to be implemented ?

Sardar Partap Singh Kairon : Government took a decision as far back as September, 1954, to refund the punitive fines imposed on villagers on account of their patriotic activities during the British Rule. These fines, where proved to have been paid and to the extent of payment, are refunded to village panchayats and not to individuals for use on objects of common benefit to the villagers as a whole. The last date for receiving applications was the 30th June, 1956.

GENERAL AMNESTY FOR THE RELEASE OF AKALI PRISONERS

3374. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the date on which Government announced general amnesty for the release of Akali prisoners and the withdrawal of pending cases against them during the current year and the reasons for which this was done ;

(b) the names of Akali prisoners who were in various jails of the State including Tehar Jail, Delhi on 22nd January, 1961 and the reasons for keeping them in Jails in view of the announcement mentioned in part (a) above ;

(c) whether the cases against Akali prisoners mentioned in part (b) above were to be withdrawn by the District Magistrates in the State ; if so, the reasons for the delay in the withdrawal of cases, and the issue of release orders in regard to the prisoners mentioned in part (b) above ;

(d) whether any action is proposed to be taken against the authorities mentioned in part (c) above ;

(e) the names of Akali prisoners who were released last of all from various jails in the State, the dates on which they were released and the reasons for the delay in their release ?

Shri Mohan Lal : (a) On 9th January, 1961. The Government announced general amnesty with a view to restore normal conditions in the State, and to create an atmosphere for building up healthy relations.

(b) to (e). The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

EXPENDITURE INCURRED ON AKALIS IN JAILS

3375. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Industries be pleased to state :—

(a) the total amount of expenditure incurred by Government on the Akali prisoners during the Punjabi Suba Movement, jail-wise, on food, medicines and other similar items ;

(b) the total expenditure incurred on transporting the said prisoners from one place to another, jail-wise ;

(c) the total amount paid to the said prisoners as railway fare on their release, jailwise ?

Shri Mohan Lal: (a), (b) and (c) The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

EXPENDITURE INCURRED IN CONNECTION WITH AKALI PRISONERS ON POLICE, MAGISTRATES, ETC.

3376. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the total expenditure incurred by the Police on bus hire, petrol, mobil oil, railway fares and T.A./D.A. of their personnel deputed to escort Akali prisoners during the Punjabi Suba movement to different places ;

(b) the total expenditure incurred by the prosecuting agency of the Police Department on the items mentioned in para (a) above to prosecute the cases of the said Akali prisoners, district-wise ;

(c) the total expenditure incurred by Government on the Magistrates going to different places to try the cases of the said prisoners ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a), (b) and (c) A statement containing the requisite information is enclosed.

District		Total expenditure incurred by the Police on bus hire, petrol, mobil oil, railway fares and T.A./D.A. of their personnel deputed to escort Akali prisoners during the Punjabi Suba movement to different places.	Total expenditure incurred by the prosecuting agency of the Police Department on the items mentioned in part (a) above to prosecute the cases of the said Akali prisoners, districtwise.	Total expenditure incurred by Government on Magistrates going to different places to try the cases of the said prisoners.
		(a)	(b)	(c)
		Rs nP.	Rs nP.	Rs nP.
Hissar	..	2,977.03	..	..
Rohtak	..	1,744.27	..	..
Gurgaon	..	1,100.41	..	..
Karnal	..	6,387.37	371.71	..
Ambala	..	9,598.09	1,222.92	1,452.42
Simla	..	236.43	168.37	44.00
Kangra	..	4,794.28	..	..
Hoshiarpur	..	15,034.65	499.30	285.00
Jullundur	..	6,641.99	..	..
Ludhiana	..	7,358.23	2,088.13	302.12
Ferozepur	..	38,135.35	191.12	45.56
Amritsar	..	68,098.16	1,648.16	11,833.90
Gurdaspur	..	8,464.43	351.49	120.29
Patiala	..	21,593.50	287.00	60.36
Sangrur	..	6,000.35	531.49	..
Bhatinda	..	5,345.36	101.45	..
Narnaul	..	855.88	..	..
Kapurthala	..	3,342.92	..	..
Total	..	2,07,708.70	7,461.14	14,143.35

CINEMA VAN WITH THE CIRCLE SOCIAL EDUCATION OFFICER, BHATINDA

3377. **Giani Kirpal Singh Shant** : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) with reference to the reply to unstarred question No. 2996, printed in the list of questions for 26th October, 1960, the date when the Cinema Van with the Circle Social Education Officer, Bhatinda Circle, Bhatinda, was repaired ;

(b) whether the said van was repaired at some place outside Bhatinda, if so, where ;

(c) whether any complaints were received by the Divisional Inspector of Schools, Nabha and Assistant Director, Social Education, about the misuse of the said van by the Social Education Officer, if so, the action taken thereon ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : (a) The Cinema Van with the Circle Social Education Officer, Bhatinda, was repaired ten times on different dates for the period from 2nd September, 1960 to 28th November, 1960.

(b) The Cinema Van was repaired outside Bhatinda at Jaitu and Kot Kapura.

(c) No complaint was received in this office or in the office of the Inspector of Schools, Nabha.

EXPENDITURE INCURRED ON THE MAINTENANCE OF THE CINEMA VAN WITH THE CIRCLE SOCIAL EDUCATION OFFICER, BHATINDA

3378. **Giani Kirpal Singh Shant** : Will the Minister for Education with reference to reply to unstarred question No. 2996 (d) be pleased to state whether the sum of Rs 227.82nP includes the salary of the driver, cleaner and Cinema operator of the cinema van with the Circle Social Education Officer, Bhatinda, from 3rd July, 1960, if not, the total emoluments so far paid to the said officials ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : The sum of Rs 227.82 nP does not include the salary of the Driver, Cleaner and Cinema Operator. The total emoluments so far paid to the said officials are Rs 1,625.66 nP.

COMPLAINTS AGAINST THE CIRCLE SOCIAL EDUCATION OFFICER, BHATINDA

3379. **Giani Kirpal Singh Shant** : Will the Minister for Education be pleased to state :—

(a) the total number of complaints received and the total number of enquiries made against the Circle Social Education Officer, Bhatinda, since his appointment as such ;

(b) the number of complaints mentioned in part (a) above which were received by the Minister, D.P.I.. Assistant Director (Social Education), separately, and the action, if any, taken thereon ?

Shri Amar Nath Vidyalankar :

(a) (i) Total No. of complaints received	..	Fifteen.
(ii) Total No. of enquiries made	..	Fourteen (one report awaited).
(b) (i) Complaints received by the Minister/ Deputy Minister	..	5
(ii) Complaints received by D.P.I.	..	7
(iii) Complaints received by A.D.S.E.	..	3

The services of Shri Ajiz have been terminated by Government,—*vide* orders, dated 27th February, 1961, in accordance with the terms and conditions of his appointment.

ENQUIRY AGAINST CIRCLE SOCIAL EDUCATION OFFICER, BHATINDA

3380. Giani Kirpal Singh Shant : Will the Minister for Education be pleased to state whether any enquiry has recently been held by the State Social Education Organiser against the Circle Social Education Officer, Bhatinda ; if so, the result thereof ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : Yes. Government have terminated the Services of Shri Mohan Singh 'Ajiz' in accordance with the terms and conditions of his appointment.

SUSPENSION OF THE ASSISTANT DIRECTOR, SOCIAL EDUCATION

3381. Giani Kirpal Singh Shant : Will the Minister for Education be pleased to state whether it is a fact that the Assistant Director of Social Education has recently been suspended from service ; if so the reasons therefor ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : Shri R. S. Chaudhri, Assistant Director (Social Education), is under suspension since the 9th September, 1960 (afternoon). He was suspended as a result of an alleged charge of corruption against him.

DEPOTS OF PUNJAB ROADWAYS

3382. Shri Ram Piara : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :—

(a) the total number of Depots of the Punjab Roadways at present in the State and the location of Headquarters of each ;

(b) the present number of buses at each Depot mentioned above, the number of new buses purchased during the year 1960 for each Depot and the make of each ?

Rao Birendar Singh : (a) Four with headquarters at Amritsar, Jullundur, Ambala and Gurgaon.

[Minister for Irrigation and Power]

(b)

Name of Depot		Present number of buses upto 31st March, 1961	Number of buses purchased during the year 1960	Make of buses purchased during the year 1960
Amritsar	..	162	46	All Mercedes Benz
Jullundur	..	132	46	All Leyland
Ambala	..	143	38	18 Dodge, 18 Fargo, and 2 Leyland
Gurgaon	..	142	81	42 Dodge, and 39 Fargo

RAISING OF STANDARDS OF PRIMARY AND MIDDLE SCHOOLS

3383. Sardar Ramdayal Singh : Will the Minister for Education be pleased to state the total number of Government Primary Schools raised to Middle standard and the number of Middle Schools raised to High standard during the year 1959-60 and the current year upto date in the State, district-wise and in Ludhiana District, separately tehsilwise ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : A copy of the list showing the number of Government Primary/Middle Schools raised to Middle/High standard during 1959-60 and 1960-61 is enclosed.

Number of Government Primary/Middle Schools raised to Middle/High standard during 1950-60 *and* 1960-61

Serial No.		District		Primary to Mddle Lower Middle		Middle to High	
				1959-60	1960-61	1959-60	1960-61
(a)	1	Kangra	..	..	29	..	11
	2	Ferozepur	..	..	12	..	8
	3	Hoshiarpur	..	..	13	..	5
	4	Gurdaspur	..	..	14	..	3

Serial No.	District		Primary to Middle Lower Middle 1959-60	Primary to Middle Lower Middle 1960-61	Middle to High 1959-60	Middle to High 1960-61
5	Jullundur	..	..	9	..	5
6	Amritsar	..	1	8	..	6
7	Ludhiana	..	..	7	..	2
8	Hissar	..	..	10	..	5
9	Rohtak	..	1	16	..	6
10	Gurgaon	..	..	10	..	3
11	Karnal	..	..	16	..	14
12	Ambala	..	1	11	1	6
13	Bhatinda	..	7	2	8	4
14	Patiala	..	7	14	6	7
15	Mohindergarh	..	13	2	3	5
16	Sangrur	..	11	3	10	8
17	Kapurthala	..	5	1	2	2
(b)	Ludhiana Tehsil	..	..	3	..	1
	Samrala Tehsil	..	..	1	..	1
	Jagraon Tehsil	..	..	3	..	..

ARREST FOR DEFYING BAN UNDER SECTION 144, CR. P. C., DURING 1960-61

3385. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) the names of places in the State where bans were imposed on public meetings and gatherings under section 144, Cr. P. C., during 1960-61 (upto 15th February, 1961) and the reasons therefor in each case ;

(b) whether any persons were arrested for defying the bans referred to in part (a) above, if so, their number together with their names and addresses ;

(c) the names of persons mentioned in part (b) above who were convicted by the courts ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) The required statement is placed on the Table.

(b) Yes. 16,543 persons.

[Chief Minister]

As for the names and addresses of the arrested persons, the time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with the benefits sought to be derived by the Member. The reply can be furnished regarding any specific case, if called.

(c) 1,200 persons. As regards the names and addresses of the persons convicted by the court, the time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with the benefits sought to be derived by the Member. The reply can be furnished regarding any specific case, if called.

Statement showing the names of the places in Punjab where bans were imposed on public meetings and gatherings under section 144, *Cr. P. C., during* 1960-61 *(up to 15th February,* 1961) *and the reasons therefor in each case*

District	Places where ban was imposed	Reasons for imposing ban	Number of persons arrested	Number of persons convicted by court
Hissar ..	Whole of Hissar District (11th July, 1960 to 10th September, 1960)	Due to threatened strike of Central Government employees	9	Cases pending in court.
	Hissar Textile Mills area (12th December, 1960 to 11th January, 1961)	Due to strike in Hissar Textile Mills		
	Whole of Hissar District (27th December, 1960 to 9th January, 1961)	Due to Akali Suba agitation		
Rohtak ..	Within Municipal limits of Rohtak, Sonepat, Gohana, Jhajjar and Bahadurgarh from 11th July, 1960 for 15 days	Due to threatened strike of Central Government employees	..	..
	Within Municipal limits of Rohtak, Sonepat, Gohana, Jhajjar, Bahadurgarh, Beri and Meham from 7th February, 1961 for 27 days	Due to language controversy in connection with Census	..	..
Gurgaon ..	Whole of Gurgaon District from 11th July, 1960 to 26th July, 1960	Due to threatened strike of Central Government employees	..	..
Karnal ..	Whole of Karnal district from 11th July, 1960 to 22nd July, 1960	Ditto ..	..	..

District	Place were ban was imposed	Reasons for imposing ban	Number of persons arrested	Number of persons convicted by court
Ambala ..	Whole of Ambala District from 28th May, 1960 to 27th August, 1960	Due to Punjabi Suba agitation and threatened strike of Central Government employees	962	..
Simla ..	Whole of Simla District from 11th July, 1960 to 10th August, 1960	Due to threatened strike of Central Government employees	..	..
Hoshiarpur	Whole of Hoshiarpur District from 11th July, 1960 to 11th August, 1960	Due to threatened strike of Central Government employees	40	None convicted. Cases withdrawn and all the persons released by Government.
	In tehsil Garh-Shankar only from 5th August, 1960 to 4th October, 1960	Due to Punjabi Suba agitation		
	Whole of Hoshiarpur District from 1st January, 1961 to 25th February, 1961	Due to language controversy		
Jullundur ..	Within Municipal limits of Jullundur and railway premises of R. S. Jullundur Cantt including Bridge Workshops from 11th July, 1960 to 18th July, 1960, 23rd July, 1960 to 20th September, 1960	Due to threatened strike of Central Government employees	98 in 1960 and 13 in 1961	36 convicted.
	Within Municipal limits, Jullundur, from 16th October, 1960 to 31st October, 1960	Due to Punjabi Suba agitation		
	Whole of Jullundur District from 4th February, 1961 to 3rd March, 1961	Due to language controversy in connection with census.		
Ludhiana ..	Whole of Ludhiana District from 18th January, 1960 to 24th January, 1960 and from 25th May, 1960 to 25th September, 1960	Due to Punjabi Suba agitation		

[Chief Minister]

District	Places where ban was imposed	Reasons for imposing ban	Number of persons arrested	Number of persons convicted by court
Ludhiana —*concld*	Within a radius of 100 yards of Sargodha High School, Ludhiana, from 26th September, 1960 to 24th November, 1960	Due to Panjabi Suba agitation ..	58	5
	Whole of Ludhiana District from 3rd February, 1961 to 9th March, 1961	Due to language controversy		
Ferozepur ..	Within Municipal limits of Muktsar and within a radius of 3 miles from Muktsar proper, from 18th June, 1960 to 17th October, 1960	Due to Punjabi Suba agitation	1,162	3 women convicted
Amritsar ..	Whole of Amritsar District from 30th May, 1960 to 27th August, 1960	Due to Punjabi Suba agitation	13,274	1,098
	Amritsar City and and Tarn Taran from 28th August, 1960 to 26th September, 1960	Ditto		
	Amritsar City only from 26th September, 1960 to 18th October, 1960 and 21st October, 1960 to 9th January, 1961	Ditto		
	Amritsar City and within Municipal limits of Chheharta, Tarn Taran, Jandiala, Majitha, Ramdas, Khem Karan, Patti and revenue limits of Jandiala and Rayya from 10th February, 1960 to 10th March, 1961	Due to language controversy in connection with census.		
Gurdaspur ..	In Pathankot Tehsil from 11th July, 1960 to 10th August, 1960	Due to threatened strike of Central Government employees.	..	..
	Whole of Gurdaspur District from 10th February, 1961 to 9th March, 1961	Due to language controversy in connection with census.		

District	Places where ban was imposed	Reasons for imposing ban	Number of persons arrested	Number of persons convicted by court
Patiala ..	Whole of Patiala District from 8th January, 1960 to 19th February, 1960, from 13th March, 1960 to 22nd March, 1960, from 26th May, 1960 to 10th November, 1960, and from 6th February, 1961 to 6th March, 1961	Due to Akali Suba agitation Due to language controversy	1,114	11
Sangrur ..	Whole of Sangrur District from 27th July, 1960 to 26th September, 1960 and from 2nd October, 1960 to 11th October, 1960	Due to Akali agitation	75	9
	Whole of Sangrur District from 9th February, 1961 to 8th April, 1961	Due to language controversy		
Bhatinda ..	Whole of Bhatinda District from 25th May, 1960 to 24th August, 1960	Ditto	38	All convicted.
	Mansa Sub-Division from 4th September, 1960 to 3rd October, 1960	In connection with floods		
	Within Municipal limits of Faridkot, Kot Kapura, Jaitu, Goniana, Bhuchoo, Kot Fatta, Bhatinda, Sangat, Raman, Rampura Phul, Bareta, Budhlada, Talwandi Saboo and Mandi Kalan from 14th February, 1961 to 13th March, 1961	Due to language controversy in connection with Census		
Kapurthala	Phagwara from 10th June, 1960 to 10th July, 1960	Due to dispute between labour and management of Textile Mill, Phagwara	..	..
	Whole of Kapurthala District from 11th July, 1960 to 2nd August, 1960	Due to Central Government employees		

PROCESSIONS/PUBLIC MEETINGS IN DEFIANCE OF SECTION 144 CR. P. C.

3386. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) the names of places in the State where processions were taken out and public meetings held in defiance of bans under section 144, Cr. P. C., during the year 1960-61 ;

(b) the dates when the said processions were taken out together with the names of persons who led these processions ;

(c) the number of arrests made in connection with the defiance referred to in part (a) above and the names of persons arrested ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) and (b) The required statement is placed on the Table.

(c) 17,319 persons were arrested for defying the ban under section 144 Cr. P. C. during 1960-61. As regards the names and addresses of the persons arrested, the time and labour involved in collecting this information will not be commensurate with the benefits sought to be derived by the Member. The reply can be furnished regarding any specific case, if called.

Statement showing the names of places in the Punjab State where processions were taken out and public meetings held in defiance of ban under section 144, Cr. P.C., during 1960-61 with dates when said processions were taken out and the names of the persons who led those processions and arrests made in connection with the defiance of the ban.

District	Names of the places where processions were taken out and public meetings held in defiance of ban under section 144 Cr. P. C.	Dates when the said processions were taken out	Names of persons who led the processions	Number of persons arrested for defying the ban
Hissar ..	Hissar Textile Mills area	13-12-60	1. Sri Chand 2. Ram Lal 3. Ram Hazoor ..	9
Hoshiarpur	Gurdwara Shahidan, police station Mahilpur	19-7-60	Jathedar Mehr Singh ..	26
	Garh Shankar	20-7-60	Tara Singh ..	14
Jullundur ..	Jullundur City	12-7-60 to 14-7-60 17-7-60	Bua Ditta Bhadar Sen Iqbal Singh Amar Nath Ranjit Singh ..	111

District	Names of the place where processions were taken out and public meetings held in defiance of ban under section 144 Cr. P.C.	Dtes when the said processions were taken out	Names of persons who led the processions	Number of persons arrested for defying the ban
		23-7-60	Karam Singh Joginder Singh	
		24-7-60	Sant Singh Sunder Singh	
		31-7-60	Smt. Daljit Kaur Gurdial Singh	
		7-8-60	Santokh Singh Raja Singh	
		24-8-60	Bhag Singh Jath. Milkha Singh	
		23-10-60	Ranga Singh Milkha Singh	
		5-2-61	Ajit Singh L. Jagat Narain, M.L.A., etc.	
		6-2-61	Jath. Mohan Singh Gurcharan Singh Gharib	
Ferozepur ..	Muktsar ..	23-9-60 5-10-60	Arjan Singh .. Rachhpal Singh Mangal Singh Gurdev Singh Beant Singh Kartar Singh	11
Patiala ..	Patiala ..	19-6-60 24-6-60 29-6-60 3-7-60 10-7-60 11-7-60 17-7-60 24-7-60 27-7-60 29-7-60 31-7-60 7-8-60 12-8-60 14-8-60 15-8-60 21-8-60 22-8-60 27-8-60 31-8-60 1-9-60 to 8-9-60 10-9-60 to 14-9-60 17-9-60 to 26-9-60 2-10-60 5-10-60 6-10-60 9-10-60 and 10-10-60 11-10-60 23-10-60 30-10-60	Not known as the Jathedars did not disclose their names.	1,114

[Chief Minister]

District	Names of the places where processions were taken out and public meetings held in defiance of ban under section 144 Cr. P.C.	Dates when the said processions were taken out	Names of persons who led the processions	Number of persons arrested for defying the ban
Patiala—*concld*	Nabha ..	5-7-60		
	Bassi ..	11-7-60 and 28-7-60		
	Doraha ..	16-8-60		
	Amloh ..	24-8-60 and 26-8-60		
Sangrur ..	Ahmedgarh ..	29-7-60	Partap Singh ..	75
	Bhawanigarh ..	16-8-60	Mehar Singh	
	Tuliwal, police station Sherpur	5-9-60	Mohan Singh	
Bhatinda ..	Phul ..	16-6-60	Iqbal Singh ..	38
	Balianwali ..	18-6-60	Gainder Singh	
	Mandi Kalan	19-6-60	Lal Singh	
		20-9-60	Karam Singh	
		5-7-60	Prem Singh Tailor	
Ambala ..	Ambala City	29-5-60	1. Harbhajan Singh ..	662
		10-7-60	2. Mehnga Singh	
		17-7-60	3. Sant Jagat Singh Nirmle	
		20-7-60	4. Master Jagat Singh	
		24-7-60	5. Jagar Singh	
		25-7-60	6. Gurbux Singh	
		29-7-60	7. Amar Singh	
		31-7-60	8. Gurdarshan Singh	
		5-8-60	9. Mewa Singh	
		8-8-60	10. Ajmer Singh	
		2-8-60	11. Telu Singh	
		14-8-60	12. Mohan Singh	
		15-8-60	13. Gurdial Singh	
		17-8-60	14. Udham Singh	
		21-8-60	15. Sampuran Singh	
			16. Waryam Singh	
			17. Sant Jagat Singh	
	Ambala Cantt	16-7-60	18. Tara Singh	
			19. Jaswant Singh	
	Kharar ..	19-6-60	20. Bachan Singh	
		7-7-60	21. Mehar Singh	
		16-7-60	22. Hira Singh	
		18-7-60	23. Nidhan Singh	
		29-7-60	24. Chait Singh	
		2-8-60	25. Punjab Singh	
		7-8-60	26. Ram Singh	
		10-8-60	27. Mangal Singh	
		15-8-60	28. Sant Sohan Singh	
		17-8-60	29. Gurmail Singh	
		18-8-60	30. Aya Singh	
		24-8-60	31. Inder Singh	
	Morinda ..	9-7-60	32. Niranjan Singh	
	Chandigarh ..	19-6-60	33. Bachan Singh	
		24-6-60	34. Chanan Singh	
		30-6-60	35. Mitha Singh	
		2-7-60	36. Jasmer Singh	
		7-7-60	37. Mangal Singh	
			38. Bachittar Singh	

District	Names of the places where processions were taken out and public meeting held in defiance of ban under section 144 Cr.P.C.	Dates when the said Processions were taken out	Names of persons who led the processions	Number of persons arrested for defying the ban
	Rupar ..	14-6-60	39. Sewa Singh	
		19-6-60	40. Amar Singh	
		16-7-60	41. Rawail Singh	
		7-8-60	42. Ajaib Singh	
		16-8-60	43. Jath. Nihal Singh	
		26-8-60	44. Harbans Singh	
			45. Chanan Singh	
	Yamunanagar	16-8-60	46. Sant Santokh Singh	
			47. Jai Singh	
			48. Amolak Singh	
			49. Rattan Singh	
			50. Mehar Singh	
			51. Sohan Singh	
			52. Amar Singh	
			53. Gurdev Singh	
Ludhiana ..	Ludhiana City	5-6-60	..	
		14-6-60 to 23-6-60	146 persons ..	1,985
		25-6-60 to 28-7-60 to 27-8-60		
		29-6-60 to 2-7-60		
		4-7-60 to 28-8-60		
		30-7-60 to 27-8-60		
		29-8-60 to 8-9-60		
		10-9-60		
		11-9-60 to 13-9-60		
		16-9-60 to 20-9-60		
		23-9-60 to 24-9-60		
		28-9-60 to 1-10-60		
		4-10-60 to 9-10-60		
		10-10-60		
		13-10-60 to 14-10-60		
		18-10-60 to 19-10-60		
		21-10-60 to 22-10-60		
		9-11-60		
		11-11-60		
		13-11-60		
		15-11-60 to 16-11-60		
		19-11-60		
		24-11-60		
		6-2-61		
	Khanna ..	29-6-60	Ludan Singh	
	Samrala ..	3-9-60 ..	Teja Singh	

[Chief Minister]

District	Names of the places where processions were taken out and public meetings held in defiance of ban under section 144 Cr. P.C.	Dates when the said processions were taken out	Names of persone who led the persons	Number of persons arrested for defying the ban
Ludhiana—*concld*	Jagraon ..	30-5-60	Mit Singh	
		3-6-60	Satnam Singh	
		21-7-60	Man Singh	
	Kaunke ..	17-7-60	Sohan Singh	
	Talwandi Rai	28-6-60	Phula Singh	
	Raikot ..	3-7-60	Gurdev Singh	
		8-7-60	Santa Singh	
		11-7-60	Darshan Singh	
		2-8-60	Jasmer Singh	
Amritsar ..	Amritsar ..	24-6-60	Surinder Singh ..	13,274
	Patti ..	3-7-60	Baldev Singh	
	Balia ..	4-7-60	Jaswant Singh	
	Mehta ..	5-7-60	Tarlochan Singh	
	Baba Bakala	10-7-60	Gurbux Singh	
	Putlighar, Amritsar	16-7-60	Parmjit Singh	
	Chheharta ..	17-7-60	Abinash Singh	
	Sultanwind	19-7-60	Daljit Singh	
	Chhabba ..	23-7-60	Jaimal Singh	
	Taran Taran City	24-7-60		
		29-7-60	Amar Singh	
		31-7-60	Massa Singh	
		7-8-60	Gian Singh alias Budh Singh	
		8-8-60	Harbans Singh	
		9-8-60	Hari Singh	
		10-8-60	Asu Singh	
		14-8-60	Nihal Singh	
		16-8-60	Gurdit Singh	
		19-8-60	Bihar Singh	
		22-8-60	Kundan Singh	
		27-8-60	Waryam Singh	
		29-8-60	Gian Singh	
		4-9-60	Gurdev Singh	
		20-9-60	Santokh Singh	
		26-9-60	Achhar Singh	
		5-10-60	Harnam Singh	
		9-10-60	Bachan Singh	
		11-10-60	Tara Singh	
		2-11-60	Hari Singh	
		7-11-60	Lakha Singh	
		8-11-60	Gian Singh	
		27-11-60	Pritam Singh	
		4-12-60	Joginder Singh	
		9-12-60	Jarnail Singh	
			Thakar Singh	
			Karam Singh	
			Joga Singh	
			Thakar Singh	
			Jagtar Singh	
			Gurbachan Singh	
			Deva Singh	
			Gurbux Singh	

LOSS OF HUMAN LIFE AND CATTLE DUE TO SNOW FALLS IN HILLS

3387. Maulvi Abdul Ghani Dhar : Will the Chief Minister be pleased to state whether there was any loss of human life or of cattle as a result of the snowfalls or snowstorms in towns and villages situated in the Punjab Hills during the months of January and February, 1961 ; if so, the extent thereof in each district of the State ?

Rao Birendar Singh : An old woman lost her life as a result of collapsing of a roof of a house at Simla, due to the weight of snow.

ENQUIRIES AGAINST SUB DIVISIONAL MAGISTRATES

3388. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the number and names of Sub-Divisional Magistrates in the State against whom inquiries were being held as on 15th February, 1961, together with the names of the officers under whom the said inquiries were being held and the stage at which these enquiries stood ;

(b) the names of persons on whose complaints and the authority under whose orders the enquiries referred to above were started together with the particulars of the complaints ?

Sardar Pratap Singh Kairon : (a) No regular inquiry is being held against any Sub Divisional Magistrate in the State ;

(b) Does not arise.

ENQUIRIES AGAINST DEPUTY COMMISSIONERS

3389. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the names of the Deputy Commissioners in the State if any against whom enquiries were being held as on 15th February, 1961 ;

(b) the stage at which the said enquiries stood as on that date, the names of the complainants in each case together with the particulars on the complaints ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) There is no such Deputy Commissioner.

(b) Does not arise.

ENQUIRIES AGAINST I.C.S. OFFICERS

3390. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state the names of the I.C.S. Officers in the State if any, against whom enquiries were being held on 15th February, 1961, together with the particulars of each complaint and the names of the Officers holding the said enquiries ?

Sardar Partap Singh Kairon : Reply is in the negative.

STATE TRADING IN FOODGRAINS

3391. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Industries be pleased to state :—

(a) the time by which the present stocks of foodgrains with the Government are likely to be sold out and the profit or loss expected therefrom ;

(b) whether Government propose to continue State Trading in foodgrains ; if so, in which commodity and the reasons therefor ?

Shri Mohan Lal : (a) It is too premature to give any categorical answer to this part of the question.

(b) The present policy to continue State Trading in certain items of foodgrains has not been revised so far. The decision shall be taken in due course.

DEMOLITION OF MOSQUE BY IMPROVEMENT TRUST IN AMRITSAR

3392. Maluvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Revenue be pleased to state whether any mosque was demolished by the Improvement Trust, Amritsar during the year 1959-60 and 1960-61 ; if so, under whose orders ?

Shri Mohan Lal : No mosque was demolished by the Amritsar Improvement Trust during the years 1959-60 and 1960-61, but with a view to avert imminent danger to the lives and properties of the persons living in or in the neighbourhood of certain dangerous structures, action under sections 113-114 of the Punjab Municipal Act, 1911, was taken in some cases. On account of the badly damaged condition of these structures it cannot be said whether they appertained to any old mosque.

ENGINEERING COLLEGES IN THE STATE

3393. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Public Works be pleased to state the number of Government Engineering Colleges or Institutties or Schools in the State at the end of 1951, 1955 and 1960 respectively and the names of places where they are located ?

Chaudhri Suraj Mal : (a) *At the end of* **1951.**—Government Engineering School, Gurdaspur.

(b) *at the end of 1955*—

(i) Punjab Engineering College, Chandigarh.

(ii) Government School of Engineering, Nilokheri.

(c) *At the end of 1960*—

(i) Punjab Engineering College, Chandigarh.

(ii) Central Polytechnic, Chandigarh.

(iii) Punjab Polytechnic, Nilokheri.

(iv) Government Polytechnic, Ambala.

GOVERNMENT INDUSTRIAL TECHNICAL INSTITUTES

3394. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Industries be leased to state the number of Government Industrial Technical Institutions in the State at the end of 1951, 1955 and 1960, respectively, together with the names of places where they are situated ?

Shri Mohan Lal : A statement giving the requisite information is encolsed.

Statement showing No. and locations of Industrial Training Institutes/Centres in Punjab at the end of 1951, 1955 and 1960.

Industrial Training Institutes/Centres at the end of 1951	(1) I.T.C. attached to Dayanand Polytechinc Institute, Amritsar.
	(2) I.T.C. attached to Mehrchand Technical Institute, Jullundur.
	(3) I.T.C. attached to Polytechnic Institute, Phagwara.
	(4) Industrial Training Institute, Ferozepur.
	(5) I.T.C. attached to Kundan Technical Institute, Ludhiana
	(6) I.T.C. attached to Dayanand Industrial School, Ambala.
	(7) Industrial Training Institute, Rohtak.
Industrial Training Institutes/Centres at the end of 1955	(1) I.T.C. attached to Dayanand Polytechnic Instiute, Amritsar.
	(2) I.T.C. attached to Mehrchand Technical Institute, Jullundur.
	(3) I.T.C. attached to Polytechnic Institute, Phagwara.
	(4) Industrial Training Institute, Ferozepur.
	(5) Industrial Training Institute, Rohtak,
	(6) Industrial Training Institute, Nabha.
	(7) Government Industrial Training Institute, Patiala.
Industrial Training Institutes/Centres at the end of 1960	(1) I.T.C. attached to Dayanand Polytechnic Institute, Amritsar.
	(2) I.T.C. attached to Mehrchand Technical Institute, Jullundur.
	(3) I.T.C. attached to Polytechnic Institute, Phagwara.

[Minister for Industries]

(4) Industrial Training Institute, Ferozepur.

27

(5) Industrial Training Institute, Rohtak.

(6) Industrial Training Institute, Nabha.

(7) Government Industrial Training Institute, Patiala.

(8) Industrial Training Institute, Yamunanagar.

(9) Industrial Training Institute, Ludhiana.

(10) Industrial Training Institute, Sonepat.

(11) Industrial Training Institute, Gurgaon.

(12) Industrial Training Institute, Pathankot.

(13) Industrial Training Institute, Hissar.

(14) I.T.C. attached to Government Industrial School, Rohtak.

(15) I.T.C. attached to Moolchand Government Industrial School, Ambala Cantt.

(16) I.T.C. attached to Government Industrial School, Ludhiana.

LICENCES FOR BRICK KILNS IN CHANDIGARH

3395. **Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Industries be pleased to state the names of parties who have been given licences for brick-kilns in Chandigarh during the period from 1955-56 to 1960-61 ?

Shri Mohan Lal : Requisite information is enclosed.

Serial No.	Names of the Parties
1	M/s Ram Parshad Shadi Ram
2	Dewan Kundan Lal Chopra.
3	M/s Goverden Lal and Bros.
4	M/s Bahadur Singh, Waryam Singh,
5	Shri Jagdish Chander
6	M/s Kartar and Co.,
7	Shri Gurdas Ram Viad transferred to M/s Narpindar Singh, Joginder Singh,
8	M/s Mahaboob Singh & Bors.
9	Shri Uttam Singh
10	M/s Panna Lal and Co. No

Note.—The above does not include departmental brick kiln licencees of P.W.D.

LICENCES FOR BRICK KILNS IN PALWAL AND REWARI

3396. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Industries be leeased to state the names of persons who were given licences for brick-kilns in Palwal and Rewari during the period from 1955-56 to 1960-61 ?

Shri Mohan Lal :

1. M/s Shashi Bhushan & Co., Rewari.
2. M/s Baldev Raj & Co., Palwal.

DAMAGE CAUSED TO CROPS BY FLOODS IN 1960-61

3397. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state the area of culturable land in the State which remained unfit for cultivation due to floods in 1960-61 together with the extent of damage caused to the crops by floods, snowfall and in frost druing this period ?

Giani Kartar Singh :

(i) The area of culturable land in the State which remained unfit for cultivation due to floods in 1960-61	193,715 acres
(ii) Extent of damage caused to the crops by floods snow fall, etc., during this period	1,842,325 acres Rs. 19,09,41,365

ORDERS FOR WINDING UP OF CO-OPERATIVE SOCIETIES IN THE STATE

3399. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Community Development be pleased to state —

(a) the names of the Co-operative Societies, if any, against whom orders for their winding up were issued by Government between 15th February, 1956 and 15th February, 1961 together with the reasons for which such orders were issued ;

(b) whether the societiès referred to in part (a) above were wound up in accordance with the orders issued by Government ; if not, the number of cases in which the orders were not implemented and the reasons therefor ?

Sardar Gurbanta Singh : (a) The names of the societies against whom orders for their winding up were issued between 15th February, 1956 and 15th February, 1961, are given in the list appended. The main reason for bringing these, 1244 societies under winding up process in 5 years was that they could not achieve successfully their objectives for which they were organised. In view of the responsibility of Pancyahats for sanitation and other allied up-lift activities, the need for various societies ceased to exist. In other cases, the societies became dormant for lack of interest by the members and thus ceased to function.

[Minister for Community Development]

(b) Out of the societies mentioned in the list appended 288 societies were finally wound up and remaining societies are still under the process of winding up for want of complete disposal of their assets and liabilities. There are several societies whose final winding up had to be kept pending simply for want of the disposal of the shares of the Punjab Provincial Co-operative Bank Ltd., Lahore, held by these Societies.

List of Societies brought under winding up process since 15th February, 1956 to 15th February, 1961

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
	AMRITSAR	
1	Basarke Tubewell Irrigation Society Ltd., Basarke, post office Khalra	Patti
2	The Thrift and Credit Society, village and post office Chicha ..	Tarn Taran
3	The Co-operative Cattle Breeding Society, Panjwar Kalan, post office Panjwar Kalan	Ditto
4	The Co-operative Cattle Breeding Society, Hassanwala, post .. office Pindian	Ditto
5	The Hindusthan Co-operative Labour and Construction Society, Ltd., village and post office Nagoke	Ditto
6	The Co-operative Cattle Breeding Society, Kot Dharm Chand Kalan, post office Kot Dharm Chand Kalan	Ditto
7	The Co-operative Veterinary Ist Aid Society, Daleke, post office Tarn Taran	Ditto
8	The Co-operative Thrift and Saving Society, Butala Centre post office Butala	Ditto
9	The Co-operative Thrift and Saving Society, Amritsar Khalsa, C/o Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee, Amritsar	Amritsar
10	The Amritsar Industrial Co-operative Worker Thrift and Saving Society, Amritsar	Do
11	The Adali Wala Compulsory Education Society, post office .. Adaliwala	Ajnala
12	The Poultry Society, Dhand, post office Dhand ..	Tarn Taran
13	The Amritsar Shabrose Oil and Soap Manufacturers Misri Bazar, Amritsar	Amritsar
14	The Jand Janda Co-operative Farming Society, post office Manake Jand	Patti
15	The Poultry Society, village and post office Mudhil, post office Mudhal	Amritsar
16	The Amritsar Majha Frontier Transport Co-operative Society Ltd., Amritsar	Do
17	The Thrift and Credit Society, village and post office Kawan ..	Ajnala
18	The Amritsar D.A.V. High School Thrift and Saving Society, Amritsar	Amritsar
19	The Ramgarh Labour and Construction Society, post office Ramgarh	Tarn Taran
20	The Pandori Sukha Singh Thrift and Credit Society, post office Ajnala	Ajnala
21	The Jahangir First Aid Veterinary Society, post office Majitha	Amritsar
22	The Punjab Co-operative Leather Society Ltd., Amritsar ..	Amritsar
23	The Kotla Dal Singh Multipurpose Society, post office Raja .. Sansi	Do
24	The Thrift and Credit Society, Lakhna, post office Valtoha ..	Patti
25	The Kambo Dhei Wala Thrift and Credit Society, post office Sarhali Kalan	Tarn Taran

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
26	The Bhakhana Tara Singh Thrift and Credit Society, post office Ajnala	Ajnala
27	The Ajnala Teachers Association Thrift and Saving Society, Society post office Ajnala ..	Do
28	The Isapur Thrift and Credit Society, post office Jasterwal ..	Do
29	The Bhikhiwind Flaying Industrial Centre post office Bhikhi-wind ..	Patti
30	The Khem Teachers Centre Thrift and Credit Society ..	Do
31	The Beas Co-operative Multipurpose Society, post office Raya	Amritsar
32	The Pheroman Tube-well Society, post office Pheroman ..	Do
33	The Bhikhiwind Tanning Industrial Society, post office Bhikhi-wind	Patti
34	The Thatha Tube Well Irrigation Society, post office Kohala ..	Ajnala
35	Khadur Sahib Co-operative Store, post office Khadur Sahib ..	Tarn Taran
36	Jhabal Kalan Co-operative Store, post office Jhabal Kalan ..	Do
37	The Co-operative Farming Society, Kairon, post office Kairon	Patti
38	The Thrift and Credit Society, Vachhoa, post office Vacchoa ..	Ajnala
39	The Jagdev Kalan Thrift and Credit Society, post office Jagdev Kalan	Do
40	Raipur Kalan Thrift and Credit Society, post office Ajnala ..	Do
41	The Amritsar Government Central Workshop Co-operative Store Ltd. ..	Amritsar
42	The Ganda Singh Wala Co-operative Store, post office Ganda Singh Wala	Do
43	The Dudhala Co-operative Store, post office Kathu, Nangal ..	Amritsar
44	The Amrit Modern Progressive Thrift and Credit Society, Amritsar ..	Do
45	Chak Sikander Thrift and Credit Society, post office Chak Sikander ..	Ajnala
46	The Manawala Thrift and Credit Society, post office Saurian	Do
47	The Patti Multipurpose Society, post office Patti ..	Patti
48	The Khalra Co-operative Thrift and Saving Teacher Centre, post office Khalra	Do
49	The Thrift and Credit Society , Raja Sansi Jadid, post office Raja Sansi	Ajnala
50	The Chherta Industrial Workers Co-operative Housing Society Ltd., post office Chherta	Amritsar
51	The Purchase and Sale Society, West India Traders Hussain-pura, post office Amritsar	Do
52	The Amritsar New Bharat Power Consumers Co-operative Industrial Society, G.T. Road, Amritsar	Do
53	The Amritsar District Janta Sewal Multipurpose Society ..	Do
54	The Cattle Breeding Society, Bulara, post office Tirsika ..	Do
55	The Gilwali Poultry Society, post office Gilwali ..	Do
56	The Thrift and Credit Society, Bullar Zamindaran, post office Bullar ..	Ajnala
57	The Amritsar Khalsa College Thrift and Saving Society ..	Amritsar
58	The Thrift and Credit Society, Rakh Jhita Kishan Pura, post office Rakh Jhita ..	Do
59	The Thrift and Credit Society, Bal Bawa, post office Balbawa	Ajnala
60	The Tube-well and Irrigation Society, Loharke, post office Loharke	Amritsar
61	Padri Kalan Cattle Breeding Society, post office Padri Kalan ..	Patti
62	The Thrift and Credit Society, Mari Mega Sikh, post office Mari Mega	Do
63	The Jandiala Guru Montgomery and Hariana Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Jandiala Guru	Amritsar
64	The Noshera Panwan Co-operative Brick Kiln, post office No-shera Panwan	Tarn Taran

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
65	The Daburji Co-operative Better Farming Society, post office Thathi	Taran Tarn
66	Jabbowal Cattle Breeding Society, post office Jabbowal ..	Amritsar
67	The Bugha Thrift and Credit Society, post office Tarn Taran ..	Tarn Taran
68	The Consolidation of Holding Society, Amirke, post office Valtoha	Patti
69	The Jandiala Electricity Staff Co-operative Thrift and Credit Society, post office Jandiala	Amritsar
70	The Amian Kalan Cattle Breeding Society Ltd., post office Jhabal	Tarn Taran
71	The Mano Chahal Kalan Thrift and Credit Society, post office Mano Chahal	Ditto
72	The Amarkot Mashmula Amirke Co-operative Farming Society, Ltd., post office Valtoha	Patti
73	The Patti Labour and Construction Society, Ltd. ..	Do
74	The Sangrana Tube-well Irrigation Society Ltd., Kakar ..	Ajnala
75	The Bhem . Zamindaran Co-operative Thrift and Credit Society post office Wadala Virma	Do
76	The Patti Cotton Development and Marketting Society, Ltd., Patti	Patti
77	The Singhpura Joint Farming Society, Ltd., village and post office Singhpura	Do
78	The Urdhan Co-operative Thrift and Credit Society, post office Chamari	Ajnala
79	The Narpur Co-operative Thrift and Credit Society, post office Kairon	Patti
80	The Mari Kambothe Patti Mega Co-operative Tube Well Society Kawboke Ltd., post office Mari Kamboke	Do
81	The Dhun Co-operative Thrift and Credit Society, post office Khalra	Do
82	The Hamidpur Co-operative Thrift and Credit Society, post office Chhehrata	Amritsar
83	The Mudhal Co-operative Thrift and Credit Society, Ltd., Mudhal, post office Mudhal	Do
84	The Lalpura Co-operative Consolidation of Holdings Society, Ltd., post office Noshehra Panwan	Tarn Taran
85	The Patti Leather Production Co-operative Industrial Society Ltd., Patti	Patti
86	The Janian Co-operative Cattle Breeding Society, Ltd., post office Jandiala Guru	Amritsar
87	The Tarn Taran Leather Progressive Society, Ltd., Tarn Taran	Tarn Taran
88	The Rai Pur Gill Co-operative House Building Society, Ltd., post office Jethuwal	Amritsar
89	The Kaler Ghuman Co-operative Thrift and Saving Society, Ltd., post office Wadala Kalan	Do
90	The Tarsika Co-operative Cattle Breeding Society, Ltd., post office Tarsika	Do
91	The Khan Rajada Co-operative Cattle Breeding Society, Ltd, post office Fatehabad	Tarn Taran
92	The Rakh Bhangwan Paddy Co-operative Farming Society, Ltd, post office Majitha	Amritsar
93	The Dhadra Co-operative Thrift and Credit Society, post office Dhadra	Ajnala
94	The Verpal House Building Society, Ltd., post office Verpal ..	Amritsar
95	The Tarn Taran Radio Production-cum-sale Co-operative Industrial Society Ltd., Tarn Taran	Tarn Taran
96	The Majitha Brick Kiln Society Ltd., post office Majitha ..	Amritsar

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
97	The Bhitiwadh Co-operative Thrift and Credit Society, post office Bhitiwadh	Ajnala
98	The Dehriwala Co-operative Mule Breeding Society, Ltd., post office Dehriwala	Amritsar
99	The Kaleke First Aid Society, Ltd., post office Kaleke ..	Amritsar
100	The Dehriwala Co-operative Cattle Breeding Society, Ltd., post office Dehriwala	Do
101	The Jethu Nangal Co-operative Thrift and Credit Society Ltd. post office Jethu Nangal	Do
102	The Kaleke Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Kaleke	Do
103	The Tut Gil Co-operative Farming Society Ltd., post office .. Bhangala	Patti
104	The Amritsar Co-operative Milk Supply Union Ltd., Amritsar	Amritsar
105	The Panjwar Kalan Co-operative Multipurpose Society Ltd., post office Panjwar Kalan	Tarn Taran
106	The Lohgarh Jadid Co-operative Thrift and Credit Society, .. post office Lohgarh	Amritsar
	DISTRICT GURDASPUR	
107	The Thrift and Credit Society, Aujla Tarl Lehndi, post office Gurdaspur	Gurdaspur
108	The Tube-well Irrigation Society, Jhanewal Mustfabad, post office Bahı Hali	Do
109	The Thrift and Credit Society, Bhumbli Patti Bakhta, post office Bhumbli	Do
110	The Thrift and Credit Society, Dhindse, post office Ghuman Kalan	Do
111	The Co-operative Collective Farming Society, Kaire, post office Dina Nagar	Do
112	R.S. Ch. Karam Singh, Co-operative Farming Society, Kathlour, post office Kathlour	Pathankot
113	The Dehat Sudhar Society, Ghazi Nangal, post office Dera Baba Nanak	Batala
114	The Thrift and Credit Society, Sheikha Isayan, post office Magar Modian	Gurdaspur
115	The Fruit Growing Society-Haliet Pindi, post office Baknaur ..	Pathankot
116	The Co-operative Store Behrampur, post office Behrampur ..	Gurdaspur
117	Lac Producing Society, Jagial near Shahpur, post office Shahpur	Pathankot
118	The TubeWell Irrigation Society, Ghorala, post office Gurdaspur	Gurdaspur
119	The Fruit Growing Society, Ghorala, post office Gurdaspur ..	Do
120	The Thrift and Credit Society, Ghorala Chistian, post office Gurdaspur	Do 29
121	The Thrift and Credit Society, Ahmadabad Chistian, post office Batala	Batala
122	The Thrift and Credit Society, Chanlu Suja, post office Dera Baba Nanak	Do
123	The Better Living Society, Sirah, post office Kila Afganan ..	Do
124	The Industrial Society, Kabir Panthian Fatehgarh Churian, post office Fateh Garh Churian	Batala
125	The Gurdaspur Ex-Servicemen Multipurpose Society, post office Gurdaspur	Gurdaspur
126	The House Building Society, Bahadur Lahri, post office Sanjanpur	Pathankot
127	The Thrift and Credit Society, Saidpur, post office Aliwal ..	Batala
128	The Panjgrain Industrial Weavers Society, post office Panjgrain	Do
129	The Thrift and Credit Society, Narot Mahra Patti Mahrianwali, post office Narot Mehra	Pathankot

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
130	The Villa Baju Shoe Makers Society, post office Billa Baju ..	Batala
131	The Medical Aid and Public Health Society, Shahpur, post office Shahpur Kandi	Pathankot
132	The Multipurpose Society, Pathankot Zamindaran ..	Do
113	The Talibpur Multipurpose Society, post office Talibpur ..	Gurdaspur
134	The House Building Society, Talwandi Lal Singh, post office Talwandi Lal Singh	Batala
135	The Thrift and Saving Society, Behram pur Teachers Centre, post office Behrampur	Gurdaspur
136	The House Building Society, Chaura, post office Dostpur ..	Do
137	The Industrial Shoe Makers Society, village and post office Aliwal	Batala
138	The Pathankot Bhartya Multipurpose Society, Pathankot ..	Pathankot
139	The Fruit Growing Society, village and post office M likpur ..	Do
140	The Poultry Breeding Society, Akhrota, post office Dina Nagar	Do
141	The Poultry Society, Chakkar Kawal, post office Pathankot ..	Do
142	The Poultry Society, Badhani, post office Badhani ..	Do
143	The Narot Mehra Fruit Growing Society, post office Narot Mehra	Do
144	The Thrift and Saving Society, Batala Veternary Hospital, post office Batala	Batala
145	The House Building Society, Nanowal Jinder, post office Bhatian	Gurdaspur
146	The Better Farming Society, Arlibhan, post office Fattupur ..	Batala
147	The House Building Society, Raliali Khurd, post office Raliali Kalan	Do
148	The House Building Society, Raliali Kalan, post office Raliali Kalan	Do
149	The House Building Society, Ugrewal, post office Bhagowal ..	Do
150	The Industrial Weaver Dharam Kot Bagga, post office Dharam Kot Bagga	Do
151	The Punjab Rubber and General Industrial Co-operative Society, Ltd., Batala	Do
152	The Fruit Growing Society, Bhoya, post office Bhoya ..	Pathankot
153	The Poultry Society, Bhoya, post office Bhoya ..	Do
154	The Thrift and Credit Society, Ghuman, post office Ghuman	Batala
155	The Oil and General Industrial Society, Manoharpur, post office Massania	Do
156	The Pathankot Bhartya Multipurpose Society, post office Pathankot	Pathankot
157	The House Building Society, Gajju Jagir, post office Baknaur	Do
158	The Salowal Multipurpose Society, post office Taragarh ..	Do
159	The Chaunta House Building Society, post office Dorangla ..	Gurdaspur
160	The Labour and Construction Society, Jagowal Bet, post office Jagowal Bet	Do
161	The House Building Society, Khaira Sultan, post office Dhianpur	Batala
162	The Labour and Construction Society, Talwandi Bharath, post office Raliali	Do
163	The Poultry Society, Babehali, post office Babehali ..	Gurdaspur
164	The Nawanpind Balrampur Multipurpose Society, post office Ghoman	Batala
165	The Narot Mehra Tar Adharm ian House Building Society, post office Narot Mehra	Pathankot
166	The Industrial Shoe Maker Society, Kotla Sharif, post office Sarupwali	Batala
167	The Industrial Weaver Society, Villa Baju, post office Villa Baju	Do
168	The House Building Society, Mulianwala, post office Dhariwal	Gurdaspur

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
169	The Tube-well Society, Pahre, post office Ghot Pokhar	Gurdáspur
170	The Harijan Textile Workers Industrial Society, Ta labpur, post office Pandori	Do
171	The Thrift and Credit Society, Kothi Prem Singh ..	Pathankot
172	The Co-operative Farming Society, Kothi Prem Singh, post office N.J. Singh	Do
173	The Labour and Construction Society, Adowali, post office Rangar Nangal	Batala
174	The Industrial Weavers Society, Qaudian Mugh lan, post office Shahpur Goraya	Do
175	The Thrift and Saving Society, Harchowal, post office Harchowal	Do
176	The House Building Society, Singhpura, post office Dhariwal	Gurdaspur
177	The Thrift and Saving Society. Quadian D.A.V.High School, post office Quadian	Quadian
178	The Thrift and Credit Society, Narad, post office Gurdaspur	Gurdaspur
179	The Thrift and Credit Society, Sahowal, post office Sahowal ..	Do
180	The Kohar Lac Production Herb Bones Collection Co-operative Society Ltd., post office Dunera	Pathankot
181	The Narot Jaimal Singh Co-operative Thrift and Credit Society, post office Narot Jaimal Singh	Do
182	The Goal Datial Co-operative Thrift and Credit Society, post office Kathlaur	Do
183	The Khojala Co-operative Labour and Construction Society Ltd., post office Khojala	Batala
184	The Co-operative Model Tanners Ltd., Dargabad, post office Kalanaur	Do
185	The SiriHargobindpur Co-operative Multipurpose Society Ltd., post office Hargobindpur	Do
186	The Nawanpind Milkhi Wala House Building Society, post office Bhagowal	Do
187	The Kanial Co-operative Lac Production Society, Ltd., post office Shahpur Kandi	Pathankot
188	The Kaler Kalan Co-operative Thrift and Credit Society Ltd., post office Kaler Kalan	Gurdaspur
189	The Kaler Khurd Co-operative Thrift and Credit Society Ltd., post office Kaler Kalan	Do
190	The Baroa Thrift and Credit Society, post office Fateh Nangal	Do
191	Bidhipur Co-operative Thrift and Credit Society, post office Fateh Nangal	Do
192	The Babri Jiwan Wala Co-operative Poultry Society Ltd., post office Babri Jiwan Wala	Do
193	The Bishan Kot Flood Sufferers Co-operative House Building Society Ltd., post office Kalanaur	Do
194	The Sherpur Co-operative Multipurpose Society Ltd., post office Sunder Chak	Pathankot
195	The Batala Patwarian Co-operative Thrift and Saving Society Ltd., post office Batala	Batala
196	The Ghorewah Co-operative Labour and Construction Society, post office Ghorewah	Gurdaspur
197	The Ghot Phokhar Co-operative Multipurpose Society, Ltd., post office Ghot	Do
198	The Pathankot Automobile Engineering Co-operative Industrial Society Ltd.	Pathankot
200	The Fattupur Shoe Maker Co-operative Industrial Society Ltd., Fattupur	Batala
201	The Dostpur Co-operative House Building Society Ltd., post office Dostpur	Gurdaspur
202	The Kala Sohal Co-operative Thrift/Credit Society, post office Dehriwala	Do

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
203	The Sunder Chak Purbian Wood Working Industrial Co-operative Society, Ltd., post office Sunder Chak	Pathankot
204	The Mirthal Kalyan Co-operative Dairy Society, post office Mirthal	Do
205	The Ghanike Bangar Shoe-maker Industrial Co-operative Society, Ltd., post office Ghanike Bangar	Batala
206	The Gadarian Co-operative Thrift/Credit Society, post office Noshehra Maja Singh	Gurdaspur
207	The Kaile Klan Co-operative Thrift/Credit Society, post office Ghuman Kalan	Do
208	The Ghuman Khurd Harijan Co-operative Thrift/Credit Society, post office Noshehra Maja Singh	Do
209	The Ghuman Khurd Patti Kalan Co-operative Thrift/Credit Society, post office Noshehra Maja Singh	Do
210	The Satkoha Colonists Thrift/Credit Society, post office Satkoha	Do
211	The Pioneer Hosiery Industrial Co-operative Society, village and post office Sohal	Do
212	The Gurdaspur Rikshaw Pullers Co-operative Thrift/ Credit Society	Do
213	The Satkoha Co-operative House Building Society Ltd., Post office Satkoha	
214	The Malowali Match Industrial Society Ltd., post office Ghuman	Batala
215	The Mohlowali Weavers Co-operative Industrial Society Ltd., post office Bholeke'	Do
216	The Shikhar Machhian Co-operative Weavers Industrial Society Ltd., post office Shikhar Machhina	Do
217	The Wadala Granthian Co-operative Weavers Industrial Society Ltd., post office Wadala	Do
218	The Rampur Patti Bhagatpur Weavers Co-operative Industrial Society Ltd., post office Quadian	Do
219	The Gurdaspur Canal Office Thrift/Credit Society Ltd., post office Gurdaspur	Gurdaspur
220	The Kot Miansahib Labour and Construction Society, Ltd., post office Kalanaur	Do
221	The Thatha House Building Society Ltd., post office Fatehgarh Churian	Batala
222	The Fatehgarh Churian Leather Co-operative Industrial Society, post office Fatehgarh Churian	Do
223	The Malli Sport Makers Industrial Society Ltd., post office Batala	Do
224	The Batala Adarsh Iron and Steel Industrial Society Ltd., Batala	Do
225	The Pathankot Labour and Construction Society, Ltd., Pathankot	Pathankot
226	The Sahaur-Tarf Gulam Gauns Co-operative Thrift/Credit Society, post office Sunder Chak Purbian	Do
227	The Pathankot Kangra Workers Co-operative Transport Society Ltd., Pathankot	Do
228	The Babehali Co-operative Multipurpose Society Ltd., post office Gurdaspur	Gurdaspur
229	The Smaj Wadi Leather Tanners and Oil Workers Industrial Co-operative Society Ltd., Dhariwal	Do
230	The Jhangi Sarupdass Tanners Industria' Society Ltd., post office Dinanagar	Gurdaspur
231	The Jaito Sarja Co-operative Thrift/Saving Society Ltd., post office Jaitosarja	Batala
232	The Wadala Granthian Co-operative Multipurpose Society, post office Wadala Granthian	Do
233	The Batala Co-operative Poultry Union Ltd., Batala ..	Do
234	The Dalechak Potters Industrial Co-operative Society, post office Kala Afgana	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
235	The Siri Hargobindpur Co-operative Match Industrial Society, Ltd., post office Sirihargobindpur	Batala
236	The Dharowali Wood Workers Industrial Co-operative Society, Ltd., post office Dharowali	Do
237	The Rania Co-operative Iron and Steel Society Ltd., post office Dhariwal	Gurdaspur
238	The Banthawala Co-operative House Building Society, Ltd., post office Behrampur	Do
239	The Batala Extension Trading Centre Co-operative Store Ltd., New Colony, Batala	Batala
240	The Malookchak Co-operative Credit Society Ltd., Malookchak	Gurdaspur
241	The Keri Khurd Co-operative Farming Society Ltd., post office N. J. Singh	Pathankot
	KANGRA DISTRICT	
242	The Purchase and Sale Society, village and post office Hamirpur	Hamirpur
243	The Dehat Sudhar Co-operative Society Ltd., Masseru, post office Didwin	Do
244	The Arbitration Society, Lambagaon, post office Lambagaon..	Palampur
245	The Veterinary First Aid Society, Solan, post office Bawarna ..	Do
246	The Better Living Society, Malnoon, post office Malnoon ..	Do
247	The Dehat Sudhar Society, Basral, post office Karour ..	Hamirpur
248	The Kharwar Ex-service men Multipurpose Society, post office Mohal	Do
249	The Better Living Society Ltd., Rashala, post office Banjar ..	Seraj
250	The Better living Society, Khanag, post office Anni ..	Do
251	The Thrift and Credit Society, Khumarti, post office Naggar ..	Kulu
252	The Jalogran Phati Jallo Kothi Wool Workers Industrial Society, post office Jari	Do
253	The Thrift and Saving Society, Katrain Vernacular Middle School Centre Teachers, post office Katrain	Do
254	The Fruit Growing Society, Bhuin, post office Bhuntar	Do
255	The Dehat Sudhar Society, Kanda Loher, post office Anni	Seraj
256	The Better Living Society, Shoja, post office Banjar ..	Do
257	The Dehat Sudhar Society, Phej, post office Anni ..	Do
258	The Dehat Sudhar Society, Jari, post office Anni ..	Do
259	The Wool Workers Spinners Industrial Society, Dhongri, post office Manali	Kulu
260	The Dehat Sudhar Society, Lafal, post office Anni ..	Seraj
261	The Dehat Sudhar Society, Dhogi, post office Chawai ..	Do
262	The Dehat Sudhar Society, Sarga, post office Anni ..	Do
263	The Banking Union, Nanaon, post office Bhawarna ..	Palampur
264	The Sheep Breeding Society, Gaun Shirh, post office Raison ..	Kulu
265	The Thrift and Saving Soceity, Manali Middle School Teachers centre, post office Manali	Do
266	The Supply Store Krishna Mehra, Barsar, post office Barsar ..	Hamirpur
267	The Bhamtir Textile and Agricultural Implements Industrial Society, post office Kulu	Kulu
268	The Co-operative Bee-keeping Society, village and post office Aaison	Do
269	The Co-operative Bee-keeping Scciety, Naggar ..	Do
270	The Co-operative Store, Sujanpur Tira, post office Sujanpur Tira	Hamirpur
271	The Industrial Wool Workers Society, Jari, post office Jari ..	Kulu
272	The Dehat Sudhar Society Arsu, post office Nirmand ..	Seraj
273	The Dehat Sudhar Society Dalesh, post office Anni ..	Do
274	The Dehat Sudhar Soci , post office Dalash ..	Do
275	The Bee-keeping Society, Bara Graon, Patti Bahmanan, Kothi Tara Pur, post offich Naggar	Kulu
276	The Labour and Construction Society, Katrain, post office Katrain	Do

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of District/ tehsil
1	2	3
277	The Industrial Society, Chong Kothi, post office Jari ..	Kulu
278	The Bee-farming Society, Bara Graon Patti Barhmanaan Kothi Tara ur, Post office Naggar	Do
279	The Better Living Society, Trangali, post office Baryar ..	Seraj
280	The Dehat Sudhar Society, Pandera Bias, post office Anni ..	Do
281	The Bee Keeping Society, Katrain, post office Katrain ..	Kulu
282	The Bee-keeping Society, Pathi Sajla, post office Naggar ..	Do
283	The Bee-keeping Society, Garsa, post office Bajaura ..	Do
284	The Bee-keeping Society, Sarsai, post office Naggar ..	Do
285	The Bee-keeping Society, Nara Graon, post office Katrain ..	Do
286	The Narmand Industrial Wood Workers Society, post office Narmand	Seraj
287	The Shalwari Industrial Wool Workers Society, post office Chardbi	Do
288	The Lahaul Pashmina Industrial Society, Manali, post office Manali	Kulu
289	The Labour and Construction Society, Banjar Palach, post office Banjar	Seraj
290	The Veterinary First Aid Society, village and post office Gangoth	Nurpur
291	The Thrift/Credit Society Thana Centre, post office Kangra ..	Kangra
292	The Labour and Construction Society, village and post office Dera Gopipur	Dehra
293	The Thrift/Credit Society, village and post office Nurpur ..	Nurpur
294	The Dhaloon Co-operative Sheep Breeding Society, Tehsil Kangra	Kangra
295	The Halwas Co-operative Bee-keeping Society ..	Do
296	The Dhaloon Oil Producing Co-operative Industrial Society	Do
297	The Sidhbari Co-operative Sheep breeding Society	Do
298	The Shamirpur Co-operative Cattle Breeding Society	Do
299	The Malan Poltry breeding Society	Do
300	The Passu Co-operative Sheep Breeding Society	Do
301	The Co-operative Cattle Breeding Society Dhaloom	Do
302	The Halwas Co-operative Polutry Breeding Society	Do
303	The Behloo Co-operative Thrift/Saving Society	Do
304	The Weavers Co-operative Industrial Society Bhatoli Phakorian	Dehra
305	The Swahlwa Shoe-makers Co-operative Industrial Society, Toni Devi	Hamirpur
306	The Bara Co-operative Store, Ltd., post office Bara	Do
307	The Nagrota Bhagwan Janta Leather Workers Co-operative Industrial Society, post office Nagrota Bhagwan	Kangra
308	The Ropru Shoe-makers Co-operative Industrial Society, post office Galri	Hamirpur
309	The Kandharal Co-operative Thrift/Credit Society post office Palampur	Palampur
310	The Malahri Co-operative Fruit Growing Society, post office Gangath	Nurpur
311	The Guru Gorakh Nath Co-operative Rehabilitation Thrift/Credit Society Nagrota	Kangra
312	The Tangroti Calico Printers Co-operative Industrial Society, post office Narwana	Do
313	The Kangra Co-operative Indusltrial Printing Society Dharmsala	Do
314	The Pir Saluhi Centre teachers Co-operative Thrift/Credit Society post office Saluhi	Dera Gopipur
315	The Bhadpur Co-operative Fruit Growing Society Ltd., post office Bhadpur	Nurpur
316	The Kangra Tehsil Staff Co-operative Thrift/Saving Society, post office Kangra	Kangra

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
	JULLUNDUR DISTRICT	
317	The Nawanshahr Co-operative Ginning Factory Ltd., Nawanshahr	Nawanshahr
318	The Chhokran Co-operative Better Farming Society, Rahon ..	Do
319	The Bilga Daggi Froshan Thrift/Credit Society, post office Bilga	Phillaur
320	The Garh Padhana Co-operative Store Ltd., post office Garh Padhana	Nawanshahr
321	The Banjrangi Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., Gali Krishna Mohalla Panjpir, Jullundur	Jullundur
322	The Rehmanpur Leather Workers and General Industrial Society, Ltd., post office Jullundur Cantonment	Do
323	The Jullundur Haripur Motor Cycle Rickshaw Transport Co-operative Society, Ltd., Sangha Building Jullundur	Do
324	The Malsian Medical Aid and Public Health Society Ltd., post office Malsian	Nakodar
325	The Jandiali Ravidas Nagar Leather Tanner Industrial Society, Ltd., post office Jandiali	Nawanshahr
326	The Sarai Khann Co-operative Thrift and Credit Society Ltd., post office Malsian	Nakodar
327	The Nakodar Co-operative Arbitration Society Ltd., Nakodar	Do
328	The Kartarpur Co-operative Farming Society Ltd., post office Kartarpur	Jullundur
329	The Banga Oilmen and General Co-operative Industrial Society Ltd., Banga	Nawanshahr
330	The Apra Hosiery makers Co-operative Industrial Society Ltd., post office Apra	Phillaur
331	The Jullundur Mahan Laxmi Motor Transport Co-operative Society, Ltd., Jullundur	Jullundur
332	The Pharala Co-operative Veterinary First Aid Centre Ltd., post office Pharala	Nawanshahr
333	The Jagatpur Veterinary First Aid Centre Ltd., Jagatpur	Do
334	The Modern Co-operative Transport Society Ltd., Jullundur	Jullundur
335	The Lasara Co-operative Leather Society Ltd., post office Lasara	Phillaur
336	The Bains Co-operative Leather Society Ltd., post office Bains	Nawanshahr
337	The Chachrari Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Gohawar	Phillaur
338	The Sargondi Co-operative Better Farming Society Ltd., post office Sargondi	Do
339	The Jullundur National Co-operative Labour and Construction Society Ltd., Jullundur City	Jullundur
340	The Nawanpind Naicha Co-operative Farming Society Ltd., post office Goraya	Phillaur
341	The Littran P. Jai Ram Co-operative Multipurpose Society Ltd., post office Littran	Nakodar
342	The Banga Motor Rickshaw Co-operative Transport Society Ltd., post office Banga	Nawanshahr
343	The Nakodar Rickshaw Pullers Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Nakodar	Nakodar
344	The Raipur Rasulpur Co-operative Thrift and Credit Society, post office Raipur Rasulpur	Jullundur
345	The Baqa Pur Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Phillaur	Phillaur
346	The Chhokran Co-operative Poultry Society Ltd., post office Chhokran	Do
347	The Aima Qazi Jadid Co-operative Thrift/Credit Society, post office, Kartarpur	Jullundur
348	The Jullundur City Mohalla Ram Nagar Doaba Textile Workers Co-operative Industrial Society Ltd., Jullundur City	Do

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
349	The Dhandowal Arain Co-operative Credit Society, post office Shahkot	Nakodar
350	The Education Centre Kalianpur Co-operative Thrift/Saving Society Ltd., post office Kalyanpur	Jullundur
351	The Alawal pur Co-operative Farming Society Ltd., post office Alawalpur	Do
352	The Karian Ram Dass Co-operative Thrift and Credit Society, post office Karian	Nawanshahr
353	The Kazimpur Co-operative Better Farming Society Ltd., post office Rahon	Do
354	The Sumbran Khurd Harijan Weavers Co-operative Industrial Society Ltd., post office Rurka	Phillaur
355	The Bilga Durree-makers Co-operative Indistrial Society Ltd., post office Bilga	Do
356	The Bharsinghpur Co-operative Better Farming Society Ltd., post office Apra	Do
357	The Jandiala Co-operative Store Ltd., Janidiala	Do
358	The Chhokran Co-operative Industrial Society Ltd., Chhokran	Do
359	The Jalowal and Kingra Co-operative Farming Society Ltd., post office Kala Bakra	Jullundur
360	The Jabbowal Co-operative Poultry Society Ltd., ..	Nawanshahr
361	The Sidhwan Addarmian P. Sidhu Co-operative Credit Society, post office Sidhwan	Nakodar
362	The Dhada Co-operative Tube-well Irrigation Society Ltd., post office Jandusingha	Jullundur
363	The Bhogpur Weavers Co-operative Industrial Society Ltd., Bhogpur	Do
364	The Kahma Co-operative Poultry Society Ltd., post office Kahma	Nawanshahr
365	The Narinder Co-operative Tube Well Irrigation Society Ltd., Shanker post office Shanker	Nakodar
366	The Jullundur District Board Employees Co-operative Thrift Saving Society Ltd., Jullundur	Jullundur
367	The Beas Pind Co-operative Veterinary First Aid Centre Ltd., post office Beas Pind	Do
368	The Bharasingpur Cattle Breeding Co-operative Society Ltd., post office Dayalpur	Phillaur
369	The Bika Kishan Tube-well Irrigation Society Ltd., post office Bika	Nawanshahr
370	The Mander Co-operative Poultry Society Ltd., post office Mukandpur	Do
371	The Chak Kalal Co-operative Poultry Society Ltd., post office Chak Kalal	Nawanshahr
372	The Rasulpur Co-operative Credit Society, post office Rasulpur	Do
373	The Attari Co-operative Society Ltd., post office Banga	Do
374	The Ganachaur Co-operative Society Ltd., post office Ganachaur	Do
375	The Biaspind Model Industrial Leather Co-operative Society Ltd., post office Biaspind	Jullundur
376	The Jullundur Cantonment Model Multipurpose Society Ltd., Jullundur	Do
377	The Nakodar Khadi Gramudyog Production-cum-Sale Industrial Society Ltd., Nakodar	Nakodar
378	The Kakkar Cattle Breeding Society Ltd., post office Kakkar Kaln	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
379	The Jagraon and Muradpur Co-operative Tube-well Irrigation Society Ltd., post office Alawaplur	Jullundur
380	The Nakodar Small Enterpreneures supply and Marketing Co-operative Industrial Society Ltd., Nakodar	Nakodar
381	The Johal Co-operative Supply Store Ltd., Johal ..	Jullundur
382	The Jaibharat Urban Co-operative Thrift and Credit Society Ltd., Jullundur	Do
383	The Banga National Co-operative Transport Society Ltd., post office Banga	Nawanshahr
384	The Mahal Gahla Public High School Co-operative Thrift/Saving Society Ltd., post office Mahal Gahla	Do
385	The Malpur Arkan Co-operative Poultry Society Ltd., post office Jabbowal	Do
386	The Chaunagra Co-operative Poultry Society Ltd., post office Dosanj Khurd	Do
387	The Heon Co-operative Poultry Society, Ltd., post office Heon	Do
388	The Kariha Co-operative Poultry Society Ltd. post office Kariha	Do
389	The Palli Uchi Co-operative Poultry Socicty Ltd., post office Palli Uchi	Do
390	The Paddi Matwali Co-operative Pultry Society Ltd., post office Paddi Matwali	Do
391	The Khothran Co-operative Poultry Society Ltd., post office Khothran	Do
392	The Banga Co-operative Poultry Society Ltd., Banga	Do
393	The Kamam Co-operative Poultry Society Ltd., Kamam	Do
394	The Jammo Muzarra Co-operative Poultry Society Ltd., post office Jasso Muzara	Do
395	The Khatkar Klan Co-operative Poultry Society Ltd., post office Khatkar Klan	Do
396	The Mahal Gahla Co-operative Poultry Society Ltd., post office Mahal Gahla	Do
397	The Mukandpur Co-operative Poultry Society Ltd., post office Mukandpur	Do
398	The Palli Jhillki Co-operative Poultry Society Ltd., post office Palli	Do
399	The Jandiala Co-operative Poultry Society Ltd., post office Jandiala	Do
400	The Ladhana Ucha Co-operative Poultry Society Ltd., post office Ladhana Jhika	Do
401	The Khatkar Khurd Weavers Co-operative Supply and Marketing Industrial Society, post office Banga	Do
402	The Dona Industrial Metal Workers Co-operative Industrial Society Ltd., Nakodar Road Jullundur	Jullundur
403	The Shahkot Co-operative Brick Kiln Society Ltd. post office Shah	Nakodar
404	The Jandhusingha Co-operative Tube-well Irrigation Society Ltd., post office Jandhusingha	Jullundur
405	The Mallian Khurd Co-operative Veterinary first Aid Centre Ltd., post office Mallian Khurd	Do
406	The Labhu Ram Doaba High School Thrift/Saving Society Ltd., Jullundur	Do
407	The Landara Co-operative Thrift/Credit Society post office Apra	Phillaur
408	The Zaffarpur Leather Workers Co-operative Industrial Society, post office Saloh	Nawanshahr

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	
	HOSHIARPUR DISTRICT	
409	The Fruit Growing Society, Pandori Khajur, post office Ballowal	Hoshiarpur
410	The Better Living Society, Ramgarh, post office Samundra ..	Garh Shankar
411	The Naunitpur Consolidation of Holdings Society, post office Barian Kalan	Ditto
412	The Nangal Mazdoor Co-operative Store, post office Nangal	Una
413	The Consolidation of Holdings Society, Tanuli, post office Raj-pur Bhilan	Hoshiarpur
414	The Co-operative Multipurpose Society, Hoshiarpur Committee Bazar Hoshiarpur	Do
415	The Hoshiarpur Doaba Co-operative Farming Society, post office Hoshiarpur	Do
416	The Thrift and Credit Society, Kathe, post office Sunkali ..	Una
417	The Raja Kalan Crop Failure and Relief Provident Fund Society, post office Gardiwala	Hoshiarpur
418	The Thrift and Credit Society, Chakwal Brahmnan, post office Nanda Chaur	Do
419	The Thrift and Credit Society, Tallowal, post office Dasuya	Dasuya
420	The Thrift and Credit Society, Khunkhun Kalan, Gharbi post office Khun Khun Kalan	Do
421	The Thrift and Credit Society Bugal Khurd Jadid post office Dasuya	Do
422	The Labour and Construction Society, Jai Sahota, post office Gardiwala	Hoshiarpur
423	The Co-operative Farming Society, Chhauni, post office Ram Colony	Do
424	The Metal Products Co-operative Industrial Society, Hoshiar-pur	Do
425	The Hoshiarpur Friends Textile Co-operative Industrial Society post office Hoshiarpur	Do
426	The Co-operative Labour and Construction Society, Thathal post office Hoshiarpur	Do
427	The Multipurpose Society, Oel, post office Oel ..	Una
428	The Labour and Construction Society, Tanda Urmur, post office Tanda	Dasuya
429	The Co-operative Transport Society, Dasuya	Do
430	The Crop Failure Society, Ambala, Post office Gardiwala ..	Hoshiarpur
431	The Fruit Growing Society, Dhugga Kalan, post office Gardiwala	Do
432	The Inderjit Co-operative Joint Farming Society, Mukhliana	Do
433	The Crop Failure Society, Argowal	Do
434	The Crop Soil Conservation Society, Singowal, post office Gar-diwala	Dasuya
435	The Crop Failure Society, Sandhwal, post office Hajipur	Do
436	The Chalet Co-operative Store, post office Chalet ..	Una
437	The Better Living Society, Bhadsoli, post office Bhadsoli	Do
438	The Garh Shankar Boha Co-operative Soap Making Industrial Society, post office Garhshankar	Garhshaker
439	The Bhotha Consolidation of Holdings Society, post office Sham Chorasi	Hoshiarpur
440	The Randhawa Barota Co-operative Consolidation of Hol-dings Society Ltd., post office Sham Chorasi	Do
441	The Pandori Bibi Co-operative Medical and Public Health Society Ltd., post office Pandori Bibi	Do
442	The Hoshiarpur Fruit Development Co-operative Society Ltd., Hoshiarpur	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
443	The Moti Co-operative Thrift and Credit Society, Urban Bank Ltd., Moti	Hoshiarpur
444	The Talwandi Jattan Co-operative Buffallo Breeding Society Ltd., Gardiwala post office	Do
445	The Ralli Crop Failure Society Ltd., post office Mukerian ..	Dasuya
446	The Sibbo Chak Co-operative crop Failure Society, post office Hajipur	Do
447	The Santokh Garh Co-operative Credit Union Ltd., post office Santokhgarh	Una
448	The Hoshiarpur Employees of Veterinary Hospital Thrift Saving Society Ltd., Hoshiarpur	Hoshiarpur
449	The Khanpur 239 Co-operative Consolidation of Holding Saciety Ltd., post office Megowal	Do
450	The Rupowal Co-operative Fruit Growing Society Ltd., post office Gardiwal	Do
451	The Dhada Katwal Co-operative Thrift and Credit Society Ltd., post office Hajipur	Do
452	The Teachers Primary School Centre Co-operative Thrift Saving Society Ltd., Hoshiarpur	Do
453	The Salempur Sharqi Co-operative Tube Well Irrigation Society, post office Gardiwala	Dasuya
454	The Laxmi Oil and General Co-operative Industrial Society Ltd., post office Dasuya	Do
455	The Maruli Mahman Co-operative Thrift and Credit Society post office Hoshiarpur	Do
456	The Lasari Co-operative Thrift Credit Society, post office Nurpur Bedi	Una
457	The Bhangala Co-operative Thrift and Credit Society, post office Bhangala	Dasuya
458	The Kamahi Devi Lac Production Co-operative Society Ltd., post office Kamahi Devi	Do
459	The Jug Co-operative Farming Society Ltd., Morian Khurd, post office Tanuli	Hoshiarpur
460	The Chakwal Co-operative Thrift and Credit Society, post office Mukerian	Dasuya
461	The Muradpur Jattan Jadid Co-operative Thrift and Credit Society, Muradpur Jattan, post office Dhanoa	Do
462	The Dhanoa Adharmian Co-operative Thrift and Credit Society, village and post office Dhanoa	Do
463	The Jhingar Kalan Co-operative crop Failure Society Ltd., village and post office Jhingar Kalan	Do
464	The Paro Chak Co-operative Cho Reclamation and Soil Conservation Society Ltd., post office Sarian	Do
465	The Behlakhan Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society Ltd, post office Behlakhan	Do
466	The Behdulo Co-operative Soil Conservation and Cho- Reclamation Society Ltd., post office Datarpur	Do
467	The Gagar Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society, post office Hajipur	Do
468	The Nurpur Co-operative Cho-Reclamation and soil Conservation Society Ltd., Bhanga	Hoshiarpur
469	The Nangal Ishar Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society Ltd., post office Hariana	Do
470	The Dagana Klan Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation post office Hoshiarpur	Do
471	The Bhola Kechinag Mashmula Mirzapur Dhatwal Co-operative Cho-Recl. and Soil Conservation Society Ltd.,, post office Kotla Nodh Singh	Do

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/Tehil
1	2	3
472	The Khelwana Co-operative Cho-Reclamalation and Soil Conservation Society Ltd., post office Nasrala	Hoshiarpur
473	The Nangal Shaludan Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society Ltd., post office Hoshiarpur	Do
474	The Panwan Co-operative Crop Failure Society Ltd., post office Jhinger Kalan	Dasuya
475	The Jhawan Co-operative crop Failure Society Ltd., post office Jhawan	Do
476	The Jhinger Kalan Co-operative Tube Well Irrigation Society Ltd., post office Jhanger Kalan	Do
477	The Babok Co-operative Crop Failure Society, Ltd., post office Kandhala Jattan	Do
478	The Kalian Mulaunian Co-operative Crop Failure Relief and Provident Fund Ltd., post office Mukerian	Do
479	The Darya Co-operative Crop Failure Relief and Provident Fund Society Ltd., post office Ghokwala	Do
480	The Jhawan Co-operative Farming Society Ltd., post office Jhawan	Do
481	The Bhattike Pind Co-operative Cho-Recl. and soil Conservation Society, post office Dasuya	Do
482	The Ahrana Khurd Co-operative Better living Society Ltd., post office Ahrana Kalan	Hoshiarpur
483	The Ahrana Kalan Co-operative Better Living Society Ltd., village and post office Ahrana Kalan	Do
484	The Hakran Co-operative Dehat Sudhar Society Ltd., post office Rajpur	Do
485	The Murnayor Kalan Co-operative Consolidation of Holding Society Ltd., post office Rajpur Bhian	Do
486	The Sahri Co-operative Consolidation of Holding Society Ltd., post office Sahri	Do
487	The Ahrana Co-operative Consolidation of Holding Society Ltd., post office Ahrana	Do
488	The Kahri Co-operative Consolidation of Holding Society Ltd., post office Sahri	Do
489	The Mandial Co-operative Consolidation of Holding Society Ltd., post office Khan Chauran	Do
490	The Pandori Bibi Co-operative Consolidation of Holding Society Ltd., post office Pandori Bibi	Do
491	The Nasrala Co-operative Thrift Saving Society, post office Nasrala	Do
492	The Hoshiarpur Workers Co-operative Promotion of Economic Knowledge Society Ltd., Hoshiarpur	Do
493	The Banjar Co-operative Consolidation of Holdings Society Ltd., post office Khan Chaurian	Do
494	The Pandori Bibi Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Pandori Bibi	Do
495	The Nangal Mallian Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society Ltd., post office Darapur	Do
496	The Bhonga Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society Ltd., post office Bhonga	Do
497	The Bhalotian Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society Ltd., post office Bhunga	Do
498	The Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society, post office Gardhiwala	Do
499	The Mehangarwal Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society, post office Mahangowal	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/Tehsil
1	2	3
500	The Kallowal Co-operative Crop Failure Society Ltd., post office Dasuya	Dasuya
501	The Mehatpur Co-operative Store Ltd., Mehat Pur	Do
502	The Hoshiarpur Co-operative Poultry Breeding Society Ltd., Hoshiarpur	Hoshiarpur
503	The Nur Talai Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society Ltd., post office Haryana	Do
504	The Hoshiarpur Pioneer Co-operative Thrift and Credit Society Ltd., Hoshiarpur	Do
505	The Hoshiarpur Mahavir Co-operative Thrift and Credit Society Ltd., Hoshiarpur	Do
506	The Baseya Co-operative Farming Society Ltd., post office Miani Afghanan	Dasuya
507	The Beh Nangal Co-operative Cho-Reclamation and Soil Conservation Society Ltd., post office Kamahi Devi	Do
508	The Hoshiarpur Kishore Co-operative Urban Thrift and Credit Society Ltd., Hoshiarpur	Hoshiarpur
509	The Mundian Jattan Weavers Co-operative Industrial Society, post office Mundian Jattan	Do
510	The Kalian Co-operative Thrift and Credit Society, post office Dasuya	Dasuya
511	The Hoshiarpur Raja Co-operative Urban Thrift and Credit Society Ltd.,	Hoshiarpur
	LUDHIANA DISTRICT	
512	The Khumanon Khurd Co-operative Cattle Breeding Society, post office Khumanon	Samrala
513	The Shamaspur Co-operative Cattle Breeding Society, post office Samrala	Do
514	The Barthala Co-operative Cattle Breeding Society, post office Samrala	Do
515	The Kotla Shamaspur Co-operative Cattle Breeding Society post office Hedon	Do
516	The Nagra Co-operative Cattle Breding Society, Ltd., Bagli Kalan	Do
517	The Madpur Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Madpur	Do
518	The Dhindsa Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Badli Kalan	Do
519	The Hariyon Kalan Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Samrala	Do
520	The Todarpur Co-operative Cattle Breeding Scciety Ltd., post office Sohala	Do
521	The Gulhal Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Gulhal	Do
522	The Samrala Ex-militarymen Service Co-operative Multi-purpose Society, Ltd., Samrala	Do
523	The Nilon Kalan Co-operative Cattle Breeding Society, post office Samrala	Do
524	The Saraha Co-operative Veterinary First Aid Centre Ltd., post office Saraha	Ludhiana
525	The Dhulkot Co-operative Veterinary First Aid Centre Ltd., post office Dhulkot	Do
526	The Dhulkot Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Dhulkot	Do
527	The Sidhwan Khurd Co-operative Tube-well Irrigation Society, post office Sidhwan Khurd	Jagraon

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
528	The Talwandi Khurd Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Talwandi	Jagraon
529	The Samaddi Khas Co-operative Veterinary First-Aid Centre Ltd., post office Samaddi	Do
530	The Sidhwan Khurd Co-operative Veterinary First-Aid Centre Ltd., post office Sidhwan	Do
531	The Hairon Co-operative Veterinary First Aid Centre Ltd., post office Hairon	Do
532	The Harion Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Hairon	Do
533	The Akalgarh Kalan Cattle Breeding Society Ltd., post office Sudhar	Do
534	The National Co-operative Multipurpose Society Ltd., Ludhiana	Ludhiana
535	The Sardaran Ludhran Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Ludhiana	Samrala
536	The Bagli Kalan Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Bagli	Do
537	The Ludhiana Samgi Co-operative Urban Thrift/Credit Society Ltd., Ludhiana	Ludhiana
538	The Sekha Co-operative Cattle Breeding Society, post office Maland	Do
539	The Jogi Majra Co-operative Cattle Breeding Society, post office Maland	Do
540	The Habowal Kalan Co-operative Cattle Breeding Society, post office Ludhiana	Do
541	The Chak Sarai Co-operative Cattle Breeding Society, post office Jatana	Samrala
542	The Rai Kot Banking Union Ltd., Raikot ..	Jagraon
543	The Jagraon Co-operative Banking Union Ltd., Jagraon	Do
544	The Samrala District Board Primary School Co-operative Thrift Saving Society Ltd., Samrala	Samrala
545	The Gujarwal Co-operative Banking Union Ltd., Gujarwal	Ludhiana
546	The Ludhiana Ex-Servicemen Co-operative Multipurpose Society Ltd.,	Do
547	The Jaspalon Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., Jaspalon	Samrala
548	The Gagra Co-operative Farming Society, Post office Sohian	Jagraon
549	The Jagraon Co-operative Cotton Development and Markeing Society Ltd.	Do
550	The Raikot Model Thrift/Credit Society Ltd., Raikot	Do
551	The Otalon Co-operative Cattle Breeding Society post office Samrala	Samrala
552	The Dayalpura Co-operative Thrift Credit Society Ltd., post office Samrala	Do
553	The Hariyon Khurd Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Samrala	Do
554	The Bhatian Co-operative Farming Society Ltd., post office Khanna	Do
555	The Chahlon Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Ladhran	Do
556	The Pawat Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Pawat	Do
557	The Pawat Co-operative Veterinary First-Aid Centre Ltd., post office Pawat	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
558	The Ripalon Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Bharala	Samrala
559	The Khanna Co-operative Cotton Development and Marketing Society Ltd., Khanna	Do
560	The Burewal Co-operative Multipurpose Society Ltd., House No. 406/Exl. Kucha Harnam Dass Ludhiana	Ludhiana
561	The Pursharthi Merchant Co-operative Store Ltd., Ludhiana	Do
562	The Bomb Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Bagli Kalan	Samrala
563	The Garhi Tarkhanan Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Samrala	Do
564	The Booth garh Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Bomb	Do
565	The Kotla Bhari Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Bomb	Do
566	The Daudpur Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Daudpur	Do
567	The Jallanpur Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Jallanpur	Do
568	The Daudpur Co-operative Veteinary First Aid Centre Society, post office Daudpur	Do
569	The Dhindsa Co-operative Poultry Society Ltd., post office Bomb	Do
570	The Jallanpur Co-operative Poultry Society Ltd., post office Mansapur	Do
571	The Salandi Sigham Co-operative Poultry Society Ltd., post office Bomb	Do
572	The Boothgarh Co-operative Poultry Society Ltd., post office Bomb	Do
573	The Salandi Sigham Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Salandi	Do
574	The Ludhiana Co-operative Contruction Society Ltd., Ludhiana	Ludhiana
575	The Bhuta Co-operative Cattle Breeding Society, post office Bhuta	Do
576	The Dhadheri Co-operative Veterinary First-Aid Centre Society Ltd., post office Kheri Nand Singh	Samrala
577	The Dhadheri Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Kheri Nand Singh	Do
578	The Samaspur Co-operative Poultry Society Ltd., post office Samaspur	Do
579	The Baho Mazara Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Bahomazara	Do
580	The Bopa Rai Kalan Co-operative Thrift/Credit Society post office Bopa Rai	Jagraon
581	The Chak Muafi Thrift/Credit Society, post office Lalauri	Samrala
582	The Kalal Majra Co-operative Thrift/Credit Society, post office Daudpur	Do
583	The Bhanglan Co-operative Poultry Society Ltd., post office Samaspur	Do
584	The Haryon Kalan Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Samrala	Do
585	The Mansudpur Co-operative Thrift/Credit Society, post office Jatan Uncha	Do
586	The Jatana Nicha Co-operative Thrift and Credit Society Ltd., post office Jatana Uncha	Do
587	The Lakhanpur Ramdasian Co-operative Thrift/Credit Society, post office Jatana Uncha	Do

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
588	The Manowal Khurd Co-operative Thrift/Credit Society, post office Kakrol	Samrala
589	The Manowal Klan Co-operative Thrift/Credit Society, post office Kakrol	Do
590	The Manderan Co-operative Thrift/Credit Society, post office Jatana Uncha	Do
591	The Aloona Tola Co-operative Cattle Breeding Society, post office Aloona Tola	Do
592	The Aloona Tola Co-operative Veterinary First-Aid Centre post office Aloona Tola	Do
593	The Haryon Khurd Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Haryon Khurd	Do
594	The Lahore Co-operative Multipurpose Society Ltd., House No. 86-Mohalla Sayeed IV Ludhiana	Ludhiana
595	The Gulal Co-operative Veterinary First-Aid Centre Ltd., post office Gulal	Samrala
596	The Sidhwan Kalan Co-operative Handloom Society Ltd., post office Sidhwan Kalan	Jagraon
597	The Paprondi Co-operative Thrift/Credit Society post office Samrala	Samrala
598	The Nagra Patti Karma Co-operative Thrift/Credit Society post office Nagra Patti	Do
599	The Mall Majra Co-operative Consolidation of Holdings Society Ltd., post office Samrala	Do
600	The Gahle Mal Co-operative Thrift/Credit Society, post office Samrala	Do
601	The Akoloha Co-operative Cattle Breeding Society, post office Akoloha	Do
602	The Saidpur Co-operative Cattle Breeding Society, post office Bhari	Do
603	The Ajher Co-operative Cattle Breeding Society, post office Bhari	Do
604	The Nagra Co-operative Thrift/Credit Society, post office Samrala	Do
605	The Bondal Co-operative Thrift/Credit Society, post office Samrala	Do
606	The Malaud Co-operative Thrift/Credit Society, post office Malaud	Ludhiana
607	The Barwali Kalan Co-operative Poultry Society, Ltd.,post office Barwali	Samrala
608	The Ludhiana Hosiery Enterprises Supply and Marketing Co-operative Industrial Society, post office Ludhiana	Ludhiana
609	The Barundi Centre Co-operative Thrift/Saving Society, Limited, post office Barundi	Do
610	The Sanewal D.A.V. High School Co-operative Thrift/Saving Society, post office Sanewal	Do
611	The Kuhli Khurd Co-operative Thrift/Credit Society, Limited, post office Qilla Hans	Do
612	The Chopra Co-operative Thrift/Credit Society, Limited post office Qilla Hans	Do
613	The Kartarpur Co-operative Thirft/Credit Society, Limited, post office Qilla Hans	Do
614	The Medpur Oil and General Co-operative Industrial Society, Limited, Medpur	Samrala

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
615	The Ludhiana Lakkar Bazar Co-operative Urban Thrift/Credit Society, Limited, Ludhiana	Ludhiana
616	The Hosiery Machine Manufacturers Foundry Small Enterprisers Supply and Marketing Industrial Society, Limited, Ludhiana	Do
617	The Gosal Co-operative Thrift/Credit Society, Limited, post office Qilla Hans	Do
618	The Ramgarhia High School Urban Thrift/Saving Society, Ludhiana	Do
619	The Ludhiana Lucky Soap Production-cum-Sale Co-operative Industrial Society, Limited, Ludhiana	Do
620	The Ludhiana Co-operative Hosiery Workers Co-operative Industrial Society, Limited, Ludhiana	Do
621	The Mohalla Suffian Co-operative Urban Thrift/Credit Society, Limited, Ludhiana	Do
622	The Asi Kalan Co-operative Thrift/Credit Society, post office Asi Kalan	Do
623	The Halton Dauna Tanners Co-operative Industrial Co-operative Society, post office Chaudran	Do
624	The Ludhiana Parkash Wood Workers Co-operative Industrial Society, Limited, Ludhiana	Do
625	The Ludhiana Mercantile Co-operative Thrift/Credit Society, Ludhiana	Do
626	The Friend Hosiery Co-operative Industrial Co-operative Society, Limited, Lu hiana	Do
627	The Rose Female Co-operative Thrift/Saving Society, Limited, Ludhiana	Do
	FEROZEPUR DISTRICT	
628	The New Government Industrial School Thrift/Saving Society, Ferozepur	Ferozepur
629	The Ferozepur City Khalsa Boys Thrift/Saving Society, Limited, Ferozepur City	Do
630	The Govindgarh Co-operative Labour and Construction Society, Limited, post office Govindgarh	Fazilka
631	The Guru Har Sahai Co-operative Labour and Construction Society Guru Har Sahai	Muktsar
632	The Malout Mandi Co-operative Labour/Construction Society, Lim ted, Malout Mandi	Fazilka
633	The Babia Co-operative Banking Union, Limited, village and post office Bhucho Ma di	Ferozepur
634	The D.C. Model School Staff Co-operative Thrift/Credit Society, Limited, Ferozepur	Do
635	The Muktsar Co-operative Farming Society, Limited, Muktsar	Muktsar
636	The Malwa Co-operative Thrift/Credit Society, Muktsar ..	Do
637	The Bahmni Co-operative Thrift/Credit Society, post office Bahm wala	Do
638	The Janta Co-operative Farming Society, Limited, Jallalabad	Do
639	The Muktsar Donkey Owners Co-operative Labour/Construction, Limited, Muktsar	Do
640	The Abohar Industrial Co-operative House Buil ing Society, Limited, Abohar	Fazilka
641	The Piarana Co-operative Farming Society, Limited, post office F rozepur City	Do
642	The Ferozepur City Jail Staff Co-operative Store, Limited, F rozepur City	Ferozepore
643	The Nihal Khera Co-operative Thrift/Saving Society, Limited, post office Abohar	Fazilka

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
644	The National Bhucho Mandi Co-operative Multipurpose Society, Bhucho Mandi	Ferozepur
645	The Danewal Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, post office Malout	Fazilka
646	The Jhok Depne Co-operative Labour/Construction Society, post office Killianwali	Do
647	The Ferozepur City Magzine Gate Co-operative Better Farming Society, Limited, Ferozepur	Ferozepur
648	The Commercial Jalalabad Co-operative Thrift/Credit Society, Limited, Jalalabad	Muktsar
649	The Muktsar Co-operative Labour/Construction Society, Limited	Do
650	The Bhupindra Khalsa High School Co-operative Thrift/Saving Society, Limited, Moga	Moga
651	The New Light Moga Thrift Credit Society, Limited, Moga	Do
652	The New Jodhpur Co-operative Thrift/Credit Society, post office Karma	Ferozepur
653	The Zira Co-operative Transport Society, Limited, Zira ..	Zira
654	The Gill Co-operative Poultry Society, Limited, post office Gill	Moga
655	The Salina Goyal Co-operative Poultry Society, Limited, post office Salina	Do
656	The Malwa Hosiery Factory Co-operative Thrift/Saving Society, Moga	Do
657	The Duneke Co-operative Poultry Society, post office Duneke	Do
658	The Burj Diwa Co-operative Poultry Society, post office Gholia Khurd	Do
659	The Patel Nagar Abohar Co-operative Thrift/Credit Society, Limited, Abohar	Fazilka
660	The Abohar Patti Janwan Kian Co-operative Thrift/Credit Society, Abohar	Do
661	The Aku Masteke Co-operative Thrift/Credit Society, Ferozepur post office	Ferozepore
661-A	The Malout Co-operative Cotton Development and Marketing Society, Limited	Fazilka
662	The Basti Rampur Co-operative Thrift/Credit Society, post office Ferozepur	Ferozepur
663	The Sakna Sandhu Co-operative Thrift/Credit Society, post office Ferozepur	Do
664	The Bageke Pipal Co-operative Thrift/Credit Society, post office Ferozepur	Do
665	The Baggeke Khurd Co-operative Thrift/Credit Society, post office Ferozepur	Do
666	The Raunta Co-operative Tubewell Irrigation Society, Limited, post office Raunta	Moga
667	The Dev Samaj High School, Moga, Thrift/Saving Society, Limited	Do
668	The Fazilka Bikaner Co-operative Thrift/Credit Society, Limited, post office Fazilka	Fazilka
669	The Darapur Co-operative Poultry Society, Limited, post office Moga	Moga
670	The Harmoonwala Patti Kamboj Co-operative Farming Society Limited, post office Harmoonwala	Ferozepur
671	The Nathuke Co-operative Tubewell Irrigation Society, Limited, post office Nathuke	Moga
672	The Rajeana Co-operative Poultry Society, Limited, post office Rajeana	Do
673	The Azimgarh Co-operative Better Farming Society, Limited, post office Abohar	Fazilka

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
674	The Lohera Co-operative Thrift/Credit Society, post office Lambi	Fazilka
675	The Abohar Azad Jawahar Nagar Co-operative Labour Construction Society, Limited	Do
676	The Smalsar Co-operative Better Farming Society, post office Smalsar	Moga
677	The Chotian Kalan Co-operative Poultry Society, Limited post office Talwandi Bhai	Do
678	The Kot Isa Khan Mazabi Sikhan Co-operative Thrift/Credit Society, Limited, post office Kot Isa Khan	Zira
679	The Abohar Basti Rathoran Co-operative Thrift/Credit Society, Abohar	Fazilka
680	The Malwa Co-operative Spinning and Weaving Mills, Limited Malout Mandi	Do
681	The Patto Hira Singh D.B. High School Employees Thrift/Saving Society, Limited, post office Same	Moga
682	The Kishanpur Klan Gian Chand Co-operative Tube-well Irrigation Society, post office Kishanpura	Zira
683	The Ajitwal Co-operative Industrial Society, Limited, post office Ajitwal	Moga
684	The Kera Khera Co-operative Thrift/Credit Society, Limited, Abohar	Fazilka
685	The Isa Khan Co-opertive Multipurpose Society, Limited, post office Kot Isa Khan	Zira
686	The Musewala Nanabad Co-operative Thrift/Credit Society, post office Kot Isa Khan	Do
687	The Moga Co-operative Poultry Union, Limited, Moga ..	Moga
688	The Nangal Co-operative Thrift/Credit Society, post office Nihal Singhwala	Do
689	The Talwandi Neralan Gharbi Co-operative Thrift/Credit Society, post office Mahu	Zira
690	The Mahesri National Co-operative Piggery Society, Limited, post office Mahesri	Moga
691	The Educational Centre Co-operative Thrift/Saving Society, Limited, village and post office Kishanpura Kalan	Do
692	The Chand Purana Co-operative Poultry Society, Limited, post office Moga	Do

PATIALA DISTRICT

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
693	The Co-operative Collective Farming Society, Limited, Patiala	Patiala
694	The Fatehpur Co-operative Joint Farming Society, Limited, post office Wazidpur	Do
695	The Rajgarh Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, post office Wazidpur	Do
696	The Co-operative Marketing Society, Limited, Mangewal, post office Bhadson	Nabha
697	The Co-operative Marketing Society, Limited, Kot Kalan, post office Chhintanwala	Do
698	The Co-operative Marketing Society, Limited, Bina Heri, post office Chhintanwala	Do
699	The Co-operative Marketing Society, Limited, Jasso Majra, post office Mangewala,	Do
700	The Co-operative Marketing Society, Limited, Gunekey, post office Nabha	Do
701	The Co-operative Marketing Society, Limited, Doladi, post office Nabha	Do

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
702	The Co-operative Marketing Society, Limited, Khanaura, post office Bhadson	Nabha
703	The Kairon Zamindara Co-operative Multipurpose Society, Limited, Bassi	Sirhind
704	The Kothi Co-operative Food Growing Society, Limited, Kothi, post office Sabathu	Kandaghat
705	The Janta Co-operative Poultry Breeding Society, Limited, Doli, post office Ram Shahr	Nalagarh
706	The Public Co-operative Veterinary First-Aid Centre, Limited, Bagh Banian, post office Manpura	Do
707	The Kothi Co-operative Dehat Sudhar Society, Limited, Kothi, post office Sabathu	Kandaghat
708	The Co-operative Veterinary First-Aid Society, Limited, Panj Hera, post office Joghon	Do
709	The Co-operative Multipurpose Society, Limited, Nand, post office Nalagarh	Nalagarh
710	The Chamian Co-operative Food Growing and Vegetable Society, Limited, Chamian, post office Jublian	Kandaghat
711	The Chhausha Co-operative Food Growing Society, Limited, village and post office Chhausha	Do
712	The Kakkar Hatti Co-operative Food Growing Society, Limited, Kakkar Hatti, post office Sabathu	Do
713	The Rehans Food Growing and Vegetable Society, Limited, Rehans, post office Sabathu	Do
714	The Paplol Co-operative Fruit and Vegetable Growing Society, Limited, Paplol, post office Sabathu	Do
715	The Kun Co-operative Fruit/Vegetable Growing Society, Limited, Kun, post office Sabathu	Do
716	The Agriculture Co-operative Credit Society, Balheri Kalan, post office Sirhind	Sirhind
717	The Agriculture Co-operative Credit Society, Talanian, post office Talanian	Do
718	The Mann Co-operative Credit Society, village and post office Talanian	Do
719	The Poultry Farming Co-operative Society, Limited, village and post office Bassi	Do
720	The Kajjal Majra Co-operative Better Farming Society, Limited, Kajjal Majra, post office Garangour	Do
721	The Wazidpur Co-operative Better Farming Society, Limited, post ofiice Bassi	Do
722	The Balhera Co-operative Better Farming Society, Limited, post office Fatehgarh Sahib	Do
723	The Rasulpur Agriculture Co-operative Credit Society, Rasulpur, post office Nand Kalaur	Do
724	The Kandaghat Banking Union, Limited, village and post office Kandaghat	Kandaghat
725	The Patiala Co-operative Labour Construction Society, Limited, Patiala	Patiala
726	The Ranbirpura Co-operative Labour/Construction Society, Limited, village and post office Ranbirpura	Do
727	The Samana Co-operative Labour/Construction Society, Limited, village and post office Samana	Do
728	The Gajewas Co-operative Labour/Construction Society, Limited, village Gajewas, post office Talwandi Malik	Do
729	The Nabha Gate Co-operative LabourConstruction Society, Limited, Patiala	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
730	The Lalru Co-operative Labour/Construction Society, Limited, village and post office Lalru	Rajpura
731	The Doraha Ex-Servicemen Co-operative Stores, Doraha ..	Sirhind
732	The Zamindara Co-operative Stores, Limited, Doraha Mandi	Do
733	The Grain Dealers Co-operative Association, Limited, Payal	Do
734	The Nalagarh Co-operative Marketing Union, Limited, Nalagarh	Nalagarh
735	The Grain Dealers Co-operative Association, Limited, Anaj Mandi, Patiala	Patiala
736	The Sarwara Agriculture Co-operative Stores, Limited, Chamaru, post office Ghanaur	Rajpura
737	The Grain Dealers Co-operative Association, Limited, Sirhind	Sirhind
738	The Grain Dealers Co-operative Association, Limited, Mandi Gobindgarh	Do
739	The Grain Dealers Co-operative Association, Limited, village and post office Bassi	Do
740	The Wholesale Grocers Co-operative Association, Limited, village and post office Bassi	Do
741	The Janta Co-operative Stores, Limited, Sirhind ..	Do
742	The General Co-operative Stores, Limited, Samana ..	Patiala
743	The Employees Welfare Co-operative Store, Limited, Mandi Gobindgarh	Sirhind
744	The Janta Co-operative Store, Limited, village and post office Kandaghat	Kandaghat
745	The Janta Co-operative Store, Limited, village and post office Chhintanwala	Nabha
746	The Refugee Co-operative Store, Limited, Adalat Bazar, Patiala	Patiala
747	The Patiala Co-operative Refrigerator and Electric Store, Limited Patiala	Do
748	The Janta Co-operative Store, Limited, Noor Kherian, post office Sangrur	Do
749	The Grain Dealers Association, Limited, Doraha ..	Do
750	The Grain Dealers Association, Limited, Rajpura . ..	Rajpura
751	The Khatauli Co-operative Joint Farming Society, Limited, Khatuali, post office Dudhan Sadhan	Patiala
752	The Scheduled Castes Co-operative Land Owning Society, Limited, Gardhi Nagar, post office Banur	Rajpura
753	The Doraha-Malerkotla Pandu Co-operative Transport Society, Limited, Doraha	Sirhind
754	The Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, Kutha Kheri, post office Rajpura	Rajpura
755	The Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, village and post office Harpalpur	Do
756	The Ghungra Co-operative Poultry Breeding Society, Limited, post office Harpalpur	Do
757	The Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, village Bhatmajra, post office Ajror	Do
758	The Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, village Uksi, post office Sarai Banjara	Do
759	The Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, village Narru, post office Kauli	Do
760	The Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, village and post office Ajror	Do
761	The Machinery Co-operative Consumer Store, Limited, Patiala	Patiala
762	The Weaving Co-operative Industrial Society, Limited, Patiala	Do
763	The Narindra Engineering Works Co-operative Industrial Society, Limited, Rajpura	Do
764	The Scheduled Castes Co-operative Land Owning Society, Chaura, post office Sanaur	Do

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
765	The Allampur Co-operative House Building Society, Limited, Allampur, post office Rajpura	Rajpura
766	The Nain Kalan, Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, Nain Kalan, post office Sanaur	Patiala
767	The Scheduled Castes Land Owning Society, Limited, Dotal, post office Satrana	Do
768	The Hassanpur Kaboolpur Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, post office Shamboo	Rajpura
769	The Jhandi Ramdasia Leather Tanning Production-cum-Sale Industrial C/S Society, Jhandi, post office Dakala	Patiala
770	The Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, Gadapur, post office Shamboo	Rájpura
771	The Sangatpura Sodhian Co-operative Dairy Society, Limited, village and post office Sangatpura Sodhian	Do
772	The Ramdasia Co-operative Credit Society, Faridpur, post office Shamboo	Do
773	The Bassi Artisans Co-operative Industrial Society, Limited, village and post office Bassi	Sirhind
774	The Nepran Co-operative House Building Society, Limited, Nepran , post office Rajpura	Rajpura
775	The Agriculture Co-operative Credit Society, Nain Kalan, post office Sanaur	Patiala
776	The Mohi Khurd Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, Mohi Khurd, post office Banur	Rajpura
777	The Mehtabgarh Co-operative House Building Society, Limited, Mehtabgarh, post office Rajpura	Do
778	The Co-operative Poultry Breeding Society, Limited, Aslampur, post office Rajpura	Do
779	The Madanpur Co-operative Poultry Breeding Society, Limited, MadanPur Chalheri, post office Rajpura	Do
780	The Leather Tanners Co-operative Industrial Society, Limited, village and post office Dera Bassi	Do
781	The Jangpura Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, Jhangpura, post office Banur	Do
	KAPURTHALA DISTRICT	
782	The Dadwinding Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, village Dadwinding, post office Sultanpur	Kapurthala
783	The Badshahpur Ex-servicemen Co-operative Poultry Breeding Society, Limited, Badhshahpur, post office Subhanpur	Do
784	The Bidhipur Co-operative Collective Farming Society, Limited, Bidhipur, post office Sultanpur	Do
785	The Parwa House Building Co-operative Society, Limited, Parwa, post office Phagwara	Phagwara
786	The Aujla Co-operative Stores, Limited, post office Aujla	Kapurthala
787	The Phagwara Pepsu Co-operative Transport Society, Limited, Phagwara	Phagwara
788	The Sangatpur Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, Sangatpur, post office Rawalpindi	Do
789	The Phagwara Saw Mills Co-operative Industrial Society, Limited, Phagwara	Do
790	The Dalla Co-operative Flour and Allied Production-cum-Sale Co-operative Industrial Society, Limited, Dalla, post office Nadala	Kapurthala
791	The Bahadur Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, Bahadur, post office Kapurthala	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
	BHATINDA DISTRICT	
792	The Co-operative Better Living Society, Limited, Kalar, post office Faridkot	Faridkot
793	The Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, Bhana, post office Faridkot	Do
794	The Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, Chandbaja, post office Faridkot	Do
795	The Co-operative Cattle Breeding Society, Limited, Pipli, post office Faridkot	Do
	SANGRUR DISTRICT	
796	The Agricultural Co-operative Credit Society, Gurbakhshpura, post office Tibba	Malerkotla
797	The Agricultural Co-operative Thrift/Credit Society, Limited, village and post office Bhuller Kheri	Do
798	The Backward Classes Co-operative Credit Society, village and post office Banbhora	Do
799	The Agricultural Co-operative Credit Society, Bhullaran, post office Banbhora	Do
	AMBALA DISTRICT	
800	The Samajbad Co-operative Multipurpose Society, Limited, Ambala City	Ambala
801	The Consolidation of Holding Co-operative Society, Limited, Tejli, post office Jagadhri	Jagadhri
802	The Consolidation of Holding Co-operative Society, Limited, village Harauli, post office Chhachhrauli	Do
803	The Soil Conservation Co-operative Society, village Dayalgarh, post office Buria	Do
804	The Dehat Sudhar Co-operative Society, Limited, village and post office Nia Shahr	Kharar
805	The Better Farming Society, Limited, Suketri, post office Manimajra	Do
806	The Chandigarh Co-operative Consumer Store, Limited, Nagla Colony	Chandigarh
807	The Consolidation of Holding Co-operative Society, Limited, village Barola, H.B. 65, post office Kesari	Ambala
808	The Dehat Sudhar Co-operative Society, Limited, village Bhagomajra, post office Raipur Kalan	Kharar
809	The Poultry Breeding Co-operative Society, Limited, village and post office Mullanpur Garibdass	Do
810	The Mansarover Oil and General Mills, Limited, Rupar ..	Rupar
811	The Scientific Industrial Workers Co-operative Society, Limited, Ambala Cantt.	Ambala
812	The Chandigarh Co-operative Multipurpose Society, Chandigarh	Chandigarh
813	The Simla Urban Co-operative Store, Limited, Simla ..	Simla
814	The Dalyana Co-operative Thrift/Credit Society, Limited, Dalyana, post office Mulana	Ambala
815	The Salkhanai Thrift/Credit Co-operative Society, Salkhani, post office Sherpur	Do
816	The Zaffarpur Thrift/Credit Co-operative Society, Zaffarpur, post office Sherpur	Do
817	The Sarda Heri Thrift/Credit Co-operative Society, Sardaheri, post office Sherpur	Do
818	The Aliaspur Thrift/Credit Co-operative Society, Ahaspur, post office Sherpur	Do

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
	AMBALA DISTRICT—CONTD	
819	The Dhanaura Thrift/Credit Co-operative Society, village and post office Dhanaura	Ambala
820	The Nordh Thrift/Credit Co-operative Society, village and post office Nordh	Do
821	The Dehat Sudhar Co-operative Society, Limited, Paintpur, post office Mullanpur Garibdass	Kharar
822	The Gur Development and Marketing Co-operative Society, village and post office Mullanpur	Ambala
823	The Ambala Cantt. Fund Employees Thrift/Credit Society, Ambala Cantt.	Do
824	The Krishna Co-operative Labour/Construction Society, Yamuna Nagar	Jagadhri
825	The Jagadhri Laxmi Thrift/Credit Society, Jagadhri ..	Do
826	The Mehlanwali Bus Krishan Sudama Thrift/Credit Society, village and post office Mehlanwali	Do
827	The Jagadhri Industrial Worker Housing Society, Jagadhri	Do
828	The Veterinary First-Aid Society, Limited, village and post office Jatwar	Naraingarh
829	The Soil Conservation Co-operative Society, Limited, Kalal Majri, post office Shahzadpur	Do
830	The Cattle Breeding Co-operative Society, Limited, Nagla Jattan, post office Shahzadpur	Do
831	The Ravidass Co-operative Transport Society, Rupar ..	Rupar
832	The Ray Labour/Construction Co-operative Society, Limited, Rupar	Do
833	The Cattle Breeding Co-operative Society, Limited, Manana, post office Kharar	Kharar
834	The Sangariwal Thrift/Credit Society, Sangariwal, post office Kharar	Do
835	The Thrift/Credit Co-operative Society, P.W.D., Health Service Circle, Limited, Simla	Simla
836	The Punjab Pottery Workers Co-operative Industrial Society, Limited, Ambala Cantt.	Ambala
837	The Bihla National Multipurpose Society, Limited, village and post office Bihla	Do
838	The Chamkaur Co-operative Transport Society, Limited, Chamkaur Sahib	Rupar
839	The Simla Posts and Telegraphs Supply Co-operative Society, Simla	Simla
840	The Ban and Rope Making Co-operative Society, Chandakheri, post office Bilaspur	Jagadhri
841	The Light Industries Co-operative Society, Limited, Yamuna Nagar	Do
842	The Khalsa High and Normal School Industrial Society, Kurali	Kharar
843	The Ambala City Chana Labour/Construction Society ..	Ambala
844	The Hind Oil and General Co-operative Industrial Society, Limited, Rupar	Rupar
845	The Public Hindu High School Co-operative Thrift/Saving Society, Limited, Rupar	Do
846	The Better Farming Society, Limited, village Charian, post office Bharatgarh	Do
847	The Better Farming Society, Limited, Jhakhian Kalan, post office Gardley	Do
848	The Better Living Society, Limited, Shahpur, post office Sahauran	Kharar
849	The Better Farming Co-operative Society, Limited, Santpur Chupki, post office Singh Bhagwantpur	Rupar

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
	AMBALA DISTRICT—CONTD	
850	The Joint Farming Society, Limited, Laudi Majra, post office Laudhi Majra	Rupar
851	The Thrift/Saving Society, Limited, village and post office Jhallian Kalan	Do
852	The Rupar Rickshaw Pullers Thrift/Credit Society, Limited, Rupar	Do
853	The Maloya Oil Pressing and General Co-operative Society, Limited, village Maloya, post office Kharar	Kharar
854	The Better Farming Co-operative Society, Limited, village and post office Laudi Majra	Rupar
855	The Soil Conservation Co-operative Society, Limited, Sulkhani, post office Sherpur, Ambala	Ambala
856	The Cattle Breeding Co-operative Society, village Gazipur, post office Shahzadpur	Naraingarh
857	The Soil Conservation Co-operative Society, Limited, Sadhaur Nadipur Jadid, post office Sadhaura	Do
858	The Milk Supply Co-operative Society, Limited, Chandigarh Capital	Kharar
859	The Co-operative Consumers Store, Limited, Rupar ..	Rupar
860	The Industrial Co-operative Housing Society, Limited, Malikpur, post office Rupar	Do
861	The Balasandar Oil Pressing Co-operative Society, Limited, Balasandar, post office Jhallian Kalan	Do
862	The Poultry Breeding Co-operative Society, Balaungi, post office Daoi	Kharar
863	The Dehat Sudhar Co-operative Society, Nanu Majra, post office Manauli	Do
864	The Veterinary First-Aid Co-operative Society, Limited, village and post office Manauli	Do
865	The Dehat Sudhar Co-operative Society, Limited, Nagalian, post office Sialba Majri	Do
866	The Better Farming Co-operative Society, Limited, Mehrovli, post office Sialba	Do
867	The Better Farming Co-operative Society, Limited, Granan, post office Manauli	Do
868	The Veterinary First-Aid Co-operative Society, Limited, Mota Majra, post office Giga Majra	Do
869	The Thrift/Credit Co-operative Society, Limited, Ambala City, Aftab	Ambala
870	The Ambala Cantt. Bazaza Bazar Thrift/Credit Society, Limited, Ambala	Do
871	The Ambala Cantt. Rickshaw Pullers Thrift and Credit Society, Limited, Ambala	Do
872	The Ambala Mohan Thrift/Credit Co-operative Society, Limited	Do
873	The Ambala City Rickshaw Pullers Thrift/Credit Co-operative Society, Limited	Do
874	The Chhote Garh Soil Conservation Co-operative Society, Limited	Naraingarh
875	The Dehat Sudhar Co-operative Society, village and post office Allohpur	Kharar
876	The Better Farming Co-operative Society, Limited, village and post office Mathari	Do
877	The Multipurpose Co-operative Society, Limited, village and post office Maloya	Do
878	The Veterinary First-Aid Co-operative Society, Limited, village and post office Gardley	Rupar
879	The Kharar District Board Employees Thrift/Credit Society, Limited	Kharar

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
	AMBALA DISTRICT—CONCLD	
880	The Rehmanpur Soil and Conservation Society, Limited, Tira	Kharar
881	The Karsan Thrift/Credit Society, Karsan, post office Mani-Majra	Do
882	The Khanpur Consolidation of Holdings Co-operative Society, Limited, Khanpur, post office Kharar	Do
883	The Consolidation of Holdings Co-operative Society, Limited, Jakar Majra, post office Kharar	Do
884	The Abheypur Dehat Sudhar Co-operative Society, Limited, Abheypur, post office Kharar	Do
885	The Jakar Majra Dehat Sudhar Co-operative Society, Limited, Jakar Majra, post office Kharar	Do
886	The Prem Furniture Motors and General Co-operative Society, Ambala City	Ambala
887	The Kainor Anglo-Vernacular School Thrift/Saving Society, Limited, post office Kainor	Rupar
888	The Khizrabad P. Nibali Better Farming Society, Limited, post office Khizrabad	Kharar
889	The Haveli Kalan Co-operative Poultry Society, Limited, post office Rupar	Rupar
890	The Singhpur Urf Jhingran Consolidation of Holdings Co-operative Society, Limited, Singhpur Jhingran, post office Kharar	Kharar
891	The Bhoopnagar Better Farming Society, Limited, Kalaur, post office Kurali	Do
892	The Naghan Better Farming Co-operative Society, Limited, Naghan, post office Sialba	Do
893	The Dharon Khurd Soil and Conservation Society, Limited, Majri, post office Sialba Majri	Do
894	The Tirpari Co-operative Consolidation of Holdings Co-operative Society, Limited, Tirpari, post office Kharar	Do
895	The Pir Sahana Co-operative Consolidation of Holdings Co-operative Society, Limited, Pir Sahana, post office Kharar	Do
896	The Azadpur Weavers and Tool Workers Industrial Co-operative Society, Limited, village and post office Naya Shahr	Do
897	The Bhupindra Cement Workers Quarries Emp. Multipurpose Co-operative Society, Limited, Malla, post office Surajpur	Kandaghat
898	The Beli Better Farming Co-operative Society, Limited, Beli, post office Bharatgarh	Rupar
899	The Ghagarwal Cattle Breeding Society, Limited, Ghagarwal, post office Lutheri	Do
900	The Rupar Amrit Multipurpose Co-operative Society, Limited, Rupar	Do
901	The Kheri Salapatpur Better Farming Co-operative Society, Limited, post office Kheri Salapatpur	Do
902	The Haveli Kalan Better Farming Co-operative Society, Limited, post office Haveli Kalan	Do
903	The Rupar Railway Road, Thrift/Credit Society, Rupar ..	Do
904	The Bahowal Better Farming Society Ltd., post office Bhagatgarh	Do
905	The Rampur Harijan Brick Kiln Co-operative Society Ltd., Rampur, post office Parhali	Do
906	The Rupar National Multipurpose Society Ltd., Rupar ..	Do
907	The Rupar Harijan Thrift/Credit Co-operative Society, Ltd. ..	Do
908	The Rupar Leather Industrial Society Ltd. ..	Do
909	The Manauli Co-operative M/P. Society Ltd., post office Manauli	Kharar
910	The Jhingran Kalan Poultry Co-operative Society Ltd., post office Kurali	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/tehsil
1	2	3
911	The Kubheri Soil Conservation Co-operative Society Ltd., post office Kubheri	Kharar
912	The Jhingran Kalan Better Farming Co-operative Society, post office Jhingran Kalan	Do
913	The Chandigarh Friend Better Farming Society Ltd. ..	Chandigarh
914	The Shah Mullanpur Dehat Sudhar Co-operative Society Ltd., post office Shah Mullanpur	Kharar
915	The Chandigarh Capital Muitipurpose Co-operative Society Ltd.	Do
916	The Sohali Better Farming Co-operative Society Ltd., post office Allapur	Do
917	The Neohalka Better Farming Co-operative Society Ltd., Neohalka, post office Kurali	Do
918	The Goalpura Soil and Conservation Society Ltd., Goalpura, post office Shahzadpur	Naraingarh
919	The Sherla Soil and Conservation Society Ltd., Sherla, post office Sadhaura	Do
920	The Bana Bahadurpur Co-operative Farming Society Ltd., Bana Bahadurpur, post office Shahzadpur	Do
921	The Khampur Soil Conservation Co-operative Society Ltd.	Do
922	The Khatauli Patli Amin Chand Soil Conservation Society Ltd., Khatauli, post office Naraingarh	Do
923	The Attawa Tanners Co-operative Industrial Society Ltd., Burrail	Kharar
924	The Chuni Kalan Thrift/Saving Co-operative Society, post office Chuni Kalan	Do
925	The Tole Majra Tube-well Irrigation Co-operative Society, Tole Majra , post office Kharar	Do
926	The Ambli Thrift/Credit Society Ltd., Ambli, post office Sadhaura	Naraingarh
927	The Mohammedpur Industrial Co-operative Society Ltd., post office Rasulpur	Do
928	The Bhawal Better Farming Co-operative Society Ltd., Bhawal. post office Bharatgarh	Rupar
929	The Sotal Thrift/Saving Co-operative Society Ltd., village and post office Sotal	Do
930	The Ambala City Arya Mohalla Thrift/Credit Co-operative Society, Ambala	Ambala
931	The Ambala Cantt. Board Workers Housing Co-operative Society Ltd., Ambala Cantt	Do
932	The Bibi Pur Soil Conservation Co-operative Society, post office Shahzadpur	Naraingarh
933	The Toda Soil Conservation Co-operative Society, post office Toda	Do
934	The Ramsar Soil Conservation Co-operative Society, post office Morni	Do
935	The Kakroli Soil Conservation Co-operative Society, post office Shahzadpur	Do
936	The Naraingarh Dheen Thrift/Saving Co-operative Society Ltd., Naraingarh	Do
937	The Janta Multipurpose Co-operative Society, village and post office Dabota	Nalagarh
938	The Majhauli Auyurvedic Aushadhalaya Co-operative Society Ltd., post office Majhauli	Do

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
939	The Lambi Dehri Land Owning Co-operative Society Ltd., post office Lambi Dohri	Nalagarh
940	The Nalagarh Milk Ghee Co-operative Society Ltd., Nalagarh	Do
941	The Majhauli Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., post office Majhauli	Do
942	The Rajpura Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., post office Nalagarh	Do
943	The Choli Rampur Thrift/Credit Co-operative Society Ltd., post office Choli Rampur	Jagadhri
944	Musimbli Middle School Thrift/Saving Co-operative Society Ltd., post office Jagadhri	Do
945	The Mugal Majra Soil Conservation Co-operative Society Ltd., post office Narain arh	Naraingarh
946	The Adhoya Poultry Co-operative Society Ltd., post office Adhoya	Ambala
947	The Ambala Balmik Thrift/Credit Co-operative Society, Ltd. ..	Do
948	The Ambala Janta Thrift/Credit Co-operative Society, Ltd. ..	Do
949	The Sadhaura Electric Consumer Co-operative Society Ltd., post office Sadhaura	Naraingarh
950	The Nagla Soil Conservation Co-operative Society Ltd., post office Sadhaura	Do
951	The Chhapar Multipurpose Co-operative Society Ltd., post office Mustafabad	Jagadhri
952	The Ghandauli Soil Conservation Co-operative Society Ltd., post office Sadhaura	Naraingarh

KARNAL DISTRICT

Nil

ROHTAK DISTRICT

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
953	The Central Co-operative Marketing Association Ltd., Sonepat	Rohtak
954	The Kahnaur Co-operative Multipurpose Society Ltd., post office Kahnaur	Do
955	The Kheera Co-operative Multipurpose Society Ltd., post office Kheera	Sonepat
956	The Bhaini Maha Rajput Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Meham	Gohana
957	The Khubroo Veterinary First Aid Centre Ltd., Khubroo ..	Ghanaur
958	The Chulkana Leather Supply Co-operative Society Ltd., post office Chulkana	Sonepat
959	The Bali Qutabpur Poultry Breeding Co-operative Society, post office Bali Qutabpur	Do
960	The District Board Middle School Thrift/Saving Co-operative Society Ltd., post office Muna Majra	Jhajjar
961	The Nahra Multipurpose Co-operative Society Ltd., post office Halalpur	Sonepat
962	The Mandi Ghanaur Mahavir Co-operative Store Ltd., post office Ghanaur	Do
963	The Kilana Leather Industrial Co-operative Society Ltd., post office Kilana	Do
964	The Garhi Bala Leather Industrial Co-operative Society Ltd., post office Sonepat	Do
965	The Rohtak Purchase and Sale Co-operative Society Ltd. ..	Rohtak
966	The Ravi Poultry Co-operative Society, Sonepat ..	Sonepat
967	The Rohar Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., Rohar	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
968	The Chulkana Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., post office Chulkana	Sonepat
969	The Bega Co-operative Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., Ghanaur	Do
970	The Gamsi Agriculture Co-operative Farming Society Ltd., post office, Gohana	Gohana
971	The Kaluwala Co-operative Multipurpose Society Ltd., Kahri..	Do
972	The Bharat Labour construction Co-operative Society Ltd., .. Rohtak	Rohtak
973	The Dewasa Jadid Co-operative Agriculture Society Ltd., post office Sonepat	Sonepat
974	The Behlba Cattle Breeding Society Ltd., post office Meham ..	Gohana
975	The Khandrai Better Farming Co-operative Society Ltd., post office Gohana	Do
976	The Larsauli Veterinary First Aid Co-operative Society, post office Ghanaur	Sonepat
977	The Oil Men and General Industrial Co-operative Society, village and post office Kanandah	Jhajjar
978	The Rohtak Transport Driver Co-operative Society Ltd. ..	Rohtak
979	The Bhaini Chander Pal Better Farming Society Ltd., post office Meham	Gohana
980	The Matu Bhaini Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Meham	Do
981	The Bedhal Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., post office Gohana	Do
982	The Salahwas Multipurpose Co-operative Society Ltd., post office Salahwas	Jhajjar
983	The Jhajjar Jai Bharat Transport Co-operative Society, post office Jhajjar	Do
984	The Chara Middle School Thrift/Saving Co-operative Centre Ltd., post office Chara	Do
985	The Laxmi General Industrial Co-operative Society Ltd., Sonepat	Sonepat
986	The Kalanaur Harijan Weavers Industrial Co-operative Society Ltd., post office Kalanaur	Rohtak
987	The Jhajjar Haryana Public Transport Co-operative Society Ltd., Jhajjar	Jhajjar
988	The Jhajjar Dehat Transport Co-operative Society Ltd. ..	Do
989	The Madina Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., post office Shanghi	Gohana
990	The Parkash Furniture Industrial Co-operative Works Ltd., Akliaspur Barota	Sonepat
991	The Sonepat Co-operative Union Ltd. ..	Do
992	The Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., post office Shamri	Gohana
993	The Dubaldhan Co-operative Credit Society, post office Dubaldhan	Jhajjar
994	The Dubaldhan Janta Co-operative Credit Society, post office Dubaldhan	Do
995	The Dubaldhan Ex-servicemen Multipurpose Co-operative Society Ltd., post office Dubaldhan	Do
996	The Dubaldhan P. Bidhan Credit Co-operative Society, village and post office Thola Lalwan and Malkhan	Do
997	The Dubaldhan P. Bidhan Credit Co-operative Society, post office Thola Heri Dubaldhan	Do
998	The Dubaldhan P. Bidhan Credit Co-operative Society, post office Thola Jaganan	Do

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
999	The Dubaldhan P. Karmyan Credit Co-operative Society, post office Dubaldhan	Jhajjar
1000	The Dubaldhan P. Haryana Credit Co-operative Society, post office Dubaldhan	Do
1001	The Purkhas P. Rathi Co-operative Credit Society, post office Sonepat	Sonepat
1002	The Purkhas Thola Bhawan Co-operative Credit Society, Ltd., post office Sonepat	Do
1003	The Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., Kasaudhi, post office Gohana	Gohana
1004	The Ridhaoo Co-operative Multipurpose Society Ltd., post office Farmana	Rohtak
1005	The Farmana Co-operative Harijan S. Credit Society, post office Farmana	Do
1006	The District Board High School Thrift/Saving Co-operative Society Ltd., post office Kanaunda	Jhajjar
1007	The Amblana Bhuran Co-operative Credit Society, post office Basoda	Gohana
1008	The Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., post office Gandhara	Rohtak
1009	The Bakhtawar Poultry Breeding Co-operative Society, post office Murthal	Sonepat
1010	The Murthal Poultry Breeding Co-operative Society Ltd., post office Murthal	Do
1011	The Mandothi Middle School Thrift/Saving Society Ltd., post office Mandothi	Jhajjar
1012	The Veterinary First Aid Society Ltd., post office Kharanti ..	Gohana
1013	The Rajlo Garhi Co-operative Stores Ltd., post office Rajlo Garhi	Sonepat
1014	The Butana Thrift/Credit Co-operative Society, post office Butana	Gohana
1015	The Butana Panna Khandaira Thrift/Credit Co-operative Society, post office Butana	Do
1016	The Gumar Poultry Breeding Co-operative Society, post office Gumar	Sonepat
1017	The Panch Jatan Poultry Breeding Co-operative Society, post office Panch Jatan	Do
1018	The Akheri Madanpur Co-operative Store Ltd., post office Binner	Jhajjar
1019	The Bhasgaon Co-operative Multipurpose Society Ltd., post office Bhasgaon	Sonepat
1020	The District Board Middle School Thrift/Saving Co-operative Society Ltd., Dubaldhan	Jhajjar
1021	The Bakra Cattle Breeding Co-operative Society Ltd., post office Bakra	Do
1022	The Ladian Co-operative Store Ltd., post office Ladian ..	Do
1023	The Madina Weaver Co-operative Industrial Society, post office Madina	Gohana
1024	The Barota Thrift/Credit Co-operative Society, post office Barota	Do
1025	The Mundlana Bahmanan Thrift/Credit Society, post office Mundlana	Do
1026	The Mundlana Harijan Thrift/Credit Society, post office Mundlana	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
1027	The Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., post office Kahni	Gohana
1028	The Veterinary First Aid Co-operative Society, Ltd., post office Balyana	Rohtak
1029	The Subash Transport Co-operative Society, Ltd., post office Jharli	Jhajjar
1030	The Kalanaur Khurd Co-operative Thrift/Credit Society, post office Kalanaur	Rohtak
1031	The Rathdana Janta Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Rathdana	Sonepat
1032	The Mohana Co-operative Thrift/Credit Society, post office Mohana	Do
1033	The Silana Co-operative Thrift/Credit Society, post office Jhajjar	Jhajjar
1034	The Silana Harijan Co-operative Thrift/Credit Society, post office Jhajjar	Do
1035	The Silana Janta Co-operative Thrift/Credit Society, post office Jhajjar	Do
1036	The Makrauli Kalan Co-operative Thrift/Credit Society, post office Makrauli	Rohtak
1037	The General Manufacturing Co-operative Society Ltd., Sonepat	Sonepat
1038	The Rohtak National Co-operative Store, Ltd. ..	Rohtak
1039	The Mokhra, D. A. V. High School, Thrift/Credit Society Ltd., Mokhra, post office Gohana	Gohana
1040	The Garhi Jhijara Co-operative Poultry Breeding Society, post office Ghanaur	Sonepat
1041	The Dhamer Co-operative Brick Kiln Co-operative Society, post office Ghamar	Rohtak
1042	The Kheri Gujjar Co-operative Poultry Society Ltd., post office Ghanaur	Sonepat
1043	The Jahangirpur Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Jhajjar	Jhajjar
1044	The Sonepat Ex-servicemen Co-operative Multipurpose Society Ltd.	Sonepat
1045	The Rukhi Harijanan Weavers Co-operative Industrial Society Ltd., post office Rukhi	Gohana
1046	The Jhajjar Harijan Co-operative Transport Society Ltd. ..	Jhajjar
1047	The Garhi Kesri Co-operative M./P. Society Ltd., post office Ghanaur	Sonepat
1048	The Lohari Tibba Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Farmana	Do
1049	The Kheri Asra Veterinary First Aid Society Ltd., post office Jhajjar	Jhajjar
1050	The Bhagmal Dhaur Co-operative Joint Farming Society Ltd., village Dhaur, post office Beri	Do
1051	The Rohtak Mohalla Para Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., Rohtak	Rohtak
1052	The Rathudana Co-operative Poultry Society, post office Rathudana	Sonepat
1053	The Ganaur Mandi Co-operative Poultry Society, post office Ganaur	Do
1054	The Jasia Harijan Co-operative Thrift/Credit Society, post office Jasia	Rohtak
1055	The Dighal Co-operative Transport Society Ltd., post office Dighal	Jhajjar
1056	The Jhajjar Adi Co-operative Joint Farming Society Ltd., post office Jhajjar	Do

[Minister for Community Devolopment]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
1057	The Rohtak Co-operative Multipurpose Society Ltd., Rohtak ..	Rohtak
1058	The Radloo Veterinary First Aid Co-operative Society, post office Radloo	Gohana
1059	The Maham Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Meham	Do
1060	The Bahadurgarh Mohalla Khatitian Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Bahadurgarh	Jhajjar
1061	The Sonepat Jatwara Goods Transport Co-operative Society Ltd.	Sonepat
1062	The Hans and Prem Co-operative Thrift/Credit Society, Rohtak	Rohtak
1063	The Veterinary First Aid Co-operative Society Ltd., Beghan, post office Lassauli	Sonepat
1064	The Janta Co-operative Multipurpose Society Ltd., Sonepat ..	Do
1065	The Sonepat Bawa Steel Co-operative Housing Society Ltd., Sonepat	Do
1066	The Maina Co-operative Multipurpose Society Ltd., post office Maina	Rohtak
1067	The Rohtak Jai Bharat Niwar Maker Co-operative Industrial Society Ltd.	Do
1068	The Veterinary First Aid Centre Ltd., Dubaldhan post office	Jhajjar
1069	The Sawara Co-operative Veterinary First Aid Centre, Ltd., post office Kalanaur	Do
1070	The Bhilout Ex-Servicemen Co-operative Transport Society Ltd.	Do
1071	The Jhajjar Azad Co-operative Transport Society, Ltd., Jhajjar	Do
1072	The Madana Co-operative Brick Kiln Society Ltd. ..	Do
1073	The Sanga Har Singh Soap and Powder Co-operative Industrial Society Ltd., Sonepat	Sonepat
1074	The Jhajjar Dehat Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., Jhajjar	Jhajjar
1075	The Sheman Todar Pur Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Sheman Todarpur	Sohana
	HISSAR DISTRICT	
1076	The Behma Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Behma	Fatehabad
1077	The Jamawari Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Jamawari	Hansi
1078	The Rewari Khera Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Bhiwani	Bhiwani
1079	The Dhana Khurd Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Hansi	Hansi
1080	The Mayyer Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Hansi	Do
1081	The Dhana Khurd Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Hansi	Do
1082	The Rattia School Teachers Centres Co-operative Thrift/Saving Society Ltd., post office Rattia	Fatehabad
1083	The Narel Khera Cultivators Co-operative Joint Farming Society Ltd., post office Suchan Kotli	Sirsa
1084	The Baje Kan Co-operative Joint Farming Society Ltd., post office Suchan Kotli	Do
1085	The Dhani Har Sukh Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Bhiwani	Bhiwani
1086	The Bhiwani Co-operative Multipurpose Zamindar Society Ltd., post office Bhiwani	Do
1087	The Mithanpur Brar Co-operative Farming Society Ltd., post office Ellinaabad	Sirsa

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
1088	The Gorchhi Co-operative Labour/Construction Society Ltd., post office Hissar	Hissar
1089	The Dhanana Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Dhanana	Hansi
1090	The Bayana Khera Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Barwala	Do
1091	The Khushreh Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Bhiwani	Bhiwani
1092	The Pahorka Co-operative Labour/construction Society .. Ltd., Post Office Ellinabad	Sirsa
1093	The Hansi Co-operative House Building Society Ltd., Hansi ..	Hansi
1094	The Kishanpura Co-operative Labour/construction Society Ltd., post office Ellinabad	Sirsa
1095	The Khot Kalan Co-operative Labour/construction Society Ltd., post office Khot Kalan	Hansi
1096	The Jandwala Jattan Labour/construction Society Ltd., post .. office Kalanwali	Sirsa
1097	The Bhiwani Panna Meghan Co-operative Thrift-Credit Society Ltd., post office Bhiwani	Bhiwani
1098	The Bhiwani Suraj Kotli Co-operative Multipurpose Society .. Ltd., Bhiwani	Do
1099	The Uklana Mandi Modom Co-operative Transport Society Ltd.	Hissar
1100	The Jandwala Bazaar Co-operative Labour/construction Society Ltd., post office Bhattu Kalan	Fatehabad
1101	The Alika Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Mandi Dabwali	Sirsa
1102	The Teja Khera Co-operative Labour/construction Society Ltd., post office Chotala	Do
1103	The Phulpura Sheep Breeding Co-operative Society Ltd., post office Bamla	Bhiwani
1104	The Kheri Labour/construction Co-operative Society Ltd., post office Suchan Kotli	Sirsa
1105	The Ghukan Wali Co-operative Labour/construction Society Ltd., post office Kalanwali	Do
1106	The Barsi Naikan Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Barsi	Hansi
1107	The Nuh Welfare Extension Co-operative Industrial Society Ltd., post office, Nuh	Nuh
1108	The Biman Patti Shamlat Thrift/Credit Society Ltd., post office Biman	Ferozepur-Jhirka
1109	The Daurakhi Thrift/Credit Co-operative Society Ltd., post office Ferozepur Thiska	Do
1110	The Biman Patti Munian Thrift/Credit Society Ltd., post office Biman	Do
1111	The Biman Mohalia Beopurian Thrift/Credit Society Ltd., post office Biman	Do
1112	The Rhondahas Thrift/Credit Society, post office Biman ..	Do
1113	The Basai Meoth Credit Co-operative Society, post office Biman	Do
1114	The Rehlad Pur Credit Co-operative Society, post office Fateh-pur Biloch	Ballabgarh
1115	The Rialu Thrift/Credit Society Ltd., post office Ballabgarh ..	Do
1116	The Sagarpur Thrift/Credit Society Ltd., post office Ballabgarh	Do
1117	The Khandeola Patti Harphul Co-operative Thrift/Credit Society, post office Khandeola	Farukhnagar
1118	The Ralri Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Nuh	Nuh
1119	The Dhani Sheranwala Co-operative Labour/construction Society Ltd., post office Ellinnabad	Sirsa
1120	The Dinod Khas Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Toshan	Bhiwani

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
1121	The Fatehabad Harijan Co-operative Transport Society, Ltd.	Fatehabad
1122	The Bhiwani Ganesh Co-operative Thrift/Credit Society, Bhiwani	Bhiwani
1123	The Bhiwani Birwan Brahmnan Co-operative Thrift/Credit Society	Do
1124	The Bhodia Khera Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Fatehabad	Fatehabad
1125	The Gudah Kalan Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Gudah Kalan	Do
1126	The Bhiwani Habe Balmik Harijan Co-operative Thrift/Credit Society, Bhiwani	Bhiwani
1127	The Bhiwani Habe Bazaar Traders Co-operative Urban Thrift/ Credit Society Ltd., Bhiwani	Do
1128	The Sahuwala Co-operative Thrift/Credit Society, post office Gudah	Sirsa
1129	The Kunt Harijan Co-operative Transport Society Ltd., post office Bhiwani	Bhiwani
1130	The Bhiwani Khera Daba Prabhu J/F. Society Ltd., post office Khera	Hansi
1131	The Kharia Kishan Co-operative Transport Society, post office Dobhi	Hissar
1132	The Salem Garh Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Siswal	Do
1133	The Uklana Mandi Emp. Co-operative Thrift/Credit Society Ltd.	Uklana Mandi
1134	The Satrod Kalan Co-operative House Building Society Ltd., post office Hissar	Hissar
1135	The Raghuana Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Bara Gudha	Sirsa
1136	The Kalanwali Patti Pakhar Singh and Gurdit Singh Thrift/ Credit Society, post office Kalanwali	Do
1137	The Kalanwali Hira Co-operative Thrift/Credit Society, post office Kalan Wali	Do
1138	The Gobindgarh Majra Co-operative J/F Society Ltd., post office Fatehabad	Fatehabad
1139	The Kumahria Co-operative Compulsory Education Society Ltd., Suchan Kotli	Sirsa
1140	The Hansi Modern Co-operative Farming Society Ltd. ..	Hansi
1141	The Sisar Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Khanda Kheri	Do
1142	The Pattan House Building Co-operative Society Ltd., post office Hissar	Hissar
1143	The Hansi Friends Purchase and Sale Co-operative Society Ltd., Hansi	Hansi
1144	The Salimgarh Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Siswal	Hissar
1145	The Ludas Co-operative Cattle Breeding Society, post office Hissar	Do
1146	The Nehla Co-operative Transport Society Ltd., post office Nehla	Fatehabad
1147	The Bhiwani Labour Co-operative Transport Society Ltd. ..	Bhiwani
1148	The Rupana Ganjia Co-operative Labour/Construction Society Ltd., village Rupana Ganjia, post office Bhattu Kalan	Sirsa
1149	The Mangali Co-operative House Building Co-operative Society Ltd., post office Mangali	Hissar
1150	The Rakhi Khas Bhagwan Co-operative Brick Kiln Society Ltd., post office Rakhi Shahpur	Hansi
1151	The Kanhri Large Sized Co-operative Agriculture Thrift/Credit Society Ltd., post office Tohana	Sirsa
1152	The Uklana Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd. ..	Hissar

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
1153	The Dhana Khurd Co-operative Tube-well Irrigation Society Ltd., post office Dhana Khurd	Hansi
1154	The Dingh Co-operative Medical Aid and Public Health Society Ltd., post office Dingh	Sirsa
1155	The Hajampur Poultry Co-operative Society, post office Bhawani Khera	Hansi
1156	The Mangali Mohabat Suratia Co-operative Thrift/Credit Society, post office Mangali	Hissar
1157	The Raghuana Co-operative Thrift/Credit Society, post office Bara Gudah	Sirsa
1158	The Bamla Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Bamla	Bhiwani
1159	The Kaunt Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Bhiwani	Do
1160	The Naurangabad Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Bamla	Do
1161	The Uklana Mandi Refugee Co-operative House Building Society, post office Uklana Mandi	Hissar
1162	The Khabra Kalan Co-operative Labour/Construction Society Ltd., post office Bhattu Kalan	Fatehabad
1163	The Jamawari Poultry Co-operative Society Ltd., post office Hansi	Hansi
1164	The Daulat Pur Patli Ramdial Co-operative J/F Society Ltd., post office Daulatpur	Hissar
1165	The Hansi Rickshaw Puller Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., Hansi	Hansi
1166	The Dhanderi Middle School Centre Co-operative Thrift/Saving Ltd., post office Dhanderi	Do
1167	The Gulawala Co-operative Labour and Construction Society Ltd., post office Tohana	Hissar
1168	The Mitathal Brick Kiln Production-cum Sale-Co-operative Industrial Society Ltd., post office Mithathal	Bhiwani
1169	The Hassangarh Middle School Teachers Centre Co-operative Thrift/Saving Society Ltd., post office Hassangarh	Hissar
1170	The Bhatala Co-operative Joint Farming Socioty, Ltd., post office Bhatala	Hansi
1171	The Bhiwani Krishana Weavers Goods Production-cum-Sale Co-operative Industrial Society Ltd., Bhiwani	Bhiwani
1172	The Nalwa Co-operative Medical Aid and Public Health Society Ltd., Nalwa, post office Hansi	Hansi
	GURGAON DISTRICT	
1173	The Sidhrauli Co-operative Farming Society Ltd., post office Sidhrauli	Gurgaon
1174	The Kisan Co-operative Cattle Breeding Society, post office Kisan	Do
1175	The Silani Co-operative Veterinary First Aid Centre Ltd., post office Silani	Do
1176	The Kisan Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Kisan	Do
1177	The Mamsar Co-operative Veterinary First Aid Centre Ltd., post office Mamsar	Do
1178	The Chhalni Sozan Co-operative Industrial Society Ltd., village and post office Rewari	Rewari
1179	The National Gopal Chakkar Soap Makers Co-operative Society Ltd., Mohalla Darigran, Rewari	Do
1180	The Hassanpur Bilounda Store crushing Co-operative Industrial Society Ltd., post office Ferozepur-Jhirka	Ferozepur-Jhirka
1181	The Ruprathe Co-operative Medical Aid and Public Health Society, Ltd., post office Hathni	Nuh

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Society with full address	Name of district/ tehsil
1	2	3
1182	The Gurgaon District Co-operative Cattle Breeding Association, Ltd., Gurgaon	Gurgaon
1183	The Khera Khurampur Co-operative Thrift/Credit Society, post office Furrukhnagar	Do
1184	The Farrukhgagarh Shamlat Co-operative Thrift/Credit Society, post office Farrukhnagar	Do
1185	The Dahoda National Co-operative Thrift/Credit Society, post office Farrukhnagar	Do
1186	The Khurampur Patti Chamaran Co-operative Thrift/Credit Society, post office Farrukhnagar	Do
1187	The Lakhuwas Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Sohna	Do
1188	The Bhundri Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Bhundri	Do
1189	The Abhaipur Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Sohna	Do
1190	The Karahi Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Sohna	Do
1191	The Gurgaon National Co-operative Store Ltd., Gurgaon ..	Do
1192	The Ujina Patti Rawat Co-operative Thrift/Credit Society, post office Ujina	Nuh
1193	The Sangal Co-operative Thrift/Credit Society, post office Sangal	Do
1194	The Ujina Patti Adhwar Co-operative Thrift/Credit Society, post office Ujina	Do
1195	The Mandi Co-operative Medical Aid and Public Health Society Ltd., post office Mandi	Rewari
1196	The Garhi Harsaru National Co-operative Labour/Construction Society Ltd., post office Garhi Harsaru	Gurgaon
1197	The Bhundri Co-operative Medical and Public Health Society, post office Bhundri	Do
1198	The Chang Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Chang	Bhiwani
1199	The Chang Co-operative Cattle Breeding Society, post office Chang	Do
1200	The Bhiwani Ex-servicemen Multipurpose Co-operative Society Ltd. ..	Bhiwani
1201	The Gudha Kalan Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Gudha Kalan	Sirsa
1202	The Burj Bhangoo Co-operative Crop Loan Society, Bara Guda	Do
1203	The Hindusthan Co-operative Multipurpose Society Ltd., .. Faridabad	Balabgarh
1204	The Sirhaul Co-operative Cattle Breeding Society Ltd., post office Gurgaon	Gurgaon
1205	The Palwal Dehati Nawjivan Co-operative Transport Society Ltd.	Palwal
1206	The Garhi Hathini Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Hathin	Nuh
1207	The Rindkha Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Hathini	Do
1208	The Hathini Patti Ahiran Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Hathini	Do
1209	The Hathini Patti Brahmnan Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Hathini	Do
1210	The Hassanpur Sharqui Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Hassanpur	Palwal
1211	The Nangla Sat Mazra Co-operative Thrift/Credit Society, post office Hassanpur	Do

Serial No.	Name of Society with full address	Name of District/ Tehsil
1	2	3
1212	The Sahnawli Co-operative Thrift/Credit Society, post office Hassanpur	Palwal
1213	The Guhrari Co-operative Thrift/Credit Society, post office Pumahawa	Ferozepur-Jhirka
1214	The Harijanan Bisru Co-operative Thrift/Credit Society, post office Bisru	Do
1215	The Dhaderi Co-operative Thrift/Credit Society, post office Bisru	Do
1216	The Berha Co-operative Thrift/Credit Society, post office Pumahowa	Do
1217	The Mubarakpur Co-operative Thrift /Credit Society, post office Pumahowa	Do
1218	The Nuh Co-operative Brick Kiln Society Ltd., Nuh ..	Nuh
1219	The Gurdhas Majra Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Nuh	Do
1220	The Gorata Patti Bimo Co-operative Thrift/Credit Society, post office Hodel	Palwal
1221	The Kundal Harijan Co-operative Thrift/Credit Society, post office Hathini	Nuh
1222	The Harijan Singar Co-operative Thrift/Credit Society, post office Singar	Ferozepur-Jhirka
1223	The Garhi Sangar Co-operative Thrift/Credit Society, post office Singar	Do
1224	The Imratpur Nangli Co-operative Thrift/Cedit Society, post office Singar	Do
1225	The Parkash Co-operative Store Ltd., Rewari ..	Rewari
1226	The Narshinghpur Co-operative Poultry Society, Ltd., post office Narshinghpur	Gurgaon
1227	The Gurgaon Cycle Industries Co-operative Society Ltd., Gurgaon	Do
1228	The Sulekha Co-operative Multipurpose Society Ltd., Bawal	Rewari
1229	The Farrukhnagar Teachers Centre Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Farrukhnagar	Gurgaon
1230	The Wazirpur Co-operative Veterinary First Aid Society Ltd., post office Garhi Harsaru	Do
1231	The Meoka Co-operative Poultry Society Ltd., post office Garhi Harsaru	Do
1232	The Mohd Pur Co-operative Poultry Society Ltd., post office Gurgaon	Do
1233	The Lohakki Ex-Servicemen Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Sohna	Do
1234	The Hodel Janta Co-operative Transport Society Ltd., Hodel	Palwal
1235	The Fatehpur Taga Co-operative Poultry Society Ltd., post office Fatehpur Taga	Ballabgarh
1236	The Ferozepur-Jhirka Harijan Co-operative Transport Society Ltd., post office Ferozepur-Jhirka	Ferozepur-Jhirka
1237	The Ballabgarh Co-operative Thrift/Saving Society Ltd., Ballabgarh	Ballabgarh
1238	The Farrukhnagar Vashishta Co-operative Transport Society, Ltd., Farrukhnagar	Gurgaon
1239	The Aklimpur Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Gurgaon	Do
1240	The Bhudpur Co-operative Teacher Centre Thrift/Saving Society Ltd., post office Rewari	Rewari
1241	The Guraora Thak Chamaran Co-operative Thrift/Credit Society Ltd., post office Rewari	Do
1242	The Bawal Co-operative Marketing-cum-Processing Oil and General Mills Ltd., Bawal	Do
1243	The Bawal Than Labour Co-operative Multipurpose Society Ltd.	Do
1244	The Guru Teg Bahadur New Colony Women Co-operative Thrift/Saving Society Ltd., Gurgaon	Gurgaon

CO-OPERATIVE SERVICE FARMING SOCIETIES

3400. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Community Development be pleased to state the total number of Co-operative Service Farming Societies in existence in the State during 1960-61 together with the details of the different kinds of relief granted to them by Government during this period ?

Sardar Gurbanta Singh : There is no Co-operative Service Farming Society in the State. However, there are 930 Co-operative Farming Societies (including Better Farming and Tenant Farming Societies) and provision has been made for giving them a subsidy of Rs 50,000 during the year 1960-61.

SEED DISTRIBUTED FREE OF CHARGE IN FLOOD-AFFECTED AREAS

3401. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the quantity of seed distributed free of charge or at nominal price in the flood-affected areas, tehsil-wise, in each district during 1960-61 ;

(b) the percentage of seed given to landowners, tenants and Harijans, separately, and the conditions on which it was given ?

Rao Birendar Singh : (a) Nil.

(b) The question does not arise.

Note.—Seed was distributed for Rabi sowing at subsidised rate (Government subsidy being 50 per cent) in the following districts :—

(1) Kapurthala.
(2) Hoshiarpur.
(3) Jullundur.
(4) Ludhiana.
(5) Ambala.
(6) Karnal.
(7) Gurgaon.
(8) Hissar.
(9) Rohtak.
(10) Patiala.
(11) Bhatinda.
(12) Sangrur.
(13) Mahendergarh.

HORSE BREEDING AREAS

3403. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state the number of horse breeding areas reserved in the State up to 13th February, 1961 and the facilities provided for them by Government ?

Sardar Gian Singh Rarewala : Nil.

NEW POSTS OF COMMISSIONERS

3404. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state whether any new posts of Commissioners were created and filled during 1960-61 ; if so, the reasons therefor and the names of districts placed under the charge of each with the total population thereof ?

Sardar Partap Singh Kairon : Yes. A new post of Development Commissioner (Hill Areas) has been created and filled up during the year, 1960-61 (February, 1961) with a view to intensifying the allround co-ordinated development of hill areas in the State. These areas deserve special attention in view of their being comparatively backward and under-developed and comprise the entire Districts of Kangra and Simla and parts of the Districts of Hoshiarpur (Una Tehsil, Hajipur, Dasuya, Bhunga, Hoshiarpur I, Hoshiarpur II, Mahilpur, Saroya and Balachaur Blocks), Ambala (Nalagarh Tehsil, Rupar, Naraingarh, Manimajra, Sadhaura and Chhachhrauli Blocks) and Gurdaspur (Dunera Block). The population of these areas is 23.31 lakhs. These will not constitute a separate Division and will be under the Development Commissioner (Hill Areas) for development work only.

CASES CHALLANED FOR EXCEEDING SPPEED LIMIT

3405. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state the total number of cases challaned by the Police for exceeding the speed limit during the year 1960-61 in the State together with the amount of fine paid by the drivers in each case ?

Sardar Partap Singh Kairon : 1,314 cases were challaned during 1960-61 for exceeding speed limit. Out of these 1,069 cases ended in conviction and the fine paid by drivers in each case is as under :—

		Total Fine Rs
Rs 210 in 1 case	..	210
Rs 200 in 1 case	..	200
Rs 100 each in 3 cases	..	300
Rs 90 each in 2 cases	..	180
Rs 80 each in 7 cases	..	560
Rs 75 each in 13 cases	..	975
Rs 70 each in 11 cases	..	770
Rs 60 each in 15 cases	..	900
Rs 55 in 1 case	..	55
Rs 50 each in 100 cases	..	5,000
Rs 45 each in 13 cases	..	585
Rs 42 in 1 case	..	42
Rs 40 each in 93 cases	..	3,720
Rs 35 each in 18 cases	..	630
Rs 30 each in 79 cases	..	2,370
Rs 25 each in 98 cases	..	2,450
Rs 20 each in 204 cases	..	4,080
Rs 17 in 1 case	..	17

[Chief Minister]

		Total Fine
Rs 15 each in 92 cases	..	1,380
Rs 14 each in 2 cases	..	28
Rs 12 in 1 case	..	12
Rs 11 each in 3 cases	..	33
Rs 10 each in 191 cases	..	1,910
Rs 9 each in 6 cases		54
Rs 8 each in 3 cases	..	24
Rs 7 each in 8 cases	..	56
Rs 6 each in 4 cases	..	24
Rs 5 each in 84 cases	..	420
Rs 4 in 1 case	..	4
Rs 3 each in 2 cases	..	6
Rs 2 each in 3 cases	..	6
Re 1 each in 3 caeses	..	3
Warning in 5 cases	..	..
1,069 cases	..	26,904

RESUMPTION OF PLOTS AT CHANDIGARH

3406. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) whether Government resumed any plots in Chandigarh up to 31st January, 1961 ; if so, the number thereof and the reasons therefor ;

(b) whether the persons whose plots were resumed were paid anything by the Government ;

(c) the total amount received by Government by way of advance money which was forfeited on resumption of plots mentioned in part (a) above ?

Chaudhri Suraj Mal : (a) Yes ; 336 plots have been resumed up to the 31st January, 1961, on account of the failure of the plot-holders to pay the instalments due on account of the price of the plots.

(b) No.

(c) Rs 3,93,908.00

FAILURE TO CONSTRUCT HOUSES BY PLOT-HOLDERS AT CHANDIGARH

3407. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) whether Government issued any order during the year 1960-61 to the effect that if the plot-holders at Chandigarh failed to construct their houses by the prescribed date, their plots would be resumed ; if so, when and the reasons therefor ;

(b) whether plot-holders who have not yet built their house have applied to the Government for loans ; if so, the action taken in the matter ;

(c) whether building materials, like bricks, coal, cement and iron, are easily available to plot-holders in Chandigarh ; if not, the steps Government intend to take to make these commodities available ?

Chaudhri Suraj Mal : (a) Yes ; notices have been issued during January/February, 1961, to such persons as had been allotted residential plots during the years 1952 and 1953, because they failed to complete the construction on their plots within the period allowed for construction, which, taking into account the extensions given from time to time, expires on 31st March, 1 1.

(b) Yes ; loans have been sanctioned, subject to the availability of funds, to such plot-holders as have got their building plans sanctioned and have satisfied the requirements of other conditions governing the grant of house-building loan.

(c) Steel is easily available in the market. Permits for wagon loads of cement are being issued by the Estate Officer for which there is no difficulty. There is a temporary shortage of bricks due to short supply of slack coal and the excessive rains in January, 1961. Government have taken steps to augment the supplies of slack coal and cement.

EXPENDITURE ON ROADS BY THE END OF SECOND FIVE-YFAR PLAN

3408. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Public Works be pleased to state the amount which was estimated to be spent by Government on roads, districtwise, by the end of the Second Five-Year Plan and the total mileage of metalled roads to be constructed in each district by that time ?

Chaudhri Suraj Mal : The information is given in the enclosed statement.

Statement showing Physical and Financial Targets fixed District-wise in the 2nd Plan

Serial No.	Name of District	II PLAN TARGETS	
		Financial 1956—61 (Amount in lacs of Rs)	Physical 1956—61 (Miles)
1	Gurgaon	.. 42.61	57.0
2	Rohtak	.. 34.66	49.5
3	Hissar	.. 96.37	156·0
4	Karnal	.. 49.71	58.0

[Minister for Public Works]

Serial No.	Name of District		II PLAN TRAGETS	
			Financial 1956—61 (Amount in lacs of Rs)	Physical, 1956—61 (Miles)
5	Ambala	..	63.34	66.5
6	Ludhiana	..	59.72	89.0
7	Ferozepur	..	89.16	126.0
8	Jullundur	..	34.41	36.0
9	Hoshiarpur	..	71.46	52.5
10	Amritsar	..	37.74	73.5
11	Gurdaspur	..	50.14	87.0
12	Kangra	..	89.80	119.0
13	Simla	..	..	..
14	Patiala	..	55.25	126.0
15	Sangrur	..	88.06	131.0
16	Bhatinda	..	60.76	88.0
17	Kapurthala	..	29.79	28.0
18	Mohindergarh	..	42.59	79.0
	Total	..	995.57	1,422.0

DEVELOPMENT OF CROCKERY AND GLASS INDUSTRY

3410. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Industries be pleased to state whether Government have spent any amount for the development of Crockery and Glass Industry in the State during the periods of the first two Plans ; if so, how much and the extent of success achieved in this respect ?

Shri Mohan Lal : The following amount has been spent for the development of Crockery and Glass Industry in the State during the periods of the first two Plans :—

		Rs nP
(i) Industries engaged in glass products	..	81,000.00
(ii) Pottery Industry (Crockery)	..	2,71,955.19

The amount mentioned against item (i) above was advanced as loan to various parties under the Punjab State Aid to Industries Act, 1935 and these

loans have been properly utilised. The amount mentioned against item (ii) above has been partly advanced as loan under the Punjab State Aid to Industries Act, 1935 and partly on running of Pottery Work Centre started as a Rehabilitation Scheme and on two Pottery Training Centres which are working satisfactorily. Forty-six persons have been trained. The Pottery Work Centre started in 1949-50 was sold to a private party in 1956.

DEVELOPMENT OF SILK INDUSTRY IN THE STATE

3412. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the amount spent by Government for the development of silk industry in the State during each of the two plan periods and the extent to which success was achieved in this respect ;

(b) whether any new Sericulture Centres have been opened in the State ; if so, where ?

Shri Mohan Lal : A statement giving the requisite information is enclosed.

DEVELOPMENT OF SILK INDUSTRY IN THE STATE

(a) (i) Amount spent for the development of Silk Industry during the First Plan period .. Rs 7.5 lakhs

(ii) Amount spent for the development of Silk Industry during the Second Plan period (upto 31st January, 1961) .. Rs 13.5 lakhs

(iii) The extent to which success was achieved is indicated below :—

Serial No.	Particulars	Position at the beginning of the First Five-Year Plan (1951-52)	Position by the end of the 2nd Five-Year Plan (1960-61)
1	Distribution of silk seed—		
	(a) Spring rearing ..	2,494 ozs.	3,320½ ozs.
	(b) Autumn rearing ..	..	230 ozs.
	Total ..	2,494 ozs.	3,550½ozs.
2	Production of cocoons .	1,50,000 lbs.	2,11,808 lbs.
3	Number of families practising sericulture	1,000	1,861
4	Distribution of mulberry saplings	88,046	2,57,521 (during 1960)
5	Distribution of silk seed for 2nd crop	..	230 ozs (excluding 52 ozs. which failed to hatch out)
6	Number of sons and daughters of sericulturists given training in silk Cocoon reeling	..	41 (A batch of further 6 students is under training)

[Minister for Industries]

(b) At the time of the commencement of the First Five-Year Plan, the departmental activities were limited to Sujanpur, Dinanagar, Dalhousie (Gurdaspur District) Palampur (Kangra District), Mukerian (Hoshiarpur District) and Amritsar. With a view to giving an incentive to Silk Industry, sericultural activities were also extended to Doraha (Patiala District), Rupar (Ambala District), Nagrota and Mangwal (Kangra District), Patiala, Panipat (Karnal District) and Fatehgarh Sahib (Patiala District).

CEMENT SUPPLIED DISTRICT-WISE DURING 1960-61

3413. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) The total quantity of cement supplied to each district in the State during the year 1960-61.

(b) the total number of new depots for cement opened during the period mentioned in part (a) above and the names of places where these are located ;

(c) whether the depots mentioned in para (b) above are Government-owned or private ; if private the names of the parties to whom these belong ?

Shri Mohan Lal : (a) and (b) The required information is enclosed (Annexures I and II).

(c) Private. A statement showing the names of parties who were appointed stockists (by the Cement Companies concerned) is appended at annexure III.

ANNEXURE I

Statement showing the total Quantity of Cement supplied to each district in the State during the year 1960-61

		District	*Metric Tonnes*
(a)	1.	Sangrur	7,670
	2.	Simla	589
	3.	Hoshiarpur	6,296
	4.	Jullundur	17,644
	5.	Kapurthala	4,400
	6.	Amritsar	7,514
	7.	Kangra	1,168
	8.	Hissar	14,953
	9.	Gurdaspur	4,758
	10.	Karnal	8,272
	11.	Fazilka	5,077

			Metric Tonnes
12.	Patiala	..	13,071
13.	Narnaul	..	3,152
14.	Ferozepore	..	5,954
15.	Gurgaon	..	12,032
16.	Rohtak	..	12,152
17.	Ambala	..	12,521
18.	Kulu	..	94
19.	Bhatinda	..	9,815
20.	Ludhiana	..	36,710

ANNEXURE II

Statement showing the total number of new Depots for Cement opened in each District during the year 1960-61 and Names of places where these are located

Serial No.	Name of District		Total No. of Depots	Name of place		
1	Sangrur	..	16	Narwana	..	2
				Dhanaula	..	1
				Bhadsar	..	1
				Shiana	..	1
				Dirbha	..	1
				Amargarh	..	3
				Bahadurgarh	..	1
				Gharachou	..	1
				Jind	..	1
				Dhuri	..	1
				Malerkotla	..	1
				Sular Gharut	..	1
				Barnala	..	1
						16
2	Simla	..	..	..		
3	Hoshiarpur	..	19	Bhanupali	..	2
				Mahulpur	..	1
				Hoshiarpur	..	1
				Garhshanker	..	1
				Gardhiwala	..	1
				Bullowal	..	1
				Piplanwali	..	1
				Gagret	..	1
				Sailak Khurd	..	1
				Nurpur	..	1
				Nangli Bhunapli	..	2
				Bhugala	..	1
				Mausar	..	1
				Talwara	..	1
				Datarpur	..	1
				Hajipur	..	1
				Nangal	..	1
						19

[Minister for Industries]

Serial No.	Name of District	Total No. of Depots	Name of place	
4	Jullundur ..	13	Nakodar ..	3
			Bhogpur ..	1
			Jullundur City ..	4
			Phillaur	1
			Jadla ..	1
			Kathar ..	1
			Adampur ..	1
			Nurmahal ..	1
				13
5	Kapurthala ..	10	Kapurthala ..	2
			Dhilwan ..	1
			Dyalpur ..	1
			Begowal ..	1
			Maqsudpur ..	1
			Nadala ..	1
			Bholath ..	1
			Kalasinghan ..	2
				10
6	Amritsar ..	15	Verka ..	1
			Amritsar ..	3
			Tarntaran ..	1
			Khalchian ..	1
			Butari ..	2
			Rayya ..	1
			Baba Bakala ..	1
			Botala ..	1
			Chohla Sahib ..	1
			Mehta ..	1
			Kathu Nangal ..	1
			Mattewal ..	1
				15
7	Kangra ..	..	..	
8	Hissar ..	3	Ratra ..	1
			Narnaud ..	1
			Siwani ..	1
				3
9	Gurdaspur ..	7	Fatehgarh Churian ..	1
			Pathankot ..	1
			Batala ..	3
			Gurdaspur ..	1
			Siri Hargobindpur ..	1
				7
10	Karnal ..	6	Radaur ..	1
			Kaithal ..	1
			Ladwa Indri ..	1
			Gharaunda ..	1
			Shahbad Markanda ..	1
			Panipat ..	1
				6

Serial No.	Name of District	Total No. of Depots	Name of place	
11	Fazilka Circle	1	Malout Mandi ..	1
				1
12	Patiala ..	17	Nabha ..	4
			Patiala ..	2
			Devigarh ..	1
			Masingan ..	1
			Gharuan ..	1
			Lal Kalan (Dobahi) ..	1
			Rauni ..	1
			Bodson ..	2
			Jarg ..	1
			Ghaurani Kalan ..	1
			Patran ..	1
			Dera Bassi ..	1
				17
13	Narnaul ..	..	..	
14	Ferozepore ..	9	Badhni Kalan ..	1
			Nihalsinghwala ..	3
			Ferozepore City	1
			Ferozepore Cantt ..	1
			Chuharchak ..	1
			Kokri Kalan ..	1
			Dhudhike ..	1
				9
15	Gurgaon ..	6	Hodel ..	1
			Faridabad ..	2
			Ballabgarh ..	1
			Nuh ..	1
			Punhana ..	1
				6
16	Rohtak ..	7	Bahadurgarh ..	1
			Gonour ..	1
			Sonepat ..	1
			Kalanaur Mohan and .. Kharak Kalan	2
			Murthal ..	1
				7
17	Ambala ..	39	Bharatgarh ..	1
			Ambala City ..	1
			Ambala Cantt. ..	6
			Kurali ..	4
			Kharar ..	3
			Burai ..	2
			Chandigarh ..	3
			Babyal ..	1
			Chhachrauli ..	3
			Surajpur ..	1
			Village Malla ..	1
			Village Chabbiana ..	1
			Yamna Nagar ..	4
			Jagadhri ..	2

[Minister for Industries]

Serial No.	Name of District	Total No. of deposts	Name of place		
17—*concld*	Ambala—CONCLD				
			Bilaspur	..	2
			Rupar	..	1
			Khizeabad	..	1
			Morinda	..	1
			Pinjore	..	1
					39
18	Kulu	.. 1	Bhuntar	..	1
					1
19	Bhatinda	.. 8	Goniana	..	1
			Faridkot	..	1
			Bhatinda	..	2
			Jaitu	..	1
			Bhuchchu	..	1
			Kotkapura	..	1
			Nathana	..	1
					8
20	Ludhiana	.. 6	Ludhiana	..	2
			Raikot	..	1
			Khanna	..	3
					6

ANNEXURE III

Statement showing the Names of Parties to whom these belong

Serial No.	Name of District	Name of parties
1	Sangrur ..	1. M/s. Pyrey Lal-Chandigi Lal, Narwana
		2. M/s. Babu Ram-Nand Lal (Aggarwal), Amargarh
		3. M/s. Gobind Lal-Benarsi Dass, Barnala
		4. M/s. Sat Dev & Brothers, Sularghat
		5. M/s. Gando Mal-Amar Nath Jain, Malerkotla
		6. M/s. Kaur Sain-Gian Chand Dhuri
		7. M/s. Ishar Dass-Harnam Dass, Jind
		8. M/s. Sohan Lal-Bhagwan Dass, Gharachon
		9. M/s. Amlok Ram-Hari Gopal, Ahmedgarh/ Bahadurgarh
		10. M/s. Kartar Singh & Brothers, Amargarh City
		11. M/s. Nahar Chand-Des Raj, Dirbha
		12. M/s. Ramji Dass-Banarsi Dass at Dhanaula/ Bhadaur/Shaina
		13. M/s. Nar Dass-Darsita Ram, Narwana
2	Simla ..	..

Serial No.	Name of District	Name of parties
3	Hoshiarpur ..	1. M/s. Mathra Dass-Kidar Nath, Anandpur Sahib (Bhanopli)
		2. M/s. Mathra Dass-Kidar Nath, Anandpur Sahib (Mahalpur)
		3. M/s. Muni Lal-Gauri Shanker, Rupar (Bhonopli)
		4. M/s. Rajender Nath Gupta, Goushala Bazar, Hoshiarpur
		5. M/s. Sukh Dayal, Garhshanker
		6. M/s. Rajinder Nath Gupta and Co., Hoshiarpur (Gardiwala)
		7. M/s. Rajinder Nath Gupta and Co., Hoshiarpur (Bhullowal)
		8. M/s. Rajinder Nath Gupta and Co., Hoshiarpur (Bhinopali)
		9. M/s. Rajinder Nath Gupta and Co., Hoshiarpur (Gagret)
		10. M/s. Rajinder Nath Gupta and Co., Hoshiarpur (Saila Khurd)
		11. M/s. Chaman Lal Tersem Lal, Saile Khurd (Nurpur)
		12. M/s. Chaman Lal-Tersem Lal, Saile Khurd (Nagali Bhinopli)
		13. M/s. Telu Ram-Ram Kishan of Kurali (Nangal Bhinopali)
		14. M/s. Munshi Ram-Jai Kishan Dass, Urmar (Bhungala)
		15. M/s. Munshi Ram-Jai Kishan Dass, Urmar (Mansar)
		16. M/s. Munshi Ram-Jai Kishan Dass, Urmar (Talwara)
		17. M/s. Munshi Ram-Jai Kishan Dass, Urmar (Datarpur)
		18. M/s. Munshi Ram-Jai Kishan Dass, Urmar (Hajipur)
		19. M/s. Aggarwal and Co. of Rupar (Nangal)
4	Jullundur ..	1. M/s. Roshan Lal and Sons
		2. M/s. Inderjit Ram Labhaya
		3. M/s. Jull Cement Syndicate
		4. M/s. Panna Lal Dara
		5. M/s. Sobti Iron Work
		6. M/s. Ram Nath & Sons
		7. M/s. National Iron Works
		8. M/s. Nauric Mal-Madan Mohan
		9. M/s. Satish Chander Aggarwal
		10. M/s. Prem Nath Sharma
		11. M/s. Guru Nanak Iron Works
		12. M/s. Devco Industries
		13. M/s. Jullundur Cement Syndicate
5	Kapurthala ..	1. M/s. Ram Chand Sud & Sons
		2. M/s. Jagiri Lal-Mohinder Paul
		3. M/s. Jagiri Lal-Mohinder Paul
		4. M/s. Jagiri Lal-Mohinder Paul
		5. M/s. Jagiri Lal-Mohinder Paul
		6. M/s. Jagiri Lal-Mohinder Paul
		7. M/s. Jagiri Lal-Mohinder Paul
		8. M/s. Charan Dass-Jagiri Lal
		9. M/s. Charan Dass-Jagiri Lal
		10. M/s. Naria Hardware Surce Store, C/o Faquir Chand-Madan Lal

[Minister for Industries]

Serial No.	Name of District		Name of parties
6	Amritsar	..	1. M/s. Chanan Mal-Dev Dutt, Verka 2. M/s. Dwarka Dass Wadwa and Co., Amritsar 3. Shri Makhan Singh, Tarn Taran 4. M/s. Atma Singh-Agya Singh, Amritsar 5. M/s. Jagat Singh-Gurbux Singh, Amritsar 6. Shri Bashmbar Nath, Khalchian 7. Shri Ballu Mal, Butari 8. Shri Harbans Singh, Rayya 9. M/s. Balak Ram-Raj Kumar, Baba Bakala 10. M/s. Kahan Chand-Bashambhar Dass, Batala 11. Bawa Diwan Singh, Butari 12. M/s. Jaswant Singh & Sons, Chohla Sahib 13. M/s. Rajinder Singh & Brothers, Mehta 14. M/s. Rajinder Singh & Brothers, Kathu Nangal
7	Kangra	..	..
8	Hissar	..	1. M/s. Dharam Chand-Sant Lal, village Ratia, tehsil Fatehabad 2. M/s. Parmeshwari Dass-Rulia Ram, village Narnaund, tehsil Hansi 3. M/s. Raghunath Rai-Hira Lal, village Biwani, tehsil Bhiwani
9	Gurdaspur	..	1. M/s. Om Parkash-Vijay Kumar, Fatehgarh Churian 2. M/s. Sham Dass & Sons, Pathankot 3. M/s. Kaushi Singh-Bachan Singh, Batala 4. M/s. Batala Engineering Works, Batala 5. M/s. Sansar Engineering Works, Batala 6. M/s. Dharam Singh-Gurdarshan Singh, Gurdaspur 7. Shri Hargobindpur League-sized Co-operative Agriculture Society
10	Karnal	..	1. M/s. Babu Ram-Satya Parkash, Radaur 2. M/s. Aggarwal Timber Store, Kaithal 3. M/s. Sohan Lal-Kanta Ram, Ladwa and Indri 4. Ch. Tulsi Dass and Co., Gharaunda 5. M/s. Aggarwal Iron and Hardware Store, Shahabad Markanda 6. M/s. Jiwan Dass & Sons, Panipat
11	Fazilka	..	1. M/s. Data Ram-Ram Gopal, Malout Mandi
12	Patiala	..	1. M/s. Bishna Mal-Sardha Ram, Nabha 2. M/s. Amar Nath-Bhora Mal, Nabha 3. M/s. Jain Iron Stores, Patiala 4. M/s. Piara Lal and Sons, Patiala 5. M/s. Gupta Iron Stores, Nabha 6. M/s. Walia and Co. C/o Shri R. C. Company Manager Bank of Patiala 7. M/s. Madan Gopal-Dharam Pal, Devigarh 8. M/s. Madan Gopal-Dharam Pal, Masingan 9. M/s. Basant Rai-Nathu Mal, Morinda (Gharuan) 10. M/s. Om Parkash, Bectar and Sons, village Lal Kilan 11. M/s. Om Parkash Bectar and sons, village Rauni 12. M/s. Gupta Iron Store, Bhadson

Serial No.	Name of District		Name of parties
			13. M/s. Om Parkash Bectar and Sons, Jarg 14. M/s. Om Parkash Bectar and Sons, Ghurani Kalan 15. M/s. Amar Nath and Brothers Bhadson, 16. M/s. Behari Lal & Sons, Patran 17. M/s. Amar Singh-Gian Chand Mohindroo, Dera Bassi
13	Mohindergarh	..	..
14	Ferozepore	..	1. M/s. Amar Nath & Co., Nihal Singh Wala 2. M/s. Kundan Lal-Harbans Lal, Badhni Kalan 3. M/s. Chet Ram Aggarwal, Nihalsinghwala 4. M/s. Charanji Lal-Morari Lal, Ferozepore Cantt. 5. M/s. Moti Ram-Rameshwar Dass, Ferozepore City 6. M/S Milkhi Milkheta Ram, Chuhanchak 7. M/S Milkhi Mal Kheta Ram Kohrikalan 8. M/s. Milkhi Mal-Kheta Ram 9. M/s. Rikhi Ram-Mohan Lal, Nihalsinghwala
15	Gurgaon	..	1. M/s. Paul Brothers, Hodel 2. M/s. Auto Supply Co., Faridabad 3. M/s. M.L. Manchanda, Faridabad 4. M/s. Rattan Lal-Bhim Sen, Nuh 5. M/s. Daulat Ram-Siri Ram, Ballabgarh 6. M/s. Hittan Lal-Pran Nath, Pushanane
16	Rohtak	..	1. M/s. Shobha and Co., Bahadurgarh 2. M/s. Jayanti Parshad-Ganeshwar Lal through M/s. Raghu Nath Dass-Shiv Shanker Lal, Ganaur 3. M/s. Jot Ram-Siri Kishan through M/s. Mohan Brothers and Co., Sonepat 4. M/s. Shobha and Co., Kalanaur, Mohem and Kharak Kalan 5. M/s. Ram Kumar-Jai Bhagwan through M/s. Mohan Brothers and Co., Murthal
17	Kulu	..	1. M/s. Puran Chand Satish
18	Ambala	..	1. M/s. Mathra Dass-Kidar Nath, Rupar 2. M/s. Dharam Chand-Amar Chand, Ambala City 3. M/s. Ram Parshad Iron Merchant, Kurali 4. M/s. Ram Parshad Iron Merchant at Kharar 5. M/s. Radha Ram-Jai Ram Dass, Kurali 6. M/s. Radha Ram-Jai Ram Dass, at Kharar 7. M/s. Ram Rattan Aggarwal & Co., Ambala 8. M/s. Jain Aggarwal & Co., Buria 9. M/s. Arjan Singh & Sons Sector 22-D, Chandigarh 10. M/s. Adarsh Flour and General Mills, Chandigarh 11. Shri Avtar Singh, Babyal 12. Shri Uggar Sain, Ambala Cantt. 13. M/s. Joti Parshad-Sham Lal, Ambala 14. M/s. Shanker Das-Niodar Mal, Ambala Cantt. 15. M/s. Amin Chand-Pyare Lal, Chandigarh 16. Shri Desh Hitkari Aggarwal Kacha Bazar, Ambala Cantt. 17. M/s. Kanti Mohan-Subash Chander, Chhachrauli Cement Work Co-operative 18. M/s. Bhupindra Cement Work Co-operative Society village Malla 19. M/s. Bhupindra Cement Work co-operative Society, Pinjor 20. M/s. Bhupindra Cement Work Co-operative Society, Surajpur 21. Shri L. R. Gupta and Co., village Chhabiana

[Minister for Industries]

Serial No.	Name of District	Name of parties
		22. M/s. Madan Gopal & Sons, Yamna Nagar
		23. M/s. Rajinder Kumar-Jai Parkash, Jagadhri
		24. M/s. Rajinder Kumar-Jai Parkash, Yamna Nagar
		25. M/s. Rajinder Kumar-Jai Parkash, Chhachrauli
		26. M/s. Rajinder Kumar-Jai Parkash, Bilaspur
		27. M/s. Rajinder Kumar-Jai Parkash, Buria
		28. M/s. Min Chand-Prem Chand, Kurali
		29. M/s. Chaman Lal Jain & Sons, Yamuna Nagar
		30. M/s. Chaman Lal Jain & Sons, Jagadhri
		31. M/s. Pyre Lal Bansal, Ambala Cantt.
		32. M/s. Vijay and Brotherss, Kurali
		33. M/s. Vijay and brother, Kharar
		34. M/s. Vijay Brothers, Rupar
		35. M/s. Balbir Saran-Phool Chand, Chachhrauli
		36. M/s. Balbir Saran-Phool Chand, Yamuna Nagar
		37. M/s. Balbir Saran-Phool Chand, Bilaspur
		38. M/s. Balbir Saran-Phool Chand, Khizarbad
		39. M/s. Murari Lal-Ramesh Chand, Morinda
19	Bhatinda ..	1. M/s. Bhag Chand-Harbans Lal Rai
		2. M/s. Hans Raj-Mangat Rai
		3. M/s. Kewal Krishan-Manohar Lal
		4. M/s. Parlad Rai-Sat Narain and Co.
		5. M/s. Daya Chand-Amar Nath
		6. M/s. Ganpat Ram-Brij Lal, c/o Parlad Rai-Sat Narain, Bhatinda
		7. M/s. Lahori Ram-Ram Gopal
		8. M/s. Bhim Sain-Kulwant Rai
20	Ludhiana ..	1. M/s. Sant Singh and Brothers Kesar Ganj Roab Ludhiana
		2. M/s. Sahib Chand-Prem Lal, Raikot
		3. M/s. Tara Chand-Brij Lal, Ludhian
		4. M/s. Sham Lal Aggarwal & Co. (Khanna)
		5. M/s. Des Raj-Khem Chand, Khanna
		6. M/s. Vijay Brothers of Kurali, Aambala (Khanna)

DAIRY FARMS

3414. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state—

(a) the total number of Dairy Farms opened by Government in the State during the two plan periods and the names of places where these are located ;

(b) the expenditure incurred by Government on the said Farms ?

Sardar Gian Singh Rarewala : (a) None.

(b) Question does not arise.

VEHICLES PURCHASED FOR MINISTERS ETC.

3415. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total number of new vehicles purchased by Government for the use of Ministers, Deputy Ministers and the Chief Parliamentary Secretary during the period from 1955-56 to 1960-61 and from 1952-53 to 1955, separately;

(b) the number of vehicles for the purposes mentioned in part (a) above purchased during the year 1955 ;

(c) the total amount spent on the vehicles mentioned in parts (a) and (b) above, separately ?

Rao Birendar Singh : (a) 14 Vehicles were purchased for the use of Ministers, Deputy Ministers and Chief Parliamentary Secretary during the period from 1952-53 to 1955 and 30 vehicles during the period from 1955-56 to 1960-61.

(b) 6 Vehicles were purchased during the year 1953.

(c) The cost of cars purchased during the period from 1952-53 to 1960-61 is Rs. 6,90,343 (1952-53 to 1955 Rs. 2,61,858, 1956 to 1960-61 Rs. 4,29,485) including a sum of Rs. 1,11,462 spent towards the cost of 6 vehicles purchased during 1955.

PLYING OF BUSES ON PALWAL-OTAWA AND NUH-HODEL ROADS

3416. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether Government propose to operate their buses on the Palwal-Otawa road and Nuh-Hodel road, if so, by what time ;

(b) whether private buses also are proposed to be permitted to operate on the routes mentioned in part (a) above ?

Rao Birendar Singh : (a) Palwal-Otawa route is not mentioned in the list of new and kacha routes released for operations by Government. As such nothing can be said for its operation at the moment.

Operation on Nuh-Hodel route will be undertaken in a couple of months' time after obtaining decision of the Implementation Committee constituted for implementing 50 : 50 Scheme with private operators.

(b) In accordance with the approved 50 : 50 Scheme all newly developed routes have to be shared between State Transport Undertakings and private transport companies on 50 :50 basis after providing for Co-operative Societies and villagers responsible for building roads and further for Co-operative Societies upto 15%. The above routes fall in this category of routes.

NATIONAL DISCIPLINE SCHEME

3417. Shri Rup Singh Phul : Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to encourage the National Discipline Scheme in the State, if so, the approximate amount likely to be spent on this scheme during the Third Five-Year Plan.

Shri Amar Nath Vidyalankar.—The State Government is showing considerable keenness in the promotion of the National Discipline Scheme in the State. We are spending a sum of Rs. 86,000 during 1960-61, on the encouragement of the Scheme. There is a provision of Rs. 1,50,000 for the next financial year i.e., 1961-62 in the regular budget (non-plan) We have two officers at the Headquarters (Officer Incharge N.D.S. and Youth Welfare Officer for Girls) who entirely devote their time towards the implementation of the scheme in the field. They hold various refresher courses and seminars for in-service men and women teachers to give them reorientation in N.D.S. and Youth Leadership. The Central Government have also set up their regional office at Ambala City with two officers (Regional Director and Senior Supervisor, Northern Region, N.D.S.) to expand the scheme throughout the State. They are spending about ten lakhs on the scheme in this region. The scheme has so far been introduced in 546 schools where 2,58,869 students have been receiving training under the scheme.

Since the scheme is being expanded by the Centre, throughout the State, no provision for its expansion has been made in the State Third Five Year Plan.

NATIONALISATION OF ROAD TRANSPORT ROUTES

3418. Shri Rup Singh Phul : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state what percentage of road transport, routes in the State have been nationalized so far, and the period within which 50 per cent nationalization of such routes is expected to be completed ?

Rao Birendar Singh : Government do not propose to nationalize passenger road transport in the State in its entirety. They have entered into an agreement with the private operators in pursuance of which the private and public sectors are to operate on 50 :50 basis throughout the erstwhile Punjab State for ten years.

2. In accordance with the approved 50:50 scheme with the private-transport operators. route mileage to the extent of 14,445 miles per day has so far been surrendered by the private transport companies in favour of Punjab Roadways and Punjab Roadways mileage at present works out to 36.3 per cent . As a first step, only the pacca routes are being taken up for bringing them on 50 :50 basis. The operation of partly kacha/ pacca routes and kacha routes will be undertaken subsequently on 50 : 50 basis as provided in the notified scheme. The take-over on pacca routes will be completed by July, 1962. The entire 50: 50 scheme is to be completed in phased programmes consistent with administrative convenience. Therefore, exact date cannot be given at this stage for completion of entire routes on 50: 50 basis.

PAY AND ALLOWANCES OF DRIVERS AND CONDUCTORS OF PUNJAB ROADWAYS

3419. Shri Rup Singh Phul : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total number of vehicles with the Punjab Roadways and number of drivers and conductors working therein ;

(b) the scales of pay and other allowances which are given to the said drivers and conductors as well as any other facilities that are given to them.

Rao Birendar Singh :—

(a) (i) No. of vehicles	..	606
(ii) No. of drivers/ jeep drivers	..	882
(iii) No. of conductors/ adda conductors	..	964
(b) (1) Scale of pay of bus drivers	..	Rs. 80—4—120
(2) Scale of pay of jeep drivers	..	Rs. 60—3—90
(3) Scale of pay of Conductor/ Adda Conductor	..	Rs. 50—3—80/4—100

Other Allowances

(i) Dearness allowance at the following rates :—

Pay Rs. 1—50	..	Rs. 30 P.M.
Pay Rs. 51 to 150	..	Rs. 40 P.M.
Pay Rs. 151 to 200	..	Rs. 45 P.M.

(ii) Temporary allowance equal to two increments on basic pay exceeding Rs. 100.

(iii) Simla Compensatory Allowance/ Chandigarh Compensatory Allowance/ Delhi Compensatory Allowance/ House Rent Allowance as per rates fixed by Government for employees posted at Simla, Chandigarh and Delhi.

(iv) Contributory Provident Fund at 8⅓ % of basic pay.

(v) Daily Allowance for nights spent out of Headquarters is as under in respect of officials in receipt of pay between :—

Re. 1 to 50	..	Rs. 1 per day
Rs. 51 to 100	..	Rs. 1.50 per day
Rs. 100 to 150	..	Rs. 2.00 per day

Other facilities are as under :—

(1) Casual leave, festival leave, earned leave as admissible under the Civil Services Rules Volume I, Part II.

(2) Cash rewards to the extent of 20 per cent of total strength of staff.

(3) Festival, Wheat recreational, Hill advances free of interest.

(4) Rest rooms provided by Government for stay at night.

(5) Uniforms.

(6) Benefits of war service.

NEW COLLEGES TO BE OPENED DURING THE THIRD FIVE YEAR PLAN PERIOD

3420. **Shri Rup Singh Phul :** Will the Minister for Education be pleased to state the number of new Colleges (Arts and Science) proposed to be opened by Government during the Third Five Year Plan period in the State and the number of those likely to be opened in the hilly areas of State, particularly in Kangra district?

Shri Amar Nath Vidyalankar : (i) Three.

(ii) One.

(iii) Final decision regarding the places where new Colleges are to be located is yet to be taken.

JUDICIAL LOCK UPS UNDER THE CHARGE OF JAILS DEPARTMENT

3421. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether any Judicial lock ups were taken over by the Jail Department from the Police up to 31st Decembr, 1960 ; if so, their list ;

(b) whether any new sub-jails have been built in the State during the period between 1st January, 1955 and 31st December, 1960 ; if so, their list ;

(c) the daily average number of prisoners confined in the Judicial lock ups and sub-jails mentioned in parts (a) and (b) respectively during 1960 ;

(d) whether any arrangements for the supply of 'datans' to the prisoners confined in the judicial lock ups and sub-Jails have been made by Government ; if so, what, in each case and the expenditure incurred thereon in each of them during 1960 ?

Shri Mohan Lal : (a) Yes. The list showing the judicial lock ups taken over by the Jails Department from the Police up to 31st December, 1960 is enclosed as Annexure 'A'

(b) No

(c) The list showing the daily average number of prisoners confined in the Judicial lock-ups since conversion into sub-Jails is enclosed as annexure 'B'

(d) Yes. The arrangements for the supply of *datans* exist at all the Sub-Jails of the State except sub-Jail, Sonepat where necessary arrangements are being made. The expenditure incurred on the supply of *datans* during the year 1960 is given in the enclosed annexure 'C'

ANNEXURE 'A'

1. **Judicial Lock-Up, Fazilka.**
2. **Judicial Lock-Up, Sirsa.**
3. **Judicial Lock-Up, Moga.**
4. **Judicial Lock-Up, Patti.**
5. **Judicial Lock-Up, Gidderbaha.**
6. **Judicial Lock-Up, Muktsar.**
7. **Judicial Lock-Up, Rupar.**
8. **Judicial Lock-Up, Simla.**
9. **Judicial Lock-Up, Palwal.**
10. **Judicial Lock-Up, Sonepat.**
11. **Judicial Lock-Up, Jhajjar.**
12. **Judicial Lock-Up, Kaithal.**

(Judicial Lock-Ups at serial No. 11 and 12 have since been re-converted as such).

ANNEXURE 'B'

Name of Lock-Up	*Daily average*
1. Fazilka	.. 73.50
2. Sirsa	.. 49.44
3. Moga	.. 52.38
4. Patti	.. 49.00
5. Gidderbaha	.. 23.00
6. Muktsar	.. 40.41
7. Rupar	.. 15.37
8. Simla	.. 7.00
9. Palwal	.. 24.00
10. Sonepat	.. 9.00

ANNEXURE 'C'

Name of Jail	*Expenditure incurred*
	Rs.
1. Sub-Jail, Hoshiarpur	.. 455.21
2. Sub-Jail, Dharamsala	.. 98.06
3. Sub-Jail, Mahendragarh	.. 63.91
4. Sub-Jail, Kapurthala	.. 280.59
5. Sub-Jail, Fazilka	.. 111.65
6. Sub-Jail, Sirsa	.. 90.52
7. Sub-Jail, Gidderbaha	.. 49.69
8. Sub-Jail, Muktsar	.. 149.62
9. Sub-Jail, Rupar	.. 2.75
10. Sub-Jail, Simla	.. 3.00
11. Sub-Jail, Moga	.. 90.41
12. Sub-Jail, Karnal	.. Nil
13. Sub-Jail, Gurgaon	.. Nil
14. Sub-Jail, Patti	.. Nil
15. Sub-Jail, Palwal	.. Nil

(Datans to prisoners confined in the Sub-Jails from serial No. 12 to 15 of the above list were supplied from the Jail gardens).

Judicial Lock-Ups. A sum of Rs. 6.20 nP. was spent for the supply of 'Datans' to prisoners confined in the Judicial Lock Ups in the Patiala District (except Judicial Lock-Ups Amloh).

There exist no arrangements for the supply of Datans to the prisoners confined in Judicial Lock-Ups situated in other districts of the State.

GRAIN MARKET AT PAKKI KHANAURI, DISTRICT SANGRUR

3422. Sardar Pritam Singh Sahoke : Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state whether Government have received any representation from the residents of village Pakki Khanauri, Sub-Tehsil Sunam, district Sangrur, for establishing a grain market there ; if so, the action taken thereon ?

Sardar Gian Singh Rarewala : No. The request for the establishment of a mandi at village Khanauri Kalan or Khanauri Khurd in district Sangrur was rejected by the erstwhile Pepsu Government in 1955 as another proposal to establish a new mandi at a nearby place namely, Shutrana was under their consideration

---

RELEASE ORDERS OF AKALIS

3424. Kanwarani Jagdish Kaur : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the date on which the Government announced general release orders of the Akalis arrested in connection with the Punjabi Suba Agitation during the current year together with a copy of the said orders ;

(b) the names of the Akali prisoners, jail-wise, who were not released in persuance of the orders mentioned in part (a) above, the reasons therefor in each case and the dates on which they were released ;

(c) the total number of Akali prisoners, jailwise , including Tehar Jail , Delhi who were released on 9th January, 1961, 10th January, 1961 and 11th January, 1961, and the reasons for keeping them in jails after 9th January, 1961 and 10th January, 1961

(d) the names of those Akalis who were in Jails including the Tehar Jail, Delhi as on 11th January, 1961, and the dates on which they were released thereafter ?

Shri Mohan Lal : (a) (i) On 9th January, 1961.

(ii) A copy of the 'hand out' incorporating Government orders is enclosed.

(b) to (d) The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

The Punjab Government are most happy and pleased that Sardar Fateh Singh has called off his fast, and congratulate the leaders of the Akali Movement at their constructive response to the suggestion of the Prime Minister and the action of this Government.

Government is anxious that normal conditions should be restored as soon as possible and an atmosphere created to build up healthy relations and forget the bitterness of the past. It has, therefore, decided to release unconditonally all persons against whom proceedings are pending or were instituted during the course of the movement, except those few who were involved in physical acts of violence. Retrictions on the press and on meetings are also being removed. Action to achieve these ends is being taken and will be completed as speedily as possible.

It is hoped that this unique and happy opportunity will be taken by all people of the Punjab to work for the development of the State and its people under the inspiring lead of the Prime Minister, who has made his confidence and affection for all Punjabis so manifest.

Government will continue to maintain law and order throughout the State and trusts that it will not be challenged in this duty.

AKALI PRISONERS IN VARIOUS JAILS, ETC

3425. Kanwarni Jagdish Kaur : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the maximum number of Akali prisoners kept in each Jail and Sub-Jail in the State during the current year, including the Tehar Jail, Delhi ;

(b) the total number of prisoners mentioned in part (a) above, particulars about whom, such as weight, height, thumb-impressions , distinguishing marks, etc., were entered in the Jail records ;

(c) whether there were any prisoners whose particulars were not recorded ; if so, their number and the reasons therefor ?

Shri Mohan Lal : (a), (b) and (c) The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

TREES CUT IN KAPURTHALA JAIL FOR FUEL

3426. Kanwarni Jagdish Kaur : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether any trees were cut from the Kapurthala Jail farm during 1960-61 ; particularly in January, 1961 for use as fuel in the jail kitchen ; if so, their number ;

(b) whether any record of the trees mentioned in part (a) above was kept; if not, the reasons therefor ?

Shri Mohan Lal : (a) Yes

(b) In view of (a) above, the question does not arise.

CASES PENDING WITH GENERAL ASSISTANT TO DEPUTY COMMISSIONER, KAPURTHALA

3427. Kanwarani Jagdish Kaur : Will the Chief Minister be pleased to state the total number of cases pending with the General Assistant to the Deputy Commissioner, Kapurthala, on 1st January, 1960, the number of cases disposed of by him, monthwise, during the current year and the total number of cases pending with him on 31st December, 1960 ?

Sardar Partap Singh Kairon : The requisite information is given below :—

The total number of cases pending with the General Assistant to the Deputy Commissioner, Kapurthala on 1st January, 1960 ..	37
The number of cases disposed of by him, monthwise, during the current year	January, 1961..96 February, 1961..112
The total number of cases pending with him on 31st December, 1960 ..	85

KEROSENE OIL LAMPS USED IN KAPURTHALA JAIL

3428. Kanwarani Jagdish Kaur : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the total number of kerosene oil lamps, if any, being issued every night in Kapurthala Jail with the total quantity of kerosene oil issued daily for the purpose ;

[Kanwarani Jagdish Kaur]

(b) the total quantity of kerosene oil and its cost consumed in the said jail during the current year up to 31st January, 1961 ;

(c) whether it is a fact that the said jail is fitted with electricity; if so, the reasons why kerosene oil was used for lighting purposes ?

Shri Mohan Lal : (a) Number of lamps issued varies from 2 to 7 a night according to requirements. Three to 5 fluid ounces of kerosene oil is issued per lamp according to season.

(b) Seven tins of kerosene oil was issued during 1960 and up to 31st January, 1961 The total cost of this Kerosene oil is Rs 48.13 nP only

(c) The sub-Jail, Kapurthala is partially fitted with electricity. Seven cells two blocks of old factory and two rooms where convicts working in the kitchen sleep and the godowns are, however, without electricity.

SHORT NOTICE QUESTION AND ANSWER

NEW SHOPS CONSTRUCTED IN SECTOR 22, CHANDIGARH

***6957. Pandit Shri Ram Sharma :** Will the Minister for Public Works be pleased to state :—

(a) whether it is a fact that some new shops have been constructed by Government in Sector 22, Chandigarh, for confectioners and hotel keepers etc ;

(b) whether the confectioners and hotel keepers in Sector 22, Chandigarh, have been ordered to close their existing businesses in their present shops ;

(c) the conditions on which the newly constructed shops mentioned in part (a) above are proposed to be given to these confectioners etc ;

(d) whether it is one of the conditions for letting the said new shops that the intending tenants should first hand over the possession of their existing shops to the owners ; if so, the reasons therefor ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : (a) Yes.

(b) Yes.

(c) A copy of the conditions is laid on the Table of the House.

(d) Yes. The reasons for imposing this condition are as follows :—

The new shops have been constructed specially for 17 shop-keepers who were carrying on objectionable trades in premises not meant for such trades with the result that the sanitation of

Note :—The replies to unstared Questions Nos. 3342, 3364, 3368, 3384, 3398, 3402 and 3409 having received late from the Government are being printed at the end of this debate as an Annexure.

the area in which these shops were functioning had deteriorated. Although, Government could take action for the misuse of the shops, yet they did not do so and allowed the shop-keepers to carry on the objectionable trades till the new shops were constructed. Government were informed that these shop-keepers were planning to hold on to their present shops and carrying on the same trade even after they had been provided alternative shops. If this had been allowed, the very purpose of constructing the new shops would have been defeated. Therefore, the shop-keepers were asked to give vacant possession of the shops to the owners and the owners have been asked not to let out shops for objectionable trades. Out of the 17 shop-keepers for whom the shops were constructed 16 shop-keepers have accepted this condition and only one has not done so.

DEED OF LEASE OF BUILDING LEASED OUT BY PRIVATE TREATY?

This Deed of Lease made the day of 1961 between the Governor of the Punjab (hereinafter called the lessor) of the one part, and Sarvshri ——————————————————————(hereinafter, called the lessee/s) of the other part.

Whereas the building described in the Schedule hereto attached (which is hereinafter called the said building) is owned by the "Lessor" in full proprietary rights.

And whereas the Lessor has agreed to grant the lessee/s a temporary right of use and occupation of the said building.

Now, therefore, this Deed witnesseth that the lessor hereby grants and conveys unto the lessee/s, the lease of the said building subject to the exceptions, reservations, conditions and co-venants hereinafter contained and each of them, that is to say :—

(1) The lessee/s shall pay monthly rent at the rate of Rs.——————————per mensem, which is provisional and subject to revision.

(2) The lessee/s shall pay monthly rent in advance by the 10th of the month in which it falls due. The rent shall accrue from the date the possession of said building is offered to the Lessee/s.

(3) The lessee/s shall pay two months rent, i.e. Rs. ——————————as security which shall be refunded on the expiry of lease or adjusted against the arrears of rent due, unless it is forfeited in accordance with the terms of lease.

(4) The lessee/s shall pay all general and local Taxes and cessess for the time being imposed or assessed on the said building by competent authority.

(5) The lessee/s shall not make any additions or alterations in the building without the previous permission in writing of the lessor.

(6) The lease shall be for a period of eleven months and shall be terminable by either party, by giving one months advance notice in writing to the other party unless it is terminated immediately by the Lessor on breach of the conditions or terms of the lease by the lessee/s in which case the lessor shall be competent to evict the lessee/s at any time without any notice and lessee shall have no cause for any grievance and shall be responsible for all consequences resulting therefrom.

(7) In the event of non-payment of rent on due date or breach or non-observance by the lessee/s of any of the covenants herein on his part to be observed by him and in any such case it shall be lawful for the lessor, not withstanding the waiver of any previous cause of right for the re-entry, to enter into and upon the said building or any part thereof and to re-possess,

[Deputy Minister]

retain and enjoy the same as of his former Estate and the lessee shall not be entitled to refund of the lease money or part thereof or to any compensation whatsoever on account of such resumption.

(8) On termination of the lease, in accordance with clause 7 above, the lessor may in addition to resumption of the said building forfeit the whole or part of the security deposited by the lessee/s.

(9) On termination of the lease, the lessee/s shall remove temporary structures and fixture, etc. and deliver vacant possession of the building to the lessor. In the event of the default by the lessee/s in removing the temporary structure and fixtures etc., the lessor shall have the right to remove the same and recover the cost of removal from the lessee/s or to dispose of the same without any liability.

(10) The lessee/s shall at all times keep and maintain the said building in a proper state of repair and cleanliness and to the satisfaction of the lessor.

(11) The lessee/s shall not sublet or transfer his rights under this lease. No. Fragmentation of the building shall be permissible.

(12) The building shall be used only for the purpose it is leased out, i.e. —————— and for no other purpose.

(13) The lessee/s shall not encroach upon any part of the Public Varandah or the space in front or around the building. He shall carry out his bussiness strictly within the premises, leased out to him/them.

(14) The Lessor may by his officers and servants at all reasonable time and in a reasonable manner after 24 hours notice in writing enter in and upon any part of the said building for the purpose of ascertaining that the lessee/s has duly perf ormed andobserved the covenants and conditions to be performed and observed under these presents.

(15) The lease shall be goverened by the provisions of the Capital of Punjab (Development and Regulations) Act, 1952 and the Rules made thereunder.

(16) On termination of the lease the lessee/s shall deliver vacant possession of the building in its original state, i.e. without any damage to the building or fixture, etc., and the cost of the damages, if any shall be paid by lessee/s.

(17) Lessor shall have full right, power and authority at all times to do, through his officers, or servants all acts and things which may be necessary or expedient for the purpose of enforcing compliance with all or any of the terms, conditions and reservations herein contained and to recover from the lessee/s as a first charge upon the temporary structure or fixtures on the building, the cost of doing all or any such acts and things and all cost incurred in connection therewith or in any way relating thereto.

(18) In the event of any dispute or difference at any time arising between the lessor and the lessee/s as to the true intent and meaning of these presents and of each and every provisions thereof the property and right hereby reserved or any of them or in any manner incidental or relating thereto the said said dispute or difference shall be referred to the Chief Adminisistrator, Chandigarh, whose decision thereon shall be final and binding on the party thereto.

It is hereby agreed and declared that unless a different meaning shall appear from the context :—

The expression "Lessor" used in these presents shall include in addition to the Governor of Punjab, and in relation to any matter or any thing contained in or arising out of these presents every person duly authorised to act or to represent, Governor, of Punjab in respect of such matter or thing.

In witness whereof the parties have hereunto respectively subscribed their names at the places and on the dates hereinafter in each case specified :

Signed by for and on behalf of the Governor of Punjab and setting under his authority at Chandigarh this day of 1961.

LESSOR

Signed by the said on the day of 1961. (LESSEE)

Witnesses

1. Name
2. Residence

(Witnesses)

1. Name
2. Residence

(Witnesses)

पंडित श्री राम शर्मा : जहां तक इस बात का ताल्लुक था कि shop-keepers नाजायज trade वहां पर न करें। इस पर मुझे कोई एतराज़ नहीं लेकिन गवर्नमैंट ने यह हुक्म जारी किया कि नई shop की मंजूरी तब देंगे जब मौजूदा shops का possession उनके owners को दे दिया जायेगा। मैं यह पूछना चाहता हूं कि गवर्नमैंट को क्या जरूरत महसूस हुई कि tenant और मालिक के legal right को इस तरह से छेड़े और इस तरह की extraordinary हरकत करे ?

मुख्य मन्त्री : Extraordinary हरकत नहीं की। मैं समझता हूं कि यह भी दिक्कत बन जाती है कि मालिक को ढूंढते फिरें। गवर्नमैंट को यह कर देना चाहिए कि चाबी ले लें और फिर मालिक को भेजनी हो तो भेज दें। अगर आनरेबल मैम्बर की इस से satisfaction हो सके तो गवर्नमैंट चाबी ले लेगी और फिर मालिक को return कर दिया करेगी ताकि मुश्किल न बने।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या जनाब मिनिस्टर साहिब फरमायेंगे कि जब उन्होंने यह satisfaction कर दी कि वे होटल नहीं खोलेंगे तो मालिक को चाबी देने की शर्त क्यों रखी गई जो कि 'पगड़ी' ले कर आगे दुकान किराये पर देगा।

मुख्य मन्त्री : वे 'पगड़ी' नहीं ले सकेंगे।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि क्या गवर्नमैंट ने tenant के मुकाबले में मालिक को favour करने के लिए illegal काम नहीं किया ? मैं समझता हूं कि उन के साथ जबरदस्ती की गई है ?

मुख्य मन्त्री : यह जबरदस्ती का काम नहीं, हम tenant को उठा सकते थे।

पंडित श्री राम शर्मा : आप objectionable trade को बन्द कर सकते थे लेकिन tenant को नहीं उठा सकते थे। मैं समझता हूं कि आप ने tenant को मजबूर करके मालिक की इमदाद की है।

मुख्य मन्त्री : हमने मालिक की इमदाद नहीं की बल्कि tenant को नई दुकान दे कर नुकसान से बचाया है। हां, अगर कोई मालिक पगड़ी पर दुकान देता है तो मेहरबानी करके बतला दें we will take action accordingly.

पंडित श्री राम शर्मा : आप तो ठीक फरमाते हैं लेकिन आप के मन्त्री महोदय सिर्फ वही करते हैं जो उन के Under-secretary उन्हें कहते हैं। The Ministers and Deputy Ministers are absolutely dummies.

उप मन्त्री (लोकार्य विभाग) : बाकी सब ने तो मान लिया है। यह सारा झगड़ा एक आदमी ने किया है।

पंडित श्री राम शर्मा : आप ने ही तो कहा था कि जुल्म हो रहा है कागज़ मेरे पास भिजवाओ।

उप मन्त्री : मुश्किल तब पैदा होती है जब आप जैसे आदमी सिफारिश करने लगते हैं।

मुख्य मन्त्री : मैं आनरेबल मैम्बर को यकीन दिलाता हूं कि मैं इस को दरियाफ्त कर लूंगा कि आया वे tenant objectianable trade करता है या नहीं और सारी पोज़ीशन को देख कर फैसला कर लेंगे।

पंडित श्री राम शर्मा : यह corruption का मामला है। इस में बहुत से आदमियों ने पैसा खाया है।

श्री अध्यक्ष : पंडित जी, आप को क्या हो गया है? (Pandit ji, what has happened to you?)

पंडित श्री राम शर्मा : (Addressing Chaudhri Suraj Mal) आप के Superintendent ने पैसा खाया है। I know your Superintendent. He is corrupt.

OBSERVATIONS MADE BY THE HON. SPEAKER

Mr. Speaker : Today is the most momentous day in the history of the Punjab Vidhan Sabha. Today it has come into its own home, even though the home is still incomplete, after a state of homelessness lasting for over 13 years. Our entry into our home is as yet only informal. We will enter formally after an inaugural ceremony when the entire building, including that of the Legislative Council, is built.

While others who were uprooted in the wake of partition, after differing periods of homelessness found their homes, we continued to be homeless. We have no complaints to make for this prolonged homelessness but I am referring to it simply to emphasize that where others found their permanent abodes sooner or later, rather sooner than later, the institution of democracy in this State remained homeless and it would have continued to remain so, had not our Prime Minister and the Chief Minister taken in their characteristic way, the bold decision in favour of construction of this place.

Hon. Members, you may recall that before our great Prime Minister came to lay the foundation stone of this building, in certain sections of the Press, a loud and persistent campaign was carried on against the construction of our Assembly Chamber. But I am happy that this campaign died as suddenly as it was born. It did not take long to realise the importance and necessity of a separate home for the Legislature.

No one can deny the pleasure of ownership because of the security that it engenders. No one for long could have wished to see us in make-shift abodes, sharing our roof with others, being deprived of the joy and comfort of having a home, all our own.

The campaigners would not understand, perhaps they could not understand, that Legislature, which in our Constitution is supreme, should, before any other organ of the State, have a place of its own. Their campaign against our having a separate home ended in a fiasco when the Prime Minister, in spite of them, came here and laid the foundation stone of our building. For all this, the highest tribute must be paid to Sardar Partap Singh Kairon (*Cheers*) who, notwithstanding the multitudinous commitments of his Government, unequivocally decided that there must be a building for us, so that years of our gypsyhood should end and we should be able to call some place our own, where our budding democracy might grow into maturity and acquire stability.

During the travails of the post-partition period we shifted about from place to place. In November, 1947 our Assembly held the first session after Independence in the Chamber of the Council of States, what is now called, the Rashtrapati Niwas at Simla but which was then known as the Governor-General's lodge. The offices of the Assembly were situated more than half a mile away from the venue of the session. There was dislocation of work but that, in the peculiar context of the situation in the country, was to be expected. We had just become independent and, therefore, happily disregarded all the inconveniences. But we were not prepared to let the monster of inefficiency raise its ugly head, which it was bound to do when the office was situated at one place, and the Chamber at another place, the two being separated by a fairly long distance. We then moved to the Chamber of the Central Legislative Assembly from 1948, where we remained up to September, 1953, when we moved down to Chandigarh. The Hall was at first more than ample for our Membership. But after the first general elections in 1952 when the number of our Membership increased to 119, the Hall started presenting a crowded appearance during the days of the sessions. And had we been there after integration when our Membership was 186, or after the second general elections, when our Membership was 154, we would not have been able to accommodate ourselves comfortably in that Hall. That Hall was not built for a large number of Members and it was expected to be used for only short whiles in the Summer. Therefore, this Hall, while it served our needs at the time, would have fallen far short of them in due course. We would have had to find some other place to accommodate all our Members.

The office part of the accommodation in the Central Assembly Hall was most inadequate. Our office was, at the time, not large. The Assembly had not yet set up the number of Committees that it did later with their multifarious duties. But, even then, some part of the office was located in a building nearby.

We shifted to this place in September, 1953, without any Hall to hold our sessions or any building for our offices. Our offices were at first located in 12 type residential houses in Sector 23 and our first session was held in the Auditorium of the Punjab Engineering College. For the days of the session the office was shifted from Sector 23 to the

[Mr. Speaker]
College itself and accommodated in all kinds of rooms, some complete, some half complete and some quite incomplete. The Auditorium was temporarily fitted up for the session. After the session was over, the office went back to its quarters in Sector 23 and the temporary Assembly Hall 'vanished'. In fact, there was no Assembly Hall at all. Government had, however, decided to make available to us the Hall of the Junior Secondary School in Sector 10 for our sessions and the building of the School for our offices till such time as our place was built.

The Hall was made available to us in March, 1954 and we have been holding our sessions in it since. But, as you all know, it was shared by us with the other House. We could never call it entirely our own—in fact, we never did, and we had to adjust our timings etc. with those of the other House, which we would not have had to do if it were our own place. Nevertheless, we stayed in that Hall even though the accommodation in that Hall was hardly enough for us. The lobbies and the galleries were inadequate, and the accoustics and ventilation poor. The office accomodation fell far short of our requirements. We had taken two type 8 houses in Sector 11 for our offices and during the days of the sessions, who can forget, certainly not the Ministers, the appearance of our grounds which reminded one of a vast camp as around an oasis in a Sahara !

Now we have come to our own place and it is my proud privilege to welcome you here. What we lost in the wake of partition, our home, we have at long last found, and for this our gratitude is due to the people of the Punjab and to their representative, responsive Government for their courage and determination. We are grateful to those hon. Members who have from time to time held the portfolio of the Capital Project, Sardar Gurbachan Singh Bajwa, Shri Mool Chand Jain, Shri Brish Bhan, Giani Kartar Singh and Rao Birendra Singh—and particularly to Chaudhri Suraj Mal and Sardar Niranjan Singh Talib, incharge at present, who have taken personal, even intimate interest in the day-to-day progress of this Hall.

We would be failing in our duty if we did not acknowledge with thanks the work, against heavy odds, done by the different Chief Engineers of the Project, Sarvshri P.L. Varma, Hukam Singh, R.N. Dogra, and G.R. Nangea and their able and hard working Superintending Engineers, and Executive Engineers and their staff and thousands of labourers. It is their labours which have brought about this achievement—this building in which we are sitting today. Last but not least is the tribute that is due to M. LeCorbusier who has planned this colossal building, one, whose uniqueness awes us today, and will awe the generations of the future who in course of time and history will take our places here, and also to other architects, in particular, to Shri A.R. Prabhawalkar with whom I came into close contact early because of his continued connection with this great project.

Hon. Members , this is your home, the home of democracy, the peoples ' home. But alas ! those valiant fighters of our freedom, those great patriots who sacrificed so that we may be free, those illustrious former Members of our House, Dr. Satya Pal, my great predecessor, Pandit Jagat Ram Harianvi, Dr. Lehna Singh Sethi, Chaudhri Krishen Gopal Dutta, Professor Mota Singh, Sardar Kehr Singh, Master Nand Dal and Baba Nidhan Singh are no longer with us and we feel their bsence deeply.

Hon. Members, you sit here as the repositories of the common man's trust, which trust, it is your sacred duty to discharge faithfully and honestly. You will take decisions here, as you have, no doubt, been doing in the past but elsewhere, that will affect as much those who have sent you here as those yet unborn. People are looking up to you and in doing so expect, as their legitimate right, that you will fulfil their aspirations. The unborn generations will look back and judge your achievements with philosophic detachment and either acclaim you or denounce you. Your responsibilities, therefore, are tremendous, yet your opportunities are unbounded. Let me hope that your capacities also are immense and that you will meet the challenge of the future with fortitude. You are steering the destinies of this land of sages and heroes through the most difficult period of our nation's resurgent history. a period of renaissance. The achievements of your leadership would, thereofore, be most critically judged by the historian of the future and let his verdict be in favour of the sincerity and honesty of your purpose, even if you have not been able to accomplish a great deal. He will realise that you had endless fields awaiting development and claiming your attention and a very short span of time at your disposal and he will not adjudge you adversely if he finds that you faithfully discharged your trust, even if your achievement was small.

Let us all, therefore, reaffirm our resolve—for it is only reaffirmation that is needed, the resolution, I am confident is already there—to render service and sacrifice in the noblest of noble causes, the development of our country in all its multisided aspects. In the wake of our development will naturally come our strength . We, therefore, develop ourselves as much for our prosperity as for our strength and prestige. Let us not fritter away our energies on argument and contradiction, on internecine conflicts and struggles. Let our energies converge on our development programmes. Let our democratic institutions be the instruments for pouring rich, though different, experiences into one common pool for the advantage of the community and not for constructing divergent multidirectional channels, each flowing feebly and ineffectively. Let us all join together, all parties, whether in the Government or in the Opposition, in yet again resolving that we will all, singly and together, do all we can for the prosperity and prestige of our great country. Let this new Hall be a witness to our resolve and let its walls resound, boldly and eloquently, with our achievements. (*Cheers*).

Chaudhri Inder Singh : On a point of order, Sir. May I know whether this Address is to be discussed ?

Mr. Speaker : No.

POINT OF ORDER REGARDING LAYING OF THE REPORT OF THE PUNJABI UNIVERSITY COMMISSION ON THE TABLE OF THE HOUSE.

श्री बलराम दास टंडन : On a point of order Sir, पंजाबी यूनिवर्सिटी Commission की रिपोर्ट इस हाउस में रखी जानी चाहिये थी। वह प्रेस में छप चुकी है।

श्री अध्यक्ष : वह कौंसिल की टेबल पर रखी गई है। (It has been laid on the table of the Council)

श्री बलराम दास टंडन : स्पीकर साहिब, इस में इस हाउस का privilege involved है। जब यह हाउस meet कर रहा था तो पहले इस हाउस में वह रिपोर्ट रखी जानी चाहिये थी।

श्री अध्यक्ष : इस हाउस में भी रखी जाएगी लेकिन यह पाबंदी कहां पर लगी हुई है कि उस को बाहर नहीं बताया जा सकता ? (It will be laid on the table of this House as well. But at the same time there is no restriction for its publication in the Press.)

श्री बलराम दास टंडन : ऐसा ही एक मामला लोक सभा में भी पेश हुआ था। उस पर बाकायदा बहस हुई थी और यह फैसला हुआ था कि ऐसे important मामले पहले इस हाउस में रखे जाने चाहिएं।

श्री अध्यक्ष : जिस दिन आप disperse हुए थे उस दिन शिक्षा मन्त्री ने मेरे साथ बात की थी कि रिपोर्ट एक दो दिन में आने वाली है। तो मैं ने कहा था कि अगर कौंसिल की मीटिंग हुई तो उस में रख देना। बाद में इस हाउस में भी रख देना। (गवर्नमैंट बैंचों की तरफ देख कर) आप ने गलती की है, आप ने रिपोर्ट क्यों नहीं रखी ? It should be laid on the table of the House. (When the House adjourned last the Education Minister informed me that this report was expected in a day or so. I said there was no objection of its being laid on the Table of the Council if it was in Session and when the Assembly would meet the same should be laid on the Table of this House. (*Addressing the Government Benches*). Why this Report has not been laid on the Table of this House ? This is an omission on the part of the Government. It should be laid on the Table of this House).

Chief Minister : It will be laid on the Table of the House.

(*Interruptions*)

Mr. Speaker : It should be considered as having been laid on the Table of the House.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Minister for Industries (Shri Mohan Lal) : Sir, I beg to lay on the Table the Annual Report on the working of the Punjab Public Service Commission for the period from the 1st April, 1959 to 31st March, 1960, as presented to the Governor under Article 323 (2) of the Constitution, together with the Memorandum explaining the reasons for the non-acceptance of the advice of the Commission.

BILLS (*Leave to introduce*)

THE PUNJAB ABOLITION OF ALA MALIKIYAT AND TALUKDARI RIGHTS (AMENDMENT) BILL, 1961

Minister for Revenue (Giani Kartar Singh) : Sir, I beg to move for leave to introduce the Punjab Abolition of Ala-Malikiyat and Talukdari Rights (Amendment) Bill.

Mr. Speaker : Motion moved—

That leave be granted to introduce the Punjab Abolition of Ala-Malikiat and Talukdari Rights (Amendment) Bill.

Mr. Speaker : Question is—

That leave be granted to introduce the Punjab Abolition of Ala-Malikiyat and Talukdari Rights (Amendment) Bill.

The leave was granted.

Minister for Revenue : Sir, I beg to introduce the Punjab Abolition of Ala Malikiyat and Talukdari Rights (Amendment) Bill.

THE PEPSU ABOLITION OF ALA MALIKIYAT RIGHTS (AMENDMENT) BILL, 1961.

Minister for Revenue (Giani Kartar Singh) :,Sir, I beg to move for leave to introduce the Pepsu Abolition of Ala-Malikiyat Rights (Amendment) Bill.

Mr. Speaker : Motion moved—

That leave be granted to introduce the Pepsu Abolition of Ala-Malikiyat Rights (Amendment) Bill.

Mr. Speaker : Question is—

That leave be granted to introduce the Pepsu Abolition of Ala-Malikiyat Rights (Amendment) Bill.

The leave was granted.

Minister for Revenue : Sir, I beg to introduce the Pepsu Abolition of Ala-Malikiyat Rights (Amendment) Bill.

BILL

THE PNUJAB APPROPRIATION BILL, 1961

Minister for Industries (Shri Mohan Lal) : Sir, I beg to introduce the Punjab Appropriation Bill.

Minister for Industries : Sir, I beg to move—

That the Punjab Appropriation Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Punjab Appropriation Bill be taken into consideration at once.

पंडित श्री राम शर्मा (सोनीपत) : स्पीकर साहिब, Supplementary Estimates के मुताल्लिक बहस तो हो चुकी लेकिन अब जाबते के मुताबिक जो यह बिल हमारे सामने आया है मैं आप से थोड़ा सा वक्त लेकर दो-तीन बातों पर ही कुछ कहना चाहता हूं । एक तो यह सब से आखिर में expenditure on new Capital of Punjab at Chandigarh वाली item है । इसमें ठीक है कि यह कोई नई रकम तो नहीं मांग रहे लेकिन इनके पास जो रुपया बचा हुआ है और पिछले वक्त में खत्म नहीं हुआ उसके लिए एक तरह से token demand है । 8 लाख के तो यह बना रहे हैं residential houses और दो लाख रुपया लगाकर यह shop-cum-flats का सिलसिला है । तो, स्पीकर साहिब, मैं एक बात की तरफ गवर्नमैंट की तवज्जोह दिलाना चाहता हूं । जो नेक काम हमारे Capital Project के वजीर और डिप्टी वजीर कर रहे हैं उसकी एक मिसाल. . . .

1 p.m.

चौधरी बारू राम : On a point of order, Sir. मेरी अर्ज यह है कि उस House में यहां पर बैठने और seating arrangement की बात चली थी तो उस वक्त जनाब ने वादा किया था कि parties का या groups का arrangement होगा । लेकिन यहां पर पंडित जी को किस group या party की तरफ से time दिया गया है, यह बात मेरी समझ में नहीं आई ।

श्री अध्यक्ष : मैंने आप सब को कहा हुआ है कि आप अपनी अपनी लिस्टें भेज दिया करो । (I have already asked the hon. Members to send me their respective lists.)

चौधरी बारू राम : किस की ?

श्री अध्यक्ष : अपने अपने groups के speakers की, जो जो बोलना चाहते हैं । (The members of various groups who want to participate in the discussion.)

चौधरी बारू राम : यहां पर seating arrangements के लिए आपने वादा किया था ।

श्री अध्यक्ष : Seating arrangements की बाबत मैंने सब groups को कहा था कि मुझे अपनी अपनी लिस्टें भेज दें ताकि पहले दिन ही seating arrangement हो जाए । मेरे पास अभी ऐसी कोई list नहीं आई सिवाय कांग्रेस पार्टी की तरफ से । अगर आप मुझे आज अपनी list भेजें तो इस arrangement को कल complete कर दिया जाएगा । आप मेरे साथ मेरे chamber में या सैक्रेटरी साहिब से बैठकर यह तय कर लें । आप अपनी अपनी parties की तादाद देख लें । जिस पार्टी की तादाद ज्यादा है वह पहले आ जाएगी और उससे कम तादाद वाली party के मैम्बर बाद में आ जाएंगे । कहां पर किसे बैठना है यह आप की मर्जी है । मैं उसमें कोई दखल नहीं देना । आपके group leaders जिस जिस मैम्बर को जहां seat allot कर देंगे मैं उसको accept कर लूंगा ।

(Regarding seating arrangements, I had asked all groups to send me their respective lists so that the seating arrangements may be made on the very first day of the meeting of the Sabha in this chamber. With the exception of the Congress Party I have not received such lists from any party. If the lists of different groups in the Sabha are sent to me today the seating arrangements will be finalized by tomorrow. The hon. Members may settle this issue either with me in my chamber or with the Secretary of the Sabha. They may adjudge the strength of various groups in the Opposition and the group which emerges with a larger membership in the Opposition will be seated ahead of others and the group with proportionately smaller number of members will be seated next and so on. The order of seats of member in a particular group will be decided by the group itself. I do not want to interfere in this matter. It will be the discretion of the group leaders to allocate any seat to any member of their party. I will accept their proposals.)

चौधरी बारू राम : With due respect to the Chair, मेरी submission यह है कि जब पंडित जी किसी group या party से नहीं आए और ऐसा एलान उनकी तरफ से हो चुका है कि वह किसी group के साथ नहीं हैं— party तो मैं नहीं कहता—उन्हीं को ही पहले....

श्री अध्यक्ष : Supplementary Demands के Appropriation Bill पर बहस चल रही है। जो उस दिन नहीं बोल सके, मैं उन्हीं को पहले accommodate कर रहा हूँ। (Now the Appropriation Bill on the supplementary Demands is under discussion. I am accommodating those hon. Members first, who could not take part in the discussion of Demands on that day.)

चौधरी बारू राम : लेकिन पंडित जी को ही पहले किस basis पर time दिया गया है ?

श्री अध्यक्ष : उस दिन मैंने आप को बताया था कि जो मैम्बर Supplementary Demands की discussion में हिस्सा नहीं ले सके उनको Appropriation Bill की बहस के दौरान accommodate कर लूंगा। (I had announced on that day that the hon. Members who could not get an opportunity to participate in the discussion of the Supplementary Demands would be accommodated during the course of discussion on the Appropriation Bill.)

पंडित श्री राम शर्मा : स्पीकर साहिब, यह तो आप का साबका एलान है लेकिन मैं इनकी बेचैनी को थोड़ा सा दूर कर देना चाहता हूँ। वह बेचैनी इस बात की है कि यहां इस जगह

[पंडित श्री राम शर्मा]

जो कोई बैठेगा वह लाज़मी तौर पर ज़रूर पहले बोलेगा, ऐसी बात कोई नहीं है । House में चाहे कोई कहीं, किसी जगह पर बैठा हो, जब बोलने का वक्त आए और मैंबरान खड़े हों तो parliamentary तरीका यह है कि जो भी स्पीकर साहिब की eye catch कर ले वह पहले बोलेगा । आप इस मैम्बर साहिब की गलत फहमी हमेशा के लिए दूर कर दें कि आप की eye catch करने के लिए कोई खास सीट मुकर्रर है और इस सीट पर जो मैम्बर बैठा है वही लाज़मी तौर पर पहले बोलेगा। मैं तो कहता हूँ कि अगर मेरी seat आखरी किनारे पर हो और स्पीकर साहिब की अज़ राहे कर्म निगाह मुझ पर पड़ जाए तो उस पर भी इन को बेचैन होने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी । यह तो बिल्कुल parliamentary रिवाज और तरीके की नावाकफियत और ज़ाती तौर पर खलश है कि मौका हो या न हो अपनी बात ज़रूर करनी है। इसमें Leader of the House या Leader of the Opposition का सवाल नहीं है; एक मेम्बर का, House का और स्पीकर साहिब का सवाल है । मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ और चूंकि यह Appropriation Bill पर discussion थी, स्पीकर साहिब ने मेरा नाम ले लिया । अगर कोई मैम्बर इस बात से तकलीफ महसूस कर रहा है तो यह मेरे बस की बात नहीं । स्पीकर साहिब, आप खुद देख लीजिए । इसलिए इस तरह की कार्यवाही जो आज खुद पैदा हो गई इसके लिए मुझे ताज्जुब जरूर है, अफसोस नहीं । मेरे ख्याल में मैम्बर साहिब और बाकी मेम्बर साहिबान को हमेशा के लिए यह बात दिल से निकाल देनी चाहिए कि पहले या पीछे या बीच में बोलना, न बोलने देना या जरूरी तौर पर बोलना, इन सब का किसी खास सीट पर बैठने से ताल्लुक है ।

तो, स्पीकर साहिब, मैं अर्ज़ कर रहा था कि हमारा जो Capital Project का महकमा है, इसने करोड़ों रुपया खर्च किया है और करोड़ों रुपया और खर्च करेगा और काम किया जा रहा है । जब इतना बड़ा काम हो जिसको देखने के लिए दुनिया भर के लोग आते हों, जिस की नुक्ताचीनी की जाती है और तारीफ भी होती हो उसमें चाहे 8 लाख रुपया मकान residential मकान बनाने के लिए लिया जाए या shop-cum-flats के लिए, मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूँ कि इस काम में कोई ऐसी कार्यवाही नहीं होनी चाहिए जो नामुनासिब हो, कानून के खिलाफ हो, गवर्नमेंट की बदनामी का बायस हो और फिर गवर्नमेंट पर कोई बात आए तो उस पर गलत और बे सोचे समझे जवाब देना पड़े । स्पीकर साहिब, मैं खास तौर पर वज़ीर साहिब और इस महकमे के डिप्टी वज़ीर साहिब का ध्यान इस तरफ दिलाता हूँ कि वह मेहरबानी करके इन residential houses और shops-cum-flats को बनाते वक्त उस बात का ख्याल रखें जिस को अब उन्होंने महसूस किया । वह क्या था? सैक्टर 22 में गवर्नमेंट ने यह महसूस किया और सही तरीके पर महसूस किया कि वहां पर छोटे २ दुकानदारों को जगह देने से कहीं हलवाई बैठ गया, कहीं सब्जी फरोश बैठ गया और कहीं होटलवाला बैठ गया । यह महसूस किया गया कि अगर इस तरह से लोगों की दुकानें हुई तो शहर की सफाई और इसकी beauty में फर्क पड़ेगा ।

इस सम्बन्ध में मैं गवर्नमेंट की इस बात में हिमायत करता हूँ कि अगर वह चाहे कि शहर के किसी quarter में, कोने में यह हलवाई वगैरह की trades नहीं होनी चाहिएं ताकि जिस

से शहर में सफाई वगैरह रहे तो यह कोई बुरी बात नहीं है। अगर वह इन trades को Sector 22 के एक किनारे पर ले आएं और उन से पहली जगह छुड़ा लें सफाई वगैरह के ख्याल से, तो यह ठीक है। मगर महकमा के काम का नमूना देखिए और इसका पता Chief Minister को नहीं, Minister concerned को नहीं और Secretary तक को नहीं। एक वहां Under-Secretary है, शायद उस का नाम है श्री मलहोतरा। उन्होंने बिल्कुल नादरशाही हुक्म जारी कर दिया, न कानून का ख्याल किया, न कायदे का ध्यान रखा। इन 17, 18 हलवाइयों से किराया ले चुके हैं............

श्री अध्यक्ष : यह सब कुछ Appropriation Bill की बहस पर fit in नहीं करता। (All this does not fit in, in the discussion on the Appropriation Bill.)

सरदार प्रेम सिंह प्रेम : जनाब, Appropriation Bill पर बहस हो रही है...

श्री अध्यक्ष : हां जी ठीक है, मैंने पहले ही इन्हें कह दिया है कि यह relevant नहीं है। (The hon. Member is correct. I have already pointed out to the hon. Member that he is not relevant.)

पंडित श्री राम शर्मा : मैं इन से अर्ज कर रहा था कि अगर मेहरबानी की है तो कोई बे-असूला तरीका तो न बरतें। जो करोड़ों रुपया construction पर खर्च हो रहा है,उस में ऐसी बातें बन्द होनी चाहिएं। और अगर इन कामों की गवर्नमेंट justification दे दें तब बेशक किए जाओ हमें कोई एतराज नहीं। मैं कोई बहुत irrelevant नहीं बोल रहा, थोड़ी खैंचा-तानी जरूर की है।

श्री अध्यक्ष : यह completely irrelevant है। (This is completely irrelevant.)

पंडित श्री राम शर्मा : तो मैं इस बात को छोड़ देता हूँ मगर इतना जरूर कहूंगा कि गवर्नमेंट को इन मकानों वगैरह की तामीर में अच्छी बातों की हद के अन्दर ही रहना चाहिए। अगर सरकार इस रुपए को जो Appropriation Bill में मांगा गया है गलत तरीके से इस्तेमाल करेगी तो यह ठीक न होगा चुंकि आप कहते हैं इसलिए इस बात को मैं यहीं छोड़ता हूँ। इनको समझाने के और मौके आएंगे तब वाज़ह तौर पर बताऊंगा कि इस में क्या खराबी हुई है।

दूसरी बात मैं floods बारे अर्ज करना चाहता हूँ। Floods आए, बेहद नुकसान हुआ और सरकार ने एक तरह से खजानें के दरवाजे खोल दिए। यह कहते हैं कि हम मदद कर रहे हैं, बीज बांट रहे हैं। मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि आप के बीज उस वक्त बंटे जब बोआई का काम मुकम्मल तौर पर खत्म हो चुका था, एक भी दाना वक्त पर नहीं पहुंचा। इस के इलावा इन्होंने अनाज बांटना भी शुरू किया है और कुल मिला कर करोड़ों रुपए बनेंगे। अगर गांव में जा कर इस बारे हालत देखें तो अंधेर नगरी चौपट राजा वाली बात बन गई है। इन्होंने कहा कि अगर पटवारी तसदीक कर दे कि फलां आदमी की 75 प्रतिशत खेती पानी के नीचे आ गई है तो उसे इस हिसाब से अनाज देंगे और जो खेती पर depend करने वाले मज़दूर होंगे उन को भी अनाज देंगे मगर मैं इन से कहूंगा कि यह गांव में जा कर देखें कि आया इस

[पंडित श्री राम शर्मा]

बोझ पर अमल हो रहा है या नहीं। जो सरकारी मलाज़म हैं या जो इन के 4 या 5 गांव के अन्दर agents हैं उन्होंने गांव के अन्दर ग़दर मचाया हुआ है। इन B.D.Os. वगैरह की बातें सुनता हूँ तो पता चलता है कि किस तरीके से काम हो रहा है। अन्धेरगरदी मचा रखी है। अगर इन के कारनामों की तफसील में जाने लगूं तो खाते खुल जाएं और आप हैरान हों सुन कर। आप कहते हैं हम ने यह किया वह किया मगर कुछ नहीं हुआ। आप गांव में जा कर देखें तो सही। कल ही मैं ने सुना कि कह तो रखा है कि पटवारी तसदीक करे कि फलां आदमी को फसल 75 प्रतिशत खराब हो गई है ताकि उसे मदद दी जा सके मगर कहीं पंच खड़े हुए हैं तो कहीं सरपंच ही यह काम कर रहे हैं और अनाज बांटा जा रहा है। फिर इन के कागज़ों को देखें तो कहीं किसी काम के लिए और कहीं किसी काम के लिए रुपया रखा हुआ है। पानी निकालने के लिए भी इस में रुपया रखा है और रोहतक के बारे भी इस में जिक्र है। इन के कागज़ों को देखें तो खासा असर होता है मगर जिस तरीके से काम चलता है, रुपया waste होता है या बीच में खाया जाता है उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया जाता। मैं गवर्नमेंट का ध्यान इस तरफ खींचना चाहता हूँ कि यह देखें कि यह सारे काम किस तरीके से हो रहे हैं ताकि यह इन खराबियों को दूर कर सकें। इन अलफाज़ के साथ मैं अपनी जगह पर बैठता हूँ।

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ (ਊਨਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, supplementary demand ਨੰਬਰ 2 ਜਿਹੜੀ ਹੁਣ ਆਖਰੀ ਮੰਜ਼ਲ ਤੇ ਪਹੁੰਚੀ ਹੋਈ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਕੁਝ suggestions ਦੇਣੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਹੋਰ ਕੋਈ ਗਲ ਕਹਿਣ ਦਾ ਵਕਤ ਜਾ ਚੁਕਾ ਹੈ। ਇਸ ਡੀਮਾਂਡ ਦੇ ਵਿਚ ਸੜਕਾਂ, ਨਹਿਰਾਂ ਦੀਆਂ ਪਟੜੀਆਂ ਅਤੇ ਰੇਲਵੇ ਦੀਆਂ ਲਾਈਨਾਂ ਤੇ ਦਰਖਤ ਲਗਾਉਣ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਦਲੀਲ ਇਹ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਈਂਧਨ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਬੁਨਿਆਦੀ ਤੌਰ ਤੇ ਇਸ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੜਕਾਂ ਦੇ ਕਿਨਾਰਿਆਂ ਤੇ ਅਤੇ ਨਹਿਰਾਂ ਦੇ ਕਿਨਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਜ਼ਰੂਰ ਲਗਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਲੇਕਿਨ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਇਕ ਗਲ ਦਾ ਬੜਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਹੈ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਹਿਕਮਾ ਜੰਗਲਾਤ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਗਾਰਡ ਰੱਖੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਰਾਖੇ ਕਹਿ ਕੇ ਪੁਕਾਰਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੜੇ ਡਿਕਟੇਟਰਾਨਾ ਅਖਤਿਆਰਾਤ ਦਿਤੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ military ਦੇ ਅੰਦਰ summary trial ਕਰ ਕੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਹ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਜੇਬਾਂ ਵਿਚੋਂ ਪੈਸੇ ਕਢਦੇ ਹਨ। ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਕਿਸਾਨ ਦਾ ਬੈਲ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਵਾਹੁਣ ਲਈ ਉਥੇ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਹੋਵੇ ਜ਼ਰਾ ਵੀ ਇਧਰ ਉਧਰ ਹੋ ਜਾਏ ਔਰ ਘਾਹ ਨੂੰ ਮੂੰਹ ਮਾਰ ਲਏ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਮੁਸਾਫਰ ਦਾ, ਜੋ ਇਕ ਜਗ੍ਹਾ ਤੋਂ ਦੂਸਰੀ ਜਗ੍ਹਾ ਤੁਰਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਕੋਈ ਪਸ਼ੂ ਸੜਕ ਦੇ ਇਕ ਪਾਸੇ ਘਾਹ ਨੂੰ ਮੂੰਹ ਮਾਰ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸੇ ਵੇਲੇ ਉਹ ਗਾਰਡ ਉਸ ਨੂੰ ਫੜ ਲੈਂਦਾ ਹੈ। ਉਦੋਂ ਉਸ ਵਿਚਾਰੇ ਦੇ ਦੋ ਰਾਹ ਹੁੰਦੇ ਹਨ-ਯਾ ਤਾਂ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਰਿਸ਼ਵਤ ਦੇ ਦੇਵੇ ਔਰ ਆਪਣਾ ਛੁਟਕਾਰਾ ਕਰਾ ਲਵੇ ਤੇ ਜਾਂ ਆਪਣਾ ਚਲਾਨ ਕਰਾਏ। ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ guards ਨੂੰ ਇਹ ਵੀ ਅਖਤਿਆਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਮੌਕੇ ਦੇ ਉਤੇ ਆਪ ਹੀ ਉਸ ਦਾ

ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗੱਲ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਜਿਥੇ ਮੁਰੱਬਾਬੰਦੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਉਥੇ ਤਾਂ periphery ਕਰ ਕੇ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਛੱਡੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੜਕਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਛਡੀ ਔਰ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ guard ਨੂੰ ਇਤਨੇ ਅਖਤਿਆਰਾਤ ਦਿਤੇ ਹੋਏ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਰ ਕੇ ਰਿਸ਼ਵਤ ਚਲਦੀ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਤੇ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਤੰਗੀ ਔਰ ਮੁਸੀਬਤ ਦਾ ਸਾਮ੍ਹਣਾ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਜਿਹੜੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਹਨ ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪਠਾਨ ਕੋਟ ਦੀ ਤਹਿਸੀਲ ਦਾ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਾ ਔਰ ਊਨਾ ਤਹਿਸੀਲ ਜਾਂ ਹੋਰ ਜਿਹੜੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਹਨ ਜਿਥੇ ਜੰਗਲਾਤ Act ਦੀ ਦਫਾ 38 ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਲਗੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਥੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਤਕਲੀਫ ਹੈ। ਉਥੇ ਨਹਿਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ, railway lines ਦੇ ਨਾਲ ਔਰ ਸੜਕਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਦਫਾ 4 ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਲਗੀ ਹੋਈ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰ ਕੇ ਉਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨਾ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਤਹਿਸੀਲ ਊਨਾ ਦੇ ਥਾਣਾ ਅਨੰਦ ਪੁਰ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਲੰਬਾਈ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਦੀ ਚੌੜਾਈ ਕੁਲ 27 ਮੀਲ ਹੈ, ਉਥੇ ਇਕ railway line ਹੈ, ਦੂਜੀ ਸੜਕ ਹੈ ਔਰ ਤੀਜੀ ਨਹਿਰ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਇਕ ਪਾਸੇ ਦਰਿਆ ਸਤਲੁਜ ਹੈ ਔਰ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਸ਼ਿਵਾਲਕ ਦੀ ਪਹਾੜੀ ਹੈ। ਉਥੇ ਦਫਾ 38 (a) ਔਰ ਦਫਾ 38 (b) ਲਗੀ ਹੋਈ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਇਕ ਬੜੀ ਖਤਰਨਾਕ ਦਫਾ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਉਥੇ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਬਾਹਰ ਘਾਹ ਲੈਣ ਲਈ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਉਥੇ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਸੜਕ ਦੇ ਕਿਨਾਰੇ, railway line ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ, ਔਰ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਥੇ ਜਿਹੜੀ ਨਹਿਰ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਚਾਰੇ ਦੀ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਤੰਗੀ ਹੈ। ਉਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਕੋਈ ਖਾਸ ਰਿਆਇਤ ਦਿਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਦੂਜੀ ਗਲ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ suggestion ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀਆਂ ਦੋ ਕੋਠੀਆਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਲਈ ਜਿਹੜੀ ਰਕਮ ਮੰਗੀ ਗਈ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਠੀਆਂ ਦੀ ਸਲਾਨਾ maintenance ਲਈ ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਪਹਿਲੇ ਬਜਟ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ 70,000 ਰੁਪਿਆ ਸ਼ਿਮਲੇ ਦੀ ਕੋਠੀ ਲਈ ਤੇ 30 ਹਜ਼ਾਰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੀ ਕੋਠੀ ਲਈ ਮੰਗਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਲਈ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, argument ਕੀ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ! Argument ਇਹ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ 1,00,000 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧ ਕੇ ਇਹ ਖਰਚ 1,69,000 ਰੁਪਏ ਮਹਿੰਗਾਈ ਕਰ ਕੇ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਗਲ ਮੇਰੀ ਸਮਝ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਕੋਠੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਹੈ ਉਸ ਦੀ maintenance ਦਾ ਖਰਚ ਤਾਂ 30 ਹਜ਼ਾਰ ਤੋਂ ਵਧ ਕੇ ਇਕ ਲਖ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਸ਼ਿਮਲੇ ਦੀ ਕੋਠੀ ਦਾ ਖਰਚ 70 ਹਜ਼ਾਰ ਦਾ 70 ਹਜ਼ਾਰ ਹੀ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਮਹਿੰਗਾਈ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਤਾਂ affect ਕਰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਸ਼ਿਮਲੇ ਵਿਚ ਕਿਉਂ affect ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ?

ਦੂਜੀ ਗਲ ਜਿਸ ਤੇ ਮੈਂ ਬਹੁਤ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਗੈਡਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਬੜੇ ਪੁਰਾਣੇ ਦੇਸ਼ ਭਗਤ ਹਨ ਔਰ ਉਹ ਕੋਈ ਪੁਰਾਣੇ ਜਗੀਰਦਾਰ ਜਾਂ ਟੋਡੀ ਜਮਾਤ ਵਿਚੋਂ ਨਹੀਂ। ਉਹ ਤਾਂ ਇਕ worker ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਇਸ position ਤੇ ਪਹੁੰਚੇ ਹਨ।

Mr. Speaker : The hon. Member is irrelevant.

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੌਲੀਆਂ : ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਾਰੀਫ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ person ਨੂੰ discuss ਨਾ ਕਰੋ । (The hon. Member should not discuss him in his personal capacity.)

ਪੰਡਤ ਰਾਮਕਿਸ਼ਨ ਭੜੌਲੀਆਂ : ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ person ਨੂੰ discuss ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਗਵਰਨਰ ਦੇ discuss ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਔਰ ਇਹ suggestion ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਸਾਲ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਥੋੜੇ ਦਿਨ ਸ਼ਿਮਲੇ ਵਿਚ ਠਹਿਰਦੇ ਨੇ ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਇਹ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਿਮਲੇ ਦੀ ਕੋਠੀ ਬਿਲਕੁਲ ਛਡ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਔਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਯਾ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਫਰੋਖਤ ਕਰ ਦੇਵੇ ਜਾਂ ਉਸ ਦਾ ਕੁਝ ਹੋਰ ਕਰੇ । ਉਸ ਕੋਠੀ ਉਤੇ 70 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਸਾਲਾਨਾ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਇਕ ਬੜੀ ਫਜ਼ੂਲ ਗੱਲ ਹੈ । ਅਗਰ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਉਸ ਕੋਠੀ ਵਿਚ ਠਹਿਰਨਾ ਬੰਦ ਕਰ ਦੇਣ ਔਰ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਹਿਲੇ ਰਾਜੇ ਮਹਾਰਾਜੇ ਜਾਂ ਦੂਜੇ ਜਿਹੜੇ foreigners ਸ਼ਿਮਲੇ ਜਾਂਦੇ ਸਨ ਤਾਂ ਉਹ Cecil Hotel ਵਿਚ ਠਹਿਰਿਆ ਕਰਦੇ ਸਨ, ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਵੀ ਜੇ ਕਰ 10 ਜਾਂ 12 ਦਿਨਾਂ ਵਾਸਤੇ ਉਥੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਉਸ hotel ਵਿਚ ਠਹਿਰ ਲਿਆ ਕਰਨ ਤਾਂ ਇਹ ਰਕਮ ਬਚ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਫਿਰ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਵਿਚ ਜੇ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਪੰਡਤ ਜਵਾਹਰ ਲਾਲ ਨਹਿਰੂ ਗਰਮੀਆਂ ਦੇ ਦਿਨ ਕਟ ਸਕਦੇ ਹਨ ਔਰ ਜੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਪਤੀ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਗਰਮੀਆਂ ਦੇ ਦਿਨ ਕਟਦੇ ਨੇ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਗਵਰਨਰ ਕਿਉਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਛਡ ਕੇ ਸ਼ਿਮਲੇ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਫਿਰ ਹੁਣ ਤਾਂ ਕਮਰੇ ਠੰਡੇ ਰਖਣ ਦਾ ਸਾਰਾ ਸਾਜ਼ੋ ਸਾਮਾਨ ਮੌਜੂਦ ਹੈ । ਫਿਰ ਜਦ ਸੂਬੇ ਦੇ ਉਤੇ ਅਗੇ ਹੀ ਅਰਬਾਂ ਰੁਪਏ ਦਾ ਕਰਜ਼ਾ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਉਤੇ ਹੋਰ ਭਾਰ ਨਹੀਂ ਪਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਫਿਰ ਗਰੀਬਾਂ ਦੇ ਉਤੇ ਟੈਕਸਾਂ ਦੀ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਭਾਰ ਪਾਉਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਫਿਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀਆਂ ਕੋਠੀਆਂ ਦੀ maintenance ਲਈ ਇਤਨੀ ਵੱਡੀ ਰਕਮ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਮਝੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਪਰ ਜਿਹੜੇ ਤੀਜੇ ਦਰਜੇ ਦੇ employees ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਸਰਕਾਰ ਕਿਉਂ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੀ ? ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ suggestion ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸ਼ਿਮਲੇ ਦੀ ਕੋਠੀ ਦੇ ਖਰਚ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਇਨ੍ਹਾਂ demands ਵਿਚ ਇਕ ਗੱਲ ਦੇਖ ਕੇ ਮੈਨੂੰ ਬੜੀ ਹੈਰਾਨੀ ਹੋਈ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਰਾਜਿਆਂ ਮਹਾਰਾਜਿਆਂ ਦੇ privy purses ਅਤੇ allowances ਲਈ 4,35,750 ਰੁਪਏ ਦੀ ਹੋਰ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਕੁਝ ਹਿੱਸਾ voted ਹੈ ਔਰ ਕੁਝ ਦੀ ਮੰਗ ਹੋਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੂਲਨ ਮੈਂ ਰਾਜਿਆਂ ਮਹਾਰਾਜਿਆਂ ਨੂੰ allowances ਦੇਣ ਦੇ ਕਤਈ ਤੌਰ ਤੇ ਖਿਲਾਫ ਹਾਂ ਔਰ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 13 ਸਾਲ ਆਜ਼ਾਦੀ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਵੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ allowances ਦੇਣਾ ਬਿਲਕੁਲ ਗਲਤ ਗੱਲ ਹੈ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਹੀ ਬੰਦ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਸਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਹੋਰ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ allowances ਲਈ ਹੋਰ ਖਰਚ ਵਧਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਦੀ ਮਾਰਫਤ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ

ਇਨ੍ਹਾਂ ਰਾਜਿਆਂ ਮਹਾਰਾਜਿਆਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਕੋਈ ਭਲਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਬਲਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਗੁਲਾਮ ਰਖਣ ਵਿਚ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦਾ ਸਾਥ ਦਿਤਾ ਸੀ । ਆਪ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਦੇਖ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹੋਵੋਗੇ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ Mrs. Olive J.K. Knight ਨੂੰ 15,000 ਰੁਪਿਆ ਸਾਲਾਨਾ allowance ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਔਰ 8,100 ਰੁਪਿਆ ਉਸ ਤੇ income-tax ਦਾ ਦੇਣ ਲਈ ਮੰਗਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਫਿਰ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ tax ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਣਾ, ਇਸ tax ਦਾ ਰੁਪਿਆ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਜਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਬਲਕਿ ਇਹ ਜਾਣਾ ਹੈ United Kingdom ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਵੇਖ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ 14 ਸਾਲ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਆਜ਼ਾਦ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ allowances ਦੇਣ ਲਈ ਔਰ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ tax ਦੇਣ ਲਈ ਜਿਹੜਾ ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣਾ ਔਰ ਜੋ London ਵਿਚ ਭੇਜਣਾ ਹੈ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਜੇ ਹੁਣ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਮੰਨਜ਼ੂਰ ਕਰਾਇਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਇਹ ਸ਼ਰਮ ਦੀ ਗਲ ਹੈ । ਇਹ ਬੜੀ ਸ਼ਰਮ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ tax ਦੀ ਰਕਮ ਦੇਣ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਹੋਰ tax ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਲਈ ਵਧੇਰੀ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨ । ਮੈਂ ਦਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਮਿਹਨਤ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ । ਅਸੀਂ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨੀ ਹੈ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਔਰ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨੀ ਹੈ ਆਮ ਜਨਤਾ ਦੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਨਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਰਾਜਿਆਂ ਮਹਾਰਾਜਿਆਂ ਲਈ ਕਰਨੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ, ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਫ਼ਜ਼ਾਂ ਨਾਲ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾ ਕਿ ਇਸ demand ਨੂੰ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਸੰਗਰੂਰ) : ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, Appropriation Bill ਵਿਚ Demand No. 12 ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਕਰੋੜ ਤੋਂ ਵਧ ਰੁਪੇਏ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਦੋ ਵਡੀਆਂ ਗਲਾਂ ਹੋਈਆਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਟਾਕਰਾ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਰਨਾ ਪਿਆ । ਇਕ ਪਾਸੇ ਅਕਾਲੀ ਮੋਰਚਾ ਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਹੜ੍ਹ ਦੇ ਪਾਣੀਆਂ ਦੇ ਦਰਮਿਆਨ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਖਲੋਣਾ ਪਿਆ । ਜਿੰਨਾ ਰੁਪਿਆ famine ਦੇ head ਥਲੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਵੰਡਿਆ ਗਿਆ ਉਸ ਲਈ ਮੈਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਜਿਸ ਜਾਨਫਸ਼ਾਨੀ ਨਾਲ democratic set up ਅਨੁਸਾਰ people's elected Government ਨੇ expert ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਹੜ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੰਨ੍ਹਿਆਂ ਅਤੇ ਹੜ੍ਹਮਾਰੇ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਨੂੰ ਮਦਦ ਦਿਤੀ ਹੈ ਉਹ ਸ਼ਲਾਘਾ ਯੋਗ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਕਾਨ ਡਿਗ ਗਏ ਸਨ ਮਕਾਨ ਬਣਾਣ ਲਈ ਜਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਰੰਮਤ ਲਈ ਲੋੜ ਸੀ ਉਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਦਦ ਦਿਤੀ । ਹੜ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਜ਼ਿਲੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਬੇਨਤੀਆਂ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਥੇ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਦਾ ਪਾਣੀ ਇਕੱਠਾ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਪਰ ਜਿਸ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਅਤੇ priority basis ਤੇ ਮਦਦ ਦਿਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਮਦਦ ਤਕਸੀਮ ਕੀਤੀ ਗਈ ਉਸ ਦਾ magnitude ਵੇਖ ਕੇ ਸਾਰੇ ਹੀ ਸੰਤੁਸ਼ਟ ਹੋਏ ਹਨ । ਲੋਕ ਘਰੋਂ ਬੇਘਰ ਹੋਏ ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਬਰਬਾਦ ਹੋਈਆਂ ਅਤੇ ਚਾਰੇ ਪਾਸੇ ਪਾਣੀ ਹੀ ਪਾਣੀ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਸੀ । ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਫਿਕਰ ਤੇ ਚਿੰਤਾ ਸੀ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਮਦਦ ਕਰੇਗੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ । ਪਰ, ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹਰ ਤਾਂ [illegible] ਦੀ

[ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ]

ਮਦਦ ਮੁਰੰਮਤ ਲਈ, ਮਕਾਨ ਲਈ, ਤਕਾਵੀਆਂ ਤੇ ਕਰਜ਼ੇ ਆਦਿ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਗਰਾਂਟਾਂ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਰੁਪਿਆ ਤਕਸੀਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਲੇ ਕਖ ਨਹੀਂ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅਗਸਤ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਫਰਵਰੀ 1961 ਤਕ ਮਦਦ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਰਹੀ, ਰੁਪਏ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਰਹੇ ਅਤੇ floods relief ਦੇ operations ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਰਖਿਆ ਗਿਆ। ਸਭ ਮੰਨਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਇਕ colossal ਕੰਮ ਸੀ ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਕਿਸ ਤਰਾਂ behave ਕੀਤਾ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਬੰਧੀ approach ਵਿਚ ਕਮੀ ਰਹੀ ਹੈ । ਕਾਫਲਿਆਂ ਦੇ ਕਾਫਲੇ ਤਸੀਲ headquarters ਅਤੇ ਜ਼ਿਲਾ ਹੈਡਕੁਆਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਚਲੇ ਅਤੇ ਜਿਸ ਰੂਪ ਵਿਚ ਮਦਦ ਮੰਗੀ, ਦਿਤੀ ਗਈ । ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮੁਫਤ ਕਣਕ ਦਿਤੀ, ਰੁਪਿਆ ਮੰਗਿਆ ਉਹ ਦਿਤਾ, ਤਕਾਵੀ ਮੰਗੀ ਉਹ ਦਿਤੀ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਕਣਕ ਮੁਫਤ ਦੇਣ ਸਬੰਧੀ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜੋ ਸ਼ਰਤਾਂ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਲਾ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧੇਰੇ ਸਾਫ ਅਤੇ clear ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸ਼ਰਤਾਂ clear ਨਹੀਂ, ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਣਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਤਕਸੀਮ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜੋ agriculture ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖਦੇ ਹੋਣ । ਹਦਾਇਤਾਂ ਇਹ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਜੋ ਹਰੀਜਨ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ agriculture ਤੇ dependent ਹੋਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਕੇਵਲ ਕਣਕ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ 40 ਜਾਂ 50 ਵਿਘੇ ਤਕ ਦੇ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਖੇਤੀ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਉਹ ਤਾਂ ਮਿਲਕੇ ਆਪਣਾ ਹਿਸਾ ਲੈ ਗਏ ਕਿਉਂਕਿ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜੋ ਜਾਰੀ ਹੋਈਆਂ। ਉਹ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ agriculture ਤੇ dependent ਹਰੀਜਨ ਮੁਫਤ ਕਣਕ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹਨ ਪਰ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਕਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਰੀਜਨ ਹਨ ਜੋ agriculture ਤੇ depend ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ, labourer ਹਨ, ਮਜ਼ਦੂਰ ਹਨ, ਮੋਚੀ ਹਨ ਜਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਕਿੱਤੇ ਵਿਚ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਪਰ ਅਜਿਹੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲੋਂ ਕਮਜ਼ੋਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਿਰਭਰ ਖੇਤੀ ਤੇ ਹੈ । ਉਸ ਦਾ ਜੇਕਰ ਕੋਠਾ ਡਿਗ ਪਿਆ ਜਾਂ ਹੋਰ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਉਸਨੂੰ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ flood relief ਵਿਚੋਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਗਈ । ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਜੋ ਹਰੀਜਨ dependent on agriculture ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਠੇ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਲਈ ਰੁਪਿਆ ਦਿਤਾ ਗਿਆ, ਕਣਕ ਵੀ ਦਿਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਰਜ਼ਾਈ ਵੀ ਮਿਲੀ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੂਜੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹੜ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਖਾਸ ਕਰ ਸੰਗਰੂਰ ਤੇ ਰੋਹਤਕ ਦੇ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਕਾਫੀ ਕਣਕ ਤਕਸੀਮ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਪਰ ਇਹ ਜੋ ਵਿਤਕਰਾ ਸ਼ਹਿਰੀ ਤੇ ਦਿਹਾਤੀ ਹਰੀਜਨ ਦਾ ਹੈ ਇਹ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਵਸਦੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਘਰ ਬਰਬਾਦ ਹੋ ਗਏ। ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਜਿਥੇ ਕਈ ਕਈ ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਮਕਾਨਾਂ ਦੀ repair ਲਈ loan ਵਜੋਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਨੁਕਸਾਨ ਕਿਤਨਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀ ਦੇ ਕੋਠੇ ਡਿਗ ਪਏ ਪਰ ਉਹ dependent on agriculture ਦੀ category ਵਿਚ ਨਹੀਂ

ਆਉਂਦਾ ਇਸ ਲਈ ਉਹ ਰੀਲੀਫ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਿਆ। ਇਸ ਸ਼ਹਿਰੀ ਤੇ ਦਿਹਾਤੀ ਇਮਤਿਆਜ਼ ਨੂੰ ਹਟਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। income ਦੀ ਕੋਈ ਮੁਕਰਰ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿ ਜਿਸ ਦੀ 100 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਘਟ income ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਕਾਨ ਗਿਰ ਗਏ ਹਨ ਜਾਂ ਚਾਰ ਚਾਰ ਮਹੀਨੇ ਕੰਮ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਬਣਾਈਆਂ ਝੁਗੀਆਂ ਵਿਚ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ shelters ਵਿਚ ਮਜ਼ਦੂਰ ਬੈਠੇ ਰਹੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਰੀਲੀਫ ਦੀ ਕਣਕ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ relief ਨਾ ਦੇਣਾ discrinimation ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਬਰ ਜ਼ਰੂਰ ਹਟਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸੜਕਾਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, local bodies ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਖਰਾਬ ਹੋ ਗਈਆਂ ਅਤੇ ਉਹ ਮੁਰੰਮਤ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰਵਾ ਸਕਦੇ ਕਿਉਂਕਿ ਅਗੇ ਨਾਲੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨ ਘਟ ਗਈ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜਿਸ ਜਿਸ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ, ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, Centre ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵੀ ਰੁਪਿਆ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਅਤੇ ਜਿੰਨਾਂ ਜਿੰਨਾਂ ਰੁਪਿਆ Municipal Committees ਵਲੋਂ ਸੜਕਾਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਲਈ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਅੰਤ ਵਿਚ, ਫਿਰ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਅਤੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦਾ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੜ੍ਹ ਸਬੰਧੀ relief measures ਵਿਚ ਹਿਸਾ ਲਿਆ ਅਤੇ ਜੋ ਪੂਰੀ ਜਾਨਕਾਰੀ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ, ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ 'ਪ੍ਰੇਮ' ਰਾਜਪੁਰਾ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਜੋ Appropriation Bill ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਪ੍ਰੋੜ੍ਹਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜੋ floods ਆਏ ਉਸ ਦੇ relief ਵਜੋਂ ਕਾਫੀ ਇਮਦਾਦ ਕੀਤੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਅਫਸੋਸ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਨਹੀਂ ਲਭਿਆ ਕਿ floods ਕਿਉਂ ਆਏ ਅਤੇ ਕਿਉਂ ਹਰ ਸਾਲ ਇਤਨਾਂ ਭਾਰੀ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਬਾਕੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦਾ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਨੂੰ ਪੂਰੀ ਵਾਕਫੀਅਤ ਨਹੀਂ ਪਰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਰਾਜਪੁਰੇ, ਪਟਿਆਲੇ ਤੇ ਸਰਹੰਦ ਤਕ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਬਾਰੇ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਥੇ ਬਹੁਤ ਪਾਣੀ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਨਹਿਰ ਦੀ planning defective ਹੈ। ਇਹ ਨਹਿਰਾਂ ਦਾ ਕੰਮ ਠੀਕ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ, ਨਾ-ਮੁਕੰਮਲ ਹੋਣ ਕਰਕੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੋ ਬਨੂੜ canal ਸੈਂਕੜੇ ਜਗ੍ਹਾ ਤੋਂ ਟੁਟੀ ਪਈ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਕਾਫੀ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਪਿੰਡ ਰਾਮਪੁਰ ਖੁਰਦ ਵਿਚ ਪਹਿਲਾਂ ਪਾਣੀ ਨੇ ਸਕੂਲ ਬਿਲਡੰਗ ਵਿਚ ਮਾਰ ਕੀਤੀ ਤੇ ਫਿਰ ਗੁਰਦਵਾਰੇ ਵਿਚ ਚਲਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋ ਵਡੀਆਂ ਬਿਲਡਿੰਗਾਂ ਨੂੰ damage ਕਰ ਦਿਤਾ। ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਨਹਿਰ ਦੇ ਜਿੰਨੇ ਵੀ ਕਿਨਾਰੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਕਾਰਨ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਦੋਂ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਬਣਿਆ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਤਾਰੀਫ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਇਹ ਕੰਮ ਇਕ ਮਹਾਨ ਕੰਮ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਤਾਰੀਫ ਕਰਨੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸੀ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਦੋ ਤਾਕਤਾਂ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਡੇ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਕੀਤੀ ਸੀ—ਇਕ ਅੰਗਰੇਜ਼ ਦੀ ਤਾਕਤ ਜਿਸ ਨੇ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਸ਼ਹੀਦ ਕੀਤਾ ਸੀ ਅਤੇ ਦੂਜੀ ਦਰਿਆ

[ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ 'ਪ੍ਰੇਮ']
ਸਤਲੁਜ ਦੀ ਤਾਕਤ ਜਿਸ ਨੇ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਸ਼ਹੀਦ ਦੇ ਫੁਲ ਆਪਣੇ ਸਮੇਟ ਵਿਚ ਸਮੇਟ ਲਏ। ਕੀ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਦੋਵਾਂ ਤੋਂ ਬਦਲਾ ਲਿਆ? ਅੰਗਰੇਜ਼ ਤੋਂ ਹਕੂਮਤ ਖੋਹੀ ਤੇ ਸਤਲੁਜ ਦੇ ਪੇਟ ਨੂੰ ਚੀਰ ਕੇ ਪਾਣੀ ਤੇ ਰੋਕ ਲਾ ਕੇ ਨਹਿਰਾਂ ਕਢ ਦਿਤੀਆਂ ਉਸ ਧਰਤੀ ਨੂੰ ਸਿੰਜਣ ਲਈ ਜਿਸ ਲਈ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਸ਼ਹੀਦ ਨੇ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦਿਤੀ ਸੀ। ਇਹ ਇਕ ਮਹਾਨ ਕੰਮ ਸੀ।

ਪਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਨਰਵਾਣਾ ਬਰਾਂਚ ਚਾਰ ਸਾਲ ਤੋਂ ਰਾਜਪੁਰੇ ਤੋਂ ਚਾਰ ਮੀਲ ਤੇ ਲੰਘਦੀ ਹੈ।

ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਵੀ acquire ਕੀਤੀ, ਭਾਖੜਾ ਨਹਿਰ ਵੀ ਉਥੋਂ ਦੀ ਲੰਘੀ ਪਰ ਉਸ acquire ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਅਜ ਤਕ ਕਈਆਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। ਨਾ ਹੀ ਕਿਸੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਉਥੇ ਇਸ ਨਹਿਰ ਦਾ ਪਾਣੀ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ level ਉੱਚਾ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਜੇ ਪਾਣੀ ਕੋਲ ਦੀ ਲੰਘ ਜਾਵੇ ਪਰ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰ ਦੀ ਫਸਲ ਸੁੱਕੀ ਖੜ੍ਹੀ ਰਹੇ ਤਾਂ ਉਸ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੀ ਹਾਲਤ ਦਾ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾਉ ਕਿ ਕੀ ਹੋਵੇਗੀ। ਪਰ ਦੂਸਰੀ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਜਦੋਂ floods ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਦਾ ਪਾਣੀ ਇਸ ਨਹਿਰ ਦੇ ਕੰਢਿਆਂ ਨਾਲ ਟਕਰਾ ਕੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਬਰਬਾਦ ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਜਾ ਵੜਦਾ ਹੈ ਤੇ ਤਬਾਹੀ ਲਿਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਬਾਹੀ ਦਾ main cause ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਜਗ੍ਹਾਂ ਤੇ ਸਾਈਫਨ ਬਣਾਉਣੇ ਸਨ ਉਹ ਨਹੀਂ ਬਣਾਏ ਗਏ ਅਤੇ ਜਿਥੇ culverts ਬਣਾਉਣੇ ਸਨ ਉਹ ਨਹੀਂ ਬਣਾਏ ਗਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ। ਭਾਖੜਾ ਦੀ ਨਹਿਰ ਭਾਵੇਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਵਿਚੋਂ ਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਦਾ ਇਕ ਤੁਪਕਾ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਸੈਰਾਬ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਪਰ ਇਤਨਾ ਜ਼ਰੂਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ floods ਦਾ ਪਾਣੀ ਇਸ ਦੇ ਕੰਢਿਆਂ ਨਾਲ ਟਕਰਾਉਂਦਾ ਹੋਇਆ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਦਾਖਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਰਾ ਸਾਰਾ ਸਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦੁਗਿਰਦੇ ਖੜ੍ਹਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਵਲ ਸਭ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ।

Floods ਸਬੰਧੀ ਭਾਵੇਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ relief ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਰੁਪਿਆ ਵੰਡਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕਣਕ ਵੀ ਵੰਡੀ ਗਈ, ਪਰ ਜੋ distribution ਦਾ ਢੰਗ ਹੈ ਇਸ ਤੇ ਮੈਂ agree ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਕਿਉਂਕਿ relief ਉਥੇ ਮਿਲਣੀ ਹੈ ਜਿਥੇ ਗਰਦਾਉਰੀ ਵਿਚ 25% ਤੋਂ ਉਤੇ ਖਰਾਬਾ ਦਰਜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਜੇ ਘਟ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕਣਕ ਨਹੀਂ ਵੰਡੀ ਜਾਂਦੀ। ਖਰਾਬਾ ਪਟਵਾਰੀ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨਾਲ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ 50% ਦਰਜ ਕਰ ਦੇਵੇ, ਉਸ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ 15% ਦਰਜ ਕਰ ਦੇਵੇ। ਕਈ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਫਸਲ ਬਿਲਕੁਲ ਬਰਬਾਦ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਪਰ ਖਰਾਬਾ 25% ਤੋਂ ਥੱਲੇ ਵਿਖਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। ਇਹ ਸਹੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਲੋਕ ਬਿਲਕੁਲ ਬਰਬਾਦ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਣਕ ਦਾ ਦਾਣਾ ਤਕ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ, ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਖਰਾਬਾ ਜੋ ਗਰਦਾਵਰ ਨੇ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ 25% ਤੋਂ ਥੱਲੇ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਖਰਾਬਾ ਦਰਜ ਕਰਨ ਦਾ ਜੋ ਤਰੀਕਾ ਹੈ ਉਹ ਬਿਲਕੁਲ ਗਲਤ ਹੈ।

ਫੇਰ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜੋ ਕਣਕ ਵੰਡੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਥੇ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ discrimination ਵਰਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ famine ਦੇ ਅੰਦਰ ਲਿਆ ਰਹੇ ਹੋ ? (Is the hon. Member discussing it under the Head "Famine ?")

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ 'ਪ੍ਰੇਮ' : ਹਾਂ ਜੀ, ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ famine ਦੇ ਅੰਦਰ ਹੀ ਲੈ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਪਿੰਡ ਵਿਚ 25% ਤੋਂ ਉਤੇ ਖਰਾਬਾ ਨਹੀਂ ਉਥੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਕਣਕ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਿਆ relief ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਵੰਡਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਜੇ ਇਹ ਵਿਤਕਰਾ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਛੋਟ ਦੇਣ ਲਗਿਆਂ ਨਾ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੀ ਹਰਜ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਵੰਡ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਕੋ ਤਹਿਸੀਲ ਵਿਚ ਇਕ ਪਿੰਡ ਐਸਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਮਿਲਣਾ ਹੈ ਪਰ ਦੂਸਰਾ ਪਿੰਡ ਜਿਸਦਾ ਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਵੀ ਵਧ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਸ ਦੀ ਫਸਲ ਬਰਬਾਦ ਹੋ ਗਈ ਹੈ, ਇਸੇ ਤਹਿਸੀਲ ਵਿਚ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ । ਇਹ ਗੱਲ ਮੈਂ ਕਿਸੇ ਬਾਹਰ ਦੇ ਅਤੇ ਦੂਰ ਦੁਰਾਡੇ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਿਹਾ । ਇਹ ਮੈਂ ਰਾਜਪੁਰੇ ਦੇ ਇਰਦ ਗਿਰਦ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਇਕ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਸਰਾ ਜਿਸ ਦਾ ਵੱਧ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ । ਐਸੇ ਵੀ ਘਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਣਕ ਮਿਲੀ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕੋਠੇ ਭਰੇ ਪਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਣਕ ਲਈ ਅਤੇ ਉਥੇ ਹੀ ਵੇਚ ਕੇ ਚਲੇ ਗਏ । ਦੂਸਰੇ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਦਾਣਾ ਨਹੀਂ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ । ਮੈਂ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਿ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਇਕ ਦੂਸਰੇ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਤਕਰਾ ਨਾ ਰੱਖਿਆ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਖਰਾਬੇ ਵਾਲੀ ਸ਼ਰਤ ਦੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਵਾਸਤੇ ਛੋਟ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਨਾਲ ਜਿਹੜੀ ਥਾਂ ਥਾਂ resentment ਹੈ ਉਹ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ।

ਇਕ ਅਰਜ਼ ਮੈਂ ਹੋਰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਰਾਜਪੁਰੇ ਤੱਕ ਸੇਮਜ਼ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਹੈ । ਰਸਤੇ ਵਿਚ ਦੋ tube-wells ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਕ tube-well No. 132 ਹੈ । ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਇਸ ਫਾਇਦੇ ਲਈ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੋਵੇ ਇਸ ਵਿਚੋਂ ਪਾਣੀ ਲੈ ਲਿਆ ਜਾਵੇ । ਇਹ artisan well ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ 24 ਘੰਟੇ ਚਲਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਦਾ । ਜਦੋਂ ਫਸਲ ਪੱਕ ਕੇ ਤਿਆਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਪੱਕੀ ਹੋਈ ਵੀ ਖਰਾਬ ਕਰਕੇ ਰੱਖ ਦੇਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕ tube-well No. 110 ਹੈ । 5 ਸਾਲ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਇਹ ਚਲਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ । ਇਸ ਰਾਹੀਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਅਤੇ ਬਨੂੜ ਸੜਕ ਦੇ ਆਲੇ ਦੁਆਲੇ ਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ....

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਕਿਸੇ ਡੀਮਾਂਡ ਨਾਲ ਕੋਈ ਤਅੱਲੁਕ ਵੀ ਰਖਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ? (Is it relevant to any demand or not ?)

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ ਪ੍ਰੇਮ : 110 ਨੰਬਰ ਵਾਲੇ ਟਿਊਬ-ਵੈਲ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਭਾਵੇਂ ਮੈਂ quite relevant ਨਾ ਹੋਵਾਂ ਪਰ 132 ਨੰਬਰ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਮੈਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ relevant ਹਾਂ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਹਾਨੂੰ ਤਾਂ ਮਹਿਜ਼ Supplementary Demands ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਹੀ ਆਉਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਹਰ ਡੀਮਾਂਡ ਤੇ ਚੁਕੱਨੇ ਰਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਉਹੀ ਗੱਲ ਕਹੋ ਜਿਸ ਤੇ ਤੁਸੀਂ sure ਹੋਵੋ । (The hon. Members have to come prepared simply after reading the supplementary demands. But I have to be very careful about every demand. The hon. Member should only mention that point about which he is very sure.)

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ ਪ੍ਰੇਮ : 132 ਨੰਬਰ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਤਾਂ ਮੈਂ sure ਹਾਂ, relevant ਹਾਂ ਪਰ 110 ਨੰਬਰ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ I may not be quite relevant । ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ 'ਕਿ ਬਾਬੇ ਦੀ ਕੜਾਹੀ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਸੇਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਸਰਸਾਹੀ', ਇਹੋ ਹਾਲ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਨਾਲ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਖਰਾਬੇ ਦੀ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲ ਜੋ ਵਿਤਕਰਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਸ਼ਰਤ ਹਟਾ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਅੰਤ ਵਿਚ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਟਾਈਮ ਦਿੱਤਾ ।

OBSERVATIONS BY THE SPEAKER REGARDING TIMINGS OF THE SABHA

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ ਜੇ House agree ਕਰੇ ਤਾਂ ਮੇਰੀ ਇਕ proposal ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ daily meetings ਦਾ time 11 ਵਜੇ ਸਵੇਰੇ ਰੱਖ ਦੇਈਏ ਪਰ ਹਰ ਸੋਮਵਾਰ ਨੂੰ ਇਹ 2 ਵਜੇ ਸ਼ਾਮ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿਉਂਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਬਾਹਰੋਂ ਆਉਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਵੇਰੇ ਵਕਤ ਤੇ ਪਹੁੰਚਣਾ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੇਰਾ ਇਹ ਵੀ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਹਰ Friday ਨੂੰ House 9 ਵਜੇ ਸਵੇਰੇ meet ਕਰੇ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਇਸ ਦਿਨ ਆਪਣੇ ਘਰਾਂ ਨੂੰ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਬਾਕੀ ਦਿਨ ਇਹ 11 ਤੋਂ ਲੈਕੇ 4 ਯਾ $5\frac{1}{2}$ ਯਾ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਤੁਸੀਂ ਮੁਨਾਸਬ ਸਮਝਦੇ ਰਹੋ ।

(If the House agrees, I propose that on all days it should meet at 11 a. m. except on Mondays when it may meet at 2 p. m. as most of the hon. Members have to come from out stations and therefore it is difficult for them to reach here in time earlier. Similarly I propose that the House should meet at 9 a. m. on Fridays because the hon. Members have to leave for their homes. On the rest of the days we may meet from 11 to 4 or 5-30 P. M as the House may decide.)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, 11 ਵਜੇ meet ਕਰਨ ਤੇ ਰੋਟੀ ਖਾਣ ਦਾ ਵੀ ਕੋਈ ਪ੍ਰਬੰਧ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਲੋਕ ਸਭਾ ਵਿਚ ਵੀ ਤਾਂ House ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਚਲਦਾ ਹੈ। (Similar procedure has also been adopted in the Lok Sabha.)

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ ਪ੍ਰੇਮ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ meet ਕਰਨ ਦਾ time 11 ਵਜੇ ਦੀ ਬਜਾਏ 10 ਬਜੇ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਠੀਕ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੇ Parliament ਵਿਚ ਏਸ time ਤੇ meet ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਏਥੇ ਵੀ ਕੋਈ ਤਕਲੀਫ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਵਕਤ reasonable ਹੈ । (If the Lok Sabha can meet at 11 a.m. daily, I don't think there should be any difficulty for this House to meet at the same time. I think this is quite reasonable.)

THE PUNJAB APPROPRIATION BILL, 1961

(Resumption of Discussion)

राओ गजराज सिंह (गुड़गांव) : स्पीकर साहिब, यह ज़िक्र किया गया है कि floods के लिए बहुत provisions की गई हैं । मैं अर्ज़ करना चहाता हूं कि और जगह पर तो कुदरत की तरफ से floods आए और तबाही हुई लेकिन हमारे ज़िले में पच्चीस तीस गांव में man-made floods आए । वह इस तरह कि हमारे गांव का पानी जिस नाली से गुज़र कर नजफ गढ़ झील में पड़ता था वह नाली Delhi Administration ने बन्द करवा दी । आज कल मोती नगर और बड़े बड़े नगर बना रखे हैं । उन की वजह से देहली Administration ने वह नाली बन्द कर दी । और इस का नतीजा यह हुआ कि हमारे ज़िले के 20,30 गांव पानी में डूब गए । मैं डाक्टर प्रकाश कौर जी का और खान अब्दुल गफ्फार खां जी का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने तकलीफ उठा कर वहां तशरीफ ले जा कर हालात देखे । उन्हें मालूम है कि औरतें पांच पांच और छ: छ: फुट गहरे पानी से गुज़र कर तीन तीन मील की दूरी से पीने का पानी भर कर लाती हैं । Delhi Administration से request की गई थी लेकिन उन्होंने परवाह नहीं की । Financial Commissioner साहिब वहां पर तशरीफ ले गए । उन से कहा गया तो वे कहने लगे कि अगर पानी वहां जाता रहा तो देहली वालों के महल्लात खराब हो जाएंगे लेकिन यहां पर जो टूटी झोंपड़ियां हैं उन को बह जाने दो कुछ हर्ज नहीं है । इन के कहने पर Financial Commissioner साहिब वहां तशरीफ ले गए थे । इन्हों ने तहसीलदार साहिब से पूछा कि क्या आप गंदम और दूसरा रिलीफ वगैरह तकसीम करने के लिए मौके पर गए थे तो उन्होंने कहा कि हां जी मैं गया था । लेकिन जब उन दो चार सौ लोगों से पूछा गया जो कि वहां पर मौजूद थे कि क्या तहसीलदार साहिब आप के पास गए थे तो उन्होंने कह दिया कि नहीं यह नहीं गए बल्कि हम खुद यहां पर आए थे, इन्होंने यहां पर बुलाया था । इस से तहसीलदार साहिब नाराज़ हो गए और उन की फसल 12 आने लिख दी । इस हाउस के दो माननीय सदस्य जा कर खुद देख कर आए। वे खुद तीन तीन फुट गहरे पानी से गुजरे । लेकिन उन

[राम्रो गजराज सिंह]

लोगों को सच बोलने को यह सज़ा दी गई। एक और तहसीलदार चौधरी साहिब थे। वह रिलीफ तकसीम करने के लिये वहां गए थे, उन को तबदील कर दिया गया। इस किस्म की ज्यादतियां की जा रही हैं। उन को जो बीज दिया गया वह बिलकुल दीमक का खाया हुआ था। लोग आए कि यह बीज खराब है, इसे वापस कर लिया जाए और अच्छा बीज दिया जाए। जब लोग आए तो उन को कहा गया कि यह बीज वापस कर जाओ, जब अच्छा बीज आएगा तो आप को दे दिया जाएगा। आज तक वह बीज नहीं आया। अगले साल बीज बोया जाएगा। जो रुपया गवर्नमेंट ने मेहरबानी कर के दिया था वह भी वापस कर दिया गया। यह उन लोगों को सज़ा दी गई कि आनरेबल डिप्टी मिनिस्टर और Financial Commissioner साहिब को सच क्यों बता दिया। छः सात गांव जिन के लिए पैसे आए थे उन के मालिकान refugees थे, वे देहली के रहने वाले थे। उन्होंने कह दिया कि नुकसान मुज़ारों का हुआ है, हमारी फसल नहीं थी। कागजों पर हम अपनी लिखवाते हैं। उन्होंने कहा कि पांच Landlords का नाम कागज़ात पर लिखा हुआ है इसलिए हम relief नहीं देंगे। आनरेबल डिप्टी मिनिस्टर साहिब के सामने उन गांव वालों ने यह अर्ज़ की कि मुज़ारे काश्त करते हैं लेकिन फिर भी उन को relief नहीं दिया गया। A stitch in time saves nine की proverb वहां आइद होती है। मैं चूंकि Administration of floods and bunds का इन्चार्ज रहा हूं मैं गुड़गांवां ज़िला के बारे में काफी कुछ जानता हूं। वहां इन्दरी, साहिबी और कांसावकी नाम के तीन दरिया हैं। पंजाब गवर्नमेंट ने राजस्थान गवर्नमेंट के साथ बैठ कर फैसला किया कि इन दरियाओं पर बांध लगा दिये जाएं। ज्यादा खर्चा राजस्थान सरकार ने देना था। कुछ थोड़ा सा हमारी सरकार ने देना था। अगर वह बांध लगा दिये जाते तो लोगों को बहुत फायदा हो जाता। रिवाडी तहसील के लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिलता। इन बांधों के बांधने से लोगों को पीने के लिए मीठा पानी मिल जाता। Erosion को रोक कर लैंड की protection की जा सकती थी। लेकिन उस तजवीज़ पर अमल नहीं किया गया। गुड़गांव ज़िला में 115 मील लम्बा पहाड़ है जिस के साथ protective बांध लगा हुआ है जोकि floods को रोकता है और ज़मीन को erosion से भी बचाता है। उन बांधों को जो grant बावा आदम के वक्त मिलती थी वही आजकल भी मिल रही है। आज खर्चा पहले से दस गुना बढ़ा हुआ है लेकिन उस इलाका को fatherless child सा treatment मिल रहा है। अगर वे Irrigation Department के पास जाते हैं तो वे कहते हैं कि Forest Department वालों के पास जाओ। Forest Department वाले कहते हैं कि Development वालों के पास जाओ, हमारा कोई ताल्लुक नहीं है आप से। अगर उन बांधों की देख- भाल की जाए तो उन से floods रुक सकते हैं, erosion रुक सकता है, Forest develop हो सकते हैं और अगर दस, पन्द्रह बांध और बना दिए जाएं तो उस इलाका की पैदावार बीस गुना और बढ़ जाएगी। हर साल floods को रोकने के लिए पांच दस लाख रुपया खर्च होता है। इस की भी ज़रूरत नहीं पड़ेगी अगर बांधों की सही तौर पर maintenance हो। आज से बीस पच्चीस साल पहले जो तजवीज़ें अंग्रेज़ों ने बनाई थीं उनकी तरफ बिलकुल तवज्जोह नहीं दी गई।

वह कागजों पर ही पड़ी रही हैं। अगर उन बांधों की मुरम्मत ठीक तरह से न हुई और उन में से दो चार बांध भी टूट गए तो रोहतक से भी चार गुना ज्यादा गांव पानी में डूब जाएंगे। बांध बहुत damage हो चुके हैं। वह तो लोगों ने वक्त पर जा कर मिट्टी डाल कर उन को टूटने से बचाया और वहां खड़े रह कर पहरा दिया। अगर गवर्नमेंट एक बार ही रुपया दे कर वहां पर नए बांध बना दे तो जो रुपया उसे हर साल बाढ़ को रोकने के लिए खर्च करना पड़ता है उस से बच जाए। लेकिन जो अफसर लगे हुए हैं वे सोचते हैं कि अगर इस बात का permanent इलाज कर दिया तो महकमे वालों के लिए काम नहीं रहेगा, officers tour कैसे करेंगे और पैसे कैसे बचाएंगे। यह कैसे लिखेंगे कि फलां इलाका में तबाही हुई थी और हम ने नेकनीयती से काम किया था। मैं अर्ज करता हूं कि नहरों वाले, सड़कों वाले और revenue वाले सब अफसर मिल कर बैठें और floods को रोकने के लिए कोई तजवीज़ सोचें। यह ऐसा काम नहीं है जो कि हो नहीं सकता। फिर दुनिया से जो गालियां खानी पड़ती हैं उन से भी सरकार बच जाएगी। मैं वज़ीर साहिबान से कहता हूं कि आप तशरीफ लाएं और देखें कि चार पांच गांव के लोग चार महीने तक बाहर नहीं जा सकते। एक तरफ रास्ता था लेकिन Defence Department वालों ने कह दिया कि हमारी wiring लगी हुई है, आप नहीं जा सकते। दूसरी तरफ पानी खड़ा था। लोगों को दिल्ली से हो कर बारह मील का चक्कर काट कर आना पड़ता था।

मैं अर्ज़ करूंगा..............

चौधरी बाल राम : हां, तुम्हारी अपनी सरकार है। जरूर मानेगी।

2.00 p.m.

राओ गजराज सिंह : हम अपनी सरकार को suggestion देते हैं और हमारी सरकार हमारी suggestions को मानेगी, जरूर मानेगी। सही बात सही नीयत से कहेंगे तो जरूर मानेगी। नीयत ही नेक न हो तो मानने का क्या सवाल। अगर आप नेक नीयती से कहेंगे तो आप की बात भी हमारी गवर्नमेंट जरूर मानेगी। तो मैं अर्ज़ करूंगा कि अगर अपने पंजाब में बांधों का काम सही तरीके से किया जाए तो floods का मसला सही तरीके से हल हो सकता है, करोड़ों रुपया जो फजूल खर्च होता है, उसे बचाया जा सकता है।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार (नूह) : स्पीकर साहिब, मैं इन Supplementary Demands में से सिर्फ दो के बारे में जनाब की तवज्जोह मबजूल कराऊंगा। पहली तो Demand No. 6 है जिसका जेलों के साथ ताल्लुक है। जहां पर इस की वज़ाहत की गई है वहां पर यह कहा गया है कि पंजाबी सूबा agitation चली और इसमें 40,CCO के करीब कैदी आए, गो इनके कहने के मुताबिक 26,000 से जायद कैदी ही आए इसलिए खर्चा ज्यादा हुआ। स्पीकर साहिब, आप जानते हैं कि सरकार ने जब अकाली Leadership को एकदम गिरफ्तार किया उस वक्त इनका यह कहना था कि सूबा में खतरा पैदा हो गया था। इन की नीयत में फतूर था, यह कोई तोड़फ़ोड़ की पालिसी करने वाले थे, आग लगाने वाले थे, पाकिस्तान की मदद से बलवा फसाद पैदा करने वाले थे इस लिए स्टेट में अमन कायम करने के लिए, स्टेट को बचाने के लिए हमने यह गिरफ्तारियां कीं। स्पीकर साहिब, अगर वाकई ऐसा होता तो न सिर्फ हमारी सरकार बधाई की मुस्तहिक थी बल्कि

[मौलवी अब्दुल गनी डार]

जितनी भी इसकी तारीफ की जाती कम थी। लेकिन आप देखते हैं, स्पीकर साहिब, कि नतीजा क्या होता है। नतीजा यह हुआ है कि सरकार एक भी ऐसा केस सामने नहीं ला सकी कि जिस से अपने उस इलज़ाम को support कर सकती और अपने इकदाम को justify कर सकती जोकि इन्होंने उस वक्त किए जब कि हमारे Prime Minister साहिब मुल्क से बाहर गए हुए थे और जब कि उनके वापिस आने में सिर्फ तीन चार दिन बाकी थे। एक भी केस ऐसा सामने नहीं ला सके जिस से यह साबित कर सकें कि अकालियों ने साज़िश करके सूबा में हालात को खराब करने का तहैया कर लिया था और जिस के कारण इन्होंने यह पकड़ धकड़ की। मुझे रंज इस बात का है कि इन्होंने क्यों उस वक्त उस पालिसी को नहीं अपनाया जोकि कहते हैं कि हर मसले का हल बातचीत के ज़रिए हो सकता है और जिस बातचीत के तरीके से अब इसका हल ढूंढा जा रहा है। क्यों इस रुपया को बरबाद किया गया? जिस खर्च को हमारे एक मिनिस्टर ने करोड़ के ऊपर कहा। हकीकत में उसकी कीमत का अन्दाज़ा ही नहीं लगाया जा सकता- जो हिन्दुओं और सिक्खों के दरम्यान नफरत और रंजिश पैदा की गई इसका कोई अन्दाजा ही नहीं लगाया जा सकता। इसकी कोई कीमत नहीं, इसका कोई अज़ाला हो ही नहीं सकता। तो मैं पूछता हूं कि अगर सरकार सच्ची थी और अकाली इतने खतरनाक थे, चाहे वह सरदार आत्मा सिंह ही हों, चाहे मास्टर तारा सिंह हों या सरदार हरचरण सिंह हुडियारा हों, इन पर क्यों मुकदमा नहीं चलाया गया और अगर सरकार के पास कुछ सबूत नहीं, कोई strong case नहीं तो फिर क्यों नहीं माना गया कि यह एक गलती हुई जो इस तहरीक को हवा दी गई और इस को चलाया गया?

स्पीकर साहिब, दूसरी बात जो मैं कहना चाहता हूं वह famine के बारे में है। जहां दुनिया में एक ग़रीब से ग़रीब भी मकान बनाता है तो वह सब से पहले यह देखता है कि पानी कहां से निकाला जाएगा। आप छोटे से छोटे मकान पर जा कर देखें वहां परनाले का इन्तज़ाम पहले किया गया होगा ताकि जो बारिश वगैरा का पानी है वह निकल जाए और मकान को नुक्सान न पहुंचाए। लेकिन मुझे रंज है कि हमारी सरकार ने इस बात का ख्याल न रखा। दो अरब के करीब रुपया इसलिए खर्च किया गया कि हम ने आबपाशी से अपने सूबा की ज़मीन को सैराब करना है। बड़ी महिमा और तारीफ की बात है। लेकिन हमारी सरकार ने यह कभी नहीं सोचा कि जो पानी बारिश के ज़रिए आएगा, चाहे कम बारिश हो या ज्यादा हो, उसको हमने किस तरीके से बाहर निकालना है। कुदर्ती तौर पर जो बहाव है उसको किस तरह divert करना है। मैंने "कुदरती तौर" के अलफाज़ इस लिए इस्तेमाल किए क्योंकि आप देखें कि चरापूंजी में कितनी बारिश होती है। अगर पंजाब में इतनी बारिश हो जाए और drainage का system ऐसा ही हो जैसा कि अब है तो उस से सुबा में जो तबा ही आयेगी इसका अन्दाज़ा कोई नहीं कर सकता। (*Interruptions*) जो यह बात अब इन्होंने सोची है कि अब इस दफा करोड़ों रुपया drainage पर खर्च किया जाएगा, यह बड़ी अच्छी बात है लेकिन, जनाब, आप को पता है कि जब पहली बारिश हुई तो इन्होंने खुद तस्लीम किया कि 37 करोड़ रुपए की फसल तबाह हुई, कई इनसानी जानें गईं और मुवैशियों का तो बेशुमार नुक्सान हुआ। दूसरी बारिश की तबाही में इन्होंने माना कि करोड़ों रुपया का नुक्सान हुआ। शायद 14 करोड़

था 18 करोड़ कहते थे लेकिन हकीकत यह है कि नुक्सान इस से भी कहीं ज्यादा था। अगर इन की तरफ से दी हुई figures को ही सही मानें तो भी काफी से ज्यादा नुक्सान हुआ। न सिर्फ यह नुक्सान हुआ कि कहत ही आया बल्कि एकदम वह progress जिस के लिए हमें नाज था कि न सिर्फ अनाज की कमी को पूरा करेंगे बल्कि देश के बाकी हिस्सों को अनाज की मदद देंगे, वह जमीन water logging में आने से सारी progress रुक गई। जो जमीन culturable थी, लाखों एकड़, वह जमीन unculturable हो गई। मुझे सरदार राजेन्द्र सिंह जी मुआफ करेंगे। वह सुनाया करते हैं कि धर्म से घड़ा ज्यादा प्यारा होता है। जिन्होंने Public Accounts Committee के Chairman की हैसियत में बाल की खाल उतार दी थी वहां उन में यहां इसलिए कमी पाई गई क्योंकि इस के लिए ज्ञानी करतार सिंह जी बराहे रास्त जिम्मेदार थे। उन्होंने इस रकम की जो कि 3 करोड़ के करीब है नुक्ताचीनी नहीं की। वह घबरा गए और उन्होंने उलटे तारीफ करने की कोशिश की। वह नहीं जानते कि सैलाबजदा इलाकों में मखसूस शुदा इस रकम की तक्सीम में क्या क्या हुआ। क्या उन्हें नहीं पता कि बीच बचौले का काम करने वालों ने किस तरह किया? क्या उन्हें नहीं पता कि गन्दम को कम तोला गया? क्या पता नहीं कि कहीं पहले और कहीं पीछे मदद पहुंचाई गई? अभी तक मेरी तहसील और हलके में कई गांव हैं जिनको मदद नहीं दी गई। मुझे इस का कोई गिला नहीं।

श्री अध्यक्ष : यह तो आप के कहने का मखसूस ढंग है। (This is his typical way of saying things.)

मौलवी अब्दुल गनी डार : मैं तो आप की नवाज़िश का ममनून हूं। अगर मेरे बस में होता तो मैं पलानिंग कमिश्नर से लेकर Irrigation मिनिस्टर तक सब पर मकदमे चलाता कि सब नुक्सान ग़लत प्लानिंग की वजह से हुआ। प्लानिंग के निकम्मापन की वजह से हुआ। हमारे पंजाब को तबाह करने की जिम्मेदारी किस पर है? आज जो 30 लाख से ज्यादा एकड़ जमीन का रकबा waterlogging के नीचे है जो 8 लाख एकड़ से ज्यादा रकबा culturable से unculturable हो गया इसकी ज़िम्मेदारी किस पर है? मैं जानता हूं कि यहां पर उस खर्च को अपनी majority के बलबोते पर मनवा लिया जाएगा जो कि यह कर चुके हैं। बेशक ज़ाहिरा तौर पर मेरी इस आवाज़ का इन पर असर न हो लेकिन मैं साफ तौर पर बता देना चाहता हूं कि इस तरह की गलती शायद ही किसी स्टेट में हो सकती हो कि जो रकम रखी जाए उसका इस गलत तरीके से इस्तेमाल किया जावे। मुझे इस बात का इल्म है कि जिस गांव में 600 आदमियों की आबादी थी वहां 1200 आदमियों ने राशन लिया। यह अन्धेरगर्दी क्यों होती है? यह तो वही बात हुई कि बहरा अन्धी को खैंचे लिए जाता है। बहरे को सुनाई नहीं देता और अन्धी को दिखाई नहीं देता। इन्होंने कोई खास ढंग नहीं बनाया कि किस तरह उन की मदद करनी है। ढंग तो यह था कि उन की unculturable जमीन को culturable बना देते। जहां खेती तबाह हुई थी उस को बचाते। मुझे खुशी है कि जहां ओले पड़े थे वहां इन्होंने सड़कों का काम शुरू करके उन को रोज़ी दी। अगर ऐसे ही रास्ते दूसरी जगहों पर भी इख्तयार करते तो बेइमानी न होती और कुछ लोग इन से नाजायज़ फायदा न उठा सकते। (घंटी) आप ज़रा देखें कि जो स्कीमें drainage के लिए हमारे सामने आ रही

[मौलवी अब्दुल गनी डार]

हैं उन को कहां ले जाया गया है। मैं अर्ज़ करूं कि मेरे हलके में करीबन 40 गांव 5 साल से पानी की वजह से सैलाब ज़दह हो रहे हैं। वहां के एक अफसर साहिब ने लोगों को कहा कि यहां पर रज़ाकाराना तौर पर एक ड्रेन खोद दो। उस के लिये न कोई प्लैन बनाई, न कोई और ढंग सोचा कि यह पानी कहां डालना है। चुनांचि लोगों ने जब 30 मील लम्मी नाली खोद दी तो पता चला कि पानी या तो राजस्थान में पड़ेगा या यू० पी० में जो इस के लिए तैयार नहीं। अब 5 साल से इस बात का फैसला नहीं कर पाये कि पानी कहां डालना है। और पानी जमा हो रहा है। यह कहेंगे कि निकम्मी बात कहता है और मुझे बिज्जू भी कहते हैं हालांकि शक्ल मेरी चीफ मिनिस्टर साहिब से मिलती है, तो भी मैं मान लूंगा और कहूंगा कि यह बड़े सुन्दर हैं। (विघ्न) पंडित जी आप क्या कहते हैं? (*Interruption*) आप ने 3 करोड़ रुपए की अपनी रद्दी गंदम निकालने का यह तरीका निकाला। (*Interruption*) आप बेशक बोलते रहें मुझ पर कोई असर नहीं होता। (*Interruption*) शकलों की बात करते वक्त आप को भी ख्याल नहीं आया.......

श्री अध्यक्ष : वह तो general remark किया था, आप ने अपनी तरफ खींच लिया। (That was only a general remark. The hon. Member need not construe that it referred to him.)

मौलवी अब्दुल गनी डार : जनाब, कभी २ ख्याल आ जाता है तो कभी २ मैं भी बात हंसी में कह जाता हूं। तो, जनाब, मैं अर्ज़ कर रहा था कि यहां पर जो ज्ञानी जी करोड़ों रुपया मंज़ूर करवा रहे हैं उस का कई लोगों ने नाजायज़ फायदा उठाया है। मरीज़ का इलाज उस पर मुसीबत आने पर थोड़ी सी मदद दे देने से नहीं हो जाता बल्कि आयंदा तबाही से बचा कर हो सकता है। (घंटी) उसे बीज वक्त पर मिले। सरदार राजिन्दर सिंह जी को भी यह कहना पड़ा कि लोगों की मदद वक्त पर नहीं हुई। मैं आप का शुक्रिया अदा करता हूं (*Interruption*)। मेरी एक बात से घबरा गए। सुनने का हौसला होना चाहिए। दिल बड़ा कर के आया करो।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਜਨਰਲ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ Supplementary Demands ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੰਗ ਇਸ Appropriation ਬਿਲ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਇਸ ਹਾਊਸ ਪਾਸੋਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਹ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ efficiency ਦੀ ਮੂੰਹ ਬੋਲਦੀ ਤਸਵੀਰ ਹੈ। ਇਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ 17 ਕਰੋੜ ਤੋਂ ਵਧ ਰਕਮ ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ Supplementary Demands ਰਾਹੀਂ ਲੈ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਕੋਈ ਪਹਿਲੀ ਕਿਸ਼ਤ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਕਈ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਰਕਮ ਮੰਨਜ਼ੂਰ ਕਰਵਾ ਲਈ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਡੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰੀ ਦਾ ਸਬੂਤ ਹੈ ਕਿ close of the year ਤੇ 17 ਕਰੋੜ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਵਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਅੱਜ ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰੀ ਜਾਂ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰੀ ਦੀ ਦਾਦ ਦੇਵਾਂ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਰਕਮਾਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪਾਸ ਕਰਵਾਇਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਅਫਸਰ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਸਕੇ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨਾਲ ਨਵੇਂ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੇ ਹਨ। ਆਪਣੇ ਇਖਤਿਆਰ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਵੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਨੂੰ ਹਥ ਵਿਚ ਲੈ ਲਿਆ ਹੈ। ਫਿਰ

ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਇਹ token demand ਲੈ ਰਹੇ ਹਾਂ ਦਸ ਰੁਪਏ ਦੀ ਪਰ ਅਸਲ ਵਿਚ ਇਹ ਦਸ ਰੁਪਏ ਨਹੀਂ ਇਹ ਤਾਂ 34 ਲੱਖ 15 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਲਿਖ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਕਿ the demand will be met within the amount ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਲਈ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੇ ਪਰਵਾਨਗੀ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰਕੇ ਨਵੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਲੈ ਲਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕੋਈ ਸਖਤ ਸ਼ਬਦ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਪਰ ਇਹ ਸਾਫ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਨਾਲ ਮਜ਼ਾਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜੋ ਰਕਮਾਂ ਮੰਗੀਆਂ ਜਾਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਸਹੀ ਤਰੀਕਾ ਨਹੀਂ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ । ਅਜੇ ਦਸ ਗਿਆਰਾਂ ਮਹੀਨੇ ਹੋਏ ਅਸੀਂ ਬਜਟ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਵਿਚ ਕਈ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਰਾਹੀਂ Supplementary Demands ਆ ਗਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਫਿਰ ਆਪਣੇ ਹੀ ਹੁਕਮ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਨੂੰ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਨ ਲਈ ਇਥੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਆਪਣੇ ਹੀ ਅਧਿਕਾਰ ਨਾਲ ਬੰਦ ਕਰਕੇ ਨਵੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਤੇ ਰਕਮ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਖਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨਾਲ ਸਕੀਮਾਂ ਨੂੰ ਬਦਲ ਦੇਣ ਅਤੇ ਜਿਵੇਂ ਵੀ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਹੋਵੇ ਨਵੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਤੇ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੋਈ ਰਕਮ ਨੂੰ ਖਰਚ ਕਰ ਦੇਵੇ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਕ ਹੋਰ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਤਿੰਨ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਅਸੀਂ ਵੇਖ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨਾਂ ਵੀ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਜਾਂ ਗੁੜਗਾਵਾਂ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਵਿਚ ਹੀ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਥੇ ਬਾਕੀ ਲੋੜਾਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕੋਈ ਰਕਮ ਨਹੀਂ ਰਖੀ ਗਈ ।

ਸਰਕਾਰ ਦੀ officiency ਦੀ ਇਕ ਹੋਰ ਮਿਸਾਲ ਵੇਖੋ ਕਿ Education Department ਵਿਚ ਜਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਰ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਵਿਚ ਕੀ ਕੁਝ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਕਈ ਮਾਸਟਰਾਂ ਨੂੰ ਪੈਸੇ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ increment due ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਇਥੋਂ ਤੱਕ ਕਿ ਲੋਕ ਤੰਗ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਵਿਰੁਧ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਵਿਰੁਧ ਡਿਗਰੀਆਂ ਲੈ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਨੋਟਿਸ ਚਲੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਫਿਰ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅਜਿਹਾ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦਾ ਖਰਚਾ ਵੀ ਅਦਾ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਮੈਂ ਇਹ ਮੰਗ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਕਮ ਸਰਕਾਰੀ ਖਜਾਂਨੇ ਵਿਚੋਂ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸਗੋਂ ਜੋ ਅਫਸਰ responsible ਹੋਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਇਸ ਰਕਮ ਨੂੰ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਅਠ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਖਰਚੇ ਦੇ ਦੇ ਦੇਣ ਅਤੇ ਫਿਰ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਡਿਗਰੀਆਂ ਖਰਚੇ ਸਮੇਤ ਹੋਣੀਆਂ ਸਰਕਾਰ ਦੀ efficiency ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਹੈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਇਹ ਰਕਮਾਂ ਖਰਚ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ।

ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਸਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਅਸੀਂ voluntary cut ਆਪਣੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਤੇ ਲਗਾਈ ਹੈ । ਰਾਜਪਾਲ ਸਾਹਿਬ ਨੇ 10 percent cut ਪਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਕੀਆਂ ਨੇ ਵੀ cut ਪਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਬਾਕੀਆਂ ਦੀ cut ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ ਇਹ ਇਕ ਪ੍ਰੋਪੇਗੰਡਾ ਹੈ । ਅਸਲ ਵਿਚ ਇਕ ਪਾਸੇ cut ਲਗਾਕੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਤੋਂ ਉਨੀ ਹੀ ਰਕਮ ਲੈ ਲਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਈ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿਚ ਅਸਲ ਨਾਲੋਂ ਖਰਚ ਵਧ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਅਤੇ ਅਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਟੇਟ ਦਾ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਮਜ਼ਾਕ

[ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ]

ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਸਕੇ ਕਿ ਅਸੀਂ cut ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲਈ ਹੈ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਲੈਣਾ ਮੁਨਾਸਿਬ ਨਹੀਂ । ਜੇਕਰ credit ਲੈਣਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਅਸਲ ਰੂਪ ਵਿਚ cut ਲਗਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਖਰਚ ਨੂੰ ਅਸਲ ਵਿਚ ਘਟਾ ਕੇ ਦਸਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਫਿਰ ਸ਼ਿਮਲੇ ਦੀ ਕੋਠੀ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਲਈ ਜੋ ਭਾਰੀ ਰਕਮ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ । ਇਹ ਇਕ ਬਹੁਤ ਹੀ ਗਲਤ ਤਰੀਕਾ ਹੈ ਕਿ at the end of the year ਇੰਨੀ ਭਾਰੀ ਰਕਮ Appopriation Bill ਰਾਹੀਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮੰਗੀ ਜਾਵੇ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਡੀਮਾਂਡ ਨੰ: 15 ਦੇ Major Head Education ਵਿਚ school teachers ਦੀਆਂ amounts ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 1949 ਤੋਂ due ਹਨ । ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੈ—

> "Payment of decretal amount to Shri Om Parkash Modi, Ex-teacher,—Governmen Middle School, Shutrana, district Patiala—Rs. 70/-"

ਇਹ ਉਹ amount ਹੈ ਜਿਹੜੀ degree ਕਰਵਾ ਕੇ ਲਈ ਵੈਸੇ Government ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਾ ਦਿੱਤੀ ਹੋਵੇ । ਜਿਹੜੀ ਦੂਸਰੀ amount ਹੈ ਇਹ ਵੀ ਬੜੀ ਪੁਰਾਣੀ date ਦੀ ਹੈ ਯਾਨੀ ਇਹ 31 ਮਾਰਚ 1958 ਦੀ due ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Minister ਸਹਿਬਾਨ ਆਪੋ ਆਪਣੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰੱਖਣ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਵੀ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ amount due ਹੈ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਵਕਤ ਸਿਰ ਮਿਲ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਕਿ ਕੋਈ ਡਿਗਰੀ ਕਰਵਾ ਕੇ ਰਕਮ ਹਾਸਲ ਕਰੇ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਾਲ ਦੇ ਅਖੀਰ ਵਿਚ Supplementary Demand ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਕਿਸੇ amount ਦਾ ਆਉਣਾ ਇਹ ਜ਼ਾਹਰ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਰਕਮ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਖਰਚ ਹੋਵੇਗੀ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

श्री मंगल सेन (रोहतक) : स्पीकर साहिब, आज यह हाउस Appropriation Bill 1961 के ऊपर विचार कर रहा है और हमारी सरकार ने हाउस से यह मांग की है कि लगभग, 17 करोड़ रुपया उन्हें मंजूर कर दिया जाए ताकि वह उसे खर्च कर सके । स्पीकर साहिब, इन Supplementary Estimates के नीचे 3 करोड़ से ज्यादा रुपया इसलिए रखा गया है कि जिन इलाकों में बाढ़ आती है वहां के लोगों को मकानों की repair के लिए कर्ज़ वगैरह दिया जा सके । लेकिन, स्पीकर साहिब, मैं इस सिलसिले में यह कहना चाहता हूं कि जो कानून बना रखे है वह न मालूम 1865 के हैं या इससे भी और पुराने । जो आज के हालात में out of date मालूम देते हैं । मैं ने देखा है कि जो अफसरान नुकसान assess करने के लिए मुख्तलिफ इलाकों में जाया करते हैं वे पूरा नुकसान इसलिए नहीं दिखाते क्योंकि 1,000 रुपए के नुकसान में वहां कोई 100 या 200 रुपए की खेती खड़ी रह गई है । यानी सिर्फ 1,000 रुपए का नुकसान हो और 200 रुपए के करीब फसल बच जाए तो वे कुछ भी नुकसान नहीं दिखाते हैं । यह इनके रूल्ज़ का हाल है । क्योंकि जब कभी अफसरों से पूछा जाता है कि आपने नुकसान क्यों नहीं दिखाया तो वह यही कहते हैं कि रूल्ज़ इजाज़त नहीं देते । मुझे पता है, स्पीकर साहिब, कि इन्होंने रोहतक के लिए 20 लाख रुपया सहायता के लिए रखा था लेकिन हाउस में यह कहा गया चीफ मनिस्टर सासिब की तरफ से कि मैंने रोहतक के ईलाके

में से पानी निकलवा दिया लेकिन हकीकत यह है कि अगस्त से लेकर और अब तक वहां पर कई जगह पानी ज्यों का त्यों खड़ा है। लेकिन चीफ मिनिस्टर साहिब ने केवल श्रेय लेने के लिए अक्तूबर में ही कह दिया था कि हमने पानी निकलवा दिया और, स्पीकर साहिब, उस 20 लाख में से एक कौड़ी भी नहीं बांटी गई। यह है गवर्नमेंट का तरीका। हकीकत यह है कि जनता गवर्नमेंट की गफलत के कारण दुःखी है। इसलिए मैं वज़ीर साहिब से प्रार्थना करूंगा कि उनको सहायता दी जाए। लेकिन यह सहायता क्यों देने लगे? क्योंकि यह जानते हैं कि वह इलाका इनका साथ नहीं देता इसलिए यह उनके साथ हमदर्दी नहीं रखते और इसीलिए उन लोगों को बजाए सहायता के उल्टी सज़ा दी जा रही है। मैं मंत्री महोदय से खासतौर पर यह बात पूछना चाहता हूं और आश्वासन चाहता हूं कि वे बताएं कि यह जो रुपया है वह उनको कब तक दे दिया जाएगा? मुझे पता है कि हमारे मुख्य मंत्री साहिब ने वहां पर हैलीकाप्टर पर जा जा कर जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा पैट्रोल पर तो खर्च किया लेकिन उन लोगों को सहायता कोई नहीं दी।

अब गंदम दी जा रही है लेकिन उसका भी हाल सुनिए। पहले यह कहा गया कि जिन के पास ज़मीन नहीं है उनको गंदम दी जाएगी लेकिन मैं ऐसे लोगों के नाम पेश कर सकता हूं कि गंदम उन लोगों को दी गई है जो बड़े बड़े land lords हैं यह हाल है इस सरकार का। लेकिन कहा यह जाता है कि यह welfare state है। स्पीकर साहिब, यह welfare state कर क्या रही है? यही कि जनता और जनता के दरमियान दीवार खड़ी कर रही है। मैं यह उम्मीद कर सकता हूं कि सरकार कुछ लोगों को कम्बल और अनाज भी दे देगी लेकिन जिस वजह से बाढ़ आती है उसको क्यों नहीं दूर किया जाता? उसके लिए सरकार ने कुछ नहीं किया। और जो Drain No. 8 है उसका भी समुचित प्रबन्ध नहीं किया। इसी तरह जिस नाई नाला के लिए आपने इतना रुपया खर्च किया उसके बारे में राओ बीरेन्द्र सिंह जी से ज़बानी पता चला है—अब वह यहां इस वक्त बैठे नहीं हैं—कि उसे श्री नेहरू जी ने जमुना में गिराने से रुकवा दिया है। और इसका कारण यह बताया कि चूंकि दिल्ली वालों ने नेहरू जी के पास एक deputation भेजा और कहलाया कि अगर इस नाले का पानी जमुना में डाला गया तो दिल्ली का सूबा बर्बाद हो जाएगा। दिल्ली तो भारत की महानगरी है। नेहरू जी ने भी सोचा कि अगर दिल्ली के लोग नाराज़ हो गए तो ठीक नहीं है इसलिए उन्होंने नाई नाला वाली स्कीम को रोक दिया। अगर यह बात सही है तो वज़ीर साहिब को confess करना चाहिए और अगर नहीं तो contradict करें। जहां तक काम की गति का सम्बन्ध है वह सन्तोषजनक नहीं है। सिर्फ योजना में provide करना और उसको इस तरह टालते रहना यह ठीक नहीं है।

मैं, जनाब, झज्जर तहसील के उन 125 गांवों की बात करना चहता हूं जहां पर अब तक पानी खड़ा हुआ है। उस पानी को link करना, निकालना था। पानी को निकालने के लिए देहली administration के साथ प्रबन्ध किया गया। मैंने इस सिलसिले में एक responsible officer के साथ बात की। मैं उन का नाम नहीं बताना चाहता क्योंकि ये उस के कान खींचेंगे कि तुमने सच्ची बात क्यों कही......

श्री अध्यक्ष : कान पकड़ने वाली बात न करें। (Please do not refer to pulling the ear.)

श्री मंगल सेन : बहुत बेहतर जनाब, कान पकड़ने वाली बात नहीं करता गला पकड़ने वाली बात करता हूं। जनाब, मैं अर्ज़ कर रहा था कि रोहतक ज़िला की बहुत बुरी हालत है और इस ज़िला का बेड़ा ग़रक होने वाला है। दरअसल रोहतक ज़िला की तरफ लापरवाही इसलिए है कि इन को मालूम है कि 1962 में इन्हें वहां से मिलना मिलाना कुछ नहीं। 1960 की बात है वज़ीर साहिब लोकल बाडीज़ ने एक ordinance जारी करवाया जिस के ज़रिए म्युनिसिपल कमेटियों के electoral rolls अलग बनवाने का हुक्म हुआ। दरअसल इन को हेरा-फेरी करने की आदत है।

Mr. Speaker : How is it relevant under the supplementary demands?

श्री मंगल सेन : Miscellaneous की demand के मातहत एक महादेव नामक व्यक्ति को 100 रुपए दिए हैं और ये सरकार की नालायकी की वजह से दिए हैं। दरअसल बात यह है कि मिनस्टिर साहिब खुद तो पढ़ कर आते नहीं बल्कि इधर उधर की धड़ेबन्दियों में लगे रहते हैं। मैं अर्ज़ कर रहा था कि पहले election की date fix हो गई लेकिन बाद में उसे इसलिए postpone कर दिया गया कि electoral rolls ठीक नहीं बने। इस तरह से जल्दबाज़ी में जनता का पैसा ज़ाया किया जा रहा है। क्योंकि ये सोचते हैं कि हमारे हाथ में हकूमत है जो कुछ कर लेंगे दुरुस्त है लेकिन इन को मालूम होना चाहिए कि आगे court भी है, वहां बे इनसाफी नहीं हो सकती।

पिछले दिनों हमारे कांग्रेसी नेताओं ने रूठे हुए कम्युनिस्टों को कांग्रेस में शामिल करने के लिए उन्हें सोशल वर्कर बनाया। इसी प्रकर एक कम्युनिस्ट नेता के सुपुत्र श्री सहगल को रोहतक improvement trust का चेयरमैन बना दिया। पंडित मोहन लाल जी को पता है कि अढ़ाई माह के अर्से में उन्होंने क्या काम किया है। इन महानुभाव की माता-जी को मैं मासी जी कहता हूं इसलिए मैं उन का नाम नहीं लेना चाहता......

Mr. Speaker : You are not relevant, please.

श्री मंगल सेन : स्पीकर साहिब, यह बड़ी दिलचस्प बात है।

श्री अध्यक्ष : आप खुद बड़े दिलचस्प हैं। (You are yourself very interesting.)

श्री मंगल सेन : स्टेट ट्रेडिंग की मद्द के मातहत 90 लाख 67 हज़ार 270 रुपए रखे हैं। इन से पूछा जाय कि Union Government कहती है कि अनाज और चीनी की trading क्यों करते हो। इन्होंने उन की इच्छा के विरुद्ध पैसा कमाया। अगर एक दुकानदार नेक कमाई से पैसा बनाता है या पैसा कमाने की कोशिश करता है तो उस के खिलाफ कोआप्रेटिव सोसायटियों की तरफ से films दिखाई जाती हैं कि दुकानदार चोर हैं। वास्तव में हालत यह है कि सरकार के विषय में वैसी बात कहूं तो अच्छी बात नहीं लगती।

Mr. Speaker : Please wind up.

श्री मंगल सेन : रजवाड़ों के privy purses के बारे में मैं अर्ज़ करना चाहता था लेकिन चूंकि समय नहीं है इस लिए आखिर में मैं सिर्फ एक ही बात अर्ज़ करना चाहता हूं कि रोहतक ज़िला में एक वाकया हुआ। नदाना गांव में 40 हज़ार रुपया चोरी हो गया है और एक महाजन का नुकसान हो गया है लेकिन पुलिस trace out नहीं कर सकी।

Mr. Speaker: After this the Ministers will speak and the Members who have not been able to speak so far will be given time at the third reading stage.

श्रीमती ओम् प्रभा जैन (कैथल) : माननीय स्पीकर साहिब, यह जो supplementary budget हमारे सामने 15 करोड़ 24 लाख का present किया गया है, यह बात सही है कि इतनी लम्बी चौड़ी रकम को देख कर irritation होती है और Opposition वालों को मौका मिलता है कि वे नुक्ताचीनी करें लेकिन बेहतर होता कि वे इस रकम को item-wise और demandwise इस की allocation देख लेते और यह समझने की कोशिश करते कि किन चीज़ों पर यह पैसा खर्च किया गया है। अगर वे ऐसा करते तो ज़रूर इस की दाद देते मुझे यह बात देख कर खुशी होती है और मैं prove करके दिखाऊंगी कि यह welfare state का बजट है और कि जितना खर्च किया गया है उस का 90-95 फीसदी wellfare activities पर खर्च किया गया है। जैसेकि मैंने अर्ज़ किया कि 15 करोड़ 24 लाख का बजट है। इसमें से 13 करोड़ 71 लाख लोगों की भलाई के लिए, loans अदा करने के लिए और लोगों को relief देने के लिए अदा किया गया। पिछले दिनों वर्षा के कारण जिन लोगों के मकान गिर गए और फसलें खराब हो गईं उन्हें पैसा दिया गया।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਓਮ ਪ੍ਰਭਾ ਜੈਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਵਜ਼ੀਰ ਸਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਸਪੀਚ ਕਰਨ ਲਈ ਟਾਈਮ ਦਿੱਤਾ ਜਾਏਗਾ ਔਰ ਫੇਰ ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਕਲਾਜ਼ਾਂ put ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਬਾਕੀ ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਰਹਿ ਜਾਣਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ third reading ਦੇ ਵਕਤ ਬੋਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਏਗਾ। (After the speech of Shrimati Om Prabha Jain the hon. Ministers shall be given time to speak. Thereafter, the clauses shall be put to the vote of the House and the remaining members who wish to speak shall be given time to express their views at the time of the third reading of the Bill).

(At this stage Mr. Deputy Speaker occupied the Chair).

Mr. Deputy Speaker: Since the House is to adjourn at 4.00 P.M. to day therefore, guillotine will be applied half an hour earlier.

श्रीमती ओम प्रभा जैन : मैं, पंजाब, सरकार को मुबारकबाद देती हूं कि उन्होंने supplementary estimates का ऐसा बजट इस हाउस में लोगों के representatives के सामने पेश किया है। इस से पता चलता है कि सरकार लोगों की तकलीफों का भार अपने ऊपर समझती है और जब कभी लोगों पर मुसीबत आई तो किस तरह सरकार ने बहादुरी के साथ अपना फर्ज़ अदा किया। डिप्टी स्पीकर साहिब, जब पिछले दिनों अगस्त और सितम्बर में floods आये तो famine के head में जो रकम provide की गई वह 308,68,620 रुपया थी यह रुपया seeds, repairs of roads, purchase of boats, repairs of buildings and embankments and gratuitous relief पर खर्च हुआ

[श्रीमती ओम प्रभा जैन]

है। इस में से 50 फीसदी रुपया लोगों को loans की शकल में दिया गया है जिस का मतलब हुआ कि $1\frac{1}{2}$ करोड़ रुपया recoverable होगा। $1\frac{1}{2}$ करोड़ रुपया पंजाब गवर्नमेंट ने grants की शक्ल में दिया है। इस में 50 फीसदी सैंट्रल गवर्नमेंट का share है और 50 फीसदी State Government का मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं कि इस के लिए सरकार मुबारकबाद की मुस्तहिक है। डिप्टी स्पीकर साहिब, आपको यह जान कर बड़ी खुशी होगी कि famine के लिए जो 3,08,68,620 रुपये की रकम provide की गई है इस में सिर्फ 13,000 रुपया establishment पर खर्च होगा। अगर तीन करोड़ रुपया लोगों तक पहुंचाने में सिर्फ 13,000 रुपए establishment पर खर्च हों तो इसे welfare state budget के सिवाए और क्या कहा जा सकता है। Floods के दिनों में सरकारी अफसरों ने बहुत मेहनत से काम किया और घर घर में जाकर taccavi loans और seeds दिये (interruptions by Sardar Atma Singh) मेरे भाई सरदार आत्मा सिंह मुझे interrupt कर रहे हैं उन्हें यह जान कर खुशी होगी कि पंजाबी सूबे के लिए जो Akali agitation हुई थी उस पर सरकार का खर्च 13 लाख रुपये दिखाया गया है। (Repeated interruptions by Sardar Atma Singh)

Mr. Deputy Speaker : No interruptions please. Order, order.

श्रीमती ओम प्रभा जैन : डिप्टी स्पीकर साहिब, सरकार को इस पर बधाई देनी चाहिए कि कितनी economy के साथ यह खर्च किया गया है।

Floods के सिलसिले में जो famine के तहत खर्च दिखाया गया है वह 3,08,68,620 रुपया है लेकिन इस के अलावा जो खर्च famine से directly सम्बन्धित है वह 4,35,96,820 रुपये है जो under the major head "Loans to local funds, private parties, etc." दिखाया गया है। सरकार ने जमींदारों की इमदाद के लिए 1,35,00,000 और उसके बाद फिर 2 करोड़ के loans advance किये। यह सारा 3 करोड़ 8 लाख ही नहीं बल्कि यह रकम $7\frac{1}{2}$ करोड़ की बनती हैं।

इस के अलावा, डिप्टी स्पीकरसाहिब, पैप्सू का arrear of loan 1955 से पड़ा हुआ है। मैं समझती हूं कि पंजाब सरकार को बधाई देनी चाहिए कि 1955 का loan निकाल कर उन्होंने $5\frac{1}{2}$ करोड़ रुपये की इस साल payment की है। ऐसा बजट पेश करने पर सरकार हमारी मुबारकबाद की मुस्तहिक है और हमें खुश होकर इस बजट को पास करना चाहिए।

ਮਾਲ ਮੰਤ੍ਰੀ (ਗਿਆਨੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ) : ਜਨਾਬ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਇਹ ਜੋ Supplementary Demands ਦਾ Appropriation Bill ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਸਿਲਸਲੇ ਵਿਚ ਬਹਿਸ ਸੁਣ ਕੇ ਮੈਨੂੰ ਮਹਾਂ ਭਾਰਤ ਦੀ ਸਾਖੀ ਯਾਦ ਆਈ ਹੈ। ਯੁਧਿਸ਼ਟਰ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਤੂੰ ਕੁਝ ਮਾੜੇ ਆਦਮੀ ਲਭ ਲਿਆ। ਉਸ ਨੇ ਸਾਰਾ ਚੱਕਰ ਲਾਇਆ ਔਰ ਆ ਕੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਸਭ ਚੰਗੇ ਆਦਮੀ ਹੀ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੁਰਯੋਧਨ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਤੂੰ ਚੰਗੇ ਆਦਮੀ ਲਭ ਕੇ ਲੈ ਆ। ਉਸ ਨੇ ਚੱਕਰ ਲਾ ਕੇ report ਕੀਤੀ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਚੰਗਾ ਆਦਮੀ ਤਾਂ ਕੋਈ ਲਭਿਆ ਨਹੀਂ

ਸਭ ਮਾੜੇ ਹੀ ਦਿਸੇ ਨੇ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਯੁਧਿਸ਼ਟਰ ਵਾਂਗ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਹੈ (ਤਾੜੀਆਂ) (*interruptions*) ਔਰ Opposition ਦਾ ਦੁਰਯੋਧਨ ਜਿਹੜਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਸਭ ਗੱਲਾਂ ਮਾੜੀਆਂ ਹੀ ਲਭੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਸਿਲਸਲੇ ਵਿਚ ਇਹ ਜੋ demands ਪੇਸ਼ ਹੋਈਆਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਕੁਝ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਐਸੀਆਂ ਬਾਤਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਮੇਰੇ ਮਹਿਕਮੇ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧ ਰਖਦੀਆਂ ਨੇ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਿਲਸਲੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ।

ਇਕ ਤਾਂ ਰਾਜਪੁਰੇ ਤੋਂ ਆਏ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਜਦੋਂ ਬੋਲੇ ਸਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਹਿਰਾਂ ਲਈ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਲਈਆਂ ਪਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦਾ ਹਾਲੇ ਤਕ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੀਆਂ mutations ਵੀ ਅਜੇ ਤੱਕ attest ਨਹੀਂ ਹੋਈਆਂ ਜਿਸ ਕਰ ਕੇ ਲੋਕ ਬੜੇ ਤੰਗ ਨੇ । ਹਕੀਕਤਨ ਇਹ ਗੱਲ ਸਚ ਹੈ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਲਈਆਂ ਗਈਆਂ ਕਿਉਂਕਿ development ਦੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਕੰਮ ਇਥੇ ਹੋਏ ਨੇ, ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਨਵੀਆਂ ਬਸਤੀਆਂ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ, ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਨਹਿਰਾਂ ਕੱਢੀਆਂ ਗਈਆਂ, ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਬਣੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਜਦ ਬਹੁਤ ਤੇਜ਼ ਰਫਤਾਰੀ ਨਾਲ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇ ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲੋਂ ਇਸ ਲਈ ਬਹੁਤ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਲਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਦੇਣ ਵਿਚ ਕੁਝ ਦੇਰ ਹੋ ਜਾਏ । ਸਾਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਅਜੇ ਤੱਕ ਸਭ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦਾ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ mutations ਨਹੀਂ ਚੜ੍ਹੀਆਂ ਲੇਕਿਨ ਜਿਹੜੇ ਤਰਦਦ ਇਸ ਪਾਸੇ ਇਸ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਕੀਤੇ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਥੇ ਪਹਿਲੇ ਸਾਲਮ ਪੰਜਾਬ ਲਈ acquisition ਦੇ ਕੰਮ ਲਈ ਦੋ ਅਫਸਰ ਹੁੰਦੇ ਸਨ ਉਥੇ ਇਸ ਵਕਤ 13 ਅਫਸਰ ਲਗਾਤਾਰ ਇਹ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਜਿਥੇ ਅਗੇ Financial Commissioner ਇਸ ਕੰਮ ਦੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਰਦਾ ਹੁਣ ਇਕ Financial Commissioner ਨਿਗਰਾਨੀ ਦਾ ਕੰਮ ਵੀ ਕਰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਵੀ ਹੋਈ ਹੈ ਔਰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਵੀ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਇਸ Session ਵਿਚ ਮੈਂ ਕੁਝ ਮੁਕੰਮਲ ਅੰਕੜੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਅਗੇ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਸਕਾਂਗਾ । ਇਸ ਸਰਗਰਮੀ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੁਝ ਸਮੇਂ ਤੱਕ ਇਹ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਨਿਬੜ ਜਾਵੇਗਾ ।

ਹੁਣ ਇਸ ਸਾਲ ਜਿਹੜੇ ਮੀਂਹ ਪਏ ਸੀ ਔਰ ਇਸ ਤੋਂ ਪੇਸ਼ਤਰ ਪਹਿਲੇ ਜਿਹੜੇ ਮੀਂਹ ਪਏ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਰ ਕੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਬਹੁਤ flood ਆਇਆ ਬੜੀ ਮੁਸੀਬਤ ਫੈਲੀ, ਬੜੀ ਤਬਾਹੀ ਔਰ ਬਰਬਾਦੀ ਹੋਈ, ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਦਿਹਾਤ ਨੂੰ floods ਨੇ ਤਬਾਹ ਕੀਤਾ ਔਰ ਕਸਬੇ ਔਰ ਸ਼ਹਿਰ ਵੀ ਤਬਾਹ ਹੋਏ, ਇਹ ਬਹੁਤ ਵਡੀ ਮੁਸੀਬਤ ਸੀ ।

ਇਸ ਮੁਸੀਬਤ ਵਿਚ ਜੋ ਨੁਕਸਾਨ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਹ ਬੇਸ਼ੁਮਾਰ ਹੈ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਅਸਾਨੀ ਨਾਲ ਇੰਨੇ ਭਾਰੇ ਨੁਕਸਾਨ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ ਲੇਕਿਨ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ relief ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਲੋਕ ਆਪਣੀ ਮੁਸੀਬਤ ਕਟ ਸਕਣ । ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਮੁਸੀਬਤ ਵਿਚ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇਣੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਦਿਲ ਖੋਲ੍ਹ ਕੇ ਸਹਾਇਤਾ

[ਮਾਲ ਮੰਤਰੀ]

ਕੀਤੀ ਹੈ (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ) ਅਤੇ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਕਰਨ ਤੋਂ ਸੰਕੋਚ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕੋਈ ਪਰਵਾਹ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਕਿ ਕਿਤਨਾ ਖਰਚ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੁਸੀਬਤ ਦਾ ਇਲਾਜ ਕਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਥਾਂ ਬੀਜ ਲਈ ਕਣਕ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਦਿਤੀ, ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਖਾਣ ਵਾਸਤੇ ਗੰਦਮ ਦਿਤੀ। ਹਾਲਾ ਤੇ ਅਬਿਆਨਾ ਛਡ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਜਿਥੇ ਪਾਣੀ ਖੜਾ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ ਉਥੋਂ ਪਾਣੀ ਕਢਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਇੰਨੇ ਵਡੇ ਪੈਮਾਨੇ ਤੇ relief ਦਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਜਿਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ। ਪਰ ਆਖਰ ਇਨਸਾਨ ਇਨਸਾਨ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਸਾਰੇ ਅਫਸਰਾਂ ਵਲੋਂ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਕਿਤੇ ਗਲਤੀ ਨਾ ਹੋਈ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਊਣਤਾਈ ਨਾ ਹੋਈ ਹੋਵੇ। ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿਤੇ ਬੇਈਮਾਨੀ ਦਾ ਸਿਲਸਿਲਾ ਵੀ ਚਲਿਆ ਹੋਵੇ। ਇਤਨੇ ਵਡੇ relief project ਵਿਚ ਗਲਤੀ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਸਾਰੇ ਅਫਸਰ ਚੰਗੇ ਹਨ ਪਰ ਕਿਤੇ ਕਿਸੇ ਅਫਸਰ ਨੇ ਵਧੀਕੀ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕਹਿ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ। ਗਲਤੀ ਦਾ ਇਮਕਾਨ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਜੇਕਰ ਸਰਕਾਰ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਕਰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਕੜ ਦੁਕੜ ਥਾਂ ਤੇ ਬੇਈਮਾਨੀ ਹੋਵੇਗੀ ਮੈਂ ਕਹਿ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ ਅਸੀਂ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਇਕੜ ਦੁਕੜ ਮਿਸਾਲਾਂ ਵੀ ਨਾ ਮਿਲਣ ਪਰ ਜੇਕਰ ਇਸ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਨੂੰ ਹਥ ਵਿਚ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ fool proof methods ਲਭੇ ਜਾਂਦੇ ਅਤੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ relief ਦੇਣ ਦੇਣ ਦੇ ਤਤਪਰ ਕੰਮ ਵਿਚ ਹਰਜ ਹੁੰਦਾ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦਾ, ਪਰ methods ਲਭਣ ਲਈ ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਰੋਕਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ। (ਵਿਘਨ)

ਦੀਵਾਨਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ 50 ਵਿਘੇ ਦੇ ਮਾਲਕ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚੋਂ 40 ਵਿਘੇ ਕਿਸੇ ਪਾਸ ਗਹਿਣੇ ਹੈ ਤੇ ਗਿਰਦਾਵਰੀ ਨਹੀਂ ਬਦਲੀ ਹੋਈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ relief ਲੈਣ ਵਿਚ ਦਿਕਤ ਆਈ ਹੈ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਮੇਰੇ ਮਿਤਰ ਹਨ ਮੈਨੂੰ ਮਿਲਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹੁਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਮਾਲ ਮੰਤਰੀ ਵੀ ਹਾਂ ਮੈਨੂੰ ਮਿਲ ਲੈਂਦੇ ਜੇਕਰ relief ਵਿਚ ਨੁਕਸ ਹੈ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹੁਣ notice ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਵੇਖ ਲਵਾਂਗਾ ਅਤੇ ਆਇੰਦਾ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਗੌਰ ਕਰਾਂਗੇ ਕਿ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਕੀ ਕਰਨਾ ਮੁਨਾਸਬ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਨਾ ਸਿਰਫ ਹੜ੍ਹਾਂ ਕਾਰਣ ਜੋ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਆਏ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਸਗੋਂ ਇਸ ਸਿਆਲ ਦੀਆਂ ਬਾਰਸ਼ਾ ਨੇ ਵੀ ਕਾਫੀ ਨੁਕਸਾਨ ਕੀਤਾ। ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਕਿ ਸਿਆਲ ਦੀਆਂ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਨਾਲ ਜੋ ਹੜ ਆਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਅਮਿਤ੍ਰਸਰ, ਸੰਗਰੂਰ ਅਤੇ ਹਿਸਾਰ ਦੇ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚ ਤਬਾਹੀ ਹੋਈ ਇਲਾਕੇ ਬਰਬਾਦ ਹੋਏ। ਕਿਨ੍ਹਾ ਚਿਰ ਤਕ ਖੜੇ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਹਟਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਅਤੇ ਕਿਨੇ ਹੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਖੇਤੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ। ਇਸ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਮਝਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਨਾ ਸਿਰਫ ਇਸ ਵੇਲੇ ਹੀ ਰੀਲੀਫ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਸਗੋਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਵੀ rules ਬਣਾ ਕੇ relief ਦੇਣ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ floods ਦੇ ਕਾਰਨਾਂ ਨੂੰ ਲਭ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰਨ ਲਈ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਖਰਚ

ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਸ ਸਿਆਲ ਦੇ ਹੜ੍ਹਾਂ ਕਾਰਣ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਣਕ ਵੰਡੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹੋਰ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਹੂਲਤ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

ਰਾਜਪੁਰੇ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਕਾਇਦਾ relief ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਹੋਵੇ ਕਿ ਜਿਥੇ 25 % ਖਰਾਬਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਥੇ ਦੇ ਸਿਰਫ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ relief ਦੇ ਦਿਉ ਤੇ ਜਿਥੇ ਵਧ ਖਰਾਬਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਥੇ ਸਭ ਨੂੰ relief ਦੇ ਦਿਉ । ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਾਏ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਥਾਂ ਤੇ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । ਜਿਸ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚ ਖਰਾਬਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਖੇਤੀ ਪਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਨਿਤ ਦਾ ਵਿਹਾਰ ਹੋ ਸਕਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਜੋ ਹਰੀਜਨ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧ ਘਟ ਕੰਮ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਸੀ ਜੇਕਰ ਉਥੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ relief ਦਿਆਂਗੇ ਤਾਂ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਜਿਥੇ floods ਆਏ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਪਤੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਅਤੇ ਕਮਾਈ ਦਾ ਸਾਧਨ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ ਉਥੇ relief ਘਟ ਜਾਏਗਾ । ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਸਾਰੀਆਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਸਹਾਇਤਾ ਮੰਗੀ ਜਾਵੇ ਇਹ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ । ਕਿਸਾਨਾ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਿਥੇ ਖੇਤੀ ਪਤੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਆਮਦਨ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੀ । ਉਹ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇ ਹਕਦਾਰ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਮਿਲ ਰਹੀ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਸੰਗਰੂਰ ਜ਼ਿਲੇ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਥੇ ਸਾਨੂੰ ਮਿਲੇ ਵੀ ਸਨ । ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਆਦਮੀ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਵੀ ਆਏ ਸਨ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਖਿਆ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਦਿਹਾਤ ਤਬਾਹ ਤੇ ਬਰਬਾਦ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਿਰਭਰ ਖੇਤੀ ਤੇ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਮੰਗ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਛੋਟੀਆਂ ਦਸਤਕਾਰੀਆਂ ਵਿਚ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਸਰਾ ਵੀ ਪਿੰਡਾਂ ਤੇ ਸੀ ਪਰ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਤਬਾਹੀ ਨਾਲ ਅਜਿਹੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਪਾਸ ਕੋਈ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਗਲ ਵਿਚ ਵਜ਼ਨ ਜ਼ਰੂਰ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਵੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਦਿਹਾਤਾਂ ਵਿਚ ਮੁਕਰਰ ਹਦ ਤਕ ਖਰਾਬਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਥੇ ਕਿਸੇ ਨਾਲ relief ਦੇਣ ਵਿਚ ਵਿਤਕਰਾ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ।

ਦੂਜੀ ਗੱਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀ ਗਈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਵਡੇ ਪੈਮਾਨੇ ਤੇ ਤਬਾਹੀ ਹੋਈ ਅਤੇ ਕਸਬੇ ਬਰਬਾਦ ਹੋਏ ਜਾਂ ਹੋਰ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਉਥੇ floods ਦੇ ਕਾਰਨ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਘਟਿਆ ਉਥੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ relief ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਜੋ ਹਰੀਜਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਦਦ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਨੋਟਿਸ ਲੈ ਚੁਕੀ ਹੈ ਪਰ ਅਜੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਜ਼ੇਰੇ-ਗੌਰ ਹੈ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਪ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਇਤਲਾਹ ਮਿਲ ਸਕੇਗੀ । ਜਦੋਂ ਤਕ ਸਰਕਾਰ ਮਦਦ ਦੇ ਸਕਦੀ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਇਕ ਹਦ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਹਦ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਸਰਕਾਰੀ ਖਜ਼ਾਨੇ ਤੇ ਵੀ ਬੋਝ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਅਤੇ

[ਮਾਲ ਮੰਤਰੀ]

ਇਸ ਦਾ ਭਾਰ ਕਿਸਾਨ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਵਿਚ ਤਨਾਸਬ ਨੂੰ ਮੱਦੇ-ਨਜ਼ਰ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਆਵਾਜ਼ ਉਠ ਸਕਦੀ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਮੁਨਾਸਬ ਹਦ ਹਰ ਵੇਲੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਹਰ ਸਮੇਂ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਦੀ ਹੈ ਔਰ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਹਾਇਤਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ। ਗੁੜਗਾਵਾਂ ਦੇ 25-30 ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਮਸਲਾ, ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਗੁੜਗਾਵਾਂ ਦੇ Member ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਇਕ Deputy Minister ਦਾ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਆਇਆ ਅਤੇ Financial Commissioner ਦਾ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹੋ ਦੱਸਿਆ ਜੋ ਕਿ ਨਾਇਬ ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੱਲੋਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਤਕਲੀਫ ਪਹੁੰਚਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਪਹਿਲਾਂ ਦਰਿਆਫਤ ਕਰਾਂਗਾ ਔਰ ਅਗਰ ਕੋਈ ਕਸੂਰਵਾਰ ਜਾਪਿਆ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਮੁਨਾਸਿਬ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਕੁਝ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਮੌਲਵੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਕ ਗੱਲ ਬਿੱਜੂ ਵਾਲੀ ਵੀ ਕਹੀ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਬਿਜੂ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਅੱਛੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ਸ਼ਾਇਦ ਮੇਰੀ ਵੀ ਸ਼ਕਲ ਅੱਛੀ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬੰਦਾ ਫੇਰ ਵੀ ਅੱਛਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇ ਕਰ ਉਹ ਅਛਾ ਕੰਮ ਕਰੇ। ਮੈਂ ਮੌਲਵੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਗੱਲ good spirit ਵਿਚ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਇਕ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ relief ਦੇਣ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਇਹ ਪਹਿਲਾਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਪਿਛੋਂ ਦਿਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਅਲਿਕ ਮੈਂ ਇਹੋ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੌਲਵੀ ਸਾਹਿਬ ਵਕਤਨ ਫਵਕਤਨ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਜੇ ਕੋਈ ਖਾਸ ਚੀਜ਼ ਹੁੰਦੀ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਉਸ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਕਰਦੇ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਵੀ ਕੋਈ ਤਕਲੀਫ ਦੀ ਗੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਅਰਜ਼ੀ ਪਰਚਾ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਕਰਦੇ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਕਦੇ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਨਹੀਂ ਆਈ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਗੱਲ ਏਥੇ ਮਹਿਜ਼ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਦੀ ਖਾਤਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਵਰਨਾ ਅਸਲੀਅਤ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੌਲਵੀ ਸਾਹਿਬ ਜੇ ਕੋਈ ਖਾਸ case ਸਾਡੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਗੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਰਫਾ ਕਰਨ ਦੀ ਪੂਰੀ ਪੂਰੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਾਂਗੇ।

ਡਾਕਟਰ ਮੰਗਲ ਸੇਨ ਜੀ ਨੇ ਬਾੜ੍ਹ ਪੀੜਤ ਇਲਾਕੇ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਸਿਲਸਲੇ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਗੱਲ ਕਹੀ ਕਿ ਹਜ਼ਾਰਾਂ refugees ਜਿਹੜੇ joint ਪੰਜਾਬ ਤੋਂ ਆਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਕਾਨ ਗਿਰੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਸਹਾਇਤਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਾਕਫੀਅਤ ਲਈ ਦਸ ਦਿਆਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ relief ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਬਾਕਾਇਦਾ ਕਾਇਦੇ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਕੋਈ officer ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਹੋ ਕੇ ਸਹਾਇਤਾ ਵੀ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਹਾਂ ਜੇ ਕੋਈ ਐਸਾ case ਉਹ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ

ਲਿਆਉਣਗੇ ਜਿਸ ਰਾਹੀਂ ਇਹ ਸਾਬਤ ਹੋਵੇ ਕਿ ਕਿਸੇ ਨਾਲ ਬੇ-ਜ਼ਾਬਤਗੀ ਹੋਈ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਮੁਨਾਸਬ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਦੂਜੀ ਗੱਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਹੀ ਕਿ ਰੋਹਤਕ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਤਕਾਵੀਆਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀਆਂ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਕ question ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਵੀ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ urban area ਨੂੰ ਤਕਾਵੀਆਂ ਦੇਣ ਲਈ rules ਬਣੇ ਹੋਏ ਨਹੀਂ ਹਨ ਜਿਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕੋਈ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਿਹਾ। ਅਸੀਂ ਹੁਣ ਏਥੇ ਵੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇਣ ਲਈ rules ਬਣਾ ਰਹੇ ਹਾਂ ਮਾਰਚ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਮਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਡਾਕਟਰ ਮੰਗਲ ਸੈਨ ਜੀ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਖੁਸ਼ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇਣ ਦੇ rules ਬਣਾਏ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਅਸੀਂ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਇਥੇ ਇਹ ਸਿਲਸਿਲਾ ਜਾਰੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਸੰਦ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਲਈ ਵੱਡੇ ਪੈਮਾਨੇ ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣ ਵੀ ਵੱਡੇ ਪੈਮਾਨੇ ਤੇ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ।

ਬੀਜ ਦੇਣ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਵੀ ਸਹਾਇਤਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਗੱਲ ਵੀ ਪਸੰਦ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਸੱਜਣ ਨੇ ਇਹ ਗੱਲ ਕਹੀ ਕਿ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ land-lords ਨੂੰ ਹੀ ਇਹ ਬੀਜ ਮਿਲਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨੇ ਬੀਜਣ ਲਈ ਕਣਕ ਮੰਗੀ ਜੇ ਉਸ ਨੇ ਉਹ ਵੇਚ ਦਿਤੀ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਬੀਜਣ ਵਾਸਤੇ ਕਿਤੇ ਹੋਰ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇਗੀ, ਖਰੀਦ ਕੇ ਜਾਂ ਆਪਣੀ। ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਲੋੜਵੰਦਾ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜੇ ਕੋਈ ਜਟ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਚਾਹੇ ਉਹ ਵੱਡਾ ਹੋਵੇ ਚਾਹੇ ਛੋਟਾ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਬਿਜਾਈ ਲਈ ਦੇਣੀ ਹੈ। ਕੋਈ ਉਸ ਤੋਂ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾਵੇ ਯਾ ਨਾਂ। ਇਤਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਅਰਜ਼ ਸਮਾਪਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

3.00 p. m.

लोक कार्य मन्त्री (चौधरी सूरज मल) : डिप्टी सपीकर साहिब, मेरे साथी पंडित श्री राम शर्मा ने नुक्ताचीनी की और उस के बाद बाहर निकल गए। इस वक्त अगर वह यहां मौजूद होते तो थोड़ी बहुत नुक्ता चीनी उन्होंने Capital Project के बारे में की उनका जवाब उन के सामने देना चाहता था। बहरहाल मेम्बरान की गलत फहमी को दूर करके के लिए, जोकि पंडित जी ने पैदा करने की कोशिश की, यह अर्ज करना चाहता हूँ कि यहां पर जब शुरू शुरू में दुकानें बनीं तो वह दुकानें ऐसे तरीके से बनीं कि जो छोटे booths थे उन को हलवाइयों ने या जो restaurants चलाने वाले थे उन्होंने भी ले लिया। दुकानें चूंकि छोटी थीं, इसलिए उन में न खाने पकाने का सामान आ सकता था, न लोग बैठ कर रोटी वगैरह खा सकते थे और न ही चूल्हा वगैरह रखने की जगह थी। तमाम कूड़ा करकट वहीं पर डाला जाता था। लोग बरामदे में बैठ जाते थे, बरामदे में ही वह चूल्हे वगैरह लगा लेते थे जिसकी वजह से आमदो-रफ्त में रुकावट होती थी और खासी गन्दगी रहती थी। इस बात का नोटिस हमारे हैल्थ के महकमा ने लिया और कहा कि यह दुकानें छोटी हैं और हलवाई के काम के लिए ठीक नहीं हैं, आप बड़ी दुकानें लीजिए। वह कहने लगे कि हमें ऐसी दुकानें मिलती नहीं। इस पर सरकार

[लोक कार्य मन्त्री]

ने उन से कहा कि आप के लिए हम बड़ी दुकानें बनवा देते हैं आप यह दुकानें छोड़ कर वहां आ जाएं। उन में चीज़ें पकाने और बैठने का ठीक इन्तज़ाम होगा और गन्दगी नहीं फैलेगी। शहर की सुन्दरता खराब नहीं होगी। इस तरह उनकी मर्ज़ी से 17 दुकानें बना दी गईं और यह रियात की गई कि यह उन्हीं को दी जाएंगी जो दूसरी तरफ बैठे हुए हैं वरना अगर नीलामी होती तो सरकार को काफी ज़्यादा रुपया मिल सकता था और भारी किराए पर चढ़ाई जा सकती थीं। मगर सरकार ने सोचा कि इन हलवाइयों ने इस शहर में पहले आकर इस के बसाने में मदद की है, इन से रियायत की जाए। इसलिए उन को रियायती किराये पर यह दुकानें दी गईं। उन 17 आदमियों में से 16 आदमी तो अपनी पुरानी दुकानें छोड़ कर नई दुकानों में आ गए हैं मगर एक साहिब जिन को किसी बड़े आदमी की थोड़ी सी मदद हासल थी उसने वहां जाना मुनासब नहीं समझा और कहा कि मैं तो इसी दुकान में और काम करूंगा। इस सिलसिले में पंडित जी ने गिला किया है, एक दो दफा कहने की भी कोशिश की लेकिन बात चूंकि माकूल नहीं थी हम इन की खाहिश पूरी न कर सके। पंडित जी तो अपना गुस्सा निकाल कर चले गए लेकिन असलियत यह है कि किसी tenant के साथ बेइन्साफी नहीं की गई, किसी को दबाया नहीं गया। न सैक्रेटरी ने, न Under-Secretary ने कोई ऐसी बात नहीं की जिस से साबत हो कि किसी के साथ जुल्म हुआ है या ज़बर्दस्ती हुई है ? मैं उम्मीद करता हूं कि जो गलतफहमी पंडित जी ने मैम्बरान के दिल में पैदा करने की कोशिश की वह इन facts के पेशे नज़र पैदा नहीं होगी। आप यकीन रखें कि किसी tenant के साथ रियायत तो हो सकती है ज्यादती नहीं हो सकती। मुझे यही अर्ज़ करना था।

उद्योग मन्त्री (पंडित मोहन लाल): Deputy Speaker साहिब, एक दो बातें जो ज्यादा तादाद में मैम्बर साहिबान की तरफ से कही गई उन का जवाब ज्ञानी जी ने दे दिया है। कुछ बातें यहां पर सिर्फ दोहराई गई हैं। Supplementary Demands पर बहस के वक्त इन का जवाब दिया जा चुका है मगर मैम्बर्ज़ ने उस को ध्यान में नहीं रखा था नज़र अन्दाज़ कर दिया।

पंडित राम किशन जी ने दो बात कहीं। एक तो गवर्नर साहिब का जो House शिमले में है, उस के बारे थी। इस का जवाब तो दे दिया गया मगर इन्होंने उसे ध्यान में नहीं रखा। मैंने बताया था कि यहां पर गवर्नर साहिब Circuit House में ठहरे हुए हैं और उन्होंने खुद अपनी मर्ज़ी से यहां अपना राजभवन नहीं बनवाया बिना अपने सुख और आराम की परवाह किए जोकि उन्हें उस के बनने पर मिल सकता है। इस को तो पंडित राम किशन ने ध्यान में नहीं रखा लेकिन मैं उनको नावाकफियत पर हैरान हुआ जबकि उन्होंने कहा कि Prime Minister और President अगर दिल्ली में रह कर काम कर सकते हैं तो इन को क्या मुश्किल है और कहाकि air-conditioning की सुविधाएं यहां ही मिल सकती हैं तो गवर्नर साहिब यहां ही काम क्यों नहीं कर सकते। शायद पंडित जी को इस बात का ध्यान नहीं रहा, या इल्म नहीं या जान बूझ कर कह गए, मैं नहीं कह सकता कुछ भी हो मैं उन की वाकफियत के लिए अर्ज़ करूं कि राष्ट्रपति भवन शिमला में मौजूद है। वह वहां पर जाया ही करते हैं। सो यह मुकाबला करके पंडित जी ने गलती ही की है। और यह तो उस party से ताल्लुक रखते हैं, मैं नहीं कहता मगर आम सुना जाता है कि जिस की

policy तोड़ फोड़ की है। यह शायद सोचते हों कि उस सुन्दर राजभवन को इन के हवाले कर दिया जाए ताकि यह उसे अपने ख्याल के मुताबिक तोड़ फोड़ सकें। इन को शायद इस बात में कोई वज़न दिखाई देता हो मुझे तो इस में कोई अच्छी बात दिखाई नहीं देती। इन्होंने कोई suggestion भी नहीं दी (*interruption*)

मैं समझता हूं कि House की majority को यह बात पसन्द नहीं है। गवर्नर साहिब पर इस तरह से यहां पर बेबुनियाद नुक्ताचीनी करना ठीक नहीं जबकि उन्होंने खुद अपने comforts को sacrifice किया है।

दूसरी बात इन्होंने privy purses के बारे demand नम्बर 13 के बारे कही है। यह बहुत पुराना मसला है। इस पर बार बार कहना अच्छा नहीं है। कोई नई दलील या बात तो इस में आती नहीं। और खास तौर पर जहाँतक स्टेट गवर्नमेंट का ताल्लुक है कोई directly बात नहीं आती, इसलिए मैं हर चीज़ को बार बार नहीं दुहराऊंगा। मैं सिर्फ डिमांड नं० 13 के मुताल्लिक ही जवाब ूंगा। मुझे अफसोस है कि मेरे दोस्त इस को पढ़ कर नहीं आए और अगर पढ़ कर आए भी हैं तो उन्होंने इस पर मुनासिब ध्यान नहीं दिया। मैं मैम्बर साहिबान की वाकफियत के लिए यह जो explanatory memorandum है उसकी लाइें पढ़ कर सुनाता हूं।

> "In the year, 1953, it was decided by the erstwhile Pepsu Government, in consultation with the Government of India, that the Income-tax and Trustees expenses in addition to the annual allowance of Rs. 15,000 payable to Mrs. Olive J.K. Knight should be borne by the erstwhile Pepsu State. Consequently this liability had been undertaken by the Punjab Government after integration of Pepsu".

तो यह एक साधारण बात है जिसको समझना बड़ा आसान है कि पहले जो पैप्सू स्टेट थी उसका एक फैसला Government of India की सलाह स हुआ और जैसा कि आप जानते हैं कि उस वक्त के जो फैसले हैं वह यह सरकार honour bound है और हम ने उन पर पाबन्दी रखी है। इसलिए, यह जो allowance वगैरह दिए जाएं या income-tax दिया जाए उसके लिए हम ऐतराज़ नहीं कर सकते जैसा कि मैम्बर साहिबान ने किया है। अगर सरदार आत्मा सिंह यहां होते तो अच्छा होता लेकन अब वह उठ कर चले गए हैं। उन्होंने अपने बाजुओं को ऊंचा ऊंचा हिला कर बातें कहीं और मैंने उन को उस वक्त बहुत खुश देखा जबकि मौलवी अब्दुल ग़नी डार speech कर रहे थ। उनकी खुशी उनको मुबारिक हो लेकिन मैं उनको मुहतात किए देता हूं कि मौलवी साहिब की हमदर्दी सोच सममझ कर इस्तेमाल कें वरना कहीं यह महंगी न पड़ जाए। मैं मौलवी साहिब की उस चाल में फंस कर इस वक्त कुछ नहीं कहना चाहता जिसम कि वे फंसाना चाहते हैं। उहोंने आन्दोलन करने वालों की अब वकालत की है जबकि आन्दोलन खत्म हो गया है। और गवर्नमेंट ने जब मुकदमे वापस ले लिए तो मौलवी साहिब कहते हैं कि उन लोगों पर मुकदमे क्यों नहीं चलाते।? तो इससे आप लोग अंदाज़ा लगा सकते हैं कि मौलवी साहिब स० आत्मा सिंह के साथ कितनी हमदर्दी रख ते हैं। और वह कहते कहते यहां तक कह गए कि अगर मौलवी साहिब को अख्तियार होता तो Planning Commission पर और Power Minister पर मुकद्दमा चलाते लेकिन उन की नीयत

[उद्योग मन्त्री]
देखते हुए अल्लाहमियां ने पहले से ही यह ठीक नहीं समझा कि उन्हें कोई अख्तियार मिलता और न ही उन्हें कभी मिलेगा। हमारी गवर्नमेंट के काम के बारे में जहां तक ताल्लुक है उसके बारे में मैं यह कह सकता हूं कि उसने तथा उसके चीफ मिनिस्टर ने बहुत अच्छा काम किया है और चीफ मिनिस्टर को इस स्टेट के साथ जितनी दिलचस्पी है वह सब बताने के लए काफी समय चाहिए। जो मौलवी साहिब कहते हैं उसके सुनने के हम आदि हो गए हैं।

रोहतक के एक मैम्बर साहिब ने यहां पर speech की। अब वह इस समय यहां बैठ नहीं हैं लेकिन मैं उनके बारे में यही कहना चाहता हूं कि वह अपनी मनमानी बात करते हैं। पिछली दफा, डिप्टी स्पीकर साहिब, स्पीकर साहिब ने कहा था कि उनकी बात को seriously न लिया करो, इसलिए एक दफा मैंने उनकी बात का जवाब भी नहीं दिया था और आज भी मेरा वही विचार है कि उनकी बातों का मैं कोई नोटिस न लूं। यह सब जानते हैं कि उनकी ज़बान ही काबू में नहीं है और यह भी हो सकता है कि उनके अपने ख्याल भी उनके काबू में नहीं। लेकिन जो बात State trading बारे में उन्होंने कही उस के बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि उनके दिमाग पर किसी सरमायेदार के पैसे का असर है और इसलिए हक़ पूरा करने के लिए वह यहां बार बार यह बात कहते हैं। आज मैं State trading के बारे में ज्याद नहीं कहना चाहता क्योंकि मैं पहले भी कई बार अच्छी तरह से इस के बारे में बतला चुका हूं। मैं यह फिर कहता हूं कि यह जो State trading है वह middle class के लिए है और growers and consumers दोनों के लिए है और यह बात मैं दावे से कह सकता हूं कि उस वक्त से पंजाब में इन सब का interest safeguard किया गया है जब से हम ने state trading की है। इससे पहले कभी नहीं हुआ था। इतना मैं जानता हूं। (*cheers*)

ਸ੍ਰੀ ਰਾਮਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਇਸ ਤੇ ਕਾਇਮ ਵੀ ਰਹਿਣਾ ।

उद्योग मन्त्री : जनाब डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं यह बात दावे से कह सकता हूं कि जहां तक अनाज की trading का सवाल है यह एक ideal नमूना बना हुआ है। यहां पर मैम्बर साहिब ने यह कहा था चूंकि State Government को Central Government ने मजबूर किया इस लिए कुछ differences create हो गए हैं और पंजाब सरकार State trading छोड़ना चाहती है। लेकिन मैं यह बात साफ तौर पर बतलाना चाहता हूं कि अभी तक हमने State trading छोड़ने का कोई इरादा नहीं किया है। और State trading को centre के मिनिस्टर साहब ने असूल के तौर पर माना लेकिन इस वक्त उनके अपने विचार हैं। वे कहते हैं कि इस वक्त हालात ऐसे हैं कि सिर्फ गंदम के मुतअल्लिक State trading को जारी रखना जरूरी नहीं। यह हमारा और Central Government का सम्बन्ध है। उसमें ये आने वाले पता नहीं कौन हैं। जहां तक मैं जानता हूं Central Food Minister साहिब का पक्का विचार है कि वे growers को पूरी protection देंगे और price support की पालिसी को जारी रखने के हक में हैं। हमारे कुछ साथियों के दिमाग़ में state trading का हौआ बैठा हुआ है। ये यह चाहते हैं कि इन का काम अच्छी तरह से न चले और उन्हें किसानों को भड़काने का मौका मिले। ये चाहते हैं कि 1958 के से हालात पैदा हों। (घंटी) दूसरी बातों का जवाब दूसरे मिनिस्टर साहिबान ने दिया है। इसलिए मैं आशा रखता हूं कि हाउस इस बिल को पास करेगा।

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That the Punjab Appropriation Bill be taken into consideration atonce.

The motion was carried.

CLAUSE 2

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 3

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

SCHEDULE

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That the Schedule stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 1 AND THE TITLE

Mr. Deputy Speaker : Question is

That Clause 1 and the Title stand part of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That the Punjab Appropriation Bill be passed.

(At this stage some hon. Members rose to speak).

Mr. Deputy Speaker : No. Please . No time will be given to any hon. Member as the guillotine has been applied.

श्री मुनी लाल कामरेड : जनाब, स्पीकर साहिब ने फरमाया था कि जिन को पहली reading पर बोलने का मौका नहीं मिला उन्हें Third Reading stage पर बोलने का मौका दिया जाए गा ।

Mr. Deputy Speaker : The hon. Member should see Rule 225 of the Rules of Procedure and Conduct of Busines s in the Punjab Legislative Assembly.

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That the Punjab Appropriation Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker : The House stands adjourned till 11.00 A.M. tomorrow.

3-35 p.m.

(The Assembly then adjourned till 11.00 *a. m. on Tuesday, the 7th March*, 1961

12950 PVS—350—20-12-61 C., P. and S., Pb., Chandigarh.

ANNEXURE

[Please see foot-note at page (11)138 of the Debate, dated 6th March, 1961, Volume I, No. 11]

VILLAGES AFFECTED BY G.H.K. DRAINAGE SYSTEM IN KARNAL DISTRICT

3664. Shri Ram Piara : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :—

(a) the present capacity of G. H. K. Drains (G.H.K. Drainage System) near Karnal together with the details of the volume of water which passed through these drains during the period from 15th July, 1961 to date giving the maximum flow during this period ;

(b) whether it is a fact that this G. H. K. Drainage System has affected some of the surrounding villages ; if so, the names of such villages together with the loss caused in each of the village by overflow, leakage or breaches in the said drains ;

(c) whether it is a fact that the G. H. K. Drains have been breached at several points ; if so, at how many points and the reasons therefor ;

(d) whether the Government has taken any steps to save the village so affected ; if so, what ?

Sardar Gian Singh Rarewala : (a) The present designed capacity of the G. H. K. Drainage System near Karnal is 67 Cs. The discharge carried by the G. H. K. Drainage System during the period 15th July, 1961, to date has been varying between 181 Cs. to 60 Cs. The maximum discharge passed was of the order of 181 Cs. which was almost 2½ times the designed capacity of the Drains.

(b) Yes. The following villages were affected due to the spilling of flood water :—

(i) Keri Naru (ii) Ghogripur, (iii) Dadupur, (iv) Pingli, (v) Jundla, (vi) Jani.

The amount of loss to the above villages is yet awaited from the Revenue Department, and will be intimated on receipt.

(c) Due to excessive discharge spilling took place at six places.

(d) It is proposed to increase the capacity of this drainage system during the Third Plan period when the funds become available.

ALLOTMENT OF LAND TO LANDLESS TENANTS AND SCHEDULED CASTES AGRICULTURISTS

3384. Sardar Ramdayal Singh : Will the Minister for Revenue be pleased to state —

(a) the area of land lying fallow in the State at present which belongs to Government ;

(b) the number of landless tenants of Scheduled Castes settled on the land referred to in part (a) above in the years 1958-59 and 1959-60 ;

(c) the number of applications of landless tenants or Scheduled Castes Agriculturists pending with the Government for allotment of Government land ;

(d) the terms on which such land is allotted to landless agriculturists ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) 59,419.43 acres.

(b)	*1958-59*	*1959-60*
	477	256

(c) 434.

(d) Under the provisions of Nazool Lands (Transfer) Rules, 1956, the land is transferred to the members of Scheduled Castes on permanent basis on payment of its price equal to ninety times of land revenue of Rs 200 per acre whichever is less in 20 equal six-monthly instalments.

GOOD WILL MISSION TO LAHORE ON 18TH JANUARY, 1961

3368. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the names of Ministers and officials who visited Lahore on 18th January, 1961, the purpose of this visit and the total amount of T. A., D. A. drawn by each of them and the expenditure incurred on petrol , etc., consumed in their staff cars ;

(b) the criterion kept in view for selecting publicmen to accompany the delegation mentioned in part (a) above ;

(c) whether transport arrangements of those referred to in part (b) above were made by Government ; if so, the expenditure incurred thereon ;

(d) the total amount of expenditure incurred on Pakistani delegation which visited Amritsar on 19th January, 1961 ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) The requisite information is given in the attached statement.

(b) The criterion kept in view for selecting public men to accompany the delegation was that they should be influential and proper representatives of border areas and should represent a cross section of society.

(c) The public men travelled in the cars of Ministers, Deputy Ministers and other Officers who went to Lahore and as such no expenditure was incurred on their transport.

(d) Rs 9,284.23.

List of Ministers and officials who visited Lahore on the 18th January, 1961, in connection with the Indo-Pakistan Border Settlement and the total amount of T. A., D. A. drawn by each of them and the expenditure incurred on Petrol, etc., consumed in their staff cars.

	Name of Minister/Official	Expenditure on T.A. and D. A.	Expenditure on Petrol	REMARKS
	1	2	3	4
		Rs nP.	Rs nP.	
1.	Sardar Partap Singh Kairon, Chief Minister, Punjab ..	15.00	21.69	
2.	Pt. Mohan Lal, Industries Minister, Punjab ..	3.75	33.26	
3.	Giani Kartar Singh, Revenue Minister, Punjab ..	..	30.85	
4.	Sardar Gian Singh Rarewala, Agriculture and Forest Minister, Punjab ..	15.00	23.35	
5.	Sardar Gurbanta Singh, Community Development Minister, Punjab ..	15.00	25.55	
6.	Chaudhri Suraj Mal, Public Works Minister, Punjab ..	15.00	37.84	
7.	Dr. Parkash Kaur, Deputy Minister, Social Welfare and Health, Punjab ..	2.50	17.91	
8.	Sardar Niranjan Singh Talib, Deputy Minister, Public Works, Punjab ..	10.00	20.68	
9.	Sardar Gian Singh Kahlon, I.C.S., Financial Commissioner, Revenue, Punjab ..	10.00	..	
10.	Shri E. N. Mangat Rai, I. C. S., Chief Secretary, Punjab ..	20.00	97.26	
11.	Shri V. P. Gautama, I. A. S., Secretary to Governor, Punjab ..	30.46	21.28	
12.	Shri C. P. Varma, A. D. C. to Governor, Punjab ..	3.12	..	
13.	Sardar Gurdial Singh, I. P., Inspector-General of Police, Punjab ..	10.00	94.50	
14.	Shri Ashwani Kumar, I. P., Additional Inspector-General of Police, Punjab ..	10.00	..	
15.	Shri R. S. Randhawa, I. A. S., Commissioner, Jullundur Division, Jullundur ..	30.00	57.38	
16.	Shri H. S. Achreja, I. A. S., Deputy Commissioner, Amritsar ..	1.25	..	
17.	Shri Bhim Singh, I. A. S., Deputy Commissioner, Ferozepore ..	45.00	50.00	

	Name of Minister/Official	Expenditure on T.A. and D.A.	Expenditure on Petrol	REMARKS
	1	2	3	4
		Rs nP.	Rs nP.	
18.	Shri K. C. Pandey, I. A. S., Deputy Commissioner, Gurdaspur ..	6.25	21.50	
19.	Shri S. P. Jain, I. A. S., Deputy Secretary, Administration and Political ..	79.75	..	
20.	Shri L. R. Malhotra, I. P. S., Deputy Inspector-General of Police (P. A. P. Range), Jullundur ..	7.50	60.00	
21.	Shri S. N. Ravikant, Officer on Special Duty (Planning) ..	85.19	..	
22.	Shri Trilochan Singh, Superintending Engineer, Irrigation, Amritsar ..	4.37	..	
23.	Shri P. L. Chopra, Superintending Engineer, Irrigation, Ferozepur ..	44.75	..	
24.	Sardar Ranjit Singh, I. P. S., Senior Superintendent of Police, Amritsar ..	..	..	
25.	Sardar Bakhtawar Singh, I. P. Senior Superintendent of Police, Border, Amritsar	..	..	
26.	Shri Inder Jit Verma, I. P., Senior Superintendent of Police (Border), Ferozepore ..	..	..	
27.	Shri Randip Singh, I. P. S., Superintendent of Police, Gurdaspur ..	7.50	..	
28.	Shri Baljit Rai Sur, I. P. S., Superintendent of Police (Border), Gurdaspur ..	6.25	–	
29.	Shri O. G. Adya, P. C. S., Under-Secretary to Government, Punjab, Revenue Department ..	7.50	..	
30.	Sardar Kartar Singh, P.C.S., Director of Land Records, Punjab ..	17.28	..	
31.	Shri Rajinder Sareen, Deputy Director, Public Relations ..	102.17	..	
32.	Shri Amar Nath, Photo and Cinema Officer	..	..	
*33.	Col. S. K. S. Mudaliar, Director, Survey of India, Dehradun ..	..	..	*As these officers do not belong to Punjab Government information in respect of them is not available
*34.	Major T. S. Bedi, Officer Incharge, Survey of India, Bikaner (Rajasthan) ..	..	..	

	Name of Minister/Official	Expenditure on T.A. and D.A.	Expenditure on Petrol	REMARKS
	1	2	3	4
35.	Shri Mohinder Singh, Political Secretary to Chief Minister ..	..	..	
36.	Shri Tulsi, Personal Attendant ..	0.50	..	
37.	Shri Karam Singh, Gun-man ..	..	..	
38.	Shri Bakhshish Singh, Driver ..	2.69	..	
39.	Shri Babu Singh, Driver ..	2.94	..	
40.	Shri Modan Singh, Driver ..	2.44	..	
41.	Shri Hira Singh, Driver ..	2.44	..	
42.	Shri Anant Ram, Driver ..	2.69	..	
43.	Shri Bakhtawar Singh, Driver ..	3.19	..	
44.	Shri Hans Raj, Driver ..	3.06	..	
45.	Shri Pritam Singh, Driver ..	3.00	..	
46.	Shri Sampuran Singh, Driver ..	0.75	..	
47.	Shri Tirath Ram, Driver ..	..	..	
48.	Shri Sarup Singh, Driver ..	36.75	..	

REGISTRATION OF LAND DEEDS IN THE STATE

3342. Shri Ram Chandra Comrade : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the value of land transferred through registered sale deeds in the State, district-wise, during 1958-59, 1959-60 and 1960-61, up to date ;

(b) the commission earned by each Registrar and Sub-Registrar in the State in respect of the registration of sale-deeds mentioned in part (a) above ?

Rao Birendra Singh : (a) Statement I is enclosed.

(b) Commission is paid to an Honorary Sub-Registrar only. A Registrar is not paid any thing for the registration and whereas, a Sub-Registrar and Joint Sub-Registrar is paid an allowance of Rs 15 per mensem for the work at each Sub-District irrespective of the fact whether the work is done by a Sub-Registrar or a Joint Sub-Registrar, independently or jointly.

Statement No. II showing the commission paid to Honorary Sub-Registrars is also enclosed.

STATEMENT No. I

Value of land transferred by sale-deeds in each district.

Serial No.	Name of District		1958-59	1959-60	1960-61
			Rs	Rs	Rs
1	Rohtak	..	3,03,92,032.83	2,63,57,801.57	2,34,82,383.40
2	Hissar	..	4,97,60,505.00	5,64,97,477.00	3,65,49,233.00
3	Karnal	..	4,28,18,150.00	3,56,34,682.00	2,84,48,400.00
4	Gurgaon	..	2,02,40,709.38	1,76,78,300.32	4,12,21,528.57
5	Ambala	..	2,41,55,995.12	2,93,81,534.58	2,27,51,092.39
6	Simla	..	3,71,482.38	8,04,311.80	6,87,239.93
7	Jullundur	..	4,77,64,497.00	3,77,38,843.00	3,49,53,640.00
8	Ludhiana	..	1,98,96,322.00	2,01,20,294.00	1,81,41,164.00
9	Amritsar	..	7,11,64,636.00	10,70,59,809.00	1,13,92,905.00
10	Ferozepur	..	7,28,46,463.00	4,51,10,509.90	4,28,30,873.89
11	Hoshiarpur	..	1,59,17,079.00	1,80,76,080.00	1,57,20,973.00
12	Gurdaspur	..	95,37,386.00	62,84,390.00	75,28,949.00
13	Kangra	..	49,54,232.00	58,54,735.85	58,62,934.72
14	Kapurthala	..	1,02,24,279.58	1,06,44,889.50	1,46,26,137.68
15	Patiala	..	1,99,22,839.00	2,16,78,787.00	1,51,81,722.00
16	Sangrur	..	3,11,93,794.00	3,23,38,401.93	2,94,11,187.66
17	Mahendragarh	..	18,00,481.42	27,85,525.00	54,79,529.24
18	Bhatinda	..	3,77,59,493.37	3,43,99,794.47	2,14,04,153.00
19	Kulu	..	16,68,993.92	18,12,088.86	20,88,828.94
20	Lahaul and Spiti		34,740.00	61,870.00	1,29,480.00

STATEMENT No. II

Commission earned by each Honorary Sub-Registrar in the State.

Serial No.	Honorary Sub-Registrar		1958-59	1959-60	1960-61
			Rs.	Rs.	Rs.
1	Rohtak	..	5,000.00	5,000.00	4,929.14
2	Sonepat	..	4,028.00	4,028.00	3,692.26
3	Jhajjar	..	3,020.04	1,903.68	2,579.97
4	Hissar	..	5,000.00	5,000.00	4,167.00

Serial No.	Honorary Sub-Registrar		1958-59	1959-60	1960-61
			Rs	Rs	Rs
5	Karnal	..	3,495.00	3,500.00	2,707.00
6	Panipat	..	4,084.00	3,406.00	2,500.00
7	Ambala	..	4,370.46	5,000.00	4,064.14
8	Kharar	..	4,973.71	4,955.82	3,685.68
9	Rupar	..	5,190.31	4,791.98	3,658.53
10	Naraingarh	..	2,084.42	2,618.78	2,857.61
11	Chandigarh	..	..	..	68.00
12	Jullundur	..	5,000.00	2,590.02	..
13	Phillaur	..	5,000.00	5,000.00	5,000.00
14	Nawanshahr	..	5,000.00	5,000.00	5,000.00
15	Nakodar	..	5,000.00	5,000.00	5,000.00
16	Ludhiana	..	5,000.00	5,000.00	4,583.00
17	Jagraon	..	5,000.00	4,075.00	3,983.00
18	Samrala	..	5,000.00	5,000.00	4,570.00
19	Malaud	..	1,262.00	2,670.00	..
20	Amritsar City	..	5,000.00	5,000.00	4,763.34
21	Amritsar Tehsil	..	5,000.00	5,000.00	4,887.35
22	Tarn Taran	..	5,000.00	5,000.00	5,000.00
23	Ajnala	..	4,080.12	4,698.90	4,717.19
24	Ferozepore	..	2,907.00	2,803.70	2,873.40
25	Moga	..	2,907.00	2,803.70	2,873.40
26	Zira	..	2,907.25	2,803.70	2,873.40
27	Hoshiarpur	..	3,478.92	3,479.92	2,899.10
28	Garhshanker	..	4,999.92	4,999.92	4,999.92
29	Una	..	2,934.92	3,139.92	2,923.26
30	Dasuya	..	2,884.27	3,758.19	3,607.90
31	Mukerian	..	1,276.08	1,670.70	1,433.24
32	Gurdaspur	..	5,000.00	5,000.00	5,000.00
33	Batala	..	5,000.00	5,000.00	5,000.00

Note.—An Honorary Sub-Registrar only receives commission.

ENQUIRIES AGAINST TEHSILDARS

3398. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the names of the Tehsildars in the State against whom enquiries were being held as on 15th February, 1961, together with the names of the officers holding the said enquiries ;

(b) the stage at which the said enquiries were as on the date mentioned in part (a) above ;

(c) the names of the complaints in each case together with the particulars of the complaints ?

Rao Birendar Singh : A statement containing the requisite information is as follows :—

LIST OF TEHSILDARS AGAINST WHOM DEPARTMENTAL ENQUIRIES WERE BEING HELD ON 15TH FEBRUARY, 1961

(a)		(c)		(b)
Name of the Tehsildar	Name of the Enquiry Officer	Name of the complainant	Particulars of complaints	Stage of the enquiry on 15th Febuary, 1961
1. Shri Didar Singh, Formerly Tehsildar, Patti and now under suspension.	Vigilance Department	Shri Haku, son of Shri Saku and Shri Rulka, son of Shri Basanta, residents of Garhshankar.	Allegations regarding misuse of official position.	The enquiry report is under consideration of Government.
2. Shri Hem Raj, formerly Tehsildar, Fatehbad and now at Kasauli.	Shri Gobinder Singh, I.A.S., E.O.II	Inspector, C. I. D., Incharge, A.C.O. Staff, Fatehbad.	Allegations regarding irregularities committed in mutation cases.	Enquiry is being conducted by Shri Gobinder Singh, I.A.S., of the Vigilance Department.
3. Shri Roshan Lal Sharma, formerly Tehsildar, Rupar, and now at Nuh.	Commissioner, Ambala Division	Sarvshri Naurata Singh and Ishar Singh, Organisers, District Ambala Congress Kisan Section.	Allegations regarding irregularities committed in the auction of evacuee Kikar trees.	Reply to the charge-sheet is under examination.
4. Shri Narindar Nath, formerly Tehsildar, Kapurthala, and now at Narnaul.	Vigilance Department	Rehabilitation Department.	Misuse of official position.	The enquiry is being conducted by the Vigilance Department.
5. Shri Jagdip Singh, formerly Tehsildar, Mohindergarh and now under suspension.	Ditto	Sarvshri Sohan Singh and Kahla Singh.	Irregularities committed in mutation cases.	Ditto
6. Shri Dalip Singh formerly Tehsildar, Mohindergarh and now under suspension.	Shri R. S. Kang, I.A.S., E.O.I. and Shri Gobinder Singh, I.A.S., E.O.II	Shrimati Narinder Kaur, widow of Bhai Gurkirat Singh, near Railway Station, Nabha.	Allegations regarding unauthorised payments of compensation in the acquisition of land for Model Town at Patiala.	Enquiry is being conducted by D. S. P. (Vigilance), Patiala.
7. Shri Siri Bhan, Tehsildar.	Commissioner, Patiala Division	Rehabilitation Department.	Acted beyond jurisdiction in entertaining time-barred applications and sanctioning exchange of land irregularly.	Reply to the charge-sheet is under consideration.

SEEDS DISTRIBUTED TEHSIL-WISE DURING 1960-61

3402. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state—

(a) the quantity of seed of each commodity distributed, tehsil-wise, during the year 1960-61 ;

(b) whether any of the parties or societies was supplied more than one hundred maunds of seeds ; if so, the names of such parties/and Societies, the quantity given to each, and the conditions on which it was given ?

Giani Kartar Singh : (a) and (b) The requisite information is as follows :—

Subject.—Quantity of Seed of each commodity distributed tehsilwise during 1960-61 (in maunds).

Name of District	Name of Tehsil	Wheat	Gram	Bajra	Rice	Maize	Cotton	Groundnut
Gurgaon ..	Gurgaon ..	2,149	1,393	..	..	..	..	..
	Ballabgarh ..	804	6	6	5	18	15	½
	Palwal ..	27	5	3/8	..	10	172	2
	Rewari ..	640	39	109	..	2	..	1
	Ferozepur Jhirka ..	614	18	..	..	..	..	3
	Nuh ..	950	710	2	..	..	15	..
Rohtak ..	Rohtak ..	31,080	12,583	41	15	23	415	..
	Gohana ..	60,218	23,145	11	20	4	750	..
	Jhajjar ..	20,490	8,340	27	2	2	160	..
	Sonepat ..	22,498	15,368	10	16	10	175	..
Bhatinda ..	Bhatinda ..	800	4	20	..	18	3,021	..
	Mansa ..	32,000	2	50	4	10	783	..
	Faridkot ..	900	10	18	..	24	3,039	..
	Sirsa ..	1,400	50	..	..	..	..	..
Hissar ..	Hissar ..	1,258	44	38	10	8	1,075	..
	Tohana ..	441	10	..	..	..	..	..
	Hansi ..	162	79	5	6½	1	2,415	..
	..	18,892	14,774	..	..	..	..	..

Name of District	Name of Tehsil	Wheat	Gram	Bajra	Rice	Maize	Cotton	Groundnut
Hissar—*concld*								
	Bhiwani ..	430	132	21	..	..	170	..
	Fatehabad ..	700	10	..	..	..	..	..
Ludhiana ..	Ludhiana ..	1,777	89	2½	23	61	3,023	..
	Jagraon ..	913	52	5	..	90	1,512	..
	Samrala ..	959	1½	..	..	56	2,602	..
Narnaul ..	Narnaul ..	272	152	95	..	..	1	3
	Mohindergarh ..	44	49	52	..	..	1½	3
	Dadri ..	132	246	50	..	..	1	15½
Kangra ..	Lahaul and Spiti ..	63	..	..	..	..	..	..
	Kulu ..	120	..	..	12	..	..	..
	Banjar (Sub-Tehsil) ..	180	..	..	2	..	..	..
	Nirmand (Sub-Tehsil) ..	40	..	..	1	..	..	..
Jullundur ..	Jullundur ..	1,241	608	13½	23	47	323	8
	Nakodar ..	923	34	4	19	5	571½	..
	Phillaur ..	1,668	72¼	5¼	3¼	42¼	336	..
	Nawanshahr ..	7,937	59¼	5	8¼	15	210	..
Hoshiarpur ..	Hoshiarpur ..	3,299	..	..	..	13	2	..
	Dasuya ..	866	..	..	2	15	27½	..

Kangra (Supplementary)	..	Garhshankar	..	7,929	..	..	..	44	66	..
		Una	..	416	..	..	15	40	..	..
		Kangra	..	622	..	..	104	..	..	..
		Palampur	..	394	..	..	84	..	..	..
		Hamirpur	..	786½	..	..	107	..	..	..
		Dehra	..	501	..	..	98	..	..	..
		Nurpur	..	180	..	..	103	..	..	..
Karnal	..	Karnal	..	810	..	..	23	24	175	..
		Thanesar	..	1,057	..	..	148	40	85	..
		Panipat	..	1,050	..	..	100	..	150	..
		Kaithal	..	510	..	..	200	14	800	..
Gurdaspur	..	Gurdaspur	..	2,158	..	..	143	50	11	..
		Batala	..	3,084	..	..	125	33	62	..
		Pathankot	..	665	..	..	80	..	16	..
Sangrur	..	Sangrur	..	223,959	80,687	..	44	105	2,517	60
Amritsar	..	Amritsar	..	1,034	..	..	103	13	97	..
		Tarn Taran	..	7,817	..	..	152	57	204	..
		Ajnala	..	1,613	..	..	93	15	81	..
		Patti	..	1,251	..	..	23	18	802	..
Ferozepur	..	Ferozepur	..	2,730	500	20	182	42	1,508	..
		Moga	..	6,406	100	5	..	113	1,057	..

Name of District	Name of Tehsil	Wheat	Gram	Bajra	Rice	Maize	Cotton	Groundnut
Ferozepur—*concld.*	Zira ..	1,300	400	40	360	40	108	..
	Fazilka ..	4,835	149	8	200	70	6,023	..
	Mukatsar ..	2,200	69	15	..	60	6,071	..
Kapurthala ..	Kapurthala ..	2,661	320	2	111	96	89	83
	Phagwara ..	1,986	40	2	32	28	..	..
Patiala ..	Patiala ..	166,066	31,548	..	30	85	1,000	..
	Nabha ..	37,910	7,440	..	50	10	600	..
	Rajpura ..	21,641	707	..	31	32	600	22
	Sirhind ..	42,125	6,342	..	24	30	1,200	..

Names of parties/societies to whom more than 100 maunds of seeds were supplied.

Narnaul District

Name		Seed	Mds.	Srs.	Chh.
The Narnaul Marketing Co-operative Society, Narnaul Commission of Re 0-4-0 per maund	..	Wheat Seed	158	8	12
District Wholesale Society, Mohindergarh	..	Ditto	151	20	0
The Co-operative Marketing Society, Ch. Dadri	..	Ditto	100	0	0
		Gram	146	0	0
Amritsar District					
M/s Buta Mal-Sant Ram, Amritsar	..	Wheat Seed	305	0	0
Co-operative Marketing Society, Gehri	..	Ditto	369	39	0
Co-operative Marketing Society, Amritsar	..	Ditto	400	0	0
Co-operative Marketing Society Putlighar, Amritsar	..	Ditto	522	20	0
Co-operative Marketing Society, Attari, Amritsar	..	Ditto	150	0	0
Co-operative Marketing Society, Hoshiar Nagar	..	Ditto	100	0	0
Co-operative Marketing Society, Chabhal	..	Ditto	150	0	0
Tarn Taran Kisan Co-operative Marketing Society, Tarn Taran	..	Ditto	475	0	0
Co-operative Society, Khadur Sahib	..	Ditto	297	20	0
Co-operative Society, Nathu Chack	..	Ditto	150	0	0
Co-operative Society, Raja Sansi	..	Ditto	183	0	0
Co-operative Society, Mehlan Wala, Rajasansi	..	Ditto	150	0	0
Co-operative Society, Chugawan	..	Ditto	300	0	0
Co-operative Society, Patti	..	Ditto	420	20	0
S. Gurdial Singh C. A., Patti	..	Ditto	288	13	0
Ditto	..	Cotton Seed	210	20	0
Co-operative Society, Khem Karan	..	Ditto	514	10	0
Ditto	..	Wheat Seed	177	20	0
Co-operative Society, Valtoha	..	Ditto	225	0	0
The Bhikhiwind Zamindara Co-operative Marketing Society, Ltd., Bhikhiwind	..	Ditto	247	25	8
Ditto	..	Cotton Seed	101	20	0
Karnal District					
The Gharaunda Multipurpose Co-operative Society	..	Wheat Seed	390	0	0
Jalmana Co-operative Society	..	Ditto	170	0	0
Taravri Co-operative Marketing Society	..	Ditto	250	0	0

		M.	S.	Chh.
Kaithal Co-operative Marketing Society ..	Cotton	500	0	0
	Wheat	200	0	0
	Paddy Seed	200	0	0
Takholi Co-operative Marketing Society ..	Cotton	140	0	0
	Wheat	100	0	0
Dheban Co-operative Marketing Society ..	Wheat	100	0	0
	Cotton	140	0	0
Ghula Co-operative Marketing Society ..	Paddy	100	0	0
Mahalaxmi Co-operative Marketing Society ..	Dhincha	125	0	0
	Wheat	180	0	0
Kailashpati Co-operative Marketing Society ..	Wheat	360	0	0
Thanesar Co-operative Marketing Society ..	Do	150	0	0
Panipat Co-operative Marketing Society ..	Do	700	0	0
Samalkha Co-operative Marketing Society ..	Do	300	0	0

The seeds were issued under the Seed Depot Rules of Punjab Government.

Ambala District

The Rural Co-operative Bank, Rajpura, tehsil Nalagarh	Wheat	134	1	0
The Sub-Divisional Wholesale Co-operative Society ..	Do	600	15	0
The Gujratian Multipurpose Co-operative Society, Chhachrauli ..	Do	210	3	0
The Co-operative Marketing Society, Jagdhari ..	Do	450	0	0
The Co-operative Society, Mustafabad ..	Do	150	0	0
The Jansui Co-operative Modren Farming Society, Jansui	Do	221	18	0
The Ambala Co-operative Marketing Society, Ambala ..	Wheat	227	0	0
	Cotton	586	38	0
The Ambala Rama Co-operative Multipurpose Society, Ambala City ..	Wheat	554	0	0
	Cotton	500	0	0
Bala Co-operative Society, Bala (Rupar) ..	Wheat	686	0	0
	Gram	103	0	0
Marketing Co-operative Society, Morinda (Tehsil Rupar) ..	Wheat	148	21	0
Large Size Co-operative Society, Ludheri (R. Rupar) ..	Wheat	178	6	0
Co-operative Marketing Society, Kharar ..	Wheat	232	0	0
Sodhi Tehl Singh Commission Agent, Manimajra, district Ambala ..	Do	146	37	0
A. R. K. Mahajan Co-operative Society, Naraingarh ..	Wheat	132	0	0
	Cotton	105	0	0
Commission Agent Sadhawra (Private) (District Ambala)	Wheat	237	20	0

Patiala District

Shri Jagir Singh, son of Dito Singh, village Vishanpura, Sirhind ..		106	0	0
Shri Harnam Singh, son of Jata Singh, village Vishanpura, Sirhind ..		104	0	0

		M.	S.	Chh.
Shri Jatinder Singh, son of Nachattar Singh, village Deep Nagar	..	138	0	0
Shri Peshora Singh, village Balamgarh (Sirhind)	..	110	0	0
Shri Gurinder Singh, village Moranwali (II)	..	112	0	0
Shri Gian Singh Rarewal, tehsil Sirhind	..	155	0	0
Shri Tirlochan Singh, son of Pritam Singh, village Ugoke, Samana	..	187	0	0
Shri Rajpa Singh, son of Jang Singh, village Bakrali Samara	..	115	0	0
Shri Surjit Singh, son of Dyal Singh, village Bakrali Samara	..	112	0	0
Shri K. K. Khosla, village Bodshapur, Samana	..	167	0	0
Shri Jagdeep Singh, son of Pritam Singh, village Jai Nagarh, Rajpura	..	100	0	0
Shri Bachattar Singh, son of Waryam Singh, village Dhasam Garh, Rajpura	..	150	0	0
Shri S. N. Khosla, village Kathgarh, tehsil Patiala	..	195	0	0
Shri Ram Partap Garh, village Sarkara Farm, tehsil Patiala	..	250	0	0
Shri Lal Singh, village Train, tehsil Patiala	..	155	0	0
Shri Basant Singh, village Train, tehsil Patiala	..	175	0	0
Shri Lalji Palji, village Sher Majra, tehsil Patiala	..	120	0	0
Shri Devinder Singh, village Sular, tehsil Patiala	..	125	0	0
Shri Partap Singh, son of Surma Singh, village Sumiar Heri, tehsil Patiala	..	125	0	0
Shri Darshan Singh, son of Devan Singh, village Amar Nagar, tehsil Patiala	..	100	0	0
Shri Rambir Singh, son of Randhir Singh, village Train, tehsil Patiala	..	150	0	0
Shri Ajmer Singh, village Khalan, tehsil Patiala	..	175	0	0

The seed was given by the revenue authorities according to the land of the Zamindars and loss sustained due to floods.

DEVELOPMENT OF CARPET MAKING INDUSTRY IN THE STATE

3409. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Industries be pleased to state whether Government have spent any amount for the protection and development of Carpet Making Industry in the State during each of the two plan periods ; if so, how much and the extent of success achieved in this respect ?

Shri Mohan Lal : A statement giving the requisite information is as follows :—

STATEMENT SHOWING DEVELOPMENT OF CARPET MAKING INDUSTRY IN THE STATE

The grant of protection to any industry is a matter within the competence of the Government of India and not the State Government. The State Government have not spent any amount on the protection of the Carpet making industry. As regards

development of this Industry, a sum of Rs 1,000 was spent during the Second Plan Period for advancement of loans for Carpet making industry under the Punjab State Aid to Industries Act, 1935. The Industries Department is also running a Carpet Weaving Training Centre at Palampur for the development of Carpet Weaving Industry. The Centre was started during the Second Plan Period. From the year 1957-58 to 28th February, 1961 a sum of Rs 72,914.01 was spent on this scheme. The Co-operative Department in September, 1960 advanced an amount of Rs 760 as grant to a Society engaged in Carpet Manufacturing, for purchase of improved appliances.

As regards the extent of success achieved it may be stated that 45 trainees received training in Carpet Weaving at the Carpet Weaving Training Centre at Palampur from the year 1957-58 to 31st March, 1961. The Co-operative Society to which the Co-operative Department had given a grant of Rs 760 utilised the amount for the specific purpose and the production of the said Society up to 31st March, 1961, was 3,000 square feet valued at Rs 4,500. The Carpet manufacturing unit to which a loan of Rs 1,000 under the Punjab State Aid to Industries Act, 1935, was given, is reported to be working satisfactorily.

12950 PVS 350—21-12-61—C P and S Chandigarh

Punjab Vidhan Sabha Debates

7th March, 1961

Vol. I—No. 12

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Tuesday, the 7th March, 1961

Price : Rs. 0.65 nP.

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, NO. 12, DATED THE 7TH MARCH, 1961

Read	*for*	*on page*	*line*
Mr. Speaker	Mr. Speake	(12)1	4
दोने	ोने	(12)1	last
ਵਿਛੋੜੇ	ਵਛੋੜੇ	(12)3	3rd from below

PUNJAB VIDHAN SABHA

Tuesday, the 7th March, 1961

The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Sector 1, Chandigarh, at 11.00 a.m. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Gurdial Singh Dhillon) in the Chair.

REFERENCE TO THE DEATH OF THE LATE PANDIT GOVIND BALLABH PANT, UNION HOME MINISTER

वित्त मंत्री (डाक्टर गोपी चंद भार्गव) : जनाब स्पीकर साहिब, बड़े दुःख के साथ हम को यह कहना पड़ता है कि आज हमारे बड़े नेता हम से जुदा हो गये हैं। पंडित पंत हमारे पुराने नेताओं में से थे। 1937 से पहले यह Parliamentary Party के सैक्रेटरी थे। जब 1937 में असैम्बलियां बनीं तो उन्होंने सारे मुल्क का दौरा कांग्रेस के मैम्बरों को चुनने के लिये किया। 1937 में जब मिनिस्टरी बनी तो वह U.P. के चीफ मिनिस्टर बने। उस के बाद वह Congress Working Committee के मैम्बर रहे और Working Committee के मैम्बर होने के नाते उन्होंने बहुत सी कुर्बानियां कीं। हमारे नेता सरदार पटेल की मृत्यु के बाद उन्हें Parliament में लिया गया और वह Home Minister के तौर पर काम करते रहे। अगर मैं उन के काम की तारीफ करूं तो यह छोटा मुंह बड़ी बात होगी। यह एक मुसल्लमा अमर है कि उन्होंने बहुत मेहनत और जांफिशानी से देश की सेवा की। उन्होंने आख़री दम तक मुल्क के लिये कुर्बानियां कर के हमारे लिये एक मिसाल कायम की है। मैं तजवीज़ करता हूं कि आज का इजलास उन की पवित्र याद में adjourn कर के उन की मृत्यु पर शोक का प्रस्ताव पास किया जाए और उन के लवाहकीन से गहरी हमदर्दी का इज़हार किया जाए। परमात्मा से प्रार्थना है कि उन की आत्मा को शान्ति बख्शें।

लाला जगत नारायण चोपड़ा (जालन्धर शहर दक्षिण-पश्चिम) : स्पीकर साहिब, यह दिन बहुत रंजो अलम का दिन है। डाक्टर साहिब ने जिन अलफ़ाज़ में पंडित जी को श्रद्धांजलि पेश की है मैं उन के एक एक शब्द की ताईद करता हूं। स्पीकर साहिब, मुझे उन के चरणों में बैठ कर कांग्रेस में काफी देर तक काम करने का मौका मिला है। मुझे सब से पहले उन के दर्शन लाहौर में एक जिमनी इंतखाब के सिलसिले में हुए जब वह डाक्टर साहिब के मकान पर आ कर ठहरे थे। उन दिनों मैं ने उन की तकरीर सुनी। उन के तरज़े कलाम में इतना जादू था कि हाज़रीन बहुत मसहूर हो जाते। जब वह चीफ मिनिस्टर थे तो मैं उन्हें मिलने के लिये गया। दफ्तर जाने से पहले मैं ने देखा कि उन की कोठी के सेहन में सैंकड़ों आदमियों की कितार लगी हुई थी। मैं हैरान हुआ कि इतना मसरूफ होने के बावजूद भी उन्होंने एक एक भाई और बहन की बात सुनी। उन की

[लाला जगत नारायण चोपड़ा]

कुर्बानियां देश के लिये असीम हैं और उन की मृत्यु से हमारा देश यतीम हो गया है। मैं डाक्टर साहिब के प्रस्ताव की पूरी ताईद करता हूं।

डाक्टर बलदेव प्रकाश (अमृतसर शहर, पूर्व) : स्पीकर साहिब, स्वर्गीय पंडित पंत के निधन पर जो श्रद्धांजलि डाक्टर साहिब ने पेश की है और जो शोक प्रस्ताव रखा है मैं अपने दल की ओर से उस के साथ पूरे तौर से सहयोग देता हूं। पंडित पंत उन महान व्यक्तियों में से थे जिन्होंने अपने सारे जीवन काल में अपने हाथों से इस देश का निर्माण किया। यू. पी. का प्रान्त हमारे देश का सब से बड़ा प्रान्त है। उन का सारा जीवन इस प्रान्त को ऊंचा उठाने पर व्यतीत हुआ। उस के बाद उन्होंने Home Minister के नाते इस देश की सेवा की। पंडित पंत बहुत ऊंचे दर्जे की योग्यता रखते थे और उन्होंने बड़ी योग्यता के साथ इस हकूमत का काम चलाया। मैं समझता हूं कि उन के स्तर की योग्यता के आदमी का आज की अवस्था में स्वर्गवास हो जाना देश के लिये बहुत भारी क्षति है। आज जिस तरह हमारा देश मुसीबतों की शृंखलाओं में जकड़ा हुआ है उन का हमारे बीच में रहना बहुत ज़रूरी था। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह उन की आत्मा को शान्ति दें और उन के परिवार और सम्बन्धियों को संतोष प्रदान करें। मैं इस शोक प्रस्ताव और जो शब्द श्रद्धांजलि के तौर पर यहां कहे गये उन के साथ अपना पूरा सहयोग देता हूं।

ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ (ਨੂਰਮਹਿਲ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਵੱਲੋਂ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੋਕ ਦਾ ਮਤਾ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਡਤ ਪੰਤ ਅਜ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹਨ, ਮੈਂ ਵੀ ਇਸ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਉਹ 1916 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਹੁਣ ਤਕ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 45 ਸਾਲ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ History ਬਣਾਉਣ ਵਿਚ ਹਿਸਾ ਲਿਆ। ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਆਜ਼ਾਦੀ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਵਾਸਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੋ ਹਿੰਮਤ ਤੇ ਹੌਸਲਾ ਸਾਨੂੰ ਦਿਤਾ ਉਹ ਅਸੀਂ ਕਦੇ ਭੁਲਾ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ। ਉਹ ਨਾ ਸਿਰਫ ਸਿਆਸਤ-ਦਾਨ ਹੀ ਸਨ ਬਲਕਿ ਸਿਆਸਤ-ਦਾਨਾਂ ਨੂੰ ਬੜੀ ਅੱਛੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਾਣਦੇ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਮੁਲਕ ਦੀ ਅਣਥਕ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਉਹ 1931 ਤੋਂ ਕਾਂਗਰਸ ਵਰਕਿੰਗ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਰਹੇ, ਇਸ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਰਹੇ, ਯੂ. ਪੀ. ਦੇ Chief Minister ਵੀ ਰਹੇ ਅਤੇ ਹਰ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਰਗੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਇਨਸਾਨ ਬਹੁਤ ਘੱਟ ਦੁਨੀਆਂ ਵਿਚ ਮਿਲਦੇ ਹਨ। ਭਾਵੇਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ History ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਲਿਖਿਆ ਜਾਵੇਗਾ, ਪਰ ਹੁਣ ਦੀਆਂ ਨਸਲਾਂ ਨੂੰ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਹਨੀ ਇਨਸਾਨ ਸਨ, ਮਜ਼ਬੂਤ ਇਰਾਦਾ ਰਖਦੇ ਸਨ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਭਲੇ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਸਨ। ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਬੜਾ ਹੀ ਦੁਖ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਅਜ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਸਿਆਸਤ-ਦਾਨ ਅਤੇ ਚੰਗੇ ਬੰਦੇ ਰੋਜ਼ ਰੋਜ਼ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਬਲ ਇਨਸਾਨ ਬਣਨ ਵਿਚ ਬੜਾ ਵਕਤ ਲਗਦਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਵਿਚੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਚਲਿਆ ਜਾਣਾ ਸਾਡੇ ਲਈ ਦੁਖ ਔਰ ਤਕਲੀਫ ਦਾ ਬਾਇਸ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ, ਸਿਵਲ ਲਾਈਨਜ਼) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਮਤਾ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਸ਼ੋਕ ਦਾ ਮਾਨ ਯੋਗ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਰੱਖਿਆ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਵੱਲੋਂ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਪੂਰੀ ਪੂਰੀ ਪਰੋੜ੍ਹਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਅਜ ਬਹੁਤ ਹੀ ਸ਼ੋਕ ਦਾ ਦਿਨ ਹੈ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਇਕ ਸੱਚੇ ਸੇਵਕ ਸਾਡੇ ਪਾਸੋਂ ਵਿਦਾ ਹੋ

ਗਏ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਇਕ ਅਰਪਨ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਸੀ । ਜੇ ਇਸ ਅਰਪਨ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿਚ ਕੋਈ ਔਕੜ ਆਈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਨੂੰ ਸਹਾਰ ਕੇ ਇਸ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੇਹਤ ਮੰਦ ਹੋਣਾ ਦੇਸ਼ ਵਾਸਤੇ ਹੋਰ ਵੀ ਮੁਫੀਦ ਸਾਬਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਸੀ ਪਰ ਇਹ ਕੁਦਰਤ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਨਹੀਂ ਸੀ, ਐਸਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਡਤ ਪੰਤ ਜੀ ਦੇ ਮਨ ਵਿਚ ਸਦਾ ਇਹੋ ਤਕਾਜ਼ਾ ਰਿਹਾ ਕਿ ਆਇਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਸਿਹਤ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਮੁਲਕ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਜੁਟੇ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਿਲ ਦੀ ਤਕਲੀਫ ਹੋਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰਾਂ ਦੇ ਮਨ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਮੁਲਕ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰਾਂ ਦੀ ਰਾਏ ਨਾ ਮੰਨਦੇ ਹੋਏ ਆਪਣੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਜੁਟੇ ਰਹੇ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ — That he died in harness. ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੁਲਕ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਆਪਣੇ ਨਿਜੀ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਪਿਛਾਂ ਰਖ ਕੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਨਤਾ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਸਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਲੇ ਜਾਣ ਤੇ ਬੜਾ ਹੀ ਦੁਖ ਅਤੇ ਅਫਸੋਸ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਖਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੋਕ ਦਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੇਰੀ ਪਾਰਟੀ ਔਰ ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹਾਂ ।

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ (ਗੜ੍ਹ ਸ਼ੰਕਰ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਤਿਕਾਰ ਯੋਗ ਡਾਕਟਰ ਗੋਪੀ ਚੰਦ ਜੀ ਨੇ ਅਜ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੋਕ ਦਾ ਮਤਾ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਅੱਖਰ ਅੱਖਰ ਨਾਲ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਪੰਡਤ ਪੰਤ ਜੀ freedom fighters ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਇਕ stalwart ਸਨ ਜਿਸ ਦਲੇਰੀ ਦੇ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਸਾਮਰਾਜ ਦੇ ਨਾਲ ਅਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਜੰਗ ਲੜੀ ਉਸ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਸਾਹਿਬਾਨ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਜਾਣਦੇ ਹਨ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਡਤ ਪੰਤ ਜੀ ਦੇਸ਼ ਭਗਤੀ ਦਾ ਇਕ ਮੁਜੱਸਮਾ ਸਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸਾਰੀ ਆਯੂ ਦੇਸ ਅਤੇ ਕੌਮ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਵਿਚ ਹੀ ਬਤੀਤ ਕੀਤੀ । ਅਜ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਛੋੜੇ ਵਜੋਂ ਸਾਰਾ ਦੇਸ਼ ਬਹੁਤ ਭਾਰੀ ਸਦਮੇ ਵਿਚ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਦੇਸ਼ ਭਗਤੀ ਤੋਂ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਸਿਖਿਆ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਕਿ ਮੁਲਕ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਾਸਤੇ ਆਖਰੀ ਸਵਾਸਾਂ ਤਕ ਸਾਨੂੰ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਡਤ ਜੀ ਦੀ ਬਿਮਾਰੀ ਦੇ ਵਕਤ ਜਦੋਂ ਨਹਿਰੂ ਜੀ ਨੇ ਦੇਖਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਦਿਨ ਬਦਿਨ ਖਰਾਬ ਹੁੰਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਡਤ ਪੰਤ ਜੀ ਮਹਿਜ਼ ਮੇਰੇ ਗਾਈਡ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹਨ ਬਲਕਿ ਮੈਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਇਕ ਆਤਮਕ ਬਲ ਮਿਲਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਲਫਜ਼ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਹਿਲੇ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਦੇ ਸੁਰਗਵਾਸ ਹੋ ਜਾਣ ਤੇ ਕਹੇ ਸਨ । ਫੇਰ ਮੌਲਾਨਾ ਆਜ਼ਾਦ ਦਾ ਜਦੋਂ ਵਛੋੜਾ ਹੋਇਆ ਉਦੋਂ ਕਹੇ ਸਨ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਪੰਡਤ ਪੰਤ ਜੀ ਦੇ ਬਾਰੇ ਉਹੋ ਲਫਜ਼ ਵਰਤੇ ਹਨ । ਇਸ ਵਛੋੜੇ ਨੂੰ ਵੀ ਨਹਿਰੂ ਜੀ ਨੇ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਮਹਿਸੂਸ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਬਾਪੂ ਜੀ ਦੇ ਅਤੇ ਮੌਲਾਨਾ ਆਜ਼ਾਦ ਦੇ ਵਿਛੋੜੇ ਨੂੰ ਮਹਿਸੂਸ ਕੀਤਾ ਸੀ । ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕੁਝ ਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਇਨ੍ਹਾਂ ਚੰਦ ਲਫਜ਼ਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਪੰਡਤ

[ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ]

ਪੰਤ ਜੀ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਇਸ ਸ਼ੋਕ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ, ਜਨਰਲ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦਾ ਇਕ ਬਹੁਤ ਵਡਾ ਰਹਿਨੁਮਾ ਅਤੇ ਲੀਡਰ ਜਿਸ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਜਾਂ ਗਰਜ ਤੋਂ ਅੰਗਰੇਜ਼ ਸਾਮਰਾਜ ਕੰਬਦਾ ਹੁੰਦਾ ਸੀ ਅਜ ਸਾਡੇ ਤੋਂ ਹਮੇਸ਼ਾ ਲਈ ਜੁਦਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੂੰਹ ਵਿਚੋਂ ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਲਫ਼ਜ਼ ਨਿਕਲਦਾ ਹੁੰਦਾ ਸੀ ਉਹ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਅਫ਼ਰਾਤਫ਼ਰੀ ਵਿਚ ਪਾ ਦਿੰਦਾ ਸੀ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸ਼ਖ਼ਸੀਅਤ ਇਤਨੀ ਉਚੀ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਮਾਮੂਲੀ ਆਦਮੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਤਮਾ ਨੂੰ ਸ਼ਾਂਤੀ ਦਿਵਾਉਣ ਦੀ ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ ਕਰਨ ਦੇ ਯੋਗ ਨਹੀਂ ਹਾਂ । ਬਲਕਿ ਇਸ ਦੀ ਬਜਾਏ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਵਿੱਤਰ ਅਤੇ ਮਹਾਨ ਆਤਮਾ ਸਾਨੂੰ ਹਮੇਸ਼ਾ ਲਈ guidance ਦਿੰਦੀ ਰਹੇ । ਅਸੀਂ ਇਹ ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਤਮਾ ਨੇ ਜਿਹੜੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਜਲਾਈ ਸੀ ਉਹ ਸਾਨੂੰ ਹਮੇਸ਼ਾ ਰਸਤਾ ਦਿਖਾਉਂਦੀ ਰਹੇ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਇਕ ਦੋ ਵਾਰੀ ਪੰਡਤ ਪੰਤ ਜੀ ਨੂੰ ਮਿਲਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ । ਇਕ ਵਾਰੀ ਅਸੀਂ ਸ਼ਰਨਾਰਥੀਆਂ ਦਾ ਡੈਪੂਟੇਸ਼ਨ ਲੈ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਗਏ ਸਾਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਹੁਤ ਹਮਦਰਦੀ ਨਾਲ ਅਤੇ ਦਿਲਚਸਪੀ ਨਾਲ ਉਸ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਹਲ ਕਰਵਾਇਆ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਹ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਗਰੀਬਾਂ ਅਤੇ ਸ਼ਰਨਾਰਥੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਕਿਤਨੀ ਕੁ ਹਮਦਰਦੀ ਰਖਦੇ ਸੀ । ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਉਹ ਦੋ ਵਾਰੀ ਆਏ ਸਨ । ਇਕ ਵਾਰੀ 1937 ਦੇ ਜਨਰਲ ਈਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਵੇਲੇ ਤਸ਼ਰੀਫ਼ ਲਿਆਏ ਸਨ ਅਤੇ ਦੂਸਰੀ ਵਾਰੀ ਪਿਛਲੇ ਜਨਰਲ ਈਲੈਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਆਏ ਸਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਐਸਾ ਜਾਦੂ ਭਰਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਬਹੁਤ ਹੀ ਅਸਰ ਅੰਦਾਜ਼ ਹੁੰਦੀ ਸੀ । ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਇਹ ਸ਼ੇਅਰ ਅਰਜ਼ ਕਰਕੇ ਕਿ :—

"ਯੇਹ ਮਹਿਫਲ ਅਬ ਤੋ ਪਰਵਾਨੋਂ ਸੇ ਖਤਮ ਹੋਤੀ ਜਾਤੀ ਹੈ"

ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਪੰਤ ਜੀ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

Minister for Finance (Dr. Gopi Chand Bhargava) : Sir, I beg to move—

> That the House be adjourned as a mark of respect to the memory of the Late Pandit Govind Ballabh Pant.

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर साहिबान, डाक्टर गोपी चंद जी ने जो प्रस्ताव हाउस के सामने रखा है कि पंडित पंत के गुज़र जाने पर इस हाउस को adjourn किया जाए उस में मैं आप के साथ पूरी तरह से सहमत हूं । डाक्टर गोपी चंद ने बड़े जज़बात भरे शब्दों में और दूसरे मैम्बर साहिबान ने भी बड़े अफसोसनाक लहजे में हमारे बजुर्ग लीडर पंडित पंत के बारे में अपने ख्यालात को रखा । ऐसे मौके इस हाउस में बहुत कम मैं ने देखे हैं कि किस तरह से चारों तरफ एक सन्नाटा सा छाया हुआ है और किस तरह से सब लोग अफसोस में बैठे हुए हैं । वैसे तो उन की उम्र काफी थी लेकिन यह ख्याल नहीं था कि वे इतने बूढ़े हो गये हैं कि वे हम को दाग़े मफार्कत दे जाएंगे । कुछ अरसे से वे ज़्यादा बीमार हो गये और कई दिनों से बेहोश पड़े रहे । सारे देश में उन

की सेहत की तरफ आंखें लगी हुई थीं। कोने कोने में उन के लिये प्रार्थना की गई। गरीब, अमीर, तमाम फ़िरके, तमाम पार्टियों और तमाम ख्यालात के लोगों ने बड़ी खलूसदिली से उन की सेहत के लिये प्रार्थना की लेकिन परमात्मा को जो मंजूर होता है वही होता है चुनांचि आज सुबह वे हम से जुदा हो गए। जैसे कि डाक्टर गोपी चंद जी ने कहा पंडित पंत के बारे में और उन की सेवाओं के बारे में बातें करना छोटा मुंह बड़ी बात होगा। अगर अपने देश के मौजूदा इतिहास को देखा जाए तो मालूम होगा कि पंडित पंत न सिर्फ इस इतिहास को बनाने वाले थे बल्कि वे खुद ही इतिहास थे। वह हिन्दोस्तान की जंगे आज़ादी के इतिहास का मुजस्समा थे। उस के लिये उन्होंने शुरू से ही त्याग और सेवा आरम्भ की। वकालत को छोड़ कर वे इस मैदान में आ कूदे। लम्बी नज़र मारने से हमें मालूम होता है कि उन्होंने किस जमाने में यह काम शुरू किया, किस तरह से वे कुमाऊं हिल्ज़ के एरिया से माऊंट फोर्ड के इलाका से यू. पी. के पोलिटिक्स में आए और किस तरह से प्रदेश की आईनी खिदमत करते करते वे स्वराज्य पार्टी के लीडर बने और सेंट्रल असैम्बली में दाखिल हुए। A.I.C.C. में पंडित पन्त की आवाज़ कितनी बुलन्द थी इस बात का अन्दाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि वह सालहासाल हाई कमांड के मैम्बर रहे। आईन साज़ असैम्बली में बात बात पर उन की सलाह मानी जाती थी। देश की बुनियादें उन की सूझबूझ और तामीरी काबलियत से कायम की गईं। हिन्दुस्तान की नई तामीर में पन्त जी का एक अहम और नुमायां हिस्सा है। देश की आज़ादी की लड़ाई में पंडित पन्त जी ने जो कुछ किया वह इस देश के इतिहास में सुनहरी अलफाज़ में लिखा जाएगा। जो ख्यालात House में मुख्तलिफ पार्टियों के लीडर साहिबान ने ज़ाहिर किए हैं, मैं पूरी तरह से अपने आप को उन में शामिल करता हूं।

हमें अच्छी तरह से अहसास है कि हमारे प्राईम मिनिस्टर साहिब को होममिनिस्टर साहिब की जुदाई में कितना सदमा पहुंचेगा। हम देखते हैं कि पुराने बुजुर्ग आहिस्ता २ हम से जुदा होते जा रहे हैं और उन के चले जाने से आइन्दा क्या तस्वीर हमारे देश की सामने आएगी इस से काफी घबराहट और चिन्ता होती है। किस से यह बात छिपी हुई है कि मौजूदा हिन्दुस्तान को बनाने वाले हमारे नेताओं ने देश की क्या क्या सेवा की है। यह वह नेता थे जिन्होंने मुल्क की खातिर अपना सब कुछ कुरबान कर दिया। देश प्यार ही उन के दिल में सब से बड़ी चीज़ थी। आज़ादी मिलने के बाद पहले तो पूज्य बापू-हम से जुदा हुए। फिर सरदार पटेल गए, फिर रफी अहमद किदवाई का हमें सदमा हुआ, फिर मौलाना आजाद चल बसे और आज मौत ने हिन्दुस्तान का एक और बहुत बड़ा देशभक्त पंडित पंत हम से छीन लिया है। इस भयानक वक्त में हम बखूबी समझ सकते हैं कि इस से हमारे प्रधान मन्त्री को ज़ाती तौर पर कितना नुक्सान और दुःख हुआ होगा। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह हमारे प्राईम मिनिस्टर की लम्बी उम्र करें और उन का साया हमेशा हमपर बना रहे। तो इस रंज और गम के मौका पर हमें इस बात की भी प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि हम अपने प्रधान मन्त्री के हाथों को मजबूत करें ताकि इतना नुक्सान उठाते हुए भी उन को इसका कम सदमा महसूस हो। पंडित पन्त जी के स्वर्गवास हो जाने से देश को एक भारी सदमा

[श्री अध्यक्ष]

पहुंचा है और इस में एक कमी वाक्या हो गई है। एक खला पैदा हो गया है जो कि भरा नहीं जा सकता ।

जो इज़हारे अफ़सोस हाउस के डिप्टी लीडर साहिब ने किया, आपने देखा कि किस तरह तमाम पार्टियों के लोगों ने उन के साथ सहमत होते हुए कितने ग़मग़ीन लहजे में अपने आप को मुल्क के ग़म में शामिल किया। यह इस बात का सबूत है कि चाहे कोई किसी भी राजनैतिक पार्टी से ताल्लुक रखता हो देश का हित उस के दिल में किसी तरह से कम नहीं होता। उन सब ने मिल कर मुल्क के उस बड़े सपूत को इज्ज़त, श्रद्धा और प्रेम से श्रद्धांजलि पेश की है जो कि आज हम में से उठ गए हैं। किसी भी मुल्क की हिस्टरी में बहुत ही कम मौके ऐसे आते हैं जब कि ऐसे लोग पैदा हुए जो दूसरों के लिये जिए। बहुत से लोग आते हैं, अपनी खातिर जीते हैं और चले जाते हैं, उन का किसी को पता ही नहीं लगता। बहुत कम ही लोग ऐसे होते हैं जिन्होंने अपना सब कुछ अपने देश की ख़ातिर कुरबान कर दिया हो। इनसान और इनसान में बड़ा फर्क होता है। सो आज पंडित पन्त का हमारे दरम्यान से चले जाना कोई मामूली सदमा नहीं है। यह एक बहुत बड़ा कौमी नुक्सान हुआ है। हम इस दुःख के मौका पर पन्त जी के परिवार के साथ अफसोस का इज़हार करते हैं। बल्कि मैं तो यह महसूस करता हूं कि उन का परिवार उन के घर के चन्द लोग ही नहीं, सारा देश उन का परिवार है। हिन्दुस्तान का एक एक बच्चा उन का परिवार है। सारे मुल्क को उन के चले जाने से दुःख हुआ है क्योंकि वह मुल्क की खातिर जिए और हम सब की खातिर ही मरे। और हम, इस हाउस के मेम्बर, मुल्क के उस दुःख रंज में शामिल होते हैं जो कि देश की जनता को हुआ जिस का एक बड़ा बुज़ुर्ग नेता, एक रहनुमा, आजाद हिन्दुस्तान को बनाने वाला एक मेमार और एक बहुत बड़ा देश भक्त, पंडित पन्त, आज हमेशा के लिये बिछुड़ गया है।

अब हम दो मिनट के लिये ख़ामोशी में खड़े रहेंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि जो मोशन फाइनैंस मिनिस्टर साहिब ने पेश की है, आप सब उस के साथ सहमत हैं। ख़ामोशी के बाद हाउस सारे दिन के लिये उन की इज्ज़त के तौर पर adjourn रहेगा। (Hon. Members, I fully associate myself with the Motion moved by Dr. Gopi Chand ji that this House be adjourned as a mark of respect on the demise of Pandit Pant. Dr. Gopi Chand spoke feelingly and so did other members of the House, who made very touching reference to our great leader. It is one of the very rare occasions when I have seen such complete silence and sorrowful feeling in the House. Although he was quite aged, yet we did not think that he was so old that he may depart from amongst us. For some time past his condition took a serious turn and he remained in a state of coma. The eyes of the whole country were rivetted towards his health and sincere prayers for his speedy recovery were made from every nook and corner by all sections of people, rich and poor alike. But God's will must prevail and he passed away this morning. As stated by Dr. Gopi Chand earlier it is beyond us to say something in praise of Pandit Pant. If we throw a glance at the history of our country of the present times we find that he was not only a creator of history but himself an example of living history. Pandit Pant was a personification of India's struggle for freedom. From the very start he

whole-heartedly devoted himself to this cause throughself sacrifice and service. Leaving aside legal practice he jumped into the thick of this struggle. Going back into the history we find that Pandit Pant started his political career at a very critical moment. He belonged to Mountford area of Kumaon Hills from where he entered the U. P. politics. Later by dint of devoted service to the province he entered the Central Assembly as a leader of the Swaraj Party.

How predominant was the voice of Pandit Pant in the A.I. C.C. is evident from the fact that he remained a member of the Congress High Command for years together. In the Constituent Assembly his advice on all important matters was sought for and accepted. The foundations of the country had been laid with his wisdom and constructive ability. The contribution made by Pandit Pant in the reconstruction of India is unique and of rare value. The part played by the great departed leader during the country's fight for freedom will ever be engrained in the history of this country in golden words. I associate myself fully with the sentiments expressed by the Leaders of all sections of the House.

We know how shocked our Prime Minister will feel at the passing away of the Home Minister. We see that the Members of the old guard are passing away one by one leaving us forlorn and anxious about the future of our country. Who is unaware of the services rendered by these stalwarts and architects of modern India? They were the leaders who sacrificed their all for the sake of the country. Love for country was foremost in their hearts. After the achievement of Independence, the icy hand of death fell on the Father of the Nation. Thereafter went Sardar Patel. Rafi Ahmad Kidwai also left us mourning. Then left Maulana Azad and to-day the cruel hands of death have robbed India of yet another distinguished patriot in Pandit Pant. At this critical hour we can well understand the personal loss and grief of the Prime Minister. May God bless our Prime Minister with long life so that he may continue to guide us for long. We should at this hour of grief and shock pledge ourselves to strengthen the hands of the Prime Minister so that despite this grievous loss, he should feel its effect lesser in magnitude. The death of Pandit Pant has dealt a shocking blow to the country which is poorer today. A void has been created which it is difficult to fill.

You have observed how the Members of all the Parties in this House have associated themselves with the sentiments expressed by the Deputy Leader of the House and have shared the grief of the nation. This proves that to whichever political party one belongs, the supreme interest of the country is second to none in every body's hearts. They have all joined together to pay their homage to the great stalwart of the nation who has been removed from our midest to-day. Rare are instances in the history of any country when people are born and live for others. Most of the people live to enjoy comforts of life for self and depart unnoticed. Few are born who dedicate their body and soul in the service of one's country. There is a word of difference between men and men. So the passing away of Pandit Pant is not a less terrible shock to us. It is a great national loss. Our heart goes out in sympathy with the members of Pant

[श्री अध्यक्ष]

Ji's family in their sad bereavement—rather I feel that his family is not confined to only a few in his home but the entire country constitutes his family. Every child of India is the member of his family. The entire country is bereaved, for he lived and died for us all and we, the Members of this House, share the grief of the country which has to-day lost in Pandit Pant and elderly Statesman, a guide, an architect of free India and a distinguished patriot.

Now we will stand in silence for two minutes. I hope that the House unanimously passes the motion moved by the Minister for Finance. After observing silence, the House will adjourn for the day as a mark of respect to the memory of the departed Leader.

[The House stood in silence for two minutes and unanimously agreed to adjourn for the day]

11.25 a.m.

The Sabha then adjourned till 2 p.m. on Wednesday, the 8th March, 1961.

12827 P·V.S.—350—5-9-61—C.,P. & S., Pb., Chandigarh

Punjab Vidhan Sabha Debates

8th March, 1961

Vol. I–No. 13

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Wednesday, the 8th March, 1961

Price: Rs. 6.00 nP.

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, NO. 13,
DATED THE 8TH MARCH, 1961.

Read	*for*	*on page*	*line*
गवर्नमैंट	गर्वमैंट	(13)17	24
Variety	Varity	(13)38	2(col. 4)
Variety	Varity	(13)38	2(col. 5)
regards	regard	(13)39	14
Delete the word 'के'	between इस and से	(13)47	15
ਬੀਮਾਰ	ਬੀਸਾਰ	(13)47	27
फासले	फसले	(13)50	6
बतायेंगे	बतायें	(13)50	20
pleased	eased	(13)64	6
चीफ	चोफ	(13)71	18
और	ओर	(13)71	2nd from below
बख्तावर सिंह	बख्ताबर सिंह	(13)72	24
and	andt	(13)73	11th from below
Independents	Independcdents	(13)73	last
certain	cetain	(13)77	16
पंच	चं	(13)87	12th from below
होने	हो	(13)88	5
को	को	(13)99	2nd from below
रहेगा	रहग	(13)100	5
designed	disigened	(13)106	19
ebb	eblb	(13)109	9
provision	provsion	(13)114	10th from below
राओ गजराज सिंह	राओ गजराजराज सिंह	(13)117	7
village	vilage	(13)117	17
debate	dabate	Ann. i	First
Shri	Skri	Ann. iii	S. No. 36
Shri	Snri	Ann. iii	S. No. 64

PUNJAB VIDHAN SABHA

Wednesday, the 8th March, 1961

The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Sector 1, Chandigarh, at 2.00 p.m. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Gurdial Singh Dhillon) in the Chair.

POSTPONED STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

STRICTURES PASSED AGAINST POLICE OFFICERS AND MAGISTRATES IN THE STATE

*6162. **Sardar Atma Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of Police Officers and Magistrates in the State, if any, against whom courts of law have passed strictures during 1959-60 and the current year with the nature of strictures in each case ;

(b) whether any of the officers mentioned in part (a) above was given any promotion during the period mentioned in part (a) above ; if so, the reasons therefor in each case ;

(c) whether any action has been taken against any of the said officers in respect of the said strictures ; if so, the details thereof; if no action has been taken, the reasons therefor ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : The information desired in parts (a) to (c) is given in the statement, a copy of which is laid on the Table of the House.

[Deputy Minister]

Statement showing the names of Magistrates in the State against whom courts have passed strictures during the year 1959-60 and 1961 and the nature of strictures etc.

Seral Nio.	Names of the Magistrates	Details of the court which passed strictures	Nature of the strictures	Whether given any promotion during 1959-60 and 1961	Action taken against the officers in respect of stricture; if no action, the reasons therefor
1	2	3	4	5	6
1	Shri Brijinder Singh, P.C.S., formerly S.D.O., Rewari	High Court	The Officer swore a false affidavit.	No	The officer has been asked to explain his position.
2	Shri Hargo Lal Saroj, P.C.S., formerly Magistrate, Ferozepore	Sessions Judge, Ferozepure	With regard to the judgement passed by the officer in case "Arjan Singh Vs State under section 380, I.P.C.	No	The matter is under action.
3	Shri Gurdial Singh Fijji, P.C.S., formerly Magistrate	High Court	The complainant's evidence disclosed several sinister weaknesses which called for a sifting inquiry into the manner in which the complainant's proof was procured and as to how the judicial records were tempered with.	No	A preliminary inquiry is being held by the Sessions Judge, Ambala.
4	Shri Sarnagat Singh, P.C.S.	Additional Sessions Judge, Delhi	For giving contradictory statements	Shri Sarnagat Singh was promoted to the Selection Grade with effect from 19th February, 1959.	
5	Shri R.S. Pathiana, P.C.S	Ditto	Irregularities committed with regard to the holding of identification proceedings in the Karnal Murder Case "D.S. Grewal and others Vs State"	..	The matter is under action.
6	Shri K.K. Kalia, I.C.S.	Ditto			Explanation of the officers have been obtained and are under the consideration of Government.
7	Shri Sher Singh, Sindhu, P.C.S.	Ditto			

Statemen tshowing the names of police officers in the State against whom courts of law have passed strictures during 1959-60 and current year 12th January, 1961 and the nature of strictures etc.

Serial No.	Names of Police Officers	Case FIR No.	Nature of strictures passed	Whether any promotion given; if so, the reasons therefor	Whether any action has been taken in respect of the strictures; if so, the details thereof; if no action has been taken, the reasons therefor
1	2	3	4	5	6
1	S.I. Chandgi Ram, SHO, GRPS, Hissar	FIR No. 85, dated 21st August, 1958, under section 147/506/186 IPC, GRPS, Hissar	The court observed that the time of report at the police station had been altered from 4 p.m. to 12.16 A.M. on the copy supplied to the accused.	He has since beeen promoted as Inspector. The case was decided on 31st December, 1959, whereas he was promoted in August, 1959. His name was borne on promotion list 'F'.	No action against S.I. Chandgi Ram was indicated as the time of report had merely been wrongly copied on the copy supplied to the accused. The FIR had not been tempered with.
2	S.I. Chaman Lal, S.I. Anti-Smuggling, Hissar	Ditto	The strictures against S.I. Chaman Lal related to unlawful custody of the accused.	..	A complaint against S.I. Chaman Lal is pending in the court. As the sub-judice complaint and strictures arise out of the same matter, no action can be taken till the decision of the complaint case. He is being dealt with departmentally by the authorities at Delhi, where he has since been tra nsferred
3	S.I. Ishar Dass	FIR No. 23, dated 29th March, 1958, under section 325, IPC, P.S. Rai, district Rohtak	The court observed that the sub-inspector had failed to examine persons under section 161 Cr. P.C. and instead had copied their statements from the records of proceedings drawn earlier and failed to conduct a fair and impartial investigation of the case.	No	

[Deputy Minister]

Serial No.	Name of Police Officers	Case FIR No.	Nature of strictures passed	Whether any promotion given; if so, the reasons therefor	Whether any action has been taken in respect of the strictures, if so, the details thereof; if no action has been taken, the reasons therefor
1	2	3	4	5	6
4	S.I. Ajmer Singh	FIRs No. 26/59, 27/59, 28/59 and 29/59, P.S. Gohana, district Rohtak	The court observed that the prosecution story of the arrival and departute of the S.I. and A.S.I. Pargat Singh was not supported by entries in the daily diary. The accused were given benefit of doubt and acquitted.	No	S.I. Amjer Singh resigned during the course of departmental proceedings with effect from 16th August, 1960. He has however, been re-enlisted since it has, been established that the resignation was submitted under forced circumstances and no malafides were involved on his part.
5	S.I. Chander Bhan	FIR No. 7, dated 5th February, 1959, under section 302 IPC, P.S. Beri, district Rohtak	The High Court observed on 26th February 1960 that the S.I. had done padding in the investigation of the case in as much as the evidence regarding purchase of 'Sankhia' by the acused was made up one.	No	Departmental action is being taken by D.S.P. Rohtak.
6	A.S.I. Rup Lal No.. 56/A	F.I.R. No. 163, dated 23rd October, 1959 under section 363/366/376/109 IPC., police station Sadar Gurgaon	The Additional Sessions Judge found the investigation to be defective.	No	Action is being taken against the A.S.I.

7	H.C. Behari Lal	FIR No. 117, dated 29th December, 1958 under section 61, Excise Act, P.S. City Panipat, district Karnal	Defective investigation. The other occupants of the house had not been challaned along with the accused.	No	Warned
8	A.S.I. Kesri Dass	FIR No. 116, dated 29th December, 1958, under section 61, Excise Act, police station City Panipat, district Karnal	Ditto	No	No action was taken since no malafide was found on the part of the investigating officer.
9	H.C. Des Raj	FIR No. 31, dated 23rd February, 1959 under section 61, Excise Act, police station Sadar, Karnal	For falsely implicating the accused. Also for failing to register a cross case under section 325 IPC against the other party and that he should not have himself decided as to which party was the aggressor.	No	No action was possible as the officer had died on duty at Hissar.
10	S.I. Khiali Ram	FIR No. 128, dated 6th August, 1959, under section 457, IPC, police station Sadar, Karnal	The recovery of locks and keys was doubtful as the keys did not fit in the locks and appeared to be foisted on the accused.	No	No action was taken as no malafide was found.
11	Shri Jaswant Singh, D.S.P., Kaithal	FIR No. 34, dated 6th July, 1959, under section 304, IPC, police station Guhala, district Karnal	There was a suspicion that the FIR had been prepared by the D.S.P. after making enquiries at the spot late in the afternoon and that there were several circumstances in this case that led to the conclusion that the FIR was not in existence at the alleged time viz. 7 a.m. on 7th July, 1959. The D.S.P. further did not take prompt steps for the test identification parade before a Magistrate.	No	The case is under consideration.
12	A.S.I. Johri Lal	Ditto	The A.S.I. failed to take cognisance of the offence when it had been brought to his notice. The judge gave no credit to his plea that tempers were running high in the village and he feared an assault on the police.	No	Departmental action is being taken against this officer.

[Deputy Minister]

Serial No.	Names of Police Officers	Case FIR No.	Nature of strictures passed.	Whether any promotion given; if so, the reasons therefor.	Whether any action has been taken in respect of the strictures; if so, the details thereof; if no action has been taken, the reasons therefor.
13	H.C. Gurnam Singh	FIR No. 10, dated 8th March, 1959, under section 411, IPC, P.S.Gharaunda, district Karnal	For falsely implicating the accused.	No	No action was taken as no malafide on the part of the H.C. was found.
14	Ch. Ram Singh, I.P.S., D.I.G.	FIR No. 34, dated 8th April, 1958, under section 302, IPC., police station Butana, district Karnal	It was observed (a) that he had no regard for truth, (b) that he had exhibited a sort of malice against Shri D. S. Grewal, (c) that he concocted an absolutely false story of the accused indulging in violence against his men and pressed D. I. G. of Police, Delhi, to get the accused handcuffed when they were taken to or from the court (d) that he exhibited a spirit of vindictiveness against Shri Grewal in instituting a charge under section 29 of the Indian Telegraph Act and (e) that he gave an incorrect description of the talk that had taken place on telephone between Shri D. S. Grewal and Shri Asa Singh.	No ..	His explanation has been obtained and is under examination of the Government.
15	Shri J. S. Bawa, I.P.S., S. P., Karnal	Ditto ..	The court observed that he showed a spirit of vindictiveness in the registration of a case under section 29 of the Indian Telegraph Act against Shri Grewal for sending a false telegram pleading illness for not attending the court in the murder case against him on a certain day.	No ..	Ditto

16	Shri Bahal Singh, Superintendent of Police	Ditto ..	It was stated against him (a) that he made efforts to change the statements of witnesses (b) that some sort of pressure and influence was brought to bear upon Shri Gurcharan Singh Mann by him or by other senior officers through him for making a wrong statement in court and he had a hand in moulding the evidence and (c) that the replies given by him during his statement in court were absurd.	He was promoted to officiate as Superintendent of Police in June, 1959, much earlier than the judgement was delivered.	Ditto
17	Shri Vishwa Mitter, Deputy Superintendent of Police	FIR No. 34, dated 8th April, 1958, under section 302/ IPC, police station Butana, district Karnal	It was stated against this officer (a) that he had been a complete turn coat with no regard for truth whatsoever and (b) that he tried to do away with the effect of documentary evidence by making a general statement that he had been behaving as an irresponsible officer making wrong entries in the crime register, ante-dating entries about the receipt of case diaries and ante-dating his signatures. It was added that this admission put him in the category of comical liars.	No ..	Ditto
18	Shri Banar Singh, Deputy Superintendent of Police	Ditto ..	It was stated against him that he made a false statement in deposing that the draft of the message sent by him was dictated by Shri D. S. Grewal before he left for the scene of occurrence.	No ..	Ditto
19	Shri Gurcharan Singh Mann, Inspector	Ditto ..	It was stated against him that (a) he made a false statement in court and (b) that he made a wrong allegation against Shri Grewal that he was instructed by him to manipulate the case diaries of the robbery case.	He was promoted to officiate as D.S.P., in accordance with the advice of Punjab Public Service Commission	Ditto
20	H.C. Jagdish Singh	Ditto ..	It was stated against him that he was a daring liar having made a false statement about the non-receipt of case diaries at the police station on 9th July, 1958.	No ..	Ditto

[Deputy Minister]

Serial No	Names of Police Officers	Case FIR No.	Nature of strictures passed	Whether any promotion given; if so, the reasons therefor	whether any action has been taken in respect of the strictures; if so, the details thereof; if no action has been taken, the reasons therefor
21	S.-I. Balwant Singh	F.IR. No. 34, dated 8th April, 1958 under Section 302, I.P.C., Police Station Butana, District Karnal ..	It was stated against him that he deliberately arrested an innocent person Chatru and made false entries in the case diaries.	His name was on promotion list and he was promoted, when his turn came. As the matters relating to the Karnal murder case were Sub-Judice, his promotion could not be withheld.	His explanation has been obtained and is under consideration of the Government.
22	Constable, Sadhu Singh	Ditto	It was stated against him that he changed two sheets in the daily diary register of C. I. A., Karnal, after deliberately making false entries therein.	No ..	Ditto
23	H.C. Pitamber Singh	Ditto ..	It was stated against him that he made wrong entries in the daily diary of police station, Thanesar.	No ..	Ditto
24	Constable Pritam Singh	Ditto ..	It was stated against him that he made wrong entries in the daily diary of police station, Butana.	No ..	Ditto
25	Constable Sunder Lal	Ditto ..	It was stated against him that he wrote ante-dated applications for obtaining warrants and prepared ante-dated case-diaries in connection with Ruksana murder.	No ..	Ditto
26 27	H.C. Pindi Dass and Constable, Des Raj	Ditto ..	It was stated that Head Constable Pindi Dass got false entries made in daily diary, police station, Thaska Miranji, through Constable Des Raj.	No ..	Ditto

28	S.-I. Charan Singh	FIR No. 77, dated 1st November, 1959, under section 302, IPC., police station Morinda, district Ambala	The Sessions Judge observed that it was impossible to believe that the Sub-Inspector had failed to observe the blood stains on the shirt of the accused when he interrogated him on the first day. He described the discovery of stains on the following day as padding and held the recovery of the turban at the instance of the accused a possible concoction. That the Sub-Inspector had made a wrong deposition about the time of the despatch of dead body from the village to the mortuary.	No	Ditto
29 30	A.S.-I., Chandgi Ram Sub-Inspector Baldev Singh	FIR No. 38, dated 13th October, 1959, under section 325/326/IPC., police station Chhappar, district Ambala	It was observed against Assistant Sub-Inspector Chandgi Ram that he did not play the role of an independent investigator and the Sub-Inspector did not act as he should have done. The accused were favoured. The case was initially registered under section 325/324 IPC., and the offence was bailable. Subsequently the offence was changed into 326 IPC., and the Assistant Sub-Inspector did not apply to the court for issue of non-bailable warrants. Also on the date of occurrence, immediately before the incident, the complainant had got a report recorded in the daily diary which was too not forthcoming. The court called for the roznamcha for that day, but the relevant page was missing and instead another page had been pasted.	No.	The judgment is under scrutiny and action is being initiated.
31 32	A.S.-I. Chandgi Ram H.C. Krishan Lal	F.I.R. No. 42, dated 10th November, 1959, under section 325/34 IPC., police station Chhappar	The investigating officer did not play the role of an impartial officer ; page 52 of the roznamcha had been torn off and repasted on page 53, which supported the accused's version that something was going on between the Assistant Sub-Inspector and Head Constable to do away with the entry in the roznamcha recorded at the instance of the accused in order to damage the case of the accused.	No.	The judgment has been obtained and action against the defaulters is being initiated.

[Deputy Minister]

Serial No.	Names of Police Officers	Case FIR No.	Nature of strictures passed	Whether any promotion given; if so, the reasons therefor	Whether any action has been taken in respect of the strictures; if so, the details thereof; if no action has been taken, the reasons therefor
33	Inspector Bhag Singh	Case FIR 42, dated 10th November, 1959, under section 325/34/382 IPC., police station Chhappar, district Ambala	It was observed that the Inspector did not have any reasons to disagree with the investigation of Assistant Sub-Inspector, Sat Narain who had not arrested the accused. It appeared that in order to satisfy the demand of a few persons who may probably be a little influential and who had sent a complaint to Superintendent of Police he arrested the accused.	No. ..	Action is being taken.
34	H.C., Kartar Singh	FIR No. 68, dated 28th February, 1960, under section 457 IPC., police station, Rupar, district Ambala	The court observed that the investigating officer took no pains to thrash out the true facts in this case and he seemed to have helped the complainant for reason best known to him.	No. ..	Ditto
35	A.S.-I. Surjit Singh	FIR No. 45, dated 19th October, 1959, under section 19—Arms Act, police station Sadhaura, district Ambala	It was observed that the recovery of gun was made from a pond and not from the personal possession of the accused as shown by the investigating officer.	No. ..	Enquiries were made into the conduct of the A.S.-I. and it was found that he had acted in a bona-fide manner in discharging his duties. No action was, therefore, called for.
36	H.C. Manohar Lal	FIR No. 83, dated 22nd April, 1960, under section 61—Excise Act, police statio, City, Hoshiarpur	The magistrate observed discrepancy in the relevant memos regarding the recovery of 'charas' from the accused.	No. ..	He has been severely warned for his negligence.

37	A.S.I. Ved Parkash	FIR No. 84, dated 12th June, 1960, under section 61/1/14 police station Garhshankar, district Hoshiarpur	It was observed that the A.S.I. had deliberately given evasive answers put to him by the defence counsel and that he had betrayed utter lack of responsibility and gross ignorance in the matter. To almost every question put to him, he stated that he did not remember it.	No.	Action is being taken.
38	A.S.I. Rajinder Lal	FIR Case State *Vs* Major Singh, under section 302, IPC, police station Phillaur, district Jullundur	It was observed by the Sessions Judge that the investigation conducted by the A.S.I. was wholly dishonest and smelt of corruption which required probing into	No	.. Action is being taken against the officer by the D.S.P.
39	A.S.I. Dalip Singh	FIR No. 68, dated 24th December, 957, under section 302, IPC, police station, Sultanpur, district Kapurthala	Investigation had been done in a most careless manner with the result that the accused were acquitted.	No	.. The A.S.I. was awarded a censure.
40	S.I. Raj Kumar Singh	FIR No. 80, dated 20th March, 1959, under section 307/224/225 IPC. police station Sadar Kapurthala	The judge did not believe the prosecution story that the accused tried to escape from custody and that the occurrence had taken place in the manner given by the prosecution.	No	.. The complainant party has filed a complaint against the S.I., under section 302 IPC and it is still pending in the Court of Sessions Judge, Kapurthala.
41	H.C., Yashpal Rai, No. 6	FIR No. 38, dated 12th November, 1959 under section 324/34 IPC, police station, Bholath	The court found that the head injury had not been mentioned in the first instance and it was improvised subsequently by fabrication by H.C. Yashpal Rai.	No	.. The case is under consideration.
42	A.S.I., Ram Singh	FIR No.82, dated 27th March, 1959 under section 376, IPC, police station, Sadar Gurdaspur	The A.S.I. had visited the spot and hushed up the crime by taking some undertaking from the accused. The A.S.I. had no business to do so when the law did not permit compounding in such cases.	No	Two years of approved service forfeited.

[Deputy Minister]

Serial No.	Names of Police Officers	Case FIR No.	Nature of strictures passed	Whether any promotion given; if so, the reasons therefor	Whether any action has been taken in respect of the strictures; if so, the details thereof; if no action has been taken the reasons there for
43	A.S.I. Shiv Charan Singh, No. 683/ASR	FIR No. 2, dated 2nd January, 1960, under section 302 IPC, police station Kalanaur, district Gurdaspur	The A.S.I. acted with some ulterior motives in recording a perfunctory FIR at the instance of one Bachan Singh, who had no personal knowledge of the affair, and did not record the statements of eye-witnesses, who were available.	No ..	The departmental inquiry against the A.S.I. is pending since the accused who were convicted have filled an appeal in the High Court and the original judicial file is not available.
44	S.I., Jatinderpal ..	FIR No . 46, dated 12th April, 1959 under section 61.1. 14 Excise Act Policestation Kathunangal, district Amritsar	The High Court on appeal held that at the time of the raid the accused was not at his house and the case was false.	No ..	Departmental enquiry is pending against him.
45 46	S.I. Gurbhachan Singh H.C., Inderjit Singh	FIR No. 94/1, dated 25th June, 1959 under section 9/1/78, Opium Act P.S.'C' Division Amritsar	The Sessions Judge on appeal believed the the defence version that the accused was a witness against the Head Constable and on account of his enmity he got the accused implicated in a false case with the help of the Sub-Inspector.	No ..	Ditto
47	H.C., Pritam Singh, No. 1283	FIR No. 183, dated 5h June, 1959 under section 9/1/78 police station Kotwali, Amritsar	The court held the case to be a false one. A fresh sample sent to the Chemical Examiner at the request of the accused was not held to be opium.	No ..	Case is under consideration.
48	S.I., Gajinder Singh	FIR 210, dated 28th November, 1959 under setion 8/1/78, police station 'D' Division, Amritsar	The court held the case to be false. At the defence stage a new sample was sent to the Chemical Examiner who opined that it was not opium.	No ..	ADM/ Amritsar is holding an enquiry under P.B. 16.38.

49	A.S.I., Prem Nath..	Case FIR No. 39, Dated 15th February, 1960 under section 9/1/78 Opium Act, E, Division, Amritsar	The court held the case false. The report of the fresh sample sent showed that it was not opium.	No ..	Ditto
51	H.C., Naranjan Dass No. 1278	FIR No.189, dated 14th June, 1959, under section 9/1/78, police station, 'D' Division Amritsar	The court held the case to be false. The Chemical Examiner's report on the fresh sample sent at the defence stage was that it was not opium.	No ..	Case under consideration
52	A.S.I. Khushbakhat Rai	FIR 66, dated 8th March, 1960 under section 9/1/78, police station 'E' Division Amritsar	Ditto	No ..	No action can be taken since the A.S.I. has been murdered.
53	S.I. Rajinder Singh	FIR 17, dated 28th January, 1959, under section 302, IPC, police station Khuyan Sarwar, district Ferozepur	The court observed that the S.I. had devoted himself to fabricating evidence against the accused and weaving some story for proving their guilt rather than finding out the truth.	No ..	Two years, approved service forfeited.
54	A.S.I. Sansar Singh	FIR 248, dated 30th October, 1958, under section 302, IPC, police station Moga, Ferozepore	The court observed that the investigating officer had challaned the person who was not named in the FIR by the complainant and was innocent and had intentionally left the real culprits who were named in the FIR by the complainant.	No ..	Departmental enquiry has been started and is pending
55	A.S.I. Jagan Nath, No. 1238/FZR	Ditto	Ditto	Do	Ditto
56	S.I. Kartar Singh, 16/B	FIR 141, dated 11th August, 1959 under section 302/34 IPC, police station Lambi, district Ferozepore	The court held that the arrest of Shangara Singh accused in the case was merely a cock and bull story and the creation of the imagination of the A.S.I. The recovery of the head of the deceased was also disbelieved.	No ..	Ditto

[Deputy Minister]

Serial No.	Names of Police Officers	Case FIR No.	Nature of strictures passed	Whether any promotion given if so, the reasons therefor	Whether any action has been taken in respect of the strictures, if so the details thereof if no action has been taken the reasons therefor
57	S.I., Tara Chand, 10/B	FIR 247, dated 3rd August, 1959 police station Muktsar, district Ferozepur	The court commented upon certain lapses on the part of the S.I.	No ..	Departmental enquiry has been started and is pending.
58	H.C., Partap Singh		The Head Constable did not correctly maintain the Malkhana register.	No ..	Reverted as the time-scale Constable and name removed from promotion list.
59	A.S.I. Hazara Singh	FIR 370, dated 2nd November, 1959 under section 302 IPC, police station Muktsar, district Ferozepore	The court adversely commented upon his conduct in depositing the important exhibits after a great delay.	No ..	Departmental enquiry is pending against him.
60	M.H.G. Partap Singh	Ditto	For tampering with the entries in the Malkhana register	No ..	As at Serial No. 58 above.
61	A.S.I., Saudagar Singh, No. 1268	FIR No. 294/dated 26th December 1959 under section 302/34 IPC, police station Jalalabad, district Ferozepor	The judge observed that the A.S.I. had made wholesale improvements on the prosecution version given in the FIR while recording the statements of eye-witnesses under section 161 Cr. P.C. The recovery of weapons of offence was held to be a made up affair.	No ..	Departmental enquiry is pending against him.
62	A.S.I. Saudagar Singh, No. 1268	FIR 221/59, under section 302/34 IPC police station Jalalabad, district Ferozepore	The judge made adverse comments on the faulty investigation. It was also held that the A.S.I. had not recorded the information given to him by the Chowkidar, which was in fact the FIR. The A.S.I. recorded the dying declaration of the deceased in its minutest details saying that he was fit to make a statement, but medical evidence stated otherwise.	No ..	Ditto

63	Shri Chuni Lal, A.S.I.	FIR No. 116, dated 11th April, 1960 under section 302/34 IPC, police station Muktsar, district Ferozepore	The judge remarked that the investigation was not above board on material aspects of the case and at least three witnesses appeared to have been pressed into service by the Police to figure as witnesses and support the prosecution case by false evidence.	No ..	Ditto
64	Moharrir H.C., Jagdish Lal	FIR No. 31, dated 29th February, 1960 under section 302 302 IPC, police station Lambi, district Ferozepore	H.C. Jagdish Lal stated in his affidavit that he had handed over three sealed parcels for transmission to the Chemical Examiner through Constable Parkash Ram, while according to the letter's affidavit, he received only one parcel. The reports of the Chemical Examiner disclosed that he had received two sealed parcels. The Judge gave benefit of this confusion to the accused and observed that it was not proved that the viscera and vomit examined by the Chemical Examiner, in fact, belonged to the deceased.	No ..	Departmental enquiries have been started and are still pending.
65	Constable Parkach Ram				
66	S.I., Shamsher Singh	FIR 62 dated 13th December, 1959 under section 302 IPC, GRPS, Sangrur	The Sessions Judge found the investigation to be faulty.	..	Departmental enquiry is pending.
67	A.S.I., Rohtan Singh	FIR No. 9, dated 21st March, 1960 under section 302 IPC, police station Kalayat, district Sangrur	The investigation was found faulty.	No	Action has not been taken as yet since the A.S.I. is under training at Phillaur. The judgement was received after the A.S. I. had left. He will be dealt with on return from the P. T. S.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਜੋ statement ਮੈਨੂੰ ਮਿਲੀ ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਜਾਂ ਮੈਜਿਸਟ੍ਰੇਟਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਅਦਾਲਤਾਂ ਨੇ strictures ਪਾਸ ਕੀਤੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਮਹਿਕਮਾਨਾ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਲੋਂ strictures ਪਾਸ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, action ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਰਕਾਰ ਮਹਿਕਮਾਨਾ ਕਾਰਵਾਈ ਕਿਸ ਬਿਨਾ ਤੇ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ?

ਉਪ-ਮੰਤ੍ਰੀ : ਕਿਸੇ ਅਫਸਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ action ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ Constitution ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਉਸ ਨੂੰ explanation ਦੇਣ ਦੀ opportunity ਦੇਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਵਿਰੁਧ ਕਿਤਨੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਮੁਕੰਮਲ ਕਾਰਵਾਈ finalise ਕਰ ਲਵੇਗੀ ?

Deputy Minister : As soon as possible.

श्री राम प्यारा : जो statement Table पर रखी गई है इस में बताया गया है कि कुछ cases में कोई action नहीं लिया गया। इस की क्या वजुहात हैं जबकि Courts ने strictures पास कर दिये हैं ?

उप-मंत्री : ये वजुहात remarks के column में दिए गए हैं। अगर किसी खास अफसर के बारे में पूछना चाहें तो notice दें।

श्री राम प्यारा : जो साहिब नम्बर एक पर हैं, उन को promotion तो नहीं दी गई मगर strictures पास हुए काफी अर्सा हो गया है तो क्या वजह है कि action लेने में delay की जा रही है ?

उप-मंत्री : इस का जवाब already दे दिया गया है।

श्री राम प्यारा : कुछ अफसरों को उन के खिलाफ enquiry के दौरान promotion देने की क्या वजह है ?

उप-मंत्री : सवाल तो बहुत से अफसरान के बारे में है।

श्री राम प्यारा : क्या वज़ीर साहिब बतायेंगे कि क्या यह सरकार की policy है कि जिन के खिलाफ charge sheet दी गई हो उन को promotion न दी जाए ?

उप-मंत्री : यह तो बड़ा general सवाल है।

Mr. Speaker : No, it is a definite question about the policy of the Government.

उप-मंत्री : जो promotion वग़ैरह है वह according to the rules होती है। जब तक कोई चीज finalise न हो जाए। promotion पर कोई bar नहीं होती।

श्री राम प्यारा : जनाब, clear नहीं हुआ इन का जवाब।

श्री अध्यक्ष : इस में clear होने की क्या बात है ? इन्हों ने कहा है कि promotion दी जाती है। (What is there to be clear about ? He has stated that due promotion is given.)

पंडित श्री राम शर्मा: क्या वजीर साहिब बतायेंगे कि चाहे कितना ही serious charge हो, due promotion दे दी जाती है या रोक भी ली जाती है in view of the serious charges against the officer ?

उप-मंत्री : जहां तक rules और policy का ताल्लुक है वह मैं ने अर्ज़ कर दिया है। अगर कोई particular case हो तो नोटिस दें।

श्री अध्यक्ष : आप को कहना चाहिये कि High Court की strictures के बाद हमें एक departmental procedure भी follow करना होता है। यह भी semi-judicial कार्यवाही होती है। इस तरह से मैम्बर्ज़ satisfy हो सकते हैं। (The Deputy Minister should reply that after the passing of strictures by the High Court, they have to follow a departmental procedure too, which is a semi-judicial proceeding. That could possibly satisfy the Members.)

उप-मंत्री : मैं आप की observation समझ नहीं सका....।

श्री अध्यक्ष : मैं ने आप की मदद के लिये कहा है कि आप कह सकते हैं कि जो departmental कार्यवाही होती है वह semi-judicial होती है बजाए इस के कि definite Commitment करें। (I had stated for the help of the Deputy Minister that instead of making any definate commitment he could say that the departmental enquiry too is a semi-judicial proceeding.)

पंडित श्री राम शर्मा : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बतायेंगे कि High Court या किसी और Court से जो strictures किसी अफसर के खिलाफ पास हो जाएं तो क्या गवर्नमैंट इस बात का विचार करती है कि उसके खिलाफ क्या action लिया जाए या यह देखती है कि strictures ठीक भी थे या नहीं ?

उप-मंत्री : इस में action rules के मुताबिक लिया जाता है।

पंडित श्री राम शर्मा : मेरा सवाल यह था कि अगर किसी अफसर के खिलाफ High Court से strictures पास हों तो क्या गवर्नमैंट यह सोचती है कि उस के खिलाफ क्या action लिया जाए या इस बात की तहकीकात शुरू कर देती है कि strictures justified भी थे या नहीं ?

उप-मंत्री : किसी Court की finding को question नहीं किया जाता लेकिन जो कार्रवाई है वह under the rules की जाती है।

CASES REGISTERED IN POLICE STATION CITY KARNAL

***6705. Shri Ram Piara : Will the Chief Minister be pleased to state —**

(a) with reference to the reply to Unstarred Question No. 3080 printed in the list of questions for 9th November, 1960 whether the enquiry against the Kaithal Nagraon Co-operative Transport Society Ltd., Kaithal has been completed ; if so, with what result ; if not, the reasons therefor ;

[Shri Ram Piara]

(b) whether any member or members of the said Society filed any affidavit/affidavits in respect of the sale of the vehicle ; if so, his/their name/names ;

(c) whether the affidavits mentioned in part (b) above have been taken into possession by the Police (Enquiry Officer) ; if so, when; if not, the reasons therefor ;

(d) whether the vehicle is in the possession of the Police; if not, the reasons therefor ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) Yes. Case has, however, been sent up for cancellation.

(b) No.

(c) In view of (b) above the question does not arise.

(d) The vehicle was taken into possession, but it was later on released on *superdari* under the orders of the court.

श्री राम प्यारा : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बतायेंगे कि cancellation के लिये क्यों कहा गया ?

उप-मंत्री : इस case के facts यह थे । Kaithal Nagraon Transport Co-operative Society ने Messrs Motors Carriers Financiers से hire-purchase basis पर एक vehicle लिया था । Firm के एक partner ने अपनी authority से इसे बेच दिया । तो दूसरे partner ने case register करवा दिया । इस लिये vehicle उनके इख्तियार से ले लिया गया और यह case cancellation के लिये भेजा गया ।

श्री राम प्यारा : सवाल 3080 के reply में बताया गया है कि the case was registered on 28th June, 1960 तो क्या इन चार महीनों के दौरान उस partner ने पुलिस को नहीं बताया ?

उप-मंत्री : Investigation में देर लगती है और prosecution में भी देर लग जाती है।

श्री राम प्यारा : क्या आप बतायेंगे कि vehicle किस की स्पुर्दारी में रखा गया ?

उप-मंत्री : इसके मुतअल्लिक आप notice दें।

श्री राम प्यारा : वह enquiry कौनसी जगह पर हुई ?

उप-मंत्री : Exactly तो इस वक्त नहीं बताया जा सकता लेकिन जहां जरूरी था वहां पर ही हुई होगी ।

श्री राम प्यारा : क्या बताया जा सकता है कि पुलिस को कब statement दिया गया कि उन्हों ने अपने partner की इजाजत से vehicle को बेचा है ?

श्री अध्यक्ष : आप इस से क्या information चाहते हैं ? (May I know what information does the hon. Member want to elicit by asking such supplementaries?)

श्री राम प्यारा : जनाब, दरअसल बात यह है कि payment नहीं हुई और 16 हज़ार रुपया की रसीद बना कर ग़लत तरीके से अँगूठा लगवा लिया गया है ।

Mr. Speaker : The hon. Member is passing information, which cannot be subject matter of a supplementary question.

RESIGNATIONS BY PROSECUTING SUB-INSPECTORS

***6792. Chaudhri Baru Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the names and addresses of Prosecuting Sub-Inspectors in the State who submitted their resignations within the last three years and the reasons therefor in each case ;

(b) the number of resignations out of those referred to in part (a) above which were accepted and the names of persons concerned ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) and (b) A list giving the requisite information is laid on the Table.

Statement showing the names and addresses of Prosecuting Sub-Inspectors, who submitted their resignations within the last three years.

Serial No.	Name and address	Reasons	Whether the resignation was accepted or not
	AMBALA RANGE		
1	Shri Prem Chand, Lawyer, Sirsa ..	Compassionate grounds	Accepted
2	Shri Partap Sain, Lawyer, Hissar	Ditto	Do
3	Shri Shamsher Singh, (Address not known)	Selected for P.C.S.	Do
4	Shri Prem Singh of Rohtak District	Compassionate grounds	Do
5	Shri Hardyal Singh (Address not known)	Ditto	Do
6	Shri Madan Mohan (Address not known)	On health grounds	Do
7	Shri Harkrishan Lal Kapur, C/o S. P. Gurgaon	Compassionate grounds	Under consideration
8	Shri Shiv Kumar, C/o S. P. Gurgaon	Ditto	Do
9	Shri Krishan Baldev, Model Town, Panipat, district Karnal	Ditto	Accepted
10	Shri Yash Paul, Model Town, Karnal	Ditto	Do

[Deputy Minister]

Serial No.	Name and address	Reasons	Whether the resignation was accepted or not
11	Shri Sarwan Singh, C/o S. P. Karnal	Compassionate grounds	Accepted
12	Shri Ram Avtar Singh of Hissar District	Ditto	Has since withdrawn his resignation.
13	Shri Rai Inder Nath, Civil Lines, Ludhiana	Ditto	Accepted
14	Shri Lekh Raj, Model Town, Karnal	Ditto	Do
15	Shri Yashvir Yakhmi, district Ambala	Ditto	His regignation has just been received and is under consideration.
	JULLUNDUR RANGE		
16	Shri Satwant Singh Jhaj, son of Shri Inder Singh, village Doburji, Police Station Payal, district Patiala	Domestic circumstances	Accepted. He has, however, been re-appointed as temporary Proseuting Sub-Inspector.
	PATIALA RANGE		
17	Shri P. K. Sood, son of Shri Ganga Bishan Sood, village Birak, district Jullundur	Illness	Accepted
18	Shri Prem Paul Suri, B-1-33/34, Malika Ganj, Sabzimandi, Delhi	Domestic circumstances	Do
19	Shri Sant Singh, son of Sardar Amar Singh, Retired Manager, Balbir Press, Faridkot	He failed to qualify the departmental examination and resigned.	Do
20	Shri Balwant Singh, Faridkot, district Bhatinda	Unavoidable domestic circumstances	Do
21	Shri Jatinder Kumar Khurana, 168, Adarsh Nagar, Jullundur City	Ditto	Do
22	Shri Ajaib Singh, son of Sardar Hari Singh, village Sangat Kalan, police station, Sadar Bhatinda, district Bhatinda	To contest Municipal elections	Orders have since issued to accept his resignation as soon as the officer appointed in his place reports for duty.
	BORDER RANGE		
23	Shri Kuldip Singh of Gurdaspur District	Compassionate grounds	Accepted
24	Shri Rajinder Pal Singh, of Gurdaspur District	Ditto	Do
25	Shri Jugraj Singh, Ferozepur District now Amritsar District	Ditto	Under consideration
26	Shri Jai Kanwar Singh of Gurdaspur District	Ditto	Do
27	Shri Harwant Singh of Amritsar ..	Family circumstances	Do
	GOVERNMENT RAILWAY POLICE		
28	Shri Ram Parkash Malhotra, House No. 1488, Hing-ki-Mandi, Agra	Domestic and health grounds	Accepted

Chaudhri Baru Ram : In the statement laid on the Table, against item 22, in the column "whether the resignation was accepted or not" it has been stated that "Orders have since been issued to accept his resignation as soon as the officer appointed in his place reports for duty

क्या मैं पूछ सकता हूँ कि resignation दिए बिना वह election में हिस्सा ले सकता है ?

उप-मंत्री : जहाँ तक resignation accept करने की बात है, वह conditional है। हिस्सा election में ले सकता है या नहीं, मैं यह नहीं कह सकता।

श्री अध्यक्ष : आप तो वकील हैं, और अच्छी तरह जानते हैं कि resignation दिए बग़ैर election में हिस्सा नहीं ले सकते। (The hon. Member is a lawyer and knows it quite well that one cannot take part in the elections without submitting one's resignation.)

चौधरी बारू राम : मैं यह वज़ीर साहिब से दरियाफ्त करना चाहता हूँ कि क्या कोई खास reason था ?

उप-मंत्री : इसके लिये नोटिस चाहिये।

चौधरी इन्द्र सिंह : जनाब, चौधरी बारू राम जी ने reasons पूछे हैं और इन्होंने compassionate ground बतलाई है। जब यह बात है तो कुछ तो इनके इल्म में होगा ही ? वही बतला दें।

श्री अध्यक्ष : उन्हें आप compassionate ground पर ही छोड़ दीजिए। (The hon. Member should leave the Deputy Minister on compassionate ground.)

चौधरी बारू राम : यही एक case compassionate ground का हो तो छोड़ दें इस तरह से तो जवाब नहीं मिलता, जनाब !

श्री अध्यक्ष : आप इनके पास जाकर पूछ लें। (The hon. Member may get the information privately.)

CONFIRMATION OF PROSECUTING SUB-INSPECTORS IN THE STATE

***6794. Chaudhri Baru Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the names of the Prosecuting Sub-Inspectors in the State who were confirmed during the last 4 years and the conditions which have been prescribed for such confirmations;

(b) whether any preference in the matter of confirmation is given to such of the Prosecuting Sub-Inspectors' as qualify for the posts of Prosecuting Inspectors' in their first attempt ;

(c) the names of Prosecuting Sub-Inspectors belonging to the Hindi Region who qualified as Prosecuting Inspectors in their first attempts and the date when each of them qualified as such ;

[Chaudhri Baru Ram]

(d) whether there is any proposal under the consideration of Government to revise the pay-scales of those Prosecuting Sub-Inspectors who qualify as Prosecuting Inspectors in their first attempt ; if so, the details thereof ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) (i) A statement showing the names of the Prosecuting Sub-Inspectors in the State who were confirmed during the last 4 years is laid on the Table of the House.

(ii) After his appointment a Prosecuting Sub-Inspector of Police has to qualify a Prosecuting Sub-Inspector's Course at the Police Training School, Phillaur. If he fails to qualify in it in his initial attempt, he is given three more consecutive chances to pass the examination. If he still does not qualify, he is liable for discharge from service for not likely to become a useful Prosecuting Officer. His confirmation in the rank depends upon the record built by him subject to the availability of posts and his position on the seniority list.

(b) No.

(c) A list is placed on the Table of the House.

(d) No.

List of Prosecuting Sub-Inspectors in the State who were confirmed during the last 4 years.

AMBALA RANGE

1. Shri Shushil Chander, No. A/136.
2. Shri Vidya Sagar, No. A/148.
3. Shri Tahla Ram, No. A/137.
4. Shri Ravi Dutt, No. A/144.
5. Shri Lekh Raj, No. A/138.
6. Shri Gurmukh Singh, No. A/142.
7. Shri Sohan Singh, No. A/150.
8. Shri Yash Pal, No. A/142.
9. Shri Krishan Narain, No. A/141.
10. Shri B. R. Rampal, No. A/132.
11. Shri Rama Kant, No. A/147.
12. Shri Naranjan Singh, No. A/174.
13. Shri Shivdev Singh, No. A/163.
14. Shri Harkrishan Lal, No. A/153.
15. Shri Brahm Sarup, No. A/151.
16. Shri Shamsher Singh, No. A/133.

JULLUNDUR RANGE

1. Shri Narinjan Singh, No. J/112.
2. Shri Prithi Raj, No. J/113.
3. Shri Sat Parkash, No. J/114.
4. Shri Harbans Lal, No. J/115.
5. Shri Naubat Singh, No. J/99.
6. Shri Shiv Mohan Singh, No. J/97.

PATIALA RANGE

1. Shri Jaswant Singh, No. PR/122.
2. Shri Balwant Singh, No. PR/132.
3. Shri Gurcharan Singh, No. PR/131
4. Shri Arjan Singh, No. PR/130.
5. Shri Brij Mohan Lal, No. PR/129.
6. Shri Jaswant Singh, No. PR/135.
7. Shri Madan Mohan, No. PR/134.
8. Shri Sohan Lal, No. PR/136.

BORDER RANGE

1. Shri Chaman Lal.
2. Shri Partap Singh.
3. Shri Kali Ram.
4. Shri Tilak Raj.

GOVERNMENT RAILWAY POLICE

Nil.

(c) *The names of Prosecuting Sub-Inspectors belonging to the Hindi Region who qualified as Prosecuting Sub-Inspectors in their first attempts and the date when each of them qualified as such.*

	Name	
1.	Prosecuting Sub-Inspector Om Parkash of the Ambala Range	March, 1958
2.	Prosecuti Sub-Inspector Pritam Singh of the Jullundur Range	March, 1957
3.	Prosecuting Sub-Inspector Parkash Chand, PR/127 ..	March, 1956
4.	Prosecuting Sub-Inspector Brij Mohan Lal, No. PR/ 129 ..	March, 1957
5.	Prosecuting Sub-Inspector Mela Ram (Border Range) ..	March, 1957
6.	Prosecuting Sub-Inspector Jaswant Singh Sandhu, Border Range.	..

IRREGULARITIES IN LOCAL BODIES' ACCOUNTS

*6723. **Dr. Bhag Singh** : Will the Minister for Finance be pleased to state whether it is a fact that the Examiner, Local Fund Accounts, Punjab, has recently pointed out a large number of irregularities in the accounts of Local Bodies in his Report for 1958-59; if so, the steps being taken or proposed to be taken to prevent the recurrence of such irregularities in the future ?

Professor Yashwant Rai (Deputy Minister) : Yes. The Examiner, Local Fund Accounts, Punjab, conducts the audit of accounts of local bodies and suggests methods to improve the accounts of the institutions audited. The irregularities noticed are pointed out to the local bodies concerned for removal. The progress is watched zealously by the Examiner, Local Fund Accounts, Punjab, and cases requiring intervention by Government are referred to it.

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ accounts ਵੇਖੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਰ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਗ਼ਲਤੀਆਂ ਬਾਰ ਬਾਰ ਹੋਣ ਤਾਂ ਫੇਰ ਕੀ ਇਲਾਜ ਹੈ ?

उप-मंत्री : Serious nature की अगर ग़लती हो तो उस की बाकायदा enquiry की जाती है और फिर उसके बाद proper action लिया जाता है ।

COMPLAINT AGAINST PRESIDENT, MUNICIPAL COMMITTEE, KARNAL

*6741. **Shri Ram Piara** : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) with reference to the reply to starred question No. 6060 printed in the list of questions for 15th November, 1960, the name of the officer or authority who conducted the enquiry into the complaint together with the contents of his report;

[Shri Ram Piara]

(b) the amount of T. A. drawn by the ex-President, Municipal Committee, Karnal together with the amount which has been deposited by him and the date when it was deposited;

(c) whether it is a fact that the then President filed an affidavit or made a statement before the Enquiry Officer that he travelled in his own car; if so, the date when the affidavit was filed or the statement as made?

Prof. Yashwant Rai (Deputy Minister) : (a) Officer Incharge, Local Bodies, Karnal. He found that the Resident Senior Auditor had already made a report regarding the excess drawal of T. A.. by Shri Ram Lal, Ex-President, Municipal Committee, Karnal and the matter of recovering the excess amount had been taken up already.

		Rs. nP.
(b) (i) Amount of T. A. drawn	..	254.75
(ii) Excess amount deposited with date of deposit	..	113.92
		22-12-1960

(c) No.

श्री राम प्यारा : क्या Deputy Minister साहिब बतायेंगे कि उस officer का क्या नाम है जिस ने enquiry की ?

उप-मन्त्री : वह Officer In-charge, Local Bodies, Karnal था ।

श्री राम प्यारा : जनाब, मैंने तो specifically उस officer का नाम पूछा था, जनाब ।

Deputy Minister : I am sorry, his name is not available with me here.

श्री राम प्यारा : क्या Deputy Minister साहिब बतायेंगे कि आया Enquiry Officer In-charge, Local Bodies ने अपनी मंजी से की या कोई report आई थी? अगर आई थी तो उस के contents क्या हैं ?

Deputy Minister : I require separate notice, Sir.

श्री राम प्यारा : Sir, it is an absolutely evasive reply. अच्छा अगर यह बात है, तो जनाब मैं यह पूछना चाहता हूं कि enquiry जो हुई वह किसी की report पर हुई या Officer In-charge, Local Bodies ने अपनी मर्जी से की ?

उप-मंत्री : इस की report हुई थी ।

श्री अध्यक्ष : आप को अगर पता है तो आप भला पूछते क्यों हैं ? (हंसी) (Why does the hon. Member ask about such things when these are within his knowledge ?) (*Laughter*)

GIFT DEEDS REGISTERED IN THE STATE

***6485. Shri Ram Chandra Comrade** : Will the Minister for Revenue be pleased to state the area of land in the State and its value in respect of which deeds of gift were registered in the State during the years 1958-59, 1959-60 and 1960-61 ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : A statement is laid on the Table.

DEVELOPMENT OF PUNJABI LANGUAGE IN THE STATE

*6507. **Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Education be pleased to state the steps taken by the Government for the development of the Punjabi Language in the State during the years 1958, 1959 and 1960?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : The attention of the Honourable Member is invited to the brochures entitled "Progress made since (a) Independence (b) 1957 by the Language Department, Punjab" published by the Language Department in March, 1960, and "Punjab on the March" laid on the Table of the House on the 25th February, 1961, along with the Budget Speech' of the Finance Minister, Punjab, which contain the required information.

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहब फरमायेंगे कि जो उन्होंने फरमाया है उस में मोटी मोटी बातें क्या हैं ?

उप-मंत्री : सब इस में लिखी हुई हैं ।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : क्या मैं पूछ सकता हूँ कि 1958 में पंजाबी के लिये क्या कदम उठाए गए ?

उप-मंत्री : पूरी information इस में है ।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : पंजाबी डीपार्टमैंट कब कायम किया गया ?

उप-मंत्री : लिस्ट में दर्ज है ।

श्री अध्यक्ष : कोई रीडर इन को दे दीजिए । (Provide him with a reader.)

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : पंजाबी यूनिवर्सिटी बनाने का फैसला कब हुआ ?

उप-मंत्री : इस का इस से कोई ताल्लुक नहीं ।

Mr. Speaker : Please give separate notice for it.

SUPPLEMENTARIES ON STARRED QUESTION NO. * 6574

श्री बलराम दास टण्डन : जिन म्युनिसिपल कमेटियों की लिस्ट दी गई है इन की Election कब तक हो जायेगी ?

उप-मंत्री : जून 1961 तक ।

श्री बलराम दास टण्डन : अमृतसर म्युनिसिपल कमेटी के बारे में हमेशा यह जवाब दिया जाता है कि corporation बना कर होगी । क्या मैं पूछ सकता हूँ कि Corporation कब तक बन जाएगी ?

उप-मंत्री : बहुत जल्द ।

श्री बलराम दास टण्डन : पांच साल से यही जवाब दिया जा रहा है । क्या मैं पूछ सकता हूँ कि specifically कब तक बन जाएगी ?

उप-मंत्री : बिल तैयार हो चुका है । L. R. साहब के पास है वहां से आयेगा तो बिल पास कर दिया जाएगा ।

Note ; Starred Question No 6574 along with its reply appears in the Punjab Vidhan Sabha Debate Vol I No 11, dated the 6th March, 1961.

श्री बलराम दास टण्डन : तीन batches ग्रा चुके हैं, चौथा बैच ग्राने वाला है । क्या मैं पूछ सकता हूँ कि इतनी देरी की वजह क्या है ?

उप-मंत्री : Limits extend करनी हैं, wards बनाने हैं । इस तरह की दिक्कतें हैं। दूसरे 1947 के बाद ग्राबादी ज़्यादा हो गई है ।

मौलवी ग्रब्दुल ग़नी डार : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहब फरमायेंगे कि क्या वजह है कि ग्रमृतसर में ही इतनी देर हुई है लेकिन बाकी जगहों पर इलेकशन करवाने में देर नहीं हुई?

उप-मंत्री : मैं ने ग्रर्ज़ कर दिया है कि बहुत सी दिक्कतें पेश ग्राती हैं । Refugees के ग्राने से ग्राबादी बढ़ गई है । Delimitation का झगड़ा था । इस के ग्रलावा Industrial area होने की वजह से ग्राबादी बढ़ गई है ।

SUPPLEMENTARIES ON STARRED QUESTION NO. 6798

श्री राम प्यारा : क्या Minister साहिब बतायेंगे कि जो T.B. के patients की admission के लिये waiting list बनाई हुई है उन्हें उस के मुताबिक admit किया जाता है या उस के इलावा भी admission दी जाती है ?

लोक कार्य मंत्री : जिस patient के बारे में डाक्टर साहिब लिख देते हैं कि यह ज्यादा initial stage पर है उस को preference दी जाती है ग्रौर जो लोग late stage पर ग्राते हैं उन को बाद में admit किया जाता है । वैसे ग्राम तौर पर waiting list के मुताबिक, turn के मुताबिक ही admit किया जाता है ।

श्री राम प्यारा : क्या वज़ीर साहिब बतायेंगे कि जो patients waiting list पर रहते हैं उनके लिये जो ज़रूरी formalities हैं वह पहले पूरी नहीं की जातीं ?

श्री स्पीकर : ग्राप को Chief Minister साहिब ने detailed जवाब दे दिया था ग्रौर assurance भी दी थी। इस लिये ग्रब ग्रौर supplementaries पूछना मुनासिब नहीं । **(The hon. Chief Minister gave a detailed reply and also an assurance in this connection. In view of that, I think, it is not proper to ask any more supplementary questions.)**

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

FAMILY PLANNING CENTRES IN SANGRUR DISTRICT

***6842. Sardar Rajinder Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of places in Sangrur District where Family Planning Centres were opened during the last three years ;

(b) whether Government propose to open any new such centres in Sangrur District; if so, where and when ?

Note: Starred Question No. 6798 alongwith its reply appears in the Punjab Vidhan Sabha Debate Vol. I No. 11, dated the 6th March, 1961.

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : (a) The information is laid on the Table of the House.

(b) This will be considered in the year 1961-62.

(a) The following 17 Family Planning Clinics in Sangrur District have been opened during the last 3 years

1. Amargarh.
2. Julana.
3. Kalayat.
4. Mahal Kalan.
5. Narwana.
6. Ahmedgarh.
7. Barnala.
8. Bhanwanigarh.
9. Sherpur.
10. Jind.
11. Tapa.
12. Dhanaula.
13. Dhuri.
14. Sangrur.
15. Sunam.
16. Malerkotla.
17. Bhadaur.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਸੰਗਰੂਰ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ clinic ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਹੈ ਉਹ ਕਿਥੇ ਕੁ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ?

ਉਪ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਪਤਾ ਕਰ ਕੇ ਦਸ ਦਿਆਂਗੇ ।

चौधरी इन्द्र सिंह : क्या Deputy Minister साहिब बतायेंगे कि family planning के centre खोलते वक्त किन बातों का ख्याल रखा जाता है ?

ਉਪ-ਮੰਤ੍ਰੀ : ਇਹ ਉਥੇ ਖੋਲੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਿਥੋਂ demand ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ, ਜਿਥੇ ਆਬਾਦੀ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਵੇ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਖੋਲਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਵੀ ਸਮਝੀ ਜਾਏ ।

GOVERNMENT INDUSTRIAL SCHOOLS IN THE STATE

*6799. **Shri Ram Piara** : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the total number of Government Industrial Schools in the State at present together with the location of each ;

(b) the type of industry for which training is given in each of the schools mentioned in part (a) above ;

(c) the number and names of Inspectors of such Industrial Schools in the State at present ;

(d) the qualifications of the Inspectors mentioned in part (c) above together with the qualifications prescribed for the post of an Inspector ;

[Shri Ram Piara]

(e) whether there is any proposal under the consideration of Government to open more Industrial Schools in the State ; if so, when and where ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : A statement giving the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Government Industrial Schools in the State

(a) 38. *For Boys.*—Jullundur, Ambala Cantt., Amritsar, Ferozepore, Hoshiarpur, Kulu, Ludhiana, Rewari, Rohtak, Panipat and Hissar.

For Girls.—Simla, Ambala City, Rohtak, Jullundur, Amritsar, Ludhiana, Ferozepur, Panipat, Chandigarh, Patiala, Nabha, Narnaul, Dharamsala, Pathankot, Barnala, Phagwara, Hoshiarpur, Sonepat, Hissar, Bhatinda, Nalagarh, Gurgaon, Jind, Dharampur, Gurdaspur, Karnal and Kulu.

(b) *For Boys.*—Wood Work, Carpentry Instructor and Manual Teacher Training, Carpentry, Tennis and Badminton Rackets, Hockey Sticks and Criket Bats, Metal Works, Utensil Making, Cutting and Tailoring, Weaving, Lacquer Turning, Ivory Inlay, Wool Weaving, Hosiery Machine buildings, Footwear and Leather Goods, Smithy, Wool Spinning, Carpet Weaving.

For Girls.—Tailoring and Cutting, Machine Embroidery, Knitting, Salma, Tila, Hand Embroidery, Cooking, Soft Toy Making, Hand Knitting, Leather Work.

(c) Two, namely Major Devinder Singh and Dr. (Miss) P. K. Bankar.

(d) Kindly see Annexure I.

(e) Kindly see Annexure II.

ANNEXURE I

Statement showing the Qualifications prescribed for and possessed by Inspector/Inspectress of Industrial Schools

Qualifications prescribed	*Qualifications possessed*
Inspector	
(1) B. Sc. Degree in Mechanical and or Electrical Engineering from a recognised Indian or Foreign University ; or	Chief's College Diploma from the Prince of Wales Royal Indian Military College, Dehra Dun.
(2) Parts 'A' and 'B' (in Mechanical and /or Electrical Engineering of Associate Membership Examination of the Institution of Engineers (India), or of the Institute of Mechanical/Electrical Engineers, London ; or	
(3) Associate Membership Examination in Mechanical and/or Electrical Engineering of City and Guilds Institute, London ; or	
(4) An Examination for such Degree or Diploma as entitle its holders to exemption from passing Section 'A' and 'B' of AMIME or AMIEE, London; or	
(5) M. Sc. (Technical) Degree or a Degree in Textile Technology from a recognised University ; and	
(6) Atleast three years factory or workshop experience.	

Inspectress

Qualifications prescribed	*Qualifications possessed*
(1) Candidates should hold at least one of the following Degrees of an Indian or a foreign University B. Com., B. A. or B. Sc. Those holding M. A. Economic, degree will be preferred. (2)The condition regarding the posssion of degree may be relaxed in special cases if the candidate possessed considerable practical experience in the teaching of crafts and supervision of such teaching.	B. A. (Hons') (Political Sc.) M. A. (Economics) Nagpur. B.T. Nagpur Ed. D. Columbia 1937 to 1940 Teacher. 1942 to 1943 Assistant Inspectress of Schools, Jabulpur. 1943 to 1944 Senior Cambridge Teacher. 1950 onward Inspectress of Industrial Schools, Punjab.
(3) They should be trained in handicrafts and designs or should possess a diploma from a recognised Institute to that effect. Those who possess Teachers Training Diploma and knowledge of Economics will be given preference.	
(4) Administrative experience for five-years and knowledge of commercial estimating are desirable.	

ANNEXURE II

Location of the New Schools to be opened

Serial No.	Name of the Scheme	Location	Year
(i)	Polytechnic for Women ..	Chandigarh ..	1963-64
(ii)	Ten Certificate Schools for Girls	1. Hamirpur	1961-62
		2. Jandiala Guru	
		3. Dadri	1962-63
		4. Fazilka	
		5. Kurukshetra	1963-64
		6. Nawanshahr	
		7. Jhajjar	1964-65
		8. Sunam	
		9. Sirsa	1965-66
		10. Sultanpur Lodhi	
(iii)	Nine Diploma Schools for Girls	1. Simla ..	1961-62
		2. Moga	1963-64
		3. Nangal	
		4. Bhiwani	
		5. Khanna	1964-65
		6. Rewari	
		7. Faridkot	1965-66
		8. Palwal	
		9. Jagadhri	

श्री राम प्यारा : क्या Deputy Minister साहिब बतायेंगे कि सरदार दिवेन्द्र सिंह जो as Inspector काम कर रहे हैं जब उन की qualifications पूरी नहीं हैं तो उन्हें किन वजूहात की बिना पर appoint किया गया था ?

उप-मंत्री : जितनी appointments होती हैं वह Board की मार्फत या Public Service Commission की मार्फत होती हैं। इस लिये जब उस की appointment हुई है तो वह conditions को fulfil करता ही होगा। वर्ना उस की appointment नहीं हो सकती थी।

श्री राम प्यारा : जब यह अफसर prescribed qualifications में से एक भी पूरी नहीं करता तो इसे इतनी बड़ी post पर क्यों appoint किया गया है ?

उप-मंत्री : मैं इस के मुताल्लिक off hand कुछ नहीं कह सकता। Appointing Authority ने जरूर qualifications देख कर ही appoint किया होगा।

श्री राम प्यारा : इस Inspector की Industries Department में posting करने से पहले क्या यह appointment Public Service Commission से approve कराई गई थी ?

उप-मंत्री : इस के लिये separate notice चाहिये।

EXPORT OF RICE FROM THE STATE

*6576. **Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the total quantity of rice exported from the State during the years 1959-60 and 1960-61 ;

(b) the names of parties who were given permits for the said export and the quantity/value for which each permit was given ?

Shri Benarsi Dass Gupta (Deputy Minister) :
(a) Total quantity of rice exported during the year 1959-60 (1st April, 1959 to 31st March, 1960) .. 1,34,190 tons

Total quantity of rice exported during the year 1960-61 (1st April, 1960 to 25th January, 1961) .. 89,906 tons

No permits had to be issued for these quantities as the exports were on Government account.

Permits for 5,550 tons of broken rice were issued to traders of this and other States ; all those who applied, under a special authorisation from the Government of India.

(b) A statement of the names of such traders and the quantity permitted in each case is placed on the Table of the House.

Statement showing the names of parties who were given export permits of Tota, Kani and and Mongra

Permit No.	Consignor		Variety Rice Mongra (Quantity Bags)	Variety Rice Tota, Kani (Quantity Bags)
R/1	M/s Kanti Lal-Rati Lal of Kaira	..	220	..
R/2	Ditto	..	..	220
R/3	M/s Kaira District Co-operative Purchase and sale Union, Ltd., Nadiad	..	240	..
R/4	M/s Ashabhai Babarbhai Patel Anand, District Kaira	..	721	..
R/5	M/s Nadiad Veopari Mahajan Association, Kaira		..	500
R/6	Ditto	..	200	..
R/7	Ditto	..	..	450
R/8	M/s Ashabhai Babarbhai Patel, Anand District Kaira	..	..	240
R/9	M/s Gandhi Mansukh Lal-Umed Ram, Sidhpur district Mahsana	..	..	960
R/10	M/s Bhim Raj-Madan Lal of Barh Patna	..	..	220
R/11	Ditto	..	..	220
R/12	Ditto	..	..	220
R/13	Ditto	..	..	220
R/14	Ditto	..	..	440
R/15	Ditto	..	..	220
R/16	M/s Ahmedabad New Madhopura Veopari Mahajan	..	1,360	..
R/17	Ditto	..	..	560
R/18	Ditto	..	240	..
R/19	Ditto	..	660	..
R/20	Ditto	..	..	60
R/21	Ditto	..	1,200	..
R/22	Ditto	..	..	720
R/23	The Nadiad Veopari Mahajan Association	..	..	220
R/24	M/s Ram Dass-Dayabhai and Co., Ahmedabad		90	140
R/25	M/s Hira Lal-Kanaya Lal Modi, Ahmedabad	..	270	170
R/26	Ditto	..	220	68
R/27	M/s Chiman Lal-Dasabhai Patel, Ahmedabad	..	220	..
R/28	M/s Sawanti Lal-Natha Lal and Co., Ahmedabad		220	..

[Deputy Minister]

Permit No.	Consignor	Variety Rice Mongra (Quantity Bags)	Variety Rice Tota, Kani (Quantity Bags)
R/29	M/s Chagan Lal-Mansukh Lal, Dahad ..	240	..
R/30	M/s Chiman Lal-Dassbhai, Ahmedabad ..	520	160
R/31	M/s Damodar Mulji Jamanagar (Gujrat) ..	..	720
R/32	M/s Ashabhai Babarbhai Patel ..	..	224
R/33	Ditto ..	..	240
R/34	M/s Bhim Raj-Madan Lal, Barh Patna ..	..	240
R/35	M/s Bikha Bhai-Kanya Lal, Patna ..	..	220
R/36	M/s Natwar Lal-Rati Lal and Co., Godhra ..	15	95
R/37	M/s Modi Bhai Chand-Dem Chand, Surat ..	..	220
R/38	M/s Jai Bharat Rice Dealers Association, New Mandi, Mukerian ..	1,200	720
R/39	The Janta Grain Shop Godhra (Gujrat) ..	70	170
R/40	The Nadiad Veopari Mahajan Association ..	480	..
R/41	M/s Navin Chandra-Baboo Lal, Patu, District Mehsana	220	..
R/42	M/s Jai Bharat Rice Dealers Association, New Mandi, Mukerian ..	960	..
R/43	Ditto ..	..	480
R/44	Ditto ..	..	240
R/45	M/s Sugar Purchase and Sale Union, Dalhai (Baroda) ..	440	..
R/45-A	M/s Ashabhai Babarbhai, Patel Anand ..	..	245
R/46	M/s Bhim Raj-Madan Lal of Barh, Patna, district Mehsana ..	..	240
R/47	Ditto ..	..	240
R/48	M/s Natwar Lal-Rati Lal and Co., Godhra ..	125	125
R/49	M/s Navjiwan Roller Flour and Pulses Mills, Dahad ..	175	76
R/50	M/s Chiman Lal-Nathu Bhai, Surat ..	68	122
R/51	Ditto ..	..	200
R/52	M/s Modi Bhai Duni Chand, Surat ..	..	222

Permit No.	Consignor	Variety Rice Mongra (Quantity) Bags)	Variety Rice Tota, Kani Quantity Bags)
R/53	The District Purchase and Sale Union, Nadiad ..	..	220
R/54	M/s Ram Dass-Dayal Bhai and Co., Ahmedabad	182	58
R/55	M/s Bhim Raj-Madan Lal of Barh ..	..	362
R/56	M/s Chiman Lal, Dasu Bhai, Ahmedabad ..	..	480
R/57	M/s Nabha Rice and Oil Mills, Nabha ..	..	380
R/58	M/s Nathu Lal-Jetha Lal, Dholka ..	200	..
R/59	M/s Natwar Lal-Rati Lal and Co., Godhra ..	220	..
R/60	M/s Una Lal-Kanaya Lal, Ahmedabad ..	71	..
R/61	The Kaira District Co-operative Purchase and Sale Union, Nadiad ..	..	100
R/62	The Nadiad Veopari Mahajan Association, Nadiad ..	240	..
R/63	M/s Natwar Lal-Rati Lal and Co., Godhra ..	72	..
R/64	M/s Sugar Purchase and Sale Union, Dabhoi ..	390	75
R/65	M/s Bhim Raj-Madan Lal of Barh ..	..	222
R/66	M/s Chuni Lal-Natha Bai, Surat ..	34	96
R/67	Ditto ..	..	83
R/68	Ditto ..	..	208
R/69	M/s Madhu Kant-Shanti Lal, Mehsana ..	..	262
R/70	M/s Nan Chand-Nand Ram, Sidhpur ..	240	440
R/71	M/s Ram Dass-Dahya Bhai, Ahemdabad ..	440	..
R/72	The Nadiad Veopari Mahajan Association, Nadiad ..	..	160
R/73	M/s Sawanti Lal-Natha Lal and Co., Ahmedabad	28	32
R/74	M/s Natwar Lal-Rati Lal and Co., Godhra ..	..	228
R/75	M/s Navjiwan Roller Flour Mills (P) Ltd., Dohad	..	228
R/76	M/s Ramji Bhai-Jiwan Das, Ankleshwar ..	..	274
R/77	Ditto ..	..	222
R/78	Ditto ..	..	234
R/79	Ditto ..	..	209
R/80	M/s Rajindra Kumar, Vyarawala Madhi ..	..	250
R/81	M/s Navjiwan Roller Flour Mills ..	60	167

[Deputy Minister]

Permit No.	Consignor	Variety Rice Mongra (Quantity Bags)	Variety Rice Tota, Kani (Quantity Bags)
R/82	M/s Shah Khem Chand-Mulji Bhai and Co. ..	..	221
R/83	M/s Bhim Raj-Madan Lal of Barh ..	..	243
R/84	M/s Dangarwa Seva Sahakari, Mandi Dangorwa	240	..
R/85	M/s Mehsana District Co-operative Sale and Purchase Union ..	240	..
R/86	M/s Chiman Lal-Zum Chand, Palampur ..	..	241
R/87	M/s Mani Lal-Ravan Dass, Janbusar ..	..	482
R/88	M/s Kaira District Co-operative Purchase and Sale Union, Kaira ..	70	..
R/89	M/s Khosla Rice Mills, Sarna ..	1,139	..
R/90	M/s Sugar Purchase and Sale Union, Dabhai ..	480	..
R/91	Ditto ..	190	10
R/92	M/s Raman Lal-Madan Lal Sah of Kalol ..	89	153
R/93	M/s Bhikha Bhai Rav Chand and Co., Mehsana	91	147
R/94	M/s Chiman Lal-Zum Chand, Palampur ..	220	..
R/95	M/s Ashabhai Babarbhai Anand, District Kaira	..	220
R/96	M/s Madasa Mahel Consumers Co-operative Society Ltd., Madasa ..	112	98
R/97	M/s Bhim Raj-Madan Lal of Barh ..	..	220
R/98	M/s Ramji Bhai-Jiwan Dass, Ankleshwar ..	..	220
R/99	Ditto ..	..	220
R/100	M/s Natwar Lal-Rati Lal and Co., Gondhra ..	46	24
R/101	M/s Navjiwan Roller Flour and Pulse Mills ..	..	222
R/102	M/s Dangaroa Seva Sehkari Mandli Ltd., Mehsana	..	220
R/103	M/s Mani Lal-Rawan Das, Jambusar ..	168	328
R/104	M/s Savanti Lal Natha Lal and Co., Ahmedabad	50	..
R/105	M/s Jagdish Chand-Anba Lal Paro of Ahmedabad	640	80
R/106	M/s Savanti Lal-Natha Lal and Co., Ahmedabad	180	375
R/107	M/s Kishan Chand-Par Braham, Mukerian ..	240	..
R/108	M/s Sadha Sharan Sah-Raj Kishore, Mahanar ..	..	140
R/109	M/s Mani Lal-Ravan Dass, Jambusar ..	36	134

Permit No.	Consignor	Variety Rice Mongra (Quantity Bags)	Variety Rice Tota, Kani (Quantity) Bags)
R/110	M/s Mavji Vishanji and Co., Anjar ..	62	172
R/111	M/s Modassa Mahal Consumers Co-operative Society Ltd., Modassa ..	..	243
R/112	M/s Jai Bharat Rice Dealers Association, Mukerian ..	240	..
R/113	Ditto ..	..	240
R/114	M/s Prabladraj-Ramji of Bhuj ..	240	..
R/115	M/s Ramji Bhai-Jiwan Dass of Ankleshwar	..	240
R/116	M/s Chhagan Lal-Sagar Mal, Chakhardharpur ..	..	220
R/117	M/s Sadhu Sharan Shah-Raj Kishore ..	..	80
R/118	M/s Ramji Bhai-Jiwan Das of Baroach ..	..	240
R/119	M/s Chiman Lal-Zam Chand, Palampur ..	68	152
R/120	M/s Prahlad Raj-Ramji of Bhuj ..	140	100
R/121	M/s Thakar Mavji-Vishanji and Co., Bhuj ..	..	253
R/122	M/s Jai Bharat Rice Dealers Association, Mukerian ..	240	..
R/123	Ditto ..	81	159
R/124	M/s Thakar Mavji-Vishanji and Co., Bhuj ..	..	236
R/125	M/s C. Amrit Lal-Natha Lal and Co., Ahmedabad	660	..
R/126	M/s Ram Dass-Daya Bhai and Co., Ahmedabad	240	..
R/127	M/s Shah Shanti Lal-Karmashi and Co., Bombay	480	..
R/128	Ditto ..	..	221
R/129	M/s Ramjibhai-Jiwan Das, Ankleshwar, District Baroach (Gujrat) ..	..	156
R/130	Ditto ..	..	237
R/131	Ditto ..	..	240
R/132	M/s Shah Shanti Lal Karan Shah, Bombay ..	113	128
R/133	M/s Shah Mohinder Kumar Laxmi Chand and Co., Una, Junagadh Gujrat ..	..	219
R/134	The Nadiad Veopari Mahajan Association, Nadiad, district Kaira ..	..	120
R/135	Ditto ..	..	120
R/136	Ditto ..	..	468

[Deputy Minister]

Permit No.	Consignor	Variety Rice Mongra (Quantity Bags)	Variety Rice, Tota, Kani (Quantity Bags)
R/137	M/s Khosla Rice Mills, Sarna ..	200	..
R/138	M/s Kishan Chand Par Braham of Mukerian ..	239	240
R/139	M/s Jai Bharat New Mandi, R. D. A. Mukerian	482	..
R/140	M/s Nadiad Veopari Mahajan Association Station Road, Nadiad ..	..	334
R/141	M/s Murarka Trading Co., Tatanagar (Bihar) ..	..	220
R/142	M/s Ganda Lal-Kalyanji and Co., Virar, District Thana (Maharashtra) ..	..	240
R/143	M/s Shah Mohindera Kumar Luxmi and Co., of Una (Junagadh Gujrat) ..	..	236
R/144	M/s Jai Bharat R. D. A., New Mandi Mukerian	241	..
R/145	M/s Deva Singh-Sham Singh, Rice Dealers, Amritsar ..	..	80
R/146	The Nadiad Veopari Mahajan Association, Nadiad, district Kaira ..	124	..
R/147	M/s Shah Ganda Lal-Kalyanji and Co., Bassian Road, district Thana (Maharashtra) ..	..	236
R/148	M/s Karshan Das-Tara Chand, Bassian Road, district Thana ..	..	244
R/149	M/s Shah Rajinder Kumar-Shanti Lal, Madhi, district Surat ..	..	244
R/150	M/s Harnam Singh-Kartar Singh, Rice Dealers, Amritsar ..	80	..
R/151	Ditto ..	250	..
R/152	M/s Shah Rajinder Kumar-Shanti Lal, Madhi, district Surat ..	..	244
R/153	M/s Madan Lal-Chaman Lal ..	..	38
R/154	M/s Shugan Lal-Rai Chand of Baroda ..	239	244
R/155	M/s Hem Raj-Ganpat Mal of Amritsar ..	..	43
R/156	M/s Shah Mahendra Kumar-Laxmi Chand and Co., Una ..	..	236
R/157	M/s Kishan Chand-Par Brahma of Mukerian ..	240	240
R/158	M/s Jai Bharat R. D. A., New Mandi, Mukerian	482	..
R/159	M/s Aklu Sah Babu Chand Sah of Patna ..	..	220

Permit No.	Consignor	Variety Rice Mongra (Quantity Bags)	Variety Rice Tota, Kani, (Quantity Bags)
R/160	M/s Jai Bharat R. D. A., New Mandi, Mukerian	241	241
R/161	M/s Nadiad Veopari Mahajan Association, Nadiad	..	220
R/162	M/s Chugan Lal-Rai Chand of Baroda	...	988
R/163	M/s Nihal Singh-Santokh Singh, Rice Dealer, Amritsar	..	744
R/164	M/s Shah Dal Chand-Vacha Raj and Co., Palghar, district Thana	..	246
R/165	Ditto	..	218
R/166	M/s Aklu Shah-Babu Chand Sah of Patna	194	306
R/167	M/s Chhugan Lal-Rai Chand of Baroda	..	241
R/168	M/s Bhim Raj-Madan Lal of Barh (Patna)	..	445
R/169	Ditto	..	223
R/170	Ditto	..	220
R/171	Ditto	..	220
R/172	Ditto	..	440
R/173	Ditto	..	220
R/174	M/s Chhagan Lal-Rai Chand of Baroda	488	..
R/175	M/s Bhim Raj-Madan Lal of Barh (Patna), Bihar	..	465
R/176	Ditto	..	220
R/177	Ditto	..	246
R/178	Ditto	..	248
R/179	M/s Balkishan Dass-Rajkrishan Das of Kurukshetra	..	220
R/180	M/s Om Parkash-Ishwar Chand of Kurukshetra	..	244
R/181	M/s Balkishan Das-Ramkrishan Das of Kurukshetra	..	223
R/182	M/s Shah Khim Chand-Mulji Bhai and Co., Bulsar	..	224
R/183	M/s Bhim Raj-Madan Lal of Barh (Patna)	..	244
R/184	M/s Aklu Shah-Babu Chand Shah of Patna	..	465
R/185	M/s Dal Chand-Vachh Raj of Palghar (district Thana)	..	239

[Deputy Minister]

Permit No.	Consignor	Varity Rice Mongra Quantity (Bags)	Varity Rice Tota, Kani (Quantity Bags)
R/186	M/s Deva Singh-Sham Singh, Rice Dealers, Amritsar ..	20	218
R/187	M/s Aklu Shah-Babu Chand Shah of Patna ..	..	468
R/188	M/s Ganesh Mill Association, Ferozepore Cantt.	..	480
R/189	M/s Sadhu Sharan Sah-Raj Kishore, Pd, Mahnar (district Muzaffarpur)	..	224
R/190	Ditto ..	..	224
R/191	M/s Hira Lal-Kanhya Lal of Ahmedabad ..	..	241
R/192	M/s Bishan Das-Brij Mohan of Amritsar ..	..	242
R/193	M/s Rajinder Kumar-Shanti Lal of Madhi ..	..	220
R/194	M/s Chhagan Lal-Rai Chand of Baroda ..	..	244
	Total ..	22,866	38,189
		61,055	

Statement showing the names of the parties who were given permit for Hand pounded Rice

Permit No.	Consignor	Variety Hand pounded rice (Quantity)
		Tons
RH/1	Kasturba Seva Mandir, Rajpura ..	22
RH/2	Ditto ..	22
	Total ..	44

TRANSFER OF AKALI PRISONERS FROM CENTRAL JAIL, PATIALA

***6531. Sardar Atma Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether any Akalis arrested in connection with the Punjabi Suba agitation and lodged in the Central Jail, Patiala, were transferred to other Jails in the 1st week of October, 1960; if so, their names, the names of the Jails to which they were transferred and the reasons for their transfer ;

(b) the name of the authority under whose orders the transfers referred to in part (a) above were made ;

(c) whether case files of the said prisoners were also sent to the respective jails to which they were transferred ; if so, under whose orders and when ;

(d) the names of jails where these persons were kept till the end of December, 1960 and the position of the cases pending against them together with the dates and places of their respective arrests ?

Shri Benarsi Dass Gupta (Deputy Minister) : (a) Yes. The information is laid on the Table of the House.

(b) Inspector General of Prisons, Punjab.

(c) No. The judicial files of these prisoners were in the custody of the courts trying such cases. Question of transfer of files to the jails concerned by the Jails Administration, therefore, does not arise.

(d) Statement showing the names of jails where these persons were kept till the end of December, 1960 is laid on the Table of the House. As regard remaining information concerning this part, the time and labour involved in collecting the same will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

Information relating to part (a) of the Question.

ANNEXURE I

Serial No.	Names of the prisoners		Name of the Jail to which transferred	Reasons for transfer
1.	Mangal Singh	..	District Jail, Gurdaspur	On administrative Grounds
2.	Gurdial Singh	..	Ditto	Ditto
3.	Atma Singh	..	Ditto	Ditto
4.	Janak S ingh	..	Ditto	Ditto
5.	Harbans Singh	..	Ditto	Ditto
6.	Darshan Singh	..	Ditto	Ditto
7.	Boota Singh	..	Ditto	Ditto
8.	Yad Singh	..	Ditto	Ditto
9.	Darshan Singh	..	Ditto	Ditto
10.	Sewa Singh	..	Ditto	Ditto
11.	Mukhtiar Singh	..	Ditto	Ditto
12.	Amar Singh	..	Ditto	Ditto
13.	Pooran Singh	..	Ditto	Ditto
14.	Hazara Singh	..	Ditto	Ditto
15.	Mahain Sing	..	Ditto	Ditto
16.	Kaka Pritam Singh	..	Ditto	Ditto
17.	Gian Sing	..	Ditto	Ditto
18.	Harkishan Singh	..	Ditto	Ditto
19.	Darshan Singh	..	Ditto	Ditto
20.	Hazara Singh	..	Ditto	Ditto
21.	Sant Pritam Singh	..	Ditto	Ditto
22.	Kehar Sing	..	Ditto	Ditto
23.	Chanan Singh	..	Ditto	Ditto
24.	Niranjan Singh	..	Ditto	Ditto
25.	Dalip Singh	..	Ditto	Ditto
26.	Harnam Singh	..	Ditto	Ditto
27.	Dewan Singh	..	Ditto	Ditto
28.	Kartar Singh	..	Ditto	Ditto
29.	Parchha Singh	..	Ditto	Ditto
30.	Raj Singh	..	Ditto	Ditto
31.	Mehar Singh	..	Ditto	Ditto
32.	Balbir Singh	..	Ditto	Ditto

[Deputy Minister]

ANNEXURE II

Information relating to part (d) of the Question

Serial No.	Name of the prisoner		Name of the Jail where the prisoners were kept till the end of December, 1960
1.	Mangal Singh	..	District Jail, Gurdaspur and District Jail, Kapurthala
2.	Gurdial Singh	..	District Jail, Gurdaspur and District Jail, Amritsar
3.	Atma Singh	..	District Jail, Gurdaspur
4.	Buta Singh	..	District Jail, Gurdaspur and District Jail, Ludhiana ; Released on 23rd November, 1960
5.	Yad Singh	..	District Jail, Gurdaspur and District Jail, Ludhiana; Released on 23rd November, 1960
6.	Darshan Singh	..	District Jail, Gurdaspur and District Jail, Ludhiana
7.	Janak Singh	..	District Jail, Gurdaspur and Central Jail, Patiala
8.	Harbans Singh	..	Ditto
9.	Darshan Singh	..	Ditto
10.	Sewa Singh	..	Released from District Jail, Gurdaspur on 5th November, 1960
11.	Mukhtiar Singh	..	Ditto
12.	Amar Singh	..	Ditto
13.	Pooran Singh	..	District Jail, Gurdaspur and District Jail, Amritsar
14.	Hazara Singh	..	District Jail, Gurdaspur
15.	Mahain Singh	..	Released from Gurdaspur Jail on 6th December 1960
16.	Kaka Pritam Singh	..	Gurdaspur District Jail
17.	Gian Singh	..	District Jail, Gurdaspur and District Jail, Amritsar
18.	Harkishan Singh	..	District Jail, Gurdaspur
19.	Darshan Singh	..	Released from District Jail Gurdaspur on 22nd November, 1960
20.	Hazara Singh	..	District Jail, Gurdaspur
21.	Sant Pritam Singh	..	Ditto
22.	Kehar Singh	..	Ditto
23.	Chanan Singh	..	Ditto
24.	Narinjan Singh	..	Ditto
25.	Dalip Singh	..	Ditto
26.	Dewan Singh	..	District Jail, Gurdaspur and District Jail, Amritsar
27.	Kartar Singh	..	Released from District Jail, Gurdaspur on 16th November, 1960
28.	Parchha Singh	..	District Jail, Gurdaspur
29.	Mehar Singh	..	Released from District Jail, Gurdaspur on 27th November, 1960
30.	Balbir Singh	..	District Jail, Gurdaspur and District Jail, Sangrur
31.	Harnam Singh	..	District Jail, Gurdaspur and Central Jail, Patiala
32.	Raj Singh	..	District Jail, Gurdaspur and Central Jail, Patiala

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੀਤ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਅਕਤੂਬਰ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਹਫਤੇ 32 ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਪਟਿਆਲਾ ਜੇਲ੍ਹ ਤੋਂ ਤਬਦੀਲ ਕਰ ਕੇ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਭੇਜ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਿਆਂ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦੀਆਂ files ਨਹੀਂ ਭੇਜੀਆਂ ਗਈਆਂ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਿਆਂ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦੀਆਂ files ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਨਹੀਂ ਭੇਜੀਆਂ ਗਈਆਂ ਤਾਂ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦੀ ਸਮਾਇਤ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਵੇਗੀ ?

ਉਪ-ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਪਰਬੰਧਕ ਨੁਕਤਾ ਨਿਗਾਹ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਭੇਜੀਆਂ ਗਈਆਂ । ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦੀਆਂ files ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿਚ ਸਨ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਨੁਕਤਾ ਨਿਗਾਹ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਭੇਜੀਆਂ ਗਈਆਂ । ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਨੁਕਤਾ ਨਿਗਾਹ ਕੀ ਸੀ ?

ਉਪ-ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਦਸਣ ਦੀ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੋਈ ਉਪ-ਮੰਤ੍ਰੀ ਜੀ ਦਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਆਇਆ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਭਾਰੀ ਭੀੜ ਹੋ ਗਈ ਸੀ ਅਤੇ ਅਕਾਲੀ ਇਤਨੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਆ ਗਏ ਸਨ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਸੰਭਾਲਣ ਦੇ ਨਾਕਾਬਲ ਹੋ ਗਈ ?

Mr. Speaker : This is not a supplementary question.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਜਨਾਬ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ ਕਿ ਅਕਾਲੀ ਮਾਫ਼ੀ ਮੰਗ ਕੇ ਆਏ ਨੇ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਧਕੇ ਨਾਲ ਬਾਹਰ ਕਢਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੇ ।

Mr. Speaker : Any question passing information or making a suggestion or inference connot be asked in the House.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੇਰਾ supplementary question ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਇਤਨੀਆਂ ਭਰ ਗਈਆਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਨਾ ਸਕੀ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : Supplementary question ਜਿਹੜੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਬਾਕਾਇਦਾ rules ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਇਹ ਪੁਛਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਹਾਡੀ ਮਰਜ਼ੀ ਆਏ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ supplementaries ਤੁਸੀਂ ਪੁਛ ਲਉ । (There are set rules for asking supplementary questions and those rules have to be strictly observed. No one can be allowed to ask supplementaries by ignoring those rules.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੀਤ ਮੰਤ੍ਰੀ ਜੀ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਕਾਲੀ ਕੈਦੀਆਂ ਨੂੰ ਪਰਬੰਧਕ ਨੁਕਤਾ ਨਿਗਾਹ ਨਾਲ ਤਬਦੀਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਫ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹ ਗਲ ਸਾਫ ਕਰਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਇਤਨੀ ਭੀੜ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਬੌਂਦਲ ਗਈ । (ਹਾਸਾ)

वित्त मंत्री : स्पीकर साहिब, यह सब ग़लत insinuations हैं और महज़ propaganda के लिये की जा रही हैं ।

श्री मंगल सेन : डाक्टर गोपी चन्द भार्गव साहब ने कोई बात कही है जिस का हमें पता नहीं चला क्योंकि उन्हों ने वह बड़ी धीमी आवाज़ में कही है । उन को खुद तो सुनता नहीं. . . .

Sardar Bhag Singh : On a point of information, Sir.

Mr. Speaker : The hon. Member cannot raise the point unless the hon. Member already in possession of the House gives way.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਉਪ-ਮੰਤ੍ਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ 32 ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਤਬਦੀਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਅਮਰ ਵਾਕਿਆ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਲਈ ਤਬਦੀਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਸਰਕਾਰ ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਧਕੇ ਨਾਲ ਬਾਹਰ ਕਢਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਸੀ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾ ਅਕਾਲੀ ਲੀਡਰਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਰਸਤੇ ਵਿਚ ਰੁਕਾਵਟ ਸਮਝਦੀ ਸੀ !

Mr. Speaker : Order, please.

JAILS/SUB-JAILS VISITED BY INSPECTOR-GENERAL, PRISONS, PUNJAB

***6532. Sardar Atma Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the names of jails and sub-jails in the State visited by the Inspector-General of Prisons, Punjab and the Officer-on-Special Duty, Jails Department, date-wise, during the months of July, August, September, October, November and December, 1960;

(b) whether any Akali Prisoners/undertrials were transferred from the jails/sub-jails mentioned in part (a) above during September and October, 1960; if so, the reasons therefor ;

(c) the total amount of Travelling Allowance/Dearness Allowance drawn by the officers mentioned in part (a) above and the cost of petrol and mobil oil which was consumed in their staff cars in respect of the said tours ?

Shri Benarsi Dass Gupta (Deputy Minister) : (a) The information is laid on the Table of the House.

(b) Yes. On administrative grounds.

(c) (i) Rs 568.75 nP. and Rs 670.31 nP. were drawn by the Inspector General of Prisons and Officer-on-Special-Duty, respectively, during the months of July, August, September, October, November and December, 1960.

(ii) Cost of petrol and mobil oil which was consumed in the staff car in respect of the said tours is Rs 3,850.83 nP.

Names of Jails and Sub-Jails in the State visited by the Inspector-General of Prisons Punjab, date-wise during the months of July, August, September, October, November and December, 1960.

Date	Names of Jails visited
4th July, 1960	.. District Jail, Ludhiana District Jail, Jullundur
5th July, 1960	.. District Jail, Amritsar
6th July, 1960 18th July, 1960 30th July, 1960	Central Jail, Ambala .. .. Central Jail, Patiala

Date		*Names of Jails visited*
		August, 1960
8th August, 1960	..	Central Jail, Patiala District Jail, Nabha
24th August, 1960	..	Sub-Jail, Karnal
25th August, 1960	..	District Jail, Rohtak
26th August, 1960	..	District Jail, Hissar
27th August, 1960	..	District Jail, Rohtak
27th August, 1960 31st August, 1960	..	Central Jail, Ambala
		September, 1960
14th September, 1960	..	District Jail, Rohtak
15th September, 1960	..	Central Jail, Ambala
20th September, 1960	..	District Jail, Hissar
21st September, 1960	..	Special Jail, Bhatinda District Jail, Faridkot Central Jail, Ferozepore
22nd September, 1960	..	District Jail, Ludhiana Special Women Jail, Malerkotla District Jail, Nabha Central Jail, Patiala
		October, 1960
5th October, 1960	..	Central Jail, Ambala Central Jail, Patiala District Jail, Nabha District Jail, Sangrur
6th October, 1960	..	District Jail, Hissar
8th October, 1960	..	Special Jail, Bhatinda District Jail, Faridkot District Jail, Jullundur
9th October, 1960	..	District Jail, Jullundur District Jail, Ludhiana
10th October, 1960	..	Special Jail, Bhatinda
22nd October, 1960	..	Central Jail, Ambala
23rd October, 1960	..	District Jail, Sangrur Special Jail, Bhatinda
24th October, 1960	..	District Jail, Faridkot Central Jail, Ferozepur District Jail, Ludhiana
25th October, 1960	..	Central Jail, Ambala
		November, 1960
6th November, 1960	..	Central Jail, Ambala
9th November, 1960	..	District Jail, Ludhiana District Jail, Jullundur
10th November, 1960	..	District Jail, Amritsar
15th November, 1960	..	District Jail, Sangrur
16th November, 1960	..	Special Jail, Bhatinda District Jail, Ludhiana
		December, 1960
16th December, 1960	..	District Jail, Ludhiana
18th December, 1960	..	District Jail, Nabha

[Deputy Minister]

Names of Jails and Sub-Jails in the State visited by the Officer-on-Special-Duty, date-wise during the months of July, August, September, October, November and December, 1960

Date		Names of Jails visited
1st July, 1960	..	Central Jail, Ferozepur
2nd July, 1960	..	District Jail, Faridkot
		Special Jail, Bhatinda
4th July, 1960	..	District Jail, Jullundur
5th July, 1960	..	District Jail, Amritsar
8th July, 1960	..	Central Jail, Ambala
12th July, 1960	..	District Jail, Jullundur
		District Jail, Kapurthala
13th July, 1960	..	Sub-Jail, Hoshiarpur
15th July, 1960	..	Central Jail, Ambala
23rd July, 1960	..	Central Jail, Patiala
		District Jail, Nabha
		District Jail, Sangrur
25th July, 1960	..	District Jail, Jullundur
27th July, 1960	..	Central Jail, Patiala
		District Jail, Sangrur
28th July, 1960	..	District Jail, Rohtak
29thJuly, 1960	..	Sub-Jail, Karnal
30th July, 1960	..	Central Jail, Ambala
		Central Jail, Patiala
		August, 1960
2nd August, 1960	..	Central Jail, Ambala
3rd August, 1960	..	Central Jail, Ambala
	..	Central Jail, Patiala
		District Jail, Nabha
		District Jail, Sangrur
5th August, 1960	..	Central Jail, Ambala
7th August, 1960	..	Central Jail, Patiala
8th August, 1960	..	District Jail, Nabha
9th August, 1960	..	Central Jail, Ambala
		Central Jail, Patiala
10th August, 1960	..	Central Jail, Ambala
11th August, 1960	..	Central Jail, Patiala
12th August, 1960	..	Central Jail, Ambala
13th August, 1960	..	Central Jail, Patiala
14th August, 1960	..	District Jail, Sangrur
15th August, 1960	..	Central Jail, Ambala
17th August, 1960	..	Sub-Jail, Gurgaon
18th August, 1960		District Jail, Rohtak
		Central Jail, Ambala
20th August, 1960	..	Women Jail, Malerkotla
		District Jail, Sangrur
		Special Jail, Bhatinda
		District Jail, Faridkot
21st August, 1960	..	Central Jail, Ferozepur
		District Jail, Amritsar
22nd August, 1960	..	District Jail, Gurdaspur
23rd August, 1960	..	Central Jail, Ambala
24th August, 1960	..	Central Jail, Patiala
25th August, 1960	..	District Jail, Rohtak
26th August, 1960	..	District Jail, Hissar
27th August, 1960	..	District Jail, Rohtak
30th August, 1960	..	Special Jail, Malerkotla
		District Jail, Nabha
		Central Jail, Patiala
31st August, 1960	..	Central Jail, Ambala

Date	Name of the Jail visited
	September, 1960
1st September, 1960 ..	District Jail, Amritsar
	District Jail, Kapurthala
	District Jail, Jullundur
2nd September, 1960 ..	Central Jail, Patiala
	Special Women Jail, Malerkotla
3rd September, 1960 ..	Central Jail, Patiala
4th September, 1960 ..	District Jail, Nabha
	Special Women Jail, Malerkotla
7th September, 1960 ..	Special Women Jail, Malerkotla
	District Jail, Nabha
	Central Jail, Patiala
8th September, 1960 ..	Central Jail, Ambala
10th September, 1960 ..	Special Women Jail, Malerkotla
	District Jail, Sangrur
	Special Jail, Bhatinda
	District Jail, Hissar
11th September, 1960 ..	District Jail, Hissar
14th September, 1960 ..	District Jail, Rohtak
16th September, 1960 ..	District Jail, Jullundur
	District Jail, Kapurthala
17th September, 1960 ..	Special Women Jail, Malerkotla
	District Jail, Sangrur
18th September, 1960 ..	Central Jail, Ferozepur
20th September, 1960 ..	District Jail, Hissar
21st September, 1960 ..	Special Jail, Bhatinda
	District Jail, Faridkot
22nd September, 1960 ..	Special Women Jail, Malerkotla
	District Jail, Nabha
	Central Jail, Patiala
26th September, 1960 ..	Central Jail, Ambala
29th September, 1960 ..	Central Jail, Ambala
	October, 1960
3rd October, 1960 ..	Central Jail, Ambala
5th October, 1960 ..	Central Jail, Patiala
	District Jail, Nabha
	District Jail, Sangrur
6th October, 1960 ..	District Jail, Hissar
8th October, 1960 ..	Special Jail, Bhatinda
	District Jail, Faridkot
	District Jail, Jullundur
10th October, 1960 ..	Special Jail, Bhatinda
12th October, 1960 ..	Central Jail, Patiala
14th October, 1960 ..	Special Jail, Bhatinda
19th October, 1960 ..	District Jail, Sangrur
	Special Women Jail, Malerkotla
20th October, 1960 ..	Central Jail, Ambala
23rd October, 1960 ..	District Jail, Sangrur
	Special Jail, Bhatinda
24th October, 1960 ..	District Jail, Faridkot
	Central Jail, Ferozepur
25th October, 1960 to 27th October, 1960	Central Jail, Ambala
29th October, 1960 to 31st October, 1960	Central Jail, Ambala
	November, 1960
1st/2nd November, 1960 ..	Central Jail, Ambala
4th and 5th November, 1960 —	Central Jail, Ambala

[Deputy Minister]

Date		*Name of the Jail visited*
6th November, 1960	..	Karnal, Sub-Jail
7thNovember, 1960	..	Central Jail, Ambala
9th November, 1960	..	District Jail, Jullundur
10th November, 1960	..	District Jail, Amritsar
12th November, 1960 and 13th November, 1960		District Jail, Jullundur
15th November, 1960	..	District Jail, Sangrur
16th November, 1960	..	Special Jail, Bhatinda
18th November, 1960	..	Central Jail, Patiala
19th November, 1960	..	District Jail, Nabha District Jail, Sangrur
20th November, 1960	..	District Jail, Hissar
21st November, 1960	..	Central Jail, Patiala
		December, 1960
9th December, 1960	..	Central Jail, Ferozepur
10th December, 1960	..	District Jail, Faridkot
14th December, 1960	..	District Jail, Sangrur
15th December, 1960	..	District Jail, Hissar
17th December, 1960	..	District Jail, Kapurthala District Jail, Jullundur
19th December, 1960	..	District Jail, Amritsar
27th December, 1960	..	District Jail, Nabha
28th December, 1960	..	District Jail, Hissar Sub-Jail, Mohindergarh
29th December, 1960 and 30th December, 1960		District Jail, Hissar
31st December, 1960	..	Special Jail, Malerkotla

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਜਿਹੜੀ list ਮੈਨੂੰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ O. S. D. ਨੇ ਜੁਲਾਈ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਦਸੰਬਰ ਤਕ 93 ਜੇਲ੍ਹਾਂ visit ਕੀਤੀਆਂ । ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 93 ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਨੂੰ visit ਕਰਨ ਦਾ ਕੀ ਮਤਲਬ ਸੀ ?

Mr. Speaker : This is not a supplementary question.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਕਿ Officer-on-Special-Duty ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਲਾਉਣ ਵਿਚ ਬੜਾ ਮਾਹਰ ਹੈ । ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਉਥੇ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਲਾਉਣ ਗਿਆ ਸੀ ?

ਉਪ-ਮੰਤਰੀ : ਜਦੋਂ ਤੁਹਾਡੇ ਵਰਗੇ ਆਦਮੀ ਆ ਜਾਣ ਤਾਂ ਫਿਰ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿੰਨਿਆਂ ਦੌਰਿਆਂ ਦੀ ਲੋੜ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ? (*Interruptions*)

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਜਦੋਂ 93 ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹਨ ਤਾਂ ਉਹ 93 ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗਏ ?

ਉਪ-ਮੰਤਰੀ : ਇਕ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਦੋ ਬਾਰ ਜਾਂ ਤਿੰਨ ਬਾਰ ਵੀ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ । (*Interruptions*)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ O.S.D. ਨੂੰ ਇਸ ਲਈ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਧਕੇ ਨਾਲ ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਬਾਹਰ ਕਢੇ ?

Mr. Speaker : No please I am not going to allow such hypothetical questions.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਜਨਾਬ, ਸਿਧਾ ਸਵਾਲ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ O.S.D. ਨੇ 93 ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਨੂੰ visit ਇਸ ਲਈ ਕੀਤਾ ਕਿ ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਕਢਿਆ ਜਾਵੇ ?

Mr. Speaker : This is not a supplementary question.

ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਚੰਦ : ਜਿਨ੍ਹਾਂ under-trials ਨੂੰ ਦੂਸਰਿਆਂ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚ ਬਦਲਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਪਣਾ ਮੁਕੱਦਮਾ ਲੜਨ ਲਈ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ?

ਉਪ-ਮੰਤ੍ਰੀ : ਇਸ ਸਵਾਲ ਵਿਚੋਂ ਤਾਂ ਇਹ supplementary arise ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ, ਨਵਾਂ ਨੋਟਿਸ ਦਿਉ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦਿਤਾ ਜਾਏਗਾ ।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या मैं पूछ सकता हूँ कि जिस मकसद के लिये Officer-on-special-Duty ने 93 जेलों का दौरा किया क्या वह हल हो गया ? क्या यह बताया जा सकता है कि इस के से क्या फायदा हुआ, सबजियां ज़्यादा पैदा हुईं या कुछ और ?

उप-मंत्री : इस बात का अंदाज़ा भी लगाना था कि कितनी सबजियों की ज़रूरत है, कितनी खुराक उन को चाहिये और दूसरे यह भी मौका पर जा कर देखना था कि जो disturbances हुईं उन की क्या वजूहात थीं ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮਹਾਸ਼ਾ ਜੀ ਹੁਣ ਉਹ ਮਹਾਸ਼ਾ ਜੀ ਨਹੀਂ ਰਹੇ । ਹੁਣ ਚੜ੍ਹਦੀਆਂ ਕਲਾਂ ਵਿਚ ਹਨ । (ਹਾਸਾ) (Mahasha ji is an altogether a different person now and is in the best of the spirits.) (*Laughter*)

श्री लाल चन्द : क्या Deputy Minister साहिब बतायेंगे कि जो Special officer जेल में गया क्या उस ने M.L.As. को पूछा ? अगर ऐसा है तो क्या उस ने कंवराणी जगदीश कौर, जो इस हाऊस की hon. lady Member है, को भी पूछा था कि इन्हें क्या तकलीफ थी ?

ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ . ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਆਗਿਆ ਦਿਉ ਤਾਂ ਦਸਾਂ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ T. B. ਦੇ ਬੀਮਾਰ ਦੇ ਨਾਲ ਦੀ ਕੋਠੀ ਵਿਚ ਮੈਨੂੰ ਰਖਿਆ ਗਿਆ । ਕੋਈ ਅਫਸਰ ਮੈਨੂੰ ਪੁਛਣ ਨਹੀਂ ਗਿਆ । ਅਸਾਡਾ ਮੋਰਚਾ ਸ਼ਾਂਤਮਈ ਸੀ । ਹੋਰ ਗਲਾਂ ਫੇਰ ਦਸਾਂਗੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਜੋ information ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਦਿਤੀ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ officer ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਲਗਾਣ ਲਈ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਪਰ ਮੀਤ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ ਕਿ ਇਹ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਲਈ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਹੜੀ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ?

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਜਵਾਬ ਦੇ part (c) ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ T. A., D.A., ਇਤਨਾ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਹੋਇਆ । ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਕਾਲੀਆਂ ਦੇ ਮੋਰਚੇ ਸਬੰਧੀ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ T.A., D.A. ਤੇ ਕਿੰਨਾ ਖਰਚ ਆਇਆ ਹੈ ? (*Interruption*)

EMPLOYMENT THROUGH EMPLOYMENT EXCHANGES IN THE STATE

***6577. Maulvi Abdul Ghani Dar :** Will the Minister for Industries be pleased to state the number of persons registered with the Employment Exchanges in the State, district-wise, and the number of those among them who were found employment in 1955 and 1960, separately ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : A statement is laid on the Table ,—*vide* annexure 'A'

ANNEURE 'A'

3 DIRECTORATE OF NATIONAL EMPLOYMENT SERVICE, PUNJAB, AMBALA CANTT.

Total No. of persons registered with the Employment Exchanges in the Districts of Punjab and the No. of those among them who were found employment in 1955 and 1960

Name of District	YEAR			
	1955		1960	
	Registration	No. found employment	Registration	No. found employment
1	2	3	4	5
Ambala ..	15,767	3,036	24,822	4,951
Karnal ..	10,739	3,288	10,077	1,429
Hissar ..	4,192	597	7,202	1,487
Simla ..	6,328	1,150	7,191	1,465
Patiala ..	6,464	953	11,789	2,042
Mohindergarh ..	Opened on 16th November, 1957		3,902	524
Sangrur ..	Opened on 1st December, 1959		5,545	703
Amritsar ..	13,629	2,209	15,483	1,900
Gurdaspur ..	10,715	1,417	16,495	2,401
Kangra ..	6,158	639	10,111	1,994
Ferozepur ..	9,444	1,962	14,244	2,802
Rohtak ..	7,147	1,472	9,009	1,623
Gurgaon ..	7,720	1,507	13,232	1,405
Bhatinda ..	Opened on 15th February, 1957		6,491	1,073
Jullundur ..	15,249	1,796	17,644	2,439
Hoshiarpur ..	6,008	798	15,621	4,765
Ludhiana ..	8,723	716	10,623	1,407
Kapurthala ..	Opened on 14th December, 1957		2,431	317

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : Deputy Minister साहिब ने बताया है कि cases जो register हुए वह ज्यादा हैं। इस की वजह क्या है? क्या बेकारी ज्यादा हो गई है?

उप-मंत्री : यह तो आपके inference की बात है।

DESERT CONTROL SCHEME IN HISSAR DISTRICT

***6553. Shri Ram Chandra Comrade** : Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state the expenditure incurred on the Desert Control Scheme in district Hissar and the immobilisation of the desert in district Mohindergarh during the years 1957-58, 1958-59, 1959-60 and 1960-61 ?

Bakshi Partap Singh (Deputy Minister) :

	1957-58	1958-59	1959-60	1960-61 upto 31-12-60
	Rs	Rs	Rs	Rs
(1) Desert Control and Reclamation in Hissar District	55,561	49,368	55,285	28,473
(2) Immobilization of Desert in Mohindergarh District	83,345	1,57,811	2,47,596	70,564

JERSEY CROSS BREEDING SCHEME

***6554. Shri Ram Chandra Comrade** : Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state the number of inseminations done under the Jersey Cross Breeding Scheme in the State during the years 1959-60 and 1960-61 in district Kangra together with the results ; if any, achieved ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) :

Year	Number of Inseminations done	Results achieved viz., No. of cross-bred calves born
1959-60 ..	799	61
1960-61 (up to date) ..	1,295	37

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ 37 cases ਕਾਮਯਾਬ ਹੋਏ । ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਤਨੇ ਘਟ cases ਦੇ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋਣ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

उप-मंत्री : यह स्कीम research scheme है और insemination के लिये semen बंगलौर से मंगवाया जाता है जहां Jersey Breed के bulls रखे जाते हैं। चूंकि वह मकाम काफी फसले पर है इसलिये वहां से आते २ उसकी fertility में फर्क पड़ जाता है। कोशिश की है कि जो हिमाचल में एक Centre, Jersey Breeding Bulls का खुलना है वहां से semen लिया जाए और तीसरी Five-Year Plan में कोशिश यह है कि पंजाब में भी ऐसा Centre खोला जाए।

POSTING OF HUSBAND WIFE TEACHERS

***6560. Shri Ram Chandra Comrade** : Will the Minister for Education be pleased to state whether Government have issued any instructions to the educational authorities in the State normally to post husband and wife, when both are teachers, at the same place so as not to disturb their domestic life ; if so, the details thereof ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : Government have issued general instructions emphasising the desirability of posting of couples, if both of them happen to be Government servants, at one station as far as administratively convenient. The same policy is being followed in case of teachers.

श्रीमती ओम प्रभा जैन : क्या मिनिस्टर साहिब बतायें कि उन को इस बात का कुछ idea है कि कितने cases ऐसे हैं जहां पर husband और wife एक ही जगह पर posted नहीं हैं ?

उप-मंत्री : बेशुमार cases ऐसे होंगे ।

श्रीमती ओम प्रभा जैन : क्या वज़ीर साहिब बतायेंगे कि उन को एक ही जगह पर post करने के लिये सरकार कुछ इन्तज़ाम कर रही है ?

उप-मंत्री : कोशिश कर रहे हैं ?

श्री राम प्यारा : क्या डिप्टी वज़ीर साहिब बतायेंगे कि अगर husband और wife में से एक Education Department का employee हो और दूसरा किसी और जगह नौकर हो तो उस सूरत में भी गवर्नमैंट की तरफ से instructions जारी की गई हैं कि उन दोनों को इकट्ठा करने की कोशिश की जाए ?

उप-मंत्री : अगर आनरेबल मैम्बर ने सवाल का जवाब सुना होता तो यह supplementary सवाल पैदा ही न हुआ होता ।

श्री राम चन्द्र कामरेड : उप-मंत्री जी ने वादा किया है कि कोशिश कर रहे हैं। क्या वह बता सकते हैं कि जब वह कांगड़ा में तशरीफ ले गये तो उनके notice में कई cases ऐसे लाए गए थे कि husband और wife को अलग अलग रखा हुआ है लेकिन District Inspector ने कहा कि उन को इकट्ठा नहीं किया जा सकता ?

श्री अध्यक्ष : जवाब में बता तो दिया है कि उनको इकट्ठा रखा जाएगा । (It has been stated in the reply that they will be posted at one station.)

श्री राम चन्द कामरेड : लेकिन, स्पीकर साहिब, इस policy पर अमल नहीं हो रहा ।

उप-मंत्री : जहां मुमकिन हो वहां कर देते हैं ।

चौधरी इन्द्र सिंह : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बतायेंगे कि Family Planning की policy के तहत यह बात मुनासिब है कि husband and wife को ज़रूर इकट्ठा रखा जाए ? *(Laughter)*

श्री अध्यक्ष : यह तो आपने खामखाह पूछ लिया । यह तो समझने की बातें होती हैं । (There was no point in asking this question. It is a matter of common-sense.)

DEVELOPMENT OF PUNJABI AND HINDI LANGUAGES IN THE STATE

*6841. **Sardar Rajinder Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the steps taken by Government for the development of Punjabi and Hindi Languages, separately, in the State during the last year ;

(b) whether Government received any financial help for the purpose from the Central Government during the said period; if so, what ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a) Attention of the Hon. Member is invited to the printed pamphlet entitled "Progress made since (a) Independence (b) 1957 by the Language Department, Punjab" published by the Language Department, Punjab, in March, 1960, which contains the required information.

(b) (i) Yes ;

(ii). For Punjabi.—Rs 14,000 ;

For Hindi.—Rs 21,032.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਰਕਮ Central Government ਨੇ ਹਿੰਦੀ ਔਰ ਪੰਜਾਬੀ ਦੀ development ਵਾਸਤੇ ਦਿਤੀ ਉਹ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਨੇ ਸਾਰੀ ਖਰਚ ਕਰ ਲਈ ਹੈ ?

उप-मंत्री : Central Government से हमें उतनी grant ही मिलती है जितनी कि हम earn करें ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਰਕਮ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ Central Government ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬੀ ਔਰ ਹਿੰਦੀ ਦੀ development ਲਈ ਦਿਤੀ ਉਹ ਸਾਰੀ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁਕੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ? This is a specific question and I want a specific reply.

उप-मंत्री : जितनी grant हम earn करते हैं उतनी ही मिलती है ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਫੇਰ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ main ਜਵਾਬ ਵਿਚ amount ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਈ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਜਿਹੜੀ amount ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ Centre ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਹਿੰਦੀ ਔਰ ਪੰਜਾਬੀ ਦੀ development ਲਈ ਮਿਲੀ ਸੀ ਇਹ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਖਰਚ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ?

उप-मंत्री : मेरा अन्दाज़ा है कि जरूर सारी खर्च हो गई होगी ।

पंडित श्री राम शर्मा : On a point of order. Sir. मैं यह पूछना चाहता हूँ कि जब कोई specific चीज पूछी जाती है तो क्या उस का यह जवाब देना कि मेरा अंदाज़ा है, ठीक है ? क्या आप मुनासिब समझते हैं कि इस तरह का जवाब Government की तरफ से आये ?

श्री अध्यक्ष : मेरा भी अंदाजा है कि यह मुनासिब नहीं है । मगर किया क्या जाये ? (*Laughter*) (I also think that this is improper, but what can be done about it ?) (*Laughter*)

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : On a point of order, Sir. ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਦੋਂ ਇਕ specific question ਪੁਛਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ Government ਵਲੋਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦੇਣ ਕਿ ਮੇਰਾ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਇਹ ਹੈ ਤਾਂ ਐਸੀ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਤੁਸੀਂ ਕੀ action ਲੈਣਾ propose ਕਰਦੇ ਹੋ ?

Mr. Speaker : I cannot take any action.

Sardar Bhupinder Singh Mann ; Sir, recently the State Government appointed a Commission to examine the question of setting up of a Punjabi University. The report of the Commission has since been received by the Government. May I know what steps, if any, the Government propose to take to implement the recommendations contained in the Commission's Report ?

Mr. Speaker : The scope of this question is too wide.

Sardar Bhupindar Singh Mann : Sir, part (b) of the question is—

> "the steps taken by Government for the development of Punjabi and Hindi languages, separately, in the state during the last year,"

and it has been the claim of the Government that they have appointed a Commission for the setting up of a Punjabi University.

Mr. Speaker: The reply is—

"Attention of the hon. Member is invited to the printed pamphlet entitled "Progress made since (a) Independence (b) 1957 by the Language Department, Punjab" published by the Language Department, Punjab, in March, 1960, which contains the required information.

Sardar Bhupinder Singh Mann: Sir, I want to know what action, if any, has been taken by Government on the Report of the University Commission and when are they going to implement the recommendations contained in that Report ?

उप मंत्री : यह case अभी under consideration है। जब इस को examine कर लेंगे तो इस के मुताल्लिक अगली कार्रवाई की जाएगी।

Sardar Bhupinder Singh Mann: Sir, may I know when will the Government examine that Report ?

Deputy Minister: It is already under examination.

श्री शेर सिंह: क्या उप-मंत्री महोदय यह बात बतायेंगे कि जिस तरह से पंजाबी को University बनाई जा रही है क्या हिंदी की development के लिये भी कोई और scheme ज़ेरे ग़ौर है ?

उप-मंत्री : इस वक्त कोई और नई University बनाने की तजवीज़ ज़ेरे गौर नहीं है।

पंडित श्री राम शर्मा : मैं यह पूछना चाहता हूँ कि क्या पुरानी University को बेहतर बनाने के लिये सरकार कोई इरादा रखती है या कि नहीं ?

उप-मंत्री : जी हां, उस को बेहतर से बेहतर बनाने का सरकार का इरादा है।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या इस में हिंदी, पंजाबी और दूसरी languages के students बराबर बराबर लिये जायेंगे ?

उप-मंत्री : सभी भाषाओं के ही दाखल होने चाहियें।

SINGLE-TEACHER PRIMARY SCHOOLS IN LUDHIANA

*6851. **Sardar Ramdial Singh**: Will the Minister for Education be pleased to state the number and names of single teacher primary schools in Ludhiana District at present and the strength of the students in each such schools ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister): There are 113 single teacher primary schools functioning in District Ludhiana at Present. A statement showing their names, number and the strength of the students in each school is placed on the Table.

[Deputy Minister]

Single-Teacher Primary Schools in Ludhiana District

Serial No.	Name of School		Present enrolment
	Samrala		
1	Mattan	..	27
2	Bhagwan Pura	..	32
3	Bagli Khurd	..	33
4	Ajlaudh	..	43
5	Bhangal	..	15
6	Barwali Khurd	..	51
7	Dyalpur	..	38
8	Sangat Pura	..	35
9	Kakria Khurd	..	51
10	Mahaun	..	45
11	Rattan Heri	..	46
12	Alaur	..	53
13	Bulapur	..	29
14	Gaggra	..	41
15	Kotla Bodla	..	51
	Khanna		
16	Ismailpur	..	14
17	Manak Majra	..	25
18	Baur	..	28
19	Dholewal	..	23
20	Jallowal	..	51
21	Sohavi	..	19
22	Malikpur	..	27
23	Saidpur	..	32
24	Udalpur	..	21
	West Circle		
25	Bughel	..	28
26	North Talwara	..	35

Serial No.	Name of School	Present enrolment
	West Circle—concld	
27	Ayali Khurd ..	35
28	Malikpur Bet ..	21
29	Rajowal ..	36
30	Dholauwal ..	11
31	Baure ..	18
32	Bunkar ..	23
33	Rajour ..	29
34	Gauns Garh ..	36
35	Maherlean ..	36
36	Hawas ..	40
37	Mangli Tanda ..	26
	East Circle	
38	Jagiana ..	55
39	Bir Sanewal ..	25
40	Bhaurala ..	60
41	Raipur ..	31
42	Katani Khurd ..	55
43	Chak Mafi ..	56
44	Rupa ..	32
45	Bathan Kalan ..	31
46	Bodla ..	31
47	Thikriwal ..	34
48	Fraur ..	51
49	Bir Kishan Singh ..	3
50	Faizgarh ..	44
51	Ghaurala ..	43
52	Kaliawal ..	57
	Sidhwan Bet	
53	Bhaini Gujran ..	14
54	Kiri ..	34
55	Madar Pura ..	22
56	Talwara ..	28

[Deputy Minister]

Serial No.	Name of School		Present enrolment
	Sidhwan Bet—concld		
57	Bhawdri	..	58
58	Kot Man	..	20
59	Birmi	..	60
60	Loalipur Kalan	..	28
61	Loalipur Khurd	..	21
62	Ghamnewal	..	17
	Machhiwara		
63	Ranwan	..	53
64	Manewal	..	24
65	Rattipur	..	45
66	Bulawal	..	38
67	Punian	..	56
68	Gura Garh	..	23
69	Nurpur Jhingian	..	27
70	Gari Sani	..	33
71	Sehjo Majra	..	64
72	Kotla Bet	..	39
73	Machhiwara Khurd	..	39
74	Baliawal	..	24
75	Jassowal	..	25
76	Chalk Adal	..	19
77	Gauns Garh	..	32
78	Nilon Kalan	..	42
79	Dhande	..	31
80	Malislipura	..	41
81	Ranwan	..	39
82	Khamano Kamli	..	36
83	Mansurpur	..	51
84	Memdelan	..	36
85	Jattana Niche	..	37
86	Bilaspur	..	38
87	Chandiala	..	64

Serial No.	Name of School		Present enrolment
	Machhiwara—concld		
88	Ruper Raian	..	32
89	Kire Afgana	..	28
90	Heriana	..	27
91	Kherian	..	24
92	Shameshpur	..	35
93	Barhma	..	51
	Kila Raipur		
94	Rabbon Nicha	..	35
95	Raosiana	..	2
96	Dhoda	..	37
	West Circle		
97	Chokar	..	30
	Girls Primary Schools, Jagraon Sub-Division		
98	Government Girls Primary School, Patti Multani	..	27
	Ludhiana Sub-Division		
99	Government Girls Primary School, Kuliawal	..	19
	Samrala Sub-Division		
100	Government Primary School, Adiana	..	1
101	Government Primary School, Mangli Unchi	..	5
102	Government Primary School, Ghuman	..	7
103	Government Primary School, Sherian	..	6
104	Government Primary School, Bhaltian	..	4
105	Mohan Majri	..	4
106	Amargarh	..	47
107	Hadia	..	29
108	Machian Kalan	..	40
109	Mithewal	..	29
110	Kotalal	..	41
111	Jhar Sahib	..	47
112	Mohan Pur	..	4
113	Bhallewal Quadiana	..	25

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਇਹ 113 ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ list ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਮਿਲੀ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ 18 ਸਕੂਲ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ students ਦੀ ਤਾਦਾਦ 50-60 ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ schools ਵਿਚ ਦੂਸਰਾ teacher ਦੇਣ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

उप-मंत्री : जहां पर बच्चों की तादाद 50 से ऊपर हो वहां पर दूसरा teacher provide करने की कोशिश की जाती है ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਇਸ list ਦੇ ਵਿਚ 18 ਸਕੂਲ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਥੇ 60 ਤਾਈਂ students ਹਨ । ਕੀ ਏਥੇ ਕੋਈ ਦੂਸਰਾ teacher appoint ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ।

Mr. Speaker : The question has already been replied.

श्री राम प्यारा : क्या वजीर साहिब यह बात बतायेंगे कि जो list वज़ीर साहिब ने 113 schools की दी है क्या उन सब में एक एक teacher है ?

Mr. Speaker: Please try to read the question. The question relates to it.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਲੁਧਿਆਣੇ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚ 113 Single Teacher Schools ਹਨ । ਪਰ ਜੇ ਇਨ੍ਹਾਂ teachers ਵਿਚੋਂ ਕੋਈ ਛੁਟੀ ਤੇ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਨੂੰ ਲਾਉਣ ਦਾ ਕੋਈ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

ਉਪ-ਮੰਤ੍ਰੀ : ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਐਸਾ ਕੋਈ arrangement ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ Subordinate Services Selection Board ਨੇ ਨਵੇਂ teachers ਦੀ selection ਕੀਤੀ ਹੈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਹੋਰ teachers ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਜਦੋਂ ਕਿ teachers available ਹਨ ?

ਉਪ ਮੰਤ੍ਰੀ : Teachers ਦੀ availability ਦਾ ਹੀ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ, funds ਦੀ availability ਦਾ ਵੀ ਸਵਾਲ ਹੈ । ਅਸੀਂ provision ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ 50 ਤੋਂ ਵਧ students ਹੋਣ ਉਥੇ ਇਕ ਹੋਰ teacher ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ।

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

ARRESTS MADE AT AMRITSAR AND OTHER PLACES ON 18TH DECEMBER, 1960

3429. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of persons arrested on 18th December, 1960, the day on which Sant Fateh Singh started his fast unto death at Amritsar and other places of the State, district-wise ;

(b) the number out of those mentioned in part (a) above who were rounded up by the Police and also of those who courted arrests themselves ;

(c) whether any processions were taken out on that day defying the ban; if so, the names of such places ;

(d) whether all the processionists were taken into custody; if not, the reasons therefor ?

Shri Partap Singh Kairon :

(a)—Amritsar	..	234
Patiala	..	35
Ludhiana	..	8

(b) (i) 2.

(ii) 275.

(c) Yes, by 40/50 ladies at Ludhiana only.

(d) No, as they had dispersed peacefully.

BRICK-KILN LICENCES IN HISSAR DISTRICT

3430. Shrimati Sneh Lata ; Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the names of the individuals/Co-operative Societies and others in the State to whom licences for brick-kilns have been given in district Hissar during the period from 1st January, 1956 to date, the date of issue of licence in each case and the criteria kept in view at the time of the issue of each of these licences ;

(b) the number of wagons of coal issued in the name of each of the said licencees during the said period ;

(c) whether any special quota of coal wagons was allotted to any of the said brick-kiln licences, if so, the quantity thereof and the reasons for the issue of the special quota ?

Shri Mohan Lal : (a) and (b) The requisite information is given in the enclosed statement.

(c) No.

[Minister for Industries]

STATEMENT

Serial No.	Date of issue of the licence	Name of the party to whom licences were issued	No. of wagons allotted	Criteria adopted for the issue of brick-kiln licences	
1	11th December, 1956 ..	Shri Atma Ram, Joginder Merkan ..	61	Selection of parties is made from amongst Political Sufferers, Brick-kiln Licences, Brick-kiln Licencees from areas now in Pakistan, Co-operative Societies, Harijans and other deserving persons to the best advantage of the areas	Regular
2	20th December, 1956 ..	Shri Hona Mal, son of Dhani Ram, Bihalpur	66	Ditto	Do
3	3rd April, 1957 ..	Shri Kunj Lal, village Balsamand	44	Ditto	Do
4	17th May, 1957 ..	Shri Lal Chand, son of Sudagar Mal, village Kurni	78	Ditto	Do
5	16th July, 1957 ..	Shri Nar Singh, son of Hira Singh, village Dhilwar	70	Ditto	Do
6	18th July, 1957 ..	M/s Punjab Singh-Sheo Narain, village Palisa	99	Ditto	Do
7	18th July, 1957 ..	Shri Arjan Singh, son of Ujala, Malikpur	92	Ditto	Do
8	18th July, 1957 ..	Shri Aidan, son of Phool Chand, village Jammal	71	Ditto	Do
9	18th July, 1957 ..	M/s Jiwan Ram-Khetu Ram, village Odhan	85	Ditto	Do
10	18th July, 1957 ..	Shri Lakshmi Chand, village Dhani Chuhr	91	Ditto	Do
11	29th August, 1957 ..	Shri Ram Gopal, son of Shri Amin Chand	90	Ditto	Do

12	5th September, 1957	Shri Jog Raj Singh, village Kingar	64	Ditto	Do
13	9th October, 1957	Shri Shekhar Chand-Prem Chand, Fatehbad	96	Ditto	Do
14	14th October, 1957	M/s Budh Ram-Pir Chand, Hissar	70	Ditto	Do
15	15th October, 1957	M/s Bhagwan Dass, Rauia	70	Ditto	Do
16	9th November, 1957	M/s Brij Behari Lal-Parkash Chand, Khaja Kher	85	Ditto	Do
17	10th December, 1957	The Jai Bharat Ex-Servicemen, Co-operative Society, Bhiwani	69	Ditto	Do
18	24th December, 1957	Bhiwani Khera Co-operative Society, Bhiwani Khera	72	Ditto	Do
19	28th February, 1958	Shri Harphul Singh, Ghautala	61	Ditto	Do
20	9th July, 1958	Shri Lachman Dass Monga, Mandi Dabwali	62	Ditto	Do
21	7th January, 1959	Shri Chaman Lal, Mandi Dabwali	55	Ditto	Do
22	26th March, 1959	M/s Bakhtawar Lal-Tulsi Ram, Sirsa	66	Ditto	Do
23	6th April, 1959	Mittathal B. K. Co-operative Society, Mittathal	41	Ditto	Do
24	7th September, 1959	Shri Molu Ram, village Prabhuwala	62	Ditto	Do
25	23rd September, 1959	Shri Nopa Ram, village Keharwala	35	Ditto	Do
26	29th September, 1959	Shri Hawa Singh, village Dhanana	38	Ditto	Do
27	5th October, 1959	M/s Nath Co., Chandi Chowk	33	Ditto	Do
28	13th October, 1959	M/s Rattan Singh, Samani Bolan	35	Ditto	Do
29	19th October, 1959	M/s Wazir Chand-Begu Ram, Uklana	37	Ditto	Do

[Minister for Industries]

Serial No.	Date of issue of the licence	Name of the party to whom licences were issued	No. of wagons allotted	Criteria adopted for the issue of brick-kiln licences	REMARKS
30	29th October, 1959 ..	M/s Madan Gopal, Fatehbad ..	49	Selection of parties is made from amongst Political Sufferers, Brick-kiln Licences Brick-kiln Licences from areas now in Pakistan, Co-operative Societies, Harijans and other deserving persons to the best advantage of the areas.	Regular
31	29th October, 1959 ..	M/s Madan Lal, Hansi ..	34	Ditto	Do
32	5th November, 1959 ..	M/s Banarsi Dass, Sirsa ..	40	Ditto	Do
33	9th December, 1959 ..	Shri Narsingh Dass, village Bhuna ..	34	Ditto	Do
34	28th June, 1960 ..	Shri Amin Lal, Barwala ..	14	Ditto	Do
35	12th October, 1960 ..	Shri Ram Dhan, village Malikpur ..	15	Ditto	Do
36	12th October, 1960 ..	Shri Sansar Bhushan, Ellenabad ..	19	Ditto	Do
37	12th October, 1960 ..	M/s Ram Kishan-Som Nath, village Rori	18	Ditto	Do
38	2nd November, 1960 ..	Kariwala Brick-kiln Production -Cum-Sale Co-operative Industrial Society, Kariwala	18	Ditto	Do
39	2nd November, 1960 ..	Shri Amar Singh Co., Agroha ..	18	Ditto	Do
40	1st December, 1960 ..	Shri Suraj Bhan Bhupal, village Sahuwala	18	Ditto	Do
41	1st December, 1960 ..	A.K.S. Marya Bhana ..	18	Ditto	Do
42	10th February, 1961 ..	Shri Arjan Dev, Hissar ..	18	Ditto	Do

Note.—(Temporary licences issued to Government Department, (i.e. P.W.D. and N.E.S., etc.) and to institutions have not been shown in the above list.)

DEVELOPMENT OF HINDI LANGUAGE

3431. Shrimati Sneh Lata : Will the Minister for Education be pleased to state the steps taken by Government for the development of the Hindi Language in the State during each of the years from 1956 ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : Attention of the Honourable Member is invited to the booklets entitled "Progress made since (a) Independence, (b) 1957 by the Language Department, Punjab" published by the Language Department, Punjab, in March, 1960, and "Punjab on the March" placed on the Table of the House on the 25th February, 1961, alongwith the 'Budget Speech' of the Finance Minister, Punjab, which contain the required information.

GRANT OF SPECIAL PAYS OR ALLOWANCES TO OFFICERS/OFFICIALS IN DISTRICT HISSAR

3432. Shrimati Sneh Lata : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to grant any special pays or allowances to its officials/officers posted at different places in Hissar District, where the conditions of living are difficult; if so the details thereof ?

Sardar Partap Singh Kairon : Yes. The details are being worked out.

ELECTIONS TO MUNICIPAL COMMITTEES IN HISSAR DISTRICT

3433. Shrimati Sneh Lata : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the names of Municipal Committees in Hissar District to which elections have not been held so far ;
(b) the names of Municipal Committees which stand superseded in Hissar District at present ;
(c) the time by which Government propose to hold elections to the Municipal Committees mentioned in parts (a) and (b) above ;
(d) whether any election petitions have been filed in respect of any Municipal elections which have so far been held ; if so, their number as well as the number of those which have been decided and the number of those which are still pending together with the time within which these are expected to be decided ?

Shri Mohan Lal :

(a) Bhiwani, Fatehabad and Kalanwali.

(b) Bhiwani.

(c) Efforts are being made to hold elections in all of the three Municipalities in the mid-summer say in the month of June or July, 1961.

(d) (i) Yes.
(ii) 34.
(iii) 20.

[Minister for Industries]

(iv) 14—Seven cases are expected to be finalized in three months, whereas in seven cases of Sirsa, Stay-Orders have been received from the igh Court, Punjab.

LOANS GRANTED UNDER MIDDLE INCOME GROUP HOUSING SCHEME IN HISSAR DISTRICT

3434. Shrimati Sneh Lata : Will the Minister for Public Works be eased to state—

(a) the names of persons who have been advanced loans for the construction of houses under the Middle Income Group Housing Scheme in Hissar district from the date when the scheme was started to date ; the amount of loan advanced in each case and the date when it was advanced ;

b) whether the loanees referred to in part (a) above have started the construction of their houses ; if so, when in each case, together with the stage at which the construction of their houses is at present ?

Chaudhri Suraj Mal : (a) The Statement is as under.

(b) The information relating to the present position of construction of houses is contained in column 5 of the statement referred to in (a) above. It may, however, be observed that the scheme does not provide that a loanee should intimate the exact date on which he starts construction.

List of Persons granted loan under Migh Scheme (Hissar)

Serial No.	Name of loanee with residence	Date of loan sanctioned	Amount	Present position of the house
1	2	3	4	5
			Rs	
1	C. L. Vohra of Hissar ..	14-1-60	12,000	House is complete
2	Som Raj of Hissar ..	18-1-60	10,000	Ditto
3	Shri Siri Krishan of Bhiwani	18-1-60	12,000	Ditto
4	D. S. Lamba, Hissar ..	20-1-60	20,000	Ditto
5	R. S. Palia, Hissar ..	25-1-60	12,000	Ditto
6	Shri Millava Ram, Bhiwani	29-1-60	10,000	Ditto
	Shri Sham Dass, Bhiwani ..	29-1-60	15,000	Ditto

Serial No.	Name of loanee with residence	Date of loan sanctioned	Amount	Present position of the house
1	2	3	4	5
			Rs.	
8	Man Singh, Hissar ..	8-2-60	16,000	House is complete
9	Khan Chand, Dabwali ..	9-2-60	12,000	Not verified so far
10	Raghbir Chand, Dabwali	9-2-60	12,000	Ditto
11	Om Parkash, Bhiwani ..	26-2-60	12,000	Completed
12	Rajinder Singh, Bhiwani ..	4-3-60	12,000	Do
13	Mohabatpal Singh, Uklana..	8-3-60	12,000	Incomplete
14	Bharat Singh, Bhiwani ..	8-3-60	9,000	Complete
15	Sohan Singh, Bhiwani ..	8-3-60	9,000	Do
16	S. S. Rathi, Hissar ..	15-3-60	9,000	Do
17	Amar Singh, Bhiwani ..	15-3-60	9,000	Do
18	Suraj Bhan, Sirsa ..	16-3-60	15,000	Not verified so far
19	Sat Narain, Sirsa ..	16-3-60	15,000	Ditto
20	Dalip Singh, Bhiwani ..	17-3-60	9,000	Complete
21	Balbir Singh, Hissar ..	23-3-60	9,000	Do
22	Dalbir Singh, Hissar ..	25-3-60	16,000	Do
23	Kok Chand, Hissar ..	31-3-60	10,000	Roof level
24	Lall Chand, Dabwali ..	31-3-60	10,000	Not verified so far
25	Chetan Dass, Hissar ..	31-3-60	12,500	Roof level
26	Sant Singh, Hissar ..	31-3-60	10,000	Incomplete
27	Ishar Singh, Hissar ..	31-3-60	10,000	Not verified
28	Sohan Singh, Hissar ..	31-3-60	10,000	Complete
29	Bhale Ram, Hansi ..	31-3-60	14,500	Do
30	Jugal Kishore, Hissar ..	31-3-60	7,500	Do
31	Mool Chand, Hansi ..	31-3-60	12,500	Incomplete
32	Harphool Singh, Hissar ..	31-3-60	12,000	Complete
33	Karnail Singh, Sirsa ..	31-3-60	16,000	Not verified
34	Bir Singh Lamba, Hissar ..	31-3-60	10,000	Complete
35	Rati Ram, Hansi ..	9-11-60	14,000	Incomplete
36	Mogh Singh, Hissar ..	9-11-60	9,000	Not verified

[Minister for Public Works]

Serial No.	Name of loanee with residence	Date of loan sanctioned	Amount	Present position of the house
1	2	3	4	5
			Rs	
37	Pat Ram, Hissar ..	9-11-60	12,500	Not verified
38	Mange Ram, Hissar ..	9-11-60	12,000	Ditto
39	Sheo Ram, Uklana ..	9-11-60	11,500	Not started
40	Shanu Ram, Bhiwani ..	9-11-60	13,000	Complete
41	Murari Lall, Bhiwani ..	9-11-60	9,000	Roof level
42	Chattar Singh, Bhiwani ..	14-11-60	10,000	Complete
43	Bakhshish Singh, Hansi ..	14-11-60	15,000	Not verified
44	Anguri Lal, Bhiwani ..	14-11-60	12,000	Incomplete
45	Hari Singh, Bhiwani ..	14-11-60	12,000	Roof level
46	Narain Dass, Hissar ..	14-11-60	10,500	Not verified
47	Mukna Ram, Fatehabad ..	21-11-60	12,000	Not started
48	Rattan Singh, Hissar ..	21-11-60	16,000	Complete
49	Inder Singh, Hissar ..	21-11-60	9,500	Do
50	Sohan Lall, Hissar ..	21-11-60	10,500	Not verified
51	Niamat Singh, Hissar ..	25-11-60	14,500	Ditto
52	Abhey Ram, Uklana ..	25-11-60	7,000	Complete
53	Kishan Chand, Sirsa ..	25-11-60	12,000	Not verified
54	Sher Singh, Loharu ..	25-11-60	10,500	Ditto
55	Babu Ram, Dabwali ..	28-11-60	10,000	Ditto
56	Dev Raj, Hissar ..	28-11-60	12,000	Ditto
57	Barsan Singh, Uklana ..	28-11-60	16,000	Not complete
58	Brij Balabh Goel, Hissar ..	28-11-60	12,000	Not verified
59	Hari Singh, Hissar ..	28-11-60	11,000	Complete
60	Bas Dev, Hissar ..	8-2-60	12,000	Incomplete
61	Dewan Singh, Hansi ..	8-2-60	12,000	not verified
62	Ram Dhan, Dabwali ..	8-2-60	16,000	Ditto
63	Mohan Lall, Dabwali ..	8-12-60	16,000	Not verified
64	Jagdish Parshad, Dabwali ..	8-12-60	12,000	Ditto

Serial No.	Name of loanee with residence	Date of loan sanctioned	Amount	Present position of the house
1	2	3	4	5
			Rs	
65	Manga Ram, Sirsa ..	8-12-60	12,000	Not verified
66	Shiv Dev Singh ..	13-12-60	10,000	Ditto
67	Ran Singh ..	13-12-60	14,000	Ditto
68	Shamsher Singh ..	13-12-60	11,000	Ditto
69	Sujan Singh, Dabwali ..	13-12-60	12,000	Ditto
70	Rattan Singh, Hissar ..	13-12-60	16,000	Ditto
71	Sham Dass, Sirsa ..	13-12-60	7,000	Ditto
72	Guraya Ram, Sirsa ..	13-12-60	7,000	Ditto
73	Atma Ram, Hissar ..	13-12-60	16,000	Ditto
74	Dalip Singh, Hansi ..	13-12-60	16,000	Ditto
75	P. D. Prashar, Bhiwani ..	26-12-60	13,000	Complete
76	Jam. Kanwar Singh, Bhiwani	28-12-60	12,000	Not started
77	Ghansham Dass, Ukana ..	28-12-60	10,500	Ditto
78	Amar Nath, Fatehabad ..	3-1-61	11,000	Ditto
79	Manjit Singh, Sirsa ..	3-1-61	11,000	Ditto
80	Bansi Lall, Bhiwani ..	3-1-61	20,000	Complete
81	Ajaib Singh, Sirsa ..	13-1-61	16,000	Not verified
82	Chiranji Lall, Bhiwani ..	13-1-61	10,000	Ditto
83	Parshottam Dass, Hansi ..	20-2-61	8,000	Ditto
84	Joyti Parshad, Bhiwani ..	20-2-61	16,000	Not started
85	Gopal Ram, Bhiwani ..	10-3-61	8,000	Not verified
86	Gopal Dass, Bhiwani ..	10-3-61	11,000	Ditto
87	Rugh Nath, Hissar ..	10-3-61	10,000	Ditto
88	Ram Kishan, Bhiwani ..	10-3-61	11,000	Ditto
89	Phool Chand, Hansi ..	10-3-61	10,000	Ditto
90	Surjit Singh, Fatehabad ..	10-3-61	10,000	Ditto
91	Narain Dass, Fatehabad ..	10-3-61	12,000	Ditto

[Minister for Public Works]

Serial No	Name of loanee with residence	Date of loan sanctioned	Amount	Present position of the house
1	2	3	4	5
92	Smt. Rukmani Devi, Sirsa	10-3-61	10,000	Not verified
93	Ram Sarup, Hansi ..	10-3-61	10,000	Ditto
94	Chhota Singh, Jakhal ..	10-3-61	8,000	Ditto
95	Inder Singh, Bhiwani ..	10-3-61	10,000	Ditto
96	Daya Nand, Hansi ..	10-3-61	15,000	Ditto
97	Prem Chand, Bhiwani ..	10-3-61	12,000	Ditto
98	Girdhari, Jakhod ..	10-3-61	10,000	Ditto
99	Net Ram, Jakhod ..	10-3-61	10,000	Ditto
100	Narain Singh, Hissar ..	10-3-61	12,000	Ditto
101	Dewat Ram, Hansi ..	10-3-61	12,000	Ditto
102	Mani Ram, Hissar ..	10-3-61	9,000	Ditto
103	Jagir Singh, Tohana ..	10-3-61	16,000	Ditto
104	Lachhman Singh, Tohana ..	10-3-61	8,000	Ditto
105	Sant Lall, Sirsa ..	10-3-61	10,000	Ditto
106	Hem Raj, Hissar ..	10-3-61	9,000	Ditto
107	Bagrawat, Tigrana ..	10-3-61	10,000	Ditto
108	Rattan Singh, Khanda ..	10-3-61	12,000	Ditto
109	Rajender Singh, Rattangarh	10-3-61	14,000	Ditto
110	Sham Sunder, Fatehabad ..	10-3-61	12,000	Ditto
111	Bishan Singh, Sirsa ..	10-3-61	12,000	Ditto
112	Het Ram, Dangra ..	28-3-61	8,000	Loan advanced recently, not started
113	Indraj, Hissar ..	28-3-61	10,000	Ditto
114	Gurjattan Singh, Uklana ..	29-3-61	10,000	Ditto
115	Ganga Bishan, Hansi ..	29-3-61	12,000	Ditto
116	Ram Parkash, Hansi ..	29-3-61	8,000	Ditto
117	Sukhdev, Satrod ..	29-3-61	8,000	Ditto
118	Gurdarshan Singh, Sirsa ..	29-3-61	12,000	Ditto
119	Nathu Ram, Badlada ..	29-3-61	8,000	Ditto
120	Dhanwant Singh, Hissar	29-3-61	14,000	Ditto
121	Ude Singh, Khanda ..	29-3-61	10,000	Ditto

SURPLUS AREA IN KULU SUB-DIVISION

3436. Lala Jit Ram : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

whether any area in Kulu Sub-Division has so far been declared as 'Surplus area', if so, how much ;

(b) whether he is aware of the fact that the landlords in the said sub-division have sold the area which was surplus with them after assessment ; if so, the steps taken to check this being done in future ?

Rao Birender Singh : (a) (i) Yes.

(ii) About 307 standard acres.

(b) (i) Yes. There have been cases in which the landlords have sold the area, which was declared surplus with them.

(ii) The surplus land involved will be dealt with and utilized according to the relevant provisions of the Punjab Security of Land Tenures Act, 1953, and the Rules framed thereunder.

NAZOOL LAND IN KULU SUB-DIVISION

3437. Lala Jit Ram : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the total area of 'Nazool Land' in the Kulu Sub-Division at present ;

(b) whether there is any proposal under the consideration of Government to settle the landless and home-less Harijans on the said nazool land ; if so, the steps, if any, taken in the matter so far ?

Rao Birender Singh : (a) 205 acres.

(b) Nazool lands are allotted to the members of Scheduled Castes for Agricultural purposes under the provisions of Nazool Lands (Transfer) Rules, 1956. No such person or society has applied for the allotment of nazool land in Kulu Sub-Division.

APPOINTMENT OF MEN AND WOMEN TEACHERS IN KULU SUB-DIVISION

3438. Lala Jit Ram : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether he is aware of the fact that men and women teachers belonging to places outside the Kulu Sub-Division have not joined certain newly opened primary schools in the Kulu Sub-Division after their appointment ;

[Lala Jit Ram]

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative whether there is any proposal under the consideration of Government to fill up the said vacancies by appointing local J. B. T. personnel ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : (a) Yes.

(b) According to the practice in vogue preference is already being given to local persons while appointing selected J.B.T. teachers (men and women) in the district to which they belong. In the absence of candidates selected by Subordinate Services Selection Board, Punjab, local persons registered with Employment Exchanges are considered.

STIPENDS TO HARIJAN BOYS/GIRLS STUDENTS IN KULU SUB-DIVISION

3439. Lala Jit Ram : Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to give any stipends to Harijan boys/girls in the primary and middle stages of studies with a view to encourage education among the Harijan section of the Kulu Sub-Division during the Third Five-Year Plan ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : Yes. Stipends are proposed to be given to Harijan students of Kulu Sub-Divisions at Primary and Middle Stages and at enhanced rate in High/Higher Secondary Classes. The monthly rates will be Primary Rs 2, Middle Rs 4 and High/Higher Secondary Rs 7.

Mr. Speaker : The Question Hour is over now.

PERSONAL EXPLANATION BY PANDIT SHRI RAM SHARMA

पंडित श्री राम शर्मा : On a point of order, Sir. परसों जब मैं बोल रहा था तो आप ने मुझे irrelevancy की बिना पर रोक दिया था। बाद में मुझे पता लगा कि वज़ीर साहिब ने उसी बात का जवाब दे डाला जिसे मुझे पूरा करने का मौका न मिला। जो बात मैं irrelevant होने की बिना पर पूरी तरह कह न सकूं उस पर एक लम्बा चौड़ा lecture हो जाए तो मैं चाहूँगा कि या तो मुझे अपनी बात कहने की इजाज़त होनी चाहिये थी या फिर उस का जवाब न दिया जाता।

3-00 p.m.

इस के साथ ही मैं ने एक personal explanation भी देना है। Capital Project के वज़ीर साहिब ने मुझ पर इल्ज़ाम लगाया कि मैं ने उन से सिफारिश की। मैं अर्ज़ करना चाहता हूँ कि यह सरासर ग़लत है। मैं तो इन के महकमे का एक scandal इन के नोटिस में लाया था। इन को मेरा मशकूर होना चाहिये। जब यह और दूसरे

Note.—Reply to Unstarred question No. 3435 has been received late from the Government which is being printed as an Annexure at the end of this debate.

न मानें तो मैं ने वही बात लिख कर बाकायदा Chief Minister को भेजी और उन्हों ने अब यह मामला Secretary को भेजा हुआ है। अब आप बतायें कि यह बात कहां तक proper है कि वज़ीर साहिब को उनके महकमे की एक गंदी और बुरी बात बताई जाए तो यह बजाए यह कहने के कि मैं अपनी ज़िम्मेदारी निभा रहा हूँ, यह House में एक ग़लतफहमी फैलाएं कि आं जनाब एक ज़ाती मामला में सिफारिश लिये फिरते थे। मैं इस बात को कतई refute करता हूँ और चाहता हूँ कि जिस तरह वज़ीर साहिब को बोलने दिया गया.....

OBSERVATIONS MADE BY THE SPEAKER

श्री अध्यक्ष : आप ने जो point of order raise किया है, इस में point of order की कोई बात नहीं है। ग़लती चाहे एक तरफ से हो चाहे दूसरी तरफ से, मैं उसे irrelevant समझता हूँ। आप दोनों पुराने parliamentarians हैं और आप को यह बात समझनी चाहिये। बाकी जहां तक personal explanation की बात है वह आप जाने या यह जानें, मुझे क्या पता है आप क्या प्रेम और प्यार की बातें करते रहते हैं। वैसे अभी इस explanation की ज़रूरत नहीं थी, बजट discussion के वक्त यह बात की जा सकती थी।

कुछ दिन हुए चौधरी बलबीर सिंह ने एक privilege motion का नोटिस दिया था कि चौधरी सूरज मल, लोक-कार्य मंत्री साहिब ने अपनी speech में treacherous वग़ैरह के लफ्ज़ इस्तेमाल किए हैं और चीफ मिनिस्टर साहिब ने एक political party के खिलाफ कुछ बातें कहीं हैं। उस वक्त मैं ने कहा था कि corrected copies के आने पर इसे देखूंगा। मैंने यह भी कहा था कि अगर उन्हों ने कोई material correction की तो मैं पंडित श्री राम शर्मा और mover को साथ बैठा कर उसे देखूंगा और version से बिल्कुल different correction को accept नहीं करूँगा। अब वह speeches आ गई हैं और उन में कोई correction नहीं की गई। इन को मैंने देखा है। उन में ऐसी कोई बात नहीं है जो उस privilege motion में mention की गई थी। अगर कोई मैम्बर इन speeches को देखना चाहे तो वह Secretary के मेज़ पर आ कर इन को देख सकता है। अगर कोई बात वह मेरे नोटिस में लाना चाहें तो शौक से ऐसा कर सकता है, मैं consider करने के लिये तैयार रहूँगा। मैंने इन speeches को अच्छी तरह से देखा है। उन में कोई ऐसी काबलेएतराज़ बात है नहीं।

Seating arrangements के बारे में कोई decision अभी तक नहीं कर सका क्योंकि position कुछ fluid सी रही है। कई मैम्बर्ज़ के नाम दोनों sides की list में आते रहे हैं। अब अगर मैं आज एक seating plan छपवा दूं और कल उसे बदलना पड़े तो यह ठीक बात न होगी। अब जिस arrangement में मैं नाम पढ़ने लगा हूँ अगर इस पर किसी को कोई objection हो तो वह मुझे मिल कर बता दे। मैं ने कल तक changes कर देनी हैं और अगर आप से मुझे कोई इत्तलाह न आई तो मैं इसे ज्यों का त्यों print करा दूंगा। कांग्रेस पार्टी में कोई अदला बदली नहीं है।

[श्री अध्यक्ष]

सरदार गुरबरियाम सिंह वग़ैरह का जो Swatantra Group है उस में यह 8 साहिबान हैं :

श्री जगत नारायण, राजा भालिन्द्र सिंह, राजा महेशिन्दरसिंह, सरदार गुरबरियाम सिंह, पंडित श्री राम शर्मा, चौधरी धर्म सिंह राठी, चौधरी भरत सिंह और मौलवी अब्दुल ग़नी डार ।

इस group के leader का जिक्र नहीं है, मेरा ख्याल है सभी leader नहीं हैं...

आवाज़ें : इस group का नाम क्या है ?

श्री अध्यक्ष : Independents and Swatantra Group. इस सिलसिले में Presiding Officers' Conference का एक फैसला भी है और एक convention भी है । उस से departure कर के यहां एक front बना था मगर वह तजरुबा कामयाब न हो सका । कुछ independents इकट्ठे हुए, कुछ Socialists इकट्ठे हुए और कुछ और मैम्बर्ज़ ने मिल कर वह front कायम किया मगर पंडित श्री राम शर्मा जी के बयान के मुताबिक वह तजरुबा fail हुआ । इस तरह Presiding Officers' Conference के फैसले की ताईद हो गई । इस लिये जो party सारे देश में हो वही House में भी होनी चाहिये । इस लिये जब यह मेरे पास आए तो मैं ने कहा कि आप इस में किसी ऐसी party का नाम डाल दो ताकि मैं इस को justify कर सकूं । Swatantra Party वाले अपने को Independents लिखाना नहीं चाहते थे और Independents अपने आप को Swatantra group के नहीं लिखाना चाहते थे । इसलिये Independent और स्वतंत्र ग्रुप बन गया । अगर इस लिस्ट में कोई साहब न शामिल होना चाहें तो मुझे शाम तक इत्तलाह दे दें । मैं चाहता हूँ कि यह लिस्ट कल को final हो जाए । इस ग्रुप में 9 मैम्बर्ज़ हैं । इसके बाद 8 मैम्बर्ज़ पंथिक ग्रुप में हैं जिनके नाम इस तरह से हैं—सरदार हरगुर नाद सिंह, सरदार स्वरूप सिंह, सरदार आत्मा सिंह, मास्टर प्रताप सिंह, सरदार ऊधम सिंह, सरदार धन्ना सिंह गुल्शन, सरदार बख्तावर सिंह, सरदार तेजा सिंह, और कंवरानी जगदीश कौर । अगर कोई अदलाबदली हो तो मुझे शाम तक बतला दें वरना यह लिस्ट इसी तरह से final हो जाएगी । इस लिस्ट में पहले लीडर का जिक्र है और फिर काटा हुआ है इस लिये मैं चाहता हूँ कि कोई नया लीडर हो तो मुझे बतला दें । तो इनका order इस तरह से होता है कि पहले पंथिक ग्रुप जिसके मैम्बर्ज़ 9 हैं, फिर आज़ाद और स्वतंत्र ग्रुप जिसके मैम्बर्ज़ 8 हैं और फिर 6 मैम्बर्ज़ कम्युनिस्ट हैं,——

डाक्टर बलदेव प्रकाश : मेरी पार्टी के 7 मैम्बर्ज़ हैं, जनाब ।

श्री अध्यक्ष : उनके नाम मेहरबानी करके मुझे दे दीजिए और जो नाम दें वह order of seniority से लिख दें क्योंकि जब यह चार्ट final हो जाएगा तो अदलाबदली नहीं होगी ।

(The point raised by the hon. Member is not a point of order. A mistake, from whatever side it is committed, is a mistake and I treat it as irrelevant. Both the hon. Members are old parliamentarians and should understand

this. So far as the matter of personal explanation is concerned, it is exclusively a matter concerning themselves and I have no information about the digs that one has at the cost of the other. Anyhow, this matter could have been referred to during the discussion on the Budget instead of offering a personal explanation at this stage.

A few days back Chaudhri Balbir Singh had given notice of a privilege motion alleging that a Minister had used the words 'treacherous' etc. and that the Chief Minister had said something against a Political Party in his speech. At that time, I had said that I would look into the matter on receipt of the corrected copies of the speech. I had added that if there was any material correction by the Minister, I would study it in collusion with Pandit Shri Ram Sharma and the mover and would not accept it if it proved materially different from the official version. Now those speeches have been received back without any correction. I have gone through these speeches and find that these do not contain any such thing as was alleged in the privilege motion. If any hon. Member wants to see these speeches, he can do so at the Secretary's table and can bring anything to my notice. I will be ready to consider that. However, I may state that I have studied these speeches thoroughly and find nothing objectionable.

In regard to the seating arrangements, I have not been able to take any final decision because of a somewhat fluid position. Names of certain hon. Members were found in the lists received from both the sides of the House. It will not be proper, if I have to alter a seating plan the very next day it is printed. If any hon. Member has any objection to the order of names in which I am going to read out, he may let me know. I am going to finalise this by tomorrow and if no intimation reaches me by then, I am going to get it printed as it is. There is no change in the Congress party. The Swatantra Group of Sardar Gurwaryam Singh consists of the following eight members :—

Shri Jagat Narain, Raja Bhalindra Singh, Raja Mahesh Indra Singh, Sardar Gurwaryam Singh, Pandit Shri Ram Sharma, Chaudhri Dharam Singh Rathi, Chaudhri Bharat Singh and Maulvi Abdul Ghani Dar.

There is no mention about the leader of this Group, However, I hope all of them are not its leaders.......

* * * * * * * * * * * * *

Regarding the formation of groups inside the Legislature, there is a decision taken by the Presiding Officers' Conference andt here is a convention too. A Front was constituted here by making a departure from that convention. Certain Independent, Socialist and other Members joined together to form this Front, but, as stated by Pandit Shri Ram Sharma, that experiment proved a failure, thus vindicating the decision taken by the Presiding Officers' Conference that a party that functions throughout the country should alone be represented in the House. So when they approached me, I told them to have the name of their group after some party that existed outside the House so that I might be able to justify its recognition. The Members belonging to the Swatantra Party did not like to be called as Independents while the Indepencdents did not like to be termed as

[Mr. Speaker]

Swatantra. So this Independent and Swatantra group has been constituted. If any hon. Member does not want his name to be included in this list, he should inform me by the evening. I want that this list should be finalised by tomorrow. In this group there are 8 Members and in the next group there are 9 Members whose names are as follows :—

(1) Sardar Harguranad Singh.

(2) Sardar Swarup Singh.

(3) Sardar Atma Singh.

(4) Master Pratap Singh.

(5) Sardar Udham Singh.

(6) Sardar Dhanna Singh Gulshan.

(7) Sardar Bakhtawar Singh.

(8) Sardar Teja Singh.

(9) Kanwarani Jagdish Kaur.

In this list also, if anybody wants some change he should inform me by the evening otherwise this list would be finalised as it is. There is a mention of the leader in this list but it has been deleted afterwards. therefore, I want to be informed if there is any new leader.

So the order of these groups is as follows :—

Panthik Group.	..	Members	9
Independent and Swatantra Group.	..	Members	8
Communist Group.	..	Members	6

* * * * * * * * * * * * *

Please give me the names of those members according to seniority so that there might not be any alteration after the list is finalised.)

चौधरी इन्द्र सिंह : जो पिछले दिनों ऐलानात होते रहे हैं कि इतने members कांग्रेस में चले गए हैं, उसकी स्पीकर साहब क्या कोई list आपके पास पहुंची है ?

श्री अध्यक्ष : हाँ आ चुकी है (Yes, it has reached.)

Chaudhri Inder Singh: What about Pt. Shri Ram Sharma ?

Mr. Speaker: No, There is nothing about him so far.

चौधरी इन्द्र सिंह : Chief Minister साहब ने और पंडित जी ने खुद conference में यह कहा था कि वह कांग्रेस के primary मेम्बर हैं।

श्री अध्यक्ष : जब तक मेरे पास लिखित नहीं आयेगी मैं दोनों की बात नहीं मानूंगा। (Until it comes to me in black and white I am not going to take notice of any thing.)

श्री मुनी लाल कामरेड : मेरा एक short notice question है ?

श्री अध्यक्ष : यह कल आएगा। (That will come before the House tomorrow.)

श्री बलराम दास टंडन : जनाब, यह जो Independent and Swatantra Group है यह तो यहाँ कोई नहीं है ?

Mr. Speaker : But Coalition is there.

श्री बलराम दास टंडन : आज तक यह कभी announce तो हुआ नहीं कि इस हाऊस में यह लोग ग्रुप के तौर पर रहेंगे ?

Mr. Speaker : The Swatantra Group was in existence in the House and it is still in existence here.

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣੇ ਤੁਸੀਂ ਖੁਦ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਪਾਰਟੀ ਬਾਹਰ exist ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਉਸ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਮੰਨਿਆ ਜਾਏਗਾ ਪਰ ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ independents ਔਰ ਸੁਤੰਤਰ group ਨੂੰ ਮੰਨ ਰਹੇ ਹੋ......

Mr. Speaker : Independents can join any Party.

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਕਲ੍ਹ ਦਾ ਵੀ ਪਤਾ ਨਹੀਂ, । ਇਨ੍ਹਾਂ ਤਾਂ ਕਲ੍ਹ ਹੀ ਵਿਛੜ ਜਾਣਾ ਹੈ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਾਂ ਤੁਹਾਡਾ ਵੀ ਕੀ ਪਤਾ ਹੈ । ਤੁਹਾਡੇ ਵੀ ਕਈ ਆਦਮੀ ਛਡ ਗਏ ਨੇ । ਹਰ ਇਕ ਪਾਰਟੀ ਵਿਚ ਕੁਝ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ element ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।(In this way, nobody can be definite even about the hon. Member's party as many of its members have already left it. Such element exists in every party.)

BILL (LEAVE TO INTRODUCE)

THE PUNJAB ABOLITION OF VILLAGE CESS (MALBA) BILL, 1961.

Deputy Minister (Shri Harbans Lal) : Sir, I beg to move for leave to introduce the Punjab Abolition of Village Cess (Malba) Bill, 1961

Mr. Speaker : Motion moved—

That leave be granted to introduce the Punjab Abolition of Village Cess (Malba) Bill.

Mr. Speaker : Question is—

That leave be granted to introduce the Punjab Abolition of Village Cess (Malba) Bill.

The leave was granted.

Deputy Minister : Sir, I introduce the Punjab Abolition of Village Cess (Malba) Bill.

OBSERVATIONS MADE BY THE SPEAKER REGARDING NEW ASSEMBLY CHAMBER BUILDING

श्री अध्यक्ष : माननीय मैम्बर साहिबान, मैं नये चैंबर के मुताल्लिक कुछ कहना चाहता हूँ। चूंकि नए नए हम लोग इस नई इमारत में आये हैं इसलिये इस नये माहौल में बैठने के आदी होने में कुछ समय लगेगा। मैं मैम्बर साहिबान को अर्ज़ करूँगा कि आप लोगों को जो तकालीफ महसूस हों वह मुझे जरूर बतलाएं। और जब General Purposes कमेटी की बैठक होगी तो उसमें बैठ कर उन पर विचार करेंगे। हाल के बारे में कुछ नुक्ताचीनी हुई है और मैंने लाला जगत नारायण जी का भी article पढ़ा है और उनके article में कुछ constructive suggestion दी गई हैं। जिन को मैं fully endorse करता हूँ। वह सिर्फ नुक्ताचीनी ही नहीं कही जा सकती। ऐसी बातें जिन की शिकायतें मालूम होती हैं, वह इस वक्त दूर हो सकती हैं और उस पर विचार करने के लिये अगले हफ्ते General Purposes Committee की meeting हम ने बुलाई है। उसमें मैम्बर साहिबान अपने सुझाव दे सकेंगे। और वह architect को पहुँचा देंगे। मैं भी यह महसूस करता हूँ हालांकि हमें यहां आये दो दिन गुजर चुके हैं मैं अपने आप को इस नये चैम्बर में acclimatise नहीं कर सका। मुझे लगता है कि जैसे मुझे आसमान पर चढ़ा दिया गया हो, मुझे कई बार सैक्रेटरी से भी सलाह करनी होती है, काम के बारे में, लाइब्रेरी से कोई किताब भी मंगवानी पड़ती है लेकिन यहां बैठ कर मेरा तो कोई चारा ही नहीं है। यह बिल्डिंग बनने से पहले यह सब बातें तय हुई थीं लेकिन यहां उस से कुछ और ही मालूम होता है।

ये जो इस वक्त lobbies इस्तेमाल हो रही है दरअसल ये lobbies नहीं हैं बल्कि cells हैं जहां पर automatic division system के लिये machinery install होगी। पहले lobbies voting के लिये इस्तेमाल हुआ करती थीं लेकिन automatic recording system के introduce होने से इन के traditional function में तबदीली आ गई है। यह ठीक है कि इस building में काफी चीजें परेशानकुन हैं, मगर यह एक नाज़ुक सा मुआमला है जिस के बारे में यहां ज़िक्र करना ठीक नहीं और ना ही इसे criticise करना मुनासिब होगा। जब आप इस इमारत के अन्दर दाखल होते हैं तो ऐसा मालूम होता है जैसे आप गवालियर के किले में आ गए हैं। मौजूदा lobbies भी cells की शक्ल की हैं और बड़ा dismal सा atmosphere पेश करती हैं लेकिन यह temporary arrangement है जब चैम्बर के बाहर ग़लीचे वग़ैरह बिछ जायेंगे तो वह जगह लाबी के तौर पर इस्तेमाल होगी और आनरेबल मैम्बर वहां पर आराम फर्मा सकेंगे। साथ ही एक बड़ी भारी लाइब्रेरी है। वैसे समय जाया करने की बजाए वहां पर बैठ कर आप study कर सकते हैं। लायब्रेरी के साथ वाले कमरे में Research and Reference section कायम हो रहा है। डाक्टर साहब हाउस में नहीं हैं वरना इस सिलसिले में उन से दरखास्त करते। चाय का इन्तज़ाम भी चैम्बर के नज़दीक है। Basement पर record rooms हैं और main entrance पर एक तरफ मैम्बरान के लिए ड्योढ़ी है दूसरी तरफ पब्लिक के लिए और दरमियान में पब्लिक और M.L.A.s के मिलने के लिये एक

ड्योढ़ी है। यह ठीक है कि इस वक्त इस नई building में काफ़ी मुश्किलात पेश आ रही हैं लेकिन अभी तो एक तरह से rehearsal सी हो रही है। In course of time बहुत सी मुश्किलात दूर हो जायेंगी। General Purposes Committee की मीटिंग हो रही है। आप अपनी तक्लीफात लिख कर भेज दें या अगर खुद आना चाहें तो आप जरूर आएं और इस पर सोच विचार करें।

यहां पर जो seating arrangement हो रहा है उस के बारे में भी मैं ने कहा है कि जो seats provide की जा रही हैं उन पर erect बैठने से मैम्बरों को uneasiness होगी। इन सब बातों पर हम ने बहुत ध्यान से विचार करना है।

(Hon. Members, I would like to make a few observations about the new Chamber. As we have only recently shifted to the new building it will take some time before we get used to the new surroundings. I would request the hon. Members that if they experience any difficulties they may bring them to my notice. We will discuss them in the meeting of the General Purposes Committee.

There has been some criticism regarding the Chamber and I have read the article written by Lala Jagat Narain. There are cetain constructive suggestions made in that article and I fully endorse them. These cannot be treated as being mostly for the sake of criticism.

Any defects that come to our notice can be remedied now and with a view to considering such matters, a meeting of the General Purposes Committee is being held next week. The Members can offer their suggestions there. Those willl be conveyed to the Architect. I feel that though we have been here for two days I have not been able to acclimatise myself to the new Chamber. I have the feeling that the Chair has been placed far too high. I have to consult the Secretary very often and also sometimes obtain books from the Library in the discharge of my duties but being seated here at a very high place I find myself helpless in this connection. All these things had been discussed and settled before the construction was started but there seems to have been a departure from all that.

The places now being used as lobbies are not lobbies, in fact ; but these are cells where machinery for automatic division system, etc. will be installed. Previously the lobbies were utilised for voting purposes but now with the introduction of an automatic vote recording system the traditional function of the lobbies will have undergone a change. I do admit that there are certain things in this building which are embarassing, indeed, but it is a very delicate matter to discuss them here and it would not be proper to criticise them.

As soon as you enter this building you feel as if you are in the Gwalior Fort. The existing lobbies are like cells and present a very dismal atmosphere, but this is a temporary arrangement. When druggets, etc. are spread in the space just outside the Chamber it will be used as a lobby and the hon. Members will be able to relax there. Quite adjacent to that there is a very big Library where the hon. Members can spend their time in study instead of whiling it away

[Mr. Speaker]
otherwise. We are shortly setting up a Reference and Research Section in the room adjoining to the Library. Dr. Bhargava is not present in the House otherwise I would have made a request to him in this connection. Tea is also available quite near the Chamber. We have record rooms in the basement and three *deodies* at the main entrance, one for the public, the other for M.L.A.s and the third in the centre for the contact between M.L.A.s and the public. No doubt every body is experiencing difficulty in this new builing but since it is a sort of rehearsal, most of the difficulties would be overcome in course of time. Shortly I am going to convene a meeting of the General Purposes Committee. The hon. Members can either send their suggestions in writing or if they choose to attend the meeting themselves they are welcome to participate in the deliberations.

I have already taken up the matter regarding the seating arrangement in the Chamber and have told the authorities that the Members would feel uneasy by sitting erect all the time. All these things have to be given careful thought.)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ : ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ General Purposes Committee ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਹੋਣੀ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ drawings ਅਤੇ ਸੀਟਾਂ ਵਗੈਰਾ ਦੀਆਂ specifications ਲੈ ਆਉਣ ਤਾਂ ਜੋ ਨਮੂਨਾ ਵੇਖ ਕੇ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕੇ ਅਤੇ ਸਲਾਹ ਦਿਤੀ ਜਾ ਸਕੇ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : Notification ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਕਿ General Purposes Committee ਦੀ meeting ਹੈ। (A notification concerning the meeting of the general purposes committee, will be issued.) The suggestions are welcome. The hon. Members will be allowed to attend. But there is no procedure to allow the discussion on such matters in the House.

GENERAL DISCUSSION ON THE BUDGET FOR THE YEAR 1961-62.

ਸਰਦਾਰ ਅੱਛਰ ਸਿੰਘ ਛੀਨਾ (ਅਜਨਾਲਾ): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅੱਜ ਇਸ ਨਵੇਂ, ਵਡੇ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਉਚੇ ਘਰ ਵਿਚ ਬੈਠਕੇ ਤੀਜੀ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਬਜਟ ਤੇ ਅਸੀਂ ਬਹਿਸ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਦੂਜਾ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਖਤਮ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਤੀਜਾ ਪਲਾਨ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਇਆ। ਇਸ ਬਿਲਡਿੰਗ ਵਿਚ ਪਰਵੇਸ਼ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਅਸੀਂ ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ ਵੀ ਕੀਤੀ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਸਮੇਂ ਅਸੀਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ....(*interruption*)

Mr. Speaker: I would request the hon. Member not to make a reference to the prayer.

ਸਰਦਾਰ ਅੱਛਰ ਸਿੰਘ ਛੀਨਾ ; ਚੰਗਾ ਜੀ, ਮੈਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਅਤੇ ਲਫ਼ਜ਼ ਪ੍ਰਾਰਥਣਾ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਵਰਤਦਾ। ਮੈਂ ਕੇਵਲ ਇੰਨੀ

ਹੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਭਵਨ ਵਿਚ ਆਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬਾਹਰ ਬੈਠ ਕੇ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਪ੍ਰਣ ਲਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ ਦੇ ਬਜਟ ਦਾ ਢਾਂਚਾ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਉਸ ਰਾਹੀਂ ਆਮ ਜਨਤਾ ਦਾ ਭਲਾ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਨਾਲ ਸੁਸਾਇਟੀ ਵਿਚ ਇਕ ਮਹਾਨ ਤਬਦੀਲੀ ਆਵੇਗੀ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਅਜ ਭਾਰਤ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਹਰ ਸਰਕਾਰ, ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਵੀ ਇਸ ਗਲ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਲਈ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਸ ਦਾ ਰੁਖ਼ ਜਨਤਾ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਵਲ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਢੰਗ ਦਾ ਬਜਟ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਜਿਸ ਨਾਲ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੇ ਆਰਥਕ ਢਾਂਚੇ ਨੂੰ ਇਕ ਦਮ ਬਦਲ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਅਸੀਂ ਇਸ ਨਵੀਂ ਬਿਲਡਿੰਗ ਵਿਚ ਜੋ ਇਸ ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਇਸ ਪਖ ਤੋਂ ਪਰਖਣਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਰਾਹੀਂ ਜਨਤਾ ਦਾ ਭਲਾ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਕਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦਾ ਢਾਂਚਾ ਬਦਲ ਜਾਵੇਗਾ। ਮੈਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਇਹ ਦਸਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਜਟਾਂ ਰਾਹੀਂ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦਾ ਆਰਥਕ ਢਾਂਚਾ ਚੰਗਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਾਂ ਅਗੇ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਖਰਾਬ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ।

ਪਹਿਲੀ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ budget at a glance ਅਸਾਨੂੰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਸਾਰਾ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਸ ਬਜਟ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਬਜਟ ਦਾ ਢਾਂਚਾ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਤੇ ਆਧਾਰਿਤ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਪਹਿਲੇ ਪੰਜ ਛੇ ਸਾਲ ਦੇ ਬਜਟਾਂ ਨੂੰ ਵੇਖਣ ਤੋਂ ਇਹ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ 1956-57 ਤੋਂ ਲੈਕੇ 1959-60 ਤਕ ਬਜਟ deficit ਵਿਖਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਪਰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਇਸ ਨੂੰ surplus ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ figures ਦੇ ਕੇ ਪੂਰੀ position ਦੱਸਣ ਦੀ ਕੋਸਿਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ। 1956-57 ਵਿਚ 3,57,00,000 ਦਾ surplus ਹੋਇਆ ਅਤੇ 1957-58 ਵਿਚ 7,53,00,000 ਦਾ surplus ਹੋਇਆ, 1958-59 ਵਿਚ 8,05,00,000 ਦਾ surplus ਹੋਇਆ, 1559-60 ਵਿਚ ਇਹ 11,09,00,000 ਦਾ surplus ਹੋਇਆ ਪਰ 1960-61 ਦਾ 55 ਲੱਖ ਦਾ deficit ਵਿਖਾਇਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਐਤਕੀ ਵੀ ਭਾਰਗੋ ਸਾਹਿਬ ਨੇ deficit ਵਿਖਾਇਆ ਹੈ। ਪਰ ਖ਼ਰਚ ਦੀ shortfall ਜਦੋਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ Chief Minister ਸਾਹਿਬ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਹ direct beneficent departments ਤੇ ਹੀ ਅਸਰਦਾਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਹੀ ਇਸ ਦਾ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜੇ public ਦੇ benefit ਦੇ ਕੰਮ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਹਿਤ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਫੇਰ ਇਹੋ ਜਿਹੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਛਡ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਫੇਰ ਹੁੰਦਾ ਕੀ ਹੈ ? ਪਹਿਲਾਂ deficit budget ਵਿਖਾ ਕੇ ਇਹ ਬਹਾਨੇ ਬਣਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੰਮ ਪਬਲਿਕ ਦੇ ਭਲੇ ਦਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਹੋਰ ਟੈਕਸ ਲਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਪਹਿਲਾਂ deficit ਵਿਖਾਉਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਤ ਵਿਚ surplus ਨਿਕਲ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਇਕ ਪਾਸੇ ਜੇ ਅਸੀਂ Five-Year Plan ਤੇ ਨਜ਼ਰ ਮਾਰਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਇਹ ਜ਼ਾਹਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਬੜਾ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।

[ਸਰਦਾਰ ਅੱਛਰ ਸਿੰਘ ਛੀਨਾ]

ਦੂਸਰੀ ਤਰਫ਼ ਜੇ ਬਜਟ ਨੂੰ ਵੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਖ਼ਰਚਾ ਟੈਕਸਾਂ ਰਾਹੀਂ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਟੈਕਸ ਦੋ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਇਕ ਤਾਂ ਉਹ ਜਿਹੜੇ ਕਿ Direct Tax ਕਹੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਹਨ Indirect tax । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, Indirect taxes ਸਿਧੇ ਜਨਤਾ ਤੇ ਪੈਂਦੇ ਹਨ । ਜਿਸਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ Sales Tax ਹੈ ਜਾ Passenger Tax ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਜਨਤਾ ਦੀਆਂ ਜ਼ਰੂਰੀਆਤ ਨਾਲ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਅਸਰ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨ ਤੇ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਹੁਣ ਮੈਂ ਇਹ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਟੈਕਸ ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਇਖਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਸ ਨਾਲ ਕਿਉਂਕਿ tax ਦਾ ਭਾਰ ਹੁਣ saturation point ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਅਤੇ ਜੋ disparity ਤੁਸੀਂ ਕਾਇਮ ਰਖੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਹ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਜਿਹੜਾ Socialistic Pattern ਤੁਸੀਂ ਅਪਣਾਇਆ ਹੈ ਇਹ ਤੁਹਾਡਾ ਆਪਣਾ ਹੀ ਹੈ ਕਿਸੇ Marxist ਨੇ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ । ਇਹ ਕੋਈ ਤਰੀਕਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ disparity ਰੱਖੀ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਗ਼ਰੀਬ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਟੈਕਸਾਂ ਦੇ ਭਾਰ ਹੇਠ ਆਏ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਹੋਰ ਟੈਕਸ ਵਧਦੇ ਜਾਣ । ਮੈਂ ਇਸ ਟੈਕਸ ਦੀਆਂ figures ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰਕੇ ਦੱਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1957-58 ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਤਨਾ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਸਾਲ ਇਹ ਕਿਤਨਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ । 1956-57 ਵਿਚ ਇਹ ਟੈਕਸ 2,35,00,000 ਸੀ ਪਰ 1961-62 ਵਿਚ ਇਹ ਵਧਾ ਕੇ 3,63,00,000 ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਮਤਲਬ ਇਹ ਕਿ ਇਹ 1,28,00,000 ਰੁਪਏ ਅੱਗੇ ਨਾਲੋਂ ਵਧ ਗਿਆ ਹੈ । ਪਹਿਲਾਂ Property ਉਤੇ Tax ਅਤੇ Stamp Duty ਵਗੈਰਾ 5,23,00,000 ਰੁਪਏ ਸੀ ਪਰ ਐਤਕੀ ਇਹ 10,37,00,000 ਰੁਪਏ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਯਾਨੀ 98.2% ਦਾ ਵਾਧਾ ਵਿਖਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਫੇਰ 1956-57 ਵਿਚ Taxes on Services, Necessities of life, transport, Excise Duty, Rents ਵਗੈਰਾ 13,12,00,000 ਰੁਪਏ ਸੀ ਪਰ ਐਤਕੀ ਇਹ 21,70,00,000 ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਯਾਨੀ ਇਹ ਅਗੇ ਨਾਲੋਂ 80.8% ਵਧ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੇ income ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਇਹ ਜ਼ਾਹਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਅੱਗੇ ਨਾਲੋਂ 45% ਵਧ ਗਈ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਟੈਕਸਾਂ ਦਾ ਜੇ ਹਿਸਾਬ ਲਾਇਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਆਮ ਜਨਤਾ ਤੇ ਅੱਗੇ ਨਾਲੋਂ ਉਹ 80% ਵਧ ਗਏ ਹਨ ਇਸ ਬਜਟ ਦੀ ਜਿਹੜੀ total income ਹੈ ਉਸ ਦਾ 60% ਸਿਧਾ ਜਨਤਾ ਤੋਂ ਵਸੂਲਿਆ ਜਾਣਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ disparity ਅਤੇ inequality ਦੂਰ ਕਰਨ ਦਾ ਪਹਿਲਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕੋਈ ਯਤਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਅੱਗੇ ਚੱਲਕੇ ਇਹ 24 ਸਫ਼ੇ ਦੇ ਉਤੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ :—

> "We, therefore, need additional resources. The brave Punjabis have always responded generously whenever there has been need for additional funds and have contributed a lot towards the development of the State. I am sure that now when all possible resources have to be mobilised for development involving a large measure of sacrifice by the people they will not hesitate to tighten their belts and make as much sacrifice as possible to help us by further contribution in taking the State forward on the road to development."

ਹਾਲੇ ਹੋਰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕੁਰਬਾਨੀ ਲਈ ਤਿਆਰ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਕਿਉਂਕਿ ਮੁਲਕ ਦੇ resources ਬੜੇ ਘਟ ਹਨ ਅਤੇ ਮੁਲਕ ਦੀ ਬੜੀ development ਹੋਣੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ sacrifice ਕਰਨ ਲਈ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ।

"We propose to raise the rate of general sales tax from 4 to 5 per centum with effect from 1st April, 1961 and also to enhance the entertainment duty by 6 Naya Paise per rupee................."

ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਟੈਕਸ ਵਧਾਇਆ ਨਹੀਂ ਜਿਹੜਾ ਸਿੱਧਾ ਜਨਤਾ ਤੇ ਲਗਦਾ ਹੋਵੇ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Sales Tax ਤਾਂ ਸਾਰਾ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰੀਆਤੇ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਤੇ ਹੀ ਲੱਗਣਾ ਹੈ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਤੇ ਇਹ ਨਹੀਂ ਲੱਗਣਾ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ entertainments ਤੇ ਵੀ ਟੈਕਸ ਲੱਗਣਾ ਹੈ । ਇਹ ਵੀ poor people ਨੇ ਹੀ ਦੇਣਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹੀ ਲੋਕ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖੇਲ੍ਹਾਂ ਅਤੇ ਤਮਾਸ਼ਿਆਂ ਵਿਚ ਪੈਸਾ ਖਰਚ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਆਪਣੀ belts tighten ਕਰੋ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਤੁਸੀਂ ਕੀ ਕਰਾਉਂਦੇ ਹੋ ਉਹ ਤਾਂ ਅੱਗੇ ਹੀ belt tight ਕਰਕੇ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ । ਡਾਕਟਰ ਗੋਪੀ ਚੰਦ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਇਸ ਨਵੀਂ ਬਿਲਡਿੰਗ ਵਿਚ ਐਸਾ ਬਜਟ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਪੁਰਾਣਾ ਹੀ ਹੈ । ਅੱਛਾ ਹੁੰਦਾ ਜੇ ਉਹ ਬਜਟ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਆਉਂਦੇ । ਇਹ ਤਾਂ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਵੀਆਂ ਬੋਤਲਾਂ ਵਿੱਚ ਪੁਰਾਣੀ ਸ਼ਰਾਬ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਉਹੀ ਪੁਰਣਾ ਤਰੀਕਾ, ਉਹੀ ਪੁਰਾਣੇ ਟੈਕਸ ਲਾਉਣ ਦੀ ਪਾਲੀਸੀ । ਇਕ ਪਾਸੇ ਇਹ 3rd Five-Year Plan ਲਿਆਉਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਕੀਮਤਾਂ ਟੈਕਸਾਂ ਦੀ ਵਜਾਹ ਨਾਲ ਬੜ੍ਹਦੀਆਂ ਚਲੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਤੁਹਾਡੀ ਇਹ policy ਨਹੀਂ ਬਦਲਦੀ ਉਦੋਂ ਤੱਕ ਇਹ Government Machinery ਦਾ ਢਾਂਚਾ ਵੀ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ । ਭਾਰਗੋ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਅਮਰੀਕਾ ਤੋਂ ਕਣਕ ਆਉਂਦੀ ਹੈ । ਉਹ ਅਮਰੀਕਾ ਵਲ ਵੇਖਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਉਹ ਮੇਰੀ ਗਲ ਯਾਦ ਰੱਖਣ ਕਿ 4 ਜਾਂ 5 ਸਾਲ ਨੂੰ Imperialist Government ਬਦਲਣ ਵਾਲੀ ਹੈ । ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਗੱਲਾਂ ਹੁਣ ਭੁਲਾ ਦੇਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਵੀ ਇਹ ਤਬਦੀਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਓਧਰ ਨਾ ਵੇਖੋ ਇਹ ਸੁਣੋ ਉਨਾਂ ਬਾਰੇ ।

"A Nation's Opportunity

President Kennedy's State of the Union Message to the Joint Session of the U. S. Congress—January 30, 1961.

We take office in the wake of seven months of recession, three and a half years of slack, seven years of diminished economic growth, and nine years of falling farm income ....I speak today in an hour of national............"

Mr. Speaker : Order please. This is not relevant. If today I allow this, tomorrow some Members may quote and criticise the Russian Premier.

I don't think this is relevant. The Members are not entitled to comment upon the speeches delivered by the Heads of other countries in their official capacity.

Sardar Achhar Singh Chhina : I am not criticising. I am just quoting what he has said :

"I speak today in an hour of national peril and national opp ortunity Before my term has ended we shall have to test anew whether a nation organized and governed such as ours can endure."

Mr. Speaker : Order please. How is it relavant ? That speech has been delivered by the Head of tl at State in his official capacity and, as I have already stated, cannot be commented upon here.

ਸਰਦਾਰ ਅੱਛਰ ਸਿੰਘ ਛੀਨਾ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਦਸ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ economic ਢਾਂਚਾ ਹੈ ਉਹ ਅਮਰੀਕਾ ਦੀ ਕਣਕ ਦੇ ਨਾਲ ਕਾਇਮ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣਾ । ਉਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੇ ਜਤਨ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਟੈਕਸਾਂ ਦਾ ਬੋਝ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗਰੀਬ ਜਨਤਾ ਤੇ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ ਔਰ disparity ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਧ ਰਹੀ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਅਸੀਂ socialist pattern ਦਾ objective ਬਣਾਇਆ ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਹਾਸਿਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਾਂਗੇ ਜੇਕਰ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਮੌਜੂਦਾ ਪਾਲੀਸੀ ਦੇ ਵਿਚ ਤਬਦੀਲੀ ਨਾ ਕੀਤੀ । ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਜਿਹੜੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਖਰਚ ਕਰਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਿੱਸਾ ਐਸੇ ਕੰਮਾਂ ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਦਾ । ਬਜਟ ਦਾ 7 ਫੀ ਸਦੀ ਹਿੱਸਾ ਤਾਂ administration ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, 16 ਫੀ ਸਦੀ interest ਵਗੈਰਾ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਕਰਨ ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ industry ਤੇ ਸਿਰਫ 3 ਫੀ ਸਦੀ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਹਾਂ, ਇਕ ਚੀਜ਼ ਕਾਬਿਲੇ ਤਾਰੀਫ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਚੰਗੀ ਹੈ । ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਤਾਲੀਮ ਤੇ 20 ਫੀ ਸਦੀ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਚੰਗੀ ਗਲ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਹੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਅਸੀਂ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਤਾਰੀਫ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦਾ ਬਜਟ ਜਿਹੜਾ ਹੈ ਇਹ ਤਸੱਲੀਬਖ਼ਸ਼ ਹੈ । ਮਗਰ ਦੂਸਰੀਆਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਦਾਂ ਤੇ ਜਿਹੜਾ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਹੈ ਉਹ ਬਹੁਤ ਥੋੜਾ ਹੈ । ਇੰਡਸਟਰੀ ਲਈ ਸਿਰਫ 3 ਫੀ ਸਦੀ ਅਤੇ health ਤੇ 8 ਫੀ ਸਦੀ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਹੈ । ਮਗਰ ਇਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਤੇ ਅਤੇ ਸੂਦ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਲਈ ਜਿਹੜੀ ਰਕਮ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਹੈ ਉਹ ਬਹੁਤ ਹੈ । Uuproductive side ਤੇ ਇਤਨਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਜਿਸ ਦਾ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ, ਠੀਕ ਨਹੀਂ । ਜਿਹੜੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਵਾਲੇ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਬਹੁਤ ਘਟ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਬਾਕੀ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਥੋੜੀਆਂ ਬਹੁਤੀਆਂ ਰਕਮਾਂ ਲੋਕਭਲਾਈ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰਨ ਲਈ ਰਖੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਕਿਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ lapse ਨਾ ਹੋ ਜਾਣ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਬੰਧੀ ਸਕੀਮਾਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਵੇਲੇ ਸਿਰ ਬਣਾਉਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । ਜੇ ਉਹ ਨਾ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਹੋਵੇਗੀ । ਵੈਸੇ ਤਾਂ ਇਹ ਕਾਗਜ਼ੀ ਤੌਰ ਤੇ show ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡਾ economic ਪਧੱਰ ਕਾਫੀ ਉਚਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਦੇਖ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਿਚ indirect ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਟੈਕਸਾਂ ਦਾ ਬੋਝ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤਰ ਗਰੀਬਾਂ ਤੇ ਪਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਅਮੀਰ ਲੋਕ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਟੈਕਸਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬੋਝ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦਾ । ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਅਪੀਲਾਂ ਇਹ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਆਉ ਸਾਰੇ ਰਲ ਕੇ ਕਮਰ ਕਸੀਏ ਔਰ ਆਪਣੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਵਾਸਤੇ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦੇਈਏ । ਮਗਰ ਜਦੋਂ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਦਾ ਵੇਲਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਗਰੀਬਾਂ ਦੀਆਂ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਲਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਅਮੀਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਪਾਲੀਸੀ ਹੈ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ

ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਜਿਹੜੀ economy ਹੈ ਉਹ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤਰ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਤੇ base ਕਰਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਦਸਾਂ ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਵਿਚ agricultural produce ਦਾ 50 ਫੀ ਸਦੀ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਮਗਰ ਮੈਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਦੋਂ ਤਕ ਪੂਰੀ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਜਦੋਂ ਤਕ ਅਸੀਂ ਏਥੇ industrial development ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗੇ। ਜੇ ਅਸੀਂ ਏਥੇ industry ਲਗਾਉਣ ਵਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦੇਵਾਂਗੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਸਿਰਫ ਦੂਸਰੀਆਂ ਸਟੇਟਾਂ ਨੂੰ ਖਾਮ ਮਾਲ ਦੇਣ ਵਾਲੇ ਹੀ ਰਹਿ ਜਾਵਾਂਗੇ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਪਾਲਿਸੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਣ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਲਈ ਰਖਦੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਠੀਕ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ। ਮੇਰਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਬਜਟ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਬੜਾ defective ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੇਖੋ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਿਚ ਸੇਮ ਦੀ ਬਹੁਤ ਵਡੀ problem ਹੈ। ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਇਹ ਆਪਣਾ ਐਲਾਨ ਹੈ ਕਿ ਸੇਮ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ 55 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਏਥੇ ਤੀਸਰੇ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਸਾਰਾ ਸਾਢੇ ਬਾਰਾਂ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ 2 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਸਾਲ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾ ਸੇਮ ਨੇ ਹਟਣਾ ਹੈ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਪਾਣੀ ਨੇ ਥਲੇ ਜਾਣਾ ਹੈ ਸਗੋਂ ਸੇਮ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਧਦੀ ਜਾਏਗੀ। ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਖੁਦ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਿਚ 90 ਲਖ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਸੇਮ ਦੇ ਥਲੇ ਹੈ। ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਾਰੀ culturable land ਦਾ 45 ਫੀ ਸਦੀ ਹੈ। ਸੇਮ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਬਹੁਤ ਥੋੜਾ ਰੁਪਿਆ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾ ਲਉ ਕਿ ਜਿਸ ਸੂਬੇ ਦੀ ਇਤਨੀ ਜ਼ਮੀਨ ਬੇਕਾਰ ਹੋ ਗਈ ਹੋਵੇ ਉਸ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਦੂਸਰੀ ਚੀਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਨਾਮ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ reforms ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਮਗਰ ਅਸੀਂ ਦੇਖ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ surplus ਜ਼ਮੀਨ ਕਢਾਈ ਹੈ। ਤੀਸਰੀ ਚੀਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਿਉਂਕਿ ਟੈਕਸ ਜਿਹੜੇ ਲਗਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਬੋਝ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਤੇ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਕੋਈ capital ਜਮ੍ਹਾਂ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਤੁਸੀਂ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਦੇਖੋ, ਨਾ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਚੰਗੇ ਬੈਲ ਹਨ, ਨਾ ਚੰਗੇ ਹਲ ਹਨ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ। ਬਾਕੀ ਜਿੱਥੋਂ ਤਕ ਖਾਦ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਸਾਡਾ ਸੂਬਾ ਮਦਰਾਸ ਸਟੇਟ ਨਾਲੋਂ ਬਹੁਤ ਪਿੱਛੇ ਹੈ। ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਬੀਜੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਸ ਦਾ 5.6% ਰਕਬਾ ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹੈ ਮਗਰ ਏਥੇ ਖਾਦ 1.9% ਵਰਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਮਦਰਾਸ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਕੁਲ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ 4.5% ਹਿੱਸਾ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਖਾਦ 14.1% ਵਰਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਦਰਾਸ ਵਾਲੇ ਸਾਡੇ ਨਾਲੋਂ 12 ਜਾਂ 13 ਗੁਣਾ ਖਾਦ ਵਰਤਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੀ ਕੀ ਵਜਾਹ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੀ ਵਜਾਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਥੋਂ ਦੇ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਜੇਬ ਵਿਚ ਪੈਸਾ ਜਮ੍ਹਾਂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਥੋਂ ਦੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਬਜਟ ਚੰਗੀ ਕਿਸਮ ਦਾ ਬਣਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਏਥੇ ਜਿਹੜਾ ਬਜਟ ਬਣਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਦੇ ਕੋਲ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਜਦੋਂ ਉਸ ਦੇ ਕੋਲ ਪੈਸਾ ਨਾ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਉਹ ਖਾਦ

[ਸਰਦਾਰ ਅੱਛਰ ਸਿੰਘ ਛੀਨਾ]
ਕਿੱਥੋਂ ਖਰੀਦੇਗਾ ਔਰ ਬੈਲ ਚੰਗੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਏਗਾ। ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਜ਼ੁਬਾਨੀ ਜ਼ੁਬਾਨੀ ਇਹ ਸ਼ੋਰ ਪਾਉਂਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦੀ ਹਾਲਤ ਚੰਗੀ ਹੈ ਮਗਰ ਉਸ ਲਈ ਕਰਦੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ industry ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਬਜਟ ਦਾ 3% industries ਲਈ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕੁਝ industries ਨੇ ਇਥੇ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਪਰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ? ਜੇ ਕੋਈ small-scale industry ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਹੋਈ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਵੀ private initiative ਨਾਲ ਹੋਈ ਹੈ ਔਰ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਹੁਤ ਧੰਨਵਾਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪ ਹਿੰਮਤ ਕਰ ਕੇ ਇਸ ਨੂੰ develop ਕੀਤਾ ਹੈ ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਠੀਕ ਢੰਗ ਨਾਲ loans ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਔਰ ਨਾ ਹੀ raw material ਦੀ supply ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਮਦਦ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਹੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ textile industry ਬੰਦ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਔਰ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਸ ਪਾਸੇ Centre ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਵਾਉਂਦੀ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਕੰਮ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਰਲ ਕੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰੀਏ ਔਰ Centre ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਆਖੀਏ। ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ dissident ਭਰਾ ਵੀ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਚਲਣਗੇ। ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਲਈ ਕੋਈ heavy industry ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਹਾਂ, ਇਕ fertilizer factory ਨੰਗਲ ਵਿਚ ਲਗਾਈ ਗਈ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਵੀ ਇਸ ਕਰਕੇ ਲਗਾਈ ਗਈ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਥੇ ਉਸ ਲਈ power ਸਸਤੀ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਉਥੇ power ਸਸਤੀ ਨਾ ਮਿਲਦੀ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲਗਾਈ ਜਾਣੀ ਸੀ। ਹੁਣ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਕ cement factory ਲਗਾਵਾਂਗੇ ਔਰ ਦੋ paper factories ਲਗਾਵਾਂਗੇ। ਇਥੇ heavy industry ਨਾ ਹੋਣ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ unemployment ਹੈ ਔਰ ਬੇਰੋਜ਼ਗਾਰੀ ਵਧ ਰਹੀ ਹੈ। ਸੂਬੇ ਦੀ development ਵੀ ਘਟ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਡੀ industry ਦਾ ਹਾਲ ਹੈ।

ਬਾਕੀ ਰਿਹਾ social aspect। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ unemployment ਵਧ ਰਹੀ ਹੈ, ਲੋਕ ਕਰਜ਼ਾਈ ਹੋ ਰਹੇ ਨੇ ਔਰ ਲੋਕਾਂ ਦਾ standard of living ਥਲੇ ਨੂੰ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ development ਬੜੀ slow ਹੋ ਰਿਹੀ ਹੈ ਔਰ ਸਾਰਾ ਢਾਂਚਾ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਿ the rich are getting richer and the poor poorer. ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ socialist ਸਮਾਜ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਹੈ।

ਬਾਕੀ ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ ਕੁਝ ਚੰਗੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਵੀ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਨੇ। ਇਕ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ free and compulsory education ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਬੜੀ ਅਛੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਹ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜ ਏਕੜ ਜਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਘਟ ਰਕਬੇ ਦੇ ਮਾਲਕਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦਾ land revenue ਹੁਣ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਏਗਾ ਔਰ ਇਹ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਜਾਵੇਗਾ, ਇਹ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਫਿਰ package deal ਵਾਲੀ ਸਕੀਮ ਵੀ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ।

ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਜਿਹੜਾ 4th class ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਿਚ ਜੋ 5 ਰੁਪਏ ਦਾ ਵਾਧਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਹ ਵੀ ਇਕ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਥੋੜਾ ਵਾਧਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। Class III employees ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਉਂ ਭੁਲਾਇਆ ਹੈ ? Class III ਵੀ class IV ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਹੈ। ਹਾਂ, class I ਔਰ class II ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਤਨੀਆਂ fixed wages ਵਾਲੀਆਂ classes ਹਨ ਉਹ ਸਾਰੀਆਂ ਇਸ ਮਹਿੰਗਾਈ ਨਾਲ hard hit ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਖੈਰ ਜੋ ਇਹ ਪੰਜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਵਾਧਾ class IV ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਿਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਹ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਚਾਹੇ ਇਹ ਥੋੜਾ ਹੈ।

ਬਾਕੀ ਮੈਂ administration ਨੂੰ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ। Administration ਤੇ ਰੁਪਏ ਬੜੇ ਖਰਚ ਹੋ ਰਹੇ ਨੇ। ਇਸ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ corruption ਹੈ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੇਰੇ dissident ਭਰਾ ਬੜਾ ਦਸਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਨਾਲ ਹੀ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਬਾਰੇ ਪੰਡਤ ਸ਼੍ਰੀ ਰਾਮ ਸ਼ਰਮਾ ਦਸਣਗੇ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਤਨੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਣਾਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ result ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਨਿਕਲਦਾ। ਹੁਣ ਜਿਹੜੀ ਕਮੇਟੀ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਦਾ ਵੀ ਕੁਝ result ਨਹੀਂ ਨਿਕਲਣਾ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਤੇ ਰੋਸ਼ਨੀ ਪਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ administration ਵਿਚ ਬੜੀ discrimination ਵਰਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਦਸਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ services ਵਿਚ ideology ਦੇ basis ਤੇ discrimination ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। Services ਵਿਚ ਜੇ ਕਿਸੇ ਬਾਰੇ ਇਹ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਦਮੀ communist ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਨੌਕਰੀਉਂ ਕਢ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ communists ਇਸ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਵਸਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੇ teachers ਨੂੰ ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਕਢ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ communists ideology ਰਖਦੇ ਸਨ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਹੁਣ ਜਿਹੜੀਆਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੀਆਂ elections ਹੋਈਆਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਪੰਚ ਔਰ ਸਰਪੰਚ communists ਚੁਣੇ ਗਏ ਨੇ। ਜਿਥੇ ਕਿਤੇ ਕੋਈ communist ਸਰਪੰਚ ਚੁਣਿਆਂ ਗਿਆ ਹੈ ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀਆਂ ਅਖਾਂ ਵਿਚ ਚੁਭਦਾ ਹੈ। ਪਿੰਡ ਬੋਪਾਰਾਏ, ਤਹਿਸੀਲ ਨਕੋਦਰ ਵਿਚ ਇਕ ਸਰਦਾਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਜਿਹੜਾ communist ਹੈ, ਪੰਚ ਚੁਣਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਹਾਰਿਆ ਹੈ ਉਹ ਹੈ ਸਰਦਾਰ ਮਿਹਰ ਸਿੰਘ ਜਿਹੜਾ Central Co-operative Bank ਦਾ manager ਹੈ। ਕਿਉਂਕਿ ਸਰਦਾਰ ਮਿਹਰ ਸਿੰਘ ਹਾਰ ਗਿਆ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਢੰਗ ਲਭਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਰਪੰਚ ਇਕ banker ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ..... (*Interruption by Khan Abdul Ghaffar Khan*) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਰਮਾ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਇਕ order ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਖਾਨ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਸੁਣ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹੋਣਗੇ ਔਰ ਠੰਡੇ ਪੈ ਜਾਣਗੇ।

"ORDER

During the course of an enquiry, it has transpired that Shri Bhagat Singh, Sarpanch of Gram Panchayat Bopa Rai, tehsil Nakodar, district Jullundur, worked against the interests of the Panchayat...."

[ਸਰਦਾਰ ਅੱਛਰ ਸਿੰਘ ਛੀਨਾ]

ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੋ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ 'against the Panchayat' ਲਿਖਿਆ ਹੈ। (opposition ਵਲੋਂ *shame, shame* ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ)।

> "....by filing writ petition in the Punjab High Court against the reservation of land for the Panchayat as a consequence of which......"

(Voices : Shame, shame)

ਇਹ ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਨੇ writ petition ਕੀਤਾ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਨੇ writ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤੇ High Court ਨੇ ਉਸ writ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਪੰਚਾਇਤ ਕੋਈ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਗੱਲ ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਬਰਖਿਲਾਫ, ਕਿਸੇ individual ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕਰਦੀ ਹੈ then, that individual has every right to go to the High Court.

ਪੰਚਾਇਤ ਜੇ ਅਛਾ ਕੰਮ ਕਰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਠੀਕ ਹੈ ਪਰ ਪੰਚਾਇਤ ਗ਼ਲਤ ਕੰਮ ਕਿਉਂ ਕਰੇ। Individual ਦਾ writ ਹੈ ਔਰ High Court ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ writ ਠੀਕ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ writ ਕਿਉਂ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਮਹਿਕਮਾ ਪੰਚਾਇਤ ਦੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਮੇਰੇ ਇਥੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨ ਦਾ ਬੁਰਾ ਨਹੀਂ ਮਨਾਉਣਗੇ। ਉਹ ਵੇਖਣ ਕਿ High Court ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਸਚਾ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਨੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਲਈ। ਪਰ ਉਸ ਉਪਰ ਇਹ ਦੂਸ਼ਨ ਇਸ ਲਈ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ communist ਹੈ। ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰ ਦੇਵੇਗੀ ਔਰ ਅਗਰ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗੀ ਤਾਂ ਦੂਜੀ writ ਕੀਤੀ ਜਾਏਗੀ। ਅੱਗੇ ਸੁਣੋ।

> "....as a consequence of which the Panchayat has lost the said land and the money spent by the panchayat in connection with the installation of a tubewell in this land has been wasted...."

ਇਥੇ ਜੀ ਕਿਸੇ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਵਿਚ ਪੰਚਾਇਤ ਐਵੇਂ tube-well ਲਗਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਕਾਨੂੰਨ ਸਾਡਾ ਮੰਨਦਾ ਨਹੀਂ ਔਰ High Court ਮੰਨਦਾ ਨਹੀਂ.....

(*Interruption by Sardar Bhag Singh*)

ਤੂੰ ਰੌਲਾ ਪਾਉਣ ਨੂੰ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈਂ। ਚੁਪ ਕਰ ਕੇ ਬੈਠਾ ਰਹਿ।

ਇਹ tube-well ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਔਰ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਤੂੰ writ ਕਿਉਂ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਅਗੇ ਕਿਹਾ ਹੈ :

> "The continuance of Shri Bhagat Singh in the office of Sarpanch is, therefore, considered undesirable in the interest of the public..."

ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਾਂ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਵੀ undesirable ਹੋ ਗਈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਰਮਾ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਖਿਲਾਫ contempt of court ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ writ ਆਵੇਗੀ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਹ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਨਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਆਪ ਉਹ ਸੈਕਸ਼ਨ ਵਰਤਦੇ ਹਨ ਜੋ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਹੀ ਵਰਤ ਸਕਦੀ ਹੈ

> "In exercise of the powers conferred upon me by section 102(1) of the Punjab Gram Panchayat Act, 1952, I, Director of Panchayats, Punjab.."

Mr. Speaker : From where did you get this letter ? Was it sent to the Panchayat ?

Sardar Achhar Singh Chhina : A copy of this was sent to the Sarpanch.

The order further reads—

"....therefore, suspend the said Shri Bhagat Singh and debar him from taking part in any act or proceedings of the Panchayat during the period of his suspension. He shall hand over the records, money and property of the Panchayat if any, with him to the Panch who has secured the highest number of votes in the election of this Panchayat.."

ਉਹ ਮੇਹਰ ਸਿੰਘ ਹੀ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਸ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਚਾਰਜ ਦੇ ਦੇਵੇ। ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ defendants of Law ਦੀ ਅਤੇ law ਦੇ ਚਲਾਣ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਅਤੇ implement ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹੁਕਮਾਂ ਦੀ ਅਤੇ Law ਦੀ ਬੇਇਜ਼ਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਅਤੇ ਇਹ ਇਕ ਵੇਰ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਕਈ ਵੇਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਇਸ ਲਈ ਕੀਤਾ ਕਿਉਂਕਿ ਉਥੋਂ ਦਾ Banker ਹਾਰ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਇਹ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਜਿਤ ਗਿਆ ਸੀ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਪੰਚਾਇਤ ਦਾ ਮਹਿਕਮਾ is not safe in the hands of such a Director ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ writ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਅਸੀਂ contempt of court ਅਧੀਨ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਾਂਗੇ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਕੇਵਲ ਇੰਨੀ ਹੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Law ਦੀ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾ ਅਫਸਰਾਂ ਰਾਹੀਂ ਬੇਇਜ਼ਤੀ ਨਹੀਂ ਕਰਵਾਈ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਅਤੇ ਇਸ Director ਨੂੰ ਫੌਰਨ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਤੋਂ ਹਟਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇੰਨੇ ਸ਼ਬਦ ਕਹਿਕੇ ਮੈਂ ਆਪ ਪਾਸੋਂ ਖਿਮਾ ਮੰਗਦਾ ਹਾਂ।

श्री राम चन्द्र कामरेड (नूरपुर) : स्पीकर साहिब, सब से पहले मैं अपने वित्त मंत्री साहिब को बधाई देता हूँ। उन्होंने बड़ी योग्यता दिखाई है। जब हमारी Second Five-Year Plan बनी थी तो दूसरी पंच वर्षीय योजना के लिये 162 करोड़ रुपए का अंदाज़ा लगाया गया था। बाद में Union Government ने इसे कम कर के 152 करोड़ कर दिया। उस में से 151 करोड़ खर्च हो चुका है जो बड़ी creditable बात है। जब 162 करोड़ का फैसला हुआ था तो हमारे प्रदेश ने 46 करोड़ मुहैया करना था मगर हमें सरकार-हिन्द से पूरी सहायता न मिल सकी। इस के बावजूद हमारे प्रदेश ने अपने पास से 67 करोड़ अपना हिस्सा अदा किया और अपना खर्च पूरा कर लिया जिस के मायने हैं कि तरक्की को स्कीमें सिरे चढ़ाईं। मैं अर्ज़ करना चाहता हूँ कि हमारे वित्त मंत्री ने तीसरी Plan के सिलसिले में भी बड़ी योग्यता का सबूत दिया। यह plan 231 करोड़ की है। इस में से 134 करोड़ Centre ने देना है और 97 करोड़ प्रदेश ने देना है। Centre ने इस पहले साल के लिये 14, 15 फीसदी यानी 19.50 करोड़ रुपया दिया है। अगर हम भी अपने भाग का 14 फीसदी यानी 14 करोड़ ही देते तो तीसरी plan के पहले साल के आखिर तक 33 करोड़ के करीब ही खर्च

4-00 p.m.

[श्री राम चन्द्र कामरेड]

होता जब कि second plan के आखिरी साल में हम 36 करोड़ खर्च कर रहे हैं। इस का मतलब यह होता कि हमारी तरक्की की रफ्तार सुस्त हो जाती। मगर हमारे वित्त मंत्री ने 14 की बजाए 19.68 करोड़ रुपए का प्रबन्ध किया और इस तरह अपनी होशयारी से तरक्की की रफ्तार को कम होने से बचाया बल्कि आगे बढ़ाया। इस पर मैं इन को बधाई देता हूँ।

इस के साथ ही, स्पीकर साहिब, मैं यह कहना चाहता हूँ कि जहां और सूबा तरक्की कर रहा है वहां पसमांदा इलाकों को पूरा हिस्सा नहीं मिल रहा। इस सिलसिले में मैं एक बात अर्ज़ करना चाहता हूँ। 1957 में जब कांगड़ा के लोगों ने बड़ा शोर किया कि हमें ignore किया जा रहा है तो मैं ने 30 अगस्त, 1957 को मुख्य मंत्री जी को एक चिट्ठी लिखी जिस में लोगों की 4 मांगें रखी गई थीं। एक मांग यह थी कि हिमाचल और पंजाब के पहाड़ी इलाके के लोगों का रहन सहन एक जैसा है, इलाका intermingled और contiguous है और हमारे आपस में relations भी हैं, इसलिये इस सारे इलाके का एक region बना दिया जाए। आज हमें इस बारे में पूरा २ यकीन हो गया है कि यह रिजन बनना ही चाहिये। जब से हिन्दी रिजन बना है हम देखते आ रहे हैं कि जब भी इस रिजन को कोई तरक्की की स्कीम मिलती है तो वह हरियाना का इलाका ही ले जाता है। (*interruptions*) जितने बड़े २ institutions हैं वहां ही बनते हैं। (*interruptions*) अभी कुछ मैम्बरों की तरफ से कहा गया है कि Central Government से रुपया मांगो। मैं अर्ज़ करता हूँ कि Central Government भी कांगड़ा से सौतेली मां वाला सलूक करती है। आप ज़रा figures देखें। हिमाचल ने पहली Plan में $6\frac{1}{2}$ करोड़ रुपया तरक्की के कामों पर खर्च किया, इस के मुकाबिले में हमारे इलाके पर तीन करोड़ भी खर्च न हुआ। दूसरी Plan में हिमाचल में $13\frac{1}{2}$ करोड़ खर्च हुआ मगर हमारे लिखने और कोशिश करने के बावजूद कांगड़ा में 4, 5 करोड़ से ज्यादा खर्च न किया गया। अब तीसरी plan में हिमाचल के लिये 28 करोड़ रुपया मन्ज़ूर हुआ है जबकि हमारे लिये हमारी सरकार ने सिर्फ 18, 19 करोड़ रुपया रखा इस में से भी अब cut हो गया है तो अब पता नहीं कितना रह गया है। हिमाचल की कुल आबादी जो 12 लाख के करीब है उस को तो इतना अच्छा सलूक और इतना रुपया और पंजाब के पहाड़ी इलाके जिन की आबादी 30 लाख के करीब है उस को इतना कम रुपया बेहतरी के लिये दिया जाता है यह नहीं होना चाहिये। हमें ज्यादा रुपया मिलना चाहिये। यह सलूक का फर्क असंतोष पैदा करता है इसलिये कांगड़ा वाले चाहते हैं कि कांगड़ा को हिमाचल से मिला कर एक रिजन बना दिया जाए और जब तक यह चीज़ न हो तब तक जितना पहाड़ी इलाका इस वक्त पंजाब में है उस को मिला कर एक Division बना दिया जाए। (*interruptions*) मुझे खुशी है कि हमारी ज़िला कांग्रेस कमेटी के प्रधान भी इस बात से इत्तफाक कर रहे हैं कि हिमाचल और पंजाब के इलाके को मिला कर एक रिजन पंजाब में ही बना दिया जाए। लेकिन जब तक यह हो तब तक जितना पहाड़ी इलाका अपने पास है, जिस का रक्बा 16,000 मुरब्बा मील है और जिस की आबादी 30 लाख है,

अगर उसी का एक तीसरा रिजन या division बना दिया जाए तो यही काबिले कबूल होगा। मैं चाहता हूँ कि सरकार इस तरफ ज्यादा तवज्जुह दे।

स्पीकर साहिब, मैं आगे और चीज़ भी अर्ज़ करना चाहता हूँ कि अभी अभी बयान किया गया है कि मास्टर तारा सिंह जी ने या और किसी ने यह तजवीज़ दी है कि कांगड़ा की भाषा पंजाबी है इसलिये कांगड़े को पंजाबी रीजन में डाल दिया जाए। मैं कहना चाहता हूँ कि कांगड़ा की वही ज़बान है और होगी जो हिमाचल की है। कांगड़ा और हिमाचल तो मिल सकते हैं लेकिन कांगड़ा पंजाबी रीजन में आने को तैयार नहीं है। और न ही होगा।

जहां तक हमारी तरफ सरकार की तवज्जुह देने का सवाल है मैं महसूस करता हूँ कि हमारी तरफ पूरी तौर पर तवज्जुह नहीं दे रही है। law of jungle जो हर जगह चलता है वह यहां भी चलता है और मैं यह जानता हूँ कि कांगड़ा के M.L.A.s वह दबाव सरकार पर नहीं डाल पाए हैं जो चाहिए था। इसलिये यह और भी लाज़मी हो गया है कि कांगड़ा का एक अलहदा division बना दिया जाए।

इसके बाद मैं सरकार का ध्यान प्रदेश की आर्थिक अवस्था को ओर दिलाना चाहता हूँ। जो थोक कीमतों का index नम्बर था वह 1949 में 100 था, 1959 में 111.8 और 1960 में 114.6 तक पहुँच गया है। और यह मानी हुई बात है कि जब prices का index बढ़ता है तो आम लोगों को महंगाई के कारण बहुत तकलीफ होती है। (घंटी) जनाब मैं जल्दी ही खत्म कर दूंगा। अभी मेरा टाइम है।

तो मैं दूसरी चीज़ जो अर्ज़ करना चाहता हूँ वह है लेबर के मुताल्लिक। मुझे इस बात की खुशी है कि गवर्नमैंट ने दो तीन सालों में छोटे स्टाफ को तनखाहों में इज़ाफा करने की कोशिश की है लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि work-charge का जो स्टाफ है उसकी तरफ़ सरकार का ध्यान जाना चाहिये और उनकी services को मुस्तकिल करना चाहिये और बाकायदा तौर पर उनको तनखाह मिलनी चाहिये।

इसके साथ ही मैं अपनी constituency की मुश्किलात पेश करना चाहता हूँ लेकिन उससे भी पहले मुझे एक बात और कहनी है कि बजट में डाक्टर साहिब ने फरमाया है—

"No reliable figures of unemployment are at present available......"

यानी सूबे में जो बेकारी है उसके लिये काबिले एतबार एदादो शुमार हमारे पास नहीं हैं। मैं समझता हूँ कि इस में इम्पलायमैंट ऐक्सचेंज की कोताही है। क्योंकि एक जगह उन्होंने यह भी फरमाया है

> "It may, however, be mentioned that the rate of increase in the number of persons on the Live Registers of Employment Exchanges during the first nine months of 1960, as compared to the corresponding period of the previous year, was considerably less than the rate of increase noticed in the earlier years."

यानी हमारे इम्पलायमैंट ऐक्सचेंज के पास काम ढूंढने वालों की संख्या यह ज़ाहिर करती है कि हमारी बेकारी कम हुई है। यह report अमली तजरुबा के खिलाफ है। यह बात साफ़ ज़ाहिर होती है कि बेकारी कम नहीं हुई बल्कि इम्पलायमैंट ऐक्सचेंज ठीक से काम नहीं कर रहे हैं और वह popular नहीं हैं। लिहाज़ा इम्पलायमैंट ऐक्सचेंजों को ज्यादा effective बनाने की कोशिश की जानी चाहिये।

[श्री राम चन्द्र कामरेड]

तो मैं अब अपने हलके की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूँ। यहां पर इस को ऐडमिनिस्ट्रेशन के मुताल्लिक बहुत कुछ कहा गया लेकिन मुझे अभी अभी अपने इलाका के सरपंच लैफ्टिनेंट जयसिंह साहब का एक खत हासिल हुआ है जिसमें उन्होंने अपने इलाके की तस्वीर खींची है और मुझे कहा है कि वज़ीर साहिब के सामने इसे बयान कर दो। इसमें पहली बात जो लिखी है वह यह है कि—

भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया है कि जिसका कोई हिसाब नहीं है। अगर इसका कोई सबूत चाहे तो एक दिन मेरे साथ तहसील में रजिस्ट्री के वक्त चले। (2) किसी चोरी की तफ़तीश के वक्त पुलिस का काम देखे। (3) पर्चा लेते वक्त पटवारी के पास चले। (4) ठेकेदार कत्था वाले के पास भट्ठा पर चल कर देखे। (5) जंगलात में गड्डी के दरख्तों पर निशानात लगाते वक्त मौके पर जा कर देखे। (6) या फिर ठेकेदार को निशानदेही कराते वक्त देखे। (7) या फिर सर्दी के मौसम में जब गड्डी लोग अपना दराट जंगल वालों से खरीदते हैं उस वक्त जंगल में घूम कर देखे, जंगल साफ है। और आठवां नम्बरदारों को मामले का 5 फीसदी मिलता है इस तरह से उनकी तनखाह सालाना 50 रुपए से लेकर 100 तक बनती है जो शायद किसी मुल्क में भी न हो। और नम्बरदार के पास पुलिस वाले और जंगलात वाले अक्सर जाते रहते हैं और यह लोग आपस में मिले रहते हैं इसलिये खूब रिश्वत ली जाती है और आपस में बांट ली जाती है। और चूंकि इन लोगों को पैसा मिलता है इस लिये यह रिपोर्ट देते हैं कि नम्बरदार के बगैर हमारा काम नहीं चलता।

श्री अध्यक्ष : यहां पर किसी चिट्ठी का हवाला न दीजिए। आप खुद कहें जो कुछ कहना चाहते हैं। (The hon. Member should not refer to any letter. He may say whatever he has to say himself).

श्री राम चन्द्र कामरेड : All right, Sir. अब मैं Health के बारे में कुछ कहना चाहूँगा। जहां तक Health का ताल्लुक है नूरपुर के छोटे हस्पतालों में दवाइयां नहीं हैं और न ही जरूरी instrument हैं। खुद तहसील के हस्पताल में लेडी डाक्टर का भी कोई इन्तज़ाम नहीं है हालांकि तीन साल हुए यह कहा गया था कि इन सब चीज़ों का प्रबन्ध कर दिया जाएगा। लेकिन अभी तक नहीं हुआ है। वहां पर उस इलाके में जो अफसर दौरा पर जाते हैं उनके लिये ठहरने के लिये गांव में योग्य मकान नहीं हैं और जो वहां के मकान हैं वह इस किस्म के हैं कि उनमें रहना अफसर पसन्द नहीं करते इसलिये सरकार को चाहिये कि अपनी तरफ से Rest House के तौर पर कुछ मकानात की भी तामीर करवाए।

स्कूलों का भी वहां पर यह हाल है कि अध्यापक व अध्यापिकाएं काफी नहीं हैं। इस लिये इनका भी इन्तज़ाम होना चाहिये ताकि लोगों को पढ़ाई के लिहाज़ से facility हासिल हो सके।

फिर वैटनरी हास्पिटलज़ की भी बहुत कमी है और जो हैं भी वह बहुत दूर दूर हैं। इसलिये लोगों को फायदा नहीं हो पाता लिहाज़ा गवर्नमैंट को काफी तादाद में Veterinary

Hospitals पहाड़ी इलाका में खोले। हिमाचल की कुल आबादी जो 12 लाख के करीब है उसको तो इतना ज्यादा रुपया और कांगड़ा जिसकी आबादी 30 लाख के करीब है उसको इतना कम रुपया इसकी बेहतरी के लिये दिया जाता है। यह नहीं होना चाहिये। हमें ज्यादा रुपया मिलना चाहिये। जहां तक सड़कों का सवाल है मैं यह कह सकता हूँ कि हिमाचल में हमारे इलाके से चौगुनी लम्बी सड़कें बनाई गई हैं जब कि हमारे सड़कों की mileage बहुत कम है। इस लिये स्पीकर साहब मैं सरकार से आपके ज़रिये यह अर्ज़ करना चाहता हूँ कि हमारे यहां सड़कों की तामीर का काम होना चाहिये ताकि दूर दूर के इलाकों को पास लाया जा सके। कुछ दिन हुए हमें एक अफसर ने बताया कि कांगड़ा में बहुत रुपया सड़कों पर खर्च हो रहा है लेकिन जब मैंने पूछा कि कहां तो बताया कि हमीरपुर तहसील में 5,000 रुपया रोज़ाना खर्च हो रहा है। तो जनाब उसके बाद मैं ने अपने नूरपुर के इलाके में ज्यादा सड़कों की तामीर के लिये Chief Minister को लिखा, P.W.D. Minister को लिखा कि मेरे इलाके में पक्की सड़कें नहीं हैं और बनाई जानी चाहिएं। और मेरी मांग है कि कच्ची सड़कों के लिये तीन लाख रुपया दिया जाए और मोहरलोरे और जसूर जवाली सड़कें पक्की की जाएं।

इस के इलावा मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूँ कि नूरपुर में कोई technical institute जरूर खोलनी चाहिये और Arts College भी खोलना चाहिये। नूरपुर तहसील में कोई institution नहीं जिस से कि लोग फायदा उठा सकें। इसी तरह से वहां पर girls और boys के हाई स्कूलों को Higher Secondary में बदलना चाहिये।

नहरों के मुताल्लिक मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूँ कि सूखाहार और सदाथाहार नहरें दोनों नाकाम रही हैं और जनता का 40 लाख रुपया ज़ाया गया है। यह भी एक ग़मनाक कहानी है। लाखों रुपया ज़ाया हो चुका है लेकिन खेतों को पानी नहीं मिलता। पिछले दिनों में मंत्री महोदय ने कहा कि 1958 में पानी दे दिया गया। लेकिन दरअसल बात यह है कि पानी दिया नहीं गया बल्कि दिलाया ही गया था कि ठप हो गया। अन्दरोहा थाना में सेंम, बाढ़ और चोरों के इलाज की ज़रूरत है।

अपना भाषण समाप्त करता हुआ मैं गो सदनों के बारे में यह अर्ज़ करना चाहता हूँ कि इन का प्रबन्ध बहुत बुरा है। मेरे हलका में टट्ल के स्थान पर गोसदन है। वहां से गऊओं की कुछ मौतों की खबर मिलने पर मैं ने सब सदनों का हाल पूछा तो मालूम हुआ कि 1959-60 में हिसार में 235, मत्तेवाड़ा में 297 और कोडोरानी में 321 गाएं मरीं। यह एक साल की रिपोर्ट है। 1960-61 में इन मौतों की संख्या तरतीबवार 217, 211 और 261 थी। यह आश्चर्यजनक है और सुधार की हकदार अवस्था है।

(*At this stage Sardar Dhanna Singh Gulshan, occupying the Treasury Benches, rose to speak*)

Sardar Bhupinder Singh Mann : On a point of order, Sir. An Honourable Member should, as I understand from the Rules of Procedure, speak from his seat. According to the announcement made by the Honourable Speaker today, Sardar Dhanna Singh Gulshan belongs to the Panthik Group which has got seats on the Opposition Benches. In view of this, may I know as to which Party or Group the Honourable Member belongs ?

Mr. Speaker : I agree that an Honourable Member should speak from his seat.

डाक्टर बलदेव प्रकाश : On a point of order. स्पीकर साहिब इन को जो time दिया जा रहा है यह opposition को दिये गये वक्त में count होगा या treasury benches में?

Mr. Speaker : It will be counted on the opposition side.

श्री बलराम दास टंडन : यह कल से effective होना चाहिये ।

श्री अध्यक्ष : इसी तरह के किसी कांग्रेसी को इधर से बुलवा देंगे । (A similar type of congressite member sitting on the opposition side can be given time). (*interruptions*)

ਸਰਦਾਰ ਧੰਨਾ ਸਿੰਘ ਗੁਲਸ਼ਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੌਲਵੀ ਅਬਦੁਲ ਗ਼ਨੀ ਸਾਹਿਬ ਮੈਨੂੰ ਨਹੀਂ ਬਹਿਕਾ ਕੇ ਗਏ ਬਲਕਿ ਉਹ ਖਾਨ ਅਬਦੁਲ ਗ਼ੁਫਾਰ ਖਾਨ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬਹਿਕਾ ਕੇ ਗਏ ਹਨ ।

श्री अध्यक्ष : आप शुरु कीजिए (Please proceed with your speech)

ਸਰਦਾਰ ਧੰਨਾ ਸਿੰਘ ਗੁਲਸ਼ਨ (ਪੱਕਾ ਕਲਾਂ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਵੇਲੇ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਬਜਟ ਪੇਸ਼ ਹੋਇਆ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਐਸੀਆਂ ਵੀ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਯੋਗ ਹਨ । ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਛੋਟੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਿਚ ਕੁਝ ਵਾਧਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੁਫਤ ਤਾਲੀਮ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਪੈਸਾ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਸੂਬੇ ਦੀ ਉਨਤੀ ਵਲ ਕਦਮ ਹੈ । ਮੈਂ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਅਮਲੀ ਤੌਰ ਤੇ ਵੀ ਉਨਤੀ ਕਰਕੇ ਦਸਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੇਗੀ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸੂਬੇ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਵਾਸਤੇ ਭਾਵੇਂ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਮਗਰ ਇਸ ਨੂੰ ਮੈਂ ਉਦੋਂ ਤਕ ਕਾਫੀ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਜਦੋਂ ਤਕ ਇਸ ਤੇ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਤਜਰਬਾ ਇਹ ਦਸਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮੁਫਤ ਤਾਲੀਮ ਦੇਣ ਲਈ ਜਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਥੇ ਤਾਲੀਮ ਦੇਣ ਦੇ ਢੰਗ ਨੂੰ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਅਸੀਂ ਵੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਜ ਦਾ ਦਸਵੀਂ ਪਾਸ ਮੁੰਡਾ ਪੁਰਾਣੇ ਪੰਜਵੀਂ ਪਾਸ ਦਾ ਵੀ ਮੁਕਾਬਲਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ । ਪਿਛਲੇ ਦਿਨੀਂ ਪ੍ਰੈਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸਾਡੇ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਇਕ ਬਿਆਨ ਆਇਆ ਸੀ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਈ ਐਸੇ ਸਕੂਲਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਟੀਚਰਾਂ ਤੋਂ ਖਾਲੀ ਹਨ । ਜਦੋਂ ਤਕ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਟੀਚਰ ਹੀ ਨਹੀਂ ਭੇਜੇ ਜਾਣਗੇ ਉਦੋਂ ਤਕ ਮੁਫਤ ਵਿਦਿਆ ਕਰਨ ਦਾ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕੀ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਦਾ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੁਫਤ ਵਿਦਿਆ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਜ਼ਰੂਰ ਵਧੀ ਹੈ ਔਰ ਪਰਾਪੇਗੰਡਾ ਵੀ ਬੜਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਉਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਿਹਾ । ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ।

ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਡੇ ਵਜ਼ੀਰ ਖਜ਼ਾਨਾ ਨੇ ਬੜੇ ਮਾਨ ਨਾਲ ਆਪਣੀ ਬਜਟ ਸਪੀਚ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਆਖੀ ਕਿ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ 18,832 ਬੰਦੇ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੇ ਪੰਚ ਜਾਂ ਸਰਪੰਚ ਬਣੇ ਹਨ। ਠੀਕ ਹੈ, ਇਹ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਜਿੱਥੋਂ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਰਥਿਕ ਦਸ਼ਾ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਅਗਰ ਗੌਰ ਨਾਲ ਦੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲਗੇਗਾ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ 1 ਜਾਂ 2 ਫੀ ਸਦੀ ਵੀ ਵਾਧਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਤੁਸੀਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਵੇਖੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਉਹੀ ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਝੌਂਪੜੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕੋਈ ਆਮਦਨ ਦੇ ਸਾਧਨ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਉਹ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਬਣ ਗਏ ਹਨ ਤਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਸੁਧਰ ਗਈ ਹੈ। ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਚਾਇਤ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਜਾਂ ਦੋ ਹਰੀਜਨ ਮੈਂਬਰ ਜ਼ਰੂਰ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਜਦੋਂ ਪਿੰਡ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਜਾਂ ਉਨਤੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਪੰਚਾਇਤ ਦੇ ਬਜਟ ਦੇ ਵਿੱਚੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਇਕ ਪੈਸਾ ਵੀ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਦਾ ਤਅਲੁਕ ਹੈ, ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਕੋਈ ਸੁਧਰੀ ਨਹੀਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਗੇ ਤਾਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਹਿੱਸੇ ਤੇ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਦਿੰਦੇ ਸਨ ਪਰ ਹੁਣ ਕੁਝ ਨਵੇਂ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਨ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਲੈਣ ਤੋਂ ਵੀ ਵਾਂਝਿਆਂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਬੇ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਹੋ ਗਏ ਨੇ। ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਕਾਰਖਾਨੇ ਤਾਂ ਹਨ ਨਹੀਂ ਜਿਥੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਜ਼ਦੂਰੀ ਹੀ ਮਿਲ ਸਕੇ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸਨਅਤੀ ਉਨੱਤੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਵਡੇ ਵਡੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਤਾਂ ਕਾਰਖਾਨੇ ਲਗੇ ਹਨ, ਪਰ ਜਿਹੜੇ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਕਸਬੇ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਔਰ ਛੋਟੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜੇਕਰ ਕਾਰਖਾਨੇ ਲਾ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ ਔਰ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਾਰਖਾਨਿਆਂ ਵਿਚ ਮਜ਼ਦੂਰੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰੋਜ਼ੀ ਦਾ ਪੱਕਾ ਕੰਮ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਠੀਕ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਵਰਨਾ ਨਹੀਂ। ਜੇਕਰ ਇਹ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਔਕੜਾਂ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਣ। ਇਥੇ ਜਦੋਂ ਬਾਰਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਔਰ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਯਗ ਕਰਨੇ ਪੈਂਦੇ ਹਨ ਉਦੋਂ, ਜਾਂ flood ਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਖਾਣ ਲਈ ਮੁਠੀ ਦਾਣੇ ਦੇ ਕੇ ਜਾਂ ਕੁਝ ਛਿਲੜ ਦੇ ਕੇ, ਜਾਂ ਇਕ ਅਧ ਰਜ਼ਾਈ ਦੇ ਕੇ ਇਹ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹਲ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਮਖੌਲ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ। ਉਸ ਨੇ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿੱਤੀ ਵੀ ਹੈ ਪਰ ਹੁਣ ਆ ਕੇ ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ $4\frac{1}{2}$ ਸੌ ਰੁਪਿਆ ਫੀ ਏਕੜ ਕੀਮਤ ਪਾ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਸੋਚਿਆ ਕਿ ਐਨੀ ਰਕਮ ਉਹ ਕਿਥੋਂ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਨਾ ਨੌ ਮਣ ਤੇਲ ਹੋਵੇਗਾ ਤੇ ਨਾ ਰਾਧਾ ਨਚੇਗੀ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸੜਕਾਂ ਵਗੈਰਾ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਹਿਲੇ ਨਾਲੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਚੰਗੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਕਈ ਨਵੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਬਣੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਮਿੱਟੀ ਪਾਈ ਗਈ ਹੈ ਪਰ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਹਾਲੇ ਵੀ ਇਸ ਪਾਸੇ ਪੂਰਾ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਰਾਮਾਂ ਮੰਡੀ ਤੇ ਤਲਵੰਡੀ ਸਾਬੋ ਕੇ ਦੀ ਸੜਕ ਜਿਹੜੀ ਪਹਿਲੀ ਅਪਰੈਲ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ

[ਸਰਦਾਰ ਧੰਨਾ ਸਿੰਘ ਗੁਲਸ਼ਨ]
ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਣੀ ਸੀ ਉਹ ਅਜੇ ਅਧ ਵਿਚ ਹੀ ਲਟਕ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਹ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਪੂਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਠਿੰਡਾ ਜ਼ਿਲਾ ਸਭ ਤੋਂ backward ਜ਼ਿਲਾ ਹੈ । ਉਥੇ ਪਹਿਲੇ ਕੋਈ ਸੜਕ ਨਹੀਂ ਸੀ ਔਰ ਪੀਣ ਦਾ ਪਾਣੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਮਿਲਦਾ । ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਉਥੇ ਕੁਝ ਸੜਕਾਂ ਬਣੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਦੂਜਿਆਂ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਘਟ ਸੜਕਾਂ ਬਣੀਆਂ ਹਨ । ਸੜਕਾਂ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਅੰਕੜੇ ਵੇਖੇ ਹਨ । ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿ ਸ਼੍ਰੀ ਰਾਮ ਚੰਦਰ ਕਾਮਰੇਡ ਕਿਵੇਂ ਪਏ ਕਹਿੰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜ਼ਿਲਾ ਕਾਂਗੜੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ । ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ 29 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਜ਼ਿਲਾ ਕਾਂਗੜੇ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਲਈ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਜ਼ਿਲਾ ਮਹਿੰਦਰ ਗੜ੍ਹ ਤੇ ਜ਼ਿਲਾ ਬਠਿੰਡਾ ਲਈ ਕੁਲ 8 ਲੱਖ ਤੇ 9 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਬਦਕਿਸਮਤ ਜ਼ਿਲੇ ਮਹਿੰਦਰ ਗੜ੍ਹ ਔਰ ਬਠਿੰਡਾ ਹੀ ਹਨ । ਬਾਕੀ ਸਾਰੇ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਵਾਸਤੇ ਕਾਫੀ ਵਡੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਰਕਮਾਂ ਰਖੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਕਿਸੇ ਵਾਸਤੇ 29 ਲਖ ਤੇ ਕਿਸੇ ਵਾਸਤੇ 15 ਲਖ ਤੇ ਕਿਸੇ ਵਾਸਤੇ 12 ਲਖ ਰੁਪਏ ਰਖੇ ਗਏ ਹਨ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਾਸਤੇ ਕੁਲ 8 ਲਖ ਤੇ 9 ਲਖ ਰੁਪਏ ਰਖੇ ਗਏ ਹਨ । ਬਾਕੀ ਕਿਸੇ ਜ਼ਿਲੇ ਵਾਸਤੇ ਇਤਨੀ ਘਟ ਰਕਮ ਨਹੀਂ ਰਖੀ ਗਈ ਜਿਤਨੀ ਘਟ ਇਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਾਸਤੇ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਦੋ backward ਜ਼ਿਲੇ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਕਮ ਦੇਣ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸ ਨੇ ਵਾਕਿਆ ਹੀ ਪਿਛੇ ਰਖਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਕਾਂਗੜੇ ਦੇ ਜ਼ਿਲੇ ਲਈ 22 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਅਜੇ ਵੀ ਸ਼੍ਰੀ ਰਾਮ ਚੰਦਰ ਕਾਮਰੇਡ ਕਹਿਣ ਜੋਗੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜ਼ਿਲੇ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਲਈ ਘਟ ਰਕਮ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ ? ਰਾਮਾਂ ਮੰਡੀ ਇਕ ਬਦਕਿਸਮਤ ਮੰਡੀ ਹੈ ਔਰ ਉਥੋਂ ਦੇ ਵਪਾਰੀ ਉਥੋਂ ਨਿਕਲ ਕੇ ਦੂਜੀਆਂ ਮੰਡੀਆਂ ਵਿਚ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਉਥੇ ਸੜਕਾਂ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਉਹ ਮੰਡੀ ਉਜੜਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਉਥੇ ਸੜਕਾਂ ਬਨਾਉਣ ਵਲ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਵਾਤਾਵਰਨ ਜਿਹੜਾ ਕੁਝ agitations ਨਾਲ ਵਿਗੜਿਆ ਸੀ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਵਾਤਾਵਰਨ ਕੁਝ ਸਮਾਂ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਸ਼ਾਂਤ ਹੋਇਆ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਉਸ ਸ਼ਾਂਤੀ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਲਈ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤ੍ਰੀ ਪੰਡਤ ਜਵਾਹਰ ਲਾਲ ਨਹਿਰੂ ਔਰ ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਵਿਚ ਚਲੀ ਗਲ ਬਾਤ ਜੋ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਅਮਲ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਏ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸ਼ਾਂਤ ਵਾਯੂ ਮੰਡਲ ਨੂੰ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਣਾ ਕੇ ਰਖਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤ੍ਰੀ ਅਗੇ ਔਰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅਗੇ ਵੀ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਗੱਲ ਬਾਤ ਨੂੰ ਇਥੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਛਡ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਇਸ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਬੜੀਆਂ agitations ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਔਰ ਇਸ ਗੱਲ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ agitations ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕੋਈ ਬਹੁਤਾ ਮਾਨ ਨਹੀਂ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਇਥੇ

ਕਿਰਸਾਨਾਂ ਦੀ agitation ਹੋਈ, ਹਿੰਦੂ ਭਰਾਵਾਂ ਦੀ agitation ਹੋਈ ਔਰ ਬੋਲੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ agitation ਹੋਈ। ਇਨ੍ਹਾਂ agitations ਦਾ ਹੋਣਾ ਕੋਈ ਖੁਸ਼ੀ ਦੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜੋ ਇਹੋ ਰੁਪਿਆ ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ agitations ਤੇ ਖਰਚ ਹੋਇਆ ਹੈ ਸੂਬੇ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਸੂਬੇ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਸੀ ਔਰ ਇਸ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਮਿਲਵਰਤਨ ਵੀ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਸੀ।

ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ University ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਕ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਕਦਮ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ਔਰ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ University ਵਾਸਤੇ ਇਤਹਾਸਕ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਿਲਾ ਬਠਿੰਡਾ ਵਿਚ ਦਮਦਮਾ ਸਾਹਿਬ ਬਿਲਕੁਲ ਠੀਕ ਸਥਾਨ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਗੁਰੂ ਦਸ਼ਮੇਸ਼ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਉਸ ਥਾਂ ਨੂੰ ਕਾਸ਼ੀ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਜੇ ਇਹ University ਉਥੇ ਬਣਾਈ ਜਾਏ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੁਰੂ ਸਾਹਬ ਦਾ ਉਹ ਵਾਕ ਪੂਰਾ ਹੋ ਜਾਏਗਾ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਠਿੰਡਾ ਸਭ ਤੋਂ backward ਇਲਾਕਾ ਹੈ ਜਿਥੇ ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਪਰਬੰਧਕ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਇਕ ਖਾਲਸਾ ਕਾਲਿਜ ਖੋਲ੍ਹਣ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਔਰ ਉਥੋਂ ਦੇ ਪਿੰਡ ਦਿਆਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਆਪ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਕੁਰਬਾਨੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 100 ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਬ, ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਜ਼ਿਲਾ ਬਠਿੰਡੇ ਦੇ ਪਿਛੇ ਰਹਿਣ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਹੈ, ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਉਸ ਵਲ ਬਹੁਤ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਇਹ University ਉਥੇ ਬਣਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਤਾਕਿ ਪਛੜੇ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਉਨਤੀ ਹੋ ਸਕੇ।

श्री अध्यक्ष : इस से पहले हाउस में फैसला हुआ था कि मंगलवार, बुधवार, ब्रहस्पतिवार को सभा 11 बजे से ले कर 4.30 बजे शाम तक meet करेगी और यह फैसला इस ख्याल से किया गया था कि माननीय मैम्बरों के लिये जल्दी ही lunch का arrangement इस canteen में हो जाएगा। लेकिन ऐसा प्रबन्ध अभी तक यहां न होने की वजह से मैं समझता हूँ कि फिल हाल इस सैशन में कल 9 मार्च से यह समय सोमवार, मंगलवार, बुधवार और ब्रहस्पतिवार को 2.00 से 6.30 बजे शाम तक और शुक्रवार को 9 बजे सुबह से 1.00 बजे दोपहर तक meet करेगी। हम इस प्रोग्राम पर कुछ दिनों तक कारबंद रहेंगे और जब lunch का arrangement कैंटीन में हो जायेगा तो हम फिर उसी तरह 11 बजे meet करेंगे क्योंकि वह वक्त हमें suit करता है। (The house had previously agreed to meet on Tuesdays, Wednesdays and Thursdays from 11 a.m. to 4.30 p.m. and this decision was arrived at on the presumption that arrangement for the lunch for the hon. members would be made soon at the Canteen of the Assembly Chamber. But as no such arrangements have been made here so far, I think that for the present, during the current session, the Sabha should meet from tomorrow the 9th March, on (i) Mondays, Tuesdays, Wednesdys and Thursdays from 2 p.m. to 6.30 p.m. and (ii) On Fridays from 9.00 a.m. to 1.00 p.m. We will adhere to this programme for some time and as and when lunch arrangements are made at the Canteen, we will revert to the practice of holding the meeting at 11 a.m., as it suits our convenience.)

ਸਰਦਾਰ ਧੰਨਾ ਸਿੰਘ ਗੁਲਸ਼ਨ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ 25 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਚਿਠੀ ਲਿਖੀ ਸੀ।

श्री अध्यक्ष : सरदार धन्ना सिंह गुलशन ने कुछ समय पहले मुझे लिखा था कि उन्हें opposition benches पर Akali group के साथ seat allot कर दी जाए। लेकिन जो list बोलने वालों की मुझे कांग्रेस पार्टी के Whip ने दी है उस में उन का नाम included है। क्या माननीय मैम्बर अपनी पोजीशन को वाज़ेह करेंगे? (Sardar Dhanna Singh 'Gulshan' some time back wrote to me that he might be alloted a seat with the Akali Group on the Opposition Benches. But I find his name included in the list of the members desirous of taking part in the discussion on the Budget, which has been supplied to me by the Whip of the Congress Party).

ਸਰਦਾਰ ਧੰਨਾ ਸਿੰਘ ਗੁਲਸ਼ਨ : ਪਰਸੋਂ ਮੈਂ Secretary ਸਾਹਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੀ seat ਇਧਰੋਂ ਉਧਰ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਏ।

श्री अध्यक्ष : यह ठीक है लेकिन मुझे आप का नाम कांग्रेस पार्टी के Whip की तरफ से दी गई list में देख कर बहुत हैरानी हुई। (It is all right, but I was very much astonished to see your name in the list given by the whip of the Congress Party).

ਸਰਦਾਰ ਧੰਨਾ ਸਿੰਘ ਗੁਲਸ਼ਨ : ਕਿਉਂਕਿ seat ਮੈਨੂੰ ਅਜੇ ਤਕ ਉਸ ਪਾਸੇ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ ਸੀ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਨਾਂ ਇਧਰੋਂ ਭਿਜਵਾਇਆ ਹੈ।

श्री अध्यक्ष : जब आप opposition की benches पर बैठना चाहते थे तो आप ने Congress Party के Whip को अपना नाम क्यों दे दिया? (When the hon. Member wished to be seated on the opposition benches then why did he give his name to the Whip of the Congress Party?)

श्री बलराम दास टण्डन (अमृतसर शहर, पश्चिम) : स्पीकर साहिब, वित्त मंत्री ने जो बजट पेश किया है उस को पढ़ कर तो ऐसा महसूस होता है कि सारे का सारा बजट is full of salaries and taxation, devoid of economy and check of leakage on revenue इस सारे बजट में खर्च की मद्द में किसी भी जगह पर सरकार ने यह इशारा नहीं किया कि सरकार economy करना चाहती है। इस में सिवाए बड़े बड़े अफसरों को तनखाहें देने के और जनता पर टैक्स लगाने के, इन दो मद्दों के सिवाए तीसरी चीज़ कोई दिखाई नहीं देती। अगर हम per capita taxation के अदादो शुमार का मुलाहिज़ा करें तो मालूम होता है कि सारे हिन्दोस्तान में से पंजाब में per capita taxation सब से ज्यादा है। दूर क्या जाना है, यू० पी० जिस की आबादी भी ज्यादा है और इलाका भी हमारे से बड़ा है, उस में per capita taxation तीन रुपए 24 पैसे है, मद्रास में तीन रुपये 35 पैसे है लेकिन इन के मुकाबले पर पंजाब में छ: रुपए 11 पैसे percapita taxation है। इस से साफ ज़ाहिर होता है कि सरकार कितनी

तेज़ी के साथ टैक्स पर टैक्स लगाए जा रही है। एक के बाद दूसरा, नित्य नया टैक्स लगाया जा रहा है। कोई ऐसा सेशन नहीं गुज़रता, पंजाब विधान सभा की कोई ऐसी मीटिंग नहीं होती जिस के अंदर सरकार कोई नया कुलहाड़ा चला कर यह नहीं चाहती कि लहू की जो आखिरी बूंद भी जनता में बच गई है उस को भी निकाल लिया जाए। यह हालत हो गई है आज।

दूसरे, जिस तेज़ी के साथ यह सरकार पंजाब के ऊपर कर्ज़ चढ़ाये जा रही है, उस को देखकर हैरानी होती है। 1960 के अंदर कर्ज़े की रकम 260 करोड़ थी, 1961 में यह रकम बढ़ कर 290 करोड़ हो जाएगी। आप अंदाज़ा लगाएं कि किस तरह से यह हकूमत पंजाब के हर एक आदमी को हर एक बशर को कर्ज़ की ज़ंजीरों में जकड़ने की कोशिश कर रही है।

(At this stage Mr. Deputy Speaker occupied the Chair.)

इस कर्ज़े पर जो interest देना पड़ता है वह बहुत ज्यादा है। पंजाब की आमदनी 63 करोड़ के करीब बनती है तो उस का लगभग 1/6 हिस्सा अर्थात् 10 करोड़ 11 लाख in-terest का देना पड़ता है। पिछले साल 11 करोड़ 72 लाख रुपया interest के तौर पर दिया था। इस का मतलब यह हुआ कि पंजाब के हर व्यक्ति को 5-6 रुपए interest के हर साल देने पड़ते हैं। कितनी हैरानी की बात है। सारे पंजाब का दीवाला किस तरह से निकाला जा रहा है, किस तेज़ी के साथ हमारे सूबे की economy बिखर रही है! किस तेज़ी के साथ हमारा सूबा तबाही की तरफ जा रहा है! दूसरी तरफ जो अखराजात हैं उन को देख कर हैरानगी होती है। नित्य नए नए महकमे खोले जा रहे हैं। सरकार हमेशा यह सोचती है कि कोई न कोई नया महकमा खोल कर अपने दाएं बाएं जो व्यक्ति हैं, अपने जो रिश्तेदार हैं, अपने जो साथी हैं, जो पास के लोग हैं उन के लिये रोज़गार मुहैया किया जाए। रोज़ यहां पर Chief Engineer बनते हैं। एक एक महकमे के अंदर 7, 7 और 8, 8 Chief Engineers बने बैठे हैं, कितने कितने Superin-tending Engineers बने बैठे हैं। उन के नीचे नए नए officers भरती किए जाते हैं। बड़े बड़े अफसरों की तादाद तेज़ी के साथ बढ़ती जाती है। जब हम अपने Secretaries, Under Secretaries, P. C. S. और दूसरे gazetted officers का मुकाबला दूसरे बड़े बड़े सूबों के अफसरों से करते हैं तो दुख के साथ कहना पड़ता है कि हमारी हकूमत के पास यह कहने के सिवाए और कुछ नहीं है कि आओ कोई लूटने वाला है, खाने वाला है तो लूटो और खाओ। बड़े बड़े महकमे खुलते रहते हैं। आप को जान कर हैरानी होगी कि West Bengal की आबादी भी हमारे सूबे से ज्यादा है और उस का रकबा भी ज्यादा है लेकिन वहां पर gazetted officers की तादाद 1,877 है, इसी तरह से मध्य प्रदेश की आबादी भी ज्यादा है, वहां पर gazetted officers की तादाद 2,001 है। आन्ध्रा में ऐसे officers की तादाद 2,363 है लेकिन पंजाब में gazetted officers की तादाद 3,120 है। नित्य नए gazetted officers बनाए जाते हैं। रोज़ secretaries और Under-Secretaries बढ़ाए जा रहे हैं। होना तो यह चाहिये था कि बड़े अफसरों पर खर्च कम कर के ग़रीब लोगों को relief मिलता और जनता पर से टैक्सों का बोझ कम किया जाता। लेकिन लोग तो

[श्री बलराम दास टण्डन]
कुछ और सोचते हैं, और हमारी सरकार कुछ और ही सोचती है। हमारी सरकार के सोचने का ढंग कुछ और ही है, वह उलट तरीके से ही सोचती है। P.C.S. officers या दूसरे gazetted officers को तरक्की देते वक्त यह ख्याल नहीं किया जाता कि seniority किस की बनती है, efficient कौन है। जिस अफसर पर Chief Secretary या Chief Minister की मेहरबानी की निगाह हो उसको उठा कर दूसरों के ऊपर लगा दिया जाता है, juniors को उठा कर आगे कर दिया जाता है। जिस senior officer के ऊपर मेहरबानी की निगाह न हो उस को पीछे कर दिया जाता है। इस तरह से सारे पंजाब के अंदर बेतरतीबी फैली हुई है, अन्धेर गरदी फैली हुई है। अगर कोई ग़ौर करे कि किस तरह की economy हमारी स्टेट में चल रही है, किस efficiency से administration चलाई जा रही है तो उस को दुख के आंसू बहाने पड़ते हैं। आज जो हमारी सरकार की taxation की नीति है उस से सिद्ध होता है कि सरकार यह सोचती है कि "Tax लगाओ", किस पर लगता है, इस की चिंता सरकार को नहीं है। हर बार और हर जगह पर कांग्रेस सरकार दावा करती है कि हम socialistic pattern of society कायम करना चाहते हैं। पता नहीं है कि इन का socialistic pattern से क्या मतलब है। किस चिड़िया का नाम इन्हों ने "socialistic pattern" रखा हुआ है। कहीं से यह लफ़ज़ इन्हों ने पकड़ लिया है कहीं से सीख कर आ गए हैं और उस को रटते चले जा रहे हैं। किस पर टैक्स लगाना है, किस को relief देना है इस बात की चिन्ता इन को नहीं है। पंजाब के अन्दर क्या हो रहा है, किस पर टैक्स लग रहा है, किस तरीके से लग रहा है उस का ढांचा क्या है, इस बात का इन को पता नहीं है। जो टैक्स लगाए जा रहे हैं उस के अंदर legal justice और individual justice की बात तो अलग है, economic justice भी उस में नहीं है। शहरियों के ऊपर नित्य नए टैक्स लगते हैं। मैं नहीं कहता कि लोग टैक्स न दें, लेकिन taxation की कोई हद होती है, सीमा होती है। अगर सरकार इसी प्रकार से सोचती रही, इसी प्रकार से नीचे के लोगों से पैसे को खींचने की कोशिश करेगी तो saturation point आ जाएगा। मैं हैरान होता हूँ कि जब Minister साहिबान खड़े होते हैं तो रोज़ कहते हैं कि saturation point आ चुका है लेकिन उस के बावजूद tax लगाए जा रहे हैं। Sales tax बढ़ा कर 5 फीसदी कर दिया है। रोज़ाना ज़रूरियात पर जो tax लगेगा वह ग़रीबों की जेब से जाता है। सरकार नाअरे तो कुछ लगाती है लेकिन अमल कुछ और करती है। Centre ने जो टैक्स लगाए हैं उस से पंजाब को बचाने की कोशिश करें। अगर कोशिश न की गई तो सारी की सारी wool industry जो कि अमृतसर में कायम है और जिस पर सरकार को बड़ा फखर है कि हमारा सूबा सब से आगे है small scale industry में, वह सब तबाह हो जाएगा। जो कुल्हाड़ा centre ने चलाया है वह पंजाब को small scale industry को तबाह करने वाला है। अगर पंजाब की हकूमत इस बात के लिये Centre से दो बातें करने के लिये तैयार नहीं होती तो याद रखिए कि अमृतसर और लुध्याना की industry, silk की industry, थोड़े दाम वाले गर्म कपड़े की

industry हमेशा के लिये तबाह होने वाली है। सरकार को इन बातों की बाबत भी सोचना चाहिये। इसके साथ ही हमारी सरकार अपने सूबे में जो taxes लगाए जाती है उनके बारे में भी उसे विचार करना चाहिये। जो 2 per cent purchase tax, 5 per cent sales tax यानी 7 percent के इस tax का कुल्हाड़ा चलाया है उसकी बाबत उसे सोचना चाहिये कि इसका आम consumer पर क्या असर पड़ा है।

दूसरी जो सोचने वाली बात है वह यह कि हमारी सरकार economic justice के लिहाज़ से क्या काम कर रही है। एक तरफ तो शहरों के अन्दर development का कोई काम सरकार हाथ में नहीं लेती। उसके सारे काम केवल villages के लिये हैं। यह ज़रूरी हैं और यह कोई शिकायत की बात नहीं कि सरकार केवल गांव को development की तरफ ही भागती है, लेकिन अफसोस इस बात का है कि एक तरफ तो पंचायतों को land revenue का हिस्सा दे रहे हैं—देना चाहिये, बल्कि इससे भी ज्यादा percentage उनको दी जानी चाहिये—लेकिन दूसरी तरफ सूबाई सरकार को centre से जो शहरों में से इकट्ठा किया हुआ income tax और दूसरे taxes का हिस्सा मिलता है sales tax मिलता है, property tax मिलता है उसमें से local bodies को एक पैसा देने की बजाए उलटे जो octroi लगाया हुआ है, municipalities से वह भी छीनने की कोशिश की जा रही है। कई municipal committees की आमदन का ज़रिया केवल मात्र octroi से है, लेकिन इस octroi को खत्म करने से उनकी आमदनी किस तरह affect होगी, इस बात की बाबत सोचने के लिये सरकार तैयार नहीं। बजाए कुछ मदद करने के, सरकार उन की आमदनी के साधनों को cut करने की कोशिश कर रही है। क्या economic justice की बातें करने वाली सरकार को इन बातों की तरफ ध्यान नहीं देना चाहिये? स्पीकर साहिब, बड़े दुःख की बात है कि सरकार इस तरफ ध्यान नहीं देना चाहती।

इसके बाद जो दूसरी बात है जिसकी तरफ ध्यान देने की ज़रूरत है वह यह कि हमारी administration किस तरह चल रही है। हमारी law and order की हालत किस तरह चल रही है? वैसे तो यहां पर चीफ मिनिस्टर साहिब ने तकरीर की और दूसरे मिनिस्टर साहिबान भी खड़े होकर तकरीरें करते हैं। सभी एक ही बात कहते हैं कि हमने administrative ढांचे को improve करने की कोशिश की है। Law and order की हालत के मुताल्लिक जब अदादोशुमार देते हैं तो बड़े तमतराक के साथ कहते हैं कि चाहे agitations चलीं, कितनी agitations चलीं, लेकिन crimes का नम्बर नहीं बढ़ने दिया गया। स्पीकर साहिब, इस number की बाबत क्या अर्ज़ करूँ। बिल्कुल jugglery होती है इस को पेश करने में। किस ढंग से सरकार की वह statements तैयार होती हैं, इसकी बाबत जितना कम कहा जाए थोड़ा है; और फिर House के अन्दर उन statements को पढ़कर इस बात की शाबाश लेने की कोशिश की जाती है कि यहां general administration की हालत, law and order की हालत बहुत अच्छी है। स्पीकर साहिब, आप उस सूबे को क्या कहेंगे जहां जगाधरी जैसे इतने बड़े शहर के अन्दर लड़कियों का स्कूल सिर्फ इसलिये बन्द

[श्री बलराम दास टण्डन]

किया जाता है कि वहां पर गुण्डागर्दी है। ट्रिब्यून जैसे अखबार ने editorial लिखा कि स्कूल वालोंने स्कूल को बन्द करते हुए यह कहा कि क्योंकि इस गुण्डागर्दी को check करने का कोई तरीका नहीं अपनाया गया इसलिये जब तक इसे check नहीं किया जाता तब तक स्कूल बन्द रहगा ? इतना ही नहीं, खन्ना का केस आपके सामने है जहां शहर के अन्दर एक मकान में से 7 लाशें दबी हुई मिलीं। इस वक्त मैं इस case के merits में नहीं जाना चाहता। बहुत सी शिकायतें लेकर लोग थाने में जाते रहे कि हमारी औरत नहीं मिल रही, हमारी माता नहीं मिल रही, हमारी दादी नहीं मिल रही। थाने में जाकर लोग बताते रहे कि हमने उन्हें इस घर के अन्दर जाते देखा लेकिन फिर बाहर नहीं आई। बजाय इसके कि उनकी शिकायतों की तफतीश की जाती थाने वालों की तरफ से लोगों को यही जवाब दिया जाता रहा कि "यह बेचारी ग़रीब औरत उन 50-50, 60-60 साल की औरतों का क्या कर सकती है। उस नौजवान लड़के ने उन बूढ़ी उम्र वाली औरतों को क्या करना है। हां, अगर कोई नौजवान लड़की गुम हो गई होती फिर तो बात मानी भी जा सकती थी, लेकिन 65 साल की औरत का उसने क्या करना है"—ऐसी बातें कह कर लोगों को टाला जाता रहा। जहां पर इतने लोगों ने देखा हो कि किस तरह उन औरतों की जि़न्दगी को हमेशा के लिये खत्म किया गया, कितनी अजीब बात है कि वहां पुलिस के S.H.O. को ज़रा भी चिन्ता न हो कि कम से कम उन की बात को सुने तो सही ! इतना ही नहीं, डिप्टी स्पीकर साहब, यह तो देखने की बात है कि असल में होता क्या है। चोरियां बदस्तूर हो रही हैं लेकिन उनका number कैसे कम दिखाया जाता है वह भी मैं आप को बताना चाहता हूँ। अमृतसर में एक industrial unit है। वहां चोरी होती है। तीन हज़ार रुपए का सामान उसी चोरी में चला गया। उस व्यक्ति ने चोरी की रपट थाने में दर्ज कराने के अनेक यत्न किये लेकिन report दर्ज न की गई। Report दर्ज कराने के लिये थाने में मैंने खुद चार बार टैलीफोन किया, डाक्टर साहब ने चार बार टैलीफोन किया, D.S.P. को कहा और 18 दिन के बाद जब पुलिस वालों ने देखा कि ये पीछा छोड़ने वाले नहीं तो कहीं जाकर रपट दर्ज की। जहां पर यह हालत हो कि असेम्बली के सदस्यों के कहने के बावजूद, जो कि गवर्नमैंट को बनाने और चलाने वाले समझे जाते हैं, चोरी की छोटी सी रिपोर्ट दर्ज करने के लिये लोग तैयार न हों सिर्फ इसलिये कि कहीं उस थाने में वारदातों का number ज्यादा न हो जाए क्योंकि अगर crimes का number बढ़ा हुआ दिखाया गया तो explanation call होगा, वहां आप अन्दाज़ा लगा सकते हैं कि law and order की स्थिति किस कदर अच्छी हो सकती है। जहां पर हर थाने की efficiency को इस बात से जांचा जाता हो कि उसके हुदूद में कितने कम वाक्यात हुए, वहां क्यों वह लोग इन रिपोर्टों को दर्ज करने के लिये तैयार होंगे ? डिप्टी स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब आसानी से खड़े होकर यहां statements पढ़ देते हैं कि पिछले साल 5,000 चोरियां हुईं और इस बार 4,400 चोरियां हुईं। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर चोरियों को trace करने की यही हालत रही कि उन की रपट ही दर्ज नहीं करनी फिर तो अगले साल की बाबत आज ही बता सकते हैं कि 3,500 चोरियां होंगी। क्यों ? इसलिये कि अगर किसी S.H.O. का number बढ़ जाए तो उससे पूछा जाता

है, उसे डांटा जाता है। उन का नम्बर पहले ही fix करके रखा होता है। अगर बढ़ जाएं तो रपटें दर्ज नहीं की जातीं और अगर कम रह जाएं तो उसको पूरा करने के लिये ग़लत तरीके से काम लिया जाता है। चालानों वग़ैरह का नम्बर पूरा करने के लिये राह जाते लोगों को पकड़ लिया जाता है और जब लोग सही वारदातों की रपट लिखवाने के लिये आते हैं तो वह दर्ज नहीं की जातीं। यह तो हालत है आप की police administration की और आप के सूबे के law and order की।

जहां तक general administration का ताल्लुक है, उस के बारे में जो हालात बने हुए हैं उन को देखकर अफसोस होता है। बताया तो यह जाता है कि general administration बड़ी अच्छी तरह से चल रही है लेकिन बाज़ जगहों पर डिप्टी कमिश्नर जिस तरह का काम कर रहे हैं, उन की हरकात को देख कर ऐसा महसूस होता है कि पुराने राजाओं की रूहें शायद उनके अन्दर काम कर रही हैं। ज़िला संगरूर में कँवर महेन्द्र सिंह डिप्टी कमिश्नर बन कर बैठे हुए हैं। डिप्टी स्पीकर साहिब, आप उनके कारनामें सुनकर हैरान होंगे। (*interruptions*)

श्री उपाध्यक्ष : आप अफसरों को नाम लेकर refer न करें। (Please do not refer to officers by name.)

श्री बलराम दास टण्डन : मैं नाम नहीं लेता, मैं उनकी हरकात ही आप को बताता हूँ। उनका यह हाल है कि हर वक्त शराब के नशे में मदहोश रहते हैं। मैं चाहूँगा कि आप इस बात की enquiry कराएं कि संगरूर की क्लब में रात के 11 बजे से लेकर 3 बजे तक होली की रात कैसे मनाई गई। हर वक्त उन के हां शराब का दौर चलता है, ज़नाकारी के काम होते हैं। उन्हों ने गुण्डे पाल रखे हैं। किसी की बेइज्ज़ती करनी हो, तो उस की इज्ज़त मिटाने के लिये गुण्डे छोड़े जाते हैं। गुण्डों को ला कर .... (*interruptions*)

ਗਿਆਨੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਰਾਏ : ਇਹ ਸਭ ਬਕਵਾਸ ਹੈ।

श्री बलराम दास टण्डन : उन की सब हरकात, उनके सारे के सारे काम, उन की सब की सब बातें शराब के नशे से प्रभावित होती हैं। (*Interruptions*)

ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ : On a point of order, Sir. ਕੀ ਬਕਵਾਸ ਦਾ ਲਫ਼ਜ਼ parliamentary ਹੈ ?

ਗਿਆਨੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਰਾਏ : ਜੇ ਨਾਂ ਲੈਕੇ ਕਹੋਗੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ.....

श्री मंगल सेन : अगर आप बकवास का लफ़ज़ इस्तेमाल करोंगे तो हम इस से भी सख्त शब्द इस्तेमाल करेंगे। (*Interruptions*)

श्री उपाध्यक्ष : Order please. अगर आप इस तरह rules के खिलाफ जाने की जब्रदस्ती करते रहेंगे तो कोई अफसर भी नहीं बच सकेगा। आप किसी अफसर का नाम लेकर यहां पर इस ढंग से criticism नहीं कर सकते। (Order please. If rules are thrown to winds in this way, then, I am afraid, no officer will escape individual criticism. I would not allow such type of criticism in which references are made to officers by name.)

डाक्टर बलदेव प्रकाश : जनाब, पंजाब में और कोई अफसर ऐसा नहीं । This is an exceptional case. (*Interruptions.*)

श्री उपाध्यक्ष : No, please अगर कोई भी hon. Member इस ढंग से नाम लेकर officers को criticise करेगा तो मैं मजबूर हूँगा यह declare करने के लिये कि उस reference को record से बाहर करार दे दिया जाए। (No, please. If any hon. Member levels charges against any officer by name, as the hon. Member in possession of the House has done, then I will be compelled to declare that such a reference be expunged from the proceedings.)

श्री बलराम दास टण्डन : अच्छा जी, मैं नाम नहीं लेता ।

श्री उपाध्यक्ष : आप general discussion करें । (Please confine yourself to general discussion only.) (*Interruptions*)

चौधरी बारू राम : सरदार बख्तावर सिंह को क्या तकलीफ है ?

5 p.m.

श्री मंगल सैन : On a point of order, Sir. क्या कोई hon. Member इस House में बोल रहे दूसरे hon. Member को कह सकता है कि वह बकवास कर रहे हैं ?

श्री उपाध्यक्ष : नहीं कह सकता । (*Interruptions*)

(No, he cannot say this.) (*Interruptions*)

श्री बलराम दास टण्डन : डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं इतना ज़रूर कहना चाहता हूँ कि यह पंजाब में exceptional जिला है और exceptional ही D.C. है । यह जहां २ रहे हैं, इन की ऐसी ही history है और इन को रखने वालों की दाद देनी चाहिये। (घंटी) फिर डिप्टी स्पीकर साहिब, यहां पर corruption की बातें होती हैं और सरकार कहती है कि हम corruption दूर कर रहे हैं। मगर यह बात निश्चित है कि सरकार के अपने दिल और दिमाग से corruption दूर नहीं हुई। जब भी कोई ऐसी बात इन के सामने रखी जाती है, उस पर पर्दा डालने की कोशिश की जाती है। डाक्टर साहिब ने यहां पर ज़िक्र किया था कि अमृतसर में Magistrate ने चंदा लेने का, उन से जो किसी case में उन की अदालत में हाज़िर हों चाहे वह ग़रीब रिक्शा वाला हो या कोई और, wrestling match या Red Cross या Small Savings के लिये चंदा लेने का तरीका अख्तियार कर रखा है। जब किसी के पास sales-tax का नोटिस चपड़ासी ले कर जाता है तो साथ ज़बानी यह पैग़ाम भी जाता है कि एक हज़ार रुपया चंदा भी लेकर आना वरना तुम्हारा case सुना नहीं जाएगा। यह सरकार ऐसी बातें authorise करती है। जैसे दुलत रिपोर्ट के अन्दर लिखा है :

"अगर बादशाह आधा अंडा नाजायज़ लेगा तो उस का soldier 400 मुर्गियां नाजायज़ हज़म कर जाएगा" ।

एक Magistrate हर उस आदमी से जो किसी भी कारणवश Court में आए, सज़ा देकर, जुर्माना करके इस तरह से wrestling match के टिकट बेचे यह कहां तक जायज है। दस रुपए जुर्माना की सज़ा सुनाए और 5 रुपए का टिकट बेचे और 5

रुपए जुर्माने की पर्ची दे, यह कहां का दस्तूर है। जब उस ग़रीब रिक्शा वाले ने इस पर protest किया तो उसे धक्के मार के बाहर निकाल दिया गया। हम यह बात D. C. के नोटिस में लाए, Chief Minister के नोटिस में लाए और Chief Justice के नोटिस में लाए कि किस तरह से steno ने अपने हाथ से यह पर्चियां काटीं। Sessions Judge ने सारी बात verify की मगर Chief Minister साहिब कहते हैं, steno ने ग़लती की होगी। मैं यह सारी चीज़ Table पर रख रहा हूं। अगर Chief Minister साहिब corruption को खत्म करना चाहते हैं तो इस की enquiry कराएं और मैं पूरे ज़ोर से कहना चाहता हूं कि अगर यह बात साबत न हो तो मैं अस्तीफा देने के लिये तैयार हूं। (Opposition benches की तरफ से तालियां)

श्री उपाध्यक्ष : Order please. अगर आप individual शिकायतें लिख कर मेज़ पर रखने लगे तो यह ठीक न होगा। I will not allow individual complaints to be placed on the Table. (Order please. It will not be proper if the hon. Members start placing individual complaints on the Table of the House. I will not allow individual complaints to be placed on the Table.)

श्री बलराम दास टण्डन : मैं challenge करता हूं कि Chief Minister साहिब भी मैदान के अन्दर आएं।

दूसरी बात मुझे Municipalities के बारे में करनी है। सुनाम की municipality के President को कहा गया कि अगर तुम Council के लिये हमें vote न दोगे तो तुम्हें remove कर दिया जाएगा। फिर पठानकोट municipality में एक Engineer है। उस ने अपने एक ग़रीब रिश्तेदार के नाम, जिस के पास 10 रुपए भी नहीं हैं, 420 करके tender ले लिया। इस बारे में चार enquiries हुईं और सब ने एक ही बात कही कि यह case clear corruption का है। क्योंकि जिस दिन tender लिया गया उसी दिन उस engineer के bank account में से ज़रूरी रुपया निकाला गया और जिस दिन payment हुई उस दिन वह उस के हिसाब में जमा हुई। और यह clear बात है कि वह President का रिश्तेदार है। फिर सब से ज्यादा ग़लत बात यह है कि जो काम Executive Officer ने करना है वह खुद President करता है। इस तरह एक धांधली मची हुई है। और वज़ीर साहिब फरमाते हैं कि उसे जो suspend किया गया वह ग़लती थी, इस लिये उसे हम ने re-instate कर दिया है। उस के खिलाफ चार enquiries हुईं, Examiner Local Self Government Accounts ने enquiry की, Executive Officer ने enquiry की (घंटी) सभी यही बात कहते हैं कि उस ने corruption की। बस जी मैं एक और बात कह कर अपने स्थान पर बैठ जाऊंगा।

[श्री बलराम दास टण्डन]

यहां पर सरकार की तरफ से बार बार कहा जाता है कि हम Administration को ऊँचा कर रहे हैं, इसे अच्छा बना रहे हैं। इस का मुज़ाहरा मैं ने अमृतसर के अन्दर देखा। District Industries Office में एक meeting loans बांटने के बारे हो रही थी कि वहां पर Chief Minister साहिब के साहिबज़ादे पहुँचे और District Industries Officer, जो उस meeting में बैठा था को चपड़ासी के ज़रिये बाहर बुलवा भेजा। चूंकि हम भी वहां बैठे थे हम ने कहा कि आप meeting से उठ कर इस तरह बाहर नहीं जा सकते। उस बेचारे को कहना पड़ा कि इस वक्त मैं नहीं आ सकता। उस ने कहा कि सरदार गुरिन्द्र सिंह कैरों आप को बाहर बुला रहे हैं आप बाहर आएं। उस बेचारे को कहना पड़ा कि इस वक्त मैं नहीं आ सकता। फिर दोबारा चपड़ासी आया कि उन्हों न हुक्म दिया है कि आप इस meeting से उठ कर एक मिनट के लिये बात सुन जाएं। हम ने कहा कि तुम नहीं जा सकते। उस बेचारे को फिर कहना पड़ा कि मैं नहीं आ सकता। इस के बाद उन को driver आया और कहने लगा कि वह कहते हैं कि एक मिनट के लिये आ जाओ। हम ने कहा कि नहीं आ सकते। मैं यह अपनी आंखों देखी बात बता रहा हूँ। डिप्टी स्पीकर साहिब, अब आप ही बताइए कि administration कैसे अच्छी हो सकता है। जब तक कैरों साहिब अपने लड़कों को बैठा कर यह नहीं कहते कि उन्हें इस तरह का रवैया दूर करना चाहिये क्योंकि वह भी एक साधारण आदमी की तरह से ही हैं, तब तक इस प्रकार की बातें खत्म नहीं हो सकतीं। (घंटी)

डिप्टी स्पीकर साहिब, जहां तक पंजाब की तरक्की का ताल्लुक है, यह उस वक्त तक नहीं हो सकती जब तक इसके पिछड़े हुए इलाकों को ऊपर नहीं उठाया जाता और खास तौर से जब तक हरियाना को ऊपर नहीं उठाया जाता तब तक पंजाब की तरक्की की बातें करना अधूरा है। आज यह देखा जाता है कि पंजाब सरकार अपने border के इलाकों के लिये कोई स्कीम नहीं बना रही है और न services के लिये ही कुछ कर रही है। इसी तरह से भाषा के आधार पर जो बातें चल रही हैं उनको सरकार सुलझा नहीं रही बल्कि और हवा देने की बातें कर रही है और बराबर हर क्षेत्र में discrimination चल रही है। तो मैं यह कहना चाहता हूँ कि जब तक यह discrimination दूर नहीं होती और planning का काम जो अधूरा रह गया है उसे पूरा नहीं किया जाता तब तक इस पंजाब प्रदेश की तरक्की नहीं हो सकती। जो रुपया प्लैन में रखा हुआ है अगर उसका 40 फी सदी हरियाने के लिये और 20 फी सदी पहाड़ी इलाके के लिये खर्च नहीं किया जाता तब तक यह सरकार पंजाब को ऊपर नहीं उठा सकती। (घंटी) अंत में डिप्टी स्पीकर साहब, मैं फिर यही कहना चाहता हूँ कि जब तक इस प्रकार की Discrimination दूर नहीं होती तब तक तरक्की नहीं हो सकती।

चौधरी लहरी सिंह (गनौर) : डिप्टी स्पीकर साहिब, बजट के पढ़ने से यह मालूम होता है कि हमारे यहां जो बड़ी भारी problem है उसकी तरफ सरकार का ध्यान नहीं गया और हक़ीक़त यह है कि कई सालों से बरसात के कारण water-logging बढ़ती जा रही है और उसके नतीजे के तौर पर शोरा और कल्लर पैदा हो रही है। यह समस्या

हमारे ज़िले में और भी भयंकर रूप धारण करती चली जा रही है। आप अंदाज़ा लगाइए रोहतक और हांसी का कि जहां पर ग़रीब किसान के लिये रोटी मुयस्सर नहीं है अगर वहां पर उसकी ज़मीन खराब हो जाए तो फिर क्या हाल होगा और वह किस तरह से ज़िन्दा रहेगा ? वैसे वहां के लोगों का उत्साह सराहना के काबिल है क्योंकि वहां पर जितने हाई स्कूल बने, मिडल स्कूल बने लोगों ने खूब पैसा दिया। और फौज में भी रोहतक ज़िला अपना ज्यादा हिस्सा देकर देश की खिदमत कर रहा है लेकिन अगर ज़मीन water-logged होती गई और खेत बरबाद होते गए तो न तो वहां से पैसे की इमदाद गवर्नमैंट को हो सकती है और न ही फौज में जाने के लिये अच्छा stuff मिल सकता है। आज 5, 6 वर्ष हो गए जब से Minister साहिब, डिप्टी कमिश्नर साहिब का और सभी अधिकारियों का ध्यान इस ओर दिलाता रहा हूँ, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। वहां पर ड्रेन नम्बर 8 है जिसमें करनाल का पानी, अम्बाला का पानी, रोहतक का पानी बह कर झज्झर तहसील में चला जाता है। उसके निकास के लिये आज तक प्रबन्ध नहीं किया गया जिसका नतीजा यह हुआ कि करीबन 40, 50 गांव सेमज़दा हो गए। मैं हर साल याद दिलाता रहा और अगर देखना चाहें तो आए साल की स्पीचें निकाल कर देख लीजिए। मैंने बार बार यह कहा कि झज्झर तहसील पर मेहरबानी करो लेकिन कभी कोई बहाना बनाया तो कभी कोई और। नौबत यहां तक पहुँच गई कि उसकी हालत खराब हो गई। इसके बरअक्स हुआ यह कि करनाल ड्रेन, को नम्बर 8 ड्रेन में डाल दिया गया और रोहतक का, सींखमारा का, व वजीदा का पानी भी उसी में डाल दिया गया और फिर नतीजा क्या निकला ? यह आप सब लोगों को मालूम है कि बड़ी ज़बर्दस्त बाढ़ आई और सारे इलाका में पानी ही पानी हो गया। फिर बड़े बड़े हवाई जहाज़ आए और 3 करोड़ रुपया water logging दूर करने के लिये रखना पड़ा और पानी निकालने में बेहद खर्च हुआ। लेकिन जो मैं कहता रहा उसकी तरफ सरकार का ध्यान नहीं गया। उस वक्त कौड़ियों से काम निकल सकता था और आज भी इतना खर्च करने के बाद हालत यह है कि झज्झर के 20 गांव पानी से भरे हुए हैं। वहां से एक link channel जो निकालनी है उसका प्रोग्राम बन चुका है और estimate भी उसका 3 लाख का है लेकिन इन की demand है सिर्फ 28 हज़ार की। मैं समझता हूँ कि बजट के अन्दर यह एक मज़ाक है। P.W.D. मिनिस्टर उसी इलाके के रहने वाले हैं, अगर कोई ग़लती हो तो बतला दें और खुद मेहरबानी करके ज़रा इस बात पर रोशनी डाल दें। मैं उन्हें बतलाना चाहता हूँ और सरकार की वाकफियत के लिये यह बतला देना चाहता हूँ कि वहां पर इफरात से मज़दूर मिल सकते हैं, इसलिये काम जल्दी से जल्दी शुरू करना चाहिये और जो सहायता वहां से मिलती है उसे ले कर काम की तेज़ी बढ़ानी चाहिये। क्योंकि अगर इस वक्त काम न किया गया तो फिर बरसात आते ही सारा काम बन्द हो जाएगा। इसके बाद दूसरी बात रोहतक ज़िले में जुआं ड्रेन है जिससे रोहतक की तहसील खराब हो गयी, झज्झर की तहसील खराब हो गई। और बहादुरगढ़ का सारा थाना भी खराब हो गया है। जहां जहां यह जुआं ड्रेन है वहां पर खराबी हुई है और उससे बिजली के पावर स्टेशन को खतरा था और कई गांवों को खतरा था। जुआं ड्रेन के बारे में कहते हैं कि थर्ड प्लैन में आठ लाख रुपया रख दिया है लेकिन इस साल इस के लिये

[चौधरी लहरी सिंह]
एक पैसा भी नहीं रखा। इस वक्त ड्रेन नं० 8 सारे इलाके के लिये problem बनी हुई है। हमें खुशी है कि इस का पानी divert करके जमुना में डालने की स्कीम है लेकिन जहां इसके लिये सप्लीमेंट्री बजट में 6 लाख का एस्टीमेट था इस में कुछ भी नहीं रखा गया और इतनी लम्बी drain इतनी थोड़ी रकम में से पूरी नहीं हो सकेगी। मैं मिनिस्टर साहिब चौधरी सूरज मल और चीफ मिनिस्टर साहिब से अर्ज़ करूँगा कि drain नं० 8 को जल्द मुकम्मल किया जाए। जितना रुपया रखा गया है उस से यह मसला हल होने वाला नहीं। इलाका के लोग इतने नाराज़ हैं कि अगर उन की जायज़ demand को पूरा न किया गया और उन के खेतों को मोरी न दी गई तो उन्हें सम्भालना मुश्किल हो जाएगा।

दूसरे मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूँ कि इस बजट के अन्दर एक स्कीम एक साल रख दी जाती है और अगले साल उसी तरह से उस का ढांचा रख देते हैं। तीसरे साल फिर वही स्कीम बजट में आ जाती है। कई स्कीमें 1956-57 से बजट में चली आ रही हैं और आए साल बजट में आ जाती हैं। मिसाल के तौर पर Dobetta Construction है। इस में 3 लाख 17 हज़ार रुपया रखा गया है:

> "Constructing Dobetta Drain Estimated Cost—Rs. 3.04 lakhs. The drain is proposed to be constructed to avoid damage to property and crops by flood water for villages, Dobetta, Saragthal, Juli, Katwal, Rewar Rithal Anwali, This drain will start from Dobetta Jheel and the outfall is in West Juan Drain. This will benefit 266,000 acres of area in Rohtak District. It has been disigned for a runof 14 cs. per square mile and is proposed to be dug for 2 cs. per sq. mile of catchment area. The work is of essential nature......"

पिछले साल के बजट में यही अल्फाज़ थे, 1956 में यही थे, 1957 में यही थे, 1958 में यही थे, 1959-60 में भी यही थे और पिछले साल भी वही repeat किए गए थे। यही हाल घड़वाल drain का है। तीन साल से यह स्कीम चली आ रही है लेकिन जब देखो यह पता चलता है कि इस से पहले इस के बारे में सोचा ही नहीं था। इस किस्म की और भी drains हैं। मैं यह अर्ज़ करूँगा कि कम से कम बजट में यह तो ज़ाहर कर दें कि यह पहले साल भी थी, दूसरे साल भी हमारी ग़लती रही और हम नहीं कर सके। आए साल proposal दिखला देना और complete न करना यह बहुत बुरी बात है।

आखिर में मैं एक बार फिर दरखास्त करना चाहता हूँ कि हमारे इलाके के छोटे छोटे ज़मींदारों की आमदन का ज़रिया कोई नहीं है। अगर उन की यही हालत रही तो आगे elections आने वाले हैं और इसी तरह उन के घरों के सामने पानी खड़ा रहा और खेतों का बुरा हाल रहा तो वही हाल होगा जो 1946 की elections में हुआ था।

श्री रूप सिंह फूल (हमीरपुर, 'रिज़र्वड') : डिप्टी स्पीकर साहिब, घाटे का बजट काबिले तारीफ नहीं होता लेकिन जब कोई शख्स मजबूर हो और उसे ज़्यादा अख़राजात करने का सामना करना पड़े तो मजबूर हो कर उसे वह अख़राजात करने पड़ते हैं—

मजबूर बशर जब होता है तो दिल की हालत मत पूछो
जिस काम से उस को नफरत हो वह काम भी करना पड़ता है

जिन हालात से पंजाब स्टेट को या हमारे मुख्य मंत्री को दो चार होना पड़ा और जिन तहरीकों का उसे मुकाबला करना पड़ा उन को मद्देनज़र रखते हुए अगर मैं यह कह दूं कि बावजूद मुख्तलिफ

किस्म की तकलीफों और रुकावटों के The hon. Chief Minister has been able to carry the State to the unprecedented heights of achievements in various fields of developmental activities in their diverse forms and for that purpose, Mr. Deputy Speaker, Government has to present a deficit Budget for the reasons as explained above. मगर डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं यह अर्ज़ कर दूं कि जिन कलर्कों के सिर पर यह बजट बनाया गया है यानी तीसरी क्लास के सरकारी मुलाज़म जो रात दिन काम कर के Budget की compilation करते हैं उन की तनखाहों में कोई इज़ाफा नहीं किया गया हालांकि गवर्नमैंट ने दर्जा चार के मुलाज़मों की तनखाहों में इज़ाफा कर के काबिले तारीफ काम किया है। सदरे मोहतरिम, गवर्नमैण्ट ने एलान किया कि Police Commission कायम कर दिया है और मुझे इस बात का फख्र है कि मेरे ज़िले के श्री महाजन retired Chief Justice of India उस कमीशन के Chairman मुकर्रर किए गए हैं। मगर मुझे इस बात का खदशा है कि इस कमिशन की सिफारिशात को implement करने में नामालूम गवर्नमैंट कितनी देर लगा देगी। Police Constables की तनखाहों और फरायज़ का मुकाबला दूसरी services के साथ किया जाए तो पता चलेगा कि उन की तनखाहें बहुत कलील हैं। इस के मुतअल्लिक गवर्नमैण्ट को जल्द से जल्द बंदोबस्त करना चाहिये।

फिर, डिप्टी स्पीकर साहिब, गवर्नमैंट ने चंद पसमांदा जातियां करार दी हैं मगर उन को पसमांदा करार देने की जो प्रणाली है वह मेरी समझ में नहीं आई। गद्दी कौम है जिन को Scheduled Tribes में शामिल करना चाहिये था मगर अभी तक वह जाति पसमांदा जातियों में शामिल नहीं हुई। वे लोग भेड़ बकरियां चराने का काम करते हैं और पहाड़ों में रहते हैं। उन की तरफ से बार २ दरखास्तें गुज़ारी गईं मगर उन्हें पसमांदा जातियों के ज़ुमरे में शामिल नहीं किया गया और न ही उन्हें वह रियायतें दी गई हैं जो पसमांदा जातियों को मिलती हैं। यह बहुत भारी कमी है। डिप्टी स्पीकर साहिब, आप देखते हैं कि हरिजनों के उद्धार के लिये काफी कुछ किया जा रहा है लेकिन अगर Block Development Scheme को देखें तो हरिजन उद्धार के लिये कोई रकम मखसूस नहीं की गई हालांकि ऐसा होना बहुत ज़रूरी है। गवर्नमैंट की यह policy है कि पसमांदा इलाकों और जातियों को उन्नति के रास्ते पर लाया जाए और हर शोहबाये ज़िन्दगी में तरक्की-याफ्ता जातियों के हम पहलू बिठाया जाए। आप किसी Development Block का काम देखें और उन के हिसाब किताब की पड़ताल करें तो पता लगेगा कि हरिजनों के लिये कोई रकम मखसूस नहीं की गई। हरिजनों के लिये colonies बनाने की स्कीम है। Harijan Welfare Board द्वारा Government से दरखास्त की गई है कि जहां 2 हरिजन बैठे हुए हैं उन गांवों में उन्हें ज़मीन दे दी जाए लेकिन अभी तक इस पर ग़ौर नहीं हुआ।

इस के अलावा, डिप्टी स्पीकर साहिब, पहाड़ का इलाका पंजाब में कितना फैला हुआ है। एक तरफ ज़िला कांगड़ा और कंडा घाट है और दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश लगता है। एक वक्त था कि हिमाचल प्रदेश ज़िला कांगड़ा के इलाके के मुकाबले में कम तरक्की-याफ्ता था लेकिन आज यह हालत है कि ज़िला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश से तरक्की में कोसों दूर है। इस का

[श्री रूप सिंह फूल]
कारण यह है कि सरकार की तरफ से पहाड़ी इलाकों की development के लिये इस कदर रक्म नहीं दी जाती जितनी कि दी जानी चाहिये। हिमाचल प्रदेश में सैंकड़ों मील सड़कें पुख्ता बन गई हैं। हमीरपुर तहसील इस के साथ लगती है। गो हमारे लोक कार्य मंत्री चौधरी सूरज मल और नायब वज़ीर श्री तालब साहिब हमारे इलाके में गये और उन के जाने से हमारे इलाके के लोगों पर काफी अच्छा असर पड़ा लेकिन उस तहसील में एक इंच भी सड़क अभी तक पुख्ता नहीं हुई। जब वे जाते हैं तो पब्लिक को ज़रूर कुछ एहसास होता है कि शायद उस इलाके की development करने का गवर्नमैण्ट के दिल में ख्याल है। हिमाचल प्रदेश के साथ जितनी सड़कें लगती हैं उन का पंजाब स्टेट को ख्याल रखना चाहिये कि वह जल्दी से जल्दी पुख्ता हो जाएं ताकि पब्लिक के दिल में यह ख्याल पैदा न हो कि पंजाब स्टेट में हिमाचल प्रदेश के मुकाबले में हमारा कम ख्याल किया जा रहा है।

डिप्टी स्पीकर साहिब, मेरे मुअज़िज़ दोस्त ने Waterlogging के मुतअल्लिक ज़िक्र किया। यह दुरुस्त है कि उन्हें वहां बहुत तकलीफ का सामना करना पड़ता है। मैं गवर्नमैंट का ध्यान ज़िला कांगड़ा की तरफ दिलाना चाहता हूँ। Erosion की रोक थाम के लिये गवर्नमैंट ने जितना रुपया दिया है वह नाक़ाफी है। ज़िला काँगड़ा में बहुत से घास फूस के मकान होते हैं और सैंकड़ों मकान आग की नज़र हो जाते हैं। तहसील ऊना में भी यही हालत है। सरकार ने इस के लिये कोई रक्म मख्सूस नहीं की। Red Cross Fund के मुतअल्लिक एक बात बताना चाहता हूँ। चार साल पहले एक गांव में मकान जल गया। लोगों ने दरखास्तें दी। तीन चार साल के बाद फैसला हुआ कि 25 रुपए दे दिए जाएं। मैं कहूँगा कि Relief delayed is relief denied. अगर किसी आदमी का सारा मकान जल जाए तो 25 रुपए relief के तौर पर देने का क्या मतलब। इसलिये, मैं अर्ज़ करूँगा कि आग की वजह से या ज़्यादा बारिश की वजह से जो नुक्सान होता है उन के लिये बजट में खास रक्म मुहैया की जाए और इस रक्म की allocation tehsil-wise की जानी चाहिये।

इस के अलावा, डिप्टी स्पीकर साहिब, गवर्नमैंट की यह पालिसी है और अभी २ असैम्बली में एक सवाल के जवाब में बताया गया था कि खाविंद और बीवी अगर Government service में हों तो उन्हें एक मकाम पर post किया जाए लेकिन इस पालिसी पर अमल नहीं किया जा रहा। हमीरपुर में एक Headmaster है। उस की धर्मपत्नि Headmistress है और वह एक बहुत दूर मकाम पर post हुई हुई है। मैं समझता हूँ कि जब गवर्नमैंट एक पालिसी का एलान करती है तो उस का फर्ज़ हो जाता है कि वह उस पर कारबंद रहे। अगर उधेड़ उम्र के बीवी और खावंद अलहदा २ रहें तो कोई खास बात नहीं लेकिन newly married couple को एक दूसरे से जुदा रख कर उन्हें क्यों तड़पाया जाता है। इस से साफ ज़ाहिर होता है कि हकूमत की जो instructions होती हैं उन पर सख्ती से अमल दरमद नहीं किया जाता। हकूमत ने instructions दी हैं कि उसी तहसील के जो छोटे मुलाज़मीन हैं, जो मुख्तलिफ महकमों में काम करते हैं उन को वहीं पर लगाया जाए। लेकिन यह instructions केवल paper पर ही हैं इन पर अमल नहीं किया

जाता । कांगड़े के constables और Head constables बाहर भेज दिए गए हैं जिन की तादाद 50 के लग भग होगी । उन की सारी उमर कांगड़े में service करते गुज़री है । अब बुढ़ापा आया है तो किसी को गुरदासपुर और किसी को जालंधर भेज दिया गया है । बारहा उन के बारे में कहा गया है कि उन को वापस अपने इलाके में भेज दिया जाए । गवर्नमैंट ने as a policy इस बात को मान लिया है कि उन को वापस भेज देना चाहिये लेकिन इस बात पर अमल नहीं हो रहा । एक और बड़ी ज़रूरी बात ज़िला कांगड़ा के बारे में मैं कहना चाहता हूँ । वह मरला टेक्स के बारे में है । इस पर काफी चेमेगोइयां हुई हैं । अगर बाकी इज़ला के साथ कांगड़ा का मुकाबला किया जा ए तो उस की per capita आमदनी बहुत कम है । ज़िला कांगड़ा economically at the lowest eblb है लेकिन जो शरह टेक्स पंजाब में है वही शरह मरला टेक्स की कांगड़ा में भी आयद कर दी है । मुख्तलिफ पार्टियों की तरफ से हकूमत के पास यह अर्ज़दाश्तें भेजी गई हैं, representations हुए हैं कि ज़िला कांगड़ा को मरला टेक्स से मुस्तसना किया जाए और अगर यह बात मुमकिन नहीं तो कम से कम जो मरला टेक्स की शरह है उस को बिलकुल कम कर दिया जाए और वह भी सिर्फ शहरों में ही लगाया जाए छोटे छोटे गांवों में ग़रीब जनता पर उसे नहीं लगाया जाना चाहिये । मैं समझता हूँ कि यह बहुत ज़रूरी है । मुझे आशा है कि हकूमत यह कदम उठा कर ज़िला कांगड़ा के ऊपर यह एहसान ज़रूर करेगी । इस से आगे मैं आप की इजाज़त से भाकड़ा डैम की तरफ अपनी हकूमत की तवज्जुह दिलाना चाहता हूँ । जिस जगह पर भाकड़ा डैम बन रहा है उस गोबिंद सागर का दायां किनारा मेरी Constituency हमीरपुर तहसील में है और उस का दूसरा किनारा बिलासपुर स्टेट, हिमाचल प्रदेश में है । जब भाकड़ा डैम बनाया गया तो मेरी Constituency में से हज़ारों लोग उजड़ कर चले गए । वे समझते थे कि बड़े फायदे के लिये छोटे फायदे की परवाह नहीं करनी चाहिये । मैं वही शब्द अब भी दोहराना चाहता हूँ जो कि मैं ने पिछले साल कहे थे कि हम लोगों ने अपनी मृत्यु स्वीकार कर के भारतवर्ष के दूसरे हिस्सों को जीवन प्रदान किया है । लेकिन मेरी constituency का वह कोसरी गांव जो कि गोबिंद सागर का एक हिस्सा था और जिस जगह पर भाखड़ा डैम बना है हम से छीन कर ज़िला होशियारपुर में मिला दिया गया है । मैं पूछता हूँ कि क्या हम पहाड़ी लोगों के साथ यह बेइनसाफी नहीं है । हम ने इस के लिये बीसियों तकलीफें उठाई । लेकिन जब वह वक्त आया कि ज़िला कांगड़ा का नाम रौशन होता तो उस गांव को छीन कर दूसरे ज़िले के साथ मिला दिया गया है । मुझे मालूम नहीं है कि इस बात में क्या मसलहत थी । मैं कहना चाहता हूँ कि उस गांव को फिर हमें वापस दे दिया जाए ताकि हमारे लोगों की दिल शिकनी न हो । डिप्टी स्पीकर साहिब, आप जानते ही होंगे कि अब पोंग डैम बन रहा है । वहां से 119 गांव उजाड़े जाएंगे । वह इलाका ज़िला कांगड़ा का सब से ज़्यादा उपजाऊ इलाका है । जो लोग वहां से उजाड़ें जाएंगे अगर उन को फौरन ही बसाने का इन्तज़ाम न हुआ तो ठीक नहीं होगा । यह तो मैं मानता हूँ कि इस काम में एक दो साल तो लग ही जायेंगे लेकिन इस बात का पता नहीं है कि उन लोगों को उठा कर कहां पर फैंक दिया जाएगा । मैं डरता हूँ कि कहीं उन को जुदा जुदा इलाकों में जिन के रस्मोरिवाज उन के रस्मोरिवाज से मिलते जुलते न हों, जिन का खाना

[श्री रूप सिंह फूल]
पीना और पहरावा उन से न मिलता हो, में न बसा दिया जाए। उन को खास तौर पर पहाड़ी इलाकों में बसाने की कोशिश की जानी चाहिये।

डिप्टी स्पीकर साहिब, यह कहा जाता है कि ज़िला कांगड़ा को स्विटज़रलैंड बना दिया जाएगा और Tourism के लिये, काफी रकम रखी गई है। लेकिन अगर आप वहां पर तशरीफ ले जाएं तो आप को मालूम होगा कि वहां पर रिहायश का खातरखाह बंदोबस्त नहीं है। अमीरों के लिये फिर भी थोड़ा बहुत इंतज़ाम है क्योंकि वे पैसे खर्च कर सकते हैं लेकिन जिन लोगों की आमदनी कम है और जो पैसा खर्च नहीं कर सकते उन के लिये वहां रहने का कोई इन्तजाम नहीं है। इस का मतलब यह होगा कि हकूमत को जो आमदनी tourism से होनी है वह नहीं होगी। जो लोग वहां जाएंगे और उन की रिहायश का खातरखाह बंदोबस्त नहीं होगा तो वे वापस आ कर दूसरे लोगों में प्रचार करेंगे कि वहां क्यों जाएं, वहां पर खाने पीने, रिहायश की या दीगर सहूलतें नहीं हैं। ज़िला कांगड़ा में बहुत से मकाम इस मतलब के लिये चुने गए हैं। मसलन सुजानपुर, धर्मसाला, बैजनाथ नादौन और कुल्लू ऐसे मकाम हैं जहां पर Tourists जा सकते हैं लेकिन वहां पर किसी मकाम पर एक भी बंगला उन के रहने के लिये नहीं बनाया गया। यह बात हकूमत के काबले तवज्जुह है।

ज़िला कांगड़ा में कितने स्कूल ऐसे हैं जिन की इमारतें काबले मुरम्मत हैं। बीसियों पटवार खाने ऐसे हैं जिन की इमारतें काबले मुरम्मत हैं। मुरम्मत के लिये कम रकम मखसूस की जाती है और जो की भी जाती है वह साल के आखिर में दी जाती है। Special Development Fund में से सड़कें बनाने के लिये ज़िला कांगड़ा में एक रकम जनवरी के आखिर में पंचायतों को मिली। 24, 25 जनवरी को इत्तलाह जाती है कि पंचायतें इस fund से काम शुरू कर दें। तीसरे दिन फिर चिट्ठी जाती है कि कामों के completion certificates भेज दिए जाएं। अब आप मुझे बताएं कि वह कौन सा रास्ता है जिस से किसी गांव में तीन दिन के अंदर अंदर हज़ारों रुपए क खर्च की सड़क बनाई जा सकती है ? दूसरे मानों में जो रिपोर्ट की जाए वह झूठी की जाए। इस लिये यह जो रुपए ऐसे कामों के लिये मखसूस किए जाते हैं यह शुरू साल में ही दिये जाने चाहिएं।

कांगड़ा में बहुत सी नई सड़कें बनाई गई हैं। P.W.D. वाले जानते हैं कि पहाड़ में नई सड़क बनाना आसान काम नहीं है। काफी से ज़्यादा नई सड़कें बनाई गई हैं लेकिन एक बार तो सड़क बना दी जाती है बाद में वह ज़्यादा बारिश की वजह से ख़राब हो जाती है। बारहा हकूमत से दरखास्त की गई है कि जो सड़क नई बनाई जाती है, चाहे वे पचास फी सदी लोगों की हिम्मत से ही बनाई गई हो जब वह मुकम्मल हो जाए तो उस की मुरम्मत के लिये रुपया दिया जाए और वहां पर एक gang मुकर्रर कर दी जाए जो कि उस सड़क की maintenance कर सके ताकि जो सड़क इस साल बनाई गई वह अगले साल ही न टूट जाए। लेकिन इस तरफ कोई कदम नहीं उठाया गया। इस काम के लिये पंचायतों को fund दिये जाएं।

एक बात मैं और आप के नोटिस में लाना चाहता हूं वह यह है कि हकूमत ने यह बात पालिसी के तौर पर मानी थी कि ज़िला कांगड़ा में टीचर्ज़ और डिवल्पमेंट डिपार्टमैंट के कर्मचारी मसलन ग्राम सेवक आदि ऐसे लगाए जाएं जो कि पहाड़ी ज़बान जानते हों। लेकिन

उस इलाका में वे लोग लगाए जाते हैं जो कि या तो हरियानवी होते हैं या मैदानी इलाकों के रहने वाले हैं। कांगड़े और कुल्लू के रहने वाले लोग तो पंजाब के मैदानों में लगा दिये जाते हैं लेकिन जो इधर के रहने वाले हैं और जिन को पहाड़ी ज़बान नहीं आती उन को कांगड़ा और कुल्लू के इलाकों में लगा दिया जाता है। उन के बारे में कई मन-घड़ंत कहानियां मशहूर हैं कि वे पहाड़ी लोगों से डरते हैं नदी नालों से डरते हैं। यहां के लोग उस खूबी से काम वहां पर नहीं कर सकते जिस से कि वे यहां पर कर सकते हैं। इस लिये मेरी अर्ज़ है कि पहाड़ के जो लोग trained teachers हैं, या डिवल्पमैंट के कर्मचारी हैं उन को वहीं पर ही लगाया जाना चाहिये। हां अगर वहां की ज़रूरत से ज़्यादा हों तो बेशक इस इलाका में उन को लगा दिया जाए।

इस से आगे मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि Family Planning सारे देश का मसला है। वैसे तो यह लेडी मैम्बर्ज़ का मसला है उन को छेड़ना चाहिये। लेकिन मैं भी यह कहना चाहता हू कि बढ़ती हुई बेकारी मुसीबत बनी हुई है। जब तक आप Family Planning को कामयाब नहीं बनाओगे तब तक आप कोई तरक्की नहीं कर सकते चाहे आप कितनी ही स्कीमें बनाएं। इस के लिये एक तो यह होना चाहिये कि जब तक लड़की की उम्र बीस साल न हो जाए उस वक्त तक उस की शादी नहीं होनी चाहिये। दूसरी बात यह होनी चाहिये कि abortion should not be held an offence.

एक बात पुलिस के मुतअल्लिक अर्ज़ करना चाहता हूं। आज हिन्दुस्तान आज़ाद है और पंजाब किसी विदेशी हकूमत का गुलाम नहीं है। मैं अर्ज़ करता हूं कि दफा 109 ज़ाबता फौजदारी दर असल अंग्रेज़ों ने अपने बचाव के लिये बनाई थी लेकिन Police Department इस का अभी तक misuse कर रहा है। Section 109 read with Section 55 of the Criminal Procedure Code के provisions को बिल्कुल misuse किया जाता है। पुलिस अफसरों ने अपने पास एक कहानी बनाने का यह तरीका रखा हुआ है। अगर कोई भूला भटका रात के वक्त जंगल में से होता हुआ घर को जा रहा होता है तो पुलिस वाले उसको पकड़ कर ले जाते हैं और कहानी यह बना ली जाती है कि इसे हमने torch की रौशनी में देखा, वह भागा जा रहा था। नाम ग़लत बताया इस पर चोरी का शुबा हुआ कि कोई संगीन जुर्म करने वाला था। तो 109 लग जाती है। इसलिये सरकार को चाहिये कि police वालों को बाकायदा तौर पर instructions दें कि दफा 109 ज़ाबता फौजदारी का ग़लत इस्तेमाल न करें। पहले मैं दफा 27 I.E. Act की बाबत अर्ज़ कर चुका हूं कि किस तरह उसके provision का भी ग़लत तौर पर इस्तेमाल होता है।

जहां तक सनअती फरोग का ताल्लुक है अगर ज़िला कांगड़ा का पंजाब स्टेट के साथ मुकाबला किया जाए तो वहां पर अभी तक कोई सनअत नहीं जारी की गई, कोई सनअती अदारा नहीं और न ही उन गरीबों के लिये अभी तक कोई ऐसा बन्दोबस्त हुआ है। मैं हकूमत के पास दरखास्त करूंगा कि paper industry यानी news-print factory और cement factory जिस का कि तीसरी पांच साला प्लान में ज़िक्र आया है वह ज़रूरी तौर पर इस plan के दौरान ज़िला कांगड़ा में लगाई जाएं।

[श्री रूप सिंह फूल]

अब मैं आप की इजाज़त से मेम्बर साहिबान की इत्तलाह के लिये अर्ज़ करता हूं कि पंजाब स्टेट sports में हिन्दुस्तान भर में सब से आगे है। और मैं यह फ़ख्रिया कह सकता हू कि ज़िला कांगड़ा एक 'वीर भूमि' है। जहां तक फौजी खिदमात का ताल्लुक है कोई ज़िला पंजाब में ज़िला कांगड़ा का मुकाबला नहीं कर सकता। मेरी constituency ने दो Victoria Cross winner पैदा किए हैं। और कोई साथी खड़ा होकर नहीं कह सकता कि उसकी तहसील ने इतने बहादुर आदमियों को पैदा किया हो। इसके अलावा जहां तक sports का ताल्लुक है हमारी तहसील हमीरपुर को ही यह नाज़ है कि उसने सूबेदार महन्त राम पैदा किया जिसने 31 साल फौज में हाकी खेली और जिसने मशहूरे ज़मां हाकी player ध्यान चन्द की टीम को शिकस्त दी और जो India को बाहर जा कर represent करते रहे। इसके अलावा boxing, फुटबाल, 26 मील की लम्बी दौड़ और दूसरे events में represent करने का और positions हासिल करने का मान भी हमीरपुर तहसील को हासिल हुआ है। (घंटी) Playgrounds और दूसरी चीज़ों के लिये दूसरे ज़िलों को काफी रुपया दिया गया है मगर इस ज़िला की तरफ ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। इसलिये मैं अर्ज़ करता हूँ कि एक sports स्कूल ज़िला कांगड़ा को दे दिया जाए और एक सैनिक स्कूल भी जिसकी बाबत ज़िक्र किया गया कि जालन्धर डिविज़न में खोलना है, ज़िला कांगड़ा को दिया जाए ताकि वहां के लोग यह समझ सकें कि आज हमारी अपनी सरकार है—हम ग़ैरों के ग़ुलाम नहीं। जैसे भर्ती देने की वजह से अंग्रेज़ों ने हमारे ज़िले को पीछे रखा, हम नहीं समझते कि हमारी अपनी सरकार भी हमारे साथ वैसा ही सलूक करेगी जैसा कि अंग्रेज़ करते थे ताकि हम भर्ती के लिये बली का बकरा न बनते रहें और तरक्की के मैदान में हम पंजाब से पीछे रह जाएं। जय हिन्द।

श्री शेर सिंह (झज्जर) : उपाध्यक्ष महोदय, हम जिस भवन में बैठे हैं आज उस का ज़िक्र हो रहा था कि शायद मुग़लिया खानदान के अय्याश लोगों ने भी ऐसी इमारतें, जिन पर बेतहाशा खर्च हुआ हो, नहीं बनाईं। लेकिन इस भवन को एक करोड़ 14 लाख रुपए की लागत से बनाया जा रहा है जिसमें न कोई रास्ता नज़र आता है और न ही जिस में बहुत सारी काम की चीज़ें ही हैं। तो आप अन्दाज़ा लगाए कि इस administration में कितनी भारी wastage हो रही है। Economy की तरफ कोई कदम नहीं उठाया जा रहा और बेहूदा और फ़ज़ूल चीज़ों के ऊपर खामखाह ज्यादा खर्च किया जा रहा है। चाहिए तो यह था कि जो स्कीम आए, उसके estimates बनें तो जो उनमें savings करके दिखाएं—5, 4 या 3 per cent saving करके दिखाएं उसको इनाम दिए जाएं, encourage करें ताकि पैसा बचे और ग़रीब लोगों की जेबों से और पैसा खेंचने के लिये additional taxes न लगाने पड़ें। ऐसे आदमियों को इनाम दिए जाते जो कि खर्च को कम करने के यत्न करते तो बड़ी अच्छी बात थी लेकिन इनाम मिलते हैं उन को जो लोगों को सड़कों पर नँगा करके पीटते हैं। D.I.G. राम सिंह जैसे लोगों को हमारी सरकार राष्ट्रपति के पास recommend करती है, और उनको मैडल मिलते हैं। अगर वाकई यह एक developing state है तो सरकार को इस बात की तरफ ध्यान देना चाहिये

और खास तौर पर ध्यान देना चाहिये कि जो लोग अच्छा काम करें, खर्च में economy करें, savings करें उन को इनाम दिया जाएं ताकि लोगों पर जो टैक्सों का बोझ बढ़ता जा रहा है वह कम हो ।

एक बात और है जिस की तरफ मेरे साथी आनरेबल चौधरी लहरी सिंह ने ध्यान दिलाया है । मैं ज़्यादा नहीं कहना चाहता लेकिन आप को पता है कि drain No. 8 का बड़ा तज़करा हुआ है । इस सम्बन्ध में हमारी सरकार बड़ी आहिस्ता २ चल रही है—खास serious नहीं है । अगर यही हालात जारी रहे और अगर अगले साल बारिश ज़्यादा हो गई तो इससे भी ज़्यादा floods आएंगे और इससे भी ज़्यादा तबाही होगी । अभी तो गांव पिछले पानी में ही डूबे हुए हैं, पानी अभी तक सूखा नहीं । इस हालत में बारिश होने से अगर और पानी वहां आ गया तो आप भली प्रकार अन्दाज़ा लगा सकते हैं कि उस इलाके का और वहां के लोगों का क्या हाल होगा । इस सम्बन्ध में मैं सरकार का ध्यान एक बहुत ज़रूरी बात की तरफ दिलाना चाहता हूँ । हमारी सरकार उस इलाके में एक एक मन, डेढ़-डेढ़ मन अनाज लोगों में बांट रही है । पांच एकड़ से कम के जो मालिकान हैं उनको और कुछ हरिजनों को भी एक एक मन डेढ़-डेढ़ मन अनाज सरकार की तरफ से तकसीम किया जा रहा है । लेकिन सरकार इस बात को भूल जाती है कि वह इस तरह करके उन पर कोई एहसान नहीं कर रही । यह जो खैरात तकसीम करने का तरीका है इसका बहुत भारी चर्चा लोगों में हो रहा है । लोग कह रहे हैं कि क्या यह भी कोई बात है कि पहले तो हमारा नुक्सान किया जाए और फिर खैरात तक्सीम करके एक एक मन दानों के लिये हमें भिखारी के तौर पर घुमाया जाए । अवस्था यह है कि इस स्थिति में सरकार को जो कुछ करना चाहिये था, वह नहीं कर रही है । Drain नम्बर 8 के पानी ने जिन जिन गांवों और खेतों को डुबोया है, उन लोगों का हक है कि वह सरकार से compensation लें । यह एक कानूनी बात है, मैं यूं ही बात नहीं करता । उनका यह कानूनी हक कैसे बनता है वह मैं आप के द्वारा निवेदन करना चाहता हूँ । Drain नम्बर 8 से जिन खेतों के अन्दर पानी पहुँचा सरकार ने 1959 में उन खेतों के ऊपर आबियाना चार्ज किया । सिर्फ आबयिाना ही लिया जा रहा हो, यह बात नहीं । उन ज़मीनों पर सरकार water advantage rate भी लेती है जो ज़मीनें नहरी पानी से सैराब होती हैं । Drain No. 8 जो चार पांच साल से खेतों को लगातार नुक्सान पहुँचा रही है, गांव को पानी में डुबो रही है, बरबाद कर रही है उसमें से अगर एक साल कम बारिश होने के कारण खेतों को पानी लग जाए तो सरकार water advantage rate भी charge करती है । डिप्टी स्पीकर साहिब, आप की जानकारी के लिये मैं ये कुछ पर्चियां Table पर रख रहा हूँ जिन में "राउनी साबका" वसूल की गई दिखाई गई है । जिस ज़मीन में जवार और बाजरा बोया गया और पानी से वह फसल भी बरबाद हो गई, उसके अन्दर अगर चना बोया गया तो उस पर 'राउनी साबका' ली गई, water advantage rate और आबियाना भी लिया गया । जब एक drain को नहर मानकर बाकायदा तौर पर आबियाना लिया गया, water advantage rate चार्ज किया गया और "राउनी साबका" भी ली गई तो उसके बाद उस नहर से कोई इलाका डूब जाता है, खेत बरबाद हो जाते

[श्री शेर सिंह]

हैं तो उस नुक्सान की सारी जिम्मेदारी सरकार पर आ जाती है। अगर कोई नहर टूट जाए, उसक पानी से इलाका बरबाद हो जाए, फसल तबाह हो जाए, गांव डूब जाएं तो सरकार का कानूनी फर्ज़ है—मैं कोई moral duty नहीं कहता, यह तो legal duty है कि सरकार उन को compensate करे। इस drain का आबियाना charge किया है, साबका राउनी ली है और फिर भी सरकार प्रचार करती है कि हम अनाज बांट रहे हैं, relief दे रहे हैं। अगर यह उन पर एहसान नहीं है। वह लोग अच्छी हालत में नहीं वरना यह सरकार पर मुकद्दमा चलाते। अभी पिछले साल सरकार ने एक scheme बनाई कि ग़रीबों को मुफ्त वकील देने का इन्तज़ाम करेंगे। मैं इन से कहना चाहता हूँ कि अगर यह ईमानदारी से इस पर अमल करना चाहते हैं तो यह मौका है इन तबाह हाल लोगों की मदद का। वह पानी में डूबे हुए हैं, पहली फसल मारी गई, अगली बोई नहीं जा सकती। इन लोगों को मुकद्दमे करने के लिये legal aid दी जाए फिर वह चाहे मुकद्दमे सरकार के खिलाफ ही क्यों न चलाएं। अगर सरकार इन लोगों को इस वक्त इस काम के लिये मदद देगी तो यह सरकार की दियानतदारी होगी।

6-00 p.m.

नहर के महकमे का मैं थोड़ा सा और ज़िक्र कर दूं। हरियाने के लिये एक Gurgaon Tunnel scheme बनाई गई थी मगर अब पता नहीं वह कहां चली गई है। अब कई सालों से Gurgaon Project का ज़िक्र किया जाता है। चौधरी लहरी सिंह जी ने भी कहा था कि इस का ज़िक्र चलते हुए 6 साल हो गए हैं, कभी कहते हैं ज़मीन ले रहे हैं, कभी कहते हैं estimate भेजा हुआ है मगर अवस्था यह है कि एक कदम भी नहीं उठाया गया, एक फुट मिट्टी भी नहीं डाली गई। एक रिवाड़ी स्कीम है। उस का ज़िक्र होते हुए भी तीन साल हो गए हैं, 47 लाख रुपया मन्ज़ूर हो चुका है, Central Water and Power Commission से उस की मन्ज़ूरी भी हो चुकी है, Central Government के वज़ीर आ कर उद्घाटन भी कर गए हैं और अब जो बजट आप के सामने है उस में बताया गया है कि scheme ही बदल दी गई है, नई स्कीम बना रहे हैं। लिखा है :

> "With the above in view and assuming that the project shall be received duly sanctioned in one form or the other during this year, the initial formalities shall be gone through to a large extent during this year and thus it shall be possible to embark upon actual execution during next year. For that a provsion of Rs. 38 lakhs has been made, and that too on the condition that revised project is sanctioned during this year................."

जब ढाई, तीन साल पहले Centre के वज़ीर उस का उद्घाटन करने आए थे तो एक बड़ा जलसा हुआ था और उन्हों ने लोगों को यकीन दिलाया था कि यह काम होगा। अब कह रहे हैं कि revised scheme भेजी है और काफी देर से इस की formalities हो पूरी की जा रही हैं। यह हरियाने के इलाके से इनसाफ कर रहे हैं। पिछले दिनों रोहतक में, दिल्ली को पानी देने पर जब कि हरियाने के खेत सूख रहे हैं, Irrigation Minister साहिब का चौधरी लहरी सिंह जी से झगड़ा हो गया। अब सरकार ने बजट में बताया है कि यह Jamuna feeder बना रही है। यह पुरानी स्कीम है मगर चूंकि Indus Basin

water का मामला world bank के पास था इस लिये कुछ न हो सका। अब फैसला हो गया है और तीन पूर्वी दरिया हमारे हिस्से में आ गए हैं। सरहिन्द feeder बन चुका है। कुछ पानी Western Jamuna Canal में डालना है, मूनक link के जरिये इस बारे कोई कार्यवाही नहीं की गई। अब कुछ ज़िक्र किया है कि क्योंकि दिल्ली और हरियाने में पानी की बड़ी मांग है अब link बनाने के बारे में सोचेंगे। पानी मिल रहा है सरहिन्द feeder तैयार है, भाखड़ा डैम का पानी मिलता है, मगर link तैयार नहीं जिस से कि २,५०० cusecs पानी मिल सकता है, वहां का water allowance बढ़ सकता है, रिवाड़ी के इलाके को पानी मिल सकता है। खर्च Central Government ने देना है, मगर कार्यवाही कुछ नहीं तो गुड़गांव और रिवाड़ी को यह पानी कहां से देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाने से जिन बातों में अन्याय हुआ है वह बातें तो बहुत हैं मगर इतना समय नहीं कि सब का ज़िक्र कर सकूं। आप के सामने ज़िक्र हुआ कि पंजाबी यूनिवर्सिटी बन रही है। उस बारे में Commission की report अभी हमारे सामने आई नहीं मगर उस की implementation का सवाल खड़ा हो गया है। एक और university है, उसे बने हुए चार साल हो गए हैं मगर आज वहां केवल 10 लड़के पढ़ने वाले हैं। यह अवस्था कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की इन्हों ने बना रखी है, उस पर कोई पैसा खर्च नहीं किया और ऐसे आदमी वहां बैठाए हैं जिन का university से दूर का वास्ता नहीं। जो संस्कृत भाषा जानते नहीं। दस बच्चे वहां पर बैठाए हुए हैं.... (*Interruptions*) यह अवस्था बना रखी है इन्होंने, कोई faculty नहीं, कुछ नहीं बनाया वहां। (*Interruptions*) अब Agriculture University लुध्याना में बना रहे हैं और इस बहाने से package programme का जो 9 करोड़ रुपया है वह भी वहीं खर्च करना है, यह कह कर कि research का काम नजदीक ही हो रहा है। हम यह जानते हैं कि लुध्याना में एक इंच ज़मीन भी donate नहीं हुई लेकिन उसके बरअक्स झज्जर में Agriculture University बनाने के लिये दो हज़ार बीघा ज़मीन donate हुई है। लेकिन वहां नहीं बनाई। फिर हिसार के लिये कहा गया कि वहां पर हो बनाइए, लेकिन वहां भी नहीं बनाई गई और कहा गया कि चूंकि लुध्याना में Agriculture College बनाया गया है इस लिये अब Agriculture University लुध्याना में बनेगी और वहां के लिये ही Package Programme बन रहा है।

मैं अब cotton के बारे में यह कहना चाहता हूँ कि जहां पर हांसी, बठिण्डा, सिरसा की cotton सारे हिन्दुस्तान में मशहूर थी वहां अब 4,5 साल के अन्दर यह अवस्था हो गई है कि और जगह के मिलों को तो जाने दीजिए पंजाब के Textile Mills वाले भी यही कहने लगे हैं कि पंजाब की cotton ठीक नहीं है और उन्होंने बाहर से cotton मंगवानी शुरू कर दी है। चाहिये तो सरकार को यह था कि वहां पर research का काम खोल कर cotton की quality को improve किया जाता लेकिन research का काम शुरू किया जा रहा है लुध्याना में जब कि cotton पैदा होती है हांसी, बठिंडा और सिरसा में। मेरा कहना यह है कि जो चीज़ जहां पैदा होती है उसके लिये Package Programme उसी क्षेत्र में होना चाहिये। इसलिये cotton के लिये research

[श्री शेर सिंह]
का काम सिरसा में और oil seeds का काम गुड़गांव में, व sugar cane Package Programme रोहतक और पानीपत में होना चाहिये । लेकिन हमारी सरकार ने यह तहैया किया हुआ है कि चाहे cotton के लिये बढ़िया ज़मीन बेशक हरियाना में हो लेकिन research का फायदा वहां नहीं पहुँचना चाहिये । वह तो सिर्फ जालंधर डिवीज़न या पंजाबी रीजन में ही खपाना है । और Agriculture के लिये जो रुपया लुध्याना के लिये खर्च किया जा रहा है वह इसलिये जायज़ नहीं है क्योंकि मैं समझता हूँ कि पंजाब में हरियाना खेती के लिहाज़ से सबसे पीछे होगा । हरियाना के अन्दर न तो कोई Engineering College है और न Medical College । हां, अब Medical College की बात चीत चल रही है लेकिन मुझे अंदेशा है कि रेवाड़ी की स्कीम की तरह ही formality में ही यह भी स्कीम पड़ी रहेगी । अब एक सैनिक स्कूल की बात चल रही है कि झज्जर में एक सैनिक स्कूल खोला जाएगा लेकिन उस की भी बात मैं बतला दूं कि उस के लिये यह शर्त रखी जा रही है कि 100 एकड़ ज़मीन और 4 लाख रुपया वहां से इकट्ठा हो जब कि इसके मुकाबिले में जब नाभा में सैनिक स्कूल खोला गया तो ऐसी कोई मांग नहीं की गई थी । अब इसका नतीजा क्या होगा कि वहां के लोग तो पहले ही water logging के सताए हुए हैं वह न 4 लाख रुपया इकट्ठा कर पाएंगे, न वह स्कूल सिरे चढ़ेगा । और फिर जैसा कि कहा गया है कि अगर यहां इतना रुपया इकट्ठा न हुआ तो फिर यह स्कूल कपूरथले में खोला जाएगा ।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं अब services के बारे में कहना चाहता हूँ । यहां पर कहा यह जाता है कि हमने services में हरियाना को भी represent अच्छी तरह से किया है लेकिन मैं अम्बाला पुलिस range की बात करता हूँ कि 120 थानेदारों में से हरियाना के सिर्फ 18 हैं बाकी 102 पंजाबी रीजन के हैं । यह है बराबरी इनकी । यही नहीं आप Gazetted officers के बारे में भी देखें तो पता चलता है कि 5 फीसदी से ज्यादा अफसर हरियाना के नहीं हैं और 14 या 15 Secretaries में से तो एक भी Secretary हरियाने का नहीं है । और इसी तरह से हैरानी होती है कि जब गवर्नमैंट हाई कोर्ट के Judges के लिये नाम भेजती है तो उसे हरियाने की 60 लाख आबादी में से कोई आदमी नहीं मिलता जिसका नाम ऊपर भेजा जा सके । जब कि वहां पर भी इतने अच्छे अच्छे lawyers हैं जो जज बनाए जा सकते हैं ।

अब मैं B.D.Os. की बात करना चाहता हूँ कि 40 B.D.Os. में से सिर्फ 3 B.D.O. हरियाना से लिये गए हैं । और अब बाकी नौकरियों के लिये यह कर दिया गया है कि गुरमुखी सीखो तब नौकरी मिलेगी । और यह समझ लिया गया है कि न यहां के बच्चे दूसरे रीजन वालों के बच्चों के मुकाबले में गुरमुखी सीख सकेंगे और न नौकरियों का सवाल उठ सकेगा ।

अब मैं एक बात और कहना चाहता हूँ कि हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने मेरे मुतअल्लिक यह कहा कि यह तो है ही मेरा बनाए हुए । मैं यह कहना चाहता हूँ कि चीफ मिनिस्टर ह जो मेरा बनाए हुए हैं न कि मैं चीफ मिनिस्टर का बनाया हुआ हूँ । इस वक्त वह यहा पर नहीं हैं । यों तो वे मेरे बड़े भाई हैं लेकिन उन्होंने यह बात अभिमान में आ कर कही

है । मैं अभिमान के साथ नहीं कहता कि कौन किसका बनाया हुआ है लेकिन यह ठीक है कि चीफ मिनिस्टर मेरा बनाया हुआ है । चौधरी लहरी सिंह जी ने एक इशारा दिया है। उसकी तरफ मैं भी ध्यान दिलाना चाहता हूँ । हरियाना में जो 1946 में हुआ था, वही हाल होगा अगर हरियाना की तरफ ध्यान न दिया गया । (घंटी) बस, जनाब, मैं अंत में यही शब्द कह कर अपनी स्पीच समाप्त करता हूँ कि अगर सरकार चाहती है कि हरियाना उसका साथ दे तो उसे हर तरह से इसकी ओर ध्यान देना जरूरी है ।

राओ गजराजराज सिंह (गुड़गांव): डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं ने आज जितनी स्पीचें हुई हैं उनको बड़े ग़ौर से सुना है और लोगों ने जिस तरीके से गवर्नमैंट के बजट की नुक्ताचीनी की है उस पर भी विचार किया है । मैं इस बारे में यह कहना चाहता हूँ कि देखने वाली बात यह है कि आया किसी बीमारी का इलाज ठीक से हुआ है कि नहीं । और अगर देखा जाए कि यह बजट क्या है तो मैं कहूँगा कि it is a healthy budget of a sick man. डाक्टर साहिब ने जो इतने बीमार हैं, इस बजट को पंजाब की बीमारी को ठीक करने के लिये healthy lines पर ढाला है लेकिन मैं इससे पूरी तरह मुत्तफिक नहीं कि बीमारी मुकम्मल तौर पर दूर हो गई । लेकिन फिर भी मैं दो तीन तरीकों से इसे सही बजट समझता हूँ ।

सब से पहली बात यह है कि हिन्दुस्तान देहात का मुल्क है । इस मुल्क को कारखानों और शहरों का कहना ग़लत चीज होगी । पिछले दिनों लार्ड एटली ने देहली में कहा था :

> "Unless vilage is made a fit place to live in, India cannot make much progress."

आज दुनिया समझती है कि हिन्दुस्तान तब तरक्की कर सकता है अगर गांव तरक्की करें । गांव में रोशनी होगी तो शहरों में रोशनी होगी, इस पहलू से अगर बजट को परखा जाए तो सही चीज़ होगी । लेकिन अगर टीप-टाप की जाए और नाम से स्कीमें बनाई जाएं और दर असल कुछ न हो तो वह दुरुस्त न होगा । अगर हमें देहात को ऊपर उठाना है तो इस मसले को national नुक्ता निगाह से हल करना होगा । बहुत से भाई बड़े ज़ोर से गला फाड़ कर कहा करते हैं कि socialist pattern का समाज कायम करने से इस मसले का हल हो जाएगा । Socialist Pattern क्या है ? यही कि ग़रीब बहुत नीचे न रहें और अमीर बहुत ऊपर न रहें । आज इस ख़लीज को दूर करने के लिये कुछ कदम उठाए गए हैं । अभी एक भाई ने कहा कि sales tax बढ़ा दिया गया है, entertainment tax बढ़ा दिया गया है । Socialist Pattern में अगर entertainment tax बढ़ा दिया जाए तो बड़ा भारी ज़ुल्म हो गया ! बड़ा ग़ज़ब हो गया ! लोग तो कहते हैं कि भाई सोशल सर्विस में ख़ून तक भी देना पड़े तो देना चाहिये । लेकिन आज वही ख़ून का दान देने वाले भाई यह कहें कि entertainment tax नहीं बढ़ाना चाहिये तो अजीब बात दिखाई देती है । अगर इस तरह के टेक्स लगा कर पांच एकड़ ज़मीन वालों के ऊपर से मालगुज़ारी हटाई जाए, आठवीं नौवीं जामायत तक के विद्यार्थियों के लिये free compulsory education हो तो क्या इस से जनता की भलाई न होगी ? क्या ये चीजें इस बजट में नहीं हैं ?

चौधरी इन्द्र सिंह : कहां हैं ?

राओ गजराज सिंह : आप मुलाहज़ा फरमाएं । यह ठीक है कि हमारे डाक्टर साहिब पुराने पढ़े हुए हैं और नुस्खे वाली बात करते हैं । मगर कोई नया तबीब होता तो

[राम्रो गजराज सिंह]
कहता कि फौरन operation करूँगा ग्रौर income-tax basis पर मालगुज़ारी की वसूली कर देता। Community Development ग्रौर पंचायतों के लिये रुपया कहां से ग्राता। ग्रगर गांव वालों पर ग्रौर टैक्स लगाते तो क्या वह socialist pattern होता? मैं इन बैंचों पर बैठे ग्रपने भाइयों को बता देना चाहता हूँ (ग्रपोज़ीशन की तरफ इशारा करके) कि ग्रगर हम देश को संजीदगी के साथ ग्रागे ले जाना चाहते हैं तो हमें देखना होगा कि हम गांव की तरक्की के तराज़ू पर पूरा उतरते हैं या नहीं। महज़ criticism करने से हम गांवों को ऊपर नहीं उठा सकते। (applause) हमें सोचना होगा कि गांधी जी क्या कहते थे। जब गांधी जी से पूछा गया कि स्वराज तो मिल गया राम राज कब मिलेगा तब उन्होंने कहा था कि जब तुम जैसे लोग उलटे गांव को चलो गे तो उस दिन राम राज होगा। ग्राज लार्ड एटली ने देहली में सही बात कही है।

चौधरी इन्द्र सिंह : क्या इसी लिये बुलाते हो लार्ड एटली को ?

राम्रो गजराज सिंह : ग्राप साइमन कमिशन के वक्त की बात याद करें। ग्रंग्रेज होते हुए भी उन्होंने ग्रंग्रेज़ों की मुखालफ़त की। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान को स्वराज मिलना चाहिये। ग्रगर एक मेहमान ने ग्रा कर सही बात कर दी है तो इस में उस ने क्या बुराई की है। उनकी इस बात से ग्रौर कोई मुत्तफिक हो या न हो कम से कम ग्राप को मुत्तफिक होना चाहिये था कि उन्होंने गांव की बात सही कही है।

(*At this stage Chaudhri Inder Singh interrupted him.*)

मुझे तो न बजट पढ़ना ग्राता है न देखना ग्राता है। मैं तो जो कुछ ग्रर्ज़ कर रहा हूँ ग्राप लोगों की बातें सुन कर ग्रर्ज़ कर रहा हूँ। कहा गया कि ग्रक्ल कहां से सीखी? (laughter) जवाब मिला कि बेवकूफों से। मुझे तो उन की बातों से सूझ ग्राई कि socialist pattern वाले भी बहक रहे हैं। कम से कम इन को तो सही बात करनी चाहिये।....

6.30 p.m.

(*The hon. Member was still in possession of the House, when the Sabha adjourned till 2.00 p.m. on Thursday, the 9th March 1961.*)

ANNEXURE

(Please see foot note at page (13) 70 appearing in this dabate, dated the 8th March, 1961)

FOREST GUARDS IN KULU AND SERAJ FOREST DIVISIONS

3435. Shri Jit Ram: Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state :—

(a) the names, with qualifications of forest guards working at present in the Kulu and Seraj Forest Divisions ;

(b) the names, with qualifications of those Forest Guards who were admitted in the Forest School Course during the years 1959—61 ;

(c) whether it is fact that preference was given to junior and less qualified guards over the senior and highly ones at the time of admission in the said forest school course ; if so, the reasons, if any, therefor ?

Giani Kartar Singh : (a) Statements enclosed.

(b)

	Name of official		Qualifications
1.	Shri Manohar Lal	..	Under Matric
2.	Shri Parkash Chand	..	Ditto
8.	Shri Jag Ram	..	Matric
4.	Shri Ishar Dass	..	Ditto
5.	Shri Lotam Ram	..	Under Matric
6.	Shri Chhangan Singh	..	Ditto
7.	Shri Bhagwan Singh	..	Matric
8.	Shri Joginder Singh	..	Ditto
9.	Shri Paras Ram	..	Vernacular Middle
10.	Shri Nakhu Ram	..	Ditto
11.	Shri Dharam Singh	..	Lower Middle
12.	Shri Amir Chand	..	Under Matric

(c) Selection was made on the basis of seniority-cum-merit and those who had bad record were ignored.

Statement showing the names of Forest Guards with qualifications serving in Kulu Forest Division (Seniority list)

Serial No.	Name of official		Qualifications
1	Shri Jindu Ram	..	Urdu knowing
2	Shri Gokal Chand	..	Lower Middle
3	Shri Dinu Ram	..	Ditto
4	Shri Hari Chand	..	Primary
5	Shri Trilok Chand	..	Middle
6	Shri Puran Chand	..	Ditto
7	Shri Kansi Ram	..	Vernacular Middle
8	Shri Ram Dayal	..	Ditto
9	Shri Mathura Dass	..	Illiterate
10	Shri Girja Nand	..	Anglo Vernacular Middle
11	Shri Laj Ram	..	Primary
12	Shri Amar Nath	..	Anglo Vernacular Middle
13	Shri Din Dayal	..	Ditto
14	Shri Tikam Ram	..	Primary
15	Shri Minu Ram	..	Do
16	Shri Sangat Ram	..	Do
17	Shri Rattan Lal	..	Do
18	Shri Ruldoo Ram	..	Do
19	Shri Tirath Ram	..	Middle
20	Shri Gian Chand	..	Primary
21	Shri Sarnoo Ram (Scheduled Caste)	..	Under Matric
22	Shri Jog Ram (Scheduled Caste)	..	Matric
23	Shri Chet Ram	..	Lower Middle
24	Shri Bhag Chand (Scheduled Caste)	..	Vernacular Middle
25	Shri Dhungal Ram (Scheduled Caste)	..	Ditto
26	Shri Nirat Ram	..	Ditio
27	Shri Kaule Ram	..	Anglo Middle
28	Shri Ram Lal	..	Vernacular Middle
29	Shri Hari Chand II	..	Anglo Vernacular Middle
30	Shri Let Ram I	..	Primary

Serial No.	Name of official		Qualifications
31	Shri Tulsi Ram	..	Primary
32	Shri Murloo Ram	..	Lower Middle
33	Shri Damboo Ram	..	Hindi Primary
34	Shri Tashi Phonchog	..	Lower Middle
35	Shri Bala Ram	..	Primary
36	Skri Sukh Dass	..	Vernacular Middle
37	Shri Perma Nand	..	Ditto
38	Shri Lotam Ram	..	Ditto
39	Shri Nathu Ram	..	Ditto
40	Shri Netar Parkash	..	Under Matric
41	Shri Chetan Singh	..	Primary
42	Shri Shiv Chand	..	Lower Middle
43	Shri Manohar Lal	..	Under Matric
44	Shri Sonam Ram	..	Lower Middle
45	Shri Moti Ram	..	Anglo Vernacular Middle
46	Shri Uttam Ram	..	Vernacular Middle
47	Shri Parkash Chand	..	Under Matric
48	Shri Chobe Ram	..	Ditto
49	Shri Mastan Singh	..	Vernacular Middle
50	Shri Khub Ram	..	Ditto
51	Shri Amar Singh	..	Ditto
52	Shri Ravinder Nath	..	Anglo Vernacular Middle
53.	Shri Cahande Ram II	..	Vernacular Middle
54	Shri Sagar Chand	..	Matric
55	Shri Devi Ram	..	Primary
56	Shri Devinder Rai	..	Under Matric
57	Shri Chharing Ram	..	Lower Middle
58	Shri Dola Ram I	..	Primary
59	Shri Ishwer Dass I	..	Anglo Vernacular Middle
60	Shri Dagu Ram	..	Primary
61	Shri Kunj Lal	..	Ditto
62	Shri Mahant Ram	..	Anglo Middle
63	Shri Mohar Singh	..	Vernacular Middle
64	Snri Kiishan Baldev	..	Matric
65	Shri Ram Dass	..	Vernacular Middle
66	Shri Top Dan	..	Lower Middle

Statement showing the names of Forest Guards with qualifications serving in Seraj Forest Division (Seniority list)

Serial No.	Name of official		Qualifications
1	Shri Udey Ram	..	Middle
2	Shri Dharam Dass	..	Do
3	Shri Budhi Chand	..	Do
4	Shri Parma Nand I	..	Vernacular Middle
5	Shri Nesu Ram II	..	Ditto
6	Shri Man Dass	..	Anglo Vernacular Middle
7	Shri Shiam Dass	..	Primary Pass
8	Shri Gulaba Ram	..	Under Middle
9	Shri Khem Dass	..	Lower Middle
10	Shri Hukam Ram	..	Under Middle
11	Shri Pars Ram	..	Vernacular
12	Shri Jai Ram	..	Lower Middle
13	Shri Nakhu Ram	..	Vernacular Middle
14	Shri Uttam Singh	..	Lower Middle
15	Shri Dharam Singh	..	Ditto
16	Shri Talku Ram	..	Ditto
17	Shri Nainu Ram	..	Middle
18	Shri Isher Dass	..	Matric
19	Shri Moti Ram	..	Middle
20	Shri Alam Chand II	..	Under Matric
21	Shri Chuni Lal	..	Matric
22	Shri Jog Ram II	..	Lower Middle
23	Shri Narotam Ram	..	Under Matric
24	Shri Sohi Ram	..	Hindi Primary
25	Shri Tule Ram	..	Lower Middle
26	Shri Kewal Ram	..	Vernacular Middle
27	Shri Prem Dass	..	Primary Pass
28	Shri Jai Singh	..	Middle
29	Shri Lotam Ram	..	Under Matric
30	Shri Narain Singh	..	Ditto
31	Shri Shiv Ram	..	Lower Middle
32	Shri Dasu Ram	..	Matric
33	Shri Damodar Dass	..	Do
34	Shri Sangat Ram	..	Primary Pass
35	Shri Bhadar Singh I	..	Middle
36	Shri Jagdisha Nand	..	Lower Middle
37	Shri Chhangan Singh	..	Under Matric
38	Shri Parma Nand II	..	Primary Hindi
39	Shri Bhagwan Singh	..	Matric
40	Shri Piare Ram	..	Under Matric
41	Shri Bhagat Ram	..	Middle
42	Shri Bed Ram	..	Do
43	Shri Amir Chand	..	Under Matric
44	Shri Joginder Singh	..	Matric
45	Shri Bhadar Singh II	..	Do

Punjab Vidhan Sabha Debates

9th March, 1961

Vol. I No. 14

OFFICIAL REPORT

GOVT. PUNJAB

CONTENTS

Thursday, the 9th March, 1961

Price : Rs 4.25 nP

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, No. 14, DATED THE 9TH MARCH, 1961

Read	*for*	*on page*	*line*
करते हैं	करते	(14)2	14
श्री रूप सिंह फूल	श्री रूप सिंह फुल	(14)3	9
Sh Gurnam Singh	Sh. Gurnam	(14)7	9,S.No. 27
Bhunerheri	Bhuerheri	(14)7	9, S.No. 33
Name of the route	Name of the rute	(14)8	Heading
In the end delete	'Mansa Singh'	(14)8	S.No. 50
श्री रूप सिंह फूल	श्री रूप सिंह फल	(14)9	5th from below
criterion पर	पर criterion	(14)13	6
Police	Polioe	(14)19	S.No. 7
Strictures	Structures	(14)26	5
अगर	मगर	(14)30	last
देने	ने	(14)43	17
में		(14)44	13
देश	श	(14)44	18
(14)45		(14)45	Heading
राजा रघुबीर सिंह	राज रघुवीर सिंह	(14)47	First
बना रखा है	बना रखा	(14)48	8
डिप्टी स्पीकर साहिब	डिम्टी स्पीकर साहिब	(14)52	20
श्री श्री कृष्ण शास्त्री	श्री श्री कृष्न शास्त्री	(14)75	last but one
दें		(14)75	12
dowry का	dowry	(14)83	10

PUNJAB VIDHAN SABHA

Thursday, the 9th March, 1961

The Vidhan Sabha met in the Assembly Hall, Sector 1, Chandigarh, at 2.00 p.m. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Gurdial Singh Dhillon) in the Chair.

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

DEVELOPMENT BLOCKS IN THE STATE

*6522. **Shri Rup Singh Phul :** Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) the total number of Development Blocks which would cover the entire State and the time by which this is expected to be done.

(b) the total number of Blocks functioning in the State at present.

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) The entire State is to be covered by 228 blocks by the end of October, 1963.

(b) 165.

श्री रूप सिंह फुल : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि blocks खोलने के लिये कोई year-wise distribution की गई है ?

उप-मंत्री : Year-wise distribution नहीं की गई ।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बतायेंगे कि Development Blocks खोलने के लिये कोई priority list बनाई गई है ?

उप-मंत्री : ऐसी कोई list तैयार नहीं की गई ।

Shri Prabodh Chandra : Sir, may I know the criteria adopted by Government for the opening of Blocks ?

सामूहिक विकास मन्त्री : जिस जिले में कम Blocks खोले गये हैं वहां खोलते हैं । District Development Committee जो recommendation करती है उस के मुताबिक खोलते हैं ।

मुख्य मंत्री : पहले हम यह देखते हैं कि हर जिले में कितने Blocks चाहियें और कितने दिये गये हैं । उन की percentage निकाल लेते हैं । हम देखते हैं कि फलां जिले में कम हैं उस जिले में हम दे देते हैं । इस के मुतअल्लिक गवर्नमैंट फैसला नहीं करती बल्कि District Advisory Committee with the Deputy Commissioner as the Head की सिफारिश के मुताबिक blocks खोले जाते हैं ।

Shri Prabodh Chandra : It has been stated by the Chief Minister that the Blocks are opened on the recommendations of the District Committee which is headed by the Deputy Commissioner of the District. May I know whether the recommendations of this Committee are advisory or mandatory ?

सामूहिक विकास मन्त्री : स्पीकर साहिब, मैं माननीय मेंबर का सवाल सुन नहीं पाया । जो District Development Committee recommend करती है कि ज़िले के इस हिस्से में Block खोला जाए वहां Block खोला जाता है। जहां तक ज़िलों में तकसीम करने का सवाल है हम देखते हैं कि जिन ज़िलों में percentage कम है वहां देते हैं । हम Blocks की distribution करते हैं लेकिन Blocks खोलने की सिफारिश District Development Committee करती है ।

श्री प्रबोध चन्द्र : मेरा सवाल था कि District Development Committee की recommendations advisory हैं या mandatory ?

मुख्य मंत्री : Advisory हैं लेकिन जैसे वह recommend करते वैसे ही मानते हैं ।

DEVELOPMENT BLOCKS IN HILLY AREAS

***6523. Shri Rup Singh Phul :** Will the Minister for Community Development be pleased to state :—

(a) whether Development Blocks in hilly areas in the State are opened on the basis of population ; if so, the details thereof ;

(b) the number and names of Blocks that are functioning in Kangra District at present and total number proposed to be started ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) The State has been allotted 228 Blocks by the Government of India which have been distributed among the 19 Districts. One of the principles observed in distribution has been that in the plain area a Block should serve on the average, a population of 66,000 and in the hill areas 40,000.

(b) (i) The following 15 Blocks are functioning in Kangra District at present :—

1. Outerseraj
2. Innerseraj at Banjar
3. Kulu
4. Palampur (Bawarna)
5. Lambagraon
6. Kangra
7. Shahpur
8. Hamirpur
9. Bhoranj
10. Barsar
11. Bhota
12. Dera Gopipur
13. Pragpur
14. Nurpur
15. Indora

(ii) Seven more Blocks are proposed to be started in this district.

श्री रूप सिंह फूल : यह जो 7 और Blocks वज़ीर साहिब ने बतलाये हैं यह कब तक खुल जायेंगे ?

सामूहिक विकास मन्त्री: एक तो इस साल खुल गया है और बाकी आहिस्ता आहिस्ता खुल जायेंगे । इन की जब turn आयेगी उस वक्त यह खोल दिये जायेंगे ।

श्री प्रबोध चन्द्र : On a point of order, Sir. मेरा point of order यह है कि मिनिस्टर साहिब तो extempore जवाब दे रहे हैं और जनाब की जो असली file है वह तो Deputy Minister साहिब के पास है ।

Mr. Speaker : It is not your concern. It is their concern.

श्री रूप सिंह फूल : क्या वज़ीर साहिब फरमायेंगे कि क्या गवर्नमैंट की यह policy नहीं है कि under-developed areas को सब से पहले Development Blocks से entirely cover कर दिया जाये ?

मंत्री : यह ठीक है और इसी लिये कांगड़ा को 15 Blocks दे दिये गये हैं और अब एक और दे दिया गया है और मेरा ख्याल है कि बाकी ज़िलों से जल्दी कांगड़ा ज़िला में बाकी Blocks भी खोल दिये जायेंगे ।

श्री रूप सिंह फूल : वह जो नया दिया जा रहा है उस block का नाम क्या है ?

मंत्री : उस का नाम बैजनाथ है ।

IRRIGATION SCHEMES FOR GURGAON DISTRICT

***6578. Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the details of different Irrigation Schemes sanctioned for Gurgaon District and the expenditure likely to be incurred on each ;

(b) the extent of work completed so far on each of the said schemes and the source from which water has been drawn in each case ;

(c) the names of villages and the area in each proposed to be irrigated by each of the said schemes ;

(d) whether the water rate being levied in Gurgaon District at present is higher or lower than that prevailing in Amritsar/Jullundur District.

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : Reply is laid on the Table of the House.

Reply

(a) I. *Gurgaon Canal Project*.—Government has approved the execution of work under this scheme, but the project Estimate has not yet been formally sanctioned. The estimated cost of this Project is Rs. 5.94 crores. As regards its details, these are voluminous and are contained in two big volumes of the Project Estimates,

[Deputy Minister]

II. *Rewari Lift Irrigation Scheme.*—Government has approved the execution of work under this scheme. The revised Project Estimate has been prepared and is under scrutiny. Its estimated cost is about Rs. 107.00 lacs. As regards its details, these are voluminous and are contained in the big volume of the Project Estimate.

(b) (i) The excavation of Gurgaon Canal has only been recently started. As the scheme is yet in its preliminary stage, the question of any supplies having been drawn so far does not arise. However, on the completion of the scheme, the source for non-perennial supplies is the Yamuna River and of Perennial supplies the Beas Project.

(ii) About 190.0 lacs c.ft. of Earthwork and 14 Nos. masonary works have been constructed in about 22.0 miles length in the head reach of the Rewari Irrigation Scheme. As the scheme has not yet been completed, the question of supplies having been drawn so far does not arise. However, on its completion the source of water will be the Yamuna River.

(c) So far, in the Project Estimates of these schemes, only the boundaries of the over-all area to be served by them have been fixed. As the chakbandies have not yet been prepared, the correct details of villages to be irrigated by these schemes have not yet been determined. For the same reason, information regarding area of each village to be irrigated is not yet available.

(d) The only canal irrigation being done at present in Gurgaon District is from U.P. channels for which rates are charged as per schedule of U.P. Government which is higher than Punjab Rates.

मौलवी अब्दुल गनी डार : जनाब, मिनिस्टर साहिब ने सवाल का जवाब देते हुए Gurgaon Canal Project और Rewari Lift Irrigation Scheme का ज़िक्र किया है तो क्या मिनिस्टर साहिब बतलायेंगे कि यह दोनों स्कीमें सरकार ने कब मंजूर की हैं ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री : Gurgaon Canal Project तो अभी तक भी सारी की सारी मंजूर नहीं हुई। अभी यह Central Government के पास है और वहां से finally मंजूर नहीं हुई लेकिन काम उस पर शुरू हो गया है । इसी तरह से Rewari Lift Irrigation Scheme भी पहले की शुरू हो चुकी है, और इस पर काफी काम रोहतक ज़िला में हो चुका है और गुड़गांव ज़िला के लिये इस scheme को revise किया गया है, इस लिये देर हुई है ।

मौलवी अब्दुल गनी डार : मैं ने Gurgaon Canal Project के बारे में पूछा था कि कितना काम खत्म हो गया है लेकिन जवाब में इस के बारे में कुछ नहीं बतलाया गया। तो क्या वज़ीर साहिब बतलायेंगे कि इस project पर जो 594 लाख रुपये खर्च होने हैं इन में से कितने अब तक खर्च किये जा चुके हैं ?

मंत्री : मैं ने बताया है कि अभी December से इस स्कीम पर काम शुरू हुआ है और अभी से यह नहीं बताया जा सकता कि कितना खर्च इस पर हो गया है।

मौलवी अब्दुल गनी डार : जवाब के part (c) में यह बताया गया है कि अभी चकबन्दी हो रही है इस लिये यह नहीं बताया जा सकता कि इस से कितना area सैराब होगा। तो मैं पूछना चाहता हूं कि इस का चकबन्दी से क्या ताल्लुक है ?

मंत्री : यह चकबन्दी नहर की है और Consolidation of holdings का इस के साथ कोई ताल्लुक नहीं है।

मौलवी अब्दुल गनी डार : सवाल के जवाब में मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि जो U.P. की Canal का आबयाना का rate है यानी जो कोटला की नहर चलती है उस का जो rate है वह पंजाब के rate से ज्यादा है। तो मैं पूछना चाहता हूं कि क्या गवर्नमट इस बारे में कोई step उठा रही है कि सारे पंजाब में आबयाना का एक ही rate हो जाये ?

पंडित श्री राम शर्मा : वज़ीर साहिब ने जो यह फरमाया है कि Gurgaon Canal Project की सारी की सारी मंज़ूरी अभी नहीं हुई, तो मैं पूछना चाहता हूं कि किस हद तक वह मंज़ूर हो गई है और किस हद तक उस की मंज़ूरी लेनी बाकी है ?

मंत्री : Gurgaon Canal Project के लिये 5½ करोड़ रुपये का estimate है और इस में से अभी २ करोड़ रुपया मंज़ूर हो चुका है और इस project में जो lift irrigation का हिस्सा है उस की अभी मंज़ूरी Central Powers Commission से लेनी है। वह हिस्सा अभी मंज़ूर नहीं हुआ। जब उस की मंज़ूरी मिल जायेगी तो इस project के उस हिस्से पर भी काम शुरू कर दिया जायेगा।

मौलवी अब्दुल गनी डार : उन्होंने यह फरमाया था कि चकबन्दी के लफ्ज़ के मानी नहीं आते। क्या मैं पूछ सकता हूं कि इस चकबन्दी से और नहर की चकबन्दी से क्या मुराद है ?

Mr. Speaker : This is not a supplementary question. This definition is given in the Rules.

PERMITS FOR SCOOTER RIKSHAS IN PATIALA DIVISION

***6840. Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the names and addresses of persons who were granted route permits for plying "Scooter Rikshas" in various towns of the Patiala Division during the period from January, 1959 to December 31, 1960 ?

Rao Birendar Singh : A statement containing the information is laid on the Table of the House.

LIST OF TEMPO/SCOOTER RICKSHAW PERMITS GRANTED BY THE REGIONAL TRANSPORT AUTHORITY, PATIALA FROM 1ST JANUARY, 1959 TO 31ST DECEMBER 1960

The following permits were granted in the meeting of the Regional Transport Authority, Patiala dated 3rd May,1960.

S. No.	Name and address	Name of the route	No. of permits
	MOHINDERGARH DISTRICT		
1	Gobberdhan Singh, s/o Jathu Ram of tehsil Dadri	Dadri-Mondola ..	1
2	Het Ram, s/o Shri Shub Ram, Dadri ..	Dadri-Achina ..	1
3	Budh Ram, s/o Shri Hira Lal, Mohindergarh	Mohindergarh-Bhuchowas	1

[Minister for Irrigation and Power]

S. No.	Name and address	Name of the route	No. of Permits
	PATIALA DISTRICT		
4	Mehnga Singh, s/o S Bushen Singh, Patiala	Patiala-Sanaur ..	1
5	Narang Singh, s/o Dhana Singh, Patiala	Ditto	1
6	Nand Singh, s/o Kheru Ram, Village Amloh	Sirhind-Bassi ..	1
7	Chanan Singh, s/o Puran Singh, Village Amloh	Ditto	1
8	Bakhtawar Singh, s/o Harnam Singh, Patiala	Municipal Limits of Patiala City	1
9	Hari Singh Sodhi s/o Udhe Singh, Sodhi, Patiala	Ditto	1
	BHATINDA DISTRICT		
10	Raghunath Dass Bansal, s/o Vir Chand, Kotkapura	Kotkapura-Faridkot ..	1
11	Mangal Singh, s/o Thakar Singh, Jaitu ..	Jaitu-Bajekhana ..	1
12	Hardit Singh, s/o Hukam Singh, Bhatinda	Ditto	1
13	Gauri Shanker, s/o Nanak Chand, Bhatinda	Civil Station Courts, Bhatinda-Kotshamir	1
14	Krishan Chand, s/o Rishi Ram, Kot Fateh	Goniana-Jandanwala ..	1
	SANGRUR DISTRICT		
15	Hira Singh Bathal, s/o Chanan Singh, Village Bathal	Sangrur-Badhor ..	1
16	Dharam Singh s/of Mahan Singh, Village Gahel	Barnala-Thikriwala ..	1
17	Dal Singh, Manager, Sewak Ex-Military, Men Transport Co-operative Society, Jind	Jind-Nagura	1
18	Avtar Singh, s/o Teja Singh, Post Office Bhadaur	Barnala-Pakho ..	1
	The following permits were granted in the meeting of the Regional Transport Authority, Patiala, dated 20th July, 1960.		
	MOHINDERGARH DISTRICT		
19	Shri Udhe Singh, s/o Shri Bhur Singh, tehsil Dadri	Dadri-Barsana ..	1
20	Shri Tara Singh, s/o Shri Udhe Singh, Dadri	Dadri-Katiana ..	1
21	Shri Raghuvir Dyal, s/o Shri Kalu Mal, Narnaul	Narnaul-Bachaud ..	1
22	Shri Brij Lal Tewari, s/o Shri Raghunanadan Lal, Mohindergarh	Mohindergarh-Pali ..	1
23	Shri Ram Singh, s/o Manohar Lal, Jhajjar	Charkhi-Dardri ..	1

S. No.	Name and address	Name of the route	No. of Permits
	PATIALA DISTRICT		
24	Shri Kirpal Singh, s/o Tara Singh of Bassi Pathana	Patiala-Kalayan ..	1
25	Shri Jagat Singh, s/o Shri Arjan Singh, Patiala	Patiala -Sealchapper ..	1
26	Shri Ravinder Singh, s/o Shri Bakhtawar Patiala	Patiala-Municipal limit	1
27	Shri Sant Singh Bhogal, s/o Shri Gurnam Patiala	Rajpura-Shambu	1
28	Shri Atma Sarup, s/o Shri Bhagwan Dass, village and post Office Kakra	Patiala-Bhunerheri ..	1
29	Shri Daulat Ram, s/o Shri Munshi Ram, Patiala	Patiala- Bhunerheri ..	1
30	Shri Sardul Singh, s/o Shri Roop Singh, Patiala	Patiala-Bhadurgarh ..	1
31	Shri Baboo Ram of Patiala ..	Bhunerheri-Dudhan ..	1
32	Shri Jai Bharat, s/o Puran of Patiala ..	Patiala-Wazidpur ..	1
33	Shri Shanker Lal, s/o Shri Late Basu Ram Patiala	Patiala-Bhuerheri ..	1
	SANGRUR DISTRICT		
34	Shri Kehar Singh, s/o Shri Bakhshish Singh of Phul	Rampura-Dadde ..	1
35	Shri Narsi Ram, s/o Shri Chet Ram, Narwana	Narwana-Ujhana ..	1
36	Shri Madan Lal, s/o Shri Shivji Ram, Patiala	Barnala-Bhunas ..	1
37	Shri Ram Sarup, s/o Shri Ram Nath, Jind	Jind-Junction to Jind City	1
38	Shri Gurbakhash Singh, s/o Shri Chatter Singh, Malerkotla	Dhuri-Sherpur ..	1
39	Shri Gopal Dev, s/o Shri Girja Nand, Barnala	Barnala-Mehalkalan ..	1
40	Shrimati Dhan Kaur w/o Shri Sampuran Singh, village and post office Dhaula	Barnala-Dhaula ..	1
41	Shri Karnail Singh of Barnala ..	Barnala-Pakho ..	1
42	Shri Jagir Singh, s/o Shri Dhattar Singh, Dhuri	Dhuri-Sangrur ..	1
43	Shri Ujaggar Singh, s/o Shri Niranjan Singh, Ludhiana	Barnala-Mahel Kalan ..	1

[Minister for Irrigation and Power]

S. No.	Name and address	Name of the rute	No. of Permits
	BHATINDA DISTRICT		
44	Shri Kartar Singh of Reri Kapura ..	Bhatinda-Katshmir ..	1
45	Shri Shamsher Singh, s/o Shri Bhag Singh, Goniana	Goniana-Tikcri	1
46	Shri Gokal Chand, s/o Shri Inder Ram, Bhatinda	Bhatinda Local within Municipal limit	1
47	The Bhucho Co-operative Transport Society, Bhucho	Nathana-Bhucho ..	1
48	Shri Gurdev Singh, s/o Sham Singh, tehsil Mansa	Bhikhi-Badwal ..	1
49	Shri Tirlochan Singh, s/o Shri Harzoora Singh, Mansa	Faridkot-Sadik ..	1
50	Shri Dalip Singh, s/o Shri Hazura Singh, Mansa Singh	Mansa ..	1
51	Shri Amarjit Singh, s/o Shri Ganga Singh, Bhatinda	Bhatinda-Takoni-Goniana	1
52	Shri Tek Chand, s/o Shri Hukam Chand Rampura Phul	Rampura Phul-Gharat	1
53	The Phul Tonga Drivers Co-operative Society, Ltd. Rampura Phul	Rampura Phul ..	2

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਅਜਿਹੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਸਕੂਟਰਾਂ ਦੇ permit ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਜਿਹੜੇ ਖੁਦ ਚਲਾ ਸਕਦੇ ਹੋਣ ?

मंत्री : Preference उन को दी जानी चाहिये । लेकिन R.T.A. को अख्तियार है । उस पर हम पाबन्दी नहीं लगा सकते ।

(इस वक्त बहुत से मैम्बर साहिबान खड़े हो गए और कहने लगे कि आवाज़ सुनाई नहीं देती ।)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Scooter ਦਾ permit ਦੇਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸ criterion ਨੂੰ ਮਦੇ-ਨਜ਼ਰ ਰਖਦੀ ਹੈ ?

मंत्री : R.T.A. permits issue करती है, वह autonomous Body है । Criterion उनके ही पास है । गवर्नमैंट के पास तो अपील भी नहीं आती । बाद में petitions होती हैं ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਇਹ permits ਦਿਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੇਵਲ Congress Workers ਲਈ reserve ਰਖਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ?

श्री अध्यक्ष : सरदार आत्मा सिंह बिल्कुल irrelevant सवाल पूछ रहे हैं, इस लिये जब तक मैं न कहूं इन का जवाब न दें । (Sardar Atma Singh is asking quite irrelevant Supplementaries. Therefore, these need not be answered unless I ask to do so.)

श्री प्रबोध चन्द्र : मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि R.T.A. autonomous Body है और वही permits देती है । मैं पूछता हूं कि क्या यह अमर वाक्या है या नहीं कि गवर्नमैंट ने Transport Controller की मार्फत R.T.A. को एक लिस्ट भेजी है कि इन इन अशखास को permits दिये जाएं ।

Mr. Speaker : Please put a direct question. This is not a supplementary question.

श्री राम प्यारा : क्या गवर्नमैंट ने R.T.A. को कोई लिस्ट भेजी है कि इन को permit देने चाहियें ?

श्री अध्यक्ष : आप तशरीफ रखिए । (The hon. Member may please resume his seat.)

REPAIRS OF PROVINCIALISED MIDDLE AND HIGH SCHOOL BUILDINGS IN DISTRICT KANGRA

***6524. Shri Rup Singh Phul :** Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) the number of those provincialised Middle and High Schools in the State the buildings of which were repaired during the years 1959-60 and 1960-61, separately, in District Kangra ;

(b) the amount allocated for the repair of buildings of provincialised schools referred to in part (a) above and the amount utilized during the years mentioned, and the reasons for the difference, if any ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : The time and labour involved in collecting the information in regard to repairs to provincialised Middle/High School buildings throughout the State will not be commensurate with any possible benefit to be obtained. In regard to District Kangra, however, the information is being collected and would be placed on the Table and supplied to the Member later on. The allocation for repairs , it may be pointed out, is made on the basis of necessity of work and not on the basis of Districts.

श्री रूप सिंह फूल : क्या वज़ीर साहिब बतायेंगे कि कितनी तादाद में स्कूलों की repairs करने की दरखास्तें पड़ी हैं जिन की repairs नहीं हुई ।

उप-मंत्री : जो तो petty repairs हैं वह P.W.D. वाले कर देते हैं और जो heavy repairs हों उन का estimate Education Department को भेजा जाता है और मन्जूरी आने पर repairs carry out की जाती हैं ।

श्री रूप सिंह फूल : क्या यह अच्छा न होगा कि शुरू साल में ही Budget allocation हो जाए और काबले मुरम्मत स्कूलों की list तैयार कर ली जाए ताकि काम शुरू हो सके ।

Deputy Minister : It is a very good suggestion.

Starred Question No. 6524 regarding repairs of Provincilised Middle and High School buildings in District Kangra (Remaining Reply)

Information in respect of Kangra District is as follows :—

Year	Number of School Buildings repaired	Amount allocated	Amount spent
1959-60	42	Rs. 1,18,381	Rs. 60,468
1960-61	15	Rs. 12,292	Rs. 10,211

The reasons for savings during the year 1959-60 are that the estimates for the work were sanctioned late with the result that the repairs work could not be taken in hand/completed. Moreover, due to snow-fall at Manali full targets could not be achieved. The Department was also handicapped for want of C.G.I. sheets, supply of which was not received against pending orders. In so far as the works during the year 1960-61 are concerned, a large number of estimates for such works have been approved this year and all these works will go into full swing.

RECONSTITUTION OF PRESS ADVISORY COMMITTEE

***6844. Sardar Rajinder Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under the consideration of Government to reconstitute the Press Advisory Committee in the State ; if so, when ;

(b) whether Government have received any demands from the Punjab Working Journalists Union for giving a representation to working journalists on the said Committee ; if so, the action taken thereon ;

(c) whether Government are aware of the recommendations of the Press Commission regarding the constitution and functioning of Press Advisory Committees in States, if so, the reasons why these recommendations were not accepted by Government?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) Yes. As soon as the Government takes a final decision.

(b) Yes. The matter is under consideration.

(c) Yes. Although the Press Commission had advised that in the present set-up, it was unnecessary to continue Press Advisory Committees yet it was considered that the Press Advisory Committee would exercise moderating influence on certain sections of Press, which do not display adequate sense of journalistic responsibilities. It was , thus, continued in the Punjab.

SUPERVISORS/ORGANISERS APPOINTED IN THE PUNJAB PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT

***6882. Shri Prabodh Chandra :** Will the Chief Minister be pleased to state the names and qualifications of Supervisors and Organisers appointed in the Punjab Public Relations Department during the period from 1st April, 1960 to 31st January, 1961 ?

Shri Hans Raj Sharma (Chief Parliamentary Secretary) : The requisite information is laid on the Table of the House.

Statement showing the names and qualifications of the Supervisors/Organisers appointed in the Punjab Public Relations Department during the period from 1st April, 1960 to 31st January 1961.

S. No.	Name	Qualifications
	RURAL PUBLICITY SUPERVISORS (MEN)	
1	Shri Sawinder Singh Gill	.. B.A., B. Ed.
2	Shri Swaran Singh Randhawa	.. B.A., B.T.
3	Shri Mohan Singh	.. B.A.
4	Shri Chandar Parkash	.. B.A.
5	Shri Rajinder Kumar Sharma	.. M.A.
6	Shri Sukhpal Vir Singh	.. M.A.
7	Shri Puran Singh	.. Veteran Speaker—mass orator
8	Shri Harpal Singh Bedi	.. Matric, Gyani
9	Shri Darshan Singh	.. Under Graduate
10	Shri S.K. Saroor	.. Matric
11	Shri Ghansham Dass	.. B.A.
12	Shri Balbir Parshad Kapoor	.. B.A.

[Chief Parliamentary Secretary]

Serial No.	Name	Qualifications
	RURAL PUBLICITY SUPERVISORS (WOMEN)	
1	Shrimati Raminder Kaur ..	.B.A
2	Miss Sushma Sharma ..	B.A., B.T.
3	Shrimati Prem Lata ..	B.A., B.T.
4	Shrimati Daya Kumari ..	Matric
5	Shrimati Gayatri Devi ..	Matric
6	Shrimati Harinder Paul Kaur ..	F.A.
	RURAL PUBLICITY ORGANISERS (MEN)	
1	Shri Swaran Singh ..	F.A.
2	Shri Vishwa Mittar ..	B.A.
3	Shri Khushi Ram Shukla ..	Middle
4	Shri Arjan Singh ..	Matric
5	Shri Balkrishan Moudgil ..	Matric
6	Shri Gurcharan Singh Kohli ..	Matric
7	Shri Subash Narula ..	B.A., J.D.
8	Shri Prabhu Dayal Gupta ..	Middle
	RURAL PUBLICITY ORGANISERS(WOMEN)	
1	Shrimati Swedesh Kumari ..	B.A., B.Ed.
2	Shrimati Savita Sharma ..	Prabhakar, Matric (English)
3	Miss Raj Chawla ..	M.A., B.T.
4	Shrimati Amarjit Kaur ..	B.A.
5	Shrimati Laj Rani Singla ..	Hindi Rattan
6	Shrimati Tara Devi ..	Matric
7	Shrimati Bhupinder Pal Kaur ..	Matric
8	Shrimati Prem Kaur ..	Can read and write but a fluent, impressive speaker and a social worker
9	Miss Satyawati ..	B.A.
10	Miss Saroj Bhagat ..	F.A.

श्री प्रबोध चन्द्र : जो qualifications की list Chief Parliamentary Secretary ने दी है उस में लिखा है veteran Speaker, matric, under-matric, under-graduate तो इन की जगह M.A., B. T. या B.A. ना लिये जाने की क्या वजहात हैं ?

चीफ पार्लियमेंटरी सैक्रेटरी : इस का जवाब पहले दिया जा चुका है यह Public Service Commission और Subordinate Services Selection Board की purview से निकाला गया था क्योंकि इस काम के लिये solid background और special aptitude for social work को सामने रख कर आदमी लिये जाते हैं, mass orators लिये जाते हैं, qualifications का ख्याल नहीं रखा जाता। बहुत से B.A., M.A.s भी इस पर criterion पूरे नहीं उतरते ।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या चीफ़ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी साहिब बताएंगे कि ये recruitments करने से पहले गवर्नमेंट ने कोई advertisement की थी कि हमें इन इन qualifications के आदमी चाहिएं ?

चीफ पार्लियमेंटरी सैक्रेटरी : District Public Relations Officers के पास ऐसी applications आती रहती हैं । वह हज़ारों applications हमारे पास पहुंच जाती हैं । उन में से जो अच्छे workers होते हैं वह हम छांट लेते हैं ।

श्री प्रबोध चन्द्र : आप ने अपने जवाब में लफ़्ज़ "हम" का इस्तेमाल किया है। May I know from the Chief Parliamentary Secretary whether the word "हम" used by him means the Chief Parliamentary Secretary or the Government ?

श्री अध्यक्ष : वह तो 'हम' ही कहेंगे जिस का मतलब है गवर्नमैंट। (He will use the word 'हम' which means the Government).

श्री प्रबोध चन्द्र : इस लिस्ट में बताया गया है कि दो चार आदमी ऐसे रखे हैं जो अच्छा बोल सकते हैं । क्या यह बताया जा सकता है कि उन में से एकाध आदमी ऐसा भी है जो अपना T.A. और तनखाह वगैरा अंगूठा लगा कर ही लेता है; पढ़ना लिखना उसे बिल्कुल नहीं आता ?

श्री अध्यक्ष : जवाब आप के सामने है। (The reply is before the hon. Member).

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, मैंने यह पूछा है कि क्या उन में कोई ऐसा भी आदमी है जो सिर्फ अंगूठा लगा कर अपनी तनखाह वगैरा लेता है ?

Mr. Speaker : It is a very vague question.

श्री प्रबोध चन्द्र : इस में दो चार की qualifications बिल्कुल नहीं दी गई। क्या मैं जान सकता हूं कि सरदार पूरन सिंह जो कि mass orator बताया गया है, वह सिर्फ अंगूठा लगा कर अपनी तनखाह और T.A. वगैरा लेता है या "ੳ" "ਅ" भी लिख सकता है ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਵਡੇ ਤੋਂ ਵਡਾ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੋਇਆ mass speaker ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਉਸਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਆਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਪਿਛੇ ਰਹਿ ਜਾਵੇ ।

श्री प्रबोध चन्द्र : मेरा सवाल यह है कि क्या वह "ੳ" "ਅ" भी जानता है या नहीं ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : "ੳ" "ਅ" ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ, masses ਵਿਚ ਬੋਲਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ।

डाक्टर बलदेव प्रकाश : चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी साहिब ने बताया है कि हजारों applications आई हुई हैं, उन में से छांट लेते हैं । क्या यह बताया जा सकता है कि जो advertisement इस बारे में की गई उस में क्या qualifications मांगी गई थीं ?

Mr. Speaker : This question has already been answered.

मौलवी अब्दुल गनी डार : On a point of order, Sir. मिस्टर प्रबोध चन्द्र का सवाल यह था कि आया वह कुछ पढ़ा लिखा भी है या नहीं ।

Mr. Speaker : This question has already been answered. It is no point of order. The hon. Member should not waste the time of the House.

पंडित श्री राम शर्मा : क्या यह बताया जा सकता है कि इन supervisors और organisers को recruit करने के लिए गवर्नमेंट ने क्या procedure अख्तियार किया हुआ है ? किस तरह से उन की selection होती है, उन को appoint करने का क्या set method है ?

चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी : यह selections उन आदमियों में से की जाती हैं जिन की applications District Public Relations Officers की मार्फत आती हैं । इस के लिये एक कमेटी बनी हुई है जिस में Director Public Relations तीनों Deputy Directors और मैं हूं । उस कमेटी में हर बात को देख कर, applicant से interview करके selection की जाती है ।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या यह procedure final है ?

चीफ पार्लिमेंटरी सैक्रेटरी : हां जी ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਚੀਫ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸੈਕਰੇਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਲਈ ਕੋਈ ਆਖਰੀ date ਵੀ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਹਾਡੇ ਆਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਜਾ ਚੁਕਿਆ ਸੀ (This question was replied before the hon. Member came in.)

श्री मंगल सैन : क्या यह बताया जा सकता है कि यह qualifications की छूट सिर्फ इसी लिए दी गई है ताकि कांग्रेसी workers को department के अन्दर लाया जा सके ?

श्री अध्यक्ष : आप के बगैर भला यह सवाल हो सकता था (who else than the hon. Member could ask such a question.)

श्री राम प्यारा : क्या चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी साहिब बतायेंगे कि जो उन्होंने फरमाया है कि special aptitude for social work देखा जाता है, उस के लिए आप ने कौन सा criterian या थरमामीटर रखा हुआ है जिस से इस special aptitude को मापा जाता है ?

चीफ पार्लियमेंटरी सैक्रेटरी : उस के लिये उन के public के कामों को, उन की सेवाओं को, पिछले record वगैरा को, imprisonment को, political sufferings को और देश के लिये किए कामों को ख्याल में रखा जाता है।

श्री राम प्यारा : मैं, जनाब, यह पूछना चाहता हूं कि क्या उन को appoint करने से पहले उन का previous record देखा गया था ?

चीफ पार्लियमेंटरी सैक्रेटरी : हर एक का record पहले देखा जाता है ।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या उन को educational qualifications की वजह से रखा जाता है या उन के lecture करवाये जाते हैं, या खुद ही कोई फैसला कर लिया जाता है ?

चीफ पार्लियमेंटरी सैक्रेटरी : बाकायदा हर एक के lectures करवा के देखे जाते हैं फिर रखा जाता है उन को ।

EXPENDITURE INCURRED ON STATE RECEPTIONS

*6883. **Shri Prabodh Chandra :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the expenses incurred by Government during the years 1956-57, 1958-59, 1959-60, and 1960-61 upto 31st January, 1961, on State receptions ;

(b) the annual total amount of pay and allowances of the staff of the Hospitality Department ?

Sardar Partap Singh Kairon :

		Rs	
(a) (i)	1956-57 ..	16,095.56	
(ii)	1958-59 ..	15,639.89	
(iii)	1959-60 ..	16,170.81	
(iv)	1960-61 upto 31st January, 1961 ..	15,109.36	
(b) (i)	1956-57 ..	18,346.19	(Part year with a skeleton organisation)
(ii)	1958-59 ..	49,638.22	
(iii)	1959-60 ..	55,122.00	
(iv)	1960-61 (upto 31st January, 1961) ..	54,427.00	

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, Chief Minister साहिब ने फरमाया है कि Hospitality Department पर पहले साल 18,000 खर्च हुआ फिर 49,000 खर्च हुआ 54,000 फिर खर्च हुआ। क्या जनाब, यह बताया जा सकता है कि इस successive increase की क्या वजह है ?

Chief Minister: I require separate notice for it.

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, मैं तो यह पूछना चाहता हूं कि यह जो 36,000 का पहले की निसबत खर्च बढ़ा है इस की क्या वजह है ?

श्री अध्यक्ष : उन्होंने भी कहा है कि आप ने amount पूछी थी वह बता दी गई है। अब आप वजह के लिये notice दें। (In the main question the hon. Member had enquired about the amount and it has already been stated by the Chief Minister. As regards the reasons, he should give a separate notice.)

DEARNESS ALLOWANCE AND OTHER FACILITIES FOR GOVERNMENT EMPLOYEES

***6929. Pandit Ram Kishan Bharolian :** Will the Chief Minister be pleased to state whether government have received any communication from the Central Government suggesting that dearness allowance and other facilities be given to the employees of the Government as they are being given to the employees of the Central Government ; if so, the action, if any, taken thereon ?

Dr. Gopi Chand Bhargva : 1*st part*.—No, Sir.

2*nd part*.—Does not arise.

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Government ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਤੇ ਕਦੋਂ ਤਕ ਵਿਚਾਰ ਕਰਦੀ ਰਹੇਗੀ ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਹੀ ਨਹੀਂ ਆਈ ਉਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕੀ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਕੋਈ ਇਹੋ ਜਿਹੀ proposal ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਜ਼ੇਰੇ ਗ਼ੌਰ ਹੈ ਕਿ Dearness Allowance pay ਵਿਚ merge ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਸਰਕਾਰ ਸੋਚਦੀ ਹੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕਿਸੇ ਫੈਸਲੇ ਤੇ ਵੀ ਪਹੁੰਚੇਗੀ ਜਾਂ ਸੋਚਦੀ ਹੀ ਰਹੇਗੀ ।

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਜਦੋਂ Government ਨਹੀਂ ਰਹੇਗੀ ਉਦੋਂ ਸੋਚਣਾ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ, ਸੋਚਦੀ ਨਹੀਂ ਰਹੇਗੀ ।

NEWSPAPERS AND PERIODICALS PUBLISHED BY THE PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT

***6930. Shrimati Sneh Lata :** Will the Chief Minister be pleased to state the number of newspapers and periodicals being published at present by the Public Relations Department in English, Hindi, Punjabi and Urdu, separately, and the circulation of each ?

Shri Hans Raj Sharma (Chief Parliamentary Secretary): The Public Relations Department are publishing the following four periodicals in English, Hindi, Punjabi, and Urdu The circulation figures are shown against each :—

Serial No.	Name of the journal	Periodicity	Circulation
			Copies
1	Advance (English) ..	Quarterly ..	1,200
2	Jagriti (Hindi) ..	Monthly ..	2,400
3	Jagriti (Punjabi) ..	Monthly ..	4,000
4	Pasban (Urdu) ..	Monthly ..	2,000

श्रीमती स्नेह लता : क्या Chief Parliamentary Secretary यह बतायेंगे कि यह जो magazines हैं इनकी sale कितनी होती है और free कितनी कापियां दी जाती हैं ?

चीफ पार्लियमेंटरी सैक्रेटरी : वैसे यह गिनती जानने के लिये नोटिस चाहिए मगर इतना बता सकता हूं कि इन के subscribers काफी हैं । थोड़ी सी complementary copies M.L.A.s और M.L.C.s को भेजी जाती हैं ।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या इन के खरीदार इतने हैं कि इन का खर्च निकल आए और सरकार को भार नहीं उठाना पड़ता ?

चीफ पार्लियमेंटरी सैक्रेटरी : इन को Government Press छापता है और इस के economic aspect पर इतना ज़ोर नहीं दिया जाता जितना इस बात पर कि सरकार की activities का लोगों को पता लगे ।

APPEALS BY NON-GAZETTED EMPLOYEES OF ERSTWHILE STATES OF PUNJAB AND PEPSU

***6917. Shri Lal Chand :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether decisions of the Government of India on the recommendations made by the Advisory Committee appointed to hear appeals filed by the non-gazetted employees of the erstwhile States of Pepsu and Punjab in the matter of their

[Shri Lal Chand]

seniority during the year 1960, have since been received by Government ; if not the number of cases pertaining to the year 1960, in which decisions of the Government of India are yet awaited and the reasons for delay in each case ;

(b) the period within which each of the cases mentioned in the latter part of (a) above is expected to be decided ;

(c) whether it is a fact that there are a number of cases in which decisions of the Government of India have been received but which are yet pending implementation by Government ; if so, the reasons therefor in each case separately and the period within which these decisions are likely to be implemented ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) (i) No.

(ii) 124.

(iii) The recommendations of the State Advisory Committee are still pending with the Government of India.

(b) As soon as Government of India takes a decision on their recommendations.

(c) The whole matter is under correspondence with the Government of India and a final decision is likely to be arrived at by Government of India.

ARRESTS OF AKALIS ON 5TH NOVEMBER, 1960 AT KAPURTHALA

***6533. Sardar Atma Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of Akali workers with their complete addresses who were arrested at Kapurthala on 5th November, 1960, the provisions of law under which they were arrested and the time of arrest in each case ;

(b) the names of the jails where the said Akalis have been lodged and the stage at which their cases are at present ;

(c) whether Government received any representation from any of the persons mentioned in part (a) above ; if so, when, together with the copy of the representation, if any, received and the action taken thereon ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) A statement containing the requisite information is laid on the Table.

(b) *Kapurthala Jail*—Case against 14 accused was withdrawn and they were released on 10th January, 1961. Case against S. Atma Singh, M.L.A., was withdrawn on 1st February, 1961.

(c) S. Atma Singh, M.L.A., had submitted a representation to the Inspector-General of Police, Punjab, on 17th November, 1960, a copy of which is enclosed. The subject matter of the case being sub-judice no action was taken.

Statement of arrests of Akalis on 5th November, 1960 at Kapurthala

Serial No.	Names	Provisions of law under which arrested	Time of arrest
1	Shri Atma Singh, M.L.A., son of Jhanda Singh, resident of Kapurthala	Section 6(1) Punjab Criminal Law Amendment Ordinance, 1960	4.30 (P.M.)
2	Shri Manohar Singh, son of Jiwan Singh, resident of Kapurthala		
3	Shri Narain Singh, son of Hari Singh, resident of Kapurthala		
4	Shri Amarjit Singh, son of Dhart Singh, resident of Sultanpur		
5	Shri Darshan Singh, son of Atma Singh, of Shahwala, police station Sultanpur		
6	Shri Hari Singh, son of Malla Singh, of Didwindi, police station Sultanpur		
7	Shri Darshan Singh, son of Jagat Singh, of Thata, police station Sultanpur		
8	Shri Piara Singh, son of Santa Singh, of Chuharpur, police station Sultanpur		
9	Shri Jugga Singh, son of Hem Singh, of Nasirpur, police station Sultanpur		
10	Shri Lachhman Singh, son of Chanan Singh, of Didwindi, police station Sultanpur		
11	Shri Hari Singh, son of Kehar Singh, of Bhaur, police station Sultanpur		
12	Shri Mangal Singh, son of Amar Singh, of Sherpur, Sadar police station Sultanpur		
13	Shri Pritam Singh, son of Bahadur Singh, of Bhuduwal, police station Sultanpur		
14	Shri Nand Singh, son of Jawala Singh, of Bhassrain, police station Nakodar		
15	Shri Baldev Singh, son of Kishan Singh, of Didwindi, police station Sultanpur		

Copy of representation dated 17th November, 1960 from Shri Atma Singh, M.L.A., District Jail, Kapurthala, to the Inspector-General of Police, Punjab, Chandigarh.

I have to draw your kind attention towards F.I.R. No. 143, dated 5th November, 1960 registered in Kapurthala Kotwali, as a result of which I was re-arrested here on 5th November, 1960 at 8.30 p.m. from my residence. My name and the so-called activities attributed to me do not exist in the said F.I.R. This is a cent per cent false and fabricated case which the Station House Officer, Kapurthala Kotwali has dared to register against me. All this has been done just to check my presence in the current session of the Punjab Vidhan Sabha. The Kapurthala Police was expecting the disclosures of their misdeeds and irregularities which I was going to disclose in the current session of the Vidhan Sabha. They came to know this fact from the letter which I addressed to the Governor on 1st November, 1960 with its copies to the Chief Secretary, the Deputy Commissioner and the Superintendent of Police, Kapurthala. I do not hesitate to say that at present there is no Rule of Law in the State. The whole State has been converted into a big prison. I do not mind whether I am in this jail or outside the big prison, but I condemn the law and mean methods of depriving me of my constitutional rights of representing the grievances of my people on the floor of the Vidhan Sabha. Being a representative of the people, I feel that the present Government is leading the State and its people towards destruction. If a Legislator like myself is arrested and put behind bars under cent per cent false case what to speak of the common man.

[Deputy Minister]

I still hold confidence in you and request your goodself to make personal enquiries in the circumstances under which I have been re-arrested. Your personal enquiries will satisfy you the way in which your Police is dealing with the public. Kindly make this case a test case. If you are satisfied from the preliminary enquiry. I would request the suspension of the Station House Officer Kapurthala Kotwali, the Superintendent of Police Kapurthala and other Police officials who have conspired and registered this false case against me so that I may be deprived of voicing the grievances of the people on the floor of the Vidhan Sabha regarding misdeeds and irregularities of the Kapurthala Police.

I hope you will not disappoint me and shake my confidence which I am reposing in your goodself. Kindly do meet me here and record my statement in this respect before starting the enquiry.

With best regards.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਦਫਾ 6 (1) ਹੇਠ 15 ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਕਪੂਰਥਲੇ ਗਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਜੋ ਨੰਬਰ ਇਕ ਤੇ ਅਕਾਲੀ ਹੈ ਉਸ ਨੇ representation ਦਿਤਾ । ਸਰਕਾਰ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ case ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਸੀ ਇਸ ਲਈ enquiry ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੁਣ ਜਦ case 1st February, 1961 ਤੋਂ withdraw ਹੋ ਗਏ ਹਨ, ਤਾਂ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜੋ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਝੂਠਾ ਮੁਕਦਮਾ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ, 8 ਬਜੇ ਰਾਤ ਨੂੰ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕਰਕੇ 4½ ਬਜੇ show ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਕਿ ਉਸ ਮੈਂਬਰ ਦਾ ਨਾਂ F.I.R. ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਇਲਜ਼ਾਮ ਦੀ ਇਕ ਨਿਰਪਖ enquiry ਕਮਿਸ਼ਨ appoint ਕਰਕੇ ਪੜਤਾਲ ਕਰਾਉਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹੈ ? (*Interruptions*)

ਮੈਂ challenge ਕਰਦਾ ਹਾਂ . . . . .

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : Challenge ਨਾ ਕਰੋ । (The hon. Member should not throw challenges.)

ਉਦਿਓਗ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਇਹ ਕੋਈ supplementary ਨਹੀਂ ਹੈ !

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਪਹਿਲਾਂ ਕਹਿੰਦੇ ਸੀ ਕਿ case court ਵਿਚ pending ਹੈ, ਇਸ ਲਈ enquiry ਨਹੀਂ ਕਰਾਉਂਦੇ । ਹੁਣ ਜਦ case withdraw ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਸਰਕਾਰ enquiry ਕਰਾਉਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹੈ ?

ਉਦਿਓਗ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦੀ ਕਿ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਨੰਗਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । (ਹਾਸਾ) ਇਹ ਗਲ ਢਕੀ ਰਹੇ ਤਾਂ ਹੀ ਠੀਕ ਹੈ । (ਹਾਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ challenge ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਸਰਕਾਰ ਵਿਚ ਹਿੰਮਤ ਹੈ ਤਾਂ enquiry ਕਰਾਵੇ ਕਿ ਇਹ ਝੂਠਾ ਮੁਕਦਮਾ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਸਾਲਸ ਬਣ ਜਾਵੋ, ਤੁਸੀਂ ਨਿਰਪਖ ਹੋ । ਜੇ ਇਹ ਮੁਕਦਮਾ ਝੂਠਾ ਸਾਬਤ

ਹੋ ਜਾਵੇ ਜਿਵੇਂ ਮੈਂ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਮੁੱਖ ਮੰਤ੍ਰੀ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇ ਕੇ ਲਾਂਭੇ ਹੋ ਜਾਣ ਅਤੇ ਜੇ ਇਹ ਸਚਾ ਸਾਬਤ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਤੋਂ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇ ਦਿਆਂਗਾ। ਜੇ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸਚਾਈ, ਈਮਾਨਦਾਰੀ ਤੇ ਹਿੰਮਤ ਹੈ ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਇਹ ਚੈਲੰਜ ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲੈਣ। (*Interruptions*)

ਸਰਦਾਰ ਹਰਗੁਰਨਾਦ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ enquiry ਸਰਕਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ ਨੇ propose ਕੀਤੀ ਹੈ ਕੀ ਇਸ ਦੇ ਕਰਨ ਤੇ ਉਹ ਨੰਗੇ ਹੋਣਗੇ ਜਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੰਗੀ ਹੋਵੇਗੀ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਨੰਗਾ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਨਾ ਕਰੋ ਤਾਂ ਚੰਗਾ ਹੈ। ਪਰ ਜੇ ਇਹ enquiry ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਅਕਾਲੀ M.L.A. expose ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ (*Interruptions*)

श्री अध्यक्ष: मैं भी एक suggestion दे दूं कि सरदार आत्मा सिंह को दोबारा arrest कर लिया जाए और उन के खिलाफ जो case था उस की court में merits पर enquiry की जाए। (I also make a suggestion that S. Atma Singh should be re-arrested and the case against him should be decided on merits in the Court of law.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਸਾਲਸ ਬਣਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਿਲਕੁਲ ਝੂਠੇ case ਬਣਾ ਕੇ ਸਾਨੂੰ arrest ਕੀਤਾ ਸੀ। ਅਦਾਲਤਾਂ ਤਾਂ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਰਹਿਣ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀਆਂ।

श्री अध्यक्ष : जो points irrelevant होते हैं उन का उठाया जाना बेमानी होता है। अगर आप के साथ कोई बेइनसाफी हुई है तो उस के लिए दूसरी legal remedies हैं। आप उन को avail कर सकते हैं। (It is not proper to raise irrelvant points in the House. If the hon. Member feels that some injustice has been done to him for that there are other legal remedies which he can avail of.)

RECOVERY OF FINES FROM AKALI CONVICTS IN VILLAGE JASSOWAL, DISTRICT LUDHIANA

***6535. Sardar Atma Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the names of the police officers/officials and the Magistrate who visited village Jassowal, district Ludhiana for the recovery of fines from Akali convicts of the village during October, 1960 ;

[Sardar Atma Singh]

(b) the names of the Akali convicts from whom fines were realised and the amounts thereof in each case ;

(c) the expenditure incurred by Government on the payment of T.A./D.A., etc., to the staff mentioned in part (a) above ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) A list containing names of such police officers and the Tehsildar, is laid on the Table.

(b) Rs 1,500 were recovered from Shri Jagdev Singh, son of Kartar Singh only.

(e) No T.A. or D.A. was paid to the Tehsildar and Police Officers mentioned in (a) above. However, Rs 58.14 nP. were spent on petrol of vehicles for transport of these officials.

Names of Police officials and the Tehsildar, who visited village Jassowal, police station Sadar Ludhiana, for the recovery of fines from Akali convicts of the village during October, 1960.

1. Shri E. F. Deatkar Deputy Superintendent of Police, City Ludhiana.
2. S. Resham Singh Tehsildar, Ludhiana.
3. S. Bhagat Singh, Sub-Inspector, Police Lines, Ludhiana.
4. Sub-Inspector Madan Gopal, Police Lines, Ludhiana.
5. Assistant Sub-Inspector, Rattan Lal, Police Lines Ludhiana.
6. Assistant Sub-Inspector, Ascharaj Lal, Police Lines, Ludhiana.
7. Assistant Sub-Inspector, Harnam Singh, Police Station Sadar Ludhiana.
8. Head Constable Mani Singh, Police Lines, Ludhiana.
9. Head Constable Pirthi Chand, No. 727, Police Lines, Ludhiana.
10. Head Constable Gurdial Singh, P.A.P., Police Lines, Ludhiana.
11. Head Constable Piara Singh, P.A.P., Police Lines, Ludhiana.
12. Constable Sadhu Ram, No. 659, Police Station Sadar Ludhiana.
13. Constable Dalip Singh, No. 50, Police Lines, Ludhiana.
14. Constable Joginder Singh, No. 478, Police Lines, Ludhiana.
15. Constable Sudagar Singh, No. 157, Police Lines, Ludhiana.
16. Constable Jan Masih, No. 288, Police Lines, Ludhiana.
17. Constable Raj Kumar, No. 320, Police Lines, Ludhiana.
18. Constable Kapoor Singh, No. 282, Police Lines, Ludhiana.
19. Constable Puran Singh, No. 100, Police Lines, Ludhiana.
20. Constable Chanda Ram, No. 356, Police Lines, Ludhiana.
21. Constable Shiv Kumar, No. 161, Police Lines, Ludhiana.

22. Constable Dwarka Dass, No. 493, Police Lines, Ludhiana.
23. Constable Mohan Lal, No. 113, Police Lines, Ludhiana.
24. Constable Sohan Lal, No. 146, Police Lines, Ludhiana.
25. Constable Gurnek Singh, No. 357, Police Lines, Ludhiana.
26. Constable Mohinder Singh, No. 210, Police Lines, Ludhiana.
27. Constable Sher Bahader No. 721, Police Lines, Ludhiana.
28. Constable Piara Singh, No. 285, Police Lines, Ludhiana.
29. Constable Lal Chand, No. 561, Police Lines, Ludhiana.
30. Constable Lalu Ram, No. 583, Police Lines, Ludhiana.
31. Constable Salwant Singh, No. 11, Police L'nes, Ludhiana.
32. Constable Basawa Singh, No. 178, Police Lines, Ludhiana.
33. Constable Siri Ram, No. 662, Police Lines, Ludhiana.
34. Constable Piara Singh, No. 45, Police Lines, Ludhiana.
35. Constable Naudu Ram, No. 876, Police Lines, Ludhiana.
36. Constable Paramjit, No. 828, Police Lines, Ludhiana.
37. Constable Jai Singh, No. 882, Police Lines, Ludhiana.
38. Constable Nichatar Singh, No. 807, Police Lines, Ludhiana.
39. Constable Atma Singh, No. 850, Police Lines, Ludhiana.
40. Constable Bharpur Singh, No. 773, Police Lines, Ludhiana.
41. Constable Gian Chand, No. 836, Police Lines, Ludhiana.
42. Constable Hoshiar Singh, No. 927, Police Lines, Ludhiana.
43. Constable Ram Dass, No. 848, Police Lines, Ludhiana.
44. Constable Sahib Singh, No. 873, Police Lines, Ludhiana.
45. Constable Mohinder Singh, No. 832, Police Lines, Ludhiana.
46. Constable Babu Ram, No. 814, Police Lines, Ludhiana.
47. Constable Chuhar Ram, No. 830, Police Lines, Luhdhiana.
48. Constable Dolu Ram, No. 804, Police Lines, Ludhiana.
49. Constable Achhru Ram, No. 880, Police Lines, Ludhiana.
50. Constable Mohamad Abdulah, No. 910, Police Lines, Ludhiana.
51. Constable Karam Chand, No. 412, Police Lines, Ludhiana.
52. Constable Tarsem Lal, No. 746, Police Lines, Ludhiana.
53. Constable Dhanna Singh, No. 121, Police Lines, Ludhiana.
54. Constable Janda Singh, No. 858, Police Lines, Ludhiana.
55. Constable Parminder Singh, No. 846, Police Lines, Ludhiana.
56. Constable Ishwar Dass, No. 904, Police Lines, Ludhiana.

[Deputy Minister]

57. Constable Mohinder Singh, No. 883, Police Lines, Ludhiana.
58 Constable Mohinder Singh, No. 789, Police Lines, Ludhiana.
59. Constable Multani Ram, No. 916. Police Lines, Ludhiana.
60. Constable Kirpal Singh, No. 825, Police Lines, Ludhiana
61. Constable Jawahar Lal, No 934, Police Lines, Ludhiana
62. Constable Ved Parkash, No 930, Police Lines, Ludhiana.
63. Constable Shankar Dass, No 731, Police Lines, Ludhiana.
64. Constable Piara Singh, No. 939, Police Lines, Ludhiana.
65. Constable Amar Singh, No. 926, Police Lines, Ludhiana.
66. Constable Joginder Sigh, No 805, Police Lines, Ludhiana.
67. Constable Roshan Lal, No. 823, Police Lines, Ludhiana
68. Constable Teja Singh, No. 913, Police Lines, Ludhiana
69. Constable Gurdev Singh, No. 841, Police Lines, Ludhiana
70. Constable Karam Chand, No. 847, Police Lines, Ludhiana
71. Constable Bhag Singh. No. 859, Police Lines, Ludhiana
72. Constable Rattan Chand, No 925, Police Lines, Ludhiana.
73. Constable Tarsem Lal, No. 795, Police Lines, Ludhiana.
74. Constable Bachitar Singh, No. 800, Police Lines, Ludhiana.
75. Constable Ujagar Singh, No. 806, Police Lines, Ludhiana.
76. Constable Swaran Singh, No. 813, Police Lines, Ludhiana.
77. Constable Bhag Singh, No. 922, Police Lines, Ludhiana.
78. Constable Gulzari Lal. No. 777, Police Lines, Ludhiana.
79. Constable Kanshi Ram, No. 940, Police Lines, Ludhiana.
80 Constable Ajit Singh, No. 766, Police Lines, Ludhiana.
81 Constable Sarwan Singh, No 776, Police Lines, Ludhiana.
82. Constable Shivdarshan Kumar, No. 767, Police Lines, Ludhiana.
83. Constable Bir Singh, No. 834, Police Lines, Ludhiana.
84. Constable Harnek Singh, No. 919, Police Lines, Ludhiana.
85. Constable Gulzara Singh, No. 929, Police Lines, Ludhiana.
86. Constable Jamna Dass No. 906. Police Lines. Ludhiana.
87. Constable Nirmal Singh, No. 909, Police Lines, Ludhiana.
88. Constable Teja Singh, No. 903, Police Lines, Ludhiana.
89. Constable Harbans Singh, No. 765, Police Lines, Ludhiana.
90. Constable Pritam Singh, No. 914, Police Lines, Ludhiana.

91. Constable Gulzara Singh, No. 929, Police Lines, Ludhiana.

92. Constable Rajkishan, No. 937, Police Lines, Ludhiana.

93. Constable Gurmail Singh. No. 892, Police Lines, Ludhiana.

94. Constable Mohinder Singh, No. 918, Police Lines, Ludhiana.

95. Constable Daulat Ram, No. 866, Police Lines, Ludhiana.

96. Constable Ramesh Chander. No. 915, Police Lines, Ludhiana.

97. Constable Ishar Singh, Driver, Police Lines, Ludhiana.

98. Constable Sarwan Singh, Driver, Police Lines. Ludhiana.

99. Constable Lakshmi Chand, Driver, Police Lines, Ludhiana.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, Deputy Minister ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫ਼ਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਸੋਵਾਲ ਦੇ ਵਿਚ ਜਗਦੇਵ ਸਿੰਘ ਕੋਲੋਂ 1,500 ਰੁਪਿਆ ਜੁਰਮਾਨੇ ਵਜੋਂ ਵਸੂਲ ਕਰਨ ਲਈ 90 police ਦੇ ਆਦਮੀ ਭੇਜੇ ਗਏ ਸੀ। ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੁਰਮਾਨਾ ਵਸੂਲ ਕਰਨ ਲਈ ਇਤਨੀ ਵਡੀ police force ਭੇਜਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਸੀ ?

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਉਸ ਦੀ ਲੋੜ ਇਸ ਲਈ ਸੀ ਕਿ ਕਿਤੇ ਕੋਈ ਸ਼ਰਾਰਤੀ element mischief ਨਾ ਕਰੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਉਹ police force ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ terror ਫੈਲਾਉਣ ਲਈ ਨਹੀਂ ਸੀ ਭੇਜੀ ਗਈ ?

Mr. Speaker : This is not a supplementary question please.

DEPARTMENTAL ENQUIRIES AGAINST DEPUTY INSPECTORS-GENERAL OF POLICE, PUNJAB

***6835. Shri Ram Piara** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any departmental enquiry is being held against any of the present Deputy Inspectors-General of Police in the State ; if so, his/their name/names and the name of the authority holding the enquiry ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether any charge-sheet, show-cause notice or any similar notice has been served on any of the officer/officers mentioned in part (a) above ; if so, the contents thereof, the date when it was served and the date when the reply thereto was received in each case ;

(c) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether the enquiry has been completed ; if so, the result thereof ; if not, the time by which it is expected to be completed ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a), (b) and (c). No departmental enquiry is being held against any of the present Deputy Inspectors-General of Police in the State. However, the explanation of Ch. Ram Singh, I.P.S., Deputy Inspector-General of Police, Patiala Range, was called in connection with the structures passed against him by the Additional Sessions Judge and the High Court in the Karnal Triple Murder Case, and it is under examination by the Government.

श्री राम प्यारा : क्या Deputy Minister साहिब बतायेंगे कि चौधरी राम सिंह D. I. G. की explanation सरकार के पास पहुंच चुकी है ? अगर पहुंच चुकी है तो कब ?

उप-मंत्री : हां जी, second week of January, 1961 को उन का explanation पहुंच गया था ।

श्री राम प्यारा : क्या Deputy Minister साहिब बतायेंगे कि कब तक गौर कर के उस का फैसला कर दिया जाएगा ?

Deputy Minister : As soon as possible.

श्री राम प्यारा : क्या Deputy Minister साहिब बतायेंगे कि Ambala के Sub Inspector की जेब से जो bill निकला था जिस पर चौधरी राम सिंह के signatures थे उस का भी उन्होंने अपने explanation में कुछ जिक्र किया है ?

Mr. Speaker : This not a supplementary question please.

STARRED QUESTION NO. 6884 POSTPONED

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, जब इस सवाल के जवाब देने में ज्यादा labour involved नहीं है तो फिर सरकार को यह postpone नहीं करना चाहिए और अगर किया गया है तो उस का सबब बतलाना चाहिए । जनाब, मुझे मालूम है कि इस सवाल का जवाब पहले 15 फरवरी को सवाल नं० 6499 के जवाब में यहां आ चुका है इस लिये ज्यादा labour involve होने का सवाल ही नहीं उठता ।

श्री अध्यक्ष : अगर यह information मैम्बर साहिब के पास पहले से ही मौजूद हैं तो दोबारा सवाल भेजने की क्या जरूरत पड़ गई है ? (If the hon. Member has already got this information, then why has he sent this question again ?

श्री प्रबोध चन्द्र : मैं पूछना चाहता हूं, जनाब, कि आया किसी postponed सवाल के लिये गवर्नमेंट के पास कोई reason नहीं है ?

श्री अध्यक्ष : यह postponed हो चुका है । मुझे वे inform कर देते हैं कि फलां सवाल postponed हो गया है । यह फैसला हो चुका है कि reason भी देना चाहिए । (This has been postponed. I am informed that a certain question has been postponed. It had been decided that reasons would also be given for the postponement of questions.)

श्री प्रबोध चन्द्र : इस में reasons नहीं दिये गये हैं तो क्या आप इन के ears pull करेंगे ?

श्री अध्यक्ष : यह बाद में देखा जाएगा। (This will be seen later on.)

AKALIS NOT RELEASED FROM KAPURTHALA JAIL ON 10TH JANUARY 1961

***6937. Kanwarani Jagdish Kaur :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any Akali prisoners were not released from Kapurthala jail on 10th January, 1961 ; if so, their names and the reasons why they were not released ;

(b) the details of the cases registered against the prisoners mentioned in part (a) above ?

Shri Benarsi Dass Gupta (Deputy Minister) : (a) and (b). The requisite information contained in the 'Annexure A' is laid on the Table of the House.

"ANNEXURE "A""

List of prisoners not released on 10th January, 1961	Section under which arrested	Reasons for which they were not released on 10th January, 1961
1	2	3
1. Atma Singh, son of Jhanda Singh	Punjab Criminal Law Amendment Act, 1960	Orders for their release were not received
2. Rur Singh, son of Devi Dayal,	107 Cr. P.C.	Ditto
3. Boota Singh ..	107/151 Cr. P.C,	Ditto
4. Mangal Singh, son of Sawan Singh	107 Criminal Procedure Code	Ditto
5. Karam Singh, son of Amrik Singh..	Criminal L.A.A.	Ditto
6. Ripuduman Singh, son of Kandhara Singh	107 Criminal Procedure Code	Ditto
7. Kehar Singh ..	Ditto	Ditto
8. Beant Singh ..	188 Cr. P.C.	Ditto
9. Bhagwan Singh, son of Khushal Singh	107 Criminal Procedure Code	Ditto
10. Avtar Singh, son of Baisakha Singh	Criminal L.A.A.	Ditto

[Deputy Minister]

List of prisoners not released on 10th January, 1961	Section under which arrested	Reasons for which they were not released on 10th January, 1961
1	2	3
11. Tej Bahadur Singh, son of Khushal Singh	Under Section 6(I) Punjab Criminal Law Amendment Act, 1960	Shri Atma Singh, M.L.A. and his few other colleagues whose orders for release had not been received at the Jail obstructed through force the release of prisoners from 11 to 54. In order to avoid an ugly situation these prisoners were released on 11th January, 1961
12. Harbans Singh, son of Amar Singh		
13. Ajit Singh, son of Lachhman Singh		
14. Bawa Singh, son of Rakha Ram		
15. Sham Singh, son of Khushal Singh		
16. Ishar Singh, son of Nihal Singh		
17. Harbans Singh, son of Jagat Singh		
18. Surjit Singh, son of Hazara Singh		
19. Pritam Singh, son of Ladha Singh		
20. Balwant Singh, son of Sunder Singh		
21. Khazan Singh, son of Mal Singh		
22. Satnam Singh, son of Lal Singh		
23. Dalip Singh, son of Lakha Singh		
24. Mohinder Paul Singh, son of Ajit Singh		
25. Mohinder Singh, son of Gopal Singh		
26. Prem Singh, son of Chanan Singh		
27. Kashmir Singh, son of Bala Singh		
28. Darshan Singh, son of Gian Singh		
29. Chanan Singh, son of G. G. Singh		
30. Bawa Singh, son of G.G. Singh		
31. Dhan Singh, son of G.G. Singh		
32. Darshan Singh, son of G.G. Singh		
33. Joginder Singh, son of G.G. Singh		
34. Harbhajan Singh, son of G. G. Singh		
35. Narinder Singh, son of G.G. Singh		
36. Karnail Singh, son of G.G. Singh		
37. Jagga Singh, son of G.G. Singh		
38. Gurbachan Singh, son of G. G. Singh		
39. Achhar Singh, son of G. G. Singh		
40. Kulwant Singh, son of Jhanda Singh		
41. Faqir Singh, son of Mangal Singh		
42. Nazir Singh, son of G.G. Singh		
43. Jaswant Singh, son of G.G. Singh		
44. Balwant Singh, son of G.G. Singh		
45. Balkar Singh, son of G.G. Singh		
46. Swaran Singh, son of G.G. Singh		
47. Suba Singh, son of G.G. Singh		
48. Kashmira Singh, son of G.G. Singh		
49. Gujjar Singh, son of G.G. Singh		
50. Joginder Singh, son of G.G. Singh		
51. Pritam Singh, son of G.G. Singh		
52. Darshan Singh, son of G.G. Singh		
53. Amarjit Singh, son of G.G. Singh		
54. Kashmira Singh, son of G. G. Singh		

CASE REGISTERED AGAINST AKALI UNDERTRIAL PRISONERS IN KAPURTHALA JAIL

***6938. Kanwarani Jagdish Kaur :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether any case was registered in Kapurthala jail during January, 1961 against some Akali undertrial prisoners ; if so, when and the names of such prisoners ;

(b) the date on which the prisoners referred to above were arrested ?

Shri Benarsi Dass Gupta (Deputy Minister) : (a) Yes, on 11th January, 1961 under section 506, I.P.C. against Sarvshri Atma Singh, M.L.A., Karam Singh, Mangal Singh and Ripudaman Singh.

(b) On 1st February, 1961.

MONTHLY MEDICAL ALLOWANCE TO GOVERNMENT SERVANTS

***6527. Shri Rup Singh Phul :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to grant a monthly medical allowance to the Government employees in the State, instead of reimbursing them for the cost of medicines purchased by them ; if so, the amount thereof and the date from which this allowance is proposed to be started ?

Shrimati Dr. Parkash Kaur (Deputy Minister) : No.

CONSTRUCTING HEALTH CENTRE AT VILLAGE LONGOWAL, DISTRICT SANGRUR

***6843. Sardar Rajinder Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to construct a Health Centre at village Longowal in tehsil and district Sangrur ; if so, the time by which the construction thereof is expected to start ?

Shrimati Dr. Parkash Kaur (Deputy Minister) : Yes ; the construction work is expected to start in March, 1961.

IMPORT LICENCES/ESSENTIALITY CERTIFICATES ISSUED IN INDUSTRIAL AREA, CHANDIGARH

***6862. Shri Ram Piara :** Will the Minister for Industries be pleased to state —

(a) whether any import licences or essentiality certificates have been issued to those who have purchased plots in the Industrial Area, Chandigarh, during the period from March, 1960 to-date ; if so, the names of those to whom import licences or essentiality certificates have been issued and the dates when these were issued in each case ;

(b) whether any applications for the issue of essentiality certificates or import licences of those who have purchased plots in the Industrial area, Chandigarh, constructed buildings and obtained power connections, were rejected or are pending as on the 31st January, 1961 ; if so, the details thereof ?

Shri Mohan Lal : (a) Yes. Essentiality Certificates have been issued to the following firms who purchased plots from March, 1960 to date :—

(1) M/s Rakesh Industries — On 1st September, 1960 and 12th January, 1961

(2) M/s Basant Industrial Corporation — On 12th February, 1961

(b) No such application was rejected. Case of M/s D. K. Industries was pending on 31st January, 1961 and an essentiality certificate was issued on 10th February, 1961.

श्री राम प्यारा : क्या मिनिस्टर साहिब बतलायेंगे कि जब कि M/s. D.K. Industries ने plot भी खरीद कर लिया हुआ था, building भी construct कर ली हुई थी और उन्हें power भी sanction हो गई हुई थी तो उन्हें essentiality certificate issue करने में क्यों देर की गई जब कि M/s Rakesh Industries को यह certificate दे दिया गया था ?

मन्त्री : Essentiality certificates और licences हासिल करने के लिये दरखास्तों की तादाद ज़्यादा होने की वजह से कई दफ़ा कई cases में ज़्यादा देर लग जाती है।

श्री राम प्यारा : मिनिस्टर साहिब ने बतलाया है कि क्योंकि बहुत ज्यादा दरखास्तें होती हैं इस लिये देर लग जाती है। लेकिन जहां तक चंडीगढ़ का ताल्लुक है यहां के लिये तो दरखास्तें ही कुल तीन थीं फिर देरी क्यों हुई और फिर M/s D.K. Industries ने तो तमाम formalities भी complete कर ली थीं। तो उन का case pending रखने के क्या कारण हैं जब कि M/s Rakesh Industries और M/s Basant Industrial Corporation को certificates issue कर दिये गये थे ?

मन्त्री : यहां पर सिर्फ़ चण्डीगढ़ का सवाल नहीं। Department में हज़ारों की तादाद में applications Essentiality Certificates के लिये आती हैं और हरेक case में enquiry करनी होती है, कई cases को refer back करना पड़ता है तो ज़रूरी है कि देर लग जाये। अगर इस में कोई खास बात है जिस का मुझे पता न हो तो इस का separate notice दे दिया जाये, मैं पता कर के बता दूंगा। मुझे कोई खास बात का पता नहीं है। मेरे ख्याल में there is nothing of importance in it, मगर है तो मुझे बता दें।

PERMITS FOR COAL WAGONS ISSUED TO BRICK-KILN OWNERS IN THE STATE

***6863. Shri Ram Piara :** Will the Minister for Industries be pleased to state the total number of permits for coal wagons issued or sanctioned to the Brick-kiln owners in the State during the period from 1st September, 1960 to-date, district-wise, together with the number of coal wagons actually allotted to the said brick-kiln owners, district-wise, during this period ?

Shri Benarsi Dass Gupta (Deputy Minister) **:** Necessary information is laid on the Table of the House.

Statement showing the total allotment of slack coal made by the Food and Supplies Department to the Districts under Head 'BRK', 'GMF', 'CDP/NES' and Flood for the period 1st September, 1960 to 31st August, 1961 and the total number of wagons received from 1st September, 1960 to 10th February, 1961.

Serial No.	Name of the district		Total number of wagons allotted	Total number of wagons received	REMARKS
1	Amritsar	..	2,299	75	Up to 10th February 1961
2	Jullundur	..	2,873	156	Ditto
3	Ludhiana	..	2,550	297	Ditto
4	Ambala	..	2,525	119	Ditto
5	Karnal	..	2,698	146	Ditto
6	Rohtak	..	3,564	305	Ditto
7	Patiala	..	2,915	157	Ditto
8	Ferozepore	..	1,215	66	Ditto
9	Fazilka	..	818	31	Ditto
10	Hoshiarpur	..	2,619	70	Ditto
11	Sangrur	..	3,414	160	Ditto
12	Gurdaspur	..	1,944	34	Ditto
13	Gurgaon	..	1,643	53	Ditto
14	Hissar	..	2,524	127	Ditto
15	Bhatinda	..	2,338	63	Ditto
16	Kapurthala	..	1,021	16	Ditto
17	Kangra	..	95	..	Ditto
18	Narnaul	..	399	10	Ditto
19	Simla	..	10	..	Ditto

श्री राम प्यारा : क्या मिनिस्टर साहिब बतलायेंगे कि कोयले की जो उन्हें बहुत थोड़ी quantity मिलती है क्या गवर्नमेंट इस quantity को बढ़ाने के सवाल पर ग़ौर कर रही है ?

उप-मंत्री : यह सवाल तो हमेशा ही ज़ेरे ग़ौर रहता है।

श्री राम प्यारा : यह जो कोयले के wagons उन के लिये आते हैं क्या यह गवर्नमेंट की मारफत आते हैं ?

उप-मंत्री : नहीं, यह गवर्नमेंट की मारफत नहीं आते । इस के लिये agents मुकर्रर किये हुए हैं और वही यह मंगवाते हैं।

श्री राम प्यारा : क्या मिनिस्टर साहिब बतलायेंगे कि अगर कोई license totally ignore हो जाये और उसे कोयला न मिले तो क्या गवर्नमेंट उस के लिये कुछ करती है ?

श्री अध्यक्ष : इस से पैदा नहीं होता। इस तरह अगर मगर का सवाल न करें। (This does arise. The hon. Member should not put hypothetical questions.)

उप-मंत्री : कोई कोशिश कर के ले आता है और कोई नहीं ला सकता ।

MANUFACTURING OF POWER WHEAT THRASHERS IN THE STATE

***6870. Sardar Ram Dayal Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state the names and addresses of the industrial concerns in the State which manufacture Power Wheat Thrashers ?

Shri Mohan Lal : (i) Friends Own Foundry and Workshop, Gill Road, Ludhiana.

(ii) Bharat Engineering Works, Moga.

(iii) Vishwakarama Engineering Works, Moga.

REPRESENTATIONS FROM LUDHIANA FOUNDRY OWNERS ASSOCIATION

***6871. Sardar Ram Dayal Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether Government have recently received representations from the Ludhiana Foundry Owners Association, Ludhiana, regarding the acute shortage of hard coke ;

(b) if the answer to part (a) be in the affirmative, the action taken by the Government to remove this hardship ?

Shri Mohan Lal : (a) Yes.

(b) The Deputy Coal Controller (Distribution), Calcutta, was requested by demi-official letter as well as by telegrams to speed up supplies of hard coke to Ludhiana,

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫ਼ਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ Deputy Coal Controller ਨੂੰ Demi official letter ਵੀ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਔਰ telegram ਵੀ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੀ ਜਵਾਬ ਆਇਆ ਹੈ ? ਕੀ hard coke ਦੀ supply ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ?

मंत्री : मेरा ख्याल है कि तमाम मेम्बर साहिबान को मालूम ही है कि बहुत देर से यह सवाल चल रहा है कि supply चाहे किसी category की हो, यह कम हो रही है। यह सिर्फ़ एक ही locality का question नहीं है। यह तो बहुत सारी States का सवाल है। जिस तरह कि मेम्बर साहिबान ने देखा होगा इस बारे में काफी देर से controversy चलती रही है और गवर्नमेंट ने इस तरफ़ काफ़ी ध्यान दिया है। मुझे अभी अभी लुधियाना के मुतािल्लक information मिली है कि वहां 65 wagons पहुँच गये हैं और इसी तरह से दूसरी जगहों पर भी पहुंच रहे हैं। इस लिये आशा की जा सकती है कि जलदी supply पूरी की जायेगी।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਨੂੰ ਇਲਮ ਹੈ ਕਿ shortage ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫ਼ਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਅਰਸੇ ਬਾਅਦ ਠੀਕ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਦਸਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਮਹੀਨਾ, ਦੋ ਮਹੀਨੇ ਜਾਂ ਕਿਨੇ ਅਰਸੇ ਵਿਚ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ?

ਮੰਤ੍ਰੀ : ਸਟੇਟ ਗੌਰਮਿੰਟ ਲਈ ਕੋਈ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਾਉਣਾ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ movement ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ Central Government ਨਾਲ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਤਿਨ ਮਹੀਨਿਆਂ ਤਕ shortage ਖਤਮ ਹੋ ਕੇ supply normal ਹੋ ਜਾਏਗੀ। ਲੇਕਿਨ ਫੇਰ ਵੀ State Government ਵਲੋਂ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ commitment ਕਰਨਾਂ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਇਖਤਿਆਰ Central Government ਕੋਲ ਹੈ।

ADMINISTRATOR, KAPURTHALA MUNICIPAL COMMITTEE

***6939. Kanwarani Jagdish Kaur :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the name of the Administrator of Kapurthala Municipal Committee, the date of his appointment and the total amount so far paid to him for his services as such ;

(b) whether the said Administrator is employed on a part-time or whole-time basis ?

Professor Yashwant Rai (Deputy Minister) : (a) (i) The Deputy Commissioner, Kapurthala.

(ii) 4th March, 1960.

(iii) Rs 100 per mensem.

(b) Part-time basis.

श्री लाल चन्द : डिप्टी कमिश्नर 24 घंटे के सरकारी मुलाज़म होते हैं लेकिन उन्हें part time work करने की इजाज़त दी गई है । क्या मैं पूछ सकता हूं कि क्या बाकी Government Servants को भी सरकार allow करेगी ?

उद्योग मन्त्री : यह उन्हें additional ज़िम्मेदारी दी गई है जो कि वे office hours attend करने के बाद सरअंजाम देते हैं । क्योंकि बतौर Administrator उन्हें तरद्दद करना पड़ता है इस लिए उस के लिये allowance दिया गया है ।

श्री लाल चन्द : डिप्टी कमिश्नर 24 घंटे का सरकारी मुलाज़म होता है तो क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि 24 घंटे के बाद extra time कहां से निकालते हैं ?

Mr. Speaker : This is no supplementary.

श्री राम प्यारा : हेली मण्डी और गोहाना में election न होने की क्या वजह है ?

उप-मंत्री : Floods की वजह से और हेली मण्डी का area बढ़ने की वजह से वहां पर election रुक गई ।

REPRESENTATION FROM THE SECRETARY, PUNJAB ROADWAYS WORKERS UNION, JULLUNDUR

***6916. Shri Ram Kumar Bidhat** : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether the Government have recently received any representation from the Secretary, Punjab Roadways Workers Union, (Jullundur) regarding the demands of transport workers for minimum wages, gratuity, duty cards and bonus, etc. ; if so, a copy of the representation be laid on the Table ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the action taken or proposed to be taken by Government on the said memorandum ?

Shri Mohan Lal : (a) Yes. A statement of the demands is laid on the Table of the House.

(b) Since the Union had not served a regular demand notice on the management as required under the Industrial Disputes Act, 1947, no conciliation proceedings could be started. The Union was advised to serve a regular demand notice as laid down under the said Act so that the dispute could be conciliated by the Conciliation Officer, but so far no regular demand notice has been received by the Labour Department. Government will take necessary action in accordance with the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947, in case the Union serves a regular demand notice on the management.

DEMAND CHARTER OF THE PUNJAB ROADWAYS WORKERS

1. *Minimum rates of wages.*—The Punjab Government appointed a Committee consisting of 13 Members in July, 1959, to fix up the minimum wages of the workers employed in the Transport Department of the Punjab Government. That Committee after holding 6 meetings decided the following wages :—

(1) Conductors	..	Rs 100 per mensem
(2) Drivers	..	Rs 130 per mensem
(3) Fitters, Black-smiths, up-holsters, Carpenters, etc.	..	Rs 130 per mensem

The Punjab Government approved the above-said decision, and announced it in the Official Gazette,—*vide* No. 470-3LabII-60/2759, dated the 12th February, 1960 (page No. 288). According to this Gazette, the above-said rates of minimum wages per month were to be implemented with effect from 12th May, 1960, in the Transport Department also. These rates are also being paid to all the employees in the Pepsu Roadways, and in the private sector of transport in the Punjab. It is very much regretted that these are not enforced in the Punjab Roadways, inspite of the fact that the date 12th May, 1960 has passed since long and the Union has made several requests to the authorities concerned. It is, therefore, requested that the above grades be implemented and according to these rates, the new grades of the Drivers, Conductors, etc., be fixed as under :—

(1) Conductors	..	Rs 60—4—100/5—150
(2) Drivers	..	Rs 90—4—130/5—150
(3) Painters, Up-holsters, Black-smiths, Fitters, etc.	..	Rs 90—4—130/5—150
(4) Mechanics	..	Rs 100—6—160/8—200
(5) Assistant Fitters/Welders/Carpenters, etc.	..	Rs 50—3—80/4—100

2. *Holidays.*—Prior to 1st July, 1959, there were 20 casual leaves in a year and 33 earned leaves in the Punjab Government Transport. But *vide* order No. 3691-FPII-59/5175, dated 26th May, 1959 of the Finance Department and the orders of the Home Department—*vide* No. 4376-GII-59/2777, dated 28th May, 1959, the Punjab Government increased working hours from 7 to 8½ daily and allowed two holidays in a week, the earned leaves and casual leaves were decreased and 3 National Days (26th January, 15th August and 2nd October), 3 mid-summer holidays, and 6 festival holidays were allowed. But in the Transport Department the Officers take 9 hours a day as working duty and 12 hours spread-over, from the Drivers and Conductors, much against the policy of the Government. They are not given any of the above-said holidays.

We, therefore, demand that all the above-said holidays be given to the Drivers and Conductors also. If at all they are required to be on duty, they should be paid double pay during these holidays.

3. *Bonus.*—It was decided in the meeting, dated 26th June, 1958, and 6th May, 1958, held between the representatives of this Union led by S. Darbara Singh Ji, M.L.A. (President of this Union), and the Transport Officers, including Transport Minister, that the Bonus case of the workers will be considered on high level. Accordingly this case was put in the meeting of the Co-ordination Committee with the Council of Ministers, on 17th September, 1959 (11th Meeting of this Committee), and it was decided in this meeting,—*vide* paragraph No. 3 as under :—

"That the question of wage structure and inter-connected questions relating to the principle of bonus and cash rewards should be placed before the Cabinet for consideration within a period of three months on the basis of full date."

It is a matter of great regret that so far nothing has been decided in the matter although a period of more than a year is over.

We, therefore, strongly stress that the workers be paid their bonus, according to the Full Bench Formula of the Supreme Court of India, with effect from 1955-56, and all the arrears be paid to the workers. This case may kindly be again placed before the Co-ordination Committee in its Agenda in the coming meeting.

[Minister for Industries]

4. *Gratuity.*—It was decided in the meeting held on 26th June, 1958 (in the meeting of the Union representatives and the Transport Department as stated above), that any employee who will retire from the service of more than 10 years will be entitled to a gratuity of 15 days pay per year at the time of retirement. This was also decided in the meeting of the Co-ordination Committee dated 17th September, 1959,—*vide* its paragraph No. 2 of the proceedings as under :—

> "With regard to gratuity, the Deputy Transport Controller pointed out that this matter was under examination of the All-India Transport authorities and a suitable recommendation should be worked out after their report was received."

So far nothing has been done in the matter. It is, therefore, requested that all those workers who have retired from service these days, they should be paid their due gratuities.

5. *Duty Cards.*—Conductors and Drivers of the Punjab Roadways should also be given the 'Duty Cards' (as notified by the Punjab Government) and these cards should be properly and regularly filled. Punjab Roadways workers are not given the duty cards. In the absence of such cards, it is very difficult to ascertain from whom how much duty is taken and when. We made representation for issuing duty cards after the specified period,—*vide* our letter No. 76-D58, dated 26th September, 1958, to the Honourable Transport Minister, Punjab, but nothing has been heard so far in this respect.

Not to speak of paying any over-time to the workers such register is not maintained in any Depot showing extra duty taken from the workers, although two-and-a-half years have passed to this agreement. Now we request that necessary instructions should be issued to all depots to give duty cards to its employees, at the earliest.

6. *Fines.*—Drivers and Conductors have to bear fines for no fault of their. Sometimes they are challaned and fined for certain technical short-comings and defects for which the Management is entirely responsible. It was agreed that in such cases an official of the Roadways will accompany them to the Court and will pay the fine. This is also not being put into practice like other demands. It is a great injustice done to the poor employees of the Roadways. All such fines should be paid by the Department in the Court at the spot.

7. *Uniforms.*—It was agreed upon by the Officials of the Transport Department on 5th June, 1958, that uniforms will be supplied to all the running staff before 15th April and 15th October every year as per rules as they fall due. And also it was accepted that the cleaners and temporary running staff will also be supplied uniforms. This promise too has not been fulfilled, which has caused a great anxiety among the workers. Stitched uniforms should be provided to the workers, and the stitching charges should be paid at the rate of Pepsu Roadways. The workshop employees should be supplied at least three sets of uniforms taking into consideration the nature of their duty.

8. *Turbans to the Sweepers.*—Previously all the sweepers working in the Workshop were also supplied turbans like other staff, but this year the turbans are stopped. It is requested that the poor sweepers may also be issued turbans at the earliest.

9. *Over-time.*—All the drivers and conductors who have to be on duty for extra hours, are not paid over-time. They should be paid over-time regularly. If owing to rush of work, these employees are required to work even in their rest days, they should be paid double the wages for those days.

10. *Family Passes.*—Each employee should be provided with family passes at least 4 times a year, and should be allowed to travel on all the routes where Punjab Government Buses ply.

11. *Standing Orders.*—Punjab Roadways came into being with effect from 19th May, 1948, and The Industrial Employment (Standing Orders) Act and Rules were framed in 1946. Uptil now no such orders have been framed in this Department, although the Transport authorities of the Punjab Government are giving in writing

to the Union that all the staff except clerical staff is not governed by Civil Service Rules but by the Standing Orders. These Standing Orders should be framed immediately, as it is still in the dark under what Orders and Rules the workers of the Punjab Roadways fall.

12. *Contributory Provident Fund.*—No regular statements of the contributory Provident Fund have been supplied to any Depot regularly. The few statements supplied to very few workers are incomplete and incorrect. The Union requests that regular statement of each and every worker of the Depots be supplied annually, duly approved by the Accountant-General, Punjab, Simla. All those persons who have completed their one year's service without break, should be granted the contributory provident fund privilege.

13. *Share in Management and Co-ordination Committee.*—The Union demanded that the workers should be given share in the management as per policy of the Central Government. But this has not been accepted by the Punjab Government. This is quite against the declared policy of our National Government and the National Pool for achieving Socialist Pattern of Society. It is, therefore, requested that workers should be given share in the management on trial basis in the beginning and a co-ordination committee may please be declared on all levels including the President and General Secretary of the Union. The Committee should hold meetings with the General Managers after every two months. Similarly a committee should be formed which should meet the Provincial Transport Controller at least once in a quarter of a year, to discuss various matters.

14. *Family Quarters.*—Arrangement of family quarters may kindly be made for the employees of the Punjab Roadways in every Depot, where all the facilities of water, light, etc., be provided.

TENANTS OUSTEES OF KANGRA FROM LAND UNDER GOBIND SAGAR

***6867. Pandit Ram Kishan Bharolian :** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the total number of tenants belonging to Kangra District and the number of Harijans amongst them, who have been ousted in consequence of their land having been submerged under the Gobind Sagar and who have been allotted lands in district Hissar ;

(b) the area of land allotted to the oustees mentioned in part (a) above ;

(c) whether the area mentioned in part (b) above has been allotted on a permanent or temporary basis ;

(d) whether it is a fact that the said allotment in favour of some oustees has been cancelled ; if so, the reasons therefor ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) (i) Total number of tenants of Kangra District allotted land in Hissar District is 254.

(ii) Number of Harijans amongst a (i) above is 173.

(b) (i) 1,239 acres.

(ii) 846 acres.

(c) On permanent basis.

(d) Yes. In case of 30 oustees who filed false affidavits. This number is not included in (a) above.

MECHANISED AGRICULTURAL FARM IN THE STATE

***6667. Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state—

(a) whether Government have recently submitted any plan to the Central Government for setting up a large-sized mechanised agricultural farm in the State on the lines of the Surat Garh Farm; if so, the details of the said plan ;

(b) whether the Central Government have given their approval to the plan mentioned in part (a) above ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) No.

(b) Does not arise.

MUSEUMS IN THE STATE

***6669. Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Education be pleased to state whether Government intend setting up Museums in the State during the Third Five-Year Plan ; if so, the names of places where they are intended to be located ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : No, there is no proposal before Government to set up any more museums in the State during the 3rd Five-Year Plan period.

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या उप-मन्त्री बतायेंगे कि क्या सरकार के ज़ेरे ग़ौर है कि museum set up किया जाएगा क्योंकि मोती बाग palace पटियाला जिस में इसे set up करना था वह इन्होंने बेच दिया है ?

उप-मंत्री : Museum को reorganise करने का काम हो रहा है ।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या यह ठीक है कि जिस मोती बाग में museum कायम करने का इरादा था उसे Central Sports Club of India के पास बेच दिया गया है ?

Mr. Speaker : The hon. Member is passing information. This is not a supplementary question.

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या यह अमरे वाका है कि मोती बाग महल की इमारत को Sports Club of India के पास बेच दिया गया है ? अगर ठीक है तो museum कहां पर बनाया जा रहा है ?

उप-मंत्री : यह ठीक है और इसे अब मोती बाग में नहीं बनाया जा रहा ।

श्री प्रबोध चन्द्र: यह जो building इसी purpose के लिये खास तौर पर खरीद की गई थी इसे कौन सी वजूहात पर अब बेचा जा रहा है ?

उप-मंत्री : इसे और काम में इस्तेमाल में लाया जा रहा है ।

श्री प्रबोध चन्द्र : स्पीकर साहिब, जिस वक्त इस सफेद मकबरे को खरीदा गया तो कहा गया कि यहां पर शानदार museum बनाया जाएगा तो इस की क्या वजूहात हैं कि museum के लिये खरीदी गई इमारत को बेच डाला गया ?

सिंचाई तथा विद्युत मन्त्री : असल बात यह है कि Central Institute of Sports के लिये जगह की ज़रूरत थी । यह Government of India की institute है और किसी बहुत बड़ी building की जरूरत थी और पंजाब सरकार ने फैसला किय कि पंजाब में यह institute कायम करवा ली जाए। इस लिये इस building को जो महाराजा पटियाला से खरीद की गई थी उसी कीमत पर बेच दिया जिस पर लिया था । यह ज़रूरी काम था । Museum तो दूसरी जगह भी बन सकता है ।

TAKING OVER MANAGEMENT OF CERTAIN PRIVATE SCHOOLS IN AMRITSAR DISTRICT ETC.

***6921. Sardar Gurwaryam Singh :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under the consideration of Government to take over the management of the National High School, Bhikhiwind and the Khalsa High School, Khalra in Amritsar District ;

(b) whether Government Middle School for Girls at Khalra and Government Middle School for Boys at Rajoke in tehsil Patti, are proposed to be upgraded ; if so, when ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a) Yes, as far as the taking over of Majha Khalsa High School, Khalra (Amritsar), is concerned.

(b) The cases of the Government Middle School for Girls at Khalra and Government Middle School for Boys at Rajoke (Amritsar) for upgrading will be considered along with other schools during 1961-62 provided the names of these schools are recommended by the field staff for the purpose.

Mr. Speaker : Question hour is over now.

SHORT-NOTICE QUESTION AND ANSWER

SHORTAGE OF BUILDING MATERIAL IN CHANDIGARH CAPITAL

***6958. Shri Muni Lal Comrade :** Will the Minister for Public Works be pleased to state—

3.00 p. m.

(a) whether it is a fact that Government have decided to resume by the end of March, 1961, the plots of those plot-holders

[Shri Muni Lal]

at Chandigarh who were allotted residential plots more than four years ago but who will not have completed construction thereon by that time ; if so, the details of the orders, if any, issued ;

(b) whether Government are aware of the fact that building material, particularly bricks for which permits are issued by Government, are not being supplied at present to the said plot-holders for construction purposes ;

(c) whether he is also aware of the fact that construction of a number of houses already begun is held up at present due to non-availability of building material and much loss is being suffered by the owners of such incomplete buildings on this account ;

(d) whether there is any proposal under the consideration of Government not to charge interest on the loans advanced for building purposes for the period during which construction cannot be proceeded with on account of non-availability of essential building material ;

(e) whether Government propose to take any action for the early supply of building material to plot-holders in Chandigarh to enable them to expedite the completion of their buildings ;

(f) whether there is also any proposal under the consideration of Government not to sanction new plans for private buildings and extend the time for those whose buildings are incomplete until the situation with regard to the supply of essential building material eases ?

Chaudhri Suraj Mal : (a) Government have decided to resume those plots in the case of which the time limit of construction expired on 31st March, 1961. Such plots, however, will be re-allotted to the plot-holders from 1st April, 1961, on the condition that they will get the building plans passed by 31st March, 1961, will give an undertaking to the effect that they will not transfer the plots and that they will complete the construction by 31st March, 1962.

(b) Some permits for bricks could not be honoured for sometime because the kilns had stopped working on account of the recent excessive rains. However, permits are being honoured now.

(c) Construction in some cases had been held up for want of bricks. Government are unaware of the loss being suffered by the plot-holders.

(d) No.

(e) Government have already taken action,

(f) No,

श्री मुनी लाल कमारेड : मिनिस्टर साहिब ने सवाल के part (b) के जवाब में फ़रमाया है कि भट्ठों का काम बारिश की ज्यादती की वजह से रुका रहा। मैं दरियाफ्त करना चाहता हूं कि बारिश की ज्यादती के अलावा कोई और भी वजूहात थीं ?

उप-मंत्री : पहले कोयले की shortage थी । जब कोयला मिलना शुरू हुआ और ईंटें पकने लगीं तो बारिशें शुरू हो गई ।

श्री मुनी लाल कामरेड : Part (c) का जवाब देते हुए मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि Government is not aware of any loss. मैं पूछना चाहता हूं कि अगर ऐसे losses गवर्नमैंट के नोटिस में लाए जाएं तो वह इन लोगों को कोई relief देने के लिये तैयार है ?

उप-मंत्री : Individual cases पर गवर्नमेंट विचार करने के लिये तैयार है।

श्री मुनी लाल कामरेड: जिस पार्टी का construction work non-availability of bricks से रुका रहा है क्या गवर्नमैंट इस को नुकसान तसव्वर नहीं करती ? क्या गवर्नमैंट ऐसे cases में loan का interst माफ़ करने की रियायत देने के लिये तैयार है ?

उप-मंत्री : Building material की रियायत का loan से कोई ताल्लुक नहीं । This is an extra concession.

QUESTION OF PRIVILEGE

श्री अध्यक्ष : श्री प्रबोध चन्द्र की तरफ से यह privilege motion आई है--
"Sir,

I respectfully beg to submit that the Chief Minister while replying to question No. 6499 standing in the name of Maulvi Abdul Ghani on the 15th February, 1961, stated that.........."

यह अभी अभी मेरे पास पहुँची है । (Shri Prabodh Chandra has given notice of the following privilege motion—

"Sir,

I respectfully beg to submit that the Chief Minister while replying to Question No. 6499 standing in the name of Maulvi Abdul Ghani on the 15th of February, 1961, stated that...."

I have received the notice just now.)

श्री प्रबोध चन्द्र : इसे पढ़ कर सुना दें ।

श्री अध्यक्ष : मुझे पहले इसे examine कर लेने दें । (Let me first examine it.)

Shri Prabodh Chandra : So far as the reference of the motion to the Privileges Committee is concerned you have the right to decide.

श्री अध्यक्ष : मौलवी अब्दुल ग़नी डार की तरफ से दिये गये सवाल नं. 6499 के बारे में जो 15 फरवरी की list में छपा है और जिस में नये सिनेमा बनाने के लिये licences के बारे में दरियाफ्त किया गया था, श्री प्रबोध चंद्र ने बताया था कि licence सरदार सुरेन्द्र सिंह को दिया गया था, लेकिन चीफ मिनिस्टर ने अपने जवाब में इस बात की तरदीद की थी। इस पर श्री प्रबोध चंद्र ने कहा था कि चीफ मिनिस्टर ने जो जवाब दिया है वह ग़लत है। अब उन्होंने privilege का सवाल उठाया है और कहा है कि यह मामला Privileges Committee के सुपुर्द किया जाए। मैं ने अभी तक इस motion को examine नहीं किया इस लिये मैं अभी इस position में नहीं कि अपनी ruling दे सकूं। मैं अपनी ruling किसी और दिन दूंगा। (Regarding Starred Qustion No. 6499 standing in the name of Maulvi Abdul Ghani Dar about the licences for the construction of new cinemas in the State, which was published in the list of questions for 15th February, 1961, Shri Prabodh Chandra had stated that the licence had been given to S. Surinder Singh. In reply thereto the Chief Minister contradicted it. On this Shri Prabodh Chandra had said that the reply given by the Chief Minister was wrong. Now he has raised a question of privileges and has desired that the matter be referred to the Privileges Committee. I have not yet examined this motion and as such I am not in a position to give my ruling on this point. I will give my ruling on some other day.)

ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਤਾਂ ਦੇਣ।

Mr. Speaker : The Chief Minister has got nothing to do with it. The hon. Member has claimed a privilege. I will see whether a privilege can be granted or not.

PRESENTATION OF THE REPORT OF THE ESTIMATES COMMITTEES

Chairman of the Estimates Committee (Shri Harbhagwan Maudgil) : Sir, I beg to present the Report of the Estimates Committee on the Budget Estimates for the year 1960-61 regarding (i) Printing and Stationery Department ; and (ii) Punjab State Electricity Board.

RESOLUTION

REGARDING ENACTMENT OF ANTI-DOWRY LEGISLATION IN THE STATE (RESUMPTION OF DISCUSSION)

Mr. Speaker : The House will now resume discussion on the resolution, namely :—

> "This House recommends to the Government to take steps to bring about anti-dowry legislation in the State on the same lines as the proposed central legislation on this subject with such modifications as the local conditions in the State may necessitate."

moved by Raja Raghuvir Singh on the 23rd February, 1961.

Raja Raghuvir Singh, who was in possession of the House, when it adjourned on that day, may resume his speech.

राजा रघुवीर सिंह (कुल्लु, जेनरल) : अध्यक्ष महोदय ! मैं आप द्वारा हाउस को बता चुका हूं कि इस dowry का क्या महत्व था जब यह system हमारी समाज ने जारी किया था । मौजूदा वक्त की अब यह मांग है कि यह जो अच्छा रिवाज पिछले वक्तों से चला आ रहा है उस में अब dowry की शक्ल को बदल दिया जाए यानी dowry के system को हटा दिया जाए । मैं बता रहा था कि पहले कन्या दान एक महान दान समझा जाता था और इस में हर एक को बड़ी खुशी महसूस होती थी। जब यह कन्या दान चाहे गांव में चाहे शहर में किया जाता था तो हर एक आदमी ऐसे शुभ अवसर पर शामिल होना अपना कर्त्तव्य समझता था । उस बेटी को अपने शहर या गांव की बेटी समझा जाता था और लोग इस पर अपना गौरव और प्रसन्नता महसूस करते थे कि यह महान् कार्य किया जा रहा है । लेकिन आज, अध्यक्ष महोदय, जो dowry की प्रथा ने शकल अख्तियार कर ली है उस से भयानक नतीजे निकल रहे हैं। जब तक लड़की का पिता लड़के के पिता को अच्छा दहेज़ देने के लिये तैयार न हो वह लड़की शादी के लिये स्वीकार नहीं की जाती । इस तरह की सैंकड़ों नहीं बल्कि हजारों मिसालें हैं जहां बड़ी बड़ी उम्र की लड़कियां अपने घर बैठी हैं क्योंकि अच्छी dowry देने की समर्थता न होने की वजह से उन्हें वर प्राप्त नहीं होता । जब dowry system ने एक नीलाम के तौर पर शकल अख्तियार कर ली है तो हमारी समाज के लिये जरूरी है कि इस कुप्रथा को हटाया जाए ।

मैं आप के द्वारा सरकार से यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि कोई ऐसा legislation लाया जाए जिस के तहत यह जो दहेज का रिवाज है एक गुनाह समझा जाए, एक जुर्म समझा जाए । एक स्पैशल ऐक्ट ला कर इस प्रथा को जुर्म करार दिया जाए कि जो कोई इस तरह से लड़कियों को नीलाम करने की कोशिश करेगा वह न सिर्फ सामाजिक गुनाह करेगा बल्कि वह कानून की निगाह में भी गुनाहगार समझा जाएगा । तभी यह प्रथा बन्द की जा सकती है। पुराने ज़माने से स्त्री जाति को अबला समझा जाता था लेकिन जिस वक्त भारतवर्ष स्वतन्त्र हुआ तो भारत सरकार ने अपना यह नियम बनाया कि सब दबी हुई जातियों को ऊपर उठाना है । हमारी सरकार ने हरिजनों को भी ऊपर उठाया है। समाज के सभी पिछड़े हुए वर्गों को सरकार ने ऊपर उठाने का नियम बनाया है। इसी प्रकार स्त्री जाति को भी मरदों के बराबर अधिकार देने का निश्चय किया। चुनांचे हमारे विधान में स्त्री जाति को मरदों के तुल्य अधिकार दिये गये । स्त्रियां भी मरदों के बराबर ही अपना हर तरह का कारोबार अपनी capacity के अनुसार चला सकती हैं । यह इन का वैधानिक अधिकार है। इन को constitutional rights दिये गए हैं कि वे मरदों के पीछे नहीं रह सकतीं । चुनांचे लड़कियों को लड़कों के बराबर ही अपने पिता की जायदाद में हिस्सेदार बनाया गया। जब हमारे देश में यह असूल मान लिया गया है, हो सकता है कि कुछ लोग इस के विरुद्ध भी हों, लेकिन मेरा इस समय विचार न इस के पक्ष में और न ही इस के विरोध में बोलने का है और न ही इस रैज़ोल्यूशन

[राजा रघुवीर सिंह]

के मातहत मुझे यह अधिकार है। यह बात बुनियादी तौर पर मानी गई है, विधान ने स्वीकार किया है कि स्त्री जाति जो कि आज तक दबी हुई समझी जाती थी, पिछड़ी हुई समझी जाती थी वह भविष्य में दबी हुई नहीं समझी जाएगी। उस को पुरुष के बराबर के अधिकार दिये गये हैं। हमारी समाज ने इस तरह के हालात पैदा कर दिये थे कि हर प्रकार से स्त्री जाति की निर्भरता पुरुष पर समझी जाती थी। परन्तु जब हम उन को आगे ला रहे हैं तो हम आशा करते हैं कि वे भी पुरुषों की तरह ही संसार में अपना जीवन व्यतीत करने के योग्य हों। वास्तव में स्त्री और पुरुष दोनों ही गृहस्थ रूपी गाड़ी के दो पहिये हैं। यह गाड़ी तभी आगे चल सकती है कि दोनों पहिये समान तौर पर आगे चलें। जब हम उन दोनों पहियों को बराबर मानते हैं तो यह आवश्यक हो जाता है कि हम दहेज प्रथा को बन्द करें क्योंकि इस से स्त्री जाति के स्वाभिमान पर भारी चोट पड़ती है। इस dowry system को वे बिल्कुल पसंद नहीं करतीं। वे नहीं चाहतीं कि उन को अपने किसी रिश्तेदार द्वारा दान के रूप में कुछ दिया जाए। यही कारण था कि हमारे विधान ने उन को समान अधिकार दे कर उन में आत्म विश्वास पैदा करने का भरपूर प्रयत्न किया है। अब वह कदापि पसंद नहीं करेगी कि उस को दान पर depend करना पड़े। इसी कारण लड़के और लड़की को बराबर के हकूक अपने मां बाप की जायदाद में दिये गए हैं। हालांकि कई तरफ से आवाज़ उठाई जा रही है कि पिता के घर से नहीं बल्कि पति के घर से जायदाद का हिस्सा स्त्री को मिलना चाहिये। वास्तविकता तो यह है कि हमारा देश इसी वजह से उन्नति की राह पर अग्रसर नहीं हो सका क्योंकि कि यहां पर स्त्री जाति का अपमान होता रहा है। बाहर से आए हुए हमला आवरों के सफल होने का यही बड़ा कारण था कि यहां की मानवता की आधी संख्या अर्थात स्त्री जाति पूर्ण अधिकार न मिलने के कारण कमज़ोर थी, वह मज़बूत नहीं थी। लोग बाहर के हमला आवरों को पूरे ज़ोर से रोक न सके। आज से ही नहीं बल्कि आज से बीस तीस वर्ष पहले से हम देखते आए हैं कि विदेशों की औरतें अकेली ही दूर पहाड़ों की चोटियों पर कुल्लू की घाटियों में सैर किया करती थीं। उन में से कई आस्ट्रेलिया की रहने वाली होती थीं, बहुत सी कैनेडा की और कई स्विटज़रलैंड की रहने वाली होती थीं परन्तु भारतवर्ष की लड़कियां, चाहे वे किसी उम्र में भी पहुंच जाएं, अकेली घर से बाहर नहीं निकलतीं। हमारी स्त्री जाति क्यों इतनी कमज़ोर हो गई? वजह साफ है कि मरद ने उन को हर प्रकार से अपने ऊपर निर्भर रखा। स्त्री जाति के कमज़ोर होने से हमारा देश मजमूई तौर पर कमज़ोर हो गया। हमारा प्राचीन इतिहास बताता है कि महारानी पद्मिनी राजस्थान में हुई। उस ने सारी स्त्री जाति का मुख उज्जवल करने के लिये जौहर की रस्म अदा की और समस्त स्त्री जाति को लज्जित होने से बचाया। जब ऐसी वीर महिलाएं भारतवर्ष में पहले होती रही हैं, जब ऐसी spirit उन में मौजूद थी तो आज क्या कारण है? आज कारण यही है कि हम ने दहेज की प्रथा से और दूसरी कुरीतियों से उन के व्यक्तित्व को खराब कर दिया है। आज हमें कुरीतियों को बदलने की सख्त आवश्यकता है। इसी लिये मरदों के बराबर इन को अधिकार दिये गये हैं। जब माता पिता के घर लड़कों और लड़कियों को कानून के द्वारा भी मसावी अधिकार दिये गये हैं तो फिर किस कमी

को महसूस किया जाता है ? मर्दों के स्त्रियों के प्रति क्या क्या बन्धन हैं, शिष्टाचार के नाते औरतों के मर्दों के प्रति क्या क्या कर्त्तव्य हैं—ये तो mutual हैं, दोनों तरफ के हैं और इन में अगर कोई कमी नज़र आती हो कोई न्यूनता रही हो तो उस के ऊपर अलग तौर पर विचार किया जा सकता है। लेकिन जब दोनों को मुकाबले में समझा जाता है, जब कि इस बात का एहसास किया जा चुका है कि उस वक्त तक देश तरक्की नहीं कर सकता जब तक कि लड़कों और लड़कियों को हर मामले में मसावी ढंग से न लिया जाए तो ज़रूरी है कि उन्हें इस दान, द्रव्य और धन की दासता पर क्यों छोड़ा जाए। दर असल दहेज़ की जो प्रणाली हमारे देश में चलती आ रही है वह क्या है ? संस्कृत का एक शब्द है—'दाय' इस का मतलब यह है कि पिता के घर में वैसे तो उसका कोई हिस्सा नहीं लेकिन जो कुछ भी सारा परिवार अपने हाथ से लड़की को देना चाहे बिदायगी के तौर पर दे दे। यह एक social code के तहत समझें या जिस तरह से मर्जी समझें कानूनी तौर पर लड़कियों का माता पिता के घर में कोई अधिकार नहीं था बल्कि यह प्रथा चली आ रही है कि जिस परिवार की लड़की होती है वह सारे का सारा गोत्र मिल कर, सारा परिवार मिल कर शादी के अवसर पर अपने हाथ से उठा कर धन और वस्तुएं देता है और कहता है कि 'ऐ लड़की ! तुमने अब एक नए जीवन मे प्रवेश करना है, इस घर से अब तुम जा रही हो, यह लो तुम्हारा हिस्सा।' पहले वक्तों में इख्लाक की कितनी बुलन्दी थी; इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। शादी के बाद जब पति के घर में लड़की को कोई दुःख होता था और माता पिता या उन की बिरादरी में उस की पुकार पहुंचती थी कि उसे फलां दुःख है तो सब मिल कर उस का हल निकालते थे। उस वक्त एक तरफ माता पिता के सम्बन्धी बैठ जाते थे और दूसरी तरफ लड़की के पति के खानदान के लोग बैठ जाते थे और बातचीत करके समझौता करवा दिया करते थे। लेकिन आज क्या होता है ? अध्यक्ष महोदय, आज सैंकड़ों जगहों से रिपोर्टें आती हैं कि फलां लड़की ने कुएं में छलांग लगा कर आत्महत्या कर ली, फलां ने अपने शरीर पर मिट्टी का तेल डाल कर अपने आप को जला डाला। क्या क्या बातें कितनी अजीब अजीब बातें रोज़ सुनने में आती हैं, इन का सब को पता है। वह बातें क्यों होती हैं ? इस का कारण क्या है ? कारण यह है कि औरत आखिर अबला जाति हो तो है, मर्दों जितनी हरकत उस में पैदा नहीं हो सकती वह तो संसार में मर्द की एक passive partner है। जब यह अवस्था है और जब उसे घर में दुःख होता है, क्लेश होता है तो फिर जाए तो कहां जाए ? कानून की शरण ले तो हिन्दू घराने की औरत इसे मर्यादा का उलंघन समझती है। अगर divorce लेना चाहे तो वह भी नहीं बन पाता क्योंकि अभी तक हमारे हिन्दूसमाज में वह संस्कार नहीं पैदा हुए। जब संस्कार आहिस्ता २ उस बुलन्दी तक चले जाएंगे तो उस वक्त शायद हमारी बहनें और लड़कियां भी यह महसूस करने लगें कि शादी तो एक समझौता है, एक contract मात्र है ज़िन्दगी के दिन गुज़ारने के लिये। लेकिन जब तक हमारे संस्कारों में परम्परा से पतिव्रत धर्म की प्रणाली चली आ रही है, एक विदुषी का चरित्र इस देश के इतिहास का आधार माना जाता है तब तक चाहे कितनी भी गम्भीर से गम्भीर स्थिति पैदा हो जाए वह अपनी रज़ामन्दी से अपने पति के साथ सम्बन्ध विच्छेद करने को

[राजा रघूबीर सिंह]

तैयार नहीं । हालात की चाहे कितनी मजबूरी हो, वह आत्म-हत्या करने के लिये तो बेशक तैयार हो जाएगी लेकिन पति के साथ सम्बन्ध तोड़ कर अपने माता पिता के वंश को, अपने पति के वंश को कलंकित करने के लिये, लांछन लगाने के लिये तैयार नहीं होगी ।

अध्यक्ष महोदय, जब हमारे देश की स्त्री जाति का चरित्र इतना ऊंचा है और जब हमारे देश की यह policy है कि औरतों को मर्दों के बराबर खड़ा करना है, लड़की को मां बाप की जायदाद में लड़कों के बराबर हिस्सा देना है तो dowry के रिवाज को क्यों कायम रहने दिया जाए ? यह ऐसी प्रथा बन गई है कि इस का रूप अब वह नहीं रहा जो कि पहले वक्तों में था । अब दहेज की यह प्रथा समाज के अन्दर जो सन्तुलन था उस को भंग कर रही है। एक बाप जो अपनी लड़की को दहेज देने के लिये तैयार हो, जो उस की शादी के वक्त ज़मीन जायदाद दे सके, धन सम्पत्ति दे सके उस की लड़की तो एक अच्छे घर में चली जा सकती है लेकिन जो गरीब घराने की लड़की है वह अवस्था पूरी हो जाने पर भी मां बाप के घर बैठी रहे; कितनी घृणा की बात है। यह तो समाज के लिये एक बड़ी शर्म की बात हो जाती है। यह बात नहीं है कि इस का कोई हल न हो । इस का हल मौजूद है और वह यह है कि जिस dowry system की वजह से ऐसे भयानक हालात बन जाते हैं, उस को खत्म कर दिया जाए ।

आज होता क्या है ? मिसाल के तौर पर आप देखें कि एक आदमी मकान बनाता है। Rent Restriction Act मौजूद है । लेकिन जहां लिखत में मालिक मकान दो सौ या चार सौ रुपये का किराया लेता है वहां $2\frac{1}{2}$ हज़ार रुपया पगड़ी पहले रखवा ली जाती है । जिस के पास पगड़ी देने के लिये रुपया न हो उसे मकान मिलता ही नहीं चाहे वह कितना भटकता रहे । अगर्चि इस वक्त दहेज का कानून नहीं है लेकिन हर कोई जानता है कि जो आदमी ज्यादा दहेज दे सकता है उसी की लड़की की समाज के अन्दर ज्यादा कदर है, वही ऊंचे घराने में ब्याही जायगी जब कि एक गरीब घराने की लड़की चाहे वह कितनी गुणवान क्यों न हो वह बहुत देर तक घर में कंवारी ही बैठी रहती है । इस का नतीजा क्या होता है ? समाज में भ्रष्टाचार आ जाता है। जब लड़की जवान हो जाती है और वह देखती है कि उस का पिता तो मजबूर है, उस की शादी नहीं कर सकता तो जैसे पश्चिमी देशों में courtship का रिवाज है, वह stage आ जाती है और कई जगह सुनने में आता है कि फलां लड़की ने फलां लड़के के साथ love marriage कर ली है। यह वह देश है जिस की ललनाओं का चरित्र इतना ऊंचा रहा है, जिस के अन्दर पतिव्रता धर्म का उच्च आदर्श रहा है और जिस देश की महिलाओं ने.......

श्री अध्यक्ष : आप उन्हीं arguments को बार बार repeat कर रहे हैं । कोई नई बात हो तो कहें । वैसे आप मुझे बता दें कि आप कितनी देर और बोलना चाहते हैं । (The hon. Member is repeating the same arguments again and again. He should carry on if he has to put forth any new point. By the way, he may let me know for how long does he want to speak.)

राज रघुवीर सिंह : मुझे बता दें कि आप ने मुझे कितना वक्त देना है । वैसे मुझे तो यह कहा जा रहा है कि मैं बोलता जाऊं (*Laughter*) सिवाए चन्द members के और तो इस resolution पर बोलने वाला नहीं है ।

कुछ माननीय सदस्य : बहुत से साथी बोलना चाहते हैं ।

श्री अध्यक्ष : अब आप wind up करें बहुत से members ने बोलना है । (He should please wind up now. Many other hon. Members want to speak on it.)

राज रघुवीर सिंह : मैं wind up करता हूं । तो मैं यह कह रहा था कि जिस देश में स्त्रियों का इतना ऊंचा आदर्श रहा है, इतिहास विख्यात आदर्श है और जिस देश की राजनीति उन को हर बात में सहायता देने के लिये तैयार है वहां यह जरूरी है कि उन की जिन्दगी को दहेज के बन्धन पर ही नहीं छोड़ा जाना चाहिए । अब ऐसे हालात बनाने चाहिएं कि वह खुद अपने आप में ताकत महसूस करें, इस बात की ज़रूरत न रहे कि इन के लिये वर की तलाश कोई दूसरे करें । वह अपने आप में इस प्रकार के गुण पैदा करें कि dowry को लानत समझ कर कोई इस का नाम न ले । लेकिन ऐसा वातावरण पैदा करने के लिये पहले इस बात की जरूरत है कि कोई legislation लाई जाए । ठीक है कि Parliament भी इस कार्य में अग्रसर हो रही है और इस तरह से अगर Central Government कोई Act लाए तो उसे हमारी State के अन्दर इस ढंग से लागू किया जाना चाहिए जो यहां के हालात के मुताबिक हो । इन शब्दों के साथ में इस प्रस्ताव को पेश करता हुआ सरकार से प्रार्थना करता हूं कि कोई legislation लाए जिस से dowry की जो लानत है उस की निवृत्ति हो सके ।

Mr. Speaker : Motion moved—

> This House recommends to the Government to take steps to bring about anti-dowry legislation in the State on the same lines as the proposed central legislation on this subject with such modification as the local conditions in the State may necessitate.

(At this stage Shri Mangal Sein rose to catch the eye of the Speaker.)

श्री अध्यक्ष . डाक्टर साहिब, आप की हर बात पर amendment आ जाती है । इस पर तो वैसे भी आप जो मर्जी हो कह सकते हैं । (Addressing Shri Mangal Sein) The hon. Member sends notice of amendment on every issue. On this resolution he can otherwise also say whatever he likes.)

OBSERVATION BY THE SPEAKER REGARDING SEATING ARRANGEMENTS.

श्री अध्यक्ष : मैंने आप से सीटों के arrangements के बारे में बात करनी है । इस चीज का फैसला करने के लिए आखरी तारीख कल तक रखी हुई थी फिर उसको आज पर रख दिया गया लेकिन आज भी कुछ फैसला नहीं हो सका । अब

[श्री अध्यक्ष]

प्रोफसर शेर सिंह और चौधरी नान्हू राम की intimation आई है कि वह इस Independents and Swatantra Group में आए हैं। पहले यह Independents and Swatantra Group बना, कल Independents, Praja Socialist and Swatantra Coalition Group बना। और आज चौधरी बलबीर सिंह इनकार करते हैं कि उन का नाम इस party में रखा जाए। इस position की वजह से मुझे बड़ी दिक्कत महसूस हो रही है। मगर आप यकीन जानिए मैं ने इसे कल finalise कर के print करवा देना है और जो जहां होगा वह वहीं रहेगा और उसी party में समझा जायगा। यह क्या मज़ाक बना रखा कभी इधर और कभी उधर। मैं ने बड़ा इन्तज़ार कर लिया है और अब मुझे आज नहीं तो कल तक finally नाम दे दिए जाएं। सोमवार को जब आप आएंगे तो आप की seats बदली हुई होंगी।

House के अन्दर वही parties recognise होंगी जो बाहर काम करती हैं और जहां कोई coalition बने, इस के common programme की कापी मुझे दी जाए। यह basic चीज़ है, इस के बिना कोई coalition recognise नहीं होगी इसे final warning समझ लीजिए, इत्तलाह समझ लीजिए या बेनती समझ लीजिए (*interruption*) यह दो तो हैं मगर एक की राए एक तरफ और दूसरे की दूसरी तरफ (*interruption*) (I want to make an observation regarding the seating arrangements in the House. Yesterday was the last day to decide this matter. Then it was deferred till today but even today no final decision could be taken.

Now I have received intimation from Professor Sher Singh and Chaudhri Nanhu Ram that they have joined the Independents and Swantantra Group. Previously this Independents and Swantantra group was formed. Yesterday Praja Socialist and Swatantra Groups formed a coalition. Today, however, Chaudhri Balbir Singh has refused to be included in this party. Due to such blind position, I experience difficulty in proceeding in the matter. However, the House may take it for granted that I am going to finalise this by tomorrow and get it printed, accordingly.

After that there will be no change in the seating arrangements and the Members will be treated to belong to the group with which they are seated. I do not approve of vacillation between groups. I have waited sufficiently long and now I may be finally intimated about the group affiliations by tomorrow if not today. On Monday when the hon. Members come they will find their seats in the new order.

Only those parties will be recognized inside the House, which function outside in the state and wherever any coalition is formed, a copy of the common programme be supplied to me. This is the basic thing and no coalition will be recognised without this. The hon. Members may consider this as a final warning, intimation or request, whatever they like. (*Interruption*) they are only two, yet they disagree with each other (*interruption*).

श्री बलदेव प्रकाश : यह जो आप coalition recognise कर रहें हैं यह चूं चूं का मुरब्बा होगी । (*Interruption*).

श्री अध्यक्ष : मैं खड़ा हूं, आप बैठिए । Coalitation का हक माना गया है । Parties जो बाहर काम करती हैं वह inside the House coalition form कर सकती हैं और independent तो जहां चाहे शामिल हो सकते हैं । बाकी चुनाव आने वाले हैं तो आप वारी बात सोच विचार के करिये । (I am still on my legs, the hon. Member may please resume his seat. The right to form a coalition is recognised, but only those parties will be allowed to do so which function outside the House too. However, the independents can join hands with any one. The general election is drawing nearer. The Members should, therefore, be careful to take any such step.)

OBSERVATION BY THE SPEAKER REGARDING SITTINGS OF THE SABHA

श्री अध्यक्ष : कल को सभा साढ़े आठ बजे meet करेगी और यह भी फैसला किया गया है कि जो time एक दिन सभा को adjourn करने से lose किया गया है उसे रोज़ाना sitting को एक एक घंटा extend करके make up किया जाए । अगले सोमवार को meeting एक बजे बुलाने का ख्याल है । इस तरह पहले meet करके या बाद में time extend करके हम वह time make up कर लेंगे, बजाए इस के कि दो दो sittings एक दिन में की जाए । (Tomorrow, the House will meet at 8.30 a.m. It has also been decided that the time lost due to the adjournment of the House for a day be made up by extending the sittings by an hour daily. It is proposed to convene the meeting at 1 p.m. on Monday next. Thus, instead of having two sittings in a day we will make up the lost time by extending the time of the sittings.)

ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਬਿਰਤੀ independent Swantantra ਜਮਾਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਦਾ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਦਾ ਕੀ

[ਸ਼੍ਰੀ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ]

ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਹਰ ਦਾ ਕੀ ਹੈ ਇਸ ਬਾਰੇ ਦਸਿਆ ਜਾਵੇ । ਇਕਲੇ ਇਕਲੇ ਮੈਂਬਰ ਦਾ ਜੋੜ ਮੇਲਾ ਬਣਾ ਲੈਣਾ, ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਜਦੋਂ ਤਕ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਵਾਜ਼ੇ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਲਗ ਸਕਦਾ । ਸਾਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਵਾਜ਼ੇ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾ ਕਿ ਪਤਾ ਲਗ ਸਕੇ ਕਿ ਬਾਹਰ ਕੀ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : Circulate ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । (Their common programme will be circulated to the hon. Members.)

चौधरी बालू राम : जनाब, एक hon. member हैं। उन का वाज़ेह तौर पर ऐलान हो चुका है कि वह स्वतन्त्र पार्टी से ताअल्लुक नहीं रखते....

श्री अध्यक्ष : कौन है ? (Who is this Member ?)

चौधरी बालू राम : पंडित श्री राम शर्मा ।

श्री अध्यक्ष : इन्हों ने तो मेरे सामने सिर हिलाया था, (He had nodded in my presence)

चौधरी बालू राम : यहां, जनाब, एक मार्के की speech हुई ......

श्री अध्यक्ष : आप इस असेम्बली में नए नए आए हैं और वह 37 साल से चले आ रहे हैं । उन्हों ने सब कुछ सोच समझ लिया होगा । (The hon. Member is comparatively new to the Assembly while Pandit Shri Ram Sharma is a Member of 37 years, standing. He must have considered it in all its aspects.)

चौधरी बालू राम : जी हां 'यह बड़े सयाने हैं, बजुर्ग हैं, सब कुछ हैं मगर उन्होंने तो clearly कह दिया था....

श्री अध्यक्ष : यह तो उनकी मर्ज़ी है । बाकी हालात तो रात म बदल जाते हैं । This is up to him. The circumstances change in a single night.)

ARRANGEMENT FOR VISITORS

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਕ ਮਿੰਟ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ visitor ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਕਤ ਪੇਸ਼ ਆਉਂਦੀ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਚਿਟਾਂ ਅਸਾਡੇ ਤਕ ਪਹੁੰਚਾਣ ਲਈ ਕੋਈ ਪਰਬੰਧ ਨਹੀਂ । ਨਾ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਈ ਕੋਈ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਹੈ । ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਉਥੇ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਅਜਿਹੇ matters ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ । ਮੈਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਬਾਹਰ ਦਸ ਦਿਤਾ ਕਰੋ । ਜ਼ਰੂਰੀ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰ ਦਿਤੇ ਜਾਣਗੇ । (Such matters should not be brought here. The hon. Member could inform me in my chamber. The necessary arrangements will be made.)

RESUMPTION OF DISCUSSION ON THE RESOLUTION REGARDING ENACTMEMT OF ANTI-DOWRY LEGISLATION IN THE STATE

ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਚੰਦ ਸਭਰਵਾਲ : ਜਨਾਬ, ਰਾਜਾ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਅਜਿਹੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਹਨ ਜਿਥੋਂ ਦੇ ਰਸਮੋ ਰਿਵਾਜ ਹੀ ਅਜੀਬ ਹਨ ਅਤੇ ਹੁਣ ਸ੍ਰੀ ਮੰਗਲ ਸੈਨ ਨੂੰ ਆਪ ਨੇ ਵਕਤ ਦੇ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ : ਉਹ ਦਹੇਜ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੀ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਤਾਂ ਮੈਂਨੂੰ ਅਜ ਹੀ ਪਤਾ ਲਗਾ ਹੈ। ਸ਼ਾਇਦ ਸ਼ਾਦੀ ਦੀ ਖਾਤਰ ਹੀ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹਨ। (It is a news to me. He is speaking, perhaps, for getting himself married soon.) (laughter)

Shri Mangal Sein (**Rohtak**) : Sir I beg to move—

In line 3 between "State" and "on" insert "in the current Budget Session"

अध्यक्ष महोदय, राजा रवुवीर सिंह जी ने जो प्रस्ताव पेश किया है, मैं इस पर इन्हें हार्दिक वधाई देता हूं। इन्होंने लाखों बहनों की आवाज़ सुनी है, उन बेचारे बूढ़े मां बाप की आवाज़ सुनी है जो बेचारे पीड़ित हैं, परेशान हैं। हमारे देश की सभ्यता सारे संसार में पुरानी है और यहां के रस्मोरिवाज भी पुराने हैं।

(*At this stage Mr. Deputy Speaker occupied the Chair.*)

दुर्भाग्य से हमारे देश पर बाहरी हमलावर आते रहे और यहां कई साल गोरी चमड़ी वाला अंग्रेज़ राज कर गया। इस कारण हम न केवल स्यासी तौर पर ही खत्म हुए बल्कि economic point of view से और सामाजिक क्षेत्र में भी कुचले गए। इस पतन को ठीक करने का अभी हमें समय नहीं मिल सका। प्राचीन समय से हमारे देश में कन्या को एक विशेष स्थान प्राप्त रहा है। जब भी कोई पर्व आया हम ने कन्या को बैठा कर उस के चरण धोये हैं और जो पुराने विचारों के लोग हैं वह उस पानी में स्नान भी करते हैं और कन्या को दान में दे कर अपने आप को भाग्यशाली समझते हैं। मैं यह मानता हूं कि प्रस्तावक महोदय ने भारत की ललनाओं की अवस्था से प्रेरित हो कर यह प्रस्ताव रखा है और आज यह तथ्य है कि जब कन्या नवयुवती हो जाती है तो उसके विवाह का प्रश्न हमारे सामने आता है और वह एक समस्या बन जाता है क्योंकि इस सरकार ने ऐसी अवस्था कर रखी है कि जनता अपने पांव पर खड़ी नहीं हो पाती रही है और यहां तक कि लोगों को खाने के लिए रोटी और पहनने के लिए कपड़ा मुयस्सर नहीं होता। इसलिए जब शादी करनी होती है तो दहेज उनके सामने अजगर बन कर खड़ा हो जाता है। और उसकी कन्या को बिना दहेज के कोई ग्रहण करने के लिए तैयार नहीं होता। आज भौतिकवाद का बोल बाला है, और क्या शहर का आदमी हो क्या गांव का रहनेवाला हो, वही लोगों की नजरों में रसूख वाला समझा जाता है जिसके पास पैसा हो और इसलिए हर लड़केवाला लड़की वाले से पैसे की आशा करता है और कहता है कि माना कि तुम्हारी लड़की रूप रंग में चौकस है, शिक्षित है, सुशील है, व्यवहार भी अच्छा है, लेकिन सवाल तो पैसे का है उसके बिना मैं तुम्हारी लड़की को क्या

[श्री मंगल सेन]
करूंगा। उस वक्त, डिप्टी स्पीकर साहिब, उस बाप से पूछिए कि उसके दिल पर क्या गुज़रती है, वही नहीं उसका सारा परिवार शोक से डूब जाता है। लेकिन शादी तो करनी ही होती है, इसलिए अयोग्य वर ढूंढ कर वह बाप अपनी लड़की की शादी कर देता है और इस तरह से उसका सारा जीवन दुःखी हो जाता है। आज यह स्थिति क्यों है ? क्योंकि सरकार ने देश में ऐसी हालत पैदा कर रखी है कि जिसमें पैसा प्रधान हो गया है और आज हर आदमी पैसे के बिना कोई बात ही नहीं करता। इसका कारण क्या है ? इसका कारण यह है कि इस सरकार ने लोगों को ऐसी तालीम नहीं दी है कि जिससे वह पैसे को ही सब कुछ न समझें, कुछ चरित्र को भी महानता दें, कुछ गुणों के अर्जन करने का प्रयत्न करें। लेकिन सरकार ने इस ओर कोई ध्यान ही नहीं दिया। सरकार ने भाखड़ा डैम खड़ा किया चाहे उसकी वजह से water-logging ही हुआ है। सरकार ने कैपिटल प्राजैक्ट बनाई चाहे उसमें हज़ारों का गबन ही हुआ है—

श्री उपाध्यक्ष: यह आप क्या कह रहे हैं ? (What is the hon. Member speaking about ?)

श्री मंगल सेन : मैं निवेदन करना चाहता हूं, डिप्टी स्पीकर साहिब, कि पंजाब की जनता को spiritualise करने के लिए इनके पास कोई प्रोग्राम नहीं है। इसलिए जनता पैसे की ओर भाग रही है और गुणों की ओर नहीं ? यही कारण है कि लड़की के विवाह में दहेज मांगा जाता है और देना पड़ता है, इसलिए, डिप्टी स्पीकर साहिब, मुझे इस समाज के बारे में बातें करनी पड़ेंगी। अब मैं समझता हूं कि आप भी समझ गए होंगे कि मैं क्या कह रहा हूं। मुझे अफसोस होता है जब आप घंटी बजाते हैं। आप अच्छी तरह से जानते हैं, डिप्टी स्पीकर साहिब, कि समाज का आदर्श कौन होता है। वह तो शासक ही होता है। और शासक कौन है आज कल? वह तो जनता के प्रतिनिधि ही हैं। तो जो इनका जीवन होगा वही जनता अपनाएगी। तो जब जनता देखती है कि जनता के प्रतिनिधि बड़ी बड़ी कोठियों में रहते हैं, अपने बच्चों को कारों में बिठा बिठा कर स्कूल भेजते हैं, बड़ी बड़ी दावतें attend करते हैं और जब कभी बाहर जाते हैं तो सिर्फ बड़े बड़े आदमियों के यहां ही ठहरते हैं तो जनता भी यही सोचती है कि उसके पास भी इतना पैसा हो कि जिस तरह से यह जनता के नुमाइंदे रहते हैं उसी तरह से वे भी रहें और वैसा रहने के लिए पैसा चाहिए। तो इस तरह से पैसा प्रधान हो रहा है। जनाब, जब मेरी छोटी आयु थी तो मैं सोचा करता था कि Political लोग बड़े त्यागी होते हैं और उनका जीवन बड़ा सादा होता है लेकिन जब मैंने यहां आ कर देखा तो मैं बड़ा हतोत्साह हुआ हूं। क्योंकि इनका दृष्टिकोण सादा नहीं है और मुझे यह भी मालूम हुआ है कि यह उन लोगों को मुंह लगाते हैं जिन लोगों ने ब्रिटिश गवर्नमैंट का साथ दिया है—

खान अब्दुल गफार खां : On a point of order, Sir. जनाब, इस तरह की irrelevant बातें करना क्या permitted है ?

श्री उपाध्यक्ष : यह Point of order है आपका? मैं श्री मंगलसेन की तकरीर अच्छी तरह से सुन रहा हूं और उन्हें चेतावनी देना चाहता हूं कि अगर वह इसी तरह से बोलते रहेंगे तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाएगा। (Is it your point of order, Khan Sahib ? I am listening to the speech of Shri Mangal Sein attentively

and I warn him that if he continues to be irrelevant, I shall not allow him to speak further.)

श्री मंगल सैन : आज के युग में केवल पैसे की महानता है और उसी व्यक्ति का आदर मान होता है जिस के पास पैसा होता है। जो पार्टी आज पंजाब में हकूमत करती है वह भी रजवाड़ा शाही और जागीरदारों की हवारी है।

Sardar Bhag Singh : On a point of order, Sir. Is the hon. Member relevant ?

Mr. Deputy Speaker : The hon. Member is not relevant. If he continues to be irrelevant then I will not allow him to continue his speech.

श्री मंगल सैन : डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं दहेज के बारे में कह रहा हूं क्योंकि स्वाभाविक रूप में इस का असर दहेज की प्रथा पर पड़ता है। इस तरह से हमारा समाज ग़लत रास्ते पर जा रहा है। Treasury Benches वाले कहते हैं कि यह बात नहीं। उन्हों ने 13 वर्ष के अर्से में समाज में परिष्कार लाने के लिए एक भी कदम नहीं उठाया। वास्तव में बात यह है कि एक young man को समझाना तो आसान है लेकिन 50-60 वर्ष के बूढ़े को समझाया नहीं जा सकता। जब बच्चा स्कूल में जाता है तो उस के संस्कारों में परिवर्तन लाया जा सकता है लेकिन बड़ी अवस्था में उस में कोई परिवर्तन लाना कठिन है। इस लिए हमारे स्कूलों में बच्चों को अच्छी अच्छी बातें समझानी चाहिएं। दहेज की प्रथा आज सारे समाज के वातावरण को दूषित कर रही है। अभी चन्द दिनों की बात है कि एक ललना चार मंज़लें मकान से छलांग लगा कर कूद मरी। घटना की जांच करने पर पता चला कि उस के सुसराल वाले तंग करते थे कि वह दहेज नहीं लाई। आए दिन ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं कि फलां फलां स्त्री अपने कपड़ों पर तेल छिड़क कर मर गई। Suicide के cases होते रहते हैं। इस लिए आवश्यकता इस बात की है कि इस विषय में सुधार किया जाय। आज रोहतक में यह हालत है कि 27-28 रुपये हज़ार इंटें मिल रही हैं. . . .

Mr. Deputy Speaker : The hon. Member is again warned that if he is irrelevant any further, I will take action against him and will order him to resume his seat.

Sardar Bhag Singh : Sir, the hon. Member has already been warned earlier.

Mr. Deputy Speaker : The hon. Member should be strictly relevant and speak within the scope of the resolution before the House.

श्री मंगल सैन : डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि कानून बनाते समय उस की implementation का भी ध्यान रखना चाहिए। मेरी राय यह है कि केवल कानून ही काफी नहीं होता और जब तक लोगों पर moral बन्धन न हो तब तक समाज में सुधार होना कठिन है। आज पाश्चात्य देशों में divorce की प्रथा चल रही है और इस लानत का प्रभाव यहां पर भी होने लगा है। ऐसी अवस्था में समाज सुधार और भी आवश्यक हो जाते हैं। इन शब्दों के साथ मैं राजा जी को हार्दिक बधाई देता हूं और इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

Mr. Deputy Speaker : Motion moved—

In line 3 between "State" and "on" Insert "in the current Budget Session".

श्री मुनी लाल (शिमला) : डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं राजा साहिब को इस बात की मुबारक देने के लिये खड़ा हुआ हूँ कि उन्हों ने यह resolution ला कर हाउस की तवज्जुह एक बड़े अहम मसले की तरफ दिलाई है।

4,00 p.m.

डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं समझता हूँ कि पहले लोगों का spiritualism की तरफ ज़्यादा रुझान था। उस के बाद दौर बदला और लोगों का रुझान materialism की तरफ हुआ। पहले ज़माने में जो कानून और रिवाज थे वह आज के ज़माने में suit नहीं करते। इस वजह से लोग आज इखलाक की इज्ज़त नहीं करते। समाज में पैसे का बोल बाला है। मैं समझता हूँ कि हमारा मुल्क जो इखलाक के लिहाज़ से, पुरानी संस्कृति के लिहाज़ से बहुत ऊंचा था आज पैसे के मैदान में बाज़ी ले गया है। Materialism योरुप में भी आई लेकिन वहां लोगों का इखलाक एक समान रहा। मुझे इस बात का दुःख है कि यहां material stage आने से लोगों का इखलाक एक दम तबदील हो गया है। मैं बिला खौफे तरदीद यह कह सकता हूँ कि आज हमारे समाज में मिलावट की लानत नमूदार हो गई है। अमरीका, इंग्लैण्ड में भी Materialism advanced stage पर है लेकिन उन के इखलाक का मयार है। लेकिन हिन्दुस्तान में यह चीज़ नहीं दिखाई देती। यहां पर खाने पीने की चीज़ों में मिलावट की जाती है। हमारे इखलाक का दीवाला निकल गया है। यहां जहेज़ की लानत भी पैदा हो गई है। इस रस्म को महापुरुषों ने शुरू किया था लेकिन आज जहेज़ व्यापार की शकल अख्तियार कर गया है। आज नौजवान लड़की का ज्ञान, उस के अच्छे विचार, उस की काबलियत का मियार जहेज़ से लगाया जाता है। मैं समझता हूँ कि राजा साहिब ने हज़ारों नौजवान लड़कियों की समस्याओं का हल ढूंढने के कोशिश की है जो सास के तानों से तंग आ कर खुदकशी करने पर मजबूर हो जाती हैं, या उन नौजवान बच्चियों की आवाज़ यहां सुनाई है जो bank balances न होने के कारण बगैर शादी के घर बैठी हैं। उन्होंने इन मासूम लड़कियों की आवाज़ यहां पहुँचा कर मैम्बरों को सोचने पर मजबूर किया है कि इस materialistic age में पुराने ज़माने के रिवाज में किस तरह तबदीली लाने की ज़रूरत है। डिप्टी स्पीकर साहिब, मुझे इस बात का एहसास होता है कि ऐसा कानून बना देना ही काफी नहीं क्योंकि लोग कानून को भंग करने के loopholes ढूंढ लेते हैं। हम ने देखा है कि जब cars पर control किया जाता है तो black market करने के ढंग अख्तियार कर लिये जाते हैं। राजा साहिब ने यह resolution ला कर हाउस की तवज्जुह बड़े अहम मसले की तरफ दिलाई है। उन्हों ने मैम्बर साहिबान को मौका दिया है कि इस बारे में कुछ कह सकें। मैं समझता हूँ कि कानून बना देना ही काफी नहीं होगा बल्कि public opinion को इस के मुतअल्लिक उभारने की ज़रूरत है और हमारी सरकार की यह ज़िम्मेदारी है कि वह राये आमा को mobilise करे। आम तौर पर यह देखा गया है कि लोग प्रचार करते हैं कि शादी के वक्त जहेज़ का मुतालबा नहीं किया जाना चाहिये लेकिन ऐसे लोग जब खुद अपने लड़के की शादी करते हैं तो लम्बी ज़बान से बड़ी-२ मांग करते हैं।

जब सोसायटी के रुकन और लीडर ही ऐसे मुतालबे करें तो औरों से क्या उम्मीद हो सकती है। जहां यह हाउस इस बात को recommend करे वहां सरकार को भी चाहिये कि वह राये आमा को बेदार करे ताकि यह लानत दूर हो हमारी और नौजवान लड़कियां सुख का सांस ले सकें। यह मसला निहायत अहम है और मैं राजा साहिब को मुबारकबाद देता हूँ कि उन्हों ने सरकार की तवज्जुह इस तरफ दिलाई है।

श्रीमती ओम प्रभा जैन (कैथल) : माननीय डिप्टी स्पीकर साहिब, सब से पहले तो मैं राजा रघुवीर सिंह को बधाई देती हूँ कि उन्हों ने यह resolution ला कर पंजाब के लोगों का ध्यान एक बड़े अहम मसले की तरफ दिलाया है। अभी मेरे भाई सरदार गुरबचन सिंह बाजवा ने कहा कि इस तरह का बिल Central Parliament में पेश हुआ है और इस बात का वहां फैसला हुआ है कि यह बिल दोनों Houses के सामने लाया जाए और दोनों Houses की राय से पास किया जाए। दर असल जब वहां इस मामले में काफी discussion हो चुका है तो शायद ऐसे बिल की यहां लाने की ज़रूरत नहीं है लेकिन मुझे खुशी है कि इस बहाने हमें कम से कम यह मौका मिला है कि कि हम साम्प्रदायिक पार्टी यानी जन संघ के नेता डाक्टर मंगल सैन के ख्यालात सुन सकें और उससे अंदाज़ा लगा सकें कि जन संघ पार्टी की women's rights and position के बारे में क्या विचार-प्रणाली है। दरअसल उन्हों ने नारी जाति की इज्ज़त की और कहा कि मासूम औरत जहेज़ की प्रथा के नीचे दब कर इखलाक को खो रही है। मैं उन की भावनाओं की कदर करती हूँ लेकिन वास्तव में मुझे दुःख हुआ कि समाज के ठेकेदारों और political parties के नेताओं की उस मीठी आवाज़ और ऐसे शब्दों ही ने औरतों को high status तक पहुँचने में रोके रखा। जो लोग धर्म की बातें करते हैं या समाज के उत्थान की बातें करते हैं उन्होंने औरत को जड़ कह कर वह अपमान किया है जो कि इतिहास से छिपा हुआ नहीं। मैं देखती हूँ कि हाउस के मेम्बरान के कहने और करने का तरीका अलग-२ होता है। आज इस resolution को पंजाब में लाने की क्यों ज़रूरत पड़ी। राजा साहिब की नीयत साफ है, वह चाहते हैं कि मेम्बरों को जरा परखें। पिछले साल विधान सभा के हाल में जिन मेम्बरों ने, जिन पार्टियों ने खड़े हो कर सामाजिक कानून की मुखालफत की और औरतों को मिले हुए हकूकों की नुक्ताचीनी की आज एक साल के बाद उन के ख्यालात कितने बदल गये हैं। मैं तो सभी मेम्बरों की बातें सुनने के लिये काफी इच्छुक हूँ। यह resolution उस दिन चौधरी सुमेर सिंह के नाम पर था। बेहतर होता कि वह इसे move करते और उन के ख्यालात सुनने का भी हमें मौका मिलता। आज यह resolution राजा साहिब ने पेश किया और इस की हिमायत जन संघ के मेम्बर ने की। इस सम्बन्ध में दो states में ऐसा बिल पास भी हो चुका है। बिहार स्टेट में 1950 में Anti-Dowry Bill पास हुआ और आंधरा में 1958 में पास हुआ। 1959 में यह लोक सभा में रखा गया। अब हम ने देखना है कि पंजाब के लोग जो social customs में काफी आगे हैं और जिन का रहन सहन का ढंग काफी अच्छा है उन के इस बारे में क्या ख्यालात हैं।

[श्रीमती ओम प्रभा जैन]

आज वह ज़माना आ गया है जब कि—Living in an age of automobiles, we cannot look back to bullock-carts. ज़माने के साथ ही साथ हमें भी बढ़ना होगा और पुराने दकियानूसी और संकीर्ण विचारों को छोड़ना होगा। हमने देखा कि पिछले कई सौ वर्षों में औरत बहुत नीचे गिरी। डिप्टी स्पीकर साहिब, इतिहास यह बताता है कि स्त्री जाति पर देवी होने के नाते, महिला होने के नाते, अबला होने के नाते हमारी समाज ने जो अत्याचार किये हैं उनसे मजबूर हो कर कांग्रेस गवर्नमैंट ने बहुत ज़रूरी और बड़े revolutionary Act पास किये हैं। जन संघ के मेम्बर श्री मंगल सैन जी ने सरकार की नीति को criticise करते हुए कहा कि गवर्नमैंट ने यह किया है, वह किया है। उन की बात चीत से ऐसा प्रतीत होता है कि शायद उन का मनशा किसी तरह से रैज़ोल्यूशन पर बोलने का नहीं था बल्कि सरकार को इस की आड़ में गालियां देने का था। उन को मालूम नहीं है कि जन संघ की opposition के बावजूद भी सरकार ने वह revolutionary कदम उठाए हैं और वास्तव में उन को कार्य रूप में परिणत किया है जिस से साफ ज़ाहिर होता है कि हमारी सरकार गिरी हुई जातियों और गिरे हुए वर्गों को ऊपर उठाने में किस तरह से प्रयत्नशील है। (*interruptions*) जब Hindu Succession Act की बात शुरू हुई तो आप भी जानते हैं और सारा हाऊस भी जानता है कि साम्प्रदायिक और धार्मिक संस्थाओं ने किस तरह से सत्याग्रह किये, किस तरह से हंगामे मचाए, मुझे उन को बताने की ज़रूरत नहीं है। (*interruption by Shri Lal Chand*) डिप्टी स्पीकर साहिब, श्री लाल चन्द जी चाहते हैं कि म इस बात को कहूं कि इस बात का dowry से क्या ताल्लुक है। Social Reforms का कोई balanced तरीका होता है। एक तरफ तो वे कहते हैं कि बाप की जायदाद से लड़की को हिस्सा नहीं मिलना चाहिये और दूसरी तरफ वे कहते हैं कि लड़की को दहेज भी नहीं मिलना चाहिये। पति की जायदाद मिले, ससुर की जायदाद मिले। तो मैं उन से पूछना चाहती हूं कि इन दोनों बातों का संतुलन कर के जवाब दें। (*interruptions*) डिप्टी स्पीकर साहिब, दहेज की प्रथा यू० पी०, विहार, वेस्ट बंगाल और राजस्थान में भी काफी प्रचलित है। पंजाब में भी कई वर्गों में इस का काफी बोल बाला है। मैं तो यह कहने में भी नहीं हिचकती कि जिस community से मैं आती हूं उस में यह प्रथा बहुत बुरी तरह से फैली हुई है। कौन नहीं जानता कि इस दहेज की प्रथा को पूरा करने के लिये और अपनी लड़कियों के हाथ पीले करने के लिये बहुत से भाइयों ने और पिताओं ने अपने घर निलाम कर दिये, बेच दिये, अपने घरों को अपने ज़ेवरात को mortgage किया। श्री मुनि लाल जी ने ठीक ही कहा कि बहुत सी जगह पर दुलहन के हाथ पीले ही रह गए और उस की आंखों की शर्म और लज्जा आंसुओं में बदल गई। यह सब पुरानी बातें नहीं हैं आज भी हम अखबारों में रोज़ खबरें पढ़ते हैं। पिछले दिनों एक खबर निकली थी कि लुधियाना में एक लड़की ससुराल गई। उस को वैसे ही कटी और जली बातें सुना कर घर से निकाल दिया गया क्योंकि सास को दहेज पसंद नहीं आया। ऐसी लड़कियां जो कि व्याहता होती हैं, जिन की मांग का सिंदूर अभी गीला होता है, वे किसी को अपना पति न कह सकें, उन को हक

न हो कि अपना घर बसा सकें तो उन के जज़बात को समझने की बात है। यह चीज़ मां बाप के लिये एक problem बनी हुई है। जब लड़की चौदह पन्द्रह वर्ष की होती है, जब नौजवान होती है तो उस को हमारी हिन्दू समाज में मां बाप भय की दृष्टि से देखते हैं। उनके दिमाग़ में एक बड़ा संकट रहता है। पिछले दिनों कोई महीने भर की बात है एक सज्जन मेरे पास आए। वह अपना कुछ काम करवाना चाहते थे। वे यह भी चाहते थे कि सरकार से कुछ ऐसी मदद मिल जाए जिस से उन को कोई आमदनी का ज़रिया मिल जाए। जब मैं ने मजबूरी ज़ाहिर की तो उन्हों ने कहा कि मेरी लड़की नौजवान है उसे मैं आप के पास ही छोड़ जाऊंगा, आप ने ही उस की शादी का बंदोबस्त करना होगा। लोग मजबूर होते हैं कि किसी तरह से रुपया पैसा कमाएं, चाहे अच्छे तरीके से चाहे बुरे तरीके से। यह हमारी समाज की हालत है। इस का मुकाबला हम ने करना है। दहेज की प्रथा के पीछे समाज की कितनी बुराइयां छिपी हुई हैं, इस घृणात्मक सत्य को आंखों से ओझल नहीं किया जा सकता। कई बार सोलह साल की लड़की को चालीस साल के बुड्ढे के साथ बांध दिया जाता है। एक लड़की जो कि समाज की बातों को नहीं समझती, जिसे दुनिया में रहने का तरीका नहीं आता, उस का विवाह साठ साल के बूढ़े के साथ कर देना, एक शराबी के साथ कर देना, एक ऐसे corrupt आदमी के साथ कर देना जिस में सब तरह की बुराइयां हैं। पाप भरे पड़े हैं। यह इस लिये किया जाता है क्योंकि उस के माता-पिता दहेज की रस्म से बचना चाहते हैं। इन शादियों के नतीजे जिन में भारी disparity होती है किसी से छिपे हुए नहीं हैं। जब लड़की सोचती है कि मेरे विवाह के कारण मेरे माता पिता को कष्ट हो रहा है तो मैं स्त्री होने के नाते जानती हूं कि वह लड़की खुदकशी कर लेती है या वह भाग जाने की सोचती है। या फिर मजबूर हो कर वह ऐसे कामों में पड़ जाती है जिन को आप की समाज घृणा की दृष्टि से देखती है। पिछले दिनों में बंगाल में एक ज़बरदस्त केस हुआ, उस की चर्चा अखबारों में भी बहुत हुई। स्नेह लता नामी लड़की ने पुल पर से नदी में कूद कर प्राण दे दिये। ऐसे किस्से आज भी होते हैं। मैं मानती हूं कि केवल कानून पास कर देने से ही यह बुराई दूर नहीं हो सकती। विशेष रूप से समाज सुधार के जितने भी कानून पास किये जाते हैं उन में समाज की तरफ से बड़ा विघ्न डाला जाता है। 1929 में शारदा ऐक्ट पास हुआ, लोगों ने उस का मुकाबला किया। Child Marriage Act पास हुआ लेकिन आज भी छोटी जाति के लोगों में नाबालग़ बच्चों की शादी कर दी जाती है। जब विधवा विवाह का कानून पास हुआ तो लोगों ने हंगामा मचाया कि यह बात हिन्दू संस्कृति के खिलाफ है। Hindu Succession Act पास हुआ तो आज तक उस के खिलाफ़ आवाज़ उठाई जा रही है। जब सरकार की तरफ से कोई भी काम समाज सुधार का किया जाता है तो उन्हीं बहादुर भाइयों की तरफ से जो कि समाज के बड़े भारी सुधारक होने का दम भरते हैं उस के खिलाफ़ आवाज़ उठाई जाती है। लेकिन इन सब कठिनाइयों के बावजूद कानून पास कर के उस के साथ public opinion को educate किया जाना चाहिये। जब कानून की ताकत साथ होगी तो उन लोगों को जो कि अपने आप की political sphere में, religious sphere में leadership claim करते हैं या यह बताना चाहते हैं कि हम बड़ा भारी काम कर रहे हैं कम से कम उन को नसीहत हो और उन को देख कर समाज में रहने वाले दूसरे व्यक्ति भी उस का पालन कर सकें। इस दहेज की प्रथा के बारे में एक बार महात्मा गांधी जी ने कहा था

[श्रीमती ग्रोम प्रभा जैन]

कि लड़कियों का विवाह जो कि एक धार्मिक चीज़ मानी गई थी इस कुरीति के कारण एक बाज़ारू चीज़ बन गई है। इस के कारण स्त्री की पोज़ीशन, औरत का status बिल्कुल nil के बराबर हो गया है क्योंकि शादी में लड़कों के दाम लगाए जाते हैं। जो लड़के थोड़ा बहुत पढ़ लेते हैं उन के लिये और भी ज़्यादा दाम की मांग की जाती है। मैं समझती हूं कि आजकल हमारे यहां unemployment के कारण भी लड़के वाले पैसा मांग कर कुछ business या दूसरे काम का साधन प्राप्त करना चाहते हैं। Economic दृष्टि से इस ज़माने में हमारे हां दहेज की प्रथा इस कारण से भी ज़्यादा हो गई है। जो लड़के बी० ए० या एम० ए० पास कर लेते हैं और उन को नौकरी नहीं मिलती तो वे इस उम्मीद में शादी करवा लेते हैं कि शादी के बहाने से उन को रुपया मिल जाएगा। परन्तु यदि दूसरे पक्ष को देखा जाए, जिस को महिला वर्ग कहते हैं और जिस के पैदा होते ही मां बाप दहेज के लिये रुपया जमा करना शुरू करते हैं, उन की लड़कियों को न तो किसी प्रकार की encouragement मिलती है, न education मिलती है और न ही उन का talent develop करता है। चूंकि माता पिता जानते हैं कि हमें अपनी लड़की के विवाह पर बीस हज़ार रुपया खर्च करना है वे उस को अच्छी तरह से पढ़ा नहीं सकते। वही रुपया वे उस के विवाह के लिये जमा करते रहते हैं। माता पिता अपनी होशियार और intelligent लड़कियों को higher education नहीं दिला सकते उन को medical education नहीं दिला सकते क्योंकि उन को डर बना रहता है कि हमें शादी पर खर्च करना है। उन को वह किसी तरह से arts की शिक्षा भी नहीं दिला सकते और वह लड़कियां उसी undeveloped तरीके से घर के वातावरण में फंसी रहती हैं, रसोई के बर्तनों में उलझी रहती हैं और शादी के बाद जो अवस्था उनकी रहती है, उस घर में उनका क्या स्थान रहता है यह सिर्फ कहने से ताल्लुक नहीं रखती बल्कि इस का अनुभव ....

श्री लाल चन्द : On a point of order, Sir. कोई समझ नहीं आती कि मेरी बहन इस resolution के हक में बोल रही है या खिलाफ़।

श्रीमती ओम प्रभा जैन : बड़े ताज्जुब की बात है कि आप.... (*interruptions*)

श्री लाल चन्द : मेरा ही नहीं, मेरे साथियों का भी यही ख्याल है।

श्रीमती ओम प्रभा जैन : डिप्टी स्पीकर साहिब, मुझे बड़ा ताज्जुब तो इस बात का है कि उनके पास दो, चार पांच मेम्बर भी नहीं बैठे और वह सब के ख्यालात का इज़हार कर रहे हैं।

श्री लाल चन्द : कँवरानी जी का भी यही ख्याल है।

श्रीमती ओम प्रभा जैन : कँवरानी जी का भी यही ख्याल है तो वह खुद भी कह सकती थीं।

Kanwarani Jagdish Kaur : Is this relevant, Sir? ਇਸਤ੍ਰੀ ਜਾਤੀ ਕੀੜੇ ਮਕੌੜੇ ਨਹੀਂ। ਇਸਤ੍ਰੀ ਜਾਤੀ ਤਾਂ ਸ਼ੇਰਨੀ ਹੈ ਸ਼ੇਰਨੀ। The remarks of Shrimati Om Prabha Jain are insulting. (*Interruption*)

Mr. Deputy Speaker : Order please. no such remarks please.

कँवरानी जगदीश कौर : स्त्री जाति को यह क्या "कीड़े मकौड़े" बना रही हैं? Is that relevant, Sir ? स्त्री जाति शेरनी होती है। She is insulting us.

श्रीमती ओम प्रभा जैन : Sir, perhaps she has not been able to understand what I am saying. जिन जज़बात को लेकर वह उठी हैं मैं उन्हीं जज़बात से बात कर रही हूं। बड़े ताज्जुब की बात है कि आप बिगड़ गई (*interruptions*)

Kanwarani Jagdish Kaur : She is irrelevant and using insulting remarks. (*interruptions*)

Mr. Deputy speaker : Order please. No interruptions.

श्री जगत नन्रायण चौपड़ा : डिप्टी स्पीकर साहिब, आप जरा इनको रोक लें, कहीं House के अन्दर औरतों का झगड़ा न शुरू हो जाए।

श्रीमती ओम प्रभा जैन : अगर इन को मेरी बात समझ में नहीं आई तो मेरे ख्याल में शायद mike का दोष होगा। मैं नहीं समझती कि मैं ऐसी बात कह रही हूं जिस से वह offended feel करें। अगर mike की कमज़ोरी की वजह से कोई बात समझ में न आई हो तो कम से कम unduly interfere न करें।

(ਸਰਕਾਰੀ ਪਖ ਦੇ ਕੁਝ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ : ਤੁਸੀਂ ਬਹੁਤ ਅੱਛਾ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹੋ।)

कंवरानी जगदीश कौर : ख्वाजे का गवाह डड्डू। (*Interruptions*)

श्रीमती ओम प्रभा जैन: डिप्टी स्पीकर साहिब, आप देख लें कि यह मुझे बार-२ interrupt कर रही हैं। मैं आप से request करूंगी कि इन को रोकें और आगे से मुझे disturb न करने दें।

श्री लाल चन्द: उन्होने आप को तो डड्डू नहीं कहा।

Mr. Deputy Speaker : Order please. No interruption.

श्रीमती ओम प्रभा जैन: जब यह कहा जाता है कि society में औरतों की बेइज्ज़ती की जाती है, उन को घर में बेइज्ज़त किया जाता है तो हमारे भाई कहते हैं कि ये तो solitary cases होंगे। लेकिन, डिप्टी स्पीकर साहिब, आप के द्वारा मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि ऐसे cases एक नहीं अनेकों हो रहे हैं। अभी पिछले दिनों जब मैंने कांग्रेस के पंजाबी महिला मण्डल की तरफ से शहरों का दौरा किया तो मेरी आंखों के सामने कुछ ऐसी बहनें रोती हुई आईं जो कि समाज के अत्याचार से घबराई हुई थीं। एक बहन ने बताया कि उसके पति ने उसे और उसकी दो लड़कियों को दिसम्बर के महीने में चलती हुई नहर में धक्का दे दिया और वह सिर्फ इस वजह से कि वह सोचता था कि वह अभी भी अपने मां बाप के घर से दहेज की चीज़ें क्यों नहीं लाती। नहर में फैंकने से दोनों छोटी बच्चियां तो मर गईं परन्तु वह औरत किसी तरह बच गई। ऐसे cases हो रहे हैं। इस का कारण हमारे समाज की social inequalities हैं। बहुत से वर्गों में ऐसे cases मेरी knowledge में आए हैं कि पति बार बार अपनी औरत को घर से निकाल देता है। दूसरे भी बहुत से cases हैं। अगर आप चाहें तो मैं उन कागज़ात को यहां Table पर रख सकती हूं और ऐसी बहनों को उन लोगों के सामने पेश कर सकती हूं जो कि इन cases की यथार्थता पर सन्देह करते हैं। एक ऐसी बहन

[श्रीमती श्रोम प्रभा जैन]

मेरे पास ग्राई जिसका पति बार बार उसको मारपीट कर घर से निकाल देता है ताकि वह अपने मां बाप से कुछ लेकर आए। एक ऐसा case मेरे notice में आया जहां कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली। हालांकि by law यह चीज prohibited है लेकिन फिर ऐसी बातें होती हैं। यह बातें नहीं रुक सकतीं जब तक कि इसे cognizable offence न माना जाए। वह औरत आज भी धक्के खाती फिरती है। ये isolated examples नहीं हैं।

आप देखें कि आप सड़कें बनाते हैं चौरा हों पर बड़े बड़े गोल चक्कर बनाते हैं, traffic rules बनाते हैं ताकि accidents न हों। अलग अलग रास्ते बनाते हैं, ट्रैफिक कण्ट्रोल का इन्तज़ाम करते हैं, Lights लगाते हैं, सिपाहियों को खड़ा करते हैं ताकि accidents न हों। लेकिन फिर भी आप देखते हैं कि बावजूद इस बात के कि सरकार लाखों रुपया खर्च करती है accidents कितने होते हैं। इसी तरह से ये हमारी समाज में accidents के cases हैं। इनको रोकने के लिए, कम करने के लिए ज़रूरत ह कि कानून बनाए जाएं। इस दिशा में, मैं महसूस करती हूं कि जो resolution move किया गया है इसकी आज जरूरत है। Parliament में जो बिल इस विषय में पेश किया गया है उसकी copy भी मेरे पास है और मैं अपने साथियों की वाक्फियत के लिए बताना चाहती हूं कि इस बिल की Statement of Objects and Reasons में Law Minister ने कहा है कि—

> "This question has been engaging the attention of the Government for some time past, and one of the methods by which this problem, which is essentially a social one, was sought to be tackled was by the conferment of improved property rights on women by the Hindu Succession Act, 1956".

जो भाई इस resolution की ताईद करना चाहते हैं उन्हें कम से कम अपने दिमाग में साफ होना चाहिए और जो rights औरतों को मिले हैं उनकी सन्तुलित तरीके से ताईद करनी चाहिए। इन शब्दों के साथ मैं आप का धन्यवाद करती हूं और फिर कहती हूं कि Hindu Succession Act और anti-dowry Bill एक दूसरे के complementary हैं। एक के बिना दूसरे की कोई value नहीं, वह one sided thing है। इस लिए हमें दोनों चीज़ों को साथ लेकर social order बनाना है। इस लिए जो dowry को oppose करते हैं उन्हें Hindu Succession Act के तहत दिए हुए औरतों के हकूक की भी कदर करनी चाहिए।

ਸਰਦਾਰ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮਾਨ (ਸਾਮਾਣਾ, ਜਨਰਲ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪਣੀਆਂ ਪੰਜਾਬੀ ਭੈਣਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਲਬੇ ਨੂੰ ਮੰਨਦਾ ਹੋਇਆ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲਾਤ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਹੀ ਰਖਦਾ ਹਾਂ। ਅਜ ਮੇਰੀ ਭੈਣ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਓਮ ਪ੍ਰਭਾ ਜੈਨ ਨੇ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਉਤਾਵਲਾਪਨ ਜ਼ਾਹਿਰ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ ਬੜੀ ਬੇਚੈਨ ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਭਰਾਵਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਸੁਣਨ ਲਈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਜਿਹੜੇ ਜਾਇਦਾਦ ਦੇ ਵਿਚ ਹਕ ਮਿਲੇ ਸਨ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਰੇਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬੇਚੈਨੀ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲਾਤ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ

ਹਾਂ । ਜ਼ਾਹਿਰਾ ਤੌਰ ਤੇ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਸਾਂ ਇਸ ਤੇ ਬੋਲਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਜਜ਼ਬਾਤ ਦੀ ਰੌ ਦੇ ਵਿਚ ਬਹਿ ਗਏ ਹਨ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਦੀ ਕਤਅਨ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ mover ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਖ਼ੁਦ ਹੀ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਸੈਂਟਰ ਵਾਲੇ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਉਂਦੇ ਪਏ ਹਨ ਉਸ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਤਕ Hindu Marriage Law ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਜਾਂ Anti-dowry Law ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਇਹ ਸੈਂਟਰ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ। ਸੈਂਟਰ ਨੇ ਜਦੋਂ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਤਾਂ ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਲਾਗੂ ਹੋ ਜਾਏਗਾ । ਖੈਰ ਅਗਰ ਰਾਜਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਇਹ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਮੁਬਾਰਕ ਹੋਵੇ । ਉਹ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲਾਤ ਦੇ ਮਾਲਕ ਹਨ । ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਅਫਸੋਸ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੇਡੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਤੇ ਹੈ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿਸੇ ਵਕਤ ਇਹ ਕਹਿੰਦੀਆਂ ਸੀ ਕਿ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਜਾਇਦਾਦ ਵਿੱਚੋਂ ਬਰਾਬਰ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਹੁਣ ਉਹ ਇਹ ਕਹਿ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਵਿਆਹ ਦੇ ਵੇਲੇ ਮਾਂ ਬਾਪ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਭੈਣ, ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਓਮ ਪ੍ਰਭਾ ਜੈਨ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਸੁਣ ਕੇ ਬੜਾ ਹੈਰਾਨ ਹੋਇਆ ਹਾਂ । ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਜ਼ਬਾਤ ਦੀ ਰੌ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਵਿਚ ਇਤਨੀ ਜਲਦੀ ਤਬਦੀਲੀ ਆ ਗਈ ਹੈ । ਮੇਰੀ ਭੈਣ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਤਾਂ ਹਕ ਵਿਚ ਹਨ ਕਿ ਮਾਂ ਬਾਪ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਦੇ ਵਿਚ ਲੜਕਿਆਂ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਹਿੱਸਾ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਮਗਰ ਜੇ ਕੋਈ ਬਾਪ ਆਪਣੀ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਰੁਪਿਆ, ਜ਼ੇਵਰ ਜਾਂ ਕਪੜਿਆਂ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਦੇਣਾ ਚਾਹੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਇਹ ਬੜੀ ਅਜੀਬ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਬਾਪ ਮੁਹੱਬਤ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਆਪਣੀ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਕੋਈ ਰੁਪਿਆ ਪੈਸਾ ਜਾਂ ਕਪੜੇ ਵੀ ਨਾ ਬਣਵਾ ਕੇ ਦੇ ਸਕੇ । ਕੈਸੀ ਤਅੱਜੁਬ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਂ ਬਾਪ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਦੇ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਦਿਵਾਉਣ ਦੇ ਹਾਮੀ ਅਜ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਕੰਨੋਂ ਫੜ ਕੇ ਜਿਥੇ ਮਰਜ਼ੀ ਸੁਟ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਔਰ ਮਾਂ ਬਾਪ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ੀ ਦੇ ਨਾਲ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਦੇਣ ਦਾ ਹਕ ਨਾ ਹੋਵੇ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਲਿਆਉਣਾ ਮਾਂ ਬਾਪ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਜਿਹੜੀ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਮੁਹੱਬਤ ਹੈ ਉਸ ਤੇ ਬੜੀ ਜ਼ਬਰਦਸਤ ਸਟ ਮਾਰਦਾ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਇਹ ਤਰੀਕਾ ਚਲਿਆ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਬਾਪ ਸਮਝਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਲੜਕਿਆਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਜਾਇਦਾਦ ਦੇਣੀ ਹੈ, ਔਰ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਜਾਇਦਾਦ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਦੇਣ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਉਹ ਉਸ ਦੇ ਵਿਆਹ ਦੇ ਸਮੇਂ ਜ਼ੇਵਰ, ਬਰਤਨ ਅਤੇ ਕਪੜਿਆਂ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਦੇ ਵਿਚ ਦੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰ ਮਾਂ ਬਾਪ ਨੂੰ ਆਪਣੀਆਂ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਹਿੰਮਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਗਹਿਣਾ ਲੱਤਾ ਦੇਣ ਦਾ ਹਕ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਬਾਕੀ ਜਿਹੜਾ ਓਮ ਪ੍ਰਭਾ ਜੈਨ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਹਿਮਾਇਤ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਂ ਬਾਪ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਦੇ ਵਿਚ ਬਰਾਬਰ ਹਕ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਉਹ ਗਲ ਸਗੋਂ ਮੁਨਾਸਬ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ complications ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਜਿਹੜਾ ਤਰੀਕਾ ਦਰਅਸਲ ਸਾਡੀ ਸਮਾਜ ਨੇ ਅਪਣਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਇਹ ਸਾਡੇ ਮਸਲੇ ਹਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਅਤੇ ਇਹ

[ਸਰਦਾਰ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮਾਨ]

ਸਮਾਜਕ ਝਗੜਿਆਂ ਨੂੰ ਨਿਪਟਾਣ ਵਿਚ ਨਿਕੰਮਾ ਸਾਬਤ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਕੇਹਾ ਚੰਗਾ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਲੜਕਾ ਔਰ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਇਕ ਨਿਗਾਹ ਨਾਲ ਵੇਖਿਆ ਜਾਂਦਾ। ਪਰ ਅਜ ਅਸੀਂ ਸਮਾਜਕ ਉੱਨਤੀ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਾਨੂੰਨ ਰਾਹੀਂ ਕਿ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਮਹਿਜ਼ ਰੁਪਿਆ ਪੈਸਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਜ਼ਮੀਨ ਨਾ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਇਹ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਇਹ ਨਾ ਹੋਵੇ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਾਨੂੰਨ ਰਾਹੀਂ ਸਮਾਜਕ ਉੱਨਤੀ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦੀ । ਜੇ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਜਾਂ ਆਪਣੀ ਭੈਣ ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਇਕ gift ਦੇ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਕੌਣ ਹੋ ਮੈਨੂੰ ਰੋਕਣ ਵਾਲੇ । ਮੈਨੂੰ ਕਾਨੂੰਨੀ ਹਕ ਹੈ gift ਦੇਣ ਦਾ । ਦਰਅਸਲ ਜਹੇਜ਼ ਦੇਣਾ ਜੁਰਮ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਕੋਈ ਨਾਵਾਜਬ ਗਲ ਨਹੀਂ, ਪਰ ਇਸ ਦਾ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਜਾਂ ਉਲਟਾ ਮਤਲਬ ਕਢਣਾ ਇਹ ਨਾਵਾਜਬ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਲੜਕੀ ਵਿਚ ਕੋਈ ਗੁਣ ਹੋਵੇ, social ਹੋਵੇ, ਪੜ੍ਹੀ ਲਿਖੀ ਹੋਵੇ, ਖੂਬਸੂਰਤ ਹੋਵੇ, ਹੁਸੀਨ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਐਸਾ ਕਿਹੜਾ ਬੇਵਕੂਫ ਨੌਜਵਾਨ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਉਸ ਦਾ ਰਿਸ਼ਤਾ ਮੋੜ ਦੇਵੇ ਜਾਂ ਜਹੇਜ਼ ਬਹੁਤੀ ਦੇਣ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਕਰੇ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਭੈਣ ਓਮ ਪ੍ਰਭਾ ਜੈਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਇਹ ਤਾਂ ਉਥੇ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿਥੇ ਲੜਕੀ ਬਦਸੂਰਤ ਹੋਵੇ, ਉਸ ਦਾ ਬਾਪ ਜਾਂ ਕੋਈ ਹੋਰ ਬਜ਼ੁਰਗ ਉਸ ਦਾ ਜਿਥੇ ਰਿਸ਼ਤਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਹ ਜਹੇਜ਼ ਦਾ ਵੀ ਕੋਈ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ, ਉਹ ਆਪਣੀ ਲੜਕੀ ਨੂੰ, ਰੁਪਿਆ ਦੀ ਥੈਲੀ ਵਿਖਾ ਕੇ, ਰੁਪਏ ਦੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਵਿਆਹੁਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਰਾਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਆਦਮੀ ਗ਼ਰੀਬ ਹੈ ਅਤੇ ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਨਾਲ ਉਸ ਦੀ ਲੜਕੀ ਵੀ ਖੂਬਸੂਰਤ ਨਹੀਂ ਐਸੀ ਲੜਕੀ ਸ਼ਾਦੀ ਤੋਂ ਰੁਕ ਜਾਵੇਗੀ । ਨਾ ਲੜਕੀ ਅੱਛੀ ਮਿਲਣੀ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਕੁਝ ਜਹੇਜ਼ ਮਿਲਣਾ ਹੈ, ਐਸੀ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਵਿਆਹ ਸ਼ਾਦੀ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ । ਇਹ ਰਾਏ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਔਰਤਾਂ ਦੇ ਮੁਖਾਲਫ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

ਹੁਣ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ 45 ਜਾਂ 50 ਸਾਲ ਤੋਂ ਉਤੇ ਸ਼ਾਦੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਮਤਲਬ ਨਹੀਂ, ਸ਼ਾਦੀ ਦੇ ਮੁਆਮਲੇ ਵਿਚ ਭਾਵੇਂ ਬੁਢਾ ਹੋਵੇ ਭਾਵੇਂ ਜਵਾਨ, ਇਹ ਖੁਲ੍ਹ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਬੋਸੀਦਾ ਅਤੇ ਘਟੀਆ ਖਿਆਲਾਤ ਨਹੀਂ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ । (ਹਾਸਾ) ਮੈਂ ਆਮ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਵਡੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਹਸਤੀਆਂ ਦੀਆਂ ਮਿਸਾਲਾਂ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਿਸਟਰ ਐਨਥਨੀ ਈਡਨ ਇੰਗਲੈਂਡ ਦੇ ਪ੍ਰਾਇਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਸ਼ਾਦੀ ਕੀਤੀ ਜਦੋਂ ਕਿ ਉਹ ਬਹੁਤ ਵੱਡੀ ਉਮਰ ਦੇ ਸਨ । ਹੋਰ ਵੱਡੇ ਲਿਖਾਰੀਆਂ, ਕਲਾਕਾਰਾਂ ਵੱਲ ਵੇਖ ਲਓ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿ ਖੁਦ ਔਰਤਾਂ ਨੇ ਆ ਕੇ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਕੀਤਾ । ਮੈਂ ਭੈਣ ਓਮ ਪ੍ਰਭਾ ਜੈਨ ਨੂੰ ਦੱਸ ਦਿਆਂ ਕਿ ਸ਼ਾਦੀ ਵਿਚ ਮਹਿਜ਼ ਰੁਪਿਆ ਪੈਸਾ ਹੀ count ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ । ਮੁਹੱਬਤ ਹੋਵੇ, ਜਜ਼ਬਾਤ ਹੋਣ ਤਾਂ ਉਹ ਇਹੋ ਜਿਹੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਨਜ਼ਰ ਅੰਦਾਜ਼ ਕਰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਮੁਆਫ ਕਰਨਾ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ ਵੱਡੀ ਉਮਰ ਦੇ ਬੰਦੇ ਨਾਲ ਕਿਸੇ ਦਾ ਇਸ਼ਕ ਹੋ ਜਾਵੇ, ਲੜਕੀ ਉਸ ਨੂੰ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਉਸ ਘਰ ਵਿਚ ਰਹਿਣਾ ਪਸੰਦ ਕਰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ, ਇਸ ਵਿਚ

ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਕੀ ਤਕਲੀਫ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਗ਼ਾਲਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ : —

ਇਸ਼ਕ ਪਰ ਜ਼ੋਰ ਨਹੀਂ, ਹੈ ਯਿਹ ਵੋਹ ਆਤਿਸ਼ ਗ਼ਾਲਿਬ,
ਕਿ ਲਗਾਏ ਨਾ ਲਗੇ ਔਰ ਬੁਝਾਏ ਨਾ ਬਨੇ ।

ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ 40, 50 ਸਾਲ ਦੀ ਉਮਰ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੋਈ ਸ਼ਾਦੀ ਹੀ ਨਾ ਕਰਾ ਸਕੇ । ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ constitutionally ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਬੰਦੀ ਕਿਸੇ ਤੇ ਆਇਦ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ । ਪਰ ਇਹ social elements ਨੂੰ ਬੇਲਗਾਮ ਘੋੜੇ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਭਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਤਾਲੀਮ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਤਾਲੀਮ ਦਾ ਜ਼ੋਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ progressive ਖਿਆਲਾਤ ਦੇ ਜ਼ੋਰ ਤੇ ਪਰ ਦੂਸਰੀ ਤਰਫ ਇਹ ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਜ਼ੋਰ ਤੇ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਹੋਰ ਵਜ਼ਾਹਤ ਵੀ ਕਰ ਦਿਆਂ । ਮੈਂ ਵਲਾਇਤ ਦੀਆਂ ਮਿਸਾਲਾਂ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ, ਮੈਂ ਮਹਿਜ਼ ਆਪਣੇ ਵਤਨ ਦੀਆਂ ਮਿਸਾਲਾਂ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹਾਂ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਮੈਨੂੰ ਥੋੜਾ ਬਹੁਤ ਪਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ Finance Minister ਸ਼੍ਰੀ ਦੇਸ਼ਮੁਖ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ਨੇ ਵੀ ਹੁਣੇ ਹੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਾਈ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਬਹੁਤੀ ਦੂਰ ਕਿਉਂ ਜਾਂਦੇ ਹੋ ਸਾਡੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ 12-14 ਸਾਲ ਹੋਏ ਹਨ ਕਿ ਦੂਸਰੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਵਾਈ ਸੀ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਹ ਕੋਈ ਗ਼ਲਤ ਗੱਲ ਨਹੀਂ । ਪਰ ਇਹ ਜਿਉਂਦੇ ਜਾਗਦੇ ਇਨਸਾਨ ਵਿਚ ਮੁਰਦਨੀ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । (ਹਾਸਾ) ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਕਦੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ reforms ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਕਰਦੀਆਂ, ਬਲਕਿ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਨਫਰਤ ਹੋ ਜਾਇਆ ਕਰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਕੁਰੀਤੀਆਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਇਆ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ । ਤੁਹਾਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਯਾਦ ਹੈ ਇਹ ਵੀ ਇਕ ਪੁਰਾਣਾ ਰਿਵਾਜ ਸੀ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਕਿ ਲੜਕੀਆਂ ਵਿਕਦੀਆਂ ਸਨ, ਲੜਕੀ ਵਾਲੇ ਮੁੰਡੇ ਵਾਲੇ ਤੋਂ 5-7 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਲੈ ਕੇ ਫੇਰ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਦੇ ਸਨ । ਹੁਣ ਸਾਡਾ ਰਿਵਾਜ ਹੈ ਯਾ ਸਾਡੀ ਮਜਬੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਲੜਕੇ ਵਾਲੇ ਜਹੇਜ਼ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਰੁਪਿਆ ਪੈਸਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਰਿਵਾਜ ਵਿਚ ਵੀ ਹੁਣ ਤਬਦੀਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਅਸੀਂ ਬਾਕਾਇਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਉਣ ਚਲੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਲੜਕੇ ਵਾਲਾ, ਲੜਕੀ ਵਾਲਿਆਂ ਤੋਂ ਦੋ ਯਾ ਤਿੰਨ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਲੈ ਲਵੇ, ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਉਤੇ ਮੁਕਦਮਾ ਚਲ ਸਕੇ । ਪਰ ਇਹ ਰਿਵਾਜ ਉਦੋਂ ਤਕ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਜਦੋਂ ਤਕ ਕਿ ਇਸ ਰਿਵਾਜ ਦੇ ਖਿਲਾਫ public opinion ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ । ਅੱਜ ਅਸੀਂ ਵੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਲੜਕੀ ਵੇਚਣ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਨਫਰਤ ਦੀ ਨਿਗਾਹ ਨਾਲ ਵੇਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਰਿਵਾਜ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨ ਲਈ ਅਸੀਂ ਕੋਈ ਕਾਨੂੰਨ ਨਹੀਂ ਬਣਾਇਆ । ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਸਮਝਦੇ ਹੋ ਕਿ ਬਗੈਰ ਜਹੇਜ਼ ਤੋਂ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਯਕੀਨ ਜਾਣੋ ਇਹ ਰਿਵਾਜ ਆਪਣੇ ਆਪ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਜਦੋਂ ਵਿਆਹ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਮੁਹੱਬਤ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ ਤਾਂ ਲੜਕਾ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਕਹੇਗਾ ਕਿ ਮੈਂ ਜਹੇਜ਼ ਨੂੰ ਗੁਨਾਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ । ਪਰ ਦੂਸਰੀ ਤਰਫ ਉਸ ਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਬੰਦੀ ਲਾ ਦੇਣੀ, ਉਸ ਨੂੰ ਮਜਬੂਰ ਕਰ ਦੇਣਾ ਕਿ ਉਹ ਕੋਈ ਮੁਕਦਮਾ ਹੀ ਨਾ ਕਰ ਸਕੇ, ਮੈਂ ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਐਸੀ ਚੀਜ਼ ਬਣ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਕਿਸੇ court ਵਿਚ writ ਯਾ ਅਪੀਲ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਦਾ

[ਸਰਦਾਰ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮਾਨ]

ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਮੁਕਦਮਾ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਇਤਨਾ ਰੁਪਿਆ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਕੋਈ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕੋਈ ਮਜਬੂਰੀ ਦੀ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਘਰਾਣੇ ਐਸੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਖੁਦ ਬਖੁਦ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, voluntarily ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਐਸੀ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਕਾਨੂੰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਵਡੀ ਉਮਰ ਵਾਲੇ ਖਾਂ ਸਾਹਿਬ ਜਿਹਾ ਬਜ਼ੁਰਗ ਦੋਸਤ ਭਾਵੇਂ ਕਿਉਂ ਨਾ ਹੋਵੇ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਦੀ ਹਮਾਇਤ ਕਰਾਂਗਾ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : On a point of information, Sir. ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਖਾਂ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੂਸਰੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਵਾਉਣੀ ਹੈ ਜਾਂ ਮਾਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੂਸਰੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਵਾਉਣੀ ਹੈ ? (ਹਾਸਾ)

Sardar Bhupinder Singh Mann : I love my wife very much, so I do not want to have another wife. ਅਗਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ position ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਬਜਾਏ ਇਸ ਦੇ ਕਿ ਮੈਂ ਮਿਸਿਜ਼ ਓਮ ਪ੍ਰਭਾ ਜੈਨ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਾਂ ਮੈਂ ਕਿਉਂ ਨਾ ਖਾਂ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਦਰਵਾਜ਼ੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਰੱਖਾਂ। ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਫਖਰ ਹੋਵੇਗਾ। ਜੇਕਰ ਖਾਨ ਜ਼ਫਰਉੱਲਾ ਖਾਂ ਜੋ International Court of Justice Hague ਦੇ ਜਜ ਹਨ ਐਸੀ ਉਮਰ ਵਿੱਚ ਆ ਕੇ ਹੋਰ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਵਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਵੀ ਉਮੀਦ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਖਾਂ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਇਸ ਜ਼ੁਮਰੇ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੇ।

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਕਬਰ ਖੋਦਣ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਵੀ ਸੁਨੇਹਾ ਭੇਜ ਦਿਤਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ? (ਹਾਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮਾਨ : ਮਿਸਿਜ਼ ਓਮ ਪ੍ਰਭਾ ਜੈਨ ਜੀ ਨੇ ਅਤੇ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤਾਂ ਨੇ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਬੜੇ ਦਰਦਨਾਕ ਲਹਿਜੇ ਵਿਚ ਕਹੀਆਂ ਕਿ ਕਿਤਨੀਆਂ ਹੀ ਵਿਚਾਰੀਆਂ ਲੜਕੀਆਂ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਕਰਕੇ ਮਰ ਗਈਆਂ। ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਕਿਸੇ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰ ਕੇ ਮਰ ਗਈਆਂ ਹੋਣ, ਪਰ ਚੂੰਕਿ ਵਿਆਹ ਸਮਾਜ ਦਾ ਕੁਝ ਹਿਸਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਰੋਂਗਟੇ ਖੜੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਤੋਂ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਗੱਲਾਂ ਪੈਦਾ ਕਰਕੇ ਬਿਆਨ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਫਰਜ਼ ਕਰੋ ਇਕ ਲੜਕੀ ਪਿਆਰ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿਸੇ ਲੜਕੇ ਨੂੰ ਪਰ ਲੜਕਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਜ਼ਾਤ ਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਮਾਂ ਬਾਪ ਨੂੰ ਰਜ਼ਾਮੰਦ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਉਹ ਨਹੀਂ ਮੰਨਦੇ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਮਜਬੂਰ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਉਹ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਜਗ੍ਹਾ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਲੜਕੀ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਸ ਥਾਂ ਸ਼ਾਦੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤੇ ਉਹ ਦੁਖੀ ਹੋ ਕੇ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਕਰ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ......

Khan Abdul Ghaffar Khan : On a point of information, Sir, Can love matters be discussed here ?

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, my difficulty is that my old friend (Khan Abdul Ghaffar Khan), whose case I have been pleading all the time. has not under stood me. जहां तक marriage का ताल्लुक है, वहां पर मुहब्बत और इश्क को प्रधान होना चाहिए, जज़बात को प्रधान होना चाहिए न कि कानून को । (घंटी) ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਹੀ ਮਹਿਜ਼ ਵਜ੍ਹਾ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਲੜਕੀਆਂ ਦਾ ਜੋ ਵਾਲਦੈਨ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਵਿਚ ਹੱਕ ਹੈ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਮਾਜਕ ਹਕ ਹੈ ਔਰ ਮੁਹੱਬਤ ਔਰ ਪਿਆਰ ਦਾ ਹੱਕ ਹੈ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਾ ਮਿਲੇ ਔਰ ਉਸ ਦਾ ਆਪਣਾ ਬਾਪ ਜਦ ਉਸ ਨੂੰ ਘਰ ਤੋਂ ਤੋਰੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਾ ਦੇਵੇ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਹ ਹੋਰ ਵੀ ਔਖਿਆਈ ਦਾ ਕਾਰਨ ਬਣੇਗਾ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਸ resolution ਦੀ ਪੂਰੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਇਹ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਲੜਕੀ ਜਿਹੜੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰ ਕੇ ਦੂਜੇ ਪਿੰਡ ਚਲੀ ਗਈ ਹੋਈ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਤੇ ਜੇ ਉਹ ਦਸ ਜਾਂ 12 ਸਾਲਾਂ ਪਿਛੋਂ ਵੀ ਆਪਣੇ ਘਰ ਜਾਂ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਅਗੇ ਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਭਰਾ ਔਰ ਕੇਵਲ ਭਰਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਾਕੀ ਪਿੰਡ ਦੇ ਲੋਕ ਵੀ ਉਸ ਨੂੰ ਪਿੰਡ ਦੀ ਧੀ ਸਮਝ ਕੇ ਜਾਂ ਭੈਣ ਸਮਝ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਦੋ ਚਾਰ ਰੁਪਏ ਦੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, ਉਸ ਨੂੰ ਇਸ ਤੋਂ ਵੀ ਵਾਂਝਿਆ ਰਖਿਆ ਜਾਏਗਾ । ਅਜ ਉਹ ਭਾਵੇਂ ਦੋਹਤਰਿਆਂ ਪੋਤਰਿਆਂ ਨਾਲ ਵੀ ਆਪਣੇ ਬਾਪ ਦੇ ਘਰ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਵੀ ਉਸ ਨੂੰ ਬੜਾ ਮਾਨ ਮਿਲਦਾ ਹੈ..(interruptions) ਮੇਰੀ ਭੈਣ ਦਿੱਲੀ ਦੀ LL. B. ਹੈ......

Mr. Deputy Speaker: No personal remarks, please.

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, I cannot be so discourteous as to ignore the interruptions by the hon. Lady Member.

She has been pleading a very false case, and I have to give a suitable reply.

ਤੇ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਪੁਰਾਣੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤੀ ਦਾ ਬੋਲ ਬਾਲਾ ਫਿਰ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਹੋਵੇ ਜਿਸ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤੀ ਵਿਚ ਲੜਕੀ ਜਿਹੜੀ ਹੈ ਜੇ ਉਹ ਦੋਹਤਰਿਆਂ ਪੋਤ-ਰਿਆਂ ਨਾਲ ਵੀ ਆਪਣੇ ਪੁਰਾਣੇ ਘਰ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਵੀ ਉਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਦੇ ਕੇ ਤੋਰਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਮਾਂ ਬਾਪ ਕੋਲੋਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਦੇਣ ਲਈ ਨਾ ਵੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਵੀ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਦੇ ਕੇ ਖੁਸ਼ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੁਹੱਬਤ ਵਾਲਾ ਮੁਤਾਲਬਾ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਕਾਇਮ ਰਹੇ । ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਰਖੜੀਆਂ ਬਣੀਆਂ ਰਹਿਣ ਔਰ ਉਹ ਸਾਰੇ ਤਹਿਵਾਰ ਬਣੇ ਰਹਿਣ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤਹਿਵਾਰਾਂ ਵਿਚ ਲੜਕੀਆਂ ਦੀ ਇੱਜ਼ਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ।

श्रीमती सरला देवी शर्मा (हमीरपुर, जेनरल): माननीय डिप्टी स्पीकर साहिब, हमारे भाई राजा रघुबीर सिंह की तरफ से जो प्रस्ताव पेश हुआ है मैं उसका स्वागत करती हूं । और यह खुशी इसलिए और भी बढ़ जाती है कि यह भाई राजा खानदान से ताल्लुक रखते हैं जहां पर पहले हमारी बहनों को कभी बाहर ही नहीं निकाला जाता था । आज वह भी यह बात महसूस करते हैं कि कोई ऐसा कदम उठाया जाए जिससे बहनों का कल्याण हो । एक दूसरे भाई मान साहिब ने यहां पर जो तकरीर की है वह उन्होंने इस ढंग से की है जैसे एक वकील अपने मुवक्किल को बचाने के लिए कोर्ट में plead करता है और सच्चाई को ignore करता है । उन्होंने अपनी speech में श्रीमती देशमुख की बात की और कहा कि उन्होंने अभी कुछ साल हुए तब शादी की जब कि वह बूढ़े होने जा रहे हैं । लेकिन मैं उन्हें बतलाना चाहती हूं कि उन्हों ने इस बात को छिपा लिया कि मिस्टर देशमुख और श्रीमती देशमुख की आयु में बहुत थोड़ा अन्तर है । मुश्किल से तीन या चार साल का फर्क होगा । और उन्होंने वह बातें कहीं जो जज़बाती थीं । मैं इनके इस विचार से बिल्कुल सहमत नहीं हो सकती कि बुड्ढों को ज़िन्दा रखने के लिए उनकी शादी बच्चियों के साथ कर दी जाए । यह तो एक मज़ाक वाली बात हुई ? (विघ्न) मैं नहीं चाहती कि अब कोई hon. Member मेरी स्पीच में विघ्न डाले । इन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई किसी को प्यार करता है तो फिर उम्र का तकाज़ा नहीं रहता । यह केवल प्यार की बात नहीं है । यहां तो गुरबत के कारण बच्चियों की शादी बुड्ढों के साथ की जाती है । हमारे प्रदेश के कई हिस्सों में दस और बारह बारह साल की बच्चियों की शादी बुड्ढों के साथ कर दी जाती है (विघ्न) । मैं यह अर्ज़ करना चाहती हूं कि हमारे यहां इतनी गुरबत है कि लोगों के पास खाने के लिए भी पैसा नहीं है । इसलिए यह कहना कि किसी बुड्ढे का किसी लड़की से प्यार हो गया इसलिए शादी हो गई यह तो एक मज़ाक है । लेकिन हक़ीक़त यह है कि किसी किसी समय भूख-नंग की वजह से लोग शादी करते हैं । डिप्टी स्पीकर साहिब, आज वक्त आ गया है जब कि इस dowry system को बन्द होना चाहिये । आज पैसा इतना प्रधान हो गया है कि इसकी वजह से भाई बहन को इसलिए मिलने नहीं जाता क्योंकि वह समझता है कि बहन को कुछ देना पड़ेगा । जहां तक शादी का ताल्लुक है वह तो एक business की शक्ल अख्तियार करती जा रही है । आज 90 फीसदी लोग दहेज मांगते हैं और हर नौजवान इसके चक्कर में फंसा हुआ है ।

(At this stage Shri Lal Chand, a Member of the panel of Chairmen, occupied the Chair.)

चेयरमैन साहिब, लुध्याना ज़िला की बात है कि एक अच्छी पढ़ी लिखी लड़की थी । वह जब अपने सुसराल जाती थी तो उसे तंग किया जाता था कि अपने घर से पांच सौ रुपये लाओ । लड़की तंग आ कर अपने मां बाप के घर से ग्वालियर चली गई तो लड़के ने क्या किया कि उस के पीछे और सगाई कर ली और शादी की तारीख निश्चित हो गई । वहां पर All-India Women Conference बनी हुई थी । उन्हें पता चला कि एक लड़का जो बैंक में मामूली clerk है पहली बीवी को छोड़ कर दूसरी शादी करने के लिए जा रहा है । वहां पर सब बहनें इक्ट्ठी हुई लेकिन यह पता नहीं चलता था कि किस जगह ब्याहने जा रहे हैं । बाद में उन के घर जा कर पता लगाया गया कि बाघापुराना जा रहे हैं । मैं भी उस वक्त वहीं थी । लड़की

का नाम समुति था। वह भी हमारे साथ बाधापुराना गई। जब सारी बात गांव वालों को बताई गई तो उन्होंने कहा कि हम दूसरी शादी कभी नहीं होने देंगे। नतीजा यह हुआ कि marriage party वापस लौटी। (*Hear, hear*) एक नहीं सैंकड़ों ऐसी मिसालें मिलती हैं। मान साहिब, भागने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन मैं एक बात उन्हें बताना चाहती हूं कि इन्होंने अपने दृष्टि कोण से ठीक ही कहा है क्योंकि वह एक बहुत बड़े land lord हैं पैसा और ज़मीन काफ़ी है। उन की बच्चियां अच्छी तरह से शिक्षित हैं। इन का ख्याल है कि dowry system बन्द हो गया तो मकान और property में से हिस्सा देना पड़ेगा। लेकिन उन्हें मालूम होना चाहिए कि हमारी हाई कमांड ने फैसला कर दिया है कि इन को ज़मीन में से हिस्सा देना पड़ेगा। अभी कुछ दिन की बात है कि मैं एक शादी में गई। वहां पर लड़की वालों को मजबूर किया गया कि वे शादी पर 30,000 रुपया खर्च करें। मां बाप बेचारे क्या करें? उन्हें देना पड़ता है चाहे कर्ज़ उठा कर दें।

अभी मेरे रोहतक के भाई ने कहा कि ज़बरदस्ती यह चीज़ नहीं होनी चाहिए। पिछले दिनों, आप को मालूम है, हाउस के अन्दर हम ने Compulsory Education का Bill पास किया। मान साहिब कहते हैं कि कानून की शक्ल नहीं देनी चाहिए। मैं समझती हूं कि समाज के अन्दर परिवर्तन लाने के लिए कुछ न कुछ compulsion ज़रूरी होती है। अगर education के सिलसिले में प्यार से काम चल सकता तो Compulsory Education का Bill लाने की क्या ज़रूरत थी। किन मां बाप का दिल नहीं चाहता कि उन के बच्चे पढ़ लिख जाएं, लेकिन पैसे के लालच की वजह से वे अपने बच्चों को education नहीं दे सकते। इसी लिए यह बिल हाउस में लाना पड़ा और यह कानून बना।

श्री चेयरमेन : मान साहिब चले गए हैं इस लिए आप भी खत्म कर दें।
(Since Mann Sahib has left the House, the hon. Lady Member should also wind up.)

श्रीमती सरला देवी शर्मा : हमारी स्टेट को चाहिए कि सबसे पहिले dowry system को बन्द करे। इस progressive कदम से बच्चों की ज़िन्दगी बन जायेगी। आजकल मैंने देखा है कि बड़े बड़े अफसर पैसों के लालच से अच्छी लड़कियों को ले लेते हैं लेकिन मिडल क्लास की लड़कियां ऐसे ही उमर काट देती हैं। इन शब्दों के साथ मैं निवेदन करती हूं कि यह प्रस्ताव पास होना चाहिए।

ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ (ਜੈਤੋ) : ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕਾ ਖਾਲਸਾ, ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫਤਹ। ਸਤਿਕਾਰ ਯੋਗ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਜੋ ਮਤਾ ਰਾਜਾ ਰਘਵੀਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਵਲੋਂ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਹ ਇਕ ਬਹੁਤ ਚੰਗਾ ਮਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਇਕ ਸ਼ਲਾਘਾ ਯੋਗ ਮਤਾ ਹੈ ਜੋ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਹੈ। (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ) ਲੜਕੀਆਂ ਦੇ ਵਿਆਹ ਲਈ ਬਹੁਤ ਚਿਰ ਤੋਂ dowry system ਚਲਾ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਬੜੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਦਾਜ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ

[ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ]

ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਮੈਂ ਇਥੇ ਅਜ ਦੀ ਕਾਫੀ discussion ਸੁਣੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮੇਰੇ ਕਈ ਵੀਰਾਂ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਮਾਣ ਪਰਗਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸ਼ੁਭ ਅਤੇ ਅਸਰ ਵਾਲਾ ਮਤਾ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਰਾਜਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਖਾਹਾਂ ਹੈ ਕਿ ਇਸਤਰੀ ਜਾਤੀ ਨੂੰ forward ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ । ਪਰ ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮੰਨਦੀ ਅਤੇ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸਤਰੀ ਜਾਤੀ ਨੂੰ ਸਮਾਜ ਵਿਚ ਬਰਾਬਰੀ ਦੇਣ ਵਾਲੇ ਮੇਰੇ ਸੱਚੇ ਪਿਤਾ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਸਨ ਅਤੇ ਮਹਾਰਾਜ ਦਸਵੇਂ ਪਾਦਸ਼ਾਹ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸਤਰੀ ਜਾਤੀ ਦੀ ਰਖਿਆ ਲਈ ਮਹਾਨ ਕੁਰਬਾਨੀ ਕੀਤੀ । ਧਨ, ਜ਼ਾਤ, ਜਾਨ ਅਤੇ ਮਾਲ ਦੀ ਰਾਖੀ ਲਈ ਆਪਣਾ ਸਰਬੰਸ ਵਾਰ ਦਿਤਾ । ਇਸਤਰੀ ਜਾਤੀ ਲਈ ਮਹਾਨ ਕੁਰਬਾਨੀ ਦਿਤੀ ਅਤੇ ਇਸਤਰੀ ਨੂੰ ਸਮਾਨਤਾ ਦਾ ਦਰਜਾ ਦਿਤਾ ਇਕ ਮਾਤਾ ਦਾ ਰੂਪ ਦਿਤਾ । ਇਹ ਸਾਰੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਦੇਣ ਹੈ ਕਿ ਅਜ ਇਸਤਰੀ ਜਾਤੀ ਬਾਰੇ ਸੋਚਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ ਪਹਿਲ ਕਾਂਗਰਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਹਿੰਦੂ ਮਜ਼੍ਹਬ ਵਿਚ ਹੁਣ ਤਾਈਂ ਇਸਤਰੀ ਜਾਤੀ ਨੂੰ ਲਕਸ਼ਮੀ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਲੜਕੀ ਵਿਚ ਹਰ ਇਕ ਗੁਣ ਹੈ, ਖੂਬਸੂਰਤ ਹੈ, ਪੜ੍ਹੀ ਲਿਖੀ ਹੈ ਪਰ ਉਸ ਦਾ ਰਿਸ਼ਤਾ ਇਸ ਕਰਕੇ ਨਾ ਲੈਣਾ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਗਰੀਬ ਮਾਂ ਬਾਪ ਹਨ ਉਹ dowry ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੇ ਇਕ ਭਾਰੀ ਗਲਤੀ ਹੈ । ਪਰ ਜੇ ਮਾਂ ਬਾਪ ਗੁਜ਼ਾਰੇ ਵਾਲੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਚੰਗੇ ਪਦਾਰਥ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਆਪਣੀ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਕੁਝ ਦੇ ਦੇਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਕੋਈ ਹਰਜ਼ ਵਾਲੀ ਗਲ ਵੀ ਨਹੀਂ । ਆਪਣੀ ਕਮਾਈ ਵਿਚੋਂ dowry ਦੇਣੀ ਪਾਪ ਨਹੀਂ । ਹਾਂ, dowry ਲੈਣਾ ਔਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਮਜਬੂਰ ਕਰਕੇ ਲੈਣਾ ਇਹ ਪਾਪ ਹੈ, ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰ ਕੇ ਖੁਦ-ਕਸ਼ੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਬੜੇ ਬੜੇ ਅਨਰਥ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰ ਕੇ ਹੀ ਸਸਾਂ ਦੀ ਨੂਹਾਂ ਨਾਲ, ਨੂਹਾਂ ਦੀ ਭਰਜਾਈਆਂ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਬਣਦੀ । ਕਈ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸਸਾਂ ਦਾ ਤੇ ਬਹੂਆਂ ਦਾ ਤੇ ਭਰਜਾਈਆਂ ਦੀ ਕਦੀਮੀ ਜੰਗ ਹੁੰਦੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦੀ ਹਾਂ ਸਸਾਂ ਨੂਹਾਂ, ਭਰਜਾਈਆਂ ਨਨਦਾਂ ਦੀ ਆਪਸ ਵਿਚ ਬਣਦੀ ਵੀ ਹੈ, ਪਿਆਰ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਸਾਰਾ ਝਗੜਾ dowry ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰ ਕੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਆਪ ਦੀ Government ਹਰ ਥਾਂ ਹੀ ਝਗੜਾ ਕਰਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ।

5.00 p.m.

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਜਿਹੜਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵਡਾ ਪਾਪ ਹੈ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਚੰਗੇ ਚੰਗੇ ਘਰਾਨਿਆਂ ਦੀਆਂ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਕਾਇਦਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਜ਼੍ਹਬ ਅਨੁਸਾਰ ਵਿਵਾਹ ਵੀ ਹੋਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਬਨਵਾਸ ਦਿਤਾ ਗਿਆ । ਇਸ ਵਿਚ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਯਾ ਉਸ ਦੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਦਾ ਹਥ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਨਵਾਸ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ । ਇਕ ਦਿਨ ਇਕ ਮਾਈ ਸੰਗਰੂਰ ਤੋਂ ਆ ਕੇ ਇਥੇ ਮੈਨੂੰ ਮਿਲੀ, ਜਿਹੜੀ ਕਹਿੰਦੀ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ 8 ਦਿਨਾਂ ਤੋਂ ਆਪ ਦੇ ਦਰਸ਼ਨਾਂ ਨੂੰ ਤੜਪ ਰਹੀ ਹਾਂ, ਮੇਰੀ ਇਕ ਫਰਿਆਦ ਹੈ ਉਹ ਸੁਣਾਉਣੀ ਹੈ । ਉਹ ਕਹਿਣ ਲਗੀ ਕਿ 15 ਦਿਨ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਇਕ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਨੇ ਇਕ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਔਰਤ ਰਖੀ ਹੈ

ਤੇ ਉਸ ਦੀ ਕੁਆਰੀ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਵੀ ਨਜਾਇਜ਼ ਵਰਤ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਆਪਣੀ ਵਹੁਟੀ ਘਰੋਂ ਕਢ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਕਿਤਨੀ ਮਾੜੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਬਜਾਏ ਇਸ ਦੇ ਕਿ Government ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ action ਲਵੇ, ਉਸ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਤਕ ਨਹੀਂ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਬਹੁਤਾ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦੀ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ ਕੁੜਮਣੀ ਦਾ ਹਥ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਸਰਦਾਰਨੀ ਨੂੰ ਘਰੋਂ ਕਢਾ ਦਿਤਾ। ਬੀਬੀਆਂ ਨੂੰ ਕਢਾਉਣ ਦੇ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਹ ਕਿਸ ਦਾ ਹਾਲ ਹੈ ? ਇਸ ਹਕੂਮਤ ਨੂੰ ਚਲਾਣ ਵਾਲੇ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਦੇ ਘਰ ਦਾ ਹਾਲ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਚੇਅਰਮੈਨ : ਕੰਵਰਾਣੀ ਜੀ, ਜਿਹੜੀ ਗੱਲ ਇਕ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਬਤੌਰ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਦੇ ਕਰਦਾ ਹੈ, ਤੁਸੀਂ ਉਹਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰੋ, private ਗੱਲ ਨਾ ਕਰੋ। (The hon. Lady Member should refer only to those things which the Chief Minister does in his official capacity. She should not refer to his private matters.)

ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ : ਇਕ ਔਰਤ ਦੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਬਰਬਾਦ ਹੋ ਜਾਣੀ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਕੀ ਛੋਟੀ ਗਲ ਹੈ ? ਇਸ ਦਾ ਮਾਤਹਿਤਾਂ ਤੇ ਕੀ ਅਸਰ ਹੋਵੇਗਾ ? ਅੱਜ ਇਕ ਇਨਸਾਨ ਨੂੰ encourage ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ Government ਦਾ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਹੁੰਦੇ ਹੋਏ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਨੌਕਰੀਓਂ ਨਾ ਕੱਢਿਆ ਜਾਵੇ ? ਮੈਂ ਉਸ ਸ਼ਖਸ਼ ਦਾ ਨਾਂ ਵੀ ਲੈ ਸਕਦੀ ਹਾਂ ਪਰ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਇਸ਼ਾਰਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਨਾਉਂ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦੀ ਅਤੇ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਇਥੇ ਹੀ ਛਡਦੀ ਹਾਂ।

ਕੁਝ ਭੈਣਾਂ ਕਾਂਗਰਸੀ ਸੀਟਾਂ ਤੋਂ ਬੋਲੀਆਂ ਹਨ। ਉਹ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਪੁਰਾਣੀ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਇਹ ਕਹਿੰਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਉਸ ਦੇ ਮਾਤਾ ਪਿਤਾ ਦੇ ਘਰ ਵਿਚ ਮੁੰਡੇ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਦੇ ਹਕ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਪੁਛਦੀ ਹਾਂ ਸਹੁਰੇ ਘਰ ਵਿਚੋਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਹਕ ਨਾ ਮਿਲੇ। ਸੱਚੇ ਪਾਦਸ਼ਾਹ ਮੀਰੀ ਪੀਰੀ ਦੇ ਮਾਲਕ ਗੁਰੂ ਛੇਵੇਂ ਪਾਦਸ਼ਾਹ ਜੀ ਨੇ ਗੁਰਬਾਣੀ ਵਿਚ ਸਾਫ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ "ਕਿਆ ਵਖੀਲਣੀਆਂ ਤੇ ਕਿਆ ਵਖੀਲ" ਪਰ ਅਜ ਉਹ ਆਪ ਹੀ ਵੇਖ ਲੈਣ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧਰਮ ਕੀ ਹੈ ਤੇ ਗਲਾਂ ਕੀ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ। ਆਪ ਜੀ ਅਗੇ ਲਿਖਦੇ ਹਨ ਕਿ "ਧਨ ਗੁਜ਼ਰਾਨ ਹੈ, ਪੁਤਰ ਨਿਸ਼ਾਨ ਹੈ, ਇਸਤ੍ਰੀ ਈਮਾਨ ਹੈ।" ਸੱਚੇ ਪਾਦਸ਼ਾਹ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਔਰਤ ਈਮਾਨ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਘਰ ਵਿਚੋਂ ਕੋਈ ਹਕ ਹੀ ਨਾ ਮਿਲੇ। ਜਦੋਂ dowry ਦੇਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੇ ਮਾਂ ਬਾਪ ਆਪਣੀ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਵਿਤ ਸਮਾਨ ਦਾਨ ਦੇ ਦੇਣ ਤਾਂ ਇਹ ਕੋਈ ਮਾੜੀ ਗਲ ਨਹੀਂ। ਇਕ ਵੀਰ ਅਮੀਰ ਹੈ, ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਹੈ, ਉਹ ਬਹੁਤਾ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਪਰ ਇਕ ਗਰੀਬ ਹੈ ਉਹ ਕੁਝ ਦੇ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ। ਆਪਣੇ ਵਿਤ ਸਮਾਨ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਬੁਰੀ ਗਲ ਨਹੀਂ। ਪਰ ਸਭ ਕੁਝ ਹੁੰਦੇ ਹੋਏ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਐਵੇਂ ਤੋਰ ਦੇਣਾ ਚੰਗੀ ਗਲ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਸਮਝਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਐਸੇ ਕੋਈ ਵੀ ਮਾਪੇ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਜਿਹੜੇ ਆਪਣੇ ਬੱਚੇ ਨੂੰ ਐਵੇਂ ਤੋਰ ਦੇਣ। (*Interruptions*) I will give my own ideas and no body should interrupt me, please. ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ ਲੜਕੇ ਯਾ ਲੜਕੀ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਵਾਂ ਘਰ ਬਸਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਏਸੇ ਲਈ ਲੜਕੀ ਨੂੰ dowry

[ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ]

ਵਿਚ ਬਿਸਤਰਾ ਅਤੇ ਬਰਤਨ, ਵਗੈਰਾ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਵੇਂ ਘਰ ਵਿਚ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਕਿਸੇ personal ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੀ ਜਲਦੀ ਲੋੜ ਪਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਇਸ ਵਿਚੋਂ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਹ ਕੁਝ ਮੌਕੇ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣ ਦਾ ਕੋਈ ਹਰਜ ਨਹੀਂ (*Interruption*).

ਸ਼੍ਰੀ ਚੇਅਰਮੈਨ : ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ, ਸਰਲਾ ਦੇਵੀ ਜੀ, ਕਹਿੰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਕੋਈ interruption ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਪਰ ਮੈਂ ਵੇਖ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ interrupt ਕਰ ਰਹੇ ਹੋ । (Addressing Shrimati Sarla Devi) (Though the hon. Lady member had assured me that she will not interrupt, yet I find her interrupting the speaker.)

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir,in spite of the assurance given by Shrimati Sarla Devi, she is interrupting the very lofty ideas of the hon. Lady Member.

ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਸਰਲਾ ਦੇਵੀ ਸ਼ਰਮਾ : ਨਹੀਂ ਜੀ, ਮੈਂ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੁਪ ਕਰਾ ਰਹੀ ਹਾਂ ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : On a point of order, Sir. ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ point of order ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਆਇਆ ਤੁਹਾਡੇ ਹੁੰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਇਹ ਇਖਤਿਆਰ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ hon. Member ਨੂੰ ਚੁਪ ਕਰਾ ਸਕੇ ।

Mr. Chairman : This is no point of Order please.

ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ : ਬਾਕੀ ਰਹੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਾਉਣ ਦੀ ਗੱਲ । ਕਈ ਆਦਮੀ Medical Doctor ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ etc. ਕਰਕੇ, ਵਡੀ ਉਮਰ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਕਰਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਕੋਈ 35 ਵਰ੍ਹਿਆਂ ਦਾ ਹੋ ਕੇ ਕਰਾਉਂਦਾ ਹੈ, ਕਿਸੇ ਦੇ ਔਲਾਦ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ, ਕਿਸੇ ਦੀ ਔਰਤ ਚੜ੍ਹਾਈ ਕਰ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਆਪ ਅਜੇ ਨੌਜਵਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦੀ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਨਾ ਹਕ ਹੋਵੇ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਾਉਣ ਦਾ । (ਤਾੜੀਆਂ) ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੇ Members ਨੂੰ ਐਵੇਂ Congress ਦੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਵੰਡ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਨਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸੇ ਅਸੂਲ ਦਾ ਪਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕਿਸੇ ਦੁਖ ਤਕਲੀਫ ਦਾ ਪਤਾ ਹੈ । ਇਹ ਕੀ ਮੁਖ ਲੈ ਕੇ ਜਾਣਗੇ ਆਪਣਿਆਂ ਹਲਕਿਆਂ ਵਿਚ । ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਇਤਬਾਰ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣਾ ਅਤੇ ਉਹ Government ਤੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਵੀ ਆਸਾਂ ਲਾਈ ਰਖਦੇ ਸੀ ਮੁਕਦੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ । (ਸ਼੍ਰੀ ਚੇਅਰਮੈਨ ਵਲੋਂ ਬੈਠ ਜਾਣ ਵਾਸਤੇ ਘੰਟੀ) ਚੰਗਾ ਜੀ, ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਾ ਕਹਿੰਦੀ ਹੋਈ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦੀ ਹਾਂ ।

श्री राम प्यारा (करनाल): यह रैज़ोल्यूशन जो ग्राज हाउस में पेश है, इसी के मुतल्लिक एक रैज़ोल्यूशन पहले भी इस हाउस में पेश हुग्रा था। ग्राज तो इस का मतलब यह है कि लड़कियों को दहेज न देने का एक कानून बनाया जाए। पहले यह रैज़ोल्यूशन ग्राया था कि लड़कियों को जो पिता के घर से जायदाद देने का कानून बनाया गया है उस को रद्द किया जाए। पोज़ीशन यह है कि इस वक्त पुराने ग्रौर नये ज़माने का कुछ मेल हो रहा है लेकिन उस की वजह से confusion सा है ग्रौर ग्रगर मैं यह कह दूं कि कुछ reforms की वजह से confusion has been made more confounded तो यह ग़लती नहीं होगी। यह इस लिये कि हमारे सामने वाक्यात हैं जिन में कि मरदों ने ग्रौरतों पर ज़ुल्मो-सितम ढाये। ग्रच्छी भली ग्रौरतों को घर से निकाल दिया। कई बार मरदों ने ग्रपनी lust की वजह से कहीं ग्रौर जगह पर निगाह रखते हुए ग्रपनी ग्रौरत पर ग्रपने घर में ग्रत्याचार किये जिन की वजह से progressive society में ख्वाहिश पैदा हुई कि ग्रौरत की बुरी हालत के पेशेनज़र उस के गुज़ारे के लिये कानून बनाये जाएं ताकि इन को लड़कों के बराबर जायदाद मिले। दूसरा पहलू यह है कि इस कानून के बनने से पहले पुराने वक्तों में मां बाप ग्रपनी लड़कियों से प्यार करते थे ग्रौर यह चीज़ भी हमारे सामने है कि न सिर्फ वे दहेज ही देते थे बल्कि सारी उम्र जब तक वे ज़िन्दा रहते थे उन को पूजते थे। भाई ग्रपनी बहनों को ग्रपने बेटे बेटियों की शादी पर बुलाया करते थे। ननिहाल वाले बाप की तरह से ही दहेज की सूरत में काफी कुछ दिया करते थे ग्रौर काफी खर्च करते थे out of love for daughters, sisters and children. ग्रसल बात की तरफ हम ध्यान नहीं दे रहे ग्रौर कानून की protection ले रहे हैं। सोसाइटी में कुछ लोग ग्राज भी ज़ुल्म करते हैं। ज़रूरत इस बात की है कि जो लोग ज़ुल्मो-सितम करते हैं उन के खिलाफ़ ग्रावाज़ उठाई जाए। कुछ वाक्यात ऐसे हैं जिन में कि मर्द ग्रौरतों पर ज़ुल्म करते हैं ग्रौर ऐसे केस भी हैं जहां पर ग्रौरतें भी मर्दों का गला काटने के लिये दौड़ती हैं। ग्राप चाहे मानने के लिये तैयार न हों लेकिन यह हकीकत है कि हमारी समाज में से moral values disappear होती जा रही हैं। इखलाक की कदर, इनसानियत की कदर कम होती जा रही है। ग्रगर कहीं पर धोका होता है, कहीं पर ज़ुल्म होता है तो इस का कारण यही है कि इख्लाकी कदर कम होती जा रही है ग्रौर रुपये की कदर ज़्यादा होती जाती है। ग्रगर हमारी पुरानी सभ्यता इस प्रकार की होती तो ग्रकबर की पूजा होती, महाराणा प्रताप की पूजा नहीं होती, महाराजा ग्रशोक की पूजा होती ग्रौर महात्मा बुद्ध की पुजा न होती। लेकिन पहले यह बात नहीं थी। इसी तरह से रामायण में भी जब राजा राम ने राज्य किया था उस समय की ज़्यादा महिमा होती लेकिन ऐसा नहीं है। जिन दिनों उन्हों ने बनवास काटा था महिमा उन दिनों की ही ज्यादा की गई है। इसी तरह से रामायण ग्रौर महाभारत में महिमा उस समय की ज़्यादा गाई गई जिस समय में ज़ुल्म के खिलाफ़ लड़ाई लड़ी गई। राज्य के दिनों की इतनी प्रशंसा नहीं है जितनी कि इनसानियत की है। हकीकत तो यह है कि न रामायण की इतनी कदर है ग्रौर न ही महाभारत की इतनी कदर है, कदर केवल इनसानियत की है, इख्लाक की है ग्रौर ग्रच्छाई की है। इसी लिये मैं कहता हूं कि हम गलत तरफ भागते जा रहे हैं। हमें प्रयत्न इस बात का करना चाहिये कि लोगों का इख्लाक ऊँचा हो, माहौल इस किस्म का बन जाए कि जायदाद के ऊपर झगड़े न हों, ग्रापस में प्यार बढ़े। जैसे कि मान साहिब ने फरमाया है जायदाद के लिये जो झगड़े होते हैं वह

[श्री राम प्यारा]

हमारी समाज पर एक लानत है । अगर जायदाद होते हुए भी हम अपनी लड़कियों को बरतन साफ करने पर मजबूर करते हैं और उन की सोसाइटी में कदर नहीं करते तो वह भी एक लानत है। अगर कोई लड़की मजबूरी के कारण गुण्डों के पंजे में फंस जाती है और मजबूरी का शिकार होती है और उस की कदर सोसाइटी में नहीं होती तो वह भी एक लानत है । अगर अपने lust की वजह से हम अच्छी भली औरतों को बाहर निकाल देते हैं और दूसरी रख लेते हैं तो वह भी एक लानत है । जरूरत है कि public opinion को इस तरह से educate किया जाए कि इस बुराई के खिलाफ़ आवाज़ उठाई जा सके । जब public में से आवाज़ इस के खिलाफ़ उठेगी तो फिर हम reforms कर सकते हैं । मुझे एक डर और भी है और वह यह है कि अगर हम पुलिस के लिये cognizable offence करार देते हैं तो ऐसा न हो कि dowry एक तरफ से बंद हो कर पुलिस dowry लेना शुरू कर दे । कहीं administration के हिस्सा में dowry न आने लग जाए । पिछला तजरुबा बताता है कि हम ने Immoral Traffic in Women के खिलाफ़ कानून बनाया था लेकिन उस बुराई में कोई improvement नहीं हुई । Hoarding of foodgrains के खिलाफ़ कानून हम ने पास किया लेकिन हम ने नहीं देखा कि कहीं पर foodgrains ज़ब्त किए गए हों। हम ने gambling के खिलाफ कानून बनाया लेकिन हम ने बहुत कम देखा है कि जुए का रुपया कहीं पर ज़ब्त किया गया हो। हकीकत यह है कि हमारी moral values बहुत गिर चुकी हैं। मैं ने कल 'प्रताप' और 'हिन्द समाचार' में पढ़ा कि जो मैं ने चिट्ठी Chairman, Non-official Vigilance Committee के नाम भेजी थी उस में मैं ने पता नामुकम्मल दिया था इसी लिये वह चिट्ठी misdeliver हो गई । मैं कहता हूं कि यह गलत बात है । उस में पता मुकम्मल दे रखा था । साथ वाले forwarding letter से बिलकुल बात साफ हो जाती थी ।

Mr. Chairman: Please, try to be relevant.

श्री राम प्यारा: मैं सिद्ध कर रहा हूं कि हमारी moral values बहुत गिर चुकी हैं । अगर हम इस को cognizable offence बनाते हैं तो उस में भी difficulty पेश आएगी और अगर foreign countries की तरह हम love marriages को encourage करते हैं तो हो सकता है कि उस तारीके से dowry system में कुछ कमी आ जाए । Courtship हो और लड़का और लड़की अपनी मर्ज़ी से शादी कर लें जैसे मान साहिब ने कहा है और कंवारानी साहिबा ने भी कहा है कि लड़के और लड़की की इच्छा होने पर भी मां बाप शादी करने के लिये तैयार नहीं होते । कई cases ऐसे होते हैं कि जिन में लड़का और लड़की शादी करने के लिये खाहिशमंद होते हैं लेकिन मां बाप राज़ी नहीं होते । अगर उन में हकीकी प्यार हो तो मैं समझता हूं कि हमें उस में कोई एतराज़ नहीं होना चाहिये । मुझे पंजाबी की एक कहावत याद आई है: 'भुक्ख न डिट्ठा लावण, इश्क न डिट्ठी ज़ात, नींद न डिट्ठा बिस्तर किदे विलाणी रात'। अगर भूख लगी है तो इन्सान सब्ज़ी नहीं ढूंढता, और अगर सच्चा प्यार है तो आदमी ज़ात की परवाह नहीं करता । नींद आई हो तो बिस्तर के लिए तलाश नहीं की जाती । अगर हम love marriages को encourage करें तो dowry में कमी आ सकती है । और भी कई नुक्स हैं । कई बार यह होता है कि अगर कोई

पड़ौसी ज्यादा दहेज़ देता है और साथ वाला नहीं दे सकता तो सोसाइटी उस को तगं नज़री से देखती है। देने वाले ने चाहे घर घाट बेच कर दिया हो लेकिन लोग कहते हैं कि यह तो भूखा नंगा था इस के पास कहां से इतने पैसे आए। और जो नहीं दे सकता उस को कहते हैं कि यह तो भूखा नंगा है समाज में बैठने के काबिल नहीं है। इसलिए यह ज़रूरी है कि हम society को ठीक करें ताकि अगर कोई बेचारा अपनी लड़की को दहेज नहीं दे सकता है तो उसपर नुक्ताचीनी न हो। (घंटी) अगर कोई मुहब्बत की वजह से दे देता है तो उसके ऊपर टीका-टिप्पणी न हो। प्यार से तो बेशक दे दे जिससे बाकियों को jealousy न हो या उनकी prestige at stake न हो। और इन चीज़ों के लिए सब से ज़रूरी बात यह है जिसको कि अब हम छोड़ते जा रहे हैं; sanctity को, purity of sentiments को और intuition को तो हम छोड़ते जा रहे हैं और उसके बदले अब race for money लगी हुई है। इसलिए इस confusion को जो इस कदर बढ़ गया है इस तरीके से दूर करने की ज़रूरत है कि हम society को educate करें, public opinion बनाएं और जो कोई बुरा element हो, चाहे वह तकड़े से तकड़ा आदमी ही क्यों न हो, मर्द हो या औरत हो, उसके खिलाफ़ हम में सच्ची बात कहने की courage होनी चाहिए और वह courage तभी हो सकती है अगर हम sugar-coated और fallacy की बातें छोड़ दें। अगर हम ऐसा वातावरण पैदा कर दें तब तो यह बीमारी भी दूर हो सकेगी और हम अपनी society को एक बहुत अच्छी society बना सकेंगे। इन शब्दों के साथ मैं आशा करता हूं कि इस कानून के झगड़े में न पड़ते हुए society को pure करने के लिए, society को अच्छा बनाने के steps लिए जाएंगे। आप का शुक्रिया।

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ (ਊਨਾ) : ਸ਼੍ਰੀ ਮਾਨ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਰਾਜਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਹੜਾ resolution ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਤਾਈਦ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਦਹੇਜ਼ ਦੀ ਲਾਅਨਤ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਅਜ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਅਜ ਤੋਂ 40 ਸਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਮੁਖਤਲਿਫ ਧਾਰਮਕ societies ਮੁਖਤਲਿਫ social reformers ਔਰ ਬਰਾਦਰੀਆਂ ਨੇ ਬਹੁਤ ਵਾਰ ਇਸ ਉਤੇ attacks ਕੀਤੇ ਨੇ ਔਰ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਮਹਿਸੂਸ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਜਹੇਜ਼ ਹੈ ਇਹ ਇਕ ਲਾਅਨਤ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਔਰ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਕੁਝ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਸਿਰਫ ਇਕ ਦੋ ਮਿਸਾਲਾਂ ਦੇਣੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਲੜਕੀਆਂ ਆਪਣੇ ਮਾਪਿਆਂ ਤੋਂ ਜਹੇਜ਼ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਥੋਂ ਤਕ ਜਾਣਾ ਪਿਆ। ਇਕ ਦੋ ਮਿਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਹੀ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਏਗਾ। ਅਜ ਤੋਂ ਦੋ ਸਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਕਰਨਾਲ ਦੇ A. D. M. ਦੀ ਲੜਕੀ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਦਰਸ਼ਨਾਂ ਕੁਮਾਰੀ ਨੂੰ ਸੁਸਰਾਲ ਤੋਂ ਇਕ ਦਫਾ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਜਾ ਆਪਣੇ ਬਾਪ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਜਹੇਜ਼ ਮੰਗ ਲਿਆ, ਦੂਜੀ ਦਫਾ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਫਿਰ ਤੀਜੀ ਦਫਾ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ......

ਸ਼੍ਰੀ ਚੇਅਰਮੈਨ : ਕਈ ਵਾਰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦਾ ਨਾਂ ਲੈ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਏ। ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਫਿਰ ਨਾਂ ਲੈ ਕੇ ਗਲ ਕਰ ਰਹੇ ਹੋ। (The hon. Members have been asked quite a number

[Mr. Chairman]

of times not to refer to the officers by name but they still continue doing so.)

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਲੜਕੀ ਦਾ ਨਾਂ ਲਿਆ ਹੈ ਜਿਸ ਨੇ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਕੀਤੀ ਸੀ ਔਰ A. D. M. ਦਾ ਨਾਂ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ।

ਸ੍ਰੀ ਚੇਅਰਮੈਨ : ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿ ਲਓ ਔਰ ਕੋਸ਼ਸ ਕਰੋ ਕਿ ਨਾਂ ਨਾ ਲਿਆ ਜਾਏ । (Indirect reference may be made but the hon. Members should try to avoid direct references.)

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਜਦੋਂ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਤੀਜੀ ਵਾਰ ਸੁਸਰਾਲ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਜਹੇਜ਼ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਤਾਂ ਉਸ ਲੜਕੀ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕਪੜਿਆਂ ਤੇ ਤੇਲ ਪਾ ਕੇ ਅਗ ਲਾ ਲਈ ਔਰ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਕਰ ਲਈ । ਫਿਰ ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਹੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ Blitz ਅਖਬਾਰ ਦੇ ਵਿਚ ਗੁਜਰਾਤ ਦੀ ਇਕ ਲੜਕੀ ਦੀ ਖਬਰ ਨਿਕਲੀ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੰਗ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਔਰ ਉਸ ਨੇ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਕਰ ਲਈ । Blitz ਅਖਬਾਰ ਵਿਚ ਉਸ ਲੜਕੀ ਦੀ ਫੋਟੋ ਵੀ ਨਿਕਲੀ ਸੀ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੈਂਕੜੇ ਹਵਾਲੇ ਦਿਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਨੇ ਔਰ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਔਰ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਜ ਤੋਂ ਡੇਢ ਸਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ Parliament ਵਿਚ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸ਼੍ਰੀ ਅਸ਼ੋਕ ਸੈਨ ਜੀ ਨੇ ਜਹੇਜ਼ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਇਕ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ ਔਰ Parliament ਨੇ ਬਹੁਤ ਲੰਬੀ ਚੌੜੀ ਬਹਿਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਔਰ ਜਦੋਂ ਉਹ ਰਾਜ ਸਭਾ ਵਿਚ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਥੇ ਇਕ clause ਤੇ ਅੜਿਕਾ ਪੈ ਗਿਆ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਸ ਕਲਾਜ਼ ਨੂੰ ਉਸ ਬਿਲ ਵਿਚੋਂ ਖਾਰਜ ਕਰ ਦਿਤਾ । ਉਹ clause ਨੰ: 4 ਸੀ ਜਿਸ ਵਿਚ ਜੇ ਕੋਈ ਜਹੇਜ਼ ਲਏ ਜਾਂ ਦੇਵੇ, ਉਸ ਲਈ ਸਜ਼ਾ ਰਖੀ ਗਈ ਸੀ । ਉਸ ਤੋਂ ਜੁਰਮਾਨਾ ਵੀ ਲਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਕੈਦ ਦੀ ਸਜ਼ਾ ਵੀ ਦਿਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਸੀ । ਉਨ੍ਹਾਂ clause 4 ਨੂੰ ਉਸ ਵਿਚੋਂ ਕਢ ਦਿਤਾ । ਨਤੀਜਾ ਉਸ ਦਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀਆਂ ਜਿਤਨੀਆਂ ਵੀ ਔਰਤਾਂ ਦੀਆਂ ਜਥੇਬੰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ, ਜਦ 14 February, 1960 ਨੂੰ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦਾ ਇਜਲਾਸ ਹੋ ਰਿਹਾ ਸੀ, ਦਰਜਨਾਂ ਨਹੀਂ ਸੈਂਕੜੇ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਤਾਰਾਂ ਔਰ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਚਿੱਠੀਆਂ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ Prime Minister ਨੂੰ ਘਲੀਆਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਬਿਲ ਲੋਕ ਸਭਾ ਨੇ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਰਾਜ ਸਭਾ ਵਿਚ ਵੀ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਏ ਔਰ ਰਾਜ ਸਭਾ ਨੇ ਉਸ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਛੋਟੀ ਜਿਹੀ clause ਦਰਜ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ਉਹ ਰਹਿਣ ਦਿਤੀ ਜਾਏ । ਬਾਕੀ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਏ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਲੋਕ ਸਭਾ ਨੇ ਭੇਜਿਆ ਹੈ । ਔਰ ਇਹੋ ਗਲ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਔਰਤਾਂ ਦੀ ਜਿਹੜੀ federation ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਬੜੀ ਭਾਰੀ call ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਹ ਆਵਾਜ਼ ਦਿਤੀ ਹੈ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜਗ੍ਹਾ ਜਗ੍ਹਾ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ resolution ਪਾਸ ਕੀਤੇ ਹਨ, ਮੁਜ਼ਾਹਰੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਜਲਸੇ ਕੀਤੇ ਹਨ, ਔਰ meetings ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੋਕ ਸਭਾ ਨੇ

ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸੇ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਜਾਏ । ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਜਥੇਬੰਦੀ ਹੈ, National Federation of Indian Women, ਉਸ ਨੇ ਇਸ ਵੇਲੇ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਨੂੰ ਇਕ slogan ਦਿਤਾ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਵੇਲੇ ਔਰਤਾਂ ਦੀ ਜੱਥੇਬੰਦੀ ਦਾ ਇਹ ਇਕ ਨਾਹਰਾ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ—

> "We shall not take dowry in the marriage of our sons and we shall not give dowry in the marriage of our daughters."

ਇਸ ਵਕਤ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਵਿਚ slogan ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਪਰ ਇਥੇ ਮਾਨ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਬੋਲ ਰਹੇ ਸੀ । ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਮੁਦਈ ਸੁਸਤ ਤੇ ਗਵਾਹ ਚੁਸਤ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਹੈ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਜਹੇਜ਼ ਮਿਲਣਾ ਹੈ ਉਹ ਸਾਰੀ ਇਸਤਰੀ ਜਾਤੀ ਇਸ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫ਼ਤ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਔਰ ਮਾਨ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਲਈ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਕਿ feudal ਨਜ਼ਰੀਆ ਰਖਦੇ ਹਨ । (ਇਕ ਆਵਾਜ਼: ਪਰ ਕੰਵਰਾਨੀ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਤਾਂ ਬੜਾ ਇਤਫਾਕ ਕੀਤਾ ਹੈ) ਇਹ ਵੀ ਤਾਂ ਉਹੀ ਨਜ਼ਰੀਆ ਰਖਦੇ ਹਨ ।

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅੱਜ ਇਹ ਇਸ ਵਕਤ ਦੀ ਬੜੀ ਅਹਿਮ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ, ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਇਸ resolution ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਪਾਸ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਸਿਰਫ ਪਾਸ ਹੀ ਨਾ ਹੋਏ ਬਲਕਿ ਰਾਜਾ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਸਾਡੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ, ਯਕੀਨ ਦਿਵਾ ਦੇਣ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ । ਹਾਂ, ਮੈਨੂੰ ਕਾਨੂੰਨੀ ਨੁਕਤੇ ਦਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ Parliament ਦਾ ਇਜਲਾਸ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਕਾਨੂੰਨ ਉਥੇ ਪੇਸ਼ ਹੋਣ ਵਾਲਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਅਸੀਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾ ਸਕਦੇ ਹਾਂ । ਅਗਰ ਕੋਈ ਐਸੀ constitutional ਅੜਚਨ ਹੋਏ ਤਦ ਵੀ ਸਾਨੂੰ ਬੜਾ strongly ਉਥੇ ਲਿਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਔਰ ਇਸ ਉਤੇ ਬੜੀ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਇਸਤਰੀ ਜਾਤੀ ਜਿਹੜੀ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਵਿਚ inferiority complex ਜਿਹੜਾ ਹੈ ਉਹ ਨਹੀਂ ਰਹੇ ਔਰ ਉਹ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਉਚਾ ਸਮਝੇ । ਬਾਕੀ ਮਾਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬਹੁਤ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਨੇ । ਹਿੰਦੂ ਜਾਤੀ ਵਿਚ ੮ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਚੂੰਕਿ ਇਹ ਮਸਲਾ ਬਹਿਸ ਤਲਬ ਨਹੀਂ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਤਕਰੀਰ ਨੂੰ ਮਜ਼ਮੂਨ ਤਕ ਹੀ ਮਹਿਦੂਦ ਰਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਪਾਸ ਅਪੀਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਖਾਸ ਕਰ ਕੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਪਾਸ ਕਿ ਉਹ ਇਸ resolution ਨੂੰ ਮੰਨ ਲੈਣ ਅਤੇ ਸੈਂਟਰ ਪਾਸ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਉਣ । ਜੇਕਰ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਪਖ ਤੇ ਆਪ ਕੋਈ ਕਾਨੂੰਨ ਨਹੀਂ ਬਣਾ ਸਕਦੀ ਤਾਂ ਸੈਂਟਰ ਪਾਸ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕਰਨੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । ਅਜ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਬੋਲੇ ਹਨ ਇਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ majority party ਖੁਦ ਇਸ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਕਰਵਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕੇਵਲ ਪਾਸ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਰਵਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸਗੋਂ ਇਸ ਤੇ ਅਮਲ ਕਰਨ ਦੀ ਵੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਬਸ ਇੰਨਾ ਕਹਿ ਕੇ ਆਪ ਪਾਸੋਂ ਖਿਮਾ ਮੰਗਦਾ ਹਾਂ ।

श्री श्री कृष्ण शास्त्री वैद्य (सफीदों): चेयरमैन साहिब, राजा साहिब ने जो दहेज के बारे में प्रस्ताव रखा है, इस पर काफी वाद विवाद चला । इस पर बोलते हुए सरदार भूपेन्द्र सिंह

[श्री श्री कृष्ण शास्त्री वैद्य]
मान ने प्राचीन सभ्यता की बात की । यह ठीक है, चेयरमैन साहिब, कि आज सभी कहते हैं कि दान नहीं देना चाहिए मगर यह बात राजाओं की ही शुरू की हुई है । वही 100, 100 गांव दान में देते थे, डेढ २ सौ तोला सोना, 9 लखे हार और हज़ारों गऊएं दान देते थे । आज समय का परिवर्तन है और उस महापुरुष का प्रताप है जिस की प्रतिमा हमारे सामने लगी हुई है कि आज इस भारत भूमि में गुलामी की ज़ंजीरें टूटीं और राजा रंक और रंक राजा हो गए । और कल जो राजा थे जिन्होंने खुद यह बात चलाई थी वही आज इसे समाप्त करने की प्रेरणा करते हैं । (*interruption by Chaudhri Baru Ram*) वही कहते हैं कि यह प्रथा बुरी है, इसे बंद करना चाहिए । उधर से बारु राम बोला । अरे भले आदमी तेरा दान से क्या सम्बन्ध, तू बाजरा खा कर पला है, तेरे बाप दादा ने कभी कनक न देखी दूध तू नहीं पीता (*interruption*) तू क्या जाने कि ब्राह्मणों ने दान को ठोकरें मारी हैं, राजाओं की रानीयां दान में ले कर उन को लौटा दीं । तू क्या बात करता है । जहां तू रहता है वहां करोड़ों रुपया दान का तालाबों में डाल दिया जाता है जहां तू डुबकियां मारा करता था । सरदार भूपेन्द्र सिंह की एक बात मुझे खटकी । मेरी बहिन ने भी इस पर अपने विचार प्रकट किए । मैं उस की कद्र करता हूं । सरला यूंही बोलती रही । जो बातें यह करते हैं उन से इस बीमारी का इलाज न होगा । कोई कहता है लड़कियां मर जाती हैं, कोई कहता है लड़के मारे जाते हैं ।

(*At this stage Mr. Deputy Speaker occupied the Chair.*)

श्री उपाध्यक्ष : आप कोई अपनी argument भी दें । (The hon. member should advance some argument of his own.)

श्री श्री कृष्ण शास्त्री वैद्य: अच्छा जी । मैं अपनी बात कहता हूं और वह यह है कि जब तक भारत में प्राचीन सभ्यता नहीं आयेगी ।तब तक यह बात ऐसे ही रहेगी । एक समय था जब भारत में ब्याह गणित शास्त्र के अनुसार होते थे, ग्रह जाल और नक्षत्रों को ध्यान में रखा जाता था, तारागण की चाल देखी जाती थी, लड़के लड़की की आयू देखी जाती थी कि इन का प्यार कितना रहेगा, लगन विचारी जाती थी तब, शादी होती थी । सारा काम शुद्ध भाव से चलता था, गुण दोष देख कर होता था । वैसी ही उत्तम उन की सन्तान हुआ करती थी—

श्री उपाध्यक्ष : यह शादी की रस्म तो नहीं हो रही । (This is not a marriage ceremony.)

श्री श्री कृष्ण शास्त्री वैद्य: यहां तो यही बातें होती रही हैं । कभी कहा गया बूढ़ों की शादी होनी चाहिए और कभी कहा गया नहीं होनी चाहिए । दरअसल स्त्री और पुरुष एक से नहीं, जुदा २ रहें । 60 वर्ष का एक आदमी एक साल में २५ बच्चे पैदा कर सकता है मगर कोई औरत एक साल में दो बच्चों से ज्यादा नहीं पैदा कर सकती । इस लिए आदमी के अधिकार और हैं ।और औरत के और हैं . . . .

श्री उपाध्यक्ष: Resolution पर बोलिए । (The hon. Member should speak on the resolution.)

श्री श्री कृष्ण शास्त्री वैद्य : मैं कहना चाहता हूं कि राजा साहिब की भावना अच्छी है। यदि कोई अपने आप दान अपनी बेटी को देना चाहे तो दे लेकिन जो ज़बरदस्ती मांगते हैं, वह बुरी बात है। आज कल तो लड़की को तंग करते हैं कि जा ला। ऐसी बातें नहीं होनी चाहिएं। मगर यह कुप्रथाएं तभी खत्म होंगी जब यहां पर प्राचीन सभ्यता अपनाई जायेगी या फिर कोई महापुरुष जन्म लेगा या खुद बखुद लोगों के दिलों में इस रिवाज से ग्लानि पैदा हो जाए। शादी के समय लड़के लड़की के गुणदोष का ही विचार होना चाहिए। दूसरे जो कई जगह कमीने ख्यालात देखने में आते हैं। उन का इलाज होना ही चाहिए। मगर मैं समझता हूं ऐसे आदमियों का इलाज कानून से नहीं हो सकेगा, इस के लिए तो सभ्यता की जरूरत है, धर्म प्रचार की जरूरत है, महापुरुष की ज़रूरत है जो सब के मन बदले। यहां मिसालें सामने आई कि सरकारी कर्मचारियों ने लड़कियां छोड़ दीं। मैं कहता हूं उन को नौकरी से निकाल देना चाहिए। मगर ऐसी २ मिसालें भी हैं कि लोगों ने ,अपने हाथों 5, 5 शादियां कीं मगर किसी से धेला नहीं लिया। अध्यक्ष महोदय, कहने को तो कई बातें हैं परन्तु ज्यादा समय न लेता हुआ एक बात इन के लोक सम्पर्क विभाग के बारे में कह के बैठ जाऊँगा। यह आपने कर्मचारियों से कहें कि lip stick लगाना छोड़ें और ऊट पटांग ड्रामे करना छोड़ दें। इस विभाग में साधु और भद्रपुरुष भर्ती करें, जो लोगों में अच्छा प्रचार करें। दहेज के बारे में लोगों को कुरीतियां बताएं, वह लोगों को कहें कि इन बुराइयों को दूर करना चाहिए। दहेज के बारे में यह प्रबन्ध होना चाहिए कि कोई दिखाए न। यहां कहा गया कि बहन और भाई में झगड़े होंगे। बहन बड़ी वफ़ादार होती है, भाई के लिए कुर्बान हो जाती है। आप तो हरियाने के हैं, मैं आप को वह गाने क्या बताऊँ जिन में बहिन चाहे 60 बरस की हो जाए चौमासे में पूछती है कि मेरे भाई के गांव में बारिश तो नहीं हुई। अगर बहिन को ख्याल आए कि मेरे भाई ने ऐसा कानून बनवा दिया कि मुझे दहेज न दिया जाए। तो वह क्या सोचेगी। मगर इस में जो बुराइयां हैं वह दूर होनी चाहिएं और सारा काम सभ्यता से होना चाहिए। यह बुराइयां कानून से बन्द न होंगी। यह होगा अच्छे प्रचार से, महापुरुषों के कहने से (घंटी) मैं ज्यादा न कहता हुआ यही कहूंगा कि यह प्रचार का काम पंचायतों के ज़रिए हो। और जैसा कि सरदार भूपेन्द्र सिंह जी ने कहा था कि जब तक यहां प्राचीन सभ्यता का आदर्श नहीं अपनाया जाएगा तब तक काम नहीं चल सकता यह बिलकुल ठीक है। मैं इसका समर्थन करता हूं।

ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ (ਨੂਰਮਹਿਲ) : ਡਿਪਟੀ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜੋ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਜਿਤਨਾ ਵੀ appreciate ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਉਤਨਾ ਹੀ ਥੋੜਾ ਹੈ। ਪਰ ਅਜੇ ਤੱਕ ਪੁਰਾਣੀ ਸਭਿਤਾ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਕੁਝ ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਲੀਹਾਂ ਕਾਇਮ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਬੰਧੇਜ ਦੇ ਨਾਮ ਨਾਲ ਯਾਦ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਅਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਬੁਰਾਈਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਮਾਜ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਦੀ ਰਾਹ ਵਿਚ ਰੁਕਾਵਟ ਬਣਦੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ Social Order ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਾ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਲਾਅਨਤ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਪੂਰੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਤਾ ਅਗੇ ਵੀ ਕਈ ਵਾਰ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਆਉਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਵੀ ਹੁੰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਲਈ ਖੜੇ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ inferiority

[ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ]

Complex ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਜਿਥੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਉਥੇ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ Co-option ਦਿਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਰਦਾਂ ਦੀ ਪਧਰ ਤੇ ਲਿਆ ਖੜ੍ਹਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ। ਪੁਰਾਣੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ ਔਰਤ ਨੂੰ ਪੈਰ ਦੀ ਜੁੱਤੀ ਜਾਂ ਛਿਤਰ ਦਸਿਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਉਸ ਨੂੰ ਘਰ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਨਿਕਲਨ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਪਰ ਅੱਜ ਉਹ ਜ਼ਮਾਨਾ ਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪੂਰੇ ਪੂਰੇ rights ਦਿਤੇ ਜਾਣ। ਇਸ ਅਹਿਮ ਮੁਆਮਲੇ ਤੇ ਇਤਨੇ ਥੋੜੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਪੂਰੇ ਵਿਚਾਰ ਰਖਣੇ ਵੀ ਇਕ ਮੁਸ਼ਕਲ ਜਿਹੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਅੱਜ ਲੋੜ ਹੈ ਕਿ ਇਸਤਰੀ ਜਾਤੀ ਨੂੰ ਮੌਜੂਦਾ ਜ਼ਮਾਨੇ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਉਚਾ ਚੁਕਿਆ ਜਾਵੇ। ਜਿਹੜੇ ਪਰਾਚੀਨ ਸਭਿਤਾ ਦਾ ਨਾਉਂ ਲੈ ਕੇ ਇਸਤਰੀ ਜਾਤੀ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਦਾ ਪ੍ਰਚਾਰ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਨਾਲ ਕੁਝ ਸਵਰਨ ਵਾਲਾ ਨਹੀਂ। ਤੁਸੀਂ ਤਕੋ ਕਿ ਅੱਜ ਬਾਹਰਲੇ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਕੀ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਰਦਾਰ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮਾਨ ਨੂੰ ਥੋੜਾ ਵਕਤ ਮਿਲਿਆ ਉਹ ਪੂਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ ਬਾਹਰ ਦੇ ਮੁਲਕਾਂ ਦੇ ਮੁਤਅਲਿਕ। ਤੁਸੀਂ ਤੱਕੋ ਕਿ ਉਥੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਤਅੱਲੁਕਾਤ ਹਨ ਇਸਤਰੀਆਂ ਅਤੇ ਮਰਦਾਂ ਦੇ। ਉਥੇ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਸਹੁਰਿਆਂ ਵਲੋਂ ਕੀ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਲੜਕੀ ਕੀ ਕੀ ਲੈ ਕੇ ਆਈ ਹੈ। ਇਹ ਪੁਛਣ ਦਾ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਹਕ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਦੇ ਹਕੂਕ ਹਨ। ਮਰਦ ਅਤੇ ਔਰਤ ਵਿਚ ਕੋਈ ਫਰਕ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਮੁਚੇ ਸਬੰਧ ਵੀ ਬਰਾਬਰ ਦੇ ਹੀ ਹਨ। ਪਰ ਸਾਡੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਮਾਜ ਨੇ ਬੰਧੇਜ ਰਖ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਕਿ ਲੜਕੀ ਭਾਵੇਂ ਕਿਤਨੀ ਲਾਇਕ ਹੋਵੇ, ਖ਼ੂਬਸੂਰਤ ਹੋਵੇ ਪਰ ਉਹ ਜ਼ਰੂਰ ਸਹੁਰੇ ਘਰ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਲੈ ਕੇ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਸਮਾਜਕ ਬੰਦਸ਼ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਪਰ ਜੇ ਕੁਝ ਉਹ ਨਾ ਲੈ ਕੇ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਝਗੜੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿਚ case ਚਲਦੇ ਹਨ, ਏਥੋਂ ਤਕ ਕਿ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਛਡ ਵੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਝਗੜੇ ਦਿਨ ਬਦਿਨ ਸਮਾਜ ਵਿਚ ਫੁੱਟ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਐਸਾ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਮੇਰੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਪੰਡਤ ਜੀ ਨਾਲ ਵੀ ਵਿਚਾਰ ਹੋਈ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਸੀ ਕਾਨੂੰਨ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਕਾਨੂੰਨ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਆਦਮੀ ਆਪਣੇ ਆਪ ਤੇ ਜ਼ੁਮੇਵਾਰੀ ਲੈਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ। ਪਰ ਕਿਸੇ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਹਦ ਜ਼ਰੂਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਹਦ ਜ਼ਰੂਰ ਬਣ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਇਸ ਮੁਕੱਰਰਾ ਹਦ ਤੋਂ ਵਧ ਕੇ ਪੈਸੇ ਨਾ ਦੇਵੇ ਬਤੌਰ ਜਹੇਜ਼ ਦੇ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੇ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਰੋਟੀ ਦਸਾਂ ਨਹੁੰਆਂ ਦੀ ਕਮਾਈ ਕਰਕੇ ਖਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਰਹਿਨ ਸਹਿਨ ਲਈ shelter ਅਤੇ ਕਪੜਾ ਵੀ ਮਿਲੇ। ਇਹ ਉਸ ਦਾ ਹਕ ਹੈ ਪਰ ਜਿਹੜੇ ਬਗੈਰ ਮਿਹਨਤ ਦੇ ਖਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਉਹ ਹੀ ਸਹੁਰੇ ਘਰ ਵੱਲ ਵੇਖਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਕੋਈ ਹੱਥ ਪੱਲਾ ਨਹੀਂ ਹਿਲਾਉਂਦੇ ਅਤੇ ਸਹੁਰੇ ਘਰ ਦੀ ਦੌਲਤ ਵਲ ਹੀ ਵੇਖਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਿਆਲ ਹੋਵੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਮਾ ਤੇ ਰੋਟੀ ਖਾਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਨਾ ਹੋਣ। ਜਦੋਂ ਦੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਹੋਏ ਹਨ ਸਮਾਜ ਵਿਚ ਕਮਜ਼ੋਰੀ ਆਈ ਹੈ। ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਿਆਲ ਹੋਵੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਿਹਨਤ ਕਰਕੇ ਪੈਸੇ ਕਮਾਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਲੜਕੀ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਨੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਕਦੇ ਵੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਮਾਈ ਨੂੰ ਸੋਚਣ ਵੀ ਨਾ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਐਸੀ limit ਮੁਕੱਰਰ ਹੋ ਜਾਵੇ ਕਿ ਕੋਈ ਤਕਲੀਫ ਮਹਿਸੂਸ ਨਾ ਕਰੇ ਅਤੇ ਸਮਾਜਕ ਬੁਰਾਈਆਂ ਦੂਰ ਹੋਣ। ਇਹ limit

ਜਿਤਨੀ ਵੀ ਚਾਹੋ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਪਰ ਜਿਤਨੀ ਵੀ ਸਾਧਾਰਨ ਹੋਵੇ ਇਹ ਚੰਗੀ ਹੈ । ਸਮਾਜ ਦਾ ਅੱਜ ਇਕ ਇਕ parasite ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਲਾਜ ਕਰਦੇ ਜਾਣਾ ਕਿ ਇਲਾਜ ਹੋਵੇ ਹੀ ਨਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ resolution ਪੇਸ਼ ਕਰਕੇ ਇਕ ਇਨਕਲਾਬ ਆਇਆ ਹੈ । ਇਸ ਨੂੰ ਜਿਤਨਾ ਵੀ appreciate ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਉਤਨਾ ਹੀ ਚੰਗਾ ਹੈ । ਮਿਲਵਰਤਨ ਨਾਲ ਜਿਤਨਾ ਵੀ ਸਮਾਜ ਦੀਆਂ ਬੁਰਾਈਆਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਉਤਨਾ ਹੀ ਚੰਗਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਲਾਅਨਤ ਨੂੰ ਜਿਤਨੀ ਜਲਦੀ ਲਾਹ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਉਤਨਾ ਹੀ ਚੰਗਾ ਹੈ । ਅੱਜ ਜ਼ਮਾਨਾ ਤਰੱਕੀ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਹ ਤਰੱਕੀ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਵੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਅੱਛਾ ਘਰ ਉਸ ਨੂੰ ਸਮਝੀਏ ਜੋ ਨਾ ਜਹੇਜ਼ ਲਏ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਦੇਵੇ । ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਇਹ ਇਕ revolution ਹੈ ਜੋ ਇਸ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਇਸ resolution ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ठाकुर मेहर सिंह (डेरा गोपीपुर): डिप्टी स्पीकर साहिब, यह रैज़ोल्यूशन जो राजा रघबीर सिंह की तरफ से पेश किया गया है मैं उसकी हिमायत करने के लिए खड़ा हुआ हूं । यह मैं भी मानता हूं कि कानून बनना चाहिए क्योंकि इसकी पाबंदी से बहुत सी समाज की बुराइयां दूर भी हो सकती हैं लेकिन यह बुराई एक ऐसी बुराई है जो सिर्फ कानून से दूर नहीं की जा सकती । इसको तो समाज ही दूर कर सकता है । जब तक समाज के अन्दर इतनी जागृति नहीं आती कि वह इस चीज की बुराई समझे और खुद कदम उठाकर इसे दूर करे तब तक कानून क्या कर सकता है ? यह दहेज वगैरह की बुराई हमारी अपनी पैदाकरदा है । और उसका कारण यह है कि जब हम रिश्ता ढूंढते हैं तो अपने से ऊँचा घर ढूंढने की कोशिश करते हैं । उसके लिए ऊपर वाले लोग हमसे मतालिबा करते हैं कि हमें दहेज दो तो हम तुम्हारे यहां रिश्ता करेंगे, हमारी पोज़ीशन ऊँची है इसलिए हमें दहेज मिलना चाहिए ।

मैं इस resolution पर बोलना नहीं चाहता था लेकिन एक खास बात के लिए मुझे बोलना पड़ा । वह इस लिए कि हमारी बहिन श्रीमती सरला देवी ने इस हाउस के अन्दर यह कह कर कि कांगड़ा के लोग बारह बारह वर्ष की लड़कियों को पैसे ले कर दे देते हैं, ज़िला कांगड़ा की ग़ैरत को challenge किया है । इस से ज़ाहर होता है कि उन्हें कांगड़ा से प्यार नहीं । मैं अपनी बहिन को बतला देना चाहता हूं कि हमारे ज़िला के लोग लड़की का पैसा लेना तो दरकनार लड़की के घर खाना तक नहीं खाते । इस लिए उन का खुले बन्दों कांगड़ा के लोगों की ग़ैरत को challenge करना ठीक नहीं था । मैं आप से दरखास्त करूंगा कि ये अल्फ़ाज़ रिकार्ड पर से हटाएं जाएं वरना यह अच्छी बात नहीं । दर असल उन्हें पता ही नहीं कि कांगड़ा के लोगों की क्या हालत है । उन्हों ने राजपूतों के साथ नयी नयी रिश्तेदारी की है और पता नहीं किस ढंग से उन्हों ने यह रिश्तेदारी की है ।

श्री उपाध्यक्ष : आनरेबल मेम्बर के अपने ख्यालात हैं । (The hon. member has her own views).

ठाकुर मेहर सिंह: मैं समझता हूं कि गलत अल्फाज record पर से हटाये जाने चाहिएं। मैं इस resolution की हिमायत करता हूं क्योंकि इस से बहुत से गरीब लोगों की भलाई होगी। क्योंकि उन्हें मजबूर हो कर दहेज देना पड़ता है। इन अल्फाज के साथ मैं इस resolution की हिमायत करता हूं।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ (ਹੋਸ਼ਿਆਰਪੁਰ, ਜਰਨਲ) ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਰੇਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਰਾਜਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਹ ਉਸ ਮਸਲੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਬਹੁਤ ਅਹਿਮ, ਨਾਜ਼ਕ ਅਤੇ ਪੇਚੀਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ। ਤਰੱਕੀਪਸੰਦੀ ਜਾਂ ਪਰਾਚੀਨ ਸੱਭਿਤਾ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰ ਕਰ ਕੇ ਇਹ ਮਸਲਾ ਹਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਜੇ ਕੋਈ ਇਹ ਕਹੇ ਕਿ ਬਾਹਰਲੇ ਤਰੱਕੀਪਸੰਦ ਮੁਲਕਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਗ੍ਰਿਹਸਤ ਜੀਵਨ ਬਹੁਤ ਸੁਖੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਗਲਤ ਗਲ ਹੈ। ਉਥੇ ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਅਜ ਸ਼ਾਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਦਿਨ ਤਲਾਕ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਅਸੀਂ ਇਹ ਕਹੀਏ ਕਿ ਅਸੀਂ ਪਰਾਚੀਨ ਸਭਿਤਾ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਕੰਮ ਚਲਾਉਂਦੇ ਜਾਈਏ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਮੁਮਕਿਨ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਅਜ ਜ਼ਮਾਨਾ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਅੱਗੇ ਚਲਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਐਸਾ ਮਸਲਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਇਹ ਕਹਿ ਦੇਵੇ ਕਿ ਅਸੀਂ ਪੱਥਰ ਤੇ ਲਕੀਰ ਖਿਚ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਸਭ ਕੁਝ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਮਸਲਾ ਜਿਹੜਾ ਹੈ ਇਸ ਤੇ ਬੜੇ ਗੰਭੀਰ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਡੀ ਸਮਾਜ ਦੀ ਇਕ ਬਹੁਤ ਭਾਰੀ ਸਮਸਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਇਲਾਜ ਲਭਣ ਲਈ ਬਰਾਦਰੀਆਂ ਦੇ ਇਕੱਠ ਹੁੰਦੇ ਰਹੇ ਔਰ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਵੀ ਸੋਚਾਂ ਵਿਚਾਰਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਮਗਰ ਉਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਇਹ ਮਸਲਾ ਅਜੇ ਤਕ ਉਥੇ ਦਾ ਉਥੇ ਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਸਾਡੀ ਸਮਾਜ ਦੇ ਵਿਚ anti social element ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਰਾਮ ਦੀ ਕਮਾਈ ਆਉਂਦੀ ਹੈ, ਜਿਹੜੇ ਰਿਸ਼ਵਤਾਂ ਖਾ ਕੇ ਜਾਂ ਬਲੈਕਮਾਰਕਿਟ ਕਰਕੇ ਰੁਪਿਆ ਕਮਾਉਂਦੇ ਹਨ ਉਹ ਉਸ ਪੈਸੇ ਦੀ ਨੁਮਾਇਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਡੀ ਸਮਾਜ ਦੇ ਵਿਚ ਮੁਸੀਬਤਾਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਇਹ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਇਕ ਆਦਮੀ ਕੁੜਮਾਈ ਦੇ ਵਿਚ ਸਵਾ ਰੁਪਿਆ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਦੂਸਰਾ 11 ਰੁਪਏ ਦੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ, ਤੀਸਰਾ 101 ਰੁਪਿਆ ਦੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੋਈ ਪੰਜ ਥਾਲ ਨਾਲ ਦੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਕੋਈ 21 ਥਾਲ ਦੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਰਵਾਜ ਵਧਦਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ race ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਡੀ ਸਮਾਜ ਦਿਨੋਂ ਦਿਨ ਖਰਾਬ ਹੁੰਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ 50 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਜਹੇਜ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਦੂਸਰੇ ਨੂੰ ਵੇਖ ਕੇ ਖਾਹਿਸ਼ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਇਤਨਾ ਹੀ ਮਿਲੇ ਔਰ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਇਕ competition ਚਲ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੇ, ਇਸ ਰਵਾਜ ਨੇ ਸਾਡੀ ਸਮਾਜ ਦਾ ਜੀਵਨ ਬਹੁਤ ਦੁਖੀ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਮਗਰ ਇਸ ਖਰਾਬੀ ਨੂੰ ਜਿਸ ਨੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਧਾਇਆ ਹੈ ਉਹ ਐਸੇ ਲੋਕ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਰਾਮ ਦੀ ਕਮਾਈ ਆਉਂਦੀ ਹੈ। ਜੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿਸੇ ਨੇ ਹਕ ਹਲਾਲ ਦੇ ਨਾਲ ਪੈਸਾ ਕਮਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਦਰਦ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਠੀਕ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਖਰਚ ਕਰਾਂ। ਲੇਕਿਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਫ਼ਤ ਦੇ ਪੈਸੇ ਆਏ ਹੋਏ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਉਸ ਦੀ ਨੁਮਾਇਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਡੀ ਸਮਾਜ ਦੇ ਵਿਚ ਮੁਸਲਸਲ ਪੇਚੀਦਗੀਆਂ ਔਰ ਮੁਸੀਬਤਾਂ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਅਸੀਂ

ਕੋਈ hard and fast ਰੂਲ ਬਣਾ ਕੇ ਜਾਂ ਪਾਬੰਦੀਆਂ ਲਾ ਕੇ ਹਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਬਲਕਿ ਜੇ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਸਮਾਜ ਦੀ ਵਿਚਾਰ ਧਾਰਾ ਨੂੰ ਬਦਲਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਇਸ ਮਸਲੇ ਦਾ ਚੰਗਾ ਹਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾ ਬਦਲੀ ਜਾਏਗੀ ਤਾਂ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਸੁਖਦਾਇਕ ਬਣ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰੋਜ਼ ਅਖਬਾਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਕੇਸ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਫਲਾਣੇ ਥਾਂ ਲੜਕੀ ਕੋਠੇ ਤੋਂ ਛਾਲ ਮਾਰ ਕੇ ਮਰ ਗਈ ਔਰ ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਈ ਜਲ ਕੇ ਮਰ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਕਈ ਗਡੀਆਂ ਹੇਠਾਂ ਆ ਕੇ ਮਰ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਣ ਕੀ ਹੈ ? ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਣ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਰਾਮ ਦੀਆਂ ਕਮਾਈਆਂ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਡੇ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਖਰਾਬ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਇਹ ਸੁਝਾਉ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਬਲੈਕ ਮਾਰਕਿਟ ਦਾ ਪੈਸਾ ਕਮਾਉਂਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਟ੍ਰਟ ਲੈ ਕੇ ਵੇਚਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਮਦਦ ਦੇ ਨਾਲ ਠੇਕੇ ਵਗੈਰਾ ਲੈ ਕੇ ਪੈਸੇ ਬਟੋਰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕੋਈ ਚੈਕ ਲਾਇਆ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਇਹ ਮਸਲਾ ਠੀਕ ਹੋ ਸਕੇ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਦਾਅਵੇ ਨਾਲ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਚਾਹੇ ਕੋਈ ਕਿਡਾ ਵੀ ਵੱਡਾ ਅਫਸਰ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਵੱਡੇ ਤੋਂ ਵੱਡੇ businessman ਹੋਵੇ ਅਗਰ ਉਹ ਨੇਕ ਕਮਾਈ ਦੇ ਸਿਰ ਤੇ ਹੀ ਰਹਿੰਦਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਦੇ ਨਾਲ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਇਹ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿੱਥੇ ਕੋਈ ਅਫਸਰ ਲਗਾ ਹੋਇਆ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਉਥੇ ਹੀ ਆਪਣੀ ਲੜਕੀ ਦੀ ਜਾਂ ਲੜਕੇ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਤੋਹਫਿਆਂ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਲਖ ਲਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਮਾਲ ਇਕੱਠਾ ਕਰ ਲੈਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਵਾਸਤੇ ਸੈਂਟਰ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਕਾਨੂੰਨ ਤਾਂ ਬਣਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਮਗਰ ਉਸ ਕਾਨੂੰਨ ਨਾਲੋਂ ਇਹ ਅਫ਼ਸਰ ਵੱਡੇ ਹਨ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਸਰ ਅੰਦਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਉਹ ਕਾਨੂੰਨ ਤਾਂ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਤੰਗ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਹੜਾ ਵੱਡਾ ਅਫ਼ਸਰ ਹੋਵੇ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਇਹ ਸਾਬਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਕਿ ਇਸ ਨੇ ਤੋਹਫੇ ਲਏ ਹਨ। ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰਕੇ ਦੇਖੋ ਕਿ ਜਿਥੇ ਕੋਈ ਅਫਸਰ ਲਗਾ ਹੋਇਆ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜੇ ਉਹ ਉਥੇ ਆਪਣੇ ਕਿਸੇ ਮੁੰਡੇ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰੇ ਤਾਂ ਉਸ ਤੇ ਕਿਤਨਾ ਕੁ ਖਰਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਜੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਰੋਜ਼ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਕਾਨੂੰਨ ਪਾਸ ਕਰਕੇ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋਏਗੀ। ਇਹ ਦਹੇਜ਼ ਕਿਸੇ ਦੂਸਰੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਔਰ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੰਦ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ, ਜਦੋਂ ਤਕ ਸਾਰੀ ਸਮਾਜ ਦੇ ਢਾਂਚੇ ਨੂੰ ਦਰੁਸਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਸਾਡੀ ਸਮਾਜ ਦਾ ਅਜ ਇਹ ਹਾਲ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ ਆਦਮੀ ਦੇ ਘਰ ਲੜਕੇ ਵੀ ਹਨ ਔਰ ਲੜਕੀਆਂ ਵੀ ਹਨ ਤਾਂ ਜੇ ਉਸ ਦੇ ਲੜਕੇ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਿਲੇ ਔਰ ਜੇ ਉਸ ਦੀ ਲੜਕੀ ਦਾ ਵਿਆਹ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸਾਰੀ ਦੁਨੀਆਂ ਅਗੇ ਰੋਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੋਲੋਂ ਲੜਕੇ ਵਾਲੇ ਇਤਨਾ ਕੁਝ ਮੰਗਦੇ ਹਨ। ਫਿਰ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਉਹ ਆਪਣੇ ਲੜਕੇ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਤੇ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਗਰਦਨ ਅੱਕੜ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਪਰ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਉਸ ਦੀ ਲੜਕੀ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਸਾਰੀ ਦੁਨੀਆਂ ਤੋਂ ਗਾਲ੍ਹਾਂ ਖਾਂਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਲੜਕੇ ਦੀ ਮੰਗਣੀ ਕਰਨੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਕੀ ਮਿਲੇਗਾ। ਭਾਵੇਂ

6-00 P.M.

[ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ]

ਲੜਕੀ ਦੇ ਬਾਪ ਦੀ ਦੇਣ ਦੀ ਕੁਝ ਤੌਫੀਕ ਹੋਵੇ ਭਾਵੇਂ ਨਾ ਹੋਵੇ ਉਹ ਸਭ ਕੁਝ ਮੰਗਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹਨ ਸਰਕਾਰ ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਕਾਨੂੰਨ ਪਾਸ ਕਰੇ ਤਾਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ control ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾ ਸਕੇ, ਔਰ ਇਸ ਨਾਲ ਸਾਰਾ ਸਮਾਜ ਸੌਖਾ ਹੋ ਸਕੇ। ਅੱਜ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ? ਜਿਸ ਦੇ ਘਰ ਲੜਕੀ ਪੈਦਾ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਸਿਰ ਤੇ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਬੋਝ ਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਦੇ ਵੀ ਹਲਕਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਸ਼ਾਦੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਵੀ ਇਥੇ ਜਿਹੜੇ ਰਸਮੋਂ ਰਿਵਾਜ ਚਲਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੁਤਾਬਕ ਉਸ ਨੂੰ ਹਮੇਸ਼ਾ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਦੇਣਾ ਹੀ ਪੈਂਦਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕੋਈ ਛੁਟਕਾਰਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦਾ। ਰਾਜਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਹੜਾ resolution ਸਭਾ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਕੇ ਜਿਹੜੀ ਸਾਡੀ ਸਮਾਜ ਦੀ ਬੀਮਾਰੀ ਹੈ ਇਸ ਦਾ ਇਲਾਜ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਏ। ਪਰ ਇਸ ਨਾਲੋਂ ਬਿਹਤਰ ਚੀਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਦਹੇਜ਼ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਨੁਮਾਇਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਹ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਏ ਔਰ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਕੋਈ ਤਰਤੀਬ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਸਕੇ। ਸਾਰੀ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਸੌਖਾ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਇਹੀ ਵੱਡਾ ਹਲ ਹੈ। ਜਿਹੜੀ ਸਮਾਜ ਦੀ ਨੁਮਾਇਸ਼ ਹੈ ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦੁਖੀ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਇਸ resolution ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂਕਿ ਲੋਕ ਦੁਖੀ ਨਾ ਹੋਣ। ਜੇ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਦਰੁਸਤ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਸ resolution ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰ ਕੇ ਕਾਨੂੰਨ ਦੀ ਤਰਤੀਬ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਸਮਾਜ ਦੀ ਇਸ ਬੀਮਾਰੀ ਦਾ ਇਲਾਜ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਅਜੇ ਸਮਾਜ ਵਿਚ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਬੜੀ ਬੁਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਘਰ ਕਰ ਗਈ ਹੋਈ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਸੁਣੀ ਹੋਵੇਗੀ ਜਿਹੜੀ ਬੜੀ ਪੁਰਾਣੀ ਹੈ। ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਵਿਚ ਦਹੇਜ਼ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣੀ ਹੋਈ ਸੀ। ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਇਕ ਸਰਕਰਦਾ ਮੈਂਬਰ ਸੀ। ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਵਲੋਂ ਦਹੇਜ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਬੜਾ ਪਰਚਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਔਰ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਸ਼ਾਖ਼ਾਂ ਵੀ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ। ਉਸ ਸਰਕਰਦਾ ਮੈਂਬਰ ਦੇ ਆਪਣੇ ਲੜਕੇ ਦੀ ਜਦ ਸ਼ਾਦੀ ਹੋਣ ਲਗੀ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਬੜਾ ਪਰਚਾਰ ਕੀਤਾ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਆਪਣੇ ਲੜਕੇ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਤੇ ਦਹੇਜ ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ। ਇਸ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ leaders ਵਲੋਂ ਵਧਾਈ ਦੀਆਂ ਬੜੀਆਂ ਚਿਠੀਆਂ ਆਈਆਂ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਦਹੇਜ ਲਏ ਬਗ਼ੈਰ ਆਪਣੇ ਲੜਕੇ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਉਸ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇੱਕਠਿਆਂ ਕਰ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਹਮਣੇ ਇਕ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਚਿੱਠੀਆਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਨ ਵਾਸਤੇ ਕਿਹਾ। ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਉਹ ਚਿਠੀਆਂ ਪੜ੍ਹੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਸੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਚਿੱਠੀਆਂ ਵਿਚ ਇਕ ਉਹ ਚਿਠੀ ਵੀ ਆ ਗਈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਉਸ ਦੇ ਸਬੰਧੀ ਯਾਨੀ ਕੁੜਮ ਨੇ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ ਤੁਹਾਡੀ ਹਦਾਇਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਹੋਵੇਗਾ ਔਰ ਜਿਹੜਾ ਤੁਹਾਨੂੰ ਮਕਾਨ ਜਾਂ ਕਾਰ ਦੇਣੀ ਹੈ ਉਹ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾਏਗੀ ਔਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਦਸਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾਵੇਗਾ। ਚਿਠੀਆਂ ਪੜ੍ਹਨ ਵਾਲੇ ਨੇ ਉਹ ਚਿਠੀ ਵੀ ਪੜ੍ਹ ਦਿੱਤੀ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਨਿਕਲਿਆ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਅਡੰਬਰ ਉਹ ਰਚ ਰਿਹਾ ਸੀ ਉਸ ਦਾ ਰਾਜ਼ ਖੁਲ੍ਹ ਗਿਆ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਵਕਤ ਤਕ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਵਿਚ ਵੀ ਜਿਹੜੇ black market ਦੇ ਤਰੀਕੇ ਵਰਤੇ ਜਾਂਦੇ ਨੇ, ਉਹ ਬੰਦ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਤਦ ਤਕ ਸਾਡੇ ਸਮਾਜ ਵਿਚੋਂ ਇਹ ਬੀਮਾਰੀ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੀ। ਜਦ ਤਕ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ

ਸੋਚਣ ਦੇ ਢੰਗ ਨਹੀਂ ਬਦਲਾਂਗੇ ਤਦ ਤਕ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਦਲੇ ਹੋਏ ਹਾਲਾਤ ਦੇ ਅੰਦਰ ਇਹ ਸਭ ਤੋਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ anti-social element ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਨਾਜ਼ਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਲੱਖਾਂ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਦੀ ਕਮਾਈ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਹੜਪ ਕਰ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨੁਮਾਇਸ਼ ਦੇ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਮੁਸੀਬਤ ਵਿਚ ਪਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਪਰ ਕੋਈ ਅਸੀਂ ਪ੍ਰਤੀਬੰਧ ਲਗਾਈਏ ਤਾਕਿ ਉਹ anti-social ਤਰੀਕਿਆਂ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਮਾਈ ਦੇ ਰੁਪਿਆ ਨਾਲ ਬਾਕੀ ਦੇ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਦੁਖੀ ਨਾ ਬਣਾ ਸਕਣ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ resolution ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਨ ਦੇ ਅਲਾਵਾ ਸਾਨੂੰ ਸਾਰੀ ਸਮਾਜ ਵਿਚ change ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਵੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ (ਲੁਧਿਆਨਾ, ਦਖਣ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, dowry ਜੋ system ਹੈ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਉਥੋਂ ਤਕ ਤਾਂ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਦੋਸਤ ਮਾਨ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਮੁਤਫਿਕ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ sentiments ਨਾਲ ਔਰ ਨਿਹਾਇਤ ਪਿਆਰ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ ਲੜਕੀ ਜਦ ਇਕ ਘਰ ਵਿਚ ਜੰਮਦੀ ਸੀ ਤਾਂ ਵਾਲਦੈਨ ਦੇ ਮਨ ਵਿਚ ਇਹ ਖਿਆਲ ਉਸ ਵੇਲੇ ਜ਼ਰੂਰੀ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਦੂਸਰੇ ਘਰ ਜਾਣਾ ਹੈ ਤੇ ਉਸ ਨੇ ਜਾਇਦਾਦ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣਾ ਨਹੀਂ, ਇਸ ਲਈ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਇਨਸਾਫ ਵਜੋਂ ਔਰ ਹਿੱਸੇ ਵਜੋਂ ਵੀ ਕੁਝ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹ system ਇਸ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਲੇਕਿਨ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਕੋਈ ਗੱਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਵਕਤ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਉਸ ਦਾ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਨਤੀਜਾ ਕੀ ਨਿਕਲੇਗਾ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ resolution ਬਾਰੇ ਸਰਦਾਰ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਗੱਲਾਂ non-seriously ਕੀਤੀਆਂ ਨੇ ਔਰ ਉਹ (Sardar Bhupinder Singh Mann: Very seriously) ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਕਿਉਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਨੇ ਜਦ ਕਿ ਉਹ ਇਹ ਬੜਾ ਜ਼ਰਖੇਜ਼ ਦਿਮਾਗ ਇਨਸਾਨ ਹੈ ਔਰ ਇਕ ਬੜੇ ਸੁਲਝੇ ਹੋਏ ਦਿਮਾਗ਼ ਵਾਲਾ ਨੌਜਵਾਨ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਸ਼ੇਅਰ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ—

ਲਾਜ਼ਮ ਹੈ ਕਿ ਪਾਸ ਰਹੇ ਪਾਸਬਾਨੇ ਅੱਕਲ
ਲੇਕਿਨ ਕਭੀ ਕਭੀ ਇਸੇ ਤਨਹਾ ਭੀ ਛੋੜ ਦੇ।

ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਨੇ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਹਰ ਗੱਲ ਵਿਚ ਮੁਤਫਿਕ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਕਿਥੇ ਇਹ ਕਨੂੰਨ ਤੇ ਕਿਥੇ ਇਹ ਮੁਹੱਬਤ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਨੇ। ਮੁਹਬਤ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਵੀ ਹਾਂ ਕਿ ਮੁਹੱਬਤ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਜਿਹੜੀ ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਉਮਰ ਵਿਚ ਹੋਏ। ਇਹ ਕਿਸੇ ਵੀ ਉਮਰ ਵਿਚ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਨੂੰਨ ਨਾਲ ਕੋਈ society ਨਹੀਂ ਬਦਲੀ ਜਾ ਸਕਦੀ, ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਸ ਗਲ ਨਾਲ ਇਤਫਾਕ ਨਹੀਂ ਰਖਦਾ ਔਰ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਦਲੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਦੇਖੋ, ਸਾਡੇ ਰਿਸ਼ੀ ਮੁਨੀ ਅਤੇ ਅਵਤਾਰ ਇਹੋ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਕਿ ਪਛੜੀਆਂ ਜਾਤੀਆਂ ਨਾਲ ਤੇ ਦੂਜੀਆਂ ਜਾਤੀਆਂ ਨਾਲ ਇਕੋ ਜਿਹਾ ਸਲੂਕ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਤੇ ਕਿਸੇ

[ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ]

ਨੇ ਅਮਲ ਨਾ ਕੀਤਾ। ਔਰ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਵੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸ ਕੰਮ ਵਿਚ ਸਫਲਤਾ ਪਰਾਪਤ ਨਾ ਹੋ ਸਕੀ, ਪਰ ਇਹੋ ਚੀਜ਼ ਕਨੂੰਨ ਦੀ ਮਦਦ ਨਾਲ ਫੌਰਨ ਪੂਰੀ ਕਰ ਲਈ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹੋ ਜਿਹੀਆਂ ਭੈੜੀਆਂ ਰਵਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਹਟਾਉਣ ਲਈ ਕਨੂੰਨ ਬਨਾਉਣੇ ਹੀ ਪੈਂਦੇ ਨੇ। (Interruption by Sardar Bhupinder Singh Mann).

Mr. Deputy Speaker : No interruption, please.

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, when he is addressing me directly............

Mr. Deputy Speaker : No, please.

Sardar Ram Dayal Singh : Sir, I am not addressing him directly.

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਦੂਜੀ ਗੱਲ ਇਹ ਕਹੀ ਗਈ ਕਿ ਰਖੜੀ ਭੈਣਾਂ ਸ਼ੌਕ ਨਾਲ ਬੰਨ੍ਹਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਮੁਹੱਬਤ ਦਾ ਨਿਸ਼ਾਨ ਜਾਂਦਾ ਰਹੇਗਾ, ਇਹ ਗੱਲ ਨਹੀਂ। ਭੈਣਾ ਤੇ ਭਰਾਵਾਂ ਦੀ ਮੁਹੱਬਤ ਦਾ ਤਾਰ ਕਦੀ ਨਹੀਂ ਟੁਟ ਸਕਦੀ। ਲੜਕੀਆਂ ਦਾ ਪਿਆਰ ਘਰ ਨਾਲ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ parents ਨਾਲੋਂ ਵਧ ਪਿਆਰ ਭਰਾਵਾਂ ਨਾਲ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ। ਜਾਇਦਾਦ ਵਲ ਆਇਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਵੀ ਪਿਆਰ ਬਦਲ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਬਦਲੇ ਹੋਏ ਜ਼ਮਾਨੇ ਦੇ ਅੰਦਰ, ਸਮਾਜ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਦੋਂ ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਬਰਾਬਰ ਲਿਆਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ Parliament ਦੇ ਅੰਦਰ, ਕੌਂਸਲ ਦੇ ਅੰਦਰ, ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਵਿਚ, ਅਸੈਂਬਲੀਆਂ ਅੰਦਰ, ਜ਼ਿਲਾ ਪਰੀਸ਼ਦਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਇਸਤ੍ਰੀਆਂ ਨੂੰ ਬਰਾਬਰ ਲਿਆਣ ਦੇ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। Services ਵਿਚ ਅਤੇ ਹਰ ਥਾਂ ਬਰਾਬਰੀ ਦਾ ਦਰਜਾ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਤਾਂ dowry ਦਾ ਘੁੰਡ ਕਰਕੇ ਮੁਖਾਲਫਿਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਨਾ ਪੁਰਾਣੀ ਚੀਜ਼ ਕਾਇਮ ਰਹਿਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਨਾਲ ਅਸੀਂ realities ਤੋਂ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੇ।

ਇਹ ਚੀਜ਼ ਵੇਖਣ ਵਿਚ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਗਰੀਬ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਸ਼ਾਇਦ ਹੀ ਕੁਝ ਅਜਿਹੇ ਹੋਣ ਜੋ ਖੁਲ੍ਹ ਕੇ dowry ਦੇ ਸਕਦੇ ਹੋਣ, ਵਰਨਾ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਮਜਬੂਰ ਹੋਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕੁਝ ਦੇਵੇ। ਇਹ ਹਾਲਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁੰਦੀ ਰਹੀ ਹੈ। ਕਰਜ਼ਾ ਲੈ ਕੇ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਯਤਨ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਦੀਆਂ ਦੋ ਚਾਰ ਲੜਕੀਆਂ ਹੋਣ ਉਸ ਨੂੰ ਸ਼ੁਰੂ ਤੋਂ ਹੀ ਆਪ ਤੰਗੀ ਵਿਚ ਰਹਿਕੇ ਸ਼ਾਦੀ ਲਈ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਲੜਕੀਆਂ ਵਾਲੇ ਕਰਜ਼ਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜੋ ਕੁਝ ਜ਼ਰੂਰੀ ਚਾਹੀਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਸ ਹਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਕਿ ਲੜਕੀਆਂ ਲਈ ਕਰਜ਼ੇ ਲਏ ਜਾਣ। ਲੜਕੀਆਂ ਨੂੰ ਸਮਾਜ ਵਿਚ ਬਰਾਬਰ ਦੇ ਦਰਜੇ ਤੇ ਲਿਆਣ ਲਈ ਤਾਂਕਿ ਉਹ ਆਦਮੀ ਨਾਲੋਂ ਘਟ ਨਾ ਰਹਿਣ ਦਹੇਜ ਦੀ ਬੁਰਾਈ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਲੋੜ ਹੈ। (interruption) ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤਜਰਬਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਾਪਿਆਂ ਨੂੰ ਦੁਖ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ, ਰਿਸ਼ਤੇ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਗਲ ਚਲ ਪੈਂਦੀ

ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਦਿਓਗੇ ਜਾਂ ਇਹ ਲਵਾਂਗੇ । ਅਤੇ ਰਿਸ਼ਤੇ ਖੜ੍ਹੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਉਠ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਤੇ ਜੇਕਰ dowry ਕਾਇਮ ਨਾ ਰਹੇ ਤੇ ਇਹ ਮੰਗਾਂ ਨਾ ਹੋਣ, ਤੇ ਜੇਕਰ ਇਹ ਕਾਇਮ ਰਹੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੰਗਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਨਾ ਕਰ ਸਕਣ ਵਾਲੇ ਤਾਂ ਵਿਆਹੇ ਹੀ ਨਾ ਜਾਣ । ਜੋ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀ ਹਨ ਅਤੇ ਮੰਗ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੇ ਉਸ ਨੂੰ ਤਾਂ ਫਿਰ ਇਸ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ ਰਹਿਣ ਦਾ ਹੀ ਕੋਈ ਹਕ ਨਹੀਂ । ਕਈ ਮੇਰੇ ਜਟ ਭਰਾ ਹਨ ਜੋ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਵਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਲਾਲਚੀ ਹਨ ਅਤੇ ਸੋਚਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਨਵੀਂ ਵਿਆਹੁਤਾ ਨੂੰ ਕਢਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਦੂਸਰਾ ਵਿਆਹ ਕਰਾਇਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਚਾਰ ਪੈਸੇ ਹੋਰ ਘਰ ਵਿਚ ਆ ਜਾਣ । ਅਸੀਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਦੋ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਬੰਦ ਕਰਨ ਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੋਕ ਹੋਰ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਕਰ ਲੈਂਦੇ ਸਨ (ਹਾਸਾ)

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪਣੀਆਂ ਭੈਣਾਂ ਨਾਲ agree ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਥੇ ਤਕ dowry ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ, ਪਰ ਮੈਂ Hindu Succession Act ਬਾਰੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਨਹੀਂ । ਜਾਇਦਾਦ ਵਿਚ ਧੀਆਂ ਨੂੰ ਬਰਾਬਰ ਦਾ ਹਕ ਮਿਲਣ ਲਗਿਆ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ sentiments ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਇਹੀ ਪ੍ਰਥਾ ਹੈ ਜਿਥੋਂ dowry ਸ਼ੁਰੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਮੇਰੀ ਭੈਣ ਵਕੀਲ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਿਮਾਗ ਵਿਚ ਕੀ ਸਮਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਜੇਕਰ property ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਦਿੱਕਤ ਹੈ । ਸਹੁਰੇ ਦੇ ਘਰ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਅਣਵਿਆਹੀ ਧੀ ਦੇ ਬਾਪ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਵਾਜਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ Hindu Succession Act ਅਨੁਸਾਰ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਮਤੇ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਮੰਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਅਸਾਡਾ ਭੈਣਾਂ ਵਲੋਂ ਫਰਜ਼ ਪੂਰਾ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜੇਕਰ ਰਾਜਾ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਮਤੇ ਨੂੰ ਪਰਵਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਮੈਂ ਇਸ ਮਤੇ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ, ਰਿਜ਼ਰਵਡ): ਮੇਰਾ ਵਿਚਾਰ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਸੀ ਬੋਲਣ ਦਾ, ਪਰ ਜੋ ਵਿਚਾਰ ਸੁਣੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖ ਕੇ ਕੁਝ ਬੋਲਣਾ ਹੀ ਪਏਗਾ । ਪਹਿਲੀ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ socialistic ਨਜ਼ਾਮ ਆ ਜਾਵੇ । ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਇਕ nation ਬਣ ਜਾਵੇ ਜਾਤੀ ਆਦਿ ਦਾ ਭੇਦ ਨਾ ਰਹਿ ਜਾਵੇ । ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਚੀਜ਼ ਕਹੀ ਹੈ, ਵਾਲਦੈਨ ਸ਼ੁਰੂ ਤੋਂ ਹੀ ਦਾਜ ਇਕੱਠਾ ਕਰਦੇ ਆਏ ਹਨ । ਅਮੀਰ ਤਾਂ ਇਸ ਭਾਰ ਵਿਚੋ ਲੰਘ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਪਰ ਗਰੀਬ ਕਹਿ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਧੀਆਂ ਦਾ ਵਿਆਹ ਕਰਕੇ ਲੱਕ ਰਹਿ ਗਿਆ ਹੈ । ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹੋ bad habit ਹੈ ਪਰ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਸਭਿਅਤਾ ਵਿਚ ਜੇਕਰ ਦਾਜ ਦੀ ਪ੍ਰਥਾ ਰਹੀ ਤਾਂ ਉਹ ਬੁਰਾਈ ਹੁਣ ਹੋਰ ਸ਼ਕਲ ਇਖਤਿਆਰ ਕਰ ਗਈ ਹੈ । ਸਮਾਜਕ ਬੁਰਾਈ ਹੈ । ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਨੀਂਹ ਅਜ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਕਾਲ ਤੋਂ ਪਈ ਜਦੋਂ ਮਨੂ ਜੀ ਨੇ ਜਾਤੀ ਭੇਦ ਖੜਾ ਕਰ ਦਿਤਾ : ਸ਼ੂਦਰ, ਵੈਸ਼, ਖਤ੍ਰੀ, ਬ੍ਰਾਹਮਣ । ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਸ਼ੂਦਰ ਵਧ ਗਏ ਅਤੇ ਸੁਸਾਇਟੀ ਤੇ ਅਸਰ ਪਿਆ । ਅਤੇ ਸਾਰੀ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਸਭਿਅਤਾ ਨੂੰ ਸਤਿਆ-ਨਾਸ ਕਰਕੇ ਰਖ ਦਿਤਾ । 8 ਕਰੋੜ ਸ਼ੂਦਰ ਨਰ ਨਾਰੀ ਬਣ ਗਏ । ਹੁਣ ਦੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਪੜ੍ਹਨ ਲਗੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆ ਨਾਲ ਕੁਝ ਫਰਕ ਪੈ ਗਿਆ ਹੈ ।

[ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ]

ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ Socialistic Pattern of Society ਦਾ ਨਾਹਰਾ ਹੈ ਇਹ ਤਾਂ ਪੂਰਾ ਹੈ ਕੇ ਰਹਿਣਾ ਹੈ। ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੁਰਾਣੇ ਰਿਵਾਜਾਂ ਦਾ ਹੀ ਨਤੀਜਾ ਹੈ ਕਿ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਬਣਿਆ। ਅੱਜ ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ ਜੀ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਜੀ ਵਰਗੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਫਰਕ ਮਿਟਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਫਰਕ ਨਹੀਂ ਮਿਟਾ ਸਕਦੇ। ਜੇ ਜ਼ਰਾ ਠੰਡੇ ਦਿਲ ਨਾਲ ਸੋਚਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲੱਗੇਗਾ ਕਿ ਇਸ ਫਰਕ ਦੇ ਨਾ ਮਿਟਣ ਦਾ ਕਾਰਨ ਕੀ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਵਿਆਹ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਕਰਦੇ ਹਾਂ, ਹਿੰਦੂ, ਹਿੰਦੂ ਘਰ ਵੇਖਦਾ ਹੈ, ਸਿਖ ਸਿਖ ਘਰ ਵੇਖਦਾ ਹੈ, ਜਟ, ਜਟ ਘਰ ਵੇਖਦਾ ਹੈ ਤੇ ਬ੍ਰਾਹਮਣ, ਬ੍ਰਾਹਮਣ ਦਾ ਘਰ ਵਿਖਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਖਤਰੀ, ਖਤਰੀ ਦਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਤਨਾ ਦਾਇਰਾ ਤੰਗ ਹੈ ਕਿ ਛੇਤੀ ਛੇਤੀ ਲੜਕੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਲਭਦੇ। ਵਿਆਹ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਪਰ ਥਾਂ ਨਹੀਂ ਲਭਦੀ। ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਰਾ ਤੰਗ ਨਜ਼ਰੀਆ ਤਬਦੀਲ ਕਰੋ ਤੁਸੀਂ Society ਲਈ ਥਾਂ ਖਾਲੀ ਕਰੋ ਲੜਕਿਆਂ ਦਾ ਕੋਈ ਤੋੜਾ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਇਤਨੀ ਵੱਡੀ Society ਹੈ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਾਤ ਬਰਾਦਰੀ ਦਾ ਕੋਈ ਫਿਕਰ ਨਾ ਕਰੋ, ਬੇਸ਼ੁਮਾਰ ਐਸੇ ਆਦਮੀ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੁਣ ਤਕ ਕੋਈ ਵਿਆਹ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਰਾਇਆ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ Democracy ਚਲਾਉਣ ਵਾਸਤੇ Social Welfare ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ Resolution ਤੇ ਅਮਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ inequality ਨਾ ਰਹੇ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ—

> "Democratic institutions cannot function properly and vigorously, where the fissiparous tendencies are strong, sense of tolerance is weak and economic inequalities are wide."

ਅਸੀਂ inequality ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਪਰ ਅਸਲ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਢੰਗ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ। ਅਸੀਂ ਜ਼ਾਤ ਬਰਾਦਰੀ ਤੋਂ ਉੱਚਾ ਨਹੀਂ ਉਠਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ। ਵੈਸੇ Socialistic Pattern of Society ਦਾ ਅਸੀਂ ਨਾਹਰਾ ਲਾਉਂਦੇ ਹਾਂ ਪਰ ਦਾਇਰਾ ਤੰਗ ਹੈ, ਅੱਜ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਵੱਡਿਆਂ ਵੱਡਿਆਂ ਦੀਆਂ ਮਿਸਾਲਾਂ ਮੈਂ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਾਤ ਬਰਾਦਰੀ ਨੂੰ ਤੋੜ ਕੇ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਪੰਡਿਤ ਨਹਿਰੂ ਦੀ ਹੀ ਮਿਸਾਲ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਾਤ ਬਰਾਦਰੀ ਨੂੰ ਤੋੜ ਕੇ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਤੁਸੀਂ ਭਾਵੇਂ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਕਿਤਾਬਾਂ ਪੜ੍ਹ ਲਓ, ਕਿਸੇ ਚੰਗੇ ਆਦਮੀ ਦੀ ਭਾਵੇਂ ਗਲ ਸੁਣ ਲਓ ਪਰ ਉਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਉਦੋਂ ਤਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਜਦੋਂ ਤਕ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਤੇ ਕੋਈ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। ਜੇ ਅਮਲ ਕਰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਜਿਹੜਾ ਸਿਆਪਾ ਜਬਲਪੁਰ ਦਾ ਪਿਆ ਹੈ ਇਹ ਕਿਉਂ ਹੁੰਦਾ। ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਕਹਿੰਦੇ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਹਨ ਪਰ ਉਸ ਤੇ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ।

ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ background ਦਸਦਾ ਹਾਂ ਇਸ ਉਚੇ ਆਦਰਸ਼ ਦੀ ਕੀ ਹੈ। ਉਹ ਇਹ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜ਼ਾਤ ਪਾਤ ਤੋੜ ਕੇ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ encourage ਕਰੀਏ। ਅਸੀਂ ਪਾਸ ਕਰੀਏ ਕਿ ਜ਼ਾਤ ਪਾਤ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਪਹਿਲਾਂ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਕਰੋ ਫੇਰ ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੋਗੇ ਕਿ ਹਿੰਦੂ ਸਿੱਖਾਂ ਦੀਆਂ ਲੜਾਈਆਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਮੇਰੇ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਮੈਂ ਇਕ ਬੁਢੇ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਬਾਬਾ ਤੇਰੀ ਉਮਰ ਕਿਤਨੀ ਹੈ। ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ 'ਦੋ ਘਟ 80 ਸਾਲ'। ਮੈਂ ਫੇਰ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਤੇਰੇ ਬਾਬਾ ਬੱਚੇ ਕਿਤਨੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ 'ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਅਜੇ ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਵਿਆਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ।" ਮੈਂ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੀ ਜ਼ਾਤ

ਬਰਾਦਰੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਇਕ community ਜਿਹੜੀ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਕਮਾਉਂਦੀ ਹੈ ਪਰ ਉਸ ਦਾ ਜ਼ਾਤ ਪਾਤ ਦਾ ਦਾਇਰਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਥੇ ਹੀ ਘੁਸੜੀ ਹੋਈ ਹੈ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਲਾਤੋਂ ਕੇ ਭੂਤ ਬਾਤੋਂ ਸੇ ਨਹੀਂ ਮਾਨਤੇ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਦੋਂ ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਡੰਡੇ ਨਾਲ ਸਿੱਧਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਫੇਰ ਭਾਵੇਂ ਠੀਕ ਹੋਣ । ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਇਹ inequality ਅਤੇ disparity ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਇਹੋ ਹਾਲ ਰਹਿਣਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਲਾਅਨਤ ਕਿਸੇ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਵੀ ਨਹੀਂ । ਜੇ ਇਹ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਣ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਕਾਇਦੇ ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੀ ਨਹੀਂ ਪੈਣੀ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚੌਧਰੀ ਲਹਿਰੀ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਆਦਮੀ ਮੁੰਡਾ ਲਭਣ ਵੇਲੇ ਹਮੇਸ਼ਾ ਇਹ ਵੇਖਦਾ ਹੈ ਕਿ ਘਰ ਚੰਗਾ ਲੱਭ ਜਾਵੇ ਭਾਵੇਂ ਉਸ ਦੀ ਸੂਰਤ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੋਵੇ ਚਾਹੇ ਅਨਪੜ੍ਹ ਪਰ ਘਰਾਨਾ ਚੰਗਾ ਹੋਵੇ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ social ਨਿਜ਼ਾਮ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਦਖਲ ਦੇਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦਾ, ਪਰ ਜਦ ਤਕ ਕੋਈ ਕਾਨੂੰਨ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਇਹ ਸਿਲਸਿਲਾ ਖਤਮ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ । ਖੁਦਕਸ਼ੀਆਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਲੜਕੀਆਂ ਭਾਵੇਂ ਖੁਦਕਸ਼ੀਆਂ ਕਰਦੀਆਂ ਹੋਣ ਪਰ ਕੀ ਕਦੇ ਕਿਸੇ ਆਦਮੀ ਨੇ ਵੀ ਲੜਕੀ ਪਿਛੇ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਸੁਧਾਰਨ ਵਾਸਤੇ ਸਾਨੂੰ......

श्री उपाध्यक्ष : क्या आप सारे मैम्बरों का जवाब दे रहे हैं या इस Resolution पर बोल रहे हैं। (Is the hon. Member replying to the points of all the hon. Members or speaking on the Resolution ?)

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦੇ ਹਵਾਲੇ ਦਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । ਮਾਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਠੀਕ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਔਰਤ ਦੁਖ ਤਕਲੀਫ ਦੇ ਵਕਤ ਸੱਚਾ friend ਹੈ, ਸੱਚਾ ਸਾਥੀ ਹੈ, ਭਾਵੇਂ ਬੱਚੇ ਵੀ ਹੋਣ ਪਰ ਜਿਤਨੀ ਮਦਦ ਔਰਤ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ ਉਤਨੀ ਕੋਈ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ।

Sardar Bhupinder Singh Mann : Sir, Shrimati Om Prabha Jain is making herself friendless.

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਬਾਹਰਲੇ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕੋਈ ਝਗੜਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਪਰ ਏਥੇ ਤਾਂ ਕਈ ਮਸਲੇ ਖੜੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਸਾਡੇ ਤਾਂ ਇਹ ਰਿਵਾਜ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਘਰ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਦੀ ਔਰਤ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਵੀ ਖਾਣ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ । ਪਰ ਬਾਹਰਲੇ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ provision ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਕੋਈ ਚਲ ਫਿਰ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ, ਕੋਈ ਕੰਮ ਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ, ਉਸ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਦੇਣ ਦੀ Government ਦੀ provision ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸ਼ਾਦੀ ਤਾਂ ਹਰ ਇਕ ਦੀ ਹੋ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਬੁਢਾ ਹੋਵੇ ਤੇ ਭਾਵੇਂ ਜਵਾਨ ।

Mr. Deputy Speaker : The House stands adjounred till 8-30 a.m. tomorrow.

6-30 P. M. | *(The Sabha then adjourned till 6-30 a. m. on Friday, the 10th March,* 1961)

12828 P.V.S.—350—3-11-61—C., P. and S., Chandigarh

Punjab Vidhan Sabha Debates

10th March, 1961

Volume I—No. 15

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Friday, the 10th March, 1961

Price : Rs 4.90 nP.

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES VOL. I, NO. 15, DATED THE 10TH MARCH, 1961.

Read	*for*	*onpage*	*line*
Selection	Seleection	(15)11	33 (col. 10)
Employment	Em-loyment	(15)11	35-36(col. 10)
Services	Serivces	(15)15	34(col. 10)
for	far	(15)27	9th from below
Five-year Plan	Fiv-year Plan	(15)43	6
Irrigation	Irrigatio	(15)43	22
ਹੈਂ	ਹ	(15)49	10th from below
ਦੇ	ਦ	(15)66	19
ਲਲੁੇ	ਲਲੇ	(15)66	22
ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ	ਸਾਹਿਬਾ ਨੇ	(15)67	17
ਕੀਤਾ	ਕੀਤੀ	(15)67	27
ਹੋਵੇਗੀ	ਹੋਵੇਗੀ	(15)69	6th from below
ਹਲਕੇ	ਹਲਕ	(15)71	First
ਮਾਲੀਆ	ਮਾਨੀਆ	(15)71	13
Opposition	Oppstion	(15)71	20
ਮੈਂ	ਮਂ	(15)75	14
ਮੈਂ	ਸੈਂ	(15)76	23
evasive	evasine	(15)87	6th from below
opposition	oppostion	(15)98	34
polytechnics	politechinics	(15)100	13
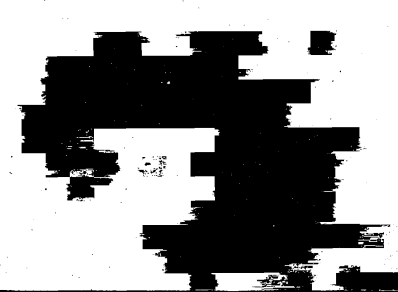
PUNJAB VIDHAN SABHA

Friday, the 10th March, 1961

The Vidhan Sabha met in the Assembly Hall, Sector 1, Chandigarh, at 8.30 a. m. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Gurdial Singh Dhillon) in the Chair.

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

REMOVAL OF SARPANCHES AND LAMBARDARS, ETC.

***6534. Sardar Atma Singh :** Will the Minister for Community Development be pleased to state —

(a) the names of Sarpanches, Sufaid Poshes, Lambardars and Zaildars, if any, who were removed from their posts for their being connected with the Punjabi Suba movement during the current year ;

(b) the dates on which those mentioned in part (a) above were served with show-cause notices, if any, and the dates on which they were removed in each case ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a)	(b)	
	Date on which notice was served	Dates on which they were removed
1. *Names of Sarpanches*		
(i) Shri Mukand Singh ..	Nil ..	5th August, 1960
(ii) Shri Basant Singh ..	Do ..	Ditto
(iii) Shri Bhola Singh ..	Do ..	Ditto
(iv) Shri Ranjit Singh ..	Do ..	Ditto
(v) Shri Sodagar Singh ..	Do ..	Ditto
2. *Names of Sufaid Poshes*		
Nil	*Nil*	*Nil*

[Deputy Minister]

(a)	(b)	
	Date on which notice was served	Dates on which they were removed
3. *Names of Lambardars*		
(i) Shri Bachan Singh ..	4th January, 1961	24th January, 1961
(ii) Shri Kirpal Singh ..	13th July, 1960	11th August, 1960
(iii) Shri Ujagar Singh ..	Ditto	Ditto
4. *Names of Zaildars*		
Nil	*Nil*	*Nil*

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਜਨਾਬ, ਮੈਨੂੰ ਜੋ statement ਮਿਲੀ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ movement ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ, ਸਰਦਾਰ ਮੁਕੰਦ ਸਿੰਘ ਆਦਿ ਸਰਪੰਚਾਂ ਨੂੰ remove ਕੀਤਾ ਸੀ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ remove ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ movement ਨੂੰ ਖਿਲਾਫ਼ ਕਾਨੂੰਨ ਕਰਾਰ ਦੇ ਦਿਤਾ ਸੀ ?

ਸਮੂਹਕ ਵਿਕਾਸ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਨਹੀਂ, ਇਸ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਪੰਚ, ਸਰਪੰਚ law and order ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਲਈ ਬਣਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਅਗਰ ਉਹ ਆਪ ਹੀ ਇਹ ਖਰਾਬ ਕਰਨ ਲਗ ਪੈਣ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ straight away remove ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ remove ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਵਾਬ ਤਲਬੀ ਕੀਤੀ ? ਕੋਈ ਨੋਟਿਸ ਦਿਤਾ ?

ਮੰਤ੍ਰੀ : Enquiry D. C. ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਪਾਸ report ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਆਦਮੀ undesirable ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ remove ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਸਰਕਾਰ D. C. ਤੋਂ report ਆਉਣ ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਆਪਣੇ ਤੌਰ ਤੇ ਵੀ enquiry ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਤੇ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ ?

ਮੰਤ੍ਰੀ : ਸਭ ਕੁਝ ਵੇਖ ਕੇ remove ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਤੇ rely ਕਰਦੀ ਹੈ ਜੋ public men ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਝੂਠੇ ਮੁਕਦਮੇ ਰਜਿਸਟਰ ਕਰਦੇ ਹਨ ?

Mr. Speaker : It is not a supplementary question.

ਸਰਦਾਰ ਹਰਗੁਰਨਾਦ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਚਾਂ, ਸਰਪੰਚਾਂ ਤੇ law and order maintain ਕਰਨ ਦੀ duty ਆਇਦ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ Act ਦੀ ਕਿਸ ਦਫ਼ਾ ਦੇ ਹੇਠ ਆਇਦ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ?

ਮੰਤ੍ਰੀ : ਦਫਾ 102 ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਵੇਖ ਲਉ।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या सरकार एक अच्छा माहौल पैदा करने के लिए जिन लोगों को सफेद पोशी वगैराह से remove किया गया, उन को बहाल करने का इरादा रखती है?

ਮੰਤ੍ਰੀ : ਹੁਣ ਤਾਂ ਨਵੀਆਂ elections ਹੋ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ ਇਸ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। (*Interruption*)

CONSTRUCTION OF PANCHAYAT GHAR AT CHANDIGARH

***6925. Sardar Dhanna Singh Gulshan** : Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that collections at the rate of Rs. 75 from each Panchayat were made in 1960, for constructing a 'Panchayat Ghar' or 'Panchayat Bhawan' in Chandigarh ;

(b) if reply to part (a) above be in the affirmative, the details of the amounts collected, districtwise ;

(c) the number of the Sector in Chandigarh where the said 'Panchayat Ghar' or 'Panchayat Bhavan' has been, or is proposed to be constructed ;

(d) the total amount spent or proposed to be spent on the construction mentioned in part (c) above ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) Collections at the rate of Rs 50 per Panchayat are being made. The Panchayats which have got sufficient funds are, however, asked to contribute at the rate of Rs. 100 per Panchayat.

(b) The districtwise amounts of the collections so far made are given in the statement laid on the Table of the House.

(c) Sector 18.

(d) Rs 4.85 lacs are proposed to be spent.

STATEMENT

		Amount collected
		Rs.
(1) Patiala	..	11,096.00
(2) Sangrur	..	6,150.00
(3) Jullundur	..	2,190.00
(4) Hoshiarpur	..	8,000.00

[Deputy Minister]

(5) Ferozepore	..	16,800.00
(6) Ludhiana	..	15,847.37
(7) Kapurthala	..	6,770.00
(8) Amritsar	..	4,194.97
(9) Kangra	..	11,025.00
(10) Gurdaspur	..	4,300.00
(11) Bhatinda	..	6,570.00
Total	..	92,943.34

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਇਸ sufficient amount ਦੀ ਹਦ ਮੁਕੱਰਰ ਹੈ ?

Mr. Speaker : This has already been replied to.

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਪੰਚਾਇਤ ਪਾਸ sufficient funds ਹੋਣਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪੈਸੇ ਲਵਾਂਗੇ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਸ ਦੀ ਕੋਈ limit ਮੁਕੱਰਰ ਹੈ ?

ਸਮੂਹਕ ਵਿਕਾਸ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਇਹ ਤਾਂ ਪਤਾ ਹੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਪੰਚਾਇਤ ਦੀ ਆਮਦਨ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ ਤੇ ਕਿਸ ਦੀ ਘਟ । ਕਈ ਅਜਿਹੀਆਂ ਵੀ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨ 4, 5 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ 100 ਰੁਪਿਆ ਲਵਾਂਗੇ ਤੇ ਜੋ ਗਰੀਬ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਹੋਣਗੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ 50 ਰੁਪਏ ਲਵਾਂਗੇ ।

CONSTRUCTING PANCHAYATS REST-HOUSES

***6927. Shri Nihal Singh** : Will the Minister for Community Development be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government for constructing Panchayat Rest-houses at tehsil and district headquarters in the State ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : No proposal for the construction of Panchayat Rest-houses at tehsil and district headquarters in the State is under consideration of Government.

DEVELOPMENT OF SPORTS IN THE STATE

***6526. Shri Rup Singh Phul** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the amount allocated for the development of sports in the State and in district Kangra, separately, during the years 1959-60 and 1960-61 ;

(b) the number of playgrounds constructed for academic Institutions in Kangra District during the period referred to in part (a) above ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) (i) In the year 1959-60, a sum of Rs. 3,52,500 was allocated in the State for Development of Sports.

(ii) Rs. 3,000 was sanctioned for Kangra District for setting up playgrounds. During the current financial year, i.e., 1960-61, it is proposed to spend a sum of Rs. 6,66,000 by the end of this year. Sanction of grants to various districts is being finalised.

(b) During 1959-60 a sum of Rs. 3,000 was allocated for setting up three playgrounds. So far a sum of Rs. 450 has been sanctioned to one educational institution for the said purpose during the current financial year. It is proposed to grant Rs. 10,742 to non-educational institutions and Rs. 3,500 to educational institutions, further during the current year.

Shri Rup Singh Phul : May I know , Sir, the reasons for the meagre allotment of funds for the construction of playgrounds in the district of Kangra ?

उप मन्त्री : जैसे जैसे proposals आती हैं या demands आती हैं उस के मुताबिक assessment कर के वहां से रक्में दे दी जाती हैं ।

श्री रूप सिंह फूल : क्या इस fund में से वहां पर कोई play-ground बनाई गई है ?

उप मंत्री : इस के लिए separate notice चाहिए ।

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਕੀ Deputy Minister ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕੋਈ sports college ਖੋਲਣ ਦਾ ਵੀ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ?

उप मंत्री : हां जी, proposal है ।

Mr. Speaker : It is a specific question. I, however, wonder whether the hon. Deputy Minister will be able to give his reply without the relevant file.

CONSTRUCTION OF QUARTERS FOR LADY TEACHERS IN KANGRA DISTRICT

***6525. Shri Rup Singh Phul :** Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) the total amount allocated and utilized, separately, for the construction of quarters for lady teachers in district Kangra during the years 1959-60 and 1960-61 ;

(b) the number of quarters referred to in part (a) above constructed so far as well as of those likely to be constructed by the end of the current financial year ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : (a) No amount was allocated for the construction of quarters for lady teachers in Kangra District during 1959-60 and 1960-61.

(b) Does not arise.

श्री रूप सिंह फूल : क्या Deputy Minister साहिब बताएंगे कि lady teachers के quarters बनाने के लिए जब instructions हैं तो फिर उस के लिए amount क्यों नहीं allocate की गई ?

उप मंत्री : हमें तो Education Department वाले जब पैसे देते हैं तब हम उन के लिए houses बना देते हैं ।

श्री रूप सिंह फूल : क्या मैं जान सकता हूं कि lady teachers के लिए quarters बनाने की जो proposal थी वह drop हो चुकी है ?

Deputy Minister : This matter concerns the Education Department, Sir.

Shri Prabodh Chandra : Let then the Minister for Education reply.

Mr. Speaker : The Minister for Education is not bound to answer the question. This is not necessarily the procedure.

श्रीमती ओम प्रभा जैन : क्या मिनिस्टर साहिब बतलाएंगे कि क्या ऐसी कोई proposal है कि Central Government lady teachers के मकान बनाने में aid दे रही है?

उप मंत्री : हमें तो पंजाब का Education Department allot करता है, इसलिए हम उसके मुताबिक ही काम करते हैं ।

CONSTRUCTION OF APPROACH ROAD FROM G. T. ROAD TO VILLAGE KANECH

*6869. **Sardar Ramdayal Singh** : Will the Minister for Public Works be pleased to state whether it is a fact that approach road from G. T. Road to village Kanech in tehsil and district Ludhiana is under construction; if so, the distance thereof and the date when construction work thereon was started ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : Yes. The length of the approach road is 4,427 feet. The work was commenced on the 15th of January, 1961.

श्री राम प्यारा : जनाब, मुझे एक साल से ऊपर हो गया है देखते देखते । मैं पूछना चाहता हूं कि यह date जनवरी 1961 है या 1960 ?

श्री अध्यक्ष : No such supplementary please. मैं यह नहीं बर्दाश्त करूंगा । (I would not tolerate such questions.)

ROAD LINK BETWEEN BHIKHIWIND MANDI AND CERTAIN VILLAGES IN TEHSIL PATTI

*6919. **Sardar Gurwaryam Singh :** Will the Minister for Public Works be pleased to state whether there is any scheme under the consideration of Government to connect Bhikhiwind Mandi in Patti Tehsil, district Amritsar, by pacca roads with villages Banka Dal, Wan, Basarka and Rajoke in tehsil Patti ; if so, the time by which it is likely to be implemented ?

Chaudhri Suraj Mal : No.

STARRED QUESTION NO. 6920

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਸਵਾਲ ਪਹਿਲਾ ਵੀ ਆਇਆ ਸੀ ਅਤੇ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਪੱਟੀ ਦੇ ਵਿਚ college ਬਣੇਗਾ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦੇ postpone ਕਰਨ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब उसमें बड़ी लम्बी चौड़ी labour तो involved नहीं है........

Mr. Speaker : This is the second time that this question has been postponed. I will enquire the reasons therefor.

OPENING OF AN ENGINEERING COLLEGE IN HINDI REGION

*6945. **Shrimati Om Prabha Jain :** Will the Minister for Public Works be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to open an Engineering College in the Hindi Region, in collaboration with the Central Government ; if so, where and the time by which it is likely to be opened ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : (a) Yes.

(b) Under consideration.

(c) During the Third Five Year Plan.

श्रीमती ओम प्रभा जैन : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बतलायगें कि उन के पास यह कालिज कितनी जगहों पर खोलने की तजवीज़ें आई हैं और गवर्नमैंट इसे कहां खोलना चाहती है ?

उप मंत्री : यह हिन्दी रिजन में खोला जायेगा लेकिन जगह के बारे में अभी फैसला नहीं हुआ।

श्रीमती ओम प्रभा जैन : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब यह बता सकते हैं कि कहां कहां इसे खोलने की तजवीज़ है ? आप दो चार जगहों के नाम ही बता दें।

उप मंत्री : इस वक्त यह under consideration है और अभी इस बारे में कुछ भी नहीं बताया जा सकता ।

HOUSE BUILDING LOANS IN KANGRA DISTRICT

***6668. Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Public Works be pleased to state the amount allotted to Kangra District for disbursement as loans under the Low-Income Group and Middle-Income Group Housing Schemes together with the amounts actually disbursed under these schemes during the years 1959-60 and 1960-61 up to date ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : A statement is laid on the Table.

STATEMENT

Year	Amount allocated	Amount disbursed	REMARKS
	Low-Income Group Housing Scheme		
	Rs	Rs	
1959-60 ..	3,40,400	3,17,474	22,926 lapsed
1960-61 ..	3,50,000 (including 1,50,000 for Lahaul Spiti)	2,95,360	The remaining amount is expected to be disbursed before the close of the current financial year.
	Middle-Income Group Housing Scheme		
1959-60 ..	35,000	35,000	..
1960-61 ..	56,000	6,000	A sum of Rs 50,000 has been surrendered by Deputy Commissioner Kangra as there is no demand for loans under this scheme.

AMOUNTS DISBURSED UNDER THE LOW-INCOME GROUP AND MIDDLE-INCOME GROUP HOUSING SCHEMES

***6946. Shrimati Om Prabha Jain :** Will the Minister for Public Works be pleased to state whether any amounts were disbursed in the State under the Low-Income Group and Middle-Income Group Housing Schemes in the last four years, i.e., 1957-58, 1958-59, 1959-60 and 1960-61 ; if so, how much in each case ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : A statement is attached.

STATEMENT

Name of the Scheme	Amount disbursed (in lacs of rupees) 1957-58	1958-59	1959-60	1960-61 (up to 31st December, 1960)
1. Low-Income Group Housing Scheme ..	56.96	82.50	105.47	17.65
2. Middle Income Group Housing Scheme	..	..	26.08	24.92

APPOINTMENTS OF EMPLOYEES IN THE PUNJAB PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT

***6538. Sardar Atma Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of employees of different categories in the Punjab Public Relations Department in each district during the current year with their ages, qualifications, experience, pay, dates of appointments and the nature of work assigned to each of them ;

(b) whether the posts of the employees referred to in part (a) above were advertised before being filled ; if so, when ; if not, the reasons therefor ;

(c) whether the employees referred to in part (a) above were found medically fit for their jobs ; if not, the reasons why they were appointed ?

Shri Hans Raj Sharma (Chief Parliamentary Secretary) : The information is laid on the Table of the House.

[Chief Parliamentary Secretary]

INFORMATION REGARDING APPOINTMENT OF EMPLOYEES IN THE PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT

Serial No.	Name of offcer/ official appointed during the current year (1960-61)	Designation	Age	Qualifications	Experience
1	2	3	4	5	6
					HISSAR
1	Shrimati Savita Sharma	Lady Organiser	Years 26	Prabhakar, Matric English only	Teachress
2	Shri Ghansham Dass	Supervisor	25	B.A.	New Hand
3	Shri Narendra Kumar	Drama Inspector	25	F.A.	A member of Dramatic Party, Bhatinda
4	Shri Tarsem Lal	Actor ..	26	Under Matric	New Hand
5	Shri Munshi Ram	Do ..	23	Ditto	An old Actor of Drama Party, Rohtak
6	Shri Ved Parkash	Do ..	23	Rattan	A professional musician
7	Shri Rajinder Kumar	Do ..	21	Matric	New Hand
8	Shri Darshan Lal	Tabalchi ..	24	Knows Hindi	Ditto
9	Shri Dayal Singh	Rural Publicity Worker	51	Giani	A Social Worker and Political Sufferer
					ROHTAK
1	Miss Raj Chowla	Lady Organiser	24	M.A., B.T.	New Hand
2	Shri Kehri Singh Sharma	Actor	25	Primary	3 years' experience as Actor in the Department
3	Shri Virandra Singh	Do	19	Matric	New Hand
4	Shri Ishwar Dayal	Peon	24	Primary	Ditto
5	Shri Kewal Singh	Bhajnik	32	Middle	Ditto

Pay	Date of appointment	Nature of work assigned to each	Whether the posts of employees were advertised before being filled; if so, when, if not; the reasons thereof	Whether the employees were found medically fit for their jobs; if not, the reasons why they were appointed
7	8	9	10	11
Rs				
150.00	11-7-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service Commission/Subordinate Services Selection Board	Yes
250.00	27-10-60	Ditto	Ditto	Do
100.00	24-8-60	Drama Shows	Yes. Posts advertised in April, 1960, by Subordinate Services Selection Board	Do
50.00	24-7-60	Ditto	Ditto	Do
50.00	26-7-60	Ditto	Ditto	Do
50.00	27-7-60	Ditto	Ditto	Do
50.00	26-8-60	Ditto	No. Appointed through Employment Exchange	Do
50.00	27-8-60	Ditto	Ditto	Do
79.50	5-1-61	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Subordinate Services Selection Board	Not required being Contingent paid Servant
150.00	12-7-60	Ditto	No. Exempted from recruitment through Subordinate Services Seleection Board/Public Service Commission	Yes
50.00	27-5-60	Drama Shows	No. Through Emloyment Exchange	Do
50.00	2-1-61	Ditto	Ditto	Do
30.00	..	Office Peon	Ditto	Do
215.00	1-10-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Subordinate Services Selection Board	No. Contingent paid Servant. Medical Examination not necessary.

[Chief Parliamentary Secretary]

Serial No.	Name of officer/official appointed during the current year (1960-61)	Designation	Age	Qualifications	Experience
1	2	3	4	5	6
6	Shri Munshi Ram	Dholkia	years 45	Primary	New hand
7	Shri Banwari Lal	Chimtia	22	Do	Ditto
					GURGAON
1	Mrs. Tara Devi	Organiser	32	Matric	New Hand
2	Shri Madan Singh	Rural Publicity Worker	20	F.Sc.	Ditto
3	Shri Habib Khan	Ditto	30	Under Matric	Ditto
					KARNAL
1	Shri Balbir Prashad Kapoor	Publicity Supervisor	28	B.A.	New hand
2	Miss Saroj Bhagat	Publicity Organiser	22	F.A.	Ditto
3	Shri Naurang Dass	Rural Publicity Worker	32	Primary	Ditto
					AMBALA
1	Miss Sushma Sharma	Lady Supervisor	22	B.A.,B.T.	New Hand
2	Shrimati Amarjit Kaur	Rural Publicity Organiser	28	B.A.	Dit ɔ
3	Shri Subash Narula	Ditto	23	B.A., J.D.	Ditto
4	Shrimati Indrawati Jain	Rural Publicity Worker	41	Middle	Ditto
					KANGRA
1	Shrimati Daya Kumari	Publicity Supervisor	30	Matric ..	6 years' experience as L.S.E.O, in Development Department
2	Shrimati Gayatri Devi	Ditto	40	Do ..	New hand

Pay	Date of appoint-ment	Nature of work assigned to each	Whether the posts of employees were advertised before being filled; if so, when; if not, the reasons thereof	Whether the employees were found medically fit for their jobs; if not, the reasons why they were appointed
7	8	9	10	11
Rs 70.00	1-10-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Subordinate Service Selection Board	Contingent paid Servant. Medical examination not necessary
40.00	1-10-60	Ditto	Ditto	Ditto
150.00	15-7-60	Ditto	Ditto	Yes
79.50	3-11-60	Ditto	Ditto	Not required being contingent servant
70.50	24-12-60	Ditto	Ditto	Ditto
250.00	2-11-60	Ditto	Ditto	Yes
150.00	8-11-60	Ditto	Ditto	Do
79.50	6-5-60	Ditto	Ditto	No. Contingent paid servant. Medical examination not necessary
250.00	11-7-60	Ditto	Ditto	Yes
150.00	12-7-60	Ditto	Ditto	Do
150.00	24-10-60	Ditto	Ditto	Do
79.50	2-11-60	Ditto	Ditto	Contingent paid servant. Medical Examination not required
250.00	16-7-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service Commission/Subordinate Services Selection Board	Yes
250.00	28-11-60	Ditto	Ditto	Do

[Chief Parliamentary Secretary]

Serial No.	Name of officer/ official appointed during the current year (1960-61)	Designation	Age	Qualifications	Experience
1	2	3	4	5	6
			Years		
3	Shri Vishwa Mitter Sharma	Publicity Organiser	26	B.A.	New hand
4	Shri Kummiker Singh	Radio Mechanic	23	Matric. Diploma in Radio	Ditto
5	Shri Lachhi Ram	Rural Publicity Worker	44	Matric	Ditto
6	Shri Sant Ram ..	Ditto	40	Literate	Ditto
7	Shri Raj Rani Bali	Ditto	36	Do	Ditto
					HOSHIARPUR
1	Shri Khushi Ram Shukla	Publicity Organiser	50	Under Matric	New Hand
2	Shrimati Bhupinder Kaur	Ditto	30	Matric	Ditto
3	Shri Narinder Kiran	Stage-master	20	Middle	Ditto
4	Shri Ram Lal ..	Tabla-master	25	Under Matric	Ditto
5	Shri Gurdev Sahni	Actor ..	26	Matric	Ditto
6	Shri Mohinder Singh	Do ..	21	Do	Ditto
7	Shri Lalit Kumar	Do ..	18	Do	Ditto
8	Shri Milkhi Ram	Do ..	25	Do	Ditto
9	Shri Satinder Singh	Do ..	17	Under Matric	Ditto
10	Shri Luxmi Chand	Tourist Officer	30	M.A.	Incharge Tourist Information Bureau
11	Shri Baldev Singh	Rural Publicity Worker	38	Middle	New Hand

Pay	Date of appointment	Nature of work assigned to each	Whether the posts of employees were advertised before being filled; if so, when; if not, the reasons thereof	Whether the employees were found medically fit for their jobs; if not, the reasons why they were appointed
7	8	9	10	11
Rs 150.00	4-12-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service Commission and Subordinate Services Selection Board.	Yes
70.00	12-9-60	Radio Repairs	Yes. Advertised in May, 1960, by Subordinate Services Selection Board.	Do
79.50	29-7-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service Commission/Subordinate Services Selection Board.	No. Contingent-paid servant Medical Examination not necessary.
79.50	5-10-60	Ditto	Ditto	Ditto
79.50	16-12-60	Ditto	Ditto	Ditto
150.00	4-7-60	Ditto	Ditto	Yes
150.00	17-8-60	Ditto	Ditto	Do
50.00	4-8-60	Drama Shows	No. Employed through local Employment Exchange.	On three months basis. Hence not got medically examined.
50.00	26-7-60	Ditto	Yes. Advertised in April, 1960, by Subordinate Serivces Selection Board.	Yes
50.00	28-7-60	Ditto		Do
50.00	27-7-60	Ditto		Do
50.00	26-7-60	Ditto		Do
50.00	27-7-60	Ditto		Do
50.00	28-8-60	Ditto	No. Recruited through Employment Exchange.	On three months basis. Hence not got medically examined.
250.00	16-5-60	Incharge Tourist Information Bureau	Yes. Advertised in February, 1960, by the Public Service Commission.	Yes
79.50	2-5-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Subordinate Services Selection Board.	Contingent paid servants. Not got medically examined.

[Chief Parliamentary Secretary]

Serial No.	Name of officer/official appointed during the current year (1960-61)	Designation	Age	Qualifications	Experience
1	2	3	4	5	6
			years		
12	Shri Arjan Singh	Rural Publicity worker	38	Middle	New hand
13	Shri Hazara Singh	Ditto	38	Do	Ditto
14	Shri Surinder Kumar	Harmonium Master	23	Matric	Ditto
					JULLUNDUR
1	Shri Sukhpal Vir Singh	Publicity Supervisor	23	M.A.	Worked as a Professor
2	Shri S. K. Sarur	Ditto	40	Matric	Worked as an Editor in various newspapers
3	Shri Arjan Singh	Publicity Organiser	35	Matric	New hand
4	Shrimati Sudesh Kumari	Ditto	21	B.A., B.Ed.	Ditto
5	Shri Hem Raj Sharma	Stage-master at present Drama Inspector	30	Under Matric	14 years' experience in drama line
					LUDHIANA
1	Shri Bal Krishan Moudgil	Publicity Organiser	30	Matric	3½ years as Secretary B.S.S., Ludhiana
2	Shri Ram Singh with three members	Dhadi Jatha Leader	40	Under Matric	New hand
3	Shri Sher Singh	R.P.W. ..	45	Lower Middle	Ditto
4	Shri Kehar Singh	Ditto	40	Giani plucked	Ditto
5	Shri Padma Chhibber	Ditto	20	Matric	Ditto

Pay	Date of appointment	Nature of work assigned to each	Whether the posts of employees were advertised before being filled; if so, when; if not, the reasons thereof ?	Whether the employees were found medically fit for their jobs; if not, the reasons why they were appointed
7	8	9	10	11
Rs 79.50	9-6-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Subordinate Services Selection Board	Contingent paid servant. Not got medically examined
79.50	18-8-60	Ditto	Ditto	Ditto
50.00	23-12-60	Drama Show	No. Recruited through the Employment Exchange	No. Being short-term vacancy
250.00	10-10-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service Commission/Subordinate Services Selection Board	Yes
250.00	19-10-60	Attached with Radio and Press Liaison Officer for press publicity	Ditto	Do
150.00	19-10-60	Field Publicity	Ditto	Do
150.00	9-7-60	Ditto	Ditto	Do
80.00 at present 140.00	4-8-60	Drama Shows	No. Appointed through Employment Exchange	No. Being short-term vacancy
150.00	10-10-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service Commission/Subordinate Services Selection Board	Yes
400.00	10-10-60	Ditto	Ditto	No. Being contingent-paid servants medical examination not necessary
79.50	6-8-60	Ditto	Ditto	Ditto
79.50	12-8-60	Ditto	Ditto	Ditto
79.50	29-9-60	Ditto	Ditto	Ditto

[Chief Parliamentary Secretary]

Serial No.	Name of officer/official appointed during the current year (1960-61)	Designation	Age	Qualifications	Experience
1	2	3	4	5	6
			Years		
					FEROZEPORE
1	Shri Swaran Singh Randhawa	Publicity Supervisor	36	B.A.B.T. ..	New hand
2	Shri Rajinder Kumar Sharma	Ditto	23	B.A. ..	Ditto
3	Shrimati Laj Rani Singla	Publicity Organiser	30	Hindi Rattan ..	Ditto
					AMRITSAR
1	Shri Puran Singh	Publicity Supervisor	49	Literate ..	New hand
2	Shri SwaranSingh	Publicity Organiser	26	F. A. ...	Ditto
3	Shri Charan Singh	Drama Inspector	29	B.A. ..	Ditto
4	Shri Sarjit Singh	Harmonium master	23	Middle ..	Ditto
5	Shri Gurdev Singh	Actor	24	Do ..	Ditto
6	Shri Chaman Lal	Do	27	Do ..	Ditto
7	Shri Ajaib Singh	Do	18	Matric ..	Ditto
8	Shri Swaran Dass	Do	19	Do ..	Ditto
9	Shri Pran Nath ..	Do	30	Middle ..	Ditto
10	Shri Jang Bahadur Singh	Do	19	Under Matric ..	Ditto
11	Shri Sudesh Kumar	Tabalchi ..	19	Middle ..	Ditto
					GURDASPUR
1	Shri B. K. Mathur	Reception Officer	22	B.A. ..	New Hand

Pay	Date of appointment	Nature of work assigned to each	Whether the posts of employees were advertised before being filled; if so, when; if not, the reasons thereof ?	Whether the employees were found medically fit for their jobs; if not, the reasons why they were appointed
7	8	9	10	11
Rs				
250.00	21-6-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service Commission/Subordinate Services Selection Board	Yes
250.00	21-9-60	Ditto	Ditto	Do
150.00	13-7-60	Ditto	Ditto	Do
250.00	10-10-60	Ditto	Ditto	Do
150.00	30-6-60	Ditto	Ditto	Do
100.00	1-8-60	Drama Shows	Yes. Posts advertised in April, 1960 by Subordinate Services Selection Board	Do
50.00	22-7-60	Ditto	Ditto	Do
50.00	27-7-60	Ditto	Ditto	Do
50.00	25-7-60	Ditto	Ditto	Do
50.00	26-7-60	Ditto	Ditto	Do
50.00	28-7-60	Ditto	Ditto	Do
50.00	25-11-60	Ditto	No. Appointed through Local Employment Exchange	No. Being short-term vacancy
50.00	25-11-60	Ditto	Ditto	Ditto
50.00	2-11-60	Ditto	Ditto	Ditto
150.00	13-8-60	Tourism ..	No. Recruited through Employment Exchange	Yes

[Chief Parliamentary Secretary]

Serial No.	Name of officer/ official appointed during the current year (1960-61)	Designation	Age	Qualifications	Experience
1	2	3	4	5	6
			Years		
2	Shri Phagu Ram	Publicity Worker	34	Middle ..	Congress Social Worker
					PATIALA
1	Shri Sawinder Singh Gill	Publicity Supervisor	28	B.A.B.Ed. ..	Ex.—Principal National College Tarn Taran
2	Shri Harpal Singh Bedi	Ditto	45	Matric, Giani ..	New hand
3	Shri Gurcharan Singh Kohli	Publicity Organiser	37	Matric ..	Ditto
4	Shri Bhanu Dial	Publicity Worker	51	Under Matric ..	Ditto
5	Shri Dalip Singh	Ditto	37	Matric ..	Ditto
6	Mrs. Jaswant Kaur	Ditto	42	Middle ..	Ditto
7	Shri Joginder Singh	Leader Dhadi Jatha	35	Lower Middle ..	Ditto
8	Shri Mohinder Singh	Member ..	42	Literate ..	Ditto
9	Shri Darshan Singh	Do	38	Do ..	Ditto
10	Shri Bhagwan Singh	Do	40	Do ..	Ditto
					KAPURTHALA
1	Mrs. Raminder Kaur	Publicity Organiser	24	B.A. ..	Social Worker
2	Shri Kartar Singh	Rural Publicity Worker	40	Matric ..	Ditto

Pay	Date of appointment	Nature of work assigned to each	Whether the posts of employees were advertised before being filled; if so, when; if not, the reasons thereof ?	Whether the employees were found medically fit for their jobs; if not, the reasons why they were appointed
7	8	9	10	11
Rs				
79.50	21-9-60	Rural Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service Commission/Subordinate Services Selection Board	No. Contingent paid servant. Medical examination not necessary
250.00	18-6-60	Ditto	Ditto	Yes
250.00	10-10-60	Ditto	Ditto	Do
150.00	10-10-60	Ditto	Ditto	Do
79.50	17-8-60	Ditto	Ditto	No. Contingent paid servant. Medical examination not required
79.50	23-7-60	Ditto	Ditto	Ditto
79.50	5-9-60	Ditto	Ditto	Ditto
100.00	3-12-60	Ditto	Ditto	No. Contingent paid Government servant. Medical examination not required
75.00	3-12-60	Ditto	Ditto	Ditto
75.00	3-12-60	Ditto	Ditto	Ditto
75.00	3-12-60	Ditto	Ditto	Ditto
150.00	8-7-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service Commission/Subordinate Services Selection Board	Yes
79.50	16-6-60	Ditto	Ditto	No. Contingent paid servant. Medical examination not necessary

[Chief Parliametary Secretary]

Serial No.	Name of officer/ official appointed during the current year (1960-61)	Designation	Age	Qualifications	Experience
1	2	3	4	5	6
			year		
3	Shrimati Krishan Piari	Rural Publicity worker	36	Matric and Basic	social worker
4	Shri Harbans Singh	Ditto	56	Matric ..	Ditto
5	Shri Piara Singh	Ditto	40	Lower Middle	Ditto
6	Shri Gainda Singh	Dhadi ..	54	Read and write Punjabi	Ditto
7	Shri Lashkar Singh	Do	27	Ditto	Ditto
8	Shri Harbhajan Singh	Do	21	Ditto	Ditto
9	Shri Tarsem Singh	Do	21	Ditto	Ditto
					SANGRUR
1	Shri Mohan Singh	Supervisor	28	B.A. ..	Social Worker
2	Shrimati Prem Lata	Do ..	25	M.A.,B.T.	Ditto
3	Shrimati Prem Kaur	Organiser ..	40	Under Matric ..	..
4	Shrimati Harinder Kaur	Supervisor	21	F.A. ..	..
					BHATINDA
1	Shri Chander Prakash	Supervisor	24	B.A. ..	..
2	Shri Bhag Singh	Rural Publicity Worker	50	Literate ..	..
					NARNAUL
1	Shri Raja Ram Mehindiritta	Clerk ..	21	Matric ..	New Hand
2	Shri Drashan Singh Swami	Supervisor ..	45	Under Graduate	Ditto
3	Shrimati Satyawati	Organiser ..	22	B.A. ..	Ditto
4	Shri Parbhu Dayal Gupta	Do	35	Middle ..	Ditto
5	Shri Ram Paul ..	Rural Publicity Worker	40	Literate ..	Ditto

Pay	Date of appointment	Nature of work assigned to each	Whether the posts of employees were advertised before being filled; if so, when; if not, the reasons thereof ?	Whether the employees were found medically fit for their jobs; if not, the reasons why they were appointed
7	8	9	10	11
Rs 79.50	18-7-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service commission and Subordinate Services Selection Board.	No. Contingent paid servant. Medical Examination is not necessary.
79.50	16-8-60	Ditto	Ditto	Ditto
79.50	9-11-60	Ditto	Ditto	Ditto
100.00	16-1-61	Ditto	Ditto	Ditto
75.00	16-1-61	Ditto	Ditto	Ditto
75.00	16-1-61	Ditto	Ditto	Ditto
75.00	16-1-61	Ditto	Ditto	Ditto
250.00	27-6-60	Ditto	Ditto	Yes
250.00	11-7-60	Ditto	Ditto	Do
150.00	22-8-60	Ditto	Ditto	Do
250.00	29-12-60	Ditto	Ditto	Do
250.00	27-6-60	Ditto	Ditto	Do
150.00	18-8-60	Ditto	Ditto	No. Contingent paid servant. Medical Examination is not necessary.
60.00	19-8-60	Clerical Work	No. Qualified candidate of Subordinate Services Selection Board.	Yes
250.00	10-10-60	Field Publicity	No. Exempted from recruitment through Public Service Commission/Subordinate Services Selection Board.	Do
150.00	18-8-60	Ditto	Ditto	Do
150.00	9-1-60	Ditto	Ditto	Do
79.50	9-12-60	Ditto	Ditto	No. Contingent paid servant. Medical Examination is not necessary

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਨੂੰ ਜੋ list ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਦਿਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ Public Relations Department ਵਿਚ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਜੋ appointments ਕੀਤੀਆਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਭਾਰੀ ਗਿਣਤੀ ਐਸੇ staff ਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜਾ contingent paid staff ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਤਨਾ contingent paid staff ਰਖਣ ਦੀ ਕਿਉਂ ਲੋੜ ਪਈ ?

चीफ़ पार्लियामैंट्री सैक्रेटरी : यह इस लिये ज़रूरत पड़ती है क्योंकि इस State में कभी कभी agitations होती रहती हैं और यह staff जल्दी में रखा जा सकता है।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਕਿਉਂਕਿ agitations ਹੁੰਦੀਆਂ ਨੇ ਇਸ ਲਈ ਇਹ staff ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਅਮਰ ਵਾਕਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਕੇਵਲ ਅਕਾਲੀ agitation ਦਾ ਬਹਾਨਾ ਬਣਾ ਕੇ ਰਖੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਸਾਰੇ ਕਾਂਗਰਸੀ ਵਰਕਰ ਹਨ ?

Mr. Speaker: It is not a supplementary question.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਹ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦਾ medical examination ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ contingent paid staff ਵਿਚ ਐਸੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਰਖਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੈ ਜਿਹੜੇ T. B. ਦੇ patients ਹੋਣ ?

Mr. Speaker: I have not been able to follow your supplementary question.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਿਆ ਹੈ ਜੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੋ ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਇਹ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ contingent paid staff ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਰਖੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ medical examination ਨਹੀਂ ਕਰਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਕੀ ਇਸ staff ਵਿਚ T. B. ਦੇ ਮਰੀਜ਼ ਤੇ ਦੂਜੀਆਂ ਐਸੀਆਂ ਬੀਮਾਰੀਆਂ ਦੇ ਮਰੀਜ਼ ਵੀ ਰਖ ਲਏ ਜਾਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੈ ?

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਸ ਦੀ ਕਾਹਦੀ ਫਿਕਰ ਹੈ ? ਇਹ ਤਾਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ। (The hon. Member need not worry about that as it is the headache of the Government.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਜਿਹੜੀ list ਮੈਨੂੰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਪੂਰਥਲਾ ਦੀ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਨੰਬਰ 4 ਤੇ ਇਕ ਸ਼੍ਰੀ ਹਰਬੰਸ ਸਿੰਘ ਦਾ ਨਾਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਉਮਰ 56 ਸਾਲ ਦੀ ਹੈ ਔਰ ਉਹ T. B. ਦਾ ਮਰੀਜ਼ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਇਸ ਲਈ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਾਂਗਰਸ ਕਮੇਟੀ ਦਾ secretary ਸੀ। ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ secretary ਨੂੰ post ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਭਾਵੇਂ ਉਹ T. B. ਦਾ ਮਰੀਜ਼ ਹੀ ਹੋਵੇ ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਹਾਡਾ supplementary question ਬਣਦਾ ਨਹੀਂ । (But it is not a supplementary question.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਹਰਬੰਸ ਸਿੰਘ ਜਿਹੜਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਾਂਗਰਸ ਕਮੇਟੀ ਦਾ secretary ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ service ਵਿਚ ਰਖ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹਾਲਾਂਕਿ ਉਹ T. B. ਦਾ ਮਰੀਜ਼ ਸੀ, ਕੀ ਉਸ ਨੂੰ ਇਸੇ ਲਈ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਾਂਗਰਸ ਕਮੇਟੀ ਦਾ secretary ਸੀ ?

Mr. Speaker: There is no mention that the medical examination has not been done.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਅਮਰ ਵਾਕਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਹਰਬੰਸ ਸਿੰਘ ਦਾ medical examination ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ?

श्री अध्यक्ष : यह बता दीजिये जी । (The hon. Minister may reply to this supplementary).

चीफ़ पार्लियामेंट्री सैक्रेटरी : क्योंकि contingent paid staff को जल्दी में रखना पड़ता है इस लिये उन्हें medical examination से exempt किया हुआ है ।

Mr. Speaker : The allegation made is that he is suffering from T.B.

Chief Parliamentary Secretary : It is entirely wrong, Sir.

डाक्टर बल्देव प्रकाश : जब कोई Medical Examination ही नहीं हुआ तो किस बिना पर कह सकते हैं कि 'entirely wrong' है ?

Chief Parliamentary Secretary : Yes, Sir. He had been a good social worker for a long time and he is still working.

Mr. Speaker: If he had been suffering from T.B. he would have expired since long.

डाक्टर बल्देव प्रकाश : क्या कोई ऐसा medical evidence है कि अगर कोई शख्स social worker हो तो उसे टी०. बी. की infection नहीं हो सकती ?

Mr Speaker: Order please.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਇਹ post ਦੇਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਾਂਗਰਸ ਕਮੇਟੀ ਦਾ Office Secretary ਸੀ ?

Mr. Speaker : It does not arise out of the main question. I cannot allow it.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਹਰਬੰਸ ਸਿੰਘ ਇਸ post ਤੇ ਆਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਬਤੌਰ Office Secretary, Congress Committee ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਸੀ ?

Mr. Speaker: Not allowed. The hon. Member should know that passing information about a matter cannot become the subject-matter of a supplementary question. He should have asked whether he held any office in some party prior to that.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਦੀ light ਵਿਚ ਉਸਦਾ ਕੋਈ medical examination ਕਰਵਾਏਗੀ ?

चीफ पार्लियामेंट्री सैक्रेटरी : अगर लम्बे period के लिए रहना होगा तो जरूर करवाएगी ।

DECLARING GADDI COMMUNITY AS BACKWARD CLASS

***6561. Shri Rup Singh Phul** : Will the Chief Minister be pleased to state whether the Gaddi Community is proposed to be included in the list of Backward Classes in the State ; if so, when ?

Shri Mohan Lal (Minister for Industries) : The Gaddi Community in Kangra District, excluding Scheduled areas of Lahaul and Spiti, has been declared as a Backward Class in the State.

RURAL UNIVERSITY IN LUDHIANA DISTRICT

***6907. Sardar Ramdayal Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether the decision to start a Rural University at Ludhiana has been taken by Government ;

(b) if answer to part (a) above be in the affirmative, the date on which this decision was taken and whether any work in this connection has been started ; if not, the reasons therefor ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) No final decision has yet been taken.

(b) Question does not arise.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ Chief Minister ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਿਚ Rural University ਖੋਲ੍ਹੀ ਜਾਏਗੀ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਉਹ ਬਗੈਰ decision ਕੀਤੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ?

AWARDS TO POLICE PERSONNEL IN THE STATE

***6681. Shri Rup Singh Phul** : Will the Chief Minister be pleased to state the number and names of the Police personnel, if any, who have been awarded or are proposed to be awarded decorations for gallantry or efficient service during the current financial year together with a brief statement of facts pertaining thereto ?

Shri Mohan Lal (Minister for Industries) : No Police Officer has been awarded any decoration medal for gallantry during the current financial year.

The following Police Officers were awarded decorations/medals by the President of India, for distinguished/meritorious services on the last Independence Day and the Republic Day :—

(a) *Independence Day*, 1960	*Awards*	*Remarks*
(i) Shri Gurdial Singh Bhuller, I.P.S., (since retired)	President's Medal for	Police and Fire Services distinguished service
(2) Shri Chhabil Lal, I.P.S., Secretary, Non-Official Vigilance Committee	Ditto	
(3) Shri Gurbhagat Singh Gill, Officiating Superintendent of Police	Police Medal for	meritorious service
(4) Shri Gurjaipal Singh, Inspector of Police	Ditto	
(5) Head Constable, Deva Singh, No. 667 of Ludhiana District	Ditto	

(b) *Republic Day*, 1961 *Awards*

(1) Shri Ajaib Singh, I.P.S., D.I.G./C.I.D., Punjab.	President's Medal for	Police and Fire Services distinguished service
(2) Shri Ranjit Singh, I.P.S., Senior Superintendent of Police, Amritsar	Police Medal for	meritorious service
(3) Shri Sampuran Singh, Officiating Deputy Superintendent of Police	Ditto	
Shri Fateh Chand, Inspector of Police	Ditto	

The statement of facts with regard to the award of decorations/medals for distinguished/meritorious services are not published by the Government of India.

As far future proposals for the award of decorations nothing can be said at the present.

Shri Rup Singh Phul : May I know whether these medals are awarded on the recommendations of the State Government ?

Minister for Industries : Yes, please. The State Government does make recommendations for this purpose.

Shri Rup Singh Phul : May I know whether the State Government makes its recommendations on the recommendations of the District Authorities where the services have been rendered ?

Mr. Speaker : It is an administrative matter, please. The hon. Member should not ask such supplementary questions.

Minister for Industries : This is not absolutely necessary that the State Government should make recommendation on the recommendations of the District Authorities.

डाक्टर बलदेव प्रकाश : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जो recommendation State Government करती है उसके क्या basis हैं ?

Minister for Industries : These are evidently meritorious services which have been mentioned therein.

श्री राम प्यारा : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि जिन अफसरान की recommendation State Government ने की उनमें से कितने case under enquiry हैं ?

Mr. Speaker : It is not fair to make such sweeping remarks against those persons who have rendered meritorious services. They are being reflected upon in this question. I am sorry I cannot allow it. Next question please.

COMPENSATION FOR FAMILIES OF DECEASED POLICE PERSONNEL

***6682. Shri Rup Singh Phul :** Will the Chief Minister be pleased to state the number and names of the Police personnel who died in encounters or otherwise while on duty during the current financial year together with the details of compensation, if any, given to their families ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : A statement is laid on the Table.

Statement showing the names of Police Officers who died while on duty during the current financial year together with the details of compensation

Serial No.	Name of the Police Officer	Details of compensation
1	Assistant Sub-Inspector Des Raj, No. 522/KNL, District Hissar	Case for family pension and death-cum-retirement gratuity is being finalized.
2	Assistant Sub-Inspector Mohinder Singh, 272/A, District Gurgaon	Compensation case is being finalized.
3	Assistant Sub-Inspector Khushbakhat Rai, No. 340, District Amritsar	(1) Paid Rs. 20,000 as compensation. (2) Sanctioned Rs. 66 per mensem extra-ordinary pension to his widow till death or re-marriage. (3) Sanctioned Rs. 10 per mensem to his daughters aged 13 and 17 years each till they attain the age of 21 years or marriage whichever is earlier.

Serial No.	Name of the Police Officers	Details of Compensation
		(4) Sanctioned Rs. 10 per mensem to his third daughter aged 2½ years from the age of 6 to 21 years or marriage whichever is earlier.
		(5) Sanctioned Rs. 20 and Rs 40 per mensem to his sons up to the age of 21 and till they pass B.A.
		(6) The other son aged 5 years will get Rs. 20 per mensem till he attains the age of 6 years and for the remaining period as to the elder son.
4	Assistant Sub-Inspector Sampuran Singh, District Amritsar	Case is under investigation.
5	Head Constable Amar Singh, District Ambala	A case regarding pension to the widow has been taken up. Rs 200 were given to the deceased's family out of the Police Welfare Fund.
6	Constable Tarlok Singh, District Amritsar	Rs. 774 and Rs 864 respectively, were given to the deceased's family as death-cum-retirement gratuity. The cases for the grant of extraordinary pension are being finalised.
7	Constable Mehar Singh, District Amritsar	
8	Constable Tota Singh, District Sangrur	Rs 742.45 nP. paid as death-cum-retirement gratuity.
9	Constable Gurbachan Singh, No. 2268, District Sangrur	Case for the grant of death-cum-retirement gratuity is under consideration.
10	Constable Puran Singh, No. 2922, District Sangrur	Ditto
11	Constable Bashir Ahmed, No. 2492, District Sangrur	Case for the grant of extraordinary pension and death-cum-retirement gratuity will be prepared in due course.

Shri Rup Singh Phul : Sir, may I know when the cases mentioned at Serial Nos. 1, 2 and 11 in the statement laid on the Table, will be finalised?

Deputy Minister : They will be finalised as soon as possible.

श्री प्रबोध चन्द्र : जो अफसरान encounter में मारे गए उन में किसी को तो पंजाब गवर्नमेंट ने 5 हज़ार और किसी को 25 हज़ार रुपया दिया । मैं यह पूछना चाहता हूं कि जब दोनों ही on duty मारे गए और दोनों का rank एक ही था तो उन के साथ differential, treatment क्यों किया गया ? नीज़ A.S.I. Faridabad के लिए 5 हज़ार और A.S.I. Amritsar के लिए 25 हज़ार, देने की क्या वजह है ?

Mr. speaker : This is not a supplementary question.

PERMITS FOR IRON AND STEEL ISSUED BY DISTRICT INDUSTRIES OFFICER, PATIALA

*6868. **Shri Ram Piara :** Will the Minister for Industries be pleased to state the total number of permits for iron and steel issued by the District Industries Officer, Patiala, on Messrs Ganga Ram Asa Ram, Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh, during the period from 1st January, 1959 to December, 1960, together with the quantity for which each permit was issued ?

Shri Mohan Lal : No permit for Iron and Steel was issued by the District Industries Officer, Patiala, on this firm during the period in question.

श्री राम प्यारा : क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि जब सारी Steel Rolling Mills को permits issue किये गये तो किसी Steel Rolling Mill को exemption देने की कौन सी वजूहात हैं ?

मंत्री : Exemption का कोई सवाल नहीं। माननीय मैम्बर ने अपने सवाल में दरियाफ़्त किया था कि क्या Industries Officer, Patiala ने कोई permit issue किया। उस का जवाब मैं ने दे दिया कि पटियाला के District Industries Officer ने नहीं किया।

श्री राम प्यारा : क्या किसी और District Industries Officer ने उस Steel Rolling Mill को permit issue किया क्योंकि उसे माल नहीं मिल रहा ?

मंत्री : यह बात गलत है कि इस को माल दिया नहीं जाता। किसी और ज़िले में ऐसा हो तो उस के लिये separate notice दें।

श्री राम प्यारा : क्या उस Rolling Mill को गवर्नमैंट के quota system के मातहत raw material दिया जा रहा है ?

Minister : I require separate notice for this question.

MISUSE OF REBATE ON HANDLOOM CLOTH IN 1955-57

*6885. **Shri Prabodh Chandra :** Will the Minister for Industries be pleased to state the action taken so far by Government against the officers who were found to have misused the rebate on handloom cloth in the State, during the years, 1955-56 and 1956-57 ?

Shri Mohan Lal : The case having been enquired into by the Vigilance Department, one of the officers has been administered warning as recommended by them. Regular inquiry before an Inquiry Officer, appointed in this behalf, is, at present, pending against the other two officers who have been placed under suspension.

श्री प्रबोध चन्द्र : गवर्नमैंट की पहली पालिसी थी कि जिन लोगों ने embezzlement की उन के खिलाफ़ cases चलाए जाएंगे। क्या गवर्नमैंट ने वह इरादा छोड़ दिया है ?

मंत्री : कौन सा इरादा ?

M . Speaker : The question of the hon. Member is not clear.

श्री प्रबोध चन्द्र : वज़ीर साहिब ने बताया है कि एक अफसर को warning administer की गई है। उन्होंने पहले बताया था कि जिन अफसरों के खिलाफ़ embezzlement के cases prove हो चुके हैं उन के खिलाफ़ cases चलाए जाएंगे । क्या गवर्नमैंट ने अपना पहला इरादा तर्क कर दिया है ?

Minister for Industries : Sir, the answer is very clear. Responsibility has been fixed upon three officers. Then the question is of relative responsibility. The responsibility of one officer has been found to be lesser than the other two and, therefore, warning has been issued to him. So far as the other two officers are concerned, a regular enquiry is pending before the Enquiry Officer and action will be taken in accordance with his findings.

श्री राम प्यारा : मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि एक अफसर को warning दी गई है ? क्या जिन दो अफ़सरों के खिलाफ़ enquiry हो रही है उन्होंने उस अफ़सर की हिदायत पर अमल नहीं किया ?

Minister for Industries : This is still the subject matter of an enquiry and it will not be proper for me to say anything at this stage when the responsibility inter-se has to be enquired into by the Enquiry Officer.

RELEASE OF AKALI PRISONERS FROM DISTRICT JAIL, JULLUNDUR

***6537. Sardar Atma Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state the total number of Akali prisoners released or transferred from the District Jail, Jullundur, during the first two weeks of November, 1960, and the name of the authority under whose orders these transfers took place ?

Shri Benarsi Dass Gupta (Deputy Minister) : Three hundred and eighty seven prisoners were released and 139 prisoners were transferred from the District Jail, Jullundur, during the first two weeks of November, 1960. The transfers were made under the orders of the Inspector-General of Prisons, Punjab.

EXTENSION OF MUNICIPAL LIMITS OF PATHANKOT MUNICIPAL COMMITTEE

***6950. Shri Prabodh Chandra :** Will the Minister for Industries be pleased to state —

(a) whether any extension in the Municipal limits of the Pathankot Municipal Committee has been made during the last two years ;

(b) whether any area lying within the extended limits has been excluded for tax purposes, if so, the reasons therefor ?

Professor Yashwant Rai (Deputy Minister) : (a) No.

(b) Does not arise.

LOANS FOR TRACTORS

*6847. **Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state the names and addresses of persons, if any, who took loans for the purchase of tractors in the State, during the period from January 1, 1960, to December 31, 1960 and the amounts thereof in each case ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : A statement giving the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Serial No.	Name and address of the loanee	Amount of loan taken
1	2	3
	AMRITSAR DISTRICT	Rs.
1	Sarvshri Raghubir Singh, Darbara Singh, Kartar Singh, sons of Shri Bela Singh and Sukhden Singh, Prem Singh, sons of Shri Hazara Singh of village Fatehgarh Sukar Chak, Tehsil and District Amritsar ..	10,000
2	Sarvshri Didar Singh, Kirpa Singh, sons of Shri Chanda Singh of village Mahmood Nagar, Tehsil Tarn Taran ..	10,000
3	Shri Gurmej Singh, son of Shri Balwant Singh, Tek Singh, Santokh Singh, Gurchet Singh, Surrinder Singh (Minor), sons of Shri Gurmej Singh and S. Balwant Singh, son of Shri Mangal Singh, village Mahmoodpura, Tehsil Patti ..	10,000
4	Sarvshri Hardeep Singh, Gurbux Singh, Harbhajan Singh, Jarnail Singh and Shri Gurdial Singh of Patti Garden Colony, Patti ..	10,000
	SANGRUR DISTRICT	
1	Sarvshri Kaur Chand, Des Raj, sons of Pt. Mam Raj, Suhel Singh, son of Bagga Singh of Dhurkot ..	7,000
2	Shri Bara Singh, President, Co-operative Farming Society, Dahlej Kalan ..	9,000
3	Shri Randhir Singh, son of Pertap Singh of Ram Nagar Sobia	7,000
4	Shri Amar Singh-Sukhdev Singh-Iqbal Singh of village Kambo Majra Khurd ..	7,000
5	Shri Lal Singh of village Bassi Arak ..	7,000
6	Shri Jagtar Singh, Gurdial Singh, etc., of Rashidana ..	7,000
7	Shri Man Singh of Harigarh ..	7,000
8	Shri Kaka Singh of Gandwan ..	7,000
9	Shri Gujjar Singh, etc., of Kalabala ..	7,000
10	Shri Sher Singh of Balerkha ..	7,000

Serial No.	Name and address of the loanee	Amount of loan taken
1	2	3
	SANGRUR DISTRICT—CONCLD.	Rs.
11	Shri Pritam Singh of Sherpur ..	7,000
12	Shri Jagu Singh of Sherpur Sodhian ..	7,000
13	Shri Dalip Singh, etc., of Kanoi ..	10,000
14	S. Joginder Singh of Sunam ..	8,000
15	Shri Ram Singh of Malowal ..	8,000
16	Shri Darya Singh of Gasian Khera ..	7,000
17	Shri Jogender Singh, Rewar ..	8,000
18	Shri Amar Singh, Dodwara ..	7,000
	KAPURTHALA DISTRICT	
1	Shri Kuldip Singh, son of Shri Jagir Singh and Mai Nihal Kaur, grandmother of Shri Kuldip Singh of village Hajipur	10,000
2	Sarvshri Paramjit Singh and Kamaljit Singh, sons of Shri Thakur Singh of village Domeli ..	10,000
3	Shri Shangara Singh, son of Chanda Singh, Avtar Singh, son of Sardara Singh, Rattan Singh and Tarlok Singh, sons of Shri Raja Singh, through Shrimati Chanan Kaur, wife of Shri Raja Singh of village Bhagoraian, tehsil Sultanpur ..	10,000
4	Sharvshri Kartar Singh and Dalip Singh, sons of Shri Mehan Singh of village Bhago Arain, tehsil Sultanpur ..	10,000
5	Shri Kalwarn Singh, son of Kundan Singh of village Hargobind garh, tehsil Phagwara ..	10,000
	FEROZEPORE DISTRICT	
1	Shri Naginder Singh, son of Shri Kala Singh and Shrimati Parsin Kaur, wife of Shri Naginder Singh, village Moolianwala, tehsil Moga ..	7,000
2	Sarvshri Satnam Dass, Om Parkash, Ved Parkash, Tilak Raj, sons of Rang Lal, village Ghallu, tehsil Fazilka ..	7,000
3	Shri Latkan Singh, son of Shri Pir Singh and Sarvshri Gurbachan Singh, Harbans Singh, sons of Saudagar Singh, village Alleana, tehsil Fazilka ..	7,000
4	Shri Tara Singh, son of Shri Jawahar Singh, village Ahl Bodla, tehsil Fazilka ..	7,000
5	Shri Mohan Lal, son of Shri Ram Kishan Dass and Shrimati Vidya Devi, wife of Shri Mohan Lal, village Toor, tehsil Ferozepore ..	7,000
6	Sarvshri Bal Mukand, Rattan Lal, Raj Kumar, sons of Shri Hari Ram, village Karian Pahlwan, tehsil Ferozepore ..	7,000

[Deputy Minister]

erial No.	Name and address of the loanee	Amount of loan taken
1	2	3
	FEROZEPORE DISTRICT—CONCLD	Rs.
7	Shri Gurbachan Singh, son of Shri Buta Singh, village Bhang Chari, tehsil Mukatsar ..	7,000
8	Shri Gurmit Singh, son of Bawa Nihal Singh, village Mukand-Singh Wala, tehsil Muktsar ..	7,000
9	Shri Thakar Singh, son of Shri Ganga Singh, village Ghosa Dal Singh, tehsil Zira ..	7,000
10	Sarvshri Iqbal Singh, Chattar Singh, sons of Ladha Singh, village Lahora, tehsil Mukatsar ..	7,000
11	Shri Gurtek Singh, son of Shri Ajaib Singh, village Abul-khurana, tehsil Mukatsar ..	7,000
12	Shri Dalip Singh, son of Shri Hukam Singh and Sarvshri Har-charan Singh and Shri Arjan Singh, village Rupana, tehsil Mukatsar ..	8,000
13	Sarvshri Balbir Singh, Baltej Singh, sons of S. Sawaran Singh, village Chugha, tehsil Ferozepore ..	7,000
14	Shri Jagjit Singh, son of Shri Bur Singh, village Jhoke Harihar	7,000
15	Shri Aroor Singh, son of Dhian Singh and Tek Singh, Harbans Singh, sons of Roor Singh, village Amir Khas, tehsil Feroze-pore ..	7,000
16	Shri Garja Singh, son of S. Hazara Singh, village Himatpura, tehsil Moga ..	7,000
17	Sarvshri Sarmukh Singh, Gurmukh Singh, sons of Bhola Singh and Shri Bhola Singh, Narain Singh of Pandori Khatrian, tehsil Zira ..	7,000
	HOSHIARPUR DISTRICT	
1	Sarvshri Shiv Raj Singh, Prem Raj Singh, Kartar Singh and Shrimati Lila Wati of Hoshiarpur ..	10,000
	JULLUNDUR DISTRICT	
1	Shri Bhan Singh, son of Jaimal Singh of Gaursian Pira, tehsil Phillaur ..	8,000
2	Shri Amar Singh, son of Isher Singh of village Ida, tehsil Nakodar ..	9,000
3	Shri Harnam Singh, son of Major Wasta Singh of village Bara Pind, tehsil Jullundur ..	8,000
4	Sarvshri Amrik Singh, Ajit Singh, sons of Shri Man Singh and Man Singh, son of Chuhr Singh of village Saprai, tehsil Jullundur ..	8,000
5	Shri Bhupinder Singh and Mohinder Kaur, son of and daughter of respectively Shri Avtar Singh, village Kakar Khurd, tehsil Nakodar ..	8,000
6	Sarvshri Gian Singh, Iqbal Singh and others, sons of Lakha Singh of village Lesriwala, tehsil Jullundur ..	8,000

Serial No.	Name and address of the loanee	Amount of loan taken
1	2	3
	LUDHIANA DISTRICT	Rs.
1	Shri Mathra Singh, son of S. Jai Singh and others of village. Kariana Kalan, tehsil Ludhiana ..	10,000
2	Shri Amar Singh, son of Shri Bishan Singh of village Seikh Daulat, tehsil Jagraon ..	10,000
3	Shri Gurnam Singh, son of Shri Kartar Singh of village Dhanansu, tehsil Ludhiana ..	10,000
4	Shri Dalip Singh, son of Shri Pakhar Singh and others of village Khanna, tehsil Samrala ..	10,000
5	Sarvshri Nachhatar Singh, Bachan Singh, sons of Shri Kehar Singh and others of village Swadhi Khas, tehsil Jagraon	10,000
6	Bawa Sant Singh, son of Gurbachan Singh of village Agwar Ladhai, tehsil Jagraon ..	10,000
7	Shri Sham Singh, son of Shri Amar Singh of village Rahon, tehsil Samrala ..	10,000
8	Shri Bhajan Singh, son of Shri Natha Singh of village Pawat, tehsil Samrala ..	10,000
	KARNAL DISTRICT	
1	Shri Raja Ram, son of Ram Lal of village Kutal, tehsil Karnal	7,000
2	Shri Banarsi Dass, son of Devi Diyal, Shri Bishambar Dass, son of Sada Nand of village Charaunda, tehsil Karnal ..	7,000
3	Shri Dharam Paul, etc., of village Kutail, tehsil Karnal ..	7,000
4	Shri Harbinder Singh, etc., of village Mergahan, tehsil Karnal	7,000
5	Shri Sant Singh, son of Shri Gurlal Singh, etc., of village Samana Bahu, tehsil Karnal ..	9,000
6	Sarvshri Kuldip Datt, Jagdish Chand, sons of Shri Lal Chand, village Kutail, tehsil Karnal ..	9,000
7	Sarvshri Attar Singh, son of Shri Mam Chand, Sadhu Ram, son of Shri Fateh Singh, Karnal ..	9,000
8	Shri Narinder Kumar, son of Babu Ram of village Behlolpur Mustarka, tehsil Karnal ..	9,000
9	Sarvshri Om Parkash, Babu Ram, sons of Jairam of village Nawach, tehsil Kaithal ..	7,000
10	Sarvshri Amrik Singh, Hardip Singh, Raghbir Singh, Kashmir Singh, sons of Kehar Singh of village Theri, tehsil Kaithal	7,000
11	Shri Dalip Singh, son of Asa Singh, President, Adhoya Co-operative Society, Adhoya, tehsil Kaithal ..	7,000
12	Shri Anant Ram, Manager, Janta High School, Kaul, tehsil Kaithal ..	10,00

[Deputy Minister]

Serial No.	Name and address of the loanee	Amount of loan taken
1	2	3
	KARNAL DISTRICT—CONCLD	
		Rs.
13	Shri Dhan Singh, Nanu, Munshi, sons of Shri Ude Ram of village Kutal, tehsil Kaithal ..	9,000
14	Sarvshri Risalu, Khazana, etc., sons of Shri Ruldu, Shrimati Bhaian, mother of Balwant Singh, minor of village Alewa ..	9,000
15	Shri Sardha Nand, etc., of village Naraina, tehsil Panipat ..	8,000
16	Mehant Biraj Dass, Chela Mahant Hathi Dass, of village Sink, tehsil Panipat ..	9,000
17	Sarvshri Khushwant Singh, Gurlal Singh, Balwant Singh, sons of Bahadur Singh of village Yari, Tehsil Thanesar ..	7,000
18	Shri Mohabat Singh of village Kalyana, tehsil Thanesar ..	7,000
19	Sarvshri Tara Singh, Gian Singh, son of Jawala Singh of village Nawarsi, tehsil Thanesar ..	7,000
	MAHENDERGARH DISTRICT	
1	Shri Hoshiar Singh, son of Bahadur Singh of village Rawaldhi, tehsil Dadri ..	7,000
2	Shri Bhag Singh, son of Albad Singh, Rajput of village Ranila, tehsil Dadri ..	7,000
3	Sarvshri Bishamber Dayal, Yad Ram, Bani Singh, Suraj Bhan, Suraj Singh, sons of Jai Narain, Nanda Ram, son of Govind Ram of village Mirzampur, tehsil Narnaul ..	8,000
4	Sarvshri Balbir Singh, Surjit Singh, Dalip Singh and Kanwar Singh, sons of Hardwari Lal of village Lukhi, tehsil Mohindergarh	7,000
5	Sarvshri Om Parkash, Satya Parkash, sons of Kunj Bihari Lal (minors) through Lalu Singh Bargava, etc., of Mahendergarh	7,000
6	Shri Sher Singh, son of Hari Ram, Hukma Ram, son of Dongh Ram, village Sagarpur, tehsil Narnaul ..	7,000
7	Major Radha Krishan, son of Tula Ram, village Ranila, tehsil Dadri ..	7,000
	PATIALA DISTRICT	
1	Sharvshri Kahan Singh, Raghbir Singh, Balbir Singh, sons of Raja Singh, Mst. Surjit Kaur, w/o Jagbir Singh Man, village Rakhara, post office Nabha ..	6,000
2	Shri Mit Singh, son of Hira Singh, village Ladha Kheri, tehsil Nabha ..	8,000
3	Shrimati Baldev Kaur, w/o Ajmer Singh, Hardev Kaur, w/o Shri Jaswant Singh, Capt. Bhagwant Singh, Shri Harbans Singh, village Gajebas, sub-tehsil Samana ..	8,000
4	Sarvshri Isher Singh, Sher Singh, Prem Singh, Ranjit Singh, Jai Singh village Chamaru, tehsil Rajpura	8,000

Serial No.	Name and address of the loanee	Amount of loan taken
1	2	3
	PATIALA DISTRICT—CONCLD	Rs.
5	Shri DaljitSingh, son of Fateh Singh, village Bapraur, tehsil Rajpura	7,000
6	Shri Gursaran Singh, sonof Lehna Singh, village Khera, tehsil Sirhind ..	8,000
7	Sharvshri Mohinder Singh, Harshvinder Singh, Joginder Singh, sons of Late Shri Ajmer Singh, Sardarni Basant Kaur, widow of Shri Ajmer Singh, village Madhopur, tehsil Sirhind ..	8,000
	BHATINDA DISTRICT	
1	Dhan Singh Khana Co-operative Farming Society, through Shri Mukhtiar Singh, village Dhan Singh Khana, tehsil Bhatinda ..	7,000
2	Dhola Patti Co-operative Society, Kahra, through Thaman Singh of Khara, tehsil Faridkot ..	7,000
3	Dhilwan Khas Co-operative Farming Society, through Shri Harchand Singh Dhilwan Khas, tehsil Faridkot ..	7,000
4	Shri Inder Singh, son of Jati Singh of Gurusar Joga, tehsil Bhatinda ..	7,000
5	Sarvshri Harchand Singh and Harjit Singh of village Ghuda, tehsil Bhatinda ..	7,000
6	Sarvshri Ram Singh, Bhagwan Singh, Prem Singh, Pritam Singh, and Pira Singh, sons of Bhakhtawar Singh of village Kot Bhara, tehsil Bhatinda ..	7,000
7	Shri Gurpartap Singh of village Virk Kalan ..	7,000
8	Sarvshri Sarwan Singh and Babu Singh, village Sadda Singh Wala, tehsil Mansa ..	7,000
9	Shri Sant Partap Singh of Katar SinghWala, tehsil Bhatinda	7,000
10	Shri Arjan Singh, son of Sawan Singh of village Kot Kapura, tehsil Faridkot ..	7,000
11	Shri Tara Singh of village Pitho, tehsil Bhatinda ..	7,000
12	Shri Harnam Singh, son of Ajmer Singh, village Arianwala, tehsil Faridkot ..	7,000
13	Shri Kehar Singh, son of Hajura Singh, village Machaki Kalan, tehsil Faridkot ..	7,000
14	Shri Gurnam Singh, son of Buta Singh, village Seman, Sub-tehsil Nathana ..	8,000
15	Shri Ajit Singh, son of Lachhman Singh, village Nehianwala, tehsil Bhatinda ..	7,000
16	Sarvshri Sukhdev Singh and Baldev Singh, sons of Jiwan Singh of Bhatinda ..	7,000
17	Shri Niranjan Singh, son of Sawal Singh, and Manmohan Singh, son of Niranjan Singh of Hodala Kalan, tehsil Mansa..	9,000

[Deputy Minister]

Serial No.	Name and address of the loanee	Amount loan taken
1	2	3
	GURGAON DISTRICT	Rs.
1	Shsi Hukam Singh, son of Takhar Mohan Lal, Kishan Chand, son of Hukam Singh of Allapur, tehsil Palwal ..	6,700
2	Shri Shri Chand, son of Shib Lal of Pangaltoo, tehsil Palwal..	6,700
3	Sarvshri Karya, Sarya, Chandi, son of Isher Lal of Bhagpur Kalan, tehsil Palwal ..	6,700
4	Shri Giraj Parshad, son of Ganga Ram of Bichore, tehsil Ferozepur Jhirka ..	6,700
5	Shri Mangtu, Shri Ram, sons of Lachhman of village Kakoria, tehsil Rewari ..	6,700
6	Sarvshri Ghisa Ram, Dhan Singh, sons of Mohan, Shrimati Lado, widow of Mohan Ahir, resident of Mohalawas, tehsil Rewari	6,700
	HISSAR DISTRICT	
1	Sarvshri Bhagwan Singh, Harnam Singh, sons of Sain Ditta village Khatiawan, tehsil Sirsa ..	9,000
2	Shri Isher Singh, son of Gurdit Singh of Rainwali, tehsil Hissar ..	9,000
3	Shri Inderjit Singh, son of Dharam Singh of village Mohamad pur, tehsil Sirsa ..	9,000
4	Shri Jai Ram, son of Ram Rakh of village Chaharwala, tehsil Hissar ..	9,000
5	Shri Bir Singh, son of Mai Sukh Amar Singh, son of Dhana Ram, village Rawalwas, tehsil and District Hissar ..	9,000
6	Sarvshri Jug Lal, Bola Saudha, Hari Singh, Subje Ram, sons of Kesho Ram of village Golagarh, tehsil Bhiwani ..	9,000
7	Sarvshri Ram Narain, Siri Parkash, sons of Sohan Lal of village Hajampur, tehsil Hansi ..	9,000
8	Shri Kala Singh, son of Ram Singh of village Chander Kalan, tehsil Hissar ..	9,000
9	Sarvshri Harmukh Singh, Rattan Singh, Bagrawat Singh, Ram Singh, sons of Hukami of village Jui Khurd, tehsil Bhiwani ..	9,000
10	Sarvshri Mohan Singh, Rissal Singh, sons of Munshi Ram, Munshi Ram, son of Harnam Singh of village Khera Rangran, tehsil Hansi ..	9,000
11	Shri Kewal, Amin Lal, Ramji Lal, sons of Puran of village Jui Khurd, tehsil Bhiwani ..	9,000
12	Shri Ganga Singh, son of Partap Singh of village Sahuwala, tehsil Sirsa ..	9,000
13	Shri Baij Nath, son of Mathura Parshad of village Panheri, tehsil Sirsa ..	9,000

Serial No	Name and address of the loanee	Amount of loan taken
1	2	3
	ROHTAK DISTRICT	Rs.
1	Shri Harphul Singh, etc., of village Tamaspura, tehsil Jhajar	10,000
2	Shri Mohinder Singh, son of Jagmal Singh of village Samargopal Pur, tehsil and district Rohtak ..	10,000
3	Shri Anup Singh, son of Jai Singh, Sunel Romeshwar, son of Jai Chand of village Kundli, Tehsil Sonepat ..	10,000
4	Shri Raja Narinder Singh of village Jahazgarh, Tehsil Jhajjar	10,000

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ amount lump sum ਹੀ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਾਂ instalments ਵਿਚ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ?

ਜ਼ਰਾਇਤ ਤੇ ਜੰਗਲਾਤ ਮੰਤਰੀ : ਹਰ ਇਕ individual ਨੂੰ ਇਹ amount lump sum ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਵੀ ਵੇਖਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਤਨਾ loan ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਉਸ ਦਾ tractor ਵੀ ਖਰੀਦਿਆ ਗਿਆ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

ਮੰਤਰੀ : ਬਾਕਾਇਦਾ ਵੇਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜੇ ਨਾ ਖਰੀਦਣ ਤਾਂ ਰਕਮ ਦੀ recovery ਦੇ orders ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਜਿਹੜਾ loan ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ tractors ਖਰੀਦਣ ਲਈ ਕੀ ਇਹ ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : Number of applicants ਤੇ ਮੁਨਹਸਰ ਹੈ ।

SURVEY OF PROTECTED HISTORICAL MONUMENTS

*6670. **Shri Ram Chandra Comrade** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether any survey of historical monuments in the State has been made by Government;

(b) whether the responsibility for looking after the protected historical monuments in the State has been transferred by the Central to the State Government ; if so, the terms of transfer ?

Shri Yash Pal(Deputy Minister) : (a) No survey of Historial Monuments in the State has been made by Government as yet.

[Deputy Minister]

(b) Under the Ancient and Historial Monuments and Archaeological Sites and Remains (Declaration of National Importance) Act, 1951, all monuments which are declared to be of National Importance are to be maintained and looked after by the Central Government. The rest of the monuments in the State are to be looked after by the State Government. Such of the monuments as might be deprotected from time to time by the Central Government will also have to be looked after by the State Government. The question of any terms of transfer, therefore, does not arise.

TEACHING OF REGIONAL LANGUAGES IN THE SCHOOLS

*6896. **Shri Rala Ram** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the manner in which Government ensure that regional languages are taught in schools in the State in accordance with the decision of the Government and that wrong statements are not submitted ;

(b) the steps that Government take to ensure that the teachers in schools who teach one regional language or the other are conversant with both the Regioal Languages ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a) The Regional Languages are taught in schools in accordance with the terms of the Sachar Language Formula and the Pepsu Language Formula. Option in the matter of selecting the first language is allowed in the erstwhile Punjab schools as permitted by the Sachar Formula, and in the erstwhile Pepsu schools as allowed by convention. The question of evading the instructions or making wrong statements does not arise as the inspecting staff are expected to be very vigilant in this regard.

(b) All new teachers recruited for the Primary classes are required to know both Hindi and Punjabi. Special classes were arranged by the Government in the Language Department at various centres for the teaching of Hindi and Punjabi and our old teachers made full use of this arrangement to qualify in the language which they did not previously know.

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿਚ district level ਤੇ Regional languages ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ਕੀ ਇਸ ਦੇ ਪੇਸ਼ੇਨਜ਼ਰ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ ਕਿ language formula ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਇਸ ਵਕਤ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕੋਈ ਤਬਦੀਲੀ ਕੀਤੀ ਜਾਏ ?

उप-मंत्री : इस वक्त कोई तजवीज़ ज़ेरे गौर नहीं है ।

RECOGNITION OF HIGH SCHOOLS

*6897. **Shri Rala Ram** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the number of High Schools in the State whose applications for recognition are still pending with the Department ;

(b) whether High Schools of the Matriculation pattern are still accorded recognition in the State ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a) Three schools out of the applications received from Sub-offices uptil the Middle of February, 1961.

(b) Yes.

BUILDING FOR GOVERNMENT GIRLS HIGH SCHOOL, LUDHIANA

*6908. **Sardar Ramdayal Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state whether any land has been acquired by the Education Department at Ludhiana for the construction of a building for the Government Girls High School ; if so, the area thereof ; if not, the reasons therefor ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a) No.

(b) The matter is receiving attention.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਗਲ ਸਹੀ ਹੈ ਕਿ Government Girls School ਲੁਧਿਆਣਾ ਕੋਲ ਆਪਣੀ building ਨਹੀਂ ਹੈ ?

उप-मंत्री : मैं ने जवाब दे दिया है कि नहीं है।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ school ਦੀ authorities ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ approch ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ land acquire ਕਰ ਕੇ building ਬਣਾਈ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ?

उप मंत्री : School authorities की तरफ से भी और दूसरे लोगों की तरफ से भी कहा गया है कि building बनाई जानी चाहिए।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਫਿਰ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ land acquire ਕਰ ਕੇ building ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ ਗਈ ?

उप मंत्री : जो ज़मीन लेना चाहते हैं उस के बारे में झगड़ा पड़ा हुआ है। जब फ़ैसला हो जाएगा तो काम शुरू हो जाएगा।

WORK IN PUNJABI LANGUAGE IN OFFICES IN PUNJABI REGION

*6909. **Sardar Ramdayal Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state whether all Government offices up to district level in the Punjabi Region, have started working in the Punjabi Language according to the Government policy ; if not, the reasons therefor ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : Attention of the hon. Member is invited to sections 3 and 4 of the Punjab Official Languages Act, 1960, which contain the requisite information.

OPENING OF A WOMEN COLLEGE DURING THE THIRD FIV -YEAR PLAN

***6948. Shrimati Om Prabha Jain :** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to open a Women's College in the State on the model of Lady Irwin College, New Delhi, during the Third Five-Year Plan ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : Yes.

श्रीमती ओम प्रभा जैन : कब तक मुकम्मल हो जाएगा ?

उप-मंत्री : जब सारी स्कीम पर गौर हो जाएगा ।

श्रीमती ओम प्रभा जैन : क्या यह बात पक्की है कि कालेज ज़रूर खोला जाएगा ?

Mr Speaker : The Deputy Minister has already assured the lady Member.

CIRCLE SECRETARIES IN PANCHAYATS

***6848. Sardar Rajindar Singh :** Will the Minister for Community Development be pleased to state the total number of Panchayats in the State and the number of Circle Secretaries working therein as at present ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : The total number of Panchayats in the State as at present is 13,440 and the number of Circle Secretaries working therein is 1,198.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿੰਨੀਆਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਉਪਰ ਇਕ circle secretary ਹੁੰਦਾ ਹੈ ?

ਪੰਚਾਇਤ ਮੰਤਰੀ : 11—12 ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਉਪਰ ਇਕ circle secretary ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ Government ਵਲੋਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ guidance ਲਈ ਸੈਕਟਰੀ ਰਖਣ ?

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਹਨ ਉਹ ਦੋ ਦੋ ਜਾਂ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ ਰਲ ਕੇ secretary ਰਖ ਲੈਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਔਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਛੋਟੀਆਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਹਨ ਉਹ 10/15 ਰਲ ਕੇ Secretary ਰਖ ਲੈਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਹਰੇਕ ਪੰਚਾਇਤ ਵਿਚ ਉਸ Secretary ਦਾ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਇਕ ਵਾਰੀ ਆਉਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੇ Secretary ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ direct ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦਿੰਦੀਆਂ ਹਨ ਜਾਂ Government ਦਿੰਦੀ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਵਾਲੇ ਪੈਸੇ ਇਕੱਠੇ ਕਰਕੇ ਪੰਚਾਇਤ ਅਫਸਰ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਉਹ ਫੇਰ ਅਗੇ ਸੈਕਟਰੀ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ appointment ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਖੁਦ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ਜਾਂ Government ਕਰਦੀ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਪਹਿਲੇ ਜੀ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਵਾਲੇ resolution ਪਾਸ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਲੋਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਖ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

EXPENDITURE INCURRED ON AND INCOME FROM TUBE-WELLS

*6582. **Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the increase/decrease in expenditure on and ncome from tube-wells in 1959-60 as compared to 1955-56 ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) :

	Rs
Increase in income ..	18,56,200
Increase in expenditure ..	21,06,261

श्री प्रबोध चन्द्र : वज़ीर साहिब ने बताया है कि income 18 लाख के करीब हुई और खर्चा 21 लाख के करीब हुआ। मैं जानना चाहता हूं कि जब Government की no profit no loss basis पर tube-wells को चलाने की policy थी तो फिर खर्चा ज़्यादा होने की क्या वजह है ?

सिंचाई मंत्री : Tube-well पर irrigation अहिसता २ develop होती है। अभी सारे tube-wells पूरी तरह नहीं चल सके इस लिए इस दौरान में खर्चा ज्यादा और income कम हुई है।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि यह जो घाटा पड़ा है यह लोगों से recover किया जाएगा या Government खुद इसे बरदाशत करेगी ?

मंत्री : अगर Government बरदाशत करे तब भी तो वह रुपया लोगों से ही आना है।

COMPLETION OF TUBE-WELLS BY GOVERNMENT

*6583. **Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Irrigatio and Power be pleased to state—

(a) the total number of tube-wells completed by Government up to 31st January, 1961, the number of those which are at present under construction and the total amount spent on all ;

(b) the number of tube-wells mentioned in part (a) above which—

(i) have been working to their full capacity during the last five years ;

(ii) are not in working order at present ;

(iii) have become entirely useless ; and

(iv) are not working due to non-availability of electricity ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) :

(a) (i) Number completed up to 31st January, 1961 .. 1,491

(ii) Number under construction at present .. None

(iii) Amount spent .. About Rs. 811.00 lacs

(b) (i) 252 tube-wells.

(ii) 16 tube-wells.

(iii) Two tube-wells.

(iv) None.

श्री प्रबोध चन्द्र : Deputy Minister साहिब ने बताया है कि एक हज़ार tube-wells complete हो चुके हैं मगर उन में से सिर्फ 252 completely work कर रहे हैं । क्या मैं जान सकता हूं कि दूसरे चालू न होने की क्या वजह है ?

उप-मंत्री : मैं ने working to full capacity का जवाब दिया है 2521 वैसे तो सभी चल रहे हैं ।

श्री श्री कृष्ण शास्त्री: क्या उप-मन्त्री महोदय बताएंगे कि जब tube-wells मुकम्मल हो चुके हैं, operators भी लगाए जा चुके हैं तो बिजली की fitting न होने के क्या कारण हैं ?

उप-मंत्री : ऐसा कोई case हमारे notice में नहीं आया ।

श्री श्री कृष्ण शास्त्री : क्या सफीदों के इलाके से गवर्नमैंट को कोई representations मिले हैं कि चन्द tube-wells ऐसे हैं जो दो साल से चल नहीं रहे हैं ?

श्री अध्यक्ष : यह तो एक मासूम सा सवाल है । इसमें से यह कैसे पैदा होता है ? (It is an innocent question. How does this supplementary arise out of it ?)

CANAL BREACHES IN THE STATE

*6584. **Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total number of breaches that occurred in the canals in the State during 1952, 1954, 1955, 1957, 1958 and 1959, separately and the total damage caused by each ;

(b) the number, if any, of breaches referred to in part (a) above which were found to have been caused due to the negligence of the officers of the department, and the number of those which were caused by the cultivators, separately ;

(c) the number of cases in respect of the said breaches which were instituted in the courts and the number of those in which the culprits were convicted ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a), (b) and (c) A statement is placed on the Table of the House.

Statement showing canal breaches and cuts

Year		Number of breaches	Damage caused by breaches	Number of cuts	Number of cases (of cuts) instituted in court	Number of persons convicted
			Rs.			
1952	..	1,004	27,592	926	63	36
1954	..	1,070	29,796	763	48	43
1955	..	1,073	16,064	620	39	22
1957	..	1,190	7,529	754	61	46
1958	..	1,228	3,592	742	83	32
1959	..	940	14,773	537	34	27

Six breaches occurred due to negligence of officials in 1959. As a result of enquiry, punishments ranging from warning to stoppage of increment were awarded to persons at fault, according to the nature of incident and factor of individual responsibility.

WATERLOGGED AREA IN SANGRUR DISTRICT

***6846. Sardar Rajinder Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total area of waterlogged land in Sangrur District at present ;

(b) the details of the anti-waterlogging measures, if any, so far taken or proposed to be taken in the said district ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) 30,904 acres.

(b) As effective drainage system is essential for successful anti-waterlogging operations work on 12 major drains in the District is already in hand. In addition, two areas, namely, Sunam and Sangrur, comprising of 223 sq. miles and 250 sq. miles, respectively, had been selected for launching Pilot anti-waterlogging schemes. The Sunam Pilot Scheme would cost Rs. 17.26 lakhs and the Sangrur Pilot Scheme Rs. 36.35 lakhs. The programme under this Pilot Project consists of excavation of a comprehensive net work of drains, installation of Pumping sets and construction of See page and deep ditch drains.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ 12 major drains ਉਤੇ ਕੰਮ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਪਣੇ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਵੀ ਹਦਾਇਤ ਜਾਰੀ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ drains ਪੁੱਟੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਉਹ rainy season ਦੇ ਪਹਿਲਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੁਕੰਮਲ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ ?

Minister for Irrigation and Power: Noted, Sir. The request has been noted.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ request ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ, ਮੈਂ ਇਕ specific question ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕੀ drains ਪੁਟਦੇ ਵਕਤ ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੇ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਹਦਾਇਤਾਂ ਵੀ ਜਾਰੀ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ rainy season ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੁਕੰਮਲ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ ?

Mr. Speaker : The answer has been given. They will try to do so.

ROADS CONSTRUCTED IN SARHALI AND GURDASPUR CONSTITUENCIES

***6886. Shri Prabodh Chandra :** Will the Minister for Public Works be pleased to state the mileage of metalled roads constructed during the last four years in Sarhali and Gurdaspur Constituencies ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) :

Length Sarhali Contituency	..	1.66 Miles
Length Gurdaspur Constituency	..	4.50 Miles.

श्री प्रबोध चन्द्र : डिप्टी वजीर साहिब ने बताया है कि कुछ सड़कें सरदार प्रताप सिंह कैरों की Constituency में बनी हैं । पिछले साल, जनाब, तीन चार सड़कों की list दी गई थी जिनकी mileage कोई 40 मील थी और उनके लिए कई लाख रुपये की sanction थी । क्या मैं पूछ सकता हूं कि उस दिन ग़लत बयानी की गई थी या आज ग़लत बयानी की गई है ?

उप-मंत्री : न उस दिन ग़लत बयानी की गई थी और न आज ग़लत बयानी की गई है । ठीक ही जवाब दिया गया है ।

STARRED QUESTION NO 6924

श्री अध्यक्ष : यह जो सवालों की postponement का रिवाज़ पड़ता जा रहा है यह ठीक बात नहीं है । इसके लिए आप कोई reasons भी नहीं देते हालांकि rules में साफ़ तौर पर provide किया गया है कि वजूहात की details ज़रूर स्पीकर को पहुंचनी चाहिएं । आखिर यह क्या मज़ाक बन गया है ? (This practice of the postponement of questions is not good. Although it has been specifically provided in the rules to forward detailed reasons to the Speaker in support of the postponement, yet no reasons are given. What a mockery it has been reduced to !)

सिंचाई तथा विद्युत मंत्री : यह question wrongly addressed था ।

श्री अध्यक्ष : अगर wrongly addressed था तब भी आप को चाहिए था कि मुझे बताते ताकि मैं मैम्बर concerned को कह सकता। House में आकर इस तरह कह देने से काम नहीं चलता। (Even if it was wrongly addressed, I should have been intimated about it so that I could inform the member concerned. To say like this in the House would not do.)

उप-मंत्री : (सरदार निरंजन सिंह तालिब) : उसमें लिखकर दिया है कि जवाब 20th of this month तक आएगा ।

BUILDING PRIMARY HEALTH CENTRE IN VILLAGE KALAYAT, TEHSIL NARWANA, DISTRICT SANGRUR

*6949. **Shrimati Om Prabha Jain** : Will the Minister for Public Works be pleased to state whether any amount has recently been sanctioned by Government for the construction of a building for the Primary Health Centre in village Kalayat, tehsil Narwana, district Sangrur ; if so, how much and the time by which the said building is likely to be completed ?

Sardar Niranjan Singh Talib (Deputy Minister) : (a) Yes.

(b) Rs. 71,400.

(c) A portion of the work amounting to Rs. 19,250 has been let out and it will be completed by the end of April, 1961. Further progress would depend upon the funds available.

ALLOWANCE FOR GOVERNMENT EMPLOYEES STATIONED AT SIMLA

*6953. **Shri Muni Lal** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government, to sanction any *ad hoc* allowance for its employees stationed at Simla due to recent heavy snow falls there ?

Shri Mohan Lal (Minister for Industries) : The matter is under consideration.

HABEAS CORPUS PETITIONS OF DETENUS

*6540. **Sardar Atma Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of persons detained in the State under the Preventive Detention Act during the current year ;

(b) the dates on which the Habeas Corpus Petitions, if any, on behalf of those mentioned in part (a) above were argued last in the High Court and the amount spent by the Government on paying the fees of the advocates in this connection ;

[Sardar Atma Singh]

(c) the dates on which the High Court decided the said petitions ;

(d) whether Government Advocates referred to in part (b) above later argued the said petitions in the Supreme Court ; if so, their names and the amount of fees paid to them for the purpose ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) Only Master Tara Singh, was detained under the Preventive Detention Act during the year 1960.

(b) (i) 2nd November, 1960.
(ii) No fee was paid to any counsel in this case.

(c) The petition was dismissed by the High Court, on 5th December, 1960.

(d) No.

PROCESSIONS TAKEN OUT BY SIKHS ON 4TH DECEMBER, 1960

***6541. Sardar Atma Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of places in the State, if any, where Protest Processions in response to the call by the Shiromani Akali Dal were taken out on 4th December, 1960 ;

(b) whether to disperse the processions mentioned in part (a) above the police had to resort to lathi charge and the use of tear gas ; if so, the names of places where this was done and the number of persons arrested or taken into custody at each place ;

(c) the number of persons mentioned in part (b) above who were later released, the number of those who were kept in jails and the provision of law under which they were kept in jails ;

(d) the number of those mentioned in the latter part of (c) above who have been convicted and of those whose cases are still pending, separately ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) Amritsar, Jullundur, Muktsar (District Ferozepur) and Kapurthala.

(b) Lathi charge was not resorted to at any place. Tear gas was used at Amritsar to disperse the procession at Chauk 'But' Malka and 21 persons were taken into custody.

(c) (i) Nil.

(ii) 21, under sections 188/147/148/149/142/145/307, I.P.C. and 5/2/60 Punjab Criminal Law (Amendment) Act.

(d) (i) Nil.
(ii) 21.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਵਾਲ ਦੇ part (b) ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਚੌਕ ਬੁਤ ਮਲਕਾ ਵਿਚ procession ਨੂੰ tear gas ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਸ procession ਨੂੰ tear gas ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਉਸ ਦੀ ਕਿਤਨੀ ਗਿਣਤੀ ਸੀ ?

श्री अध्यक्ष : इस में गिनती करने का सवाल ही नहीं है कि गवर्नमेंट Department गिनती करे। कोई misbehave करता होगा उन पर tear gas छोडी गई होगी। (The question of finding out the numbers of the processionists by the government department does not arise. The police might have used tear gas on persons found misbehaving.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ . . . .

Mr. Speaker : It is not relevant.

[STARRED QUESTIONS No 6933 (not put)]

श्री अध्यक्ष : मैं हैरान हूं कि कंवरानी जगदीश कौर ने जितने सवाल पूछे हैं उन में से ज़्यादा तर कपूरथला के मुताल्लिक ही हैं; जब कि वह जैतो में रहती हैं। (I am surprised to note that most of the questions given notice of by Kanwarani Jagdish Kaur relate to Kapurthala District even though her constituency is Jaito.)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਇਹ ਹੈ ਜੀ ਕਿ ਉਥੇ ਪੁਲੀਸ ਦਾ attitudee ਬੜਾ vindictive ਰਿਹਾ ਹੈ ਔਰ ਸਾਰੀ tragedy ਉਥੇ ਹੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਕਪੂਰਥਲਾ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਸਾਡਾ mental torture ਕੀਤਾ ਗਿਆ —ਝੂਠੇ ਮੁਕੱਦਮੇ ਬਣਾਏ ਗਏ।

श्री अध्यक्ष : कंवरानी जगदीश कौर रहती तो है जैतो में और उन्हों ने सारे सवाल ज़िला कपूरथला के बारे में पूछे ह। (Though the hon. Lady Member belongs to Jaito, yet she has asked most of the questions regarding Kapurthala District.) That is a strange thing.

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : On a point of order, Sir. ਕੀ ਕਿਸੇ hon. Member ਦੀ power ਵਿਚ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਅਪਣੀ constituency ਦੇ ਸਿਵਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਹਲਕੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸਵਾਲ ਪੁਛ ਸਕੇ ?

Mr. Speaker : It is not the questian of power.

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : On a point of order, Sir. ਕੀ ਕੋਈ hon. Member ਇਥੇ ਹਥ ਪੈਰ ਹਿਲਾ ਕੇ dance ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਚਾਹੋ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ । (If the hon. Member want to do so, he is also free to do it). (*Laughter*)

UNSTARRED QUESTION AND ANSWERS

MANAGEMENT OF LIBRARIES

3440. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the manner in which libraries in the State are being controlled at present and the steps being taken, if any, for their efficient working when they are extended under the Third Five-Year Plan ;

(b) whether there is any proposal under the consideration of Government to open a separate directorate for the management of libraries in the State ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : (a) The District Libraries at Ambala, Jullundur and Dharamsala are under the administrative control of the Librarian, Central State Library, Chandigrah, and the Public Libraries at Nabha and Sangrur are similarly controlled by the Librarian, Central Public Library, Patiala. The overall control over all these libraries vests with the Director of Public Instruction, Punjab.

As no defects have so far come to the notice of Government, it is presumed that they are working efficiently.

(b) No.

OPENING OF LIBRARIES DURING THE DIFFERENT PLAN PERIODS

***3441. Sardar Atma Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether any targets for the opening of libraries in districts in the State were fixed during the First and Second Five-Year Plans ; if so, what and the number of libraries actually opened so far, district-wise, during each plan period ;

(b) the targets, if any, for the opening of libraries fixed for the Third Five-Year Plan and the amount of expenditure proposed to be incurred thereon ?

Shri Amar Nath Vidyalankar : (a) *First Five-Year Plan.*—No targets were fixed. However, two Libraries, viz., Central Public Library, Patiala, and Central State Library, Chandigarh, were set up.

Second Five-Year Plan.—(i) 17 District Libraries.

(ii) Three District Libraries, one each at Ambala, Jullundur and Dharamsala.

(b) *Third Five-Year Plan.*—(i) Three District Libraries.

(ii) Rs. 2.22 lakhs.

SUBSIDY TO HARIJANS IN KULU SUB-DIVISION FOR CONSTRUCTION OF HOUSES

3442. Lala Jit Ram : Will the Chief Minister be pleased to state the names and addresses of the Harijans who were given subsidy for the construction of houses under the Harijan Welfare Scheme in the Kulu Sub-Division since 1956 to date ?

Sardar Partap Singh Kairon : The requisite information is enclosed.

Statement

The names and addresses of the Harijans who were given subsidy for the construction of houses under the Harijan Welfare Scheme in Kulu Sub-Divisions in 1956 are as under :—

Year	Serial No.	Name of beneficiary who was granted subsidy for construct on of a house	Village	Tehsil
1	2	3	4	5
1956-57 ..	Nil			
1957-58 ..	Nil			
1958-59 ..	1	Shri Bhag Chand, son of Kalmu ..	Lhalpur ..	Kulu
	2	Shrl Sunka Ram, son of Balaki ..	Do ..	Do
	3	Shri Ramjha Ram, son of Lehru ..	Do ..	Do
	4	Shri Milkhi Ram, son of Sant Ram ..	Do ..	Do
	5	Shri Sobba Ram, son of Balaki ..	Do ..	Do
	6	Shri Sawart Ram, son of Hiru ..	Do ..	Do
	7	Shri Jaisi Ram, son of Gobinda Ram ..	Do ..	Do
	8	Shri Sadhu Ram, son of Gurditta ..	Do ..	Do
	9	Shri Bangoli, son of Titlu ..	Shainshi ..	Do
	10	Shri Hilmu, son of Damamu ..	Do ..	Do
	11	Shri Kishan Chand, son of Attr ..	Do ..	Do
	12	Shri Roopi, son of Chaina ..	Kasladi Pathi Pini	Do
	13	Shri Sauju Ram, son of Garibu ..	Deora ..	Do
	14	Shri Chewang Ram, son of Tobji ..	Jagat Sukh	Do
	15	Shri Simat Ram, son of Kanolu ..	Angodholu	Do
	16	Shri Mulhu, son of Sarifa ..	Manali ..	Do
	17	Shri Sidhu Ram, son of Puran ..	Do ..	Do
	18	Shri Kishan Chand, son of Nangal ..	Neoragi ..	Do

[Chief Minist er]

Year	Serial No.	Name of beneficiary who was granted subsidy for construction of a house	Village	Tehsil
1	2	3	4	5
1958-59—(Concluded)	19	Shri Dhani Ram, son of Attu ..	Angodholi	Kulu
	20	Shri Sadhi Ram, son of Gianu ..	Banantur	Do
1959-60 ..	1	Shri Letu Ram ..	Dhalpur ..	Do
	2	Shri Shunku Ram ..	Do ..	Do
	3	Shri Nathu ..	Jan ..	Do
	4	Shri Salobi ..	Do ..	Do
	5	Shri Kungi ..	Parodi ..	Do
	6	Shri Dughar Ram ..	Chamagri	Do
	7	Shri Kalku ..	Koli Bachara	Do
	8	Shri Gokal Chand ..	Thansi Bara	Do
	9	Shri Moti Ram ..	Joli ..	Do
	10	Shri Kuslu ..	Hilani ..	Do
	11	Shri Kalu ..	Neoli ..	Do
	12	Shri Tulu Ram ..	Dhalpur ..	Do
	13	Shri Tegu Ram ..	Shamshi ..	Do
	14	Shri Dial Dass ..	Dholpur ..	Do
	15	Shri Nathu Ram ..	Do ..	Do
	16	Shri Dabltu ..	Fagla ..	Do
	17	Shri Kauru ..	Khanari ..	Do
	18	Shri Paghu ..	Chharahra ..	Do
	19	Shri Pargu ..	Raila ..	Do
	20	Shri Kaushu ..	Modgoan ..	Do
	21	Shri Samnu ..	Do ..	Do
	22	Shri Gabi Ram ..	Bagan ..	Do
	23	Shri Dhani Ram ..	Ladgi ..	Do
	24	Shri Hirdu ..	Thaman ..	Do
	25	Shri Shukru ..	Thaman Sainj	Do
	26	Shri Kambi ..	Anni ..	Do
	27	Shri Shiv Dass ..	Dhalpur ..	Do

Year	Serial No.	Name of beneficiary who granted subsidy for construction of a house	Village	Tehsil
1	2	3	4	5
1960-61 ..	1	Shri Khakhi Ram ..	Tegu Behra	Kulu
	2	Shri Kishan Chand ..	Ditto ..	Do
	3	Shri Sibu ..	Malipather	Do
	4	Shri Sukh Ram ..	Dhalpur ..	Do
	5	Shri Mantoo ..	Debri ..	Do
	6	Shri Budhu ..	Bakhli ..	Do
	7	Shri Parbhi ..	Kulu ..	Do
	8	Shri Thanu Ram ..	Buhrad ..	Do
	9	Shri Khampu ..	Bagan ..	Do
	10	Shri Rangilu ..	Do ..	Do
	11	Shri Sahju ..	Sainj ..	Serj
	12	Shri Rati Ram ..	Kharga ..	Do
	13	Shri Tawaru ..	Garshala ..	Do
	14	Shri Surtu ..	Soti (Bingoi)	Do

DAMAGE BY FLOODS IN TEHSIL KAITHAL, DISTRICT KARNAL

3443. Chaudhri Baru Ram : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the names of villages of tehsil Kaithal, district Karnal, together with the area of crops in each affected by the recent floods and the estimate of damage caused thereto ;

(b) whether any relief measures have been taken in hand by Government in the villages mentioned in part (a) above ; if so, the details thereof ?

Giani Kartar Singh : (a) A statement is enclosed.

(b) The matter is under active consideration of Government.

[Minister for Revenue]

Statement showing the villages of tehsil Kaithal damaged by heavy water rains/hailstorms in January, and February, 1961

Serial No.	Name of village		Damage caused to crops	
			Acres	Value in rupees
	TEHSIL KAITHAL			
1	Rasulpur	..	150	15,000
2	Pobala	..	108	10,800
3	Begpur	..	268	26,800
4	Brot	..	848	84,800
5	Bandrana	..	318	31,800
6	Ruan	..	98	9,800
7	Batheri	..	125	12,500
8	Jajanpur	..	212	21,200
9	Slampur Mohdud	..	184	18,400
10	Dand	..	150	15,000
11	Jadola	..	498	49,800
12	Jagdishpura	..	56	5,600
13	Kultaran	..	107	10,700
14	Ujana	..	107	10,700
15	Patti Kaisth	..	260	26,000
16	Keorak	..	206	20,600
17	Chandana	..	247	24,700
	SUB-TEHSIL GUHLA			
18	Malikpur	..	197	2,7360
19	Shadipur	..	216	85,860
20	Urlana	..	455	80,640
21	Saraula	..	281	5,860
22	Khamba Hera	..	244	53,500
23	Ratta Khera, Lukman	..	541	30,600
24	Bhatian	..	362	82,440
25	Kharal	..	286	91,620

Serial No.	Name of village		Damage caused to crops	
			Acres	Value in rupees
	SUB-TEBSIL GUHLA—*contd*			
26	Tatiana	..	282	57,060
27	Khushal Majra	..	233	16,220
28	Bhahupur	..	243	83,520
29	Ahmadpur Garh	..	61	10,980
30	Chhana Jattan	..	19	3,420
31	Kamheri	..	380	57,600
32	Phaphrala	..	259	46,440
33	Ghagarpur	..	354	63,360
34	Jahkhwala	..	750	60,300
35	Tangauli	..	220	21,600
36	Teokar	..	300	36,000
37	Mandoran	..	150	21,600
38	Bibipur Kalan	..	750	25,200
39	Tekoran	..	337	40,500
40	Murtzapur	..	479	22,500
41	Bhagal	..	674	25,000
42	Sehi	..	180	45,000
43	Dhandauta	..	341	91,980
44	Kurrah	..	447	28,800
45	Diwana	..	442	27,000
46	Mohanpur	..	239	27,000
47	Kalsa	..	315	27,000
48	Surmi	..	845	39,600
49	Chhawalan	..	297	36,000
50	Garhi Roran	..	135	25,200
51	Garhi Kaharan	..	98	18,000
52	Rampura	..	212	27,000
53	Bhor Savedan	..	462	30,600
54	Mukinpura	..	282	40,500

[Minister for Revenue]

Serial N	Name of Village	Damage caused to crops	
		Acres	Value in rupees
	SUB-TEHSIL GUHLA—*contd*		
55	Bodha ..	280	40,000
56	Adhoya ..	388	27,000
57	Bhonslan ..	686	1,23,300
58	Meghran ..	342	10,950
59	Majheri ..	326	49,000
60	Kasauli ..	97	40,500
61	Shugalpur ..	66	23,580
62	Sharakpur ..	79	15,000
63	Budhanpur Gujran ..	110	27,120
64	Mohanpur ..	129	7,200
65	Ratta Khera ..	237	1,22,080
66	Sahali ..	122	21,240
67	Azimgarh ..	226	22,680
68	Mommudpur ..	159	33,300
69	Gumthala Garhu ..	318	90,000
70	Garhi Nazir	220	21,204

ARREARS OF LAND REVENUE IN TAHSILS BARNALA AND SANGRUR

3447. Sardar Rajinder Singh : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the names of persons, village-wise, in Barnala and Sangrur tehsils, district Sangrur against whom arrears of land revenue are outstanding to date and the amount due from each ;

(b) the reasons for which these arrears have not been recovered in each case ?

Giani Kartar Singh : (a) The Assami-wise and Village-wise information is not available. However, the total arrears of land revenue outstanding on 31st January, 1961, are as follows :—

	Rs
(1) Sangrur Tahsil ..	3,20,882
(2) Barnala Tahsil ..	1,59,584

(b) Information not available.

Note—Replies to unstarred Questions Nos. 3444 and 3445 having been received late from the Government are printed in an annexure appended at the end of this Debate.

CONVEYANCE DEEDS REGISTERED AT CHANDIGARH

3448. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) the total number of conveyance deeds received, datewise, from 22nd November, 1960 to 29th November, 1960, for registration by the Estate Officer, Capital Project, Chandigarh, and the total number registered, separately ;

(b) whether any deeds remained unregistered during the said period; if so, the reasons therefor and the time by which they are expected to be registered ?

Chaudhri Suraj Mal : (a) The desired information is as under :—

Date		Number of conveyance deeds received	Number of conveyance deeds executed
22nd November, 1960	..	114	70
23rd November, 1960	..	153	88
24th November, 1960	..	174	56
25th November, 1960	..	393	120
26th November, 1960	..	57	51
27th November, 1960	..	24	24
28th November, 1960	..	301	69
29th November, 1960	..	352	29
Total	..	1,568	507

(b) Yes ; 1061 conveyance deeds remained unexecuted. This was due to the reason that the impending amendment in the Stamp Act, providing for increase in the rate of stamp duty from 2 per cent to 12 per cent created a panic among the plot-holders and conveyance deeds started pouring in before the enforcement of the amendment. All efforts were made to cope with the rush of work, which could not, however, be finished by the 29th November, 1960.

The case regarding the disposal of unexecuted conveyance deeds is under the consideration of Government in the Revenue Department.

DISPENSARIES IN AMRITSAR AND GURDASPUR DISTRICTS

3449. Shri Balram Das Tandon : Will the Chief Minister be pleased to state the number of dispensaries in the State which are running without doctors at present together with the names of places where such dispensaries are situated in Amritsar and Gurdaspur Districts ?

Sardar Partap Singh Kairon :(1) The number of dispensaries without doctors in the State,—108.

2. Number and names of dispensaries without doctors in Amritsar and Gurdaspur District.

AMRITSAR DISTRICT

1. Primary Health Centre, Sursingh.
2. Rural Dispensary, Bhindi Nain.
3. Rural Dispensary, Badhai China.
4. Civil Dispenary, Sohal Thathi.
5. Primary Health Centre, Mainwind.
6. Rural Dispensary Chavinda Devi.
7. Rural Dispensary, Attari.
8. Rural Dispensary, Algon.
9. Rural Dispensary, Mohleka.
10. Rural Dispensary, Manimajra.

GURDASPUR DISTRICT

1. Rutal Dispensary, Darongala.
2. Rural Dispensary Behrampur.
3. Rural Dispensary, Ghania Ki Bet.
4. Primary Health Centre, Gande-ke-Chona.
5. Rural Dispensary, Dina Nagar.
6. Rural Dispensary, Mami Chak Ranga.
7. Civil Dispensary, Sujanpur.

MESSAGE FROM THE GOVERNOR REGARDING MOTION OF THANKS

श्री अध्यक्ष : मैं आप के सामने गवर्नर साहिब का पैग़ाम पढ़ने लगा हूं । यह covention है और यह लोक सभा में भी है, कि जब यह पढ़ा जाए तो मैम्बर्ज़ उठ कर खड़े हो जाएं ।

(I am going to read out to the House a massage from the Governor. It is a convention of this House as well as that of the Lok Sabha that when such a message is read out, the Members rise in their seats.)

"Dear Speaker,

I am in receipt of your D. O. letter No. 5-LA-61/6782, dated the 21st Febrary, 1961, together with a copy of the motion of thanks passed by the Punjab Vidhan Sabha, on the 21st February, 1961, for the Address I delivered to both the Houses on the 14th February, 1961.

I am grateful to the Punjab Vidhan Sabha for their motion of thanks.

Yours sincerely,
N. V. Gadgil".

Thank you.

Mr. Speaker : Now the Secretary will make some announcements.

ANNOUNCEMENTS BY SECRETARY REGARDING CERTAIN BILLS

Secretary : Under Rule 2 of the Punjab State Legislature (Communications) Rules, 1959, I have to inform the House that the following Bills which were passed by the Punjab Vidhan Sabha, on the dates mentioned against each and transmitted to thePunjab Legislative Council, have been agreed to by the said Council without any amendment, on the 6th March, 1961 :—

Serial No.	Title of the Bill	Date on which passed by the Punjab Vidhan Sabha
1	The Punjab Fruit Nurseries Bill, 1960 ..	22nd February, 1961
2	The Sikh Gurdwaras (Amendment) Bill, 1960	23rd February, 1961
3	The Punjab Laws (Extension No. 10) Bill, 1960 ..	Ditto
4	The Punjab Khadi and Village Industries Board (Amendment) Bill, 1960 ..	Ditto

Secretary : Under Rule 2 of the Punjab State Legislature (Communications) Rules, 1959, I have to inform the House that the Societies Registration (Punjab Amendment) Bill, 1961, and the Punjab Laws (Amendment) Bill, 1961, passed by the Punjab Legislative Council, on the 6th March, 1961, have been received. I also lay a copy each of the said Bills on the Table of the House.

SEATING ARRANGEMENTS

श्री अध्यक्ष : कल मैं मुख्तलिफ groups से seating arrangements के बारे में बात चीत करता रहा हूं और अब एक फैसले पर पहुंच गए हैं। P.S.P. की तरफ से चौधरी

[श्री अध्यक्ष]

बलबीर सिंह ने कहा है कि हम अलहदा बैठना चाहते हैं और मौलवी साहिब ने भी लिख दिया है कि वह अलहदा बैठना चाहते हैं। Communist Party, Panthic Group और Swatantra Party ने भी अपने अपने नाम दे दिए हैं। एक नई तबदीली यह है कि coalition बनाने का ख्याल छोड़ दिया गया है। यह communication आई है :

The following Members of the Swatantra Party constitute a separate group—

(1) Chaudhri Dharam Singh Rathi.

(2) Raja Mahesh Indra Singh.

(3) Raja Bhalindra Singh.

(4) Sardar Gurwaryam Singh.

इस को देखते हुए जिस common programme की मैं ने पहले कापी मांगी थी अब उस की ज़रूरत नहीं। Seating arrangement में पहले पंथिक पार्टी आयेगी, फिर जनसंघ फिर Communist Party, फिर स्वतन्त्र ग्रुप और फिर लाला जगत नारायण जी का ग्रुप। लाला जी, आप ने क्या नाम रखा है ?

श्री जगत नारायण चोपड़ा : बाद में बता दूंगा।

श्री अध्यक्ष : आज ही बता दें। सोमवार को जब आप आएंगे तो नए arrangement में seats पाएंगे। पंडित जी (पंडित मोहन लाल) आप भी बता दें।

उद्योग मंत्री : जी हां मैं भी अर्ज़ कर दूंगा।

श्री अध्यक्ष : यह फैसला है और यही सही है। अगर एक गाड़ी को मुख्तलिफ ताकत के घोड़े जोत दिए जायं तो गाड़ी टूट जाती है और घोड़े ज़ख्मी हो जाते हैं। इस लिए यह अच्छा है कि हर घोड़ा अपनी गाड़ी को ही खींचें।

(Yesterday, I have been in touch with the various groups regarding the seating arrangements and now we have arrived at a decision. On behalf of the P. S. P. Chaudhri Balbir Singh has stated that their group would like to sit as a separate entity and Maulvi Abdul Ghani has also written to say the same about his group. Communist Party, Panthic group and the Swatantra Party have also given names of their respective Members. The latest development is that the idea of forming a coalition has been given up. I have received this communication.

The following members of the Swatantra Party constitute a separate group :—

(1) Chaudhri Dharam Singh Rathi.

(2) Raja Mahesh Indra Singh.

(3) Raja Bhalindra Singh.

(4) Sardar Gurwaryam Singh.

In view of this, the copy of the common programme which I had asked for earlier, need not be supplied to me. The seating arrangement will be in the following order ; Panthic Party, Jan Sangh, Communist Party,

Swatantra group and then the group of Lala Jagat Narain. (Addressing Lala Jagat Narain) what is the name of your group ?

* * * * *

Yes, please do so to-day. When the hon. Members come to the House on Monday, they will fiind their seats according to the new arrangement. (Addressing the Minister for Industries). You may also let me know please.

* * * * *

This is the final decision and a correct one. If horses of unequal strength are hitched to a wagon, then the wagon breaks down and the horses get injured. It is, therefore, better that each horse be hitched to its own wagon.)

GENERAL DISCUSSION ON THE BUDGET FOR THE YEAR 1961-62 (RESUMPTION)

RESUMPTION OF DISCUSSION OF THE BUDGET FOR THE 1961-62

राम्रो गजराज सिंह (गुड़गांव): जनाब, मैं ने कुछ थोड़ा सा परसों अर्ज़ किया था। मुझे सब से ज़्यादा तजरुबा इस बात पर हुआ कि हमारे जो साथी अपने आप को बड़ा progressive बताते हैं, आठवीं और नौवी जमात तक मुफत तालीम की मुखालिफत कर रहे हैं। या तो वह साफ़ कहें कि हम जो पहले मालगुज़ारी को income tax basis पर लगाने की बात कहते थे, या कि 5 एकड़ वालों की मालगुज़ारी पंचायत को as a contribution दे दी जाए वह सिर्फ कहने के लिए कहा करते थे या लोगों में प्रचार करने के लिए कहा करते थे कि हम तो progressive बात कहते हैं, मगर सरकार नहीं मानती। मैं अपनी speech interrupt कर के भी उन की राय इस बारे में सुनना पसन्द करूंगा ताकि मैं अपनी बात मुकम्मल तौर पर कह सकूं। अगर वह वाकई crop insurance की scheme के खिलाफ हैं तो साफ तौर पर कहें। क्या यह progressive scheme नहीं है? अगर है तो मुखालिफत क्यों? या सिर्फ यही बात है कि झूठे आंसू ही बहाया करते हैं? अब क्यों कहा जा रहा है कि बजट को burden कर रही है सरकार, और फज़ूलखर्ची कर रही है?

(*At this stage Mr. Deputy Speaker occupied the Chair.*)

फिर, जनाब, बहुत progressive parties की तरफ से कहा गया, कि यहां भी और बाहर भी कि luxuries पर tax लगाना चाहिए, बड़े आदमियों पर tax लगना चाहिए और छोटों को relief देना चाहिए। मैं पूछता हूं क्या Property Tax या House Tax गरीबों पर लगे हुए हैं? और क्या Entertainment Tax बढ़ा देने से ग़रीबों पर बोझ पड़ेगा। यह entertainment luxury है या necessity? गरीब को तो रोटी के लाले पड़े होते हैं वह सिनेमा कहां देख सकता है। मुझे इन की बातें सुन कर हैरत होती है। Criticism हो healthy किस्मकी। अगर यह चाहते हैं कि यह sources tap न किए जाएं तो और तरीके बताएं कि सरकार कैसे अपनी ऊपर बताई स्कीमें पूरी कर सकती हैं। मैं, स्पीकर साहिब, कोई बड़ा economic expert नहीं हूं सादा सा आदमी हूं। लेकिन मैं अर्ज़ करूंगा आज की दुनिया में बड़े से बड़ा deficit budget is always a bad budget. यह कौन सी economic theory में है? अगर बजट uncovered छोड़ दिया जाए तो speculation हो जाएगी लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि यह deficit uncovered नहीं छोड़ा गया और जो tax लगाया गया वह luxury पर लगाया गया, ताकि poor आदमी को relief मिले। इस पर मैं

[राम्रो गजराज सिंह]

समझता हूं कि इतना वावेला मचाने की बात न थी । और मैं अब भी यहीं कहता हूं कि यह जो tax लगे हुए हैं वह justified हैं । और मैं उन लोगों को दावत देता हूं जो यह कहते हैं कि यह progressive taxes justified नहीं है अगर नहीं हैं तो वे आकर बतलाएँ कि और कौन से taxes ऐसे हो सकते हैं जिन से सरकार को आमदनी हो सकती है ।

हमारे पंजाब की economy इसलिए sound है क्योंकि हमारी सरकार गांवों की ओर ज्यादा ध्यान दे रही है । और जल्दी ही वह वक्त आने वाला है जब कि बाहर से अनाज वगैरह मंगाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी ।

यहां पर कुछ चीज़ों की तरफ़ सरकार का ध्यान दिलाया गया । उनसे मैं भी मुत्तफिक हूं और वह हैं waterlogging और floods जो कि हमारे लिए तबाही का बाइस बनी हुई हैं । इसके बारे में मैं भी यही कहना चाहता हूं कि budget में provision इस दर्जे तक होनी चाहिए थी कि यह दो बड़ी ills दूर हो सकती हैं । अभी कल कांगड़ा के एक मैम्बर साहिब ने कहा था कि वहां पर erosion हो रहा है । इसके साथ ही मैं भी यह कहना चाहता हूं कि रोहतक और गुड़गांव के ज़िला में अभी तक पानी भरा हुआ है । इसके बारे में मेरा suggestion अगर माना जाए तो दोनो ही बातें दूर हो सकती हैं । और वह suggestion यह है कि पहाड़ के इलाके में बांध बांधे जाएं । इससे दो फायदे होंगे । एक तो पहाड़ के इलाके में erosion बंद होगा और जो पानी बह कर आता है वह बंद हो जाने से बाढ़ रुक जाएगी और water logging भी कम होगी ।

मेरा खास suggestion गुड़गांव के बारे में यह है कि वहां एक काला पहाड़ है वहां पर बन्द लगाया जाए इससे बहुत फ़ायदा हो सकता है । वरना उस इलाके में बड़ी तबाही हो रही है ।

आज की developed economy में यह बहुत ज़रूरी है कि सड़कें बनाई जाएं और इसके लिए लोगों को inspire किया जाए और उन्हें transport की proper facilities दी जाएं तो rural economy बहुत develop हो सकती है ।

यहां कहा जाता है अगर कांगड़ा की economy ठीक कर दी तो labour कहां से मिलेगी और हरियाना के लिए व नारनोल के लिए भी यह कहा जाता है अगर वह इलाका develop कर दिया जाए तो फौज के लिए आदमी नहीं मिलेंगे या सरकार को oppose करने वाले हो जाएँ गे । तो मैं कहना चाहता हूं कि यह ख्याल तो अँग्रेज़ों के वक्त का है । उनकी economy में तो यह बात ज़ेब दे सकती थी लेकिन अब जब हिन्दुस्तान आज़ाद हो गया है ऐसी बात सोचनी भी गुनाह है ।

इस के साथ ही मैं एक बात कहना चाहता हूं कि हरियाने के गांवों में बिजली liberally पहुंचानी चाहिए ताकि मीठे पानी के जो कुएं है वह बिजली से चलाए जा सकें । आज कल हालत यह हैं कि 3,3 साल लोगों को apparatus खरीदे हो गए हैं लेकिन बिजली नहीं मिली है ।

मैं आप की खिदमत में अर्ज़ करूंगा कि इस इलाके को liberal तौर पर बिजली दें इस वक्त हालत यह है कि दिल्ली के white elephant की luxury की demand को ठुकराने

की हिम्मत नहीं पड़ती लेकिन दूसरी तरफ़ गुड़गांव के इलाके की हालत यह है कि पीने के पानी के लिए खातर खाह कुएं नहीं हैं । मैं सरकार पर ज़ोर दूंगा कि वह हरियाना के इलाका की इस जायज़ demand को पूरा करे और सर छोटूराम के वे अल्फ़ाज़ याद करे कि भाखड़ा हरियाना के लिए बनाया जा रहा है । मैं पूछता हूं कि आज कितनी बिजली हरियाना को दी गई, कौन सी नहर हरियाना में चली गई । अगर आप पंजाब को एक unit में रखना चाहते हैं तो जिस तरह जब तक diseased limb का इलाज न करें तो जिस्म सही तौर पर काम नहीं कर सकता उसी तरह जब तक हरियाना की हालत को सुधारा न गया पंजाब का एक unit में काम करना मुश्किल हो जाएगा ।

Lower grade employees को ज्यादा से ज्यादा relief मिलना चाहिए और यह जो पांच रुपए का relief दिया गया है यह भी वक्त पर दिया जाए और small scale industries में उन के कुनबे के इमदाद की जाये, तब उन का गुज़ारा हो सकता है ।

मैं बलराम दास टंडन के इस सुझाव को welcome करता हूं कि बजट का 40 प्रतिशत भाग हरियाना के पिछड़े हुए इलाके को मिलना चाहिए और 20 फीसदी पहाड़ी इलाके को । मैं समझता हूं कि यह एक बहुत अच्छा सुझाव है और इसे मान लेना चाहिए। क्योंकि अगर पेट बहुत बढ़ जाए और दूसरे अंगों में खून न रहे तो यह सारे जिस्म के लिए हानिकारक होता है ।

मैं ने सारे बजट की छान बीन की है लेकिन मुझे हरियाना में सैनिक स्कूल सी कोई बात दिखाई नहीं दी । अन्त में मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि हरियाना के undeveloped इलाकों को develop किया जाये तभी सारे पंजाब की progress हो सकती है । (घंटी)

अन्त में, मैं यह अर्ज़ करूंगा कि यह healthy budget तभी हो सकता है बशर्ते कि जिस spirit में इसे पेश किया गया है उसी spirit में इसे implement किया जाये ।

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ (ਊਨਾ) : ਇਸ ਵਾਰ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਬਜਟ Finance Minister ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ Finance Department ਨੇ ਬੜੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰੀ ਦੇ ਨਾਲ ਅਤੇ ਬੜੀ skilfully ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰੀ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਪਹਿਲੂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਾਹਿਰਾ ਤੌਰ ਤੇ ਸਿਰਫ ਦੋ ਟੈਕਸ ਹੀ ਲਾਏ ਹਨ । ਆਮ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਦੇਖਣ ਵਿਚ ਇਹ ਮਾਲੂਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਇਨ੍ਹਾ ਨੇ ਤਫ਼ਰੀਹ ਟੈਕਸ ਲਾਇਆ ਹੈ ਔਰ ਦੂਸਰਾ ਟੈਕਸ sales ਟੈਕਸ ਵਧਾਉਣ ਦਾ ਲਾਇਆ ਹੈ । ਇਸ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ balance ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੇਰੇ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਰਾਉ ਗਜਰਾਜ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਐਸ਼ ਇਸ਼ਰਤ ਦੀ ਚੀਜ਼ ਤੇ ਹੀ ਟੈਕਸ ਲਾਇਆ ਹੈ । ਜ਼ਾਹਿਰਾ ਤੌਰ ਤੇ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਮਾਲੂਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਮਗਰ ਅਸੀਂ ਦੇਖਣਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਤਫ਼ਰੀਹ ਟੈਕਸ ਹੈ ਇਹ ਹੈ ਕਿਤਨਾ ਕੁ । ਇਸ ਦਾ ਸਾਰਾ 11 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਬਣਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਵਿਕਰੀ ਟੈਕਸ ਆਮ ਜਨਤਾ ਤੇ, ਕਿਸਾਨਾਂ ਤੇ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਤੇ ਅਤੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਤੇ ਪੈਣਾ ਹੈ ਉਹ ਇਕ ਕਰੋੜ 20 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਹੈ । ਰਾਉ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਕ ਰਕਮ ਨਹੀਂ ਨਜ਼ਰ ਆਈ । ਦੂਸਰਾ ਪਹਿਲੂ ਜਿਹੜਾ Finance Department ਦੀ ਇਸ ਬਜਟ ਨੂੰ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰੀ ਜ਼ਾਹਿਰ ਕਰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ

[ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ]

ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਬਤ ਇਹ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੁਲ ਇਕ ਕਰੋੜ 31 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੇ ਟੈਕਸ ਲਾਏ ਹਨ । ਲੇਕਿਨ ਹਕੀਕਤ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਹਕੀਕਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ 5 ਕਰੋੜ 66 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੇ ਟੈਕਸ ਵਸੂਲੇ ਜਾਣੇ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ detail ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਇਕ ਕਰੋੜ ਔਰ 31 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਵੇਂ ਟੈਕਸ ਲਾਏ ਹਨ । ਬਾਕੀ stamp duty ਤੋਂ ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਮਦਨ ਹੋਣੀ ਹੈ ਉਹ ਇਕ ਕਰੋੜ 75 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਹੈ । ਜਿਹੜਾ ਮਾਲੀਆ ਵਧਾਇਆ ਹੈ ਉਸ ਤੋਂ 1 ਕਰੋੜ 45 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਆਮਦਨ ਹੋਣੀ ਹੈ । ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ property ਟੈਕਸ ਵਜੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 35 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਵਸੂਲ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਮਰਲਾ ਟੈਕਸ ਵਜੋਂ 45 ਲਖ ਦੀ ਆਮਦਨ ਹੋਣੀ ਹੈ । ਫੇਰ ਖੁਸ਼ਹੈਸੀਅਤੀ ਟੈਕਸ ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਸੂਲਣਾ ਹੈ ਉਹ 35 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਹੈ । ਸੋ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਕੇ ਕੁਲ ਰਕਮ 5 ਕਰੋੜ 66 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਬਣਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਏਸੇ ਸਾਲ ਹੀ ਵਸੂਲ ਕਰਨੀ ਹੈ । ਵੈਸੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸਿਰਫ ਇਕ ਕਰੋੜ 31 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੇ ਹੀ ਟੈਕਸ ਲਾਏ ਹਨ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰੀਆਂ ਸਟੇਟਾਂ ਦੇ ਨਾਲੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਟੈਕਸ ਹਨ । ਏਥੇ ਜਿਹੜਾ ਟੈਕਸ per capita ਬੈਠਦਾ ਹੈ ਉਹ 22% ਬਣਦਾ ਹੈ ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਰਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ tax ਜ਼ਿਆਦਾ ਨੇ ਔਰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ tax $22\frac{1}{2}\%$ per capita ਬਣਦੇ ਨੇ ਸਿਰਫ ਇਹੋ ਹੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਦੂਜੀ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਪੰਜਾਂ ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਬਜਟ ਨੂੰ ਦੇਖਿਆ ਜਾਏ, ਜਿਹੜਾ Second Five Year Plan ਅਸੀਂ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਮੋਟੇ ਤੌਰ ਤੇ ਦੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ 1956-57 ਵਿਚ 30,72 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੇ tax ਲਗਾਏ ਗਏ ਸਨ, 1958-59 ਵਿਚ 33,72 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੇ ਤੇ 1959-60 ਵਿਚ 35,77 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੇ । ਮੈਂ ਬਾਕੀ ਦੇ taxes ਨੂੰ ਛਡ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਔਰ ਮੈਂ ਸਾਰਿਆਂ taxes ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਿਹਾ । ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਤੇ ਪਿਛਲੇ ਪੰਜਾਂ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ 72.8% ਅਜਿਹੇ tax ਪਏ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹੋਰ ਵਧਾਏ ਨੇ । ਔਰ ਇਹ ਸਚਾਈ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਤੋਂ ਕੋਈ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ । ਔਰ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਆਪ ਹੀ ਬਜਟ ਦੇ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ । ਔਰ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬੋਝ ਪਿਆ ਹੈ ਅਗਰ ਇਸ ਨੂੰ ਦੇਖਿਆ ਜਾਏ ਕਿ ਇਹ ਕਿਸ class ਤੇ ਪਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਸਾਫ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਮਜ਼ਦੂਰ ਤਬਕੇ ਤੇ ਔਰ ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਪਿਆ ਹੈ, ਔਰ ਇਹ ਪਿਆ ਵੀ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਹੈ ਜਦਕਿ ਆਮ ਜ਼ਰੂਰਤ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੇ ਭਾ ਇਤਨੇ ਚੜ੍ਹ ਚੁਕੇ ਨੇ ਕਿ ਜਿਹੜਾ fixed income ਵਾਲਾ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਤਬਕਾ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਕਚੂਮਰ ਵੀ ਇਸ ਮਹਿੰਗਾਈ ਨੇ ਕਢ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਔਰ ਇਨ੍ਹਾਂ taxes ਦਾ ਬੋਝ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਬਹੁਤ ਪਿਆ ਹੈ। ਫਿਰ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਜਿਹੜੇ tax ਵਧਾਏ ਨੇ, ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਬੜੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰੀ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲੈਂਦੀ ਰਹੀ ਹੈ । Taxes ਤੋਂ ਹੋਈ ਆਮਦਨੀ ਹਮੇਸ਼ਾ ਘਟ ਦਿਖਾਈ ਜਾਂਦੀ ਰਹੀ ਹੈ ਤੇ ਖਰਚ ਜਿਹੜਾ beneficent departments ਤੇ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਵਧਾ ਚੜ੍ਹਾ ਕੇ ਦਸਿਆ

ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ-ਭਲਾਈ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਇਤਨਾ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ, ਜਿਤਨਾ ਦਿਖਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਕੇ ਇਹ ਨਵੇਂ tax ਲਗਾਉਣ ਲਈ ground ਪੈਦਾ ਕਰਦੇ ਨੇ । ਇਹ ਚੀਜ਼ ਆਪ ਨੂੰ ਇਸ ਤੋਂ ਸਾਫ਼ ਮਲੂਮ ਹੋ ਜਾਏਗੀ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਪੰਜਾਂ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ 28.88 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ surplus show ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਹ ਸਾਰੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ tax ਲਾਉਣ ਦੀ ਨੀਤੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਸਾਬਤ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਗੱਲ ਮੈਂ ਹੋਰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਰਕਾਰ Centre ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ taxes ਦਾ ਆਪਣਾ ਪੂਰਾ ਹਿਸਾ ਲੈਣ ਵਿਚ ਬੁਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ fail ਹੋਈ ਹੈ । ਹੋਰ ਕੋਈ State ਨਹੀਂ ਜਿਹੜੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ fail ਹੋਈ ਹੋਵੇ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਡੀ state ਦੀ ਸਰਕਾਰ fail ਹੋਈ ਹੈ । ਮਗਰਬੀ ਬੰਗਾਲ, U.P., ਬੰਬਈ ਔਰ ਆਂਧਰਾ ਵਗੈਰਾ ਜਿਹੜੀਆਂ states ਨੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੇਖੋ, ਉਹ ਆਪਣੇ ਹਿੱਸੇ ਤੋਂ ਵੀ ਵਧ ਹਿਸਾ ਲੈ ਜਾਂਦੀਆਂ ਨੇ ਔਰ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਪਿਛਲੇ 5 ਸਾਲਾਂ ਦਾ ਹਿਸਾਬ ਦੇਖੋ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗੇਗਾ ਕਿ ਇਹ ਹਮੇਸ਼ਾ ਘਟ ਲੈਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਔਰ ਇਹ Centre ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਜਿਹੜਾ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਸ਼ੇਰ ਹੈ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗਿਦੜ ਸਾਬਤ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਜੋ ਇਸ ਲਈ ਵਾਜਬ ਚੀਜ਼ ਸੀ ਉਹ ਵੀ ਹਾਸਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਿਆ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਚੰਦ ਮਿਸਾਲਾਂ ਦੇਣੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ Planning Commission ਨੇ ਔਰ ਮਰਕਜ਼ੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਦੂਜੀ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ 1,62 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਦੇਣਾ ਮੰਨਿਆ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਮਿਲਿਆ ਕੁਲ 1,51 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ । ਜੋ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਉਹ ਪੂਰਾ ਨਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਜਿਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਜਿਥੇ ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੀ Second Five Year Plan ਨੂੰ ਕਾਮਯਾਬ ਕਰਨ ਲਈ 46 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਪੈਣਾ ਸੀ ਉਥੇ ਸਾਨੂੰ 67 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਪਿਆ, ਯਾਨੀ ਸਾਨੂੰ ਤਕਰੀਬਨ 21.67 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਵਾਧੂ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਪਿਆ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਵਜੋਂ ਸਾਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ tax ਵੀ ਲਾਉਣੇ ਪਏ ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੂਜੀ ਮਿਸਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪਣੀ ਤੀਜੀ Plan ਵਾਸਤੇ 298 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਨਿਸਚਤ ਕੀਤੀ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਮਰਕਜ਼ੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਅੰਗੂਠਾ ਦਸ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਇਸ ਲਈ ਤੁਹਾਨੂੰ 2,31 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਮਿਲੇਗਾ ਔਰ 298 ਕਰੋੜ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇਗਾ । ਦੂਸਰੀ ਚੀਜ਼ ਇਸ ਬਾਰੇ note ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲੇ ਮਰਕਜ਼ੀ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲ ਇਹ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ 58 ਫੀ ਸਦੀ ਉਹ ਖਰਚ ਕਰੇਗੀ ਤੇ ਬਾਕੀ 42 ਫੀ ਸਦੀ ਅਸੀਂ ਖਰਚ ਕਰਾਂਗੇ ਪਰ ਹੁਣ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਫੈਸਲੇ ਤੋਂ ਵੀ retreat ਕਰਨਾ ਪਿਆ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਨੇ 50% ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਮੰਨ ਲਿਆ ਹੈ ਔਰ ਤੀਜੀ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਸਾਲ 39.18 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ ਜਿਸ ਵਿਚ 19 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਕਰੀਬ ਮਰਕਜ਼ੀ ਸਰਕਾਰ ਦਵੇਗੀ ਤੇ 19 ਕਰੋੜ ਸਾਡੀ State ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ

[ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ]

ਜਿਹੜਾ ਤਰੱਕੀ ਦਾ tempo ਹੈ ਉਹ ਉਚਾ ਨਹੀਂ ਜਾਵੇਗਾ ਬਲਕਿ ਉਹ tempo ਥਲੇ ਨੂੰ ਜਾਵੇਗਾ।

ਇਕ ਹੋਰ ਗੱਲ ਜਿਹੜੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਹ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਲਈ ਬੜੀ ਖਤਰਨਾਕ ਹੈ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੰਨ ਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ Centre ਤੋਂ ਜਿਹੜਾ ਅਸੀਂ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਲਈ ਕਰਜ਼ਾ ਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਸੀਂ ਉਸ ਦਾ ਸੂਦ ਅਦਾ ਕਰਾਂਗੇ। ਔਰ 1952-53 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਸੂਦ 4% ਜਾਂ 4% ਤੋਂ ਵੀ ਵਧ ਲਗਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਹਾਲਾਂਕਿ Finance Commission ਨੇ ਇਹ ਸਿਫਾਰਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਕਰਜ਼ਾ States ਨੂੰ ਇਹੋ ਜਿਹਿਆਂ purposes ਲਈ ਦਿੱਤਾ ਜਾਏ ਉਸ ਦਾ ਸੂਦ 3% ਤੋਂ ਵਧ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਲੇਕਿਨ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 4% ਸੂਦ ਲੈਣਾ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ ਔਰ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੋਈ ਹੀਲ ਹੁੱਜਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਔਰ ਇਹ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ—

ਪੇਟ ਬੇਗਾਨੇ ਮੁੱਕੀਆਂ ਤੇ ਬੀਬੀ ਦਾ ਦਿਲ ਦਰਿਆ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਰਕਜ਼ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਹ ਸੂਦ ਘਟ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਜ਼ਰਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਸੂਦ ਘਟ ਕਰੋ। ਅਗਰ ਇਹ ਸੂਦ ਇਕ % ਵੀ ਘਟ ਜਾਂਦਾ ਔਰ 4% ਦੀ ਬਜਾਏ 3% ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਫਿਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚ 1.75 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਹਰ ਸਾਲ ਵਧ ਰਹਿ ਜਾਣੇ ਸਨ ਔਰ ਉਸ ਰੁਪਏ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਫਾਇਦੇ ਲਈ ਵਰਤ ਸਕਦੇ ਸੀ। ਇਥੇ ਵੀ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ fail ਹੋਈ ਹੈ।

ਫਿਰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਤੇ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਖਰਚੇ ਜਾ ਚੁਕੇ ਹਨ ਔਰ ਇਹ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਾਂਤ ਦੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਨੂੰ main line ਤੇ ਲੈ ਆਉਣ ਲਈ Centre ਵਾਲਿਆਂ ਦ ਅਗੇ ਬਾਰ ਬਾਰ ਤਰਲੇ ਕਢੇ ਗਏ ਨੇ ਲੇਕਿਨ ਹਾਲੇ ਤਕ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ। ਸ਼੍ਰੀ ਜਗਜੀਵਨ ਰਾਮ, ਜਿਹੜੇ Centre ਦੇ ਮਿਨਿਸਟਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਾਲੇ ਤਕ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਐਲਾਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਔਰ ਇਹ ਗੱਲ ਹਾਲਾਂ ਤਕ ਲਲੇ ਵਿਚ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ ਔਰ ਸਾਡੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ confidence ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਔਰ ਇਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਕਿ ਆਇਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਡੇ ਇਸ ਮੁਤਾਲਬੇ ਨੂੰ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਮੰਨ ਲਿਆ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਮੰਨਿਆ। (लोक कार्य मंत्री : 25 दफा लिखा है।)

ਜਿਥੋਂ ਤਕ heavy industries ਦਾ ਤਅਲੁਕ ਹੈ, ਇਸ ਵਿਚ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਨੂੰ ਬਿਲਕੁਲ ਨਜ਼ਰ ਅੰਦਾਜ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਸਾਫ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅੰਗਰੇਜ਼ ਸਾਮਰਾਜੀਆਂ ਲਈ ਸਾਡਾ ਦੇਸ਼ ਇਕ ਨੌ ਆਬਾਦੀ ਸੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਡਾ ਸੂਬਾ ਵੀ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਇਕ colony ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਇਸ ਦੀ development ਲਈ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੀ। ਇਥੇ ਕੋਈ heavy industries ਨਹੀਂ ਲਗਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਔਰ ਮਰਕਜ਼ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਨੂੰ ਨਜ਼ਰਅੰਦਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜਦ ਇਸ ਮਤਲਬ ਲਈ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਪਿਠ ਪਿਛੇ ਖੜ੍ਹੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਫਿਰ ਇਹ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਜ਼ੋਰ ਪਾਕੇ Centre ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਦਲੇਰੀ ਨਾਲ ਔਰ ਜੁਰਅਤ ਨਾਲ heavy industries ਲਈ ਔਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਾਕੀ ਚੀਜ਼ਾਂ ਲਈ ਕਹਿੰਦੀ ?

ਪਿਛਲੇ ਪਲਾਨ ਵਿਚ 11 ਕਰੋੜ 75 ਲਖ ਦੀ cut ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਹੈਰਾਨ ਹੋਵੋਗੇ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ cut ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਤੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਿਵੇਂ Agriculture Industry, Social Services, Medical Education ਅਤੇ Plan development ਹਨ । ਇਸ ਸਾਲ ਇਸ cut ਨੂੰ 19 ਕਰੋੜ 79 ਲਖ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਰਕਮ ਖਰਚ ਕਿਸ ਗੱਲ ਤੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, unproductive ਸਕੀਮਾਂ ਤੇ। ਅਜਿਹੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਤੇ ਜਿਸ ਤੋਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ, ਆਮ ਪਬਲਿਕ ਨੂੰ, ਕੋਈ ਲਾਭ ਨਹੀਂ । ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ Chandigarh ਤੇ ਪਿਛਲੇ ਪਲਾਨ ਵਿਚ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ 4 ਕਰੋੜ 46 ਲਖ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ ਪਰ ਇਸ ਦੀ ਥਾਂ 6 ਕਰੋੜ 65 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਅਜਿਹੀ ਸਕੀਮ ਤੋਂ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ, ਨਾ ਹੀ ਇਸ ਨਾਲ ਉਪਜ ਵਧਦੀ ਹੈ । ਪਰ ਅਜਿਹੀਆਂ unproductive ਸਕੀਮਾਂ ਤੇ ਖਰਚ ਅਗੇ ਨਾਲੋਂ ਬਹੁਤ ਵਧ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿ ਇਸ ਬੁਰਜ ਨੁਮਾ ਹਾਲ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਸੀ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਅਵਾਜ਼ ਤਿੰਨ ਪਾਸਿਆਂ ਤੋਂ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ? ਅਸੀਂ ਕੀ ਇਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਿਤੇ ਬੈਠ ਕੇ ਕਾਨੂੰਨ ਨਹੀਂ ਸਾਂ ਬਣਾ ਸਕਦੇ ? ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਕਈ ਹੋਰ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਕੰਮ ਸਾਰ ਸਕਦੇ ਸਾਂ । ਕੀ ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਕੁਰਸੀਆਂ ਨੂੰ ਕੰਡੇ ਲਗੇ ਹੋਏ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਸੀਂ ਬੈਠ ਨਹੀਂ ਸਾਂ ਸਕਦੇ ਜਾਂ ਜੋ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਅਤੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾ ਨੇ ਚੁਭਦੀਆਂ ਸਨ ਇਹ ਇਕ unproductive ਸਕੀਮ ਹੈ ਪਰ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਤਾਂ ਆਦਤ ਮੁਗਲਾਂ ਵਾਂਗ ਬਣ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿ ਖਰਚ ਕਿੰਨਾ ਹੀ ਹੋਵੇ ਪਰ ਮੁਗਲਈ ਸ਼ਾਨ ਸ਼ੌਕਤ ਵਧਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਤਾਂ ਵੇਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸ਼ਾਨ ਹੋਰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਧਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜ਼ਰਾ ਹੋਰ ਅੰਕੜਿਆਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦਿਉ ਕਿ ਜਿਥੇ ਤਾਲੀਮ ਤੇ 12 ਕਰੋੜ 32 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਸੀ ਉਥੇ ਹੁਣ 8 ਕਰੋੜ 6 ਲਖ ਹੋਇਆ । Industry ਤੇ 9 ਕਰੋੜ 34 ਲਖ ਹੋਣਾ ਸੀ ਪਰ 4 ਕਰੋੜ 91 ਲਖ ਹੋਇਆ । ਫਿਰ ਹੈਲਥ ਤੇ 9 ਕਰੋੜ 63 ਲਖ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਸੀ ਇਸ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ 5 ਕਰੋੜ 83 ਲਖ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ Education ਵਿਚ 78 ਲਖ, ਮੈਡੀਕਲ ਵਿਚ 17 ਲਖ, Agriculture ਵਿਚ 13 ਲਖ ਅਤੇ ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਨ ਵਿਚ 8 ਲਖ ਘਟ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਭਲਾਈ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਤੋਂ ਰੁਪਿਆ ਬਚਾ ਕੇ ਖਰਚ ਕਿਸ ਤੇ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ? 14 ਲਖ ਪੁਲਿਸ ਤੇ ਅਤੇ 14 ਲਖ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਤੇ (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਕਰਤੂਤ ਮੇਰੀ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਸਭ ਤੁਹਾਡੀ ਮੇਹਰਬਾਨੀ ਹੈ ਜਾਂ ਤੁਹਾਡੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਥੀਆਂ ਦੀ ਜੋ ਕਦੀ ਤੁਹਾਡੇ ਨਾਲ ਰਲ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਦੀ ਅਲਗ ਹੋ ਬੈਠਦੇ ਹਨ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ revenue expenditure ਦਾ ਤਅਲਕ ਹੈ ਜਿਹੜਾ administration ਤੇ ਖਰਚ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ 1956-57 ਵਿਚ 4 ਕਰੋੜ 47 ਲਖ ਸੀ ਅਤੇ ਹੁਣ 1961-62 ਵਿਚ 5 ਕਰੋੜ 86 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਮਾਅਨੇ ਇਹ ਨੇ ਕਿ ਇਸ ਪਖ ਵਿਚ ਖਰਚ ਬਹੁਤ ਵਧ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਘਟਾਣ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਸਾਲ 1956-57 ਵਿਚ ਇਸ ਵਾਸਤੇ 30.4 ਸੀ ਤੇ ਹੁਣ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, 28.8 ਹੈ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ large scale industry ਤੇ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦੀ ਮਦ ਹੈ,

[ਪੰਡਿਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ]

ਸਾਰੇ ਦਾ ਕੇਵਲ 3 ਫੀ ਸਦੀ। ਇਹ ਅਜ ਕਲ੍ਹ ਦੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ development ਦੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ, ਜਦ ਕਿ ਦੂਜੇ ਮੁਲਕ ਸਾਇੰਸ ਵਿਚ ਅਤੇ ਸਨਅਤ ਵਿਚ ਛਲਾਂਗਾਂ ਮਾਰ ਕੇ ਅਗਾਂਹ ਲੰਘ ਗਏ ਹਨ, ਕੁਲ ਖਰਚ ਦਾ 3% industry ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਕੀ ਅਨੁਮਾਨ ਲਗਾਇਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਤਰੱਕੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਜਾਂ ਤਨਜ਼ਲੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਰਚ ਕਰਨ ਨਾਲ ਜਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ percentage fix ਕਰਨ ਨਾਲ ਸੂਬੇ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਫਿਰ ਮੈਡੀਕਲ, ਪਬਲਿਕ ਹੈਲਥ ਤੇ ਜੋ ਰਕਮ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ 4 ਕਰੋੜ 97 ਲਖ ਉਹ ਬਹੁਤ ਥੋੜੀ ਹੈ ਅਤੇ ਅਜ ਕਲ੍ਹ ਜੋ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਹੈ ਉਹ ਕਿਸੇ ਪਾਸੋਂ ਲੁਕੀ ਹੋਈ ਨਹੀਂ। ਜਿਥੇ ਕਿਤੇ ਵੀ ਜਾਉ no doctor, no medicine, ਦਾ ਫੱਟਾ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਨਾ ਦਵਾਈ ਹੈ ਨਾਂ ਦਵਾਈ ਦੇਣ ਵਾਲਾ ਡਾਕਟਰ ਹੀ ਮੌਜੂਦ ਹੈ। ਹੁਣ ਜ਼ਰਾ capital outlay ਪੂੰਜੀ ਖਾਤੇ ਵਲ ਨਿਗਾਹ ਮਾਰੋ, 1960-61 ਵਿਚ 30 ਕਰੋੜ 9 ਲਖ ਖਰਚ ਤੇ ਹੁਣ 22 ਕਰੋੜ 84 ਲਖ। ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਨਿਕਲਿਆ ਕਿ ਆਬਪਾਸ਼ੀ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ suspend ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਇਸ ਨਾਲ ਨੁਕਸਾਨ ਹੀ ਰਿਹਾ ਹੈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ।

ਪਰ ਹਾਂ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਇਹ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੁਝ ਚੰਗੇ ਨੁਕਤੇ ਵੀ ਹਨ ਜਿਸ ਦਾ ਮੈਂ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਫਸਲਾਂ ਦੀ insurance। ਇਹ ਇਕ ਚੰਗਾ ਫੈਸਲਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਪਰ ਜੇਕਰ ਇਸ ਤੇ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ। ਨਹੀਂ ਤਾਂ, ਫੈਸਲਾ ਫੈਸਲਾ ਹੀ ਨਾ ਰਹਿ ਜਾਵੇ। ਜੇਕਰ ਕੁਝ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚ ਇਸ ਦਾ ਤਜਰਬਾ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਬਾਕੀਆਂ ਵਿਚ ਵੀ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ primary education free ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਵੀ ਇਕ ਚੰਗਾ ਕਦਮ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਨੌਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦੀਆਂ ਲੜਕੀਆਂ ਦੀ ਫੀਸ ਮਾਫ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਚੌਥੇ ਦਰਜੇ ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਪੰਜ ਰੁਪਏ ਵਧਾ ਦਿਤੀ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਵੀ ਚੰਗਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜ ਏਕੜ ਤਕ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਮਾਲੀਆ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਖਰਚ ਕਰਨ ਲਈ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ ਇਹ ਪੰਜ ਨੁਕਤੇ ਚੰਗੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ good points ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਜਿਥੋਂ ਤਕ Primary Education ਦਾ ਤਅਲੁਕ ਹੈ ਖਰਚ ਵਧਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਬੜੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰੀ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲਿਆ ਹੈ। Education Minister ਸਾਹਿਬ ਆਪ ਇਸ ਸਮੇਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬੈਠੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪੜ੍ਹਾਕੂਆਂ ਦੀਆਂ ਫੀਸਾਂ ਵਧਾਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਪਹਿਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ 10 ਰੁਪਏ ਫੀਸ ਅਤੇ 3 ਰੁਪਏ funds ਸਨ ਉਥੇ ਹੁਣ 12 ਜਮਾਂ 6 ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ Second Year ਵਿਚ 15 fee ਅਤੇ 6, ਕੁਲ 21 ਰੁਪਏ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ Third Year ਅਤੇ M.A. ਵਿਚ 19 ਜਮ੍ਹਾਂ 9, 28 ਰੁਪਏ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਇਕ ਖਤਰਨਾਕ ਫੈਸਲਾ ਹੈ। ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਬਹੁਤ ਪੜ੍ਹਿਆ ਨਾ ਮਿਲ ਸਕੇ? Higher education ਤਾਂ ਉਹੀ ਲੈ ਸਕਣਗੇ ਜੋ ਫੀਸ ਭਰ

ਸਕਦੇ ਹੋਣ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਮਾਮੂਲੀ ਸਰਮਾਏ ਦੇ ਲੋਕ ਤਾਂ higher education ਹਾਸਿਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਣਗੇ । ਇਹ ਬਹੁਤ ਭੈੜੀ ਗੱਲ ਹੈ । ਜਿਥੇ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦੀ Primary Education ਵਧਾਣ ਤੇ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਖਰਚ ਲਈ ਖੁਸ਼ਆਮਦੇਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਉਥੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਇਵੇਟ ਟੀਚਰਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਲਬੇ ਵੀ ਮੰਨ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਕ ਤਾਂ ਮੁਸ਼ਤਰਕਾ ਕਾਡਰ ਅਤੇ ਮਸਲਸਲ ਗਰੇਡ ਹੋਵੇ ਘਰ ਤੋਂ ਦੂਰ ਮਦਰਸ ਨਾ ਦਿਤੇ ਜਾਣ । ਅਲਾਊਂਸ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਅਤੇ A. D. Is ਦੀਆਂ ਤਕਰਰੀਆਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਟੀਚਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ । ਜਿੰਨੇ ਸਕੂਲ 1-10-1957 ਤੋਂ provincialize ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਵਾਲੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਟੀਚਰਾਂ ਨੇ ਬਿਨਾ ਲਿਹਾਜ਼ ਦੇ ਪੈਨਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫੌਜੀ ਖ਼ਿਦਮਾਤ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਰਵਿਸਾਂ ਨੂੰ ਨੌਕਰੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰਕੇ ਤਰਕੀ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਜਿੰਨੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਹਨ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ accept ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਇਹ ਇਕ ਬਕਰੀਆਂ ਦਾ ਵਾੜਾ ਬਣ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਮਾਸਟਰ ਨੇ ਹਥ ਵਿਚ ਸੋਟੀ ਫੜ ਲਈ ਤੇ ਆਪਣੀ ਰੋਟੀ ਦੀ ਫਿਕਰ ਵਿਚ ਲਗਾ ਰਿਹਾ, ਇਸ ਫਿਕਰ ਵਿਚ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਬਚਿਆਂ ਦਾ ਪਾਲਨ ਕਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕਰੇ । ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੰਗਾਂ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ accept ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਬੜੀ ਹੀ ਖੌਫਨਾਕ ਤੇ ਭਿਆਨਕ ਤਸਵੀਰ ਪੇਸ਼ ਕਰਦੀ ਹੈ, ਉਹ ਹੈ water-logging. ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਖੁਦ ਮੰਨਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਰਾਹੀਂ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ 14 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ relief ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 5,44,00,000 ਦਾ ਖਰਚ ਕੀਤਾ । ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦਾ loss 19½ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਵੀ ਮੰਨਦੀ ਹੈ ਕਿ 55 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਸੇਮ ਦੇ ਖਾਤਮੇ ਲਈ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । Irrigation ਤੇ Power Minister ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵੀ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ 61 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ water-logging ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਤਦ ਕਿਤੇ ਇਹ ਮਸਲਾ ਹੱਲ ਹੋਵੇਗਾ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਤੀਸਰੀ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲੈਨ ਲਈ 3 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ floods ਲਈ ਅਤੇ 12 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਸੇਮ ਲਈ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦਾ provision ਕੀਤਾ ਹੈ ਪਰ ਸਾਰੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜੋ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਹੈ 2,56,00,000 ਰੁਪਏ । ਮੈਂ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿੱਚ ਹੋਰ ਬਹੁਤਾ ਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਸਿਰਫ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਟੁਕੜਿਆਂ ਤੇ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਵਿਚ ਸੇਮ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨ ਦੀ ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਯਕੀਨ ਜਾਣੋ ਸੇਮ ਖਤਮ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ਤੁਸੀਂ ਖਤਮ ਹੋਵੋਗੇ, ਪੰਜਾਬ ਵਿਕ ਜਾਇਗਾ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਵੇਗਾ । ਇਸ ਲਈ war footing ਤੇ water-logging ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ ।

ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਜ਼ਰਈ ਸੁਧਾਰਾਂ ਦਾ ਤਲੁਕ ਹੈ ਇਹ ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੁਝ reforms ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਜਿਹੜਾ ਅਸਲੀ ਮਸਲਾ ਹੈ ਉਹ ਉਥੇ ਦਾ ਉਥੇ ਹੀ ਹੈ । ਇਹ ਅਜੇ ਤਕ ਇਕ ਇੰਚ ਵੀ ਜ਼ਮੀਨ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਲੈ ਕੇ

[ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ]

ਦੇ ਸਕੇ, ਬਲਕਿ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਜ਼ਮੀਨ surplus ਹੈ । ਜਿਸ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ 22 ਲੱਖ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਬੇਦਖਲ ਹੋ ਗਏ ਹੋਣ, ਉਥੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ surplus ਹੈ ।

ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦੇਣ ਦਾ ਤਆਲੁਕ ਹੈ, ਸਰਕਾਰ ਮੰਨਦੀ ਸੀ ਕਿ 46000 ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਸਾਡੇ ਪਾਸ ਹੈ ਜੋ ਅਸੀਂ landless peasants ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਹੈ । ਪਰ ਅਜੇ ਤੱਕ ਦੋ ਲੱਖ ਦੇ ਕਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਕੋਈ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕੀ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਿਆਇਤ ਤਾਂ ਕੀ ਦੇਣੀ ਸੀ, ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਮੁਨਾਫਾ ਕਮਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਮਰਕਜ਼ੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਖਰੀਦੀ ਸੀ 5 ਰੁਪਏ ਫੀ ਏਕੜ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਅਜ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 400 ਰੁਪਏ ਫੀ ਏਕੜ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਵੇਚੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਉਹ ਵਿਚਾਰੇ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਵੀ ਪੂਰੀਆਂ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਮੁਨਾਫਾ ਹੈ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਅਮ੍ਰੀਕਾ ਦੀਆਂ schemes ਤੇ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਤਾਕਿ ਮੁਲਕ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧੇ ਪਰ ਐਸਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ।

ਹੁਣ ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਿੰਟ ਵਿਚ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਤਹਿਸੀਲ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਈਆਂ ਹਨ । ਇਹ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ । ਪਰ ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਊਨਾ ਦਾ ਤਆਲੁਕ ਹੈ, ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਨੂਰਪੁਰ ਦਾ ਥਾਣਾ ਉਥੋਂ 25 ਮੀਲ ਦੇ ਫਾਸਲੇ ਤੇ ਹੈ, ਉਥੋਂ ਤਕ ਕੋਈ ਸੜਕ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦੀ । ਅਸੀਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਊਨੇ ਤਿੰਨ ਘੰਟੇ ਵਿਚ ਪਹੁੰਚ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਪਰ ਊਨੇ ਤੋਂ ਨੂਰਪੁਰ ਜਾਣ ਵਾਸਤੇ ਸਾਰਾ ਦਿਨ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਮੇਰਾ ਕਹਿਣ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸੜਕ ਪੱਕੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ । ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ ਅਤੇ ਨੰਗਲ ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਬੜੀ ਸੰਘਣੀ ਹੈ, ਇਹ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਬਣਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਜੇਜੋਂ ਤੋਂ ਊਨਾ ਦੀ ਜੋ ਸੜਕ ਹੈ ਇਹ ਵੀ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਬਣਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਉਮੀਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ P.W.D. Minister ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੇ ਏਥੇ ਬੈਠੇ ਹਨ, ਜ਼ਰੂਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣਗੇ ।

ਇਕ ਗੱਲ ਮੈਂ ਲਾਜਪਤ ਰਾਏ Water Works ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਡੀਜ਼ਲ ਇੰਜਣਾਂ ਨਾਲ ਚਲਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਤਕਰੀਬਨ 50 ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦਿੰਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਪਾਣੀ ਬੜਾ ਮਹਿੰਗਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ 3/- ਰੁਪਏ ਫੀ ਜੀਅ ਦਾ ਖਰਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇੰਜਨਾਂ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਖਰਚ ਘਟ ਕੇ -/8/- ਜਾਂ -/12/- ਫੀ ਜੀਅ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵੀ ਤਵਜੋ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਇਕ ਗੱਲ ਹੋਰ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਅਰਜ਼ ਸਮਾਪਤ ਕਰਾਂਗਾ । ਤਹਿਸੀਲ ਊਨਾ ਵਿਚ 32 ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 28 Private Schools ਹਨ । ਏਥੇ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਡਿਗਰੀ ਕਾਲਜ ਖੋਲ੍ਹਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੇਰੇ ਹਲਕ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਿ ਬਹੁਤ ਘਟ ਗਿਣਤੀ ਹੈ ਛੋਟੀਆਂ ਨੌਕਰੀਆਂ ਵਿਚ ਭਰਤੀ ਵੇਲੇ preference ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਆਪਣਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕਰ ਸਕਣ ।

ਇਕ ਗੱਲ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਮੈਂ ਬੈਠਦਾ ਹਾਂ, ਉਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਭਾਖੜਾ ਨੰਗਲ ਦਾ ਕੰਮ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਇਹ ਮਜ਼ਦੂਰ retrench ਹੋ ਜਾਣੇ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮ ਤੇ ਲਾਉਣ ਲਈ ਕੋਈ ਨ ਕੋਈ scheme ਬਣਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਲੋਕ ਨੌਕਰੀਆਂ ਤੇ ਲਗ ਸਕਣ । ਇਤਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਮੈਂ ਆਪਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ (ਸਮਰਾਲਾ 'ਜਰਨਲ') : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪਦੀ ਬੜੀ ਕਿਰਪਾ ਹੈ ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਪੰਡਤ ਜੀ ਦੀ speech ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਅਗਰ ਮੈਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਉ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਪੀਚ ਦਾ ਲੁਬੇ ਲਬਾਬ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਮੁਲਕ ਵਿਚ Agricultural and social reforms ਵੀ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ, ਕਾਲਜ ਵੀ ਹੋਣ, ਸੜਕਾਂ ਵੀ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ, ਹਸਪਤਾਲ ਵੀ ਹੋਣ, ਮਾਨੀਆ ਵੀ ਨਾ ਹਟਾਇਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਛੋਟੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀਆਂ emoluments ਵੀ ਵਧਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ, ਜਿਹੜੇ 1947 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੇ appoint ਹੋਏ ਹਨ, ਉਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹਟਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ;

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਪਿਛਲੇ ਨੌਂ ਦਸ ਸਾਲਾਂ ਦਾ ਤਜਰੁਬਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਵੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਵੀ ਕੋਈ ਟੈਕਸ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਤਾਂ Opposition ਵਲੋਂ ਜ਼ਰੂਰ ਉਸ ਦੀ ਨੁਕਤਾਚਿਨੀ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਉਹ ਹਮੇਸ਼ਾ ਇਹੋ ਹੀ ਆਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਟੈਕਸ ਬੇਜਾ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਜਨਤਾ ਮਰ ਜਾਏਗੀ, ਜਨਤਾ ਲੁੱਟੀ ਜਾਏਗੀ ਯੇਹ ਹੋ ਜਾਏਗਾ ਵੋਹ ਹੋ ਜਾਏਗਾ । ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ Oppsition ਪਾਰਟੀਆਂ ਵੀ ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਦਿੱਲੀ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੇ ਵਿਚ Opposition ਪਾਰਟੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਹੀ repeat ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ । ਮੇਰਾ ਕਹਿਣ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਵਿਚ Opposition ਵਾਲੇ ਇਕ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ mentality ਪੈਦਾ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਨਿਹਾਇਤ ਹੀ ਖਤਰਨਾਕ ਹੈ । ਚਾਹੇ ਕੋਈ ਸਵਤੰਤਰ ਪਾਰਟੀ ਹੈ, ਜਨ ਸੰਘ ਪਾਰਟੀ ਹੈ ਜਾਂ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਹੈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਦਾ centre of criticism ਇਕੋ ਹੀ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਜਿਤਨੇ ਟੈਕਸ ਲਗਦੇ ਹਨ ਉਹ ਸਾਰੇ ਹੀ ਗਲਤ ਅਤੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਲਗਦੇ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਜ ਤੱਕ ਕਿਸੇ ਟੈਕਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵੀ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਚੰਗਾ ਹੈ । ਉਹ ਅਜ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਤਫਰੀਹ ਟੈਕਸ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਇਸ ਦਾ ਬੋਝ ਵੀ ਗਰੀਬਾਂ ਤੇ ਹੀ ਪੈਣਾ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਸਿਨਮਾ ਵੇਖਣ ਲਈ ਅਮੀਰ ਲੋਕ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਪੈਸੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦੇ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, 1947 ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਸਾਡੀ ਜਿਹੜੀ ਹਾਲਤ ਸੀ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲੋਂ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤਰੱਕੀ ਕਰ ਚੁਕੇ ਹਾਂ । ਏਥੇ ਪਹਿਲਾ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਬਣਿਆ, ਫੇਰ ਦੂਸਰਾ ਪਲਾਨ ਚਲਿਆ ਔਰ ਹੁਣ ਤੀਸਰਾ ਪਲਾਨ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਵਾਲਾ ਹੈ ਜਿਸ ਲਈ 231 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ 97 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਸਟੇਟ ਨੇ ਦੇਣਾ ਹੈ ਔਰ ਬਾਕੀ ਦਾ ਰੁਪਿਆ ਸੈਂਟਰ ਨੇ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਤੇ ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ contribute ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗੇ ਤਾਂ ਸੈਂਟਰ

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ]

ਵਾਲੇ ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਦੇਣਗੇ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਗੱਲ ਮੰਨਣੀ ਪਏਗੀ ਕਿ ਇਸ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਹਕੂਮਤ ਇਸ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਬੰਦਿਆਂ ਨੇ ਹੀ ਚਲਾਉਣੀ ਹੈ । ਚਾਹੇ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਬੰਦੇ ਗਰੀਬ ਹਨ ਮਗਰ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਏਥੇ ਹੋਣਾ ਹੈ ਉਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਹਿਸਾ ਪਾਉਣਾ ਪਵੇਗਾ । ਜੇ ਸਰਕਾਰ ਆਪ ਨੋਟ ਬਣਾ ਬਣਾ ਕੇ ਕੰਮ ਕਰੀ ਜਾਏ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਫੇਰ inflation ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਵੇਗੀ ਔਰ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵੱਧ ਜਾਣਗੀਆਂ । ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਵੀ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਜੀਵਨ ਦੁਖੀ ਹੋਵੇਗਾ । ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਟੈਕਸ ਕਿਉਂ ਲਾਏ ਹਨ ਔਰ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਸੇਮ ਦਾ ਮਸਲਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਜਤਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸੇਮ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਜਿਤਨਾ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਹੈ ਉਹ ਬਹੁਤ ਥੋੜਾ ਹੈ । ਉਹ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸੇਮ ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ war basis ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਵੀ ਪਤਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਲੜਾਈ ਲਗੀ ਹੋਈ ਹੋਵੇ ਉਥੇ ਕੰਮ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਥੇ ਲੋਕ ਦਿਨ ਰਾਤ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਜੋ ਕੁਝ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਸ ਹੋਵੇ ਉਹ ਸਭ ਕੁਝ ਖਰਚ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਅਪਣੇ ਦੋਸਤਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ war basis ਤੇ ਸੇਮ ਦੇ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਹਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਆਉ ਅਸੀਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫੰਡ ਇਕਠੇ ਕਰਕੇ ਔਰ voluntary labour ਦੇ ਕੇ ਇਸ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਹਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੀਏ । ਮਗਰ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਇਆ ਕਿ ਸੇਮ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ voluntary labour ਦੇਣੀ ਪਵੇਗੀ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਵੀ ਮੇਰੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਸਤਾਂ ਨੇ ਸਖਤ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕੀਤੀ । ਉਸ ਤੇ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਤੋਂ ਵਗਾਰ ਲੈਣੀ ਜਾਇਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਉਸ ਨੂੰ ਇਹ ਵਗਾਰ ਸਮਝਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਸੂਬੇ ਦੀ Opposition ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਦੀ ਹੋਵੇ ਕਿ ਜਦੋਂ ਵੀ ਖਜ਼ਾਨੇ ਲਈ ਕੋਈ ਪੈਸਾ ਮੰਗਿਆ ਜਾਵੇ ਉਹ ਉਸ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕਰਨ ਔਰ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਨਾਲ ਦੀ ਨਾਲ ਇਹ ਮੰਗ ਕਰਨ ਕਿ ਸੜਕਾਂ, ਪੁਲ ਅਤੇ ਹਸਪਤਾਲ ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਔਰ ਤਾਲੀਮ ਮੁਫਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ, ਤਾਂ ਇਹ ਸਹੂਲਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਵੇਂ ਮਿਲ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਹ ਸਾਰੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲਈ ਪੈਸੇ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਜੇ ਲੋਕ ਪੈਸਾ ਨਾ ਦੇਣ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਸਾਰੇ ਕੰਮ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ ? ਸਾਰੇ ਕੰਮ ਵੀ ਹੋਣ ਔਰ ਟੈਕਸ ਵੀ ਕਿਸੇ ਤੇ ਨਾ ਲਗੇ ਇਹ ਭਲਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਮੁਲਕ ਲਈ ਅੱਛੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ।

When these people raise such objections, they do justice neither to our Government nor to our people.

ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਖਤਰਨਾਕ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਮੁਲਕ ਦੀ ਤਾਮੀਰ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਟੈਕਸ ਨਾ ਦੇਣ ਦਾ ਜਜ਼ਬਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨਾ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਹਿਤ ਦੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਕਿਤੇ ਜੁਰਮ ਹੁੰਦੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਸਰਕਾਰ ਬਹੁਤ ਨਿਕੰਮੀ ਹੈ, ਇਹ

ਜੁਰਮਾਂ ਨੂੰ ਕਮ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ ਔਰ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਜੇਕਰ ਸਰਕਾਰ Law and Order ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਨ ਲਈ 10 ਸਿਪਾਹੀ ਵੱਧ ਰਖ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੁਲੀਸ ਦਾ ਖਰਚ ਬਹੁਤ ਵਧਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਸੱਲੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਕਾਮਰੇਡ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀ ਲਈ ਸਿਰਫ 3% ਖਰਚਾ ਕਰਨਾ ਹੈ, ਇਹ ਥੋੜਾ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

They are arguing in an inconsistent and irregular way.

ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ ਮੁਖਾਲਿਫ ਨੂੰ ਮਾਰਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ he should be hit with whatever weapon one comes across. ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਸਰਕਾਰ ਜਾਂ ਕੋਈ ਵੀ ਜਿਹੜੀ ਏਥੇ ਸਰਕਾਰ ਹੋਵੇ, ਜੇਕਰ ਉਸ ਦੇ ਪਰੋਗਰਾਮਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਮੁਲਕ ਤਰਕੀ ਵਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਅਪਣੇ ਪਰੋਗਰਾਮਾਂ ਨੂੰ ਸਿਰੇ ਚੜ੍ਹਾਉਣ ਲਈ ਕਿਤੋਂ ਨਾ ਕਿਤੋਂ ਪੈਸਾ ਲੈਣਾ ਹੀ ਪਵੇਗਾ। ਜਾਂ ਤਾਂ ਉਹ ਟੈਕਸਾਂ ਰਾਹੀਂ ਇਕੱਠਾ ਕਰੇਗੀ ਜਾਂ ਸੈਂਟਰ ਕੋਲੋਂ ਲਏ ਹਨ, ਜਾਂ ਸੈਂਟਰ ਵਾਲੇ ਕਿਸੇ ਬਾਹਰਲੇ ਮੁਲਕ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਕਰਜ਼ਾ ਲੈਣਗੇ। ਜੇ ਕਰਜ਼ਾ ਲਵਾਂਗੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਸੂਦ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੇਣਾ ਪਵੇਗਾ। ਉਸ ਦਾ ਭਾਰ ਫੇਰ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਹੀ ਪੈਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਹਰ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਸਾਰਾ ਖਰਚ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਹੀ ਪੈਣਾ ਹੈ ਔਰ ਸਾਨੂੰ ਖੁਸ਼ੀ ਖੁਸ਼ੀ ਇਸ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਹਿਸਾ ਪਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਭਾਖੜੇ ਵਰਗੇ ਡੈਮ ਬਣਨ ਔਰ ਉਥੇ ਬਿਜਲੀ ਪੈਦਾ ਕਰਕੇ ਪਿੰਡ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਪਹੁੰਚਾਈ ਜਾਏ ਔਰ ਪਿੰਡ ਪਿੰਡ ਦੇ ਵਿਚ ਨਹਿਰਾਂ ਦਾ ਪਾਣੀ ਮਿਲੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ contribute ਕਰਨਾ ਹੀ ਪਵੇਗਾ। ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ—

This mentality of criticising the Government for imposing more taxes, where they can be levied, is absolutely wrong and it is not at all in the larger interests of the state.

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਨੂੰ ਸਪੀਚ ਕਰਦੇ ਵਕਤ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਕਿ ਫਲਾਣੇ source ਤੋਂ ਪੈਸਾ ਇਕਠਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਟੈਕਸ ਨਹੀਂ ਲਗਣੇ ਚਾਹੀਦੇ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਫੇਰ ਰੁਪਿਆ ਕਿਥੋਂ ਆਵੇਗਾ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ They want that nothing should be done in the State and discredit should be brought to this Government so that they can go to the people and tell them "We are your benefactors. You should give your votes to us". ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪਰਜਾ ਹੁਣ ਇਤਨੀ ਨਿਆਣੀ ਨਹੀਂ ਰਹੀ। ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਹੁਣ ਕਾਫੀ ਜਾਗਰਤੀ ਆ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਲੋਕ ਸਭ ਕੁਝ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡਾ ਕਿਤਨਾ ਕੁ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੁਰਾਣੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਤੋਂ ਸਾਡੀ ਇਹ ਇਕ ਪ੍ਰਥਾ ਚਲੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਆਪਣੀ ਨੇਕ ਕਮਾਈ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਦਸਵੰਧ ਦਿੰਦੇ ਸਨ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਸਾਨੂੰ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹੋ ਪਰਚਾਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਦੇਸ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਨੂੰ ਵੀ ਧਰਮ ਦਾ ਕੰਮ ਸਮਝ ਕੇ ਦਸਵੰਧ ਦਿਉ। we

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ]

have to contribute whether we are rich or poor-some share of our income for the common purpose or common good of the people. ਜੇ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਆਪਣੇ ਸੂਬੇ ਦਾ ਕਾਫੀ ਭਲਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਸੈਂਟਰ ਕੋਲੋਂ ਰੁਪਿਆ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਾਲੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਰੁਪਿਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲਉ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਵਾਲੇ ਵੀ ਤਾਂ ਹੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਰੁਪਿਆ ਦੇ ਸਕਣਗੇ ਜੇ ਕਰ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲੋਂ procure ਕਰਨਗੇ। ਜਿਹੜੇ ਸੈਂਟਰ ਨੇ ਟੈਕਸ ਲਾਏ ਹਨ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵੀ ਖਿਲਾਫ਼ ਹੋ। ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਤੁਹਾਡਾ criticism ਹੈ ਇਹ ਜਾਇਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ।

It is done just to malign the Government and gain cheap popularity.

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਭਾਸ਼ਣ ਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦੇ ਵਕਤ ਵੀ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਤਨੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਕਿਸੇ ਇਕ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਉਹ ਨਹੀਂ ਹੋਈ। ਸ਼੍ਰੀ ਮਾਨ ਜੀ, ਮੈਂ ਦੋ ਤਿੰਨ ਗੱਲਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਾਡੀ ਸਟੇਟ ਦੇ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖਦੀਆਂ ਹਨ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

ਮੈਂ ਅੱਜ ਤੋਂ 5 ਜਾਂ 10 ਸਾਲ ਅਗਾਂਹਾਂ ਤੇ ਨਿਗਾਹ ਮਾਰਦਾ ਹਾਂ। ਅਗਰ ਅਸੀਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇ ਪੰਜਾਬ ਲਈ ਹੁਣ ਕੁਝ ਨਾ ਸੋਚੀਏ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਭਵਿਸ਼ ਖਾਸ ਔਖਾ ਜਿਹਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਵੇਖਦਾ ਹਾਂ, ਮੈਂ factual position ਬਿਆਨ ਕਰਨ ਲਗਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਸਕੂਲ ਦੇਖਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਮੈ ਦੇਖਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਮੁੰਡੇ ਬਹੁਤ ਘਟ first division ਵਿਚ ਪਾਸ ਹੋ ਸਕਦੇ ਨੇ ਔਰ ਬਹੁਤ ਘਟ higher education ਲੈ ਸਕਦੇ ਨੇ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖਦੇ ਹੋ ਔਰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਮਾਸਟਰ ਵੀ ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਔਰ ਉਥੇ ਪੜ੍ਹਾਈ ਵੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਔਰ ਉਥੇ ਜਿਹੜੀਆਂ dispensaries ਨੇ ਉਹ ਡਾਕਟਰਾਂ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਖਾਲੀ ਪਈਆਂ ਨੇ। ਅਤੇ ਕਈ ਸਕੂਲ ਮਾਸਟਰਾਂ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਖਾਲੀ ਪਏ ਨੇ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਦੇਖ ਲਉ ਉਥੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਆਮ ਜੋ ਮੁੰਡੇ ਮਿਲਣਗੇ ਉਹ ਜਾਂ ਆਠਵੀਂ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋਣਗੇ ਜਾਂ ਦਸਵੀਂ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋਣਗੇ। ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਦਸਵੀਂ ਪਾਸ ਹੋਣਗੇ ਉਹ Competition ਦੇ ਇਮਤਿਹਾਨ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦੇ ਕਿਉਂਕਿ ਇਕ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ resources ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਕਿ ਉਹ ਅੱਗੇ ਪੜ੍ਹ ਸਕਣ ਤੇ ਦੂਜਾ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦੀਆਂ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ employment ਜਿਥੇ ਕਿਤੇ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦੀ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ there is an army of unemployed villagers. ਇਸ ਲਈ ਜਾਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧੇਰੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੇ ਸਾਧਨ ਮਿਲਣ ਔਰ ਉਥੇ ਉਹ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕੋਈ industries ਲਗਾਈਆਂ ਜਾਣ। ਫਿਰ ਨਾਂ ਤਾਂ ਇਤਨੀਆਂ industries ਹੀ ਹਨ ਔਰ

ਨਾ ਹੀ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲ ਹੋਰ industries ਲਗਾਣ ਲਈ ਇਸ ਵੇਲੇ ਇਤਨੇ funds ਹੀ ਹਨ ਜੋ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ industries ਚਾਲੂ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਦੇ ਸਕੇ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਤੁਸੀਂ ਸੋਚੋ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਕੀ ਬਣੇਗਾ । ਜੇ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਇਹ ਸੋਚਿਆ ਜਾਏ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫੌਜ ਵਿਚ ਜਾਂ ਪੁਲਸ ਵਿਚ ਸਿਪਾਹੀ ਭਰਤੀ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਵੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਉਥੇ ਵੀ merit ਜ਼ਰੂਰ ਵੇਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਜ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੀ ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ । ਜੇ ultimately merit ਰਖਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ compete ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । 10, 11 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਈ areas backward ਕਰਾਰ ਦਿੱਤੇ ਹੋਏ ਹਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਤਵਜੁਹ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ areas ਦੀ extention ਕੀਤੀ ਜਾਏ । ਕਿਉਂਕਿ they can not compete, ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਵਲ ਤਵਜੁਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ । They are numerous people. ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡ ਦੇ ਮੁੰਡਿਆਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਤੁਸੀਂ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਮੁੰਡਿਆਂ ਨੂੰ ਦੇਖੋ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ facilities ਮੁਹੱਈਆ ਹਨ । ਅਸੀਂ ਜਦ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਦੀ equalisation ਕਰਨੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨੀਵਾਂ ਲਿਆਉ ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ special efforts should be made to uplift the villagers ।

ਦੂਜੀ ਚੀਜ਼ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਅੱਜ villagers ਦੀ ਹਾਲਤ ਚੰਗੀ ਨਹੀਂ । Villagers ਤਾਂ ਸਾਰੇ backward ਹਨ । ਜੋ ਕੋਈ ਇਲਾਕੇ backward ਕਰਾਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਖਾਸ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਹੋ ਸਕਦੇ ਨੇ, ਕੰਢੀ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੇਰੀ constituency ਵਿਚ ਬੇਟ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਹੈ ਜਿਥੇ ਪਹਿਲੇ ਮੁਸਲਮਾਨ ਵਸਦੇ ਸਨ ਔਰ ਹੁਣ ਉਥੇ refugees ਆ ਗਏ ਨੇ । ਪਿੰਡ ਤਾਂ ਸਾਰੇ ਹੀ backward ਹਨ । ਅਸੀਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਵਾਅਦੇ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਪਰ ਉਹ ਵਾਅਦੇ ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ, ਕਿਉਂਕਿ ਜਦ ਬਜਟ ਬਣਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਾਅਦਿਆਂ ਦਾ ਪੂਰਾ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਰਖਦੇ । ਜੇ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇ ਔਰ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਲਵੇ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਲਈ more than this share ਔਰ something more than their due ਰਖਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਹੀ ਉਹ ਉਪਰ ਉਠ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਵੇਲੇ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ । ਉਥੇ ਸੜਕਾਂ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਜਦ ਮੀਂਹ ਪੈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਰਸਤਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਗੱਡੇ ਨਹੀਂ ਚਲਦੇ । ਸੇਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਾਰਦੀ ਪਈ ਹੈ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਅਸੀਂ ਕਈ ਵੇਰ ਪਹਿਲੇ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਪੂਰੀ ਤਵਜੁਹ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਫਿਰ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰੇ villagers backward people ਹਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾਸ ਰਿਆਇਤਾਂ ਮਿਲਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ ।

ਫਿਰ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, large scale-industries ਦੇ ਖੋਲ੍ਹਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ large scale industries ਨਾਲ ਕਿਤਨੇ ਆਦਮੀ employ ਹੋ ਜਾਣਗੇ ? ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਹ ਸਾਰੀ unemployment

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ]

ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਪਰ ਮੈਂ large scale industries ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ an agricultural country is always a poor country. ਪਰ ਜੋ large scale industries ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਾਂ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਚਲਾਵੇ ਤਾਂ ਠੀਕ ਬਾਤ ਹੈ ਜਾਂ ਵੱਡੀਆਂ ਵੱਡੀਆਂ cooperative societies ਚਲਾਉਣ ਤਾਂ ਵੀ ਠੀਕ ਬਾਤ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਜੇ ਕੁਝ individuals ਨੇ ਇਹ large ਜਾਂ heavy industries ਚਲਾਉਣੀਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਮਦਾਹ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਿਰਫ ਚੰਦ individuals ਨੂੰ ਹੀ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇਗਾ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਆਵੇ, ਲੇਕਿਨ ਉਹ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਵੰਡਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਨਾਂ ਕਿ ਉਹ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਸਿਰਫ ਚੰਦ individuals ਵਿਚ ਹੀ ਰਹੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ large scale industries ਦੇ ਨਾਲ ਜਿਹੜੀਆਂ allied industries ਹੋਣਗੀਆਂ ਉਹ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ develope ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ, ਉਹ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ population ਨੂੰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਨਾਲ ਜ਼ਮੀਨ ਤੋਂ ਭਾਰ ਘਟ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿੰਦੇ ਪਏ ਹਨ ਕਿ ਵਡਿਆਂ ਵਡਿਆਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਕੋਲੋਂ surplus ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਲਈ ਗਈ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੁਣ ਵਡੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਰਹਿ ਵੀ ਕਿਥੇ ਗਏ ਨੇ ? ਹੁਣ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਕੋਲ 30 standard ਏਕੜ ਰਹਿ ਗਈ ਹੈ ਤੇ ਕਿਸੇ ਕੋਲੋਂ 5 standard ਏਕੜ । ਇਸ ਤੋਂ ਵੱਧ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਕੋਲ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਨਹੀਂ । ਅਸਲ ਗੱਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਤਾਂ population ਵਧਣ ਨਾਲ ਜ਼ਮੀਨ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲ ਬਹੁਤ ਥੋੜੀ ਰਹਿ ਗਈ ਹੈ ਦੂਸਰਾ surplus lands ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਨੇ । ਮੇਰੀ constituency ਵਿਚ surplus area ਬੜਾ ruthlessly ਕਟਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਨਾਲ ਕੋਈ ਫਰਕ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦਾ ਭਾਵੇਂ ਮਾਲਕ ਵਾਹੁੰਦੇ ਨੇ ਜਾਂ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਵਾਹੁੰਦੇ ਨੇ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਤੋਂ ਭਾਰ ਘਟੇ । America ਦੀ ਕੁਲ 30 ਫੀਸਦੀ ਅਬਾਦੀ ਐਸੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਉਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਦੀ ਹੈ । ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਰਹਿਣ ਸਹਿਣ ਦਾ standard ਉਚਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਮਸਲੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇ । ਜ਼ਮੀਨ ਤੋਂ ਜਿਤਨੀ ਆਬਾਦੀ ਦਾ ਭਾਰ ਘਟੇਗਾ ਉਤਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਿਆਰੇ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਉਚਾ ਹੋਵੇਗਾ ਔਰ ਉਤਨਾ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇਗਾ । ਅੱਜ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ income ਵਿਚ 20 ਫੀਸਦੀ increase per capita ਸਮਝੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਦਾ ਅਸਰ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਘਟ ਹੈ । ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਸ increase ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਸਾਨੂੰ centre ਵਾਲੇ ਕਹਿ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਘੱਟ ਦਿਉ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੇ ਲੋੜ ਹੈ ਉਥੇ centre ਨੇ ਇਕ ਟੁਕੜਾ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ । ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਸੋਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਸਾਡਾ ਸੂਬਾ ਤਰੱਕੀ ਕਰੇਗਾ ਤਾਂ ਇਸ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚੇਗਾ । ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਲੁਧਿਆਣਾ-ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ rail link ਵਾਸਤੇ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬਹੁਤ ਜ਼ੋਰ ਲਾਇਆ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦੀ ਬੜੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਔਰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਰਾਹੀਂ centre ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਅਗੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਮਨ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਨਹੀਂ

ਹੋਣ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ that the Punjab is not having a fair treatment at their hands. ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਸਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਬਹੁਤ ਕੁਝ expect ਕਰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਵੀ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਬਹੁਤ ਕੁਝ expect ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਔਰ ਤੁਹਾਡੇ ਲਈ ਇਸ railway line ਲਈ ਰੁਪਿਆ ਕੱਢ ਦੇਣਾ ਕੋਈ ਵੱਡੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ।

ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਦੀਵਾਨਾ ਜੀ ਨੇ ਗਿਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਬਣਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੀ ਹੈ ਕਿ Pepsu University ਵੀ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੋਈ ਸੀ ਤੇ ਫਿਰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਥੇ ਰੁਲ ਗਈ । ਇਸ ਲਈ Agriculture University ਤੇ Punjabi University ਜ਼ਰੂਰ ਬਣਨੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ ਇਸ ਤੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ।

ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਟੀਚਰਾਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਟੀਚਰਾਂ ਦੀਆਂ transfers ਬਾਰੇ ਬਹੁਤ ਤਕਲੀਫ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ transfers ਵੀ Headquarters ਤੋਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ transfers District level ਤੇ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । ਜੇਕਰ District level ਤੇ ਕਰ ਦੇਣ ਤਾਂ ਤਕਲੀਫ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਵੇ । ਸਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਅਸਾਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਆਉਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਟੀਚਰਾਂ ਦੀਆਂ transfers ਦੇ ਇਖਤਿਆਰ District Inspector ਨੂੰ ਦੇ ਦੇਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਤਾਂ ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਲਈ ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨਾ ਆਉਣਾ ਪਏ ਫਿਰ ਜੋ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਾਲ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹੀ transfers ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ ਇਸ ਨੂੰ ਖਾਸ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿਚ relax ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਕਈ ਵੇਰ ਹਾਲਾਤ ਦੀ ਮਜਬੂਰੀ ਕਾਰਨ transfers ਦੀ ਸਾਲ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਲੋੜ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਇਕ ਗਲ ਹੋਰ education ਦੇ ਨੁਕਤਾ ਨਿਗਾਹ ਨਾਲ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ education ਦਾ ਤਅਲੁਕ ਸਕੂਲ ਖੋਲ੍ਹਣ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਜਿੰਨਾ ਜਨਤਾ ਨਾਲ ਹੈ ਅਤੇ ਆਉਣ ਵਾਲੀ ਜਨਤਾ ਨਾਲ ਇਸ ਦਾ ਗਹਿਰਾ ਸਬੰਧ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ standard of education ਚੰਗਾ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ -ਪੱਖੇ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਹਨ ਅਤੇ tuition ਰਖ ਕੇ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦੀ ਕਮੀ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਡੰਗਰ ਵੀ ਚੋਣੇ ਹੋਏ ਤੇ ਹੋਰ ਘਰ ਵਿਚ ਵੇਖਣ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹਾਈ ਕਰਨੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ standard ਨੂੰ ਉਚਾ ਕਰਕੇ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਮੀ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ।

ਸਭ ਤੋਂ ਵਡੀ ਦੁਖਦਾਇਕ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਤੋੜਾਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਨੂੰ ਹੁਣ upset ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ, Government of India ਦੀ ਹਦਾਇਤ ਅਨੁਸਾਰ ਇਸ ਤੇ ਬੈਠੇ ਅਲਾਟੀਆਂ ਨੂੰ upset ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਪਾਸ ਕਿੰਨਾ ਪਲਾਟ ਹੈ, ਕਿੰਨੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਪਿਛਲੇ 10 ਸਾਲ ਦਾ ਕਿਰਾਇਆ ਦੇਵੇ । ਲੋਕ ਸਾਰੇ ਦੁਖੀ ਨੇ । ਤੋੜਾਂ ਤੇ ਬਣਾਏ ਮਕਾਨਾਂ ਦੇ full rights ਦੇ ਦਿਤੇ ਗਏ ਸੀ । ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਮਾਛੀਵਾੜੇ ਵਿਚ ਅਜਿਹੇ ਬਹੁਤ

[ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ]

ਲੋਕ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਹੁਤ ਦਿੱਕਤ ਆ ਰਹੀ ਹੈ । ਮਕਾਨ ਜਿਸ ਪਾਸ ਸੀ, ਤੋੜ ਸੀ ਸਭ ਨੂੰ ਬਰਾਬਰ ਕਰਨ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ displace ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਉਹ ਫਿਰ refugee ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਫਿਰ ਨਾਲ ਹੀ ਇਕਠੇ ਪੈਸੇ ਦਸ ਸਾਲ ਦੇ ਮੰਗਦੇ ਹਨ। ਇਕੱਠੇ ਉਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਨ ? ਥੋੜੇ ਥੋੜੇ ਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਵੀ ਕੋਈ ਗਲ ਬਣ ਜਾਂਦੀ ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ criticism ਗੌਰਮੈਂਟ ਤੇ ਉਸਾਰੂ ਨੁਕਤਾ ਨਿਗਾਹ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਹ ਠੀਕ ਹੈ ਪਰ ਹਰ ਗਲ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਨੀ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਚੰਗੀ ਸਾਬਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ । Taxes ਦੀ ਗਲ ਚਲੀ । ਇਸ ਨੁਕਤਾ ਨਿਗਾਹ ਤੋਂ ਇਹ ਨਹੀਂ ਵੇਖਿਆ ਕਿ ਕਿਸ ਪਾਸੇ ਤੋਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਤੇ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਤੇ criticise ਕਰ ਦਿਤਾ । ਇਹ ਗਲ pinch ਕਰਦੀ ਹੈ। ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਟੈਕਸ ਸਰਕਾਰ ਪਾਸ ਪੂਰਾ ਜਾਵੇ । ਕਦੀ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿਸੇ ਆਖਿਆ ਕਿ ਦੋ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਕਰੀਬ Sales Tax ਵਿਚ ਗਬਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਚੁੰਗੀ ਦੇਣ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਹੀ ਮਾਲ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਲਿਜਾਇਆ ਜਾਵੇ । Profits ਵਧਾਏ ਜਾਣ ਪਰ income ਦੀ return ਵਿਚ ਇਹ Profit ਛੁਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਵੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜੋ ਵਿਚਾਰ ਰਖਦੀ ਹੈ ਉਹ ਸਭ ਜਾਣਦੇ ਹਨ ।

Indirectly, they are defending those who are capitalists and those who have incomes.

ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਤੇ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਚੌਧਰੀ ਸੂਰਜ ਮਲ, ਮੰਤਰੀ ਪਬਲਿਕ ਵਰਕਸ ਨੂੰ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਰੁਪਿਆ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਅਸਲ ਸਰਵਿਸ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਕਰਦੇ ਹਨ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾ ਕੇ । ਜਿਥੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਲੋਕ ਨਹੀਂ ਸਨ ਲੰਘ ਸਕਦੇ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਦਿਕਤ ਸੀ ਉਥੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੜਕਾਂ ਤਿਆਰ ਕਰਵਾ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ । ਚਾਰ ਚਾਰ ਮੀਲ ਦੂਰ ਹਸਪਤਾਲ ਮੇਰੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਸੀ ਤੇ ਕਚਾ ਰਸਤਾ ਸੀ ਤੇ ਜੇ ਕਿਤੇ ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਲਿਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਕੋਈ ਵਡੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਉਹ ਰਾਹ ਵਿਚ ਹੀ ਮਰ ਜਾਵੇ । ਰਸਤਾ ਇੰਨਾ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਸੀ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਥੇ ਸੜਕ ਤਿਆਰ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ medicine ਤੇ ਭਾਵੇਂ ਘਟ ਖਰਚ ਕਰੋ ਪਰ ਸੜਕਾਂ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਵਧ ਦਿਉ ।

ਦਿਹਾਤੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਲ ਵਧੇਰੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। Villages ਵਲ ਨਿਗਾਹ ਹੀ ਭਵਿਸ਼ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਬਣਾ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਠੀਕ ਹੈ, ਹੋਰ ਦਿਉ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸੋਸ਼ਲ ਭਲਾਈ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। Criticism ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਕਰਨ ਪਰ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ suggestions ਦੇਣ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਦਾ ਖਰਚ ਕਿਵੇ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। State ਦੀ Development ਬੰਦ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ । ਇਸ ਨੇ ਅਗਾਂਹ ਤੋਂ ਅਗਾਂਹ ਜਾਣਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸੂਬੇ ਨੇ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਬਣਨਾ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੀਵਾਨਾ (ਬਰਨਾਲਾ) : ਸ਼੍ਰੀਮਾਨ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਚੀਜ਼ ਅਜ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਕ ਚੰਗੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ crop insurance ਸਕੀਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਲਗੇ ਹਨ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਦਸਾਂ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਪਰ ਇਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕੇਵਲ 100 ਪਿੰਡ ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ ਆਉਣੇ ਹਨ। ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਅਜ 22 ਹਜ਼ਾਰ ਪਿੰਡ ਹਨ ਅਤੇ ਜੇ ਕਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ 100 ਪਿੰਡ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਸਕੀਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਲੰਮੇ ਅਰਸੇ ਤਕ ਇਸ ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇਗਾ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਪਿੰਡਾਂ ਤੇ ਲਾਗੂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਸਾਰੇ ਪਿੰਡ cover ਹੋ ਸਕਣ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਲਾਭ ਹੋਵੇ।

ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ agriculture ਬਾਰੇ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕੀਤੀ ਹੈ। Agriculture University ਆਪਣੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ।

"It is not the Brahmin or Kashatriya but the Kisan who should have the place of honour", said the Prime Minister, Shri Jawahar Lal Nehru, opening the first Agricultural University of the country at Rudrapur, Uttar Pradesh.

ਸ਼੍ਰੀਮਾਨ ਜੀ, ਅਜ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਕਿਸਾਨ ਮਿਹਨਤ ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ agriculture ਵਿਚ ਇਸ ਨੇ ਨਾਮ ਖਟਿਆ ਹੈ। ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਕਿ ਅਜ ਕਿਤੇ ਵੀ ਕਿਸਾਨ ਲਈ ਕੁਰਸੀ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ ਗਈ। ਉਹ ਇਸ ਆਦਰ ਦਾ ਮੁਸਤਹਿਕ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਹੀ ਪਿੰਡ ਦੀ development ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਹੀ ਉਸ ਦੀ development ਹੈ। ਪਰ ਉਸ ਦੀ ਹਾਲਤ ਵਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਕਣਕ ਦੀ ਸਹੀ ਕੀਮਤ ਦਾ ਉਸ ਲਈ ਪ੍ਰਬੰਧ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਇਕ ਮਕਾਨ ਤੇ ਇਕ ਦੁਕਾਨ ਨੂੰ ਛਡ ਕੇ ceiling ਲਾਉਣ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਤਾਂ ਕਿੰਨਾ ਸ਼ੋਰ ਮਚਿਆ, ਵਾਵੇਲਾ ਪੈ ਗਿਆ। ਇਥੋਂ ਤਕ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੇ Finance Minister ਸ਼੍ਰੀ ਮੁਰਾਰ ਜੀ ਨੇ ਅਗਸਤ 1960 ਵਿਚ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਫਾਰਮੂਲਾ ਬਣਾ ਲਿਆ ਕਿ ਕੋਈ ਮੁਨਾਫ਼ਾ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਬਲਕਿ ਤੁਸੀਂ help ਕਰਨੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਤੁਸੀਂ ਸੈਂਟਰ ਤੋਂ ਲਈ ਹੈ। ਫੇਰ profit ਦਾ ਕੀ ਸਵਾਲ ਹੈ ? ਸ਼ਹਿਰੀ ਮਕਾਨਾਂ, ਦੁਕਾਨਾਂ ਅਤੇ ਛੋਟੀਆਂ ਮੋਟੀਆਂ ਫੈਕਟਰੀਆਂ ਤੇ ਨਹੀਂ ਲਾਉਣੀ ਤਾਂ ਕੀ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਹੀ ਲਾਉਣੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ Central Government ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਹੈ ? ਜਦੋਂ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ ਇਸ ਦਾ ਮਾਲਕ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਬਣ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਪਰ ਜਦੋਂ ਧਨੀ ਰਾਮ ਇਸ ਵਿਚ ਮੂੰਗਫਲੀ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਬੀਜ ਲੈਂਦਾ ਹੈ, ਜਾਂ ਬਾਗ ਲਗਵਾ ਲੈਂਦਾ ਤਾਂ ਇਹ ਉਸ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਸ੍ਰੀ ਮਾਨ ਜੀ, ਕੋਈ ਤਾਂ ਅਸੂਲ ਕਾਇਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਟ ਨੂੰ ਤਾਂ ਕੋਈ ਪੁਛਦਾ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਸ਼੍ਰੀਮਾਨ

[ਸਰਦਾਰ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੀਵਾਨਾ]
ਜੀ ਇਸ ਅਸੈਂਬਲੀ ਹਾਲ ਨੂੰ ਜੇ ਜਟ ਦੇਖਣਾ ਵੀ ਚਾਹੇ ਤਾਂ ਉਹ ਤਾਂ ਅਜੇ ਬਸ ਦੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਹੀ ਖਰੀਦਦਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਤੇ ਇਕ ਚਾਲਾਕ ਅਤੇ ਹੁਸ਼ਿਆਰ ਸ਼ਹਿਰੀ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਸੀਟਾਂ ਬੁਕ ਕਰਵਾ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਟੈਲੀਫੋਨ ਰਾਹੀਂ । ਅਤੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਵਿਚਾਰ ਦੇਖਦਾ ਹੀ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਇਨਸਾਫ ਕਰੋ । ਕਿਸਾਨ ਨੇ ਵੀ ਟਿਕਟਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦੇਣੀਆਂ ਹਨ । ਉਸ ਦੇ ਮੈਲੇ ਕੁਚੈਲੇ ਕਪੜੇ ਹਨ । ਸਿਰ ਤੇ ਚਾਰੇ ਦੀ ਪੰਡ ਹੈ, ਨਾ ਉਸ ਨੂੰ ਖਾਣ ਦੀ ਹੋਸ਼ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਉਸ ਨੂੰ ਪਹਿਨਣ ਦੀ ਹੋਸ਼ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਰਾ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਤਾਂ ਇਨਸਾਫ ਕਰੋ । ਮੈਂ Aall India Farmers' Forum ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਣ ਲਈ ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਗਿਆ ਸਾਂ । ਉਸ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ ਸਨ। ਇਹ ਵੇਖਣ ਵਿਚ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਮੁਆਮਲੇ ਇਕੋ ਹੀ ਹਨ, ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ problems ਸਾਂਝੇ ਹੀ ਹਨ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹੈ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਉੱਤਰ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਚਾਹੇ ਉਹ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਸੂਬੇ ਦਾ ਹੈ । ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਉਹ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਇਮਦਾਦ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਵਕਤ ਸਿਰ ਦੇਣ । ਉਸ ਨੂੰ ਵਕਤ ਸਿਰ ਰੁਪਿਆ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਜੇ ਪਾਣੀ ਮੰਗਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿਵੇਂ ਨਾ ਕਿਵੇਂ ਭਾਵੇਂ ਨਹਿਰਾਂ ਨਾਲ ਅਤੇ ਭਾਵੇਂ tubewells ਨਾਲ, ਇਹ ਉਸ ਨੂੰ ਵਕਤ ਸਿਰ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਨਾਲ ਫਸਲ ਚੰਗੀ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਜਿਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਮੁਲਕ ਦੀ production ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਹੋਵੇਗਾ । ਅਜ ਕਣਕ ਦਾ ਭਾਉ 16.00 ਤੋਂ ਉਤੇ ਹੈ ਪਰ ਜਦੋਂ ਫਸਲ ਨਿਕਲਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੀ ਕਣਕ 13-14 ਦੇ ਭਾਉ ਲਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ check ਕਰੋ ਅਤੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੀ ਜਿਣਸ ਨੂੰ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਮਹਾਜਨ ਨੇ ਅੰਦਰ-ਗਤੀ ਭਾਉ ਕਾਇਮ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਰਾਹੀਂ ਨਾ ਲੁਟਾਉ । ਮੈਨੂੰ ਖਬਰ ਮਿਲੀ ਹੈ ਕਿ State Trading ਖਤਮ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਪਰ ਮੈਂ ਸ਼੍ਰੀ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਜੀ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ State Trading ਸਾਡੇ ਵਾਸਤੇ, ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਵਾਸਤੇ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਣ ਨਾਲ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦਾ ਬੜਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ । ਅੱਜ ਦੁਕਾਨਦਾਰ ਨਵੇਂ ਤੋਂ ਨਵੇਂ ਢੰਗ ਨਾਲ ਪੈਸੇ ਕਮਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਹ ਆਮਦਨੀ ਕਰਦੇ ਕੁਝ ਹਨ ਪਰ ਦਸਦੇ ਕੁਝ ਹਨ । ਜੇ income tax ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅਸਲ ਆਮਦਨ ਤੇ ਲਾਇਆ ਜਾਵੇ ਫੇਰ ਅਸਲੀ ਗੱਲ ਦਾ ਪਤਾ ਲਗ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਹਿਰੀਆਂ ਨੂੰ ਹਨ । ਚੌੜੀਆਂ ਚੌੜੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਨੂੰ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਲੁਧਿਆਣੇ ਤੋਂ ਦਿੱਲੀ, ਲੁਧਿਆਣੇ ਤੋਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਿਹਾਤੀਆਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾ ਕੇ ਦਿਉ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਹੈ । Prices ਦੇ fall ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ assurance ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਜਿਨਸ ਇਸ ਭਾਉ ਵਿਕੇਗੀ । ਇਕ ਮੈਂ question ਵੀ ਦਿਤਾ ਸੀ ਜਿਸ ਰਾਹੀਂ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ appeal ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜੇ 5 ਏਕੜ ਤੋਂ ਘਟ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਮਾਲਕ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ Backward Classes treat ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਦੋ ਦੋ ਏਕੜ ਦੇ ਮਾਲਕ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਤਾਂ ਮੁਆਮਲਾ ਵੀ ਮੁਆਫ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਨਾਲ ਕੋਈ ਬਹੁਤਾ ਫਰਕ ਨਹੀਂ ਪੈਣਾ ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ

51½% ਦੇ ਕਰੀਬ ਐਸਾ ਕਿਸਾਨ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦੋ ਏਕੜ ਤੋਂ ਘਟ ਹੈ । 5 ਏਕੜ ਤੋਂ ਘਟ ਜਿਸ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਇਹ ਮੁਆਮਲਾ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਮੁਆਫ਼ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਜ਼ਮੀਨ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਥੋੜੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਫੇਰ ਪੈਦਾਵਾਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਆਮਲਾ ਮੁਆਫ਼ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ water-logging ਦਾ ਵੀ ਇਕ ਐਸਾ ਮਸਲਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ war basis ਤੇ ਸਾਨੂੰ ਲੜਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਕੋੜ੍ਹ ਦੀ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨਾ-ਮੁਰਾਦ ਬੀਮਾਰੀ ਨੂੰ ਸਾਨੂੰ ਜੜ੍ਹ ਤੋਂ ਉਖੇੜ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । Flood ਆਉਣ ਤੋਂ ਬਾਦ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਕਾਬਲੇ-ਕਾਸ਼ਤ ਬਣਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਬੇਹਦ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਪਹਿਲਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ reclaim ਕਰਨੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ, ਆਬਾਦ ਕਰਨੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਫੇਰ ਕਿਤੇ ਫਸਲ ਬੀਜੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਪਾਸੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਸ਼੍ਰੀਮਾਨ ਜੀ, ਜੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਆਪਣੀ ਲੋੜ ਲਈ ਕੋਈ ਕਰਜ਼ਾ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਵਸੂਲੀ ਬੜੀ ਹੀ ਬੇਰਹਿਮੀ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਕੋਈ ਕਾਇਦਾ ਅਸੂਲ ਨਹੀਂ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ । ਇਸ ਤੋਂ ਚੰਗਾ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਰਜ਼ਾ ਹੀ ਨਾ ਦਿਉ । ਮੈਂ ਇਹ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਵੀ ਗੁਜ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ । ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਤਾਂ ਇਕ ਭੋਲੀ ਭਾਲੀ ਹਸਤੀ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਰਾ Industrialists ਨੂੰ ਤੱਕੋ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ loan ਲੈਣ ਵਿਚ corruption ਫੈਲਾਈ ਹੋਈ ਹੈ । Government ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਿਆ ਦਿਤਾ ਹੈ ਪਰ ਕਈ ਥਾਈਂ ਤਾਂ ਉਹ ਦੀਵਾ ਬਾਲ ਕੇ ਦਿਵਾਲੀਆ ਹੋ ਗਏ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਕਿਸੇ ਨੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਵਸੂਲਿਆ ਪਰ ਇਕ ਕਿਸਾਨ ਜਿਸ ਨੇ 200 ਰੁਪਿਆ loan ਲਿਆ ਹੈ ਉਸ ਨਾਲ ਜੋ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਨਾ ਕਾਬਲੇ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਦਿਹਾਤੀ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦਾ ਕੁਝ ਖਿਆਲ ਕਰੋ । ਅਜ 82% ਲੋਕ ਦਿਹਾਤਾਂ ਵਿਚ ਬੈਠੇ ਤੁਹਾਡੇ ਵਲ ਤਕ ਰਹੇ ਹਨ । ਤੁਹਾਡਾ ਵੀ ਇਹ ਅਖੀਰਲਾ ਸਾਲ ਹੈ । ਇਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਦਿਉ । ਹੋਰ ਨਹੀਂ ਤਾਂ Agricultural University ਹੀ ਬਣਾ ਦਿਉ, ਪੰਜਾਬੀ area ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਅਤੇ ਹਿੰਦੀ area ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦਿਉ । ਉਸ ਨੂੰ ਰਾਜ਼ੀ ਨਹੀਂ ਕਰੋਗੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਇਸ Government ਵਾਸਤੇ ਅਛਾ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ । ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਕਿ ਸਾਨੂੰ Agricultural College ਦਿਉ । ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਵਰਗੇ ਨੇਕ ਇਨਸਾਨ ਇਸ ਦੇ president ਹਨ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਦਮਦਮਾ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੇੜੇ ਤੇੜੇ ਕੋਈ ਕਾਲਜ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਾਲਜ ਦੇ ਦਿਉ ਬਾਕੀ ਉਹ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨਿਰਬਾਹ ਕਰ ਲੈਣਗੇ । ਅਜ 80, 90% ਕਿਸਾਨ ਤੁਹਾਡੇ ਵੱਲ ਵੇਖ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਉਸ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰੋ, ਕਲ੍ਹ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਿਹਾਤੀਆਂ ਤੋਂ ਹੀ vote ਮੰਗਣ ਜਾਣਾ ਹੈ । ਪਹਿਲਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰੋ ਤਾਂ ਹੀ Government ਖੁਸ਼ ਹੋਵੇਗੀ । ਸ਼੍ਰੀ ਮਾਨ ਜੀ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਹਰ ਮੁਆਮਲੇ ਵਿੱਚ ਸਹਾਇਤਾ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਇਕ ਦਿਲ ਵਾਲਾ ਆਦਮੀ ਹੈ ਨਾ ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਡਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਬੇਜਾ ਕਿਸੇ ਦੀ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੀ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ help ਕਰੋ ਤਾ ਕਿ election ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਸਿਆ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕੁਝ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਵੀ ਕੰਮ ਠੀਕ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਜਿਹੜੇ ਕੰਮ ਕੁਝ ਕੌੜੇ ਵੀ ਹਨ

[ਸਰਦਾਰ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੀਵਾਨਾ]

ਉਹ ਸ਼ਲਾਘਾ ਯੋਗ ਹਨ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਥੇ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ । ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਨੁਕਤਾ ਨਿਗਾਹ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ । ਅਜ ਦਿਹਾਤ ਵਿਚ 80% ਕਿਸਾਨ ਵਸਦਾ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਦੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਰਫਾ ਕਰੋ । ਉਹ ਦੇ ਗੰਨੇ ਦੀ 2 ਰੁਪਏ ਕੀਮਤ ਮੁਕਰਰ ਕਰਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਮੰਡੀ ਦੇ ਚੋਰ ਬਜਾਰਾਂ ਤੋਂ ਨਾ ਲੁਟਾਉ । ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਪਾਵਰ ਇਸ ਲਈ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਨਸਾਫ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਨ । ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੋਰ ਇਮਦਾਦ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਥ ਤਕੜੇ ਕਰੋ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਲਾਈਸੰਸ ਕੈਂਸਲ ਕਰ ਦਿਉ ਜਿਹੜੇ ਪੁਲੀਸ ਦੀ ਮਾਰਫਤ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਧੌਂਸ ਵਿਖਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲਿਸਟ ਬਣਾਉ ਜਿਹੜੇ 10 ਨੰਬਰ ਦੇ ਵਿਚ ਰਹਿ ਚੁਕੇ ਹਨ । ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੇ ਪੂਰੇ ਅਖਤਿਆਰ ਵੀ ਦਿਉ । ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਕਬਜ਼ੇ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਹਨ । ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਨੂੰ ਛੁਡਵਾ ਕੇ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਕਬਜ਼ੇ ਦਿਵਾਉ ਤਾਕਿ ਉਥੋਂ ਜਿਹੜੀ ਆਮਦਨ ਹੋਵੇ ਉਹ ਸਾਰੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਾਂਝੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ । ਸ਼੍ਰੀਮਾਨ ਜੀ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਸਾਨੂੰ ਤਫਰੀਹ ਤਬਾਅ ਦਾ ਸਾਮਾਨ ਨ ਬਣਾਉ । ਸ਼੍ਰੀਮਾਨ ਜੀ, ਸਾਡੀਆਂ ਜੱਟੀਆਂ ਧੁਪੇ ਰੋਟੀ ਲੈ ਕੇ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਬਣਾਉ । ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਮੁਬਾਰਿਕਬਾਦ ਦੇ ਹਕਦਾਰ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹੋ । ਮੇਰੀ ਘਰ ਵਾਲੀ ਜੱਟੀ ਹੈ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਮੈਂ ਜੱਟੀ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਮਗਰ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਜੱਟੀ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ । ਜੇ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਘਰਾਂ ਵਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਕਿਰਾੜੀਆਂ ਜਾਂ ਬਾਹਮਣੀਆਂ ਆਖੀਏ ਤਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰੋਗੇ । ਸ੍ਰੀਮਾਨ ਜੀ ਏਥੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਜਨ ਸੰਘੀ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਸਾਡੇ ਸੰਗਰੂਰ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਹ ਬਦਮਾਸ਼ ਆਦਮੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਜ਼ਿਲਾ ਸੰਗਰੂਰ ਦੇ ਸਾਰੇ ਐਮ. ਐਲ.ਏਜ਼ ਵਲੋਂ ਅਤੇ ਉਥੋਂ ਦੀ ਪਬਲਿਕ ਵਲੋਂ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਸਖਤ protest ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਸਾਡੇ ਜ਼ਿਲੇ ਦੇ ਵਿਚ ਉਸ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਸੇਮ ਦੀਆਂ ਨਾਲੀਆਂ ਬਣਾਉਣ ਬਾਰੇ ਜਿਤਨਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਤਨਾ ਸ਼ਾਇਦ ਕੋਈ ਹੋਰ ਨਾ ਕਰ ਸਕਦਾ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਾਡਾ ਸੰਗਰੂਰ ਦਾ ਜ਼ਿਲਾ Small Saving Scheme ਦੇ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਅੱਵਲ ਨੰਬਰ ਤੇ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਤਾਂ ਆਪਣੇ ਕਿਸੇ ਜਨ ਸੰਘੀ ਭਰਾ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰ ਕੇ ਗੁਸਾ ਹੋਵੇਗਾ । ਮਗਰ ਅਸੀਂ ਐਸੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੀ ਇਹ ਰੂਲਿੰਗ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਅਫਸਰ ਜਾਂ ਕੋਈ ਹੋਰ ਆਦਮੀ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਮੌਜੂਦ ਨਾ ਹੋਵੇ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਮਗਰ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਸ ਰੂਲਿੰਗ ਦੀ ਖਿਲਾਫ ਵਰਜ਼ੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸਖਤ protest ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸ਼੍ਰੀ ਵਿਦਿਆਲੰਕਾਰ ਜੀ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਨਿਹਾਇਤ ਅੱਛੇ ਵਜ਼ੀਰ ਹਨ । ਮਗਰ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨੋਟਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਹੀ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਨ ਲਈ ਅਫਸਰ ਤਾਂ ਐਤਕੀ ਚੰਗੇ ਚੰਗੇ ਲਾਏ ਹਨ, ਕਪੂਰ ਸਾਹਿਬ ਔਰ ਬੀਬੀ ਸਰਲਾ ਖੰਨਾ ਵਰਗੇ ਔਰ ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਖਾਸ ਧਿਆਨ ਦੇਣਗੇ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਦਿਹਾਤ ਦੇ ਵਿਚ ਸਕੂਲ ਖੋਲ੍ਹਣ ਲਈ ਰੁਪਏ ਰਖੇ ਗਏ ਹਨ ਉਹ ਜ਼ਰੂਰ ਖਰਚ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਦੂਸਰੀ ਬੇਨਤੀ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਪੁਰਾਣੇ ਮਿੱਤਰ ਚੌਧਰੀ ਸੂਰਜ ਮਲ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਦਿਹਾਤ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਉਣ । ਜਿਹੜੀਆਂ ਨਵੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਲਈ ਬਣਾਉਣੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਤੁਸੀਂ ਰੋਕ ਲਉ ਮਗਰ ਦਿਹਾਤ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਬਣਾਉ । ਸ੍ਰੀ ਮਾਨ ਜੀ, ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਡੇ ਮਹਿਲ ਕਲਾਂ ਦੇ ਬਲਾਕ ਦੇ ਵਿਚ ਗਏ ਸੀ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਥੇ ਬਲਾਕ ਮਿਲ ਜਾਏਗਾ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਮਾਸਟਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਉਥੇ ਬਲਾਕ ਬਣਾ ਦੇਣ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਦੇ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਸੇਵਾ ਸਿੰਘ ਠੀਕਰੀਵਾਲੇ ਦੇ ਪਿੰਡ ਨੂੰ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਸੜਕ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਕੁਝ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਹੈ । ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਸੜਕ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ complete ਕਰਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨ । ਠੀਕਰੀਵਾਲਾ, ਰਾਏਸਰ, ਚਨਣਵਾਲ ਵਾਲੀ ਸੜਕ ਤੀਸਰੇ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਦੇ ਵਿਚ ਜ਼ਰੂਰ ਬਣਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਹੋਰ ਸੜਕ ਜਿਹੜੀ ਤਪਾ, ਪਖੋਕੀ ਔਰ ਮੌੜ ਵਗੈਰਾ ਵਾਲੀ ਬਣਨੀ ਸੀ ਉਸ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਪੈਪਸੂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵੇਲੇ ਦੀ ਮਿਲੀ ਹੋਈ ਹੈ ਮਗਰ ਉਹ ਸੜਕ ਅਜੇ ਤਕ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ ਗਈ । ਉਹ ਵੀ ਬਣਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ pest-control ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਸਿਸਟਮ ਹੈ ਉਸ ਵਲ ਵੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਤਵੱਜੋ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਜਿਹੜਾ ਫਸਲਾਂ ਤੇ ਦਵਾਈ ਛਿੜਕਨ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ ਉਹ ਬੜਾ ਢਿਲਾ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਵੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।ਤੁਸੀਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ pumping set ਜ਼ਿਆਦਾ ਦਿਉ । ਫਸਲਾਂ ਦੇ ਉਪਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਦਵਾਈਆਂ ਛਿੜਕੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਮੁਫਤ ਮਿਲਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । (ਘੰਟੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼) ਜਨਾਬੇਵਾਲਾ ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਦੇ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਵਲਵਲੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਪਿਛੋਂ ਹਾਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਆਇਆ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦੀ ਬਿਨਾ ਤੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਪਦਮ ਵਿਭੂਸ਼ਨ ਲਿਆ ਹੈ । ਇਹ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਵਿਚ ਸਿਰਫ ਦੋ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਦੀਵਾਨਾ ਹੋਇਆ ਹੋਇਆ ਹਾਂ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਤੁਸੀ ਮੇਹਰਬਾਨੀ ਕਰਕੇ ਮੈਨੂੰ ਗਲਾਂ ਕਰ ਲੈਣ ਦਿਓ । ਮੈਂ ਕੈਰੋਂ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਜਟ ਦੇ ਪੁਤਰ ਹੋ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਉਹ ਅਗੇ ਵੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਕਾਫੀ ਹਮਦਰਦੀ ਵਾਲਾ ਸਲੂਕ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਮਗਰ ਉਸਦੇ ਵਿਚ ਥੋੜਾ ਜਿਹਾ ਹੋਰ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ।

ਤੁਸਾਂ agricultural University ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਜੋ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਹ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਹ University ਲੁਧਿਆਣੇ ਵਿਚ ਬਣਾਈ ਜਾ ਰਹੀ

[ਸਰਦਾਰ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੀਵਾਨਾ]

ਹੈ ਔਰ ਇਕ agricultural college ਤੁਸੀਂ ਦਮਦਮਾ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਖੋਲ੍ਹ ਦਿਉ ਜਿਹੜਾ ਮਾਲਵੇ ਦਾ ਔਰ ਸ਼ਾਹਪੁਰ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਕਹਿਲਾਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂਕਿ ਕਿਸਾਨ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦੁਆਵਾਂ ਦੇਣ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਵਾਰ ਇਹ ਕਰ ਦਿਉ ਕਿ Speaker's gallary ਵਿਚ ਜਿਥੇ ਇਕ ਪਾਸੇ ਕੋਈ ਸ਼ੁਧ ਖਦਰ ਪਾ ਕੇ ਜਾਂ ਸੂਟ ਪਾ ਕੇ ਤੇ tie ਲਗਾ ਕੇ ਬੈਠਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਇਕ ਕਿਸਾਨ ਟੁਟੀ ਜੁਤੀ ਪਾਣਾ ਹੋਇਆ ਕੁਰਤਾ ਤੇ ਮੈਲੇ ਕਪੜੇ ਪਾ ਕੇ ਬੈਠਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਬਹੁਤ ਅਸਰ ਪਵੇਗਾ ।

ਫਿਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਰੋਹਤਕ ਸ਼ਹਿਰ ਬਾਰੇ ਬੜਾ ਸ਼ੋਰ ਪਾਇਆ ਸੀ । ਮੈਂ ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਰੋਹਤਕ ਗਿਆ ਸਾਂ । ਉਥੇ ਬੜੀ ਦਹਿਸ਼ਤ ਫੈਲੀ ਹੋਈ ਸੀ । ਉਥੇ ਮੈਂ ਵੇਖਿਆ ਸੀ ਕਿ ਦੁਕਾਨਦਾਰ ਆਪਣੀਆਂ ਦੁਕਾਨਾਂ ਚੋਂ ਹਲਦੀ ਤੇ ਧਣੀਆਂ ਕਢ ਕਢ ਕੇ ਢੋ ਰਹੇ ਸਨ ..(Interruptions) ਮੇਰੇ ਮਨ ਵਿਚ ਇਕ ਜ਼ਬਰਦਸਤ ਵਲਵਲਾ ਹੈ ।

श्री उपाध्यक्ष : यह् वलवला तो बाहर ही मिटेगा, House में नहीं । (This sentiment should better find expression outside the House and not here.

सरदार करतार सिंह दीवाना : मैं कहता हूं कि रोहतक को बचाने के लिए 90,000 रेत की बोरियां फैंकी गई। क्या यह मदद नहीं थी ? हम तो इस बात में भी राजी हैं (Interruptions) मैं सर छोटू राम की मज़ार पर सलाम करनेके लिए गया । यह वह छोटू राम है जिसकी बाबत कहते हैं कि एक revolution लाया, वह हरियाना प्रान्त का जाट था । मैं उसकी मज़ार पर सलाम करने के लिए गया । जो कुछ गवर्नमैंट ने उस इलाके को उठाने के लिए किया, लोग उसका भी शुक्रिया अदा नहीं करते। कहते हैं रोहतक के लिए कुछ नहीं किया (*interruptions*)

ਸ਼੍ਰੀਮਾਨ ਜੀ ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨ ਲਗਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸ਼ੋਰ ਤਾਂ ਇਤਨਾਂ ਪਾਇਆ ਪਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਸੋਚਿਆ ਕਿ ਰੋਹਤਕ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਤਾਂ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਦੀ ਤਾਦਾਦ ਵਿਚ ਰੇਤ ਦੀਆਂ ਬੋਰੀਆਂ ਸੁਟੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਪਰ ਦਿਹਾਤ ਵਿਚ ਇਕ ਬੋਰੀ ਨਹੀਂ ਸੁਟੀ ਗਈ । ਇਤਨਾ ਕਹਿ ਕੇ, within your orders ਰਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ, ਆਪਣੀ speech ਖਤਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਉਚਾ ਚੁਕਿਆ ਜਾਏ ਔਰ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਜੈ ਹੋਵੇ ।

श्री जगत नारायण चोपड़ा (जालन्धर शहर-दक्षिण पश्चिम) : डिप्टी स्पीकर साहिब, सन् 1961-62 का बजट House के सामने है । यह जो इस में टैक्सों का इज़ाफा किया गया है मैं उसे निहायत गैर जरूरी समझता हूं । अभी २ मेरे भाई सरदार अजमेर सिंह ने कहा कि opposition वाले इस चार पांच टैक्सों की बाबत बड़ा वावेला मचा रहे हैं । मैं बड़े अदब से आपकी विसातत से उनकी खिदमत में अर्ज़ करना चाहता हुं कि ये चार पांच टैक्स नहीं हैं । ज़रा आप इन तमाम टैकसों की फ़हरिस्त का मुलाहिज़ा तो फरमाएं जो कि पंजाब की ग़रीब जनता को देने पड़ते हैं । Income Tax, Wealth Tax, Professional Tax,

Property Tax, House Tax, Land Tax, Excise Tax, Electricity Tax, Transport Tax, Passengers Tax, Vehicle Tax, Sales Tax, Marla Tax, Cycle Tax, चूल्हा Tax, थड़ाह Tax, Cinema Tax, Betterment Levy, Octroi, Surcharge, Cinema Show Tax, Death Duty, Stamp Duty जो कि अब 3 रुपये से बढ़ाकर 13 रुपये कर दी गई है, Electric Power Cess, Foodgrains Sale Tax, Tobacco License Fee, Vegitable Ghee License Fee, Machinery Tax, अगर कोई machinery लगाना चाहे तो 50 रुपये देने पड़ते हैं। Foodgrains Dealer's Tax, Brick-kiln License कोई भट्ठा लेना चाहे, चावल की supply करना चाहे तो उसको 500 रुपये के Small Savings Certificates लेने पड़ते हैं। तो इस तरह आप देखें कि कुल मिलाकर 35-37 के करीब taxes बन जाते हैं। इनमें Central Taxes भी हैं, पंजाब गवर्नमैंट के taxes भी हैं, District Boards और Local Bodies के taxes भी हैं। इन taxes का बोझ सिर्फ शहरी लोगों पर ही पड़ता है, ऐसी बात नहीं। वह consumer पर पड़ता है चाहे वह जमींदारी करता है या शहर में दुकान करता है। चाहे देहात का रहने वाला हो या शहर में रहने वाला सब पर इनका बोझ पड़ता है। पंजाब की 80 फीसदी आबादी देहात में रहती है जिसकी बाबत हमारे गवर्नर साहिब ने दुर्गापुर में भाषण करते हुए भी कहा था—

> Addressing a rural gathering at the village of Durgapur, 26 miles from here the Governor observed that "although sovereignty was said to be vested in the people, it was strange that the real master was naked and hungry and did not know how to sign his name, while the 'servants' had every comfort of life...."

ये मेरे लफ़्ज़ नहीं हैं हमारे राज्यपाल महोदय के लफ़्ज़ हैं जो कि उन्होंने उस गांव में कहे। फिर भी यहां पर भाई अजमेर सिंह जी कहते हैं कि हम Opposition वाले यूं ही नुक्ता चीनी करते हैं क्योंकि हमारा तो काम हीं नुक्ता चीनी करना है। नहीं, यह बात नहीं। आप Tribune को उठा कर देख लें। 25 नवम्बर, 1960, के Tribune में "Still More Taxes" के editorial में लिखा है

The Tribune-Nov. 25, 1960.

'STILL MORE TAXES'

> "......Punjab citizens, irrespective of the fact weather they live in rural or urban areas, have been groaning under the burden of a most heavy taxation. Union taxes, State taxes and local body taxes make a formidable list and after these obligations have been discharged, one is left with little to spend on buying the necessaries of life for oneself and the family."

यह तो 25 नवम्बर की बात है। और अब जो नए taxes लगाए हैं उनकी बाबत मैं 26 फरवरी की Tribune में से सिर्फ एक पैरा पढ़कर आप को सुनाता हूं। इसमें लिखा है—

The Sunday Tribune Ambala February, 26, 1961.

> "That the State Government is not unaware of the unpopular consequences of the new taxation proposals — an increase of 1 nP. in the Sales Tax rate and of 6 nP. per rupee in the tax charged on entertainments—is evident from the appeal which the Finance Minister has addressed to Punjabis and the praise which he has bestowed on them for their

[श्री जगत नारायण चोपड़ा]

> "readiness" to respond "generously" to the Government's need for additional funds. But we doubt whether the people are in a mood that appreciate Dr. Gopichand Bhargava's pleasing references to their "bravery" or to their ability to make more sacrifices and further tighten their belts. It should be patent to the Government that the people's capacity to stand taxes and yet more taxes has already been exploited to the full and that there is hardly room left for putting additional burden on their bent backs......"

ये मैं इसलिए पढ़ रहा हूं ताकि मेरे दोस्त यह न कहें कि सिर्फ हम Opposition वाले for the sake of opposition ही यह कहते हैं कि बहुत taxes लगाए जा रहे हैं। ये Tribune के views हैं जो लाखों लोगों की नुमायन्दगी करता है। Taxes के मुताल्लिक यह उसकी राए है। मेरी अपनी या "हिन्द समाचार" की ही राए नहीं बल्कि सूबे में बसने वाले सभी लोगों की राए यही है कि taxes का बोझ अब बर्दाश्त से बाहर है।

अभी २ मेरे भाई सरदार अजमेर सिंह जी कह रहे थे कि opposition वाले कोई suggestions नहीं देते कि taxes कैसे घटाए जा सकते हैं। मैं आप के ज़रिए House को बताना चाहता हूं कि हर बजट जब पेश किया जाता है तो उसके दो पहलू होते हैं। कई दफ़ा नए taxes लगाए जाते हैं लेकिन उसके साथ ही खर्च में economy भी की जाती है। आप इस सारे बजट को देखलें, Finance Minister साहिब की speech को पढ़ जाएं, आप को कहीं भी economy नज़र नहीं आएगी। यहां तक कि economy का ज़रा भी लिहाज़ करके लफ़ज़ economy का इस्तेमाल भी किया गया होता तब भी कोई बात थी। लेकिन इस पहलू की तरफ ज़रा भी ध्यान नहीं दिया गया। पंजाब की administration इस वक्त top heavy administration बनी हुई है। इसमें कई Commissioners हैं, Superintending Engineers हैं, Secretaries के बाद Additional Secretaries, Joint Secretaries, Under-Secretaries, Deputy Secretaries हैं। Controller के बाद Joint और Additional Controller हैं, Joint और Additional Advocate General हैं। इसके इलावा क्या कुछ नहीं है यह देखकर हैरानी होती है। मैं आप को बताता हूं कि पंजाब के अन्दर जो Senior Gazetted Officers हैं उनकी गिनती 3120 है अब आप इसका मुकाबला दूसरी States के साथ करें। आन्धरा में, पंजाब के बराबर का सूबा है, 2363 gazetted officers हैं, West Bengal में 1877 हैं, मध्य-प्रदेश जो इससे कितना बड़ा सूबा है वहां 2,001 हैं। ज़रा imagine कीजिए कि हमारा कितना छोटा सा सूबा है, truncated सूबा है, जिस में refugees बसे हुए हैं, किस कदर top heavy administration है। अगर Government चाहे तो economy कर सकती है।

फिर, डिप्टी स्पीकर साहिब, Government ने transport की nationalisation की–50 प्रतिशत ही क्यों की? क्यों न cent percent कर ली? अगर पूरी nationalisation की होती तो इन को दो करोड़ रुपया मिल सकता था। और फिर महकमा तालीम की जो किताबें nationalise की थीं उन को denationalise कर दिया। या तो इस से यह किया होता कि किताबों की कीमतें कम कर रहे हैं। वह भी न हुई और 25, 30 लाख रुपये का जो मुनाफा था वह publishers की जेबों में डाल दिया। सरकार के

लिए revenue इकट्ठा करने के साधन तो बहुत हैं मगर फायदा उठाने की नीयत भी तो हो। सरदार अजमेर सिंह जी ने कहा कि Opposition वाले यूंही नुक्ता-चीनी करते हैं, कुछ suggest नहीं करते। मैं उन्हें यकीन दिलाता हूं कि हम नुक्ताचीनी की खातिर नुक्ताचीनी नहीं करते। आप को याद होगा 1957 में मौलवी अब्दुल ग़नी ने एक resolution पेश किया था और सरदार अजमेर सिंह ने उस की ताईद करते हुए उस वक्त यह फरमाया था। उस वक्त दोनों भाई Congress Benches पर बैठते थे : उस वक्त उन्हों ने यह कहा।

(The Tribune, Friday, May 10, 1957)

"ALL IS NOT WELL"

He regretted to say that all was not well in the State of Punjab....

He (S. Ajmer Singh) (Congress) said that a distinct service had been rendered by sponsoring a resolution of this kind by a member of the Congress Party. If they could bring to the notice of the Government that evil which affected the people most, they would be rendering a real service to the people and to the Government also. It would be wrong to say that things were O. K. and there was quick disposal of applications and petitions. If they improved upon the present system and provided that applications and petitions should be disposed of, it would put an end to corruption, for things would be done without the need of any approach to any officer. He narrated how for the "moving up' of an application it was generally suggested by those in the Government offices to provide "silver wheels" for the application to 'move up'. Obviously, he referred to the "rishwat" (bribery) which was demanded from the applicants. He, however, said that it would not be possible for every one to prepare a report within two weeks when members of the committee were not experts."

डिप्टी स्पीकर साहिब, इस एवान में जब दाखिल हुए तो गुरू ग्रंन्थ, कुरआन और बाईबल वगैरह सब से प्रार्थना पढ़ी गई। फिर, जनाब, जब इस House के मैम्बर बने तो फैसला किया कि झूठ नहीं बोलेंगे, ग़लत बयानी नहीं करेंगे। मगर मुझे दुख है, अफसोस है.......

श्री उपाध्यक्ष : बाहर की बातें यहां न लाएं। (The hon. Member should not introduce irrelevant matters in the Debate.)

श्री जगत नारायण चोपड़ा : मैं, जनाब, मुताल्लिका बातें ही करूंगा, facts and figures पर मबनी बात ही करूंगा। Upper House में सवाल किया गया और इस House में भी किया गया कि पटियाले में जो सिनेमा है वह किस का है। मगर जवाब, evasine दिया गया। मेरे दोस्त श्री हरबंस लाल ने जवाब दिया। Upper House में श्री वीरेन्द्र ने सवाल किया :

(The Tribune, Wednesday, March 8, 1961)

Mr. Virendra : Who are the partners of the Movie Exhibitors, the firm in whose favour the licence to run the cinema was issued ?

Mr. Harbans Lal : Sardar Harbhajan Singh".

श्री उपाध्यक्ष : इस के मुताल्लिक एक privilege motion है, उस का अभी फैसला नहीं हुआ है। (There is a privilege motion bearing on this subject and it has yet to be ruled upon.)

श्री जगत नारायण चोपड़ा : जनाब, यह Council की बात है । आप सुनें । सवाल के जवाब में बताया गया कि सिनेमा का मालिक हरभजन सिंह है । जनाब, यह मेरे पास एक invitation card है Capital Cinema, Patiala की opening ceremony के लिए जो Sardar Narinjan Singh Talib, Deputy Minister ने की (*Interruption*)

जनाब, इस पर R.S.V.P. लिखे हुए हैं सरदार गुरिन्द्र सिंह, सरदार हरभजन सिंह । मैं जनाब इसे table पर रखता हूं । जनाब, यह मेरे पास एक declaration form है जिसे में कि सिनेमा वाले को अपना नाम वगैरह देना पड़ता है । इस के बिना सिनेमा चालू नहीं हो सकता । मैं इसे पढ़ता हूं :

"EAST PUNJAB MOTION PICTURES ASSOCIATION, JULLUNDUR

(CONFIDENTIAL FOR THE MEMBERS ONLY)

CIRC· No. EPMPA/34-6/61 the 13th January, 1961

Subject.—M/s Capital Cinema, Patiala.

The above party has been given provisional membership of this Association with effect from 10th January, 1961 to 14th January, 1961. Sardar Surinder Singh is the Sole Proprietor of the above concern.

For E.P.M.P. Association,

(Sd.) . . . ,

M/11th January, 1961. Hony. G. Secretary."

इन्होंने जवाब में कहा था कि सरदार हरभजन सिंह हैं इस सिनेमा का मालिक, जब कि इस में दर्ज है कि सरदार सुरिन्द्र सिंह proprietor है। जनाब, यह मैं आप के सामने House में रखता हूं । जनाब, इस एवान में झूठ बोला गया । जब यह हालत हो, जब ऊपर तक इतनी corruption हो तो नीचे क्या हाल होगा ?

जनाब, इस वक्त Chief Minister साहिब seat पर नहीं हैं, अगर होते तो कुछ सुन लेते। जनाब, इन्हों ने कुछ reference दी मेरी देशभकित के मुताल्लिक जनाब, आप को याद होगा जब सच्चर साहिब की वज़ारत बनी थी तो सच्चर साहिब को leader चुना गया था । मैं ही सब से पहला आदमी था जिस ने कहा था कि सरदार प्रताप सिंह हमारा leader है । आप आज देखें जिन लोगों ने इन के शाना बशाना काम किया वह सब इन से cut off हो चुके हैं। ज्ञानी गुरमुख सिंह मुसाफिर, सरदार दर्शन सिंह फेरुमान सरदार नागोके....

Mr. Deputy Speaker: Order, please.

श्री जगत नारायण चोपड़ा : श्री वीरेन्द्र, श्री शेर सिंह, चौधरी बदलू राम. . . .

श्री उपाध्यक्ष : इस सब का बजट से क्या ताल्लुक है ?

(What has all this to do with the Budget)

श्री जगत नारायण चोपड़ा : जनाब, इन्हों ने मेरे मुताल्लिक reference दी है, इस लिए मैं भी इस को refer करना चाहता हूं ।

श्री उपाध्यक्ष : अगर इस तरह से नाम ले ले कर सारी history चलती रहे तब तो यह discussion ही खत्म न हो । (If all the hon. Members were to recount the history by quoting names like this then this discussion will never end.)

श्री जगत नारायण चोपड़ा : मैं तो, जनाब, यही बताना चाहता हूं कि इन के 20,25 साथी जो इन के शाना बशाना काम करते थे कैसे इन को छोड़ २ कर दूसरी जगह चले गए हैं । बात दर असल यह है कि हमारे लिए वह पहले का कैरों खत्म हो चुका है । अब जो सरदार प्रताप सिंह कैरों है उसे अपनी ही family नजर आती है, उस में हिम्मत नहीं कि अपने लड़कों को किसी तरह रोक सके । अगर आप मुझे इजाज़त दें तो मैं पढ़ कर सुनाऊं कि आज क्या 2 इन के पास है : Capital Cinema, brick kiln, family co-operative cold storage, एक नया बन रहा है

Mr. Deputy Speaker : Order please.

श्री जगत नारायण : प्रकाश सिनेमा...

श्री उपाध्यक्ष : इस का बजट से कोई ताल्लुक नहीं है । अगर आप यह सब बातें किसी वज़ीर के खिलाफ़ कहना चाहते हैं तो substantive motion लाएं । (This is irrelevant to the discussion on the Budget. If the hon. Member wants to refer to all these things against any Minister then he should bring in a substantive motion.)

श्री जगत नारायण चोपड़ा : यह बातें तो administration से ताल्लुक रखती हैं । जब एक मैम्बर ने इस बात का जिक्र किया था कि दो करोड़ रुपया कहां से आ गया. .

श्री उपाध्यक्ष : जो आप को सवालों के अन्दर जवाब मिलते हैं वह आप repeat कर रहे हैं और खास कर एक जवाब जिस के मुताल्लिक एक privilege motion आई हुई है। (*Interruption*) आप को indirect तरीके से कहना चाहिए । (The hon. Member is repeating the replies he gets to his questions specially the one about which a question of privilege has already been raised. (*interruption*) He may refer to these only indirectly.)

श्री जगत नारायण चोपड़ा : Opposition के बारे कई कुछ कहा गया ,आप ने किसी को नहीं टोका मगर अफसोस है कि आप हमारी सच्ची बात भी सुनने को तैयार नहीं हैं । तो मैं बता रहा था कि 15, 16 items को मिलाकर $1\frac{1}{2}$ या 2 करोड़ की property बन जाती है । इसमें cold storage और cinema भी शामिल हैं ।

[श्री जगत नारायण चोपड़ा]

दूसरी गलत बयानी जो की गई है वह जालन्धर की घटना के बारे में है जहां पर आदमी गिरफ्तार किये गए जो आर्य समाज के मंदिर में मीटिंग कर रहे थे। जब पूछा गया कि इन लोगों की क्यों गिरफ्तारी की गई और मंदिर में लोगों की entry बंद क्यों की गई तो कैरों साहिब ने कहा कि मुझे पता नहीं। 6 तारीख को उन लोगों की गिरफ्तारी हुई, 10 तारीख को कैरों साहिब वहां गए। और सारी बात मालूम करने के बाद 13 तारीख को उन्होंने ब्यान दिया। मैं Tribune की खबर पढ़ कर सुनाता हूं :

"The Chief Minister, Sardar Partap Singh Kairon, today justified the Punjab Government's orders to debar different political parties in the State from doing communal propaganda in the name of language vis-a-vis census through newspapers or public meetings and expressed the hope that these steps would create a proper atmosphere in Punjab for the completion of the important work of census..."

"Sardar Partap Singh Kairon, Chief Minister, described as a mistake the ban imposed by the Jullundur District authorities on the entry into the Arya Samaj Mandir..."

Minister for Industries : There is no contradiction between the two statements.

श्री जगत नारायण चोपड़ा : और वह ब्यान चंडीगढ़ का है। कैरों साहिब ने फरमाया कि यह डिप्टी कमिशनर की गल्ती है। जबकि सारी बात उनकी मर्ज़ी से हुई थी। मैं कहता हूं कि अगर वह बड़े बहादुर हैं जैसा कि कहा जाता है तो वह इस बात को दलेरी से कहते कि हां मैं ने गिरफ्तारी कराई है (विघ्न) (घंटी)

श्री उपाध्यक्ष : टाइम तो अखबार पढ़ने में ले लिया। (The hon. Member has spent his time in reading newspaper.)

श्री जगत नारायण चोपड़ा : यह कहते हैं कि document नहीं पढ़ते इसलिए मुझे पढ़ना पड़ा। अब मैं गवर्नमैंट को Denationalization of Books की बात कहना चाहता हूं। इसके लिए भी मुझे एक circular Government का पढ़ना पड़ेगा। यह Education Minister का letter है D.O. 3 57-EM-61, जो चीफ मिनिस्टर को लिखा गया है –

D. O. letter No. 357-EM-61, dated the 30th January, 1961, from the Education Minister to the Chief Minister, Punjab.

"As we desired to improve the quality of our second print we approached the Finance Department and with great difficulty we could obtain their permission to increase the cost of paper and printing and illustrations etc., to 45 per cent of the price. Later, the proportion of actual cost was raised to 50 per cent.

If my colleagues will please compare the new editions with old ones, they will notice the difference. We have improved the quality and get up of our recent editions and the criticism levelled against our earlier editions is no longer justified in respect of our present editions. These new editions" are free from printing mistakes, too.

Much of the self condemnation which some of us indulged in on this account, is far from being justified now. I do not subscribe to the view that the Government and his printing department is incapable of printing good Text Books or the Government Text Books could not compete in quality and cheapness with those of the private publishers. I should make it clear that the books placed in the market by private publishers have not always been free from faults, and more often than not the same are found full of mistakes and misprints. Recently some University publications published in collaboration with private publishers have been found unsatisfactory from this point of view.

Only foreign publishers have so far achieved fair amount of infallibiiity in their publications, which we must aspire also to achieve."

इस के आगे लिखते हैं कि हमारा महकमा अच्छी तरह से किताबें छाप सकता है और बड़ा capable है। लेकिन होता क्या है? बाद में फैसला कर लिया जाता है कि यह books private publishers को दी जाएंगी। और यह दी भी उन लोगों को गई हैं जिनके पास अपने press तक नहीं हैं। सिर्फ एक Pitambar Book Depot के पास Press है। जनाब, इसके पीछे क्या बात है वह मैं बताना चाहता हूं कि अब जो election आ रहा है उसके लिए 2 लाख रुपया लिया जा रहा है। मैं पूछना चाहता हूं कि जब यह गवर्नमैंट और मिनिस्टर साहिब यह समझते हैं कि गवर्नमैंट खुद कर सकती है तो फिर Private publishers को क्यों यह किताबें दी जाती हैं?

अब .जनाब, मैं Development महकमें के बारे में कहना चाहता हूं। आज सारे हिन्दुस्तान की बुनयाद एक development पर ही निर्भर है और सबसे बड़ा जिम्मेदार अफसर इस डिपार्टमैंट का B.D.O. है जो बहुत बड़ा पार्ट play करता है। लेकिन ,जनाब, इस डिपार्टमैंट ने बहुत गोलमाल किया हुआ है और इन B. D. O.'s के कारनामों को देखने के लिए और इस डिपार्टमैंट की evaluation करने के लिए सरदार राजिन्द्र सिंह की प्रधानता में एक Evaluation Committee बिठाई गई और उसने जो सिफारिशात दी उनको गवर्नमैंट ने मंजूर किया है। मेरे पास जो document हैं उसके सफा 27 पर है कि.....

"Government is fully aware of the fact that there are several misfits in the ranks of its Block Development Officers. As stated earlier, the records of all serving Block Development Officers have been screened with the following results—

Category I.—Good Block Development Officers	..	55
Category II.—Block Development Officers who have to be watched and who have to be advised/warned to improve	..	93
Category III.—Block Development Officers with thoroughly bad records and who are to be weeded out	..	22

170 में से 115 ineficient हैं और 22 ऐसे हैं जिन्हें कान से पकड़ कर बाहर निकाल दिया जाए। लेकिन इन को निकालना किस ने है? किसी न किसी ढंग से उन्हें अन्दर रखेंगे।

[श्री जगत नारायण चोपड़ा]

पंडित जवाहर लाल नेहरू ने फरमाया था कि सारे हिन्दुस्तान की आधारशिला Devlopment होगी लेकिन कितने अफसोस की बात है कि इन में 170 B.D.O's में से 115 ना अहल और नालायक हैं। इस से आप अन्दाज़ा लगा सकते हैं कि ये B.D.O's पंजाब की क्या तामीर करेंगे। फिर कहा जाता है कि सरदार राजिन्द्र सिंह तो बदबू सूघंते हैं। मैं समझता हूं कि उन्हों ने तस्वीर का सही पहलू गवर्नमैंट के सामने रख दिया है। मेरे पास वक्त नहीं वरना मैं इस रिपोर्ट को पढ़ कर सुनाता। District Development officers के मुत्तलिक उन्हों ने कहा है।

"It is conceded that Government has not been able to post experienced and senior Officers as District Development Officers or to avoid frequency their transfers."

गवर्नमैंट ने खुद तसलीम किया है कि वह अच्छे डिस्ट्रिक्ट अफसर नहीं लगा सकी। अगर पांच करोड़ रुपये लगा कर भी गवर्नमैंट अच्छे अफसर न लगा सकी तो मैं समझता हूं कि यह रहने के काबल नहीं। इसे फौरन मुस्तफी हो जाना चाहिए।

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਰੀਜ਼ਰਵਡ) ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਐਡਰੈਸ ਤੇ ਵੀ ਬੋਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਮਿਲਿਆ। ਹੁਣ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਨਾਲ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਵਕਤ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਸ਼ੁਕਰਗੁਜ਼ਾਰ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਇਸ ਬਜਟ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ। ਇਹ 64 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਬਜਟ ਹੈ ਐਰ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ 96 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਖ਼ਸਾਰਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ 43 ਲਖ 41 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਹੈ ਐਰ centrally sponsored ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ 19 ਲਖ 7 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਇਹ ਬਹੁਤ ਥੋੜਾ ਰੁਪਿਆ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਐਰ ਉਸ ਲਿਹਾਜ਼ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਬਜਟ socialistic pattern ਵਾਲੀ ਕਸਵਟੀ ਤੇ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਉਤਰਦਾ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਜ਼ਿਆਦਾ ਰਕਮਾਂ ਮਿਲਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਸਨ।

"The phrase 'Socialistic Pattern of Society' means nothing to a large majority of people with fatalistic outlook who still cling to acquisition of values and individualistic habits."

ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਜਿਹੜੇ ਪੈਸੇ ਵੰਡੇ ਗਏ ਹਨ ਉਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਵੰਡੇ ਗਏ। ਇਸ ਤੋਂ ਜ਼ਾਹਿਰ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਆਪਣਾ ਆਪਣਾ ਹੀ ਫਾਇਦਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਐਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚ ਕਰਕੇ socialistic pattern of society ਲਿਆਉਣਾ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਪੈਸਾ ਬਹੁਤ ਘਟ ਖਰਚਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬਜਟ ਐਸਾ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚੋਂ socialistic pattern of society reflect ਕਰਦਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ 1st April, 1959 ਤੋਂ 31st March, 1960 ਦੀ ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਪੜ੍ਹੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗਾ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਚਾਥੀ ਸੋ ਪੋਸਟਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣੀਆਂ ਸੀ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਉਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਉਨ੍ਹਾਂ

ਨੇ ਇਹ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ they were not forth coming ਔਰ ਜਾਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਆਇਆ ਤਾਂ ਉਹ suitable ਨਹੀਂ ਸੀ । ਦਸੋ ਕਿਤਨੀ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਵਾਸਤੇ ਪੋਸਟਾਂ ਹੋਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਦੋ ਛਾਈ ਸੌ ਪੋਸਟ ਤੇ ਇਕ ਵੀ ਨਾ ਲਗੇ । ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਇਸ ਰੀਪੋਰਟ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਆਦਮੀ ਦਾ heart fail ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਨਹੀਂ ਹੈ? ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਇਹ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਖੋਜ ਕਰੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਆਦਮੀ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ ਔਰ ਜਿਹੜੀ ਜਿਹੜੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਮੀ ਨਜ਼ਰ ਆਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦਾ ਜਤਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਮੁੰਡਿਆਂ ਨੂੰ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਪੜ੍ਹਾਈ ਕਰਵਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਔਰ ਟਰੇਨਿੰਗ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਪੋਸਟਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਰਾਖਵੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਉਹ ਲਗ ਸਕਣ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ Welfare Department ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਅਜਿਹੀਆਂ ਪੋਸਟਾਂ ਲਈ ਟਰੇਨਿੰਗ ਦਿਵਾਏ ਜਿਹੜੀਆਂ ਖਾਲੀ ਪਈਆਂ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਬਾਕੀ ਇਹ ਤਰੀਕਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪੋਸਟ ਹਰੀਜਨ ਲਈ ਹੋਵੇ ਔਰ ਲਾ ਉਸ ਤੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ । ਮੈਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਸਖ਼ਤ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ land reform ਜ਼ਬਾਨੀ ਜ਼ਬਾਨੀ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਮਗਰ ਅਮਲੀ ਤੌਰ ਤੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੀ । ਇਸ ਦਾ ਸਗੋਂ ਇਹ ਨਤੀਜਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ land lord ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਰੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਤੇ ਕਬਜ਼ੇ ਰਕੇ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਬੇਦਖਲ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ land lords ਦੇ ਮੁੰਡਿਆਂ ਨੂੰ ਜਾ ਕੇ ਦੇਖੋ ਉਹ ਚਿੱਟੇ ਕਪੜੇ ਪਾ ਕੇ ਫਿਰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਵਾਹੁੰਦੇ । ਕੋਈ ਵੀ ਵਡਾ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਠੀਕ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਵਾਹੁੰਦਾ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਲੈ ਕੇ ਕਿਉਂ ਨਾ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣ । ਉਸ ਦੇ ਦੋ ਫਾਇਦੇ ਹੋਣਗੇ ਇਕ ਤਾਂ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਹੋਵੇਗਾ ਔਰ ਦੂਸਰੇ ਉਹ ਆਪਣਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕਰ ਸਕਣਗੇ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਦੀਵਾਨਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਉਠ ਕੇ ਬੜੀ ਡੀਂਗ ਮਾਰੀ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਕੋਲੋਂ ਪਦਮ ਵਿਭੂਸ਼ਨ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਮਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਤਕਰੀਰ ਦੇ ਵਿਚ ਸ਼ਹਿਰੀ ਅਤੇ ਦਿਹਾਤੀ ਦਾ ਤਫਰਕਾ ਪਾਉਣ ਦੇ ਸਿਵਾ ਜਾਂ ਆਪਣੀ ਕੌਮ ਦੇ ਜੱਟਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਅਤੇ ਹਮਦਰਦੀ ਕਰਨ ਦੇ ਸਿਵਾ ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲ ਦੇ ਵਿਚ ਸਿਵਾਏ ਜੱਟਾਂ ਦੇ ਹੋਰ ਕੋਈ ਕਿਸਾਨ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਕੇ ਪਦਮ ਵਿਭੂਸ਼ਨ ਦੀ ਕਦਰ ਘਟਾਈ ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਪਦਮ ਵਿਭੂਸ਼ਨ ਅਗਰ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ । ਜੇ ਉਹ ਇਕ ਦਿਹਾਤੀ ਤੇ ਗ਼ੈਰ ਦਿਹਾਤੀ, ਤੇ ਇਕ ਕਿਸਾਨ ਤੇ ਗ਼ੈਰ ਕਿਸਾਨ ਵਿਚ ਤਮੀਜ਼ ਪੈਦਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਦਮ-ਵਿਭੂਸ਼ਨ ਲੈਕੇ ਗਵਾਇਆ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਉਹ ਪਦਮ ਵਿਭੂਸ਼ਨ ਪਦ ਖੋਹ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਹੁਣੇ ਮੈਂ ਲਾਲਾ ਜਗਤ ਨਰਾਇਣ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਸੁਣੀਆਂ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਕ ਲੜਕੇ ਦਾ ਨਾਂ ਲੈ ਕੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਇਤਨਾ ਰੁਪਿਆ ਕਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਕੋਲ ਕਈ ਕਾਰਾਂ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ business ਕਰਕੇ

[ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ]

ਪੈਸ ਕਮਾ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਵਿਚ ਕੀ ਮਾੜੀ ਗਲ ਹੈ । ਬਦ ਕਿਸਮਤੀ ਨਾਲ ਉਹ ਲੜਕਾ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਦਾ ਹੈ ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਸ ਉਤੇ ਇਹ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਸ ਗਲ ਤੇ । ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ ਕਿ ਪੇਸ਼ੇ ਬਦਲਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਨੇ ਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਜੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਢੰਗ ਆ ਗਿਆ ਹੈ ਪੈਸੇ ਕਮਾਉਣ ਦਾ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਸਿਨੇਮਾ ਲਾ ਕੇ ਪੈਸੇ ਕਮਾਏ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕੋਈ business ਕਰ ਕੇ ਕਮਾਏ ਇਸ ਵਿਚ ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਕੋਈ ਹਰਜ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ । Business ਵਿਚ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਐਸਾ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ ਜਿਸ ਨੇ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਨਾਲ ਰੁਪਿਆ ਨਾ ਕਮਾਇਆ ਹੋਵੇ । ਜੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਚ ਵਪਾਰੀ ਆਦਮੀ ਕਈ ਕਈ ਕਾਰਾਂ ਰਖ ਸਕਦੇ ਨੇ ਤਾਂ ਕੀ ਇਕ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰ ਦਾ ਲੜਕਾ ਜਿਹੜਾ business ਵਿਚ ਪੈ ਕੇ ਪੈਸੇ ਕਮਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਕਾਰਾਂ ਰਖਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ? ਜਿਹੜੇ ਗ਼ਰੀਬ ਆਦਮੀ ਰੁਪਿਆ ਨਹੀਂ ਕਮਾ ਸਕਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਮਾੜੀ ਹੈ । Spiritualism ਵਿਚ ਪੈ ਕੇ ਸਾਨੂੰ ਭੁਖਾ ਨੰਗਾ ਰਖਿਆ ਗਿਆ । ਅਜ ਜ਼ਮਾਨਾ materialism ਦਾ ਹੈ । ਪੈਸੇ ਤੋਂ ਬਗ਼ੈਰ ਕੋਈ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਉਹ ਲੋਕ ਗ਼ਲਤ ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ ਕਿ materialism ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਹੈ ।

"Political stability and material prosperity in the country depend upon the extent to which the people are united on the fundamentals of social order and are prepared to subordinate sectional ends to the common good."

ਜਦੋਂ ਤਕ ਆਦਮੀ ਜਿਹੜਾ ਹੈ ਉਹ social order ਵਲ ਨਹੀਂ ਜਾਏਗਾ ਉਦੋਂ ਤਕ ਉਸ ਦਾ ਕੁਝ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਹਮੇਸ਼ਾ spiritualism ਦਾ ਪਰਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਪਰ ਸਾਨੂੰ ਹੁਣ ਸਮਝ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ ਸਾਨੂੰ materialism ਵਲ ਵੀ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਦਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ spiritualism ਵਲ ਨਾ ਜਾਈਏ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ bad habits ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਚਲਦੀਆਂ ਰਹਿਣਗੀਆਂ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਮੈਂ ਇਕ ਗਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨੇ landless tenants ਵਾਸਤੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਔਰ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਮਜਬੂਰ ਸਨ । ਮੈਂ ਇਹ ਗਲ ਇਸ ਲਈ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰੀ ਦੁਨੀਆ ਇਕ family ਹੈ । ਜੋ ਰੁਪਿਆ ਇਸ ਪਾਸੇ ਖਰਚਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ budget ਨੂੰ ਕਾਫੀ study ਕੀਤਾ ਹੈ ।

उपाध्यक्ष : चलो अब बस करो । काफी हो गया है । (The hon. Member should leave it now.)

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਥੋੜਾ ਜਿਹਾ law and order ਦੇ ਬਾਰੇ ਵੀ ਕਹਿਣਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਥੇ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ law and order ਦੀ ਹਾਲਤ ਦੂਜਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਅਛੀ ਹੈ । ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਦੇਖਿਆ

ਨਹੀਂ ਕਿ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਔਰ ਗੁਜਰਾਤ ਵਿਚ ਕੀ ਕੀ ਝਗੜੇ ਪਏ ਨੇ ? ਉਥੇ ਕਿਤਨੀ ਬੁਰੀ ਹਾਲਤ ਹੋਈ ਹੈ ? ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ law and order ਦੀ ਹਾਲਤ ਤੁਸੀਂ ਦੂਜਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਨਾਲ compare ਕਰਨੀ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਦੇਖੋ ਜਬਲਪੁਰ ਵਿਚ ਕੀ ਕੁਝ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਥੇ ਲਖਾਂ ਆਦਮੀ ਉਜੜ ਗਏ ਨੇ ਪਰ ਉਸ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਇਥੇ ਭਾਵੇਂ agitations ਚਲਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਨੇ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਕੋਈ ਚੂੰ ਚਰਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਈ (ਤਾੜੀਆਂ) ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਫਿਰਕਾ ਪਰਸਤੀ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਜਦੋਂ ਹੁਣ ਮਰਦਮ ਸ਼ੁਮਾਰੀ ਹੋਈ ਹੈ ਤਾਂ ਕਈ ਫਿਰਕਾ ਪਰਸਤਾਂ ਵਲੋਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੀ ਜ਼ਬਾਨ ਹਿੰਦੀ ਲਿਖਾਉ ਤੇ ਕਈਆਂ ਵਲੋਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਆਪਣੀ ਜ਼ਬਾਨ ਪੰਜਾਬੀ ਲਿਖਾਉ । ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਹੁੰਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਪਰ law and order ਵਿਚ ਕੋਈ ਖਰਾਬੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਇਥੇ communal ਫਸਾਦਾਤ ਹੋਣ ਦਾ ਖਤਰਾ ਸੀ ਔਰ 1947 ਵਾਲੇ ਵਾਕਿਆਤ ਮੁੜ ਕੇ ਆਉਣ ਦਾ ਖਤਰਾ ਸੀ, ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਉਤੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ control ਕੀਤਾ ਹੈ ਔਰ ਬੜੀ peacefully ਮਰਦਮਸ਼ੁਮਾਰੀ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਔਰ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੀਆਂ elections ਹੋਈਆਂ ਨੇ ਉਹ ਵੀ ਬੜੀਆਂ peacefully ਹੋ ਗਈਆਂ ਨੇ ਔਰ ਇਕ ਜਗ੍ਹਾ ਵੀ ਕੋਈ ਝਗੜਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਚੰਗੇ law and order ਦੀ ਵਡੀ ਨਿਸ਼ਾਨੀ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦਾ credit ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ law and order ਨੂੰ maintain ਕੀਤਾ ਹੈ, ਔਰ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਲਈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਹੁਣ ਸਮਝ ਗਏ ਨੇ ਕਿ ਫਿਰਕਾਪਰਸਤੀ ਵਿਚ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਪਿਆ । ਉਹ ਹੁਣ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੇ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਖਤਰੇ ਵਿਚ ਹੈ ਜਾਂ ਪੰਜਾਬੀ ਖਤਰੇ ਵਿਚ ਹੈ । ਉਹ ਬੜੇ ਹੁਸ਼ਿਆਰ ਹੋ ਗਏ ਨੇ । ਔਰ ਇਹੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਲੋਕ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਛਡ ਗਏ ਨੇ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮਿੰਟ ਵਾਸਤੇ ਬੜੀ creditable ਹੈ ।

ਮੈਂ ਥੋੜਾ ਜਿਹਾ ਹਰਿਆਨਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਾਂ । ਕਈ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨੇ Sales Tax ਵਧਾਇਆ ਹੈ, 6 ਨਵੇਂ ਪੈਸੇ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਇਹ ਨਹੀਂ ਵਧਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ, ਕਿਉਂਕਿ elections ਆ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਟੈਕਸ ਵਧਣ ਨਾਲ electorate ਤੇ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਪਰ ਇਹ ਤਾਂ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਸਬੂਤ ਹੈ ਕਿ 1962 ਦੇ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿਚ ਇਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਜਿਥੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਲਈ, development ਲਈ ਪੈਸੇ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਲੋਕ ਟੈਕਸ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ । Government ਨੂੰ ਤਾਂ ਇਸ ਗਲ ਦਾ credit ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਹਰ ਚੰਗੇ ਕੰਮ ਲਈ ਪੈਸੇ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ । ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਵਿਰੁਧ opposition ਸਹਿਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਤਿਆਰ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰ attack ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ । ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਕਰਨ ਲਈ ਅਤੇ ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਲਈ ਖਰਚ ਕਰਨ ਲਈ ਟੈਕਸ ਹਨ । (ਪ੍ਰਸੰਸਾ)

ਇਥੇ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ B. D. Os. ਨੂੰ ਕਢ ਦਿਉ, ਕੰਮ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਅਤੇ ਕਈਆਂ ਨੇ ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਪਰ

[ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ]

ਜਿਸ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਨਾਲ, ਦਲੇਰੀ ਨਾਲ ਅਤੇ ਹਿੰਮਤ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੀਆਂ ਕਮਜ਼ੋਰੀਆਂ ਬਾਰੇ criticism ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਸ਼ਲਾਘਾ ਯੋਗ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹੁੰਦੇ ਹੋਏ ਪਾਰਟੀ ਬਾਜ਼ੀ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਨਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਜੋ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਸ਼ਲਾਘਾ ਯੋਗ ਹੈ। ਅਤੇ ਕਈ ਗਲਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮੰਨੀਆਂ ਵੀ ਹਨ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ B. D. O. ਦੀ ਤਕਰੱਰੀ ਵਿਚ ignore ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਗਲ ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਚੌਧਰੀ ਦਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਵੀ ਮੰਨ ਲਈ ਹੈ। ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਇਹ ਦਸਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦਾ morale ਕਿੰਨਾ ਉਚਾ ਹੈ ਕਿ ਆਪਣੀ ਕਮਜ਼ੋਰੀ ਮੰਨ ਲੈਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਹੋਰ ਅਗੇ ਵਧਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਟੀਚਰਾਂ ਦੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਵੀ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਛੂਤ ਛਾਤ ਅਜੇ ਤਕ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚੋਂ ਨਹੀਂ ਗਈ। ਟੀਚਰ ਤੰਗ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਗੌਰਮੈਂਟ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਅਲੋਵਾਲ ਦੇ ਟੀਚਰ ਦੀ ਇਹੋ ਜਹੀ ਹਾਲਤ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਉਹ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਝਿੜਕੇ ਤਾਂ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੂੰ ਚੁਮਾਰਾਂ ਦਾ ਪੁਤਰ ਹੈਂ ਅਸਾਡੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਹਥ ਨਹੀਂ ਲਾ ਸਕਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਪਿੰਡ high caste ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਛੂਤ ਛਾਤ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਨੂੰ ਜੋ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸੰਵਿਧਾਨ ਅਨੁਸਾਰ ਜੁਰਮ ਹੈ, ਦੂਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰਤਨ ਮੋਹਨ ਗੌਰਮੈਂਟ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਸਫੀਦੋਂ ਵਿਚ ਹੈ, ਜੋ ਦੁਹਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੰਗ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਹੋਣ ਜਾਂ ਇਸ ਪਾਸੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਛੂਤ ਛਾਤ ਕਾਰਨ ਤੰਗ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਮੈਂ ਚੌਧਰੀ ਸੂਰਜ ਮਲ, ਵਜ਼ੀਰ ਪਬਲਿਕ ਵਰਕਸ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਅਗੇ ਕੋਈ ਰਾਹ ਨਹੀਂ ਸੀ ਉਥੇ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ। ਦੀਨਾ ਨਗਰ ਤੇ ਨਰੋਟ ਜੈਮਲ ਸਿੰਘ ਤੇ ਸੜਕ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਥੇ ਸੜਕ ਨਹੀਂ ਸੀ ਬਣਦੀ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਲੇਰੀ ਨਾਲ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ ਬਣਵਾ ਦੇਵਾਂਗਾ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਸਾਡੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਸੜਕਾਂ ਤਿਆਰ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ।

ਜਿਥੋਂ ਤਕ political sufferers ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਕੋਈ creditable ਨਹੀਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਮਾਲੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇ ਕੇ beggars ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦਾ ਇਕ ਮਹਾਨ ਅੰਗ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੁਲਣ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 15 ਸਾਲ ਜਾਂ 30 ਸਾਲ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਕੁਰਬਾਨੀ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਜੋ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੇ ਸਿਪਾਹੀ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਇਨਾਮ ਦੇ ਕੇ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਦੀ ਕਦਰ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਕਈਆਂ ਨੇ Non official Vigilance ਕਮੇਟੀ ਤੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਬਹੁਤ important ਗਲ ਸੀ ਅਤੇ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਬੜੀ ਫਾਇਦੇਮੰਦ ਸਾਬਤ

ਹੋਈ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ corruption ਦਾ ਮਸਲਾ ਹਲ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋਣਾ । ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਨਾਲ ਲੋਕ ਫਿਰਨੋਂ ਹਟ ਗਏ ਹਨ । ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੇ । ਕਲ ਪਰਸੋਂ ਮੈਨੂੰ ਇਕ ਆਦਮੀ ਇਥੇ ਮਿਲਣ ਆਇਆ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਤੈਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ Non official Vigilance ਕਮੇਟੀ ਬੈਠੀ ਹੋਈ ਹੈ । (ਹਾਸਾ) ਦਿਹਾਤ ਵਿਚ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਜੋ ਚੌਧਰੀ ਬਣ ਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ exploit ਕਰਦੇ ਸਨ ਉਹ ਰੁਕ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ useful ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

ਵਿਦਿਆ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਮੰਤਰੀ ਦਾ ਮੈਂ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ education free ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ 100 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਘਟ ਆਮਦਨ ਹੋਵੇ ਉਸ ਦੇ ਬਚਿਆਂ ਦੀ ਤਾਲੀਮ ਮੁਫਤ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਇਹ socialistic pattern ਵਲ ਇਕ ਵਡਾ ਕਦਮ ਹੈ ਜੋ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ।

श्री अमर नाथ शर्मा (कांगड़ा) डिप्टी स्पीकर साहिब, जो बजट Finance Minister साहिब ने इस एवान में पेश किया है वह एक मानसरोवर की मानिन्द है । आप जानते हैं कि मानसरोवर पर बैठे हुए एक ही रंग के परिंदों में से कुछ तो ऐसे होते हैं जो कि पानी में से डुबकी लगा कर बहुमूल्य मोती निकाल लाते हैं और कुछ ऐसे होते हैं जो कि सीपियां निकाल लाते हैं जिन की कुछ कदरो कीमत नहीं होती । अगर बजट पर बोलते हुए यह कहा जाता है कि द्वितीय पंच वर्षीय योजना के समय सरकार ने क्या काम किया है ---(मौलवी अब्दुल गनी डार की ओर से विघ्न) मौलवी साहिब, आप सब्र से सुनिए । चाहिये तो यह था कि Opposition वाले इस बारे में बात करते कि द्वितीय पंच वर्षीय योजना पर, जिस के लिये सदन ने भी अपने खज़ाने से रुपया दिया है और केन्द्रीय सरकार से कर्ज़ भी उठाया, जिस के लिये सूद भी अदा किया, रुपया ठीक तरीके से इस्तेमाल हुआ है या कि नहीं, उस में कुछ त्रुटियां रह गई हैं याकि नहीं । इस के इलावा यह देखते कि तीसरी पंच वर्षीय योजना का पहला बजट जो हमारे सामने आया उस में जो सरकार ने वादे दिये हैं आया वह जनता के लिये हानिकारक हैं या जनता को आगे ले जाने वाले हैं । लेकिन यह कहां होता है? कहा तो यह जाता है कि, जनाब, फलां की टांग टूट गई, फलां आदमी ने cinema बना लिया, फलां अखबार ने यह लिख दिया । यह अच्छी बात नहीं हैं । इसी लिये मैं कह रहा हूं कि यह बजट मानसरोवर की भान्ति है इस में किस तरह से डुबकी लगाई जाए, किस भावना से इस को देखा जाए, किस प्रकार से अच्छाई मिल सकती है हो सकता है कि इसमें कुछ कमी हो, हो सकता है कि काम करने में सरकार की तरफ से कोई त्रुटि रह गई हो लेकिन यह कहना कि सरकार ने कुछ नहीं किया, यह अनुचित है । मैं ज़्यादा कुछ न कहता हुआ आप के द्वारा इस इवान के मेम्बरान से अर्ज़ करना चाहता हूं कि इस इवान ने दूसरी पांच साला योजना के लिए 162 करोड़ की मांग की थी जिसपर Planning Commission ने 152 करोड़ और कुछ लाख रुपये की मँज़ूरी दी थी । हमारी सरकार कितनी खुशकिस्मत है कि 94% रकम पांच सालों में खर्च कर पाई, जो वादे उसने Centre से किए थे उन को पूरा किया और किस तरह से taxes लगाकर कीमतों को भी नहीं बढ़ने दिया । डिप्टी स्पीकर साहिब, अभी एक साल हुआ कि इसी इवान में खुराक की कीमतें बढ़ जाने से कितना हाहाकार मचा था । लेकिन आज तो न कोई इस सम्बन्ध में adjournment motion आई है और न ही खुराक की कमी की बाबत किसी आनरेबल मेम्बर ने कोई शिकायत की है ।

[श्री अमर नाथ शर्मा]

दूसरी पांच साला योजना में हम आबपाशी के रकबे में कितनी रफतार से आगे बढ़े हैं, अगर उसका सही अन्दाज़ा Opposition के साथियों को हो तो पता लगे कि पंजाब में कैसी तरक्की हुई है । पहली पंच वर्षीय योजना के आखिर तक tube-wells और नहरों के ज़रिये पंजाब में 8 लाख एकड़ ज़मीन आबपाश हुई थी और अब दूसरी पांच-साला योजना के समाप्त होने पर 22.50 लाख एकड़ के लगभग ज़मीन आबपाश हो रही है । बावजूद इस बात के कि आसमानी आफतें आईं, तुफान आए, बारिशें हुईं, waterlogging बढ़ा लेकिन ,डिप्टी स्पीकर साहिब, हमारे सूबे की ज़रई पैदावार इतनी बढ़ी है कि जहां पहले हम बाहर से अनाज मँगवा कर अपने लोगों को खिलाया करते थे, आज न सिर्फ अपनी अनाज की ज़रूरियात को पूरा करते हैं बल्कि दूसरे सूबों को अनाज बहम पहुंचा रहे हैं । चाहे वह State Trading के ज़रिए हो या किसी दूसरे तरीके से हो, लेकिन पैदावार इतनी बढ़ी कि आज हमें इस बात का गौरव है कि हमारा पंजाब अनाज के मामले में एक surplus सूबा है । डिप्टी स्पीकर साहिब, पिछले पांच सालों में पंजाब ने 21 करोड़ मन अनाज पैदा किया । मेरे एक Opposition के भाई को अम्रीका का नाम सुनते ही बड़ी घबराहट हो गई । इस बात पर उन्हें जोश आ गया कि क्यों ऐसा कहा गया कि हमारी केन्द्रीय सरकार ने अमरीका के साथ गन्दम के मामले में कोई मुआहदा किया है । काश! मेरे Opposition के progressive भाई को मालूम होता कि हमारी सरकार की नीति neutral है, उसकी हर मुल्क के साथ दोस्ती है । अगर रूस वाले भी हमें सहायता देने को आते हैं तो हम बखुशी कबूल करते हैं । हम तो दोनों बलाकों से मित्रता रखते हैं । हमें किसी विशेष block से वास्ता नहीं, हमें तो वास्ता है अपने गरीब देश से, उजड़े हुए देश से जो कि सदियों की गुलामी के बाद आज़ाद हुआ और हम आज़ादी का सांस लेकर अपने देश को दूसरे मुल्कों के मुकाबला में कुछ बनाना चाहते हैं । इसलिए अगर केन्द्रीय सरकार ने अमरीका से गन्दम ली हो तो उसमें कोई दोष वाली बात नहीं । डिप्टी स्पीकर साहिब, यही नहीं कि हमारे सूबे की ज़रई पैदावार ही बढ़ी हो, या यहां पर नहरों का ही जाल बिछा हो, बल्कि सनअत के मैदान में भी हम बड़ी तेज़ी से आगे बढ़े हैं । Opposition वाले भाई अपने election propaganda की खातिर कहीं जनता को गलत फ़हमी में न डाल दें; मैं आप के ज़रिए House की सेवा में अर्ज़ करता हूं कि पहले Five Year Plan के वक्त हमारे सूबा में 2,573 registered factories थीं और इस वक्त 3,881 registered factories हैं उस वक्त सिर्फ 80,000 skilled और unskilled workers थे, अब 1,75,000 skilled & unskilled workers काम कर रहे हैं । यही बात नहीं कि हमारे प्रधान मन्त्री ने ही इस तरक्की के लिए हमारी प्रशंसा की हो, हमारे केन्द्र के Industries Minister जगह जगह हमारी तारीफ कर रहे हों, बल्कि हमारे पुराने भवन में All India Small -Scale Industries की जो Conference हुई उसमें जो भी बाहर के सूबे के लोग आए सब ने पंजाब की Small Scale और Medium Industries की तारीफ की। यहां तक कहा गया है कि पंजाब हिन्दुस्तान का लँकाशायर बनने जा रहा है । काश कि मेरे Oppostion के साथियों ने इस तरक्की को ध्यान में रखा होता ! लेकिन असलियत को न पहचानते हुए उस परिन्दे की माफिक, जो मानसरोवर में रहते हुए भी सीपी चुगता है, बनना कहां की बुद्धिमता है, यह वही ज्यादा जानते हैं । (*Interruptions*) Sugar

में हमने पिछले तीन सालों में 97.7 thousand tons की production की और यह इसी का नतीजा है कि हमारे इसी इवान के एक मेम्बर श्री डी. डी. पुरी एक delegation लेकर अफ्रीका गए हुए हैं ताकि पंजाब से sugar export की जाए और वहां से foreign exchange हासिल किया जा सके। क्या यह कम फ़खर की बात है? क्या हम इस बात पर फ़खर नहीं कर सकते कि पंजाब अपनी जरूरियात को पुरा करके export करने के काबिल हो गया है ? डिप्टी स्पीकर साहिब, sugar ही नहीं आज से पहले bicycles और sewing machines भी बाहर से आया करती थीं। लेकिन आज हमारी हालत यह है कि हम 387.9 thousand bicycles अपने सूबा में तैयार कर रहे हैं, sewing machines तैयार कर रहे हैं और बाहर भेज रहे हैं। आप देखें कि पहले हमारे ज़मींदारों की कपास कौड़ियों के मोल जाती थी लेकिन अब अपनी इस कपास को हम खुद इस्तेमाल कर रहे हैं और दूसरी पांच-साला योजना में हम अपने सूबा के अन्दर 642 लाख yards कपड़ा बनाने के काबिल हो गए हैं। हम अपना तन ढापनें के लिए कपड़ा खुद तैयार करते हैं, खाने के लिए अनाज खुद पैदा करते हैं और अगर फिर भी हमारे दोस्त कहें कि पंजाब ने तरक्की नहीं की तो यह सूरज की रौशनी को झुटलाने वाली बात होगी। बावजूद इस बात के कि पंजाब पर आसमानी आफतें आईं, आऐ दिन यहां पर agitations चलीं, तूफान आए floods आए, लेकिन फिर भी सब बातों का मुकाबला करते हुए पंजाब आगे बढ़ा है, बड़ी तेज़ी और शान से आगे बढ़ा है । (Hear, hear) Opposition के भाइयों ने बड़े ज़ोर से आंदोलन किए, कभी कहा गया कि टैक्स नहीं लगने चाहिऐं, आए दिन किसी न किसी बहाने सूबा में अबतरी फैलाने की कोशिश की, कभी हिन्दी agitation और कभी betterment levy agitations और पंजाबी सूबा agitation का मुकाबला करने के लिए सरकार को पुलिस पर खर्च करना पड़ा ताकि सूबा की शान्ति को भंग होने से रोका जाए। इस सूरत में जब सरकार को 30 लाख रुपया सूबा की शान्ति और व्यवस्था को कायम रखने के लिए खर्च करना पड़ा तो 96 लाख का घाटा कौन सी बड़ी बात है ? अगर आप उस सारी रकम को निकाल दें जो कि agitations के सिलसिले में सरकार को खर्च करनी पड़ी तो यह deficit न हुआ होता और ये taxes न बढ़ाने पड़ते। डिप्टी स्पीकर साहिब, आप को पता है कि पिछले साल कितने floods आए, आप के हलके में भी floods आए और सरकार को 5 करोड़ 44 लाख रुपया flood affected areas में खर्च करना पड़ा, मामला मुआफ करना पड़ा, subsidies देनी पड़ीं, मुफत अनाज तकसीम करना पड़ा। अगर 5 करोड़ 44 लाख के unexpected खर्च को बर्दाशत करने के बाद सरकार बजट में सिर्फ 96 लाख का घाटा दिखाती है तो कौन सी बड़ी बात हो गई ? मामूली से taxes बढ़े हैं। और फिर ये taxes किन पर लगते हैं ? अगर सिनेमा देखने जाओ तो tax लगेगा। मगर जो भाई सिनेमा देखने जायेंगे क्या वह गरीब होंगे ? गरीब को तो रोटी नहीं मिलती वह सिनेमा कहां से देखेगा। लेकिन अगर इस किस्म की तफरीह पर भी tax लगे तो इन के पेट में बल पड़ते हैं।

डिप्टी स्पीकर साहिब, अब मैं आप की तवज्जुह Industrial Estates की तरफ दिलाना चाहता हूं कि यह कितनी बढ़ी हैं। जनाब, मालेरकोटला, नीलोखेड़ी, लुध्याना और सोनीपत में यह बन चुकी हैं और बठिन्डा में बनने वाली है। बाकी मैं पहाड़ का रहने वाला होने के नाते

[श्री अमर नाथ शर्मा]

मुझे कुछ अफसोस जरूर है कि वहां Industrial Estates जारी नहीं हुई। पंजाब सरकार ने भारत सरकार के पास दो Industrial Estates बनाने की सफारिश की एक बठिन्डा में और एक नगरोटा वंगवा जिला कांगड़ा में। भारत सरकार के पास से बठिन्डा वाली file तो मन्जूर हो कर निकल आई मगर कांगड़े वाली file का कुछ पता नहीं चला। पता नहीं कि कोई बड़े आदमी बीच में पड़ गए या कुछ और हो गया। (*Interruption*)

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : भगवान ने चाहा तो निकल आयेगी।

श्री अमर नाथ शर्मा: मैं अर्ज़ कर रहा था कि हम सिर्फ खुराक की पैदावार में ही आगे नहीं गए, सन्अतो हिरफत में ही आगे नहीं गए बल्कि तालीम के लिहाज़ से भी आगे गए हैं। जनाब, 1956 में यहां पर सिर्फ 5500 स्कूल थे मगर आज इन की तादाद बढ़ कर 15,000 हो गई है। (तालियां) फिर जनाब यहां पर पहले 47 कालिज थे मगर अब 120 कालिज हो गए हैं और 194 Higher Secondary Schools हो गए हैं। अगर, जनाब, यही होता तो मैं कहता कि पंजाब में लिखे पढ़े बेकारों की गिनती बढ़ी है मगर हमारी सरकार ने Industrial Schools खोले हैं, Politechnics खोले हैं और Engineering Colleges खोले हैं। इन में आज 5,000 विद्यार्थि तालीम हासिल कर रहे हैं। (तालियां) यही नहीं, जनाब, सरकार ने इस सूबे के लोगों की सेहत का भी ख्याल रखा। विभाजन के बाद यहां पर सिर्फ 2 Medical Schools थे एक अमृतसर का और दूसरा लुध्याने का Private Medical School, आज यह फ़खर की बात है कि पंजाब में तीन Medical Colleges चल रहे हैं (तालियां) इस के साथ आयुर्वेदिक पद्धति को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पिछली Plan में 250 आयुर्वेदिक dispensaries खोली गईं। अगर यह भाई जरा आंखें खोल कर देखें तो इन को भी यह सारी चीजें नजर आ सकती हैं। (*Interruption*) पहले तो जनाब मिडल तक फीस ही माफ की गई थी अब हमारी सरकार primary तक free and compulsory education भी करने चली है और लड़कियों के लिए 9 वीं तक free education कर दी है। फिर जनाब पहले तो कुछ खास जातों को backward declare किया गया था और इस में economic हालत का रुयाल नहीं था मगर अब सरकार ने यह कर दिया है कि ज़ात किसी की चाहे कोई हो जिस की आमदनी 100 रुपया माहवार से कम है, उस के बच्चों को सहूलतें मिलेंगी। (तालियां) इस सरकार ने सड़कों का जाल बिछा दिया है। अब हर तरफ पक्की सड़कें मिलती हैं। हालांकि हम गिला करते रहते हैं कि हमारे इलाके में कम सड़कें बनी हैं मगर जहां पहले वहां पर सिर्फ एक ही सड़क थी, पठानकोट से मन्डी तक, वहां अब कई सड़कें बन गई हैं। मन्डी से पठानकोट, धर्मशाला, होशयारपुर, जवाला मुखी, नादौन। यह सब पक्की सड़कों से मिला दिए गए हैं। और तो सब जगह पक्की सड़कें बन गई हैं, सिर्फ मेरे हलके पर मेहरबानी नहीं कर रहे। (*Interruption*) जनाब, हम ने दूसरी Plan में काफी तरक्की की है। लेकिन अगर वही तरक्की हुई होती तो मैं शायद वित मन्त्री महोदय को बधाई न देता लेकिन अगर मेरे इन दोस्तों ने उस बहस को ध्यान में रखा होता जो तीसरी plan के draft पर इसी सदन में हुई थी तो यह वह सब बातें न कहते जो इन्हों ने कहीं। उस वक्त सभी political parties के लोगों ने यह कहा था कि जो रुपया रखा गया है वह कम है, इसे और बढ़ाना चाहिए। यह इस लिये महसूस होता था कि हमारा

राज्य पहले से पिछड़ा रहा है, उजड़ गया था। इस कारण केन्द्रीय सरकार ने हमें ज्यादा रुपया दिया था। और हमें डर था कि कहीं इस बार रुपया कम न हो जाए, ज्यादा cut न लग जाए। मैं पंजाब सरकार को बधाई देता हूं कि इन्हों ने ज़्यादा cut नहीं लगने दिया। इस के लिए इन्हें बड़ी मेहनत करनी पड़ी। हम ने Planning Commission से 298 करोड़ रुपया मांगा था और 231.40 करोड़ मन्ज़ूर करवा लिया। मैं समझता हूं कि यह भी कम फ़ख्र वाली बात नहीं है। इस के लिए भी पंजाब सरकार को काफी लड़ाई करनी पड़ी है। यही नहीं, हमारी सरकार अगर उतनी ही रकम इस साल के लिए earmark करती जितनी कि Central Government ने हमारे लिये की है तो हम तरक्की की रफतार में पीछे रह जाते मगर हमारी सरकार ने एक मामूली सा tax लगा कर अपना हिस्सा डयोढ़ा कर दिया है यानी 33 करोड़ की बजाए इस बजट में अपनी ओर से 39 करोड़ रुपया खर्च करना मन्ज़ूर कर लिया है। इस तरह से इस ने अपनी काबलियत का सबूत दिया है। जनाब, हमारी सरकार ने primary education को free किया है। इस पर Opposition वालों ने भी इस के लिए सरकार को, कांग्रेस की सरकार को बधाई दी। अगर बधाई नहीं दी तो लाला जगत नारायण जी ने नहीं दी। उन को तो सिर्फ कैरों और उस के परिवार ही नज़र आते हैं, कोई नेकी का काम नज़र नहीं आता। इन को तो सपने आते हैं। इस लिए बधाई नहीं दी। खैर सरकार ने एक और अच्छा काम किया कि crop insurance की स्कीम चलाई। फसलों का बीमा चला दिया जिससे लोगों को बहुत फ़ायदा पहुंचेगा। इसके इलावा चौथे क्लास के मुलाज़मों को केन्द्रीय सरकार के इसी श्रेणी के मुलाज़मों के बराबर लाने के लिए न सिर्फ उनकी तनखाहों में 5 रुपये का इज़ाफा किया बल्कि एक भला और किया और वह यह कि वह 5 रुपये स्माल सेविंग स्कीम के तहत जमा होंगे और जब वह नौकरी छोड़कर जाएंगे तो सब मिला कर डयोढ़ा रूपया मिलेगा। हमारी सरकार ने इतना कुछ किया है लेकिन फिर भी यहां इस तरह की बातें होती हैं जैसे भठियारिनें आपस में लड़ती हैं। मैं new comer था, मैं ने सोचा था कि अपने पुराने लायक parliamentarians के पास बैठ कर मैं कुछ सीखूंगा, लेकिन मैं सच कहता हूं कि मुझे बड़ी निराशा हुई है।

इस के बाद में हिल्ली area के मुताल्लिक जिस में मेरा अपना ज़िला भी शामिल है कुछ बातें कहना चाहता हूं। वहां के लिए 19 करोड़ रुपया डिवलपमैंट के वास्ते ज़रूर रखा गया लेकिन इस रुपये को और ज़्यादा करना चाहिये। क्योंकि इस हिल्ली एरिया में पंजाब का और हिल्ली एरिया, जो रह गया था, मिला दिया गया है। इसलिए मैं सरकार से गुज़ारिश करूंगा कि मेरे ज़िले को डिवेलप करने के लिए और ज्यादा रकम रखी जाए ताकि उसका कुछ बन सके। अब मैं लायल सैटलमैंट की बात करता हूं जिसके तहत हमारे यहां कूल्हों का निर्माण हुआ। उसके बारे में मैं बतलाना चाहता हूं कि यह कूल्हें सब प्राइवेट तौर पर जमींदारों ने बनवाई हुई हैं। सिर्फ दो कूल्हें हैं जो हमारे मुहतरिम राव वीरेन्द्र सिंह की बनवाई हुई हैं। इसलिए वहां पर वारा बन्दी का सिलसिला ठीक नहीं चल सकता। इसलिए वाजबुलर्ज में तबदीली होनी चाहिए और जहां पर टेल पर पानी नहीं पहुंच पाता वहां उसका प्रबन्ध किया जाना चाहिये।

एक बात और है जो मैं कहना चाहता हूं और वह यह है कि हमारे यहां का और महेन्द्रगढ़ का बैकवर्ड इलाका है, इसलिए जो मरला टैक्स लगाया है उसका रेट बहुत ही कम होना चाहिए। इस वक्त हमारी ज्यादा capacity नहीं है। हां, जब मोहनलाल जी हमारे मुहतरिम इंडस्ट्री

[श्री अमर नाथ शर्मा]

मिनिस्टर वहां पर इंडस्ट्रीज लगाएंगे तो हमारी तरक्की होगी और उस वक्त हम बकाया पंजाब की तरह टैक्स देने के काबिल हो सकेंगे। इतना कह कर मैं सरकार को, वज़ीर साहिबान को और फाइनैंस मिनिस्टर साहिब को बधाई देता हूं।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार (नूह) : डिप्टी स्पीकर साहिब, मैंने सरदार अजमेर सिंह की और पंडित अमरनाथ की तकरीरें सुनीं और बड़े ग़ौर से सुनी। मैं खुश हूं कि सरकार स्टेट के लिए 50 करोड़ रुपया खर्च कर रही है और इस पर फखर करना चाहिए। लेकिन जहां तक यह बातें कही जाती हैं कि सरकार ने रेलें बना दीं, सड़कें बना दीं, स्कूल बना दिए, यह तो ब्रिटिश सरकार भी कहा करती थी, इस में क्या बड़ाई हो गई? रेलें सड़कें न बनातीं तो क्या जूऐ निकालती?

सब से पहले मैं agriculture को लूंगा और चनों की पैदावार के बारे में कहूंगा, क्योंकि हमारी स्टेट का सबसे बड़ा मसला agriculture का है और हम इस पर फ़खर करते हैं कि हमने इस दिशा में बड़ी तरक्की की है (प्रशंसा)। लेकिन में बतलाना चाहता हूं कि जालधर में सन् 1954-55 में अनाज की पैदावार 1,92,450 टन थी। 1955-56 से लेकर 1959-60 तक उसकी औसत पैदावार 1,89,600 टन रह गई? फिर फ़खर करते हैं कि हमारी पैदावार की तरक्की हो रही है। अब लुधयाने को लीजिए। 1954-55 में 246,000 टन थी और औसत थो 2,20,000 टन। उसके बाद यही पैदावार लुधयाने की 1959-60 में 223 हज़ार टन रह गई और फिर यह कहते हैं कि तरक्की हो रही है। अमृतसर में 1954-55 में यह पैदावार 318,000 टन थी और 1959-60 में 2,99,000 टन रह गई और औसत रह गई 2 लाख 88 हज़ार टन। (विघ्न) घबराइये नहीं। मैं यह फिगर्ज़ बतला रहा हूं आपकी पैदावार की, जिसका नाम ले ले कर आप कहते हैं कि बड़ी तरक्की हो रही है इस सूबे में। (विघ्न) अब आप सुनिए। मेरी turn है। और फीरोज़पुर जो नंबर एक पर था पैदावार के लिहाज़ से वह आजकल नंबर चार पर है। यह क्यों हो गया है? क्या यह तरक्की हो रही है इसलिए? पहले इसकी पैदावार 6,56,000 टन थी और अब 6,53,333 टन ही रह गई।

उद्योग मन्त्री : क्या मैं, डिप्टी स्पीकर साहिब, आपकी इजाज़त से मौलवी साहबि से पूछ सकता हूं कि जो साल आपने चुना है वह एक ही क्यों चुना? हो सकता है, हढ़ आ गए हों या फ़सल बरबाद हो गई हो। कई कारण हो सकते हैं। आप औसत लीजिए।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : मैं वही बयान कर रहा हूं। आप सुनते तो जाइए अगर मैं ग़लत कहता हूं तो आप कह सकते हैं लेकिन यह किताबें हैं जहां से मैं हवाला दे रहा हूं यह तो ग़लत नहीं कहेंगी, यह तो आपकी ही हैं। (विघ्न) अभी मैं उन बातों पर तो आया नहीं हूं जिनसे आप घबराते हैं मैं आप के सामने आंकड़े रखता हू। ज़रा शान्ति से सुनिये और देखिये। एक ज़माना था जब मुसलमान की हकूमत गई तो सरकार ने इशारा किया कि इनको नौकरियों में मत रखो। फिर जब 1857 की बग़ावत हुई तो हरियाना के लोगों को सरकार बागड़ी कहने लगी। आज माझे के जाट, दुआबे और मालवे के जाट, जो ज़मीन के साथ उलझते थे, उन की हालत क्या हो रही है उसको समझने की कोशिश करें। मैं समझता हूं कि उन की हालत के बारे में बांके दयाल ने ठीक कहा था।

पगड़ी सम्भाल जट्टा पगड़ी संभाल ओए।

ग्रम्बाला डिवीज़न की पैदावार 1951 में 2,224,000 टन हो गई थी ग्रौर 1955-56 में 2,296,000 टन हो गई ग्रौर फिर उसके बाद 1959-60 में 2,416,000 टन हो गई, ग्रौर यह उन्हीं लोगों की मेहनत का नतीजा था जिन को बागड़ी कहा जाता रहा। (शोर) (सरदार उमराग्रो सिंह द्वारा विघ्न) ग्रब ज़रा इत्मीनान से सुनिये ग्रापको तो खाली शोर मचाना ग्राता है। ग्रम्बाला डिवीज़न के नौ लाख सत्ताईस हज़ार टन के मुकाबले में जालंधर ड़िविज़न में 1,491,000 हज़ार टन पैदावार हुई। 1955-56 में जालंधर डिविज़न में 1,454,000 टन हो गई ग्रौर ग्रब उन की पैदावार 1,934,000 टन हो गई। ग्राप बड़े जोश से कहते हैं कि ग्रब्दुल ग़नी एक साल की बात क्यों कहते हो। मैं ग्रर्ज़ करता हूं कि मैं एक साल की बात नहीं कहता, मैं तो ग्रौसत की बात कहता हूं कि जब हिसार की पैदावार साढ़े तीन मन फी एकड़ थी तो जालंधर डिवीज़न की पैदावार 14 मन फ़ी एकड़ थी लेकिन ग्रब हिसार के किसान की ग्रौसत पच्चीस मन फी एकड़ ग्राती है तो ग्रापके यहां चौदह मन से साढ़े चौदह मन फी एकड़ की ग्रौसत निकलती है। पंजाबी रिजन में ग्रगर एक साल में दो सौ फ़ी सदी ग्राबपाशी बढ़ गई है तो ग्राप कहते हैं कि पंजाब की पैदावार बढ़ गई है लेकिन हिसार वालों की ग्राबपाशी न बढ़ने पर भी पैदावार बढ़ी है। ऐसे हालात में जालंधर डिवीज़न वाले क्या जवाब देंगे जिन की पैदावार कम हुई है। मैं इन से पूछता हूं कि grow-more-food का रुपया कहां गया? ग्रब पंडित ग्रमरनाथ शर्मा ऐनक लगा कर देख कर बताएं......

पंडित ग्रमर नाथ शर्मा: मैं ने सारे पंजाब को एक देखा है।

मौलवी ग्रब्दुल ग़नी डार: मुझे खुशी है कि उन्हों ने एक देखा है लेकिन जब मैं पैदावार बताता हूं तो ये कहते हैं कि एक साल की लो। ग्रब ग्रगर मैं एक साल की भी लूं तो ग्राखिर ग्राखिरी साल की ही लूंगा। ग्राप यह न समझें कि मैं नुक्ताचीनी कर रहा हूं। Opposition में बैठ कर ग्रगर मैं ग्रपनी सरकार को नहीं तो कम से कम स्टेट की सरकार समझ कर नेक सुझाव तो दे सकता हूं ग्रौर यह तो बता सकता हूं कि ग्राज जालंधर डिवीज़न कहां जा रहा है। मैं यह नहीं कहता कि मिनिस्टर दाना खा गये। (हंसी) लेकिन सोचने वाली बात यह है कि ग्राखिर यह कमी क्यों वाक्या हुई। डिप्टी स्पीकर साहिब, ये ग्रगर हंसते हैं तो इन को हक है लेकिन शायद जालंधर डिवीज़न का किसान इन की हंसी को कुछ ग्रौर समझेगा। शायद यह कहें कि सेम की वजह से पैदावार कम हुई। मैं इन से पूछता हूं कि ग्रगर सेम बढ़ गई तो ग्राखिर सेम लाया कौन? मैं खान ग्रब्दुल ग़फ्फार खां से कहूंगा कि जब वे बोल रहे थे तो मैं ने उन्हें ठंडे दिल से सुना, ग्रब वे भी ज़रा ठंडे दिल से सुनें। कुरान शरीफ में एक ग्रायत है जिस का मतलब है कि जब कोई ग्रच्छा काम हो तो कह देते हैं कि हम ने किया ग्रौर जब खराब हो जाये तो कह देते हैं ग्रल्ला मियां की मर्ज़ी। इस लिये ग्राप भी कहेंगे कि ग्रल्ला मियां ने बारिश कर दी, प्रभु ने वर्षा कर दी इस लिये सेम हो गई। भाई मैं पूछता हूं कि सेम का इलाज किस ने करना था। एक ग्ररब ग्रौर पच्चास करोड़ रुपया तो ग्राप ने खर्च किया तो सेम का इन्तज़ाम क्या चौधरी धर्म सिंह राठी ने करना था या कंवरानी जगदीश कौर ने करना था। नहीं यह इन्तज़ाम पंडित ग्रमर नाथ शर्मा की सरकार ने करना था, मौदगिल साहिब की सरकार ने करना था, सरदार जसदेव सिंह संधू की सरकार ने करना था। पिछले पांच साल में एक करोड़ पैंतीस लाख रुपया drainage पर खर्च किया गया जिस में से एक करोड़ चौदह लाख रुपया सिर्फ तीन ज़िलों पर खर्च किया गया, बाकियों

[मौलवी अब्दुल ग़नी डार]

को बरबाद होने दिया गया। जनाब, डिप्टी स्पीकर साहिब, अगर गवर्नमैंट ग़लती करे तो उस की त्रुटियां बताने में मुझे संकोच नहीं लेकिन दूसरी तरफ अगर कोई अच्छा काम करे तो उस के लिये मैं ज़रूर उसे मुबारकबाद दूंगा। मानसरोवर में से मोती और सीप चुनने की जो बात कही गई उस सिलसिले में मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि इस के तीन कारण हैं।......

(*Maulvi Abdul Ghani Dar was still in possession of the House when it adjourned.*)

1.00 p. m.

(THE SABHA THEN ADJOURNED TILL 1.00 P. M. ON MONDAY, THE 12TH MARCH, 1961)

ANNEXURE

[Please see foot note appearing at page (15)56 of the Debate, Vol. I, No. 15, dated the 10th March, 1961]

3444. **Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state—

(a) the number of thefts of trees that took place in Government controlled forests in the State during the period from January, 1957 to February 15, 1961, year-wise ;

(b) the total loss sustained by Government as a result of thefts, year-wise ;

(c) whether any officers/officials were also involved or responsible in the said thefts ; if so, their names and the action, if any, taken against them separately ?

Giani Kartar Singh : The following information is given below :—

(a and b)

Year		No. of thefts	No. of trees involved	Total loss sustained
				Rs nP.
1957	..	1,309	5,585	43,620.27
1958	..	1,688	4,433	55,011.00
1959	..	1,643	5,712	64,195.20
1960 (up to February, 1961)		1,304	9,008	54,864.00

Note.—In most of the cases, the price of trees and compensation has been recovered.

(c)	Name of the official		Action taken
1.	Shri Dharm Dass, Forest Guard	..	Increment stopped for one year
2.	Shri Nesu Ram, Forest Guard	..	Case under enquiry

Name of the official	Action taken
3. Shri Balak Ram, Deputy Ranger	Cases under enquiry
4. Shri Kaka Ram, Forest Guard	
5. Shri Bhajan Singh, Forest Guard	
6. Shri Sardul Singh, Forest Guard	
7. Shri Jaswant Singh, Forester	.. Dismissed
8. Shri Payere Singh, Forester	.. Removed from service
9. Shri Santokh Singh, Forest Guard	.. Discharged
10. Shri Ram Singh, Forest Guard	.. Dismissed
11. Shri Ram Nath, Forest Guard	.. Grade increment stopped for 2 years
12. Shri Balbir Singh, Forest Ranger	.. Reverted to the minimum of Forest Ranger's scale for 2 years
13. Shri Om Parkash, Forester	.. Reverted to the post of Forest Guard
14. Shri Kapur Singh, Forest Guard	.. Dismissed
15. Shri Harcharan Singh Brar, Forest Guard	Charge-sheeted and further enquiry is being conducted
16. Shri Kartara, Forest Guard	
17. Shri Harnand Singh, Forester	
18. Shri Kirat Singh, Forest Guard	.. Discharged
19. Shri Amar Singh, Forest Guard	.. Dismissed
20. Shri Ram Murti, Forest Guard	.. Case under enquiry
21. Shri Raghbir Singh, Forest Guard	.. Let off
22. Shri Nathu Ram, Forest Guard	.. Reduced to minimum scale of pay for 5 years
23. Shri Lila Dhar, Forest Guard	.. Annual grade increment stopped

	Name of the official		Action taken
24.	Shri Rattan Chand, Forest Guard	..	Annual grade increment stopped
25.	Shri Bhag Singh, Forest Guard	..	Charge-sheeted and enquiry is being conducted
26.	Shri Lal Singh, Forest Guard	..	Ditto
27.	Shri Gurcharan Singh, Forest Guard	..	Ditto
28.	Shri Rachhpal Singh, Forest Guard	..	Ditto

DEVELOPMENT BLOCK; WITHOUT VARIOUS CATEGORIES OF STAFF

3445. Sardar Rajinder Singh : Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) the total number of Community Development Blocks in the State at present ;

(b) the number of blocks referred to in part (a) above which were without any of the undernoted categories of staff as on February 15, 1961:—

Block Development Officer, Progress Assistants, Clerks, Overseers, Medical Officers, Lady Health Visitors, Sanitary Inspectors, Midwives, Lady Social Education Organisers, Lady Gram Sevikas, Extension Officers and Accountants ;

(c) the reasons why the blocks mentioned in part (b) above were without the said staff ?

Master Gurbanta Singh : (a) 182 blocks ;

(b) and (c) The statement is as follows :—

STATEMENT

PART (b)			PART (c)
Serial No.	Number of blocks	Name of the post	Reasons for vacant post
1	11	Block Development Officers	These posts remained vacant as the cases regarding selection of Block Development and Panchayat Officers were not finalised. Now no vacancy exists
2	41	Mukhya Sevikas ..	These posts remained vacant since the recommendees of Subordinate Services Selection Board did not join the places of their postings. Out of 41 vacancies 26 have since been filled up. The remaining 15 vacancies are likely to be filled up within a week

		Part (b)		Part (c)
Serial No.	Number of blocks	Name of the post		Reasons for vacant post
3	..	Social Education and Panchayat Officers		..
4	..	Progress Assistants	..	..
5	10	Clerks	..	These posts remained vacant for want of recommendations of the Subordinate Services Selection Board. Deputy Commissioners concerned have been authorised to fill up the vacancies on temporary basis
6	7	Overseers	..	These posts remained vacant for want of recommendations of the Subordinate Services Selection Board. 5 posts out of 7 posts have since been filled up
7	27	Medical Officers		Due to acute shortage of medical staff, it was not possible to fill up these posts
8	20	Lady Health Visitors		
9	8	Midwives		
10	..	Sanitary Inspectors	..	..
11	11	Extension Officers (Coop.)		These posts remained vacant due to shortage of staff. The Department concerned has been asked to fill up these posts immediately
	9	Extension Officers (Animal Husbandry)		Ditto
	22	Extension Officers (Agriculture)		Ditto
	32	Extension Officers (Industries)		Ditto
12	1	Accountant	..	The Deputy Commissioner has been asked to fill up the vacancy on temporary basis
13	93	Gram Sevikas	..	The vacancies could not be filled up as the candidate Gramsevika is required to undergo one year's training before actual appointment and the training capacity of our Institutes has proved insufficient to make good the deficiency up to this time. Several vacancies have since been filled up. The remaining are being filled up very shortly.

12709 PVS —350—29-12-61—C P. & S. Pb. Chandigarh

Punjab Vidhan Sabha Debates

13th March, 1961

Vol. I—No. 16

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Monday, the 13th March, 1961

Price : Rs. 0.95 nP.

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, NO. 16, DATED THE 13TH MARCH, 1961.

Read	*for*	*on page*	*line*
मैट्रिक	मैकि	(16)18	2nd from below
को	की	(16)25	3
1959-60	1960-61	(16)28	20
Ambala	Amba	(16)29	Serial No. 31
Hamirpur	Aamirpur	(16)43	,, ,, 63
Co-operative	Co-opeartive	(16)43	,, ,, 77
Amritsar	Hmritsar	(16)43	,, ,, 81
Village	Vilage	(16)43	,, ,, 90
son	on	(16)44	,, ,, 105
Service	Serivce	(16)44	,, ,, 113
Village	Vilage	(16)44	,, ,, 140
permit	pemrit	(16)45	First
Dass	Dqss	(16)46	Serial No. 237
of	f	(16)47	,, ,, 5
Goods	Goads	(16)47	,, ,, 35
Shri	Shti	(16)48	,, ,, 72
Jullundur	Julllundur	(16)49	,, ,, 94
district	distict	(16)49	,, ,, 131
Read 'of' between 'son' & 'Mohan		(16)50	,, ,, 164
prisoners	prisonsers	(16)75	6
Serial	Seriai	(16)107	1
P.C.M.S	P.M.S	(16)142	11
श्री	ी	(16)146	1
जिन्दगी	न्दगी	(16)147	30

Read	*for*	*on page*	*line*
Read 'उठाया जाए' between 'ऊपर' and "1"		(16)147	1st and 2nd from below
वहां	वह	(16)149	5
ਬੋਪਾ ਗਏ	ਬੋਪਾ ਗਏ	(16)152	18
श्री मुनी लाल कामरेड	श्री मनी लाल कामरेड	(16)159	12
agriculture	agriculure	(16)159	35

मुख्य मंत्री : यह तो अखबारों में भी आ गया था कि वापिस ले लिया गया है ।

श्री बलराम दास टण्डन : यह case किन वजुहात से वापिस लिया गया ?

मुख्य मंत्री : क्यों कि इस में मन्दिर का नाम आ गया था । हम मन्दिर के नाम वालों को prosecute नहीं करते ।

श्री बलराम दास टण्डन : यह ban इतने दिन लगा रहा । इसे जल्दी क्यों नहीं वापिस लिया गया ?

Chief Minister : All those things were left to the District Magistrate. The Government was not consulted in the matter. When it came to the notice of the Government, it was withdrawn.

पंडित श्री राम शर्मा : क्या मुख्य मंत्री बतायेंगे कि जहां मन्दिर, गुरुद्वारा या मस्जिद का नाम आ जाए वहां कानून खत्म हो जाता है ?

मुख्य मंत्री : नहीं खत्म नहीं हो जाता सिर्फ respect show करते हैं ताकि लोगों को आहिस्ता २ समझ आ जाए ।

पंडित श्री राम शर्मा : गवर्नमैंट इस बात के लिये कब तक इन्तजार करेगी कि लोगों को यह बात समझ आ जाए ?

मुख्य मंत्री : General Election निकाल लेने दो फिर सोच लेंगे । (हँसी)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਕੀ ban ਸਿਰਫ ਮੰਦਰ ਵਿਚ ਦਾਖਲੇ ਤੇ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਜਾਂ public meeting ਤੇ ਵੀ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ?

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਹੋਰ ਜਗ੍ਹਾਂ ਤੇ ਵੀ ਲਗਿਆ ਹੋਵੇ ਪਰ ਮੰਦਰ ਦਾ ਨਾਮ ਇਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ । ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਕਿਸੇ leader ਨੂੰ ਨਾ ਮਿਲੇ ।

श्री प्रबोध चन्द्र : Chief Minister साहिब को याद होगा कि इन्हों ने बयान दिआ था कि District Magistrate ने मन्दिर पर इस तरह की पाबन्दी लगा कर भारी गलती की है और मुझे इस का अफसोस है । तो क्या गवर्नमैंट ने उस Magistrate की जवाब तलबी की कि उस ने क्यों ऐसा गलत order किया ?

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਇਹੀ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਗਲਤੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਰਿਹਾ action ਲੈਣ ਦਾ ਕੰਮ, ਜੋ ਆਦਮੀ ਕਦੇ ਗਲਤੀ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤੇ ਕਦੇ ਠੀਕ ਵੀ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ ।

MURDERS COMMITTED IN AMRITSAR DISTRICT IN 1959 AND 1960

***7018. Shri Balram Dass Tandon:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number and names of persons murdered in Amritsar District thana-wise during the years 1959 and 1960, the names of the places where and the dates on which the said murders were committed ;

(b) the dates when the challans in respect of the murder cases mentioned in part (a) were put up to the courts together with the decisions of the courts in each ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) & (b) Two statements showing the requisite information are laid on the Table.

[Deputy Minister]

Statement showing the details of murder cases registered during the year 1959 in Amritsar District

Serial No.	Name of the police station	Name of the persons murdered	Case F.I.R. No. and date	Place of occurrence
1	2	3	4	5
1	Ramdass	Dead body of a child recovered	8, dated 8th January, 1959	Hardo Putli
2	Ditto	Mst. Ambo (Sansi)	10, dated 15th January, 1959	Abu Syed
3	Sadr, Amritsar	Dead body of a Sikh aged 17/18 years	35, 22nd January, 1959	Village Vallah
4	Ditto	Mst. Harbans Kaur Jat	80, dated 25th March, 1959	Village Sanghna
5	Ditto	Dharam Singh Jat	130, dated 11th May, 1959	Fateh Pur
6	Ditto	An unidentified dead body	270, dated 10th October, 1959	Near Verka
7	Gharinda	Massa Singh Jat	6, dated 25th January, 1959	Nosherhra Dhalla
8	Do	Dayal Singh Jat	65, dated 15th March, 1959	Ditto
9	Civil Lines, Amritsar	Mst. Fillonia (Christian)	40, dated 3rd March, 1959	Jail Road, Amritsar
10	Jandiala	Rur Singh Mazhabi	36, dated 11th March, 1959	Wan Charhi
11	Do	Sadhu Ram Mehra	85, dated 8th June, 1959	Chhajal Waddi
12	Ajnala	Kartar Singh Jat	98, dated 1st April, 1959	Chhina
13	Do	(1) Gurmej Singh and (2) Amrid Singh, Jats	154, dated 8th July, 1959	Othian
14	'C' Division	Mst. Ganesh Devi (Hindu)	42, dated 6th April, 1959	Chawal Mandi, Amritsar
15	Majitha	Mst. Jito (Mehri)	56, dated 18th April, 1959	Jahangir
16	Do	Nand Singh Mazhabi	65, dated 15th May, 1959	Sahnsra Kapatgarh
17	Beas	Karam Singh Jat	106, dated 4th July, 1959	Butala
18	Jhabal	Sohail Singh Jat	174, dated 17th July, 1959	Nurpur
19	Lopoke	Dharam Singh Jat	179, dated 13th August, 1959	Kohali
20	Do	Mst. Harbhajan Kaur Jat	222, dated 11th October, 1959	Jajjay
21	Sirhali	(1) Gyan Singh and (2) Dewan Singh, Jats	290, dated 5th October, 1959	Chohla Sahib
22	Kathunangal	Ajaib Singh Jat	141, dated 11th October, 1959	Jaintipura
23	Valtoha	Jassa Singh Jat	235, dated 12th October, 1959	Valtoha
24	Sadr Tarn Taran	Tara Singh Jat	144, dated 20th October, 1959	Piddi
25	Bhikhiwind	Amrik Singh Jat	181, dated 29th November, 1959	Near Village Sur Singh

Statement showing the details of murder cases registered during 1959 *in Amritsar District*—concld

Serial No.	Name of the police station	Date of occurrence	Date on which the challan was put in the Court	Decision and date of decision	REMARKS
1	2	6	7	8	9
1	Ramdass ..	Four days before the recovery	23-1-59	Acquitted on 3rd September, 1959	
2	Do ..	14-1-59	5-2-59	Acquitted on 23rd October, 1959	
3	Sadr, Amritsar ..	Not known	..	..	Untraced
4	Ditto ..	25-3-59	10-4-59	Convicted on 21st August, 1959	
5	Ditto ..	11-5-59	25-6-59	Convicted on 18th December, 1959	
6	Ditto ..	Not known	..	..	Untraced
7	Gharinda ..	25-1-59	10-2-59	Convicted on 5th August, 1959	
8	Do ..	14-3-59	16-4-59	Convicted on 17th August, 1959	
9	Civil Lines, Amritsar ..	3-3-59	12-3-59	Convicted on 4th August, 1959	
10	Jandiala ..	11-3-59	25-3-59	Convicted on 28th September, 1959	
11	Do ..	7/8-6-59	..	..	Untraced
12	Ajnala ..	31-3-59	14-4-59	Convicted on 8th December, 1959	
13	Do ..	9-7-59	28-7-59	Convicted on 23rd May, 1960	
14	'C' Division ..	6-4-59	16-4-59	Convicted on 22nd August, 1959	
15	Majitha ..	17-4-59	29-4-59	Convicted on 7th July, 1959	
16	Do ..	15-5-59	1-6-59	Convicted on 12th August, 1959	
17	Beas ..	4-7-59	20-7 59	Acquitted on 16th December, 1959	
18	Jhabal ..	17-7-59	30-7-59	Acquitted on 4th January, 1960	
19	Lopoke ..	13-8-59	29-8-59	Convicted on 16th February, 1960	
20	Do ..	11-10-59	24-10-59	Acquitted on 11th March, 1960	
21	Sirhali ..	5-10-59	30-10-59	Convicted on 27th May, 1960	
22	Kathunangal ..	11-10-59	14-11-59	Acquitted on 24th May, 1960	
23	Valtoha ..	12-10-59	25-10-59	Convicted on 8th April, 1960	
24	Sadr, Tarn Taran ..	20-10-59	7-11-59	Acquitted on 13th May, 1960	
25	Bhikhiwind ..	29-11-59	15-12-59	Convicted on 26th April, 1960	

[Deputy Minister]

Statement showing the details of **murder** *cases registered during* 1960 *in Amritsar district*

Serial No.	Police Station	Names of the persons murdered	F.I.R. No. and date	Place where the murder was committed
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	Jandiala	Shangara Singh Jat	5, dated 13th January, 1960	Chhapa Ram Singh
2	Do	Labh Singh Jat	7, dated 13th January, 1960	Ditto
3	Do	Ujagar Singh Jat	104, dated 11th May, 1960	Near Jaura Nangal
4	Sadr, Amritsar	Satbir Singh	39, dated 28th January, 1960	Khalsa College, Amritsar
5	Ditto	Mst. Shanti Sethi (Hindu)	70, dated 25th February, 1960	Chhcharta
6	Ditto	Gurdial Singh Jat	182, dated 28th June, 1960	Bodh
7	Ditto	Niggi Mazhabi	228, dated 8th August, 1960	Chhabba
8	Ditto	Unidentified dead body	269, dated 18th September, 1960	Village Sultanwind (area of Sultanwind)
9	Sirhali	Charan Singh Jat	47, dated 14th February, 1960	Rani Wallah
10	Do	Sulakhan Singh Mazhabi	238, dated 5th August, 1960	Jaura
11	Do	Unidentified dead body	300, dated 11th October, 1960	Jalleywala
12	Do	Ditto	310, dated 14th October, 1960	Thatha
13	Verowal	Major Singh Jat	42, dated 16th March, 1960	Bhalaipur
14	Do	Bakhshi Singh Jat	113, dated 19th July, 1960	Mandiala
15	Ramdas	Tara Christian	29, dated 15th March, 1960	Rurewal
16	Do	Gurdial Singh	72, dated 26th July, 1960	Boharwala

17	Kathunangal	Mst. Mukhtar Kaur Jat	55, dated 4th April, 1960	Sehniwali
18	Do	Bachan Singh Jat	168, dated 21st November, 1960	Udhoke
19	Railway, Amritsar	Kishan Singh Jat	84, dated 17th April, 1960	Near Railway Station, Jandiala
20	Kotwali, Amritsar	Hazara Singh Jat	126, dated 23rd April, 1960	Near Masjid Jan Mohd.
21	Ditto	Khushbakhat Rai, A.S.I., Police	166, dated 2nd June, 1960	Near Sarai Guru Ramdas, Amritsar
22	Khalra	Gurmej Singh Jat	38, dated 30th April, 1960	Narli
23	Majitha	Pala Singh Jat	68, dated 13th May, 1960	Dhapai
24	Do	Dalip Singh Jat	113, dated 20th August, 1960	Mehlanwala
25	Gharinda	Gajjan Singh Jat	135, dated 11th June, 1960	Havelian Noshehra
26	Do	Hardyal Singh Jat	229, dated 30th September, 1960	Maluwal
27	Do	Sohail Singh Jat	236, dated 11th October, 1960	Kaonke
28	Do	Charan Singh Jat	248, dated 19th October, 1960	Jethuwal
29	Valtoha	Tasbir Singh Jat	119, dated 11th June, 1960	Kotli Wasawa Singh
30	Do	Unidentified dead body	145, dated 22nd July, 1960	Mehmoodpura
31	'D' Division	Ram Saran Brahman	244, dated 7th July, 1960	Near Fort Gobindgarh
32	'B' Division	Harnam Singh and Pritam Singh Jats	78, dated 12th July, 1960	Chamrang Road, Amritsar
33	Bhikhiwind	Mohan Singh Jat	118, dated 31st July, 1960	Farandipur
34	Do	Kashmira Singh Jat	159, dated 23rd September, 1960	Manakpur
35	City Tarn Taran	Mangal Singh and Shrimati Kartar Kaur Jats	234, dated 22nd August, 1960	City Tarn Taran (Bunga Karbath)
36	Ditto	Unidentified dead body	263, dated 18th September, 1960	City Tarn Taran
37	Beas	Pal Singh Jat	246, dated 13th October, 1960	Athwal

[Deputy Minister]

Statement showing the details of murder cases registered during 1960 *in Amritsar district*—concld

Serial No.	Police Station		Date of occurrence	Date on which the challan was put in the court	Decision and date of decision	REMARKS
(1)	(2)		(6)	(7)	(8)	(9)
1	Jandiala	..	13-1-60	28-1-60	Discharged on 20th September, 1960	
2	Do	..	13-1-60	28-1-60	Ditto	
3	Do	..	Night between 10/11-5-60	..	..	Untraced on 7th October, 1960
4	Sadr, Amritsar	..	28-1-60	15-2-60	Convicted on 9th March, 1960	
5	Ditto	..	25-2-60	8-3-60	Convicted on 28th March, 1960	
6	Ditto	..	28-6-60	10-7-60	Acquitted on 10th November, 1960	
7	Ditto	..	8-8-60	22-8-60	Convicted on 6th December, 1960	
8	Ditto	..	Not known	..	..	Untraced on 30th December, 1960
9	Sirhali	..	13-2-60	25-2-60	Convicted on 6th July, 1960	
10	Do	..	5-8-60	31-8-60	Discharged on 31st January, 1961	
11	Do	..	4/5 days before recovery	..	..	Untraced on 4th December, 1960
12	Do	..	Night between 13/14-10-60	..	..	Untraced on 30th December, 1960
13	Verowal	..	16-3-60	30-3-60	Convicted on 24th November, 1960	..
14	Do	..	19-7-60	6-8-60	..	Pending trial
15	Ramdas	..	5/6 days before	30-3-60	Convicted on 28th June, 1960	
16	Do	..	26-7-60	20-8-60	..	Pending trial

17	Kathunangal	.. 2 days before	30-4-60	Acquitted on 14th January, 1961	
18	Do	.. 18-11-60	3-12-60	..	Pending trial
19	Railway, Amritsar	.. 17-4-60	2-5-60	Convicted on 15th November, 1960	
20	Kotwali, Amritsar	.. 23-4-60	10-5-60	Convicted on 12th October, 1960	
21	Ditto	.. 2-6-60	..	..	Pending investigation
22	Khalra	.. 29/30-4-60	31-10-60	..	Pending trial
23	Majitha	.. 12-5-60	18-6-60	Convicted on 7th January, 1961	
24	Do	.. 19-8-60	4-10-60	..	Pending trial
25	Gharinda	.. 10-6-60	28-7-60	Convicted on 5th January, 1961	
26	Do	.. 24 hours before	17-11-60	..	Pending trial
27	Do	.. 11-10-60	16-11-60	..	Ditto
28	Do	.. 19-10-60	4-11-60	..	Ditto
29	Valtoha	.. 11-6-60	11-7-60	Convicted on 18th January, 1961	
30	Do	.. Not known	..	Case cancelled on 28th October, 1960	
31	'D' Division	.. 6/7-7-60	19-8-60	Convicted on 10th December, 1960	
32	'B' Division	.. 12-7-60	25-7-60	Convicted on 28th December, 1960	
33	Bhikhiwind	.. 31-7-60	6-10-60	..	Pending trial
34	Do	.. 10 days before	21-11-60	..	Ditto
35	City Tarn Taran	.. 22-8-60	24-9-60	..	Ditto
36	Ditto	.. Not known	..	..	Sent as untraced on 11th December, 1960
37	Beas	.. 13-10-60	19-11-60	..	Pending trial

श्री बलराम दास टण्डन : सवाल के जवाब में यह जो बताया गया है कि ज़िला अमृतसर के अन्दर 1959 में 25 cases में acquittal हुआ और एक case untraced रहा तो क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बतलायेंगे कि acquittal और untraced cases की इतनी भारी गिनती क्यों रही ?

उप-मंत्री : Acquittal के कारण तो कई होते हैं। आप judgments देख लीजिए। कई दफा witnesses win over हो जाते हैं, कई दफा ठीक तरह की evidence दसतयाब नहीं होती। इस तरह के कई कारण होते हैं जिन की बिना पर acquittal हो जाते हैं।

श्री बलराम दास टण्डन : सवाल के जवाब के अन्दर साल 1960 के सामने column No. 8 में acquittal, convicted और discharged के अलग अलग शब्द प्रयोग किए गये हैं। तो शब्द discharged का क्या मतलब है ?

उप-मंत्री : शब्द convicted, acquitted और discharged के वही मतलब हैं जो Criminal Procedure Code में दिए गए हुए हैं और इन का प्रयोग उसी ढंग से किया गया है।

श्री बलराम दास टण्डन : जो discharge किये गये हैं वह क्या थाना incharge ने कर दिये हैं ?

Mr. Speaker : It does not arise.

श्री बलराम दास टण्डन : अमृतसर में जो थानेदार का कत्ल हुआ था उस के बारे में सवाल के जवाब में लिखा हुआ है कि उस case की investigation अभी pending है। तो मैं पूछना चाहता हूँ कि कातिल को अभी तक न पकड़ने की क्या वजह है ? उस को पकड़ने की कोशिश क्यों नहीं की जा रही ?

उप-मंत्री : कोशिश तो पूरी की जा रही है लेकिन अभी तक वह पकड़ा नहीं गया।

श्री बलराम दास टण्डन : क्या उप मंत्री जी बतलायेंगे कि investigation करने के जो खास तरीके हैं उन को इस्तेमाल कर के उसे पकड़ने की कोशिश की जा रही है ?

मुख्य मंत्री : अगर आप को किसी तरीके का पता हो तो वह बता दें। वैसे गवर्नमेंट तो पूरी कोशिश कर रही है।

OFFICERS SENT ABROAD FOR TREATMENT AT STATE EXPENSE

***6954. Sardar Rajinder Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state whether any Government officers were sent abroad for treatment at State expense during the last five years ; if so, their names and the amount spent in each case with details of the disease for which each one was sent abroad ?

Shrimati Dr. Parkash Kaur (Deputy Minister) : *Part I.*—Yes.

Part II.—A statement is laid down on the Table.

Serial No.	Name of the Government Servant	Amount spent			Details of the Disease
		Rs	A.	P.	
1	Late Shri I. R. Tandon, I.S.E. ..	31,086	13	0	Cancer of Tongue
2	Dr. D. Satya Nand, P.C.M.S., Civil Surgeon	13,000	0	0	Ulcerative colitis
3	Kanwar Shamsher Singh, I.P. ..	5,558	1	0	Otoosclerosis
4	Hon'ble Mr. Justice A. N. Bhandari, I.C.S.	10,070	6	0	Detachment of the retina of the right eye
5	Shri Devinder Singh, P.C.S. (Deputy Commissioner Retired)	6,074	0	0	Cancer of larynx

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਡਿਪਟੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਦੇਸ਼ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਜਾ ਕੇ ਇਲਾਜ ਕਰਾਉਣ ਦੀਆਂ facilities ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕੀ ਇਹ ਸਾਰੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ ਜਾਂ ਖਾਸ ਖਾਸ category ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਇਹ facilities ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ?

ਉਪ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਜਿਹੜੀ statement hon. Member ਨੂੰ supply ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਸਭ ਕੁਝ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਜਿਹੜੀ statement ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਨਾਂ ਦਸੇ ਗਏ ਨੇ ਕਿ ਫਲਾਂ ਫਲਾਂ ਅਫ਼ਸਰ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਸੀ, ਫਲਾਂ ਬੀਮਾਰੀ ਵਾਸਤੇ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਇਤਨਾ ਖਰਚ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ ਇਹ facility ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕੀ ਇਹ ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਸਰਕਾਰੀ ਮਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਖਾਸ ਖਾਸ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ?

Mr. Speaker : This information need not be asked for in the House.

ਇਸ ਬਾਰੇ ਜੋ Civil Service Rules ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੇਖ ਲਉ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਸਭ ਕੁਝ ਦਿੱਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ।

(This information need not be asked for in the House. For this the hon. Member may consult the Civil Service Rules. He will find every thing there.)

ਉਪ ਮੰਤ੍ਰੀ : All-India Service Rules ਜਿਹੜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ Rule No. 14 ਹਨ ਵਿਚ ਇਹ provide ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ All-India Service ਦੇ ਅਫਸਰ ਹਨ ਉਹ treatment ਲਈ ਬਾਹਰ ਦੂਜੇ ਦੇਸ਼ਾਂ ਵਿਚ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ਬਸ਼ਰਤੇਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਬੀਮਾਰੀਆਂ ਦਾ ਇਲਾਜ ਕਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਸਾਡੇ ਆਪਣੇ country ਵਿਚ ਨਾ ਹੋਵੇ ।

REPRESENTATION AGAINST GOVERNMENT CENTRAL CRAFTS INSTITUTE FOR WOMEN, SIMLA

***6866. Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Industries be pleased to state -

(a) whether he has received any representation in 1960 complaining that the authorities of the Government Central Crafts Institute for Women, Punjab, Simla, held a selection for the admission of candidates in the Teachers Training Class before the declaration of the result of the Diploma Course ; if so, a copy of the representation be placed on the Table ;

(b) the action, if any, taken on the said representation ?

Shri Mohan Lal : (a) An application was received in 1960 representing that a particular individual had not been admitted to the class and in this application it was stated *inter alia* that admission had taken place before the declaration of the result of the Diploma Course.

(b) The result of the Diploma examination was declared on 26th August, 1960. Interviews for admission were held on 15/16th August, 1960 but it was indicated that the admission in each case was subject to the candidate being declared successful in the Diploma examination and the admission of those who failed would be cancelled.

SUBSIDY FOR SMALL-SCALE INDUSTRY

***7017. Shri Balram Das Tandon :** Will the Minister for Industries be pleased to state the names and full address of persons to whom financial help in the form of subsidies were given for starting Small-Scale Industries in the State during the year 1958-59 and 1959-60 ; the amount given to and the name of the industry started by each ?

Shri Mohan Lal : It is not in public interest to disclose the names and addresses of the persons to whom financial help in the form of subsidies was given.

श्री बलराम दास टण्डन : क्या वज़ीर साहिब बतलाएंगे कि इसमें कौन कौन सी वजूहात हैं ?

श्री अध्यक्ष : यह जवाब हाउस में आ चुका है । (The reply to this question has already been given in the House.)

श्री बलराम दास टण्डन : जनाब, इस में और उस में फर्क है । वह तो loan के बारे में था और यह काम शुरू करने के बारे में है ।

श्री अध्यक्ष : यह आ चुका है अगर आप चाहें तो देख सकते हैं । This very question was replied earlier. If the hon. Member wants to confirm it he can look it up in the record.)

श्री बलराम दास टण्डन : मैंने, जनाब, उन लोगों के नाम पूछे हैं जो लड़के मैट्रिक पास करके या 12वां दर्जा पास करके कुछ काम शुरू करना चाहते हैं और उसके लिये loan

लेते हैं या subsidy लेते हैं। मेरा सवाल इस बारे में यह है कि क्या इन में ऐसे भी हैं जिन्होंने subsidy तो ले ली हो लेकिन काम शुरू न किया हो ?

उद्योग मंत्री : इस बात का स्पीकर साहिब की इजाज़त से फैसला हो चुका है कि loanees के नाम publicly disclose नहीं होने चाहियें। इसलिये किसी भी industrialist का नाम हम यहां disclose नहीं कर सकते।

श्री अध्यक्ष : हां, यह ठीक है कि उनका नाम disclose करना public interest में नहीं होगा। (Yes, it is correct that it will not be in the public interest to disclose their names.)

UNSPENT GRANTS OF LOCAL BODIES

***6865. Shri Ram Chandra Comrade** : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether the Examiner, Local Fund Accounts, Punjab, has been authorised to credit the unspent grants of local bodies to the Government ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative the total amount thus credited to Government account during the years 1958-59, 1959-60 and 1960-61 (upto date) ; the names of the local bodies whose unspent grants were credited and the amounts thereof in each case ?

Professor Yashwant Rai (Deputy Minister) : (a) Yes. The powers were delegated to the Examiner Local Fund Accounts, Punjab, in 1959-60.

(b) The question of crediting any such amounts during the year 1958-59 does not arise. A statement containing information regarding 1959-60 and 1960-61 of unspent balances is laid on the Table of the House.

Statement of Unspent Balances of Government Grants for the years 1959-60 *and* 1960-61

Name of the Local Body		*Amount of unspent balance of Government Grants credited by the Examiner, Local Fund Accounts, Punjab*		
		1959-60	1960-61	Total
		Rs	Rs	Rs
District Board, Amritsar	..	Nil	2,03,897.06	2,03,897.06
Municipal Committee, Malerkotla	..	2,356.00	Nil	2,356.00
Municipal Committee, Uchana	..	Nil	123.17	123.17
Municipal Committee, Jagraon	..	Nil	2,000.00	2,000.00
Municipal Committee, Hansi	..	4,861.80	Nil	4,861.80
Municipal Committee, Tohana	..	10,000.00	Nil	10,000.00

[Deputy Minister]

Name of the local body		Amount of unspent balance of Government Grants credited by the Examiner local Fund Account Punjab		
		1959-60	1960-61	Total
Municipal Committee, Kalka	..	23,692.55	Nil	23,692.55
Municipal Committee, Ambala	..	418.91	Nil	418.91
Municipal Committee, Dinanagar	..	8,816.00	Nil	8,816.00
Municipal Committee, Jandiala	..	33,000.00 1,326.50	Nil	34,326.50
Municipal Committee, Nurmahal	..	8.12	Nil	8.12
Municipal Committee, Majitha	..	1,109.07	Nil	1,109.07
Municipal Committee, Tarn Taran	..	33,000.00	Nil	33,000.00
Municipal Committee, Abohar	..	33,000.00	Nil	33,000.00
Municipal Committee, Amritsar	..	Nil	8,602.71	8,602.71
Municipal Committee, Mahendargarh	..	..	8.40	8.40
Municipal Committee, Karnal	..	221.41	..	221.41
Municipal Committee, Hissar	..	2,273.00	..	2,273.00
Municipal Committee, Palampur	..	1,081.71	..	1,081.71
Municipal Committee, Nalagarh	..	25.00	..	25.00
District Board, Ambala	..	..	3,000.00	3,000.00
Total	..	1,55,190.07	2,17,631.34	3,72.821.41

ENQUIRY AGAINST CHAIRMAN, MUNICIPAL COMMITTEE, BAHADURGARH

***6966. Shri Mangal Sein :** Will the Minister for Industries be pleased to state whether any enquiry against the Chairman, Municipal Committee, Bahadurgarh in connection with the misuse of his powers is being held by the Government ; if so, the result thereof ?

Professor Yashwant Rai (Deputy Minister) : Yes. The matter is being looked into.

श्री मंगल सेन : क्या मंत्री महोदय बतलाएंगे कि इस का निर्णय कब तक हो जाएगा ?

उप-मन्त्री : S. D. O. को भेज दिया जाएगा और उसके बाद उसका निर्णय हो जाएगा ।

DAMAGE BY RECENT WINTER RAINS

***6807. Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Revenue be pleased to state whether the recent winter rains in the State have caused any floods, if so, the areas affected thereby together with the damage caused to life, property and crops, etc ?

Professor Yashwant Rai (Deputy Minister) : Yes. A statement is laid on the Table.

Serial No.	Name of District affected by recent winter rains	DAMAGE CAUSED TO human life	Property cattle		Value	Crop Acres	Value
		No.	No.	No. of Houses	Rs		Rs
1	Patiala ..	..	..	45	4,450	50,751	56,57,420
2	Sangrur ..	..	1	9	..	22,696	40,17,755
3	Amritsar ..	..	..	..	..	3,811	2,46,080
4	Ambala ..	1	..	..	..	6,625	2,97,180
5	Karnal ..	..	20	..	1,500	28,542	44,25,746
6	Hissar ..	..	..	..	..	25,000	40,00,000

POSTS OF CLERKS IN PROVINCIALISED HIGH SCHOOLS IN THE STATE

***6544. Sardar Atma Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the post of a clerk is provided in each Government High School in the State ;

(b) whether it is a fact that no posts of clerks are sanctioned for the Provincialised High Schools in the State ; if so, the reasons therefor ;

(c) whether Government have received any representations from the Headmasters of the provincialized High Schools in this connection ; if so, the details thereof and the steps now being taken in this respect ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a) Yes, this is true in the case of new schools.

(b) Most of the local body schools, which were provincialised with effect from 1st October, 1957 were without the posts of clerks. Such schools will be given clerks gradually during the Third Five-Year Plan.

(c) No.

PROPAGATION OF CO-OPERATIVE MOVEMENT THROUGH FILM SHOWS

***6965. Shri Mangal Sein** : Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) whether any film for the propagation of the co-operative movement is shown in the State by the Department ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether he has received any complaint about some portion shown in the said film ; if so, the action taken in the matter ?

Sardar Gurbanta Singh : (a) There are 6 films with the Department for the propagation of the co-operative movement through film shows.

(b) No complaint has been received from the public in regard to film shows. However , in case of a film under preparation a complaint was received lately, as a result of which the portion of the film objected to has been deleted.

श्री मंगल सेन : क्या कोई शिकायत इस के बारे में इन को मिली थी?

मन्त्री : जो फिल्म दिखाई जा रही थी उस के बारे में जिस हिस्से की शिकायत आई थी वह हम ने काट दिया है ।

श्री मंगल सेन : वह शिकायत क्या थी ?

मंत्री : गोहाना Marketing co-operative Society की शिकायत थी ।

श्री मंगल सेन : वह शिकायत क्या थी ?

WATERLOGGED AREAS IN THE STATE

***6588. Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the increase/decrease in the waterlogged area in the State in 1960 as compared to 1955 ;

(b) the extent of waterlogged area in the State, district-wise, as on 31st January, 1961 ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) :

(a) Figures for the year 1960 are not yet available ; those for the year 1959 are given instead.

		Area in acres (Canal Irrigated Tract) where water depth ranges between —5′ to 5′
October 1959	..	31,24,590
October, 1955	..	24,69,616
Increase in area		6,54,974

(b) The Irrigation Department maintains tractwise figures and not district-wise. The are as where water depth ranges between —5′ to 5′ according to well-observations recorded in October, 1959 are given below. Figures for the year 1960 are not yet available.

Serial No.	Name of Tract		Area in acres where water depth ranges between —5′ to 5′ October, 1959
1	U.B.D.C., Circle	..	9,19,143
2	Bist Doab Tract		61,930
3	Ferozepore Circle (Eastern Division)	..	2,71,811
4	Grey Canals Tract	..	3,98,130
5	Sirhind Canal Circle	..	4,24,550
6	Patiala Irrigation Branch Circle	..	3,88,670
7	Ist Bhakra Main Line Circle	..	1,32,710
8	2nd Bhakra Main Line Circle	..	1,106
9	W.J.C. (East) Circle	..	4,09,802
10	W.J.C. (West) Circle	..	1,16,738
	Total	..	31,24,590

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : क्या मिनिस्टर साहिब बतायेंगे कि water-logging का area बढ़ने का क्या कारण है ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री : रोकने की कोशिश की जा रही है ।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : जो figures आप ने दिये हैं वह तो ज़्यादा हैं, रोकने की कोशिश का क्या फायदा है ?

मंत्री : आप देखेंगे कि 1959 की figures 1958 की निस्बत कम हैं ।

STEPS TO COMBAT WATERLOGGING IN THE STATE

***6589. Maulvi Abdul Ghani Dar :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the steps, in detail, taken up to the 31st January, 1961, to combat waterlogging in the State, district-wise ;

(b) the names of the places where Drainage Divisions were set up up to the said date and the area placed under each division ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) The various remedial measures required to be taken in eradicating waterlogging menace are :—

(1) Effective drainage system.
(2) Seepage drains.
(3) Sub-surface drains.
(4) Installation of shallow tube-wells.
(5) Lining of Irrigation Channels.

[Deputy Minister]

The details of works carried out in various tracts are given below :—

Serial No.	Name of Tract		Length of Drains constructed in 1st stage	Length of embankment constructed
1	Upper Bari Doab Canal Tract	..	445	104
2	Bist Doab Tract	..	60	47
3	Ferozepore and Sirhind Canal Tract	..	765	25
4	Ghaggar Tract	..	655	70
5	Western Jumna Canal Tract	..	329	19

Execution of other anti-waterlogging schemes have been taken in hand in some of the worst affected areas like Hansi, Sunam, Sangrur, Zira, Fazilka and Amritsar.

(b) The name of Drainage Division and the places where these are located upto 31st January, 1961 are given below.

The area of each Division is distributed Irrigated Tractwise.

Serial No.	Name of Division		Tract
1	Jullundur Drainage Division, Jullundur	..	Bist Doab Tract
2	Drainage Division No. 4, Amritsar	..	Upper Bari Doab Canal Tract
3	Drainage Division No. 5, Amritsar	..	
4	Anti-waterlogging Division, Amritsar	..	
5	Drainage Investigation Division, Amritsar	..	Upper Bari Doab Canal and Bist Doab Tract
6	Drainage Division No. 6, Jullundur	..	
7	Drainage Investigation Division, Chandigarh	..	Sirhind Canal Ferozepore and Ghaggar and Western Jumna Canal Tract
8	Gaunchi Drainage Division, Palwal	..	Western Jumna Canal Tract
9	Karnal Drainage Division,		
10	Drainage Division No. I,	:	Ferozepore Canal Tract
11	Sangrur Drainage Division, Sangrur	..	Ghaggar Tract
12	Patiala Drainage Division, Patiala	..	
13	Drainage Division No. II, Ludhiana	..	Sirhind Canal Tract

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : इन के फरमाने के मुताबिक जालंधर डिवीज़न के area में सब से ज्यादा divisions खोले गए हैं। क्या मैं पूछ सकता हूं कि अम्बाला डिवीज़न के इलाका की, जहां पर सब से ज़्यादा water logged area है, बचाने के लिये क्या किया जा रहा है ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री : अम्बाला डिवीज़न में तीन drainage divisions मंजूर हो गई हैं। ज्यों ज्यों काम ज़्यादा पड़ेगा और खोलते जाएंगे। किसी particular जगह के बारे में पूछना है तो नोटिस दे कर पूछ लें।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या वज़ीर साहिब फरमायेंगे कि सरकार की यह पालिसी है कि जहां पर ज़्यादा water-logging हो पहले उस इलाके में drainage divisions खोली जाएं या कोई और भी पालिसी है ?

मंत्री : पहला ख्याल दुरुस्त है।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : मैं मिनिस्टर साहिब से पूछना चाहता हूं कि हांसी में जहां पर बहुत ज्यादा water-logging है कौन सा division खोला जा रहा है ?

उप मन्त्री : हांसी करनाल डिवीज़न के नीचे है। वहां पर काम अच्छी तरह से चल रहा है।

पंडित श्री राम शर्मा : क्या पंजाबी और हिन्दी रिजिन के water-logged areas की proportion मालूम है और उसी हिसाब से काम चलाया जा रहा है ?

मंत्री : इस के लिये अलग notice दें। Region के basis पर anti-water-logging measures नहीं लिये जाते क्योंकि कई हालतों में एक ही नाला हिन्दी रिजिन में भी जाता है और पंजाबी रिजिन में भी।

BAHADURSINGHWALA DRAIN

*6935. **Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether any project for doubling the capacity of the Bahadursinghwala Drain in Sangrur-Bhatinda Districts has recently been sanctioned ; if so, its details ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister): The scheme of Bahadursinghwala Main Drain had been originally designed and constructed on the basis of discharge of one Cs. per square mile of catchment area. Its capacity has now been designed at 4 Cs. per square mile from R.D. 0—50,000 (i.e., the last ten miles of its outfall reach) and at 2 cs. per square mile of catchment area for the upper reach. The scheme to enlarge the capacity on this basis has been approved by the Technical Committee as well as the State Flood Control Board. The cost of the Revised Project is about Rs 55.69 lakhs.

ELECTRICITY GENERATED IN THE STATE

*6590. **Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total number of units of electricity generated by each power plant in the State during the period from 1952 to 1960 ;

(b) the total electric energy given to the Nangal Chemical Fertilizers Factory up to 31st January, 1960 ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) A statement containing the required information is placed on the Table of the House.

(b) 3,103,413 kWh.

[Deputy Minister]

Statement showing units generated by each power plant in the Punjab State

Calendar year	HYDRO POWER PLANTS				THERMAL POWER PLANTS			
	Joginder Nagar	Ganguwal	Ganguwal Kotla	Kotla Bhakra	Bhakra Panipat	Panipat Jagadhri	Chandigarh	Abohar
1952 ..	161,952,700	..	..	..	4,482,723	1,929,345	180,019	598,706
1953 ..	154,311,200	..	..	..	6,211,985	2,735,399	739,634	653,749
1954 ..	173,195,310	..	..	..	6,062,399	4,698,621	1,380,212	672,503
1955 ..	159,760,510	136,309,000	..	..	76,925	214,816	..	739,378
1956 ..	145,877,200	167,620,000	100,000,000	..	..	..	..	196,186
1957 ..	152,440,520	216,555,000	231,935,000	..	..	..	..	..
1958 ..	157,714,850	263,010,000	237,525,000	..	..	..	..	..
1959 ..	177,988,050	291,075,000	292,855,000	..	..	..	..	..
1960 ..	215,586,850	297,805,000	306,500,000	18,395,000	..	..	711,260	54,135

THERMAL POWER PLANTS

Calendar year	Moga	Fazilka	Rupar	Patiala	Kandaghat	Faridabad	Bahadurgarh	Palwal	Hoshiarpur
1952 ..	879,739	502,500	52,283	..	..	..	19,344	9,312	..
1953 ..	986,154	543,212	638,501	..	..	..	39,354	..	..
1954 ..	1,011,160	602,630	603,658	..	..	..	3,884	..	..
1955 ..	358,117	654,595	5,730	..	..	..	..	..	..
1956 ..	..	168,442	..	..	..	..	..	..	..
1957 ..	..	..	..	589,005	155,662	..	..	..	..
1958 ..	..	..	..	686,480	343,141	..	..	..	..
1959 ..	..	..	..	427,785	119,548	4,478,666	..	..	..
1960 ..	383,800	87,950	938	2,142,575	65,798	6,218,074	..	..	98,050

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : क्या मैं पूछ सकता हूं कि यह जो कमी वाकया हुई है यह मशीनरी की कमी की वजह से हुई है या और किसी वजह से ?

सिंचाई तथा विद्युत मंत्री : अगर पूरी capacity तक चलाने की जरूरत होती तो चलाते हैं वरना जितने load की जरूरत होती है मुख्तलिफ units से उसे पूरा किया जाता है। किसी power house से ज्यादा produce कर लेते हैं किसी से कम।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : क्या जोगिन्द्र नगर और कोटला के power houses में जो बिजली generate होती है उस की capacity एक जैसी है ?

मंत्री : इस के लिये अलग notice दें।

KALKA-SIMLA AND PATHANKOT-SIRINAGAR ROUTES

***6543. Sardar Atma Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the names and addresses of persons in whose favour truck permits were issued during 1959-60 and the current year and the date of issue of the permits in each case ;

(b) the names of persons who have been given route permits for the Kalka-Simla and Pathankot-Srinagar routes during 1959-60 and the current year ?

Rao Birendar Singh : A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT CONTAINING LIST OF PUBLIC CARRIER PERMITS ISSUED IN THE YEAR 1960-61 AND 1960-61 (PLAINS ONLY)

REGIONAL TRANSPORT AUTHORITY, AMBALA

Serial No.	Name of permit holder	Date of issue
1	Karam Singh, son of Kartar Singh, Municipal Commissioner, Rupar ..	7-4-59
2	Giani Mehar Singh, Railway Road, Karukashetra ..	8-4-59
3	The Ladwa Hira Co-operative Goods Transport Society, Limited, Ladwa ..	14-4-59
4	Kushal Pal Singh, son of Amar Singh Gumina, Rewari ..	15-4-59
5	Nar Singh, son of Rattan Singh Bhoproda, Jhajjar ..	15-4-59
6	Devinder Singh Nekheri Khari Rewari, district Gurgaon ..	16-4-59
7	Prem Lal Gupta, son of Lajja Ram, Ambala Cantonment ..	18-4-59
8	Jamadar Nihal Singh, son of Jag Ram, Salamgarh, Hissar ..	23-4-59
9	S. Rattan Singh, son of Sunder Singh Bajwara, Kharar ..	27-4-59
10	The Ladwa Hira Co-operative Good Transport Society, Ltd., Ladwa ..	27-4-59
11	Dalip Singh of Pabra, district Hissar ..	27-4-59
12	Bhagat Singh, son of Hira Singh, house No. 18 Ward 1, Ladwa ..	27-4-59
13	Gian Dass Mahant, son of Mahant Harnarain Dass, 5341 Ambala Cantt. ..	30-4-59
14	Ram Chander, son of Budh Ram, village Bhagala, Palwal ..	1-5-55
15	Amrik Singh, son of Malik Singh, Congress Worker, Thanesar	4-5-59
16	Ajit Singh, son of Mool Singh, Shahbad ..	5-5-59

Serial No.	Name of permit holder		Date of issue
17	Gurbux Singh, son of Chuni Lal of Ghauranda, Karnal	..	5-5-59
18	Babu Ram, son of Vishan Nath of Sirsa	..	6-5-59
19	Mohinder Singh, son of Lal Singh Patudi, Gurgaon	..	7-5-59
20	Dungar Mal, son of Telha Mal, Sirsa, district Hissar	..	7-5-59
21	Sat Narain, son of Lekh Ram of Chhudarni, Jhajjar	..	7-5-59
22	Lachmi Chand, son of Ganeshi Lal of Raipur Rani	..	12-5-59
23	Janardhan Datt, son of Rama Nand of Kayasthwara, Rewari		14-5-59
24	The National Transport Co-operative Society Ltd., Kund	:	28-5-59
25	Onkar Lal, son of Sarna Mal of Chataula	..	1-6-59
26	Krishan Dyal Sharma, son of Hari Chand of Kalka	..	1-6-59
27	Didar Singh, son of Hardit Singh of Ambala City	..	2-6-59
28	Roshan Lal, son of Ram Chand, Chandigarh		3-6-59
29	Ganga Parshad of Bawal	..	5-6-59
30	Rikhi Ram, Retired A.S.I., 22/C, Chandigarh	..	9-6-59
31	Joginder Singh, son of Gurbachan Singh, 35 Model Town, Amba		12-6-59
			13-6-59
32	Dev Bharat Bhandari, 229 Ambala Cantt.	..	13-651
33	Lorinda Mal, son of Fateh Chand of Hoshiarpur	..	16-6-9
34	Manga Ram, son of Bhat Singh, Piplikheri, Sonepat	..	26-9-59
35	Om Parkash, son of Ujjagar Mal, Kalka	..	1-7-55
36	Piara Singh, son of Kunda Singh of Ladwa	..	3-7-599
37	Mohd. Ashraf Khan, village Punchank, post office Hikhir, Nou, district Gurgaon	..	14-7-59
38	Amar Chand, son of Sis Ram Ladwa, Hissar	..	15-7-59
39	Gurdas Singh, son of Arjan Singh, house No. 234, Kalka	..	15-7-59
40	Vidya Sagar, son of Barkat Ram of Jamma Nagar	..	15-7-59
41	Karnal Hind Co-operaive Transport Society, Karnal	..	17-7-59
42	The Rohtak Hissar Goods Transport Co., Bhiwani	..	18-7-59
43	Ram Rakha Bishoni, son of Madhu Ram of Ganga, Hissar	..	18-7-59
44	M/s. Karnal Hind Co-operative Goods Transport Society, Ltd.	..	21-7-59
45	Balwant Singh, son of Hukam Singh of Jagadhri	..	21-7-59
46	Joginder Singh, son of Harnam Singh, Simla	..	22-7-59
47	M/s. Milap Chand-Dev Raj Sohana, Gurgaon	..	22-7-59
48	Ram Sarup Ex-M.L.A., Rohtak	..	24-7-59
49	Kartar Singh, son of Kesar SinghChaderwar, Karnal	..	23-7-59
50	M/s. Rattan Singh-Sant of Ladwa	..	24-7-59
51	Pushkar Das, son of Dina Nath of Amin, Karnal	..	28-7-59
52	Angrej Singh, son of Gajjan Singh of Badhiar, Ambala	..	29-7-59
53	Jagan Ram, son of Moti Ram of Ravi Dass Nagar, Rohtak	..	28-7-59
54	Giani Man Singh, son of Baghe Ram of Karnal	..	28-7-59
55	Ranjit Singh, son of Uttam Singh, house No. 6156/3, Ambala City	..	29-7-59
56	Bhoom Singh, son of Umrao Singh of Ninra, Rewari	..	31-7-59
57	Jagdish Lal, son of Atma Ram, quarter No. 477, Karnal	..	1-8-59
58	Huna Mal, Jotipura, Hissar	..	4-8-59
59	Kapoor Singh-Tek Chand, 111 Model Town, Rohtak	..	4-8-59
60	Ajmer Singh, son of Mangal Singh of Karnal	..	5-8-59
61	Meli Ram, son of Chajju Ram of Thanesar	..	5-8-59
62	Attar Singh, son of Chandgi Ram of Sonepat	..	5-8-59
63	Khem Singh, son of Harnam Singh, 31 E, 18 C., Chandigarh	..	58-59
64	Soshil Kaur, D/o Hari Chand, Karnal	..	5-8-59
65	Ram Singh Jat, son of Pritam Singh, Chandigarh	..	6-8-59
66	Suraj Bhan son of Tula Ram of Jwar Sampla, Rohtak	..	6-8-59
67	M/s. Sis Ram-Sunder Lal of Rewari	..	6-8-59
68	Bansi Lal, son of Daya Ram, 122/1, Gurgaon	..	7-8-59
69	Moden Lal, son of Dev Karan Dass of Sirsa	..	7-8-59
70	Des Raj, son of Ram Nath of Mayari, Hissar	..	12-8-59
71	Joginder Singh, son of Surjit Singh, 111 Railway Road, Ambala		13-8-59
72	Rattan Singh, son of Jawala Singh, 17-B, Chandigarh	..	17-8-59
73	Gobind Singh, son of Amir Chand of Bajwara	..	25-8-59
74	Dalip Kaur, W/o Sunder Singh, 100 Prem Nagar, Karnal	..	27-8-59

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name of permit holder		Date of issue
75	Lal Chand, son of Sis Ram of Jhajjar	..	29-8-59
76	Surj Mal, son of Hira Singh of Ganaur, Rohtak	..	29-8-59
77	Harbans Singh, son of Harnam Singh, 2371/2, Ambala City	..	29-8-59
78	Chinno Devi, Widow of Mauji Ram of Sonepat	..	29-8-59
79	Kanwal Singh, son of Mansa Ram, Mandothi, Rohtak	..	1-9-59
80	Nand Ram, son of Jai Pal of Rohtak, Jhirka	..	1-9-59
81	Ram Prem, son of Ranoq Ram of Karnal	..	2-9-59
82	Banarsi Dass, son of Des Raj of Karnal	..	2-9-59
83	Bawal Janta Co-operative Society, Bawal	..	2-9-59
84	Sonepat Goods Co-operative Society, Ltd., Sonepat	..	3-9-59
85	Bir Mal, son of Ganesh Ram of village Teja Kheri	..	8-9-59
86	Nathu Ram-Ram Ji Lal of Manesar	..	10-9-59
87	Sardari Lal, son of Rulia Ram of Karnal	..	11-9-59
88	Panjab Grahm Udhog Society, Ambala City	..	15-9-59
89	Banwari Lal, son of Shiv Parshad of Teja Heri	..	15-9-59
90	Krishan Lal, son of Ram Chand, Palwal	..	15-9-59
91	Mauji Ram, son of Chuni of Bhagat Gaon	..	16-9-59
92	Sham Babu, son of Durga Parshad of Katupur	..	16-9-59
93	Hardip Kaur, w/o Hari Singh of Karnal	..	16-9-59
94	Shri Hara Lal, son of Har Narain of Jatowas	..	17-9-59
95	Tulsi Dass of Palwal	..	17-9-59
96	Gulshan Rai, son of Dewan Chand of Jamna Nagar	..	17-9-59
97	Joti Parshad, son of Bindra Ban of Ambala City	..	17-9-59
98	Parma Nand, son of Udha Bhan of Parkhotanpura	..	17-9-59
99	Gian Singh, son of Nanak Singh of Karnal	..	18-9-59
100	Nand Kishore of Sirsa	..	18-9-59
101	Babu Lal, son of Phool Chand of Rewari	..	18-9-59
102	Lachhman Dass, son of Ram Lal of Rohtak	..	18-9-59
103	Hindustan Transport Co., of Sonepat	..	18-9-59
104	Som Nath, son of Ram Narain of Gurgaon	..	18-9-59
105	Ram Singh, son of Sant Singh of Ambala	..	24-9-59
106	Bija Pal, son of Bhoop Singh of Jira	..	23-9-59
107	Dhan Singh, son of Jaswant Singh of Palwal	..	29-9-59
108	Sita Ram, son of Sewa Ram of Faridabad	..	23-9-59
109	Ram Pat, son of Umrao Singh of Jathowal	..	23-9-59
110	Sheo Dhan Singh, son of Ram Jiwan Singh of Kosli	..	23-9-59
111	Shamshewar Sahai, son of Janki Parshad of Rewari	..	23-9-59
112	Harphool Singh, son of Jai Sukh of Hissar	..	23-9-59
113	Gulzar Singh, son of Jaswinder Singh Ambala City	..	24-9-59
114	Gobind Singh, son of Raghu Nath of Dhana Khurd	..	1-10-59
115	Chanan Singh, son of Budh Raj of Ambala	..	1-10-59
116	Piara Singh, son of Hardit Singh of Balomajri	..	5-10-59
117	Kotu Ram, son of Sukhu Ram of Pania	..	6-10-59
118	Baso Ram, son of Shetu Ram of Kaithal	..	7-10-59
119	Gurcharan Singh, son of Goania Singh of Hansi	..	7-10-59
120	Mohinder Singh, son of Dilsukh Nain of Jhajjar	..	7-10-59
121	Raghbir Singh, son of Dhani Ram of Rohtak	..	7-10-59
122	Puran Chand, son of Wadhiwa Ram of Karnal	..	12-10-59
123	Smt. Dhan Wanti of Panipat	..	9-10-59
124	Naraina Multipurpose Co-operative Society, Naraina	..	9-10-59
125	Joginder Kaur w/o Inder Singh of Ambala Cantt.	..	12-10-59
126	Daya Singh of Ambala Cantt.	..	12-10-59
127	Harbans Singh, son of Gurbar Singh of Karnal	..	14-10-59
128	Piara Lal, son of Onkar Datt of Hissar	..	14-10-59
129	Des Ram, son of Niki Ram of Jhajjar	..	15-10-59
130	Sunder Singh, son of Prem Singh of Ladwa	..	15-10-59
131	Sahiwal Transport Co., Chandigarh	..	15-10-59
132	Radha Krishan, son of Hari Ram of Rohtak	..	15-10-59
133	Ghisa Ram, son of Nathu Ram of Gurgaon	..	15-10-59
134	Maya Singh, son of Channab Singh of Ballo Majra	..	19-10-59
135	Taran Bir Singh of Ambala City	..	19-10-59

Serial No.	Name of permit holder		Date of issue
136	Raghu Nath Dass of Karnal	..	19-10-59
137	Amar Nath, son of Girdhari Lal of Sonepat	..	19-10-59
138	Lal Chand, son of Shiv Lal of Hissar	..	19-10-59
139	Karam Singh, son of Hira Singh of Chandigarh	..	19-10-59
140	Sadhu Ram, son of Dalut Ram of Kaithal	..	19-10-59
141	Jagit Singh, son of Dayal Singh of Rewari	..	20-10-59
142	Jai Singh, son of Rao Jai Narain Singh of Gurgaon	..	20-10-59
143	Pokhar Ram, son of Ramjit Singh of Hissar	..	21-10-59
144	Mrs. Vimal S. Harbert Mission Hospital, Jagadhri	..	22-10-59
145	Swami Krishna Nand Jogi of Chandigarh	..	27-10-59
146	Gan Pat Singhk son of Mangal Singh of Rewari	..	27-10-59
147	Ram Singh, son of Piara Lal of Kaithal	..	27-10-59
148	Hira Singh, son of Udha Ram of Gurgaon	..	27-10-59
149	Mota Din of Rewari	..	27-10-59
150	Auoudhya Nath, son of Bansi Lal of Rewari	..	28-10-59
151	Swaran Singh, son of Surat Singh of Rewari	..	22-10-59
152	Bharat Singh, son of Sukh Lal of Hissar	..	5-11-59
153	Parama Nand, son of Narag Dass of Palwal	..	6-11-59
154	Siri Lal of Sonepat	..	10-11-59
155	Pishori Lal, son of Gur Sahai of Karnal	..	11-11-59
156	Amar Singh-Prem Singh of Palwal	..	17-11-59
157	Parkash Lal, son of Sardari Lal of Panipat	..	19-11-59
158	Raj Pal Singh of Rohtak	..	20-11-59
159	Darbara Singh, son of Bhagwan Singh, Naraingarh	..	20-11-59
160	Karam Singh, son of Hem Raj of Khanda Kheri	..	24-11-59
161	Ram Sahai, son of Ram Lal of Rohtak	..	25-11-59
162	Chet Singh of Nahan	..	26-11-59
163	Bashasher Nath of Naraingarh	..	1-12-59
164	Mohammad Hussan of Karnal	..	4-12-59
165	Balwant Rai of Jamna Nagar	..	7-12-59
166	Tara Chand of Ferozepur Jhirka	..	7-12-59
167	Gurnam Singh, son of Chanan Singh of Karnal	..	10-12-59
168	Telu Ram of Ambala Cantt.	..	19-12-59
169	Shama Kumari, d/o Jhuna Singh of Ambala	..	11-12-59
170	Dharam Singh, son of Brij Lal of village Rohit	..	14-12-59
171	Khali Singh, son of Padam Singh of Palwal	..	16-12-59
172	Jaimal Dass of Ambala City	..	16-12-59
173	Haveli Ram, son of Sukh Ram of Jamna Nagar	..	18-12-59
174	Raj Kumar, son of Sahig Shah of Jamna Nagar	..	22-12-59
175	Banarsi Dass, son of Hira Lal of Sarsa	..	30-12-59
176	Phool Kaur, wd/o Moti Ram of Gohana	..	30-12-59
177	Siri Ram of Sirsana	..	6-1-60
178	Ashrafi Devi Aggerwal of Ladwa	..	13-1-60
179	Hira Lal, son of Lachman Dass of Mundhal Hansi	..	21-1-60
180	Harijan Labour and Construction Society, Rupar	..	22-1-60
181	Des Raj, son of Sant Lal of Rohtak	..	27-1-60
182	Mam Chand, son of Anant Ram of Thanesar	..	1-2-60
183	Bishamber Dass of Naraingarh	..	1-2-60
184	Hans Raj of Ambala Cantt.	..	2-2-60
185	Udhay Singh of Rohtak	..	2-2-60
186	Ganga Parshad, son of Ram Pat of Bawal	..	3-2-60
187	Tirath Ram, son of Radha Dass of Ambala Cantt.	..	4-2-60
188	Jyoti Parshad of Ambala City	..	9-2-60
189	Harijan Labour Construction Co-operative Society, Rupar	..	10-2-60
190	Bhutania Jafhra Bad Co-operative Society, Sonepat	..	10-2-60
191	Amar Singh of Sonepat	..	19-2-60
192	Beri Co-operative Transport Society, Ltd., Beri	..	22-2-60
193	Dhuni Chand, son of Ram Kala of Beri	..	24-2-60
194	Bhutania Jafrabad Co-operative Society, Sonepat	..	17-3-60
195	Amar Singh of village Meham	..	27-10-60
196	The National Transport Co-operative Society Ltd., Kund	..	5-6-59
197	Krishan Lal, son of Chandu, village Majra	..	15-10-59

LIST OF PUBLIC CARRIERS PERMITS ISSUED DURING THE YEAR 1960

Serial No.	Name of permit holder	Date of issue
1	Shri Wasawa Singh, son of Kabal Singh, Karnal ..	7-4-60
2	Shri Sarmukh Singh, son of Mansa Singh of Simla ..	18-4-60
3	Khushi Ram, son of Brij Lal of Chandigarh ..	25-4-60
4	Shri Kasturi Lal, son of Suraj Parkash of Rohtak ..	2-5-60
5	Shri Ganga Bishan-Nand Kumar of Kalka ..	3-5-60
6	Shri Hardyal Singh, son of Mansa Singh of Ballo Majra ..	4-5-60
7	Shri Bakshi Singh, son of Attar Singh of Fatehgarh ..	7-5-60
8	Shri Krishan Lal, son of Kuldipak Ram of Kalka ..	10-5-60
9	Chandigarh Transport Co., Rupar ..	11-5-60
10	Punjab Singh, son of Amar Singh of Charanpur ..	12-5-60
11	Shri Tara Singh, son of Kirpa Singh of Delhi ..	12-3-60
12	Shri Bhoja Ram, son of Bhajan Chand of Rohtak ..	16-5-60
13	Chaudhri Ram Singh, son of Jiwan Singh of Chandigarh ..	16-5-60
14	Shri Gobind Ram, son of Jinda Ram of Jagadhri ..	16-5-60
15	Shri Daulat Ram, son of Milik Ram of Ambala City ..	16-5-60
16	Shri Thakur Singh, son of Bhag Singh of Ambala Cantt. ..	16-5-60
17	Shri Jatinder Singh, son of Dhian Singh of Ambala City ..	18-5-60
18	The Sarwan Co-operative Construction Society, Gurgaon ..	19-5-60
19	Shri Sham Dass, son of Ram Ditta Mal of Rohtak ..	20-5-60
20	Shri Dharam Singh, son of Sadha Singh of Jamna Nagar	21-5-60
21	Shri Gurdial Singh, son of Mansa Singh of Simla ..	2-8-60
22	Shri Hari Chand-Balmukand of Rohtak ..	23-5-60
23	Shri Manphool Singh, son of Ganga Singh of Karnal ..	23-5-60
24	Shri Tulu Ram, son of Ganga Ram of Kharar ..	25-5-60
25	Shri Shiv Shankar, son of Kirpa Ram of Palwal ..	24-5-60
26	The Ex-servicemen Motor Transport Co-operative Society, Rupar ..	27-5-60
27	M/s. Bishan Singh-Kartar Singh of Jamna Nagar ..	30-5-60
28	Shri Lakah Raj, son of Puran Chand of Jamna Nagar ..	30-6-60
29	Shri Sampuran Singh, son of Kishan Singh of Ambala City ..	30-5-60
30	Chandigarh Transport Co., Private Ltd., Rupar ..	1-6-60
31	Shri Tirath Ram-Faqir Chand of Chandigarh ..	2-6-60
32	Captain Jai Singh, son of Devi Singh of Rohtak ..	7-8-60
33	Pishora Singh, son of Dharam Singh of Karnal ..	7-6-60
34	Shri Madan Lal, son of Gokal Chand of Rupar ..	8-6-60
35	The Hill Timber Supply & Co., Jagadhri ..	15-6-60
36	Captain Ram Nath of Chandigarh ..	16-6-60
37	Shri Raghbir Singh, son of Jai Singh of Ambala City ..	16-6-60
38	Kikar Singh, son of Chhotu Ram of Rohtak ..	18-6-60
39	Shri Pritam Singh, son of Banta Singh of Ludhiana ..	18-6-60
40	Shri Jai Bhagwan, son of Dip Chand of Sonepat ..	31-6-60
41	Shri Balram, son of Tirath Ram of Jamna Nagar ..	21-6-60
42	M/s. Harnam Singh-Sardar Singh of Chandigarh ..	22-6-60
43	The Ex-Servicemen Motor Co-operative Transport Society, Rupar ..	23-6-60
44	Shri Ram Lubhya, son of Ram Chand of Chandigarh ..	22-6-60
45	Shri Suraj Bhan, son of Dhani Ram of Hissar ..	22-6-60
46	Shri Daljit Singh, son of Gurcharan Singh of Sirsa ..	28-6-60
47	Shri Ram Saran Dass, son of Mohan Chand of Jamna Nagar	29-6-60
48	Shri Bahadur Singh, son of Phuman Singh of Ambala City ..	2-7-60
49	Shri Ishar Singh, son of Bishan Singh of Morinda ..	2-7-60
50	Shri Raghu Nath Singh, son of Sunder Singh of Narnaul ..	4-7-60
51	Shri Brij Lal, son of Ganga Ram of Ambala ..	4-7-60
52	Shri Bhudhu Ram, son of Lakhu Ram of Ambala City ..	4-7-60
53	Shri Raj Kumar, son of Piara Lal of Chandigarh ..	4-7-60
54	Shri Kharati Lal, son of Tara Chand of Chandigarh ..	5-7-60
55	Shri Mam Nand, son of Ram Lal of Jamna Nagar ..	5-7-60
56	Shri Kashmir Singh, son of Badan Singh of Karnal ..	5-7-60
57	Shri Sardari Lal, son of Prem Nath of Jamna Nagar ..	6-7-60
58	Shri Kabal Singh, son of Attar Singh of Kurali ..	6-7-60
59	Shri Jagjit Singh, son of Darshan Singh of Gurgaon ..	6-7-60
60	Shri Jasmehar Singh, son of Jaspal Singh of Chandigarh ..	6-7-60
61	Shri Kuldip Parkash, son of Har Chand of Chandigarh ..	7-7-60
62	Shri Jit Singh, son of Bhagan Singh of Ambala Cantt. ..	7-7-60
63	Shri Bali Ram, son of Jamal Chand of Sirsa ..	8-7-60

Serial No.	Name of permit holder		Date of issue
64	Shri Raru Ram, son of Hera Lal of Mubarakpur	..	8-7-60
65	Shri Iqbal Singh, son of Sunder Singh of Chandigarh	..	9-7-60
66	Shri Devinder Kumar of Chandigarh	..	9-7-60
67	M/s. Harbilas Baldev Raj of Chandigarh	..	11-7-60
68	Shri Pishori Lal, son of Kirpa Ram of Jamna Nagar	..	14-7-60
69	Shri Madan Singh, son of Kartar Singh of Ambala City	..	15-7-60
70	Shri Gurdial Singh, son of Bhan Singh of Delhi	..	15-7-60
71	Shri Surinder Singh, son of Balwant Singh of Ambala Cantt.		15-7-60
72	Shri Mukhan Singh, Delhi	..	15-7-60
73	Shri Kishori Lal, son of Dhani Chand of Hissar	..	16-7-60
74	Shri Shiv Narain, son of Gurdita Mal of Kharar	..	16-7-60
75	Shri Bhagat Singh-Kaka Singh of Ambala City	..	18-7-60
76	Shri Shanti Parkash -Ganesh Dass	..	18-7-60
77	Shri Hans Raj-Ram Lubhya, Chandigarh	..	19-7-60
78	Shri Gurmukh Singh, son of Hukam Sungh of Sirsa	..	18-7-60
79	Shri Sham Lal-Manohar Lal of Jamna Nagar	..	19-7-60
80	Shri Kesar Singh, son of Basta Singh of Samalka Mandi	..	19-7-60
81	Shri Mehar Singh, son of Devi Ditta Mal of Chandigarh	..	22-7-60
82	Shri Raghbir Saran, son of Bhagwan Dass of Ambala City		23-7-60
83	Shri Ram Sarup, son of Ditta Ram of Ambala City	..	19-7-60
84	Shri Prehlad Singh, son of Chet Ram of Gurgaon	..	26-7-60
85	Shri Lalit Mohan, son of Gurbachan Singh of Chandigarh	..	26-7-60
86	Shri Amar Singh, son of Girdhari Singh of Rupar	..	26-7-60
87	Shri Prabh Dayal, son of Uttam Singh of Chandigarh	..	28-7-60
88	Shri Sukh Raj Singh, son of Kartar Singh, Chandigarh	..	29-7-60
89	Shri Mohar Singh, son of Gian Singh, Chandigarh	..	29-8-60
90	Shri Ram Parkash, son of Kirpa Ram, Jamna Nagar	..	29-8-60
91	Shri Surrinder Singh, son of Mohan Singh, Chandigarh	..	29-7-60
92	Shri Sita Ram, son of Shri Ram of Karnal	..	2-8-60
93	Shri Jai Singh, son of Harnam Singh of Ladwa	..	3-8-60
94	Shmt. Rattan Devi, wd/o Lal Chand of Gurgaon	..	3-8-60
95	Shri Ram Nath, son of Matwal Chand of Rewari	..	4-8-60
96	Shri Lal Chand, son of Shiv Ram of Loharu	..	4-8-60
97	Shri Bahadur Singh, son of Sant Singh of Chandigarh	..	4-8-60
98	Shri Dewan Singh, son of Prem Singh of Rohtak	..	5-8- 60
99	M/s. Ved Mittar-Hukam Singh of Kanchali	..	5-8-60
100	Shri Ajmer Singh, son of Basant Singh of Khanpur Kharar	..	5-8-60
101	Shri Sham Lal, son of L.D. Bhandari of Chandigarh	..	5-8-60
102	Shri Joginder Singh, son of Tara Singh of Chandigarh	..	6-8660
103	M/s. Assian Goods Transport Co., Delhi	..	9-8-60
104	Prem Chandi, son of Inder Muni of Chandigarh	..	9-8-60
105	Shri Salig Ram, son of Jagat Ram of Chandigarh	..	9-8--60
106	Smt. Kiran Kala, w/o Amolak Singh of Hansi	..	9-8-60
107	The Chandigarh Transport Co., (P) Ltd., Rupar	..	12-8-60
108	The Chandigarh Transport Co. (P) Ltd., Rupar	..	12-8-60
109	Asian Transport Co., Delhi	..	12-8-60
110	Shri Gurdarshan Singh, son of Ajaib Singh , Hissar	..	1-8-60
111	M/s. Lakhi Ram & Sons, Rohtak	..	18-8-60
112	Shri Hasura Singh, son of Sarwan Singh of Chandigarh	..	19-8-60
113	M/s. Chaju Ram-Kaka Ram-Hari Singh, Morinda	..	20-8-60
114	Shri Bharat Singh, son of Hari Lal, village Mani Majra	..	20-8-60
115	Shri Basant Rai, son of Naurang Lal Jai, Rohtak	..	23-8-60
116	Shri Pritam Singh, son of Ajaib Singh, Hissar	..	23-8-60
117	M/s. Gian Singh-Naurang Singh, Kharar	..	12-1-60
118	Smt. Harbans Kaur daughter of Balwant Singh Ambala City	..	1-9-60
119	Shri Babu Singh, son of Sewa Singh of Ambala City	..	1-9-60
120	Shri Lalit Mohan Sharma, son of Ram Krishan, Chandigarh	..	1-9-60
121	Shri Raghbir Singh, son of Ram Singh of Ambala City	..	1-960
122	Shri Mohinder Singh Bansal, son of Kidar Nath, Ambala Cantt.		2-960
123	Shri Karam Singh, son of Risal Singh of Sonepat	..	2-9-60
124	M/s. Rohtak M.P. Co-operative Society, Ltd., Rohtak	..	2-9-60
125	Shri Harbans Singh, son of Hasant Singh, Shahpur	..	6-9-60
126	M/s. Kartar Singh-Kapoor Singh, Mani Majra	..	6-9-60
127	M/s. Gurbachan Singh-Hazara Singh, Kurali	..	6-9-60

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name of permit-holder		Date of issue
128	M/s. Harish Chander Joshi, s/o Sant Ram of Kurali	..	9-9-1960
129	Shri Jaspal Singh, s/o jamit Singh, Jamna Nagar	..	9-9-1960
130	M/s. Girdhari Lal and Bros. Solan	..	12-9-1960
131	Shri Pal Singh, s/o Nand Singh Baldev Nagar Ambala	..	12-9-1960
132	Shri Raghbir Singh s/o Lal Jai Ram, Rohtak	..	12-9-1960
133	Shrimti Kaushalya Devi D/o Ram Sahai of Jullundur	..	15-9-1960
134	Shri Jai Dev Singh s/o Attar Singh Ambala City	..	15-9-1960
135	Shri Babu Ram s/o Asa Ram of Jamna Nagar	..	16-9-1960
136	Shri Jagan Nata Sharma of Jamna Nagar	..	16-91960
137	Shri Rulda Singh s/o Chhaja Singh of Ballo Majra	..	16-9-1961
138	Shri Om Parkash, son of Gulab Rai of Panipat	..	19-9-60
139	Shri Sant Singh, son of Sham Singh of Chandigarh	..	19-9-60
140	The Ex-Servicemen Motor Transport Co-operative Society, Rupar		19-9-60
141	The Ev-Servicemen Motor Transport Co-operative Society Rupar		19-9-60
142	Shri Abrash Singh, son of Atma Singh of Karnal	..	19-9-60
143	Shri Kartar and Co. Bricks Kiln of Chandigarh	..	20-9-60
144	Shri Hukam Singh, son of Mir Singh of Jhajjar	..	20-9-60
145	Shri Tehal Singh, son of Mangal Singh, Rehankhera	..	21-9-60
146	M/s. Bag Ram-Basan Lal of Mani Majra	..	21-9-60
147	Miss Darshan Kaur, d/o Madan Gopal of Chandigarh	..	26-9-60
148	Shri Jai Singh, son of Phool Singh of Madina	..	26-9-60
149	Shri Dal Chand, son of Chaudhri Ram of Palwal	..	27-9-60
150	Shri Harbhajan Singh, son of Jawand Singh of Delhi	..	30-9-60
151	The Northern India Goods Transport Co., Simla	..	3-10-60
152	M/s. Modern Bricks and Tiles Manufacturers, Rohtak	..	6-10-60
153	M/s. Chhikara Bros., Rohtak	..	6-10-60
154	M/s Dharam Vir, Raghu Nath of Chandigarh	..	4-10-60
155	M/s. Thakar Dass, Nihal Chand of Chandigarh	..	4-10-60
156	M/s Bakhtawar Singh, son of Bakhish Singh of Ambala	..	5-10-60
157	Shri Boota Ram, son of Shankar Dass of Ambala City	..	4-10-60
158	Shri Ganga Singh, son of Attar Singh, Morinda	..	5-10-60
159	Shri Amrik Singh, son of Charbasi Singh of Ludhiana	..	5-10-60
160	M/s. Shambu Mall & sons of Ambala City	..	5-10-60
161	Shrimati Laj Wanti, w/o Dewan Chand of Rohtak	..	7-10-60
162	Shri Jagjit Singh, son of Multani Shah of Chandigarh	..	7-10-60
163	P. K. Uppal, w/o S. S. Uppal of Ambala City	..	7-10-60
164	M/s. Atma Singh, Ram Gopal of Kharar	..	10-10-60
165	Shri Om Parkash, son of Devi Dass of Rohtak	..	10-10-60
166	Hissar Prem Co-operative Society	..	10-10-60
167	Shri Onkar Mal, son of Tan Sukh Rai of Mandi Adampur	..	11-10-60
168	M/s. Jagdev Singh, Balbir Singh of Sanjoli	..	10-10-60
169	Mathur Singh, son of Thakar Singh od Ambala City	..	13-10-60
170	Shri Prem Singh, son of Jamil Singh of Bhankur Pur	..	13-10-60
171	Shri Kashmira Singh, son of Waryam Singh of Mubarakpur	..	13-10-60
172	M/s. Santosh Kumar, Ram Sarup of Jagadhri	..	13-10--60
173	Janta Co-operative Transport, Society Ltd., Meham	..	13-1060
174	Shri Dhonkal Ram, son of Sukh Ram of Hissar	..	14-10-60
175	Shri Dilbagh Rai, son of Jawala Dass of Jamna Nagar	..	14-10-60
176	Santosh Kapur, w/o Rajesh Kapur, of Ambala City	..	14-10--60
177	M/s. Ram Kumar- Sita Ram of Village Chaunat, Hansi	..	17-10-60
178	Harjit Singh, son of Thakar Singh of Jamna Nagar	..	17-10-60
179	Jaspal Singh, son of Santa Singh of Jamna Nagar	..	17-1060
180	Puran Singh, son of Narainjan Singh of Morinda	..	17-10-60
181	M/s. Harnam Singh, Harbans Singh of Ambala City	..	17-10-60
182	Raj Kanwar, son of Jodha Ram of Rewari	..	17-10-60
183	Brij Lal, son of Gokal Chand of Ambala City	..	18-10-60
184	Raunak Singh, son of Attar Singh of Manak Majra	..	21-10-60
185	Inder Jit, son of Mela Ram of Chandigarh	..	21-10-60

Serial No.	Name of permit-holder		Date of issue
186	Ram Singh, son of Ganga Singh of Bhakh Majra, Rupar	..	24-10-60
187	M/s. Mangal Sain, Jai Lal of Hansi	..	25-10-60
188	Jagdish Chander, son of Devi Dayal of Radhour	..	25-10-60
189	Hazari Lal, Shiv Karan of Jhaggar	..	26-10-60
190	Madan Singh, son of Jiwa Singh of Chandi Mandir	..	26-10-60
191	Om Parkash, son of Babu Ram of Ambala City	..	26-10-60
192	M/s. Duni Chand, Gian Chand of Chandigarh	..	26-10-60
193	Arup Lal, son of Ram Naresh of Village Shah	..	26-10-60
194	Sudaghar Singh, son of Ram Singh of Mani Majra	..	28-9-60
195	M/s. Ram Singh, Gurbax Singh of Chandigarh	..	26-10-60
196	Gian Chand, son of Jiwan Singh of Chandigarh	..	26-10-60
197	Shrimati Parsash w/o Harbans Lal, Ambala City	..	7-10-60
198	The Baldev Transport Private, Ltd., Rupar	..	7-10-60
199	Rameshwar Dass, son of Dwarka Dass, Mubarakpur	..	7-10-60
200	Harish Chand Goel, son of Ram Saroop, Chandigarh	.	7-10-60
201	Ujagar Singh, son of Baru Ram of Balomajra, Kharar	..	7-11-60
202	Ajmer Singh, son of Shore Singh of Balomajra	..	7-11-60
203	M/s. Krishan Lal and Co. of Chandigarh	..	7-11-60
204	M/s. Ved Parkash, Khushi Ram of Samalka Mandi	..	7-11-60
205	M/s. Kishori Lal, Ramsher Dass of Samalka Mandi	..	7-11-60
206	Ram Buz, son of Sewa Ram of Ambala Cantt.	..	7-11-60
207	Ram Singh, son of Channan Singh of Chandigarh	..	8-11-60
208	M/s. Ajit Singh, Nasib Singh of Chandigarh	..	9-11-60
209	M/s. Kuldip Industrial Corporation of Chandigarh	..	9-11-60
217	Charanjit Singh, son of Kotu Ram of Chandigarh	..	11-11-60
218	Chandgi Ram, son of Sukh Ram Aghwan pur, Sonepat	..	11-11-60
219	Shri Dasoandhi Khan, son of Rulia Khan, Nalagarh		11-11-60
220	Behram, son of Udhmi Ram of Bhai Anandpur (Rohtak)		14-11-60
221	Jodh Singh, son of Lakha of Karnal		14-3-60
222	Bakshish Singh, son of Partap Singh of Ambala City	..	13-3-60
223	Gulara Singh, son of Baswa of Kurali	..	15-11-60
224	Davinder Pal, son of Prithi Pal of Chandigarh	..	15-11-60
225	Mukhan Singh, son of Rama Partap of Delhi	..	16-11-60
226	Narain Dass, son of Sobha Ram of Rohtak	..	16-11-60
227	Jaspal Singh, son of Kamal Singh of Chandigarh	..	16-11-60
228	Baldev Raj, son of Balik Ram of Rupar	..	16-11-60
229	Bhagwan Singh, son of Rakesh of Rupar	..	18-11-60
230	Madan Lal son of Raghu Nath Rai of Dabwali	..	24-11-60
231	Chania Lal, son of Jag Ram of Kaithal	..	24-11-60
232	Pritam Singh, son of Channan Singh of Kharar	..	25-11-60
233	Lachhami Narain, son of Gopi Chand of Smalka Mandi		25-11-60
234	Ranod Singh, son of Bakhtawar Singh of Ballo Majra	..	25-11-60
235	M/s. Gurbachan-Singh, Manchar Singh, Jamna Nagar	..	28-11-60
236	Ran Chand, son of Khan Chand of Radaur	..	28-11-60
237	M/s. Gurdial Singh Arjan Singh of Kurali	..	28-11-60
238	The ex-Servicemen M. T. Co-operative Society, Rupar	..	29-11-60
239	Amarjit Singh, son of Sujan Singh of Mani Majra	..	29-11-60
240	Udhay Bhan, son of Khan Chand of Panipat	..	30-11-60
241	Deputy Ram, son of Ganesh Dass of Nangal Town ship	..	30-11-60
242	M/s. Maya Dhari Hari Chand of Kalka	..	5-12-60
243	M/s. Gurdial Singh, Saran Singh and Bros. of Simla	..	6-12-60
244	M/s. Aroma Hotel, Chandigarh	..	7-12-60
245	Vishwa Mitter, son of Ascharaj Mal of Chandigarh	..	9-12-60
246	Shivji Ram, son of Nanwal of Gurgaon	..	13-12-60
247	Keshwa Nand, son of Tulsi Ram of Ambala City	..	13-12-60
248	Major Kehari Singh, son of Ram Bhagat of Dighal	..	14-12-60
249	Pritam Singh, son of Udham Singh of Singhapur	..	16-12-60
250	Udhaya Nath, son of Bansi Lal of Rewari	..	16-12-60
251	Harjeet Singh, son of Harsaran Singh of Tripuri	..	16-12-60
252	Maya Wanti, w/o Karam Singh of Ambala City	..	19-12-60

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
253	Mehma Singh, son of Nand Singh of Kharar ..	19-12-60
254	Shri Gopal Singh, son of Beant Singh, 233-C, Patel Nagar, Delhi	20-12-60
255	Subash Chander Gupta, son of Kanaya Lal of Budupur, Jagadhri ..	20-12-60
256	Shri Balwant Singh, son of Bindi Singh of Chandigarh ..	21-12-60
257	Shri Om Parkash, son of Mani Ram of Assan, Rohtak ..	22-12-60
258	Shri Shishpal Singh, son of Salig Ram Bhepnod, Jhajjar ..	22-12-60
259	Shri Dharam Singh, son of Dhani Ram, Bhoproda, Jhajjar ..	22-12-60
260	M/s. Waryam Singh and Sons of Chandigarh ..	23-12-60
261	Raja Ram, son of Munshi Ram of Sirsa ..	26-12-60
262	Girdhari Lal and Bros. of Solan ..	28-12-60
263	Shri Ujjagar Singh, son of Amar Singh of Ambala Cantt. ..	2-1-61

REGIONAL TRANSPORT AUTHORITY, JULLUNDUR FROM 1ST APRIL, 1959 TO 31ST DECEMBER, 1959

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
1	Shri Nand Lal, son of Charan Dass, Ludhiana ..	3-4-59
2	Shri Basant Singh, Amritsar ..	3-4-59
3	S. Kesar Singh, son of Teja Singh, Amritsar ..	9-4-59
4	Shri Dhian Singh, son of Sadhu Ram, District Hissar ..	9-4-59
5	Shri Bashir Ahmed, son of Mohd. Abdullah, Qadian ..	11-4-59
6	Shri Surat Singh, Batala, district Gurdaspur ..	14-4-59
7	Shri Surat Singh, Tehsil Hansi, district Hissar ..	14-4-59
8	Shri Kartar Singh, post office Jaggi Kalan, district Amritsar ..	14-4-59
9	Shri Banta Singh, son of Bhagwan Singh, Kapurthala ..	14-4-59
10	Banta Singh, son of Harnam Singh, district Amritsar ..	15-4-59
11	Shri Jagir Singh, Samrala, district Ludhiana ..	15-4-59
12	Shri Sulakhan Singh, son of Diwan Singh of Amritsar ..	15-4-59
13	M/s Azad Bharat Harijan Co-operative Society, Amritsar ..	15-4-59
14	Shri Sucha Singh, son of Partap Singh, district Jullundur ..	18-4-59
15	Shri Mohinder Singh, son of Sham Singh, district Gurdaspur ..	20-4-59
16	Shri Jagir Singh, son of Khazan Singh, Batala, district Gurdaspur	20-4-59
17	The Harijan Balmiki Friends Co-operative Transport Society.. Dabwali	20-4-59
18	Shri Harnek Singh, son of Takhat Singh, Samrala, district Ludhiana ..	20-4-59
19	Shri Hukam Chand, son of Pakhar Dass, district Hissar ..	22-4-59
20	Shri Onkar Singh, son of Asa Singh, district Jullundur ..	22-4-59
21	Shri Gurmukh Singh, son of Wadhawa Singh, Moga ..	24-4-59
22	Shri Amrik Singh, son of Dilbagh Singh Model Town, Ludhiana	24-4-59
23	M/s Union Co-operative Transport Society, Ltd., Ferozepur ..	27-4-59
24	Shri Gurnam Singh, son of Banta Singh, Kapurthala ..	27-4-59
25	Shri Sant Singh, son of Hari Singh, Dasuya ..	27-4-59
26	M/s. Azad Bharat Harijan Co-operative Transport Society, Amritsar ..	28-4-59
27	Shri Mohinder Singh c/o Harijan Co-operative Transport Society Dabwali	28-4-59
28	Shri Ranjodh Singh, village and post office Kasel, district Amritsar ..	28-4-59
29	M/s Harijan Balmiki Friends, Co-operative Transport Society, Dabwali ..	28-4-59
30	Shri Anokh Singh, son of Teja Singh, Rohtak ..	28-4-59
31	Major Dina Nath, village and post office Bani, district Kangra ..	28-4-59
32	Jullundur Transport Co-operative Society Ltd., Jullundur ..	28-4-59
33	The Jullundur Co-operative Society, Jullundur ..	28-4-59
34	Shri Daljit Singh, son of Harnam Singh, Amritsar ..	29-4-59
35	Shri Dwarka Dass, son of Pt. Banarsi Dass, Batala ..	2-5-59
36	Shri Net Kanwal, son of Gujjar Mal, Gurdaspur ..	2-5-59
37	Shri Ram Sarup, son of Basant Ram, Pathankot ..	4-5-59

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
38	Shri Om Parkash, son of Makhan Singh, Batala (Gurdaspur) ..	5-5-59
39	Shri Brijinder Singh, Palampur ..	6-5-59
40	Shri Chattar Singh, son of Narain Singh, post office Bambiha, Moga ..	7-5-59
41	Shri Prem Matian, C/o Ajit Singh, Nakodar, district Jullundur ..	7-5-59
42	Shri Pritam Shah, son of Ram Mall, Jullundur ..	7-5-59
43	Shri Gurnam Singh, son of Kehar Singh, district Ludhiana ..	7-5-59
44	Capt. Pritam Singh, son of Ishar Singh, Kapurthala ..	8-5-59
45	Shri Gurbachan Singh, son of Gur Sahbi Singh, Amritsar ..	9-5-59
46	Shri Hazara Singh, son of Inder Singh, Chowk Lachhmansar, Amritsar	9-5-59
47	Shri Krishan Singh, son of Rattan Singh, Ludhiana ..	9-5-59
48	Shri Kharaiti Ram, son of Ram Lal, Mohalla Gobind Garh, Jullundur ..	13-5-59
49	Shri Kaldip Singh, Hoshiarpur ..	22-5-59
50	Shri Daulat Ram, son of Babu Ram, Jullundur ..	12-6-59
51	Shri Nand Gopal, son of Ram Rakaha Mal, Jullundur ..	27-5-59
52	Shri Ram Saran, son of Rulia Ram, Jullundur City ..	5-6-59
53	Shri Satya Nand, c/o Master Puran Nand, Amritsar ..	25-5-59
54	Shri Bhagwan Singh, son of Ram Singh, Jullundur City ..	26-5-59
55	Shri Bhag Singh, son of Charan Singh, district Ludhiana ..	27-5-59
56	Shri Som Nath, Sujanpur, tehsil Pathankot, district Gurdaspur ..	2-6-59
57	Shri Ram Lal Municipal Commissioner, Batala ..	5-6-59
58	Shri Krishan Kumar, son of Harcharan Dass, Batala ..	5-6-59
59	Shri Bir Singh, son of Raj Mal, village and post office, Jandiala, Jullundur ..	5-6-59
60	Shri Dharam Pal, son of Harish Chander, village and post office Nawanshehar ..	8-6-59
61	Shri Charan Singh, son of Makhan Singh, village and post office Chhajalwali, Amritsar ..	8-6-59
62	Shri Raj Kumar, son of Fateh Chand, Ludhiana ..	9-6-59
63	Shri Tarlochan Singh, son of Sant Nidhan Singh, Ludhiana ..	20-5-59
64	Shri Pritam Singh, district Amritsar ..	11-6-59
65	Shri Ram Rattan, son of Chet Ram, Batala ..	12-6-59
66	Shri Sardari Lal, son of Makhan Mal, Batala (Gurdaspur) ..	12-6-59
67	Shrimati Sushila Tayar, w/o Mela Ram, Batala ..	12-6-59
68	Shri Sant Singh, son of Sadhu Singh, Jullundur City ..	12-6-59
69	Shri Pritam Singh, Akhara Bazar, Kulu ..	13-6-59
70	Shri Lekh Raj, son of Dewan Chand, Jullundur City ..	19-5-59
71	Shri Surat Singh, post office Dharamkot, district Ferozepur ..	19-6-59
72	M/s. Lochan Singh, Gurcharan Singh, Jullundur ..	20-6-59
73	Shri Vishwa Nath, son of Tirath Ram, Panipat (Karnal) ..	20-6-59
74	Shri Faqir Singh, district Hoshiarpur ..	29-6-59
75	Shri Saudagar Singh, village and post office Tarn Taran (Amritsar)	30-6-59
76	Shri Lachaman Dass, son of Moti Ram, Ludhiana ..	30-6-59
77	Shri Naranjan Kumar and Bros., Kangra ..	30-6-59
78	Shrimati Jiwi, w/o Magi Ram, Moga ..	1-7-59
79	Shri Hans Raj, son of Balmukand, Jullundur City ..	1-7-59
80	Shri Bazir Singh, son of Ganesh Dass, Jullundur City ..	1-7-59
81	Shri Jagdish Raj, son of Makhan Mal, Batala ..	1-7-59
82	Shri Behari Lal, son of Ladha Ram, Amritsar ..	4-7-59
83	Shri Rajinder Singh, son of Kesar Singh, Ludhiana ..	4-7-59
84	Shri Gurbax Singh, son of Budh Singh, Zira (Ferozepur) ..	6-7-59
85	Shri Harnam Singh, son of Bur Singh, district Amritsar ..	6-7-59
86	Shri Chanan Lal, son of Dhirt Ram, Gurdaspur ..	7-7-59
87	Shri Joginder Singh, son of Kartar Singh, Amritsar ..	8-7-59
88	Shri Surat Singh, Ghee Mandi, Amritsar ..	8-7-59
89	Shri Kirpal Singh, son of Gurdit Singh, Ludhiana ..	9-7-59
90	Shri Sham Singh, son of Bakhtawar Singh, district Hoshiarpur	11-7-59
91	Shri Abnash Singh, son of Atma Singh, Jullundur ..	11-7-59
92	Shri Gurdial Singh, son of Charan Singh, Ludhiana ..	11-7-59

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
93	Shri Kewal Krishan, son of Parshotam Dass, Batala ..	13-7-59
94	Shri Jarnail Singh, son of Harnam Singh, district Amritsar ..	14-7-59
95	Shri Isher Singh, son of Mohan Singh, Ludhiana ..	15-7-59
96	Shri Bhagwan Dass, son of Banarsi Ram, Ludhiana ..	16-7-59
97	Shri Hans Raj, son of Malk Raj, Amritsar ..	17-7-59
99	Shri Baldev Mittar, E. R. 266, Jullundur City ..	20-7-59
100	Shri Ganda Singh, Jullundur ..	20-7-59
101	Shri Raghbir Singh, Gurdaspur ..	12-7-59
102	Shri Amar Ditta, son of Darbari Lal, Jullundur ..	20-7-59
103	Shri Diwan Chand, son of Mathra Dass, Jullundur ..	20-7-59
104	M/s Ram Raj, Roop Lal, Kanak Mandi, Hoshiarpur ..	28-7-59
105	Shri Sat Pal Mittal, son of Amar Nath, Ludhiana ..	20-7-59
106	The Jullundur Farming Co-operative Transport Society, Jullundur	21-7-59
107	Shri Harnam Singh, son of Gurmukh Singh, district Ludhiana ..	22-7-59
108	Shri Kaku Ram, son of Chetu Mall, district Kangra ..	23-7-59
109	Shri Kanshi Ram, son of Hukam Chand, Ludhiana ..	23-7-59
110	Shri Murar Singh, son of Bhagat Singh, district Amritsar ..	24-7-59
111	Shri Joginder Singh, son of Jiwan Singh, Jullundur ..	24-7-59
112	Shri Mohinder Singh, son of Santa Singh, district Amritsar ..	25-7-59
113	Shri Jai Ram, son of Chandri, Hamirpur, district Kangra ..	27-7-59
114	The Jullundur Farming Co-operative Tpt. Society Ltd., Jullundur	27-7-59
115	Shri Bhag Singh, son of Meta Singh, Pathankot ..	27-7-59
116	Shri Pyara Lal, son of Shri Sant Ram, Gurdaspur ..	29-7-59
117	Shrimati Ved Kumari, village and post office Dara Baba Nanak, district Gurdaspur ..	30-7-59
118	Shri Harminder Singh, son of Tirlok Singh, Jullundur ..	31-7-59
119	Shri Gurdial Singh, Ludhiana ..	31-7-59
120	Shri Ram Parkash, son of Tara Chand, Jullundur ..	1-8-59
121	Shri Pyara Singh, Karam Chand, Gurdaspur ..	3-8-59
122	Shri Mohan Lal, son of Sham Lal, Batala ..	5-8-59
123	Shri Dera Singh, son of Fauja Singh, Amritsar ..	5-8-59
124	The Jullundur Co-operative Farming Society, Ltd., Jullundur ..	5-8-59
125	Shri Mohan Singh, son of Attar Singh, district Ludhiana ..	5-8-59
126	Shri Chiranji Lal, son of Kirpa Ram, district Ludhiana ..	6-8-59
127	Shri Uttam Chand, C/o Kisan Section, P. P. C. C., Jullundur	6-8-59
128	Shri Sant Singh, son of Santokh Singh, Amritsar ..	6-8-59
129	The Jullundur Co-operative Farming Society Ltd., Jullundur ..	7-8-59
130	Shri Roshan Lal, son of Dharam Chand, district Hoshiarpur ..	8-8-59
131	Shri Sarup Singh, son of Gurdas Singh, Jullundur ..	8-8-59
132	Shri Bishamber Dass, son of Thakar Dass, Ludhiana ..	10-8-59
133	Shri Om Parkash, son of Shri Labra Singh, Kangra ..	10-8-59
134	Shri Sant Ram, c/o Kishan Sector P. P. C. C., Jullundur ..	11-8-59
135	The Gohana Co-operative Marketing Society Ltd., Gohana (Rohtak) ..	12-8-59
136	Shri Sukh Karam, district Hoshiarpur ..	12-8-59
137	Shri Sadhu Singh, son of Nihal Singh, Bara Pind (Jullundur) ..	12-8-59
138	Shri Chitra Bahadur, son of Bamb Bahadur, Ludhiana ..	13-8-59
140	Shri Kashmiri Singh, son of Waryam Singh, Jullundur ..	14-8-59
141	Shri Kapur Singh, son of Kartar Singh, Jullundur ..	14-8-59
142	Shri Charan Singh, son of Arjan Singh, Gurdaspur ..	17-8-59
143	Comrade Jawala Singh, village Bara Pind, Jullundur ..	17-8-59
144	Shri Arjan Singh, son of Wasakha Singh, Patti (Amritsar) ..	18-8-59
145	Shri Raghbir Singh, son of Dharam Singh, district Ferozepur ..	21-8-59
146	Shri Inder Singh, son of Gujjar Singh, district Ferozepur ..	21-8-59
147	Shri Narainjan Singh, son of Jawala Singh village Ganda, Jullundur ..	22-8-59
148	Shri Jagan Nath, son of Baij Nath, Pathankot ..	22-8-59
149	Shri Kartar Singh, son of Badri Nath, Phagwara ..	27-8-59
150	Shri Gurbax Singh, son of Jiwan Singh, Ludhiana ..	27-8-59

Serial No.	Name of permit-holder		Date of issue
151	Shri Rala Singh, son of Hazara Singh, Jullundur	..	28-8-59
152	Shri Om Parkash, Jullundur	..	28-8-59
153	M/s Hem Chand, Mohinder Singh, Kangra	..	29-8-59
154	Shri Sewa Singh, son of Gurcharan Singh, Jullundur City	..	29-8-59
155	M/s Lal Chand-Mohinder Singh, district Kangra	..	31-8-59
156	Shrimati Pushpa Devi, daughter of Sukhdev Singh, Kangra	..	31-8-59
157	Shri Satinder Kumar, son of Sunam Rai, Fazilka (Ferozepur)		1-9-59
158	Shri Partap Chand, son of Uttam Chand, Jullundur	..	1-9-59
159	Shri Teja Singh, son of Jawahar Singh, district Amritsar	..	2-9-59
160	Shri Kartar Singh, son of Dalip Singh, district Amritsar	..	2-9-59
161	Shri Gurdial Singh, son of Labh Singh, district Amritsar	..	2-9-59
162	Shri Swaran Singh, son of Bawa Singh, Tarn Taran (Amritsar)		3-9-59
163	Shri Kartar Singh, son of Uttam Singh, Hoshiarpur	..	7-9-59
164	Shri Jagdish Singh, son of Dewan Chand, Hoshiarpur	..	7-9-59
165	Shri Gurdita Ram, son of Faqir, district Kangra	..	7-9-59
166	Shrimati Janki Devi, w/o Thakar Tota Ram, district Kangra	..	7-9-59
167	Shri Harnam Singh, son of Uttam Singh, Jullundur City	..	9-9-59
168	The Pathankot Kangra Workers Co-operative Transport Society, Pathankot	..	10-9-59
169	Shri Jarnail Singh, son of Balwant Singh, Amritsar	..	10-9-59
170	Shri Jaswant Singh, son of Mehal Singh, Amritsar		10-9-59
171	Shri Pishori Singh, son of Amar Singh, Ludhiana	..	14-9-59
172	Shri Inder Pal Singh, son of Lachman Singh, Pathankot	..	18-9-59
173	Shri Kuldip Singh, son of Balwant Singh, district Hoshiarpur	..	18-9-59
174	Shri Mohan Lal, c/o Hind Foundry, Batala (Gurdaspur)	..	18-9-59
175	Shrimati Rukman Devi, w/o Shri Jaisi Ram, Amritsar	..	18-9-59
176	Shri Pritam Singh, district Hoshiarpur	..	22-9-59
177	Shrimati Thakri, w/o Bhag Ram, district Jullundur	..	24-9-59
178	The Union Co-operative Transport Society Ltd., Ferozepur	..	25-9-59
179	Shri Dhian Singh, district Jullundur	..	1-10-59
180	M/s Chattar Singh Basan Singh, district Amritsar	..	6-10-59
181	Shri Jatinder Pal, son of Barkat Ram, Gurdaspur	..	6-10-59
182	Shri Dharamvir, son of Lal Chand, Jullundur	..	8-10-59
183	Shri Mulk Raj, son of Munshi Ram, Pacca Bagh, Jullundur	..	8-10-59
184	Shri Kishore Chand, district Gurdaspur	..	9-10-59
185	Shri Baldev Mittar, son of Ram Rattan, Jullundur City	..	13-10-59
186	Shri Bagha Ram, son of Lachhu Ram, district Ferozepur	..	13-10-59
187	Shri Ram Partap, son of Bahadur Singh, district Ferozepur	..	13-10-59
188	Shri Kulwant Singh, son of Phuman Singh, Ludhiana	..	13-10-59
189	Shri Milbagh Singh, district Jullundur	..	13-10-59
190	Shri Gurmukh Singh, son of Thakar Singh, Ludhiana	..	5-10-59
191	Shri Ram Krishan, son of Balmukand, district Gurdaspur	..	13-10-59
192	Shri Harkishan Lal, son of Bhagat Ram, Gurdaspur	..	13-10-59
193	Shri Sucha Singh, son of Sujan Singh, Amritsar	..	13-10-59
194	Shri Bharijia Batta, son of Amar Nath, Gurdaspur	..	15-10-59
195	Shri Dhian Singh, son of Chattar Singh, Gurdaspur	..	15-10-59
196	Shri Jaswant Rai, son of Bhagwan Dass, Ludhiana	..	16-10-59
197	Shri Hardial Singh, son of Waryam Singh, district Ludhiana	..	16-10-59
198	Shri Narinder Singh, district Amritsar	..	15-10-59
199	Shri Baldev Sharma, son of Rishu Dass, Amritsar	..	16-10-59
200	Shri Babu Ram, son of Prabh Dyal, district Hoshiarpur	..	16-10-59
201	Shri Hardit Singh, son of Sunder Singh, district Bhatinda	..	19-10-59
202	Shri Shankar Singh, district Amritsar	..	19-10-59
203	Shrimati Raghbir Kaur, w/o Bhagwan Singh, Jullundur City	..	20-10-59
204	Shri Dhanta Ram, Ex-Municipal Commissioner, Hoshiarpur	..	20-10-59
205	Shri Paramjit Singh, son of Dhian Singh, Amritsar	..	22-10-59
206	The Pathankot Co-operative Society Ltd., Pathankot	..	20-10-59
207	Shri Mehar Chand, Akhara Bazar, Kulu	..	22-10-59
208	Shri Parshotam Dass, son of Nathu Ram, Pathankot	..	23-10-59
209	Shri Raghbar Singh, son of Shri Jai Ram Dass, Ludhiana	..	23-10-59
210	Shri Jagbir Singh, son of Boota Singh, Tahsil Patti	..	2-11-59

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
211	Shri Sahib Dev Singh, son of Thakar Singh, Jullundur ..	4-11-59
212	Shri Krishandev Singh, son of Fauja Singh, Jullundur ..	4-11-59
213	Shri Parma Nand, son of Karam Chand, Jullundur City ..	10-11-59
214	Shri Dewan Chand, son of Mara Ram, district Jullundur ..	11-11-59
215	Pathankot Co-operative Transport Society Ltd., Pathankot ..	12-11-59
216	Shri Mehar Singh, son of Gujjar Singh, district Amritsar ..	12-11-59
217	Shri Gurdev Singh, son of Niranjan Singh, Jullundur ..	12-11-59
218	Shri Gainda Mal, Secretary Mandal Congress, Gurgaon ..	12-11-59
219	M/s Shankar Ram-Lachman Ram, Jullundur ..	12-11-59
220	Subedar Jagat Singh, son of Waryam Singh, Jullundur	16-11-59
221	Shri Madan Lal, son of Labhu Mal, village andpost office Khalra, district Amritsar ..	16-11-59
222	Shri Daya Krishan, son of Rulia Ram, Amritsar ..	16-11-59
223	M/s. Dalip Singh-Harbans Singh, district Amritsar ..	17-11-59
224	M/s Dalip Singh-Labh Singh, Ludhiana ..	17-11-59
225	M/s Sahib Singh -Labh Singh, Ludhiana ..	17-11-59
226	The Gurdaspur Harijan Co-operative Transport Society Ltd., Gurdaspur ..	16-1-159
227	Shri Harnam Singh, son of Hira Singh, Kaithal ..	17-11-59
228	Shri Anant Ram, Amritsar ..	17-11-59
229	Shri Gurdip Singh, son of Chand Singh, district Amritsar ..	19-10-59
230	Shri Jetha Singh, son of Bindra Singh, district Ferozepur ..	1-11-59
231	Shri Aziz-ul-Rehman, son of Maulana-Habib-ul-Rehman (Ludhiana) ..	20-11-59
232	Shri Bishan Singh, son of Radha Ram, district Hoshiarpur ..	20-11-59
233	Shri Inder Singh, district Amritsar ..	20-11-59
234	Shri Charan Singh, President Congress Committee, Amritsar ..	20-11-59
235	Shri Karnail Singh, son of Megh Singh, Ludhiana ..	20-11-59
236	Shri Hari Chand, son of Sohni Shah, Pathankot ..	23-11-59
237	Shri Kartar Singh, son of Makhan Singh, Jullundur City ..	23-11-59
238	The Chitra Multipurpose Co-operative Society Ltd., Ludhiana ..	23-11-59
239	Shri Gurnam Singh, son of Karam Singh, district Ferozepur ..	23-11-59
240	The Pathankot Co-operative Transport Society Ltd., Pathankot	25-11-59
241	Shri Raj Kumar, Dhangu Road, Pathankot ..	26-11-59
242	M/s Harijan Transport Co., Jullundur ..	27-11-59
243	Shri Sohan Singh, 4 Patel Chowk, Jullundur City ..	27-11-59
244	Shri Kidar Nath, son of Lachman Dass, Jullundur ..	30-11-59
245	Shri Hari Ram, son of Kurang Lal, Pathankot ..	30-11-59
246	Shri Barahma Nand, district Hoshiarpur ..	30-11-59
247	Shri Dilbagh Singh, district Hoshiarpur ..	30-11-59
248	Shri Joginder Singh, Amritsar ..	30-11-59
249	Shri Parma Nand, Kidar Nath of Jullundur ..	1-12-59
250	Shri Jagan Nath, Kartarpur ..	1-12-59
251	Shri Munshi Ram, son of Chbro Ram, Kangra ..	8-12-59
252	The Parbhat Roadways Co-operative Transport Society, Ltd., Hoshiarpur ..	9-12-59
253	The Doaba Co-operative Transport Society, Nawanshahr (Jullundur) ..	2-12-59
254	The Friends Co-operative Transport Society, Phagwara ..	1-12-59
255	Shri Roop Lal, son of Nadu Ram, c/o Raja Ram Near Majitha House, Amritsar ..	2-12-59
256	The Parbat Roadways Co-operative Transport Society Ltd., Hoshiarpur ..	2-12-59
257	Ditto ..	1-12-59
258	Ditto ..	1-12-59
259	Ditto ..	2-12-59
260	Ditto ..	2-12-59
261	Ditto ..	9-12-59
262	Ditto ..	9-12-59

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
263	M/s Lakshmi Devi-Isher Singh, Rohtak ..	3-12-59
264	Shri Rulia Ram, son of Chand Ram, Amritsar ..	3-12-59
265	Shri Harnam Singh, son of Tritha, district Rohtak ..	3-12-59
266	Shri Gurmukh Singh, son of Ram Singh, Rohtak ..	3-12-59
267	The Pure Mazdev Harijan Co-operative Society, Pathankot ..	7-12-59
268	Shri Ajaib Singh, son of Lal Chand, Hoshiarpur ..	7-12-59
269	Shri Mohan Lal Mohalla, Jullundur ..	7-12-59
270	The Swaran Harijan Welfare Society, Hamirpur (Kangra,) ..	7-12-59
271	Shri Mohinder Singh, son of Shiv Singh, Hoshiarpur ..	8-12-59
272	Shri Lachhman Singh, son of Ralla Ram, Hoshiarpur ..	8-12-59
273	Shri Ram Sarup, Dasuya	8-12-59
274	Shri Pritam Dass, Akhara bazar, Kulu ..	8-12-59
275	Shri Gurbax Singh, district Amritsar ..	8-12-59
276	S. Amar Singh, son of Waryam Singh, district Amritsar ..	8-12-59
277	Shri Risal Singh of Amritsar ..	8-12-59
278	Shri Jai Inder Singh, son of Sohan Singh, Amritsar ..	8-12-59
279	Dr. Parduman Singh, son of Kartar Singh Ludhiana ..	8-12-59
280	The Parbat Roadways Co-operative Transport Society, Ltd., Hoshiarpur	9-12-59
281	Ditto	9-12-59
282	The Jullundur Maha Laxmi Co-operative Transport Society Ltd., Jullundur	9-12-59
283	Shri Karnail Singh, son of Wazir Singh, district Amritsar ..	9-12-59
284	The Friend Co-operative Transport Society Ltd., Phagwara	9-12-59
285	Shri Labh Singh, son of Aror Singh, district Amritsar ..	10-12-59
286	Shri Ram Kumar, District Hoshiarpur ..	10-12-59
287	Shri Sawaranjit Singh, son of Kundan Singh, district Patiala ..	10-12-59
288	Shri Om Parkash, son of Nathu Ram, Kartarpur ..	14-12-59
289	Shri Said-ul-Rehman, Ludhiana ..	14-12-59
290	Shri Ruka Ram, son of Late Shri Shiv Ram, Kangra ..	21-12-59
291	Shri Munshi Ram Nathana, son of Radha Ram, Pathankot ..	16-11-59
292	Shri Prabh Ram, son of Labh Ram, Muktsar ..	21-12-59
293	Shri Sadhu Singh, son of Faqir Singh, Hoshiarpur ..	14-12-59
294	The Jullundur Mahalaxmi Co-operative Transport Society, Jullundur	15-12-59
295	Dito	15-12-59
296	The Parbat Roadways Co-operative Transport Society, Ltd., Hoshiarpur	15-12-59
297	Shri Gian Singh, son of Ganga Singh, Amritsar ..	16-12-59
298	The Parbat Roadways Co-opeartive Transport Society Ltd., Hoshiarpur	17-12-59
299	Shri Sham Singh, c/o Ram Singh, Phagwara Gate, Jullundur	17-12-59
300	Shri M. G. Danial Sister-in-charge, Ferozepur Cantt. ..	17-12-59
301	Shri Lekha Harijan, son of Ratti Ram, Amritsar ..	17-12-59
302	Shri Mange Ram, district Rohtak ..	17-12-59
303	Amritsar Model Co-operative Farming, Society, Amritsar ..	17-12-59
304	Shri Sant Singh, son of Bachan Singh, Tarn Taran ..	17-12-59
305	M/s Harbhajan Singh, Basant Singh, district Jullundur ..	17-12-59
306	Shri Madho Ram, P. O. Hamirpur, district Kangra ..	8-12-59
307	Shri Paras Ram, son of Pt. Nidha Ram, Kangra ..	8-12-59
308	Shri Gurdial Singh, son of Bachint Singh, Ludhiana ..	8-12-59
309	Shri Nachhitar Singh, son of Thakar Singh, district Ferozepur	8-12-59
310	Shri Rattan Chand, son of Ralu Ram, district Kangra ..	21-12-59
311	Smt. Bhagani w/o Maharaj Mal, Amritsar ..	22-12-59
312	Master Raja Ram, Delhi ..	22-12-59
313	Shri Bharat Singh, Ravi Dass Nagar, Rohtak ..	22-12-59
314	Shri Sadhu Singh, son of Devi Singh, Amritsar ..	22-12-59
315	Shri Amar Singh, son of Gajjar Singh, Hoshiarpur ..	22-12-59
316	Shri Sohan Singh, district Amritsar ..	22-12-59
317	Shri Ajit Singh, Ex.-M.L.A., Hoshiarpur ..	22-12-59

[Minister for Irrigation and Power)

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
318	Shri Chattar Singh, son of Surat Singh, Kangra ..	22-12-59
319	Shri Gurdip Singh, son of Ranjit Singh, Ferozepur ..	22-12-59
320	Shri Sohan Singh, son of Shri Jawala Singh, Amritsar ..	22-12-59
321	Shri Baksham Singh, district Ferozepur ..	23-12-59
322	Shri Subh Karam, district Hoshiarpur ..	23-12-59
323	The Hamirpur Co-operative Transport Society Ltd., Hamirpur, Kangra	23-12-59
324	Shri Bakshish Singh, district Ferozepur ..	24-11-59
325	Shri Kanshi Ram, son of Mangal Ram, Krishanpur, Sonepat	20-12-59
326	Shri Dyal Singh Azad, district Hissar ..	24-12-59
327	Shri Kashmira Singh, son of Jaswant Singh, Ferozepur ..	24-12-59
328	Shri Ram Lal, son of Gosain Mal, V. P. O. Minar (Kangra)	29-12-59
339	Shri Ram Krishan Nanda, son of Sita Ram, district Kangra	28-12-59
330	Shri Surinder Nath Sud, son of Amar Nath, Hoshiarpur ..	29-12-59
331	Shri Thana Singh, son of Padan Singh, Rohtak ..	28-12-59
332	Shri Bhagat Ram Tank, son of Hakim Rai, Nadaun, Kangra	29-12-59
333	Shri Sarwan Singh, son of Ganda Singh, district Hoshiarpur ..	29-12-59
334	M/s Hem Raj, Roop Lal Hoshiarpur ..	30-12-59
335	Shri Gurdial Singh, district Hoshiarpur ..	30-12-59
336	Shri Preeti Lal, son of Rikha Ram, district Ambala ..	30-12-59
337	Shri Dalip Singh, district Amritsar ..	30-12-59

FROM 1ST JANUARY, 1960 TO 31ST JANUARY, 1960

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
1	The Doaba Transport Co-operative Society, Nawanshahr ..	1-1-60
2	Shri Gurbax Singh, son of Goma Singh, Rohtak ..	1-1-60
3	The Parbat Roadways Co-operative Transport Society, Hoshiarpur	4-1-60
4	Shri Ganesh Singh, son of Ujagar Singh, Khinyara ..	4-1-60
5	Shri Sant Kumar, son of Dharam Chand, Kangra ..	4-1-60
6	Shri Ram Sarup, Dasuya ..	4-1-60
7	Shri Samuel Akhtar Palampur ..	4-1-60
8	Shri Kartar Singh Sarhadi Jullundur ..	4-1-60
9	Shri Hans Raj Suri, Ambala City ..	6-1-60
10	Shri Wadhawa Singh Dugri, Tarn Taran ..	6-1-60
11	Shri Mehar Chand, son of Kesar Ram, Muktsar ..	6-1-60
12	Shri Nasib Singh, son of Hira Singh, Jandali ..	6-1-60
13	Shri Kehar Singh Sandhu, Amritsar ..	7-1-60
14	Shri Kehar Singh Pahlwan Patiala ..	6-1-60
15	Shri Gurdit Singh, son of Hari Singh, vilage Shahbazpur ..	6-1-60
16	Shri Ram Singh Jakhar, V. P. O. Ludhiana ..	6-1-60
17	Shri S. R. Dhir, Jullundur ..	8-1-60
18	Shri Banta Ram, son of Dasaudhi Ram V. Bajwara ..	8-1-60
19	Shri Vishwa Mitter, son of Acchar Mal, Pathankot ..	8-1-60
20	Shri Balwant Singh M. G. Road, Rohtak ..	8-1-60
21	Shri Lal Man Sharma ..	8-1-60
22	Shri Radha Krishan, Hamirpur ..	11-1-60
23	Shri Shankar Singh, son of Natha Singh, V. Sangatpur ..	11-1-60
24	Shri Q. C. Samuel, Baijnath ..	11-1-60
25	Shri Shankar Singh, son of Baktawar Singh, V. Padrani ..	11-1-60
26	The Doaba Co-operative Transport Society, Nawanshahr ..	11-1-60
27	M/s Kishan Chand Uttam Singh, Kangra ..	11-1-60
28	M/s Prem Chand and Co., Nagrota Bagwan ..	13-1-60
29	Shri Salig Ram, son of Nihal Singh, V. Wazipuri ..	13-1-60
30	Shri Mohan Singh, son of Subh Singh, Amritsar ..	13-1-60
31	Shri Mauj Ram, son of Jawahar V. Awarhi ..	13-1-60
32	Shri Arjan Singh Pahlwan, V. Dhalran ..	13-1-60
33	The Pathankot Kangra Workers Co-operative Society, Pathankot	13-1-60
34	Shri Munshi Ram, son of Khazana Ram, Palampur ..	13-1-60
35	M/s Harijan Transport Co., Jullundur ..	13-1-60

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
36	Shri Des Raj s/o Hem Raj Moga ..	14-1-61
37	M/s Lal Chand, Gian Chand, Gurdaspur ..	14-1-60
38	Shri Amin Chand, son of Chaudhri Ram, Bhareri ..	15-1-60
39	Shri Chandu Ram, Nagrota Bagwan ..	15-I160
40	Shri Kashmira Singh Randhawa, V. Udhonagal ..	25-1-60
41	Shri Banu Ram Gupta, Jullundur ..	25-1-60
42	Shri Joginder Singh Tiger, V. Sheron ..	·25-1-60
43	Shri Harwant Singh Sehgal, Jullundur ..	25-1-60
44	Shri Tikka Udhe Bhan Chandra, V. Datarpur ..	25-1-60
45	Shri Parshotam Dass Marwaha, Pathankot ..	25-1-60
46	Shri Gurdev Singh, son of Niranjan Singh, Jullundur ..	25-1-60
47	Shri Tara Singh, son of Gurdial Singh, V. Ghuman Khurd ..	27-1-60
48	Shri Boota Singh, son of Gujjar Singh, V. Sewa Nagar ..	27-1-60
49	Shri Sham Singh, Dehradun ..	27-1-60
50	Shri Prithipal Singh Amritsar ..	27-1-60
51	Shri Devi Ditta, Bahadurgarh Mandi ..	27-1-60
52	Shri Balkrishan, son of Master Nand Lal, Jullundur ..	29-1-60
53	M/s Piara Singh, Ajit Singh, V. Thata ..	29-1-60
54	Shri Dharam Vir Bahal, Kangra ..	29-1-60
55	Shri Kartar Singh, son of Ganda Singh, V. Rampur ..	1-2-60
56	M/s Sukh Lal Singh, and Sons Kangra ..	1-2-60
57	Shri Mota Singh, son of Malla Singh, V. Behanlpur ..	1-2-60
58	Shri Gurdial Singh, sonof Labh Singh, V. Nainowal Jattan ..	1-2-60
59	Shri Mohinder singh, sonof Sant Sarup Singh, Naushehra Pannuan	2-2-60
60	Shri Mani Lal, son of Atru Ram, Hoshiarpur ..	2-2-60
61	Shri Nathi Ram Editor, Weekly Sachai, Ambala ..	4-2-60
62	Shri Arjan Balmik, V. Jalorpal ..	5-2-60
63	M/s Hamirpur Transport Co-operative Society, Aamirpur ..	5-2-60
64	Shri Chandan Singh, V. P. O., Kairon ..	5-2-60
65	Shri Major Dina Nath, V. P. O. Ranu ..	8-2-60
66	Shri Dhiana Ram, V. Dhaduamb ..	8-2-60
67	Shri Kirpal Singh, Sant Vila, Amritsar ..	8-2-60
68	Shri Sant Ram Sharma, V. Chabian ..	8-2-60
69	Shri Ved Parkssh son of Badri Nath, Gurdaspur ..	8-2-60
70	Shri Udham Singh, son of Bidhe Singh, V. Margindpur ..	11-2-60
71	Shri Shanti Sarup Sharma, Karnal ..	11-2-60
73	Shri Ram Singh, son of Jiwan Singh, Village Kishanpura district Ferozepur	12-2-60
74	Shri Virinder Kumar, son of Shanti Sarup, Amritsar. ..	15-2-60
75	Shri Pritam Singh Karak, Dasuya ..	19-2-60
76	Shri Jagan Nath, son of Duni Chand, Village Katrain Kulu ..	25-2-60
77	M/s Parbat Roadways Co-opeartive Transport Society, Hoshiarpur	25-2-60
78	M/s Batala National Transport Co-operative Society, Batala ..	26-2-60
79	Shri Muni Lal, son of Salig Ram, Amritsar ...	26-2-60
80	Shri Gurbax Singh, son of Budh Singh Village, and Post Office Kundal	26-2-60
81	Smt. Rukman Rani, Hmritsar ..	27-2-60
82	Shri Sarup Singh, Pannu Village Naushehra Pannu ..	29-2-60
83	Shri Bakhsha Singh, Sonepat ..	8-3-60
84	Shri Dial Singh, son of Saudagar Singh, Village Daroka ..	8-3-60
85	M/s Gurdaspur Harijan Co-operative Transport Society, Pathankot	10-3-60
86	Shri Om Parkash, son of Lehra Singh, Pansoi ..	10-3-60
87	M/s Parbat Roadways Co-operative Transport Society, Hoshiarpur	10-3-60
88	Shri Jai Ram son of Chaudhri Village Lahro ..	11-3-60
89	Shri Manohar Lal Sud, Kulu ..	11-3-60
90	Shri Prem Singh Rana, Vilage Ghadiar ..	11-3-60
91	Shri Dhian Singh, son of Sadhu Singh, Village Dehla Majra Hiran	14-3-60
92	Shri Manmohan Kumar, son of Mulkh Raj, Village Dehra ..	14-3-60
93	Shri Sahib Singh, son of Kharak Singh, Village Tikkar ..	16-3-60
94	Shri Sudama Ram, son of Banka Ram, Village Bawarna ..	16-3-60
95	Shri Bal Krishan, son of Amar Nath Hoshiarpur ..	16-3-60

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name of permit-holder		Date of issue
96	M/s Baldev Raj Hem Raj Village Jakholari	..	16-3-60
97	Shri Bakhshi Sarv Sarup, Village Sujanpur	..	22-3-60
98	Shri Jodh Ram, son of Behari Lal, Jullundur	..	23-3-60
99	Shri Surjan Singh, son of Kesar Singh, Nagrota	..	23-3-60
100	Shri Sohan Singh, son of Jawala Singh, Dhulka	..	4-4-60
101	Capt, Rattan Singh, I. N. A. Jugiana Garden Colony	..	11-4-60
102	Shri Vijay Kumar, son of Janardhan Dutt, Ludhiana	..	12-5-60
103	Shri Ujagar Singh, son of Achhar Singh, Village Sekhwan	..	8-6-60
104	Shri Kundan Singh, son of Harnam Singh, Jullundur	..	26-7-60
105	Shri Sohan Singh, on of Gopal Singh, Village Khera	..	26-7-60
106	Shri Ganga Bishan, son of Sohawa Mal, Jagraon	..	26-7-60
107	Shri Harcharan Singh, son of Malik Ram, Amritsar	..	29-7-60
108	Shri Jai Singh, son of Chaudhri Ram, Village Thakurdwara	..	29-7-60
109	Shri Harbans Singh, son of Daulat Ram, Moga	..	1-8-60
110	Shri Om Parkash Sharma, Nawankot Amritsar	..	4-8-60
111	Shri Karam Singh Uppal Ludhiana	..	4-8-60
112	Shri Mohan Singh, son of Ganda Singh, Village Baldan Tehsil Dasuya		
113	M/s Suraj Bus Serivce Ltd., Amritsar	..	5-8-60
114	Shri Jiwan Lal, son of Sohan Lal Amritsar	..	5-8-60
115	Shri Sohan Singh, son of Dalip Singh, Muktsar	..	5-8-60
116	Shri Bakhshish Singh, son of La.l Singh, Village Naurangabad	..	8-8-60
117	Shri Bishan Dass, son of Chander Bahn, Jullundur	..	8-8-60
118	Shri Jaimal Singh, son of Megh Singh, Village, Khalua	..	19-8-60
119	Shri Jaswant Singh, son of Boota Singh, Chandigarh	..	10-8-60
120	Shri Des Raj Gandhi Hoshiarpur	..	12-8-60
121	Shri Ram Rattan, son of Amin Chand, Village Chahoowal	..	18-8-60
122	Shri Bawa Ram, son of Chuni Lal, Amritsar	..	18-8-60
123	Shri Salahudin Malik M. A. Darul Masih, Qadian	..	26-8-60
124	M/s New Suraj Transport Co. Amritsar	..	31-8-60
125	Shri Jaimal Singh, son of Banta Singh, Ludhiana	..	31-8-60
126	Shri Dula Singh, son of Arjan Singh, Village Sammipur	..	31-8-60
127	M/s Northern India Transport Co-operative Society Hoshiarpur		3-9-60
128	Shri Ratti Ram, son of Gand Ram, Jullundur	..	3-9-60
129	M/s Northern India Goods Transport Society, Jullundur	..	5-9-60
130	Ditto		5-9-60
131	Shri Hari Singh, son of Jaimal Singh, Village Bahu Majra	..	5-9-60
132	Shri Sampuran Singh, son of Jaswant Singh, Baring	..	6-9-60
133	Shri Bhagat Singh, son of Ram Singh, Jullundur	..	6-9-60
134	Shri Hardip Singh B..A,LL.B., Jullundur	..	6-9-60
135	Shri Balbir Singh, son of Bhag Singh, Jullundur	..	6-9-60
136	Shri Raj Singh, son of Harnam Singh, Hoshiarpur	..	6-9-60
137	Shri Brijpal Singh, son of Mehtab Singh, Village Palampur	..	7-9-60
138	Shri Mohinder Singh, son of Natha Singh, Hoshiarpur	..	7-9-60
139	Giani Dhian Singh, Lal Quarter Ludhiana	..	9-9-60
140	Shri Chana Singh, sonof Ram Singh, Vilage Rampur Janjhowal	..	12-9-60
141	Shri Hari Chand, son of Pala Ram, Village Ballauani, district Kangra		12-9-60
142	Shri Gian Ram, son of Johri Ram, Village Mendwa district Hoshiarpur		13-9-60
143	Shri Mela Singh, son of Suba Singh, Ferozepur	..	14-9-60
144	Shri Thakur Singh, son of Naurang, Village Chamiara	..	14-9-60
145	Shri Dharam Singh, son of Balwant Singh, Ferozepur	..	15-9-60
146	Shri Hans Raj, Anot Amb	..	19-9-60
147	Shri Ajudhaya Dass, son of Munshi Ram, Village Dhadsali		19-9-60
148	Shri Sadhu Singh, son of Natha Singh, Village Pandori Biha	..	19-9-60
149	Shri Sardara Singh, son of Ram Singh, Jullundur	..	19-9-60
150	Shri Paras Ram, Hoshiarpur	..	20-960
151	Shri Tulsi Ram, son of Darshan Ram, Village Baharari	..	20-9-60
152	Shri Harbans Singh Mekha, Amritsar	..	21-9-60
153	Shri Sohan Lal Ahuja, Gali No. 12 Abohar	..	21-9-60
154	Shri Krishan Gopal, son of Budhu Ram, Jullundur	..	21-9-60

Serial No.	Name of pemrit-holder	Date of issue
155	Shri Amar Nath, son of Bakhshi Jai Ram, Amritsar ..	21-9-60
156	Shri Charanjit Singh, son of Ganda Singh, Jullundur Cantt ..	23-9-60
157	Shri Suraj Goods Carriers P. Ltd., Amritsar ..	24-9-60
158	Shri Ranjit Singh, son of Amrik Singh, Jullundur ..	26-9-60
159	Shri M/s Bhagat Singh, Sarwan Singh Hoshiarpur ..	26-9-60
160	Shri Putan Singh, son of Baggu Mal Jullundur ..	27-9-60
161	Shri New Jolly Goods Transport Co., Private Ltd., Amritsar ..	27-9-60
162	Shri Marchand Singh, son of Arjan Singh, Ferozepur ..	28-9-60
163	Shri Maharaj Krishan Mehta, Hoshiarpur ..	4-10-60
164	Shri Mehr Bakshi Ram, son of kehar Singh, Village Kriyam	4-10-60
165	Shri Iqbal Singh, son of Kehar Singh, Village Kiryam ..	4-10-60
166	Shri Harcharan Singh Jolly Amritsar ..	5-10-60
167	Shri Gurmukh Singh, son of Ditta Ram Village Bajwara Khurd ..	7-10-60
168	Shri M/s Krishen Dev Nanak Chand, Village Sanauran ..	10-10-60
169	Shri Northern India Co-operative Society, Jullundur ..	10-10-60
170	Shri M/s Roop Lal, Bhim Sain, Hoshiarpur ..	13-10-60
171	Smt. Amar Kaur, Julundur ..	17-10-60
172	Shri Banta Singh, son of Dya Singh, Village Katra Chucharui ..	18-10-60
173	Shri Darshan Singh, son of Gurdip Singh, Village Kahlon ..	18-10-60
174	Shri Sumand Singh, Hide Market Amritsar ..	18-10-60
175	Shri Amar Singh, Jathedar Village adhowal	21-10-60
176	Shri M/s Kangra Co-operative Transport Society Ltd., Kangra	21-10-60
177	Shri Gajinder Singh Gopal Singh, Village Thana	22-10-60
178	Shri Pritam Singh, son of Banta Singh, Ludhiana ..	24-10-60
179	Shri Darshan Singh, son of Ganesha Singh, Hoshiarpur ..	25-10-60
180	Shri Ram Singh, son of Avtar Singh, Village Kang ..	27-10-60
181	Shri Durlabh Singh, Jolly Amritsar	28-10-60
182	Shri M/s Jagat Singh Partap Singh Hoshiarpur ..	28-10-60
183	Shri Guran Ditta c/o Himalaya Transport Service Amritsar	7-11-60
184	Shri Gurdit Singh, son of Baiju Ram, Village Sehuni ..	2-11-60
185	Shri Chiranji Lal, Chopra Hamirpur ..	2-11-60
186	Shri Comrade Jaswant Singh, Hoshiarpur ..	2-11-60
187	Shri Bansi Lal, son of Laturai Ram, Hamirpur (Kangra) ..	7-11-60
188	Shri Bhan Singh, son of Uttam Singh, Amritsar ..	7-11-60
189	Smt. Pritam Kaur, w/of Karam Singh, Moga, Ferozepur ..	8-11-60
190	Shri Jaswant Singh, son of Sadhu Sigh, Jullundur ..	9-11-60
191	Shri Subh Ram, son of Mehtab Ram Kapurthala ..	9-11-60
192	S. Balwant Singh, son of Harnam Singh, Railway Road, Phagwara	9-11-60
193	S. Kartar Singh, son of Harnam Singh Banga, (Julundur) ..	10-11-60
194	Shri Lakhmi Singh, son of Harnam Singh, Banga (Jullundur)	10-11-60
195	Smt. Vishan Devei W/o Late Capt. Baldev Singh, Julludur	10-11-60
196	S. Amar Singh, son of Santa Singh Hoshiarpur ..	15-11-60
197	Shri Gopal Singh, son of Ganga Ram Ambala Cantt. ..	16-11-60
198	Shri Goverdhan Lal, son of Faquir Chand District Kangra ..	23-11-60
199	Shri Surjit Singh, son of Gurdial Singh, Jandiala District, Jullundur	23-11-60
200	Shri Harnam Singh, son of Naranjan Singh, Village Mand Hoshiarpur	23-11-60
201	M/s Durga Charan, Avtar Singh Jullundur ..	24-11-60
202	Shri Manta Singh, Tarn Taran, district Amritsar ..	25-11-60
203	Shri Jaswant Singh, son of Punjab Singh, Jullundur ..	25-11-60
204	Shri Hans Raj Sharma, son of Panju Ram, Hoshiarpur	25-11-60
205	Shri Bhagat Singh, son of Dogar Singh, Jullundur City ..	29-11-60
206	Shri Ram Nath, son of Narain Dass, Hoshiarpur	30-11-60
207	Shri Gurbax Singh, son of Ganda Singh, Hoshiarpur ..	3-11-60
208	Shri Faqir Chand Ex. M.L.A. Batala Road Amritsar ..	2-12-60
209	Shri Nathu Ram, son of Achru Ram, Palampur Kangra ..	6-12-60
210	Shri Dalbagh Singh, son of Sant Singh, Ludhiana ..	5-12-60
211	Shri Jagan Nath, son of Ram Dass, Batala, District Gurdaspur	6-12-60

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
212	Shri Santa Singh, son of Sawan Singh, tehsil Nakodar, district Jullundur ..	6-12-60
213	Shri G. C. Sehgal, son of Shankar Dass, Secretary, Punjab Motor Union, Punjab, Chandigarh ..	6-12-60
214	Shri Avtar Singh, son of Darbara Singh, Tarn Taran (Amritsar) ..	9-12-60
215	Shri Nika Ram, son of Dula Ram, village post office Muhal (Kangra)	9-12-60
216	Shri Pakhar Singh, son of Kabul Singh, Jullundur ..	13-12-60
217	Sud and Co., Ltd., Akhara Bazar, Kulu ..	20-12-60
218	Sud and Company, Akhara Bazar Kulu ..	20-12-60
219	Ditto	20-12-60
220	Ditto	20-12-60
221	Ditto	20-12-60
222	Smt. Satwant Kaur, daughter of Balwant Singh, Jullundur City ..	21-12-60
223	Shri Sant Ram, son of Phuman Ram Una, district Hoshiarpur	21-12-60
224	Shri Bal Raj, Sarpanch, village Palai, district Hoshiarpur	21-12-60
225	Shri Bal Krishan, son of Kanaya Ram, Amritsar ..	22-12-60
226	Shri Ranbir Dev, son of Jatha Nand, Amritsar ..	22-12-60
227	Shri Dhani Ram, son of Brij Lal, Hoshiarpur ..	23-12-60
228	S. Jiwan Singh Hoshiarpur ..	23-12-60
229	S. Jagdish Pal, son of M. L. Sapru, Ramnagar, Hoshiarpur	26-12-60
230	Shri Hari Ram, son of Mangat Rai, district Hoshiarpur	28-12-60
231	Shri Bhupinder Singh, son of Wazir Singh, Ludhiana ..	28-12-60
232	Doaba Co-operative Flour Mills, Hoshiarpur ..	23-12-60
233	Shri Mela Ram, son of Bhagwan Das, Hoshiarpur ..	9-1-61
234	Shri Sardari Lal, son of Mohan Lal Jain, Hoshiarpur ..	12-1-61
235	Shri Sunder Sham Kumar, Pathankot ..	13-1-61
236	Shri Hans Raj, son of Gokal Chand, Pathankot ..	13-1-61
237	Shri Ajudhaya Parkash, son of Saran Dqss, Pathankot ..	13-1-61
238	M/s Mangat Ram Mehar Chand, district Kangra ..	13-1-61
239	M/s Bhagirath Goods Transport Society, Kangra ..	13-1-61
240	Shri Partap Chand, son of Rakha Ram, district Kangra ..	13-1-61
241	Shri Chanan Singh, son of Labha Singh, Ferozepur ..	16-1-61
242	Seth Panchi Ram, district Kangra ..	17-1-61
243	Shri Parkasha Singh son of Basant Singh, Julundur ..	17-1-61
244	M/s Ram Lal Babu Ram, son of Sidhu Ram, Hamirpur ..	17-1-61
245	M/s Vishan Singh, Raghbir Singh, Hoshiarpur ..	17-1-61
246	Shri Kundan Lal, son of Labhoo Ram, Jullundur City ..	20-1-61
247	Shri Gurdhari Lal, son of Ganesh Dass (Kangra) ..	20-1-61
248	Shri Sadhoo Singh son of Khushi Singh, Ludhiana ..	25-1-61
249	Shri Ganpat Rai, son of Bugha Ram, Kangra ..	20-1-61
250	Shri Dalbagh Singh, son of Harnam Singh, Jullundur ..	20-1-61
251	Shri Rattan Singh, son of Shri Inder Singh, Hoshiarpur ..	23-1-61
252	Shri Mati Ram, son of Bali Ram, Pathankot ..	25-1-61
253	Shri Amrit Lal, district Hoshiarpur ..	20-1-61
254	Shri Kishan Singh, son of Mehtab Singh, Jullundur ..	27-1-61
255	Shri Mohan Lal, son of Sohan Lal, Jullundur City ..	23-1-61
256	Shri Samma Singh, son of Mal Singh, Political Sufferer, district Hoshiarpur	25-1-61
257	Kulu Goods Transport, Pathankot ..	25-1-61
258	Shri Prem Nath, son of Jyoti Parshad, Jullundur ..	25-1-61
259	Shri Gobind Ram, son of Devi Ditta Mal, Pathankot ..	27-1-61
260	Shri Khushi Ram, son of Ganga Ram Pathankot ..	31-1-61

TEMPORARY PERMITS FROM 1ST APRIL, 1959 TO 1ST DECEMBER, 1959

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
1	Shri Gurdev Singh, son of Naranjan Singh, Jullundur ..	
2	Shri Sohan Singh, Jullundur City	
3	Shri Banta Ram, son of Dasaundhi Ram, district Hoshiarpur	
4	Shri Sadhu Singh, son of Faqir Singh, Hoshiarpur	

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
5	Shri Puran Singh, son f Arjan Singh, Jullundur ..	
6	Shri Jagan Nath Sharma, son of Duni Chand, Kulu ..	
7	Shri Chanan Singh, son of Ram Singh, District Hoshiarpur ..	
8	Shri Chanan Singh, son of Ram Singh, district Hoshiarpur ..	
9	Shri Brijpal Singh, Palampur ..	

TEMPORARY PUBLIC CARRIERS PERMITS ISSUED FROM 1ST JANUARY 1960 TO 31ST JANUARY, 1961

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
1	Shri Thakar Singh, son af Naurang Singh, district Jullundur	15-1-60
2	Muktsar Janta Co-operative Transport Society, Ltd., Muktsar ..	11-2-60
3	Shri Ganga Ram and Smt. Banti Devi son and wd/o Late Shri Duni Chand, Harijan, V. P. Nagrota Bhagwan, district Kangra ..	11-3-60
4	Mandi Kulu Road Transport Corporation, Mandi ..	22-3-60
5	Ditto	22-3-60
6	Ditto	22-3-60
7	Ditto	22-3-60
8	Suraj Hill Co-operative Transport Society Ltd. (district Kangra) ..	1-4-60
9	New Suraj Transport Co. (P) Ltd., Amritsar ..	28-4-60
10	Shri Mehar Singh, son of Pritam Singh, district Hoshiarpur ..	29-4-60
11	Shri Rattan Chand Aggarwal son of Shri Karam Chand, Civil Lines Jullundur ..	20-5-60
12	Shri Hardip Singh, son of Harbans Singh, Jullundur ..	6-5-60
13	Shri Balbir Singh, son of Bhag Singh, Jullundur ..	6-5-60
14	Shri Bhura Ram, son of Sunder Ram, district Kangra ..	15-4-60
15	Shri Ajudhya Dass, son of Munshi Ram, village and post office Bhadsali (Hoshiarpur) ..	6-5-60
16	Shri Inder Jit Singh, son of Chet Ram, c/o Krishan Chand	12-5-60
17	Shri Banta Singh, son of Daya Singh, district Ludhiana ..	12-5-60
18	Shri Resham Singh, son of Rulia Singh, district Hoshiarpur	12-5-60
19	Shri Bawa Singh, son of Inder Singh, Model Town, Hoshiarpur	12-5-60
20	Shri Harcharan Singh, son of Malik Ram, Amritsar ..	12-5-60
21	Shri Gian Chand, son of Rala Ram, district Amritsar ..	16-5-60
22	Shri Sohan Lal, son of Shri Jaimla Ram, Gali No. 12, Abohar, District Ferozepur ..	17-5-60
23	Shri Hari Chand, son of Shri Pala Ram, district Kangra	17-5-60
24	Shri Mohinder Singh, son of Natha Singh, Sabzi Mandi, Hoshiarpur	17-5-60
25	Shri Narain Dass, son of Tirath Ram, district Kangra ..	17-5-60
26	Shri Darshan Singh, son of Arjan Singh, Hoshiarpur ..	18-5-60
27	Shri Sant Ram, son of Phuman Ram, district Hoshairpur	18-5-60
28	Shri Asa Ram, son of Brij Lal, Jullundur ..	19-5-60
29	Shri Harbans Singh, son of Kahan Singh, Amritsar ..	23-5-60
30	Shri Sat Pal, son of Gian Chand, district Amritsar ..	23-5-60
31	Giani Dhian Singh, son of Hari Singh, Railway Road, Ludhiana ..	23-5-60
32	Shri Sadhu Singh, son of Natha Singh, district Hoshiarpur	25-5-60
33	Suraj Goads Carrier (P) Ltd., Amritsar ..	25-5-60
34	Shri Dula Singh, son of Arjan Singh, district Jullundur ..	25-5-60
35	Shri Harbans Lal, son of Shri Mohan Lal, District Jullundur	26-5-60
36	Shri Kundan Lal, son of Shri Malik Chand, Nangal Township ..	26-5-61
37	M/s Pritam Singh Charan Singh, Ludhiana ..	26-5-61
38	Shri Ajit Singh, son of Banta Singh, village and post office Nakodar, Jullundur ..	3-6-60
39	M/s Basant Singh, Mohinder Singh, Ludhiana ..	4-6-60
40	Shri Shadi Singh, son of Chanda Singh, district Ludhiana ..	6-6-60
41	M/s Roop Lal Bhim Sain, sons of Shri Nahithe Ram, Hoshiarpur ..	7-6-60
42	Shri Amar Nath, son of Shri Rahgu Ram, district Hoshiarpur	7-6-60
43	M/s Bhagat Singh Sarwan Singh Hoshiarpur ..	7-6-60

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name of permit-holder	Date of issue
44	Shri Jagdish Chander, son of Shri Amri Chand, Banga, Jullundur ..	7-6-60
45	Shri Karam Singh, son of Bakhtawar Singh, Moga ..	8-6-60
46	M/s Dhian Sagar Amrit Sagar, Moga ..	8-6-60
47	Shri Surjit Singh, son of Puran Singh, Moga ..	8-6-60
48	M/s Nazir Singh Bachan Singh Moga ..	8-6-60
49	Shri Lop Singh, son of Sahan, Dharamsala, district Kangra	9-6-60
50	Shri Gurbachan Singh, son of Milik Ram Jully, Amritsar ..	11-6-60
51	Shri Chanan Singh, son of Tajinder Singh, district Hoshiarpur	11-6-60
52	Shri Bhulla Singh, son of Shri Rulia Singh, district Jullundur ..	11-6-60
53	Shri Dina Nath, son of Sunder Dass District Kangra ..	14-6-60
54	Gandian Transport Co. (P) Ltd., Jullundur ..	14-6-60
55	Shri Kulwant Singh, son of Mehar Singh c/o Chadha Motor Transport, Jullundur ..	17-6-60
56	Shri Gindhara Singh, son of Midda Singh, Ludhiana ..	17-5-60
57	Shri Balwant Singh, son of Sher Singh, Model Town, Ludhiana ..	17-6-60
58	Candian Transport (P) Ltd., Jullundur ..	17-6-60
59	M/s Lachman Singh Inder Singh, Model Town Ludhiana	18-6-60
60	M/s Makhan Singh and Sons, Model Town, Ludhiana	18-6-60
61	Shri Dharambir , son of Ram Ditta Mal, district Ferozepur	20-6-60
62	Shri Hans Raj, son of Munsha Singh, General Lorry Stand, district Hoshiarpur ..	21-5-60
63	Northern India Co-op. Transport Society, Jullundur ..	21-6-60
64	M/s Gian Chand Shukal Chand, sons of Banarsi Dass, Hoshiarpur ..	21-6-60
65	M/s Joginder Singh Bhagat Singh, Ludhiana ..	22-6-60
66	Shri Stinder Pal Singh, son of Pritam Singh, Ludhiana ..	22-6-60
67	Shri Avtar Singh Bhagwan Singh, Jullundur City ..	22-6-60
68	Shri Dilbagh Singh, son of Sant Singh, Model Town, Ludhiana	22-6-60
69	Shri Faqir Chand, ex-M.L.A., son of Pt. Ram Chand Batala Road, Amritsar ..	27-6-60
70	The Sud and Co. Dalhousie Road, Pathankot ..	28-6-60
71	Shri Krishan Lal, son of Shri Tiharu Ram, district Kangra ..	28-6-60
72	Shri Harjinder Singh, son of Shti Kalwat Singh Ferozepur ..	28-6-60
73	Shri Hari Singh, son of Shri Kartar Singh district Ferozepur	28-6-60
74	Shri Amar Singh, son of Bachan Singh, Moga district Ferozepur	28-6-60
75	Shri Kartar Singh, son of Dhana Singh, district Hoshiarpur ..	28-6-60
76	M/s Ram Parksh Ramesh Pal, Moh. Jagat Pur, Hoshiarpur	28-6-60
77	Shri Bal Krishan, son of Khaneya Ram, Amritasr ..	28-6-60
78	M/s Gurnam Singh Gurchait Singh, district Ludhiana ..	30-6-60
79	The Allied Traders and Transport Association, Afgan Road, Hoshiarpur	21-6-60
80	M/s Sud and Co., Kulu ..	2-7-60
81	Shri Mehar Singh Harnam Singh, Jullundur ..	2-7-60
82	M/s Ajit Singh Pritam Singh, sons of Labh Singh, district Hoshiarpur	2-7-60
83	Shri Mool Raj, son of Beli Ram, Batala ..	2-6-60
84	Shri Braham Prakash, son of Amin Chand, Jullundur	2-7-60
85	Shri Gian Singh, son of Avtar Singh, Adarash Nagar, Jullundur City	2-7-60
86	Shri Kulwant Rai, son of Amin Chand, Kapurthala Road, Jullundur ..	2-1-60
87	Shri Karam Singh, son of Ghanaya Singh, Hoshiarpur ..	2-1-60
88	Smt. Bishan Devi, w/o Late Capt. Baldev Singh, Hoshiarpur	2-7-60
89	M/s Beant Singh and Co. Amritsar ..	2-7-60
90	Shri Mohan Singh, son of Avtar Singh, Jullundur City ..	4-7-60
91	M/s Joginder Singh Gurminder Pal Kaur, Deep Nagar, Ludhiana ..	4-7-60

COAL FOR THE STATE

***6546. Sardar Atma Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state whether the Deputy Minister for Civil Supplies, Punjab, visited Delhi recently to meet the Railway authorities for making available wagons for bringing more coal into the State ; if so, on what date and the result of this meeting?

Shri Banarsi Dass Gupta (Deputy Minister) : Yes. The Deputy Minister for Food and Supplies, Punjab, visited Delhi on 10th June, 1960 and stressed on the Railway Minister the difficulties of the State due to poor despatches of coal attributed to the low wagons offerings. The Minister for Railways assured him that railways would do their best to increase the wagon offerings.

ਸਰਦਾਰ ਹਰਗੁਰਅਨਾਦ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਇਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿੱਚ ਕੋਇਲੇ ਦੀ shortage ਹੈ ?

ਉਪ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਜੀ ਹਾਂ, shortage ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਹਰਗੁਰਅਨਾਦ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਖਲੀਆਂ wagons ਕੋਇਲਾ ਢੋਣ ਵਾਸਤੇ ਮਿਲ ਗਈਆਂ ਹਨ ?

ਉਪ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਨਹੀਂ ਜੀ, ਅਜੇ ਬਹੁਤੀਆਂ ਨਹੀਂ ਪਰ ਕੁਝ wagons ਹੀ ਮਿਲ ਸਕੀਆਂ ਹਨ ।

STATE TRADING IN WHEAT AND SUGAR

***6547. Sardar Atma Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the total income derived from and the total expenditure incurred on State Trading in wheat and sugar separately by Government during the year 1959-60 and the current year ;

(b) the total profits earned by Government in the case of each commodity mentioned above?

Shri Banarsi Dass Gupta (Deputy Minister) : A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

WHEAT

	Year		*Income*	*Expenditure*
(a)	1959-60	..	Rs 7,57,96,950	Rs 7,55,18,438
	1960-61	..	The Income and Expenditure Accounts of the Scheme are compiled after the close of the financial year. The accounts for 1960-61 will be available by the end of July, 1961, after the closing of accounts for March, 1961 (Supplementary) in the Accountant-General's Office	
(b)	1959-60	..	Rs 2,78,512	(Profit)
	1960-61	..	The amount can be determined only after the Profit and Loss Account has been prepared	

SUGAR

(a) There is no State Trading in sugar in the State. Sugar is being sold under controlled distribution scheme.

(b) Does not arise in view of (a) above under sugar.

CONTRIBUTION OF LUDHIANA MUNICIPALITY TOWARDS CONSTRUCTION OF RAILWAY CROSSING BRIDGE IN MILLER-GUNJ

*6996. **Shri Harbhagwan Maudgil** : Will the Minister for Industries be pleased to state whether the Ludhiana Municipality has received a demand from the Government for contribution of funds for the construction of a bridge over the railway line in Millerganj; if so, the amount for which demand has been made and the amount contributed by the Municipal Committee ?

Shri Yashwant Rai (Deputy Minister) : *Part I.*—Yes.

Part II.—Rs 3.27 lakhs.
The Municipal Committee has accepted to contribute the amount.

श्री बलराम दास टण्डन : क्या वज़ीर साहिब बतायेंगे कि यह crossing bridge कब तक मुकम्मल हो जायेगा ?

उप मंत्री : अभी तक तो plan बनी है, अभी इस के मुतअल्लिक कुछ नहीं कहा जा सकता ।

EMPLOYEES OF THE REHABILITATION DEPARTMENT

*6952. **Shri Ram Chandra Comrade** : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether there are any employees of the Government in the Rehabilitation Department ; if so, the number of those working on the urban and rural sides, separately ;

(b) whether any employees mentioned in part (a) above are proposed to be transferred to other departments ; if so, their number?

Shri Yashwant Rai (Deputy Minister) : (a) Yes.

Urban	*Rural*
390	842

(b) It has been decided to absorb all those who are eligible and qualified as and when they can be spared.

IMPROVEMENT OF EDUCATIONAL QUALIFICATION BY TEACHERS IN THE STATE

*6545. **Sardar Atma Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the names of teachers in various Government Schools in the State, districtwise, who have improved their educational qualifications by passing higher examinations during 1958-59, 1959-60, and the current year ;

(b) whether there is any proposal under the consideration of Government to allow advance increments to teachers mentioned in part (a) above ; if so, the details thereof and the names of those teachers who have so far been given advance increments ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a) The time and labour involved in collecting this information will not be commensurate with its utility.

(b) At present masters working in the Department, who improve/have improved their educational qualifications are granted advance increments as under :—

Category of Personnel	Nature of improved qualifications	Extent of advance increments
Masters (Rs 110—8—190/10—250)	M.A./M.Sc./M.Ed. (3rd Division)	2 increments
	M.A./M.Sc./M.Ed. (1st or 2nd Division)	3 increments

The question of grant of advance increments to teachers is still under consideration. The names of teachers who have been benefited by this concession cannot be given in view of (a) above.

CASES OF THEFT OF ELECTRIC ENERGY, WIRES, ETC.

***6591. Maulvi Abdul Ghani Dar :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the total number of cases of stealing electric energy and electric wires and misappropriation of electrical material which were registered in the State, during the period from 1952 to 1960, and the number of cases in which punishment was awarded ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) :

	Total No. of cases registered from 1952 *to* 1960	*No. of cases in which punishment was awarded*
(a) Cases of stealing electric energy ..	21	6
(b) Cases of stealing the electric wires ..	220	13
(c) Cases of misappropriation of electrical material ..	5	3
Total ..	246	22

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : डिप्टी मिनिस्टर साहिब ने बताया है कि 246 cases में से सिर्फ 22 cases में सज़ा दी गई। बाकियों के रिहा हो जाने का क्या कारण है ?

सिंचाई मंत्री : अदालत के कामों में सरकार दखल नहीं देती।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि अदालतों, के काम में सरकार दखल नहीं देती लेकिन जब 246 cases में सिर्फ 22 आदमियों को सज़ा दी गई तो क्या बाकी के cases में गवाह मिल गये थे या मुकद्दमा चलाने वाले मिल गये थे ?

मंत्री : इस में जो दिक्कतें पेश आती हैं उन को शायद माननीय मैम्बर appreciate नहीं करते। अगर 14,500 मील लम्बी बिजली की लाइन में से कोई आदमी तार काट लेता है तो बड़ी मुश्किल हो जाती है। ऐसी चोरी को trace करना बहुत कम cases में possible होता है। दूसरे इन cases में मौके का गवाह नहीं मिलता।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि 14,500 मील लम्बी लाइन में चोरी के cases को trace out करना बहुत मुश्किल होता है तो मैं उन से दरियाफ्त करना चाहता हूं कि Irrigation and Power का महकमा case बनाता है या पुलिस का महकमा ?

मंत्री : ऐसे cases पहले महकमे के नोटिस में आते हैं वह फौरन तहकीकात कर के information ले कर पुलिस में cases register कराता है। पुलिस case register कर के उस का चालान अदालत में पेश करती है।

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : जब पुलिस किसी केस का चालान करती है तो इस का पता तो चीफ मिनिस्टर साहिब को होना चाहिये।

मंत्री : चूंकि आप ने सवाल मुझ से पूछा है इसलिये मैं ने जवाब दे दिया है।

BUSES PURCHASED BY GOVERNMENT

*6592. **Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the total number of buses purchased by Government for the Punjab Roadways during 1959 and 1960 and the number of Dodges among them ?

Rao Birendra Singh :

	Total No. of Chassis purchased	*No. of Dodges*
1959 ..	91	24
1960 ..	205	61

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : क्या Minister साहिब बतायेंगे कि जब Leyland गाड़ी पर 11.7 नए पैसे फी मील खर्च आता है और Dodge पर 15.3 np. per mile खर्च आता है तो फिर Dodge गाड़ियां क्यों खरीदी जा रही हैं ?

श्री अध्यक्ष : यह सवाल कई दफा पहले भी पूछा जा चुका है । इस लिये अब छोड़िए इसे । I am sorry I cannot allow this supplementary question. (This question has been asked many a time before this. I would request the hon. Member to leave it now.) (*Interruption*)

Mr. Speaker : I am sorry, I cannot allow this supplementary question.

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब स्पीकर साहिब, ज्यों ज्यों हम सवाल करते हैं Government बड़ी तेज़ी के साथ Dodge और Fargo मोटरें खरीदती जा रही है । क्या मैं जान सकता हूं इस की क्या वजह है ?

मंत्री : स्पीकर साहिब, आज कल transport की nationalization हो रही है इसलिये गाड़ियों की तादाद बढ़ती जा रही है । बाकी कई depots ऐसे हैं जिन में सारी की सारी Dodge गाड़ियां इस्तेमाल होती हैं और कई ऐसे हैं जहां Fargo मोटरें इस्तेमाल होती हैं । इसलिये वहां पर उसी किस्म की और गाड़ियां लाई जाती हैं ताकि उन की repair और spare parts वग़ैरह का आसानी से इन्तज़ाम हो सके । इन बातों को मद्देनज़र रखते हुए हम ने वह गाड़ियां खरीदी हैं ।

श्री प्रबोध चन्द्र : क्या यह अमर वाक्या नहीं कि पहले जहां पर Leyland और Mercedese मोटरें चलतीं थीं वहां पर अब Dodge गाड़ियां खरीदी गई हैं ।?

मंत्री : नहीं जी ।

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

DEVELOPMENT BLOCKS IN AMRITSAR DISTRICT

3450. Shri Balram Das Tandon : Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) the total number and names of the Development Blocks in Amritsar District, the date when each of them was set up and the place where the headquarters of each are located ;

(b) the names of Block Development Officers posted in the Blocks mentioned in part (a) above and the date when each of them was posted there ;

(c) the names and addresses of the members of the staff of each of the said blocks and the date of posting of each therein ?

Sardar Gurbanta Singh : (a)

Serial No.	Name of the Block	Date of starting	Head-quarters
1	Lopoke	2nd October, 1959	Lopoke
2	Naushehra Pannuan	1st April, 1956	Naushehra Pannuan
3	Tarn Taran	2nd October, 1953	Tarn Taran
4	Khadur Sahib	1st April, 1957	Khadur Sahib
5	Chola Sahib	1st April, 1957	Chola Sahib
6	Bhikhiwind	2nd October, 1957	Bhikhiwind
7	Patti	2nd October, 1957	Patti
8	Ajnala	2nd October, 1959	Ajnala
9	Valtoha	1st April, 1959	Valtoha

[Minister for Community Development]

(b)

Serial No.	Name of Block	Name of B. D. O.	Date of posting
1	Lopoke ..	Gurbir Singh ..	24th October, 1960
2	Naushehra Pannuan	Jagir Singh Gill	16th June, 1958
3	Tarn Taran ..	Attar Singh	26th December, 1958
4	Khadur Sahib ..	Avtar Singh Daler ..	18th July, 1957
5	Chola Sahib ..	Sadhu Singh Gill	7th May, 1959
6	Bhikhiwind ..	Hukam Singh Chahl ..	8th August, 1960
7	Patti ..	Block vacant since 22nd February, 1961, charge with the Extension Officer	
8	Ajnala ..	Gopal Singh ..	24th December, 1959
9	Valtoha ..	Maharaj Lal Naher ..	26th April, 1960

(c)

Serial No.	Name of Official	Designation	Date of posting
	1. LOPOKE BLOCK		
1	Shri Gurcharan Singh	Progress Assistant ..	9th January, 1961
2	Shrimati Amarjit Kaur	Mukhiya Sevika ..	16th January, 1961
3	Shri Babu Singh ..	S.E. & P.O. ..	28th December, 1960
4	Shri Kuldip Singh ..	Accountant ..	8th November, 1960
5	Shri Tilak Raj ..	Clerk ..	3rd February, 1960
6	Shri Jagjit Singh ..	Overseer ..	26th December, 1960
7	Shri Kidar Nath ..	Steno-typist	Ditto
8	Shri Harbans Lal ..	Peon	12th March, 1960
9	Shri Mohan Singh ..	Village Level Worker	15th February, 1960
10	Shri Swarn Dass ..	Ditto	Ditto
11	Shri Amrik Singh ..	Ditto	18th June, 1960
12	Shri Jagdev Singh ..	Ditto	November, 1960
13	Shri Gurbakhsh Singh	Ditto	December, 1960
14	Shri Ajit Singh ..	Ditto	Ditto
15	Shri Swarn Singh ..	Ditto	Ditto
	2. NAUSHEHRA PANNUAN BLOCK		
1	Shrimati Harbans Kaur Gill	Mukhiya Sevika ..	10th July, 1956

Serial No.	Name of Official	Designation	Date of posting
2	Shri Puran Chand Sharma	S.E.P.O. ..	15th June, 1960
3	Shri N. Francis ..	Driver ..	19th July, 1957
4	Shri Hari Parkash ..	Accountant ..	12th November, 1959
5	Shri Jarnail Singh ..	Clerk ..	29th January, 1959
6	Shri Amarjit Singh ..	Overseer ..	10th June, 1957
7	Shri Mittar Pal ..	Steno-typist ..	29th August, 1957
8	Shrimati Surjit Kaur ..	Gram Sevika ..	20th December, 1958
9	Shrimati Harwant Kaur	Ditto	October, 1960
10	Shri Niranjan Singh ..	Village Level Worker	27th March, 1956
11	Shri Sadhu Singh ..	Ditto	Not available
12	Shri Kandhara Singh ..	Ditto	2nd October, 1958
13	Shri Ajaib Singh ..	Ditto	2nd October, 1958
14	Shri Mehnga Singh ..	Ditto	19th May, 1958
15	Shri Piara Singh ..	Ditto	23rd March, 1956
16	Shri Bachittar Singh ..	Ditto	27th March, 1956
17	Shri Dalip Singh ..	Ditto	October, 1959
18	Shri Harbir Singh ..	Ditto	28th March, 1956
19	Shri Darshan Singh ..	Ditto	November, 1960
20	Shri Harbhajan Singh	Peon ..	7th March, 1957
21	Shri Amar Nath ..	Do	1st August, 1956
		3. TARN TARAN BLOCK	
1	Shrimati Virinder Kaur	Mukhiya Sevika ..	25th December, 1960
2	Shri Hans Raj ..	S.E.P.O. ..	15th June, 1958
3	Shri Chanan Ram ..	Accountant ..	8th February, 1957
4	Shri Gurbakhsh Singh	Clerk ..	24th January, 1959
5	Shri Manohar Lal ..	Overseer ..	2nd April, 1960
6	Shri Madan Lal Arora	Steno-typist ..	31st December, 1956
7	Shri Ujjagar Singh ..	Driver ..	March, 1954
8	Shrimati Sumitra Devi	Gram Sevika ..	July, 1960
9	Shri Dalip Singh ..	Cinema Operator ..	28th October, 1960
10	Shri Karnail Singh ..	Village Level Worker	25th July, 1956
11	Shri Joginder Singh ..	Ditto	6th July, 1954
12	Shri Ajit Singh ..	Ditto	1st August, 1959

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Official	Designation	Date of posting
13	Shri Rachpal Singh ..	Village Level Worker	1st May, 1958
14	Shri Hardit Singh ..	Ditto	11th June, 1955
15	Shri Hardial Singh ..	Ditto	19th March, 1960
16	Shri Ajit Singh ..	Ditto	9th June, 1958
17	Shri Gurdial Singh ..	Ditto	5th May, 1959
18	Shri Kuldip Singh ..	Ditto	7th April, 1958
19	Shri Gopal Singh ..	Ditto	22nd July, 1957
20	Shri Dalip Singh ..	Peon ..	18th January, 1960
21	Shri Parkash Chand ..	Do.	Ditto
	4. KHADUR SAHIB BLOCK		
1	Shri Rajinder Singh ..	Progress Assistant ..	29th November, 1960
2	Shrimati Surinder Kaur	Mukhya Sevika ..	16th July, 1957
3	Shri Pyara Singh ..	S.E.P.O. ..	15th October, 1960
4	Shri Thakar Dass ..	Accountant ..	26th December, 1958
5	Shri Hari Singh ..	Clerk ..	27th January, 1959
6	Shri Dalip Singh ..	Overseer ..	14th April, 1960
7	Shri Charanjit Singh ..	Steno-typist ..	30th May, 1958
8	Shri Anokh Singh ..	Driver ..	16th September, 1957
9	Shrimati Balwant Kaur	Gram Sevika ..	23rd May, 1959
10	Shrimati Kamla Devi ..	Ditto	July, 1960
11	Shri Autar Singh ..	Village Level Worker ..	3rd May, 1957
12	Shri Tirlok Singh ..	Ditto	13th May, 1957
13	Shri Kartar Singh ..	Ditto	20th June, 1958
14	Shri Gurmukh Singh ..	Ditto	4th May, 1957
15	Shri Tara Singh ..	Ditto	25th May, 1957
16	Shri Bikramjit Singh ..	Ditto	30th January, 1959
17	Shri Bhagwant Singh ..	Ditto	23rd May, 1958
18	Shri Piara Singh ..	Ditto	27th June, 1960
19	Shri Gulzar Singh ..	Ditto	4th May, 1957
20	Shri Gulzar Singh ..	Ditto	7th August, 1959
21	Shri Tara Singh ..	Peon ..	10th January, 1959

Serial No.	Name of Official	Designation	Date of posting
	5. CHOLA SAHIB BLOCK		
1	Shri Karam Singh ..	Progress Assistant ..	2nd June, 1960
2	Shrimati Premkanta Sud	Mukhya Sevika ..	20th December, 1957
3	Shri Shingara Singh ..	S.E.P.O. ..	10th November, 1959
4	Shri Sharam Singh ..	Accountant ..	12th February, 1958
5	Shri Bhagwati Charan	Clerk ..	27th January, 1959
6	Shri Mohan Singh ..	Overseer ..	18th July, 1960
7	Shri Sudarshan Kumar	Steno-typist ..	17th October, 1960
8	Shri Charan Singh ..	Driver ..	19th July, 1957
9	Shrimati Sudesh Chopra	Gram Sevika ..	4th April, 1959
10	Shrimati Satwant Kaur	Ditto	July, 1960
11	Shri Bhajan Singh ..	Village Level Worker ..	13th May, 1957
12	Shri Gian Singh ..	Ditto	October, 1960
13	Shri Amar Singh ..	Ditto	3rd May, 1957
14	Shri Des Raj ..	Ditto	6th May, 1957
15	Shri Autar Singh ..	Ditto	6th April, 1957
16	Shri Mukhtiar Singh ..	Ditto	16th December, 1958
17	Shri Kundan Singh ..	Ditto	15th May, 1957
18	Shri Hardip Singh ..	Ditto	12th June, 1957
19	Shri Gurbax Singh ..	Ditto	17th May, 1957
20	Shri Balkar Singh ..	Ditto	14th May, 1957
21	Shri Dhian Chand ..	Peon ..	4th October, 1957
22	Shri Manohar Lal ..	Ditto	13th January, 1959
	6. BHIKHIWIND BLOCK		
1	Shri Iqbal Singh ..	Progress Assistant ..	3rd June, 1960
2	Shrimati Joginder Kaur	Mukhya Sevika ..	22nd July, 1958
3	Shri Gyan Singh Tung	S.E.P.O. ..	6th November, 1959
4	Shri Mohinder Lal ..	Accountant ..	21st June, 1960
5	Shri Lajpal Singh ..	Clerk ..	11th March, 1959
6	Shri S. K. Kainth ..	Overseer ..	20th September, 1960
7	Shri Sudarshan Lal ..	Steno-typist ..	7th November, 1960
8	Shri Gurbachan Singh	Driver ..	23rd June, 1958

[Minister for Community Development]

Serial No.	Name of Official	Designation	Date of posting
9	Shrimati Amarjit Kaur	Gram Sevika ..	July, 1960
10	Shrimati Sachdev Kaur	Ditto	October, 1960
11	Shri Ranjit Singh ..	Village Level Worker ..	25th October, 1957
12	Satpal Singh ..	Ditto	18th October, 1957
13	Gurmej Singh ..	Ditto	5th November, 1957
14	Shri Harsaran Singh ..	Ditto	15th February, 1960
15	Shri Shivraj Singh ..	Ditto	16th November, 1957
16	Shri Pritam Singh ..	Ditto	18th November, 1957
17	Shri Balwant Singh ..	Ditto	18th November, 1957
18	Shri Savinder Singh ..	Ditto	8th October, 1959
19	Shri Ajaib Singh ..	Ditto	23rd September, 1959
20	Shri Sant Singh ..	Peon ..	9th October, 1957
21	Shri Shidev Singh ..	Do	6th October, 1957
		7. PATTI BLOCK	
1	Shri Lekh Raj ..	Progress Assistant ..	29th December, 1960
2	Shrimati Uppkar Sandhu	Mukhya Sevika ..	7th January, 1959
3	Shri Sukhdev Singh ..	S.E.P.O. ..	15th September, 1960
4	Shri Nawal Kishore Modi	Accountant ..	24th November, 1959
5	Shri Sant Singh ..	Clerk ..	24th January, 1959
6	Shri S.S.S. Tuli ..	Overseer ..	22nd September, 1960
7	Shri Ved Parkash ..	Steno-typist ..	8th February, 1958
8	Shrimati Surinder Kaur	Gram Sevika ..	July, 1960
9	Shrimati Rumesh Chopra	Ditto	October, 1960
10	Shri Gurdial Singh ..	Village Level Worker ..	18th October, 1957
11	Shri Gital Lal ..	Ditto	28th October, 1957
12	Shri Gurbachan Singh	Ditto	15th October, 1958
13	Shri Gurdip Singh ..	Ditto	20th November, 1959
14	Shri Gurbax Singh ..	Ditto	17th August, 1959
15	Shri Tara Singh ..	Ditto	10th October, 1959
16	Shri Mehar Singh ..	Ditto	1st November, 1958
17	Shri Amar Singh ..	Ditto	8th March, 1960
18	Shri Hira Singh ..	Ditto	30th October, 1957
19	Shri Bhag Singh ..	Ditto	December, 1960

Serial No.	Name of Official	Designation	Date of posting
20	Shri Ajit Singh ..	Driver ..	8th February, 1960
21	Shri Puran Chand ..	Peon ..	18th April, 1960
22	Shri Baldev Raj ..	Do	18th April, 1960
23	Shri Tek Singh ..	Cinema Operator ..	21st February, 1961
		8. AJNALA BLOCK	
1	Shri Kashmir Singh ..	Progress Assistant ..	3rd December, 1960
2	Shrimati Bimla Arora	Mukhya Sevika ..	3rd February, 1961
3	Shri Sohan Singh ..	S.E.P.O. ..	15th June, 1960
4	Shri Manohar Lal ..	Accountant ..	27th June, 1960
5	Shri Gurmit Singh ..	Clerk ..	24th May, 1960
6	Shri Davinder Lal ..	Overseer ..	11th May, 1960
7	Shrimati Amarjit Kaur	Gram Sevika ..	October, 1960
8	Shrimati Santosh Kumari	Ditto	October, 1960
9	Shri Major Singh ..	Village Level Worker ..	8th January, 1960
10	Shri Joginder Singh ..	Ditto	19th November, 1959
11	Shri Jarnail Singh ..	Ditto	9th February, 1960
12	Shri Kishan Chand ..	Ditto	25th January, 1960
13	Shri Nirmal Singh ..	Ditto	2nd February, 1960
14	Shri Sat Pal ..	Ditto	17th January, 1959
15	Shri Joginder Singh ..	Ditto	17th January, 1959
16	Shri Jagjit Singh ..	Ditto	November, 1960
17	Shri Didar Singh ..	Ditto	November, 1960
		9. VALTOHA BLOCK	
1	Shri Jaga Singh ..	Progress Assistant ..	23rd November, 1960
2	Shrimati Ishwar Devi ..	Mukhya Sevika ..	3rd March, 1961
3	Shri Harbhajan Singh	S.E.P.O. ..	15th June, 1960
4	Shri Raj Kumar Sodhi	Clerk ..	12th October, 1959
5	Shri Sudarshan Lal ..	Overseer ..	20th May, 1960
6	Shri Madan Lal ..	Steno-typist ..	December, 1960
7	Shrimati Parsani Devi	Gram Sevika ..	October, 1960
8	Shri Kirti Chand ..	Village Level Worker ..	26th June, 1959
9	Shri Manohar Singh ..	Ditto	23rd June, 1959
10	Shri Tarlok Singh ..	Ditto	21st September, 1959
11	Shri Jaswant Singh ..	Ditto	21st September, 1959
12	Shri Kartar Singh ..	Ditto	6th October, 1959

ADDITIONAL MILEAGE OF METALLED ROADS DURING SECOND FIVE-YEAR PLAN PERIOD

3451. Chaudhri Sadhu Ram : Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) the total additional mileage of roads proposed to be metalled in the State, during the Second Five-Year Plan, district-wise ;

(b) the total additional mileage metalled up-to-date district-wise ?

Chaudhri Suraj Mal : A statement showing the information asked for is enclosed.

Statement showing mileage proposed to be metalled during II Plan period and targets actually achieved up to 31st December, 1960

Serial No.	Name of District	Mileage proposed during 2nd Plan (State Plan)	MILEAGE METALLED DURING 2ND PLAN (UP TO 31ST DECEMBER, 1960)		
			State Plan Schemes	Other than State Plan	Total
1	2	3	4	5	6
1	Gurgaon ..	57.00	131.36	56.67	188.03
2	Rohtak ..	49.50	17.66	48.96	66.62
3	Hissar ..	156.00	269.76	53.46	323.22
4	Karnal ..	58.00	134.49	52.20	186.69
5	Ambala ..	66.50	57.26	23.32	80.58
6	Ludhiana ..	89.00	49.29	9.32	58.61
7	Ferozepur ..	126.00	115.07	65.34	180.41
8	Jullundur ..	36.00	48.38	37.97	86.35
	Hoshiarpur ..	52.50	48.72	24.59	73.31
10	Amritsar ..	73.50	33.23	19.31	52.54
11	Gurdaspur ..	87.00	26.69	8.09	34.78
12	Kangra ..	119.00	16.59 (4.75 U.M.)	26.33 (3.50 U.M.)	42.92 (8.25 U.M.)
13	Simla ..	..	..	..	..
14	Patiala ..	126.00	31.83	13.58	45.41
15	Sangrur ..	131.00	94.27	56.38	150.65
16	Bhatinda ..	88.00	60.58	65.82	126.40
17	Kapurthala ..	28.00	23.43	1.75	25.18
18	Mohindergarh ..	79.00	69.00	21.77	90.77
	Total ..	1,422.00	1,227.61 (4.75 U.M.)	584.86 (3.50 U.M.)	1,812.47 (8.25 U.M.)

1. These figures include improvements to 136 miles.
2. Mileage as shown under column 5 has been built under the approved programmes of Inter-State Roads and C.R.F., etc., for which the targets for the specific period covered by II Plan were not fixed.

PILOT PROJECTS FOR THE DEVELOPMENT OF COTTAGE INDUSTRY

3455. Chaudhri Sadhu Ram : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the number of Blocks in the State where pilot projects for the development of cottage industries have been started ;

(b) the number and names of blocks mentioned in part (a) above which are situated in the backward areas ?

Shri Mohan Lal : (a)—

Name of the Pilot Project	Number of blocks	Name of Blocks
Dhuri-Malerkotla ..	4	Dhuri, Malerkotla Ahmedgarh and Doraha
Batala ..	3 ..	Sirihargobindpur, Batala and Dera Baba Nanak

(b) *Nil.* However, only a small portion of Dera Baba Nanak Block of Industrial Pilot Project, Batala, lying between Sakki Nalah (Kiran Nalah) and River Ravi has been declared as Backward Area.

AVERAGE PER CAPITA INCOME IN DEVELOPMENT BLOCKS

3456. Chaudhri Sadhu Ram : Will the Minister for Community Development be pleased to state the average per capita income in each Development Block in the State when the blocks were opened and the annual increase in such income up to 31st March, 1960 ?

Sardar Gurbanata Singh : The information is not available with Government. The labour, expense and time involved in collecting it will not be commensurate with the utility of the results obtained.

AVERAGE PER CAPITA INCOME DURING PLAN PERIODS

3457. Chaudhri Sadhu Ram : Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) the average per capita income tehsil-wise, in the State in 1951 at the commencement of the Ist Five-Year Plan ;

(b) the percentage of increase in average per capita income during the Ist and 2nd Five-Year Plans separately, tehsilwise, in the State ?

Dr. Gopi Chand Bhargava : (i) Tehsil-wise figures of per capita income in the Punjab State have not been worked out.

(ii) Does not arise.

JOINT CO-OPERATIVE FARMING SOCIETIES IN AMBALA DISTRICT

3458. Chaudhri Sadhu Ram : Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) the number of Joint Co-operative Farming Societies in Ambala District at present and the date of registration of each ;

(b) the number of members of each of the said societies and the area of land held by each;

(c) the details of loans and grants given by Government to each of the said societies ?

Sardar Gurbanta Singh : (a), (b) & (c) A statement is enclosed.

[Minister for Community Development]

List of Co operative Joint Farming Societies in Ambala District

Serial No.	Name of Societies	Date of registration	Membership	Area	Government grant for Purchase of: Const. of Godowns	Government grant for Purchase of: Agriculture Machinery	Government grant for Purchase of: Fertilizer	Managerial subsidy	Total	Loan
				Acres	Rs	Rs	Rs	Rs	Rs	Rs
1	Rattan Pura, tehsil Jagadhri ..	28-1-57	13	167	1,000	2,000	400	1,170	4,570	..
2	Jhar Chanana, tehsil Jagadhri	27-6-56	11	242	..	..	..	..	..	..
3	Khera, tehsil Ambala ..	29-6-59	15	89	..	..	..	..	..	..
4	Mohri, tehsil Ambala ..	18-10-58	16	110	..	..	..	..	..	..
5	Mullan Markanda, tehsil Ambala	29-3-60	11	21	..	..	..	..	..	..
6	Kurali, tehsil Naraingarh ..	27-10-59	16	193	1,000	1,000	560	1,200	3,760	..
7	Dera, tehsil Naraingarh ..	31-3-60	15	201	..	..	..	..	..	..
8	Ban Bahadurpur, tehsil Naraingarh	14-2-56	14	54	..	..	..	..	..	..
9	Bhanon, tehsil Naraingarh ..	17-2-58	10	212	1,000	1,000	100	160	2,260	..
10	Naharpur, tehsil Jagadhri ..	8-1-54	15	290	..	..	..	..	..	..
11	Mandber, tehsil Jagadhri ..	22-2-57	28	196	1,000	1,000	..	200	2,200	..
12	Karera Khura Tej, tehsil Jagadhri	7-10-55	12	122	..	..	..	..	..	..
13	Buria Luxami, tehsil Jagadhri ..	10-3-54	11	127	..	..	..	..	..	..
14	Mali Majra Gopal, tehsil Jagadhri	22-6-54	17	100	..	..	..	..	..	..
15	Berthal Milksukhi, tehsil Jagadhri	22-6-59	11	30	..	..	..	..	..	..

16	Hartaul, Ambala ..	31-3-59	12	87	..		..	..	..	..
17	Khanuwala at Lopyon, Chhacharouli ..	25-6-59	11	94	..	..	..	..	..	..
18	Marwa Khurd, Ambala ..	25-6-59	11	30	..	..	..	..	..	..
19	Garhi Kotaha, Naraingarh ..	31-3-59	21	105	..	..	..	..	..	..
20	Adhoyachohan, Ambala ..	30-1-54	10	150	..	..	..	..	..	..
21	Sarasgarh Ajit, Ambala ..	16-7-53	11	135	..	..	..	..	..	..
22	Zafar Pur Ambala ..	15-3-55	15	..	..	..	..	..	..	..
23	Kalawar Modrn, Chhacharouli	7-1-54	11	100	1,000	..	..	500	1,500	..
24	Ghagnehri Harijans, Barara ..	22-5-60	16	55	..	..	..	..	..	..
25	Shahzadpur Harijans, Naraingarh	9-9-60	12	12	..	..	..	..	..	..
26	Adhoya Harijans, Ambala ..	30-12-60	15	..	..	..	..	..	..	..
27	Krishana, Chhacharouli ..	8-8-60	15	87	..	..	..	..	..	..
28	Kamal Pur, Rupar ..	24-2-59	11	401	500	900	300	500	2,200	..
29	Landi Majra, Rupar ..	20-2-58	22	..	..	..	..	..	..	..
30	Haveli Khurd, Rupar ..	14-6-52	20	156	..	..	..	..	..	..
31	Desu Majra, Kharar ..	16-3-60	11	22	..	..	..	..	..	..
32	Mani Kharar, Kharar ..	18-1-54	10	50	1,000	..	800	1,200	3,000	..
33	Sohana, Kharar ..	30-3-60	11	45	..	..	..	..	..	..
34	Dhabali, Kharar ..	3-1-61	12	..	..	..	..	..	..	..

PERSONS ARRESTED ON 2ND JANUARY, 1961 AND 3RD JANUARY, 1961, AT KAPURTHALA

3460. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any arrests were made at Kapurthala in connection with the Punjabi Suba Movement on 2nd January, 1961 and 3rd January, 1961 ; if so, the names and addresses of persons arrested and the offences for which they were arrested ;

(b) the period for which the persons mentioned in part (a) above were kept in the police lock-up ;

(c) whether Government received any complaint from them regarding maltreatment while in the police lock-up ; if so, when and the action taken thereon ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) & (b) Yes, a statement containing the requisite information is enclosed.

(c) Yes. In 2nd week of January, 1961. Its contents were found incorrect on verification, hence no action was taken.

Statement regarding persons arrested on 2nd January, 1961 and 3rd January, 1961, at Kapurthala

(a) *The arrests made at Kapurthala in connection with the Panjabi Suba Movement on 2nd January, 1961 and 3rd January, 1961 and the names and addresses of persons arrested*		(b) *The period for which the persons arrested were kept in the police lock-up*
Serial No.	Name and address	
1	Nazar Singh, s/o Guru Gobind Singh	
2	Jaswant Singh, s/o Guru Gobind Singh	
3	Balwant Singh, s/o Guru Gobind Singh	
4	Balkar Singh, s/o Guru Gobind Singh	2-1-61 (3.20 p.m.) to 3-1-61 (12.30 p.m.)
5	Sawaran Singh, s/o Guru Gobind Singh	
6	Suba Singh, s/o Guru Gobind Singh	
7	Kashmira Singh, s/o Guru Gobind Singh	
8	Kashmira Singh, s/o Guru Gobind Singh	
9	Gujjar Singh, s/o Guru Gobind Singh	
10	Joginder Singh, s/o Guru Gobind Singh	
11	Pritam Singh, s/o Guru Gobind Singh	
12	Darshan Singh, s/o Guru Gobind Singh	
13	Amarjit Singh, s/o Guru Gobind Singh	
14	Faqir Singh, s/o Mangal Singh of village Dianwind, police station Kotwali, Kapurthala	3-1-61 (4.35 p..m) to 4-1-61 (1.5 p.m.)
15	Kalwant Singh, s/o Jhanda Singh of Dainwind, police station Kotwali, Kapurthala	
16	Gurbachan Singh , s/o Guru Gobind Singh	
17	Achhar Singh, s/o Guru Gobind Singh	
18	Jagga Singh, s/o Guru Gobind Singh	

TRUCK PERMITS

3461. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total number of permits for trucks issued in the State which are valid at present ;
(b) the total number of trucks which are plying in the State at present against the permits mentioned in part (a) above ;
(c) the total number of trucks which are plying on the following routes at present :—

(i) Delhi-Pathankot ;
(ii) Delhi-Srinagar ;
(iii) Pathankot-Srinagar ; and
(iv) Kalka-Simla ;

(d) the total number of permit-holders mentioned in part (a) above who are plying trucks of their own ;

(e) whether he is aware of the fact that a number of permit holders have hired out their permits against payment ; if so, the reasons therefor ;

(f) whether any action is intended to be taken against those mentioned in part (e) above ?

Rao Birendar Singh : (a) 4,780.
(b) 4,780.

(c) (i) Delhi-Pathankot	.. 1,408
(ii) Delhi-Srinagar	.. Nil
(iii) Pathankot-Srinagar	.. Nil
(iv) Kalka-Simla	.. 44

(d) All the vehicles stand registered in the name of permit holders.

(e) To curb this practice the policy for the grant of public carrier permit has been liberalized and whosoever is in possession of 1956 or higher model vehicle is granted a permit. In other cases where the owners had previously engaged their vehicles against hired permits, permits are granted irrespective of any model restriction.

(f) Their particulars are reported to the Regional Transport Authorities concerned for cancellation/suspension of permits under section 60 of the Motor Vehicle Act.

COMPLAINTS FROM UNDERTRIAL PRISONERS OF KAPURTHALA JAIL

3463. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Home Secretary to Government, Punjab, received any complaint from any undertrial prisoners in Kapurthala Jail about the non-supply of food and blankets to them in the Kapurthala Kotwali lock-up during January, 1961 ; if so, when, from whom and the details of the complaints,

[Sardar Atma Singh]

(b) the action taken by Government on the said complaint ; if no action was taken, the reasons therefor ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) Yes, on 8th February, 1961. A copy of the complaint is enclosed.

(b) An enquiry was held, and the allegations were found to be incorrect.

ਸੇਵਾ ਵਿਖੇ,

ਹੋਮ ਸੈਕਟਰੀ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ

ਸ਼੍ਰੀਮਾਨ ਜੀ,

ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਕਪੂਰਥਲਾ ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਮਿਤੀ 2-1-1961 ਨੂੰ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਲਹਿਰ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕਰਕੇ ਦੋ ਦਿਨ ਅਤੇ ਇਕ ਰਾਤ ਕਪੂਰਥਲਾ ਕੋਤਵਾਲੀ ਵਿਚ ਰਖਕੇ, ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਬਦਲਾ ਲਊ ਨੀਤੀ ਦੇ ਤਹਿਤ ਡੰਗਰਾਂ ਨਾਲੋਂ ਭੀ ਭੈੜਾ ਵਰਤਾਉ ਕੀਤਾ। ਹਵਾਲਾਤ ਦੇ ਜਿਸ ਕਮਰੇ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਇਹ ਸਾਰਾ ਸਮਾਂ ਸਾਨੂੰ ਅੰਦਰ ਹੀ ਟਟੀ ਪੇਸ਼ਾਬ ਕਰਨ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਇਹ ਗੰਦਗੀ ਸਾਫ਼ ਨ ਕਰਵਾਈ ਗਈ। ਇਸ ਕੜਕਦੀ ਸਰਦੀ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ 13 ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਕੇਵਲ ਇਕੋ ਹੀ ਕੰਬਲ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉਹ ਵੀ ਪਾਟਿਆ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਬਾਹਰੋਂ ਭੀ ਕਪੜੇ ਮੰਗਵਾਉਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਸਾਨੂੰ ਤਿੰਨ ਡੰਗ ਪੁਲੀਸ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਨਾ ਖੁਦ ਰੋਟੀ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਬਾਹਰੋਂ ਮੰਗਵਾਉਣ ਦਿੱਤੀ। ਅਸੀਂ ਬਾਹਰੋਂ ਚਾਹ ਮੰਗਵਾਈ ਜੋ ਪੁਲੀਸ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਵਾਪਸ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਕੋਤਵਾਲੀ ਇਨਚਾਰਜ ਕੋਤਵਾਲ ਕਟੜ ਫਿਰਕਾ ਪ੍ਰਸਤ ਅਤੇ ਰਿਸ਼ਵਤਖੋਰ ਅਫ਼ਸਰ ਹੈ। ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਉਸ ਨੇ ਫਿਰਕਾ ਪ੍ਰਸਤੀ ਦੇ ਜਜ਼ਬੇ ਅਤੇ ਬਦਲਾ ਲਊ ਨੀਤੀ ਦੇ ਤਹਿਤ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਥੇ ਹਰ ਸਤਿਆਗ੍ਰਹੀ ਨਾਲ ਐਸਾ ਹੀ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਮੁਕੰਮਲ ਪੜਤਾਲ ਕਰਕੇ ਐਸੇ ਕਮੀਨੇ ਪੁਲੀਸ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਵਿਰੁਧ ਸਖਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

ਪ੍ਰਾਰਥਕ

(1) ਨਾਜ਼ਰ ਸਿੰਘ
(2) ਬਲਕਾਰ ਸਿੰਘ
(3) ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ
(4) ਕਸ਼ਮੀਰਾ ਸਿੰਘ ਦੋਧੀ
(5) ਕਸ਼ਮੀਰਾ ਸਿੰਘ
(6) ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ
(7) ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ
(8) ਜਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ
(9) ਸੋਭਾ ਸਿੰਘ
(10) ਅਮਰਜੀਤ ਸਿੰਘ
(11) ਗੁਜਰ ਸਿੰਘ

(12) Thumb-impression of ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ

(13) Thum-impression of ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ

4-1-1961

SUGAR FOR MILK FOR UNDERTRIALS/CONVICTS IN JAILS

3464. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Industries be pleased to state whether sugar is permissible with milk issued to undertrial prisoners and convicts, on medical grounds, in the jails of the State ; if so the quantity of Sugar being issued per seer of milk ?

Shri Mohan Lal : Yes. Undertrials and convict prisonsers when admitted to Hospital are issued one chhatak sugar or gur for one seer of milk as milk-diet, and when they are in convalescent gang (out-door patients) they are allowed ½ chhatak of gur with 8 chhatak of milk.

GOVERNMENT ADVERTISEMENTS ON INDEPENDENCE DAY/REPUBLIC DAY

3465. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any newspapers/periodicals, inside and outside the State were given any advertisements on the Independence Day and on the Republic day ; if so, their names and the amount paid to each in respect thereof ;

(b) the certain criterion for the giving of the said advertisements ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) A statement showing the amount of advertisements released to various newspapers inside and outside the State on the Independence Day and the Republic Day is placed on the Table of the House.

(b) Criteria for releasing advertisements are : the standing, regularity in publication, class of readership, production standards, languages and areas intended to be covered, as also the tone of the papers.

Statement showing the amount of Advertisements released to various Newspapers inside and outside the State on the Independence Day and the Republic Day

Serial No.	Name of the Newspaper		Amount
1	2		3
			Rs nP
	INDEPENDENCE DAY ADVERTISEMENTS		
1	Hindustan Standard, Delhi/Calcutta	..	560.00
2	Indian Express, Delhi	..	600.00
3	Tribune, Ambala Cantt	..	3,960.00
4	People's Guardian, Chandigarh	..	182.00
5	Link, New Delhi	..	204.00
6	Delhi Times, Delhi	..	225.00
7	Shanker's Weekly, New Delhi	..	272.00
8	Blitz, Bombay	..	573.75
9	Indian Worker, New Delhi	..	318.75
10	Hindi Milap, Jullundur	..	321.30
11	Vir Partap, Jullundur	..	189.00

[Chief Minister]

Serial No.	Name of the Newspaper	Amount
1	2	3
		Rs nP.
12	Navbharat Times, Delhi/Bombay ..	500.00
13	Haryana Kesri, Hissar ..	75.00
14	Haryana Sandesh, Hissar ..	84.37
15	Amar Bharat, Delhi ..	96.00
16	Sevagram, Delhi ..	170.00
17	Matri Bhoomi, Hissar ..	26.00
18	Jagat (Hindi), Delhi ..	127.50
19	Akali Patrika, Jullundur ..	428.40
20	Parkash, Chandigarh ..	275.40
21	Ranjit, Patiala ..	321.30
22	Desh Darpan, Calcutta ..	322.56
23	Sikh, Amritsar ..	177.19
24	Qaumi Ekta, New Delhi ..	122.40
25	Panth, New Delhi ..	163.20
26	Fateh, Delhi ..	170.00
27	Mauji, Jullundur ..	150.00
28	Mel Milap, Chandigarh ..	100.00
29	Nia Saman, Ludhiana ..	96.00
30	Mera Punjab, Amritsar ..	52.00
31	Adhure Supne, Muktsar ..	78.00
32	Karumblan, Patiala ..	104.00
33	Sukh Jiwan, Ludhiana ..	96.00
34	Panch Parmeshwar, Ludhiana ..	69.00
35	Pritam, Delhi ..	51.00
36	Nawan Chanan, Jullundur ..	54.00
37	Arsee, Delhi ..	85.00
38	Chetna, Delhi ..	63.75
39	Kavita, Amritsar ..	42.50
40	Preet Lari, Preet Nagar ..	110.50
41	Roop Rang, Chandigarh ..	42.50
42	Milap, Jullundur/New Delhi ..	642.60
43	Vir Bharat, Jullundur ..	321.84
44	Tej, Delhi ..	180.00
45	Sadaqat, Ludhiana ..	67.50
46	Tarjman, Ludhiana ..	52.00
47	Samaj, Ludhiana ..	50.00
48	Punjab Samachar, Phagwara ..	104.00
49	Punjab Congress Patrika, Chandigarh ..	363.20
50	Kisan, Ferozepore City ..	78.00
51	Lalkar, Dharmsala ..	60.00
52	Hindu, Jullundur City ..	132.50
53	Chitra, Delhi ..	88.40
54	Rehbar, Gurdaspur ..	65.00
55	Preet, Jullundur ..	42.00
56	Lalkar, Delhi ..	78.00
	REPUBLIC DAY ADVERTISEMENTS	
1	Hindustan Standard, Delhi ..	484.00
2	Indian Express, Delhi ..	1,140.00
3	Tribune, Ambala Cantt ..	1,680.00
4	People's Guardian, Chandigarh ..	182.00
5	Indian Worker, New Delhi ..	318.75
6	Delhi Times, Delhi ..	225.00
7	Link, New Delhi ..	204.00
8	Shanker's Weekly, New Delhi ..	140.25
9	Blitz, Bombay ..	573.75
10	Indian Times, Delhi ..	100.00
11	Hindi Milap, Jullundur ..	397.80
12	Navbharat Times, Delhi ..	840.00
13	Hindustan, Delhi ..	567.00

Serial No.	Name of the Newspaper	Amount
1	2	3
		Rs. nP.
14	Hindi Mewat, Gurgaon	324.06
15	Haryana Kesari, Hissar	75.00
16	Sewagram, Delhi	272.00
17	Gram Sahyogi, New Delhi	150.00
18	Haryana Sandesh, Hissar	84.37
19	Amar Bharat, Delhi	48.00
20	Chetna, Bhiwani	52.00
21	Hindi Times, Delhi	127.50
22	Jan Jeewan, Delhi	50.00
23	Ajit, Jullundur	428.40
24	Parkash, Chandigarh	351.90
25	Ranjit, Patiala	397.80
26	Akali Patrika, Jullundur	530.40
27	Sikh, Amritsar	177.19
28	Nawan Zamana, Jullundur	160.65
29	Panth, New Delhi	163.20
30	Fateh, Delhi	170.00
31	Mauji, Jullundur	144.00
32	Nia Saman, Ludhiana	96.00
33	Naresh, Bhatinda	65.00
34	Punch Parmeshwar, Ludhiana	69.00
35	Samrat, Jullundur	100.00
36	Qaumi Ekta, New Delhi	122.40
37	Mel Milap, Chandigarh	132.50
38	Sukh Jiwan, Ludhiana	96.00
39	Karumblan, Patiala	52.00
40	Panch Bhoomi, Amritsar	40.00
41	Vir Bharat, Jullundur	321.84
42	Milap, Jullundur/New Delhi	795.60
43	Tej, Delhi	480.00
44	Savera, Delhi	204.00
45	Sadaqat, Ludhiana	67.50
46	Rohjan, Ludhiana	50.00
47	Tarjman, Ludhiana	104.00
48	Samaj, Ludhiana	100.00
49	Haryana Tilak, Rohtak	160.00
50	Punjab Congress Patrika, Chandigarh	181.60
51	Punjab Samachar, Phagwara	104.00
52	Jagat (Urdu), Delhi	154.96
53	Kisan, Ferozepore	78.00
54	Doaba, Jullundur City	75.00
55	Lalkar, Dharmsala	60.00
56	Bharat Nirman, Rohtak	78.00
57	Roshni, Sonepat	78.00
58	Arya Gazette, Jullundur	65.00
59	Lok Hitkari, Jullundur	65.00
60	Bharat Tek, Rohtak	80.00
61	Karnal Times, Karnal	100.00
62	Jat Gazette, Rohtak	65.00
63	Chattan, Ferozepore	78.00
64	Janam Bhoomi, Karnal	65.00
65	Lalkar, Delhi	156.00
66	Amrit Weekly, Karnal	60.00
67	Reformer, Delhi	110.24
68	Nai Syasat, New Delhi	65.00
69	Chitra Weekly, Delhi	106.80
70	Preet, Jullundur	84.00
71	Naujawan Mazdoor, Delhi	91.00
72	Takkar, Jullundur	52.00
73	Hindu, Jullundur	132.50
74	Aljamiat, Delhi	68.00
75	Atalique, Delhi	52.00
76	Tufan, Batala	45.50
77	Hindustan, Jullundur	90.00

AKALI PRISONERS AWAITING TRIAL

3466. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Industries be pleased to state the total number of Akali prisoners who were kept in jail for three, four, five, six and seven months without trial and the reasons therefor ?

Shri Mohan Lal : The time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

DAILY AKALI, JULLUNDUR

3467. Sardar Atma Singh : Will the Chief Minister be pleas ed to state—

(a) the date on which the publication of the daily 'Akali', Jullundur was banned and the date on which the ban was removed together with the reasons for imposing the ban and for removing the ban ;

(b) whether any declaration on behalf of the said paper was filed before the District Magistrate, Jullundur, recently ;

(c) if the answer to part (b) above be in the affirmative, whether the said declaration was accepted ; if not, the reasons therefor ;

(d) whether the Government received any 'No objection' certificate about the publication of the said paper from the Registrar of News-papers, Delhi; if so, when ;

(e) whether the certificate mentioned in part (d) above was accepted and publicity allowed ; if not, the reasons therefor ;

(f) the date when the said paper restarted its publication ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) The Publication of the 'Akali' was never banned.

(b) Yes.

(c) No. It was refused by District Magistrate, Jullundur on the ground that a newspaper bearing similar title was already in existence in the State.

(d) Yes. 19th January, 1961. But the decision was left to District Magistrate, Jullundur.

(e) (i) No.

(ii) Covered by (c) above.

(f) The publication of the said paper did not restart.

RESIDENTIAL HOUSES AT CHANDIGARH

3469. Sardar Atma Singh : Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) whether any Government built residential houses at Chandigarh are being used for purposes other than residences by Government and others; if so, the number thereof, separately ;

(b) whether the Estate Officer, Chandigarh, has issued notices to private persons occupying the said houses asking them to vacate the same ; if so, the reasons therefor ?

Chaudhri Suraj Mal : (a) 83 houses are being used by Government and 11 by others for non-residential purposes.

(b) No.

CHANDIGARH-MULLANPUR ROAD

3470. Shri Shri Krishan Shastri : Will the Minister for Public Works be pleased to state whether Chandigarh-Mullanpur Road at present under construction is likely to be constructed beyond Mullanpur ; if so, upto which place ?

Chaudhri Suraj Mal : Yes, upto village Siswan, on Kurali-Siswan Road, under construction.

METALLED ROADS CONSTRUCTED IN HISSAR DISTRICT

3471. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Public Works be pleased to state —

(a) the names of metalled roads constructed in Hissar District during the years, 1958-59, 1959-60 and 1960-61 ;

(b) the names of the main villages situated on the said roads ;

(c) the names of villages which have been connected with the main road or cities by the said roads ?

Chaudhri Suraj Mal : (a) and (b) As per statement attached.

(c) All the villages mentioned in the statement are connected with the main roads or cities by construction of these roads.

Roads Constructed in Hissar District in 1958-59, 1959-60, 1960-61 (Up to 30th November, 1960) Together with the Names of Villages situated on the roads.

(a)

Serial No.	Name of roads	Name of villages situated on the roads
	1958-59	
1	Uklana-Bahuna	Sunyana, Khasa.
2	Barwala-Tohana	Ghaibipur, Kakar Bhaini, Surewala, Bithmar, Samon, Kanhri.
3	Dabwali-Chutala	Shergarh, Sakta Khera, Bubshahr
	1959-60	
1	Sirsa-Ludesar	Shahpur Begu, Neza Khera, Darba Kalan.
2	Dabwali-Manwal	Alika, Masitan, Maujgarh, Math Daduka, Guryawala.
3	Dharsul-Bahuna	Kullan, Khere Rayoun, Tibbi Sethla.
4	Tohana-Akaligarh	Nil.
5	Dabwali Kalanwali	Mangiyana, Paniyana, Pipli, Jagmalwali.
6	Agrohal Mandi-Adampur	Kalirawan, Kohli.
	1960-61 (Up to 30th November, 1960	
7	Dadri-Bhiwani	Nil.
1	Fatehbad-Bahuna	Bisle Jhalanion, Jandli Khurd.
2	Village Latani to Barwani Tohana road	Nil
3	Mayor Alipur	Nil
4	Approach from Khori Oangan to Hansi Jind road	Nil

[Minister for Public Works]

(b)

Serial No.	Name of Road	Total length	Mileage constructed during 1958-59	1959-60	1960-61 (up to 30th November, 1960)	Length constructed before 1958-59	Length yet to be constructed	Names of villages situated on the road
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Tohana-Ratia Road ..	20.83	11.03	4.75	1.08	0.97	3.00	Jamalpur, Akkanwali, Dharsul, Chimun Nathwan
2	Uklana-Bahuna ..	11.32	6.32	..	Completed	5.00	..	Sunyana, Khasa
3	Barnala-Agroha ..	10.00	6.37	0.87	..	2.51	0.25	Khedar, Kirori, Nangthala
4	Barwala-Tohana ..	23.50	0.30	Completed	..	23.20	..	Ghaibipur, Kakar Bhaini, Surewala Bithmara, Samon, Kanbri
5	Fatehabad-Bahuna ..	15.85	6.12	2.25	4.10 Completed	3.38	..	Bisla Jhalanian, Jandlikhurd
6	Sirsa-Ludesar ..	12.27	4.28	3.27	Completed	4.72	..	Shahpur Bagu, Naza Khera, Darba Kalan
7	Sirsa-Ottu ..	7.73	0.13 Re-conditioning	Completed	..	7.60	..	Ramnagar, Nanakpur Abutgarh
8	Dabwali-Manwali ..	13.00	6.50	1.50	Completed	5.00	..	Alika, Masitan, Maujgarh, Math Daduka Gurya Wala
9	Dharsul-Bahuna ..	9.60	3.73	5.95	Do	0.92	..	Kullan, Kheri Rayan, Tibbi Sethla

No.	Road	Col 1	Col 2	Col 3	Col 4	Col 5	Col 6	Col 7
10	Tohana-Akalgarh ..	3.14	3.00	0.14	Do	..	..	Nil
11	Ludesar-Bhattu ..	15.19	4.87	..	0.25	6.88	3.19	Makhu Sheran, Nahrana, Pili Madawa
12	Dabwali-Chutala ..	19.58	2.58	Completed	..	17.00	..	Shergarh, Sakta Khera, Bubshahr
13	Dabwali-Kalanwali ..	17.00	1.00	1.25	Completed	14.75	..	Mangiyana, Paniyana, Pipli, Jagmal-wali
14	Khanda Kheri-Narnaud ..	5.56	..	3.00	..	..	2.56	Sulchani
15	Agroha Mandi-Adampur ..	10.42	..	0.17	Completed	10.25	..	Kalirawan Kohli
16	Pabra-Sarsaund ..	7.32	..	0.75	6.00	..	0.57	Balak-Bichpara
17	Village Latam to Barwala Tohana Road	3.40	..	1.00	2.40 Completed	..	..	Nil
18	Kalanwali-Rori ..	15.65	..	3.00	..	..	12.65	Tarmwana, Dogranwali, Kurangowali, Phaggu, Rohan
19	Rattia-Rori ..	14.81	..	2.00	8.00	..	4.81	Ratta Khera, Haroli, Nagpur, Hanspur
20	Adampur-Jahnsal Bhadra ..	7.25	..	..	4.75	..	2.50	Muhabuatpur, Moda Khera
21	Mayor-Alipur ..	2.40	..	..	2.40 Completed	..	..	Nil
22	Hansi-Umra	5.92	..	..	5.50	..	0.42	Dalpatwala
23	Moth-Majra ..	3.45	..	..	0.25	..	3.20	Nil
24	App. from Kheri Gangan to Hansi Jind Road	0.50	..	..	0.50 Completed	..	..	Nil
25	Dadri-Bhiwani (Length in Hissar District 1.25)	17.00	..	1.25	Completed	..	..	Nil
	Total	..	55.23	31.15	35.23	..	..	

APPROACH ROADS

3472. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Public Works be pleased to state the number of approach roads constructed in the State during the years, 1958-59, 1959-60 and 1960-61, the expenditure incurred on each and the length and breadth of each ?

Chaudhri Suraj Mal : (a) (i) Number of approach roads constructed during 1958-59 .. 3

(ii) Number of approach roads constructed during 1959-60 .. 8

(iii) Number of approach roads constructed during 1960-61 .. 19

(b) Expenditure incurred on each and the length and breadth of each road). *Vide* statement given beolw

Statement showing approach roads constructed in the State during the years 1958-59, 1959-60 and 1960-61

Serial No.	Name of road	Total length in miles	Breadth in feet	Expenditure in rupees
	I—Approach roads constructed during 1958-59			
1	Kalayat Town to Railway Station ..	2.00	12	1,22,785
2	Kurali to Ballabgarh-Tigaon Road ..	2.14	10	83,900
3	Approach road to village Fazalpur from Sonepat Mearut Road ..	0.47	10	5,212
	II—Approach roads constructed during 1959-60			
1	Ram Dass village to Railway Station ..	0.90	9	52,555
2	Fatehgarh Churian town to Railway Station	1.13	12	17,497
3	Approach road to village Chuman from Amritsar-Sri Hargobindpur Road ..	0.54	12	8,896
4	Sathiala to National College, Sathiala ..	0.62	12	22,369
5	Bawal to Rewari (Sec. mile 1 to 3) ..	2.51	9	73,000
6	Approach road to Railway Station Kosli ..	1.29	10	41,587
7	Approach road to village Pakisma ..	1.67	9	21,834
8	Link road from Bond to Rohtak-Bhiwani Road ..	1.78	12	87,516

Serial No.	Name of road	Total length in miles	Breadth in feet	Expenditure in rupees
	III—Approach roads constructed during 1960-61			
1	Link road to Lehra Dhulkot Railway Station	0.14	12	5,761
2	Village Kutail to G.T. Road (Total length of this road is 2.12 miles. Remaining length is not to be metalled) ..	0.75	12	54,177
3	Ludhiana-Samrala Road to Gurdwara Jhar Sahib ..	2.54	12	94,264
4	Approach road to Shri Ram Tirath ..	0.38	12	20,864
5	Mayor-Alipur Road ..	2.40	10	84,782
6	Village Latani to mile 28/2 of Hissar Tohana Road ..	3.40	12	1,77,253
7	Jasia-Sanghi Road ..	2.00	12	1,04,613
8	Dadri-Bhiwani Road to village Rasiwas ..	3.40	(2 mile 12' 1.40'' 10')	1,06,674
9	Kheri Gungan to Hansi Jind Road ..	0.50	9	12,555
10	Delhi-Muthra Road to village Tilpat ..	2.00	10	88,300
11	Delhi-Muthra Road to village Aurangpur ..	3.38	9	1,19,930
12	Delhi-Alwar Road to village Gandhuri ..	0.81	10	25,400
13	Delhi-Alwar Road to village Rajaka ..	0.45	12	23,050
14	Delhi-Alwar Road to village Mandhi ..	0.34	10	16,000
15	Delhi-Alwar Road to village Ferozedhar ..	0.28	12	11,720
16	Delhi-Alwar Road to village Aterna Shamsabad ..	0.33	12	13,500
17	Delhi-Muthra Road to village Aurangabad	0.46	12	22,870
18	Approach road to village Kharkhauda from Sonepat Kharkhauda-Rohtak Road ..	0.10	12	4,402
19	Approach road to Ahir College, Rewari ..	0.21	9	11,200

LOANS TAKEN FOR PURCHASE OF TRACTORS IN KAPURTHALA DISTRICT

3473. Kanwarani Jagdish Kaur : Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state —

(a) the names of persons, if any, of village Sujokalia, district Kapurthala, who took loans for the purchase of tractors during the period 1952 to-date ; the amount of loan taken by each and the date when it was taken ;

(b) whether any other agricultural loans were given to persons mentioned in part (a) above; if so, the amounts thereof in each case and the dates when these were given ;

[Kanwarani Jagdish Kaur]

(c) the total amount of the loans mentioned in parts (a) and (b) so far recovered ; if no recovery has so far been made, the reasons therefor and the steps being taken to make the recoveries ?

Sardar Gian Singh Rarewala : (a) No loan for the purchase of a tractor was advanced by Government to any person in village Sujokalia, district Kapurthala during the period from 1952 to-date ;

(b) and (c) Do not arise.

EMPLOYEES OF IRRIGATION DEPARTMENT IN AMRITSAR DISTRICT HEAD-QUARTER

3474. Shri Balram Das Tandon : Will the Minister for Irrigation and Power be p leased to state the names and addresses of the employees of the Irrigation Department posted in Amritsar District headquarters at present, the total length of service of each and the date when each was posted there ?

Rao Birendar Singh : A statement containing the requisite information is placed on the table of the House.

Statement showing staff posted at Amritsar District Headquarter

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarter	Address
1	2	3	4	5
	Upper Bari Doab Canal Circle, Amritsar			
	Sarvshri—			
1	Tirlochan Singh, P.S.E.I., Superintending Engineer	22 years	1-11-60	Superintending Engineer, Upper Bari Doab Canal, Amritsar
2	A. C. Sehgal, Assistant Design Engineer	28 years	4-9-59 (A.N.)	P.A. to S.E., U.B.D.C., Amritsar
3	Om Parkash Malhotra, Circle Head Draftsman	22 years	29-10-59	Circle office, U.B.D.C., Amritsar
4	Man Singh, Head Draftsman ..	12 years	27-8-59	Ditto
5	Rajinder Lal Gulati, Draftsman ..	8 years	7-8-52	Ditto
6	Bakhshish Singh, Draftsman ..	7 years	12-9-58	Ditto

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
	Upper Bari Doab Canal Circle, Amritsar—contd.			
	Sarvshri—			
7	Naranjan Singh, Draftsman ..	5 years	9-4-55	Circle Office, U.B.D.C., Amritsar
8	Kashmiri Lal, Tracer ..	9 years	31-7-51	Ditto
9	Joginder Paul, Tracer ..	3 years	1-2-60	Ditto
10	Iqbal Singh, Tracer ..	4 years	25-3-60	Ditto
11	Amar Nath, Circle Superintendent ..	34 years	7-4-60	Ditto
12	Om Parkash Bhandari, Head Clerk	13 years	26-3-60	Ditto
13	N. S. Sagoo, Accounts Clerk ..	14 years	15-7-57	Ditto
14	Mahan Singh, Accounts Clerk ..	15 years	1-7-57	Ditto
15	Darshan Lal, Accounts Clerk ..	11 years	7-12-60	Ditto
16	B. R. Chopra, Accounts Clerk (now on leave)	14 years	17-12-59	Ditto
17	Puran Chand, Sub-Divisional Clerk,	6 years	8-11-54	Ditto
18	Om Parkash Kandhari, Steno to Superintending Engineer, Upper Bari Doab Canal	5 years	8-2-56	Ditto
19	Pritam Singh, Sub-Divisional Clerk	8 years	7-12-59	Ditto
20	Ravinder Kumar Kapoor, Sub-Divisional Clerk	5 years	28-7-55	Ditto
21	Bawa Ditta, Sub-Divisional Clerk ..	7 years	9-1-61	Ditto
22	M. R. Gupta, Clerk	6 years	1-9-54	Ditto
23	Raja Ram, Clerk ..	4 years	5-12-56	Ditto
24	Krishan Lubhya Salwan, Clerk ..	2/3 years	6-7-60	S.E., U.B.D.C., Amritsar
25	Kidar Nath Sehgal, Clerk ..	7 years	8-8-59	Ditto
26	Mohinder Kumar Sehgal, Clerk ..	6 years	19-8-54	Ditto
27	Sham Sunder, Clerk ..	7 years	1-12-60	Ditto
28	S. R. Bhargova, Clerk ..	2 years	7-6-58	Ditto
29	Ajit Singh, Clerk ..	6 years	8-1-57	Ditto
30	Gulzari Lal, Clerk ..	3 years	1-1-60	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
	Upper Bari Doab Canal Circle Amritsar—contd Sarvshri—			
31	Hardip Singh, Clerk ..	1 year	4-2-60	S.E.,U.B.D.C., Amritsar
32	Pritam Singh, Clerk ..	4 years	3-8-59	Ditto
33	Raghuwansh Kumar Bhatia, Clerk	1 year	29-1-60	Ditto
34	Raghunath Paul, Clerk	4 years	1-11-57	Ditto
35	Duni Chand, Clerk ..	4 years	10-1-58	Ditto
36	Kewal Krishan Nanda, Clerk ..	4 years	18-2-60	Ditto
37	Sewak Singh, Clerk ..	4 years	31-5-56	Ditto
38	Raj Kumar Arora, Steno-typist	6 years	14-9-56	Ditto
39	Relu Ram, Peon ..	23 years	23-7-42	Ditto
40	Gauri Mal, Peon ..	12 years	16-7-48	Ditto
41	Om Parkash, Peon ..	10 years	15-4-60	Ditto
42	Amar Singh, Peon ..	15 years	11-7-45	Ditto
43	Gurdial Singh, Ferro Khalasi ..	1 year	28-1-60	Ditto
44	Puran Singh, Cycle Sawar ..	3 years	17-5-57	Ditto
45	Behari Lal, Daftri ..	34 years	21-4-45	Ditto
46	Gurdial Singh, Barkandaz ..	6 years	16-5-54	Ditto
47	Raghbir Singh, Peon ..	5 years	17-1-61	Ditto
48	Lachhman, Jamadar ..	32 years	18-5-28	Ditto
49	S. R. Budhwal, Executive Engineer..	12 years	17-11-60	Ditto
50	Jatinder Mohan Gupta, Sub-Divisional Officer	6 years	20-4-59	Ditto
51	D. R. Aggarwal, Sub-Divisional Officer	7 years	21-6-60	Ditto
52	B. N. Nanda, Sub-Divisional Officer	34 years	20-11-57	Ditto
53	Harbans Lal, Sub-Divisional Officer	17 years	13-10-60	Ditto
54	Harbans Singh, Sub-Divisional Officer	16 years	1-8-60	Ditto
55	Jagjit Singh, Deputy Collector ..	29 years	23-12-60	Ditto
56	Kanwal Nain P.C.S. ..	22 years	23-9-59	Ditto

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
	Upper Bari Doab Canal Circle, Amritsar—contd Sarvshri—			
57	Harbans Singh, Temporary Engineer (U.T.)	2 months	24-1-61	Superintending Engineer, Upper Bari Doab Canal, Amritsar
58	Karam Singh, Head Clerk ..	15 years	6-4-60	Ditto
59	Om Parkash, Accountant ..	8 years	23-10-59	Ditto
60	Piara Singh, Accounts Clerk ..	15 years	7-4-58	Ditto
61	Madan Gopal, Revenue Clerk ..	15 years	10-7-57	Ditto
62	Inderjit Clerk ..	3 years	26-12-60	Ditto
63	Sukhdev Singh, Steno ..	5 years	5-10-56	Ditto
64	Janak Raj, Clerk ..	3 years	1-12-57	Ditto
65	Jawahar Lal, Clerk ..	3 years	2-12-57	Ditto
66	Joginder Singh, Clerk ..	2 years	27-11-58	Ditto
67	Harbhajan Singh, Clerk ..	3 years	10-12-57	Ditto
68	Surrinder Singh, Clerk ..	1 year	3-12-59	Ditto
69	Jagdish Chander, Clerk ..	3 years	13-11-57	Ditto
70	Gian Singh Chhina, Clerk ..	2 years	30-1-59	Ditto
71	Gurcharan Singh, Clerk ..	2 years	18-7-60	Ditto
72	Gian Singh Sarkaria, Clerk ..	1 year	5-2-60	Ditto
73	Sunderpaul Singh, Clerk ..	2 years	18-7-60	Ditto
74	Mohinder Singh, Clerk ..	4 years	3-5-57	Ditto
75	Yogeshwar Kumar, Clerk ..	5 years	14-4-60	Ditto
76	Janak Raj, son of Deep Chand, Clerk	2 years	13-7-60	Ditto
77	Pran Nath Mago, Clerk ..	5 years	6-11-57	Ditto
78	Sudershan Kumar, Clerk ..	4 years	5-1-57	Ditto
79	Sham Sunder Bhatia, S.D.C. ..	5 years	9-7-60	Ditto
80	Baldev Raj, Sub-Divisional Clerk ..	8 years	14-8-56	Ditto
81	Kishore Chand, Sub-Divisional Clerk	7 years	20-2-54	Ditto
82	Om Parkash Sood, Sub-Divisional Clerk	6 years	6-7-54	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
	Upper Bari Doab Canal Circle Amritsar—contd Sarvshri—			
83	Joginder Kumar, Sub-Divisional Clerk	9 years	27-11-51	Superintending Engineer, Upper Bari Doab Canal, Amritsar
84	Mohan Singh, Sub-Divisional Clerk	7 years	8-3-61	Ditto
85	Shivdev Singh, Head Draftsman ..	15 years	23-4-58	Ditto
86	Krishan Lal, Head Draftsman ..	10½ years	14-2-51	Ditto
87	Sukhdev Sharma, Draftsman ..	4 years	23-8-58	Ditto
88	Budha Singh, Draftsman ..	11 years	7-6-56	Ditto
89	Amolakh Singh, Draftsman ..	8 years	21-10-57	Ditto
90	Baldev Singh Draftsman ..	11 years	17-7-56	Ditto
91	Manohar Lal, Tracer ..	11 years	20-2-57	Ditto
92	Jodh Singh, Tracer ..	3 years	26-6-59	Ditto
93	Gurcharan Singh, Tracer ..	5 years	31-7-59	Ditto
94	Harbans Lal, H.V.C. ..	27 years	3-5-60	Ditto
95	Dharampal Passi, A.V.C. ..	6 years	1-9-58	Ditto
96	Bachan Singh, A.V.C. ..	19 years	17-9-60	Ditto
97	Milkha Singh, Assessment Clerk ..	30 years	1-9-58	Ditto
98	Mohinder Singh, V.C. ..	17 years	20-7-59	Ditto
99	Ganesh Dass, V.C. ..	21 years	27-5-60	Ditto
100	Kishan Singh, V.C. ..	23 years	27-2-56	Ditto
101	Goverdhan Lal, V.C. ..	17 years	21-4-60	Ditto
102	Balwant Singh, V.C. ..	17 years	1-10-54	Ditto
103	Joginder Singh, A.V.C. ..	19 years	2-2-60	Ditto
104	Narain Dass, A.R.C. ..	19 years	22-12-60	Ditto
105	Charan Dass, A.V.C. ..	14 years	May, 1957	Ditto
106	Tirath Ram, A.V.C. ..	15 years	12-9-60	Ditto
107	Walaiti Ram, S.O. ..	6 years	28-12-59	Ditto
108	Prem Nath Sood, S.O. ..	6 years	5-7-60	Ditto
109	Bhupinder Paul, S.O. ..	4 years	6-8-57	Ditto
110	Yog Raj, S.O. ..	1 year	10-1-59	Ditto
111	Roop Lal, S.O. ..	10 months	2-6-60	Ditto

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
	Upper Bari Doab Canal Circle Amritsar—contd Sarvshri—			S. E., U.B.D. C., Amritsar
112	Pushpinder Singh, S.O. ..	10 months	2-6-60	Ditto
113	Balkrishan Singh, S.O. ..	1½ years	10-9-59	Ditto
114	Didar Singh, S.O. ..	10 months	11-8-60	Ditto
115	Ajit Singh, S.O. ..	8 months	7-6-60	Ditto
116	Gurnek Singh, S.O. ..	8 years	15-10-60	Ditto
117	Dalbir Singh, S.O. ..	11 months	11-11-60	Ditto
118	Kailash Nath, S.O. ..	6 years	8-9-60	Ditto
119	Darshan Singh, S.O. ..	2 months	9-1-60	Ditto
120	Rajwant Singh, Zilladar ..	20 years	9-2-58	Ditto
		Y. M. D.		
121	Ranjodh Singh, Zilladar ..	17 6 0	9-5-60	Ditto
122	Chanan Singh, Head Signaller ..	20 0 0	7-1-61	Ditto
123	Piara Singh, Signaller ..	6 0	8-5-59	Ditto
124	Bal Krishan, Signaller ..	5 0 0	26-6-60	Ditto
125	Jagdish Chander, Signaller ..	7 0 0	30-4-60	Ditto
126	Radhaka Dass, Signaller ..	17 0 0	6-4-59	Ditto
127	Dalbir Singh, Apprentice Signaller ..	2 0 0	14-8-60	Ditto
128	Karam Singh, Peon ..	22 0 0	17-4-50	Ditto
129	Gulab Singh, Peon ..	32 0 0	12/55	Ditto
130	Ram Sarup, Peon ..	3 0 0	9-8-57	Ditto
131	Rattan Chand, Peon ..	6 0 0	1-3-56	Ditto
132	Mathu Ram, Peon ..	16 0 0	4-8-45	Ditto
133	Sant Ram, Peon ..	5 0 0	4/59	Ditto
134	Manohar Lal, Peon ..	7 0 0	10/60	Ditto
135	Lachhaman, Peon ..	8 0 0	1-4-53	Ditto
136	Chattar Singh, Peon ..	39 0 0	9/47	Ditto
137	Roshan Lal, Peon ..	4 0 0	11/57	Ditto
138	Chander Mohan, Peon ..	1 0 0	3/60	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
	Upper Bari Doab Canal Circle Amritsar—contd			
	Sarvshri—	Y.M.D.		
139	Amar Singh, Peon ..	1 0 0	6-2-60	S.E., U.B.D.C., Amritsar
140	Tulsi Ram, Peon ..	2 0 0	7/60	Ditto
141	Santa Singh, Peon ..	16 0 0	7/60	Ditto
142	Thakar Singh, Peon ..	17 0 0	12/60	Ditto
143	Mulkh Raj, Peon ..	15 0 0	5-3-46	Ditto
144	Megh Raj, Peon ..	12 0 0	24-12-48	Ditto
145	Bua Dass, Peon ..	7 0 0	7-3-58	Ditto
146	Ram Lal, Peon ..	33 0 0	8-9-47	Ditto
147	Sohan Singh, Daffadar ..	13 0 0	4-12-47	Ditto
148	Sohan Singh, Barkandaz ..	5 0 0	1-12-55	Ditto
149	Geja Singh, Barkandaz ..	4 0 0	10-1-57	Ditto
150	Makhan Singh, Barkandaz ..	2½ 0 0	1-10-60	Ditto
151	Teja Singh, Daffadar ..	15 0 0	9/47	Ditto
152	Hari Singh, Barkandaz ..	12 0 0	1-2-49	Ditto
153	Wasakha Singh, Barkandaz ..	0 6 0	11-7-60	Ditto
154	Moti Singh, Barkandaz ..	0 6 0	11-7-60	Ditto
155	Bawa Singh, Barkandaz ..	5 0 0	30-7-55	Ditto
156	Mohan Singh, Daffadar ..	14 0 0	26-2-47	Ditto
157	Shangara Singh, Barkandaz ..	4 0 0	10-12-56	Ditto
158	Makhan Singh, Barkandaz ..	0 6 0	19-7-60	Ditto
159	Shangara Singh II, Barkandaz ..	1 0 0	16-12-59	Ditto
160	Hira Singh, Barkandaz ..	0 5 0	7-10-60	Ditto
161	Surat Singh, Barkandaz ..	0 6 0	8-9-60	Ditto
162	Krishan Kumar, Patwari ..	6 0 0	4/59	Ditto
163	Avtar Singh, Patwari ..	6 0 0	4/59	Ditto
164	Durga Dass, Patwari ..	43 0 0	5/59	Ditto
165	Kishan Chand, Patwari ..	31 0 0	6/59	Ditto
166	Tej Ram, Patwari ..	30 0 0	7/59	Ditto
167	Lal Chand, Patwari ..	38 0 0	1/60	Ditto

Serial. No.	Name and designation		Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2		3	4	5
	Upper Bari Doab Canal Circle Amritsar—contd				
	Sarvshri—		Y.M.D.		
168	Daulat Ram, Patwari	..	43 0 0	3/59	S.E., U.B. D.C., Amritsar
169	Mohinder Singh, Patwari	..	11 0 0	2/60	Ditto
170	Gurcharan Singh, Patwari	..	3 0 0	3/59	Ditto
171	Balbir Singh, Patwari	..	1 0 0	4/60	Ditto
172	Dharam Singh, Patwari	..	11 0 0	..	Ditto
173	Prem Sagar, Patwari	..	5 0 0	2/61	Ditto
174	Brij Mohan, Patwari	..	4 0 0	9/59	Ditto
175	Makhan Singh, Patwari	..	4 0 0	4/59	Ditto
176	Joginder Singh, Patwari	..	4 0 0	3/61	Ditto
177	Lila Ram, Patwari	..	25 0 0	1/60	Ditto
178	Kalwant Singh, Patwari	..	4 0 0	3/59	Ditto
179	Kalwant Singh, Patwari	..	3 0 0	3/59	Ditto
180	Bir Bal, Patwari	..	5 0 0	3/59	Ditto
181	Gauri Shankar, Patwari	..	2 0 0	3/59	Ditto
182	Sewa Singh, Patwari	..	5 0 0	4/59	Ditto
183	Makhan Singh, Patwari	..	4 0 0	4/59	Ditto
184	Nagina Singh, Patwari	..	24 0 0	2/59	Ditto
185	Bhan Singh, Patwari	..	1 0 0	6/59	Ditto
186	Lal Chand, Patwari	..	27 0 0	1/60	Ditto
187	Pritam Singh, Patwari	..	7 0 0	2/60	Ditto
188	Ghanaya Lal, Patwari	..	29 0 0	1/60	Ditto
189	Chanan Singh, Patwari	..	2 0 0	1/60	Ditto
190	Faqir Chand, Patwari	..	18 0 0	2/60	Ditto
191	Ved Parkash, Patwari	..	4 0 0	1/60	Ditto
192	Munshi Ram, Patwari	..	0 4 0	11/60	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
		Y. M. D.		
	Upper Bari Doab Canal Circle, Amritsar—contd Sarvshri—			
193	Gian Singh, Patwari ..	23 0 0	11/60	S. E., U. B. D. C., Amritsar
194	Daya Singh, Patwari ..	20 0 0	1/61	Ditto
195	Joti Ram, Patwari ..	2 0 0	3/59	Ditto
196	Bhattur Singh, Naib-Tehsildar ..	16 0 0	14-3-60	Ditto
197	B. S. Gill, Executive Engineer ..	10 0 0	20-5-60	Ditto
198	Chanan Singh, Deputy Collector ..	20 0 0	16-8-60	Ditto
199	Sardari Lal, Deputy Collector, Chakbandi	30 0 0	3-7-59	Ditto
200	Wasdev Verma, Head Clerk ..	26 0 0	25-9-57 (on transfer from G. CW)	Ditto
201	Beant Singh, Head Draftsman ..	14 0 0	13-8-58	Ditto
202	Des Raj, Head Revenue Clerk ..	31 0 0	16-11-57	Ditto
203	Kundan Lal, Assessment Clerk ..	37 0 0	7-7-60	Ditto
204	Girdhari Lal, Revenue Clerk ..	31 0 0	15-5-58	Ditto
205	Lajpat Rai, Draftsman ..	4 0 0	9-9-59	Ditto
206	Sat Pal, Tracer ..	3 0 0	22-5-60	Ditto
207	Jagjit Singh, Accounts Clerk ..	17 0 0	1-7-60	Ditto
208	Surat Singh, Accounts Clerk ..	15 0 0	16-12-57	Ditto
209	Gian Singh, Accounts Clerk ..	16 0 0	1-3-60	Ditto
210	Dilla Ram, Revenue Clerk ..	20 0 0	19-10-60	Ditto
211	Hari Ram, Revenue Clerk ..	15 0 0	1-6-60	Ditto
212	Darshan Singh, Revenue Clerk ..	17 0 0	19-9-60	Ditto
213	Kartar Singh, Assistant Revenue Clerk	21 0 0	22-7-59	Ditto
214	Tarlok Singh, Assistant Revenue Clerk	4 0 0	20-1-61	Ditto
215	Mulkh Raj, Assistant Revenue Clerk ..	17 0 0	1-6-60	Ditto
216	Sat Guru Dutt, Zilladar ..	7 0 0	11-9-58	Ditto

Serial No.	Name and designation		Total length of service in complete years			Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2		3			4	5
			Y.	M.	D.		
	Upper Bari Doab Canal Circle, Amritsar—concld						
	Sarvshri—						
217	Onkar Singh, Assistant Revenue Clerk		20	0	0	12-6-60	S.E., U.B. D.C., Amritsar
218	Ajaib Singh, Clerk	..	2	0	0	19-1-59	Ditto
219	Joginder Singh, Clerk	..	2	0	0	18-12-59	Ditto
220	Devi Dass, Clerk	..	2	0	0	22-9-59	Ditto
221	Mangat Ram, Clerk	..	7	0	0	31-12-53	Ditto
222	Jagdish Raj, Clerk	..	3	0	0	16-12-57	Ditto
223	Avtar Singh, Clerk	..	7	0	0	20-2-59	Ditto
224	Nand Lal, Clerk	..	3	0	0	11-11-57	Ditto
225	Bachitter Singh, Clerk	..	3	0	0	11-12-57	Ditto
226	Harbans Singh, Clerk	..	14	0	0	16-2-57	Ditto
227	Banwari Lal, Clerk	..	3	0	0	12-12-57	Ditto
228	Gurcharan Dass, Clerk	..	5	0	0	17-5-60	Ditto
229	Charanjit Singh, Clerk	..	5	0	0	12-6-59	Ditto
230	Adarsh Kumar, Clerk	..	2	0	0	17-5-60	Ditto
231	Om Parkash, Sectional Officer	..	5	0	0	18-2-59	Ditto
232	Fauja Singh, Daffadar	..	15	0	0	15-11-58	Ditto
233	Basant Ram, Peon	..	40	0	0	7-6-60	Ditto
234	Hari Singh, Peon	..	21	0	0	17-9-52	Ditto
235	Ram Singh, Peon	..	21	0	0	9-1-60	Ditto
236	Tulsi Ram, Peon	..	6	0	0	19-10-59	Ditto
237	Mohan Singh, Peon	..	6	0	0	20-8-60	Ditto
238	Man Chand, Peon	..	2	0	0	8-5-59	Ditto
239	Teja Singh, Barkandaz	..	2	0	0	1-12-60	Ditto
240	Prabh Dayal, Peon	..	5	0	0	1-6-60	Ditto
241	Hans Raj, Peon	..	23	0	0	6-5-57	Ditto
242	Sain Dass, Peon	..	6	0	0	1-3-60	Ditto
	Director, Irrigation and Power Research Institute, Punjab, Amritsar						
243	Dr. H. L. Uppal, Director	..	30	0	0	18-8-52	Office of D. I. P. R., Amritsar

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
		Y. M. D.		
	Director, Irrigation and Power Research Institute, Punjab, Amritsar—contd			
	Sarvshri—			
244	Dr. C. L. Dhawan, Physical-Chemist S. and C. Officer	20 11 0	4-8-52	Office of D. I. P. R., Amritsar
245	S. R. Sehgal, Mathematical-cum-Statistical Officer	11 10 0	19-1-54	Ditto
246	O. C. Midha, Physicist ..	24 4 0	16-12-59	Ditto
247	I. B. Lal Bhatnagar, Research Officer	20 10 0	16-12-59	Ditto
248	Rajinder Singh, Research Officer ..	16 9 0	16-12-59	Ditto
249	J. C. Bahri, Research Officer ..	21 4 0	16-12-59	Ditto
250	P. L. Khanna, Research Officer ..	21 4 0	27-1-61	Ditto
251	U. S. Dalal, L. R. O. ..	19 6 0	1-3-55	Ditto
252	Gopal Singh Nat, Executive Engineer ..	29 2 0	14-5-60	Ditto
253	M. N. Narsimhaiya, Executive Engineer	8 1 0	30-4-60	Ditto
254	A. A. Jain, Executive Engineer ..	8 0 0	1-7-60	Ditto
255	Mohinder Singh, Assistant Research Officer	21 4 0	22-9-49	Ditto
256	Faqir Singh, Assistant Research Officer	21 0 0	8-3-60	Ditto
257	Amrik Singh Assistant Research Officer	20 0 0	24-9-59	Ditto
258	A. D. Dhand, Assistant Research Officer	14 9 0	7-3-60	Ditto
259	Sohan Singh, Assistant Research Officer	14 4 0	18-5-60	Ditto
260	M. M. Lal Malhotra, Assistant Land Revenue Officer	21 8 0	1-3-50	Ditto
261	K. R. Chaudhri, Assistant Land Revenue Officer	25 7 0	7-6-55	Ditto
262	Shanti Lal Sikka, Assistant Land Revenue Officer	20 0 0	1-7-60	Ditto
263	A. N. Khurana, Sub-Divisonal Officer	27 2 0	8-11-57	Ditto
264	O. P. Khundra, Sub-Divisional Officer	14 11 0	20-5-60	Ditto

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
		Y. M. D.		
	Director, Irrigation and Power Research Institute, Punjab, Amritsar—contd			
265	Bishambhar Singh, Superintendent ..	35 4 23	15-6-59	Office of D. I. P. R., Amritsar
266	Mahi Lal Pali, Head Clerk ..	17 6 0	13-2-58	Ditto
267	A. P. Kapur, Head Clerk ..	17 10 10	17-8-60	Ditto
268	Lakhi Ram Jain, Head Clerk ..	17 6 11	13-6-60	Ditto
269	Budha Singh, Head Clerk ..	17 8 23	1-10-60	Ditto
270	Madan Gopal, Accountant ..	22 10 0	23-10-59	Ditto
271	Khushi Ram Mehta, Accountant ..	8 11 20	2-4-58	Ditto
272	A. S. Ghai, Accountant ..	8 1 20	2-5-60	Ditto
273	Harcharan Singh, Accountant ..	4 0 0	16-7-60	Ditto
274	Yash Paul Khanna, Accounts Clerk ..	8 9 14	17-5-52	Ditto
275	Ram Labhaya, Accounts Clerk ..	9 0 0	6-1-52	Ditto
276	Mohinder Singh, Accounts Clerk ..	7 9 15	23-10-59	Ditto
277	Abnash Malhotra, Accounts Clerk ..	9 9 17	12-5-51	Ditto
278	Parkash Singh, Accounts Clerk ..	8 1 0	4-10-60	Ditto
279	Sunder Singh, Accounts Clerk ..	9 9 15	22-7-57	Ditto
280	Amar Singh, Accounts Clerk ..	12 5 20	9-5-59	Ditto
281	Sunder Dass, Accounts Clerk ..	12 6 0	1-9-58	Ditto
282	Om Parkash, Accounts Clerk ..	18 9 6	1-4-55	Ditto
283	Dilbagh Rai, Accounts Clerk ..	9 5 9	10-2-61	Ditto
284	Amolakh Ram Sharma, Stenographer	9 9 0	3-4-57	Ditto
285	Daulat Singh, Stenographer ..	5 10 10	23-7-57	Ditto
286	Madan Lal, Accounts Clerk ..	9 6 15	16-7-60	Ditto
287	Upkar Singh, Accounts Clerk ..	9 4 9	4-8-59	Ditto
288	Balwant Singh, Accounts Clerk ..	11 7 14	4-4-51	Ditto
289	Nirninder Kumar, S. D. C.	7 6 0	21-4-60	Ditto
290	Sudarshan Kumar, S. D. C.	6 7 0	17-5-60	Ditto
291	Brij Lal Arora, Clerk ..	2 5 0	29-9-58	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
		Y. M. D.		
	Director, Irrigation and Power Research Institute, Punjab, Amritsar—contd			
292	Avnash Chand Mandar, Clerk ..	2 5 0	23-9-58	Office of D. I. P. R., Amritsar
293	Apar Singh, Clerk ..	2 5 0	25-9-58	Ditto
294	Sadhu Singh, Clerk ..	3 3 23	6-11-57	Ditto
295	Darshan Kumar, Clerk ..	1 5 3	1-10-59	Ditto
296	Jagdish Raj, Clerk ..	0 9 12	17-5-60	Ditto
297	Chaman Lal, Clerk ..	1 10 0	8-5-59	Ditto
298	Sudesh Paul, Clerk ..	1 4 22	7-10-59	Ditto
299	Surrinder Krishan, Clerk ..	0 9 22	7-6-60	Ditto
300	Yuvraj Kumar, Clerk ..	0 5 17	12-9-60	Ditto
301	Hari Dev Clerk ..	0 4 20	11-10-60	Ditto
302	Basant Lal, Clerk ..	0 3 0	28-11-60	Ditto
303	Narinder Paul, Clerk ..	0 3 0	28-11-60	Ditto
304	Darshan Singh, Clerk ..	0 1 0	1-2-61	Ditto
305	Ved Parkash, Clerk ..	1 5 0	22-9-59	Ditto
306	Raj Kumar, Clerk ..	1 10 0	1-12-60	Ditto
307	Sohan Lal, Clerk ..	0 8 0	30-6-60	Ditto
308	Ram Parkash, Clerk ..	1 0 25	8-12-60	Ditto
309	Sowinder Paul, Clerk ..	0 11 0	1-4-60	Ditto
310	Harbhajan Singh, Clerk ..	0 3 1	28-11-60	Ditto
311	Vijay Kumar, Steno/Clerk ..	0 5 2	27-9-60	Ditto
312	Rajinder Nath, Clerk ..	1 4 10	19-10-59	Ditto
313	Jai Dayal, Clerk ..	0 3 1	28-11-60	Ditto
314	Chuni Lal, Clerk ..	0 2 20	6-12-60	Ditto
315	Mool Chand, Clerk ..	0 3 5	24-11-60	Ditto
316	Rup Lal, Clerk ..	0 9 1	27-5-60	Ditto
317	Jagdish Parshad, Clerk ..	0 3 9	21-11-60	Ditto
318	Mohan Lal, Clerk ..	0 3 0	28-11-60	Ditto

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
		Y. M. D.		
	Director, Irrigation and Power Research Institute, Punjab, Amritsar—contd			
	Sarvshri—			
319	Kasturi Lal, Clerk Store-keeper ..	0 3 8	21-11-60	Office of D. I. P. R., Amritsar
320	Puran Singh, Clerk ..	0 3 3	25-11-60	Ditto
321	Sohan Lal Mehta, Clerk ..	3 9 13	15-5-57	Ditto
322	Ram Kumar, Clerk ..	0 9 15	14-5-60	Ditto
323	Ganga Ram, Clerk ..	1 2 0	7-9-60	Ditto
324	Chanan Ram, Clerk ..	0 3 1	28-11-60	Ditto
325	Bharpur Singh, Clerk ..	0 3 1	28-11-60	Ditto
325	Baldev Chand, Clerk ..	9 2 22	5-12-60	Ditto
326	Brij Kumar, Clerk ..	0 7 25	5-7-60	Ditto
327	Tarjit Singh, Clerk ..	0 3 6	23-11-60	Ditto
328	Diwan Chand, Clerk ..	3 3 6	1-4-59	Ditto
329	Amolak Singh, Steno-typist ..	8 2 22	7-3-52	Ditto
330	Chandu Ram, Clerk ..	0 10 0	16-7-60	Ditto
331	Manohar Lal, Clerk ..	1 4 16	16-7-60	Ditto
332	Suresh Chander, Clerk ..	3 2 26	2-12-57	Ditto
333	Vijay Kumar, Clerk ..	0 3 15	24-11-60	Ditto
334	Ajit Singh, Clerk ..	8 6 15	1-1-55	Ditto
*335	Clerk ..	0 8 15	14-4-60	Ditto
*336				
337	Banarsi Dass, Record Keeper-cum-Store Keeper.	0 9 0	27-5-60	Ditto
338	Thakar Singh, Research Assistant ..	16 5 0	26-11-59	Ditto
339	Gian Singh, Research Assistant ..	11 8 0	1-8-56	Ditto
340	B. K. Malhotra, Research Assistant ..	14 0 0	1-3-48	Ditto
341	Didar Singh, Research Assistant ..	20 0 0	8-11-57	Ditto
342	Mohinder Nath, Research Assistant ..	28 0 0	1-9-49	Ditto
343	Arjan Dev Gulati, Research Assistant	11 3 0	2-11-49	Ditto
344	Rajinder Singh, Research Assistant ..	12 0 10	19-2-49	Ditto

*Not legible in Government reply.

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
		Y. M. D.		
	Director, Irrigation and Power Research, Institute, Punjab, Amritsar—contd Sarvshri—			
345	T. C. Paul, Research Assistant ..	0 0 1	1-3-61	Office of D.I. P.R. Amritsar
346	Madan Lal, Research Assistant ..	1 11 0	7-4-59	Ditto
347	Sumer Chand, Research Assistant ..	23 11 0	20-7-48	Ditto
348	H. L. Verma, Research Assistant ..	6 10 0	24-8-58	Ditto
349	Bhupinder Singh, Research Assistant ..	0 0 21	7-2-61	Ditto
350	D. K. Sharma, Research Assistant ..	2 4 0	15-11-58	Ditto
351	Surinder Kumar, Research Assistant ..	1 7 0	1-8-59	Ditto
352	Sat Parkash, Research Assistant ..	0 6 29	3-8-60	Ditto
353	Dev Kumar, Research Assistant ..	0 1 0	31-1-61	Ditto
354	Joginder Singh, Research Assistant ..	1 2 0	6-1-60	Ditto
355	Balraj, Research Assistant ..	1 0 0	1-3-60	Ditto
356	P. D. Ghai, Research Assistant ..	10 10 0	1-5-60	Ditto
357	P. R. Midha, Research Assistant ..	20 0 0	12-10-51	Ditto
358	Manohar Lal, Research Assistant ..	11 7 24	7-4-60	Ditto
359	Balbir Singh, Research Assistant ..	17 8 60	17-8-60	Ditto
360	Ram Parkash, Research Assistant ..	0 4 0	3-11-60	Ditto
361	Sukhjit Singh, Research Assistant ..	0 1 0	2-2-61	Ditto
362	Harbhajan Singh, Research Assistant	0 0 15	13-2-61	Ditto
363	Rabinder Singh, Research Assistant ..	0 0 1	1-3-61	Ditto
364	Sat Pal, Research Assistant ..	0 0 1	1-3-61	Ditto
365	C. P. Gulati, Research Assistant ..	0 0 1	1-3-61	Ditto
366	Bhakhtawar Singh, Research Assistant	0 7 0	27-7-60	Ditto
367	Hakim Singh, Research Assistant ..	16 5 0	14-6-60	Ditto
368	Jagan Nath Gupta, Circle Head Drafts-man	32 11 14	9-5-60	Ditto

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	4
		Y. M. D.		
	Director, Irrigation and Power Research Institute, Punjab, Amritsar—contd Sarvshri—			
369	Hansi Lal, Divisional Head Draftsman	11 6 9	10-2-61	Office of D. I. P. R., Amritsar
370	Sohan Singh, Divisional Head Draftsman	14 11 0	21-9-60	Ditto
371	Mahesh Kumar, Divisional Head Draftsman	10 2 11	4-7-60	Ditto
372	Jasrant Singh, Divisional Head Draftsman	12 5 0	19-8-60	Ditto
373	Gurdas Ram, Draftsman ..	16 6 21	15-9-47	Ditto
374	Wazir Chand, Draftsman ..	12 0 12	17-2-49	Ditto
375	Madan Lal, Draftsman ..	2 3 10	19-11-58	Ditto
376	Baldev Raj, Draftsman ..	2 3 15	14-11-58	Ditto
377	K. C. Goswami, Draftman ..	3 6 0	16-7-60	Ditto
378	Radhey Sham Mudgil, Draftsman ..	0 8 13	15-6-60	Ditto
379	Sudharshan Kumar, Draftsman ..	0 10 13	16-7-60	Ditto
380	K. K. Aggarwal, Draftsman ..	3 9 21	14-7-60	Ditto
381	Bhagwan Singh, Draftsman ..	1 7 5	4-1-61	Ditto
382	Hazara Singh, Tracer ..	8 11 19	..	Ditto
383	Inderjit Kapur, Tracer ..	8 2 26	10-3-60	Ditto
384	Sat Dev, Tracer ..	7 7 0	1-8-53	Ditto
385	Yash Pal, Tracer ..	1 5 3	28-9-59	Ditto
386	Ishwar Dayal, Tracer ..	0 10 24	6-4-60	Ditto
387	Parhlad Singh, Tracer ..	9 0 11	18-2-52	Ditto
388	Sarmukh Singh, Tracer ..	0 8 20	11-6-60	Ditto
389	Gulzar Singh, Tracer ..	0 8 24	7-4-60	Ditto
390	Piara Singh, Tracer ..	3 0 18	11-2-58	Ditto
391	Sohan Singh, Tracer ..	7 0 19	16-7-60	Ditto
392	Raghunandan, Tracer ..	1 7 7	6-12-60	Ditto
393	Dev Raj Popli, Silt Analyst ..	11 5 0	10-10-49	Ditto
394	Harbhajan Singh, Silt Analyst ..	0 3 6	15-11-60	Ditto
395	Inder Singh, Silt Analyst ..	0 3 6	15-11-60	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and designation		Total length of service in Complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2		3	4	5
	Director, Irrigation and Power Research Institute, Punjab, Amritsar—contd.				
	Sarvshri—		Y. M. D.		
396	Sikandar Lal, Observer	..	0 11 20	10-3-60	Office of D. I. P. R., Amritsar
397	Prem Chand, Observer	..	0 6 0	1-9-60	Ditto
398	Mam Chand, Observer	..	0 6 2	30-8-60	Ditto
399	Bodh Raj, Observer	..	0 11 20	11-3-60	Ditto
400	Dev Dass, H. L. A.	..	12 0 0	1-3-49	Ditto
401	Mool Chand, H. L. A.	..	7 8 0	8-9-60	Ditto
402	Raghbir Singh, H. L. A.	..	34 4 19	31-10-47	Ditto
403	Kashmir Singh, H. L. A.	..	34 4 19	31-10-47	Ditto
404	Vaishno Dass, H. L. A.	..	0 0 16	13-2-61	Ditto
405	Om Parkash, Photographer	..	12 1 11	18-1-49	Ditto
406	Harbhajan Singh, Storekeeper	..	11 0 0	25-8-49	Ditto
407	Faqir Chand, Computor	..	27 0 0	15-10-47	Ditto
408	Dhanna Singh, Computor	..	27 0 0	15-10-47	Ditto
409	Jamna Parshad, Computor	..	11 9 0	13-6-49	Ditto
410	Rattan Singh, Computor	..	10 6 1	30-8-50	Ditto
411	Gotar Singh, Computor	..	10 6 1	30-8-50	Ditto
412	Roshan Lal, Computor	..	7 10 0	10-5-53	Ditto
413	Hira Lal, Computor	..	10 0 0	2-3-51	Ditto
414	Mohinder Singh, Computor	..	0 2 0	6-1-61	Ditto
415	Amarjit Singh, Field Assistant	..	1 4 24	5-10-59	Ditto
416	Hari Chand, Field Assistant	..	1 2 26	3-12-59	Ditto
417	Gurdial Singh, Field Assistant	..	1 1 25	4-1-60	Ditto
418	Balkishan, Field Assistant	..	0 9 22	7-5-60	Ditto
419	Major Singh, Field Assistant	..	0 9 12	17-5-60	Ditto

Serial No.	Name and designation		Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2		3	4	5
	Director, Irrigation and Power Research Institute, Punjab, Amritsar—contd				
	Sarvshri—		Y. M. D.		
420	Surjit Singh, Field Assistant	..	0 9 24	3-5-60	Office of DPIR, Amritsar
421	Sadhu Singh, Field Assistant	..	0 9 22	7-5-60	Ditto
422	Dial Singh, Field Assistant	..	0 9 22	7-5-60	Ditto
423	Joginder Singh, Field Assistant	..	0 9 0	1-6-60	Ditto
424	Sant Ram, Peon	..	13 4 11	20-10-47	Ditto
425	Bhagat Ram, Peon	..	19 6 12	24-1-50	Ditto
426	Ram Lal, Peon	..	21 0 0	5-12-47	Ditto
427	Amar Singh, Peon	..	11 6 0	1-9-49	Ditto
428	Harnam Singh, Peon	..	11 8 0	1-7-49	Ditto
429	Jagdish Ram, Peon	.	5 4 22	6-3-57	Ditto
430	Sadhu Singh, Field Assistant	..	1 3 20	10-11-59	Ditto
431	Kanshi Ram, Field Assistant	..	7 11 0	1-4-53	Ditto
432	Daulat Ram, Field Assistant	..	7 11 0	1-4-53	Ditto
433	Sant Ram, Field Assistant	..	7 10 0	1-5-53	Ditto
434	Badri Dass, Field Assistant	..	7 9 0	1-6-53	Ditto
435	Sukhdev Raj, Field Assistant	..	0 3 18	13-10-60	Ditto
436	Dhani Ram, Field Assistant	..	6 6 0	1-9-54	Ditto
437	Ram Naresh, Field Assistant	..	6 9 0	1-6-54	Ditto
438	Dina Nath, Field Assistant	..	10 3 11	20-11-50	Ditto
439	Diwan Chand, Field Assistant	..	3 9 0	1-6-57	Ditto
440	Ram Lot, Field Assistant	..	1 0 0	1-3-60	Ditto
441	Om Parkash, Field Assistant	..	0 5 10	19-9-60	Ditto
442	Bachiter Singh, Jamadar	..	26 3 29	19-12-47	Ditto
443	Dharam Singh, Daftri	..	16 3 8	10-3-60	Ditto
444	Karam Chand, Peon	..	7 10 26	31-5-60	Ditto
445	Bhan Singh, Peon	..	3 10 11	1-5-57	Ditto
446	Sawaran Singh , Peon	..	0 4 20	21-10-60	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and Designation	Total length of service in complete Years	Date from which posted at Amritsar District Head quarters	Address
1	2	3	4	5
	Director, Irrigation and Power Research Institute, Punjab, Amritsar—contd			
	Sarvshri—	Y. M. D.		
447	Dalip Singh, Peon ..	0 7 0	29-7-60	Office of D. I. P. R., Amritsar
448	Kali Dass, Peon ..	0 8 15	16-7-60	Ditto
449	Gurmukh Singh, Peon ..	2 9 13	11-1-61	Ditto
450	Aditya Ram, Peon ..	0 8 3	16-7-60	Ditto
451	Rangil Singh, Daffadar ..	8 7 21	14-1-57	Ditto
452	Hazara Singh, Barkandaz. ..	4 1 21	10-1-57	Ditto
453	Hari Singh, Barkandaz ..	0 6 0	1-9-60	Ditto
454	Kartar Singh, Barkandaz ..	0 6 11	18-8-60	Ditto
455	Dulla Singh, Barkandaz ..	0 6 11	18-8-60	Ditto
456	Dalip Singh, Barkandaz ..	0 5 23	7-9-60	Ditto
457	Harnek Singh, Barkandaz ..	0 3 19	10-11-60	Ditto
458	Parsa Singh, Barkandaz ..	0 4 18	11-10-60	Ditto
459	Jagdish Narain, Laboratory Attendant	11 4 1	27-10-49	Ditto
460	Thakur Singh, Laboratory Attendant	1 2 21	8-12-59	Ditto
461	Lachman Dass, Laboratory Attendant	9 10 0	8-12-59	Ditto
462	Delete			
463	Kesar Singh, Laboratory Attendant	30 6 0	18-5-58	Ditto
464	Mangal Singh, Laboratory Attendant	11 11 11	18-3-49	Ditto
465	Amar Nath, s/o Prem Singh, Laboratory Attendant	11 7 0	12-12-58	Ditto
466	Rikhi Ram, Laboratory Attendant ..	3 2 0	4-1-58	Ditto
467	Amar Nath, s/o Gian Chand, Laboratory Attendant	3 0 24	5-2-58	Ditto
468	Ram Rakha, Laboratory Attendant	2 2 11	8-12-59	Ditto
469	Ajmer Singh, Laboratory Attendant	9 3 0	1-12-51	Ditto
470	Pars Ram, s/o Chapplu, Laboratory.. Attendant	10 9 19	10-5-50	Ditto
471	Malak Chand, Laboratory Attendant	11 8 0	10-2-61	Ditto
472	Ausan, Laboratory Attendant	1 2 21	8-12-59	Ditto

Serial No.	Name and Designation	Total length of service in complete Years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
	Director, Irrigation and Power Research Institute, Punjab, Amritsar—contd			
	Sarvshri—	Y. M. D.		
473	Gian Singh, Laboratory Attendant ..	1 2 25	4-12-59	Office of D. I. P. R. Amritsar
474	Babu Ram, Laboratory Attendant ..	12 10 0	1-5-48	Ditto
475	Mangat Ram, Laboratory Attendant	0 0 19	10-2-61	Ditto
476	Amrik Singh, Laboratory Attendant	0 0 19	10-2-61	Ditto
477	Raghu Nath, A.L.A. ..	1 2 21	8-12-59	Ditto
478	Bernard Fernauds, A.L.A. ..	1 2 21	8-12-59	Ditto
479	Kartar Chand, A.L.A ..	3 2 0	14-2-61	Ditto
480	Mast Ram, Sectional Officer ..	10 9 9	9/59	Ditto
481	Surjit Singh, Sectional Officer ..	2 2 4	25-11-58	Ditto
482	Joginder Lal, Sectional Officer ..	1 0 20	1-9-60	Ditto
483	Dalip Singh, Sectional Officer ..	0 10 3	6-5-60	Ditto
484	Tilak Raj Verma, Sectional Officer ..	0 5 2	27-9-60	Ditto
485	Prem Parkash Parbhakar, Sectional Officer	1 7 6	23-7-57	Ditto
486	Ram Kumar, Sectional Officer ..	0 7 24	8-7-60	Ditto
	Drainage Circle, Amritsar			
487	S.S. Jawanda, Superintending Engineer	23 0 0	29-7-60	Ditto
488	M.R. Sachdeva, Executive Engineer	33 0 0	8-2-60	Ditto
489	V.P. Bedi, Executive Engineer ..	8 3 0	20-9-60	Ditto
490	Sagar Chand Vermani, Executive Engineer	32 0 0	25-2-58	Ditto
491	Manmohan Singh, Sub-Divisional Officer	20 10 0	9-8-59	Drainage Circle, Amritsar
492	Kewal Singh, Sub-Divisional Officer	17 0 0	12-6-59	Ditto
493	B.S. Khatri, Sub Divisional Officer ..	1 9 0	4-9-59	Ditto
494	Surjit Singh, Sub Divisional Officer ..	15 5 0	1-3-59	Ditto
495	Prithipal Singh, Sub-Divisional Officer	14 7 0	26-12-59	Ditto
496	Ominder Singh, Sectional Officer ..	3 2 0	20-3-58	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and Designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
	Drainage Circle Amritsar—contd			
	Sarvshri—	Y. M. D.		
497	Joginder Singh, Sectional Officer ..	7 8 0	18-6-60	Drainage Circle, Amritsar
498	Karam Singh, Sectional Officer ..	4 1 2	7-2-57	Ditto
499	H.N. Mehta, Sectional Officer ..	8 2 0	9-5-57	Ditto
500	Parbodh Kumar, Sectional Officer ..	0 2 0	18-1-61	Ditto
501	Swaran Singh, Sectional Officer ..	11 1 0	2-7-57	Ditto
502	Madan Lal, Sectional Officer ..	0 1 0	2-12-59	Ditto
503	B.K. Mauza, Sectional Officer ..	7 3 0	9-2-57	Ditto
504	Natha Singh, Sectional Officer ..	4 8 0	1-3-61	Ditto
505	Iqbal Singh, Sectional Officer ..	9 1 0	17-10-57	Ditto
506	Hardyal Singh, Sectional Officer ..	4 2 0	17-4-57	Ditto
507	Amrit Rai, Sectional Officer ..	0 2 0	21-12-60	Ditto
508	Krishan Kumar, Sectional Officer ..	0 2 0	23-12-60	Ditto
509	Tarvinder Singh, Sectional Officer ..	0 2 0	26-12-60	Ditto
510	Baldev Raj Garg, Sectional Officer ..	0 7 0	23-12-60	Ditto
511	Padam Parkash, Sectional Officer ..	0 2 0	26-12-60	Ditto
512	Barjinder Paul, Sectional Officer ..	0 2 0	23-12-60	Ditto
513	Jugal Kishore, Sectional Officer ..	4 4 0	16-1-57	Ditto
514	Harbans Lal, Sectional Officer ..	3 3 0	10-1-61	Ditto
515	Krishan Lal Bahl, Sectional Officer ..	8 2 0	27-1-57	Ditto
516	Rajinder Paul, Sectional Officer ..	0 1 0	6-2-61	Ditto
517	Pitamber Singh, Sectional Officer ..	0 20 0	21-2-61	Ditto
518	Jagan Nath, Sectional Officer ..	0 19 0	22-2-61	Ditto
519	Des Raj, Sectional Officer ..	7 1 0	27-2-61	Ditto
520	Misri Lal, Sectional Officer ..	Recently joined		Ditto
521	Baldev Singh, Sectional Officer ..	Ditto		Ditto
522	Sukhdev Chand, Sectional Officer ..	3 0 0	24-11-60	Ditto

Serial No.	Name and Designation		Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar district Headquarters	Address
1	2		3	4	5
	Drainage Circle Amritsar— contd				
	Sarvshri—		Y. M. D.		
523	Sampat Rai, Sectional Officer	..	1 2 0	22-12-59	Drainage Circle, Amritsar
524	Raj Kumar Jain, Sectional Officer	..	1 3 0	7-12-59	Ditto
525	Kalyan Das, Sectional Officer	..	0 4 0	26-10-60	Ditto
526	Balbir Singh, Sectional Officer	..	0 2 0	3-1-61	Ditto
527	Tilak Raj, Sectional Officer	..	0 2 0	17-1-61	Ditto
528	Hans Raj, Clerk	..	0 2 0	15-12-60	Ditto
529	Sukhdev Singh Rana	..	2 15 0	23-12-60	Ditto
530	Dharam Pal, Clerk	..	2 0 0	26-12-60	Ditto
531	Krishan Lal, Clerk	..	0 1 0	30-1-61	Ditto
532	Dharam Singh, Clerk	..	9 2 0	23-12-59	Ditto
533	Darshan Lal, Clerk	..	3 3 0	22-2-61	Ditto
534	Nand Kishore, Clerk	..	3 4 0	14-12-57	Ditto
535	Randhir Singh, Clerk	..	1 7 0	2-2-61	Ditto
536	Surat Singh, Clerk	..	1 1 0	9-1-61	Ditto
537	Avtar Lal, Clerk	..	0 10 0	29-4-60	Ditto
538	Sohan Lal, Clerk	..	0 10 0	13-5-60	Ditto
539	Jai Chand , Clerk	..	0 6 0	16-9-60	Ditto
540	Piara Singh, Clerk	..	0 2 0	30-12-60	Ditto
541	Gurbachan Singh, Storekeeper	..	0 5 0	28-12-60	Ditto
542	Hakam Singh, Clerk	..	3 6 0	10-10-60	Ditto
543	Madan Lal, Clerk	..	3 4 0	10-10-60	Ditto
544	Satnam Singh, Clerk	..	0 6 0	10-10-60	Ditto
545	Surinder Mohan, Clerk	..	0 2 0	6- 1-61	Ditto
546	Lok Nath, Clerk	..	2 0 0	10-10-60	Ditto
547	Shankar Das, Clerk	..	3 6 0	21-11-57	Ditto
548	Som Nath, Clerk	..	0 9 0	10-10-60	Ditto
549	Sukhdev Singh, Clerk	..	1 0 0	11-8-60	Ditto
550	Jaswant Singh, Clerk	..	1 0 0	16-12-60	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
	Drainage Circle, Amritsar—contd			
	Sarvshri—	Y. M. D.		
551	Jit Singh, Clerk ..	0 2 0	9-1-61	Drainage Circle, Amritsar
552	Jagdish Rai, Clerk ..	0 1 0	31-1-61	Ditto
553	Pash Kumari, Clerk ..	0 2 0	31-12-6 0	Ditto
554	Summat Parkash, Clerk ..	1 0 0	28-1-60	Ditto
555	Surjit Singh, Clerk ..	3 3 0	14-9-58	Ditto
556	Sohan Singh, Clerk ..	0 9 0	23-5-60	Ditto
557	Des Raj, Clerk ..	0 5 0	24-9-60	Ditto
558	Jagdish Lal, Clerk ..	0 8 0	1-12-60	Ditto
559	Mohinder Pal, Clerk ..	0 8 0	18-12-60	Ditto
560	Kulwant Rai, Clerk ..	0 2 0	29-12-60	Ditto
561	Kewal Krishan, Clerk ..	0 2 0	21-12-60	Ditto
562	Dharam Pal, Clerk ..	1 1 0	29 3-60	Ditto
563	Jagmohan Lal, Clerk ..	1 5 0	29-6-60	Ditto
564	Joginder Singh, Clerk ..	4 25 0	1-3-59	Ditto
565	Brij Lal, Clerk ..	0 7 0	28-12-60	Ditto
566	Jagir Singh, Clerk ..	10 1 0	27-1-60	Ditto
567	Chander Singh, Clerk ..	0 7 0	9-8-60	Ditto
568	Rajinder Kumar, Clerk ..	0 2 0	29-12-60	Ditto
569	Nand Lal, Clerk ..	3 3 0	9-7-59	Ditto
570	Om Parkash, Clerk ..	10 0 0	6-5-60	Ditto
571	Om Parkash, Clerk ..	0 10 0	6-5-60	Ditto
572	Joginder Singh, Clerk ..	6 8 0	9-12-60	Ditto
573	Bhim Sen, Clerk ..	0 8 0	6-7-60	Ditto
574	Ram Lal, Divisional Head Draftsman	18 9 0	10-12-60	Ditto
575	Mohan Lal, Divisional Head Draftsman	24 0 0	10-10-60	Ditto
576	Amar Chand, Divisional Head Draftsman	8 8 0	28-10-60	Ditto

Serial No.	Name and Designation		Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2		3	4	5
	Drainage Circle, Amritsar—contd				
	Sarvshri—		Y. M. D.		
577	Kashmir Singh, Divisional Head Draftsman		11 0 0	18-7-60	Drainage Circle, Amritsar
578	Kundan Lal, Draftsman	..	7 0 0	10-10-60	Ditto
579	Surinder Kumar, Draftsman	..	3 0 0	10-10-60	Ditto
580	Amrit Lal, Draftsman	..	3 0 0	10-10-60	Ditto
581	Gurbachan Singh, Draftsman	..	11 0 0	12-10-60	Ditto
582	Harjit Singh, Draftsman	..	1 5 0	1-10-59	Ditto
583	Ishwar Singh, Draftsman	..	11 6 0	8-3-57	Ditto
584	Kirpal Singh, Draftsman	..	8 11 0	1-3-59	Ditto
585	Gurdev Singh, Draftsman	..	1 8 0	10-7-59	Ditto
586	Baldev Singh, Draftsman	..	7 9 0	1-3-61	Ditto
587	Kewal Ram, Draftsman	..	2 5 0	9-3-60	Ditto
588	Lajpat Rai, Draftsman	..	6 11 0	23-9-61	Ditto
589	Malkiat Ram, Draftsman	..	8 10 0	8-3-60	Ditto
590	Daljit Singh, Tracer	..	1 4 0	15-10-59	Ditto
591	Mohan Singh, Tracer	..	1 5 0	9-7-60	Ditto
592	Mohinder Singh, Tracer	..	4 3 0	7-2-57	Ditto
593	Ranjit Singh, Tracer	..	4 3 0	1-3-59	Ditto
594	Kulwant Singh, Tracer	..	2 5 0	1-3-61	Ditto
595	Ujagar Singh, Tracer	..	4 4 0	5-7-57	Ditto
596	Manmohan Singh, Tracer	..	1 7 0	28-4-60	Ditto
597	Ram Dass, Tracer	..	2 6 0	10-10-60	Ditto
598	Surinder Kumar, Tracer	..	7 0 0	9-1-61	Ditto
599	Sudarshan Kumar, Tracer	..	3 6 0	10-10-60	Ditto
600	Partap Singh, Superintendent	..	25 0 0	17-10-60	Ditto
601	Manohar Singh, Head Clerk	..	15 0 0	13-1-58	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and Designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Head-quarters	Address
	Drainage Circle, Amritsar—contd			
	Sarvshri—	Y. M. D.		
602	Tirath Ram, Head Clerk ..	14 3 0	4-10-60	Drainage Circle, Amritsar
603	Dharam Vir, Head Clerk ..	18 10 0	9-12-60	Ditto
604	Ronqi Ram, Head Clerk ..	18 0 0	16-10-59	Ditto
605	Jagdish Chander, Accountant ..	2 0 0	12-1-60	Ditto
606	Mulk Raj Sharma, Accounts Clerk ..	14 11 0	31-8-59	Ditto
607	Ram Sarup Beri, Accounts Clerk ..	9 8 0	1-3-59	Ditto
608	Ram Saran Dass, Accounts Clerk ..	13 8 0	11-3-59	Ditto
609	Achhar Singh, Accounts Clerk ..	13 7 0	18-9-59	Ditto
610	Harbansjit, Accounts Clerk ..	15 6 0	14-9-59	Ditto
611	Darshan Lal, Accounts Clerk ..	9 2 0	3-5-57	Ditto
612	Banarsi Dass Gupta, Accounts Clerk	9 8 0	4-12-60	Ditto
613	Dharam Vir Sehgal, Accounts Clerk	10 0 0	10-10-60	Ditto
614	Ajit Singh, Accounts Clerk ..	7 0 0	1-6-58	Ditto
615	Satnam Singh, Accounts Clerk ..	9 0 0	16-10-60	Ditto
616	Gulzar Singh, Accounts Clerk ..	9 0 0	10-10-60	Ditto
617	Banarsi Lal, Accounts Clerk ..	8 0 0	18-11-60	Ditto
618	Arjan Singh , Steno ..	9 0 0	20-4-57	Ditto
619	Bhagat Ram, Sub-Divisional Clerk ..	6 0 0	10-10-60	Ditto
620	Rameshwar Datta, Sub-Divisional Clerk	7 0 0	10-10-60	Ditto
621	Gurbachan Singh, Sub-Divisional Clerk	4 1 0	27-1-57	Ditto
622	Parshotam Lal, Sub-Divisional Clerk	7 7 0	1-5-59	Ditto
623	Dharam Pal, Sub-Divisional Clerk ..	5 9 0	23-2-60	Ditto
624	Basdev, Sub-Divisional Clerk ..	8 0 0	7-9-59	Ditto
625	Gulzar Singh, Sub-Divisional Clerk	15 9 0	1-3-59	Ditto
626	Pashori Lal, Sub-Divisional Clerk ..	15 10 0	1-3-59	Ditto
627	Kesar Dass, Sub-Divisional Clerk ..	4 5 0	1-11-60	Ditto

Serial No.	Name and Designation	Total length of Service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Headquarters	Address
1	2	3	4	5
	Drainage Circle, Amritsar—contd			
	Sarvshri—	Y M D		
628	Lekh Raj, Daftri ..	4 0 0	10-10-60	Drainage Circle, Amritsar
629	Brij Lal, Peon ..	5 0 0	31-1-61	Ditto
630	Barsati Ram, Peon ..	0 8 0	3-1-61	Ditto
631	Hem Raj, Peon ..	1 0 0	10-10-60	Ditto
632	Gopal Singh, Peon ..	4 0 0	7-10-60	Ditto
633	Bhagat Singh, Peon ..	0 4 0	10-11-60	Ditto
634	Santokh Singh, Peon ..	3 9 0	7-10-60	Ditto
635	Gurdev Singh, Peon ..	4 9 0	15-1-57	Ditto
636	Gian Singh, Peon ..	0 8 0	28-6-60	Ditto
637	Amar Singh, Peon ..	3 10 0	1-3-58	Ditto
638	Vir Singh, Peon ..	4 1 0	9-2-57	Ditto
639	Parkash Chand, Peon ..	3 10 0	1-3-59	Ditto
640	Kapur Singh, Peon ..	0 1 0	20-1-61	Ditto
641	Bishan Dass, Peon ..	6 0 0	1-3-59	Ditto
642	Mukhtiar Singh, peon ..	3 6 0	22-8-57	Ditto
643	Ram Parshad, Peon ..	23 6 0	13-1-61	Ditto
644	Padhu Ram, Peon ..	0 4 0	10-11-60	Ditto
645	Balbir Singh, Peon ..	6 3 0	9-12-60	Ditto
646	Hari Singh, Peon ..	1 5 0	5-10-59	Ditto
647	Bahadur Singh, Peon ..	1 5 0	29-10-59	Ditto
648	Shankar Dass, Peon ..	6 9 0	6-2-61	Ditto
649	Gurbachan Singh, Peon ..	1 5 0	16-10-59	Ditto
650	Sita Ram, Peon ..	1 8 0	14-2-61	Ditto
651	Babu Ram, Peon ..	5 7 0	22-5-57	Ditto
652	Jagdish Chand, Peon ..	5 11 0	24-3-55	Ditto

[Minister for Irrigation and Power]

Serial No.	Name and Designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar District Head-quarters	Address
1	2	3	4	5
	Drainage Circle, Amritsar—contd			
	Sarvshri—	Y. M. D.		
653	Swaran Singh, Peon ..	0 4 0	10-11-60	Drainage Circle Amritsar
654	Mohinder Singh, Peon ..	0 4 0	8-11-60	Ditto
655	Didar Singh, Peon ..	1 2 0	17-12-59	Ditto
656	Dalip Singh, Daffadar ..	4 0 0	1-3-59	Ditto
657	Bhagal Singh, Daffadar ..	3 10 0	1-3-59	Ditto
658	Surrain Singh, Daffadar ..	3 8 0	3-7-57	Ditto
659	Gurdial Singh, Barkandaz ..	1 2 0	17-12-59	Ditto
660	Tara Singh, Barkandaz ..	0 4 0	11-11-60	Ditto
661	Kundan Singh, Barkandaz ..	0 4 0	9-11-60	Ditto
662	Mohan Singh, Barkandaz ..	0 1 0	20-2-61	Ditto
663	Gura Singh, Barkandaz ..	0 18 0	23-2-61	Ditto
664	Shingara Singh, Barkandaz ..	0 0 14	27-2-61	Ditto
665	Hari Chand, Barkandaz ..	0 0 10	30-3-61	Ditto
666	Charan Singh, Barkandaz ..	0 3 0	8-12-60	Ditto
667	Swaran Singh, Barkandaz ..	0 2 0	20-12-60	Ditto
668	Mohain Singh, Barkandaz ..	2 6 0	19-8-56	Ditto
669	Karnail Singh, Barkandaz ..	3 6 0	1-3-59	Ditto
670	Gurdit Singh, Barkandaz ..	0 5 0	19-9-60	Ditto
671	Prem Singh, Barkandaz ..	0 4 0	7-11-60	Ditto
672	Sucha Singh, Barkandaz ..	3 5 0	23-9-57	Ditto
673	Tota Ram Dak Runner ..	3 7 0	1-3-59	Ditto
674	Chuni Lal, Dak Runner ..	0 4 0	28-10-60	Ditto
675	Krishan Chand, Dak Runner ..	0 3 0	5-12-60	Ditto
676	Madhwa Nand, Cycle Swar ..	0 3 0	5-12-60	Ditto
677	Darshan Singh, Chowkidar ..	0 3 0	8-12-60	Ditto
678	Murli Dhar, Chowkidar ..	0 3 0	9-12-60	Ditto
679	Bala Ram, Chowkidar ..	0 3 0		Ditto
680	Piara, Sweeper ..	2 11 0	25-3-58	Ditto
681	Om Parkash, Sweeper ..	0 2 0	29-12-60	Ditto

Serial No.	Name and Designation	Total length of service in complete years	Date from which posted at Amritsar district Headquarters	Address
1	2	3	4	5
	Drainage Circle, Amritsar—concld			
		Y. M. d.		
Sarvshri—				
682	Takhar Dass, Sweeper ..	0 1 0	27-2-61	Drainage circle, Amritsar
683	Subhani Ram, Sweeper-cum-Chowkidar	1 0 0	3-3-60	Ditto
684	Muni Lal, Sweeper-cum-Chowkidar ..	3 9 0	1-3-59	Dito
685	Babu Ram, Sweeper-cum-Chowkidar	0 4 0	15-10-60	Ditto
686	Girdhari Lal, Sweeper ..			Ditto
	Project Circle, Amritsar			
687	P.C. Ghai, Sub-Divisional Officer ..	19 7 0	9-11-60	Project Circle Rani Ka Bagh, Amritsar
688	O.P. Gupta, Sub-Divisonal Officer Project Sub-Division C	16 8 0	2-12-59	Ditto
689	Raj Kumar, Sub-Divisional Clerk ..	9 4 0	12-1-60	Ditto
690	Charan Dass, Sub-Divisioanal Clerk	8 6 0	2-12-59	Ditto
691	Ram Avtar Goel, Sectional Officer ..	1 7 0	2-12-59	Ditto
692	Lachman Singh, Sectional Officer ..	1 7 0	2-12-59	Ditto
693	Ram Krishan, Sectional Officer ..	1 7 0	2-12-59	Ditto
694	Ram Murti, Sectional Officer ..	1 4 0	9-5-60	Ditto
695	Nazar Singh, Sectional Officer ..	0 3 0	27-12-60	Ditto
696	Gursewak Singh, Sectional Officer ..	0 7 0	16-8-60	Ditto
697	Radha Krishan, Sectional Officer ..	7 4 0	5-10-60	Ditto
698	H.S. Bhuller, Sectional Officer ..	4 2 0	1-9-60	Ditto
699	Raj Mal, Peon ..	Previous record awaited	December, 1960 (Approx.)	Ditto
700	Ram Bharose , Peon ..	1 year as peon	2-12-59	Ditto
701	Bhankar Bahadur, Daffadar ..	8 6 0	2-12-59	Ditto
702	Gurbux Singh, Barkandaz ..	2 0 0	2-12-59	Ditto
703	Saudagar Singh, Barkandaz ..	2 0 12	2-12-59	Ditto
704	Mit Singh, Sweeper ..	0 9 0	20-6-60	Ditto

PURCHASE OF LAND UNDER THE PUNJAB SECURITY OF LAND TENURES ACT, 1953

3475. Chaudhri Sadhu Ram : Will the Minister for Revenue be pleased to state the total number of tenants in the State who purchased land under section 18 of the Punjab Security of Land Tenures Act, 1953 along with the total area so purchased ?

Giani Kartar Singh : *Part first.*—About 6,524 tenants.

Part second.—About 40,197 ordinary acres.

(This information is up to about the month of January, 1961.)

WELLS DUG OUT IN KULU BLOCK

3476. Lala Jit Ram : Will the Minister for Community Development be pleased to state —

(a) whether any wells were sunk recently in villages Mahaul and Seri Berh in the Kulu Block ; if so, the amount spent on each ;

(b) whether before sinking the said wells any survey was made ; if not, the reasons therefor ;

(c) whether the wells mentioned in part (a) above are yielding adequate quantities of water ?

Sardar Gurbanta Singh : (a) Excavation of wells in villages Mahaul and Seri Berh in Kulu Block was done in the year 1956-57 and a sum of Rs. 1,597.62 and Rs. 1357.00 respectively was utilised by the Panchayat.

(b) In village Mahaul no survey was possible while in village Seri Berh survey was made, the work was measured and assessed by the Overseer for Rs 1,711.00 only.

(c) Well in Mahaul is not yielding any quantity of water ; its level being 1½ ft. in depth, while water in the well at Seri Berh continued to flow regularly for one year after the construction of the well. The water is still there, although its level has gone down.

BRIDGES OVER RIVER BEAS IN KULU

3477. Lala Jit Ram : Will the Minister for Public Works Dapartment be pleased to state whether there is any prospsal under the consideration of Government to construct a number of Bridges over river Beas in the vicinity of Kulu ; if so, when, and the amount, if any, earmarked for the purpose ?

Chaudhri Suraj Mal : No.

HEALTH CENTRES IN KANGRA DISTRICT

3478. Lala Jit Ram : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) the number of Health Centres functioning in district Kangra at present and the number proposed to be opened during the Third Five-Year Plan ;

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : बहुत अच्छा जनाब। इन के नम्बर यह हैं :

बुक नं०	रसीद नं०
731	162
731	191
745	61
747	77
764	52
764	125
764	149
764	160
765	7
765	60
765	80
783	83

श्री अध्यक्ष : बस जी ? (Is that all ?)

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : जनाब, यह तो चंद चावल ही हैं, यह दिखाने के लिये पेश किये हैं कि आप को पता लग जाए कि बाकी देग का क्या हाल है। एक छोटी सी और अर्ज़ कर के बैठ जाऊंगा। जनाब, मुझे अफसोस है कि आज हमारे कुछ दोस्त हम पर तानाज़नी करते हैं। सरकारी पार्टी वाले नहीं जानते कि प्रबोध जी के पास tape record है जिस में पता नहीं क्या छिपा पड़ा है। आज हम पर तानाज़नी करते हैं कि पागल हो गए हैं। चलो यही समझदार सही। आज पंडित शर्मा भी खामोश हैं हालांकि इनके पास खज़ाना भरा पड़ा है। लोग जानना चाहते हैं कि इन साहिबान के पास क्या २ है और जनता जाने भी क्यों न। क्या खामोशी अख्तियार करने के लिये आपोज़ीशन से गए थे . . . (घंटी) . . . . मैं जनाब, एक मिनट में खत्म कर के बैठ जाऊंगा . . . .

श्री अध्यक्ष : आप ने काफी टाइम ले लिया है। कल भी आप को टाइम मिला था। (The hon. Member has already taken enough time. He got time yesterday too.)

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : जनाब, मैं गुज़ारिश करना चाहता हूँ कि पिछली दफा मैं ने इजाज़त चाही थी कि कुछ documents जो किताबचा की शकल में थे मेज़ पर रखने की इजाज़त दी जाए . . . .

श्री अध्यक्ष : आप तो एक दिन एक रजिस्टर उठा लाए थे। Table पर रखना मामूली बात नहीं है। इन को छपवाना पड़ता है और उस पर हज़ारों रुपए खर्च आते हैं। आप का शौक पूरा होगा मगर सरकार का 50,000 रुपया खर्च हो जाएगा। आप इन documents को refer कर सकते हैं। (The other day hon. Member came armed with a Register. Placing such documents on the Table of the House is not an ordinary matter. These

[श्री अध्यक्ष]
have to be got printed and that costs thousands of rupees. Probably this act of his Bill satisfy the whim of the Hon. Member but the Government will have to incur an expenditure of Rs. 50,000 on it. The hon. Member can, therefore, only refer to these documents.)

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : जनाब, यह बात तो मुझे भी सूझ सकती थी मगर जो charges पहले थे वही काफी थे मगर अब जो रौशनी में आ रहे हैं वह तो जनाब तूफान हैं।

Mr. Speaker: That will do please.

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : जनाब, बिल्कुल कौरों पांडो वाला नकशा बना हुआ है। जनाब, यह भीषम पितामह बैठे हुए हैं तानाज़नी करते हैं। (विघ्न) ऐ काश कि इन को भी इन्साफ दिखाई पड़े। या तो अब्दुल ग़नी को झुटलाएं या कहें कि इन्होंने झूठा जवाब दिया है। आप का शुक्रिया।

ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ (ਨੂਰ ਮਹਲ): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਬਜਟ ਤੇ ਬਹਿਸ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਇਕੱਠੇ ਹੋਏ ਹਾਂ। ਪਹਿਲੇ ਕਾਫੀ ਬਹਿਸ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ। ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਸਿਰਫ ਬਜਟ ਤਕ ਹੀ ਮਹਿਦੂਦ ਰਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਜਟ ਕੀ ਹੈ। ਜਿੰਨੀਆਂ ਤਕਰੀਰਾਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਉਹ ਬਜਟ ਉਪਰ ਘਟ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, persons ਉਪਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ **ਬਜਟ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ**। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਕਈ quotations ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਹਨ, ਉਹ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ। ਬਾਹਰ ਦੇ writers ਜਿੰਨੇ ਵੀ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੁਖਤਲਿਫ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਮਿਲਦੀਆਂ ਜੁਲਦੀਆਂ ਹੀ definitions ਬਜਟ ਦੀਆਂ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ। ਬਜਟ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਬਜਟ ਇਕ tool ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ends ਤਕ ਪਹੁੰਚਦੇ ਹਾਂ। ਜਿਹੜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹੋਣੀਆਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹਨ, ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ what is the general method of achieving the objective. Methods ਕੀ ਹਨ . . . . (*Interruptions*)

Mr. Speaker : No Interruptions please.

ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ: ਇਕ ਚੰਗਾ writer ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਬਜਟ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਥੋੜੇ ਜਿਹੇ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿਚ ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ—

'Process by which use of Public resources is planned and controlled.'

ਹੋਰਨਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਲਿਖਤਾਂ ਵੀ ਦਸੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ। ਜਿੰਨਾਂ ਰੁਪਿਆ ਵੀ income ਦਾ ਮਿਲਣਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ estimate ਕਰ ਕੇ ਸਰਕਾਰ ਖਰਚ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਬਣਾਉਂਦੀ ਹੈ ਜੋ ਹਰ ਸਾਲ ਇਸ House ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਜੇ ਕਰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਹ ਤਜਵੀਜ਼ ਆਖਰੀ ਹੈ ਅਤੇ ਅਵੱਲ ਹੈ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਭੁਲੇਖਾ ਖਾ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ। ਇਹ ਕਈਆਂ ਸਾਲਾਂ ਦੀ chain ਹੈ, link ਹੈ। ਇਕ ਇਸੇ ਸਾਲ ਤੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਆਪ ਦਾ ਬਜਟ ਤਿਆਰ ਕਰਨਾ ਆਉਣ ਵਾਲਿਆਂ ਸਾਲਾਂ ਤੇ ਵੀ ਨਿਰਭਰ ਹੈ। ਜੇ ਕਰ ਅਸੀਂ ਇਕ ਸਾਲ ਲਈ ਬਜਟ ਤਿਆਰ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਕੋਈ planning

ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਆਇੰਦਾ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਕੀ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਜੇ ਕਰ ਅਜਿਹਾ ਬਜਟ ਤਿਆਰ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਕੋਤਾਹੀ ਕਰਾਂਗੇ । ਜਿਹੜੀਆਂ ਤਜਵੀਜ਼ਾਂ ਬਾਹਰ ਦੇ ਮੁਲਕਾਂ ਦੀਆਂ ਹਨ, ਐਥੇ ਵੀ ਉਹੋ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਉਂ ਜਿਉਂ ਸਮਾਂ ਬਦਲਦਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਤਿਉਂ ਤਿਉਂ ਸਾਡੇ estimates, ਸਾਡੇ expenditure ਦੀ ਰੂਪ ਰੇਖਾ ਵੀ ਬਦਲਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਜੇ ਕਰ ਅਜ ਕੋਈ ਇਹ ਗਲ ਕਹੇ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਬਜਟ 25, 30 ਸਾਲ ਪਹਿਲੇ ਬਣਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਅੱਜ ਵੀ ਉਹੋ ਜਿਹਾ ਬਜਟ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਮੁਮਕਿਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਹਾਲਾਤ ਬਦਲ ਗਏ ਹਨ, ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਨਵੇਂ problems ਹਨ, ਨਵੇਂ ਨਿਸ਼ਾਨੇ ਹਨ । ਉਹ ਪਹਿਲੇ ਸਾਲਾਂ ਵਾਲੇ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਨਵੇਂ ਹਾਲਾਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਬਜਟ ਨੂੰ ਵੇਖਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਜਟ ਤਿਆਰ ਕਰਦੇ ਵੇਲੇ ਬਜਟ ਨੂੰ balanced ਰਖਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਜੇ ਕਰ ਬਜਟ surplus ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਰਾਏ ਵਿਚ it is a slur on the Government, ਜੇ ਕਰ deficit Budget ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਫਿਰ ਉਹ ਕਿਥੋਂ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਸ ਲਈ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ balanced Budget ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਨਾਂ ਤੇ ਜ਼ਿਆਦਾ Taxes ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ Expenditure side ਦਾ ਮੂੰਬਾ ਬੰਦ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ Budget ਇਸ House ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਸ ਉਪਰ discussion ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਇਹ ਇਸ ਢੰਗ ਦਾ ਬਜਟ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ prosperity for development of the State ਭਰੀ ਹੋਈ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਇਕ ਇਕ ਲਫਜ਼ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਬਜਟ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਕੋਤਾਹੀ ਕਰਾਂਗਾ ਜੇ ਕਰ ਬਜਟ ਦੇ relationship ਵਿਚ past ਅਤੇ present ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਨਾਂ ਕਰਾਂਗਾ । Future ਦਾ plan ਤਦ ਹੀ ਬਣ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇ ਕਰ ਅਸੀਂ past ਅਤੇ present ਉਤੇ ਝਾਤੀ ਮਾਰ ਸਕੀਏ । Second Five-year plan ਦੇ ਨਿਸ਼ਾਨੇ complete ਕਰਨ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਕਿੰਨੇ ਕੁ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋਏ ਹਾਂ ? ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕਰ ਅਸੀਂ agriculture side ਵੇਖਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਸਾਡਾ ਨਿਸ਼ਾਨਾ Foodgrains ਜਿਥੇ 59.41 ਲੱਖ ਟਨ ਸੀ ਉਥੇ ਅਸੀਂ 60 ਲੱਖ ਟਨ ਪੂਰਾ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ । Second Five-year plan ਵਿਚ ਸਾਡੇ Foodgrains ਵਿਚ ਐਨਾ ਵਾਧਾ ਹੋ ਜਾਣਾ ਕਾਫੀ ਹੌਸਲਾਅਫਜ਼ਾ ਚੀਜ਼ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਸਾਬਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਨੇ ਕਾਫੀ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਜੇ ਕਰ agriculture economy ਲਈ ਘਟ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਲੋਕ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਸਨ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੁਝ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਪਰ agriculture ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਜੋ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਪਾਸੇ ਤਰੱਕੀ ਹੋਈ ਹੈ । ਬਾਕੀ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ agriculture ਵਿੱਚ ਵੀ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਲੋੜ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਕੇ ਬਾਹਰਲੇ ਸੂਬਿਆਂ ਦੀ shortage ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ । Education ਵੱਲ ਤਕ ਲਉ । ਅਸੀਂ ਕਾਫ਼ੀ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਹੀ ਹੈ ਜਿਸ ਨੇ ਅੱਠਵੀਂ ਜਮਾਤ ਤੱਕ Government ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਮੁਫਤ ਵਿਦਿਆ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨ 100 ਰੁਪਏ ਮਾਹਵਾਰ ਤੋਂ ਘਟ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀਆਂ ਫੀਸਾਂ ਵੀ ਮੁਆਫ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਾਫੀ ਹਦ ਤਕ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਚੰਗੇ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਹਨ । Intelligence ਦਾ basis ਬਣਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਤਾਲੀਮ ਦਾ ਹੋਣਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ।

चौधरी धर्म सिंह राठी : यह तो बजट में पढ़ लिया है आप कोई नई बात करें ।

ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ : ਉਹ ਵੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦੱਸਾਂਗਾ । ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਬਜਟ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ, ਗੁੜ੍ਹਿਆ ਨਹੀਂ । ਜੇ ਗੁੜ੍ਹਿਆ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।

Mr. Speaker: No interruptions please.

ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ : ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ water-logging Schemes ਹਨ । ਇਸ ਵਿੱਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਾਫੀ ਉਦਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਦਮ ਕਰਕੇ ਹੀ ਇਹ ਸਾਰੇ ਕੰਮ ਹੋਏ ਹਨ । ਜਗ੍ਹਾ ਜਗ੍ਹਾ ਸੇਮ ਦੀਆਂ ਨਾਲੀਆਂ ਬਣਾਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ projects ਬਣਾ ਕੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਉਨਤੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਅੱਜ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਰਕਬਾ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ water-logged ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ । ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ anti-water-logging measures ਲਈ Centre ਵੱਲੋਂ ਕਾਫੀ ਰੁਪਿਆ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਜੋ ਅਸੀਂ projects ਬਣਾ ਕੇ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਜੇ ਅਸੀਂ ਇਸ ਪਾਸੇ ਕੋਈ ਤਵੱਜੋਹ ਨਾ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਸਾਡਾ ਬੜਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਣ ਦਾ ਡਰ ਹੈ, ਸਾਡੀ agricultural production ਘਟ ਜਾਣ ਦਾ ਡਰ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ anti-water-logging measures ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਜੇ ਅਸੀਂ ਸਾਰੀਆਂ figures ਨੂੰ tally ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਸੇਮ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਖਰਾਬ ਹੋਈ ਉਸ ਦਾ ਰਕਬਾ 30 ਲੱਖ ਏਕੜ ਬਣਦਾ ਸੀ ਪਰ ਹੁਣ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਅਗੇ ਨਾਲੋਂ ਹੋਰ 5 ਫੁਟ ਉਪਰ ਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੋਰ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਣ ਦਾ ਡਰ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਾਂ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਨਾਕਾਰਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ । ਆਇੰਦਾ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਵੇਗਾ ਜੇ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਨਾ ਹੋਇਆ । ਅੱਜ ਅਸੀਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਤਕਾਵੀਆਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਹੋਰ ਤਰੀਕੇ ਅਖਤਿਆਰ ਕੀਤੇ ਹਨ ਤਾਕਿ ਉਹ ਲੋਕ ਆਪਣੀ economy ਨੂੰ maintain ਕਰ ਸਕਣ । ਇਸ ਲਈ anti-water-logging measures ਅਖਤਿਆਰ ਕਰਨਾ ਬਹੁਤ ਹੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ, ਤਾਕਿ net results ਚੰਗੇ ਨਿਕਲਣ ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ Irrigation ਵਿਚ ਵੀ ਕਾਫੀ projects under-take ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ । ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਿੱਚ ਵੀ ਅੱਗੇ ਨਾਲੋਂ ਕਾਫੀ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਜਿਥੇ ਪਹਿਲਾਂ ਬਿਜਲੀ 84,000 k.W. ਪੈਦਾ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਸੀ ਉਥੇ ਹੁਣ Second five-year plan ਦੇ ਅੰਤ ਤਕ 405,000 k.W. ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਲੱਗ ਪਈ ਹੈ । ਹੁਣ ਪੰਜਾਬ ਦੀ industry ਮੁਕੰਮਲ ਤੌਰ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲਗ ਪਵੇਗੀ । ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਬਹੁਤਾਤ ਹੋ ਜਾਣ ਕਰ ਕੇ ਸਾਰੇ ਪਿੰਡਾਂ, ਕਸਬਿਆਂ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿੱਚ ਬਿਜਲੀ ਹੀ ਬਿਜਲੀ ਹੋ ਜਾਣੀ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਹੋਣਗੀਆਂ । ਇਸ ਨਵੇਂ ਯੁਗ ਵਿੱਚ ਨਵੇਂ ਢੰਗ ਦੇ agricultural implements ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਹੋਵੇਗੀ । ਅੱਜ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹੀ ਲੀਹਾਂ ਤੇ ਚਲ ਰਹੇ ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕਿ ਬਾਹਰਲੇ ਦੇਸ਼ਾਂ ਨੇ ਚਲ ਕੇ agriculture ਵਿੱਚ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਅਸੀਂ agriculture ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਅਜੇ under-developed ਹਾਂ । ਇਸ ਲਈ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ ਕਿ ਐਸੇ ਸਾਧਨ ਅਖਤਿਆਰ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਦੀ ਪੂਰੀ ਪੂਰੀ development ਹੋਵੇ । Industry ਦੇ ਵਾਧੇ ਲਈ ਅਜ ਸਭ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜ਼ਰੂਰਤ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕਾਫੀ provision ਕੀਤੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਬਿਜਲੀ ਪੈਦਾ ਕਰਕੇ ਮੁਲਕ ਦੀ ਉਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ । Industry ਦੇ ਮੈਦਾਨ ਵਿੱਚ ਭਾਵੇਂ small-scale

industry ਨੇ ਕਾਫੀ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਪਰ ਜਦੋਂ ਤਕ ਏਥੇ heavy industry ਕਾਇਮ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਉਦੋਂ ਤਕ ਬਹੁਤਾ ਫਰਕ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਣਾ । ਅਜ small-scale industry ਵਿੱਚ ਲੁਧਿਆਣੇ ਅਤੇ ਕੁਝ ਹੋਰ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦਾ ਨਾਉਂ ਬੜਾ ਉਚਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ । ਭਾਵੇਂ ਅਸੀਂ ਇਸ ਪਾਸੇ ਬਹੁਤ development ਕੀਤੀ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਡੀ ਤਸੱਲੀ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਵਾਲੀ । ਸਾਨੂੰ heavy industry ਦੀ ਸਖ਼ਤ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਕਾਰੀਗਰ ਉਦੋਂ ਤਕ ਨਿਕੰਮਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਤਕ ਕਿ ਉਹ tools factory ਨਹੀਂ ਲਾ ਲੈਂਦਾ । ਅੱਜ ਤਰੱਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਬਹੁਤਾ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ । ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਲੋੜ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਹੈ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਨਾਲ ਚਲਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਨੂੰ ਤਕਵੀਅਤ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ।

Consolidation of Holdings ਦੇ ਮਾਤਹਿਤ ਵੀ ਅਸੀਂ ਕਾਫੀ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਥੇ ਕਿਤੇ ਵੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ 5—7 ਟੁਕੜੇ ਹੋਣ ਜੇ ਉਹ ਇਕ ਯਾ ਦੋ ਬਣਾ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਇਸ ਨੂੰ consolidation ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ । ਪਰ ਹੁਣ ਇਹ ਵੇਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਮਾਲਕ ਦੀ economy ਤੇ consolidation ਦਾ ਕੀ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ, ਆਇਆ 2-3 ਕੁੱਰੇ ਕਰ ਦੇਣ ਤੇ ਉਸ ਦੀ production ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ? ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਅਸੀਂ ਵੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਕਈ ਥਾਂ ਬਿਖਰੇ ਹੋਏ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੇ ਟੁਕੜੇ ਇਕੱਠੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਥੇ production ਵਿੱਚ ਬੜਾ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਹੜੇ ਪੁਰਾਣੇ ਅਤੇ ਬੰਜਰ ਟੁਕੜੇ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਖੂਬ ਮਿਹਨਤ ਕਰ ਕੇ ਆਪਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਉਸ ਬੰਜਰ ਧਰਤੀ ਨੂੰ ਉਪਜਾਊ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਅਨਾਜ ਦੀ shortage ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੀ ਪੂਰੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ । Consolidation ਦੇ ਪਾਸੇ ਇਸ ਲਈ ਕਾਫੀ ਤਵੱਜੋ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਕ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਤਨੀ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਅੱਗੇ ਵਧੇ ਹਾਂ , ਉਹ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਅਗੇ ਲੈ ਜਾਣ ਵਿਚ slow ਮਾਲੂਮ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ speed ਨੂੰ ਹੋਰ ਤੇਜ਼ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਵੇਖਣ ਵਿਚ ਐਸੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਆਈਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਾਹੀ ਹੇਠ ਨਹੀਂ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਪਜਾਊ ਬਣਾਉਣ ਨਾਲ production ਹੋਰ ਵੀ ਵਧ ਜਾਵੇਗੀ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕੁਝ ਐਸੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਰਖੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਪੰਚਾਇਤ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਵਿੱਚ ਆ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ । ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ 5 ਏਕੜ ਤੋਂ ਘੱਟ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਮਾਲੀਆ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਉਹ ਪਿੰਡ ਦੇ ਸਕੂਲਾਂ ਅਤੇ ਆਪਣੀਆਂ ਹੋਰ ਦਿਹਾਤੀ ਲੋੜਾਂ ਤੇ ਹੀ ਖਰਚ ਕਰ ਸਕਣਗੀਆਂ । ਇਹ ਕੋਈ 55 ਜਾਂ 60 ਲੱਖ ਦੇ ਕਰੀਬ ਰੁਪਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਹੜਾ ਦਿਹਾਤ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਤੇ ਖਰਚ ਹੋਵੇਗਾ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪਹਿਲੇ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਮਾਲੀਏ ਦਾ 10 ਫੀਸਦੀ ਮਿਲਦਾ ਸੀ ਮਗਰ ਹੁਣ ਇਹ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਪੰਜ ਏਕੜ ਤਕ ਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦਾ ਮਾਲੀਆ ਹੈ ਉਹ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਜਾਏਗਾ । ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨ ਦੇ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬਿਹਤਰੀ ਹੋ ਸਕੇਗੀ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਕਿ ਇਕ Private Sector ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਇਕ Public Sector ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਤੀਸਰਾ Sector ਹੈ co-operative ਦਾ । ਜਿਹੜੀ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਆਮਦਨ ਹੋਣੀ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਧਿਕਾਰ ਮਿਲਣੇ ਹਨ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ co-operative sector

[ਸ਼ਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ]
ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਹਤਤਾ ਅਖਤਿਆਰ ਕਰੇਗਾ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ consolidation ਨੂੰ repartition of land ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਮਝਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਬਲਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਇਸ ਖਿਆਲ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੇਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ socialistic Pattern ਵੱਲ ਅਗਾਹਾਂ ਵਧੀਏ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਡੇ ਪੇਂਡੂ ਜੀਵਨ ਦਾ ਪੱਧਰ ਕਾਫੀ ਉਚਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਹੁਣ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ Community Development ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਨੇ ਸ਼ੁਰੂ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿਚ ਬੜੀ ਤੇਜ਼ ਰਫਤਾਰੀ ਦਿਖਾਈ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਅਜ ਅਸੀਂ ਦੇਖ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਹੇਠਾਂ ਨੂੰ ਚਲਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਦੀ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ; ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਦੀ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਲੋੜ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਤਨੀਆਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਬਲਾਕ ਦੇ ਵਿਚ ਬਣਨੀਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਇਕ ਸੰਮਤੀ ਬਨਾਉਣੀ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਸਪੁਰਦ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਪੈਸਾ ਹੋਵੇਗਾ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਉਹ ਖਰਚ ਕਰਨਗੇ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਦੀ ਨਾਲ ਜਿਤਨੇ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਅਫਸਰ ਹੋਣਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਉਸ ਸੰਮਤੀ ਨੇ ਕਰਨੀ ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਜੇ ਸੰਮਤੀਆਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰ efficient hands ਹੋਣਗੇ ਔਰ public spirited ਹੋਣਗੇ ਤਾਂ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਉਸ ਕੰਮ ਦੇ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬਿਹਤਰੀ ਹੋਵੇਗੀ । ਅਜ ਜਿਹੜੇ ਬਲਾਕ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਸਾਰੇ structure ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣ ਜਿਹੜੇ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੇ elections ਹੋਏ ਹਨ ਇਸ ਦੇ ਬਾਅਦ decentralisation ਕਰਕੇ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਅਖਤਿਆਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ । ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੀ ਐਸੀ institution ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਤੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦੀ। ਅਸੀਂ decentralisation ਕਰਕੇ ਹੁਣ local bodies ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ powers ਦੇ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਜਿਤਨੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਉਤਨੀ ਹੀ ਥੋੜੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਤਾਕਤ ਹੱਥੋਂ ਛਡਣੀ ਬਹੁਤ ਔਖੀ ਗਲ ਹੈ । ਆਹਿਸਤਾ ਆਹਿਸਤਾ ਅਗਰ ਮਜਬੂਰੀ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਦੇ ਹੱਥੋਂ ਤਾਕਤ ਚਲੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਝਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਆਪਣੇ ਹੱਥੋਂ ਤਾਕਤ ਦੇਣੀ ਕੋਈ ਆਸਾਨ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ ਦਲੇਰੀ ਔਰ ਬਹਾਦਰੀ ਉਸ ਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਆਪਣੇ ਆਪ ਆਪਣੀ ਤਾਕਤ ਕਿਸੇ ਦੂਸਰੇ ਨੂੰ ਦੇ ਦੇਵੇ । ਮਗਰ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਦੇਖਿਆ ਇਹ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਸਾਰੇ ਹੀ ਜਾਣਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਿਸ ਦੇ ਹਥ ਵਿਚ ਤਾਕਤ ਹੋਵੇ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਥੋੜੀ ਕੀਤਿਆਂ ਛਡਦਾ ਨਹੀਂ । ਲੇਕਿਨ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਸਾਰੀਆਂ powers ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਅਸੀਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਬਹੁਤ ਕੁਝ expect ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ development ਬਲਾਕ ਬੜੇ ਅੱਛੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੇ ਚੰਗੇ ਜਾਂ ਮਾੜੇ ਹੋਣ ਦਾ ਮਿਆਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਤਨੇ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦੇ ਫੈਸਲੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਬਲਕਿ ਇਸ ਦੀ ਬਜਾਏ ਇਹ ਦੇਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਮਝੌਤੇ ਕਿਤਨੇ ਕਰਵਾਏ ਹਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਕਿਤਨਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਬਲਾਕ ਹਨ ਇਹ ਇਕ ਬੜਾ ਚੰਗਾ institution ਹੈ ਮਗਰ ਇਸ ਨੂੰ tone up ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਉਦੋਂ ਮੁਕੰਮਲ ਸਫਲ ਹੋਇਆ ਸਮਝਾਂ-ਗੇ ਜਦੋਂ ਜਿਹੜੇ ਬਲਾਕ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਹ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ spirit ਪੈਦਾ ਕਰ ਦੇਣ ਕਿ ਆਪਣੇ ਪੈਰਾਂ ਤੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਖੜੇ ਹੋਣਾ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੈਂ people's participation ਦੀ ਗਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ 750 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦਿੱਤੇ ਹਨ ਔਰ ਇਹ ਰਕਮ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਰਕਮ ਦੇ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਕਿਤਨੀ ਫਖਰ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ। ਇਸ ਗਲ ਤੋਂ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਪੈਰਾਂ ਤੇ ਖੜੇ ਹੋਣ ਲਈ ਔਰ State ਦੀ ਸਮੁੱਚੇ ਤੌਰ ਤੇ ਭਲਾਈ ਸੋਚਣ ਲਈ awakening ਪੈਦਾ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ । ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵੱਲ ਲਗ ਚੁਕਾ ਹੈ । ਜਿੱਥੇ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਦਿਖਾਈ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਆਪਣੇ ਪੈਰਾਂ ਤੇ ਆਪ ਖੜੇ ਹੋਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਉਥੇ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਵੀ ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚੋਂ ਦਿਖਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵੀ ਲੋਕਾਂ ਦੀ economy ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਕਾਫੀ ਰੁਪਿਆ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੇ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੋਰ ਵੀ encouragement ਹੋਵੇਗੀ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਾਲਾਂ ਲਈ ਅਸੀਂ ਜੋ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਹੋਰ ਵੀ ਅਗੇ ਵਧਦੇ ਜਾਵਾਂਗੇ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸੂਬੇ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਕਰਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਬਜਟ ਬਣਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਜੇ ਹਰ ਸਾਲ ਅਸੀਂ ਅੱਗੇ ਵਧਦੇ ਜਾਈਏ ਤਾਂ ਸਮਝੋ ਬਜਟ ਚੰਗਾ ਹੈ ਔਰ ਜੇ ਪਿੱਛੇ ਰਹੀਏ ਤਾਂ ਬਜਟ ਮਾੜਾ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਹੁਣ ਤਕ ਹਮੇਸ਼ਾਂ ਤਰੱਕੀ ਹੀ ਕਰਦੇ ਆਏ ਹਾਂ । ਇਸ ਬਾਰ ਵੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਬਜਟ ਵਿਚ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਹੈ ਉਹ ਕਾਫੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਨੂੰ ਖਰਚ ਕਰਦੇ ਵਕਤ ਸਾਨੂੰ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਵਲ ਖਾਸ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਲ ਦੇ ਅਖੀਰ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਮਾਰਚ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਉਹ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਹੁੰਦਾ ? ਸਾਡੇ ਤਜਰਬੇ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਸਾਲ ਦੇ ਵਿਚ ਅਠ ਮਹੀਨੇ ਤਾਂ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਮਗਰ ਅੰਤ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ 31 ਮਾਰਚ ਨੂੰ ਰੁਪਿਆ ਸੁਟਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਤਰੀਕਾ ਬਿਲਕੁਲ ਗਲਤ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਇਕ ਐਸੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ check ਕਰੇ। ਬਜਟ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ continuous effort ਕਰਦੇ ਰਹੋ ਔਰ ਪੈਸੇ ਵੀ ਲਗਾਤਾਰ ਖਰਚ ਕਰਦੇ ਰਹੋ । ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਇਹ ਦੇਖਦੀ ਰਹੇ ਕਿ ਮੁਖਤਲਿਫ ਮਹਿਕਮੇ ਉਤਨਾ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਜਿਤਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ । Public Accounts Committee ਔਰ Estimates Committee ਦੀਆਂ ਰਿਪੋਰਟਾਂ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮਹਿਕਮੇ ਰੁਪਿਆ surrender ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ efficiency ਵਿਚ ਫਰਕ ਹੈ । ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਰੁਪਿਆ ਸਾਰਾ ਸਾਲ ਲਗਾਤਾਰ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਦੀ progress uniform ਰਹਿਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਤਾਂ ਜਾ ਕੇ ਉਸ ਰੁਪਏ ਦਾ ਪੂਰਾ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਜਿਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਅਸੀਂ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ ਉਤਨੀ ਦੇਰ ਸਾਡਾ ਇਹ ਬਜਟ ਇਕ ਕਾਗਜ਼ੀ ਪਲੰਦਾ ਹੀ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । Receipts ਔਰ expenditure ਕਾਗਜ਼ ਤੇ ਤਾਂ ਲਿਖੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਕਾਗਜ਼ ਤੇ ਲਿਖਣ ਨਾਲ ਹੀ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਬਣਦਾ । ਇਸ ਨੂੰ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਸਾਰੇ ਸਾਲ ਦੇ ਵਿਚ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਖਾਸ ਖਿਆਲ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

[ਸ. ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ]

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ,, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1960-61 ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਹੜ੍ਹ ਆਏ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਕਾਫੀ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਕੁਝ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਲਗਾਤਾਰ ਹੜ੍ਹ ਆ ਰਹੇ ਹਨ ਔਰ ਬਰਸਾਤ ਬੇਮੌਕਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਇਸ ਸਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਬਲਕਿ ਪਿਛਲੇ ਕਈ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਲੋਕ ਬੇਦਿਲ ਹੋ ਕੇ ਨਾ ਬੈਠ ਜਾਣ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਤਬਾਹ ਹੋ ਗਈਆਂ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਕਾਵੀਆਂ ਅਤੇ ਅਨਾਜ ਵਗੈਰਾ ਦੇ ਕੇ ਪੈਰਾਂ ਤੇ ਖੜਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। Partition ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਡੇ ਤੇ ਬਹੁਤ ਆਫਤ ਆਈ। ਏਸੇ ਕਰਕੇ ਇਹ ਨਵੀਂ ਤਜਵੀਜ਼ ਸਾਡੇ ਬਜਟ ਦੇ ਵਿਚ ਆਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ 5 ਕਰੋੜ 48 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਦੋ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧ ਖਰਚ ਹੋ ਜਾਏ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ 75 ਫੀ ਸਦੀ ਸਾਨੂੰ Centre ਵਾਲੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਜੇ ਇਕ ਕਰੋੜ ਤੋਂ ਦੋ ਕਰੋੜ ਤਕ ਖਰਚ ਆਏ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ 40 ਫੀ ਸਦੀ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਬਹੁਤ ਭਾਰੀ ਮਦਦ ਹੈ। ਮਗਰ ਇਸ ਨੂੰ ਪੂਰੇ ਦਾ ਪੂਰਾ ਖਰਚ ਕਰਕੇ ਲੋਕਾਂ ਤਕ ਪਹੁੰਚਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਠੀਕ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਪੈਸਾ ਅਸੀਂ Centre ਕੋਲੋਂ ਲੈਣਾ ਹੈ ਉਹ ਸਾਨੂੰ ਤਾਂ ਹੀ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇ ਕਰ ਵਕਤ ਸਿਰ ਤਜਵੀਜ਼ਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ। ਸਾਰੇ ਖਰਚ ਦਾ estimate ਜਾਂ ਜੋ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕਰਜ਼ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਜਾਂ grants ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਉਹ ਸਾਰਾ estimate ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਬਜਟ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਰਕਮ ਜਿਹੜੀ ਕਿ 1½ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਕਰੀਬ ਬਣਦੀ ਹੈ, ਇਹ ਸਾਨੂੰ Centre ਤੋਂ ਮਿਲਣੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਅਸੀਂ ਆਖ ਸਕੀਏ ਕਿ ਐਸੀ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਬਜਟ ਵਿਚੋਂ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਗਈ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਬਜਟ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ, ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਇਹ ਕਿਥੇ ਲੁਕ ਗਈ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬਹੁਤਾ details ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾ ਰਿਹਾ। ਹੁਣ ਮੈਂ output per capita ਦੀ ਬਾਬਤ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। Population ਕਾਫੀ ਵਧ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, population ਦਾ ਸੁਆਲ ਕਾਫੀ ਗੰਭੀਰ ਹੈ। ਹੁਣ ਸਾਡੇ ਪਾਸ ਆਬਾਦੀ ਦੇ ਆਦਾਦੋਸ਼ੁਮਾਰ ਆਣੇ ਹਨ। ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਦੋ ਕਰੋੜ ਜਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਵੀ ਵਧ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। (ਇਕ ਆਵਾਜ : ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ।) ਮੇਰੇ Communist ਭਾਈ ਕਹਿੰਦੇ ਤਾਂ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਠੀਕ ਗਲ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਜਦ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬਾਹਰ lecture ਦਿੱਤਾ ਤਾਂ ਉਥੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਤਾਂ ਤੁਹਾਡੇ ਉਪਰ ਪਾਬੰਦੀ ਲਾਉਣ ਲਗੇ ਹਨ ਕਿ ਦੋ ਤੋਂ ਵਧ ਨਿਆਣੇ ਕਿਸੇ ਦੇ ਨਾ ਹੋਣ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ income ਥੋੜੇ ਹਥਾਂ ਵਿਚ concentrated ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਉਹ developed economy ਨਹੀਂ ਕਹੀ ਜਾਂਦੀ ਜਾਂ ਉਥੇ progress ਹੋਈ ਨਹੀਂ ਸਮਝੀ ਜਾਂਦੀ। ਜੋ ਥੋੜੇ ਹਥਾਂ ਵਿਚ income ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ spread ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ have-nots ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਨ ਔਰ ਉਹ 90 per cent ਤੋਂ ਘਟ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ income ਜਿਹੜੀ ਹੈ ਉਹ ਥੋੜੇ ਹਥਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਸਿਲ-

ਸਿਲੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕਈ ਆਦਮੀ ਇਥੇ ਜੋ speeches ਕਰਦੇ ਹਨ, ਉਹ ਇਸ ਆਧਾਰ ਤੇ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਿਤਨੀ ਜ਼ਮੀਨ ਕਿਸੇ ਪਾਸ ਹੈ ਉਹ ਉਸੇ ਪਾਸ ਹੀ ਰਹਿਣ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਉਹ ਇਸ ਆਧਾਰ ਤੇ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜੋ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਦੀ ਕਮਾਈ ਕਿਸੇ ਕਾਰਖਾਨੇਦਾਰ ਪਾਸ ਹੈ ਉਹ ਉਸੇ ਪਾਸ ਹੀ ਰਹੇ । ਲੇਕਿਨ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਪਿਛਲੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਇਥੇ socialistic pattern ਦੀ society ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਉਸ ਪਾਸੇ ਸਾਡੀ ਤਵੱਜੋ ਹੈ.... (*Interruptions by Communist Members*) ਸਾਡਾ ਇਹ ਕੰਮ ਚਾਲੂ ਹੈ। ਇਹ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਦਿਖਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਦਿਖਾਈ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ । ਅਸੀਂ ਆਪਣੀ ਤਵੱਜੋ ਇਸ ਪਾਸੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਔਰ ਇਸੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ceiling 30 standard acres ਤਕ ਕੀਤੀ ਹੈ ਔਰ surplus areas ਜਿਹੜੇ ਹਨ ਉਹ ਅਸੀਂ landless cultivators ਵਾਸਤੇ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ tenants ਵਾਸਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਢਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ । ਜਾਂ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ tenants ਵਾਸਤੇ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਜਿਨਾਂ ਨੇ ਨਿਕਲਣਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਜੇ ਇਸ ਕੰਮ ਵਿਚ ਕਮੀ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਕਮੀ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ surplus areas declare ਹੋਣੇ ਸੀ ਉਹ ਜਲਦੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਗਏ । ਜਿਤਨੀ ਇਸ ਵਿਚ ਢਿਲ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਉਤਨੀ ਲੋਕ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਦੇ ਹਨ ਪਰ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਇਹ ਨੀਅਤ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ surplus areas ਨਹੀਂ ਲੈਣੇ । ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ intention ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ ਵੱਡੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਕੋਲੋਂ ਲੈ ਕੇ landless tenants ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦੇਣੀ ਬਲਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇਹ intention ਹੈ ਕਿ ਇਹ surplus land ਹਾਸਲ ਕਰ ਕੇ landless tenants ਨੂੰ ਔਰ ਹਰੀਜਨ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਏ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ socialistic pattern ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹੈ । ਇਹ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੀ ਕਿ ਕਿਸੇ ਪਾਸ 30 standard ਏਕੜ ਤੋਂ ਵਾਧੂ ਜ਼ਮੀਨ ਰਹੇ । ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦੇ ਉਲਟ ਕੁਝ ਆਦਮੀ ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਇਕੱਠੇ ਹੋ ਕੇ ਪਾਰਟੀਆਂ ਬਣਾ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਉਹ surplus ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਨਾ ਲਈਆਂ ਜਾਣ ਔਰ landless tenants ਨੂੰ ਨਾ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣ । ਇਹ ਬਜਟ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਵਾਸਤੇ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਮਜ਼ਦੂਰ ਵਾਸਤੇ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਉਹ ਇਸ ਬਜਟ ਨੂੰ ਤਾਂ criticise ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ ਉਹ individuals ਨੂੰ ਇਥੇ criticise ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕਹਿਣ ਵਾਸਤੇ ਕੁਝ ਹੈ ਨਹੀਂ । ਉਹ ਦੋ ਚਾਰ ਆਦਮੀ ਇਕੱਠੇ ਹੋ ਕੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ceiling 30 standard ਏਕੜਾਂ ਦੀ ਨਾ ਰਹੇ ਔਰ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਕੋਲ ਹੈ ਔਰ ਖਾਲੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਇਹ ਤਾਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਥਾਂ ਵਿਚ ਚਲੀ ਜਾਏ ਔਰ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਲੱਖਾਂ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਜਾਂ ਜਿਹੜੇ ਲੱਖਾਂ ਕਰੋੜਾਂ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਰੁਪਏ ਹਨ ਉਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਨੇ ਕਿ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਹੀ ਰਹਿਣ ਔਰ ਉਹ ਰੁਪਏ ਦੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਔਰ ਧੱਕੇ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਪਾਸ ਰਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਹਾਲਾਂਕਿ ਆਬਾਦੀ ਦੇ 90 ਫੀ ਸਦੀ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਮਕਾਨ, ਕਪੜਾ ਤੇ ਰੋਟੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਹੀ । ਉਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ feudalism ਅੱਜ ਵੀ ਕਾਇਮ ਰਹੇ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਾਇਮ ਰਹੇ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਦੌਲਤ ਵੀ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਕਾਇਮ ਰਹੇ । ਪਰ ਪਿਛਲੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਪਟੇਲ ਮਰਹੂਮ ਨੇ ਸਾਰੇ ਜਗੀਰਦਾਰਾਂ ਨੂੰ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਰਾਜਿਆਂ ਮਹਾਰਾਜਿਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਦੀਆਂ ਤੋਂ ਹਟਾ ਕੇ ਤੋਰ ਦਿੱਤਾ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਬਾਕੀਮਾਂਦਾ ਹਨ ਉਹ ਸਾਰੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦੇ ਚਾਹਵਾਨ ਹਨ ਕਿ ਉਹ

[ਸ. ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ]
ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਹਿਲਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿਣ ਔਰ ਐਸ਼ ਇਸ਼ਰਤ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਪੈਸਾ ਹੜਪ ਕਰਕੇ ਉੜਾਈ ਜਾਣ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਜਿਹੜੀ ਪਹਿਲੇ ਸੀ ਔਰ ਜਿਹੜੀ ਉਹ ਫਿਰ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਨੇ, ਉਹ ਸ਼ਕਤੀ ਕਿਸੇ ਨੇ ਮੁੜ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੱਥਾਂ ਵਿਚ ਆਣ ਨਹੀਂ ਦੇਣੀ । Time ਜਿਹੜਾ ਗੁਜ਼ਰ ਗਿਆ ਹੈ ਸੋ ਗੁਜ਼ਰ ਗਿਆ ਹੈ, ਹੁਣ ਤਾਂ ਨਵਾਂ ਢੰਗ , ਨਵੀਂ ਉਮੰਗ ਔਰ ਨਵਾਂ ਤਰੀਕਾ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ । (ਤਾੜੀਆਂ)

ਫਿਰ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਕਾਮਰੇਡ ਨੇ ਇਹ ਤਜਵੀਜ਼ ਰਖੀ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਇਤਨਾ ਵੱਡਾ ਹਾਲ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਇਹ unproductive part ਕਿਉਂ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਤੇ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਬਾਹਰ ਦੂਜਿਆਂ ਦੇਸ਼ਾਂ ਵਿਚ ਘੁੰਮ ਆਏ ਹੋ ਔਰ ਤੁਸੀਂ ਮਾਸਕੋ ਵਿਚ ਦੇਖਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ਔਰ America ਵਿਚ ਦੇਖਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਉਥੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਇਮਾਰਤਾਂ ਬਣੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਮਾਸਕੋ ਵਿਚ University ਦੀ building ਕਿਤਨੀ ਆਲੀਸ਼ਾਨ ਬਣੀ ਹੋਈ ਹੈ ਔਰ ਮਾਸਕੋ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਇਕ ਹੋਟਲ 31 ਮੰਜ਼ਲਾਂ ਵਾਲਾ ਹੈ ਉਹ ਇਤਨਾ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਹੈ ਕਿ Americans ਵੀ ਉਥੇ ਜਾ ਕੇ ਠਹਿਰਦੇ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਰੁਧ ਕਿਸੇ ਅਵਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਉਠਾਈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਢਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਏ ਪਰ ਇਥੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਹਾਲ ਤੇ ਜਿਹੜਾ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਹ unproductive part of the expenditure ਹੈ । ਫਿਰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਖਰਚ law and order ਨੂੰ maintain ਕਰਨ ਤੇ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਵੀ unproductive ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ law and order maintain ਕਰਨ ਤੇ ਇਸ ਕਰਕੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਸਾਡੇ project ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ projects ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਅਗਾਹਾਂ ਵਧਣਾ ਹੈ ਉਹ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਿਰੇ ਚੜ੍ਹ ਸਕਣ । ਉਹ projects ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਖਲੋ ਜਾਣਗੇ ਜੇ law and order ਨੂੰ maintain ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ।

1947 ਵਿਚ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੀ partition ਹੋਈ ਔਰ ਇਹ ਛੋਟਾ ਜਿਹਾ ਸੂਬਾ ਰਹਿ ਗਿਆ ਪਰ ਸਾਡੇ ਕਈ ਭਰਾ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਨੇ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਹੋਰ ਛੋਟਾ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਹੋਰ ਛੋਟਾ ਬਣਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਔਰ ਇਕ uneconomic unit ਬਣਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ rights ਤੇ ਹੱਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ agitation ਹੋਈ ਹੈ ਅਗਰ law and order ਨੂੰ maintain ਕਰਨ ਤੇ ਖਰਚ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਔਰ ਇਸ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲਿਆ ਨਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਸਾਡਾ ਬਜਟ ਜੇ ਇਸ ਤੋਂ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਰਕਮ ਦਾ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਉਹ ਵੀ ਬੇਮਾਅਨੀ ਹੋ ਜਾਂਦਾ । ਜਿਹੜੀ ਸ਼ਕਤੀ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੀ division ਮੰਗਦੀ ਹੈ ਉਹ ਇਹ ਕਹਿ ਕੇ division ਮੰਗਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਨਹੀਂ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਪੂਰੇ ਤੌਰ ਤੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ ਔਰ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਬਜਟ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਰਹਿਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ, ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਰਹਿਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਲਈ ਜਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਪਰ ਇਸ ਸੂਬੇ ਵਿਚ agitations ਚਲੀਆਂ, ਉਸ ਦਾ result ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਰੁਕ ਗਈ। Betterment levy ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ agitation ਚਲੀ । ਅਸੀਂ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ charges ਘਟਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਉਹ ਘਟਾਏ ਜਾਣ ਲਈ ਉਪਰਾਲਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਬਤੌਰ ਇਕ ਜਮਾਤ

ਦੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ betterment levy ਘਟ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਪਰ agitation ਕਰਨ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿਚ ਰੁਕਾਵਟ ਪਈ। ਹੱਲਾ ਗੁਲਾ ਹੋਣ ਨਾਲ Budget ਦੀ implementation ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੀ। ਖਰਾਬੀ ਹੋਈ। agitation ਚਲੀ। ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਸਿੱਖਾਂ ਤੇ ਸ਼ਕ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਇਕ ਬੰਦੇ ਤੇ ਸ਼ਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਚਲਦਾ, ਦੋ ਬੰਦਿਆਂ ਤੇ ਸ਼ਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਸਾਰੀ community ਤੇ ਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ। Minority community ਨੂੰ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ protection ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਉਹ ਚਾਹੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਇਸ ਹਿੱਸੇ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਉਸ ਹਿੱਸੇ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ। Agitation ਦਾ ਬਹੁਤ ਬੁਰਾ ਅਸਰ ਪੰਜਾਬ ਦੀ economy ਉਪਰ ਪਿਆ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਰੇ ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ agitation ਖਾ ਗਈ (*interruptions*) ਜੇ ਕਰ ਉਹ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਭਲਾਈ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਮੋਢੇ ਨਾਲ ਮੋਢਾ ਲਗਾਉਣ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਹੀ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਝੰਡਾ ਲੈ ਕੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਕੰਮ ਕਰਨ। ਸੇਮ ਦੀਆਂ ਨਾਲੀਆਂ ਪੁਟਾਉਣ ਅਤੇ agriculture ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਪਰਚਾਰ ਕਰਨ। ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਰਚਾਰ ਤਾਂ ਖਤਰੇ ਦਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਖਤਮ ਹੁੰਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਰੱਕੀ ਦੇ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਕਿਥੋਂ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ, Congress Government ਹਰ ਪਾਰਟੀ ਦੀ protection ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਅਗੇ ਵੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਚਾਹੇ ਕੋਈ community ਹੋਵੇ, minority community ਦੀ protection ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਹ ਦਾਅਵਾ ਕਰਨਾ ਕਿ ਸਾਡੀ ਹੀ ਸ਼ਕਤੀ ਹੈ, ਦੂਸਰੇ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਨਹੀਂ ਹੈ, democracy ਵਿਚ ਸ਼ੋਭਾ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ। Democracy ਦਾ pattern ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਇਕੋ ਜਿਹੇ ਅਧਿਕਾਰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਦੀ progress ਕੋਈ ਨਾ ਰੋਕੇ, ਅਤੇ ਆਪਣੀ progress ਹਰ ਕੋਈ ਕਰੇ, ਇਸੇ ਅਸੂਲ ਉਪਰ democracy based ਹੈ। ਸਾਡਾ ਸੂਬਾ ਛੋਟਾ ਜਿਹਾ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਵੱਡਾ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਪਰ ਇਹ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ intact ਰਖ ਕੇ ਇਸ ਦੀ unity ਨੂੰ maintain ਕਰੀਏ। ਜਿੰਨੇ ਸਜਨ ਏਥੇ ਬੈਠੇ ਹਨ, ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਜ਼ਿਲੇ ਤੋਂ ਆਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਜ਼ਿਲੇ ਤੋਂ ਆਇਆ ਹੈ। ਇਕ ਲੱਖ ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਆਦਮੀ represent ਕਰਨ ਲਈ ਆਇਆ ਹੈ। ਆਪਣੇ ਇਲਾਕੇ ਦੀ development ਲਈ ਏਥੇ ਬੈਠ ਕੇ ਸੋਚ ਕਰਨੀ ਹੈ। ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੋਚ ਬੜੀ ਤੰਗ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਾ ਆਪਣੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਭਲਾਈ ਸੋਚਣੀ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਆਪਣੀ ਸਾਥੀ community ਦੀ ਭਲਾਈ ਸੋਚਣੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੋਰ ਹੀ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਬਣਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਕਿ ਜਿਹੜਾ divided ਸੂਬਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਹੋਰ ਤਕਸੀਮ ਕੀਤਾ ਜਾਏ। ਮੈਂ ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਿਸ਼ਚਾ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡਾ ਸੂਬਾ ਅਗੇ ਵਧ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹੋਰ ਅਗੇ ਵਧਦਾ ਜਾਏਗਾ। ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਚੀਜ਼ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਵੇ, uneconomic unity ਬਣਦੀ ਹੋਵੇ, liabilities ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਧ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹੋਣ, ਤਰੱਕੀ ਨਾ ਹੋ ਸਕੇ ਤਾਂ ਅਜਿਹੀ ਚੀਜ਼ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਸੋਚ ਸਕਦਾ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਅਜਿਹਾ ਕੰਮ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜਿੰਨੀਆਂ agitations ਚਲੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੁਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ react ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਡੀ economy shatter ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। Foreign aid ਹੀ ਸਾਡੀ ਕਾਮਯਾਬੀ ਦਾ ਸਾਧਨ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਦੀ, ਸਾਨੂੰ ਆਪਣ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਨਾਲ ਲੈਣਾ ਪਵੇਗਾ। ਜਿਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ public enthusiasm ਨਾ ਮਿਲੇ ਉਸ ਵਕਤ ਤਕ ਸਾਨੂੰ ਕਾਮਯਾਬੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦੀ। ਜਿੰਨਾਂ ਰੁਪਿਆ ਅਸਾਂ ਇਸ

[ਸ. ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ]
ਬਜਟ ਵਿਚ provide ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਇਸ ਨਿਗਾਹ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਵਾਸਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਅਤੇ ਲੋਕ ਇਸ ਦੇ ਖਰਚ ਵਿਚ participate ਕਰਕੇ ਸੂਬੇ ਦੀ economy ਨੂੰ ਅਗੇ ਲਿਜਾਣ। ਏਥੇ ਕੁਝ ਸਜਨ ਬੈਠੇ buzzing ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ। ਇਕ ਮਜ਼ਮੂਨ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਇਹ ਸ਼ਬਦ ਹਨ —

"Economic growth may require the displacement of the existing leading class and its replacement by another. If the existing class feels that steps towards economic development would lead to a decline in their income, this class will not initiate changes. On the other hand they would be trying to prevent such an advancement. Again, if we were to take the example of the slave society, even if liberation of slaves would help over-all increase in the production the slave masters will resist such liberation because their liberation would reduce their income".

ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਲਈ ਖੜ੍ਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨੀਆਂ ਵੀ ਚੰਗੀ economy ਦੇ ਰਸਤੇ ਵਿਚ ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਹਨ ਉਹ ਦੂਰ ਕਰੀਏ। ਅਸੀਂ ਇਹ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਕਿ economy reduce ਹੋਵੇ, ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਬਰਾਬਰ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚੇ ਚਾਹੇ ਕਿਸੇ ਦਾ ਨਿਸ਼ਾਨ ਕੋਈ ਹੋਵੇ। ਇਸ House ਵਿਚ ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਰਾਏ ਜ਼ਾਹਰ ਕਰਨ ਦਾ ਹੱਕ ਹੈ, ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ equal opportunities ਮਿਲਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ, ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਸਾਧਨ ਮਿਲਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਹਰ ਇਕ ਦੀ income ਵਧਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਥੋੜਿਆਂ ਬੰਦਿਆਂ ਕੋਲ ਪੈਸਿਆਂ ਦੀ ਜਿਹੜੀ accumulation ਹੋਈ ਹੋਈ ਹੈ ਉਹ ਤਕਸੀਮ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਬਾਬਤ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ sector ਨੇ ਕਾਫੀ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਥੋੜੀ ਜਿਹੀ ਕਮੀ ਵੀ ਹੈ। ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਕਾਫੀ ਮਦਦ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ। ਪਰ ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ surplus land ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਕੋਲ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਉਪਰ landless ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਵਸਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਬੜੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਤਰਫ ਤਵੱਜੋ ਦੇਵੇ। ਹਰੀਜਨ ਸਾਡੀ ਆਬਾਦੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਹੱਕ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸਾਡੇ ਸਾਥੀ ਬਣ ਸਕਣ। (*Thumping*)

ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੀ election ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਇਕ communist ਭਾਈ ਨੇ ਗਲਤਫਹਿਮੀ ਦੀ ਬਿਨਾ ਉਪਰ ਗਲਤ ਬਿਆਨ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਇਕ communist ਸਰਪੰਚ ਨੂੰ remove ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਮੇਰੇ ਪਾਸ list ਮੌਜੂਦ ਹੈ, ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ communist ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਤਲਾਹ ਗਲਤਫਹਿਮੀ ਤੇ based ਹੈ। ਇਹ ਗਲ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਪੰਚਾਇਤ ਲਈ ਰਖੀ ਗਈ ਸੀ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ writ ਹੋਈ, ਉਹ writ vacate ਹੋ ਗਈ ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ Consolidation Act ਵਿਚ ਤਬਦੀਲੀ ਕੀਤੀ ਕਿ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਰਹਿਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, cultivator owners ਵਿਚ ਤਕਸੀਮ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਲਤਫਹਿਮੀ ਦੀ ਬਿਨਾ ਉਪਰ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਅਤੇ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਚਰਚਾ ਹੋਇਆ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ communist ਹੋਣ ਕਰ ਕੇ ਹਟਾਇਆ ਗਿਆ (*interruptions*) ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ communist ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਦੀ ਪੜਤਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਾ ਕਰੋ ਇਹ ਇਕ ordinary ਚੀਜ਼ ਹੈ।

ਬਾਕੀ ਜਿਹੜੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਬੈਂਚਾਂ ਵਲੋਂ ਕਹੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਣ

3.00 p.m.

ਮੈਂ ਇਹੋ ਰਾਏ ਦੇਵਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਗੱਲ ਲਈ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਕਰੋ ਕਿ ਜੋ ਵੀ ਕੰਮ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਚੰਗਾ ਹੋਣਾ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਆਵਾਜ਼ ਉਠਾਉ। (ਹਾਸਾ) ਅੱਜ ਜੇ ਤੁਹਾਡੇ ਪੰਚ ਜਾਂ ਸਰਪੰਚ ਚੁਣੇ ਗਏ ਹਨ ਜਾਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਅਗੇ ਲੈ ਆਏ ਹਾਂ ਤਾਂ ਇਹ democracy ਦੀਆਂ ਹੀ ਬਰਕਤਾਂ ਹਨ। ਅੱਜ ਜਿਤਨੀਆਂ ਵੀ ਗੱਲਾਂ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਕਰਦੀ ਹੈ ਤੁਹਾਡਾ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਨਾਅਰਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਸੇਮ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਜੋ ਵੀ ਕੁਝ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਕਰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸ਼ੋਰ ਮਚਾਉਂਦੇ ਹੋ। Funds ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸ਼ੋਰ ਮਚਾਉਂਦੇ ਹੋ। ਆਖਰ ਜਿਤਨੀ provision ਰੱਖੀ ਹੈ ਉਹੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਆਹਿਸਤਾ ਆਹਿਸਤਾ ਹੋਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਪਾਸੇ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਪੂਰੀ ਪੂਰੀ ਤਵੱਜੋ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਵੀ ਕੋਈ ਮਾੜਾ ਕੰਮ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਅਸੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰੀਏ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਅਨਾਜ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇ, ਮੁਲਕ self-sufficient ਹੋਵੇ? ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਂ ਆਪਣਾ separate pattern ਅਪਣਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਕੀ ਇਹ ਮੁਲਕ ਵਿਚ proletarian dictatorship ਕਾਇਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ? ਕਿ ਇਕ ਆਦਮੀ ਦਾ ਰਾਜ ਹੋਵੇ ਤਹਿਰੀਰ ਅਤੇ ਤਕਰੀਰ ਦੀ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਆਜ਼ਾਦੀ ਨਾ ਹੋਵੇ? ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਪਾਬੰਦੀ ਲਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਡੰਗਰਾਂ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੰਮ ਕਰਾਉਣਾ ਜਾਣਦੇ ਹਨ। ਅੱਜ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਜ਼ਬਾਨ ਦੀ ਖਲ੍ਹ ਹੈ, ਤਹਿਰੀਰ ਜਾਂ ਤਕਰੀਰ ਤੇ ਕੋਈ ਪਾਬੰਦੀ ਨਹੀਂ, ਜੇ ਹੈ ਤਾਂ destructive ਕੰਮ ਕਰਨ ਤੇ। ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਵੀ ਹਿੰਮਤ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਕੋਈ ਠੋਸ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਵੀ ਹੌਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ? ਕਦੇ ਕੋਈ ਨਿਗਰ ਕੰਮ ਵੀ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਿਵਾਏ ਅੜਚਨਾਂ ਪਾਉਣ ਦੇ ਹੋਰ ਕੁਝ ਸੁਝਦਾ ਹੀ ਨਹੀਂ।

ਅਕਾਲੀਆਂ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਵੀ ਸਾਡਾ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਤੁਹਾਡੇ ਮੂਢ ਬੈਠਾ ਇਹੋ ਕਹੀਂ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਹ ਕੁਰਸੀ ਮੇਰੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਇਕੋ issue ਤੇ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਨੂੰ ਲੜਾਈਂ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਵਾਜਬ ਹੋਵੇਗੀ? ਜੇ ਕਿਸੇ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਸਮਝ ਵਿਚ ਉਸ ਦਾ ਇਹ ਫਰਜ਼ ਬਣਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਬੇਸ਼ਕ ਕਰੀਂ ਜਾਵੇ। ਪਰ ਸਾਡਾ ਫਰਜ਼ ਤਾਂ ਹੋਰ ਹੀ ਹੈ। ਸਾਡਾ ਕੰਮ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਮੁਲਕ ਦੀ development ਵੱਲ ਤਵੱਜੋ ਦੇਈਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਸ ਰੋਟੀ ਨਹੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਦੇਈਏ। ਜਿਤਨੀ ਵੀ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਅਸੀਂ development ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਸਾਡਾ ਇਹ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਕੰਮ ਕਰਕੇ ਦਿਖਾਈਏ ਬਜਾਏ ਇਸ ਦੇ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ destructive ਸੁਝਾਉ ਤੇ ਆਪਣਾ ਵਕਤ ਜ਼ਾਇਆ ਕਰੀਏ। ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ constructive suggestion ਕਿਸੇ ਵੱਲੋਂ ਆਵੇ। ਪਰ ਕਿਸੇ ਪਿੰਡ ਵਿਚ, ਕਿਸੇ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਰਚਾਰ ਸੁਣ ਲਉ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹਨ। ਅੱਜ ਮੇਰੇ ਇਹ ਭਰਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮਿਲਦੇ ਜੁਲਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਤਕਸੀਮ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

Administration ਵਿਚ ਵੀ ਕਾਫੀ ਨੁਕਸ ਦੂਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਦੂਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਵਡੀ ਗੱਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਰੁਪਿਆ ਤਕਸੀਮ ਕਰਨ ਲਈ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਪੈਸਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜੇ deserve ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। Funds ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਖਰਚ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਜਿਸ ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਸੂਬ ਦੇ ਲੋਕ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਹੋਣ। ਅੰਤ ਵਿਚ ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

चौधरी धर्म सिंह राठी (सम्भालका) : स्पीकर साहिब, मैं ने यह बजट देखा है और मुझे तो यह एक बीमार और बूढ़ा बजट दिखाई देता है जिसे कि एक बीमार और बूढ़े आदमी ने पेश किया है। इस बजट के बारे में यह सरकार कहती है कि यह लोगों को ऊपर उठाने वाला बजट है जबकि इसे पेश करने वाला खुद उठ नहीं सकता....

A Voice: Bad taste.

चौधरी धर्म सिंह राठी : जनाब, अभी हमारे सामने सरदार दरबारा सिंह, जो नूरमहल के मम्बर हैं बोल रहे थे। उन्होंने राजाओं और ruling princes और feudal lords की बात की। मैं इन्हें बताना चाहता हूँ कि सारे हिंदुस्तान के अन्दर 573 राजे और feudal lords और ruling princes थे जिन में से 449 कांग्रेस के regular मैम्बर हैं, सौ ऐसे हैं कि जो किसी भी पार्टी के मैम्बर नहीं हैं और सिर्फ 24 ऐसे हैं जो दूसरी opposition पार्टियों के मैम्बर हैं। (विघ्न) जनाब, मैं ने यह आंकड़े All India Congress Committee के दफतर से लिये हैं और यह मैं ने इस लिये लिये थे कि कोई न कोई कांग्रेस का आदमी यह बात कहेगा। यह लोग तो कांग्रेस में इस लिये हैं क्योंकि उन के vested interests वहीं महफूज़ हैं। जनाब, इन्हों न उन राजाओं का तो सब कुछ छीन लिया मगर अब यह खुद उन से भी बड़े २ राजा हो गए हैं। कोई डेढ़ करोड़ का राजा है, कोई दो करोड़ का राजा है, कोई permit का राजा है तो कोई black market का राजा है, कोई taxes का राजा है और कोई सिनेमाओं का राजा है और कोई storage का राजा है। अब तो feudal lords और नए राजा यह हैं। इन्होंने तो पहले राजाओं की जायदादें छीन लीं हैं। उन के राज ही छीने गए हैं मगर जब हमारा राज आएगा तो यह जापानी राजे पर्मिट और कोल्ड स्टोरेज के राजे जेल में होंगे। इन राजाओं को तो वाकई जेल में डाला जाना चाहिये। (आपोजीशन की तरफ से तालियां) इस लिये मैं सरदार दरबारा सिंह, जो नूरमहल से बोल रहे थे वहां की बात कर रहे थे, को यह बताना चाहता हूँ कि यह नूरमहल की बात नहीं है यहां पर इस हाउस की बात करें। और फिर इन्होंने जो बातें यहां की हैं वह तो सारी इस Budget स्पीच में छपी हुई हैं और हम यह पढ़ के आए हैं। आप ने कोई नई बात नहीं की है।

यह रुपया 23 लाख सरदार दरबारा सिंह ने बताया और चन्द लाख सरदार कैरों ने बताया जो agitation पर खर्च हुआ है। इन दोनों में कौन सा सच है, यह मुझे पता नहीं लगता। (विघ्न) हां, हां मैं इन्हीं लोगों की बात करता हूँ जो Treasury Benches पर बैठे हुए हैं। वह जब मुझे मिलते हैं तो कहते हैं कि प्रताप सिंह कैरों ने हमें खत्म कर दिया है। इनकी स्पीचें पिछले 4 साल की पढ़ ली जाएं सब में गवर्नमैंट की नुक्ताचीनी मिलेगी। सिर्फ यही एक साल है जिस के अन्दर तारीफ करनी शुरू की है क्योंकि election के लिये टिकटें लेनी हैं।

श्री अध्यक्ष : चलिये छोड़िए ! (Leave it please.)

चौधरी धर्म सिंह राठी : बहुत अच्छा, जनाब, मैं बजट के बारे में कहना चाहता हूँ कि यह ऐसा बजट है जिसे गरीबमार बजट कहा जाएगा क्योंकि जो taxes लगाए

गए हैं वह गरीबों पर ही पड़ते हैं। डाक्टर गोपी चन्द भार्गव जो हमेशा Sales-Tax की मुखालफत किया करते थे उन्होंने अब की बार Sales-Tax 4 फीसदी से 5 फीसदी कर दिया है। तो क्या असूल है उनका और कांग्रेस गवर्नमैंट का? यह कुछ समझ में नहीं आता। मालूम होता है कि सरकार को इस बात का पता नहीं है, जो मैं बतलाना चाहता हूँ, कि इस टैक्स के ज़रिये inflation आयेगी और उसका असर पड़ना है ग़रीबों पर क्योंकि ज़रूरियाते ज़िन्दगी की कीमतें sales tax लगाने से बढ़ेंगी। इस लिये मैं तो इसे ग़रीब-मार बजट कहूँगा। टैक्स दो तरीके से लगाए जाते हैं। एक तो commodities पर और दूसरे income पर। 1954 से ले कर आज तक के जो नकशे इन्होंने हमें बजट के साथ दिए हैं उन को देख लीजिए कि income के ऊपर तो टैक्स बढ़ा नहीं है लेकिन जो टैक्स बढ़ाया है वह commodities पर ही बढ़ा है और तिगुना कर दिया है। फिर यह कहते हैं कि यह welfare state है। मैं इसे welfare state कैसे कह सकता हूँ यह तो है ही ill-fare State. अगर आप Committees की रिपोर्ट उठा कर देखें तो पता चलेगा कि कितनी बुरी तरह से wastage की जाती है। यह Public Accounts Committee की रिपोर्ट में दर्ज है और audit reports में भी ऐसा दर्ज है। इसलिये मैं इनका इस तरफ ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि wastage न की जाए और economy of expenditure होना ज़रूरी है। इस के बग़ैर सही बजट नहीं हो सकता और लोगों को टैक्सों से बचाने का भी यही एक तरीका है कि खर्च के अन्दर economy की जाए। पिछले साल यानी दो सालों के अन्दर की बात करना चाहता हूँ कि जो इन्होंने Administration पर खर्च किया है उसमें 88 लाख की increase हुई है। और Police, Jail और Justice पर खर्च के अन्दर दो साल में 170 लाख की increase हुई है। अब आप ही बताईए कि यह Welfare State है या कि ill-fare state है, जिसकी तारीफ गवर्नमैंट के वकील सरदार दरबारा सिंह ने की है। आज कल, स्पीकर साहब, आप कहीं चले जाइए तो पता चलेगा कि हर जगह अन्धेरगर्दी मची हुई है। पहले Secretaries Heads of the Departments हुआ करते थे लेकिन अब Secretary अलग और Head of the Department अलग। और उसके बाद सैक्रेटरी, फिर Deputy Secretary, फिर Under Secretary और Assistant Secretary, पता नहीं क्या क्या प्रपंच रचा हुआ है। इस तरीके से top-heavy administration की हुई है और अलग २ महकमों में overlapping की हुई है। बस खर्च ही खर्च है और बेशुमार हो रहा है। फिर कहा जाता है कि हमारी state और states को lead कर रही है। अजीब ही हाल है। इन स्टेटों के figures भी हमारे पास मौजूद हैं। यह पंजाब सरकार कहती है कि यह border state है। उधर बंगाल सरकार भी यही कहती है। आबादी के लिहाज़ से आंध्र प्रदेश, वैस्ट बंगाल, मध्य प्रदेश और यू० पी० यह सब पंजाब से बड़ी states हैं और इसका मुकाबला इन स्टेट्स के अन्दर कितने Gazetted Officers हैं, से करता हूँ। पंजाब में 3,120, आन्ध्र में 2,363, West Bengal में 1,877, Madhya Pradesh में 2,001 Gazetted Officers हैं। इस से

[चौधरी धर्म सिंह राठी]

साफ ज़ाहिर है कि पंजाब के अन्दर कितनी बेरहमी से महकमों पर खर्च किया जा रहा है। अब tax incidence को लीजिए। पंजाब के अन्दर 6.11 रुपया, यू० पी० के अन्दर 3.25 रुपया, मध्यप्रदेश के अन्दर 3.25, यानी वह बड़ी states होने के बावजूद भी वहां पर taxes का भार कम है लेकिन हमारी state की आबादी कम होते हुए भी taxes ज़्यादा हैं।

मैंने कई स्टेटों के बजट देखे हैं। यू० पी० का देखा है, बिहार का देखा है। और उनमें सब यही कहते हैं कि agriculture में हम first हैं, और यहां पंजाब में भी यही कहा जाता है कि हम first हैं। अब मुझे समझ नहीं आता कि कौन first हैं। मैं तो यही समझता हूँ कि कांग्रेस राज्य में सभी first हैं। और गलत बात करने में तो हर एक राज्य first है।

अब आम हालत की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि लोगों की आम हालत क्या है। मेरे पास National Sample Survey की रिपोर्ट है। उसमें दर्ज है कि हिन्दुस्तान में 50 फ़ीसदी लोगों की एक दिन की income 8 आना है, और 60 million लोगों की एक दिन की आमदनी 5 आना है, और 40 million की एक दिन की आमदनी 4 आना, इसी तरह 20 million की 2 आना एक दिन की आमदनी है। और 45 million लोग रोज़ाना बेरोज़गार होते हैं। यह हालत है इस देश की। कहा यह गया था कि जब Second और Third Plans कामयाब होंगी तो बड़ी तरक्की हो जाएगी। लेकिन यह है तरक्की जो मैंने आपके सामने पेश की है। इस के अलावा Agri-culture labour enquiry report से ज़ाहिर है कि मजदूर की औस्त आमदनी 104 रुपए से 88 रुपए हो गई है। पहले Plan के बाद हमें 100 क्रोड़ का अनाज मंगाना पड़ा हालांकि इन प्लानों से पहले इस देश को कोई अनाज बाहर से मंगाना नहीं पड़ता था और दूसरी प्लान के बाद 200 क्रोड़ का अनाज बाहर से मंगाना पड़ा। कहने का मतलब मेरा यह है, जनाब, कि आज हर आदमी, हर तबका दुःखी है। और फिर यहां पर यह cooperative farming की बात करते हैं, कभी State Trading की बात करते हैं। कभी दुकान को छीनने की कोशिश करते हैं तो कभी ज़मीन को छीनना चाहते हैं।

इस वक्त हमारे पंजाब के कर्ज़ की हालत यह है कि पंजाब के सिर 266.93 करोड़ रुपया है और इस साल 29.45 करोड़ और बढ़ जायेगा और 1961-62 के आखिर तक पंजाब के सिर 289.76 करोड़ हो जाएगा। यह कर्ज़ा दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। और इस को उतारने की कोई स्कीम नहीं बनाई गई है।

स्पीकर साहिब, इस पंजाब के अन्दर administration की यह हालत है कि यहां हरेक चीज़ फिरकादारी के नज़रिया से सोची जाती है। अभी सरदार दरबारा सिंह जी कह रहे थे कि हमारी सरकार communal नहीं है। मैं कहता हूँ कि जितनी यह सरकार communal है उतनी कोई भी नहीं हो सकती। मास्टर तारा सिंह को communal कहते हैं। कम से कम वह सच्चा है, सीधा है। पिछले दिनों में 12 Inspectors को

D.S.P. बनाया गया जिन में से 11 एक फिरके के थे और अकेला एक हिन्दू था। पुलिस के अन्दर हरियाना वालों के साथ बहुत बेइनसाफी होती है। ग्रेवाल केस के अन्दर जो सज़ाएं दी गईं उस में भी फिरकाप्रस्ती से काम लिया गया। बहाल सिंह, शरनागत सिंह और गुरबचन सिंह सब को तरक्कियां दे दी गई हैं। बहाल सिंह को S. P. बना दिया गया और शरनागत सिंह को D.C., आसा सिंह को full pension, गुरचर्ण सिंह मान को D.S.P. जगाधरी बना दिया गया जो कि senior D.S.P. होता है हालांकि उन के खिलाफ strictures पास किए गए थे। लेकिन चौधरी राम सिंह जो कि हिन्दू था उसे demote कर दिया गया और बौर्डर पर भेज दिया गया है और उस की तरक्की रोक दी है। विश्वामित्र की और विनार सिंह की promotion and confirmation over-look हो गई है। दोनों डरते छुट्टी लेकर चले गए क्योंकि उनको तंग किया जाता है। जहां तक extensions का सवाल है सिर्फ दो आदमियों को extensions दी गई हैं और वे दोनों सिख हैं। स्पीकर साहिब, आप हैरान होंगे कि पेनशन के केसों के फैसले भी communal basis पर होते हैं। इस पंजाब के अन्दर जितने सिख थे उन को पूरी पूरी pension दे दी गई लेकिन हिन्दुओं की काट दी गई। मेरे पास ऐसी बहुत सी मिसालें हैं कि हिन्दुओं के pension cases decide नहीं हुए सिखों के कर दिए गए। मैं समझता हूँ कि इन बैंचों पर (treasury benches की तरफ इशारा करके) फिर्काप्रस्ती पनपती है और जब तक यह फिर्काप्रस्ती खत्म नहीं होगी सूबा तरक्की नहीं कर सकेगा। इस के अलावा सरदार दरबारा सिंह ने कहा कि agriculture में सूबा ने तरक्की की है। मैं समझता हूँ कि आठ लाख की Crop Insurance से कुछ नहीं बनता। आज सब चीज़ों की कीमतें बढ़ गई हैं लेकिन foodgrains की नहीं बढ़ीं। करोड़ों रुपए बाहर भेज कर अनाज मंगवा लिया जाता है लेकिन किसानों को बरबाद किया जा रहा है। गन्ने का भाव 1951 में भी 1/5/- मन था और 1961 में भी 1/5/- मन है जबकि 1951 में चीनी का भाव 25 रुपए मन था और आज 60—65 रुपए मन black में है और 50—55 रुपए डिपो पर भाव है। आज गोहाना और रोहतक के अन्दर खेतों में पानी खड़ा है। हांसी और झझर की तहसील में पानी खड़ा है उसे निकालने का बन्दोबस्त नहीं करते। एक सवाल का जवाब देते हुए मिनिस्टर साहिब ने कहा था कि water-logging को दूर करने के लिये 13 divisions में से केवल 2 हरियाना के अन्दर खोले हैं। मुफ्त अनाज तकसीम करने में भी इम्तियाज़ बरता गया है। मैं चाहता हूँ कि पानीपत तहसील और उस के आस पास जहां भी पानी से ग़रीब लोगों का यानी हरिजनों और दूसरे backward classes का नुक्सान हुआ है उन को free grant दी जाए और अनाज उन को दिया जाए। गवर्नमैंट को चाहिये कि हर एक से बराबर का सलूक करे।

Mr. Speaker : Some hon. Members have sent chits to me that they should be given time to speak earlier as they are not feeling well. If they are not feeling well it has not been prescribed by a doctor that they must speak. They can speak on some other occasion.

डाकटर बलदेव प्रकाश : हो सकता है कि बोलने से उन का treatment हो जाएगा।

चौधरी धर्म सिंह राठी : हो सकता है उन को बीमारी ही बोलने की हो ।

Mr. Speaker : You are suffering from this disease. Your disease is manifest.

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ ਪ੍ਰੇਮ : On a point of order, Sir. ਇਕ hon. Member ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਸੌਂ ਰਹੇ ਹਨ, ਕੀ ਇਥੇ ਸੌਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੈ ? (ਹਾਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਭੂਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮਾਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿਸੇ ਨੂੰ disturb ਕਰਨਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਜੇ ਕੋਈ ਘੁਰਾੜੇ ਮਾਰਦਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ unparliamentary ਹੈ । ਸੌਣਾ unparliamentary ਨਹੀਂ ਹੈ । (ਹਾਸਾ)

श्री अध्यक्ष : मुझे तो इतनी दूर से दिखाई नहीं देता कि कौन मैम्बर सो रहा है । I can't see from my seat whether any hon. Member is asleep.)

चौधरी धर्म सिंह राठी : स्पीकर साहिब, मैं बता रहा था कि मैं चन्द दिन हुए Central Government के एक बड़े अफसर के पास ठहरा हुआ था । उन्हों ने मुझे बताया कि Five-Year Plan की meetings में तीन चीजें होती हैं । पहली sitting, दूसरे eating और तीसरे cheating, इस के सिवाए meeting में कुछ नहीं होता । स्पीकर साहिब, यह हालत है Five-Year Plan की meetings की जिस की तारीफ हमारी सरकार आये रोज़ करती रहती है । इस के बारे में एक बड़े अफसर का नज़रिया यह है ।

स्पीकर साहिब, आखीर में मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूँ कि पंचायती राज का बहुत ढिंढोरा पीटा जाता है और कहा जाता है कि हम ने सारी powers decentralise कर दी हैं । लेकिन हालत यह है कि अगर सरपंच और पंच इन के जलसों में हाज़िर न हों तो उन की जवाब तलबी हो जाती है और उन्हें मुअत्तल किया जाता है । सरदार दरबारा सिंह हालांकि सरकारी आदमी नहीं लेकिन फिर भी जब कभी कांग्रेस का जलसा हो तो हुक्म भिजवा देते हैं कि तमाम पंच और सरपंच जलसे में जरूर शरीक हों । यह हाल है हमारे सूबे में Democracy का । मैं तो कहूँगा कि यह तो worst type of dictatorship है । इन अल्फाज़ के साथ मैं आप का शुक्रिया अदा करता हूँ और गवर्नमैंट से अपील करूँगा कि वह Government expenditure में economy करें और जो नये taxes लगाये गये हैं उन्हें वापस ले लें ।

ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ : On a point of personal explanation, Sir ਰਾਠੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਜਾਣ ਉਪਰ ਪੰਚ ਅਤੇ ਸਰਪੰਚ ਬੁਲਾਏ ਗਏ । ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ this is absolutely incorrect.

श्री प्रबोध चन्द्र (गुरदासपुर जनरल) : स्पीकर साहिब आज तकरीबन इस बजट सैशन को शुरू हुए एक माह हो गया है । मुझे बहुत दफा ख्याल आया कि मैं अपने ख्यालात आप के ज़रिये ज़ाहिर करूँ ।

श्री अध्यक्ष : जब आप ने बोलना होता है तो मैं चाहता हूँ कि यहां मौजूद रहूँ ताकि कोई एतराज़ वाली बात आप न कह पाएं । मैं आप से कहूँगा कि ज़रा ज़ब्त से काम लेकर

अपनी तकरीर करें। (When the hon. Member has to speak, I wish that I should be present so that no objectionable thing is uttered by him. I would ask him to exercise restraint while speaking.)

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, मैं हरगिज़ नहीं चाहता कि कोई ऐसी बात कही जाए जिस से कि House में बदमज़गी पैदा हो। मैं एक महीने से चुप था, इसलिये नहीं कि मेरे पास कहने को कुछ नहीं था। मेरे पास कहने को बहुत कुछ था लेकिन मेरी एक मजबूरी थी कि जो कुछ मैं कहना चाहता था, जो मेरे दिल की धड़कन कहना चाहती थी वह मुझे party discipline कहने की इजाज़त नहीं देता था। Party discipline को मद्दे नज़र रखते हुए जिस बात को कहने की इजाज़त थी, उस का सच्चाई से कोई वासता नहीं था। इसलिये मैंने मुनासिब यही समझा कि चुप रहूँ। आप ने बड़ी मेहरबानी की है कि मुझे बोलने के लिये वक्त दिया है। मुझे काका साहिब के कुछ फिकरे याद हैं—

"Our first loyality is to the truth and not to the creed or to the individual."

वैसे तो मैंने काका जी को seriously लेना छोड़ दिया है मगर उन की बात से हौसला हुआ कि मैं कोशिश करूँ कि अपना रुख सच्चाई की तरफ रखूं। मुझे पता है कि मुझे इस की कीमत देनी पड़ेगी और मैं इस के लिये तैयार हो कर आया हूँ। मेरे मोहतरिम साथी सरदार दरबारा सिंह ने बजट की तारीफ की है। उन्हों ने बजट की बड़ी अच्छी definition दी लेकिन उस definition का अगला हिस्सा भूल गये। उन्हें शायद पता नहीं कि Democracy में Government Benches पर बैठे हुए लोगों की ज़िम्मेदारी हो जाती है कि जो रुपया अवाम के खून पसीने की कमाई से इकट्ठा होता है उस से ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा उन को पहुँचे। अगर इस मुकम्मल definition को सामने रख कर इस बजट को देखें तो मैं सच कहता हूँ कि यह चीज़ मैंने इस बजट में नहीं देखी। अगर आप गुसताखी न मानें तो मुझे हाउस की proceedings में दिलचस्पी नहीं रही। यहां पर बहुत कुछ कहा जाता है और उस में एक चीज़ नहीं यानी सच्चाई, ईमानदारी इस हाउस में नायाब हो गई है। सवालों के जो जवाब दिये जाते हैं वह बिल्कुल सदाकत से दूर होते हैं। दूसरे मुल्कों की Parliaments में सवालों का घंटा बहुत important घंटा होता है क्योंकि सवालों के ज़रिये और supplementaries के ज़रिये ही मैम्बर मामले की गहराई और सच्चाई तक पहुँच सकते हैं लेकिन यहां मैं देखता हूँ कि सवालों के ज़रिये सच्चाई लोगों से ओझल रखी जाती है। मैं आप की विसातत से यह अर्ज़ करूँगा कि इस बजट के मुतअल्लिक लोगों ने कहा है कि यह deficit बजट है। महज़ इस वजह से कि यह deficit budget है इस पर नुक्ताचीनी करना मैं समझता हूँ कि ठीक नज़रिया नहीं। अगर सरकार के funds तालीम को फ़ोग़ देने में या सेहते आमा के दुरुस्त करने में या लोगों का मियार ज़िन्दगी ऊँचा करने में सर्फ किये गये हों तो सही मायनों में ऐसे Budget को deficit नहीं कहा जा सकता। अगर funds आम जनता की भलाई के लिये खर्च होते हैं तो ऐसे funds की realisation के लिये taxes भी लगाने पड़ें तो यह कोई काबिले एतराज़ बात नहीं। दूसरे जम्हूरी मुल्कों में लोग taxes देना अपना फर्ज़ समझते

[श्री प्रबोध चन्द्र]
हैं ताकि मुल्क को तरक्की की राह पर गामज़न किया जाए। अगर बजट deficit इसलिये हुआ है कि रुपया तालीम पर खर्च हुआ या सेहते आमा में सुधार लाने में खर्च हुआ तो कोई हर्ज वाली बात नहीं (*interruptions*) स्पीकर साहिब, इन्हें ज़रा चुप करा दें मुझे बहुत कुछ कहना है। मैं ने चौधरी साहिब से वादा भी किया था।

लोक कार्य मंत्री : ज़रूर, ज़रूर।

श्री प्रबोध चन्द्र : छोड़िए चौधरी साहिब, आप अलहदा में तो कुछ और कहते हैं और यहां पर और ही तरह की बातें करते हैं। बड़े ज़ोरों के साथ यहां पर आकर कह दिया कि आज़ादी के लिये अपने बेटों को, अपने भतीजों और दामादों को फौज में भर्ती कराया। इनकी असलियत जो है अगर वह मैं आप के सामने रखूं तो पता चल जाए। (*interruptions*) इनके तुर्रे उस वक्त हवा में उड़ते थे जब कि लोग आज़ादी के लिये काम कर रहे थे। उस वक्त अगर अपने बच्चों को आज़ादी के लिये लड़ने वाली फौज में भर्ती कराया होता जिस वक्त कि अंग्रेज़ मुल्क को ग़ुलाम रखता था फिर तो कोई बात भी होती। क्यों नहीं उन को उस वक्त कराया और देखा कि किस तरह आसाम की पहाड़ियों में जाकर लड़ते हैं। मैं इस बात के लिये नहीं लड़ता मगर बड़े ज़ोर के साथ प्रोटैस्ट करता हूँ कि जो अल्फाज़ उन्होंने मौलवी अब्दुल ग़नी साहिब के बारे में कहे वह बिल्कुल ना मुनासिब थे। यह बात तो ठीक है कि यह लफज़ कहकर उन्होंने अपना एक हक वफादारी अदा किया और यह बिल्कुल उसी तरह जैसे "बच्चा जमूरा" होता है। चीफ मिनिस्टर साहिब ने जो कुछ कहा उस को तो मैं इस वक्त नहीं छेड़ता लेकिन जो अल्फाज़ चौधरी साहिब ने मौलवी अब्दुल ग़नी डार साहिब की बाबत कहे वह ग़लत थे। क्या मौलवी अब्दुल ग़नी की कम कुरबानी है कि इनकी बीवी ने तड़प तड़प कर जान दी, क्या मौलवी साहिब की कम कुरबानी है कि इनकी भतीजी ने बीमारी में तड़प तड़प कर जान दे दी जब कि वह मुल्क की जंगे आज़ादी की खातिर जेल में बन्द थे? (*interruptions*) मैंने आगे भी कहा था कि बिच्छू को मारो तो सैंकड़ों छोटे छोटे और पैदा हो जाते हैं। (*interruptions*) कौन किसी को कुछ कह सकता है। चौधरी साहिब की बाबत तो मैं इतना कुछ कह सकता हूँ कि मेरे पास वक्त नहीं। इनका दामन इतना दागदार है कि सारे बेटों की जानों से भी नहीं धोया जा सकता।

जनाब, पिछले गवर्नर साहिब कभी कभी अच्छी बात किया करते थे। जब मैं ग़लती से दो चार महीने के लिये मिनिस्टर बन गया तो मुझ से कहने लगे कि प्रबोध चन्द्र मुझे समझ नहीं आती कि जब कोई मनिस्टर बनता है तो दो चार महीने के बाद उसका पेट बड़ा हो जाता है, गर्दन भी ऐसी हो जाती है जैसे एक जानवर होता है। उसका नाम तो उन्होंने लिया था लेकिन मैं यहां पर वह नाम लेना नहीं चाहता।

श्री अध्यक्ष : यह क्या स्पीच है? आप क्या बातें कर रहे हैं? मेहरबानी करके इन बातों में न पड़ें। (What is this speech? What is the hon. Member talking about ? He should not discuss these things here.)

श्री प्रबोध चन्द्र : बहुत अच्छा, जनाब, मैं इस बजट पर आता हूँ। जो 10 करोड़ 53 लाख रुपया administration पर खर्च होना है, मैं सिर्फ उसी पर ज़ोर दूंगा क्योंकि administration जम्हूरियत का सब से बड़ा मज़बूत और पायदार ढांचा होता है। अगर administration ठीक है तो मैं समझता हूँ कि जम्हूरियत चल सकती है। मगर, जनाबे आला, आप देखें कि जिन के हाथ में आज हकूमत की बागडोर है वह अपनी ताकत का किस तरह से इस्तेमाल कर रहे हैं। आप के सामने मैं इसके कुछ नमूने रखना चाहता हूँ।

दिसम्बर, 1956 में हमारे चीफ मनिस्टर साहिब को एक शौक पैदा हुआ कि जब भी वह दौरे पर जाएं तो अपने साथ एक डाक्टर को ले जाएं। जनाब, कानूनी तौर पर तो Ministers Salaries Act provide नहीं करता कि कोई मनिस्टर दौरे पर जाते वक्त किसी डाक्टर को अपने साथ ले जाए। अगर वह ऐसा करता है तो अपनी individual capacity में करता है जिस के लिये उसे अपने पास से उसका खर्चा देना पड़ता है। लेकिन एक सरदार H.S. Dhillon, P.C.M.S. डाक्टर हैं। वह 45 दिन तक चीफ मनिस्टर साहिब के साथ दौरे पर जाते रहे। ठीक है कि हमारे चीफ मनिस्टर साहिब जब State के लिये इतना कुछ करते हैं तो एक डाक्टर उन के साथ दौरे पर जाता रहा तो कोई बात नहीं। मगर सवाल यह है कि कैसे वह डाक्टर उन के साथ जाता रहा, किस तरह से उस की हाज़री पर पर्दा डाला गया, सवाल तो इस बात का है। चूंकि कानून इस बात की इजाज़त नहीं देता, इसलिये उस की जो चार्ज रिपोर्ट है कहीं उसमें इस बात को ज़ाहिर न कर दिया जाए कि वह डाक्टर चीफ मनिस्टर साहिब के साथ दौरे पर गया, जो Director, Health Services की Medical Branch है उस की Letter No. 701/MG dated Chandigarh the 29th January, 1957. में लिखा है

> It may be added that while attached to the Civil Hospital, Jullundur, as on general duty, Dr. H. S. Dhillon, P.C.M.S., is performing some special duty with the Chief Minister but this fact is not to be mentioned in the charge report or in any communication to the Accountant-General, Punjab, Simla......"

जनाब, सोचने वाली बात है कि जब सूबे का वज़ीरे आज़म एक मामूली से डाक्टर से इतनी बेईमानी करवाता है कि तुम मेरे साथ लगे रहो मगर चार्ज रिपोर्ट में यह कहना कि चंडीगढ़ से देहली चीफ मनिस्टर के साथ नहीं गया बल्कि चंडीगढ़ या जालन्धर में अपनी ड्यूटी अदा कर रहा था तो इसे आप क्या कहेंगे और इस से और कितनी बातों का इनकिशाफ हो सकता है। जनाब, इस बात का शोर मचता है तो गवर्नमैंट एक नया आर्डर निकालती है।

श्री अध्यक्ष : आप किस चीज़ को quote कर रहे हैं। (What is the hon. Member quoting.)

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, मैं ज़िक्र कर रहा था कि किस तरह से Administration के अन्दर......

श्री अध्यक्ष : जो आप quote कर रहे हैं, इसका ताल्लुक इससे कैसे बनता है ? आप की आवाज़ कुछ गूंज रही है इसलिये मैं सुन नहीं सका। (How is all this which the hon. Member is quoting, relevant ? I have not been able to hear him because his voice is resounding.)

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, मैं अर्ज़ कर रहा हूँ कि कैसे सरदार साहिब के साथ ही डाक्टर हरचरण सिंह दौरे पर जाता रहा; उसके बारे में Accountant General ने एतराज़ किया, चीफ मनिस्टर साहिब की क्या instructions थीं, department ने डाक्टर को क्या कहा हुआ था वही बातें मैं आप के सामने रख रहा हूँ और खतों के नम्बर वग़ैरा भी आप के गोशगुज़ार कर रहा हूँ। जो डाक्टर ने लिख कर भेजा वह उसके 21 जनवरी, 1957 के letter में है।

"Letter, dated 21st January, 1957 from Dr. H. S. Dhillon, P.M.S., Assistant Surgeon Class I (Gazetted) to the Director of Health Services, Punjab.

I reported in the office of the Civil Surgeon, Jullundur, but due to the telephonic message from the Chief Minister to the Civil Surgeon and verbal orders......"

Mr. Speaker : This is not a part of the Budget.

श्री प्रबोध चन्द्र : यह उन letters की नकलें मेरे पास हैं। मैं उन्हीं में से पढ़ कर यह बात साफ करना चाहता हूँ कि एक डाक्टर चीफ मनिस्टर के साथ दौरे पर 45 दिन तक रहता है लेकिन चूंकि चीफ मनिस्टर साहिब जानते हैं कि वह entitled नहीं हैं इसलिये उसको साथ रखने का दूसरा रास्ता निकाला गया। लेकिन जूं ही डाक्टर का टी. ए. वग़ैरा का बिल Accountant General के पास जाता है उसपर objection होकर आता है कि Ministers को ऐसा करना allowed नहीं है। तो फिर डी. ऐच. ऐस. के दफतर से हिदायात जारी होती हैं कि उस डाक्टर को कहो कि charge report में यह न बताओ कि मैं दिल्ली गया हुआ था। इस बात का बिल्कुल ज़िक्र न करना कि तुम चीफ मनिस्टर साहिब की अरदल में रहे बल्कि यह कहना कि चण्डीगढ़ से फारिग होकर जालन्धर गया था।

Mr. Speaker : What is this document that you are reading ?

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, मेरे पास letters की copies हैं। यह मैं पूरी ज़िम्मेदारी के साथ हाऊस की मेज़ पर रखने को तैयार हूँ। अगर यह ग़लत साबित हों तो बेशक मझे जो मर्जी सज़ा दी जाए। अगर ये letters ठीक हों....

श्री अध्यक्ष : यह खत कहां के हैं। Who issued these letters?

श्री प्रबोध चन्द्र : यह खत डी. ऐच. ऐस. का है और एक A.G. का है।

Mr. Speaker : What is your source of information ?

श्री प्रबोध चन्द्र : मैं इन letters की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूँ कि अगर ग़लत साबित हों तो जो सज़ा आप देना चाहें, दें।

Mr. Speaker : But how were you able to secure these letters ?

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, जब एक अफसर किसी दूसरी जगह पर लगाया जाता है तो उस की बाबत गज़ट notification होती है। वह हर कोई देख सकता है। उस पर Accountant General ने एतराज़ किया कि जब वह डाक्टर चीफ मनिस्टर के साथ दौरे पर जाता रहा है तो आप ने क्यों इस बात को छुपाया। तो उस पर Deputy Secretary Health लिखते हैं....

Mr. Speaker : These are official documents.

श्री प्रबोध चन्द्र : Deputy Secretary Health लिखता है—

> I have nothing to add to what I have already said. I have instructions to say what I have already written in the letter.

तो, स्पीकर साहिब, जब अफसरों को इस तरह वज़ीर साहिबान के whims पर लगाया जाता है, उन से मनमानी करवाई जाती है तो ऐसी हालत में मैं समझता हूँ कि इस महकमे को एक रुपया भी देना पब्लिक के साथ नाइन्साफी करने के बराबर होगा।

इसके साथ ही, स्पीकर साहिब, मेरा एक और बड़ा ज़बर्दस्त चार्ज हकूमत के खिलाफ है। वह यह कि यह हकूमत किसी कायदे कानून के मुताबिक नहीं चलती बल्कि एक ही इन्सान की ज़ाती whims के ऊपर चलती है। सरकारी नौकर नहीं समझते कि वह हकूमत के नौकर हैं। आज पंजाब के अन्दर भी सभी अफसर यही समझते हैं कि अगर उन की नौकरी है तो एक आदमी की खिदमत करने पर यानी अगर एक आदमी को खुश कर दें तो उन की नौकरी रह सकती है। उसी को खुश करने से उन को तरक्की मिल सकती है, अगर वह आदमी नाराज़ है तो उन का कहीं ठिकाना नहीं। जनाब, इसके लिये मेरे पास सबूत मौजूद है किस तरह से वह रुपया जो कि बजट में इसलिये दिया जाता है कि Medical Department उन ग़रीब आदमियों की दवाई करने के लिये खर्च करे जो कि अपने पास से अपना इलाज भी नहीं करा सकते, चीफ मनिस्टर साहिब और उन के खानदान के ज़ाती इलाज के लिये इस्तेमाल किया जाता है। स्पीकर साहिब, मेरे पास actual receipts मौजूद हैं कि किस तरह जालन्धर वग़ैरा से कीमती दवाइयां, चीफ मनिस्टर साहिब के घर, उन की बीवी के रिश्तेदारों और बेटों के रिश्तेदारों के घर पहुँचती हैं। जब सिवल सर्जन कहता है कि यह दवाई तो बड़ी कीमती है, मैं ला नहीं सकता तो कहा जाता है कि जब तक सरदार जो बैठे हैं, आप को किस बात का फिक्र है।

जनाब, tape recording मेरे पास है कि किस तरह public fund जो अवाम की बीमारी दूर करने पर खर्च किया जाना था दवाइयों की शक्ल में तोहफे के तौर पर Chief Minister साहिब के घर में आता है। यह मुझे पता नहीं कि यह बात Chief Minister साहिब के इल्म में है या नहीं। अगर नहीं है तो मैं कहता हूँ कि जिस शख्स को अपने घर का ही पता नहीं कि उस की छत के नीचे क्या हो रहा है वह पंजाब बारे क्या खबर रख सकेगा जिस में एक करोड़ 60 लाख इन्सान बसते हैं। आप मुझे इजाज़त दें कि मैं House में मशीन लगा कर tape सुना दूं।

[श्री प्रबोध चन्द्र]

(Opposition की तरफ से आवाज़ें : इजाज़त ज़रूर दी जानी चाहिये और यह House की property हो ।)

Mr. Speaker : Is tape record a document. ?

श्री प्रबोध चन्द्र : हां जी, आप मशीन लगा कर देखें यह खुद बखुद बोलेगा। हमारे जो नाखुदा हैं वह हमारे documents को कहते हैं कि ऐसे ही बनाए जाते हैं। उन को support करने के लिये यह tape लाया हूँ ।

श्री अध्यक्ष : इस में क्या है ? (What does this contain ?)

श्री प्रबोध चन्द्र : इस में यह है कि public के लिये जो पैसा मांगा जाता है उस को कहां इस्तेमाल किया जाता है ।

श्री अध्यक्ष : आप बजट बारे जो कहना चाहें कहें, इसे छोड़िए । (The hon. Member may say whatever he wants to say about the Budget and may leave this matter of tape record alone.)

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, मैं इसे आप के पास रख दूंगा....

श्री अध्यक्ष : House में तो वह चीज़ रखी जाती है जो छप सके । (Those documents which can be printed are placed on the Table of the House).

(Opposition की तरफ से आवाज़ें : इस को सुनने का arrangement करवादें ।)

श्री अअध्य : आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ । (There is no such precedent (*interruptions*).

श्री अध्यक्ष : Order please आप इसे lobbies में सुनियें । (Order please. The hon. Members may listen to it in the lobbies.]

चौधरी इन्द्र सिंह : जनाब, यह Table पर आना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : कौन से rule के तहत आप House में Tape record बजा सकते हैं ? (Under what rule can the tape record be played in the House ?)

चौधरी इन्द्र सिंह : जनाब rules भी तो आप ने ही interpret करते हैं। (*interruptions*)

Mr. Speaker : I can not allow a tape record to be placed on the Table of the House.

श्री राम प्यारा : जनाब, नई conventions से भी फायदा उठाना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : अगर आज मैं tape record बजाने की इजाज़त दे दूं तो यह तो बाजाखाना बन जायगा । (If I were to allow this tape record to be played here, then this hall will become a concert hall.) (*Interruptions*) Please resume your seat.

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, इसे यहां पेश करते हुए मुझे कोई खुशी नहीं होती । जनाब, यहां पर बात २ पर कहा जाता है कि हम administration में दखल नहीं देते । यह बतायगा कि किस तरह कदम कदम पर दखल दिया जाता है । यह बतायगा कि सिनेमा किस का है, National Motors की Agency किस की है । इस से जाहिर होगा कि Chief Minister की residence से बीसियों telegrams जाती कारोबार के लिए गई हैं । जनाब, यह ज़ाहर करेगा कि पटियाले का सिनेमा किस का है । जनाब, इस से पता चलेगा कि अफसरों को कैसे स्तेमाल किया जाता है । जनाब, जब कांग्रेस हाई कमांड ने एक बच्ची के बारे दरियाफ्त किया तो Chief Minister के बेटे ने कहा कि हमारा उस से क्या ताल्लुक है । जनाब यह बतायगा........

Mr. Speaker: If the hon. Member wanted to say anything against the character and conduct of a Minister it could be done only through a substantive motion.

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, मैं किसी Minister के खिलाफ कुछ नहीं कहता । मैं तो बताना चाहता हूँ कि किस तरह उसे कहा गया कि फलां अफसर से मिल कर चिट्ठी लिखाओ और छपवाओ । मैं बताना चाहता हूँ कि services को कैसे इस्तेमाल किया गया है उस बच्ची की इज्ज़त खराब करने के लिए और कहा यह जाता है कि हमारा उस से ताल्लुक नहीं । पटियाला के सिनेमा के बारे में कहा था कि यह हमारा नहीं है । मैं आप के नोटिस में एक A.S.I. का case लाना चाहता हूं जो यहां के Law and Order की administration की घिनाउनी तसवीर पेश करता है । इन्होंने उस सिनेमा के लिए रेत, बजरी वगैरह के लिए एक truck किया जिस का न नम्बर और न ही license था । वह इतना rash चलता था कि बनूर के पास उस ने एक बैल को कुचल दिया । A.S.I. के पास शिकायत पहुंची । चुनांचि उस ने जब उसे रुकने को कहा तो driver बारी में से मुंह निकाल कर कहता है तुम्हें पता नहीं यह किस का truck है ? और भाग जाता है । A.S.I. कूद कर उस में चढ़ जाता है । आगे राजपुरा का फाटक बन्द है और उस का चालान कर देता है । उसी वक्त Chief Minister की जीप........

Mr. Speaker: I dont allow. This is not an impeachment of any Minister or Ministry.

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब उस ने रोज़नामचे में लिखा कि मुझे S. P. और D.I.G. ने धमकाया ....

श्री अध्यक्ष : अगर आप ने किसी वज़ीर के conduct को attack करना है तो बाकायदा substantive motion के ज़रिये करें । (If the hon. Member wants to attack the conduct of any Minister then he should do so through a regular substantive motion.)

ी प्रबोध चन्द्र : जनाब, मैं बता रहा था कि किस तरह S.P. और D.I.G. ने उस A.S.I. को कहा कि रोज़नामचा फाड़ दो । मैं पंडित जी को तकलीफ नहीं देना चाहता। मगर यह देखें कि इसमें सच्चाई है या नहीं । (घंटी) इसी तरह मेरे पास एक statement की certified copy है जो काफी रुपए खर्च कर के मैंने हासिल की है। इस में सरदार सुरिन्दर सिंह कैरों ने कहा है कि हमारी जद्दी जायदाद इतने एकड़ थी.....

श्री अध्यक्ष : मैं अर्ज़ कर दूं कि यह बहस बजट पर हो रही है। इस के बारे में आप general तौर पर कह सकते हैं कि law and order है या नहीं लेकिन अगर आप किसी वज़ीर की impeachment शुरू कर दें तो यह गलत ढंग है। अगर आप ने किसी वज़ीर के खिलाफ कहना है तो proper ढंग से कहें, सही ढंग से यहां लाएं। (I may state that the Budget is under discussion. The hon. Member may remark about the law and order situation in a general way but if he starts impeaching any Minister then it will be a wrong thing. If he wants to say something about any Minister then he should proceed according to the procedure.)

श्री प्रबोध चन्द्र : मैं किसी का नाम नहीं लूंगा ।

श्री अध्यक्ष : आप की जो speech है यह तो impeachment की speech है, बजट पर speech नहीं है। (The hon. Member's speech is an impeachment speech and not a budget speech.)

श्री प्रबोध चन्द्र : जनाब, मेरे कहने का मतलब यह है कि services जिन पर हम हर साल लाखों करोड़ों रुपया खर्च करते हैं, अपने फर्ज़ से कोताही करती हैं। आज services इतनी demoralise हुई हुई हैं कि एक नौजवान लड़के के इशारे पर चल रहीं है। मैं एक बड़े आफिसर का जिक्र करना चाहता हूं और बतलाना चाहता हूं कि किस दर्जे तक यह demoralisation हुई है। एक अफसर चंडीगढ़ से बटाले के लिए जा रहा था। मैं भी दिल्ली से आ रहा था। तो पहले जिस डिब्बे में वह बैठा था मैं भी उसी डिब्बे में by chance पहुंच गया। तो वह अफसर कहता है अच्छा आप भी यहीं हैं। मैंने कहा हां मैं बटाले जा रहा हूं। थोड़ी देर में उसने अपने steno से कह कर अपना सामान उतरवा दिया और दूसरे डिब्बे में चला गया। और वह अपने compartment से निकला ही नहीं हालांकि उसका wel-come करने के लिए बटाले स्टेशन पर लोग खड़े रहे । यह, जनाब, demoralisation की हद है ।

4 p.m.

अब मैं education की बात करना चाहता हूं कि इस department की तरफ से यह फैसला हुआ कि किताबें खुद छापेगा मगर 20 फरवरी को एक meeting होती है और उसमें फैसला करके किताबें अपने चहेतों को छापने के लिए दे दी जाती हैं। और वह आदमी कौन हैं ? वह हैं वे लोग जो लाला जगतनारायण के खिलाफ गवाह इस्तेमाल किए गए थे। मैं जनाब इस रवैये की सख्त मुखालफत करता हूं कि इस तरह से सरकार का रुपया ज़ाया किया जाय। मैं ने भी पढ़ा है और जनाब आपने भी परसों के टाइम्स आफ इंडिया में पढ़ा होगा कि Andhra State के एक मिनिस्टर ने resignation दे दिया सिर्फ इसलिए कि High Court के Judge ने यह Judgment दिया था कि उसकी intention ठीक नहीं थी।

लेकिन यहां एक आफिसर के खिलाफ High Court का judgment है जिसमें यह कहा गया है कि जो फैसला आफिसर ने दिया है वह इसलिए दिया है कि वह अफसर एक मिनिस्टर को खुश करना चाहता था . . . . .

"It is simply a case where in order to carry out the supposed wishes of a Minister and as I have said to stand out in his esteem, the officer concerned has completely flouted the law"

अब, जनाब, जहां तक taxes लगाने का ताल्लुक है मैं नहीं कहता कि टैक्स न लगाए जाएं। बेशक लगाइए लेकिन उस हद तक जहां तक कि गरीब जनता उसको बर्दाश्त कर सके। और जो रुपया इस तरह से लिया जाए उसकी एक एक पाई का हिसाब अच्छे मुनीम की तरह रखा जाए। अखीर में यह बात भी कह देना चाहता हूं (घंटी) बस जनाब, वह यही कि जहां मिनिस्टरों की कोठियों में पंखे चलते हैं, हीटर और कूलर का प्रबन्ध है बिजली का पूरा प्रबन्ध है वहां मैं यह चाहता हूं कि गरीब की उस झोंपड़ी को भी रोशन करें जहां एक टिमटिमाता दिया भी नहीं है। और एक बात यह रह गई जो मैं अपने वज़ीरों को और दोस्तों को बतलाना चाहता हूं कि यौमे हिसाब आने वाला है जब कि कारनामों का गिन गिन कर हिसाब लिया जाएगा। तो मैं नहीं चाहता कि कांग्रेस जिसने मुल्क की हमेशा से सेवा की है वह तबाह हो जाए। इन अल्फाज़ के साथ मैं बैठता हूं कि कांग्रेस अपने आप को सुधारे और देश की सेवा के योग्य बने।

श्रीमती सरला देवी (हमीरपुर) : माननीय स्पीकर साहिब, हमारे वित्तमंत्री महोदय ने जो बजट इस हाउस में पेश किया है मैं उसके लिए मुबारिकबाद पेश करती हूं।

जहां तक इस बजट का ताल्लुक है इसमें figures देखने से पता चलता है कि 96 लाख का घाटा बताया गया है। इस के सम्बन्ध में मैं सोचती हूं कि अगर हमारी स्टेट में किसी किस्म की agitation न चले तो इस घाटे का असर नहीं पड़ सकता बल्कि हमारा काफी फायदा हो सकता है और जब हमारा मुल्क आज़ाद हो गया है तो यह हमारा लाज़िमी फर्ज़ हो जाता है कि हम जो यहां के बाशिन्दे हैं चाहे हिन्दू हों, सिख हों ईसाई हों या मुसलमान हों कोई भी हों हमें एक हो कर रहना चाहिए और हमारे अन्दर ज़बर्दस्त इत्तिफाक होना चाहिए, ताकि देश को आगे ले जा सकें।

(At this stage Mr Deputy Speaker occupied the Chair)

दूसरे मैं पंजाब सरकार का ध्यान इस बात की तरफ दिलाना चाहती हूं कि आज-कल महंगाई बढ़ रही है। इस को रोकने के लिए पंजाब सरकार कदम उठा रही है। Agriculture में भी आगे बढ़ी है। इस तरह से मैं आप को कुछ figures बताना चाहती हूं कि 1961 में हमारे [illegible] मन्त्री जी ने कहा था कि 1959 में price index 111.8 था। 1960 में 11[illegible] हो गया। इस का मतलब यह है कि भाव $2\frac{1}{2}$ प्रतिशत बढ़ गया। दूसरी चीज़ें जो हमारी [illegible]न्दगी से सम्बन्ध रखती हैं उनकी कीमतों की पोज़ीशन यह है कि 1959 में 115 थी और 1961 में 122.4 हो गई। कहने का मतलब यह है कि महंगाई बहुत ज्यादा बढ़ गई है।

अब मैं आप का ध्यान ज़िला कांगड़ा की तरफ दिलाना चाहती हूं। ज़िला कांगड़ा के अन्दर अभी न कोई industry है और न कोई और कमाई का साधन है। बड़े Agriculturists ज़िला कांगड़ा में है ही नहीं क्योंकि भूमि ज्यादा नहीं। आज हालत यह है कि खाने की सारी चीज़ें होशियारपुर से जाती हैं। हम उन के रहम पर हैं। आज ज़िला कांगड़ा हर लिहाज़ से नीचे जा रहा है। हमारे मुख्य मन्त्री का ध्यान ज़िला कांगड़ा की तरफ लगा हुआ है कि इसे कैसे ऊपर। Industries मिनिस्टर का भी मैं धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने ज़िला कांगड़ा की

[श्रीमती सरला देवी]
तरफ ध्यान दिया है। ज़िला कांगड़ा के अन्दर industrial estate बननी थी लेकिन यह मैं समझ नहीं सकी कि भटिंडा का नाम तो आ गया लेकिन कांगड़ा की स्कीम कहां छुपी रही। उम्मीद है कि वज़ीर Industries इस बात की तरफ पूरा पूरा ध्यान देंगे। सोनीपत, लुध्याना और बटाला के अन्दर industry तरक्की कर रही है। गवर्नर साहिब के एड्रेस में भी ज़िक्र आया था कि ज़िला कांगड़ा के अन्दर cement factory लगाई जा रही है। मैं उन का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने यह भी फैसला किया है कि मासूम बच्चों को भी रोज़ी मिल सके। कागज़ की फैक्ट्री भी लग रही है। ज़िला कांगड़ा की गुरबत की यह हालत है कि वहां पर कोई भी बड़ा सरमायादार नहीं मिलता जैसे कि पंजाब में मिलते हैं। मैं समझती हूं कि co-operative sector की ज़्यादा से ज़्यादा मदद करनी चाहिए ताकि लोगों के अन्दर co-operative की भावना पैदा हो, और वे industry का काम कर सकें। दूसरे अगर वे कोई निजी industry या फैक्ट्री लगाना चाहते हैं तो सरकार ज़्यादा से ज़्यादा मदद करे ताकि लोगों में देश की स्वतन्त्रता की झलक पैदा हो सके और लोगों के अन्दर यह भावना पैदा हो कि कांगड़ा का ज़िला भी स्वतन्त्र है। यहां पर manpower और electric power दोनों हैं, raw material भी मिलता है, लाखों मन ऊन पैदा होती है लेकिन इस का फायदा पानीपत और अमृतसर वाले उठाते हैं, गवर्नमेंट ने वहां कोई प्लांट नहीं लगाया। इस का नतीजा यह है कि businessmen आते हैं और उस का फायदा उठाते हैं। गद्दियों को सरकार ने backward करार दिया है अगर industry के inspector उन को organise कर के उनकी co-operative societies बनाएं और उन को subsidies दी जाएं और पालमपुर में प्लांट लगा सकें तो वे लोग फायदा उठा सकते हैं। आज ये लोग भेड़ों को लिए हुए मारे मारे फिरते हैं। पिछले साल हमारी tea estates को पांच लाख रुपया दिया गया था कि कारखाना लगाया जायगा। लेकिन यह रुपया वहां पर खर्च ही नहीं किया गया और कोई स्कीम ही नहीं बन सकी। मैं इण्डस्ट्री मिनिस्टर साहिब को प्रार्थना करूंगी कि वे ज़रूर इस बात की तरफ ध्यान दें।

तीसरी बात मैं education के मुतल्लिक कहना चाहती हूं। गवर्नमेंट 12,77,31,460 रुपया education पर खर्च कर रही है। यह खुशी की बात है। हमारी गवर्नमेंट इस के लिए मुबारकबाद की हकदार है कि उस ने पिछले साल से डेढ़ करोड़ रुपया ज़्यादा रखा जब कि उसे काफी रुपया agitation पर खर्च करना पड़ा। इस के साथ education भी compulsory की है और यह बहुत बड़ा कदम उठाया गया है जिन की आमदन 100 रु० तक होगी उन के बच्चों की फीस मुआफ की जायगी। State Government के स्कूलों के लिए 5 लाख रुपया रखा है, 7 लाख 50 हज़ार रुपया प्राईवेट स्कूलों के लिए और 31 लाख 91 हज़ार रुपया मिडल स्कूलों को हाई करने के लिए रखा है। मैं शिक्षा मन्त्री से प्रार्थना करूंगी कि upgrading के लिए कोटा सिस्टम नहीं होना चाहिए। इस की वजह यह है कि निचले ज़िले plain होते हैं, वहां पर सड़कें होती हैं जहां बच्चे आसानी से आ जा सकते हैं; लेकिन पहाड़ी इलाके में खड्डें होती हैं इसलिए उन के लिए upgrading की ज़्यादा provision होनी चाहिए। हमारे हमीरपुर में 7 कवालू और 10 नालू हैं। इस लिए बरसात के तीन महीने बच्चे स्कूल नहीं जा सकते और नतीजा यह होता है कि जब Subordinate Services Selection Board में मुकाबले का सवाल आता है तो वे पीछे रह जाती हैं।

डिप्टी स्पीकर साहिब, दस दस मील के फासले पर स्कूल हैं और जब खड्डें चढ़ जाती हैं तो चार २ महीने बच्चे स्कूलों में नहीं जा सकते। इस का कुदरती नतीजा यह निकलेगा कि लड़के इम्तहान में अच्छे नम्बर नहीं ले सकेंगे और अच्छी २ posts के लिए select नहीं हो सकेंगे।

इस के अलावा, डिप्टी स्पीकर साहिब, शिक्षा मन्त्री ने यह बात कही थी कि अब की दफा सोचेंगे कि ज़िला कांगड़ा के सकूलों को upgrade करना है या नहीं क्योंकि teachers वह जाने के लिए अपनी मजबूरी ज़ाहिर करते हैं। डिप्टी स्पीकर साहिब, एक तरफ तो हमारी गवर्नमेंट कहती है कि कांगड़ा को हम ने Switzerland बनाना है, और यहां से फौज के लिये भरती लेनी है लेकिन दूसरी तरफ यह कहते हैं कि हम ने वहां के स्कूलों को upgrade नहीं करना। मैं तो सरकार से प्रार्थना करूंगी कि वहां दो २ मील के फासले पर स्कूल होने चाहियें और teachers की recruitment करते वक्त यह condition लगा देनी चाहिये कि teachers जो appoint किये जाएंगे उन्हें हर ज़िले में काम करना लाज़मी होगा। कांगड़ा जिला में कई ऐसे स्कूल हैं जहां अरसा से कोई Headmaster नहीं है। अगर शिक्षा की यही हालत रही तो हम तरक्की नहीं कर सकेंगे। अभी हिन्द सरकार ने 19 करोड़ रुपया hilly areas की development के लिये दिया है। इसलिये मैं समझती हूं कि सरकार को Degree Colleges खोलने की तरफ ध्यान देना चाहिये। एक Degree College कुल्लू में खोलना चाहिए और एक हमीरपुर तहसील में। आज कल लड़के होशियारपुर और धर्मसाला में जा कर शिक्षा हासिल करते हैं। यह खुशी की बात है कि एक सैनिक स्कूल रोहतक में खोला गया है और दूसरा नाभा में है। मैं गवर्नमेंट से प्रार्थना करूंगी कि एक सैनिक सकूल कांगड़े में भी होना चाहिये। जहां तक नौजवानों को फौज में भरती किये जाने का सवाल है, सब से ज्यादा भरती ज़िला कांगड़ा और खास कर तहसील हमीरपुर से दी जाती है। मैं यह नहीं कहती कि सैनिक स्कूल तहसील हमीरपुर में ज़रूर खोला जाए, यह बेशक किसी जगह ज़िला कांगड़ा में खोला जाए।

इस के अलावा, डिप्टी स्पीकर साहिब, मुझे इस बात की खुशी है कि मेरी बहन मिस सरला खन्ना को D.P.I. appoint किया गया है। इस में कुछ शक नहीं कि हमारी बहन बहुत काबिल है और डिप्टी कमिश्नर भी रही है। उसे किसी आला administrative post पर तइनात किया जाना चाहिये था। यह जो Education Minister या Deputy Minister ने पालिसी अख्तियार की है कि D.P.I. किसी I.A.S. को लगाया जाए मैं इस की विरोधता करती हूं। मैं समझती हूं कि किसी educationist को D.P.I मुकर्रर किया जाना चाहिये था। मैं ने पिछले दिनों पढ़ा कि Government of India ने Mr. Seargent को लण्डन से बुलाया जिन्होंने education की survey की। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि किसी Educationist को D.P.I. मुकर्रर करना चाहिये। यहां बड़े २ अफसर जो यह खयाल दिल में लिये बैठे थे कि वे D.P.I. बनेंगे उन के तरक्की के chances बिल्कुल खत्म हो गये हैं। इस का क्या नतीजा निकलेगा। Education Department में जो officers, assistants और clerks बैठे हैं उन की तरक्की की राहें बन्द कर दी गई हैं। गवर्नमेंट ने यह इरादा किया है कि Assistant Establishment Officers की recruitment बाहर से की जाएगी। डिप्टी

[श्रीमती सरला देवी शर्मा]

स्पीकर साहिब, अगर clerks को वक्त पर promotions न मिलें तो कुदरती तौर पर उन के हौसले पस्त हो जाते हैं। यही लोग होते हैं, जिन के कंधों पर सारी administration का बोझ होता है। वे रात दिन मेहनत करते हैं लेकिन अगर उन को promotion से महरूम कर दिया जाए तो उन में demoralisation पैदा हो जाएगी और इस तरह से हमारा सूबा आगे नहीं बढ़ सकेगा। डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं आप की विसातत से गवर्नमेंट से अपील करूंगी कि मिस सरला खन्ना को D.P.I. की बजाए Secretary, education बनाया जाए या किसी और high post पर लगाया जाए लेकिन D.P.I. एक educationist होना चाहिये। (घंटी की आवाज़) डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं दो मिनट और लेना चाहती हूं। आज हमारे सूबे में पंचायती राज कायम हो गया है। हमारे चीफ मिनिस्टर साहिब बहुत मेहनती और काम करने वाले हैं। उन के दिल में सूबे को आगे ले जाने की लगन है। Cabinet के सारे मिनिस्टर उन के साथ पूरा तआवन करते हैं—सहयोग देते हैं। उन्होंने सूबे को socialistic pattern पर लाने की कोशिश की है, भूख और अफलास को दूर करने की कोशिश की है जैसा कि मेरे भाई सरदार दरबारा सिंह ने बताया। मैं इस के लिये सारी cabinet के मैम्बरों को वधाई देती हूं जो चीफ मिनिस्टर की रहनुमाई में काम कर रहे हैं। यहां पंचायतें बनीं और महात्मा गांधी के विचारों के मुताबिक बनीं। उन की खाहिश थी कि हमारे देश में पंचायती राज कायम हो। अब सारे अख्तियारात पंचायतों के सुपुर्द किये गये हैं। हमारी गवर्नमेंट ने एक निहायत अच्छा कदम उठाया है कि जिन पंचायतों की elections मुत्तफिका तौर पर हुई हैं उन पंचायतों का मामला बिल्कुल माफ कर दिया गया है। 43 लाख के करीब ऐसी पंचायतों को रुपया मिलेगा। मगर कांगड़ा ज़िला की आमदन क्या हो सकती है और उस से पंचायतों को क्या लाभ पहुंच सकता है। अव्वल तो वहां जमीन नहीं है। ज़मीन न होने के कारण अनाज कम पैदा होता है वह भी तब जब इन्द्र देवता प्रसन्न हो कर बारिश बरसाए। अगर बारिश न हो तो अनाज पैदा नही होता। किसी पंचायती हलके में वहां मामला पांच रुपये, किसी में 10 रुपये और ज़्यादा से ज़्यादा किसी में 100 रुपया होगा। उन पंचायतों को असल में फायदा हुआ है जो 10 या 20 हज़ार रुपया मामला देती हैं। लुधियाना और जालंधर जिलों में मामला ज़्यादा है लेकिन कांगड़ा ज़िला में मामला बहुत कम है। गवर्नमेंट के इस फैसले से हमारे ज़िले को कोई फायदा नहीं पहुंचा। इन हालात में मैं गवर्नमेंट से अपील करती हूं कि हमारे ज़िले के लिये जहां हमारे चीफ मिनिस्टर दिलचस्पी ले रहे हैं और जिस ज़िले में कुदरती तौर पर जंगल ही जंगल हैं उस के मुतल्लिक सरकार को जल्दी से जल्दी फैसला करना चाहिए। बन सरकार का जो रक्बा है उस का मामला तो किसान देता है लेकिन मालिक गवर्नमेंट है। शामलात देह की आमदन हमारे ज़िले में पंचायतों को जानी चाहिये। तब तो हमारी भलाई हो सकती है। हमारे ज़िले में सड़कें भी बनेंगी, हस्पताल भी बनेंगे। मैं समझती हूं कि सरकार हमारे ज़िले की development के लिये काफी कदम उठा रही है और मैं उम्मीद करती हूं कि वह आयंदा भी इसे develop करने के लिए और कदम उठायेगी। मैं हाउस का ज्यादा समय न लेते हुए, डिप्टी स्पीकर साहिब, आप का धन्यवाद करती हूं, अपने

चीफ मिनिस्टर साहिब का धन्यवाद करती हूं, cabinet के मिनिस्टरों का धन्यवाद करती हूं जो हमारे ज़िले के विकास के लिये बड़े २ कदम उठा रहे हैं। अगर हमारी सरकार की कोशिशें इसी तरह जारी रहीं तो हमारा ज़िला तरक्की के लिहाज़ से सब से आगे होगा और अपने देश पर कुर्बान होने के लिये पेश पेश होगा।

श्री उपाध्यक्ष : अब speeches के लिए कोई time limit रखनी पड़ेगी क्योंकि वक्त थोड़ा रह गया है और मेम्बर साहिबान ज्यादा बोलने वाले हैं। (Some time-limit will have to be fixed now, for the time now left is very short and still a large number of hon. Members want to speak.) (*interruptions*)

चौधरी इन्द्र सिंह : मेरी अर्ज़ यह है कि सरदार दरबारा सिंह जी को normal time से दुगना तिगुना time मिला है। इसके अलावा कोई uniformity भी रखी जानी चाहिए। दो उधर से बोल लें तो उसके बाद एक इधर से होना चाहिए।

श्री उपाध्यक्ष : ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है। (No such decision has been taken.)

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ (ਲੁਧਿਆਣਾ ਦਖਣ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਜਟ ਦੇ ਬਾਰੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ opposition ਦੇ ਭਾਈਆਂ ਨੇ ਕੁਝ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲਾਂ ਨਾਲ ਕਹੀਆਂ ਔਰ ਕੁਝ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਬੇ ਬੁਨਿਆਦ ਵੀ ਕਹੀਆਂ। ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਟੈਕਸਾਂ ਦੀ ਗਲ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਇਸ ਬਜਟ ਦੇ special features ਦੇਖੀਏ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲਗੇਗਾ ਕਿ ਇਹ ਕਿਤਨਾ ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਵਾਲਾ ਬਜਟ ਹੈ। Crop Insurance Scheme ਜਿਹੜੀ ਸਿੱਧੀ ਦਿਹਾਤੀਆਂ ਨਾਲ ਤਾਅੱਲੁਕ ਰਖਦੀ ਹੈ ਉਹ ਇਥੇ introduce ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕਲਾਸ IV ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵੀ ਇਸੇ ਬਜਟ ਵਿਚ ਹੀ ਵਧੀਆਂ ਹਨ। ਫਰ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜ ਏਕੜ ਤਕ ਦੇ ਮਾਲਕਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਪਹਿਲ ਜਿਹੜਾ ਮਾਲੀਆ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਉਹ ਪਹਿਲਾਂ ਸਰਕਾਰੀ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਮਗਰ ਹੁਣ ਉਹ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਜਾਇਆ ਕਰੇਗਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਅਠਵੀਂ ਤਕ ਸਾਰਿਆਂ ਸਕੂਲਾ ਵਿਚ ਮੁਫਤ ਤਾਲੀਮ ਲੜਕਿਆਂ ਲਈ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਔਰ ਲੜਕੀਆਂ ਲਈ ਨੌਵੀਂ ਤਕ ਮੁਫਤ ਤਾਲੀਮ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਤਾਲੀਮ ਲਾਜ਼ਮੀ ਅਤੇ ਮੁਫਤ ਕਰ ਦੇਣਾ ਇਹ ਵੀ ਇਸ ਬਜਟ ਦੀ ਇਕ ਖਾਸ ਗਲ ਹੈ। ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਇਸ ਸਾਲ ਖਾਸਾ ਖਰਚ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਸ ਸਾਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਹੋਰ ਬਹੁਤ ਵੱਡੀ ਰਿਆਇਤ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਉਸ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਭਾਵੇਂ ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਮਗਰ ਮੈਂ ਇਥੇ ਦਸੇ ਬਿਨਾ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦਾ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਜਿਹੜੀ ਉਸ ਦੀ ਅਨਾਜ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਤੇ ਚੁੰਗੀ ਵਸੂਲ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਸੀ ਉਹ ਹੁਣ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਮੁਆਫ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਵੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਉਚਾ ਚੁਕਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀ ਤਾਂ 24 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਇਸ ਸਾਲ ਕਲਾਸ IV ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਤੇ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਹੈ। ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ 9 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ Crop Insurance Scheme ਤੇ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਹੈ। 24 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਮੁਫਤ ਔਰ compulsory education ਤੇ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਬਹਤ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਜਿਹੜਾ ਪਹਿਲੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਮਾਲੀਏ ਵਜੋਂ

[ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ]

ਆਉਂਦਾ ਸੀ ਉਹ ਹੁਣ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਚਲਾ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪਿਛਲੀ ਪੰਜ ਸਾਲਾਂ ਪਲਾਨ ਦੇ ਅਖੀਰਲੇ ਸਾਲ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ development ਔਰ social welfare ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਸੀ ਉਹ ਸਿਰਫ 21 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਸਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਤਕਰੀਬਨ 39 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਰਕਮ ਤਕਰੀਬਨ ਦੁਗਣੇ ਦੇ ਕਰੀਬ ਬਣਦੀ ਹੈ। ਸੋ ਇਹ ਜਿਤਨਾ ਵੀ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਿੱਧਾ ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਣਾ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਪੈਸਾ ਆਉਣਾ ਕਿੱਥੋਂ ਹੈ। ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਟੈਕਸ ਨਹੀਂ ਲਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦਾ ਈਮਾਨਦਾਰ ਸ਼ਹਿਰੀ ਹੈ ਉਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਟੈਕਸਾਂ ਨੂੰ ਕਦੀ ਵੀ criticise ਨਹੀਂ ਕਰੇਗਾ। ਜਿਹੜੀ entertainment duty ਵਧਾਈ ਗਈ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ welcome ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਜਿਹੜੇ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਮਹਿਜ਼ ਪਰਾਪੇਗੰਡਾ ਦੀ ਖਾਤਿਰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਟੈਕਸ ਜਾਇਜ਼ ਨਹੀਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਐਸਾ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਜੇ ਕੋਈ ਟੈਕਸ ਲਾ ਕੇ ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਔਰ ਪਿਛੜੇ ਹੋਏ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਦਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ welcome ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ exploit ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਛੀਨਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬੜੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ speech ਕੀਤੀ ਔਰ ਕਿਹਾ ਕਿ rich richer ਹੁੰਦਾ ਜਾਏਗਾ ਔਰ poor poorer ਹੁੰਦਾ ਜਾਏਗਾ। ਬੜੇ bombastic ਲਫਜ਼ਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ speech ਕੀਤੀ। ਮਗਰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਖੋਦਿਆ ਪਹਾੜ ਔਰ ਨਿਕਲਿਆ ਚੂਹਾ' ਵਾਲੀ ਗਲ ਕੀਤੀ। ਮਗਰੋਂ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਇਕ ਸਰਪੰਚ ਹਟਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਉਸ ਸਰਪੰਚ ਨੂੰ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ। ਉਹ ਬੋਪਾ ਗਏ ਪਿੰਡ ਦਾ ਹੈ ਔਰ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਜਾਣਦਾ ਹਾ ਕਿ ਉਹ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਮ ਛੀਨਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਗਲਤ ਦਸਿਆ ਸੀ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਕੋਈ ਰੂਸ ਦੀ ਗਲ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਚੀਨ ਦੀ ਗੱਲ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਿਤ ਦਾ ਇਹ ਪ੍ਰਾਪੇਗੰਡਾ ਕਰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਆਪਣੇ ਮੁਲਕ ਦੀ ਵਫਾਦਾਰੀ ਇਹ ਧੇਲੇ ਦੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਔਰ ਦੂਸਰੇ ਮੁਲਕਾਂ ਦੇ ਵਫਾਦਾਰ ਬਣਦੇ ਹਨ। ਬਾਹਰਲਾ ਜੇ ਕੋਈ ਬਰਾਏਨਾਮ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਵੀ ਕੋਈ ਗਲ ਆਖੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਇਹ ਮੰਨ ਲੈਣਗੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਂ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬੇੜਾ ਹੀ ਗਰਕ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ।

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੀ ਇਹ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਬਜਟ ਤੇ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹਨ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਹਾਂ ਜੀ, ਮੈਂ ਬਜਟ ਤੇ ਹੀ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਦੂਸਰੇ ਮੁਲਕਾਂ ਦੇ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਆਪਣੇ ਮੁਲਕਾਂ ਲਈ ਵਫਾਦਾਰ ਹਨ ਮਗਰ ਇਹ ਆਪਣੇ ਮੁਲਕ ਦੇ ਵੀ ਵਫਾਦਾਰ ਨਹੀਂ ਹਨ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਭਾਈ ਰਾਠੀ ਸਾਹਿਬ ਇਥ ਬੈਠੇ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰਾਜਿਆਂ ਮਹਾਰਾਜਿਆਂ ਦੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜੇ ਰਾਜਿਆਂ ਮਹਾਰਾਜਿਆਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਨੇ ਹਟਾਇਆ ਹੈ, ਜੇ ਕਿਸੇ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਿਰ ਨੀਵਾਂ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਕਾਂਗਰਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹੀ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਨੇ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। (*Interruption by Kanwarani Jagdish Kaur*)

Mr. Deputy Speaker : Order, please.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਕੋਈ ਰਾਜਾ ਜਾਂ ਮਹਾਰਾਜਾ ਆਪਣੀ aristrocracy ਨੂੰ ਛਡ ਕੇ socialist pattern ਦੀ society ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਦੀ ideology ਨੂੰ ਅਪਨਾਉਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਉਸ ਦਾ ਸਵਾਗਤ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਜੇ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਕੋਈ ਰਾਜਾ ਇਸ State ਵਿਚ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਹੈ ਰਾਜਾ ਨਾਲਾਗੜ੍ਹ ਜਿਹੜਾ ਕਿ personal property ਅਤੇ ਦੂਜੀ' ਹਰ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਛਡਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ welcome ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ। ਜਿਸ ਨੇ ਆਪਣੀ ਪੁਰਾਣੀ aristocratic mentality ਨੂੰ ਛਡ ਦਿੱਤਾ ਹੋਵੇ ਤੇ socialist pattern ਦੀ ideology ਨੂੰ ਮੰਨ ਲਿਆ ਹੋਵੇ ਉਸ ਦਾ ਅਸੀਂ ਕਿਉਂ ਨਾ ਸਵਾਗਤ ਕਰੀਏ। ਹਾਂ, ਕੁਝ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਭਾਈ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਪਿਛ੍ਹਾਂ ਖਿੱਚੂ mentality ਰਖਦੇ ਨੇ ਅਤੇ ਸੁਤੰਤਰ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਢੌਂਗ ਰਚ ਰਹੇ ਨੇ। ਆਪਣੀ ਰਾਜਸੀ ਤਾਕਤ ਦੀ ਖਾਤਰ ਉਹ ਇਸ ਨਵੇਂ social order ਨੂੰ ਰੋਕ ਰਹੇ ਹਨ।

ਪੰਡਿਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : On a point of order, Sir. ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਗਰ ਇਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੂਜੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨੂੰ discuss ਕਰਨਗੇ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ, ਤਾਂ ਕੀ ਦੂਜਿਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਖੁਲ੍ਹ ਹੋਵੇਗੀ ਕਿ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ party ਨੂੰ discuss ਕਰਨ ?

श्री उपाध्यक्ष : Order please. क्या आप ने पहली speeches सुनी थीं ? (Order please. Did the hon. Member hear the speeches delivered earlier ?)

पंडित राम किशन भड़ोलियां : हां जी पहले डाक्टर साहिब यहां मौजूद थे, अब मैं हूं ।

श्री उपाध्यक्ष: अगर कोई member पहली speaches को refer करे तो उसे कैसे रोका जाए । (How can any hon. Member be prevented from referring to speeches made earlier? Now I will not permit any hon. Member to refer to those matters which have no bearing on the Budget)

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਪਰ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਿਧੀ speech ਕਿਸੇ party ਦੇ ਬਾਰੇ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਨੇ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਕਰ ਰਹੇ ਨੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਤਾਂ ਮੈਂ ਫਿਰ ਦਿਆਂਗਾ।

Mr. Deputy Speaker : Order, please.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ : ਹਾਲਾਂਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪਹਿਲੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਗਈਆਂ ਨੇ ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਜੇ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਔਖਿਆਈ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਔਰ ਜੇ ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਸਮਝੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਹ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਇਤਨੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਇਸ time ਦੀ ਹਵਾ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰਨ ਦਾ ਜਤਨ ਕਰੇਗਾ ਜਾਂ ਜੋ ਜ਼ਮਾਨੇ ਦੀ ਰਫਤਾਰ ਅਗੇ ਆਏਗਾ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਰਾਜੇ ਮਹਾਰਾਜੇ ਹੋਣ ਤੇ ਭਾਵੇਂ ਉਹ Communist ideology ਵਾਲੇ ਭਾਈ

[ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ]

ਹੋਣ ਉਹ ਇਸ ਦੇ ਅਗੇ ਨਹੀਂ ਟਿਕ ਸਕਣ ਗੇ । (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ) ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਰਾਜਿਆਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦੇ ਨੇ ਜੋ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਰਾਜੇ ਨੇ, ਜੋ ਇਧਰ ਆਏ ਨੇ, ਉਹ ਤਾਂ ਆਪਣਾ ਦਿਮਾਗ਼ ਦਰੁਸਤ ਕਰ ਚੁਕੇ ਹਨ ।

ਬਾਕੀ ਲਾਲਾ ਜਗਤ ਨਰਾਇਣ ਨੇ ਕਈ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ । ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੁਝ personal ਗੁਸੇ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਸਿਰਫ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ—

ऐखते खाले यार तुझे ठीक बनाता
पर छोड़ दिया हाफ़िज़े क़ुरान समझकर

ਫਿਰ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਭਾਈ ਜਿਹੜੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਥੇ development ਨਹੀਂ ਹੋਈ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਣ ਲਈ industries ਵਿਚ ਹੋਈ, development ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਇਸ ਲਈ ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿਉਂਕਿ ਕਿਸੇ ਕੋਲੋਂ ਛਿਪੀ ਹੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਨੇ industries ਵਿਚ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ agriculture ਵਲ ਦਿਵਾਵਾਂਗਾ । Agriculture ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੌਲਵੀ ਅਬਦੁਲ ਗਨੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੁਝ figures ਦਸੀਆਂ ਨੇ । ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਦੀਆਂ figures ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਸੀਆਂ ਨੇ ਸ਼ਾਇਦ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਦਸੀਆਂ ਹੋਣ ਜਿਥੇ floods ਆਏ ਸੀ ਜਾਂ ਜਿਥੇ ਸੇਮ ਨਾਲ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਤਨਾ ਹੀ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸੂਬਾ foodgrains ਵਿਚ deficit ਤੋਂ surplus ਹੋਇਆ ਹੈ ਔਰ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦਸਤਾਨ ਨੂੰ ਅਨਾਜ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ।

ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ partition ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦਾ ਉਹ ਹਿਸਾ ਦਿੰਦਾ ਸੀ ਔਰ granary of India ਕਹਿਲਾਉਂਦਾ ਸੀ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਉਸ ਪਾਸੇ ਰਹਿ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਜਿਸ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਉਧਰ ਛਡ ਆਏ ਹਾਂ । ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਬਾਰੇ ਮੇਰੀ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੀ Constituent Assembly ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਮੀਆਂ ਮੁਹੰਮਦ ਅਬਦੁਲਾ ਨਾਲ ਗੱਲ ਬਾਤ ਹੋਈ ਸੀ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਸੁਣਾਉ ਤੁਹਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦਾ ਕੀ ਹਾਲ ਹੈ ? ਕਿਤਨੀ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ? ਉਸ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਤਰੱਕੀ ਤਾਂ ਤੁਹਾਡੇ ਸੂਬੇ ਨੇ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਤਾਂ ਸਿਰਫ industry ਵਿਚ ਕੁਝ ਤਰੱਕੀ ਹੋਈ ਹੈ ਪਰ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਵਿਚ ਉਸ ਨੇ ਕੁਝ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਇਹ ਗੱਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੇਰੇ ਨਾਲ private ਤੌਰ ਤੇ ਗਲ ਬਾਤ ਕਰਦਿਆਂ ਆਖੀ ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਕੁਝ figures ਵੀ quote ਕਰਾਂਗਾ ਤੇ ਦਸਾਂਗਾ ਕਿ ਸਾਡੀ Second Five Year Plan ਦੇ ਜੋ targets ਸੀ ਉਹ ਅਸੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ cross ਕੀਤੇ ਹਨ ਅਤੇ 1958-59 ਵਿਚ foodgrains ਦੀ ਕੀ position ਸੀ ਤੇ ਇਸ ਵੇਲੇ ਕੀ position ਹੈ ।

1955-56 ਵਿਚ foodgrains ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ 45 ਲੱਖ ton ਪੈਦਾ ਹੋਏ । ਇਸ ਸਾਲ, ਜੋ ਜਾਂਦਾ ਪਿਆ ਹੈ, 60 ਲੱਖ ton ਪੈਦਾ ਹੋਏ ਨੇ । Sugar cane, (ਗੁੜ) ਉਸ ਸਾਲ 5 ਲੱਖ 57 ਹਜ਼ਾਰ ton ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਔਰ ਇਸ ਸਾਲ 8 ਲੱਖ 78 ਹਜ਼ਾਰ ਟਨ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ cotton bales ਉਸ ਸਾਲ 6 ਲੱਖ ਪੈਦਾ ਹੋਈਆਂ

ਸਨ ਤੇ ਇਸ ਸਾਲ 9 ਲੱਖ bales ਹੋਈਆਂ ਨੇ। ਜਦ ਇਨ੍ਹਾਂ ਚਿਜਾਂ ਦੀ production ਵਿਚ ਇਤਨਾ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਭਾਈਆਂ ਦੀ ਗੱਲ ਮੰਨਾਂ ਜਿਹੜੇ ਸਮਝਦੇ ਨੇ ਕਿ ਇਥੇ development ਹੇਠਾਂ ਨੂੰ ਜਾਂਦੀ ਪਈ ਹੈ ਔਰ ਜੋ ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ ਕਿ development ਦਾ ਕੁਝ result ਨਹੀਂ ਲਭਦਾ। Results ਤਾਂ ਸਭ ਕੁਝ ਮਿਲਦੇ ਹਨ। ਜੋ ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ figures ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਸਾਫ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਪਾਸੇ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਨੇ ਕਿਤਨੀ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਜੇ ਅਸੀਂ ਇਸ ਪਾਸੇ ਨਜ਼ਰ ਮਾਰੀਏ ਕਿ ਲੁਧਿਆਣੇ ਦੇ Agricultural College ਵਚ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੰਮ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਥੇ ਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ train ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਥੇ agriculture ਦੇ Sub-Inspectors ਨੂੰ training ਦੇਣ ਲਈ class ਖੁਲ੍ਹੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਥੇ seeds ਨੂੰ improve ਕਰਨ ਲਈ research ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ, ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ fertilizers ਤੇ agricultural imploments ਨੂੰ improve ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਖੋਜ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸਾਫ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਬੜੀ ਤਰੱਕੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਮੇਰੇ ਭਾਈ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਰਚਾਰ ਕਰਦੇ ਰਹਿਣ, ਇਹ ਤਰੱਕੀ ਤਾਂ ਹੁੰਦੀ ਰਹਿਣੀ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਗੱਲ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਾਂਗਾ ਅਤੇ ਸਾਫ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਹੜਾ package programme ਇਸ ਨੇ ਲੁਧਿਆਣੇ ਵਿਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤ ਹੈ, ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਰਾਹੀਂ fertilizers ਔਰ improved seeds ਔਰ better way of cultivation ਨਾਲ ਖੇਤੀ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਣੀ ਹੈ ਸਿਰਫ ਖੇਤੀ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਹੀ ਨਹੀਂ ਵਧਾਉਣੀ ਬਲਕਿ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਆਮਦਨੀ ਵੀ ਵਧਾਉਣੀ ਹੈ। ਉਥੇ ਇਹ programme ਤਜਰਬੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਸ਼ਾਇਦ ਸਾਰੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਲਾਗੂ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇ ਪਰ ਉਥੇ ਜੋ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ co-operative societies ਦੀ ਮਾਰਫਤ ਪੈਸੇ ਮਿਲਣੇ ਹਨ, ਉਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ Reserve Bank ਵਿਚੋਂ ਪੈਸੇ ਮਿਲਣੇ ਹਨ ਦੋ ਰੁਪਏ ਸੈਂਕੜਾ ਸੂਦ ਤੇ ਅਤੇ ਉਹ ਜਾਣੇ ਹਨ State Co-operative Bank ਪਾਸ ਔਰ State Co-operative Bank ਵਿਚੋਂ Central Co-operative Bank ਨੂੰ $2\frac{3}{4}$ ਪ੍ਰਤੀ ਸੈਂਕੜਾ ਸੂਦ ਤੇ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣੇ ਹਨ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਹ Co-operative Societies ਪਾਸ 5 ਪ੍ਰਤੀ ਸੈਂਕੜਾ ਸੂਦ ਤੇ ਜਾਣੇ ਹਨ ਫਿਰ ਜਦ ਉਹ ਰੁਪਏ ਕਿਸਾਨ ਪਾਸ ਜਾਣੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਸ ਕੋਲੋਂ 7 ਪ੍ਰਤੀ ਸੈਂਕੜਾ ਅਤੇ 9 ਪ੍ਰਤੀ ਸੈਂਕੜਾ ਸੂਦ ਲਿਆ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਚੀਫ਼ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲ privately ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਤੇ ਹੁਣ ਫਿਰ ਇਥੇ ਵੀ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਰੁਪਏ ਕਰਜ਼ੇ ਵਜੋਂ ਦੇਣ ਦੀ ਬੈਂਕਾਂ ਦੀ ਪੌੜੀ ਬਣਾਈ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਹਟਾ ਦੇਣ, ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਨਾਲ profiteering ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਜੇਕਰ ਇਹ ਰੁਪਏ ਲੈ ਕੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਸਿਧਾ ਆਪ ਦੇਵੇ ਤਾਂ industry ਵਾਂਗ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਘੱਟ ਸੂਦ ਤੇ ਰੁਪਿਆ ਮਿਲ ਸਕੇਗਾ। ਜੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਬਗੈਰ ਸੂਦ ਦੇ ਰੁਪਏ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਥੋੜੇ ਸੂਦ ਤੇ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ। ਜੇ ਉਸ ਨੂੰ ਥੋੜੇ ਸੂਦ ਤੇ ਵੀ ਪੈਸੇ ਮਿਲ ਜਾਣ ਤਾਂ ਵੀ ਉਸ ਨੂੰ ਬੜਾ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਪਹਿਲੇ ਉਸ ਨੂੰ ਵਧੀਕ ਸੂਦ ਤੇ money lenders, ਕੋਲੋਂ ਲੈਣੇ ਪੈਂਦੇ ਸਨ। (ਘੰਟੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼) ਬਸ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਕ ਗੱਲ ਹੋਰ ਕਹਿਣੀ ਹੈ।

[ਸਰਦਾਰ ਰਾਮਦਿਆਲ ਸਿੰਘ]

ਜ਼ਰਾ ਤੋ ਦੇਖ ਕਿਆ ਕੁਛ ਹੋ ਰਹਾ ਹੈ ਹੋਨੇ ਵਾਲਾ ਹੈ
ਧਰਾ ਕਿਆ ਹੈ ਭਲਾ ਅਹਿਲੇ ਕੁਹਨ ਕੀ ਦਾਸਤਾਨੋਂ ਮੇਂ।

ਮੈਂ Co-operative ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੀ ਗਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵੀ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਵੀ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। Co-operative ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਨੇ ਤਰੱਕੀ ਦਾ record ਤੋੜ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਹਿੰਦਸਤਾਨ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਨੇ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਜੇ ਕਰ ਤਰੱਕੀ ਕਰਨੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਕਰਨੀ ਹੈ। 1960-61 ਦਾ ਜਿਹੜਾ target ਸੀ ਕਿ 85 ਪ੍ਰਤੀ ਸੈਂਕੜਾ villages ਨੂੰ co-operative ਅਧੀਨ ਲਿਆਉਣਾ ਹੈ ਉਹ ਹਣ 91 ਪ੍ਰਤੀ ਸੈਂਕੜਾ villages co-operative ਦੇ ਥੱਲੇ ਆ ਚੁਕੇ ਹਨ। ਜਿਥੋਂ ਆਬਾਦੀ ਦਾ ਤਾਲੁੱਕ ਸੀ ਉਹ target ਇਹ ਸੀ ਕਿ 40 ਪ੍ਰਤੀ ਸੈਂਕੜਾ ਆਬਾਦੀ ਨੂੰ co-operative ਦੇ ਹੇਠਾਂ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ ਉਹ ਹੁਣ 65 ਪ੍ਰਤੀ ਸੈਂਕੜਾ ਆਬਾਦੀ co-operative ਦੇ ਹੇਠਾਂ ਆ ਚੁਕੀ ਹੈ। (ਘੰਟੀ) (*Interruptions*)

(उपाध्यक्ष महोदय ने श्री मुनि लाल को बोलने के लिये कहा तो उस वक्त सरदार आत्मा सिंह उठ खड़े हुए)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : On a point of order. Sir. ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਡਾ ਗਰੁਪ Opposition ਵਿਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਡਾ ਗਰੁਪ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਵਿਚੋਂ ਸਿਰਫ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ time ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ।

Mr. Deputy Speaker : The hon. Member may please resume his seat.

श्री मुनि लाल कामरेड (शिमला) : डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं, फाइनेंस मिनिस्टर साहिब ने जो बजट इस हाउस में पेश किया है, उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। जनाब हमारे मुहतरिम फाइनेंस मिनिस्टर साहिब ने दो टैक्स लगा कर बजट के खसारे को पूरा करने की कोशिश की है। जहां तक टैक्स लगाने की बात है मैं इस असूल को मानता हूं कि expanding economy में अवाम के ऊपर कुछ बोझ पड़ता है और यह बोझ जनता को ही उठाना चाहिए लेकिन हमारा बुनियादी सवाल यह है कि आया इस बोझ को कौन उठाये ? क्या वह आदमी जो कि बेशुमार दौलत के मालिक हैं या कि man in the street. मैं समझता हूं कि हमारी सरकार जब कोई नए टैक्स लगाने की सोचती है तो वह आम आदमी को ही परेशान करती है और इस वक्त जो sales tax में increase हुई है उसका बोझ अवाम पर पड़ेगा और entertainment की increase का बोझ भी अवाम पर ही पड़ेगा। और जो रकम हमारी सरकार के खज़ाने में आई है उस का relief किस को मिलेगा ?

Fourth class के कर्मचारियों की तनखाहों में बढ़ौतरी की है। यह मैं मानता हूं लेकिन Pay-Commission की रिपोर्ट के बाद Central Government के class IV के कर्मचारियों की तनखाहों में और हमारे यहां के कर्मचारियों की तनखाहों में 15 रुपये का फर्क हो गया है इस लिए सरकार इस बात के लिए मजबूर थी कि वह इतने बड़े gap को

कुछ हद तक पूरा करती। इसलिए सरकार ने किया मगर फिर भी यह increase बेमानी हो गई क्योंकि central taxes में increase हो गई है। जब इस नज़र से हम देखते हैं तो कह सकते हैं कि सरकार का यह कहना कि उन्हें relief दिया गया, relief नहीं कहा जा सकता। आज जब कि prices बढ़ रही हैं और तनखाहों में इज़ाफा नहीं हो रहा है तो बेचैनी बढ़ना लाज़मी है।

पिछली बार Retrenchment Committee की रिपोर्ट की तरफ सरकार का ध्यान दिलाया गया था और यह कहा गया था कि अगर उस पर सरकार अमल करे तो कुछ बचत हो सकती है और इस तरह से कुछ income हो सकती है लेकिन सरकार income के resources ऐसे अपनाती है जिनसे गरीब जनता पर बोझ पड़ता है।

हमारी सरकार बस स्टैंड बनाती है और रुपया सर्फ करती है। यह रुपया ट्रांसपोर्ट का होता है लेकिन इसके कमाने वाले वह लोग हैं जो छोटी छोटी तनखाह पाने वाले हैं और जिन की तनखाहों में बराबर demand करते रहने के बाद भी इज़ाफा नहीं किया गया। और अम्बाला बस स्टैंड जहां पर पौना लाख रुपया खर्च किया जाना था वहां अब उसको बढ़ा कर डेढ़ लाख कर दिया गया और उसमें 5, 6 हज़ार रुपए का provision इसलिए किया गया कि वहां झगड़ा पार्टी बनानी है। ठीक है art का विस्तार होना चाहिए और मैं इसका विरोध नहीं करता लेकिन इन चीज़ों पर बाद में अमल किया जा सकता है। आज तो रोटी कपड़ा की ही ज़रूरत पूरी नही हो रहीं है तो फिर हम हर जगह ताजमहल कैसे देख सकते हैं ?

इसके बाद मैं शिमला में heavy snowfall का ज़िक्र करना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश ने उन लोगों को जो snowfall से affected थे उनको फौरन grant दी लेकिन हमारी सरकार अपने कर्मचारियों को grant देने का फैसला अभी तक नहीं कर पाई। इसके बरअक्स यह बात कही गई कि कर्जा के तौर पर कुछ रुपया दिया जा सकता है जोकि किस्तों में अदा किया जा सकेगा। मैं समझता हूं कि यह बात हमारी सरकार को ज़ेब नहीं देती।

एक बात की तरफ सरकार का ध्यान मैं और दिलाना चाहता हूं और वह यह कि political लोगों के whims Police Department के खिलाफ हैं और शिमला में जो पुलिस है उसके allowances में एक ज़बर्दस्त disparity है। पुराने जमाने में जो fixed allowances थे वह इस तरह थे कि Head Constable को 14 रुपया और Foot Constable को 11 रुपया compensatory allowance मिलता था—बाकी को 33 प्रतिशत of pay मिलता है लेकिन पुलिस वालों को कम मिलता है जिस का नतीजा यह होता है कि वे starve करते हैं या उन का रुजूह corruption की तरफ होता है। इस लिए मैं समझता हूं कि यह जो 4 रुपए Foot Constable और 5 रुपए Head Constable को house allowance मिलता है यह नाकाफी है। यह allowance उस वक्त मुकर्रर हुआ था जब एक सिपाही की तनखाह 17 रुपए थी। लेकिन उस के बाद इस तरफ सरकार ने ध्यना नहीं दिया।

5 p. m.

[श्री मुनि लाल कामरेड]

दूसरे मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि सरकार में figure manipulation की tendency बढ़ती जा रही है। सरकार कहती है कि कत्ल कम हुए, डकैतियां कम हुईं लेकिन हकीकत यह है कि cases register करते वक्त कोताही बरती जाती है। यह शिकायत अपोजीशन बैंचों की तरफ से ही नहीं Treasury Benches की तरफ से भी आम है। दूसरी तरफ जहां जुर्माने वगैरह का सवाल है उन cases में अगर तादाद कम हो तो छोटे छोटे cases भी दरज कर लिए जाते हैं। यह tendency पुलिस में आम तौर पर पाई जाती है। स्कूलों में भी figure manipulation की बीमारी है। इसी तरह से co-operative societies में भी quantity की तरफ ज्यादा ख्याल है quality की तरफ कम। अगर यही हाल रहा तो पंजाब की तरक्की का सुनहरी स्वप्न पूरा नहीं हो सकेगा क्योंकि जब तक figure manipulation की policy को ठीक न किया गया असल हालत का पता नहीं चलेगा। ट्रक्कों वालों के नाजायज़ चालान इसलिए किए जाते हैं कि चालानों की तादाद में कमी न रहे। उन को बुला कर कहा जाता है कि तुम चालान करवा लो बहुत थोड़ा जुर्माना करेंगे।

मैं सरकार को दाद देता हूं कि उन्होंने primary और compulsory education का काबले तारीफ़ कदम उठाया है। हिन्दुस्तान में यह पहला कदम है जो इस स्टेट ने उठाया है। लेकिन महज़ इन बातों को मुश्तहिर करने से मसला हल नहीं हो जाता। हकीकत यह है कि स्कूलों में बेहद बदइन्तज़ामी है जिस की तरफ पूरी तवज्जुह नहीं होती। बच्चों की पढ़ाई का standard दिनबदिन low होता जाता है क्योंकि Education Department ने जो एकदम ज़ोर दिया है उस से standard deteriorate हुआ है। Public Service Commission की रिपोर्ट इस सिलसिले में काबले ग़ौर है। इस लिए महज़ credit ले लेने से problem हल नहीं हो जाती। पहाड़ी इलाके में स्कूलों के teacher हफ्ता हफ्ता भर ग़ैर हाज़िर रहते हैं और उस का तमाम नज़ला बच्चों की पढ़ाई पर पड़ता है, बच्चों की पढ़ाई को neglect किया जाता है जिस का नतीजा यह होता है कि बच्चे अपनी energy ग़लत रास्ते पर channelize करते हैं और roadside Romeos ही पैदा होते हैं।

हमारी सरकार ने यह जो फैसला किया है कि Education Department का head एक educationist न हो कर I.A.S. का आदमी हो यह convention काबले तारीफ नहीं है। हो सकता है इस की कुछ administrative grounds हों लेकिन मैं इस की मुखालिफत करना चाहता हूं।

इस के बाद, मैं सरकार से एक बात और कहना चाहता हूं। कांगड़ा के बारे में बहुत सी बातें कही गईं। मैं समझता हूं कि सरकार की पूरी ज़िम्मेदारी है कि वह backward areas को develop करे। इन इलाकों में सड़कों की यह हालत है कि एक ज़िला में एक सड़क की बुनियाद राजकुमारी अमृतकौर जी ने रखी थी लेकिन अभी तक वह मुकम्मल नहीं हुई। मिनिस्टर साहिब से पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया कि यह थर्ड प्लैन में भी शामिल नहीं हो सकी। हमारे बजट में लाहौल स्पिट्टी की सड़क का ज़िक्र बड़े फख्र से किया गया। यह कहते

हैं कि हम ने 22 मील का टुकड़ा बना कर बड़ा बहादुरी का काम किया लेकिन ये गलतफहमी में मुबतला हैं । हिमाचल गवर्नमेंट ने एक साल में 800 मील सड़कें बनाई हैं और उन्होंने कहा है कि हम दुश्वार गुज़ार इलाकों में भी सड़कें बना सकते हैं जहां कि इनसान भी नहीं पहुंच सकता। लेकिन हमारे यहां पहाड़ी इलाका को neglect किया गया है । वहां पर निकम्मे अफसर लगाए जाते हैं ।

* * * * * * * *

Mr. Deputy Speaker.—Order please, I order that these remarks should be expunged from the records,

श्री मुनी लाल कामरेड : डिप्टी स्पीकर साहिब, किसी S.D.O. का ज़िक्र उस का नाम लिए बग़ैर तो किया जा सकता है ।

Mr. Deputy Speaker : I order that these remarks should be expunged.

श्री मनी लाल कामरेड : मेरी submission है कि किसी ex-T.B. patient को अगर बाहर के इलाकों में सरकार भेजेगी तो वहां के लोग suffer करेंगे, मैं, जनाबे वाला, यह बताने करने की कोशिश कर रहा हूं कि जब बारिशें ज्यादा होती हैं तो officers की duty यह होती है कि वे इलाके का दौरा कर के floods को रोकने का इंतज़ाम करें लेकिन अगर कोई officer ex-T. B. patient है तो वह पहाड़ी इलाके में दौरा नहीं कर सकता । इसी तरह अगर कोई A.D.I. मरीज़ हो तो वह दूर दराज इलाकों का tour नहीं कर सकता । इस लिए उस के लिए स्कूलों का मुआयना करना मुश्किल हो जाता है । मैं सरकार की तवज्जुह इस बात की तरफ दिलाना चाहता हूं कि उसे पहाड़ी इलाके में अफसर active और efficient लगाने चाहियें ताकि वे पहाड़ी इलाके के interior में भी जा कर लोगों की सेवा कर सकें ।

इस के अलावा, डिप्टी स्पीकर साहिब, पहाड़ी अलाके में जहां २ बारिश की वजह से नुकसान हुआ वहां के लोगों को एक पाई भी relief नहीं दिया गया बावजूद इस बात के कि गवर्नमेंट की नियत अच्छी है लेकिन उस के किये हुए फैसलों को implement करने में फर्क पड़ जाता है । इस का नतीजा tax-payers को भुगतना पड़ता है जो अपने खून और पसीने की कमाई से टैक्स दे कर सरकार के खजाने में अज़ाफा करते हैं । सरकार कहती है कि नये टैक्स लगा कर सूबे की economy को develop किया जा रहा है, गरीब लोगों को अमीर लोगों के बराबर लाना है, लेकिन Opposition की तरफ से यही मुखालफित है कि टैक्सों का बोझ अवाम पर पड़ता है और बड़े आदमियों को मुराआत मिलती हैं और टैक्सों से मुबर्रा किया जाता है इसलिए मैं अर्ज़ करूंगा कि हमारी सरकार को इस तरफ खास ध्यान देना चाहिए जोकि socialist pattern of society कायम करने का दावा करती है ।

चौधरी हरि राम (धर्मसाला) : डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं वज़ीरे खज़ाना को मुबारकबाद देता हूं कि उन्होंने बड़ा शानदार और progressive Budget पेश किया है। हर एक पहलु में नुमायां तरक्की हुई है और खास कर ज़रायत में crop insurance की स्कीम जारी कर के और intensive agriculure का programme जारी कर के ज़मींदारों की भलाई

Expunged as ordered by the Chair.

[चौधरी हरि राम]

और बहबूदी का काम किया गया है। इस के अलावा Agriculture College खोल दिया गया है जिस से मालूम होता है कि हमारी गवर्नमेंट agriculture को काफी फरोग देने के लिये बहुत तेज़ कदम उठा रही है। यह बात बड़ी काबले तारीफ है।

इसी तरह industrial field में भी development करने के लिये सरकार ने effective steps लिये हैं। यह हमारी बड़ी खुशकिस्मती है कि हमारे इलाके में दो बड़ी industries—एक cement factory in Dharamsala और दूसरी newsprint factory Merthal के मुकाम पर जारी करने का इंतज़ाम हो रहा है यह बात बड़े फख्र के साथ कही जा सकती है कि हमारी सरकार ने बापू जी का सुन्दर खाब राम राज का पूरा कर दिया है और बड़ी दूर अंदेशी से काम ले कर पंचायतों का जाल बिछा दिया है जिस से आम जनता यह महसूस करने लग गई है कि राम राज आ गया है अगर सच पूछा जाए तो नया पंचायत कानून बना कर सब कुछ पंचायतों के हाथ सौंप दिया है।

फिर, डिप्टी स्पीकर साहिब, Transport के महकमे ने बड़ी तरक्की की है। सारे मुल्क में हमारी transport दीगर States के मुकाबला में हर लिहाज़ से आगे है। इसी तरह Co-operative Department ने भी नुमायां तरक्की की है। बेशुमार co-operative societies जारी कर के State की development को बड़ा ऊँचा दर्जा दिया है। मैं इस पर सरकार को मुबारकबाद देता हूँ।

अब मैं आप की विसातत से गवर्नमेंट के सामने कुछ suggestions पेश करना चाहता हूँ। हमारे चीफ मिनिस्टर साहिब ने बड़ी मेहरबानी की है कि हमारे लिये एक अलहदा hilly area कायम कर दिया है। मैं बड़े फख्र से कह सकता हूँ कि हमारे चीफ मिनिस्टर साहिब हमारा और हमारी बेहतरी का दिल में हर वक्त ख्याल रखते हैं। उन्होंने इस hilly area को develop करने के लिए एक काफी बड़ी रकम allocate कर दी है जिस से कि हमारा backward इलाका बहुत तरक्की करेगा। इस के साथ २ मैं यह भी अर्ज़ करूंगा कि 19 करोड़ रुपया हमें Kangra, Simla और दपेरी Block के लिए मिला लेकिन हमारे साथ दूसरे और इलाके भी शामिल किये गये हैं। जैसे मुकेरियां Sub-Tehsil, होशियारपुर ब्लाक, गढ़दीवाला, गड़शंकर और बलाचौर का इलाका, नारायणगड की तहसील। हमें इन इलाकाजात के शामिल करने के बाद original allocation उसी तनासब से बढ़ाई जानी लाज़मी है। अगर 19 करोड़ रुपये की रकम इस सारे शामिलकर्दा इलाके के लिए खर्च की भी जाये तो उस इलाके के साथ जो originally hilly area में शामिल हुआ है बेइनसाफी होगी। मुझे Development Commissioner और चीफ मिनिस्टर साहिब ने तसल्ली दिलाई थी कि hilly area के साथ जो नये इलाके शामिल किये गये हैं उन के लिये अलहदा provision किया जायेगा और separate allocation होगी। इसलिए मेरी सरकार से गुज़ारिश है कि हमें इस बात की खुशी है कि दूसरे इलाके जो पसमांदा और deserving हैं हमारे साथ मिला दिये गये हैं।

उन को मदद दी जाये लेकिन मैं पुर ज़ोर दरखास्त करता हूं कि इस इलाके की शमूलियत के बाद 19 करोड़ रुपये की रकम में अज़ाफा हो।

डिप्टी स्पीकर साहिब, Education के मुतअल्लिक मैं बार २ अर्ज़ कर चुका हूं कि ज़िला कांगड़ा में सिर्फ एक college है—वह भी अधूरा है जिसे में सिर्फ B.A. तक तालीम दी जाती और M.A. classes का कोई arrangement नहीं। इस बारे में several times मैं इसी House में कह चुका हूं। जो लड़के M.A. की higher education लेना चाहते हैं और financial resources काफी न होने की वजह से दूर जगह पर नहीं जा सकते उन्हें बहुत तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है और सिवाए चन्द exceptions के generally promising young men are deprived of higher education. मैं हैरान हूं कि इस backward इलाके में M.A. की classes क्यों नहीं जारी की गईं। इस के अलावा मेरी बहन मिसिज सरला देवी ने कहा है कि एक सैनिक स्कूल और खोला जा रहा है। मैं गवर्नमेंट से अर्ज़ करूंगा कि कुछ सैनिक स्कूल हमारे ज़िले में लाजमी तौर पर होने चाहिएं क्योंकि जितनी फौजी भरती हमारे ज़िले में से हुई है उससे ज्यादा किसी ज़िले में नहीं हुई। धर्मशाला एक निहायत मौज़ूं और ideal place है। हमारे कांगड़े के बच्चे ऐसी training हासिल करने के लिए बाहर जाने की ताकत नहीं रखते और न ही मुकाबला कर सकते हैं। हमारे ज़िले के young men का ख्याल रखा जाये ताकि वे फौजी तुरबियत हासिल कर के Military में Captain, Major और Colonel बन सकें। उन को सिपाही के rank से ऊपर ले जाने का एक यही ज़रिया है कि एक सैनिक स्कूल धर्मसाला के मुकाम पर जारी किया जाये। तो मैं अर्ज़ करूँगा कि जैसे बजट में ज़िक्र किया गया है कि एक public school किसी और इलाके को दिया जाएगा, वह जिला कांगड़ा को दिया जाए और मैं पुरज़ोर गुज़ारिश करूँगा कि इस बात का फैसला करते वक्त मिनिस्टर साहिब कागड़ा को भूल न जाएं। इस के साथ ही मैं Education Minister साहिब से अर्ज़ करूँगा कि हमारे यहां सारे जिले में एक कालेज है, students के रहने के लिए boarding-house का कोई मुनासिब और proper इन्तज़ाम नहीं। लड़कियों के college में रिहायश का बिल्कुल arrangement नहीं। लड़कों के स्कूलों में रिहायश का इन्तज़ाम नहीं, न ही कोई boarding-house है। इसलिए मैं अर्ज़ करूँगा कि जहां कांगड़ा में लड़कों और लड़कियों के कालेज और स्कूल हैं वहां उन के साथ boarding-houses का भी proper इन्तज़ाम होना चाहिए।

जहां तक Medical और Health side का ताल्लुक है हमारे district headquarters में एक ही Civil Hospital है लेकिन उस में indoor patients की रिहायश का पूरा इन्तज़ाम नहीं। Indoor patients के लिए वहां सिर्फ 16 beds का एक ward है। इस वक्त 100 के करीब indoor patients बरामदे, corridors में पड़े हैं। पिछले साल भी इस ओर ध्यान दिलाया गया था। अपनी गवर्नमेंट से मैं पुरज़ोर दरखास्त करता हूं ठकि ज़िला Headquarters का hospital, जो modernise किया गया बयान होता है, को improve किया जाए।

[चौधरी हरि राम]

हमारे Transport Minister साहिब ने तकरीबन हर ज़िले के सदर मुकाम और तहसील headquarters को चण्डीगढ़ के साथ मिलाया हुआ है और regular services जारी हैं लेकिन हमारा ज़िला कांगड़ा अभी तक direct service से महरूम है। मैं अर्ज़ करूँगा कि जल्दी से जल्दी धर्म शाला से चण्डीगढ़ के लिए direct bus service का इन्तज़ाम किया जाए। एक service सुबह 5.30 बजे "Punjab Roadways" की धर्मशाला को चलती है और 1.30 बजे दुपहर को धर्मशाला से होशियारपुर वापस आती है। ऐसा इन्तज़ाम किया जाए कि वह "service" बजाए Hoshiarpur के Chandigarh से चले और *via* रोपड़ गढ़शंकर होशियार पुर होकर धर्मशाला पहुचे या *via* Rupar–Una–Mubarakpur-Bharwain धर्मशाला जावे।

मेरी constituency में roads और पुलों की सख्त ज़रूरत है। आठ दस साल से मेरी मांग चली आती है। पिछले बजट के बाद चीफ मिनिस्टर साहिब ने कांगड़ा के M.L.As. की दो meetings इस जगह बुलाईं और वह इसलिए कि कांगड़ा के लिए बजट में proper provision नहीं था, उन्होंने हम से schemes तलब कीं। वह schemes 2nd Five-Year Plan में आ गईं लेकिन उन में से एक भी scheme चालू नहीं की गई और अब वह तीसरी Five-Year Plan में रखी गई हैं। मैं मिनिस्टर साहिब से पुरज़ोर गुजारिश करूंगा कि मेरी constituency की तकलीफात को देखते हुए उन स्कीमों को ज़रूर मुकम्मल किया जाए और चालू करके इलाके की तकलीफ को दूर किया जाए। मेरे हलका में Second Five-Year Plan में लोगों की सख्त तकलीफों को देखते हुए पाच जगह नदियों पर crossing for the pedestrians provide किए। वह तो एक भी बन नहीं सका। मुझे अब पता चला है कि एक crossing जो बनेरखड पर गहालियां village में बनना था उसकी जगह अब एक झूला बनाने का इन्तज़ाम हो रहा है "Jhula" crossing के खिलाफ लोग protest कर रहे हैं और यह तो एक बच्चों का खेल होगा। हमें ऐसे crossing नहीं चाहिएं। यह crossing Kotla Ranital Road जो कि 20 miles long है, motorable बनेगा।" Jhula" वहां सिर्फ फज़ूल खर्च होगा। (एक माननीय सदस्य : वह तो hanging bridge होगा।) झूला तो waste of public money होगा। इसलिए मैं अर्ज़ करूंगा कि उस झूले की जगह जैसे पहले provision किया गया था उसी तरह एक पुल बनना चाहिए। मैं तो यह कहूंगा कि एक motorable bridge बने।

जनाब, डिप्टी स्पीकर साहिब, मेरी constituency में आज तक सिर्फ 5 furlong सड़क कच्ची धर्मशाला cantonment से उल लेक तक निकाली गई है। मैंने पहले भी अर्ज़ की थी कि मेरी constituency में जो पठानकोट से धर्मशाला सड़क आती है वह main road Pathankot Kulu) से "गगल" से धर्मशाला के लिए bifurcate करती है और वहां से धर्मशाला का फासला 8 miles है। गगल से 7 miles बतरफ Pathankot एक जगह चम्बी है। पहले पहल पठानकोट धर्मशाला इस जगह (चम्बी) से सड़क जाती थी और सिर्फ 6 miles का फासला था। अगर यह सड़क remodel की जाए तो पठानकोट से धर्मशाला जाने में 9 miles बचते हैं और पठानकोट से योल कैंट पहुंचने के लिए 12 miles

बचते और पालमपुर से धर्मशाला जाने के लिए 11 miles और Yol Cantt. पहुँचने के लिए 10 miles का फासला कम होता है। इस के अलावा इस सड़क पर तीन can-tonments और district headquarters, a big pilgrimage Chamunda Devi and Dad Rest House आकर main road से connect हो जाते हैं। Malan के मुकाम पर यह सड़क फिर main road से मिल जाती है। यह सड़क सिर्फ 15 miles लम्बी होगी, $2\frac{1}{2}$ miles tarred है और धर्मशाला से *via* Yol, मलाँ तक regular motor service चलती है। इस सड़क को अगर remodel किया जाए तो nearly 7,000 रुपए की रोजाना बचत हो जाती है। सैंकड़ों buses—military and private cars, goods trucks रोज़ाना आते जाते हैं।

अब मैं मरला टैक्स की बाबत भी कुछ अर्ज़ करना चाहता हूँ। मैंने ज्ञानी जी से भी अर्ज़ की थी कि जिला कांगड़ा में इस मरला टैक्स को न लिया जाए, इस taxation से exempt किया जाए और अगर मरला टैक्स ज़रूर लगाना ही है तो उसी space पर लगाना चाहिए जोकि इमारत या मकान के नीचे आती है। जिस जगह पर सब्ज़ी वगैरह बीजी होती है उस पर मरला टैक्स न लगे। इस के साथ ही मैं यह भी कहना चाहता हूं क कि जो मरला टैक्स की असैसमैंट हुई है वह बहुत गलत तरीके से हुई है। बहुत से मकान ऐसे हैं जहां पर कि छः आने या सात आने मरला टैक्स लगा हुआ है लेकिन उन के साथ वाले मकान पर छः सात आठ और दस दस रुपए तक भी टैक्स लगाया गया है। इसलिए मैं आप के जरिए मिनिस्टर साहिब से दरखास्त करता हूं कि इस assessment को रिवाईज़ करने की जरूरत है ताकि किसी के साथ ज्यादती न हो।

अब मैंने एक दरखास्त timings of working hours के मुतअल्लिक करनी है। सरकार ने जो शनिवार की छुट्टी का सिस्टम जारी किया है इस से बहुत तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है। इस दिन Revenue Courts, Criminal Courts और दूसरे दफतर तो बन्द रहते हैं लेकिन Civil Courts खुली रहती हैं। इसमें लोगों को बहुत ज्यादा दिक्कत पेश आती है। Civil कोर्टस में कोर्ट फीस और stamps की ज़रूरत होती है। वह महकमे बन्द होते हैं। Litigants को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी तरह बाकी holidays का भी सिस्टम defective है। Religious holidays के बारे में बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। सिक्ख reader और steno holidays मनावें और हिन्दू जज और Magistrate अदालत में बेकार बैठे रहते हैं। यह बड़ा objectionable system है। इसे revise किया जाए।

आखिर में मैंने पुलिस administration की बाबत भी एक अर्ज़ करनी है। हमारे जो कांगड़ा निवासी कान्स्टेबल हैं उन को बहुत थोड़ी २ तन्खाहें मिलती हैं। लेकिन न मालूम किस कारण वह दूसरे ज़िलों में तबदील कर दिए जाते हैं हालांकि कई दफा उन की तरफ से representations आई कि उन को अपने ही ज़िला में रहने दिया

[चौधरी हरि राम]

जाए लेकिन उन की जायज़ अर्ज़दाश्त न सुनी गई और दूसरे ज़िलों के कांस्टेबलों को वहां कांगड़ा में लगाया जाता है। उन को सख्त तकलीफ होती है। इसलिये मैं आप के ज़रिये गवर्नमैंट से दरखास्त करूँगा कि हमारे ज़िला के कान्स्टेबलों को दूसरे ज़िलों में तबदील न किया जाए,। डिप्टी स्पीकर साहिब, आप का शुक्रिया कि आप ने मुझे अपनी अर्ज़दाश्त पेश करने का मौका दिया।

श्री अध्यक्ष : मैं Opposition के Members की तसल्ली के लिये बता दूं कि अभी तक 8 Members बोले हैं। उन में से तीन Opposition के थे और 5 Congress Party के। (I may state for the satisfaction of the Members of the Opposition Groups that so far only 8 Members have taken part in this discussion today and out of these three belonged to the Opposition groups and 5 to the Congress Party.)

Sardar Sarup Singh : Your Honour, this Group has not got its turn.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ (ਨਕੋਦਰ, ਜਨਰਲ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਜਟ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ 96 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਘਾਟਾ ਵਿਖਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਘਾਟੇ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਥੋੜੇ ਜਿਹੇ taxes raise ਕਰਨ ਦੀ proposal ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਸਾਡੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ Passenger Tax ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ Supreme Court ਨੇ ruling ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਹੈ, State Government ਉਹ tax ਨਹੀਂ ਲਗਾ ਸਕਦੀਆਂ। ਜੇ ਕਰ ਉਹ Ruling ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਉਪਰ ਵੀ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ 180 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਜਿਹੜੀ ਕਿ Passenger Tax ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਹਰ ਸਾਲ ਉਗਰਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਉਹ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਨਹੀਂ ਉਗਰਾਹ ਸਕਾਂਗੇ। 96 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਘਾਟਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇ ਕਰ ਇਹ Tax ਨਾਜਾਇਜ਼ ਕਰਾਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਤਕਰੀਬਨ 3 ਕਰੋੜ ਦਾ ਘਾਟਾ ਸਾਡੇ ਬਜਟ ਵਿਚ ਹੋਵੇਗਾ। ਮੈਨੂੰ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਕਿ ਉਸ ਘਾਟੇ ਨੂੰ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਕੀ ਸੋਚਿਆ ਹੈ। ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਬਜਟ ਖਸਾਰੇ ਦਾ ਹੈ ਪਰ ਜਦੋਂ ਸਾਲ ਖਤਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ deficit ਬਜਟ ਵਿਚੋਂ ਵੀ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪੈਸੇ ਬਚ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ lapse ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਪੈਸੇ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੰਮਾਂ ਵਾਸਤੇ ਰਖੇ ਹੋਏ lapse ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਲੋਕ-ਭਲਾਈ ਦੇ ਕੰਮ ਹਨ, beneficiary ਕੰਮ ਹਨ। ਬੇਸ਼ੁਮਾਰ ਰਕਮਾਂ ਲੋਕ-ਭਲਾਈ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਰਖੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਪਿਛਲੇ ਬਜਟ ਵਿਚ 120 ਲਖ ਰੁਪਿਆ, Education, Agriculture, Co-operative ਅਤੇ Health ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਉਪਰ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਸੀ। ਉਹ ਕੰਮ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਨ, ਉਹ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇ। ਟੈਕਸ ਲਗਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪੈਸੇ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਬਿਨਾ ਟੈਕਸ ਦੇ ਪੈਸੇ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੇ। ਪਰ ਜਿਹੜਾ ਪੈਸਾ ਉਗਰਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਲੋਕ-ਭਲਾਈ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਉਪਰ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪੈਸੇ ਵਸੂਲ ਕਰ ਲਏ ਜਾਣ, ਪਰ ਸਕੀਮਾਂ ਉਪਰ ਖਰਚ ਨਾ ਕੀਤੇ ਜਾਣ। 30—40 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਹਰ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ lapse ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ negligence ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਮਾਫ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਦੂਸਰੀ ਪੰਜ-ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਖਤਮ

ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਵਿਖਾਇਆ ਇਹ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀ ਰਕਮ ਖਰਚ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਜਾਂ ਇਸ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਖਰਚ ਹੋ ਜਾਏਗੀ । ਵੇਖਣ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਰਕਮ ਪੰਜਾਂ ਸਾਲਾਂ ਵਾਸਤੇ ਰਖੀ ਗਈ ਸੀ ਕੀ ਉਹ ਖਰਚ ਹੋਈ ? ਜ਼ਿਹੜੇ ਪੈਸੇ ਟੈਕਸਾਂ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਲੈਣੇ ਸਨ ਉਹ ਵੀ ਉਗਰਾਹੇ ਗਏ। ਜਿਹੜੇ target ਸਨ, ਨਿਸ਼ਾਨੇ ਸਨ ਕੀ ਉਹ ਵੀ ਪੂਰੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ । ਇਹ ਵੇਖਣ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਮੈਨੂੰ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ targets ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਹੋਏ । ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਬੈਠੇ ਹਨ, ਉਹ ਜਾਣਦੇ ਹੋਣਗੇ ਕਿ Third Five-Year Plan ਵਿਚ P.W.D. ਦਾ ਕੋਈ ਨਵਾਂ Project ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਗਿਆ ਬਲਿਕੇ ਪੁਰਾਣੇ project ਜਿਹੜੇ ਕਿ Second Five-Year Plan ਵਿਚ ਪੂਰੇ ਹੋਣੇ ਸਨ ਉਹੋ ਹੀ Third Five-Year Plan ਵਿਚ ਲੈ ਆਏ ਹਨ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਦੂਸਰੇ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਦਾ ਵੀ ਇਹੋ ਹਾਲ ਹੈ । ਜਿਹੜੀਆਂ Schemes Second Five-Year Plan ਵਿਚ ਰਖੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਉਹ ਅਧੂਰੀਆਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਮੁਕੰਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋਈਆਂ । ਖਰਚ ਤਾਂ ਵਿਖਾਉਂਦੇ ਹਨ ਪਰ ਉਹ ਸਕੀਮਾਂ Third Five-Year Plan ਵਿਚ ਲਿਆ ਰਹੇ ਹਨ । ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਐਥੇ ਨਹੀਂ ਬੈਠੇ ਹੋਏ । ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Third Five-Year Plan ਵਿਚ 28 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ Ware-Houses ਤੇ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਸੀ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਕ ਬਿਲ ਵੀ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ । ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜ ਸਾਲ ਦਾ ਅਰਸਾ ਗੁਜ਼ਰ ਚੁਕਾ ਹੈ ਪਰ ਅਜੇ ਤਕ ਇਕ ਵੀ Ware-House ਨਹੀਂ ਬਣਾ ਸਕੇ । ਸ਼ਾਇਦ ਜਗਾਧਰੀ ਵਿਚ ਇਕ Ware-House ਬਣਾਇਆ ਸੀ । 28 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਵਿਚੋਂ 14 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਦੇਣਾ ਸੀ ਅਤੇ 14 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਅਸੀਂ ਦੇਣਾ ਸੀ । ਸਾਡਾ ਰੁਪਿਆ ਵੀ lapse ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਹ Ware-House ਜ਼ਮੀਂਦਾਰਾਂ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਫਾਇਦੇ ਲਈ ਬਣਾਏ ਜਾਣੇ ਸਨ, ਉਹ ਨਹੀਂ ਬਣੇ । ਦੁਖ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਅਜਿਹੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ lapse ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਬਹਿਬੂਦੀ ਅਤੇ ਭਲਾਈ ਲਈ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਸਜਨ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਫਾਇਦੇ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਰੱਦੀ ਦੀ ਟੋਕਰੀ ਵਿਚ ਸੁਟ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਜੇ ਕਰ ਕੋਈ ਬਿਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਪਾਸ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ implementation ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਇਸ ਲਈ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਮੇਰੇ ਵੀਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਾਂਗੜੇ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚ ਮਰਲਾ ਟੈਕਸ ਨਹੀਂ ਲਗਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਚਾਰ ਸਾਲ ਹੋਏ ਹਨ ਕਿ ਮਰਲਾ ਟੈਕਸ ਦਾ ਬਿਲ ਪਾਸ ਹੋਇਆ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਲਗਾ ਹੈ । ਇਹ ਇਕ ਟੈਕਸ 1957 ਵਿਚ special surcharge ਦਾ ਬਿਲ ਪਾਸ ਕਰ ਕੇ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਹਰ ਸਾਲ ਬਜਟ ਵਿਚ 40 ਲੱਖ ਜਾਂ 50 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਰਖ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਰਕਮ ਮਰਲਾ ਟੈਕਸ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਉਗਰਾਹੀ ਜਾਵੇਗੀ । ਪਰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ scheme ਦੀ assessment ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੀ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਨਹੀਂ ਉਗਰਾਹਿਆ ਗਿਆ । ਚਾਲੂ ਸਾਲ ਵਿਚ 40 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਮਰਲਾ ਟੈਕਸ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਉਗਰਾਹਿਆ ਜਾਣਾ ਸੀ, ਪਰ ਕੋਈ ਸਕੀਮ ਚਾਲੂ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਵਿਤਕਰਾ ਹੈ ਇਹ ਦੂਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਨਜ਼ਰੀਆ ਹੈ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਕਰਨੀ ਹੈ ਉਹ ਪੂਰਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਬਜਟ ਅਜ ਤੋਂ

[ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ]

ਕੁਝ ਸਾਲ ਪਹਿਲੇ ਬਣਦਾ ਸੀ ਉਹ ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਬਜਟ ਸੀ ਜਿਹੜੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਸਨ । ਹੁਣ ਥੋੜੇ ਅਰਸੇ ਤੋਂ ਸਾਡੀ ਆਵਾਜ਼ ਸੁਣੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਲੋਕ-ਭਲਾਈ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਬਣਨ ਲਗੀਆਂ ਹਨ । Crop Insurance ਦੀ scheme ਬਣਾਈ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ Third Five-Year Plan ਵਿਚ implement ਹੋਵੇਗੀ । ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਮਾਲੀਆ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਹੋਰ ਵੀ ਅਜਿਹੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਭਲਾ ਹੋਵੇਗਾ, ਉਹ ਵੀ ਆ ਰਹੀਆਂ ਹਨ । Crop Insurance ਲਈ ਬਜਟ ਵਿਚ ਇਸ ਸਾਲ 10 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕਰ ਇਕ ਤਹਿਸੀਲ ਦੀ ਵੀ Crop Insurance ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਵੀ 10 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਥੋੜਾ ਹੈ । ਜਦ 5 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਅਸੀਂ flood-affected area ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਤਕਸੀਮ ਕਰਨ ਲਈ ਰਖਿਆ ਹੈ ਤਾਂ 10 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ Crop Insurance ਵਾਸਤੇ ਜਿਹੜਾ ਰਖਿਆ ਹੈ ਇਹ ਕਿਸ ਕੰਮ ਆਵੇਗਾ ? ਇਸ ਸਾਲ 10 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਹੈ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਫਿਰ 10 ਲੱਖ ਰਖਣਗੇ, ਫਿਰ 10 ਲੱਖ ਰਖਣਗੇ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਹ ਸਕੀਮ ਕਾਮਯਾਬ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । Chief Minister ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਕਾਮਯਾਬ ਬਨਾਉਣ ਲਈ ਪੂਰਾ ਜ਼ੋਰ ਲਗਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਵਰਨਾ ਕਰਮਚਾਰੀ ਇਸ ਨੂੰ ਫ਼ੇਅਲ ਕਰ ਦੇਣਗੇ । ਇਹ ਕਾਮਯਾਬੀ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ । Scheme ਤਾਂ ਇਹ ਬਣ ਗਈ ਹੈ, ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਉਪਰ ਅਮਲ ਹੋਣਾ ਬੜਾ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੈ ਅਤੇ ਦੋ ਤਿੰਨਾਂ ਸਾਲਾਂ ਬਾਅਦ ਇਸ ਨੂੰ ਉਹ ਛਡ ਦੇਣਗੇ । ਅਜੇ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਅੱਲਿਕ ਨਾ ਕੋਈ ਬਿਲ ਬਣਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ Rules ਬਣੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਕਿਵੇਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਫਸਲਾਂ ਚੁਣ ਲਈਆਂ ਹਨ, ਫਿਰੋਜ਼-ਪੁਰ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਚੁਣ ਲਿਆ ਹੈ । ਉਥੇ ਤਾਂ ਕੋਈ ਹੜ੍ਹ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ । ਜਿਥੇ ਕੋਈ ਬੀਮਾਰੀ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ, ਜਿਥੇ ਹੜ੍ਹ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ ਜਿਥੇ ਫਸਲਾਂ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਚੰਗੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਇਸ scheme ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦਾ ਕੀ ਫਾਇਦਾ ਹੈ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਲਾਗੂ ਕਰੋ ਜਿਥੇ ਫਸਲਾਂ ਖਰਾਬ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਬਟਾਲਾ, ਸੰਗਰੂਰ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਹੈ ਜਿਥੇ ਫਸਲਾਂ ਖਰਾਬ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਇਸ ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਉਥੇ ਲਾਗੂ ਕਰੋ । ਜਿਥੇ ਸੇਮ ਹੈ, ਜਿਥੇ ਫਸਲਾਂ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਨਾਲ ਮਾਰੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਉਹ ਲੋਕ ਸਰਕਾਰ ਵਲ ਵੇਖ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਸਕੀਮ ਲਾਗੂ ਕਰੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇ । ਮੈਨੂੰ ਬੜੀ ਖ਼ੁਸ਼ੀ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਮੌਦਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਲੰਧਰ ਡਵੀਜ਼ਨ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਜ਼ਾਹਿਰ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨੁਕਤਾ ਚੀਨੀ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇ, ਭਾਵੇਂ ਕੁਝ ਵੀ ਮੁੱਦਾ ਹੋਵੇ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਕੀਕਤ ਬਿਆਨ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜ ਚਾਰ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਜਲੰਧਰ ਡਵੀਜ਼ਨ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਨੀਚੇ ਨੂੰ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਉਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਸੇਮ ਬਹੁਤ ਹੋ ਗਈ ਹੈ । ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਨੂੰ ਖਾ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਕੀੜੇ ਬਹੁਤ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਲਗ ਪਏ ਹਨ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ wild animals ਇਤਨੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰ ਦੀ ਫਸਲ ਪੱਕਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਤਬਾਹ ਕਰ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਾਡੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਆ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਦਿਨ ਬ ਦਿਨ ਵਧਦੀਆਂ ਹੀ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੇਰੇ notice ਵਿਚ ਇਹ ਵੀ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਪਸ਼ੂਆਂ ਦੀ ਬੀਮਾਰੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ 100—200 ਜਾਨਵਰ ਇਕ-ਇਕ ਪਿੰਡ ਵਿਚੋਂ ਹੀ ਮਰ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਮੁਹਿਮ ਚਲਾਈਏ ਜਿਸ ਨਾਲ cattle ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਤਬਾਹੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ

ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਫਸਲ ਦਾ wild animals ਨੁਕਸਾਨ ਨਾ ਕਰਨ। ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ wild animals ਇਤਨੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦਾ ਬੈਠਣਾ ਹਰਾਮ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਦਿਹਾਤੀਆਂ ਦੀ ਉਨਤੀ ਵੱਲ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਲੀਮ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੋਸ਼ਨੀ ਨਜ਼ਰ ਆਵੇ। ਉਹ ਇਕ ਨਵੇਂ ਢੰਗ ਨਾਲ ਇਸ ਨਵੇਂ ਯੁਗ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਗੁਜ਼ਾਰ ਸਕਣ। ਅੱਜ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੇ ਸਪੁਰਦ ਕੁਝ ਮੁਆਮਲਾ ਵੀ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਜੇ ਕਿਸੇ ਸਾਂਝੇ ਕੰਮ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ funds ਦੀਆਂ ਥੋੜਾਂ ਹੋਣ ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਗਰਾਂਟਾਂ ਵੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਹੋਰ ਵੀ ਕਈ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ concession ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਦਿੱਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਪਰ ਇਕ ਪਾਸੇ grants ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਨਵੇਂ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕੋਈ ਨ ਕੋਈ ਟੈਕਸ ਲਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਜੋ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਣਾ ਸੀ ਉਹ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਿਆ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਦੁਧ ਤੋਂ ਬਨਣ ਵਾਲੀਆਂ 2-3 ਐਸੀਆਂ products declare ਵੀ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਹਿਸੂਲ ਚੁੰਗੀ ਮੁਆਫ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਕਰਨੀ ਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ, ਦੋ ਚਾਰ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਛੋਟ ਦੇਣ ਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਚੁੰਗੀ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਦੀ ਸਾਰੀ ਜਿਨਸ ਵਗੈਰਾ ਤੇ ਵੀ ਮੁਆਫ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਅਸੀਂ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅੱਗੇ ਨਾਲੋਂ ਹਰ ਚੀਜ਼ ਮਹਿੰਗੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਪਰ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦਾ ਤਾਅੱਲੁਕ ਹੈ ਇਹ ਉਥੇ ਹੀ ਹੈ। ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਮਿਹਨਤ ਦੇ ਪੂਰੇ ਪੈਸੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਾਲਾਂਕਿ ਉਹ ਆਪਣਾ ਖ਼ੂਨ ਪਸੀਨਾ ਇਕ ਕਰ ਕੇ ਕਮਾਈ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਕਰ ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਵੱਲ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਦਿਹਾਤੀ ਦੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਚੰਗੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਕਈ ਐਸੇ ਕੰਮ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਬੜੇ ਚੰਗੇ ਹਨ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ State Trading ਹੈ। ਇਸ ਰਾਹੀਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਿਆ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਸੁਣ ਕੇ ਮੈਨੂੰ ਬੜਾ ਹੀ ਅਫਸੋਸ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ State Trading ਦੀ policy ਵਾਪਸ ਲ ਲਈ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਤਾਂ ਬਜਾਏ ਇਸ ਦੇ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈਣ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ enforce ਕਰਨ ਤਾਂ ਜੋ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਇਤਨੀ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੰਡੀ ਵਿਚ ਜਿਨਸ ਲੈ ਕੇ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਮਿਹਨਤ ਦਾ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਫਾਇਦਾ ਮਿਲ ਸਕੇ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਂ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਕਿ ਇਸ House ਵਿੱਚ Betterment levy ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਕਾਫੀ ਚਰਚਾ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਵੀ ਬਣੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਸਾਰੀ ਗੱਲ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕਰਕੇ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਦਾ ਖਰਚਾ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ Taxes ਲਾਵੇ।

(At this stage Mr. Speaker occupied the Chair.)

ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਿ ਉਹ ਕੋਈ Tax ਲਾਉਣ ਮੈਂ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਵੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਉਪਜ ਵਿਚ ਕਿਤਨਾ ਕੁ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਹੀ ਇਹ Tax ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਵਾਧੂ ਪੈਸੇ ਨਾ ਦੇਣੇ ਪੈਣ।

[ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ]

ਆਖਰ ਵਿਚ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਵੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ 75 ਪ੍ਰਤੀ ਸੈਂਕੜਾ ਬੇਟ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਐਸਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ Backward Area ਕਰਾਰ ਦਿੱਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ Advisory Committee ਨੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਦੀ development ਵਾਸਤੇ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ development block ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਜਾਵੇ। Minister Incharge ਨੂੰ ਵੀ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਅੱਜ ਤਕ ਕੋਈ ਬਲਾਕ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਨਹੀਂ ਗਿਆ। ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਤਦ ਹੀ ਉੱਨਤੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜੇ ਇਥੇ ਕੋਈ ਬਲਾਕ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ Backward area ਨੂੰ ਮਿਲਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਨਾ ਬਿਜਲੀ ਦਾ ਹੀ ਕੋਈ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਨਹਿਰਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਪ੍ਰਬੰਧ ਹੈ। ਮੈਂ ਫੇਰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਪਾਸੇ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ।

ਸਾਡੀ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀ police ਕਸ਼ਮੀਰ ਵਿੱਚ ਗਈ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਖਰਚਾ ਸਾਡੇ ਤੇ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ police ਇਕ ਬਾਹਰ ਦੇ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ duty ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਦਾ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਤੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਬੋਝ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਜਵਾਨ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਹਿਫਾਜ਼ਤ ਵਾਸਤੇ ਹਰ ਵਕਤ ਹਾਜ਼ਰ ਹਨ, ਉਹ ਹਰ ਵਕਤ ਤਿਆਰ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਫਰਜ਼ ਤੋਂ ਕਦੇ ਕੋਤਾਹੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਅਤੇ ਅੱਜ ਵੀ ਉਹ ਕਸ਼ਮੀਰ ਦੀਆਂ ਬਰਫਾਨੀ ਪਹਾੜੀਆਂ ਵਿੱਚ ਬਠੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਇਹ ਖੁਸ਼ੀ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਮੁਲਕ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਦੇ ਹਨ ਮਗਰ ਜੋ ਕਸ਼ਮੀਰ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਪਰਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਰਚਾ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਤੇ ਨਹੀਂ ਪੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ (ਜੈਤੋ) : ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕਾ ਖਾਲਸਾ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫਤਿਹ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਜਟ ਤੇ ਕਈ ਦਿਨਾਂ ਤੋਂ ਬਹਿਸ ਚਲ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦੀ ਹਾਂ ਜੋ ਆਪ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਜਟ ਤੇ ਨਜ਼ਰ ਮਾਰਨ ਤੋਂ ਇਹ ਕਿਤੇ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਚਲਦਾ ਕਿ ਇਸ Government ਨੇ ਗ਼ਰੀਬ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੀ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਅੱਜ ਅਸੀਂ Assembly Hall ਬਣਾ ਰਹੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਸ ਤੇ ਬੇ-ਸ਼ੁਮਾਰ ਪੈਸਾ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਇਹ ਪੈਸਾ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ Tax ਲਾ ਕੇ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਤਾਂ ਦੱਸਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਸ ਪੈਸੇ ਵਿਚੋਂ ਕਿਤਨਾ ਰੁਪਿਆ Government ਨੇ ਚਪੜਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਕਿੰਨੀਆਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਈਆਂ ਹਨ। ਇਸ Hall ਤੇ ਤਾਂ ਇਤਨਾ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਪਰ ਇਸ ਵਿੱਚ ਪੁਰਾਣੇ ਦਫਤਰ ਤੋਂ ਜੋ ਸਾਮਾਨ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਉਹ ਗਰੀਬ ਚਪੜਾਸੀਆਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਮੌਢਿਆਂ ਤੇ ਢੋਇਆ ਹੈ। ਕਿਤਨੇ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਈਆਂ ਜਾਂ ਇਸ ਕੰਮ ਦੇ ਪੈਸੇ ਦਿੱਤੇ ? ਇਥੇ ਇਤਨੇ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਕਮਰੇ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗ਼ਰੀਬਾਂ ਲਈ ਵੀ ਕੋਈ ਕਮਰਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਿਥੇ ਬੈਠ ਕੇ ਇਹ ਗ਼ਰੀਬ ਆਰਾਮ ਕਰ ਸਕਣ। ਅਤੇ ਥੋੜਾ relief ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲ ਸਕੇ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਦਰਵਾਜ਼ਿਆਂ ਸਾਹਮਣੇ ਗ਼ਰੀਬ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਖੜੇ ਹਨ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਜਾਨ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਰਾ ਸਾਰਾ ਦਿਨ ਖੜੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਮਗਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੈਠਣ ਵਾਸਤੇ ਸਟੂਲ ਤਕ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ। ਇਥੇ ਮੇਰੇ ਸਾਹਮਣੇ ਬੈਠੇ ਕਾਂਗਰਸੀ, ਮਹਾਰਾਜਿਆਂ ਦੀ ਨਿੰਦਾ ਕਰਦੇ ਸਨ। ਮੈਂ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਹੁਤ ਉਸਤਤ

ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਮਗਰ ਇਤਨਾ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਿੰਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਮਹਾਰਾਜੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲੋਂ ਬੁਰੇ ਨਹੀਂ ਸਨ। ਮਹਾਰਾਜਾ ਸਾਹਿਬ ਫਰੀਦਕੋਟ ਨੇ ਆਪਣੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੇ ਬੈਠਣ ਵਾਸਤੇ ਹਰ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਮੁਨਾਸਿਬ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੁੰਦਾ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਛੋਟੇ ਤੋਂ ਛੋਟੇ ਮਲਾਜ਼ਮ ਦਾ ਵੀ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਿਆਲ ਸੀ। ਮਗਰ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਕਾਂਗਰਸੀ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਿਵਾਏ ਆਪਣੇ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਦਾ ਵੀ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਹਰ ਵਕਤ ਆਪਣਾ ਹੀ ਐਸ਼ ਔਰ ਆਰਾਮ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੈਂ ਨਿਵੇਦਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਮਹਿਕਮਾ ਤਾਲੀਮ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਕਲਰਕ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜ ਪੰਜ ਸਾਲ ਇਕ ਥਾਂ ਤੇ ਲਗਿਆਂ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਜਗ੍ਹਾ ਤੋਂ ਬਦਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਕਿਸੇ ਦਾ ਕੋਈ ਕਸੂਰ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਅਗਰ ਬਦਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕੋਈ ਹਰਜ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਲੇਕਿਨ ਜੇ ਕੋਈ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਈਮਾਨਦਾਰੀ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਉਥੋਂ ਨਹੀਂ ਬਦਲਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਮੈਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾਮੁਖਾਹ ਬਗੈਰ ਕਿਸੇ ਦੋਸ਼ ਦੇ ਤਕਲੀਫ ਵਿਚ ਨਾ ਪਾਇਆ ਜਾਵੇ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੱਸਾਂ ਦੇ ਕੰਡਕਟਰਾਂ ਤੇ Drivers ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ 1960 ਤੋਂ ਵਧਾਉਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਮਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਜੇ ਤਕ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਵਾਅਦਾ ਪੂਰਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੰਵਰਾਣੀ ਸਾਹਿਬਾ ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਪਿਛਲੇ Session ਵਿਚ complaint ਕਰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਮੈਨੂੰ conductor ਬਸ ਦੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਚੜਨ ਦਿੰਦਾ।
(The hon. lady Member had herself made a complaint in the last Session that a conductor did not allow her to get into the bus.)

ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਕੁਟਲ ਨੀਤੀ ਵਾਲੇ ਵਜ਼ੀਰ ਨੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਲਈ ਆਖਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਉਸ ਨੇ ਐਸੀ ਹਰਕਤ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਮੈਂ ਉਸ ਜਮਾਤ ਦੇ ਗਰੀਬ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਇਸ House ਵਿਚ ਨਾ ਪਹੁੰਚਾਵਾਂ।

ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੈਂ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਮੋਰਚੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹਾਂ। ਸ੍ਰੀਮਾਨ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤਿੰਨ ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਦਰਬਾਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਅੰਦਰ ਗੁਰਦਵਾਰਾ ਮੰਜੀ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦਾ ਨਾਅਰਾ ਲਾ ਕੇ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲਾਤ ਦਸਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਜ਼ਿੰਦਾਬਾਦ ਦੀ ਗੂੰਜ ਦੇ ਵਿਚ ਪੰਥ ਦੀਆਂ ਬੀਬੀਆਂ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਜੱਥਾ ਲੈ ਕੇ ਗਰਿਫਤਾਰੀ ਦਿੱਤੀ। ਮੈਂ ਬੀਬੀਆਂ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਜੱਥੇ ਦੀ ਜੱਥੇਦਾਰ ਸਾਂ ਔਰ ਵੀਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਮੇਰਾ ਛੇਵਾਂ ਜੱਥਾ ਸੀ। ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਨਾਅਰੇ ਲਾ ਕੇ ਮੈਂ ਲੱਖਾਂ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀ ਤਾਦਾਦ ਵਿਚੋਂ ਲੰਘ ਕੇ ਖੁਦ ਗਰਿਫਤਾਰੀ ਦਿੱਤੀ। I Courted arrest on 3-6-60 ਮਗਰ ਇਲਜ਼ਾਮ ਮੇਰੇ ਤੇ ਇਹ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਕਿ ਚਾਰ ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਕੰਵਰਾਣੀ ਨੇ ਮੰਜੀ ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਤਕਰੀਰ ਕਰ ਕੇ ਪੁਲੀਸ ਨੂੰ incite ਕੀਤਾ ਹੈ।

On an enquiry I was told that I was arrested because I gave a speech in Gurdwara Manji Sahib.

[ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ]

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਦ ਮੈਨੂੰ ਹਵਾਲਾਤ ਦੇ ਵਿਚ ਗਈ ਨੂੰ ਪੰਜ ਮਹੀਨੇ ਹੋ ਗਏ ਤਾਂ ਫੇਰ ਸਾਨੂੰ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਤੁਹਾਡੇ ਤੇ ਦੋ ਮੁਕਦਮੇ ਹਨ । ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਕੰਵਰਾਣੀ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਖਤਰਾ ਹੈ । ਦੱਸੋ ਇਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਮੇਰੇ ਕੋਲੋਂ ਖਤਰਾ ਕਿਉਂ ਪੈ ਗਿਆ । What a strong Government ! ਔਰ ਅਗਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੇਰੇ ਤੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਾਇਆ ਸੀ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸੱਚੇ ਪਾਦਸ਼ਾਹ ਸਤਿਗੁਰ ਦੇ ਚਰਨਾਂ ਵਿਚ ਅਰਦਾਸ ਕਰਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਰਾਜਧਾਨੀ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਬੜੀਆਂ ਸੁਣਦੇ ਹਾਂ ਨਾਲੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜ਼ੁਲਮ ਵੀ ਬਹੁਤ ਵਧੇ ਹਨ । ਟੈਕਸ ਵਧੇ ਹਨ, ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਦੀ list ਅਤੇ ਅਖ਼ਰਾਜਾਤ ਵਧੇ ਹਨ ਮੇਰੀ ਅਰਦਾਸ ਹੈ । ਸੱਚੇ ਪਾਦਸ਼ਾਹ ਮੈਨੂੰ ਚੰਡੀ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਦੇ ਤਾਕਿ ਮੈਂ ਇਸ ਜ਼ਾਲਮ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਜ਼ੁਲਮਾਂ ਅਤੇ ਪਾਪਾਂ ਦਾ ਖਾਤਮਾ ਕਰ ਸਕਾਂ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਕਦਰ ਅੰਧੇਰਗਰਦੀ ਮਚਾਈ ਹੋਈ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਕੋਈ ਹਦ ਹਿਸਾਬ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਗਰੀਬ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ, ਕੋਈ ਤਰਸ ਨਹੀਂ । ਇਕ ਪਾਸੇ ਇਹ ਇਤਰਾਜ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਰਾਜੇ ਮਹੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਸੀ ਔਰ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਆਪ ਮੋਤੀ ਬਾਗ ਮਹਲ ਖਰੀਦਿਆ ਹੈ । ਮਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਵਧ ਕੀਮਤ ਲਾ ਕੇ buildings ਬਣਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਉਹ ਮਹੱਲ ਨਹੀਂ ਹਨ ? ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਅਜੀਬ ਅਜੀਬ ਗੱਲਾਂ ਇਸ House ਦੇ ਵਿਚ ਬੈਠੀ ਸੁਣ ਰਹੀ ਹਾਂ । ਕੁਝ ਦਿਨ ਹੋਏ ਇਥੇ dowry ਦੇ ਬਾਰੇ resolution ਆਇਆ ਕਿ ਕੁੜੀਆਂ ਨੂੰ ਦਾਜ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਰ ਕੋਈ ਮਾਂ ਬਾਪ ਆਪਣੀ ਨੇਕ ਕਮਾਈ ਵਿਚੋਂ ਆਪਣੀ ਬੱਚੀ ਦੇ ਵਿਆਹ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸਾਮਾਨ ਵਿਤ ਅਨੁਸਾਰ ਦੇ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ । ਪਾਪ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਹੈ ਜੇ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਮਜਬੂਰ ਕਰ ਕੇ ਲਏ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਦਾਜ ਦੇਣ ਤੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮਗਰ ਜਿਸ ਗਲ ਦਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਉਸ ਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਸੇ ਨੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ ਦੀ ਲੜਕੀ ਦੇ ਜਾਂ ਲੜਕੇ ਦੇ ਵਿਆਹ ਤੇ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਮੌਕੇ ਤੇ ਇਹ ਵਜ਼ੀਰ ਪਾਰਟੀਆਂ ਖਾਣ ਚਲੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਜਿਸ ਦੇ ਘਰ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਉਸ ਨੂੰ ਲੜਕੀ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਨ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਕਈ ਗੁਣਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚ ਪੈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਦੀ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਆਇਆ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੀ ਹਕ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਜਾ ਕੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਖਰਚੇ ਪਾਉਣ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਰਾਜਿਆਂ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਬਣਾਈਆਂ ਸਨ ਉਨਾਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਖਾੜ ਕੇ ਸੁਟ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਮਹਾਰਾਜਾ ਫਰੀਦਕੋਟ ਨੇ ਫਰੀਦਕੋਟ ਵਿਚ ਬੀ. ਟੀ. ਕਾਲਜ ਬਣਾਇਆ ਸੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਬੜਾ ਦੁਖ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਕੀ ਉਸ ਕਾਲਜ ਦੀ ਉਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਸੀ ? ਸਾਡੇ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਕਰਨ ਦੇ ਬਜਾਏ ਉਥੋਂ ਦੇ ਬਣੇ ਕਾਲਜ ਨੂੰ ਉਖਾੜ ਦਿਤਾ । ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ , ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ House ਵਿਚ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਕਾਲੀਆਂ ਤੇ ਜਿਹੜੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਮੁਕਦਮੇ ਬਣਾਏ ਸਨ ਉਹ ਵਾਪਿਸ ਲਣ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ ਮਗਰ ਅਜੇ ਮੇਰੇ ਅਤੇ ਬਹੁਤਿਆਂ ਦੇ ਮੁਕਦੱਮੇ ਜਾਰੀ ਹਨ, ਹੁਣ ਤਕ ਇਨਾਂ ਨੇ ਸਿਰਫ ਇਕ ਮੁਕਦਮਾ ਹੀ ਵਾਪਿਸ ਲਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਨਾਂ ਦੇ law and order ਔਰ ਇਨਸਾਫ ਦੀ ਵੀ ਗੱਲ ਦਸਦੀ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਆਪਣੀ Constituency ਦੀਆਂ ਦੋ ਤਿੰਨ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਔਰ ਇਕ ਸੜਕ ਕਲੇਰਾਂ ਵਾਲੇ ਬਾਬਾ ਜੀ ਦੀ ਬਸੀਆਂ ਜੈਤੋਂ ਤੋਂ ਰਾਮੇ ਆਣਾ, ਰੂੜੀ ਕਪੂਰਾ ਸੂਰ ਘੂਰੀ ਪਿੰਡ ਨਿਕਲ ਕੇ ਭਣਜਈ ਆਨੇ ਕੋਟਕਪੂਰਾ ਟੇਲਵੇ

ਲਾਈਨ ਤੋਂ ਗੋਨਿਆਨਾ ਤੇ ਜੈਤੋ ਵਿਚ ਇਕ ਸੜਕ ਜੀਵਨ ਵਾਲੇ ਪਿੰਡ ਚੋਂ ਪੱਕੀ ਬਨਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਅਤੇ ਇਕ ਸੜਕ ਕਲੇਰਾਂ ਵਾਲੇ ਬਾਬਾ ਜੀ ਦੀ ਬਸਤੀ ਤੋਂ ਲੋਹਾਣਾ ਤਕ ਬਨਾਉਣ ਦੀ demand ਲੈ ਕੇ ਗਈ ਸੀ। ਮੈਨੂੰ ਚੌਧਰੀ ਸੂਰਜ ਮਲ ਹੋਰੀਂ ਨਹੀਂ ਸੀ ਮਿਲ ਸਕੇ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਉਹ demand ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦੇ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਠੀ ਦੇ ਆਈ ਸਾਂ। ਮੈਂ ਅਜੇ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦਿੱਤੀ ਤੇ ਇਸ Government ਦੇ ਅਖਬਾਰਾਂ ਨੇ ਅਤੇ ਅਖਬਾਰ ਨਵੀਸਾਂ ਨੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਗੱਲ ਉਡਾ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਅਖਬਾਰ ਵਿਚ ਛਪਵਾ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਕੰਵਰਾਣੀ ਅਲੋਪ ਹੈ। ਕਿਨੀ ਝੂਠੀ ਗੱਲ ਛਪਾਈ। ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਆਪਣੀ ਗੁਲਾਮੀ ਦਾ ਸਬੂਤ ਦਿੱਤਾ। ਮੇਰੀ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ ਦਾ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ ਥਾਨੇਦਾਰ ਦੀ ਮਾਰਫਿਤ ਮੇਰਾ ਸਾਰਾ ਸਮਾਨ ਕੁਰਕ ਕਰਵਾ ਲਿਆ ਔਰ ਜਿਹੜਾ ਕੀਮਤੀ ਸਾਮਾਨ ਸੀ ਉਹ ਗੁਮ ਕਰ ਲਿਆ। ਉਸ ਦੀ ਕੋਈ list ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕਮੀਨੀਆਂ ਹਰਕਤਾਂ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਆਪ ਕਰਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਫਿਰ ਕਹਿਣ ਨੂੰ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਉਤਾਂਹ ਚੁਕਣ ਲਈ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਕੀ ਹੈ, ਤਲਾਕ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਔਰਤਾਂ ਨੇ ਨਹੀਂ ਮੰਗਿਆ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਜ਼ਿਲਾ ਬਠਿੰਡਾ ਹੈ। ਉਥੇ ਜੇਲ੍ਹ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਤਿਆਚਾਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਹਾਹਾਕਾਰ ਮਚਾ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਅਜੇ ਤਕ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਗੁਰਦਵਾਰਿਆਂ, ਮੰਦਰਾਂ, ਸਕੂਲਾਂ ਔਰ ਮਸਜਦਾਂ, ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਔਰ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਗੋਲੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਚਲਾਈ। ਮਗਰ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਜ਼ੁਲਮਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਨਾਦਰਸ਼ਾਹ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਅਗੇ ਵਧ ਗਈ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਿਕੇ ਨਿਕੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਜਿਹੜੇ ਕੀਰਤਨ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ ਗੋਲੀਆਂ ਨਾਲ ਉਡਾਇਆ ਹੈ, ਕੀਮਾ ਕੀਮਾ ਕਰਕੇ ਦਾਲਾਂ ਵਿਚ ਰਿੰਨ੍ਹ ਕੇ ਪੰਥ ਦੇ ਬਚੇ ਪੰਥ ਮੂਹਰੇ ਰਖੇ। ਅਜੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਬੜਾ ਇਨਸਾਫ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਹਾਮੀਆਂ ਨੂੰ ਔਰ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦਾ ਨਾਅਰਾ ਲਾਉਣ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਗੋਲੀਆਂ ਨਾਲ ਉਡਾ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦੀ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਹਾਡੇ ਜ਼ੁਲਮਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਦਬ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜੀਬ ਗੱਲਾਂ ਹਨ। ਮਾਸਟਰ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ਜੀ ਤੇ ਇਹ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਕਿ ਉਹ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਗਏ ਸਨ ਔਰ ਉਥੇ ਜਨਰਲ ਅਯੂਬ ਖਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲੇ ਸਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਹ ਸਾਜ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਆਏ ਸਨ ਕਿ ਜੇ ਉਹ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਤੇ ਹਮਲਾ ਕਰਨ ਤਾਂ ਇਹ ਮਦਦ ਕਰਨਗੇ। ਹੁਣੇ ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਦਾ ਇਕ ਬੰਦਾ ਰਾਮ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਜਾ ਕੇ ਆਇਆ ਹੈ। ਕੀ ਇਹ ਖਤਰਾ ਨਹੀਂ ? ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਗੁਰੂ ਪੰਥ ਦੇ ਗੱਦਾਰ। ਤੁਹਾਡੀ Congress ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ ਕਦੋਂ ਵਫਾਦਾਰੀ ਨਿਬਾਹ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਆਪ ਦੀ Congress Government ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਇਤਬਾਰ ਕਿਵੇਂ ਕਰਦੀ ਹੈ ? (ਘੰਟੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼)

6.00 p.m.

ਤੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਗੇ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੀ ਹਾਂ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਜੈਤੋ ਦੇ ਸਕੂਲ ਦੀ building ਵਲ ਦਿਵਾਉਂਦੀ ਹਾਂ। ਇਹ ਵਜ਼ੀਰ ਨਾ ਬਣਨ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁੜ ਕੇ elect ਨਾ ਕਰੇ। ਮੈਂ 1957 ਤੋਂ ਉਸ ਜੈਤੋ constituency ਵਿਚੋਂ elect ਹੋ ਕੇ ਆਈ ਹਾਂ ਔਰ ਉਦੋਂ ਦੀ ਮੈਂ ਉਸ ਸਕੂਲ ਲਈ building ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦੀ ਰਹੀ ਹਾਂ ਪਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ। ਉਥੇ ਬੀਬੀਆਂ ਦੀ education ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਕੋਈ building ਨਹੀਂ। ਜ਼ਿਸ school ਦੀ building ਨਹੀਂ ਉਥੇ ਬੱਚੇ ਕਿਥੇ ਪੜ੍ਹਨ ? ਬੜੀ ਦਿੱਕਤ ਹੈ। ਆਪ ਦੀ Government ਨਹੀਂ ਸੁਣਦੀ। ਜੋ ਪਹਿਲਾਂ ਮੁਸਲਮਾਨਾਂ ਦੀ building ਸੀ ਉਹ ਇਕ ਟਟਾ ਜਿਹਾ ਘਰ

[ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ]
ਹੈ ਜਿਥੇ ਬੀਬੀਆਂ ਪੜ੍ਹਦੀਆਂ ਹਨ । ਉਸ ਮਕਾਨ ਦੀਆਂ ਛਤਾਂ ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਸਨ ਅਤੇ ਉਹ ਡਿਗ ਗਈ ਹੈ ਪਰ Government building ਅਜੇ ਨਹੀਂ ਬਣ ਰਹੀ। ਹੁਣ ਉਹ ਸਕੂਲ Lady Doctor ਜੈਤੋ ਦੀ ਕੋਠੀ ਵਿਚ ਹੈ। ਹੁਣ ਕੁਝ classes ਲਗਦੀਆਂ ਹਨ ਵਿਚਾਰੀ ਲੇਡੀ ਡਾਕਟਰ ਵੀ ਕੀ ਕਰੇ । ਉਹ ਬੀਬੀਆਂ ਔਖੀਆਂ ਹਨ, ਜੈਤੋ ਹਲਕਾ ਔਖਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਔਖੀ ਹਾਂ। Lady Doctor has to attend to her patients. ਕੁਝ ਚਿਰ ਤਾਂ ਉਹ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ because Doctors time is not her time. ਫਿਰ ਉਹ ਆਪਣੇ ਘਰ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਬੀਬੀਆਂ ਉਥੇ ਸਕੂਲ ਵਿਚ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਸਕੂਲ ਵਾਲੇ ਵੀ ਕੀ ਕਰਨ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਬੜੀ ਤਕਲੀਫ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਉਸ ਸਕੂਲ ਦੀ building ਲਈ ਮੰਗ ਕਰਦੀ ਹਾਂ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਬਸ ਕਰੋ । (Now, the hon. Lady Member should resume her seat.)

ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੈਤੋ ਵਿਚ Boy's School Building ਦੀ extension ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਹਰੀਨਾਓ ਪਿੰਡ ਦੀਆਂ ਨਵੀਂ, ਦਸਵੀ ਦੀਆਂ ਜਮਾਤਾਂ ਚਲਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਕਦੋਂ ਦੀ ਆਖ ਰਹੀ ਹਾਂ ।

Mr. Speaker : Your time is up.

Kanwrani Jagdish Kaur : I will wind up, Sir. I want the Press and the Reporters to note......

Mr. Speaker : The hon. Lady Member cannot address them direct.

Kanwrani Jagdish Kaur : I am addressing them through you Sir. ਸੁਣੋ ਤਾਂ ਸਹੀ ਜੀ, ਮੈਂ ਆਪਣੀ speech ਵਿਚ ਉਸ ਦਿਨ 70 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਕਿਹਾ ਸੀ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ 17 ਹਜ਼ਾਰ ਦਸਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ ਜੈਤੋ ਵਿਚ ਇਕ ਸੇਠ ਸਾਹਿਬ ਨੇ 70 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਲਗਾ ਕੇ ਮੁੰਡਿਆਂ ਦੇ ਸਕੂਲ ਦੀ building ਬਣਵਾਈ ਹੈ ਪਰ ਉਹ building ਛੋਟੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਕੋਲੋਂ ਉਸ building ਦੀ extension ਮੰਗਦੀ ਹਾਂ । ਬੱਚਿਆਂ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹਨ ਲਈ ਉਤਸ਼ਾਹ ਹੈ ਔਰ ਸੇਠ ਸਾਹਿਬ ਨੇ 70 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਲਾ ਕੇ ਬੜੀ ਸ਼ਾਨਦਾਰ building ਬਣਾਈ ਹੈ ਪਰ ਉਹ ਛੋਟੀ ਹੈ । ਉਸ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਪੁਰ ਜ਼ੋਰ ਲਫਜ਼ਾਂ ਵਿਚ ਆਖਦੀ ਹਾਂ ਤੇ ਬਰਗੜੀ ਪਿੰਡ ਦੇ ਸਕੂਲ ਦੇ ਕਮਰਿਆਂ ਅਗੇ ਬਰਾਂਡਾ ਬਨਾਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਗੌਰਮਿੰਟ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਬਣਾਵੇ ।

Mr. Speaker : Order, please.

ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ : ਇਕ ਮਿੰਟ ਹੋਰ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦੀ ਖੁਲ੍ਹ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਪਰ ਵਕਤ ਦੀ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ । (I have allowed the hon. Lady Member to have her say but I have not allowed her unlimited time.)

ਕੰਵਰਾਣੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਕੌਰ : ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ time ਵੀ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਨਾਲ ਮਿਲਿਆ ਕਰਦਾ ।

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿਘ ਪ੍ਰੇਮ (ਰਾਜਪੁਰਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦਾ ਧਨਵਾਦ ਕਰਨ ਉਪਰੰਤ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ primary industry ਜੋ ਮੁਢਲੀ industry ਹੈ ਉਹ ਹੈ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਔਰ ਮੈਂ Finance Minister ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਮੁਬਾ-ਰਕ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ Crop Insurance Scheme ਅਤੇ Package Programme ਦੀ ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ ਤਜਵੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵਕਤ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਜੋ ਸਭ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ serious problem ਹੈ, ਜੋ ਸਭ ਤੋਂ ਅਹਿਮ ਮਸਲਾ ਹੈ ਉਹ ਹੈ floods, drainage ਤੇ water-logging ਦਾ। ਭਾਵੇਂ ਮੇਰੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਗੁੱਸਾ ਲਗੇ, ਮੈਂ ਇਹ ਗੱਲ ਕਹੇ ਬਿਨਾ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਿਵਾਏ survey ਕਰਾਉਣ ਦੇ ਇਸ ਮਸਲੇ ਤੇ ਕੁਝ ਵੀ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਵਕਤ 25 ਲੱਖ ਏਕੜ culturable area ਜੋ ਹੈ ਉਹ water-logged ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Budget ਵਿਚ ਵੀ ਇਸ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੋਵੇਗਾ। ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਵੀ ਇਹੋ ਗੱਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਵਲੋਂ ਸੁਣੀ ਜਾਂਦੀ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਸੇਮ ਦਾ ਮਸਲਾ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬੱਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਨੂੰ ਇਕ ਸ਼ੇਅਰ ਯਾਦ ਆਇਆ ਹੈ—

ਮਰੀਜ਼ੇ ਇਸ਼ਕ ਪੇ ਰਹਿਮਤ ਖੁਦਾ ਕੀ
ਮਰਜ਼ ਬੜ੍ਹਤਾ ਗਿਆ ਜੂੰ ਜੂੰ ਦਵਾ ਕੀ।

ਅਗਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ 25 ਲੱਖ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਹਿਸਾਬ ਲਗਾਇਆ ਜਾਏ ਅਤੇ ਜੇ ਫੀ ਏਕੜ 100 ਰੁਪਏ ਦਾ ਹਿਸਾਵ ਲਗਾਇਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਕੋਈ 25 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਨੁਕਸਾਨ ਬਣਦਾ ਹੈ ਔਰ ਅਗਰ 10 ਮਣ ਫੀ ਏਕੜ ਦੇ ਦਾਣਿਆਂ ਦਾ ਹਿਸਾਬ ਲਗਾਇਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੋ ਕਰੋੜ ਮਣ ਦਾਣੇ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰ ਵਾਰੀ ਜਦ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਜਾਂ floods ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਜੋ relief ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਣਕ ਵੰਡੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਵਗੈਰਾ ਵਗੈਰਾ, ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਵੀ ਨੁਕਸਾਨ ਹੀ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ ਵੇਖਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਇਹ ਮੁਫਤ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਥੇ ਜੋ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਧੰਨਾਢ ਆਦਮੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਮੁਫਤ ਸਹਾਇਤਾ ਮਿਲਦੀ ਵੇਖ ਕੇ ਉਹ ਵੀ ਆਪਣਾ ਪੱਲਾ ਪਸਾਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਉਹ ਸਹਾਇਤਾ ਲੈਲੈਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦਾ ultimately ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ। ਮਹਿਜ ਗੁਨਾਹ ਵਧ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਹਰ ਸਾਲ relief ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ ਤੇ ਕੁਝ ਅਬਿਆਨੇ ਵਿੱਚ relief ਵੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਬੀਮਾਰੀ ਦਾ ਸਹੀ ਇਲਾਜ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ। ਹਰ ਸਾਲ ਜਿਹੜਾ relief ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਉਹ ਹੋਰ tax ਲਗਾ ਕੇ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਫਿਰ ਵਸੂਲ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਚਾਹੁੰਦੀ ਤਾਂ ਜਿਥੇ ਇਹ ਭਾਖੜਾ Dam ਵਾਸਤੇ ਜਾਂ ਬਿਆਸ Project ਵਾਸਤੇ ਅਤੇ ਹੋਰ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ irrigation ਦੀਆਂ projects ਵਾਸਤੇ organisa-tion ਬਣਾਈ ਹੋਈ ਹੈ, ਜਿਹੜੀ ਇਹ ਸਕੀਮਾਂ ਤਿਆਰ ਕਰਦੀ ਹੈ ਔਰ design ਵਗੈਰਾ ਤਿਆਰ ਕਰਦੀ ਹੈ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਕੰਮ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਕੋਈ organisation ਬਣਾਉਂਦੀ। ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਹ ਇਤਨਾ ਅਹਿਮ ਮਸਲਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਹਾਲਾਂ ਤਕ ਕੋਈ administration ਇਸ ਮਤਲਬ ਲਈ ਕਾਇਮ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਅਗੇ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਵਲ ਤਵਜੋਂਹ ਦੇਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ।

[ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ ਪ੍ਰੇਮ]

ਇਸ ਤੋਂ ਬਆਦ ਮੈਂ ਇਕ ਦੋ suggestions ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਖਿਦਮਤ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਸਾਡੇ Canal Act ਵਿਚ ਇਕ ਦਫਾ 33 ਔਰ ਇਕ ਦਫਾ 34 ਹਨ । ਇਹ ਦਫਾ 33 ਔਰ 34 ਉਸ ਵਕਤ ਦੇ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜਦੋਂ ਇਥੇ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦਾ ਰਾਜ ਸੀ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿਸੇ ਥਾਂ ਤੇ ਜੇ ਕਿਸੇ ਨਹਿਰ ਦਾ ਪਾਣੀ ਟੁਟਦਾ ਹੈ, ਕਿਉਂਕਿ ਨਹਿਰ ਵਾਲੇ ਸਾਲ ਸਾਲ ਤਕ ਨਹਿਰ ਦੇ ਕੰਢਿਆਂ ਦੀ ਮੁਰਮੱਤ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ, ਜੇ ਉਥੋਂ ਪਾਣੀ ਨਿਕਲ ਕੇ ਕਿਸੇ ਦੀਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਹ ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਲ ਕੇ ਉਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਫਿਰ ਉਸ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਲ ਕੇ ਉਸ ਤੋਂ ਅਗਲੀ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚ ਚਲਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਭਾਵੇਂ ਉਸ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮਾਲਕਾਂ ਦੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਤਬਾਹ ਹੋ ਜਾਣ, ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਪਾਣੀ ਮੌਕੇ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਫਸਲਾਂ ਵਿਚ ਜਾਏ ਭਾਵੇਂ ਬੇਮੌਕੇ ਤੇ ਟੁਟ ਕੇ ਜਾਏ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਪਰ 6 ਗੁਨਾ ਤਾਵਾਨ ਪੈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਗੈਰ ਕਿਸੇ ਕਸੂਰ ਦੇ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਐਨੀ ਤਕਲੀਫ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਥੇ ਨਹਿਰ ਤੋੜਨ ਵਾਲਾ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇ ਕਰ ਕੋਈ ਤੋੜਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਦੂਸਰੇ ਦਾ ਕੀ ਕਸੂਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ? ਇਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਦਫਾ 33 ਅਤੇ 34 ਹਨ These should be called therelics of the old bureancratic regime ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਰਖਣਾ ਲੋਕਾਂ ਦੀ insult ਹੈ ਅਤੇ democracy ਦੀ mockery ਹੈ। ਇਹ ਚੀਜ਼ ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ਾਂ ਨੇ ਮਹਿਜ਼ collective fine ਕਰਨ ਲਈ ਬਣਾਈ ਹੋਈ ਸੀ। ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਦੋ ਦੋ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਤਾਵਾਨ ਪਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿਚ appeals ਕਰਦੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ, appeals ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮਨਜ਼ੂਰ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀਆਂ । ਨਹਿਰ ਵਾਲੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕਾਨੂੰਨ ਹੀ ਅਜਿਹਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਆਖਰ ਵਿਚ ਮੈਂ Act ਲੈ ਕੇ ਦਫਾ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਿਆ । ਜੇ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਾਬਤ ਦਸਾਂ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਕਤ ਲਗ ਜਾਏਗਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ amendment ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਕ ਹੋਰ ਦਫਾ 68 ਹੈ ਨਹਿਰ Act ਦੀ ਜਿਸ ਦੇ ਹੇਠਾਂ ਵਾਰਾ ਬੰਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਜੇ ਕਰ ਕੋਈ ਜ਼ੋਰ ਵਾਲਾ ਕਿਸੇ ਮਾੜੇ ਦਾ ਪਾਣੀ usurp ਕਰ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਸੁਣਵਾਈ ਹੋਣ ਵਿਚ 6 ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਸਾਲ ਤਕ ਦਾ ਸਮਾਂ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਵੇਲੇ ਤਕ ਸਾਰੀ ਫਸਲ ਬਰਬਾਦ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ suggest ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ Panchayats ਨੂੰ introduce ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਥੇ ਮੋਘਾ system ਹੈ, ਉਥੇ ਮੋਘੇ ਤਕ ਹੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਦਖਲ ਹੋਵੇ ਅਗੇ ਜਾਂ ਤਾਂ metre system ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਜਾਂ contract system ਹੋਵੇ ।ਜੇ ਕਰ metres ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ ਤਾਂ contract system ਰਖ ਲਉ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੱਲ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਅਗੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ technical ਮਹਿਕਮੇ ਹਨ, ਮਸਲਨ P.W.D. ਹੈ, Irrigation ਹੈ ਜਾਂ B. & R. Branch ਹੈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ Secretaries ਵੀ technical (Chief Engineers) ਆਦਮੀ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਨਾਲ red tapism ਤੋਂ ਬਚਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। Non-technical ਆਦਮੀ (ਜਿਹੜੇ Chief Engineer ਨਹੀਂ ਹਨ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ Secretaries ਲਗਾਉਣ ਨਾਲ ਕੰਮ ਬਹੁਤ ਲੰਮਾ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਆਮ ਤੌਰ ਉਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਸਲਿਆਂ ਦੀ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਲਗਦੀ ।

ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੀ elections ਉਪਰ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਿਆਂਗਾ ਕਿਉਂਕਿ ਜਗ੍ਹਾ ਜਗ੍ਹਾ ਉਪਰ ਬੜੇ ਆਰਾਮ ਨਾਲ elections ਹੋ ਗਏ ਹਨ । Foodgrains ਉਪਰ octroi ਹਟਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਗੱਲ ਉਪਰ ਵੀ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਜਿਸ

ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ ਅਸੀਂ discuss ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਉਸ ਵਿਚ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਬਿਆਸ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਬਿਆਸ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਨਹੀਂ ਹਾਂ । ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਘੱਗਰ ਡੈਮ ਜਿਹੜਾ ਕਿ Third Five Year Plan ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਐਨਾ ਲੰਮਾ ਕਰਨਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਘੱਗਰ, ਅੰਬਾਲਾ, ਪਟਿਆਲਾ ਅਤੇ ਹਿਸਾਰ ਤਕ ਮਾਰ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਨਹਿਰ ਦਾ ਪਾਣੀ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਲੇਕਿਨ ਜਿਹੜਾ flood ਦਾ ਪਾਣੀ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਕਾਬੂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਸੋਚਦੇ ਸਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਪਟਿਆਲੇ ਵਿਚ ਬਣਾਈ ਜਾਏਗੀ, ਮੋਤੀ ਬਾਗ palace ਉਸ ਲਈ ਬਹੁਤ suitable building ਸੀ । ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਪਤਾ ਲਗਾ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ sports ਲਈ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਅਗੇ ਜੇ ਕਰ Roads ਤੇ ਨਜ਼ਰ ਮਾਰੀਏ ਤਾਂ ਹਰ ਇਕ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚ 7, 7 ਅਤੇ 8, 8 ਸੜਕਾਂ ਬਣੀਆਂ ਹਨ । Patiala-Sirhind Road First Five-Year Plan ਵਿਚ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੋਈ ਸੀ, ਪਰ Second Five-Year Plan ਵੀ ਖਤਮ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਤੀਸਰੀ Plan ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਹੈ, ਹੁਣ ਉਸ ਨੂੰ Third Five-Year Plan ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । Patiala District ਵਿਚ ਹੋਰ ਵੀ ਕੋਈ ਸੜਕ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ ਗਈ, ਉਸ ਨਾਲ step-motherly treatment ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ—

ਗੁੱਲ ਫੈਂਕੇ ਹੈਂ ਔਰੋਂ ਕੀ ਤਰਫ ਬਲਕਿ ਸਮਰ ਭੀ,
ਐ ਖਾਨੇਏ ਬਰ ਅੰਦਾਜ਼ ਕੁਝ ਹੋ ਇਧਰ ਭੀ ।

First Five-Year Plan ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ ਗਈ, Second Five-Year Plan ਵੀ ਲੰਘ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣ Third Five-Year Plan ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਹੈ । ਰਾਜਪੁਰਾ—ਬਨੂੜ ਦਾ ਇਲਾਕਾ ਅਜਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਚਾਰ ਛਿੱਟਾਂ ਪੈ ਜਾਣ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਹਿਰ ਐਣਾ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਥੋਂ ਦੀ ਮਿੱਟੀ ਹੀ ਅਜਿਹੀ ਹੈ । ਜਿਹੜੇ concerned ਮਹਿਕਮੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਵਜੋ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੂੰ ਪਟਿਆਲੇ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਪਟਿਆਲੇ ਦੀ importance ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਉਜਾੜਨ ਦਾ ਉਪਰਾਲਾ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । Industry ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ Government ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਪੰਜਾਬ ਨੇ Industry ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । Small-scale Industry ਵਿਚ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਕਾਫੀ ਤਰੱਕੀ ਹੋਈ ਹੈ । Heavy Industry ਘਟ ਕਾਇਮ ਹੋਈ ਹੈ । ਉਸ ਵਿਚ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Foreign Exchange ਦੀ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਰੁਕਾਵਟ ਹੈ ਜਿਸ ਕਾਰਨ ਨਾਲ machinery ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦੀ । ਜੇ ਕਰ Industry Minister ਸਾਹਿਬ ਤਵਜੋ ਦੇਣ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਕ suggestion ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਬਹੁਤ ਲੋਕ ਅਜਿਹੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਰੋੜਹਾ ਰੁਪਿਆ, ਈਰਾਨ, ਬਰਮਾ, ਅਮਰੀਕਾ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਪਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਉਹ ਰੁਪਿਆ ਉਥੋਂ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਸਕਦੇ ਕਿਉਂਕਿ ਉਥੋਂ ਦੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੀ । ਜੇ ਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰੁਪਏ ਦੀ machinery ਮੰਗਵਾ ਲਈ ਜਾਏ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੇਸ਼ਕ ਘਟ ਵੀ payment ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਵੀ ਉਹ ਲੋਕ ਤਿਆਰ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਐਥੇ ਘਟ ਰੁਪਏ ਦਿੱਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਉਸ ਹਾਲਤ ਵਿਚ Foreign exchange ਦੀ difficulty ਵੀ arise ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ । ਜੇ ਕਰ ਇਹ question Central Government ਨਾਲ take

[ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰੇਮ ਸਿੰਘ ਪ੍ਰੇਮ]

up ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਬੜਾ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਕ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਉਹ ਪੈਸਾ ਜਿਹੜਾ ਉਥੇ ਘਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਹ ਨਿਕਲ ਆਏਗਾ ਅਤੇ ਦੂਸਰਾ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ heavy industry ਕਾਇਮ ਹੋ ਜਾਏਗੀ। ਮੈਂ ਪੰਡਤ ਜੀ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਾਜਪੁਰੇ ਨਾਲ commitment ਸੀ ਕਿ ਉਥੇ ਇਕ textile mill ਲਗਾਈ ਜਾਏਗੀ। ਹੁਣ ਗੌਰਮਿੰਟ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਪਾਰਟੀ back out ਕਰ ਗਈ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੂਸਰੀ ਪਾਰਟੀ ਨਾਲ ਗਲ ਬਾਤ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਾਮਯਾਬੀ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਰਾਜਪਰਾ ਬਨੂੜ ਦਾ ਅਜਿਹਾ ਇਲਾਕਾ ਹੈ ਜਿਥੇ ਕਿ Industrial Estate ਜ਼ਰੂਰ ਬਣਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਰਾਜਪੁਰੇ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ commitment ਹੈ। ਉਥੇ Refugees ਨੂੰ ਲਿਆ ਕੇ ਆਬਾਦ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਉਥੇ ਕੋਈ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਦਾ ਜ਼ਰੀਆ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜੇ ਕਰ ਉਥੇ industry ਲਗਾਈ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਮਿਲ ਜਾਏਗਾ। ਮੈਂ ਜਿਹੜੇ Taxes ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਾਬਤ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਨੂੰ entertainment tax ਦੇ ਵਧਾਏ ਜਾਣ ਦਾ ਕੋਈ ਗਿਲਾ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਐਸ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ ਜੇ ਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਟੈਕਸ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵੀ ਦੇਣਾ ਪੈ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਵੀ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਪਰ Sales-tax ਜਿਹੜਾ ਕਿ consumers ਉਪਰ ਪੈਣਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਮੈਨੂੰ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਹੈਰਾਨੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲ ਗਲ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਰੁਪਿਆ ਕਿਥੋਂ ਲਿਆਈਏ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਰੁਪਿਆ ਬਹੁਤ ਹੈ। ਇਕ ਵਾਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹਜ਼ਾਰ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਦੇ ਨੋਟ ਕਢਵਾਏ ਸਨ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਨਾ ਕਢੇਗਾ ਉਸ ਦੇ ਨੋਟਾਂ ਨੂੰ illegal ਕਰਾਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਸ ਵਕਤ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਸਾਰੇ ਨੋਟ ਕਢ ਦਿੱਤੇ ਸਨ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੇ ਕਰ ਸਰਕਾਰ ਹਿੰਦ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਗਲ take up ਕਰ ਕੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲ ਜਿੰਨਾ ਸੋਨਾ ਹੈ ਉਹ ਉਸ ਦਾ licence ਲੈ ਕੇ ਉਸ ਉਪਰ ਦਰਜ ਕਰਾਉਣ ਤਾਂ ਆਪ ਨੂੰ ਮਲੂਮ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸੋਨਾ ਹੈ। ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ lockers ਵਿਚ ਵੀ ਸੋਨਾ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਜੇ ਕਰ ਇਹ ਤਰੀਕਾ ਅਖਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸੋਨੇ ਦੀ ਕੋਈ ਕਮੀ ਨਹੀਂ ਰਹੇਗੀ ਚਾਹੇ loan ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਲੈ ਕੇ ਹੀ development ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਉਪਰ ਲਗਾਏ। ਜ਼ਨਾਨੀਆਂ ਨੇ ਆਪਣਾ ਜਿਸਮ ਸਾਰਾ ਸੋਨੇ ਨਾਲ ਭਰਿਆ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਵੇਂ ਮਲੂਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਉਹ ਸੋਨੇ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਨਾਲ ਲੈ ਕੇ ਮਰਨਗੀਆਂ। ਦੇਸ਼ ਭੁੱਖਾ ਮਰ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਅਮੀਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਅਮੀਰ ਹੁੰਦਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਗ਼ਰੀਬ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗ਼ਰੀਬ ਹੁੰਦਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Central Government ਨਾਲ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਮਾਮਲਾ take up ਕਰਦੇ। ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਦਾ ਸੋਨਾ ਪਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਹ ਬਾਹਰ ਔਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਦੇਸ਼ ਦੀ development ਲਈ utilize ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ।

ਇਕ ਗੱਲ ਹੋਰ ਮੈਂ ਆਪ ਜੀ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਬਾਰੇ ਜੋ agitation ਚਲਾਈ ਸੀ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਸੂਬੇ ਨੂੰ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਤੇ ਜਿਤਨਾ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਹੋਇਆ ਹੈ ਇਹ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ development ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ। ਸਭ ਤੋਂ ਵਡੀ ਬੀਮਾਰੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਧਰਮ ਅਤੇ ਸਿਆਸਤ ਨੂੰ ਇਕਠਾ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ

लोक कार्य मंत्री : मुझे तो अभी काफी वक्त चाहिये। Sir, I have not yet uttered even a word about my Department. I would, therefore, like to continue my speech for another 15/20 minutes. I want to give certain facts and figures concerning my Department.

श्री अध्यक्ष : क्या दूसरे वज़ीर साहिबान भी इतना ही वक्त लेंगे? (Will the other Ministers too like to have so much time ?)

उद्योग मंत्री : आप चौधरी साहिब को जितना वह वक्त चाहें दे दें। मैं दूसरे वज़ीर साहिबान से दरखास्त करूँगा कि वह अपनी २ डिमांड पर बोल लें। इस बहस का जवाब सिर्फ मैं ही दूंगा।

श्री अध्यक्ष : ठीक है। हम ने एक घंटा वक्त advance किया हुआ है। इस लिये कल एक बजे फिर meet करेंगे। (Yes, that is right. we have advanced the time of the meeting by one hour, so we will meet to-morrow at 1.00 p. m.)

The House stands adjourned till 1.00 p. m. tomorrow.

6.30 p.m.

(*The Sabha then adjourned till* 1.00 *P. M. on Tuesday, the* 14*th March,* 1961).

13237 P.V.S.—350—10-1-62—CP and S Pb Chandigarh

ANNEXURE

(*Please see footnote appearing at page* (16) 117 *of the debate dated the* 13*th March,* 1961, *Vol. I, No.* 16)

PRELIMINARY SURVEY REPORT OF BLOCKS IN AMBALA DISTRICT

3453. Chaudhri Sadhu Ram : Will the Minister for Community Development be pleased to state whether any Preliminary Survey was conducted before the opening of Community Development Blocks in Ambala District; if so, a copy of the Preliminary Survey Report, if any, be laid on the Table?

Sardar Gurbanta Singh : Yes, a Preliminary Survey was conducted in each block at the time of its inauguration or when it entered stage I. A copy* of the Survey Report of each of the blocks of Ambala District is laid on the Table.

MEETINGS OF BLOCKS ADVISORY COMMITTEES IN AMBALA DISTRICT

3454. Chaudhri Sadhu Ram : Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) the number of meetings held, if any, by the Blocks Advisory Committees in each Block in Ambala District from January, 1959 to 31st December, 1960 and the dates when these meetings were held ;

(b) the number of official members in each of the said committees and their designations ;

(c) the names and designations of official members of the said committees, if any, who did not attend two or more consecutive meetings of these committees during the period mentioned in part (a) above ?

Sardar Gurbanta Singh : The requisite information is as under :—

I. BARARA BLOCK

(a) (i) 4.

(ii) 16th September, 1959; 9th December, 1959; 1st March, 1960; 11th July, 1960.

(b) 26.

1. Deputy Commissioner, Ambala.
2. Civil Surgeon, Ambala.
3. District Medical Officer of Health, Ambala.
4. District Inspector of Schools, Ambala.
5. District Agricultural Officer, Ambala.
6. District Animal Husbandry Officer, Ambala.
7. Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ambala.
8. District Industries Officer, Ambala.

* Placed in the library.

9. District Panchayat Officer, Ambala.

10. Settlement Officer, Consolidation of Holdings, Ambala.

11. Secretary, District Board, Ambala.

12. District Food and Supplies Officer, Ambala.

13. District Engineer, Ambala.

14. District Public Relations Officer, Ambala.

15. District Development Officer, Ambala.

16. Revenue Assistant, Ambala.

17. Consolidation Officer, Barara.

18. Consolidation Officer, Shahpur.

19. Consolidation Officer, Ambala.

20. Divisional Forest Officer, Ambala.

21. Executive Engineer, Public Works Department (Building and Roads), Ambala.

22. Executive Engineer, Electricity Public Works Department, Dhulkot.

23. Sub-Divisional Officer, Public Works Department, Public Health, Ambala.

24. Sub-Divisional Officer, Public Works Department Irrigation Branch, Shahbad.

25. District Organiser, Small Savings Scheme, Ambala.

26. Assistant Inspector of Schools tehsil Ambala.

(c) 1. Shri Nirmal Parkash, Civil Surgeon, Ambala.

2. Shri Gurdial Singh, District Medical Officer of Health, Ambala.

3. Shri K. R. Kaushal, District Inspector of Schools, Ambala.

4. Shri Gurdas Mal, District Animal Husbandry Officer, Ambala.

5. Shri Darshan Singh, Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ambala.

6. Shri Ram Kumar
7. Shri Gurbaksh Singh
} Settlement Officers, Consolidation of Holdings, Ambala.

8. Shri Chet Singh Gill, Secretary District Board, Ambala.

9. Shri GianChand Trehan
10. Shri A.S. Bakhshi
11. Shri Pritam Singh Brar
} District Food and Supplies Officer, Ambala

12. Shri M. R. Sharma, District Engineer, Ambala.

13. Shri Amarjit Singh
14. Shri Anant Singh
15. Shri J.S. Bhuatani
} Revenue Assistant, Ambala.

16. Consolidation Officer, Barara
17. Consolidation Officer, Shahpur
13. Consolidation Officer, Ambala
} These posts were abolished before January 1959 and Consolidation of Holdings work of tehsil Ambala remained under the charge of Consolidation Officer, Sadhaura, Shahzadpur and Naraingarh during the period from 1st January, 1959 to 31st December, 1960.

19. Shri Jagdev Singh
20. Shri Amarjit Singh } Divisional Forest Officer, Ambala.

21. Dewan Rajinder Nath
22. Shri M.L. Malhotra } Executive Engineer, Public Works Department (Buildings and Roads), Ambala

23. Shri Balkishan
24. Shri A. Sagar } Executive Engineer, Electricity, Dhulkot.

25. Shri K.N. Duggal } S.D.O. Public Health, Ambala.

26. Shri Avtar Singh
27. Shri S.K. Chawla
28. Shri Hukam Chand
29. Shri Kartar Singh } S.D.O. Irrigation, Public work Department Shahbad

30. Shri S.R. Datta, District Organiser Small Savings, Scheme Ambala.

31. Shri C.R. Mehta
32. Shri Lajpat Rai
33. Shri Gurdev Singh } Assistant Inspector of Schools, Ambala

II. KHARAR BLOCK

(a) 9. (16th February, 1959; 30th July, 1959, 11th August 1959; 15th October, 1959; 17th December, 1959; 18th February, 1960; 18th April, 1960; 16th August, 1960; and 8th November, 1960.)

(b) 20.

1. Deputy Commissioner, Ambala.
2. Sub-Divisional Officer (Civil).
3. District Development and Panchayat Officer, Ambala.
4. Civil Surgeon, Ambala.
5. District Medical Officer of Health Ambala.
6. District Industries Officer, Ambala.
7. District Inspector of Schools, Ambala.
8. D.A.O., Ambala.
9. D.P.R.O., Ambala.
10. District Engineer, D.B. Ambala.
11. District Food and Supplies Officer, Ambala.
12. Settlement Officer, Ambala.
13. A.R., Ambala.
14. Secretary, District Board, Ambala.
15. Deputy Director, Animal Husbandry, Ambala.
16. District Animal Husbandry Officer, Ambala.

17. Executive Engineer, Public Works Department (Buildings and Roads), Ambala.
18. Divisional Forest Officer, Rupar.
19. Tehsildar, Kharar.
20. Consolidation Officer, Kharar.

(c)

1. Shri Pritmohinder Singh, I.A.S., Deputy Commissioner, Ambala.
2. Shri S. C. Dhosiwal, P.C.S. / Shri Shiv Singh, P.C.S. } District Development and Panchayat Officer, Ambala.
3. Shri N. Parkash, Civil Surgeon, Ambala.
4. Shri Prahlad Singh, District Industries Officer, Ambala.
5. Shri Gurdial Singh, District Medical Officer of Health, Ambala.
6. Shri L.D. Gupta / Shri K.R. Kaushal } District Inspector of Schools, Ambala.
7. Shri Santokh Singh Jaggi, District Agricultural Officer, Ambala.
8. Shri Vidya Sagar, District Public Relations Officer, Ambala.
9. Shri M.R. Sharma, District Engineer, Ambala.
10. Shri Pritam Singh Brar, District Food and Supplies Officer, Ambala.
11. Shri Ram Kumar
    Shri Gurbaksh Singh / Shri Joginder Singh, I.A.S. / Shri Naunihal Singh, P.C.S. } Settlement Officer, Consolidation of Holdings, Ambala
12. Shri U. C. Kakkar / Shri Darshan Singh / Shri B. S. Bhullar } Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ambala.
13. Shri Nagina Singh, Deputy Director Animal Husbandry, Ambala.
14. Shri Gurdas Mal, District Animal Husbandry Officer, Ambala.
15. Dewan Rajinder Nath / Shri M. L. Malhotra } Executive Engineer, Public Works Department, Buildings and Roads, Ambala.
16. Shri Chandan Singh / Shri Jagdev Singh / Shri Niranjan Singh / Shri Baldev Singh } Divisional Forest Officer, Rupar.
17. Shri Amar Singh / Shri N.L. Handa } Tehsildar, Kharar.
18. Shri Mal Singh, Consolidation Officer, Kharar.

III—JAGADHRI BLOCK

(a) 3. (20th June, 1959; 3rd November, 1959; and 9th August, 1960.)

(b) 21.

1. Civil Surgeon, Ambala.
2. District Medical Officer of Health, Ambala.
3. District Inspector of Schools, Ambala.
4. District Agricultural Officer, Ambala.
5. Deputy Director of Animal Husbandry, Ambala.
6. Divisional Forest Officer, Ambala.
7. Assistant Registrar Co-operative Societies, Ambala.
8. District Panchayat Officer, Ambala.
9. District Industries Officer, Ambala.
10. Executive Engineer, Public Works Department, Buildings and Roads, Ambala.
11. Secretary District Board, Ambala.
12. District Engineer, Ambala.
13. District Public Relations Officer, Ambala.
14. Settlement Officer, Ambala.
15. District Food and Supplies Officer, Ambala.
16. Executive Engineer, Dadupur (Irrigation).
17. District Inspectress of Schools, Ambala.
18. District Development Officer, Ambala.
19. Sub-Divisional Officer, Jagadhri.
20. Tehsildar, Jagadhri.
21. Sub-Divisional Officer, Electricity, Yamuna Nagar.

(c) 1. Shri N. Parkash, Civil Surgeon, Ambala.

2. Shri Gurdial Singh, District Medical Officer of Health, Ambala.
3. Shri L. D. Gupta
Shri K. R. Kaushal } District Inspector of Schools, Ambala.
4. Shri Santokh Singh Jaggi, District Agricultural Officer, Ambala.
5. Shri Nagina Singh, Deputy Director, Animal Husbandry, Ambala.
6. Shri Amarjit Singh, Divisional Forest Officer, Ambala.
7. Shri Darshan Singh
Shri B. S. Bhullar } Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ambala.
8. Shri Ram Kishan
Shri Swatam Dass } District Panchayat Officer, Ambala.

9. Shri Prahlad Singh, District Industries Officer, Ambala.

10. Dewan Rajinder Nath / Shri M. L. Malhotra — Executive Engineer, Public Works Department, Buildings, and Roads, Ambala.

11. Shri M. R. Sharma, District Engineer, Ambala.

12. Shri Vidya Sagar, District Public Relation Officer, Ambala.

13. Shri Ram Kumar / Shri Joginder Singh, I.A.S. — Settlement Officer, Consolidation of Holdings, Ambala.

14. Shri Gian Chand Trehan / Shri Amrit Singh Bakhshi — District Food and Supplies Officer, Ambala

15. Shri S.R. Badhwar, Executive Engineer, Dadupur (Irrigation).

16. Miss K. Datta / Miss J. Mehtab Singh — District Inspectress of Schools, Ambala

17. Shri S.C. Dhosiwal, District Development Officer, Ambala.

18. Shri Amrik Singh / Shri Manohar Singh — S.D.O. Electricity, Jamuna Nagar.

IV—MANI MAJRA BLOCK

(a) 2. (19th September, 1959 and 26th May, 1960.)

(b) 21.

1. Deputy Commissioner, Ambala.
2. Sub-Divisional Officer (Civil), Kharar.
3. Block Development Officer, Manimajra.
4. District Agricultural Officer, Ambala.
5. District Industries Officer, Ambala.
6. District Inspector of Schools, Ambala.
7. District Inspectress of Schools, Ambala.
8. District Public Relation Officer, Ambala.
9. District Animal Husbandry Officer, Ambala.
10. Assistant Warden of Fisheries, Ambala.
11. Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ambala.
12. Secretary, District Board, Ambala.
13. Divisional Forest Officer, Rupar.
14. D. S. O. Ambala.
15. District Medical Officer of Health, Ambala.
16. District Development and Panchayat Officer, Ambala.
17. Headmaster Government High School, Manimajra.
18. Sub-Divisional Officer, Electricity Board, Kalka.

19. Tehsildar, Kharar.

20. District Organiser, Small Savings Scheme, Chandigarh.

21. District Welfare Officer , Backward and Scheduled Caste, Ambala.

(c) 1. Shri Prahlad Singh, District Industries Officer, Ambala.

2. Miss K. Datta } District Inspectress of Schools, Ambala
Miss J. Mehtab Singh }

3. Shri Gurdas Mal, District Animal Husbandry Officer, Ambala.

4. Shri Dharam Singh Thakar, Assistant Warden of Fisheries, Ambala.

5. Shri Niranjan Singh } Divisional Forest Officer, Rupar.
Shri Baldev Singh }

6. Shri R. P. Chopra, District Statistical Officer, Ambala.

7. Shri Gurdial Singh, District Medical Officer of Health, Ambala.

8. Shri S. C. Dhosiwal, District Development and Panchayat Officer, Ambala.

9. Shri V. P. Sharma, Sub-Divisional Officer, Electricity Board, Kalka.

10. Shri L. D. Bajaj, District Welfare Officer, Ambala.

V—SADHAURA BLOCK

(a) 10 (20th January, 1959; 21st February, 1959; 20th March, 1959 ; 25th April, 1959; 29th September, 1959 ; 19th November, 1959 ; 21st January, 1960 ; 18th March, 1960 ; 21st April, 1960 ; and 20th May, 1960).

(b) 20.

1. Civil Surgeon, Ambala.

2. District Medical Officer of Health, Ambala.

3. District Agricultural Officer, Ambala.

4. District Inspector of Schools, Ambala.

5. Deputy Director of Animal Husbandry, Ambala.

6. District Animal Husbandry Officer, Ambala.

7. Divisional Forest Officer, Ambala.

8. Assistant Registrar , Co-operative Societies, Ambala.

9. District Industries Officer, Ambala.

10. Executive Engineer, Public Works Deprtment (Buildings and Roads), Ambala.

11. Executive Engineer, Irrigation Department, Ambala.

12. Sub-Divisional Officer (Civil), Naraingarh.

13. Sub-Divisional Officer (Civil), Jagadhri.

14. Settlement Officer, Consolidation of Holdings, Ambala.

15. Secretary, District Board, Ambala.

16. District Engineer, Ambala,

17. District Public Relations Officer, Ambala.

18. District Development Officer, Ambala

19. Tehsildar, Naraingarh.

20. Tehsildar, Jagadhri.

(c) 1. Shri C. D. Kapur
Shri Pritmohinder Singh } Deputy Commissioner, Ambala.

2. Shri Nirmal Parkash, Civil Surgeon, Ambala.

3. Shri L. D. Gupta
Shri K. R. Kaushal } District Inspector of Schools, Ambala.

4. Shri Gurdas Mal, District Animal Husbandry Officer, Ambala.

5. Shri Jagdev Singh
Shri Amarjit Singh } Divisional Forest Officer, Ambala.

6. Shri Uttam Chand Kakkar
Shri Darshan Singh } Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ambala.

7. Shri B. B. Mahajan, Sub-Divisional Officer (Civil), Jagadhri.

8. Shri Ram Kumar
Shri Gurbaksh Singh } Settlement Officer, Consolidation of Holdings, Ambala.

9. Shri Prahlad Singh, District Industries Officer, Ambala.

10. Shri J. N. Kakkar
Shri Rajinder Nath
Shri Ram Bilas
Shri M. L. Malhotra } Executive Engineer, Public Works Department (Buildings and Roads), Ambala.

11. Shri M. R. Sharma , District Engineer, Ambala.

12. Shri S. C. Dhosiwal, District Development Officer, Ambala.

13. Shri Jug Lal, Tehsildar, Naraingarh.

14. Shri Bishan Dass Vohra
Shri Ram Sarup Jindal Tehsildar, Jagadhri.

VI—CHHACHRAULI BLOCK

(a) 2. (30th July, 1959 and 7th July, 1960).

(b) 23.

1. District Agricultural Officer, Ambala.

2. District Industries Officer, Ambala.

3. Deputy Director, Animal Husbandry , Ambala.

4. Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ambala.

5. District Panchayat Officer, Ambala.

6. District Inspector of Schools, Ambala.

7. District Medical Officer of Health, Ambala.
8. Civil Surgeon, Ambala.
9. Divisional Forest Officer, Ambala.
10. Executive Engineer, Public Works Department, Ambala.
11. District Public Relations Officer, Ambala.
12. District Organiser, Small Savings Scheme, Ambala.
13. District Organiser, Civil Supplies, Ambala.
14. Secretary, District Board, Ambala.
15. District Engineer, Ambala.
16. Executive Engineer, Irrigation Department, Dadupur.
17. Sub-Divisional Officer, Irrigation, Dadupur and Tajewala.
18. Sub-Divisional Officer, Public Works Department, Yamuna Nagar.
19. Sub-Divisional Officer, Electricity , Yamuna Nagar.
20. Sub-Divisional Officer, Tube-wells (Yamuna Nagar).
21. Sub-Divisional Officer (Civil), Jagadhri.
22. Tehsildar, Jagadhri.
23. Naib-Tehsildar, Chhachrauli.

(c) Every member attended the meetings.

VII—NALAGARH BLOCK

(a) 3. (21st January, 1959; 14th July, 1959 and 30th June, 1960.)

(b) 13.

1. Sub-Divisional Officer (Civil), Nalagarh.
2. Block Development Officer, Nalagarh.
3. S.E.P.O.
4. Agricultural Inspector.
5. Inspector, Co-operative Societies
6. Inspector of Industries.
7. Tehsildar.
8. Assistant District Inspector of Schools.
9. Assistant Surgeon (Veterinary).
10. Sanitary Inspector.
11. Overseer.
12. District Industries Officer.
13. Assistant Registrar, Co-operative Societies.

(c) Every member attended the meetings.

VIII—NARAINGARH BLOCK

(a) 15. (13th February, 1959; 15th May, 1959; 15th July, 1959; 17th August, 1959; 17th September, 1959, 19th October, 1959; 17th November, 1959; 17th December, 1959; 15th January, 1960; 15th February, 1960; 15th March, 1960; 15th April, 1960; 15th May, 1960; 15th June 1960; 15th November, 1960).

(b) 10.

1. District Animal Husbandry Officer, Ambala.
2. District Agricultural Officer, Ambala.
3. District Inspector of Schools, Ambala.
4. Executive Engineer, Buildings and Roads, Ambala.
5. District Public Relations Officer, Ambala.
6. District Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ambala.
7. District Medical Officer of Health, Ambala.
8. District Industries Officer, Ambala.
9. Settlement Officer, Consolidation of Holdings, Ambala.
10. Divisional Forest Officer, Ambala.

(c) 1. Shri Gurdas Mal, District Animal Husbandry Officer, Ambala.

2. Shri Santokh Singh Jaggi, District Agricultural Officer, Ambala.

3. Shri L. D. Gupta
Shri K. R. Kaushal } District Inspector of Schools, Ambala.

4. Shri J. N. Kakkar
Dewan Rajinder Nath
Shri Ram Bilas
Shri M.L. Malhotra } Executive Engineer, B&R, Ambala.

5. Shri Vidya Sagar, District Public Relations Officer, Ambala.

6. Shri Uttam Chand Kakkar
Shri Darshan Singh
Shri B. S. Bhullar. } Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ambala.

7. Shri Gurdial Singh, District Medical Officer of Health, Ambala.

8. Shri Prahlad Singh, District Industries Officer, Ambala.

9. Shri Ram Kumar, P.C.S.
Shri Gurbaksh Singh, P.C.S.
Shri Joginder Singh, I.A.S.
Shri Naunihal Singh, P.C.S. } Settlement Officer, Consolidation Officer, Holdings, Ambala.

10. Shri Jagdev Singh
Shri Amarjit Singh } Divisional Forest Officer, Ambala.

IX—CHAMKAUR SAHIB

(a) 10 (2nd February, 1959; 20th April, 1959; 2nd May, 1959; 8th June, 1959; 13th July, 1959; 25th August, 1959; 15th October, 1959; 28th April, 1960; 31st May, 1960, and 1st December, 1960.)

(b) 18.

1. District Agriculture Officer, Ambala.
2. District Industries Officer, Ambala.
3. District Public Relations Officer, Ambala.
4. Secretary, District Board, Ambala.
5. Sub-Divisional Officer (Civil), Rupar.
6. Tehsildar, Rupar.
7. District Medical Officer of Health, Ambala.
8. District Panchayat Officer, Ambala.
9. A. R. Ambala.
10. District Inspector of Schools, Ambala.
11. District Animal Husbandry Officer, Ambala.
12. Civil Surgeon, Ambala.
13. Divisional Forest Officer, Rupar.
14. District Food and Supply Officer, Ambala.
15. District Engineer, Ambala.
16. Sub-Divisional Officer, Electricity, Rupar.
17. Sub-Divisional Officer, Tube-well, Morinda Sub-Division.
18. Sub-Divisional Officer, Irrigation, Samrala, Sub-Division.

(c) 1. Shri Gurdial Singh, District Medical Officer of Health, Ambala.

2. Shri Ram Kishan, Shri Sorab Singh, Shri Shiv Singh, P.C.S. } District Panchayat Officer, Ambala.

3. Shri Uttam Chand Kakkar, Shri Darshan Singh, Shri B. S. Bhullar } Assistant Registrar, Co-operative Societies, Ambala.

4. Shri L. D. Gupta, Shri K. R. Kaushal } District Inspector of Schools, Ambala.

5. Shri Gurdas Mal, District Animal Husbandry Officer, Ambala.

6. Shri Nirmal Parkash, Civil Surgeon, Ambala.

7. Shri Chandan Singh, Shri Niranjan Singh, Shri Jagdev Singh } Divisional Forest Officer, Rupar.

8. Shri Gian Chand Trehan, Shri A.S. Bakhshi, Shri Pritam Singh Brar — District Food and Supplies Officer, Ambala.

9. Shri M.R. Sharma, District Engineer, Ambala.

10. Shri L.C. Chandan, Sub-Divisional Officer, Electricity, Rupar.

11. Shri Sheelwant Parkash, Shri Rachhpal Singh, Shri Satinder Pal Singh, Shri P.C. Jain — Sub-Divisional Officer, Tube-well Sub-Division, Morinda.

12. Shri Raghbir Singh, Shri Rajinder Singh, Shri D.P. Singla — Sub-Divisional Officer, Samrala, Sub-Division, Morinda

X—RUPAR BLOCK

(a) Three (11th July, 1959, 17th August, 1959, 28th March, 1960).

(b) Twenty-nine—

1. Block Development Officer, Rupar.
2. Civil Surgeon, Ambala.
3. District Medical Officer of Health, Ambala.
4. District Inspector of Schools, Ambala.
5. District Agricultural Officer, Ambala.
6. District Animal Husbandry Officer, Ambala.
7. Assistant Registrar, Ambala.
8. District Industries Officer, Ambala.
9. District Panchayat Officer, Ambala.
10. Sub-Divisional Officer, Buildings and Roads.
11. Sub-Divisional Officer, Headworks, Rupar.
12. Executive Engineer, Rupar.
13. Settlement Officer, Ambala.
14. District Food and Supplies Officer, Ambala.
15. Secretary, District Board, Ambala.
16. District Engineer, Ambala.
17. District Public Relations Officer, Ambala.
18. District Development Officer, Ambala.
19. Divisional Forest Officer, Rupar.
20. Sub-Divisional Officer, Tube-wells, Morinda.
21. Executive Engineer, Public Works Department, Rupar.

22. Secretary Soldiers Board, Ambala.
23. Principal, Government College, Rupar.
24. Headmistress, Rupar.
25. Tehsildar, Rupar.
26. Naib-Tehsildar, Rupar.
27. Harijan Welfare Officer, Rupar.
28. Assistant Surgeon, Bharat garh.
29. Sub-Divisional Officer (Civil), Rupar.

(c) 1. Shri Gurdial Singh, District Medical Officer Health, Ambala.
2. Shri Jagdev Singh, Divisional Forest Officer, of Ambala.
3. Shri Nirmal Parkash, Civil Surgeon, Ambala.
4. Shri L.D. Gupta, Shri K.R. Kaushal } District Inspector of Schools, Ambala.
5. Shri Ram Kishan, Shri Sohrab Singh } District Panchayat Officer, Ambala.
6. Shri M.R. Sharma, District Engineer, Ambala.
7. Shri Gian Chand Trehan, Shri A.S. Bakhshi, Shri Pritam Singh Brar } District Food and Supplies Officer, Ambala.

AVERAGE YIELD OF CERTAIN CROPS

3459.—Chaudhri Sadhu Ram : Will the Minister for Agriculture and Forests be pleased to state the average yield of wheat, rice, maize, sugar-cane, groundnut and cotton per acre separately, tehsil-wise in the State during the years 1951-52, 1956-57 and 1959-60, separately ?

Giani Kartar Singh : The requisite information is given in the statements given below :—

STATEMENT SHOWING TEHSIL WISE PER ACRE AVERAGE YIELD OF WHEAT, RICE, MAIZE, SUGARCANE, GROUNDNUT AND COTTON DURING THE YEARS, 1951-52, 1956-57 AND 1959-60

Serial No.	Name of District	Name of Tehsil	Wheat			Rice			Maize		
			1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
			Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds
1	Hissar ..	Hissar ..	15	16	16	20	24	25	..	..	..
		Fatehabad ..	10	12	12	12	12	12	8	10	15
		Hansi ..	15	16.5	17	25	28	30	..	..	..
		Bhiwani ..	15	15	16	..	..	..	..	..	..
		Sirsa ..	8	10	12	15	20	12	5	7	8
2	Karnal ..	Karnal ..	5.65	8	16	6	8	16	4.9	3	12
		Panipat ..	4	7	16	4	7	16	4	4.5	7.5
		Kaithal ..	5.81	12.5	16	6	12.5	16	6.6	2.25	5.5
		Guhla ..	4.94	10.5	16	5	10.5	16	9	3.25	6.5
		Thanesar ..	6.37	8	16	6.5	8	16	11.5	2.62	10.5
3	Mohindergarh	Mohindergarh	11.1	13.1	10	..	Not available			Not available	..
		Narnaul ..	9.3	12.25	9.8	..	Not available		6.2	4.75	Not available
		Dadri ..	8.86	9.25	7.5	..	Not available			Not available	..
4	Gurgaon ..	Gurgaon ..	18.25	19.75	20.25	..	Not available			Not available	..
		Rewari ..	15	15	20	..	Not available	22		Not available	..
		Palwal ..	11	13	13	9	8	.. 7	7	7	8
		Ballabgarh ..	12	15	17	15	17	25	8.5	12	14
		Nuh ..	7	12.5	9	..Not available		..	..Not available		..
		Ferozepur-Jhirka ..	10	13	16	..Not available		..	..Not available		..

Serial No.	Name of District	Name of Tehsil	SUGARCANE			GROUNDNUT			COTTON		
			1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60
1	2	3	13	14	15	16	17	18	19	20	21
			Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds
1	Hissar ..	Hissar ..	40	50	55	..	Not available	..	7	7.6	8.6
		Fatehabad ..	35	54	60	..	..	..	6	7	9
		Hansi ..	45	56	60	..	..	..	8	9	9
		Bhiwani ..	..	..	..	..	..	..	..	Not available	
		Sirsa ..	25	30.5	35	..	..	..	8	10	13
2	Karnal ..	Karnal ..	14.4	19.5	19.66	..	..	..	18	48	4.3
		Panipat ..	8	16.66	19.66	..	..	..	4	4.11	5.25
		Kaithal ..	24	22	22	..	..	..	..	4.3	6
		Guhla ..	20	22	22	..	..	..	..	4.3	5.66
		Thanesar ..	16.58	18.5	17.5	..	..	..	..	4.11	5·25
3	Mohindergarh	Mohindergarh ..		Not available		..	..	..	..	Not available	
		Narnaul ..		Not available		:	..	..	..	Not available	
		Dadri ..		Not available		..	..	..	..	Not available	
4	Gurgaon ..	Gurgaon ..	40	42	48	Not available	Not available	12.4		Not available	
		Rewari ..	..	35	40	Ditto	Ditto	12.0	5	10	10
		Palwal ..	30	40	38	Ditto	Ditto	12	6	6.5	7
		Ballabgarh ..	30	50	65	Ditto	Ditto	Not available	6	5.5	8
		Nuh	Not available			Ditto	Diito	..		Not available	
		Ferozepur-Jhirka ..	35	40	45	Ditto	Ditto	12		Not available	

STATEMENT SHOWING TEHSIL WISE PER ACRE AVERAGE YIELD OF WHEAT, RICE, MAIZE, SUGARCANE, GROUNDNUT AND COTTON DURING THE YEAR 1951-52, 1956-57 AND 1959-60,

Serial No.	Name of District	Name of Tehsil	WHEAT			RICE			MAIZE		
			1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
			Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds
5	Rohtak ..	Rohtak ..	15	15	16	10	12	12	12	13	1
		Jhajjar ..	14	14	14	..Not available..			..Not available..		
		Gohana ..	14	14 .5	13.5	11	13	13	12	12.5	13
		Sonepat ..	14.5	14.5	15	10	13	13	14	15	15.5
6	Patiala ..	Patiala ..	Not available	13	13.5	Not available	7.5	12	Not available	16	10
		Nabha ..	Ditto	12	13	Ditto	7	12.5	Ditto	15.5	9.5
		Sirhind ..	Ditto	12.5	13	Ditto	7.5	12.5	Ditto	15.5	9
		Rajpura ..	Ditto	13	13.5	Ditto	6.5	11	Ditto	16.5	10
7	Bhatinda ..	Bhatinda ..	15	16	19	Ditto	Not available	Not available	8	10	12
		Faridkot ..	8.33	9.8	7	8.75	17.5	15	6.55	8	10
		Mansa ..	6.25	6.5	7	Not available	41	30	17	15	16
8	Sangrur ..	Sangrur ..	Not available	11.3	13.35	Ditto	10	12	Not available	13	14
		Malerkotla ..	Ditto	11.3	13.35	Ditto	10	12	Ditto	13.35	14
		Barnala ..	Ditto	12	14	Ditto	12	15	Ditto	15	20
		Jind ..	Ditto	10.27	12	Ditto	15	20	Ditto	10	12

Serial No.	Name of District	Name of Tehsil	Sugarcane 1951-52	Sugarcane 1956-57	Sugarcane 1959-60	Groundnut 1951-52	Groundnut 1956-57	Groundnut 1959-60	Cotton 1951-52	Cotton 1956-57	Cotton 1959-60
1	2	3	13	14	15	16	17	18	19	20	21
			Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds
5	Rohtak ..	Rohtak ..	48	50	50	Not available	Not available	Not available	7	10	8
		Jhajjar ..	46	50	50	Ditto	Ditto	Ditto	Not available	8	7
		Gohana ..	48	50	50	Ditto	Ditto	14	6	9	7
		Sonepat ..	50	50	50	14	Ditto	15	7	10	8
6	Patiala ..	Patiala ..	Not available	40	42	Not available	8	9.5	Not available	9.5	10.5
		Nabha ..	Ditto	39	40	Ditto	9	10	Ditto	10	11
		Sirhind ..	Ditto	40	41	Ditto	8.5	9	Ditto	9.5	10
		Rajpura ..	Ditto	37	39	Ditto	9	9.5	Ditto	10	10.5
7	Bhatinda ..	Bhatinda ..	30	40	50	Ditto	Not available	Not available	5	7.5	8.5
		Faridkot ..	Not available	35	41	Ditto	6.50	7.6	6.4	7.5	8.5
		Mansa ..	39	37	40	9	8	12	6	5	4
8	Sangrur ..	Sangrur ..	Not available	45	55	Not available	15	18.5	Not available	9 .25	10.27
		Malerkotla ..	Ditto	45	55	Ditto	15	18.5	Ditto	9	11.27
		Barnala ..	Ditto	32	45	Ditto	14	16	Ditto	8.25	11.3
		Jind ..	Ditto	35	40	Ditto	12	12	Ditto	5	6

Serial No.	Name of District	Name of Tehsil	Wheat			Rice			Maize		
			1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
		Narwana ..	Ditto	13	15	Ditto	15	20	Ditto	18	24
9	Ambala ..	Ambala ..	10	11.5	10	11.5	13.5	15.5	11	12.5	12.5
		Kharar ..	10	11.5	10.5	12.5	13	16	10.5	12.	14
		Naraingarh ..	9	10	9.5	12	14	17.5	10	11	12.5
	..	Rupar ..	10.5	11.5	11	11.5	14	17.5	11.5	13	15.25
		Jagadhri ..	10.5	11.5	12	12.5	15	20.5	11	12	12.5
		Nalagarh ..	Not available	Not available	10.5	Not available	Not available	16	Not available	Not available	13.5
10	Jullundur ..	Jullundur ..	14	9.75	12.25	7	20.0	25	14.66	8	16.25
		Nakodar ..	9	10.5	11.5	12	17.5	24.75	21	15.5	21
		Phillaur ..	7.5	13.75	12.5	10	22.0	21.5	25	20	14
		Nawanshahar ..	13.5	10.75	11.5	11	17	27	18	11.25	12.5
11	Ludhiana ..	Ludhiana ..	Not available	13.6	Not available	Not available	9.16	23	Not available	12	12
		Jagraon ..	Ditto	12.3	12.8	Ditto	11	16	Ditto	13	12.6
		Samrala ..	Ditto	14	11.3	Ditto	11.25	13.3	Ditto	16	10
12	Ferozepur ..	Ferozepur ..	Ditto	8	10	Ditto	12	8	Ditto	9	8
		Moga ..	Ditto	13	11.5	Ditto	16	Not available	Ditto	25	10.5

Serial No.	Name of District	Name of Tehsil	Sugarcane			Groundnut			Cotton		
			1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1952-60	1951-52	1956-57	1959-60
1	2	3	13	14	15	16	17	18	19	20	21
		Narwana ..	Ditto	45	75	Ditto	13	13	Ditto	10	13
9	Ambala ..	Ambala ..	37.5	41	42.5	5	6	8	5	6	4.5
		Kharar ..	36.5	39	42.5	5	8	8	5	6.5	4.5
		Naraingarh ..	37.5	37.5	42.5	5	7	8	5	7	4.5
	..	Rupar ..	37.5	40	45	6	8	8	6	7	7
		Jagadhri ..	40	43	48	5	6	7	6	6	5.5
		Nalagarh ..	Not available	Not available	35	Not available	Not available	6	Not available	Not available	4.5
10	Jullundur ..	Jullundur ..	38.75	32.5	33	12	10	10	7.5	2.37	5.8
		Nakodar ..	55	22.5	36.25	11.25	7.5	10	6.5	9	6.5
		Phillaur ..	23.5	33	35	15	10.75	10.25	9	12.5	8.5
		Nawan shahar ..	40	35	35	14.25	4	12.25	5.5	5.25	10
11	Ludhiana ..	Ludhiana ..	Not available	43.6	40	Not available	Not available	12.5	Not available	8.8	8.8
		Jagraon ..	Ditto	35.5	33.3	Ditto	10.5	9	Ditto	9	3.41
		Samrala ..	Ditto	42.5	38.5	Ditto	5.5	12	Ditto	7	5.25
12	Ferozepur ..	Ferozepur ..	Ditto	33	25	..Not available		..	Not available	7	8
		Moga ..	Ditto	33.5	34		Ditto		Ditto	6	5.5

Serial No.	Name of District	Name of Tehsil	Wheat			Rice			Maize		
			1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
			Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds
		Zira ..	Ditto	11.5	10.5	Ditto	12	14	Ditto	13.5	Not available
		Fazilka ..	Ditto	9	11.5	Ditto	16	16	Ditto	11.5	10.5
		Muktsar ..	Ditto	12	9.5	Ditto	Not available	14	Ditto	8.5	15
13	Gurdaspur	Gurdaspur ..	9.5	7.75	10.25	10.75	9.75	14	8	7.5	11
		Batala ..	11.5	9.75	12.25	12.25	12.25	16	10	9	12
		Pathankot ..	7.5	6.25	8.25	9.25	9.25	12	6	6	10
14	Kangra ..	Kangra ..	8.5	9	10	12.25	13.	13.75	11.5	12	13.5
		Hamirpur ..	5	5.25	5.75	9	9	9	13.5	13.5	13.5
		Nurpur ..	5.5	6.5	7.5	4.5	5.5	7	6.5	7.5	9
		Palampur ..	5.5	6.5	7.5	11	11	11	11	11	11
		Dehra ..	0.55	0.72	0.92	1.1	1.26	1.36	0.65	0.78	0.87
		Kulu ..	6.12	6.5	6.75	9.5	9.87	10.12	9.75	9.27	9.5
15	Amritsar ..	Amritsar ..	10	11	12	13	15	15	20	21	23
		Tarn Taran ..	12.13	10.11	14.15	13.14	12.13	14.15	9.10	11.12	14

Serial No.	Name of District	Name of Tehsil	Sugarcane 1951-52	Sugarcane 1956-57	Sugarcane 1959-60	Groundnut 1951-52	Groundnut 1956-57	Groundnut 1959-60	Cotton 1951-52	Cotton 1956-57	Cotton 1959-60
1	2	3	13	14	15	16	17	18	19	20	21
			Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds	Maunds
		Zira ..	Ditto	35.5	40		Ditto		Ditto	6	6
		Fazilka ..	Ditto	46	35		Ditto		Ditto	6	5
		Muktsar ..	Ditto	37.5	37.5		Ditto		Ditto	8.5	5
13	Gurdaspur ..	Gurdaspur ..	40	30	50		Ditto		4.12	2.87	5.37
		Batala ..	50	40	55		Ditto		5.12	3.87	6.62
		Pathankot ..	30	20	45		Not available		3.12	1.87	4.12
14	Kangra ..	Kangra ..	Not available	..	..		Ditto			..Not available..	
		Hamirpur ..	17.5	17.5	17.5		Ditto			Ditto	
		Nurpur ..	13	15.5	19		Ditto			Ditto	
		Palampur ..		..Not available..			Ditto			Ditto	
		Dehra ..		Ditto			Ditto			Ditto	
		Kulu ..		Ditto			Ditto			Ditto	
15	Amritsar ..	Amritsar ..	60	70	75		Ditto	9	8	7	7
		Tarn Taran ..	60	65	70		Dttio		10	6.7	11.12

Serial No.	Name of District	Name of Tehsil	Wheat			Rice			Maize		
			1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
		Patti ..	12.13	11.12	13.14	12.13	11.12	13.14	10.11	6.7	12.13
		Ajnala ..	6	7	8	10	14	15	10	12	12
16	Simla ..	Kandaghat ..	Not available	Not available	10.5	Not available	Not available	13.	Not available	Not available	12.2
17	Hoshiarpur ..	Hoshiarpur ..	9	10	11	16	18	20	12	14	20
		Dasuya ..	9	10	11	16	18	20	12	14	20
		Garh Shankar ..	9	10	11	11	18	20	12	14	20
		Una ..	6	7	9	10	11	13	9	11	12
18	Kapurthala ..	Kapurthala ..	Not available	14.44	9.75	Not available	20.3	18.15	Not available	12	14.72
		Phagwara ..	Ditto	20.25	14.4	Ditto	17.27	16.23	Ditto	13.5	15.75

Serial No.	Name of District	Name of Tehsil	Sugarcane			Groundnut			Cotton		
			1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60	1951-52	1956-57	1959-60
1	2	3	13	14	15	16	17	18	19	20	21
		Patti ..	58	60	70		Ditto		5.6	4.5	7.8
		Ajnala ..	40	70	70		Ditto		10	8	7
16	Simla ..	Kandaghat ..	..Not available..				Ditto		..Not available..		
17	Hoshiarpur..	Hoshiarpur ..	22	25	30	10	11	12	3	4	5
		Dasuya ..	22	25	30	10	11	12	3	4	5
		Garh Shankar ..	22	25	30	10	11	12	3	4	5
		Una ..	19	20	22	8	9	10	2	3	4
18	Kapurthala..	Kapurthala ..	Not available	16.51	33.5	Not available	5.5	9.1	Not available	2.81	4.75
		Phagwara ..	Ditto	16.62	32.5	Ditto	4	9.1	Ditto	3.86	5.79

INSTALLATION OF TUBE-WELLS IN ERSTWHILE PEPSU STATE

3468. Sardar Atma Singh : Will Minister for the Agriculture and Forest be pleased to state—

(a) whether any tube-wells were installed in Chuharpur, Barsath and other villages in Patiala District by the erstwhile Pepsu Government; if so, their number ;

(b) whether any of the tube-wells mentioned in part (a) above are now lying idle, if so, their number together with the expenditure incurred thereon ;

(c) whether the land proposed to be irrigated by the tube-wells mentioned in part (b) above was reclaimed ; if so, the expenditure incurred thereon ;

(d) whether the tube-wells mentioned in part (b) above have at any time been utilised ; if not, the steps, if any, being taken to utilize them ?

Giani Kartar Singh : The requisite information is given below :—

(a) Yes, 14 tube-wells were installed by the erstwhile Pepsu Government in the following villages of Patiala District under the Land Reclamation Scheme :—

1. Kheri Gujran (2) Sher Majra, (3) Hari Majra, (4) Sher Majra (Khusrapur) (5) Chuharpur Marasian, (6) Barsath. (7) Kheri Gorian, (8) Dablan. (9) Inderpura, (10) Uncha Goan, (11) Mundakhera, (12) Sahauli, (13) Rajinder Nagar, (14) Pandrauli.

(b) They have not been utilized. A total expenditure of Rs 2,52 189 was incurred on their installation.

(c) Yes, Rs 3,13,462.

(d) Out of these 14 tube-wells, 4 tube-wells, namely those situated in villages Inderpura, Kheri Gorian, Dablan and Mundakhera were utilized during 1955-56 by the Agriculture Department. According to the original scheme, these tube-wells were to be handed over to the owners of the lands to be commanded by these tube-wells and the cost thereof recovered in 16 half-yearly instalments. These landowners, however, refused to take over these tube-wells. Subsequently a decision was taken by the erstwhile Pepsu Government to transfer these tube-wells to the Irrigation Department. This decision has since been finally approved and implemented. These tube-wells are now being cleaned and repaired and it is hoped that these will be commissioned shortly.

DEPOSITS UNDER NATIONAL SMALL SAVINGS SCHEME

3481. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total amount deposited in each of the years 1956-57, 1957-58, 1958-59, and 1959-60 under the National Small Savings Scheme and amount withdrawn therefrom separately ;

(b) the amount of commission paid during each of the years mentioned in part (a) above ;

(c) whether any commission is still outstanding for the years mentioned in part (a) above ;

(d) the expenditure incurred annually on the said scheme during the period mentioned in part (a) above ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) and (b) A statement giving the information (Annexure A) is given as under ;

(c) There is no record of the outstanding commission as commission is paid immediately after the bills for it are presented to the authorities concerned, in case these are in order ;

(d) A statement giving the information (Annexure B) is given below:—

ANNEXURE 'A'

Statement showing amount deposited in Small Savings Scheme and the amount withdrawn therefrom and commission paid during the period 1956-57 to 1959-60.

Year		Amount deposited	Amount withdrawn	Commission paid
(a) and (b)			Rs	Rs
1956-57	..	25,77,57,000	17,74,98,000	1,91,490
1957-58	..	27,46,22,725	22,55,14,268	2,55,514
1958-59	..	30,02,17,116	24,74,95,416	4,53,962
1959-60	..	33,72,77,296	27,58,46,314	5,26,728

ANNEXURE 'B'

Statement showing details of expenditure incurred on Small Savings Scheme by the State Government

Expenditure incurred on Small Savings Scheme

Year		Pay and allowances of D.G.S.S.	Publicity	Pay and allowances of staff	Contingencies	Total
1956-57 and 1957-58		The Directorate of Small Savings was created in May, 1958, exclusively for doing Small Savings work. Before this the Small Savings work was being done by the District authorities in the normal course of their duties. Hence no expenditure was incurred by the State exclusively on Small Savings Scheme during 1956-57 and 1957-58.				
1958-59	..	18,125.47	23,965.83	12,019.03	3,024.15	75,134.48
1959-60	..	21,622.36	41,792.77	21,487.24	4,822.60	89,764.97

N.B.—Expenditure on Publicity and pay and allowances of Director, General Small Savings, is reimbursed to the State Government *in toto* while theexpenditure pay and allowances of staff and contingencies is reimbursed on 50 : 50 basis.

13237 PVS—350—26-2-62—CP&S., Pb., Chandigarh

Punjab Vidhan Sabha Debates

14th March, 1961

Vol. I No. 17

OFFICIAL REPORT

GOVT. PUNJAB

CONTENTS

Tuesday, the 14th March, 1961

Price : Rs. 3.60 nP.

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, No. 17, DATED THE 14TH MARCH, 1961

Read	*for*	*on page*	*line*
accommodate	acconodate	(17)5	21
General	Genera	(17)7	Heading
Overseers	Overseears	(17)11	18
Add the word	'Interruption' 'ਹੈ'	(17)20	9
Services	Servives	(17)22	last but one
Zamindars	Zimidars	(17)27	13
Warders	waders	(17)13	17
ਜਿਥੇ ਸਾਡੇ	ਜਿਥੇ ਪਹਿਲੇ ਸਾਡੇ	(17)32	9
ਸ਼੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਮੈਨਨ	ਸ਼੍ਰੀ ਕਿਸ਼ਨਾ ਮੈਨਨ	(17)34	4
मुहैया	मुहया	(17)35	21
उन के	उस क	(17)35	34
उन	उस	(17)35	35
स्कूल	स्कल	(17)37	2
विश्वास	विकास	(17)38	22
मं त्री	मंत्री	(17)38	last
ਉਥੇ	ਉਥੇ	(17)53	9
development	developments	(17)53	25
ਤੁਰੰਤ	ਤਰੁੰਤ	(17)54	5
Socialistic	Socialist	(17)60	8th from below
Economy	Eccnomy	(17)65	5
Income	Incom—	(17)65	5
State	Stat	(17)65	3rd from below
सहायता	सहायना	(17)66	16
industry	industrv	(17)69	10

PUNJAB VIDHAN SABHA

Tuesday, the 14th March, 1961

The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Sector 1, *Chandigarh, at* 1.00 *p.m. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Gurdial Singh Dhillon) in the Chair.*

QUESTION HOUR (DISPENSED WITH)

चौधरी इन्दरसिंह : जनाब, question hour dispense with कर दिया जाए तो ठीक रहेगा ।

उद्योग मंत्री : मैं समझता हूं जनाब, कि question hour dispense with करने की तो कोई ज़रूरत नहीं है ।

आवाजें : जनाब, आज question hour नहीं होना चाहिए ।

वित्त मंत्री : अगर सारे हाउस की यही राय है तो मुझे कोई एतराज़ नहीं ।

Mr. Speaker: All right, the Question Hour is dispensed with today.

PERSONAL EXPLANATION BY THE CHIEF MINISTER

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ (ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ): On a point of personal explanation, sir. ਜਨਾਬ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ! ਕੱਲ੍ਹ ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰਬੋਧ ਚੰਦਰ ਨੇ ਮੇਰੀ family ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਕਾਫ਼ੀ ਗਲਾਂ ਕਹੀਆਂ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ personal explanation ਦੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆਉਣੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਪਰ ਇਕ ਗਲ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਆਖੀ ਹੈ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ ਮੇਰੇ ਨਾਲ 45 ਦਿਨਾਂ ਤਕ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ Accountant-General ਦੇ objection raise ਹੋਣ ਦੇ ਡਰ ਨਾਲ ਉਸ ਡਾਕਟਰ ਦੀ charge report ਗ਼ਲਤ ਲਿਖਵਾਈ ਗਈ । ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਡਾਕਟਰ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਮੇਰੀ ਬਿਮਾਰੀ ਵਿਚ ਆਪਣੀ casual leave ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਨੂੰ ਉਸ ਤੇ ਇਤਬਾਰ ਸੀ ਇਸ ਲਈ ਜਦ ਮੈਂ 8.12.56 ਨੂੰ ਬੀਮਾਰ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਨਾਲ ਰਹਿਣ ਵਾਸਤੇ ਆਖਿਆ । ਔਰ ਉਹ 8.12.56 ਤੋਂ 13.12.56 ਤਕ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਰਿਹਾ । ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਹਾਲੇ ਉਸ ਵਕਤ ਤਕ ਰਾਜ਼ੀ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਸੀ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਉਸਨੂੰ continue ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕਿਹਾ । ਉਹ 14.12.56 ਤੋਂ 8 ਜਾਂ 9 ਦਿਨ ਲਈ ਫਿਰ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਰਿਹਾ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਉਸ ਦੀ transfer ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਜਲੰਧਰ ਹੋ ਗਈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਉਸਨੂੰ 24.12 56 ਤੋਂ 31.12.56 ਤਕ joining time ਮਿਲਿਆ ਅਤੇ ਉਹ 21 ਦਿਨ ਤਕ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਰਿਹਾ । ਮੈਂ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸਨੇ state exchequer ਤੋਂ ਇਕ ਪਾਈ ਵੀ charge ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਦ Chief Minister entitled ਨਹੀਂ ਸੀ ਤਾਂ ਫਿਰ ਕਿਉਂ ਇਹ ਡਾਕਟਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਰਿਹਾ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

ਨੂੰ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਸਾਡੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ 'ਚੋਂ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਨੇ casual leave ਲੈਕੇ ਅਤੇ ਜਦ ਉਹ ਮੁਕ ਗਈ ਤਾਂ Privilege leave ਲੈਕੇ ਉਹ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਰਿਹਾ ।

ਮੈਂ ਉਸਨੂੰ ਕਿਹਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਤੂੰ $1\frac{1}{2}$ ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਤਨਖ਼ਾਹ ਮੇਰੇ ਕੋਲੋਂ ਲੈ ਲੈ ਪਰ ਉਹ ਨਹੀਂ ਮੰਨਿਆ ਤੇ ਆਖਿਆ ਕਿ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ casual leave ਤੇ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਛੁਟੀ ਵਿਚ ਕੋਈ ਮੇਰਾ ਕੰਮ ਕਰ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕੀ ਆਖ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ।

ਦੂਜੀ ਗੱਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਹੀ ਜਾਲੰਧਰ ਤੋਂ ਮੇਰੇ ਘਰ ਦੁਆਈਆਂ ਆਉਂਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ।

ਪਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਸਾਰੇ cheques ਵੇਖੇ ਹਨ । ਦਵਾਈਆਂ ਜਾਲੰਧਰ ਤੋਂ ਆਉਂਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਪਰ ਇਹ ਦੁਕਾਨ ਤੋਂ ਆਉਂਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਕਿਸੇ ਮਹੀਨੇ 50/- ਦੀਆਂ ਕਿਸੇ ਮਹੀਨੇ 250/- ਦੀਆਂ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਮਹੀਨੇ 200/- ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹਨ ।

ਅਗੇ ਇਕ ਗੱਲ ਹੋਰ ਆਉਂਦੀ ਹੈ । ਲਾਲਾ ਜੀ ਦਾ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲੜਕੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਇਹ case ਸੀ ਹਰਭਜਨ ਸਿੰਘ ਦਾ, ਜੋ ਇਕ defamation ਦਾ case ਸੀ । ਉਹ court ਵਿਚ ਇਕ ਚਿੱਠੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਸੀ, ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਲਾਲਾ ਜੀ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜਾਂਦੀ ਸੀ । ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਤੂੰ ਐਸਾ ਹਰਗਿਜ਼ ਨ ਕਰ । ਲਾਲਾ ਜੀ ਨੂੰ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ, ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪੂਰਾ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਨੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਕੀ ਕਿਹਾ ਸੀ । ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਲਾਲਾ ਜੀ ਦੀ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਲੜਕੀ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ । ਫੇਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜੀ ਗੱਲ ਡਰਾਈਵਰ ਬਾਰੇ ਕਹੀ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਹਿਜ਼ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਾਉਣ ਵਾਲੀ ਹੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ C.I.D. ਨੇ enquiry ਕੀਤੀ ਹੈ, ਮਹਿਜ਼ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖ ਕੇ ਕਿ ਸੁਰਿੰਦਰ, ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਦਾ ਲੜਕਾ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ case ਜ਼ਰਾ ਹੋਰ ਸੁਆਦਲਾ ਹੋ ਜਾਵੇ, ਹੋਰ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਆਪਣੇ personal grievances ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਆਖਰ ਕੋਈ ਨਾ ਕੋਈ ਤਾਂ ਐਸਾ case ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ ਮੇਰਾ view ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ personal ਬਣਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਆਪਣੇ ਮਤਲਬ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹਨ । ਤੁਸੀਂ ਯਕੀਨ ਕਰੋ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਬਿਲਕੁਲ ਹੀ ਕੋਈ ਸਚਾਈ ਨਹੀਂ, fact ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਮੈਂ ਰਗੜਾ ਲਾਇਆ ਹੈ, ਜੋ ਖਰਾਬੀਆਂ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਬਦਨਾਮ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਤਰੀਕਾ ਅਪਣਾ ਲਿਆ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਐਸੇ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀਆਂ figures ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਤਾਂ ਕਿਧਰੇ ਨਾ ਕਿਧਰੇ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਖਿਲਾਫ ਗੱਲ ਚਲੀ ਹੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਾਂਗਾ ਇਹ ਸਾਰੀ insinuation ਹੈ । ਇਹਦੇ ਵਿਚ ਬਿਲਕੁਲ ਹੀ ਕੋਈ ਸਚਾਈ ਨਹੀਂ । ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਵਸੂਲੀ Medical funds ਵਿਚੋਂ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਲਾਲਾ ਜੀ ਦੀ ਲੜਕੀ ਮੁਤਲਿਕ ਕੋਈ ਗੱਲ ਹੈ । ਜਿਹੜਾ Tape record ਏਥੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਸਪੀਕਰ

ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜ਼ਰਾ ਸੁਣ ਤਾਂ ਲੈਂਦੇ ਕਿ ਇਹਦੇ ਵਿਚ ਹੈ ਕੀ, ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਤੋਂ ਆਪ ਹੀ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਾ ਲਉ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਆਦਮੀ Telephone ਰਾਹੀਂ ਹੋਣ ਵਾਲੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਵੱਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰਖਦੇ ਹਨ ਅਤੇ Telephone ਵਿਚ ਕੋਈ ਵੀ ਬੰਦਾ ਬੋਲਦਾ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹੈ ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਬੋਲਦਾ ਹਾਂ ਜਾਂ ਫਲਾਣਾ ਹਾਂ, ਇਹ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਾ ਲਉ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਆਕੇ ਕਰਨ ਦਾ ਕੀ ਮਤਲਬ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਨੀਅਤ ਖਰਾਬ ਹੈ ਜਿਹੜੇ Telephones ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਸੁਣਦੇ ਹਨ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੇਰੇ ਖਿਲਾਫ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਹੈ ਤਾਂ ਸਾਹਮਣੇ ਆਕੇ ਗੱਲ ਕਰਨ, ਬਜਾਏ ਇਸ ਦੇ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਆਕੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ tape record ਪੇਸ਼ ਕਰਨ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਦਾ record ਖਰਾਬ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ। ਇਹ ਚੀਜ਼ ਤਾਰੀਖ ਦੱਸੇਗੀ ਕਿ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕੀ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਉਹ ਬੇਮਾਅਨੀ ਹੈ। ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਦਾ ਜੋ character ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਸਭ ਜਾਣਦੇ ਹਨ।

OBSERVATIONS BY THE SPEAKER REGARDING A QUESTION OF PRIVILEGE

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर साहिबान ने चीफ़ मिनिस्टर साहिब की personal explanation को सुना। मुझे भी उस पर आप से कुछ अर्ज़ करना है। श्री प्रबोधचन्द्र जी ने *privilege motion दिया कि उनके किसी supplementary question का जवाब ग़लत दिया गया है। मैंने वह question और उसके supplementary question मंगवा कर देखें हैं। उस में कहीं भी ऐसी बात दिखाई नहीं देती कि कोई ऐसा reference आया हो। मुझे बड़ा अफसोस है कि जब यह बात आई ही नहीं तो हाउस में privilege motion लाने की बात कैसे बनती है। और सिवाय इस के कि procedure को exploit किया गया है इस से ज़्यादा बात बनती नहीं।

दूसरे, श्री प्रबोध चन्द्र जी ने कल जिन बातों का जिक्र अपनी स्पीच में किया मैं इस से ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता कि उन की ऐसा करने की आदत बन गई है। ऐसी चीजें substantive motion के ज़रिए ही लानी चाहिएं।

---

*Shri Parbodh Chandra has given notice of his intention to raise the following question of Privilege :—

"that the Chief Minister while replying to question No. 6499 standing in the name of Maulvi Abdul Ghani on 15th February, 1961 stated that the Licence for the Cinema at Patiala stood in the name of Sardar Harbhajan Singh s/o Sardar Mohinder Singh and while replying to the supplementaries he stated that it was not a 'Benami' transactions and stoutly denied the suggestion that his son S. Surrinder Singh Kairon had anything to do with it, but the facts are that Sardar Surrinder Singh Kairon is the sole proprietor of the above Cinema which will be corroborated by the letter No. EPMPA/34-6/61 dated the 13th January. 1961. I can supply further proofs to show that the Chief Minister deliberately misled the House :—

In view of what has been said "I seek that the matter be referred to the Committee of Privileges in so far as the Chief Minister has deliberately misled the House, while giving replies to the question No. 6499 dated 15th February,

[श्री अध्यक्ष]

लेकिन बजट की आड़ में ऐसी बातें ले आना, मैं इस को बिल्कुल पसन्द नहीं करता । जो चीज़ें कल debate में आईं मैंने उन्हें relish नहीं किया । ऐसी चीज़ों से debate का level ऊँचा नहीं होता । अगर आप का किसी पार्टी या ग्रुप के साथ इत्तफाक नहीं है तो उसका बेहतरीन इलाज यह है कि procedure के मुताबिक आप substantive motion लाएं । Debate के अन्दर ऐसी बातें ले आना न तो आप पर अच्छा reflect करता है न मुझ पर और न ये चीज़ें हाउस की शान के शायां हैं । आखिर आप के हर लफ्ज़ पर तो मैं चौकन्ना नहीं हो सकता । अगर आप ने गवर्नमैंट को criticise करना है तो आप policy पर criticism करें लेकिन जब personal level पर बात आ जाती है तो मुझे बहुत शरमिन्दगी आती है । यह बात avoid करनी चाहिएं । हमारे हाउस में debate का level इतना अच्छा चल रहा है कि कल मुझे एक बजुर्ग मिले जिन का parliamentary experience है और जो ambassador भी रह चुके हैं और अब retired public life lead कर रहे हैं, उन्होंने मुझे बताया कि पंजाब असेम्बली में debate का मियार बहुत अच्छा हो रहा है। मुझे यह बात अच्छी नहीं लगती कि ऐसी बातें हाउस में आ जाएं कि लड़कों तक की explanation देनी पड़े । यह बहुत शरमिन्दा होने वाली बात है । (The hon. Members have just heard the personal explanation of the Chief Minister. I have also to make a submission in that regard. Shri Prabodh Chander has given notice of a Privilege Motion that wrong information has been given in reply to one of his supplementary questions. I have personally examined the main question along with the supplementaries on it. I do not find any such reference in them and I am very sorry to say that when there was absolutely nothing of the sort in the supplementary questions the hon. Member should have given notice of the Privilege Motion. I can simply say in this regard that the hon. Member has exploited the procedure. There is nothing more in that.

Secondly, so far as the observations made by Shri Prabodh Chander in the course of his speech yesterday are concerned I can only say that he is in the habit of doing so. Such matters should be discussed only on a substantive motion. I do not like importing such things in the debate under the garb of budget discussion. I have not relished the things referred to in the yesterday's debate. Such things hardly raise the level of the debate. If you do not see eye to eye with the policy or programme of a particular party or group, the proper course for raising discussion on that is to bring a substantive motion in that connection. Reference to such things in the debate does not reflect well either on the hon. Members or on me and moreover, these things are not compatible with the decorum and the dignity of the House. After all I cannot possibly be vigilant to see the propriety of each and every word uttered on the floor of the House. If the hon. Members want to criticise the Government they should confine themselves to its policy but I feel ashamed when they come to the personal level. They should avoid it. The level of the debate in this House is so high that yesterday when I met a good old man, who has been a parliamentarian and was an ambassador also and is now leading a retired public

life, he told me that the standard of debate of our House has considerably risen. I do not like that the hon. Members in this House should raise discussion in such a way that the ministers should have to offer explanation for the deeds of their sons. These things put us to shame.)

GENERAL DISCUSSION ON THE BUDGET FOR THE YEAR 1961-62 (RESUMPTION)

लोक कार्य मंत्री (चौधरी सूरज मल) : जनाब स्पीकर साहिब । कल मैं अर्ज़ कर रहा था कि जिस वक्त second five year plan तैयार हुई तो 18 करोड़ रुपए का estimate रखा गया था और उसके मुताबिक ही हमारी सड़कात बनाने की तजवीज़ थी लेकिन जब बाद में प्लैनिंग कमीशन ने सीलिंग लगा दी तो सिर्फ $9\frac{1}{2}$ करोड़ रुपया सड़कों के लिए रखा । इस लिए ज़रूरी था कि जो सड़कें हमने second plan में रखी हुई थीं वो तमाम को तमाम मुकम्मल नहीं हो सकती थीं । सरकार ने यह भी सोचा था कि जो सड़कें ज़रूरी हों और जिन की मांग ज्यादा हो उन को शुरू कर दिया जाय और जो बाद में रह जाएं उन्हें third प्लैन में ले लिया जाय । Second प्लैन वाली सड़कों को अधूरा नहीं छोड़ा जा सकता था इस लिए उन्हें मुकम्मल करने का फैसला किया गया । आप बजट में देखेंगे कि जो हमारा target था उस से ज्यादा रुपया हमने खर्च किया क्योंकि जहां कहीं भी shortfall हुई हमने कहा कि यह रुपया सड़कों के लिए दे दो । हम ने 60–70 लाख से ज्यादा रुपया सड़कों पर खर्च किया । इस से आप अन्दाज़ा लगा सकते हैं कि हम ने कितनी तनदेही से काम किया । हो सकता है कि कुछ भाइयों की constituency में सड़कें न बनी हों लेकिन मैं इतना कह सकता हूं कि जिस किसी मैम्बर ने मुझ से कहा मैंने कोशिश यह की कि सब को accomodate किया जाए । आइंदा third plan में भी हम ज्यादा से ज्यादा सड़कें बनाने की कोशिश करेंगे और जो रुपया हमें मिला है उस के इलावा जिस किसी महकमा में shortfall से रुपया मिलेगा उस से और भी ज्यादा सड़कें बनाने की कोशिश करेंगे ।

मेरे एक भाई गुलशन जी ने कहा कि बठिंडा के backward इलाके को कुछ नहीं मिला ।

स्पीकर साहिब, आप ने बठिंडा देखा होगा । बटवारे से पहले वहां पर पांच मील की भी सड़क नहीं थी अब 275 मील सड़कें बन चुकी हैं । अब वहां जा कर देखें वह रेलों और सड़कों का centre बना हुआ है । वहा से सीधी सड़कें मुख्तलिफ़ मुकामात, मसलन मलोट, डबवाली, बाजा खाना, बरनाला, संगरूर और सुनाम जाती हैं । जिस तरह यह शहर railways का junction था उसी तरह अब बठिंडा सड़कों का junction बना हुआ है, यह कह देना कि बठिंडा के लिये कुछ नहीं किया गया यह महज़ ग़लत फ़हमी पर मबनी है । हो सकता है कि वहां कुछ patches हों लेकिन उन का भी गवर्नमैंट के दिल में ख्याल है कि वह ठीक कर दिए जाएं ।

Mr. Speaker: Please wind up your speech.

लोक कार्य मन्त्री: स्पीकर साहिब, मैं ने कल भी अपने महकमे के मुतअल्लिक अर्ज़ की थी और मेरे साथी पंडित मोहन लाल जी ने जवाब दे दिया है। अगर आप की इजाज़त हो तो

लोक कार्य मंत्री

पांच सात मिनिट में इतराज का जवाब दे दूं । इस मक्कमे के मुतश्ल्लिक मेरा कहना फर्ज है ताकि कई गलत फहमियां जो इस महकमे के मुतअल्लिक पैंदा हुई हुई हैं वह रफा हो जाएं और जो Department ने काम किया है वह हाउस के सामने आ जाए । जो जो मुफ़ीद sugges-tions दिए गए हैं उनके मुतअल्लिक पूरा २ ग़ौर किया जाएगा । कांगड़ा ज़िला के मुतअल्लिक मैं अर्ज़ कर दूं कि जितनी सड़कें second five-year plan में बनी हैं अभी तक कभी नहीं बनी । अब third five-year plan में hilly roads की develop-ment के लिये 27 फीसदी खर्च करना है । स्पीकर साहिब, आप facts and figures देख सकते हैं । जहां Planning का ज़िक्र आता है उस के मातहत काफ़ी रुपया hilly area के वास्ते रखना चाहते हैं । Planning Commissioner से पूछा जाता था कि आपने hilly area के वास्ते कितना provision रखा है, Agriculture के वास्ते कितना रखा है, Roads के वास्ते कितना रखा है । Hilly area जिस में शिमला भी शामिल है की development की जा रही है । यह गवर्नमैंट की पालिसी है कि जितने इलाके पीछे रह गये हैं उन्हें दूसरों के बराबर लाने के लिये ज़्यादा खर्च किया जाए । मैं समझता हूं कि पिछले चार सालों मे जितना ख्याल कांगड़ा ज़िला का इस गवर्नमैंट ने रखा था किसी गवर्नमैंट ने नहीं रखा । (*Cheers*) इस के इलावा, स्पीकर साहिब ,हम ने कोशिश की है कि हर जिला में polytechnics दिये हैं लेकिन कांगड़ा ज़िले का खास तौर पर ख्याल रख कर दो polytechnics दिये गये हैं । एक हमीरपुर में दिया गया है क्योंकि वह पहाड़ी इलाका है और उस इलाके ने बहुत से नौजवान फौज में भरती के लिये दिये हैं । हमने सड़कों का एक जाल बिछा दिया है । मेरे मुअज़िज़ दोस्त श्री रुप सिंह फूल मेरी इस बात की ताइद करेंगे कि उन की तहसील में जहां कोई टुकड़ा सड़क का दिखाई नहीं देता था आज 5,000 रुपया रोज़ इस तहसील में खर्च हो रहा है । (*Cheers*) लाहौल और स्पिती के इलाके में जो बिल्कुल पिछड़ा हुआ इलाका था २४ मील सड़क सिर्फ तीन महीने के अंदर बना कर लोगों को अपनी पैदावार मण्डी में लाने की सहूलियात दी हैं। इस से पहले उन की पैदावार बाहर से साहूकार आकर सस्ते दामों ले जाते थे । अब तो वे लारियों और खच्चरों पर अपना माल लाद कर बाज़ार में ला कर ज़्यादा से ज़्यादा मुनाफ़ा कमा सकते हैं ।

फिर स्पीकर साहिब, minorities के बारे में यहां कहा गया कि उन का ख्याल नहीं रखा जाता । इस के मुतअल्लिक मैं निहायत संजीदगी से अर्ज़ करना चाहता हूं कि गुड़गांव ज़िला में जहां हमारे भाई बस्ते हैं और जो काफ़ी तादाद में हैं उन के लिये हम ने फैसला किया है कि उन्हें permanent famine relief दिया जाए । उन के लिये 30 मील लम्बी सड़क बना दी गई है जिस से 30/35 गांव जहां 5,000 की आबादी मुसलमानों की है इस सड़क से फायदा उठाएंगे। जो राजस्थान से लोग आते हैं वे समझते हैं कि पंजाब गवर्नमैंट ने एक करिश्मा दिखाया है कि थोड़े दिनों में 30 मील सड़क देहात को मिलाने के लिये बना दी है । पटियाला ज़िला को लीजिये, वहां सड़कें अच्छी से अच्छी बनाई हैं ताकि लोगों को ज़्यादा से ज़्यादा फायदा हो । इस ज़िला के बारे में नुक्ताचीनी की गई थी । हम ने किसी तरह से भी अपना फर्ज़ अदा करने में कोताही नहीं की। जो कुछ मेरी बहन कंवारनी जगदीश कौर ने कहा था मैं उस के बारे में इतना

ही कह सकता हूं कि उस पर निहायत हमदर्दी से ग़ौर किया जाएगा और उन की तकलीफ़ात को दूर करने की कोशिश की जाएगी ।

Unemployment के बारे में कुछ बातों का ज़िक्र किया गया । चूंकि मेरे पास P.W.D. का महकमा है जिस में मज़दूरों की ज़रूरत पड़ती है, मैं आप के ज़रिए House को बतलाना चाहता हूं कि पंजाब में बहुत कम आदमी ऐसे मिलते हैं जो मज़दूरी करें। जितने भी मज़दूर आप इन बड़े २ projects पर देखते हैं या तो ये राजस्थान के लोग हैं, या यू०पी० के, बिहार के और यहां तक कि बंगाल और काशमीर के लोग भी उन में शामिल हैं । यह बात क्या ज़ाहिर करती है ? अगर हमारे सूबे के अन्दर इतनी unemployment होती जिसका ज़िक्र किया गया है तो क्या दो-दो ,अढ़ाई-अढ़ाई रुपए पर आदमी मज़दूरी करने के लिए नहीं मिलता ? लेकिन नहीं, मैं आप को बाहैसियत किसान के बतलाना चाहता हूं कि अब फसलों की कटाई शुरू होगी लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि रोटी के साथ चार चार पांच पांच रुपए दिहाड़ी पर भी आप को वहां मज़दूर नहीं मिलगे । यह बात ज़हिर करती है कि जो सूबे में unemployment है वह सिर्फ educated तबके में ही है । और उसका इलाज भी हम कर रहे हैं । वह यह कि हर ज़िले में polytechnics बनाए जा रहे हैं । जितने लड़के ऐसे होंगे जो दसवीं पास करके कोई काम सीखना चाहेंगें उन को Overseers के course में, technicians के course में, surveyors, tracers और draftsmen के course में training दी जाएगी । इस तरह से educated unemployment को दूर करने के लिए हम पूरे ज़ोर से यत्न कर रहे हैं ।

जहां तक हरियाणा का सवाल है, आप को जान कर खुशी होगी कि वहां पर Engineering College खोला जा रहा है और तीसरी Five-Year Plan में एक Medical College भी खोला जा रहा है । कई बातें हरियाणे के claims की बाबत कही गईं । मैं समझता हूं कि जितना कुछ इस गवर्नमैंट ने हरियाणे के इलाके के लिए किया है वह पहले कभी नहीं हुआ । कल परसों मेरे भाई चौधरी लहरी सिंह फरमा रहे थे कि हरियाणे में water-logging को दूर करने के लिये गवर्नमैंट ने क्या steps लिए ? House की इत्तलाह के लिए मैं बताना चाहता हूं कि हमने Western Jamna Canal का एक special division कायम किया है जिसका incharge एक Superintending Engineer है जिसके मातहत 3 Executive Engineers और 10-12 S.D.O.s होंगे और वह war basis पर वहां काम करेंगे। मैं समझता हूं कि जिस तेज़ रफ़तारी के साथ वहां के water logging के मसले को हल करने की कोशिश की जा रही है और किसी जगह पर नहीं हुई होगी । बहुत से दोस्तों की आदत हो गई है कि वह हर बात पर नुक्ताचीनी करते हैं । मैं तो यह समझता हूं कि उनके दिल के अन्दर बात और होती है गोया इन के वक्त में तो हरियाणा सरसब्ज़ लहरा रहा था और जूं हीं वह मनिस्टरी से हटे हरियाणा सूखा हो गया, बरबाद हो गया । यह तो एक ऐसी mentality है जिसपर मैं ज़्यादा नहीं कहना चाहता लेकिन इतना ज़रूर अर्ज़ करूंगा कि जो सच्ची बात है वह कहने से परहेज़ नहीं करना चाहिए । आप यह तो बेशक कह दें कि हमारे इलाके में इतना तरक्की हुई है लेकिन इससे भी ज्यादा होनी चाहिए थी । हरेक आदमी की ज़रूरतें होती हैं और वह चाहता है कि उसके पास ज़रूरत से ज़्यादा

[लोक कार्य मंत्री]

चीज़ होनी चाहिए। लेकिन इस किस्म की बात नहीं कहनी चाहिए कि हमारे लिए कुछ नहीं किया गया। तो मैं आप से कहना चाहता था कि जहां तक water-logging का ताल्लुक है उन इलाकों में ज्यादा से ज्यादा steps लिए जा रहे हैं। मैं अपने हरियाणे के भाइयों से दरखास्त करूँगा कि उनको निराश नहीं होना चाहिए। इस साल कोशिश की जा रही है कि जो हिस्से water-logged हैं उन से पानी निकाला जाए। मगर अफ़सोस की बात यह है कि उसमें रुकावटें आती हैं, रुकावटें डाली जाती हैं। इस में alignment का झगड़ा हो जाता है। जमींदार हमेशा अपने खेत से ही प्यार करता है। मुल्क के वास्ते वह ज़रा सी बात नहीं सोचता। वह अपने खेत को छोड़ने के लिए तैयार नहीं। उसके लिए झगड़ा करना पड़ता है। गवर्नमैंट के पास deputations आ जाते हैं। जो काम जल्दी हो सकता है उसमें रुकावटें डाली जाती हैं। फिर भी गवर्नमैंट अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रही है। उस बात का अन्दाज़ा आप इसी से लगा सकते हैं कि जिस वक्त floods आए relief देने में गवर्नमैंट ने एक मिनट की देरी नहीं की। फौरन decision लिए। जिन मेम्बर साहिबान ने एतराज़ात किए हैं खुद उन्होंने माना है कि गवर्नमैंट ने फौरी relief दिया। इतना ready और liberal relief या तो सन् १९३९ में चौधरी छोटू राम के वक्त मिला या इस वक्त मिला है, यह बात मैं दावे से कह सकता हूं। चूंकि कुछ बातें और भी ऐसी कही गई हैं जो कि मेरे महकमे के साथ ताल्लुक रखती हैं इस लिये मैं उन का भी आप की इजाज़त के साथ जवाब देना चाहता हूं। मैं कैपिटल के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूं। कुछ लोगों ने इस हाल के मुताअल्लिक एतराज़ उठाया है और कुछ बातें मज़ाक में भी कहीं। मैं उन की इत्तलाह के लिये कहना चाहता हूं कि चंडीगढ़ का शहर हमारे सूबे और हमारे देश के लिये शान का बायस होगा। मैं ज़्यादा तो कहना नहीं चाहता, सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि असेम्बली हाल एक ऐसी चीज़ बनेगी जिस को लोग वैसे ही देखने के लिये आया करेंगे जैसे कि ताजमहल को देखने के लिये जाते हैं। चार चीजें यहां पर ऐसी बनेंगी जिस को लोग बाहर से देखने के लिये आया करेंगे। (*Interruption*) यह किसी औरत के नाम पर नहीं होगा बल्कि यह पंजाब की शान बनेगा। पंजाब का नाम इस से ऊंचा होगा —

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : On a point of order, Sir, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ Chamber ਨੂੰ ਤਾਜ ਮਹਿਲ ਨਾਲ compare ਕਰਨਾ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਤੌਹੀਨ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਤਾਂ ਇਕ ਮਕਬਰਾ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਵਿੱਚ ਲੋਕਾਂ ਦੇ representatives ਬੈਠ ਕੇ meeting ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : On a point of order, Sir, ਉਹ ਮਕਬਰਾ ਤਾਂ ਮੁਮਤਾਜ਼ ਮਹੱਲ ਦੇ ਨਾਂ ਉਪਰ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਇਹ ਕਿਸ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਬਣੇਗਾ? (*Interruption*)

Mr. Speaker : Order please.

लोक कार्य मंत्री : आप घबरा क्यों गए, ज़रा सुनिए तो सही। अगर आप को बुरा लगा तो मैं वापिस लेने को तैयार हूं।

श्री अध्यक्ष : किस के मज़ार पर बनेगा यह ? (हंसी) (With whose grave will it be associated) ? (*Laughter*)

लोक कार्य मंत्री : मैं सदन को बताना चाहता हूं कि चण्डीगढ़ को main line पर लाने के लिए हम पूरी कोशिश कर रहे हैं । Prime Minister को लिखा है, Railway Minister को लिखा है । इस rail link के लिए पूरी २ कोशिश कर रहे हैं । चूंकि demand आ रही है, बाकी बातें उस वक्त बताऊंगा आपका और House का शुक्रिया कि आप ने मुझे यह मौका दिया और शांति से सुना ।

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ, ਸਿਵਲ ਲਾਈਨਜ਼) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹੀ ਗਲ ਕਹਿ ਦੇਵਾਂ ਕਿ ਇਹ ਖੂਬਸੂਰਤ House Legislature ਨੂੰ ਬੜੀ ਦੇਰ ਬਾਅਦ ਮਿਲਿਆ ਹੈ । ਇਹ ਭਵਿਖਤ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਹੈ ਨਾ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਪਹਿਲੀ ਘਟਨਾ ਨਾਲ ਜੋੜਿਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਹ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੀ ਜਨਤਾ ਦੇ ਅਗਾਂਹ ਵਧਣ ਅਤੇ ਤਰੱਕੀ ਕਰਨ ਦੇ ਇਰਾਦੇ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸੂਬਾ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਨਾਲ ਅਗਾਂਹ ਵਧਦਾ ਰਹੇਗਾ ।

ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਜਨਾਬ, ਬਜਟ ਤੇ ਬੋਲਦੇ ਹੋਏ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਹ ਦਸਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਕਿ ਬਜਟ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀਆਂ ਕੀ ਜ਼ਰੂਰਤਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਥੋੜ੍ਹੇ ਚਿਰ ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਹੀ ਉਹ ਬਜਟ ਨੂੰ ਇਕ ਪਾਸੇ ਛਡ ਕੇ ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਹਕੂਮਤ ਦੇ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਵਲ ਲੈ ਗਏ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਦਾ ਅਜਿਹਾ ਕਰਨਾ ਗ਼ੈਰ-ਅਗ਼ਲਬ ਨਹੀਂ ਸੀ ਪਰ ਬਜਟ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ਸੀ । ਬਜਟ ਵਿਚ ਦੇਖਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਇਹ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਰੁਪਿਆ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ ਉਹ ਠੀਕ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਜੋ ਰੁਪਿਆ ਹੁਣ vote ਕਰਨ ਲਗੇ ਹਾਂ ਉਸ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਸਹੀ ਹੋਵੇਗਾ ਜਾਂ ਨਹੀਂ, tax ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਗਾ ਹੈ, development ਦਾ ਖਰਚ ਸਭ ਥਾਂ ਬਰਾਬਰ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਕੋਈ ਜਗ੍ਹਾ neglect ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ । ਸ਼ੁਰੂ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿਚ ਤਾਂ ਉਮੀਦ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਬਜਟ ਤੇ ਹੀ ਬੋਲਣਗੇ ਪਰ ਨਾ ਬੋਲ ਸਕੇ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅੱਜ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ self-sustaining growth ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ । Government of India ਨੇ 1959 ਵਿਚ United Nations ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਿਖਿਆ—

> 'This Country has a long way to go for self sustaining growth and reasonable minimum in social service.'

ਇਹ ਆਧਾਰ ਹੈ ਜਿਸ ਤੇ ਸਾਡੇ ਪੰਜ ਸਾਲਾ plans ਬਣ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਮੰਨਦੀ ਹੈ ਕਿ ਹਾਲੇ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਨਿਸ਼ਾਨੇ ਤੋਂ ਬਹੁਤ ਦੂਰ ਹਾਂ । ਜਨਾਬ, Taxation Enquiry Commission ਨੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ Financial Competence ਲਈ ਚੰਗੀ administration ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । Reserve Bank ਦੇ Governor

[ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ]

ਸ਼੍ਰੀ H. V. R. Iyengar ਨੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਤਕ administration competent ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ਸਾਡੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ schemes, ਸਾਡੇ ਸਾਰੇ ਇਰਾਦੇ ਅਧੂਰੇ ਰਹਿ ਜਾਣਗੇ । ਇਸ ਮਿਆਰ ਤੇ ਜੇ ਇਸ ਬਜਟ ਨੂੰ ਤੋਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕੋਈ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦਾ । ਮੈਂ ਠੰਡੇ ਦਿਲ ਨਾਲ, ਗੰਭੀਰਤਾ ਨਾਲ ਅਤੇ ਨਿਰਸੰਦੇਹ ਹੋ ਕੇ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਹਕੂਮਤ ਗਰੀਬ ਹੈ, ਸਾਡੇ finances ਉਤਨੇ ਨਹੀਂ ਜਿਤਨੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ।

ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਗਲ ਵਲ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਜਟ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕ loose ਜਿਹੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਬਣਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਆਪ ਨੂੰ ਖਿਆਲ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ 1958-59 ਦੇ ਬਜਟ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਦਸਿਆ ਕਿ 208 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਘਾਟਾ ਇਸ ਸਾਲ ਹੋਵੇਗਾ, ਪਰ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਤ ਵਿਚ 8.3 ਕਰੋੜ ਦਾ surplus ਨਿਕਲਿਆ । ਫਿਰ 1959-60 ਦੇ ਬਜਟ ਬਾਰੇ ਇਹ ਅਨੁਮਾਨ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਕਿ 32 ਲਖ ਦਾ ਘਾਟਾ ਹੋਵੇਗਾ ਪਰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਉਹ ਬਜਟ 11 ਕਰੋੜ ਦਾ surplus ਨਿਕਲਿਆ । ਇਸ ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ 1960-61 ਬਾਰੇ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਕਿ 152 ਲੱਖ surplus ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਪਰ 155 ਲੱਖ ਦਾ ਘਾਟਾ ਜ਼ਾਹਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਵੇਖ ਲਉ ਕਿ ਇਹ ਕਿੰਨੀ ਕੁ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ । ਇਸ ਤੇ ਕੋਈ ਵੀ ਹਕੂਮਤ ਮਾਣ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ । ਹੁਣ ਜ਼ਰਾ Appropriation Accounts ਨੂੰ ਵੇਖੋ । 1958-59 ਵਿਚ 43 grants ਵਿਚੋਂ 39 grants ਵਿਚ saving ਹੋਈ । ਅਤੇ ਜ਼ਰਾ ਧਿਆਨ ਕਰੋ ਕਿ ਇਹ ਕਿਸ ਹਦ ਤਕ ਹੋਈ ਹੈ । Registration ਵਿਚ 57.68% Irrigation Capital ਵਿਚ 44.03% Industry ਵਿਚ 35.38% Civil Works ਵਿਚ 42.96%, Capital Outlay Within the Revenue Accounts ਵਿਚ 100%, electricity 31.33%, civil works ਵਿਚ 29.26% Agriculture Improvement Research ਵਿਚ 54.52% ਕਿਤਨਾ ਭੈੜਾ financial control ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ P. A. C. ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਪਾਸੇ, ਹਰ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ irregularities ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ wasteful expenditure ਦੀਆਂ ਮਿਸਾਲਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ । ਬਹੁਤਾ ਇਹ ਇਸ ਲਈ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ expenses ਸਾਲ ਦੇ ਅਖੀਰ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਇਕ ਸਾਲ ਨਹੀਂ, ਦੋ ਸਾਲ ਨਹੀਂ ਇਹ ਤਾਂ ਇਕ regular feature ਹੀ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਕਿ ਕਿਸੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਕੋਈ irregularity ਨਹੀਂ ਮੈਂ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਮੰਨਣ ਤੋਂ ਕਾਸਰ ਹਾਂ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਦੂਸਰੀ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਹਕੂਮਤ prices ਤੇ control ਕਰਨ ਵਿਚ ਵੀ ਨਾਕਾਮਯਾਬ ਰਹੀ ਹੈ । Second Five-Year Plan ਵਿਚ economics ਦੇ ਮਾਹਿਰਾਂ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੀਮਤਾਂ 25% ਵਧ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਇਹ ਇਕ inflationary expansion ਹੈ ਜਿਸ ਤੋਂ ਜ਼ਾਹਿਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਉਪਰ Government ਦਾ control ਨਹੀਂ ਹੈ । ਕਿਹਾ ਇਹ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ

ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧ ਗਈਆਂ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਦੀ purchasing power ਵੀ ਵਧ ਜਾਵੇਗੀ । ਪਰ ਜਦੋਂ ਤਕ price line ਤੇ ਕੋਈ control ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਅਸੀਂ ਇਸ ਚੱਕਰ ਵਿਚ ਹੀ ਫਸੇ ਰਹਾਂਗੇ । ਇਹ ਇਕ vicious circle ਹੈ । ਜਦੋਂ 231 ਕਰੋੜ ਦਾ ਬਜਟ Third Five-Year Plan ਦਾ ਖ਼ਰਚ ਹੋਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਕੀਮਤਾਂ ਦਾ schedule ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਰੁਪਏ ਵਿਚੋਂ -/12/- ਰਹਿ ਜਾਣਾ ਹੈ । $\frac{1}{4}$ ਹਿੱਸਾ ਤਾਂ ਖ਼ਰਚ ਵਿਚ ਆ ਗਿਆ ਪਰ ਅਜੇ 3/4 ਹਿਸਾ ਇਸ ਰਕਮ ਦਾ ਖ਼ਰਚ ਹੋਣਾ ਹੈ । Prices ਦਾ level raise ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, taxes further raise the price line. Vicious circle ਜਿਹੜਾ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਹ ਕਿਸੇ ਇਕ level ਤੇ ਆਕੇ ਖੜਿਆ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਇਹ ਵਧਦਾ ਹੀ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਦੀ ਵਾਕਫੀਅਤ ਲਈ ਮੈਂ Parkinson ਦੇ ਦੋ laws ਜਿਹੜੇ ਕਿ Tendency of Democracy ਵਿਚੋਂ ਹਨ ਏਥੇ ਪੜ੍ਹਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ । ਇਹ ਦੋ ਕਾਨੂੰਨ economics ਦੇ ਬੜੇ ਖੋਜ ਨਾਲ ਕਢੇ ਗਏ ਹਨ । ਪਹਿਲਾ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ to proliferate i. e. to reproduce itself. ਪਰ ਸਾਡੀ ਜਿਹੜੀ democracy ਹੈ ਇਹ ਇਤਨੀ expensive ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਨਵਾਂ ਕੰਮ ਹੋਵੇ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਦੀ ਨਾਲ ਹਰ ਵਾਰ ਇਕ ਨਵਾਂ Department ਖੁਲ੍ਹ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਕੋਈ ਵੀ scheme ਹੋਵੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਇਕ circle ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਇਕ Chief Engineer, ਦੋ Executive Engineers S. D. Os. ਅਤੇ Oversears 10-20 Assistants ਅਤੇ 100 ਕਲਰਕ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਪੈਸਾ ਜ਼ਾਇਆ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । Establishment ਦੇ charges day by day ਵਧਦੇ ਹੀ ਚਲੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਕਿਸੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ 2-3% establishment ਦੇ charges ਹੋਇਆ ਕਰਦੇ ਸਨ ਪਰ ਪਿਛਲੇ ਕੁਝ ਅਰਸੇ ਤੋਂ ਇਹ 19-20% ਦੇ ਕਰੀਬ ਆ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਹੁਣ ਇਹ 26-27% ਦੇ ਕਰੀਬ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ।

Minister for Industries : Absolutely wrong.

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਮੇਰੀ ਗਲ ਦਾ ਸਬੂਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ administration ਤੇ ਪਹਿਲਾਂ 180 ਲਖ ਦਾ ਖ਼ਰਚ ਸੀ ਅੱਜ ਉਹ ਵਧ ਕੇ 2 ਕਰੋੜ ਤੇ 20 ਲੱਖ ਦਾ expenditure ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਤੁਹਾਡੇ ਬਜਟ figures ਹੀ ਦਸਦੇ ਹਨ । ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ Revenue Department ਵਿਚ land revenue ਦੇ collect ਕਰਨ ਦਾ ਮਹਿਜ਼ ਖਰਚ land revenue ਦੇ 67% ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਹੈ । ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਜੇ ਮਾਲੀਏ ਦੀ ਵਸੂਲੀ 100 ਰੁਪਏ ਦੀ ਹੋਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਦੀ collection ਤੇ 67 ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਆ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਅੱਜ ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ figures ਹੀ ਦਸਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਜੇ land revenue 4 ਕਰੋੜ 63 ਲਖ ਹੈ ਤਾਂ Tax collection ਜਿਹੜੀ ਹੈ ਉਹ 3 ਕਰੋੜ 9 ਲਖ ਹੈ ।

Chief Minister ; That is Tax and not land revenue.

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ: ਇਹ ਤੁਹਾਡੇ ਦਿਤੇ ਹੋਏ figures ਹਨ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਹੀ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਹਾਂ।

ਦੂਸਰਾ law ਇਹ ਹੈ ਕਿ expenditure rises with income. ਐਸਾ ਖਰਚ ਆਮਦਨੀ ਤੋਂ ਘਟ ਹੀ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। Excess ਖਰਚ ਜਿਹੜਾ ਹੈ ਇਹ ਵੀ price line ਨੂੰ raise ਕਰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜ਼ਰੂਰੀ ਤੇ ਅਹਿਮ steps ਜਿਹੜੇ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਉਠਾਏ ਜਾਣੇ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਰਾਹੀਂ price line ਤੇ control ਰਹਿੰਦਾ, ਨਹੀਂ ਉਠਾਏ ਗਏ। Wheat ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਦੂਸਰੇ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚ ਵੀ issue ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਦੀ issue price ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਾਰਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। Central Government ਸਾਰੇ provinces ਨੂੰ 14 ਰੁਪਏ ਮਣ F. O. R. destination supply ਕਰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਤੇ ਵੀ ਇਹ $\frac{1}{4}$ ਰੁਪਏ extra ਵਧਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ। ਜਿਹੜੀ ਕਿ no profit, no loss basis ਤੇ supply ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ sugar ਦੀ price ਵਿਚ ਵੀ 17% ਦਾ ਵਾਧਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜੀਆਂ daily ਜ਼ਰੂਰੀਆਤ ਦੀਆਂ commodities ਹਨ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਸੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ no profit and no loss ਦੇ basis ਤੇ ਦੇ ਦਿੰਦੀ, ਜਿਵੇਂ ਹੋਰ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਫਿਰ ਇਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕੀ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਉਸੇ rate ਤੇ ਨਾ ਮਿਲੇ ? ਅੱਜ producer ਨੂੰ ਕੀ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਉਹ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੀਤਾ ਖ਼ਰਚ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਢ ਸਕਦਾ।

ਜਿਹੜੀਆਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਹਨ ਉਹ productive ਨਹੀਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਕ suggestion ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਨੰਗਲ fertilizer factory ਹੈ ਉਸਤੇ cess ਲਗਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜੇ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦਾ agreement ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਉਸ ਦੇ share ਖਰੀਦਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਯਾ ਫਿਰ ਜਿਹੜੀ ਬਿਜਲੀ ਦੀ supply ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ tax ਕਰੋ।

ਇਕ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ finance department ਇਕ bottleneck ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਔਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ detailed estimates of works ਉਥੇ ਪਏ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਪਹਿਲੇ ਜਿਹੜਾ valuable time ਹੈ ਉਹ ਜ਼ਾਇਆ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ time ਇਤਨਾ ਥੋੜਾ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸਾਰਾ ਖਰਚ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। 50 ਜਾਂ 55% ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ savings ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਸੈਂਟਰ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸ ਤੇ ਬਹੁਤ ਬਹਿਸ ਹੋਈ ਸੀ। ਜਦੋਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ project sanction ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਉਸ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰਨ ਲਈ Finance Department ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। Heads of the Departments ਨੂੰ ਇਹ ਅਖਤਿਆਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਉਸ ਰਕਮ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਖਰਚ ਕਰ ਲੈਣ। ਐਸਾ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ ਚਾਰ ਪੰਜ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਵਕਤ ਜਿਹੜਾ ਜ਼ਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਬਚ ਸਕਦਾ ਹੈ ਔਰ ਕੰਮ ਵੀ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਕਤ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਜਿਹੜੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਦੇ ਐਕਸੀਲੇਟਰ ਤੇ ਵੀ ਪੈਰ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ

ਹੈ ਔਰ ਬਰੇਕਾਂ ਤੇ ਵੀ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਹੀ ਘੂੰ ਘੂੰ ਹੁੰਦਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਗਡੀ ਅਗਾਹਾਂ ਨਹੀਂ ਚਲ ਸਕਦੀ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਬਰੇਕਾਂ ਤੋਂ ਪੈਰ ਚੁਕ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਕੰਮ ਦੇ ਵਿਚ ਰੁਕਾਵਟ ਨਾ ਪਏ। ਇਸ ਵਾਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਬਜਟ ਹੈ ਉਹ 12 ਕਰੋੜ 77 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਰਕਮ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਬਚਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਨਹੀਂ ਕਿ ਤਾਲੀਮ ਮੁਫਤ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਇਹ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ ਮਗਰ ਅਸੀਂ ਦੇਖਣਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਆਇਆ ਅਸੀਂ ਮੁਫਤ ਤਾਲੀਮ ਦੇ ਵੀ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਅਗਰ ਸਾਡੀ debt liability 3 ਸੌ ਕਰੋੜ ਨੂੰ touch ਕਰਦੀ ਹੋਵੇ ਔਰ ਟੈਕਸ 1947 ਦੇ ਨਾਲੋਂ 8 ਗੁਣਾ ਵਧ ਗਏ ਹੋਣ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਹੋਰ ਟੈਕਸ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਾਈ ਜਾਵਾਂਗੇ। ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਸੂਝ ਬੂਝ ਵੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਿਹੜੇ ਕਿਹੜੇ ਪਾਸਿਉਂ ਖ਼ਰਚ ਘਟਾ ਸਕਦੇ ਹਾਂ। ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਮੁਫਤ ਕਰਨ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਅਮੀਰ ਮਾਂ ਬਾਪ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਚਿਆਂ ਦੀਆਂ ਵੀ ਫੀਸਾਂ ਨਹੀਂ ਲਈਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ਔਰ indirect tax ਲਾ ਕੇ ਜਿਹੜੇ ਗਰੀਬ ਲੋਕ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਵੀ ਟੈਕਸ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਅਮੀਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚ ਗਿਆ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਗ਼ਰੀਬ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਇਸ ਦੀ ਬਜਾਏ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਗ਼ਰੀਬ ਬੱਚੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫੀਸਾਂ ਮੁਆਫ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਜ਼ੀਫੇ ਵਗੈਰਾ ਵੀ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਮਗਰ ਜਿਹੜੇ ਮਾਂ ਬਾਪ ਖਰਚ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਇਹ burden ਰਹਿਣ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਜਿਹੜੇ ਖਰਚ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਿਆਂ ਮੋਢਿਆਂ ਤੋਂ ਬੋਝ ਲਾਹ ਕੇ ਗਰੀਬਾਂ ਦੇ ਮੋਢਿਆਂ ਤੇ ਪਾਉਣਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਅਗਰ ਗੌਰਮੈਂਟ ਮੇਰੀ ਇਸ suggestion ਨੂੰ ਮੰਨ ਲਏ ਤਾਂ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਬਜਟ ਵਿਚੋਂ ਕਮ ਅਜ਼ ਕਮ ਅੱਧਾ ਰੁਪਿਆ ਬਚ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਦੂਸਰੀ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ community development ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਖਰਚ ਹੈ ਉਹ ਬਚਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੋ ਕਰੋੜ 67 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਇਸ ਬਜਟ ਦੇ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ ਬਲਾਕ ਸੰਮਤੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਕੁਝ ਕੰਮ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਨੂੰ ਔਰ ਤਹਿਸੀਲਦਾਰਾਂ ਵਗੈਰਾ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕਾਫੀ ਖਰਚ ਬਚ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੀ *per capita* taxation ਦੀ percentage ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਸਾਰਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ।

ਉਦਿਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਅੰਕੜੇ ਤੁਸੀਂ ਕਿੱਥੋਂ ਦੇ ਰਹੇ ਹੋ ?

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਜਨਾਬ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਹੁਣ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ

2-00 p.m.

ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ taxation ਹੈ ਉਹ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਉਤੇ ਇਸ ਵੇਲੇ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। 10 per cent property tax ਹੈ, 10 per cent house tax ਹੈ, ਫਿਰ ਗਿਆਨੀ ਜੀ ਦੀ assessment ਔਰ surcharge tax ਹੈ, ਮਰਲਾ tax ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਸਾਰੇ 40 ਫੀ ਸਦੀ ਬਣਦੇ ਹਨ। ਇਸ

[ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ]
ਦੇ ਨਾਲ ਹੈਜਾਨ ਬਰਪਾ ਹੋਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਕ ਚੀਜ਼ ਵਲ ਮੈਂ ਹੋਰ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ conveyance deeds ਤੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ 13 percent ਔਰ rural areas ਵਿਚ 12 per cent stamp duty ਲਗਾਈ ਗਈ ਹੈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਜਾਇਦਾਦ ਛੇ ਵਾਰੀ ਵਿਕ ਜਾਏ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਜੋ ਕੀਮਤ ਹੋਈ ਉਹ ਬਿਲਕੁਲ ਖਤਮ ਹੋ ਗਈ ਔਰ ਉਹ ਸਾਰੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪਾਸ ਆ ਗਈ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ properties ਦੇ transactions ਹੋਣੇ ਬਿਲਕੁਲ ਬੰਦ ਹੋ ਗਏ ਹਨ।

ਇਸ ਤੋਂ ਮਜ਼ੀਦ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਚੁਕਾ ਹਾਂ ਕਿ efficiency ਔਰ economy ਦੋ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹੀ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ।

ਅਖੀਰ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਥੋਂ ਦੇ ਸਿਆਸੀ ਵਾਯੂ-ਮੰਡਲ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੀ speech ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦਾ ਮਸਲਾ ਅਜ ਬੜੀ ਮਿਹਨਤ ਦੇ ਬਾਅਦ, ਤੈ ਹੋਣ ਦੇ ਮਰਹਲੇ ਤੇ ਆਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਰੁਹਜਾਨਾਤ ਤੇ control ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ talks ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਸਿਰੇ ਚੜ੍ਹ ਸਕਣ। ਇਹ talks ਸ਼ਾਂਤੀ ਦੇ ਮਾਹੌਲ ਵਿਚ ਜਿਤਨੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ ਉਤਨੀਆਂ ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ। (ਇਕ ਆਵਾਜ਼ ਮਾਸਟਰ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਸਮਝਾਉ) (ਹਾਸਾ) ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਜੀ ਸੁਲਾਹ ਅਤੇ ਪਰਸਪਰ ਪਿਆਰ ਦਾ message ਲੈ ਕੇ ਆਏ ਨੇ ਔਰ ਪੰਡਤ ਨਹਿਰੂ ਵੀ ਅਮਨ ਔਰ ਸ਼ਾਂਤੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਨੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ negotiations ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਰਹੇਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂਕਿ ਉਹ talks ਸਿਰੇ ਚੜ੍ਹ ਸਕਣ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : Chief Parliamentary Secretary ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ 15 ਨਾਵਾਂ ਦੀ list ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਔਰ ਇਹ 15 ਆਦਮੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆ ਸਕਦੇ ਨੇ ? ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰ ਗਵਰਨਰ Address ਤੇ ਬੋਲ ਚੁਕੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਨਾ ਦੇਵੇ। ਪਰ ਮੈਂ ਵੇਖਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਡਤ ਅਮਰਨਾਥ ਸ਼ਰਮਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੋਨੋਂ ਪਾਸੇ ਦਾਅ ਲਗਾ ਗਏ ਹਨ। (The Chief Parliamentary Secretary has sent me a list of 15 hon. Members. How can all of them be accommodated? I had already pointed out that the names of the hon. Members who have spoken on Governor's Address should not be included in this list. But I find that Pandit Amar Nath Sharma has managed to speak on both the occasions.)

चौधरी देवी लाल (सिर्सा, जेनरल): स्पीकर साहिब, आज Third Five-Year Plan के पहले बजट पर बहस हो रही है, इसलिए इस बजट की खास significance

है। Third Plan में पंजाब सरकार ने दो अरब 98 करोड़ रुपए की मांग की थी और पंजाब सरकार ने थर्ड प्लैन में 231 करोड़ रुपए मंजूर करवाने में काफी हद तक कोशिश की। मैं इस बारे में Finance Minister को मुबारिकबाद देने के लिए खड़ा हुआ हूं क्योंकि पंजाब में काफी तरक्की हुई है। Crop Insurance, Free and Compulsory Education पंचायत राज और पंचायतों को मालिये के हिस्से में अदायगी वगैरह वगैरह इस बजट की खसूसियात हैं जिन से पता चलता है कि पंजाब तरक्की की तरफ़ जा रहा है। जब स्टेट इतनी ज्यादा तरक्की करे तो खर्च भी ज्यादा होना साधारण बात है लेकिन इस खर्च को जिस ढंग पर किया गया है इस पर मुझे एतराज़ है। मैं नहीं चाहता था कि हाउस में ऐसे ढंग से अपने ख्यालात रखूं। Originally जब Third Plan तैयार हुआ था तो पार्टी में और हाउस में उस पर discussion हुई थी। उस वक्त ख्याल किया गया था कि जब Plan finalise होगा तो पार्टी में लाया जाएगा लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जब थर्ड प्लैन finalise हुआ तो न पार्टी में लाया गया और न हाउस में discussion के लिए लाया गया।

जहां तक बजट पर discussion का ताल्लुक है persons को भी discuss करना पड़ता है क्योंकि budget बनाने में persons का भी बहुत हाथ होता है। जब पिछला अक्टूबर सेशन हुआ था तो उस वक्त भी मैं ने हाउस के सामने figures रखे थे कि हरियाना के साथ किस तरह से discriminatory treatment हो रहा है और मुझे उम्मीद थी कि शायद बजट तैयार करते वक्त वे कमियां दूर की जाएं और हरियाना का कुछ ख्याल रखा जाय। लेकिन यह स्वाभाविक है कि जब बजट तैयार होता है तो उस वक्त जिस प्रकार के शख्स बैठे हों, अफसर या मिनिस्टर बैठे हों, उस इलाके का खास ख्याल रखा जाए। जहां तक मैं समझता हूं बजट के तैयार करने में Secretaries, Deputy Secretaries and Ministers का बड़ा हाथ होता है लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ेगा कि 9 Secretaries में से हरियाना का कोई भी Secretary नहीं और Deputy Secretaries में 2 के सिवाय कोई नहीं है। ख्याल था कि शायद ministers interest लेंगे लेकिन बजट तैयार करते वक्त बहुत कम ध्यान दिया गया जिस का नतीजा यह हुआ कि जो इलाका ज़रखेज़ है उस की तरफ बहुत ध्यान दिया गया और वह और भी खुशहाल हो गया लेकिन जो पिछड़ा हुआ इलाका है उसकी तरफ कोई तवज्जुह नहीं दी गई। मैं मानता हूं कि किसी इलाका को खुशहाल करने के लिए नहरों की ज़रूरत होती है। भाखड़ा की नहरों का कुछ पानी राजस्थान को दिया गया जहां कि पानी बहुत गहरा था और उन्हें बहुत ज़रुरत थी पंजाब के अन्दर कुछ इलाका ऐसा है जहां पानी की ज़रुरत नहीं क्योंकि वहां पहले ही यह कोशिश हो रही है कि पानी को किसी तरह निकाला जाए ताकि ऐसा न हो कि सेम हो जाए। इसलिए जहां राजस्थान कैनाल, सरहिन्द फीडर वगैरह को निकालना ज़रूरी था वहां भाखड़ा नहर को भी निकालना ज़रूरी था। आप हैरान होंगे कि जहां पहले भाखड़ा area के अन्दर 1,000 एकड़ के लिए 1.9 water allowance था अब 2.4 हो गया है। जहां waterlogged area है वहां पानी ज्यादा है इस लिए सेम की नालियां खोदनी पड़ती हैं और अगर रेतला इलाका हो तो पानी जज़ब ज्यादा होता है। आप अन्दाज़ा लगाएं कि अगर वहां पर

[चौधरी देवी लाल]

2.4 water-allowance हो तो वह इलाका कैसे खुशहाल हो सकता है । खैर, इस चीज़ को छोड़िये । जहां तक Tubewells का ताल्लुक है मैं जब अमृतसर जाता हूं तो देखता हूं कि जगह जगह tubewells लगे हुए हैं । Tubewells वहां ही कामयाब हो सकते हैं जहां tubewells के लिये नालियां तैयार हों । जब मैं चण्डी गढ़ से जाता हूं तो रास्ते में अमूमन देखता हूं कि नालियां टूटी पड़ी हैं । जिस को पानी की ज़रुरत न हो वह नालियां क्यों तैयार करे । इन हालात में tubewells इस area में कामयाब नहीं हुए । जो इलाके खुश्क हैं, यानी भवानी, झज्जर, रीवाड़ी वहां कोई प्रबन्ध नहीं किया गया । पानी देने की छोटी स्कीमों की तरफ कम ध्यान दिया गया है । नहर के बारे में मैं इतना ही कहना चाहता था । उस इलाके में सब से ज्यादा ज़रूरत थी, उस तरफ तवज्जो बहुत कम दी जा रही है, हालांकि नहर के मिनिस्टर चौधरी लहरी सिंह हुआ करते थे, उस के बाद प्रोफैसर शेर सिंह हुए और आज हमारे साथी राव साहिब हैं ।

फिर, स्पीकर साहिब, अनाज मण्डियों में पहुँचाने के लिये सड़कों की ज़रूरत है । जहां तक सड़कों का ताल्लुक है आप हैरान होंगे कि सड़कों के बारे में इस साल कितना इमतियाज़ी सलूक किया गया है क्योंकि सड़कें भी खुश किस्मती से हमारे हरियाणे के मिनिस्टर के चार्ज में हैं । स्पीकर साहिब, मैं आप को बताना चाहता हूं कि पंजाबी रिजन का रकबा 20,975 मुरब्बा मील है । वहां पर सड़कों पर इस साल खर्च किया जा रहा है 92,51,000 रुपया । इस के मुकाबले में हिन्दी रिजन का रक्बा 26,474 मुरब्बा मील है लेकिन उस में सड़कों पर रुपया खर्च हुआ है 66,00,000 रुपया । 24,00,000 रुपया hilly area पर खर्च किया जा रहा है । स्पीकर साहिब, सभी जानते हैं कि hilly area border district है । वहां सड़कों पर इतना खर्च मैं मुनासिब ख्याल नहीं करता । पंजाबी रिजन में 92 लाख के मुकाबले में हरियाने में 41,98,000 रुपया सड़कों पर खर्च किया जा रहा है । इस से आगे मैं आप को बताऊं, स्पीकर साहिब, आप हैरान होंगे कि सड़कों पर फी मील कितना रुपया खर्च होता है । पंजाबी रिजन में 440 रुपये फी मील के हिसाब से खर्च है और हमारे हारयाने में 252 रुपये फी मील के हिसाब से, 161 रुपये फी मील के हिसाब से हिन्दी रिजन में खर्च किया जाता है । स्पीकर साहिब, district-wise भी figures मैं आप को बता दूं । लुध्याना में 971 रुपये फी मील के हिसाब से सड़कों पर खर्च किया जा रहा है । इस के मुकाबले में करनाल में 121 रुपये फी मील के हिसाब से खर्च किया जा रहा है । बठिंडा में 739 रुपये फी मील खर्च किया जा रहा है । हिसार में 150 रुपये फी मील के हिसाब से । और एक ज़िला है जहां खर्च ज्यादा किया जा रहा है यानी 520 रुपये फी मील—वह ज़िला है महिन्द्रगढ़ । यहां कुछ मेहरबानी की गई है । मैं समझता हूं कि वहां के लोगों के साथ कोई खास हमदर्दी नहीं है । हमारे लीडर साहिब वहां एलान कर चुके हैं कि उन्होंने इस ज़िले को अपना लिया है । अगर वह अमृतसर को छोड़ कर इस ज़िले को अपना लें तो हमारी किस्मत जाग उठे लेकिन अभी तक उन्होंने इस ज़िले को अपनाया नहीं ।

स्पीकर साहिब, अब मैं आप को ज़िले-वार बताता हूं कि सड़कों पर कितना रुपया खर्च हुआ । ज़िला गुरदासपुर का रक्बा है 1,346 मुरब्बा मील उस में सड़कों पर खर्च हुआ 6,85,000 रूपया। हिसार का रक़बा है 5,379 मुरब्बा मील उस पर खर्च हुआ 8,15,000 रुपया, करनाल का रक़बा है 3,097 मुरब्बा मील और वहां खर्च हुआ 3,95,000 रुपया । इस के मुकाबले में अमृतसर का रक़बा है 1842 मरब्बा मील और वहां खर्च हुआ है 5,95,000 रुपया ।

इस के इलावा, स्पीकर साहिब, मैं आप को यह भी बताना चाहता हूं कि सड़कों की एक non-planned scheme है । उस के तहत हिन्दी रिजन में 5,40,000 रुपया खर्च हुआ और उस के मुकाबले में पंजाबी रिजन में 7,45,000 रुपया खर्च हुआ इस के अलावा 5,40,000 रुपया Centre का खर्च हुआ क्योंकि यह inter-State roads हैं । वह अगर recall किया जाए तो non-planned schemes बराए नाम रह जाती हैं। ज़िला हिसार में 15 सड़कों पर काम हुआ है और खर्च हुआ है 8,15,000 रुपया, लुध्याना में 10 सड़कों पर काम हुआ है और खर्च होगा 12,56,000 रुपया । अब आप, स्पीकर साहिब, मुलाहज़ा फरमाएं कि हिसार में 15 सड़कें under construction हैं और उन पर खर्च सिर्फ 8 लाख रुपया । लुध्याना में 10 सड़कों पर 12 लाख रुपया और ज़िला करनाल में 9 सड़कों पर काम हो रहा है और रूपया खर्च होगा 3,95,000 । इस बजट के सफा 357 पर लिखा है--

> "The area between Delhi-Sirsa-Fazilka road and Hissar-Jakhal-Bhatinda lines has absolutely no means of road communications at present and is thus highly undeveloped."

यह तो गवर्नमैंट खुद मानती है कि हिसार से लेकर सिरसा-फाज़िलका तक सारा इलाका और दिल्ली से हिसार-जाखल तक का इलाका under developed area है। इसलिए मैं मिनिस्टर साहिब का ध्यान इस तरफ़ दिलाना चाहता हूं कि इस की development का ख्याल रखना चाहिए । यह भी उन्हीं का इलाका है । यह तो मैंने सड़कों की बाबत कहा ।

अब मैं floods की बाबत अर्ज़ करना चाहता हूं । यह महकमा भी हमारे हरियाणे के मिनिस्टर के पास है । मैं हरियाना के बाहर बिल्कुल कम जाऊंगा, या हरियाना के मिनिस्टर साहिबान की बात करूंगा या हरियाने के इलाके की बाबत । तारीख तो इस वक्त मुझे याद नहीं लेकिन आप को मालूम है कि ग़ालबन 23 अगस्त को रोहतक में flood आया और उसके बाद 20 सितम्बर को Floods Control Board की meeting हुई । उसका agenda मेरे पास है । बदकिस्मती से Floods Control Board के तीन non-official members हैं जिन में एक मैं भी हूं । 25 official members हैं जिन में engineers वगैरा शामिल हैं । बाकी मिनिस्टर साहिबान हैं । कुल मिला कर इस बोर्ड के 37 मैम्बर हैं जिनमें हरियाने के सिर्फ चार हैं । उन दिनों आप जानते हैं कि रोहतक के floods की बाबत सारे हिन्दुस्तान के अखबारों में वावला मचा । Centre से वहां पर मिनिस्टर आए । प्रधान मन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू वहां पहुँचे, श्री कृष्णा मैनन वहां गए, यहां तक

[चौधरी देवी लाल]

कि हालात की भयानकता को देखते हुए military तक की मदद पहुँचाई गई। लेकिन उसके बावजूद इस बोर्ड में उस मसले की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। आप सुन कर हैरान होंगे कि उस meeting में 23 items agenda पर रखी हुई थीं जो कि approve की गई लेकिन उनमें सिर्फ "नाईनाला" करनाल जिले की item थी बाकी सारी की सारी items पंजाबी रिजन की approve हुई और यह उस वक्त की meeting में हुआ जब कि रोहतक पानी में डूबा हुआ था। आप अन्दाज़ा लगाएं कि इतना वावेला मचने के बाद भी हरियाणा के इलाके को floods से बचाने के लिए कितनी तवज्जो दी गई और अब भी वहां पर floods को control करने के लिए जो तवज्जो दी जा रही है वह बराए नाम ही है। दरियाए घग्गर जो हमारे सारे इलाके से गुज़रता है हर साल लाखों रुपए का नुक्सान करता है, ज़मीन और जायदाद तबाह करता है। लोगों को हर साल जानी और माली नुक्सान बर्दाश्त करना पड़ता है। मुझे पता है कि जो पिछली winter में बारिशें हुईं वह सारा पिछला record beat कर गईं। और टोहाना, जाखल से होते हुए ओटू, सूरत गढ़, रीता तक लाखों एकड़ ज़मीन की तबाही और नुक्सान हुआ। आप imagine नहीं कर सकते कि पांच-पांच, छ: छ: फुट लम्बी सरसों, गन्दम और चने खड़े थे सब पानी में मिल गए। पिछले दिनों मैं हनुमान गढ़ के रास्ते एक शादी पर जा रहा था, अभी चार तारीख का ज़िक्र है, मैंने देखा कि वहां पर अभी तक पानी खड़ा है। वहां सारी की सारी फसल का सत्यानाश हो गया लेकिन कोई तवज्जो नहीं दी गई। पिछले दिनों सुना था कि कालका के पास घग्गर पर कोई dam लगाने लगे हैं लेकिन वह तीसरी Plan के आखरी साल में शुरु होगा। तब तक तो न मालूम कितने करोड़ रुपए का और नुक्सान हो जाएगा। इस से एक और नुक्सान वाली बात मैं आप के notice में लाना चाहता हूं। इस दरिया के अन्दर जो पहले पानी आया करता था उसका record 4,300 cusecs का था लेकिन इस दफा ओटू के मकाम पर 8,000 cusecs था। पीछे संगरूर चो पर भी पुल लगना था लेकिन पिछली दफा देहली भटिंडा रेलवे लाईन टूट जाने की वजह से पानी भाखड़ा के साथ टकरा गया और पीछे रह गया। अगर पानी आगे चला जाता तो और नुक्सान पहुँचाता। (*Interruptions*) जनेर, मानसा, बाह्मणवाला को बहुत नुक्सान पहुँचा। तालिब साहिब खुद उस area के दौरे पर गए और देखा कि मीलों मील पानी पड़ा है। जब अगली बरसात का और पानी वहां जाएगा तो आप अन्दाज़ा लगाएं कि उस इलाके की कितनी बुरी हालत होगी। मैं पंजाब सरकार से दरखास्त करूंगा कि उस इलाके को बचाया जाए और जो घग्गर का फालतू पानी है उसे या तो सतलुज में डाला जाए या dam बनाया जाए। वक्त रहते और फौरी तौर पर इस मसले की तरफ तवज्जो दी जानी चाहिए वर्ना मैं आप को बता देना चाहता हूं कि उस इलाके में बहुत तबाही होगी और वहां के लोग नुक्सान से उजड़ जाएंगे। आखिर हरियाणा भी तो सरकार के साथ ही है और हरियाणा से भी उसे पूरी मदद मिलती है।

अब मैं आप को यह बताना चाहता हूं कि हरियाणा के ज़िलों की ज़मीन कितनी ज़रखेज़ है, कितनी ज़मीन है और उसको develop करने के लिए सरकार क्या कर रही है । हमारी सरकार को Centre से Package programme के तहत 9 करोड़ रुपया मिलेगा । लेकिन वह कहां जाएगा ? लुध्याना में । अगर मैं आप को लुध्याना के मुकाबला में हिसार और करनाल की irrigated land की पैदावार per area बताऊँ तो आप खुद ही अन्दाज़ा लगा सकते हैं कि Package programme के तहत किस area को preference मिलनी चाहिए थी लेकिन इस बजट में इस 9 करोड़ की रकम में से 15,54,650 रुपए की रकम सिर्फ लुध्याना को allocate की गई है । आप मुकाबला करके देखें कि लुध्याना की irrigated land का total रकबा 3 लाख 18 हज़ार एकड़ है जब कि हिसार का यह रकबा 12 लाख 45 हज़ार है। अब आप पैदावार के हिसाब से मुकाबला करें कि हिसार की 12 लाख 45 हज़ार एकड़ और करनाल की 5 लाख 21 हज़ार एकड़ irrigated land के मुकाबले में लुध्याना की 3 लाख 18 हज़ार एकड़ में कितनी पैदावार घटी बढ़ी है । लुध्याना में सन् 1950-51 में गन्दम की फी एकड़ 1,038 lb. पैदावार थी और 1960 में 839 lb. फी एकड़ है । हिसार में 1950-51 में फी एकड़ गन्दम की पैदावार 621 lb. थी और अब 882 lb. है । इसी तरह करनाल में गन्दम की फी एकड़ पैदावार 1950-51 में 743 lb. थी जब कि अब यह बढ़ कर 868 lb. हो गई है । तो ख्याल करें कि लुध्याना के मुकाबले में जहां इतनी जरखेज़ ज़मीन हो और पैदावार बढ़ती जा रही हो फिर भी वहां पर package programme न चलाया जाए और लुध्याना में चलाया जाए जहां कि पहले ही Agricultural College और Agricultural University है तो इसे आप क्या कहेंगे ? यहां हरियाणे के साथ इतनी हमदर्दी का इज़हार किया जाता है, इतने बड़े बड़े दावे किए जाते हैं और अभी अभी मेरे मोहतरिम दोस्त चौधरी सूरज मल ने भी बहुत कुछ कहा, public जलसों में भी कहा करते हैं, लीडर साहिब ने भी कहा कि हरियाणा के लिए हम बहुत कुछ कर रहे हैं । यह भी बताया गया कि वहां पर polytechnics खोले जा रहे हैं, Medical College खोला जा रहा है । मैं Medical College की तरफ तो बाद में आऊंगा, वह portfolio भी हमारे लीडर साहिब के पास है जो कि हमारे सब से बड़े हमदर्द हैं । वैसे तो services में नाम भी गिनाए जाते हैं कि फलां आदमी है, फलां आदमी है, Public Service Commission में हरियाणे के जौधरी हरद्वारी लाल हैं, एक D.C. हरियाने का है और चौधरी रतन सिंह का भी नाम ले लेते हैं हालांकि वह retire भी हो चुके हैं । लेकिन स्पीकर साहिब मैं आप के ज़रिए House को बताना चाहता हूं कि कंवर शमशेर सिंह, चौधरी राम सिंह, चौधरी दलीप सिंह, चौधरी डी. सी. वर्मा, श्री सूबे सिंह, चौधरी सुन्दर सिंह, राओ भीम सिंह और चौधरी हरद्वारी लाल वगैरा 12 नाम मैंने गिनकर देखे हैं जो कि हरियाने के बनते हैं । मैं उनसे पूछता हूं कि अगर कोई तेहरवां नाम हो तो बताएं । अगर gradation list को देखा जाए, officers की Civil List को देखा जाए तो गिनती भी आसानी से नहीं होती मगर हरियाने के जितने officers हैं उनको अंगुलियों पर गिना

[चौधरी देवी लाल]

जा सकता है । जहां बजट तैयार होता है वहीं पर आप जाकर देख लें, कोई अफसर हरियाने का नहीं है । मैं कल वहां पर गया था मैंने उनकी गिनती ली, कोई 24 के करीब अफसर वहां बैठे थे लेकिन हरियाने का कोई नहीं था । मैं कहता हूं कि बजट कोई मिनिस्टरों ने या M.L.A.s ने तो तैयार नहीं करना होता । उन्हीं अफसरों ने तैयार करना होता है ।

हुकूमत में Services बड़ा count करती हैं । मैं यह सब कुछ इस लिए बता रहा हूं क्योंकि हरियाना के साथ हर लिहाज़ से इम्तियाज़ बरता जा रहा है । इस का नतीजा reaction की सूरत में ज़ाहिर होता है । इस को रोकने में ही पंजाब की बहबूदी है ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਤਾਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਬਾਤ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਹ ਤਾਂ ਸ਼ਾਇਦ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕਾਮਯਾਬ ਨਾ ਹੋ ਸਕਣ ਮਗਰ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ policy ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਅਖਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ਼ ਖੁਦ ਬਖੁਦ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਬਣ ਜਾਵੇ ਗਾ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹਰਿਆਨੇ ਦੇ ਨਾਲ ਸਲੂਕ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਕੁਦਰਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਤੇ reaction ਹੋਵੇਗਾ ਔਰ ਉਹ ਤੰਗ ਆ ਕੇ ਕੋਈ ਹੋਰ ਮੰਗ ਨਾ ਖੜੀ ਕਰ ਦੇਣ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਦੋ ਹਿੱਸੇ ਹੋਣ ਕਿਉਂਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਲਈ ਏਕਤਾ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਇਹ ਇਕ ਬਾਰਡਰ ਸਟੇਟ ਹੈ ਅਗਰ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਤਹਾਦ ਰਹੇ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਜੇਕਰ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਹਰਿਆਣੇ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹੋ ਹੀ ਸਲੂਕ ਰਿਹਾ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਰੋਕ ਨਹੀਂ ਸਕੋਗੇ। ਜਨਾਬੇ ਆਲੀ ਅਸੀਂ ਗਡਿਆਂ ਮੋਟਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਸਫਰ ਕਰਦੇ ਜਦੋਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮੂੰਹੋਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਸੁਣਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ face ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਜਦੋਂ ਗਲਾਂ ਹਦ ਤੋਂ ਟੱਪ ਗਈਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਕਿਥੋਂ ਤਕ ਆਪਣੇ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੂੰ ਜਾਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ defend ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ।

मैं हरियाना की demand नहीं कर रहा और पंजाबी सूबा की support भी नहीं कर रहा । मगर जिस तरह बजट का खर्च किया जा रहा है उस के नतीजे के तौर पर जो reaction हो रहा है वह बता रहा हूं । और यह बता रहा हूं कि यह किस ढंग से होना चाहिए बाकी बातें तो by the way ही कही हैं ।

अब मैं बिजली की तरफ आता हूं । सारा बजट मैंने देखा मगर region-wise break up कहीं दिखाई नहीं दिया । एक जगह यह दर्ज है कि 2,300 गांव electrify हो गए हैं । इस में से 110 गांव तो हैं करनाल में, 18 हैं महेन्द्रगढ़ जिले में, 80 गांव हैं गुड़गांव में और 40 गांव हिसार में हैं । कुल मिला कर सिर्फ 358 गांव हरियाना के इलाके में electrify हुए हैं । स्पीकर साहिब, बिजली तैयार होती है भाखड़ा से । अगर उस के पानी पर हम betterment levy न दें तो भाखड़ा कैसे तैयार होता और बिजली कहां से आती । अब आप देखिए हरियाणे के पैसे से बनी हुई बिजली supply कहां होती है । जनाब जहां 358 गांव सारे हरियाणा के electrify

हुए वहां अकेले अमृतसर जिले के 735 गांव electrify हुए । जनाब, एक कहावत है 'आधा खलक और आधा पलक' ।

मुख्य मंत्री : चुटाले पहुंची कि नहीं ?

चौधरी देवी लाल : कैरों भी तो देखें । जनाब, कलकत्ता में एक मलक साहिब रूई का बहुत बड़ा व्यापारी था जितना रूई का व्यापार होता आधा वह संभाल लेता और आधा बाकी की खलक को मिलता था । अगर आधा ही होता तो हम बर्दाश्त कर लेते मगर यह तो उस से भी बहुत ज्यादा है ।

अब जरा industry को देखें । दो ही figures बताऊंगा ज्यादा के लिए वक्त नहीं । जनाब, करनाल ज़िले में 140 भट्ठे allot हुए मगर आप हैरान होंगे कि इन में से सिर्फ 4 वहां के लोगों को दिए गए । फिर 38 भट्ठे चण्डीगढ़ में दिए गए मगर उन में से एक भी अम्बाला ज़िला के लोगों को नहीं मिला । देखिए यह हालत है । अगर कोई Assembly Question पूछते हैं तो जवाब ही नहीं मिलता । जनाब, पिछली गर्मियों के महीने में जयपुर में All India Small Scale Industries की Conference थी । मैं, Chief Minister साहिब और पंडित जी भी वहां गए थे । Chief Minister साहिब तो हवाई जहाज में आ गए, मुझे सवारी पंडित जी की car में मिल गई । आते हुए हम गुड़गांव ठहरे । वहां सारे अफसर इधर के थे वह पंडित जी से खूब मिले जुले । मैं बड़ा हैरान हुआ । मैंने कहा मैं इधर का रहने वाला हूं मुझे यह अफसर नहीं जानते मगर आप को बड़ी अच्छी तरह से जानते हैं तो कहने लगे कि भई मैं तो सारे पंजाब में घूमता हूं । फिर फरीदाबाद के बारे में बात हुई । मैं ने कहा कि वहां industry का क्या हाल है । कहने लगे वहां पर 450 लोगों ने कारखाने लगाए हैं । मगर आप हैरान होंगे कि सिर्फ 5 आदमी वहां के रहने वाले हैं बाकी सब कोई गुरदासपुर का है तो कोई अमृतसर का । इस तरह से अपनी colonies बसाई जा रही हैं । इन को वहां का आदमी काम करने वाला ही नहीं मिलता । (घंटी) मैं ज़्यादा जिक्र नहीं करता चूंकि और भी कई दोस्तों ने इस का जिक्र किया है ।

अब मैं कुछ animal husbandry के बारे में बताना चाहता हूं । जनाब, हम से तो इम्तियाज़ होता आ ही रहा था अब हमारे पशुओं से भी होने लगा है । अंग्रेज ने तो हमें 1857 की बगावत में हिस्सा लेने पर सज़ा दी, अलग अलग कर दिया और neglect किया मगर अपनी सरकार ऐसा सलूक क्यों करे ? जनाब, 300 मोहरा buffalows के लिए तीन लाख रुपए की subsidy की scheme थी । वह सारा का सारा रुपया पटियाला, फिरोज़पुर वगैरह ज़िलों में बांट दिया । उस में 15 रुपए फी गाए के हिसाब से देने की स्कीम थी वह भी सब उधर ही दे दिया थोड़ा अम्बाले को छोड़ कर फिर इसी तरह से 3 लाख रुपया 300 भैंसों के लिए भी उधर ही दे दिया । इस में भी 25 रुपए फी भैंस वाली स्कीम थी । हमारे इलाके के पशुओं के साथ भी इम्तियाज़ बरता जा रहा है । फिर तीन लाख रुपया subsidy दी जाएगी उस Milk Factory के लिए जो पटियाला और अमृतसर में लगेंगी । होना

[चौधरी देवी लाल]

चाहिए था कि वह factory हिसार और करनाल जैसे ज्यादा दूध वाले इलाके में लगती मगर नाम हमारा लेकर दे उधर दी गई है । (घंटी) स्पीकर साहिब, आप से तो उम्मीद थी कि आप वक्त देने में हरियाणे से इम्तियाज़ नहीं बरतेंगे । (हंसी) कल प्रधान साहिब को एक घंटा मिला था मुझे भी कुछ ज्यादा ही वक्त मिलना चाहिए । मैं कोई detail में नहीं जा रहा और कुछ छोड़ रहा हूं ।

फिर जनाब, Medical Department के बारे में हमारी हालत देखें । हमारे चौधरी साहिब ने अभी कहा था कि हरियाणे की तरफ ध्यान जितना अब दिया जा रहा है इतना चौधरी छोटू राम के वक्त को छोड़ कर कभी नहीं दिया गया । और भी दावे किए जाते हैं । जनाब, कल के Tribune में ही Chief Minister साहिब की speech पढ़ी कि देखो Public Service Commission और Subordinate Services Selection Board में हरियाणे के नुमायंदे हैं । बस इन्हीं के बारे में बताया और किसी महकमे का ज़िक्र उन्होंने नहीं किया । मैं आप को बताता हूं कि medical का खर्च कितना कितना है । हिन्दी रिजन पर 24,64,000 रुपए और पंजाबी रिजन पर 58,80,000 रुपए । मुझे डर है कि यह 24 लाख भी सैनिक स्कूल झज्जर की स्कीम की तरह खर्च न होगा । इस में कांगड़ा में एक T. B. clinic बनाने की तजवीज़ है । अव्वल तो यह रुपया खर्च होगा नहीं और अगर मान भी लिया जाए कि होगा तो 59 लाख और 24 लाख का क्या मुकाबला है । हमारे साथ कहीं भी अच्छा सलूक नहीं किया जा रहा खास कर services में ।

न हमारे यहां सड़कें हैं और न ही हमारे यहां के लोगों को पोलिटिकल पूरी representation मिली है । अगर देखा जाए तो 95 फी सदी पंजाबी रिजन को मिली हुई है और हमारे यहां के लिए सिर्फ 5 फी सदी । हां, अगर representation कहीं मिल सकती है तो किसी हद तक C.I.D. में भले ही हो क्योंकि हमारे यहां के लिए C.I.D. बहुत रखी हुई है । Cabinet rank में अगर देखें तो ज़रूर कुछ percentage बढ़ी हुई मालूम होती है और वह इस तरह से कि Cabinet में 8 में से 3 जूनियर क्लर्क हरियाणे के हैं और दो सीनियर क्लर्कस हैं ?

Dr. Bhag Singh : Sir, what does he mean by Senior and Junior Clerks in the Cabinet? (*Interruption*)

चौधरी देवी लाल : मेरा मतलब सब समझ गए हैं । यह Clerks ही तो हैं । तो जनाब, मेरे कहने का मतलब यह है कि यह जो हमारे इलाके के साथ तमीज़ बरती जा रही है इससे वहां के लोगों में एक reaction होता है । क्या क्या बातें गिनाई जाएं । हमारे जो मुहम्मद यासीन खां आज कल जंजीरों में बंधे हुए हैं उन्हें भी अमृतसर जाना पड़ता है, क्योंकि हमारे यहां कोई Mental Hospital भी तो नहीं है । अगर मैं, पंडित श्री राम शर्मा या चौधरी धर्म सिंह राठी वगैरा पागल हो जाएं तो भी अमृतसर ही जाना पड़ेगा । हमारे यहां कम से कम एक Mental Hospital ही दे दो (हंसी) । अब मैं servives के बारे में बतलाना चाहता हूं । हाईकोर्ट के जजिज़ में से सिर्फ एक हमारे यहां का है । पबलिक रिलेशंस आफिसरों में से सिर्फ 2 हरियाणे

के हैं जब कि कुल संख्या 28 के करीब है । और डिप्टी डाइरेक्टर वगैरह अभी तक कोई वहां का नहीं हुआ । Transport में P.T.C. जो हैं वह सब बाहर के, हमारे यहां का कोई नहीं । 9 चीफ इंजीनियरों में से अभी तक कोई नहीं था, अब सिर्फ 1 हो गया है । चीफ इंजीनियर B and R में से हमारे यहां का सिर्फ 1 है । S. Es. में 37 मे से सिर्फ 2 हैं जो हमारे यहां के हैं । डिप्टी सुपरिनटैंडैंट पुलिस 18 में से 4 हैं । इधर Secretariat में Financial Commissioners में से एक भी नहीं है। Secretaries 9 हैं लेकिन हमारे यहां का एक भी नहीं है । Commissioners 3 हैं लेकिन हरियाणे का कोई नहीं । इसी तरह District Industries Officers 25 हैं मगर हमारे यहां का एक भी नहीं है जिस के पास जा कर कोई कुछ काम करा सके । Civil Supply अफसरों में से जिनकी संख्या 20 है उनमें से एक है । District Inspectors of Schools 18 में से 2 . . . .

श्री अध्यक्ष : आप बहुत ज़्यादा time ले गए । (The hon. Member has taken too much time.)

चौधरी देवी लाल । जरूर औसतन कुछ ज़्यादा मिला है पर पूरा नहीं । D.I.G. 5 मे से 2 हरियाणा के हैं । I. C. S. 10 हैं उनमें से एक हमारे यहां का और P. C. S. 300 में से 52 अम्बाले ज़िले के और 23 हरियाणे के हैं बाकी सारे पंजाबी रिजन के ही हैं । सैंटर से प्लैन का रुपया लेने के लिए हमें बुलाया गया और पूछा गया, मगर Third Five-Year Plan को finalize करते वक्त हमें नहीं बुलाया गया । इस से हमें एक शक पड़ता था और वह बजट को देख कर असलियतों में बदल गया ।

स्पीकर साहिब, मैं आपकी मार्फत यह अर्ज़ करूंगा कि हरियाना पंजाब का हिस्सा है । उसकी तरफ ध्यान देना चाहिए । एक दफा का ज़िक्र है कि जब मूल चंद जैन यहां थे तो एक पार्टी मीटिंग हो रही थी उसमें यह बात कही गई कि जो ज़मीनें अमृतसर और गुरदासपुर के लोगों को अलाट हो रहीं हैं उनमें से लोकल आदमियों को ज़रूर होनी चाहिएं । जब इसका कारण पूछा कि लोकल आदमियों का कोई भी नाम क्यों नहीं है तो सरदार प्रताप सिंह जी बोले कि दरखास्त ही कोई नहीं आई । तब मैंने कहा था कि दरखास्त कहां से आए ? हमारा किसान यहां के किसान से पीछे है, हमारा हरिजन यहां के हरिजन से पिछड़ा हुआ है, बनियां बनियां से पिछड़ा हुआ है, M.L.A. M.L.A. से पिछड़ा हुआ है । जब यह हाल है तो दरखास्त देने की समझ उन्हें कहां से हो सकती थी ? वह तो खास provision उनके लिए होना चाहिए था । स्पीकर साहिब, मैं सरकार के ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं कि international हालात को सामने रखते हुए इस बात की निहायत ज़रूरत है कि हरियाना के साथ ठीक सलूक किया जाए । (घंटी) बस, स्पीकर साहिब, मैं आप का बड़ा शुक्रिया अदा करता हूं कि आपने मुझे काफी time दिया ।

श्री भगीरथ लाल शास्त्री (पठानकोट) : स्पीकर साहिब, मुझे इस बात की खुशी है कि आपने मुझे भी समय दिया है...

श्री अध्यक्ष : लेकिन थोड़ा दिया है (हंसी) (But the hon. Member has been given less time.) (Laughter)

श्री भगीरथ लाल : कोई बात नहीं, मैं तो संतोषी व्यक्ति हूं, मेरा इतने से ही संतोष हो जाएगा। स्पीकर साहिब, जिस बजट पर बहस चल रही है, वह हमारे बजुर्ग और तजर्बाकार वित्त मन्त्री की ओर से प्रस्तुत किया गया है और मैं इस का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। यह बजट उन लोगों को सहारा देता है जो तालीम में दूसरे लोगों से पिछड़े हुए हैं। मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि जो लोग अपने बच्चों को शिक्षा देने में समर्थ नहीं उनके लिए उस गवर्नमैंट ने मुफ्त शिक्षा देने का प्रबन्ध किया है। आज तक बीसियों सरकारें आई, मुग़लों का राज रहा, अंग्रेज़ों का राज रहा लेकिन किसी ने compulsory education की तरफ ध्यान नहीं दिया लेकिन यह एक सरकार है जिसने यह समझा कि ये बच्चे हमारे अपने हैं, देश अपना है, प्रजा अपनी है। स्पीकर साहिब (प्रशंसा) आप की कृपा से मैं दो चार बातें और कहना चाहता हूं। आज तक कुछ ऐसे लोग रहे हैं जिन्होंने जीवन भर कूओं का पानी नहीं पिया, जो छः छः मील से पानी ला कर अथवा नदियों के किनारे पर रह कर जीवन व्यतीत करते रहे लेकिन आज सरकार ने उन्हें गांव के अन्दर भी पानी पहुंचाने का यत्न किया और फलतः जगह जगह नलके चल रहे हैं। ऐसे ऐसे हमारी सरकार के कारनामे हैं। पब्लिक हैल्थ का जो महकमा है उसके विषय में मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि चौथी श्रेणी के मुलाज़मों की तनखाहें बढ़ानी चाहिएं। इस के साथ ही तीसरी श्रेणी के कर्मचारियों के वेतन भी बढ़ाने चाहिएं। चौथी श्रेणी के कुछ लोगों के वेतन बढ़ा कर सरकार ने इस बात का सबूत दिया है कि ग़रीबों के साथ उनकी पूरी हमदर्दी है। मैं जानता हूं कि ये सब बातें होने पर भी कुछ लोग ऐसे हैं जिन का काम नुक्ताचीनी करना है। आम तौर पर दो तीन प्रकार के लोग नुक्ताचीनी करते हैं। एक तो वे लोग हैं जो रूठे हुए हैं और इन में अक्सर ऐसे हैं जिन्होंने Ministry का 'हूटा' लिया हुआ है ऐसे लोग ज़ाती मुफ़ाद को सामने रख कर नुक्ताचीनी करते हैं। (प्रशंसा) दूसरे कुछ लोग ऐसे हैं जिन की बातें कई दफा नाकाबले बर्दाश्त हो जाती हैं। जैसे कल इस हाउस के अन्दर एक लेडी मैम्बर ने कहा कि अगर उसे उस चण्डी माता की शक्ति प्राप्त हो जाए जिस के नाम पर चण्डीगढ़ में एक विशाल मन्दिर बना हुआ है तो मैं इन मिनिस्टरों को कुचल कर रख दूं। (*Interruptions*) (*Loud noise*)

Kanwarani Jagdish Kaur: On a point of order.

Mr. Speaker: Order please, no interruptions. Let him proceed.

श्री भगीरथ लाल शास्त्री : स्पीकर साहिब, चण्डी की शक्ति सीता तथा सावित्री जैसी महान् आत्माओं में प्रवेश करती है। ऐसी साध्वियां हमारे देश में हुई

हैं जिन्होंने अपनी शक्ति एवं बल के द्वारा दुनिया का नकशा बदल कर रख दिया । लेकिन यह वे देवियां हैं जो सती थीं, साधवी थीं और पतिव्रता थीं, जो अपने पति को देवता के समान पूजती थीं, (*Loud applause*) लेकिन कुछ ऐसी भी मिसालें आती हैं ..

(*At this stage Kanwarani Jagdish Kaur and some other members made interruptions.*)

Chaudhri Dharam Singh Rathi : It is not in good taste.

Mr. Speaker : Have patience of listening now.

श्री भागीरथ लाल शास्त्री : स्पीकर साहिब, मैं निवेदन कर रहा था कि इस तरह के लोग हैं जो गवर्नमैंट को बदनाम करने की कोशिश करते हैं ।

तीसरे वे लोग हैं जिन का काम ही नुक्ताचीनी करना है चाहे मिनिस्ट्री डाक्टर गोपी चन्द भार्गव की हो, सच्चर साहिब की हो या सरदार प्रताप सिंह कैरों की हो जो कि एक शक्ति-शाली लौह पुरुष है । मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि जब से यह मिनिस्ट्री सत्तारूढ़ हुई है प्रदेश में हर प्रकार के लोगों को राहत मिली है । (घंटी)

स्पीकर साहिब, दो तीन बातें मैं और अर्ज़ करना चाहता हूं । शिक्षा के बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ ऐसे इलाके हैं जहां 15, 20 मील के अन्दर भी कोई हाई स्कूल नहीं है । पठानकोट से डलहौज़ी तक सारे area में एक हाई स्कूल हैं । इस लिए मैं अर्ज़ करूंगा कि जो middle स्कूल हैं उन को upgrade करके हाई स्कूल बनाना चाहिए । गवर्नमैंट तीन कालेज खोल रही है इस लिए मैं निवेदन करूंगा कि गुरदासपुर के कालेज का भी ध्यान रखा जाए । पठानकोट आज एक बहुत बड़ा शहर बन चुका है, वहां पर 80 हज़ार की आबादी है लेकिन कोई हस्पताल नहीं है । कई दफा यत्न करने पर भी हस्पताल बनाने की स्कीमें कामयाब नहीं हो सकी । मैं गवर्नमैंट से दरखास्त करूंगा कि वहां पर बड़ा हस्पताल बनाने की जो तजवीज़ है वह चलानी चाहिए । पठानकोट का area border पर होने की वजह से वहां पर सड़कों का होना बहुत ज़रूरी है । कण्डी के area की जो स्कीम आप ने चलाई है वह भी वहीं की वहीं है । (घंटी) । इन शब्दों के साथ मैं आप का शुक्रिया अदा करता हूं ।

चौधरी भरत सिंह (गोहाना, जनरल): स्पीकर साहिब, आप ने बजा फरमाया था।

3-00 p.m.

कि गवर्नमैंट पर ज़ाती हमले नहीं करने चाहिएं बल्कि गवर्नमैंट की पालिसी और कारगुज़ारी पर नुक्ताचीनी करनी चाहिये । मैं समझता हूं कि हमारी गवर्नमैंट के अरकान इस बात के आदी हो चुके हैं कि ज़ाती हमलों को बर्दाशत करें । लेकिन जो जायज़ नुक्ताचीनी होती है न उस का नोटिस लेते हैं और न तसल्लीबख्श जवाब देते हैं । उन की सारी की सारी कारगुज़ारी सियाह है और माकूल जवाब नहीं दे सकते । Mr. Benthem एक English Philosopher ने कहा है :—

(Protection of tenants,—Mr. Bentham, an English Philosopher)

"All political institutions and public policies must be judged by their fruits and not by their ideality, i.e., by their actual efforts on the happiness of the people and not by their conformity to theories of natural rights or absolute justice or lack of it",

[चौधरी भरत सिंह]

Land reforms के बारे में हमारी सरकार 1953 से जो कुछ करती रही है और जो कुछ अब तक किया है उस का नतीजा यह निकला है कि अभी जनवरी के महीने में हमारे F. C. साहिब ने ruling दिया है—

Before Shri B. S. Grewal, I.C.S., Financial Commissioner, Punjab, Chandigarh

SUBA SINGH AND ANOTHER —*Applicants*

versus

ARJAN SINGH AND OTHERS—*Other side*

Revenue Revision No. 200 of 1959-60.

Punjab Security of Land Tenures Act (No. X of 1958) Sections 6, 16 and 18—Scope—Transfer made before 1st February 1955—Effect)

"Held, that transfers and dispositions made before 1st February, 1955, are not affected by sections 6 and 18 of the Punjab Security of Land Tenures Act. Rights of tenants vis-a-vis transfers made by landowners are protected after 1st February, 1955 and not earlier. The plain implication of section 6 of the Act, if read along with section 16,is that it is applicable to landowners only for determining their surplus areas and its utilisation under section 10-A for the resettlement of ejected tenants, and not for safeguarding the rights of tenants against transfers, etc."

स्पीकर साहिब, यह surplus area का new concept आया है 1955 में। 1953 में surplus area का कोई सवाल पैदा नहीं होता था। उस वक्त tenants के rights को protect करने के लिये section 6 है और उस के मुताल्लिक एक जिम्मेदार शखसियत ने कहा है। मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि चीफ़ मिनिस्टर साहिब ने जो उस वक्त Development Minister थे 24 फरवरी, 1953 की Debate में जो कहा था वह उस Debate के सफा 35 पर इस प्रकार दिया हुआ है —

"....I think if the Government of the day had courageously provided in that measure that any transfer of land effected after 1947 would not be deemed valid in the eyes of law and that after 1947 no ejectment of any tenant by a landlord would be recognised, then the problem of tenants would not have assumed the present proportion. I regret to say that the weak-kneed policy of that Government did not prove of any avail to the tenants".

इस के इलावा आगे चल कर वह कहते हैं—

"The landlords, big or small, began to transfer their lands in favour of other members of their families."

इस Debate के Page 37 पर फिर वह फरमाते हैं —

"Clause 6 has been so drafted as to give protection to the largest number of tenants so that they might be able to earn their livelihood".

इस के इलावा उसी Debate में इन्हों ने फरमाया

"The number of those who managed to transfer their land to others is 1,36,000."

स्पीकर साहिब, मैं आप को कही हुई बात याद दिला दूं जो आप ने 24 फरवरी, 1953 की Debate में कही थी और जो उस Debate के सफा 54 पर दी हुई है—

"As regards giving the right of reservation to the heirs, I beg to submit that if permissible limit is determined after the land has been divided into several parts, the very object of this Bill would be defeated. In order to remove this defect some provision should be made for the restoration of all those tenants who have been ejected since 1947."

फिर 25 फरवरी, 1953 की Debate के सफा 42 पर क्लाज़ 6 की तरमीम पेश करते वक्त प्रोफैसर शेर सिंह ने जो कहा था वह मैं आप को पढ़ कर सुना देता हूं जिस के बारे में ruling आया है।

"Mr. Speaker, I wish to submit that after 1947 the zimindars of our State realised that they would experience difficulties in turning out tenants from their lands and out of this year they transferred their lands to their near relatives so that the lands could be reserved in their names and consequently they might continue to own more land. As this practice had started from 1947, I have moved this amendment and request that the same may be accepted."

The Punjab Security of Land Tenures Act, 1953 की क्लाज़ 6 से जो इस प्रकार है सारे के सारे ऐक्ट की मनशा खत्म हो जाती है—

"6. For the purposes of determining under this Act the area owned by a land-owner, all transfers of land except bona fide sales or mortgages with possession, or transfers resulting from inheritance, made after the 15th August, 1947 and before the commencement of this Act, shall be ignored."

जब यह क्लाज़ 1953 में ऐक्ट का हिस्सा बनी तो 15 अगस्त, 1947 से ले कर 15 अप्रैल, 1953 के दरमियान चन्द आदमियों ने अपनी ज़मीन छोटे भाइयों और रिश्तेदारों के नाम मुन्तकिल कर दी है। यह जो ruling Financial Commissioner ने जनवरी में दिया है उस ने सब कुछ किये हुए पर पानी फेर दिया है। जितनी surplus area के मुतअल्लिक हिदायतें जारी हुई हैं Secretariat से जारी हुई हैं।

स्पीकर साहिब, 25 फरवरी, 1953 की Debate के page 45 पर फिर आप ने फरमाया है—

"In fact, it means that all the transfers made by the landlords in favour of their relatives after the 15th August, 1947, will be considered null and void for the purposes of determining the area of land. Such an attempt by the landlord is bound to have an adverse effect on the rights of the tenants, or in other words, would tenta mount to encouraging absentee landlordism. I think that if this amendment is accepted all the tenants who were ejected from the land after the partition will be restored to their respective tenancies."

बात सीधी सी थी। Section 6 सिर्फ इसी लिए थी कि tenants के rights को protect किया जाए। जो लोग उस वक्त तक नाजायज़ तौर पर बेदखल किए गए थे उनकी tenancies को restore किया जाए। इसीलिए tenants को यह हक भी दिया था कि वह उस ज़मीन को जिस पर वह बैठे हैं खरीद भी सकते हैं। सन् 1955 के बाद surplus

[चौधरी भरत सिंह]

area का concept आता है । ज़रूरी है कि गवर्नमैंट उन ज़्यादतियों को देखती जो कि इस surplus area से बचने के लिए लोगों ने पहले ही कर ली थीं, उन transfers की पड़ताल करती जो कि tenants को बेदख़ल करने की ख़ातिर की गई थीं । जब हमारे मौजूदा चीफ़ मिनिस्टर Development Minister थे तो खुद उन्होंने बताया था कि उस वक्त 1,36,000 ऐसे मालिक हैं जिन्होंने अपनी ज़मीनें transfer कीं । यह भी बताया कि उन 1,36,000 मालिकान की ज़मीन के ऊपर 6,00,000 से ज़्यादा मुज़ारे बैठे थे । अगर एक घर में पांच छः फ़र्द की औसत लगाई जाए तो 6,00,000 मुज़ारों के खानदानों के 30—40 लाख आदमी ऐसे थे जो मुज़ारियत की बिना पर रोटी कमा रहे थे और जिन के पास कोई दूसरा धन्धा नहीं था । मुज़ारों की ये बेदखलियां कम न हुई और गवर्नमैंट इस बढ़ती हुई समस्या को सुलझाने के लिए कोई इन्तज़ाम न कर सकी । अगर अब भी वह tenants की हिफ़ाज़त के लिए कुछ कर न पाई और feudal interests की इच्छाओं के मुताबक काम होने दिया तो यह गवर्नमैंट की policy बड़ी कमज़ोर साबित होगी । मैं तो यह कहूंगा कि घुटने टेक policy क्या, यह तो माथा टेक policy होगी, अगर पांच छः landlords इसे अपने इशारों पर नचाते रहें । वह लोग कुछ तो यहां आकर मिनिस्टरों पर दबाब डालते हैं और रही सही कमी Secretariat में जाकर पूरी कर लेते हैं, क्योंकि जो policies को implement करने वाली machinery है वह pro-landlord है । जब surplus area की conception सन् 55 में आई तो हमारे चीफ़ मिनिस्टर साहिब ने कहा था कि जिन मालिकान ने सन्, 47 से लेकर तब तक ज़मीन दूसरों के नाम मुन्तकिल कर दी थी उन की तादाद 1,36,000 है । यह 19 अप्रैल, 1955 की Debate मेरे पास है । इसमें उन्होंने कहा था—

"ਮੈਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਹਰ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਹਾਡੀ ਹਿਫਾਜ਼ਤ ਸਾਡੇ ਜ਼ਿਮੇ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਤੁਹਾਡੀ ਜ਼ਮੀਨ ਛੋਟਾ ਮਾਲਕ ਵਾਹੀ ਕਰਨ ਲਈ ਲਏਗਾ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਡੇ ਵਸਾਉਣ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਦਾਰੀ ਆਪਣੇ ਉਪਰ ਲਵਾਂਗੇ।"

ਅਸੀਂ ਹਰ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਨੂੰ ਜਿਹੜਾ ਵਾਹੀ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ਗਾਰੰਟੀ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਬੰਜਰ ਔਰ ਬੇਟ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਨਹੀਂ ਬਿਠਾਇਆ ਜਾਏਗਾਂ ਬਲਕਿ ਵਗਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿੱਤੀ ਜਾਏਗੀ ।"

फिर आगे कहते हैं —

"ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਇਕ ਸਾਲ ਹੋਰ ਲਗ ਜਾਵੇਗਾ ।"

यानी इस सारे काम के लिए ज़्यादा से ज़्यादा एक साल का अर्सा लगेगा। आगे फिर फ़रमाते हैं—

"ਨਵੰਬਰ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ੀਆਂ ਲਈਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ਤੇ ਮਈ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦਾ ਦਖਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।"

ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮਾਲ ਮੰਤ੍ਰੀ ਗਿਆਨੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਸੀ —

"ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਚੌਧਰੀ ਭਰਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਕਹੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਇਤਲਾਹ 1947 ਤੋਂ ਲਈ ਜਾਵੇ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਾਸਿਲ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਜਦ Principal Act ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਮੌਜੂਦ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ information 1947 ਤੋਂ ਦੇਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਕਿ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਹੁਣ ਹੋਰ ਨਵਾਂ provision ਕਰਨ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ। Transfers and alienation ਦੀ ਸਾਰੀ information ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ collect ਕਰਨੀ ਹੈ।"

ये लफ़्ज़ ज्ञानी जी ने 30 अक्तूबर, 1957 की debate में कहे थे। इस के इलावा सन् 1958 में हमारे उस वक्त के माल मन्त्री राओ बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा था कि surplus area निकालने में देर नहीं की जाएगी। उन्होंने उस वक्त इस Act की दफ़ा 6 को quote भी किया था। आप ने फ़रमाया था कि अगर किसी शख्स ने अपने भाई बन्धुओं, बेटों वगैरा में बांट कर surplus area को खत्म करने की कोशिश की हो तो उन transactions को भी ग़ैर कानूनी करार दे दिया जाएगा, खत्म कर दिया जाएगा। लेकिन उसके बाद जो आपके Secretariat से हिदायात जारी होती है उन से अच्छी तरह से अन्दाज़ा लगाया जा सकता है कि इस गवर्नमैंट के कहने में और करने में कितना फ़र्क है। (घंटी) स्पीकर साहिब, मैं ज़्यादा वक्त नहीं लूंगा दो चार मिनट में खत्म कर दूंगा तो, स्पीकर साहिब, मैं कह रहा था कि सरकार की तरफ से यह declaration की गई थी कि transfers का ख्याल रखकर ही surplus area निकाला जाएगा। लेकिन जो हिदायात Secretariat से 12-4-58 को जारी की जाती है वह मैं आप को पढ़ कर सुनाता हूं।

(Instructions issued by Secretariat, Chandigarh, dated 12th April, 1958, C. P. Kapur, 850-AR-58/327)

> "It should further be noted that no trasnfer made prior to the 15th April, 1953 and after the 15th August, 1947, will, however, be reopened and screened for the said purpose. In other words, section 6 of the Act should be deemed to have no effect as far as the question of assessing the surplus area of land owners is concerned."

यह हिदायात सरकार की अपनी तरफ से दी गई assurances और commitments के खिलाफ़ जाती हैं। इन बातों से साफ़ ज़ाहिर होता है कि ये कहते कुछ हैं और करते कुछ और हैं। या इनके अफ़सर इतने नाअहल या चालाक हैं कि इन की बातों की परवाह ही नहीं करते। (*interruptions*) हमारे यहां कहते हैं कि बात तो करें सिद्धों जैसी और कार करें गिद्धों जैसी। यानी बातें तो बड़ी नेक करते हैं पर काम गिद्धों जैसे करते हैं जिन का काम दूसरों का खून चूसने के बगैर कोई नहीं। अगर वाकई सरकार ने यही रवैया अख्तियार किए रखा तो यकीन मानिए कि इस Cabinet पर कोई विश्वास नहीं करेगा। पहले तो साफ तौर पर एलान किए, मेरे लफ़्ज़ नहीं बल्कि, स्पीकर साहिब, इन मिनिस्टर साहिबान की अपनी तकरीरें हैं जो इन्होंने इस सभा में कीं कि जो 1,36,000 मालिक अपनी ज़मीनों की transfer कर

[चौधरी भरत सिंह]

चुके थे उनके tenants के rights को safeguard किया जाएगा । लेकिन अब यह हिदायत जारी कर दी है कि जो 1,36,000 मालिकान ने bogus transfers कीं उनको नहीं छेड़ा जाएगा । आप देखें कि वैसे तो यहां पर क्या क्या figures दी जाती हैं मगर खोदा पहाड़ और निकला चूहा भी नहीं बल्कि चूहिया (घंटी) । यहां पर बताया गया कि 22,235 cases transfers के हैं जिनमें से 14,801 cases decide हो गए हैं जिनमें 1,00,233 एकड़ जमीन surplus निकली है। लेकिन उस surplus की कहानी क्या है, स्पीकर साहिब, उसकी बाबत मेरे पास cases हैं । ऐसे cases हैं कि जहां पर 44-45 साल से tenants landlord की जमीन पर बैठे हुए थे लेकिन उस जमीन को surplus declare करके tenants को बेदखल कर दिया । इससे तो समस्या सुलझने की बजाए और ज्यादा उलझ गई । उन tenants को शिकायत करने का मौका नहीं दिया गया और अगर अब वह रोते हैं, चिल्लाते हैं तो कहा जाता है कि कमिश्नर के पास जाओ, अपील करो, वह आर्डर करेगा तो देखा जाएगा । साफ़ ज़ाहिर है कि अव्वल तो surplus जमीन निकली ही नहीं और अगर surplus निकाली भी गई तो ऐसे आदमियों की जो surplus थी ही नहीं । इसलिए मैं समझता हूं कि land reforms के नाम पर लोगों की आंखों में धूल ही डाली जा रही है, इसके सिवाए और कुछ नहीं ।

ਗਿਆਨੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਰਾਏ (ਗੁਰੂ ਹਰਸਹਾਏ) : ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਧੰਨਵਾਦੀ ਹਾਂ ਜੋ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ....

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਹਾਡਾ time 5 ਮਿੰਟ ਹੈ, ਤੁਸੀਂ ਧੰਨਵਾਦ ਵਿਚ ਹੀ ਇਹ ਵਕਤ ਖਤਮ ਨਾ ਕਰ ਦਿਉ । (The hon. Member will get only five minutes, he should not waste this time in expressing thanks.)

ਗਿਆਨੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਰਾਏ : ਜਨਾਬ, ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ 5 ਮਿੰਟ ਥੋੜੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ Address ਤੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਬੋਲ ਸਕਿਆ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਨੂੰ ਘਟੋ ਘਟ 10 ਮਿੰਟ ਤਾਂ ਦੇ ਦਿਉ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਅੱਛਾ ਬੋਲੋਗੇ ਤਾਂ 10 ਮਿੰਟ ਵੀ ਦੇ ਦਿਆਂਗਾ । (The hon. Member will be allowed to speak for ten minutes provided he makes a good speech.)

ਗਿਆਨੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਰਾਏ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜੋ ਬਜਟ ਪੇਸ਼ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਕੌਮੀ ਤਾਮੀਰ ਦਾ ਬਜਟ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਜੋ ਇਸ ਨੇ education ਤੇ ਬਜਟ ਦਾ 20 per cent ਔਰ administration ਤੇ 16 per cent ਖ਼ਰਚ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਨੇ establishment ਦਾ ਘਟ ਖਰਚ ਰਖ ਕੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਨੇਕ ਕਦਮ ਚੁਕਿਆ ਹੈ । ਫਿਰ ਇਸ ਨੇ ਇਕ ਇਹ ਨੇਕ ਕਦਮ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ਜੋ ਇਸ ਨੇ ਅਠਵੀਂ ਜਮਾਤ ਤਕ ਲੜਕਿਆਂ ਦੀ ਤਾਲੀਮ ਮੁਫਤ ਕੀਤੀ ਹੈ ਔਰ ਨੌਵੀਂ ਜਮਾਤ ਤਕ ਲੜਕੀਆਂ ਦੀ ਤਾਲੀਮ ਮੁਫਤ ਕੀਤੀ

ਹੈ। ਇਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ, Higher Secondary Education ਵਿਚ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਾਲਦੈਨ ਦੇ ਬਚੇ ਪੜ੍ਹਦੇ ਨੇ ਔਰ ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨੀ 100 ਰੁਪਿਆ ਮਾਹਵਾਰ ਤੋਂ ਘਟ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਚਿਆਂ ਦੀ ਫੀਸ ਵੀ ਮਾਫ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ ਦੂਜੀ ਜੋ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜ ਏਕੜ ਜਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਘਟ ਜ਼ਮੀਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਮਾਮਲਾ ਮਾਫ਼ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਉਸ ਰੁਪਏ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਖ਼ਰਚ ਕਰਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਬੜਾ ਮੁਬਾਰਕ ਕਦਮ ਹੈ।

ਤੀਜੀ ਚੀਜ਼ ਜਿਹੜੀ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਗੜਿਆਂ ਨਾਲ ਤੁਫਾਨਾਂ ਜਾਂ ਹੜ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਖਰਾਬ ਹੋ ਜਾਂਦੀਆਂ ਸਨ, ਮਾਰੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਸਨ ਔਰ ਉਸ ਕਰ ਕੇ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਬੜਾ ਦੁਖ ਹੁੰਦਾ ਸੀ, ਉਸ ਨੂੰ ਉਸ ਦੁਖ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ crop insurance ਦਾ ਪਰਬੰਧ ਕਰਕੇ, ਇਕ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਰਾਹ ਵਿਖਾਇਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਕਦਮ ਹੈ। ਫਿਰ ਇਸ ਨੇ ਇਕ ਹੋਰ ਬੜਾ ਮੁਬਾਰਿਕ ਕਦਮ ਚੁਕਿਆ ਹੈ। ਉਹ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਨੇ ਛੋਟਿਆਂ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ Class IV ਨੂੰ ਥੋੜਾ ਬਹੁਤ ਹਿਸਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਹੋਰ 5 ਰੁਪਏ ਵਧਾ ਕੇ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਵੀ ਇਕ ਮੁਬਾਰਿਕ ਕਦਮ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੁਝ ਹੋਰ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਦੇ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਕੁਝ relief ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਵਿਚ ਜਿਥੇ ਇਸ ਨੇ lecturers ਨੂੰ relief ਦਿਤਾ ਹੈ ਉਥੇ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਦੇ waders ਨੂੰ, carpenters ਔਰ ਜੇਲਾਂ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਹੋਰ ਕਰਮਚਾਰੀ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ relief ਦੇ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ grade ਮਹਿਕਮਾ Industries ਦੇ grades ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਕਰ ਦਿਤੇ ਹਨ। ਜਿਥੇ ਮੈਂ ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਿਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਉਥੇ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Education Department ਵਿਚ ਜੋ school teachers ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਹਾਲਾਂਕਿ ਉਹ Education Department ਦੇ ਬਾਕੀ ਕਈ ਕਰਮ-ਚਾਰੀਆਂ ਨਾਲੋਂ better qualified ਹਨ। ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ grade ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਘਟ ਹਨ। ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ grade ਮਿਲਣੇ ਇਸ ਲਈ ਵੀ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਛੋਟੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਾਉਂਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਕੋਮਲ ਔਰ ਮੁਲਾਇਮ ਪੌਦੇ ਸਮਝੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਉਸਤਾਦ ਹਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗੇ ਸਤਿਕਾਰ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹਾਉਂਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ college ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਬਚੇ ਪੜ੍ਹਦੇ ਹਨ ਉਹ ਸਿਆਣੇ ਤੇ ਸਮਝਦਾਰ ਲੜਕੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ teachers ਜੋ ਪੜ੍ਹਾਉਂਦੇ ਹਨ ਉਸਦੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝ ਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਕਾਲਜਾਂ ਦੇ teachers ਦੀ ਐਨੀ ਜ਼ਿਮੇਦਾਰੀ ਨਹੀਂ ਸਮਝੀ ਜਾਂਦੀ ਜਿੰਨੀ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ teachers ਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਕਾਲਜ ਵਿਚ ਭਾਵੇਂ result ਚੰਗੇ ਨਿਕਲਣ ਭਾਵੇਂ ਨਾ ਨਿਕਲਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਲਈ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਪਰ ਛੋਟੀਆਂ ਜਮਾਤਾਂ ਦੇ teachers ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਫਿਰ ਵੀ ਜੋ college teachers ਨੂੰ ਜੋ relief ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਕ ਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ।

[ਗਿਆਨੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਰਾਏ]

ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਸ ਲਈ ਵੀ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਜੋ ਇਸ ਨੇ pensions ਲਈ 35 ਸਾਲ ਦੀ service ਦੀ ਥਾਂ 30 ਸਾਲ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ।

ਪੰਡਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ, Industries ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਵੀ ਮੈਂ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ industries ਨੇ ਇਤਨੀ ਭਾਰੀ ਤੱਰਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। Cycle ਬਣਾਉਣ ਵਿਚ ਔਰ ਕਪੜੇ ਸੀਣ ਦੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਵਿਚ ਜੋ ਇਸ ਸੂਬੇ ਨੇ ਇਤਨੀ ਤਰੱਕੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਹ ਬੜੀ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਹੈ। 13 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਜਦ ਉਹ ਲਾਹੌਰ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਸਾਡੇ ਗਵਾਂਢੀ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਭਰਾ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਸਾਥੋਂ ਵਿਛੜ ਗਏ ਹੋਏ ਹਨ, ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲੇ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਖ ਇਥੋਂ ਦੇ ਕਾਰੀਗਰਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਹਥਾਂ ਦੇ cycle ਔਰ machines ਰਖੇ ਤਾਂ ਉਹ ਹੈਰਾਨ ਹੋਏ ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਥੇ ਪਹਿਲੇ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਪਹਿਲੇ main industry agriculture ਹੀ ਸੀ ਉਥੇ ਹੁਣ ਇਹ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵੀ ਬਣਨ ਲਗ ਪਈਆਂ ਨੇ।

ਮੈਂ Minister for Industries ਦਾ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਧੰਨਵਾਦੀ ਹਾਂ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ State Trading ਕਰ ਕੇ ਕਾਮਯਾਬੀ ਹਾਸਲ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਪਹਿਲੇ ਜਦੋਂ ਗੰਦਮ ਨਿਕਲਦੀ ਸੀ ਤਾਂ ਗਰੀਬ ਕਿਸਾਨ ਮਾਲੀਆ ਦੇਣ ਦੀ ਖਾਤਰ ਆਪਣੀ ਗੰਦਮ market ਵਿਚ ਲਿਆ ਕੇ ਵੇਚ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਔਰ ਜਦ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਬੀਜ ਵਾਸਤੇ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੁੰਦੀ ਸੀ ਜਾਂ ਜਦ ਸਾਲ ਦਾ ਅਖੀਰ ਹੁੰਦਾ ਸੀ ਤਾਂ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਮਹਿੰਗੇ ਭਾਅ ਖ਼ਰੀਦ ਕਰਨੀ ਪੈਂਦੀ ਸੀ, ਪਰ ਹੁਣ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ State trading ਨਾਲ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਸਾਰਾ ਸਾਲ ਇਕੋ ਭਅ ਤੇ ਮਿਲਦੀ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕ ਭਅ ਦਾ ਕਾਇਮ ਰਹਿਣਾ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣ ਮੈਂ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਦੋ ਚਾਰ ਗਲਾਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ time ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ।

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਾਲਕਾਂ ਤੇ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਦਾ ਜੋ Act ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਭੂਲ ਭੁਲਈਆਂ ਬਣਾ ਕੇ ਰਖ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨਾਲ ਇਹ ਬੜੀ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜੋ 16-4-1953 ਤੋਂ 1-2-1955 ਦੇ ਅਰਸੇ ਵਿਚ ਜੋ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੀਆਂ transfers ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਔਰ ਰਜਿਸਟਰੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਸੀ ਉਹ ਜਾਇਜ਼ ਕਰਾਰ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਾਇਜ਼ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰਾਂ ਨੇ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਕਾਬੂ ਕਰਨ ਲਈ ਉਹ ਆਪਣੇ ਬਚਿਆਂ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ transfer ਕਰਵਾ ਲਈਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਮੈਂ Revenue Minister ਦੀ ਖਿਦਮਤ ਵਿਚ ਇਕ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Security of Land Tenure Act, 1953 ਵਿਚ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਬੜੀ ਗਲਤ provide ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਮਾਲਕ ਆਪਣੇ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਨੂੰ 60 ਦਿਨ ਦਾ notice ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਪੈਦਾਵਾਰ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ। ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 60 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅਰਸੇ ਵਿਚ ਜਦ ਮਾਲਕ ਫ਼ਸਲ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਕੋਲੋਂ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦਾ ਔਰ ਬਾਰਸ਼ ਪੈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਫ਼ਸਲ ਖਰਾਬ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਉਗਣੀ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਉਹ ਮਾਲਕ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦਾ। ਇਸ ਕਰਕੇ

ਕਈ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਐਵੇਂ ਬੇਦਖਲ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਅਰਸਾ ਘਟ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੁਝ ਐਸੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਤੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ border ਤੇ ਹਨ। ਉਹ ਕਈ ਕਈ ਵਾਰੀ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ allot ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਪਰ ਬੜੇ ਅਰਸੇ ਤੋਂ ਉਹ ਬੰਜਰ ਹੀ ਪਈਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬਾਰ ਬਾਰ ਦਸਦਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਔਰ ਚੇਤਾਵਨੀ ਦਿੰਦਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਤਫਸੀਲ ਵਿਚ ਦਸਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਕਦ ਕਦ ਔਰ ਕਿਹੜੇ ਕਿਹੜੇ ਵੇਲੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਕਿਸ ਕਿਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਮਿਲਦਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਔਰ ਦਸਦਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚ ਸੇਮ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਬੰਜਰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਬਾਰ ਬਾਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਮਨਿਸਟਰ ਮਹਿਕਮਾ ਨਹਿਰ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਜਾਂ ਦੂਜੇ ਵਜ਼ੀਰ ਉਥੇ ਜਾਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇ ਵਾਲਾ ਰਾਉ ਬਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਪੰਡਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ, ਗਿਆਨੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਔਰ ਡਿਪਟੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸ਼੍ਰੀ ਹਰਬੰਸ ਲਾਲ ਔਰ ਤਾਲਬ ਸਾਹਿਬ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਉਥੇ ਗਏ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਸੇਮ ਵਾਲੀ ਤੇ ਬੰਜਰ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਖਾਈ। 22-10-1960 ਨੂੰ ਜਦ ਸਾਡੇ ਗਵਰਨਰ ਸ਼੍ਰੀ ਗੈਡਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਉਥੇ ਗਏ ਔਰ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ Address ਰਖਿਆ—(ਘੰਟੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਖਿਆਲ ਹੈ। ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਹੁਕਮ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੇ ਤੇ ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਜੋ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਲਈ time ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਕੁਝ ਲਾਈਨਾਂ ਪੜ੍ਹਨੀਆਂ ਹਨ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਗਿਣਨੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਕੋਈ ਤਕਰੀਰ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ। ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹੋ ਕਿ ਮੁਖਤਲਿਫ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ ਨਾਂ ਗਿਣਨੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੇ ਹਨ। (The hon. Member has started mentioning the names of different Ministers. This cannot be considered a speach. He could simply say that he had approached different Ministers.)

ਗਿਆਨੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਰਾਏ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਹੀ ਦਸੇ ਹਨ, ਮੈਂ ਕੋਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਉਸਤਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਹੁਣ wind up ਕਰੋ। (Please wind up now.)

ਗਿਆਨੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਰਾਏ : 26-2-1959 ਨੂੰ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਥੇ ਗਏ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ Address ਦਿੱਤਾ। 22-10 1958 ਨੂੰ ਜਦ ਪੰਡਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਜਲਾਲਾਬਾਦ ਗਏ ਤਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੇਮ ਦਿਖਾਈ ਔਰ ਦਸਿਆ ਕਿ ਉਥੇ ਸਿਵਾਏ ਕਮਾਦ ਦੇ ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਇਸ ਲਈ ਉਥੇ ਇਕ sugar factory ਲਾਈ ਜਾਵੇ। ਪਰ ਇਸ ਦਾ ਅਸਰ ਕੁਝ ਨਾ ਹੋਇਆ। ਫਿਰ 19-5-1958 ਨੂੰ ਗਿਆਨੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ Address ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਔਰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ international ਹਾਲਾਤ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਰਖਦੇ

[ਗਿਆਨੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਰਾਏ]

ਹੋਏ ਉਸ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਮੁਸਤਕਿਲ ਤੌਰ ਤੇ allotment ਕੀਤੀ ਜਾਏ । ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਹੁਣ ਜਦੋਂ ਉਥੇ ਸਾਡੇ ਮੁਹਤਰਿਮ Defence Minister ਸਾਹਿਬ ਗਏ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੜੇ ਦੁਖ ਨਾਲ ਦਸਿਆ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਲੋਕ ਉਥੇ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜੋ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਰਾਖੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ । ਸ਼੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਮੈਨਨ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਜੋ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਉਹ ਮੈਂ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਉਂਦਾ ਹਾਂ । (*Interruptions*)

ਮੇਰੇ ਦੋਸਤਾਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਮਨਸੂਬਾ ਬਣਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ........ (*Interruptions*) (ਘੰਟੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼)

(*At this stage the hon. Member started reading some paper. But the hon. Speaker asked him to resume his seat.*)

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਥੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਹਾਫਿਜ਼ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਈ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਪੇਸ਼ ਨਹੀਂ ਆਵੇਗੀ

Mr. Speaker. Please resume your seat.

ਗਿਆਨੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਰਾਏ : ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਮਸ਼ਕੂਰ ਹਾਂ, ਤੁਸਾਂ ਮੈਨੂੰ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲਾਤ ਰਖਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਦਿਤਾ ਹੈ ।

श्री साधु राम (नारायणगढ़): जनाब स्पीकर साहिब, मैं Finance Minister साहिब को इसलिए बधाई देता हूं कि यह बजट हमारे सामने एक objective तरीके से आया है। जहां गवर्नमैंट की कामयाबियां हैं वहां यह भी बात हमारे सामने है कि इसकी खामियां आगे चल कर दूर होंगी ।

मैं कुछ facts and figures के साथ अपनी बात रखना चाहता हूं । 6,377 लाख रुपया की जो प्राप्ति हमारे सामने है उसमें से 3,570 लाख रुपया खर्च का निकाल दिया जाए तो बची हुई रकम 2,807 लाख रुपया रह जाती है । इसमें वह रुपया जो 787 लाख सैंट्रल गवर्नमैंट की तरफ से ग्रांट का है, निकाल दिया जाए तो 20 लाख रुपए की आमदनी वह रह जाएगी जो सरकार taxes के जरिए पैदा करेगी । Second Five-Year Plan में हमारी सरकार ने 67.40 करोड रुपया अपने ज़राए से इकट्ठा किया और Third Five-Year Plan के लिए 97.40 करोड़ रुपया हमें इकट्ठा करना पड़ेगा । इसके लिए मेरा सुझाव यह है कि non-taxable ज़राय को मजबूत करके रकम इकट्ठी करें तो अच्छा होगा । जो इस वक्त के taxes हैं मैं उनको पूरी तरह से हमायत करता हूं लेकिन आइंदा के लिए जो इतना रुपया हमने इकट्ठा करना है उसके लिए मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर सरकार उस expenditure को जो इस समय lapse हुआ है ठीक तरीके पर खर्च करे तो काफी रुपया बच सकता है और लोगों के काम पर लगाया जा सकता है जिसके जरिए उनकी हालत सुधर सकती है ।

अगर development schemes पर खर्च देखें तो पता चलेगा कि 1955-56 में जहां 33 लाख रुपया था वहां हमें खुशी होती है कि 1961-62 में वह 39.55 लाख हो गया है । इससे अन्दाजा लगता

है कि सुधार होने की बहुत सम्भावना है। इस सुधार की आशा इसलिए भी नज़र आती है कि हमारी जो Second Five-Year Plan थी उस में 162.61 करोड़ रुपया की सीलिंग थी और कट लग जाने के बाद भी 152.61 करोड़ की बनी रही। अब जब हम अपनी performance देखते हैं तो पता चलता है कि प्लैन को हमने इतने अच्छे ढंग से tackle किया है और काम किया है कि उसको औसत 94 फ़ीसदी बैठती है। और अगर हम खादी बोर्ड को भी साथ मिला ले तो इससे भी ज़्यादा हो जाती है। हां एक बात हमारे सामने आती है वह मैं ज़रूर सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं। हमारा जो productive expenditure था उसकी तरफ हमने ध्यान नहीं दिया। इसके लिए मैं थोड़े से आंकड़े पेश करूंगा। ऐग्रीकल्चर के लिए जो Second Five-Year Plan में खर्च करना था उस में से खर्च हुआ 364.29 लाख रुपया यानी 82 फीसदी खर्च हुआ। तो इससे यह पता चलता है कि जहां हम overall 94 फ़ीसदी से भी ज़्यादा की performance करते हैं वहां इस item पर सिर्फ 82 परसैंट ही करते हैं। इसी तरह minor irrigation पर 567 लाख रुपया रखते हैं लेकिन उस पर 486 लाख ही खर्च हो पाता है। Community Projects पर 11,00 लाख रुपया खर्च करना था, उस पर 831.71 लाख ही खर्च कर पाए हैं। यानी किसी भी productive स्कीम पर देखें तो यही पता चलता है कि 80 या 82 फ़ीसदी से ज़्यादा खर्च नहीं कर पाए हैं। अब मैं resettlement और landless agriculture works के बारे में बतलाना चाहता हूं कि उस पर 14.20 लाख रुपया खर्च करना था वहां हमने धेला भी खर्च नहीं किया। यह point हमारी economy पर reflect करता है।

Industries पर जो हमारे यहां के लोगों को रोज़गार मुहया करती हैं, और जिन पर गवर्नमैंट की आमदनी भी निर्भर करती है 934.16 लाख रुपया खर्च करना था लेकिन उसमें भी 491.99 लाख ही खर्च कर सके हैं। जनरल ऐजुकेशन पर 1232.56 लाख रुपया खर्च करना था उसमें सिर्फ 806 लाख खर्च किया जा सका है। उसका नतीजा यह है कि हमारे स्कूल एजुकेशन से खाली पड़े हैं। Technical education जिसका चौधरी सूरजमल ने ज़िक्र किया और इसकी बड़ी महानता है उसके लिए 240.99 लाख रुपया खर्च करना था लेकिन हुआ सिर्फ 169.15 लाख रुपया। इसी तरह से हमने Welfare पर 72.30 लाख खर्च करना था मगर 30.52 लाख खर्च कर सके हैं। और transport पर 119 लाख रुपया खर्च करना था लेकिन 25.70 लाख रुपया खर्च कर पाए हैं। अगर हम ट्रांस्पोर्ट की ओर ज़्यादा बढ़ाते और साथ ही provincialization की तरफ कदम उठाते तो इससे बहुत भारी आमदनी हो सकती थी। तो इन figures को दे कर मैं जनाब यह कहना चाहता हूं कि हम non-taxable sources को ज़्यादा मज़बूत करते तो ठीक होता। अब आइंदा इस ओर ज़्यादा से ज़्यादा ध्यान देना चाहिए।

अब मैं farmers जो खेत पर काम करते हैं उनके बारे में कहना चाहता हूं कि उसक लिए कितना खर्च करना पड़ा और उससे कितना वसूल हुआ। 1950-51 की कीमतें मेरे पास हैं और 1950 से लेकर 1953 तक देखने से पता चलता है किसान की जेब में इन तीन-चार साल

[चौधरी साधु राम]

में कुछ ज्यादा पैसा आया। यानी खर्च से कुछ ज्यादा आमदनी हुई, वरना ऐसा कभी होता नहीं रहा। लेकिन जहां आम किसान की कुछ आमदनी बढ़ी वहां उसे ज़रूरयाते ज़िन्दगी पर बहुत ज्यादा खर्च करना पड़ा।

इस का मतलब यह है कि सरकार मुनासिब तरीके से अपनी price policy को control नहीं कर सकी। Agrarian Reforms के बारे में मैं ज्यादा नहीं कहना चाहता सिर्फ इतनी बात कहता हूं कि मौजूदा ऐक्ट पर अमल होना चाहिए। इस ऐक्ट के पास होने के बावजूद भी सरकार खेत मज़दूरों और मुज़ारों के मसले को हल नहीं कर सकी। (घंटी) अब मैं एक चीज़ कह कर बैठ जाता हूं। वह यह कि मौजूदा ऐक्ट की दफ़ा 6 को ignore करके हमारे Minister Incharge की तरफ से यह सर्कुलर आया है—

> "It should further be noted that no transfer made prior to the 15th April, 1953 and after the 15th August, 1947 will, however, be reopened and screened for the said purpose. In other words section 6 of the Act should be deemed to have no affect as far as thequestion of assessing the surplus area of 1 and-owners is concerned."

स्पीकर साहिब, मैं अर्ज़ करता हुं कि इस Supreme House को अख्तियार है कि उस ऐक्ट की तरमीम कर सके लेकिन जिस Act की clauses मौजूद हैं उस के बारे में इस किस्म का सर्कुलर जारी करना इस हाउस के privilege के खिलाफ़ है। स्पीकर साहिब, हाउस की privileges को safeguard करना तो आप के ऊपर है। मैं तो यह कहूंगा कि इस सम्बन्ध में जो हुआ सो हुआ, जो मुज़ारे जहां पर भी बैठे हैं उन्हें वहीं पर बसा देना चाहिए।

श्री मंगल सेन (रोहतक): स्पीकर साहिब, पिछले चार दिनों से बजट पर बहस चल रही है और सरकारी बैंचों पर बैठे हुए लोगों ने दिल खोल कर इस की हमायत की। कुछ रुठे हुए लोगों ने दबी आवाज़ में इस का विरोध भी किया है। एक आनरेबल मेम्बर ने कहा कि यह बजट तो तन्दरुस्त है लेकिन एक बीमार आदमी ने तैयार किया है। लेकिन मैं यह कहूंगा कि it is a sick budget by an ailing Minister.

जो वज़ीर रुग्ण शैया पर पड़े हुए हैं वे पंजाब का बजट बना रहे हैं। ठीक है कि बनाने वाले तो सेक्रेटरी होते हैं या सरकारी अमला होता है लेकिन कहते हैं कि शरीर ठीक है तो मन भी ठीक चलता है। जब उन्हों ने बजट स्पीच पढ़ी तो वह भी बीमारी की हालत में बैठ कर पढ़ी और ऐसा मालूम होता था जैसे जल्दी में घास काट दी गई हो। मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि इस साल का बजट elections को मद्देनज़र रख कर एक election stunt बनाया गया है। इन्हों ने जेल warders की पांच रुपए तरक्की कर दी लेकिन उन लोगों का क्या सोचा है जो कि हज़ारों की तादाद में सुबह 9 बजे से लेकर $5\frac{1}{2}$ तक Secretariat के अन्दर या district headquarters के अन्दर मेहनत करते हैं। उस middle class के बारे में कोई प्रबन्ध नहीं। ये जानते हैं कि इन लोगों ने तो elections में साथ नहीं देना इसलिए उन की कतई तौर पर परवाह नहीं की गई। मैं बलन्द आवाज़ से मांग करता हूं कि वज़ीरों को ज़रुर इन का भी ध्यान रखना चाहिए।

स्पीकर साहिब, जो भी Treasury Benches से उठता है कहता है कि पंजाब में सड़कों का जाल बिछा हुआ है लेकिन वास्तविक दशा यह है कि नहरें हैं तो पानी नहीं, स्कूल है तो मास्टर नहीं और हस्पताल हैं तो डाक्टर नहीं । Co-operative Societies में गबन हो रहे हैं। आज जनता पर कमर तोड़ टैक्स लगे हुए हैं, पांच फी सदी sales tax बढ़ा दिया गया है और पंजाब सरकार ने जनता की झुकती हुई कमर पर जबरदस्त लात लगा दी है। तरह तरह के टैक्स लगा दिए हैं, rental value पर टैक्स मरला टैक्स, और कई तरह के टैक्स लगा कर लोगों पर अत्याचार कर रही है। वे कहते हैं कि कि किसानों की सरकार है। जमींदारों की सरकार है।

हिन्दी आन्दोलन के दिनों में मुझे याद है कि प्रताप सिंह कैरों रोहतक जिले में जाते थे और कहते थे कि जन संघ और आर्य समाज कल आई है। यह लोग शहरों में रहने वाले हैं--मैं तुम्हारा जाट भाई हूं, किसान भाई हूं, मेरे बाप ने कंधे पर हल रख कर काम किया है। लेकिन, स्पीकर साहिब, इन्हों ने तो जाट का कचूमर निकाला है। 50 फीसदी उन का मालिया बढ़ाया है और ढोंग यह रचा है कि पंजाबी यूनिवर्सिटी बनाई जा रही है। जब एक University पहले function कर रही है तो दूसरी University कायम करने की क्या ज़रुरत है ? यह तो महज़ फ़िरका परस्ती को हवा देने की बात है। फ़िरका-प्रस्ती का भूत कांग्रेस पार्टी ने खड़ा किया है। इन्हों ने Muslim League को राह दी और उस के हाथ मजबूत किये, अकाली पार्टी के साथ मुआहदा किया। जब कभी मुख्य मन्त्री साहिब बात करते हैं तो बड़े तमतराक से कहते हैं कि जब तक जाट मौजूद है, जमींदार मौजूद है, तब तक मुझे कोई नहीं हिला सकता। मुख्य मंत्री साहिब भाषण देते वक्त कहते हैं कि आजादी की जंग में कांग्रेसी नेताओं ने साथ दिया लेकिन वास्तव में यही लोग हैं जो फिरका प्रस्ती की बातें करते हैं, । इन लोगों ने ही registration fees बढ़ाई, कोर्ट फीस दो फीसदी से 12 फीसदी की जिस से लोग परेशान हाल हैं। मैं मानता हूं कि टैक्स लगने चाहियें, टैक्सों के बिना सरकार नहीं चल सकती, लेकिन यह टैक्स उन लोगों पर लगने चाहियें जो टैक्स देने के काबिल हैं--जो सरमायादार हैं, जो जागीरदार हैं। हमारी सरकार जागीरदारों को touch करने का हौसला नहीं करती क्योंकि उन्हें पता है कि यही जागीरदार आने वाली election में इन का साथ देंगे और लाखों की थैली पेश करेंगे। हमारी जनता भोली भाली है वे इन के दंदों में फंस जाती है।

स्पीकर साहिब, पंचायतों के बारे में बहुत कुछ कहा गया और यह कहा गया कि हम ग्राम सभा, ब्लाक समिति, ज़िला परिषद बना कर administration का नक्शा बिल्कुल बदल देंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि ग्राम की जनता को ग्राम सभा की executive को चुनने का सीधा अधिकार क्यों नहीं दिया गया। आज कल जनता खौफ़ ज़दा और भयभीत है और किसी न किसी वक्त इस गवर्नमैंट को बाहर फैंक देगी।

श्री अध्यक्ष: माननीय मैम्बर की बजट पर हर साल तकरीबन इसी तरह की तकरीर होती है। (I find that the hon. Member delivers the same type of speech every year during the Budget discussion.)

श्री मंगल सेन : जनाबेआली, यह remarks गलत हैं। मैं इन्हें resent करता हूं। मैं, स्पीकर साहिब, आप से निवेदन करूंगा कि सोनीपत के पास एक Training Centre

[श्री मंगल सेन]

बना और उस के लिये बजट में provision किया गया। लेकिन पहले कहा गया कि रुपया जनता से इक्ट्ठा करेंगे लेकिन, स्पीकर साहिब, जनता से यह रुपया ज़बरदस्ती इकट्ठा किया गया और हर पंचायत को कहा गया कि रुपया देना पड़ेगा। हमारी बात Opposition का मैम्बर होने के नाते गवर्नमैंट को अच्छी नहीं लगती। पंचों का चुनाव हुआ लेकिन हर पंच और सरपंच को कहा गया कि National Savings Certificate खरीदना पड़ेगा। सरपंचों की election के वक्त श्री राम लुभाया को nomination paper न दिया गया। Taxation के बोझ से लोग परेशान हैं। स्पीकर साहिब, इन लोगों ने भी हेरा फेरी की है। लोकल बाडीज़ के मिनिस्टर ने जवाब देना है लेकिन वह जवाब देंगे कि मुख्य मन्त्री की तबीयत ठीक नहीं है या वह पार्टी बंदी के झगड़ों में फंसे हुए हैं। मुझे यह कहते हुए सच मुच दुःख होता है कि सरकार हर बात में पहले hasty step ले लेती है लेकिन बाद में उसे पछताना पड़ता है। जल्द बाज़ी में पंचों और सरपंचों के चुनाव करा दिये लेकिन बाद में हाई कोर्ट में writs दायर हुई और कई elections set-aside हुए और इस तरह से सरकार का time, energy और पैसा ज़ाया हुआ। क्यों न पंडित मोहन लाल को accused की तरह कटहरे में खड़ा कर के यह पूछा जाए कि उन्हों ने यह wrong step क्यों लिया था? लेकिन मैं जानता हूं कि वह यह जवाब देंगे कि हमारी joint responsibilty है इस में मैं क्या कर सकता हूं। वहां पर openly सरकारी machinery का इस्तेमाल हुआ। Publicity Department दरअसल कांग्रेस का प्रचार करता है और कांग्रेस पार्टी का शस्त्र है। किसान के नाम के ड्रामे stage किये जाते हैं ताकि कांग्रेस पार्टी का प्रचार किया जाए। प्रजा तंत्र में हमें भी बोलने का अख्तियार है। क्या हमारी सरकार इस तरह से जम्हूरियत को कामयाब बनाना चाहती है? मैं समझता हूं कि अगर सरकारी machinery को इस तरह misuse किया जाएगा तो यह लाज़मी बात है कि इस तरह से जनता का प्रजातंत्र के बारे में विकास उठ जाएगा। अभी 10 तारीख की बात है कि कैरों साहिब के दोस्तों ने challenge कर दिया कि हमारे मुकाबले में कौन आता है। जो बात मैं कहना चाहता हूं, उस से उन्हें कष्ट हो रहा है, कष्ट इसलिये हो रहा है कि उन का पोल खुलने वाला है, और जो कुछ मैं कह रहा हूं वह ठीक कह रहा हूं। सरकारी machinery यानी Publicity Department की vans इस्तेमाल हो रही हैं।

4.00 p. m.

स्पीकर साहिब, मैं इसकी भी reference करूंगा, मेरे पास बड़े बड़े ग्रन्थ पड़े हुए हैं।

श्री अध्यक्ष : थोड़ा सा demand पर बोल कर आप फिर इन की पगड़ी उछालने लग पड़ेंगे। यह ठीक नहीं। मैं allow करने के लिए तैयार नहीं हूं। (After speaking for some time on the demand the hon. Member will again start slinging mud on the Minister. That is not proper. I am not going to allow this.)

श्री मंगल सेन: मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि Public Relations Department मुख्य मंत्री महोदय के बाप दादा की जायदाद तो नहीं है। वह वहां Small

Savings का रुपया इकट्ठा करने तो नहीं गए थे बल्कि कांग्रेस के जलसा में गए थे । मैं पूछता हूं कि Publicity Department के कर्मचारी वहां क्यों गए ? अगर मुख्य मन्त्री महोदय में हिम्मत है तो क्या वह उनका explanation call करेंगे ? कभी नहीं । जो इनके दोस्त यार हों, इनकी इच्छा अनुसार चलने वाले हों उनके खिलाफ़ कभी action नहीं लेंगे । मैं कहता हूं कि पानीपत के चुनाव में गवर्नमैंट machinery का misuse किया गया ।

अब मैं आप को बताता हूं कि भिवानी Improvement Trust में एक श्री ए० सी० सहगल हैं । उनको भिवानी से मुअत्तल कर दिया गया (घंटी) मैं बिल्कुल relevant बात कर रहा हूं ।

श्री अध्यक्ष : आप relevant नहीं है । I will not allow it. आप अपनी तकरीरें निकाल कर देखलें कि आप ने पहले भी इस case को काफी discuss किया हुआ है । आपने इसपर सवाल भी पूछा था । अब फिर इसी बात पर आ रहे हैं । मैं इसकी इजाज़त नहीं देता । (The hon. Member is not relevant. I will not allow it. The hon. Member can read his previous speeches. He has already discussed this case at length. Moreover he also gave notice of a question about it. Now, again he is reverting to the same matter. I do not allow it.)

श्री मंगल सैन: मेरी एक humble submission है । मैं उस दिन बात कर रहा था और आप ने मुझे रोक दिया कि Supplementary Budget पर नहीं बोल सकता क्योंकि यह item उसमें दर्ज नहीं । मैंने वहीं पर drop कर दिया । आज general discussion है, आज तो बोलने का मौका है । मैं यह अर्ज़ कर रहा था कि municipality की ओर से हज़ारों रुपया उन्हें मिलता है उनकी स्कीमें नित्य तब्दील होती रहती हैं । उन्हीं की मेहरबानी से floods आए और शहर में बेड़ियां चलीं । (*Interruption*) उस ए० सी० सहगल ने सारे staff को suspend कर दिया और अब dismiss करने जा रहा है । पंडित मोहन लाल जी में हिम्मत नहीं कि कोई action लें । वह जानते हैं कि उन की माता भागी भागी उनके पास चली आएगी । (*Interruption*)

Mr. Speaker : Order please.

श्री मंगल सैन : मैं अर्ज़ करता हूं, स्पीकर साहिब, एक और महकमा "खाऊ पीऊ" है जिसको Co-operative Department कहते हैं । बड़े एलान किए जाते हैं कि पंजाब में हर गांव में Co-operative Society बनाएंग, हर काम co-operative societies के ज़रिए होगा, यहां तक कि परिवारों का काम भी इन्हीं के द्वारा किया जाएगा । Co-operative Societies का क्या हाल है यही मैं आप को बताने जा रहा हूं । रोहतक में एक Sugar Mill है । वहां के office superintendent —नाम तो मैं नहीं लेता कोई नामधारी व्यक्ति हैं, उन्हीं के ज़रिए सारी machinery और माल वगैरह की खरीदो फरोख्त होती है । अगर मन्त्री महोदय मुझे विश्वास में लेने को तैयार हों तो मैं बता सकता हूं ।

उद्योग मंत्री : ऐसी ग़लती कोई नहीं करेगा ।

श्री मंगल सेन : क्योंकि आप के पोल खुल जाएँगे। स्पीकर साहिब, वहां लोगों ने representations भेजीं। मैं अगर details में जाऊंगा तो आप कहेंगे कि time ज़्यादा ले गया लेकिन मैं चाहता हूं कि मिनिस्टर साहिब उसकी सभी transactions की जांच करने के लिए एक कमेटी मुकर्रर करें। उसमें उसने बहुत सी हेराफेरीयां की हैं। लेकिन मैं जानता हूं कि वह इसमें लेतो लाल करेंगे।

एक और निवेदन करता हूं। इन्होंने सन् 55 में यह वादा किया था कि शाहबाद में एक Co-operative Sugar Mills बनाएंगे। लेकिन इसी House के एक मेम्बर श्री डी० डी० पुरी इन के पास जा पहुँचे और कहा कि जब जगाधरी में पहले ही हमारी एक Sugar Mill है तो क्यों हमारी रोटी पर लात मारने लगे हो। हम जो लाखों रुपया तुम्हें elections के लिये देते हैं वह रोक देंगे। इसलिए यह स्कीम धरी की धरी रह गई।

स्पीकर साहिब, वहीं एक cold storage है उसके मालिक मुख्य मन्त्री जी के नज़दीकी सज्जन सरदार जसमेर सिंह हैं। उन्होंने मन्ज़ूर करवाया हुआ है कि उस cold storage के दस मील आस पास तक कोई आदमी गन्ना न बोए। इतनी सख्ती क्यों? इस लिए कि वहां आलू बोए जाएं ताकि वह cold storage चलता रहे। (घंटी) स्पीकर साहिब, कोई बात तो हमारी ठीक होगी। आप Public Accounts Committee की रिपोर्ट मँगवा कर देख लें। उसमें सफे सफे पर लिखा हुआ है कि सरकार ने धांधली मचा रखी है। किसी बात की responsibility ये अपने ऊपर लेते ही नहीं। जैसे आप ने देखा कि जालन्धर में समाज मन्दिर में घुसने के लिए भी मुख्य मंत्री ने वहां के D.C. पर responsibility shift कर दी। जब तक ऊपर से instructions न आएं क्या कोई भी D.C. इस तरह की जुरअत कर सकता है? गरेवाल ने इन की इच्छा के विरुद्ध काम किया और उसे मौत के मूंह में धकेलने की कोशिश की गई। इस वक्त कोई Government servant यह जुरअत नहीं कर सकता कि वह मुख्य मन्त्री की इच्छा के विरुद्ध चले। (घंटी) स्पीकर साहिब, आप कहेंगे कि मैंने Police Department के बारे में कोई facts and figures नहीं दिए। वह भी आप के सामने निवेदन करता हूं।

श्री अध्यक्ष : Order please. आप का time हो गया है। अब आप तशरीफ रखें। (Order please. The hon. Member has taken his time. He should resume his seat now.)

श्री मंगल सेन : स्पीकर साहिब, बाकियों को तो आधा आधा घंटा और 45-45 मिनट मिले हैं।

श्री अध्यक्ष: मैं compare करने के लिए तैयार नहीं हूं। अब आप बैठें। (I am not going to enter into any sort of comparison. He should now resume his seat.)

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, मैं बैठ तो जाता हूं लेकिन मेरे साथ यह बहुत ज़्यादती है।

Mr. Speaker: If the hon. Member behaves like that, I will have to warn him. He should behave properly.

मैं आप को बता दूं कि अब time बहुत थोड़ा रह गया है Industries Minister ने debate का जवाब देते हुए 90 मिनट लेने हैं। इसलिए अब जो मैम्बर साहिब बोलेंगे उन्हें पांच पांच-सात सात मिनट दिए जाएंगे। उसी में जो concrete suggestion देना चाहें या खास खास बातों को point out करना चाहें तो कर लें। आज का दिन इस लिए नहीं है कि लम्बी लम्बी तकरीरें की जाएं। (I would like to point out that there is a very limited time left at our disposal now. The Minister of Industries, who will re ply to the debate requires 90 minutes to do so. Therefore, the hon. Members who would henceforth participate in the discussion would be given only five or seven minutes each. In this time they should put forth only concrete suggestions or point out specific matters. Lengthy speeches should not be made today.)

ਸਰਦਾਰ ਜਸਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ (ਧੂਰੀ 'ਜਨਰਲ') : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਥੋੜੀਆਂ ਜਿਹੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਵਲ ਆਪ ਦੀ ਮਾਰਫਤ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਪਿਛਲੇ ਬਜਟ ਜਿਹੜੇ ਇਥੇ ਆਉਂਦੇ ਰਹੇ ਨੇ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਵੇਖਦਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਔਰ ਇਸ ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ ਵੀ ਵੇਖਿਆ ਹੈ ਔਰ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਦਾ ਬਜਟ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਲਈ Finance Minister ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਕ ਬਾਦ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਪਰ ਇਕ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ 96 ਲਖ ਦਾ ਜੋ ਘਾਟਾ ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ ਵਿਖਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ, 1956-57 ਤੋਂ ਲੈਕੇ 1961-62 ਦੇ ਸਾਲ ਤਕ ਜਿਹੜੇ ਬਜਟ ਆਉਂਦੇ ਰਹੇ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਘਾਟਾ ਵਾਧਾ ਮਿਲਾਕੇ 18 ਕਰੋੜ 12 ਲਖ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਵਿਚ ਮੈਂ 1956-57 ਔਰ 1961-62 ਦਾ ਘਾਟਾ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਕਰ ਕੇ 96 ਲਖ ਰੁਪਏ ਦੇ ਇਸ ਸਾਲ ਦੇ ਘਾਟੇ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਜੇ ਅਸੀਂ ਕੋਈ tax ਨਾ ਲਗਾਉਂਦੇ ਤਾਂ ਵੀ ਅਸੀਂ ਇਸ ਘਾਟੇ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਸੀ, ਔਰ ਜਿਹੜੇ tax ਹੁਣ propose ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਜੇਕਰ ਇਹ ਨਾ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਤਾਂ ਵੀ ਇਹ ਘਾਟਾ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਹ 96 ਲਖ ਦਾ ਘਾਟਾ ਕੋਈ ਐਨਾ ਘਾਟਾ ਨਹੀਂ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਬਜਟ ਵਿਚੋਂ ਬੱਚਤ ਕਰਕੇ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹਰ ਸਾਲ Estimates ਕਮੇਟੀ ਤੇ Public Accounts ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ reports ਸਾਡੇ ਪਾਸ ਆਉਂਦੀਆਂ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਇਹ ਹੀ ਦਸਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ departments ਵਿਚ wastage ਬਹੁਤ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਔਰ inefficiency ਵਧ ਰਹੀ ਹੈ ਔਰ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਵਿਚ economy ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ। ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਗਲ ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਜਿਥੇ ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਲਈ ਵਾਧੂ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਉਥੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਇਸ ਦੇ ਅਫਸਰ ਉੱਕਾ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੇ। ਇਥੋਂ ਤਕ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ Finance Secretary ਨੇ ਇਹ ਗੱਲ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਤੋਂ ਜ਼ਾਹਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਆਪਣੇ Memorandum ਵਿਚ ਮੰਨੀ ਹੈ

"Avoidance of wasteful expenditure and prevention of leakage of revenue,"

[ਸ: ਜਸਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ]

ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਬਜਾਏ ਛੋਟੇ ਮੋਟੇ taxes ਲਗਾਣ ਦੇ, ਜਿਹੜੀ ਗੌਰਮਿੰਟ revenue ਵਿਚ leakage ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਾਂ wastage ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਰੋਕ ਕੇ ਇਸ ਬਜਟ ਨੂੰ ਵਾਧੇ ਦੇ ਬਜਟ ਵਿਚ ਤਬਦੀਲ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ General Administration ਦੇ ਖਰਚ ਨੂੰ ਘਟਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। General Administration ਤੇ 1956-57 ਵਿਚ 11 ਕਰੋੜ 56 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਹੋਇਆ ਸੀ ਪਰ 1961-62 ਦੇ ਇਸ ਬਜਟ ਵਿਚ ਇਹ 14 ਕਰੋੜ 57 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਕਈ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ law and order ਤੇ ਵਧ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਪਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਇਥੇ ਕਈ ਮੋਰਚੇ ਤੇ agitations ਚਲਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਪਰ ਜੋ ਆਉਣ ਵਾਲਾ ਸਾਲ ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਸਿਆਣੀ ਪਾਰਟੀ ਕੋਈ ਝਗੜਾ ਜਾਂ ਮੋਰਚਾ ਖੜਾ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗੀ। ਇਸ ਲਈ General Adiministration ਤੇ ਇਤਨਾ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਖਰਚ ਨੂੰ ਘਟਾਕੇ development ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਵਿਚ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

Third Five-Year Plan ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਪਹਿਲਾ ਬਜਟ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਕਿ ਘਟ ਤੋਂ ਘਟ 25% ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਦੇ। ਮੈਂ ਵੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਆਖਰੀ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਤਰੱਕੀ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਦੀ ਰਫਤਾਰ ਘਟ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। । ੧੪ ਫੀ ਸਦੀ ਰੁਪਿਆ ਮੰਗਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪਿਛਲੀਆਂ ਦੋ plans ਦਾ result ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ। ਪਹਿਲੀ draft plan ਵਿਚ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਰੁਪਿਆ ਮੰਗਦੇ ਹਨ ਪਰ Planning Commission ਉਸ ਨੂੰ ਮੰਨਜ਼ੂਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਫਿਰ ਜਿਹੜਾ Plan ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਬਚ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ Plan ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ execute ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡਾ ਜਿਹੜਾ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਹੈ ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਦਾ ਉਹ ਅਧੂਰਾ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਕੰਮ ਦੀ ਰਫਤਾਰ ਹੌਲੀ ਰਹੀ ਤਾਂ ਆਖਰੀ ਸਾਲ ਵਿਚ Plan ਨੇਪਰੇ ਚੜ੍ਹਾਉਣ ਵਿਚ ਅਸਮਰਥ ਰਹਾਂਗੇ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬੜਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। Agriculure ਦਾ ਮਹਿਕਮਾ ਅਤੇ ਮੌਜੂਦਾ Director ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਮੌਜੂਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਹੇਠਾਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਅਤੇ Director ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ agriculture ਦੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਪਹੁਚਾਉਣ ਲਈ ਬਹੁਤ ਯਤਨ ਕੀਤਾਹੈ। Agriculture produce ਨੂੰ market ਵਿਚ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। Crop Insurance ਦੀ ਪਾਲਿਸੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਡਰ ਹੈ ਕਿ Crop Insurance ਅਤੇ State Trading ਕਿਧਰੇ ਢਿੱਲੀ ਨਾ ਪੈ ਜਾਵੇ। Corp Insurance ਹੋਣ ਨਾਲ ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਕੀਮਤ ਕਿਧਰੇ ਗਿਰ ਨਾ ਜਾਵੇ। ਮੈਨੂੰ ਡਰ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕਰ ਫਸਲਾਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਈਆਂ ਤਾਂ ਕੀਮਤਾਂ ਗਿਰ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਘਟ ਤੋਂ ਘਟ ਕੀਮਤ ਮੁਕਰਰ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜੇ ਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੀਮਤਾਂ ਤੋਂ ਭਾ ਡਿਗਣ ਲਗੇ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ

ਖੁਦ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀ Produce ਖਰੀਦ ਲਵੇ । ਮੈਨੂੰ ਅੰਦੇਸ਼ਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ improved Agriculture Practice ਨਾਲ bumper crops ਹੋਈਆਂ ਤਾਂ ਭਾ ਗਿਰ ਜਾਣਗੇ । Bumper Crops ਵਿਚ ਵੀ ਫਾਇਦਾ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਬਲਕਿ ਫ਼ਾਇਦਾ dealers ਹੀ ਉਠਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਗੱਲ ਵਲ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਦੇ ਕੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੇ interest ਨੂੰ ਮਦੇਨਜ਼ਰ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਸਾਰੀ ਆਬਾਦੀ ਦਾ 81% ਹਿਸਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ Community Development ਦਾ ਮਹਿਕਮਾ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਇਸ ਆਬਾਦੀ ਦੀ ਤਰਕੀ ਲਈ ਬਣਾਇਆ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਜਿੰਨਾਂ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਉਹ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਆਪਣੀ ਕਮੇਟੀ ਸੀ ਉਸ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਜਾਂ ਜ਼ਿਕਰ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ । Reserve Bank of India ਨੇ Community Development ਦੇ ਕੰਮ ਲਈ ਜਿਹੜੀ Evaluation Committee ਮੁਕਰਰ ਕੀਤੀ ਸੀ ਉਸ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਈ ਹੈ ਉਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ Community Development ਦਾ ਕੰਮ ਤਸੱਲੀ ਬਖਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਨਵੀਂ ਲਹਿਰ ਅਸੀਂ ਚਲਾ ਰਹੇ ਹਾਂ, ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਅਸਾਂ ਇਕ ਇਨਕਲਾਬ ਲਿਆਉਣਾ ਹੈ । ਜੇ ਕਰ ਇਹ ਮਹਿਕਮਾ ਫੇਲ ਹੋ ਗਿਆ ਤਾਂ State ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਨੂੰ ਬੜਾ ਵੱਡਾ set back ਪਹੁੰਚੇਗਾ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਸ ਸਾਰੇ ਮਹਿਕਮੇ ਨੂੰ over-haul ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਇਹ ਬੜੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਗੱਲ ਹੈ । ਜਦ ਤੋਂ Mr. Fletcher ਦੇ charge ਵਿਚ ਇਹ ਮਹਿਕਮਾ ਆਇਆ ਹੈ ਉਸ ਵਕਤ ਤੋਂ ਇਸ ਵਿਚ ਕੁਝ over-hauling ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈ ਹੈ । ਜਿਹੜੀਆਂ ਢਿੱਲਾਂ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਪਿਛੇ ਹੜ੍ਹ ਆਏ ਹਨ ਯ਼ਾਲਾ-ਬਾਰੀ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ Natural calamities ਨਾਲ ਜਿਹੜੀ ਤਬਾਹੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਰਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ relief ਦੇਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ੯-੧੦ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਸਰਕਾਰ ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਲਈ ਖਰਚ ਕਰਦੀ ਹੈ ਇਹ waste ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ calamities ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦਾ ਯਤਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਹੜ੍ਹ ਆਉਂਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਮਰਦੀਆਂ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਜੇਕਰ Floods ਨੂੰ control ਕਰਨ ਉਪਰ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਭਲਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । 2 ਕਰੋੜ 56 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਸਰਕਾਰ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਸੇਮ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ relief ਦੇਣ ਉਪਰ ਵੀ ਬਹੁਤ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਕਰ ਇਹੋ ਰੁਪਿਆ ਹੜ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਖ਼ਰਚ ਕਰੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫ਼ਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਜਿਥੇ Agriculture ਦੀ ਐਨੀ ਤਰੱਕੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਉਥੇ Produce ਨੂੰ ਮੰਡੀਆਂ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । Agricultural produce ਨੂੰ ਮੰਡੀਆਂ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣ ਦਾ ਵਡਾ ਸਾਧਨ ਸੜਕਾਂ ਹਨ । ਸੜਕਾਂ ਨੂੰ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਰਫਤਾਰ ਬੜੀ ਢਿਲੀ ਹੈ । ਸੜਕਾਂ ਜੂੰ ਦੀ ਰਫਤਾਰ ਤੇ ਬਣਾਈਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ । ਬੜੇ ਦੁਖ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਵਿਚ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਸੜਕਾਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲੀ plan ਵਿਚ ਜਾਂ ਦੂਸਰੀ plan ਵਿਚ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਉਹ ਅਜੇ ਤਕ ਮੁਕੰਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋਈਆਂ ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਦੂਸਰੀ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਖਤਮ ਹੋਣ ਤੇ ਆਈ ਹੈ । ਪਟਿਆਲਾ ਅਤੇ ਸੰਗਰੂਰ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਨਵੀਂ ਸੜਕ ਨਹੀਂ provide

[ਸ: ਜਸਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ]

ਕੀਤੀ ਗਈ । ਪਟਿਆਲਾ-ਗੋਹੀਲਾ ਰੋਡ, ਪਟਿਆਲਾ-ਪਿਹੋਵਾ ਰੋਡ ਅਤੇ ਪਟਿਆਲਾ-ਭਾਦਸੋਂ ਰੋਡ ਅਤੇ ਪਟਿਆਲਾ-ਸਰਹਿੰਦ ਰੋਡ Second Five Year Plan ਵਿਚ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਸਨ ਲੇਕਿਨ ਅਜੇ ਤਕ ਨਹੀਂ ਹੋਈਆਂ । ਧੂਰੀ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲ ਰੋਡ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਬੜੀ ਦਰਦਨਾਕ ਹੈ । ਇਹ ਅਜ ਤੋਂ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਪਹਿਲੇ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਅਜੇ ਤਕ ਵਿਚਾਲੇ ਹੀ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਦੋਂ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋਵੇਗੀ । ਇਸ ਸੜਕ ਨੂੰ ਤੁਰੰਤ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਸੜਕ ਦੇ ਨਾ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋਣ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਬੜੀ ਤਕਲੀਫ ਹੈ। ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦਿਆਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਘਾਟਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ produce ਮੰਡੀ ਵਿਚ ਪਹੁੰਚਾਉਣੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਗੰਨੇ ਦੀ ਫਸਲ ਮਿਲ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਜਿੰਨਾਂ ਨੁਕਸਾਨ ਹੜ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਕਾਰਨ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ । ਘੱਗਰ ਡੈਮ ਨੂੰ ਤੀਸਰੀ ਪਲਾਨ ਵਿਚ ਪਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਉਸ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਘੱਗਰ ਦਰਿਆ ਵਿਚ ਹੜ੍ਹ ਆਉਣ ਨਾਲ ਅੰਬਾਲੇ ਦੇ ਜ਼ਿਲੇ ਨੂੰ, ਪਟਿਆਲੇ ਦੇ ਜ਼ਿਲੇ ਨੂੰ, ਸੰਗਰੂਰ ਦੇ ਜ਼ਿਲੇ ਨੂੰ, ਬਠਿੰਡੇ ਦੇ ਜ਼ਿਲੇ ਨੂੰ, ਅਤੇ ਹਿਸਾਰ ਦੇ ਜਿਲੇ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਸੀ । ਹੁਣ ਉਹ ਰਾਜਸਥਾਨ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਵੀ ਮਾਰ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਘੱਗਰ ਡੈਮ ਬਹੁਤ ਜਲਦੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪਟਿਆਲੇ ਵਾਲੇ ਪਾਸੇ ਬੰਨ੍ਹ ਬੰਨ੍ਹਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਘਗਰ ਦੀ ਮਾਰ ਤੋਂ ਬਚੇ । ਟਾਂਗਰੀ ਨਦੀ ਵੀ ਪਟਿਆਲੇ ਨੂੰ ਮਾਰ ਕਰਦੀ ਹੈ, ਸੰਗਰੂਰ ਦੇ ਪਿੰਡ ਤਬਾਹ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਉਥੇ ਬੰਨ੍ਹ ਬੰਨ੍ਹਕੇ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਮਾਰ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਲਖਾਂ ਰੁਪਏ Public Relations Department ਉਪਰ ਖਰਚ ਕਰਦੀ ਹੈ ਇਸ ਖਿਆਲ ਨਾਲ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖ ਸਕੇ । ਇਹ ਮਹਿਕਮਾ ਆਪਣੀ duties ਅਦਾ ਕਰਨ ਵਿਚ ਫੇਲ ਹੋਇਆ ਹੈ ।

ਇਸ department ਵਲੋਂ ਜਿਤਨਾ ਵੀ ਖਰਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਸਾਰਾ ਬਿਨਾਂ ਕਿਸੇ ਲਾਭ ਪਹੁੰਚਾਣ ਦੇ ਜ਼ਾਇਆ ਹੀ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਪਿਛਲੇ ਦਿਨਾਂ ਦੀਆਂ agitations ਵਿਚ ਜਿਤਨੇ ਵੀ pamphlets ਛਾਪੇ ਗਏ ਉਹ ਓਦੋਂ distribute ਹੁੰਦੇ ਰਹੇ ਜਦੋਂ agitations ਮੁਕ ਚੁਕਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ । ਅਕਾਲੀ agitation ਦੇ ਵੇਲੇ ਜਿਤਨੇ ਵੀ pamphlets ਛਪੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਣ distribute ਕਰਨ ਦਾ ਕੀ ਫਾਇਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਹ ਤਕਸੀਮ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਦੇ ਅਤੇ ਹਿੰਦੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ poster, distribute ਹੋਏ ਹਨ । ਜਿਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਪੰਜਾਬੀ ਨਹੀਂ ਜਾਣਦਾ ਉਥੇ ਜੇ ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ pamphlets ਨਾਲ ਕੋਈ publicity ਕਰਾਉਣਾ ਚਾਹੇ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਲਾਭ ਹੈ । ਫੇਰ ਜੇ ਇਹ ਭੇਜੇ ਹੀ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਨਾ ਜਾਣ ਤਾਂ ਇਹ ਸਾਰਾ ਖਰਚ ਹੀ ਜ਼ਾਇਆ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕ ਕਿਤਾਬ Public Relations Department ਵਲੋਂ ਛਾਪੀ ਗਈ ਜਿਸ ਦਾ heading ਹੈ Facts About Punjab, 1960. ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਦਰਜ ਹੈ ਕਿ ਕੌਣ ਕੌਣ Member ਕਿਥੋਂ ਕਿਥੋਂ ਦਾ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਕਿਤਾਬ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਾਡੇ ਦਫਤਰ ਵਿਚ ਭੇਜਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਹੀਂ ਭੇਜੀ । ਇਸ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ ਦੀ Constituency ਸਿਰਹੰਦ ਅਤੇ ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਬਾਲਾ

ਦਰਜ ਹੈ। ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਤਨਾ ਰੁਪਿਆ ਜਿਥੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਸਹੀ proof ਪੜ੍ਹਨ ਜਾਂ corrections ਕਰਨ ਵਲ ਧਿਆਨ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦੇਂਦੇ। ਇਸ Department ਵਿਚ ਇਤਨਾ staff ਹੈ। ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹੋ ਨਿਕਲਦਾ ਮਾਲੂਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਲਖਾਂ ਰੁਪਿਆ ਬਰਬਾਦ ਹੀ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਲਾਭ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਿਆ।

ਇਕ ਗਲ ਜਿਹੜੀ ਮੈਂ ਹੋਰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ agrarian reforms ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਰਨੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ delay ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਬੜੀ ਹਾਨੀ-ਕਾਰਕ ਹੈ।

OBSERVATIONS BY THE SPEAKER

श्री अध्यक्ष : मुझे अभी ही एक मीटिंग में जाना है, इसलिए मैं अगले दिनों में जो प्रोग्राम रखा गया है वह हाउस को बतलाना चाहता हूं। 15 तारीख को General Administration के साथ पुलिस की डिमांड रख दी है और 17 तारीख को Irrigation receipts, other irrigation expenditure financed from Ordinary Revenues के साथ charges on Irrigation Establishment की डिमांड रख दी है। 20 तारीख को Agriculture और 21 को morning sitting में Industries and Supplies, Labour and Employment की डिमांड रख दी है। इसी तरह 21 की शाम को Community Development Projects, National Extention Service और 22 तारीख को Education की डिमांड सुबह के वक्त रखी है। और आखिर में 24 तारीख को Expenditure on New Capital Land Revenue, Capital Outlay on schemes of Government Trading, Civil Works, Charges on P. W. D. Buildings and Roads establishment, Capital Account of Civil Works Outside the Revenue Account, Medical and Public Health रख दिया है। यह दिन बहस के लिए open सा ही रख दिया है ताकि जो डिमांड्स हाउस में नहीं आ सकतीं और जो मैम्बर नहीं बोल सके वे उन पर बोल सकें। यह एक experiment है। मैं समझता हूं कि इससे आप लोगों को जरूर फ़ायदा होगा।

एक बात मैं और अर्ज़ करूंगा कि Bulgarian Delegation आ रहा है। 20 को नंगल आएंगे और 21 को यहां आएंगे। इसके इलावा Commonwealth Parliamenttary Association के President और नए सैक्रेटरी जनरल की तार आई है कि वह 16 की शाम को या 17 को आएंगे। प्रोग्राम छोटा होगा और आप लोग उनको सुन सकेंगे, ऐसा मैंने arrange किया है, मेरी यह भी ख़ाहिश है कि आप सब बलगेरियन डलीगेट्स भी से मिल सकें। एक बात और है जो मैं मिनिस्टर साहिब की knowledge के लिए यहां पर कहना चाहता हूं और वह इस building के मुताल्लिक और खास तौर से इस नए चैम्बर के बारे में है। मेरा दिल तो नहीं करता कि as Speaker

[श्री अध्यक्ष]

मैं कुछ बोलूं लेकिन चूंकि असैम्बली मेरे नीचे आती है इसलिए कुछ बातें P. W. D. Minister साहिब के नोटिस में लाना जरूरी समझता हूं । मेरा impression है कि Architect ने अपनी whim को पूरा करने के लिए हमारी किसी ज़रूरत को पूरा नहीं किया। एक एक बात में परेशानी पैदा कर दी है । lobbies की convention जो थी वह भी नहीं रही । और मैं अगर चाहूं भी तो अपने सैक्रेटरी से यहां से बात नहीं कर सकता और न ही सैक्रटरी अपने डिप्टी सैक्रेटरी से बात कर सकता है । मुझे लगता है कि जैसे यहां ऊंट पर ला कर बिठा दिया गया हो । और जो एक closeness मैम्बर्स के साथ होनी चाहिए वह नहीं रह गई । असैम्बली के भवन में जो softness होनी चाहिए वह इस इमारत में नहीं । हां जगह जगह सीमेंट और पत्थर ज़रूर नज़र आते हैं । मैं समझता हूं कि यह जो बातें हैं उनको वज़ीर साहिब, note कर लें और वह architect साहिब को बतला दें ताकि moderate changes हो सकें । आखिर एक करोड़ 25 लाख के करीब जो पैसे खर्च किए हैं तो उसका पूरा फायदा होना चाहिए । यहां पर कुछ ऐसा ढांचा खड़ा किया है कि वह सिर्फ जेल के से cells मालूम होते हैं जो कि हम जब जेल में थे उस वक्त इस्तेमाल किया करते थे । इन को ही आज कल lobbies के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है और जहां कहीं जाइए आप पत्थर से ही टकराते नज़र आएंगे ।

मैं चाहता हूं कि हमारे वज़ीर साहिब इन बातों को note कर लें और architect साहिब से consult करके आएं ताकि जिस दिन कैपीटल प्राजैक्ट डिमांड discuss होगी और मैम्बर्स सवाल पूछेंगे तो वह जवाब दे सकें । इस में यह बात नहीं है कि हमें ही ऐसा कुछ मालूम हो रहा है बल्कि सभी मैम्बरान की यह feelings हैं जो मैंने यहां रखी है । वज़ीर साहिब इन पर ध्यान दें । —

(As I have to attend a meeting just now I want to inform the House about the programme fixed for the next meetings . It is as follows :

On 15th these will be discussion on Demand No. 9, 25—General Administration (pages 45—189). Along with it I have fixed Demand No. 12 regarding Police. On 17th there will be Irrigation Receipts and Other Irrigation Expenditure financed from Ordinary Revenues as well-as charges on Irrigation Establishment and also construction of Irrigation Navigation, Embankment and Drainage works.

On 20th March, 1961	..	Agriculture.
On 21st March, 1961 (Morning)	..	Industries and Civil Supplies Labour and Employment
On 21st March, 1961 (afternoon)	..	Miscellaneous Community Development Projects National Extension Service and Local Development works
on 22nd March, 1961 (Morning)	..	Education

On 24th March, 1961 .. There will be open discussion on Demand No. 79, Expenditure on New Capital, Land Revenue, Capital Outlay on Schemes of Government Trading, Civil Works, Charges on Public Works Departments, Buildings and Roads Establishment, Capital Account of Civil Works outside the Revenue Account and Medical and Public Health.

This sitting is meant for open discussion so that the hon. Members who have not been able to speak, may speak even on these demands which could not be brought in the House. It is a sort of experiment by which, I presume, all of the Members would be benefited.

One thing more which I want to bring to the notice of the Members is that the Balgarian Delegation is reaching Nangal on 20th March, 1961 and here on 21st March, 1961.

Besides, I have received a telegram that the President and Secretary General of Commonwealth Association will be arriving here on the 16th or 17th instant. The programme will be of short duration and all the Members will be able to meet them and listen to them. I wish that all the hon. Member should meet the Bulgarian Delegates. One thing which I want to bring to the notice of the hon. Minister for Public Works Department is about this building in general and this Chamber in particular. As Speaker of the Vidhan Sabha, I, in fact, feel reluctant to speak , but as the Assembly Department is under me, therefore I have to bring some matters to the notice of the Public Works Department Minister. My impression is that the architect has constructed this building according to his own notions and whims and has ignored the requirements of the House of Legislature. There is cause for annoyance at every step. Even the conventional lobbies have not been provided. If I want to talk to my Secretary I cannot do so from my seat nor can he talk to his Deputy Secretary. It seems as if I am made to sit on a camel's back. And the closeness which ought to be between the Members and me, is completely lacking. There is nothing of softness which should be a feature of the House of a Legislature. Of course, it is all stone and cement everywhere. I would like the hon. Minister concerned to consult the architect after having listened to me so that some moderate changes are brought about. After all, I feel that there should be full utility of Rs one crore and 25 lakhs to be spent on this huge building. There is a sort of structure here which give the appearance of cells of a jail as were utilized by us when in jail They are now being used as lobbies. Any where you go you appear to strike against stone and cement.

I want that the hon. Minister should note all these points and come prepared after consulting the Architect to answer the criticism by hon. Members of this House made during this discussion of the demand of Capital Project. These are not only my feelings but those of almost all the Members. The Minister should pay due attention to it).

GENERAL DISCUSSI ON ON THE BUDGET FOR THE YEAR 1961-62 (RESUMPTION)

ਸਰਦਾਰ ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ (ਮਾਨਸਾ ਜਨਰਲ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਦੋਂ ਦਾ ਮੁਲਕ ਆਜ਼ਾਦ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਦੋਂ ਤੋਂ ਅਸੀਂ ਹਰ ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ ਬਣਾਉਂਦੇ ਹਾਂ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ

[ਸਰਦਾਰ ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ]

ਹੀ ਪੰਜ-ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਵੀ ਬਣਾਉਂਦੇ ਹਾਂ । ਦੋ ਪੰਜ-ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਹੁਣ ਤਕ ਖਤਮ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ ਔਰ ਤੀਸਰਾ ਹੁਣ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਵਾਲਾ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਜਦੋਂ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਆਪਣਾ ਮੁਲਕ ਆਜ਼ਾਦ ਕਰਵਾਇਆ ਤਾਂ ਉਦੋਂ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਕੁਝ ਨਕਸ਼ੇ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕੰਮ ਕਰਕੇ ਅਸੀਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਕਰਨੀ ਸੀ । ਅਸੀਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਸੀ ਕਿ ਜਦੋਂ ਸਾਡੀ ਆਪਣੀ ਹਕੂਮਤ ਹੋਵੇਗੀ ਅਸੀਂ ਇਥੇ socialist ਨਿਜ਼ਾਮ ਕਾਇਮ ਕਰਨਾ ਹੈ ਔਰ ਆਪਣੇ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਇਕ Welfare State ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ । ਸੋ ਇਸ ਖਿਆਲ ਨੂੰ ਮੁਖ ਰਖ ਕੇ ਹਰ ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ ਬਣਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਹਰ ਸਾਲ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਿਆ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਖਰਚ ਕਰਦੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ। ਪਿਛਲੇ ਪੰਜ-ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਲਈ ਸਾਰਾ 162 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਖਰਚ ਦਾ ਬਜਟ ਬਣਾਇਆ ਸੀ ਲੇਕਿਨ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਉਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਘਟਾ ਕੇ 152 ਕਰੋੜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚੋਂ 151 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁਣ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਪੰਜ-ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਦੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ 238 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਹਾਂ । (*At this stage Mr. Deputy Speaker occupied the chair.*) ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਦੇਖਣਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਆਇਆ ਇਹ ਸਾਨੂੰ ਉਸ ਨਿਸ਼ਾਨੇ ਵਲ ਲੈ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਜਿਸ ਵਲ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਜਾਣ ਲਈ ਤਿਨ ਚਾਰ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਹਨ ਔਰ ਜੋ ਕੁਝ ਅਸੀਂ ਹੁਣ ਤਕ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਨਿਜ਼ਾਮ ਨੂੰ ਲਿਆਉਣ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਸਭ ਤੋਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਚੀਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਬਰਾਬਰੀ ਲਿਆਂਦੀ ਜਾਵੇ ਔਰ ਹਰ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਅਗੇ ਵਧਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲੇ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਪਛੜੇ ਹੋਏ ਇਲਾਕੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਪਰ ਚੁਕਿਆ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਲਿਆਉਣ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਅਸੀਂ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ agrarian reforms ਲਿਆਉਣ ਦਾ ਕਦਮ ਚੁਕਿਆ ਤਾਕਿ ਜਿਹੜੀ ਊਚ ਨੀਚ ਹੈ ਉਹ ਬਰਾਬਰ ਹੋ ਸਕੇ । ਮਗਰ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਅਫ਼ਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਬਾਵਜੂਦ ਸਾਡੇ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਵੀ ਗਲ ਅਜੇ ਤਕ ਉਥੇ ਦੀ ਉਥੇ ਹੀ ਹੈ । ਬਲਕਿ ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਜਿਹੜੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਗਰੀਬ ਲੋਕ ਸਨ ਉਹ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਕੋਲੋਂ ਥੋੜੀ ਬਹੁਤੀ ਜ਼ਮੀਨ ਲੈ ਕੇ ਵਾਹ ਲੈਂਦੇ ਸਨ ਔਰ ਆਪਣਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕਰ ਲੈਂਦੇ ਸਨ ਮਗਰ ਹੁਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੇਦਖਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਵੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਅਸੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸੀ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਨਾਕਾਮਯਾਬ ਹੋਏ ਹਾਂ । ਪੰਜਾਬ ਔਰ ਪੈਪਸੂ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਹੋਇਆਂ ਅਜ ਤਕਰੀਬਨ 5 ਸਾਲ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਮਗਰ ਦੋਨਾਂ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਵਖ ਵਖ agrarian law ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸ਼੍ਰੀਮਾਨ ਜੀ, ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਲਿਖਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਕੋ ਹੀ ਰਾਜ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਦੋ ਕਿਸਮ ਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਨਹੀਂ ਲਾਗੂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਅਸੀਂ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਵੱਟਾਂ ਨਾਲ ਵੱਟਾਂ ਲਗਦੀਆਂ ਹਨ ਮਗਰ ਇਕ ਨੂੰ ਕੁਝ ਹੋਰ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਔਰ ਦੂਸਰੇ ਨੂੰ ਹੋਰ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ । ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਤਸੱਲੀਬਖਸ਼ ਜਵਾਬ ਦੇ ਕੇ ਸੰਤੁਸ਼ਟ

ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਠੀਕ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਵੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਵੀ ਕੋਈ ਅਗੇ ਵਧਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਕੋਈ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ । ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਪਾਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਸੰਬੰਧੀ ਜਿਹੜਾ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਇਆ ਸੀ ਉਸ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਪੇਚੀਦਾ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਅਜ ਮੁਜ਼ਾਰਾ ਬਿਲਕੁਲ ਬੁਰੀ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਹੈ । ਚਾਹੀਦਾ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਵਾਹੀ ਹੱਥੀਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਜ਼ਮੀਨ ਲੈ ਕੇ ਐਸੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਵਾਹੀ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਦਸ ਸਕਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਤਨੇ ਕੁ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿਤੀ ਹੈ ਅਸੀਂ ਵਡੇ ਵਡੇ ਨਾਅਰੇ ਲਾਏ ਸੀ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦਿਆਂਗੇ ਮਗਰ ਅਜੇ ਤਕ ਅਸੀਂ ਬੇਜ਼ਮੀਨੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਆਪਣੀ ਮਜਬੂਰੀ ਜ਼ਾਹਿਰ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਬਾਵਜੂਦ ਆਪਣੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਦੇ ਵੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਜਦੋਂ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਪੁਛੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਸਾਫ ਹੀ ਕਹਿ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨਿਜ਼ਾਮ ਦੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਡੇ ਲਈ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਾਂਗੇ । ਅਜ 14 ਸਾਲ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਆਜ਼ਾਦੀ ਮਿਲੀ ਨੂੰ, ਮਗਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਕਿ ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਮਾਲਿਕ ਹੋਵੇਗਾ ਜਾਂ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਦਿਲ ਲਾ ਕੇ ਖੇਤੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਇਹ ਪਤਾ ਹੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਕੀ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਦਿਲ ਲਾ ਕੇ ਵਾਹੀ ਵੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤਕ ਅਸੀਂ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਦੇਵਾਂਗੇ ਉਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦੇ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਅੱਜ ਵੀ ਏਕੜ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਉਤਨੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ ਜਿਤਨੀ ਕਿ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਖਾਸ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ state trading ਕਰਨ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ ਤਾਕਿ middle man ਨੂੰ eliminate ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ ਔਰ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਦੀ ਪੂਰੀ ਕੀਮਤ ਮਿਲ ਸਕੇ । ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਸਾਨੂੰ ਸਫਲਤਾ ਹੁੰਦੀ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ, ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਖਿਆਲ ਪਿਛੇ ਹਟਦਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਅਸੀਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕੁਆਪਰੇਟਿਵ ਫਾਰਮਿੰਗ ਕਰਾਂਗੇ ਮਗਰ ਉਸ ਦਾ ਵੀ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਸਿਰੇ ਚੜ੍ਹੇ ਜਾਂ ਨਾ ਚੜ੍ਹੇ । ਮੁਖਤਸਿਰ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਐਲਾਨ ਤਾਂ ਬੜੇ ਬੜੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਮਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਸਫਲਤਾ ਕਿਸੇ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਉਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਹ ਸਾਰੇ ਕਦਮ ਕਮਦਿਲੀ ਦੇ ਨਾਲ ਔਰ ਵਖਾਵੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਚੁਕਦੇ ਹਾਂ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਸਚ ਮੁਚ ਕੋਈ ਤੁਹਾਡਾ ਇਰਾਦਾ ਹੈ ਔਰ ਤੁਹਾਡੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਤੁਸੀਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਵਾਅਦੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਉਹ ਪੂਰੇ ਕਰਨੇ ਹਨ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਦੇ ਨਾਲ ਜਿਹੜੇ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਉਂਦੇ ਹੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਮਲ ਕਰੋ । ਉਸ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪੂਰੀ ਸਫਲਤਾ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਪੰਚਾਇਤ ਰਾਜ ਐਕਟ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ਔਰ ਅਸੀਂ ਏਥੇ ਪੰਚਾਇਤ ਰਾਜ ਲਿਆਉਣ ਦਾ ਵੀ ਵਾਅਦਾ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਮਗਰ ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵੀ ਯਕੀਨ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਵਿਚ ਸਫਲਤਾ

[ਸਰਦਾਰ ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ]

ਹੋਵੇਗੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਇਕ ਵਾਰ ਫੇਰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਤਨਾ ਚਿਰ ਸਾਨੂੰ ਸਫਲਤਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਜਿਤਨਾ ਚਿਰ ਅਸੀਂ ਆਪਣਾ ਪੱਕਾ ਇਰਾਦਾ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਂਦੇ। ਅਜ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦਾ ਔਰ ਡਿਕਟੇਟਰਸ਼ਿਪ ਦਾ ਇਮਤਿਹਾਨ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਏਸ਼ੀਆ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਚੀਨ ਔਰ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੋਵੇਂ ਇਕੋ ਜਿਹੇ ਮੁਲਕ ਹਨ। ਚੀਨ ਦੀ ਹਕੂਮਤ ਹੋਰ ਕਿਸਮ ਦੀ ਹੈ ਮਗਰ ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਦੇ ਵਿਚ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਹੈ ਜੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਵਿਚ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਫੇਲ ਹੋ ਗਈ ਤਾਂ ਸਾਰੇ ਏਸ਼ੀਆ ਦੇ ਵਿਚ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਏਥੇ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੋ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਪਛੜੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਚਾ ਚੁਕਣ ਦਾ ਜਤਨ ਕਰੋ। ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਨੂੰ ਕਾਮਯਾਬ ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦਿਆਨਤਦਾਰੀ ਔਰ ਪੱਕੇ ਇਰਾਦੇ ਦੇ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਤੁਹਾਡੀ ਦਿਆਨਤਦਾਰੀ ਔਰ integrity ਦੇ ਵਿਚ ਫਰਕ ਰਹੇਗਾ ਤਾਂ ਏਥੇ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋ ਜਾਏਗੀ। ਤੁਸੀਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਬਣਾਉਂਦੇ ਹੋ ਜਦੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਠੀਕ ਢੰਗ ਦੇ ਨਾਲ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਹਾਹਾਕਾਰ ਮਚ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬਡਲਾਢੇ ਮੰਡੀ ਦੀ ਗਲ ਦਸਦਾ ਹਾਂ। ਹੁਣੇ ਹੀ ਇਕ ਆਦਮੀ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਥੇ ਜਿਹੜੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਰਖੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਹ ਉਥੇ ਇਕੋ ਹੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਕਣਕ ਦੇ ਰੇਟ ਅਲਹਿਦਾ ਅਲਹਿਦਾ ਲਗਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤਕ ਸਾਡੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ integrity ਦੇ ਨਹੀਂ ਹੋਣਗੇ ਉਦੋਂ ਤਕ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਹੋ ਹੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਜ ਸਟੇਟ ਟਰੇਡਿੰਗ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਆਵਾਜ਼ ਉਠ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਸੋਚਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਬੜੀ ਗਲਤੀ ਕਰ ਲਈ ਹੈ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਗਲ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਕੋਈ ਸ਼ੱਕ ਵਾਲੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੇ ਮਨ ਬਿਲਕੁਲ ਸਾਫ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਜਦ ਅਸੀਂ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਲੜਦੇ ਸੀ ਤਾਂ ਲੋਕ ਸਾਡੇ ਉਤੇ ਬੜਾ ਭਰੋਸਾ ਕਰਦੇ ਸੀ। ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਾਡੇ ਉਤੇ ਬੜੀਆਂ ਆਸਾਂ ਸੀ। ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਉਮੀਦਾਂ ਤੇ ਪੂਰੇ ਨਾ ਉਤਰਾਂਗੇ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਦਿਲਾਂ ਵਿਚ ਸ਼ਕ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇਗਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਦਿਲ ਸ਼ਿਕਨੀ ਹੋਵੇਗੀ ਔਰ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਦਿਲਾਂ ਵਿਚ ਘਬਰਾਹਟ ਹੋਵੇਗੀ ਜਿਸ ਦੇ ਅੰਜਾਮ ਦਾ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾ ਕੇ ਦੇਖ ਸਕਦੇ ਹੋ। ਅਜ ਤੁਸੀਂ ਕਿਸੇ ਬਸ ਵਿਚ ਜਾਂ ਗਡੀ ਵਿਚ ਸਫਰ ਕਰਕੇ ਵੇਖੋ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗੇਗਾ ਕਿ ਆਮ ਲੋਕੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਹਾਡੇ ਬਾਰੇ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਜੇ ਅਸੀਂ ਇਥੇ socialist ਨਿਜ਼ਾਮ ਕਾਇਮ ਕਰਨਾ ਹੈ, ਜੇ ਅਸੀਂ Welfare State ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ pledged ਹਾਂ, ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਸਾਰੀ machinery ਸਾਫ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ ਔਰ ਇਹ top ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇਗੀ। ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਸਿਰ ਤੇ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਅਸੀਂ ਵੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਉਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਤੱਦ ਜੋ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਜਾਂ ਹੋਰ ਲੋਕ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਕੀ ਉਮੀਦ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਲਈ ਹਕੂਮਤ ਨੂੰ ਮਜਬੂਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਬਗੈਰ ਕਿਸੇ ਪੱਖ ਪਾਤ ਦੇ ਔਰ ਬਗੈਰ ਕਿਸੇ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਬੰਧਨ ਦੇ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਡਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਫਰਜ਼ ਅਸੀਂ ਤਦ ਹੀ ਪੂਰਾ ਕਰ ਸਕਾਂਗੇ ਜੇ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਾਂਗੇ ਹੁਣ,

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ Law and Order ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਕ ਗੱਲ ਤੁਹਾਡੀ ਮਾਰਫਤ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ....

श्री उपाध्यक्ष: अब आप बस करें, काफी time ले लिया है आप ने। (The hon. Member should now resume his seat. He has taken sufficient time.)

ਸਰਦਾਰ ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜ ਮਿੰਟ ਹੋਰ ਦੇ ਦਿਉ। ਮੈਂ ਹਾਲੇ ਦੋ ਤਿੰਨ ਗੱਲਾਂ ਹੋਰ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀਆਂ ਨੇ।

ਮੈਂ law and order ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ। ਅੱਜ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਸਾਰੇ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਆਮ ਵੇਖਣ ਵਿਚ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ crime ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਵਿਚ ਘਟ ਵਿਖਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਹਾਲਾਂਕਿ crime ਹੁੰਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ।

श्री उपाध्यक्ष : Law and order के बारे demand कल आयेगी, इस पर आप कल बोल लेना। (The hon. Member will be free to speak on law and order when the demand for it comes before the House tomorrow.)

ਸਰਦਾਰ ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਲ ਮੈਨੂੰ ਕਿਸੇ time ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਇਸ ਲਈ ਮੈਨੂੰ ਹੁਣ ਕੁਝ ਕਹਿ ਲੈਣ ਦਿਉ।

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ law and order ਦੀ ਹਾਲਤ ਦਿਨ ਬਦਿਨ ਖਰਾਬ ਹੁੰਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਅਫਸਰ ਬੜੇ ਚੰਗੇ ਹਨ, ਸਮਝਦਾਰ ਹਨ ਔਰ ਕੰਮ ਵਿਚ ਬੜੇ ਹੁਸ਼ਿਆਰ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਮੁਸ਼ਕਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ policy ਹੈ ਉਹ ਇਸ ਦੇ ਖਲਾਫ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੇ। ਔਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ policy ਇਹ ਹੈ ਕਿ crime ਨੂੰ ਘਟ ਵਿਖਾਇਆ ਜਾਵੇ। S. H. O. ਨੂੰ ਹਰ ਸਾਲ crime ਘਟ ਵਿਖਾਣ ਵਾਸਤੇ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਜੁਰਮ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਵਡੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਵਾਰਦਾਤਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਾਗਜ਼ਾਤ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਤਕ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਲਦੀ ਰਹੀ ਤਾਂ ਇਹ ਗੌਰਮਿੰਟ collapse ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ਔਰ ਇਹ ਟਿਕ ਨਹੀਂ ਸਕੇਗੀ। ਪਿਛਲੇ ਦਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਅਕਾਲੀ agitation ਚਲੀ ਸੀ ਤਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਜਿਹੜੇ ordinary ਕਾਨੂੰਨ ਸੀ ਉਹ ਵਰਤੋਂ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਸੀ ਲਿਆਂਦੇ ਗਏ ਸਗੋਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਏ ਸੀ ਜਿਹੜੇ ਬੜੇ ਵਾਹਯਾਤ ਸੀ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ agitation ਨੂੰ ਦਬਾਉਣ ਦੀ ਖ਼ਾਤਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਵਿਚ, ਜਾਇਜ਼ ਅਤੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਇਥੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਇਕ ਮੰਗ ਨੂੰ ਦਬਾਉਣ ਲਈ ordinary ਕਾਨੂੰਨ ਜਿਹੜੇ ਸੀ ਉਹ ਬਿਲਕੁਲ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਤੇ ਗਏ ਸੀ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ extra-ordinary ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਏ ਗਏ ਸੀ ਜੋ ਬਿਲਕੁਲ ਫਜ਼ੂਲ ਔਰ ਵਾਹਯਾਤ ਸੀ। ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਨਸਲਾਂ ਜਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਾਨੂੰਨਾਂ ਨੂੰ ਵੇਖਣਗੀਆਂ ਤਾਂ ਬੜੀਆਂ ਦੁਖੀ ਔਰ ਪਰੇਸ਼ਾਨ ਹੋਣਗੀਆਂ।

[ਸਰਦਾਰ ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ]

ਇਕ ਗੱਲ ਹੋਰ ਮੈਂ Punjabi University ਬਾਰੇ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਉਸ ਦੀ location ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਦਮਦਮਾ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਬਣਾਈ ਜਾਏ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਇਲਾਕਾ ਬਹੁਤ ਪਿਛੇ ਹੈ।

ਫਿਰ ਮੈਂ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਜੋ ਇਲਾਕੇ ਹਨ ਔਰ ਲੋਕ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਜਿਹੜੀ discrimination ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਉਹ ਬੜੀ ਮਾੜੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਦੇਖ ਲਉ ਜਾਂ ਵਡੇ ਕਸਬੇ ਜਾਂ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਦੇਖ ਲਉ ਉਥੇ ਕੋਈ ਨਵੀਂ ਸੜਕ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ ਗਈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਮਾਰਫਤ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ discrimination ਤੋਂ ਲੋਕ ਤੰਗ ਆਏ ਬੈਠੇ ਹਨ ਔਰ ਉਹ ਉਬਾਲ ਵਿਚ ਹਨ। Discriminatory ਸਲੂਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਥੋਂ ਤਕ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ Second Five-Year Plan ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਪੈਪਸੂ ਦੀਆਂ ਬਣੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ ਉਥੇ ਰੁਪਿਆ ਨਹੀਂ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ। ਚੌਧਰੀ ਸੂਰਜ ਮਲ ਨੇ ਹੁਣੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਬੜੀ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਬਠਿੰਡੇ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਬੜੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਬਣ ਗਈਆਂ ਹਨ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਕਤ ਉਥੇ ਕਿਤਨੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ? ਉਹ ਤਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਵਕਤ ਦੀਆਂ ਬਣੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਜਿਹੜੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਹੁਣ ਬਣਨੀਆਂ ਸਨ ਉਹ ਤਾਂ ਐਵੇਂ ਪਈਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰਾਮਾਂ ਮੰਡੀ ਹੈ ਜਾਂ ਹੋਰ ਮੰਡੀਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਨੂੰ ਹਾਲੇ ਤਕ ਸ਼ੁਰੂ ਤਕ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਮਾੜੀ ਜਿਹੀ ਮਿਟੀ ਕਿਤੇ ਕਿਤੇ ਭਾਵੇਂ ਪਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਕੁਝ ਹੋਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੋਵੇ। Third Five-Year Plan ਦੇ ਥਲੇ ਵੀ ਇਸ ਸਾਲ ਦੇ ਬਜਟ ਵਿਚ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ। Plan ਦੇ ਆਖਰੀ ਸਾਲ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਕੁਝ ਕਰ ਦੇਣ ਤਾਂ ਪਤਾ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ warning ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਇਹ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਨਾਲ discriminatory ਸਲੂਕ ਕਰਦੀ ਰਹੀ ਤਾਂ ਉਹ ਲੋਕ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣਗੇ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਇਕ ਸਾਲ ਅਗਲੀਆਂ elections ਵਿਚ ਰਹਿ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਅਗਰ ਦਿਆਨਤਦਾਰੀ ਕਰ ਦਿਖਾਣਗੇ ਔਰ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਪਖ ਪਾਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਕੋਈ ਧਕਾ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਤਾਂ ਉਹ ਲੋਕ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਰਹਿ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਨਹੀਂ ਤਾਂ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਵਿਚ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਪਾਸ ਇਕ vote ਦੇਣ ਦਾ ਹੀ ਹਕ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਉਹ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਵਰਤ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਹੁਣੇ ਚੌਧਰੀ ਦੇਵੀ ਲਾਲ ਨੇ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਤੇ ਜ਼ਿਲਾ ਜਲੰਧਰ ਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਚਲੀ ਗਈ ਹੈ ਪਰ ਪੈਪਸੂ ਦੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਮੰਡੀਆਂ ਵਿਚ ਭੀ ਬਿਜਲੀ ਹਾਲੇ ਤਕ ਨਹੀਂ ਗਈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਬੜਾ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ time ਬੜਾ ਥੋੜਾ ਸੀ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਿਆ। ਬਜਟ ਦੀਆਂ ਅਲਗ ਅਲਗ demands ਜਦੋਂ ਪੇਸ਼ ਹੋਣਗੀਆਂ, ਤਦ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਲਵਾਂਗਾ। ਇਤਨਾ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਕਹਿ ਕੇ ਆਪਣੀ seat ਤੇ ਬੈਠਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ

ਜਿਹੜੀਆਂ ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਗਲਤੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਇਸ ਸਾਲ ਵਿਚ ਠੀਕ ਕਰਨ ਦਾ ਜਤਨ ਕਰਨ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ (ਧੂਰੀ 'ਰੀਜ਼ਰਵਡ'): ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅੱਜ ਜੋ ਤੀਜੀ ਪੰਜ ਸਾਲਾ Plan ਦਾ ਪਹਿਲੇ ਸਾਲ ਦਾ ਬਜਟ ਪੇਸ਼ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਮੈਂ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇਖਿਆ ਹੈ। ਸਿਰਫ ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਕਾਂਗਰਸੀ ਬੈਂਚਾਂ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਲੋਂ ਵੀ ਇਸ ਤੇ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਜੇ ਕਰ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਤਕਲੀਫ ਵਲ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਨਾ ਦਿਵਾਈਏ ਤਾਂ ਬੜੀ ਅਫਸੋਸ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ। ਕਈ ਵਾਰ ਇਹ ਗਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ tube-wells ਉਥੇ ਲਗਵਾਏ ਗਏ ਹਨ ਉਹ ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਚਲਦੇ। ਜੇ ਕਰ ਉਹ ਪੂਰੇ ਚਲਦੇ ਵੀ ਹਨ ਤਾਂ ਵੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਮੇਰੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨੋਟਿਸ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਨਹਿਰੀ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਏਗਾ, ਉਸ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ tube-wells ਦਾ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾਏਗਾ। ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਪਾਸੇ ਦਿਵਾਇਆ ਕਿ ਜੇਕਰ tube-wells ਦਿਨ ਰਾਤ ਚਲਦੇ ਰਹਿਣ ਤਾਂ ਜਾਕੇ 400 ਵਿਘੇ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਫਿਰ ਇਕ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਹੋਰ ਹੈ ਕਿ ਖਾਲ ਕਚੇ ਹਨ। ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੇ ਕਰ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਆਪਣੇ ਪੈਸੇ ਪਾਉਣ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਮਦਦ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਕਚਿਆਂ ਖਾਲਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਦਿੱਕਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਧੂਰੀ ਤੋਂ ਮਲੇਰਕੋਟਲੇ ਤਕ ਚਲਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਰਸਤੇ ਵਿਚ ਕਚੇ ਖਾਲ ਟੁਟ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਖਾਸ ਕਰਕੇ operators ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਤਕਲੀਫ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। Tube-well ਦਾ fuse ਉਡ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੁਦ ਇਤਲਾਹ ਦੇਣ ਜਾਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਥੇ telephone ਵੀ ਲਗਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਥਾਵਾਂ ਸੇਮ ਵਾਲੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ relief ਦਿਤਾ ਹੈ। ਪਰ ਖੇਤ-ਮਜ਼ਦੂਰ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਾਰ ਕਰਕੇ ਆਪਣਾ ਢਿਡ ਭਰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ relief ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਉਹ ਵਿਚਾਰੇ ਬਹੁਤ ਗ਼ਰੀਬ ਆਦਮੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਬਹੁਤਿਆਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ bonds ਭਰਵਾਏ ਗਏ, ਲਾਟਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਵੇਚੀਆਂ ਗਈਆਂ developments plans ਦੀ ਖਾਤਰ ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਖੇਤੀ-ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨੂੰ relief ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਇਹ ਕਾਣੀ ਵੰਡ ਬੰਦ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਸਬੂਤ ਹਨ ਕਿ ਉਥੇ ਬੇਕਾਇਦਗੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਪੁਨਾਂਵਾਲ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ relief ਤੋਂ ਵਾਂਝਿਆਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਦੂਸਰਿਆਂ ਨੂੰ relief ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਪਟਵਾਰੀ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁਣ ਤਾਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਪਟਵਾਰੀ ਤਾਂ ਅਜੇ ਹੀ ਮਾਣ ਨਹੀਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਾਡੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਾਹੀਂ relief ਨਹੀਂ ਵੰਡਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਸਾਡੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚੋਂ ਡਿਡਰੀ ਨਦੀ ਲੰਘਦੀ ਹੈ, ਉਹ ਪੰਜ ਗਰਾਈਆਂ, ਦਸੌਂਧਾ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ, ਹਮੀਦੀ, ਠੁਲੇਵਾਲ, ਟਿੱਬਾ, ਗੁਮਟੀ, ਗੁਰਮ, ਗੰਡਾ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ ਅਤੇ ਸਾਮਤਪੁਰ ਪਠਾਨਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਾਂਦੀ ਹੈ। ਉਸ ਨੇ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਰਬਾਦ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਗ਼ਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਤਕਲੀਫ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਸਿਆਲ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਗਰੀਬ ਦਿਹਾਤੀ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਤਕਲੀਫ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਹੋਰਨਾਂ ਥਾਵਾਂ ਉਪਰ ਤਾਂ depot ਖੋਲ੍ਹੇ ਗਏ ਹਨ, Banks ਖੋਲ੍ਹੇ ਗਏ ਹਨ

[ਕਾਮਰੇਡ ਜੰਗੀਰ ਸਿੰਘ]
ਪਰ ਵਿਹਾਤੀ ਮਜ਼ਦੂਰ ਵਾਂਝੇ ਰਖੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਕੋਲ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਕਿ ਉਥੇ corruption ਹੈ, ਵੱਢੀਖੋਰੀ ਹੈ, ਖੇਤੀ-ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨੂੰ relief ਦੇ ਬਿਨਾਂ ਰਖਿਆਂ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਮਾਣ ਹੈ ਕਿ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਉਸੇ ਵੇਲੇ Commissioner ਨੂੰ ਲਿਖ ਦਿਤਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ relief ਤਰੁੰਤ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ, ਅਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਉਤਸ਼ਾਹ ਵੀ ਦਿਤਾ । ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਮਾਨ ਹੈ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

चौधरी कर्म चन्द सिद्धू (होशियारपुर—रिजर्वड़) : डिप्टी स्पीकर साहिब, आपके सामने सन् 1961-62 का बजट पेश है जिस में 64 करोड़ रुपए के खर्च का हिसाब किताब है । यह रुपया नहरों पर, सड़कों पर, बिजली पर, सेम को दूर करने के लिए, tractors, tube-wells और तकावी loans वगैरह कई मद्दों पर खर्च किया जाना है ।

डिप्टी स्पीकर साहिब, मेरे ज़िला होशियारपुर में बहुत से chos हैं और बहुत सा इलाका हर साल उन की वजह से तबाहोबरबाद होता है । मैंने पहले भी कई बार House में गुज़ारिश की है कि इन chos को channelise करके इन के पानी को दरिया में डाल दिया जाए ताकि वहां की लाखों एकड़ ज़मीन ज़ाया होने से बचाई जा सके । ज़मीन के तबाह होने से किसान बहुत दुखी है । एक तो मेरी गुज़ारिश यह है कि इस तरफ फौरी तौर पर ध्यान दिया जाए और लोगों को इस मुसीबत से निजात दिलवाई जाए ।

दूसरी बात यह है कि मेरे जिले में एक सड़क गढ़शंकर से होशियारपुर जाती है । उसमें इतने chos हैं कि हर साल बरसात के दिनों में उस सड़क पर traffic suspend हो जाती है । इसलिए मेरी दूसरी अर्ज़ यह है कि उन chos और नालों पर पुल बांधे जाएं ।

तीसरी गुज़ारिश मेरी यह है कि मेरे हलके में एक सड़क चाबेवाल से via लहेली कलां भाम और बड़ों आठ मील का टोटा है । वहां पंद्रह साल से दो ही बसें चलती हैं । कई दफा कहा गया कि उसपर बसों की गिनती बढ़ाई जाए । वह एक ऐसी सड़क है जिस से किसानों को बहुत फायदा है, अपनी जिनस शहर तक पहुंचाने में सहूलियत हो सकती है ।

जहां तक education का ताल्लुक है, इस बारे अर्ज़ करूंगा कि हमारे एक चंडोली गांव है । वहां के लोगों ने चालान नम्बर 74 तारीख 12 अप्रैल 1960 के तहत 8,000 रुपए contribution primary school को middle standard तक करवाने के लिए कर दी है । मगर उस बारे अभी तक कोई action नहीं लिया गया । इस तरफ जल्दी ध्यान दिया जाए ।

5. 00. a. m.

जहां तक बिजली का ताल्लुक है, मेरी constituency neglected रही है। वहां project तो बना है मगर बिजली नहीं दी गई। इस का जल्दी प्रबन्ध किया जाए। वहां पर 2,24,000 का estimate है। वह 35 गांव जल्द से जल्द electrify कर देने चाहिएं। (घंटी) डिपटी सपीकर साहिब, मैं दो ही और बातें कह कर बैठ जाऊंगा।

जनाब, पिछले साल बजट 59 करोड़ रुपए का था उस में हरिजन welfare के लिए 46 लाख रुपया रखा गया था। इस रुपए से यह उन 30, 35 लाख हरिजनों की मदद करना चाहते थे जिन के पास न ज़मीन, न मकान और न रोज़गार है। और इस साल जब कि सारा बजट 64 करोड़ का है यानी पिछले साल से ज्यादा का है तो हरिजनों के लिए सिर्फ 41.80 लाख रुपया रखा गया है यानी पिछले साल से भी कम। यह ठीक बात नहीं। सरकार हरिजनों को ऊपर उठाने की तरफ पूरा ध्यान नहीं दे रही। इस सिलसिले में सरकार की जो schemes हैं, उनकी तरफ मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। इस में एक item 6.82 लाख रुपए का है। इस रकम से हरिजनों को ज़मीन खरीदने के लिए मदद देनी है। हर family को 2,000 रुपया सरकार ने subsidy देनी है और 2,500 रुपया उस ने अपने पास से डालना है। इस के लिए यह rule है कि एक compact block ढूंडा जाता है जहां कम से कम 18 families आबाद की जा सकें। मैं इस सिलसिले में Harijan Welfare Advisory Board का फैसला Chief Minister साहिब के नोटिस में लाना चाहता हूं कि जहां इकट्ठी ज़मीन नहीं मिलती, या कीमत ज्यादा है, या ज़मीन खराब है वहां पर हरिजनों को individual तौर पर ज़मीन खरीदने की इजाज़त होनी चाहिए। और इस सिलसिले में और देर नहीं करनी चाहिए। पहले ही मुझे होशियारपुर बारे पता है, पिछले कई सालों से यह ज़मीन नहीं खरीदी गई। अब रजिस्ट्रेशन फीस बढ़ जाने से हरेक family को पांच, सात सौ रुपया ज्यादा देना पड़ेगा। इस लिए इस बात की जल्दी इजाज़त दी जाए कि ज़मीन individual तौर पर खरीदी जा सकती है।

इसी सिलसिले में 99,000 रुपया हरिजन colonies बनाने के लिए रखा गया है। इस में यह शर्त होगी कि मालिकान मकान 20 साल तक मालिक नहीं बन सकेंगे। जो यह colonies बनेंगी, इन में दस फीसदी non-scheduled castes को बसाया जायेगा। मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि आप इस तरीके से untouchability खत्म नहीं कर सकते और उल्टे एक inferiority complex उन हरिजनों में पैदा होगा और फिर इस तरह हरिजनों के लिए रखी रकम दूसरों को दी जायेगी। यह रकम सारी की सारी हरिजनों को दी जानी चाहिए। (घंटी) जनाब, बस एक ही बात और कहना चाहता हूं।

हरिजन शुरू से ही कांग्रेस के साथ रहे हैं और अब भी मुझे यही उम्मीद है। मगर यह तो किया जाता कि पंजाब की आबादी के इस 1/6 हिस्सा के लिए 64 करोड़ के बजट में से कम से कम 10 करोड़ रुपया तो रखते। जनाब, एक

[चौधरी कर्म चन्द सिद्धू]

scheme थी Interest Free Loan देने की । इसे अब बंद कर दिया है । इस से हरिजनों को फायदा था । इस को दोबारा शुरू करें और कम से कम दो करोड़ रुपया इस के लिए रखा जाए । (घंटी) आप का शुक्रिया ।

उद्योग मन्त्री (पंडित मोहन लाल) : डिप्टी स्पीकर साहिब, इस House में पेश होने वाला यह आखरी बजट है और बजट पर इस House में यह आखरी बहस है । इस लिए इस की अपनी अहमियत है। इस के साथ ही चूंकि यह Third Five-Year Plan के पहले साल का भी बजट है, इस लिए इस की अहमियत और भी बढ़ जाती है । पिछले चार रोज़ बल्कि जो आप ने वक्त बढ़ाया उसको मिला कर 5 ही रोज़ कहें, इन दिनों में जो बहस हुई वह बड़ी अहम बन जाती है । मैं ने जनाब हर speech को बड़ी संजीदगी से सुना है और मैं इन speeches को तीन हिस्सों में बांटता हूं । कुछ मैम्बर साहिबान ने बजट को बजट के तौर पर देखा और उनकी बहस हकीकी तौर पर बजट की बहस कहला सकती है । मैं शायद सब के नाम तो नहीं ले सकता और न ही ज़्यादा नाम लेना मुनासिब ही होगा तो भी यह कहूंगा कि सरदार दरबारा सिंह जी ने इस पर बड़ी सही और constructive speech की । मैं उनको मुबारकबाद देता हूं । (तालियां) इसी तरह सरदार अजमेर सिंह, राओ गजराज सिंह, पंडित अमर नाथ, श्रीमति सरला देवी, सरदार रामदयाल सिंह जी ने और और भी कई दोस्तों ने इधर से बहुत अच्छे ढंग से बजट पर ख्यालात ज़ाहिर किये । मैं सारे नाम नहीं ले सकता इस लिए उन से माफी चाहता हूं । इनके अलावा मुझे कुछ Opposition के भाइयों की भी कद्र है । उन में से दो तीन speakers ने सही मानों में बजट पर speech करने की कोशिश की । गो उन्होंने जो नुक्ताचीनी बजट पर की और जो जो वजूहात पेश कीं मुझे उनसे इखतलाफ है । जिन माननीय मैम्बरों ने बजट को बजट समझ कर नुक्ता चीनी की है उन में सरदार अच्छर सिंह छीना है, पंडित रामकृष्ण भड़ोलियां हैं और कामरेड मुनी लाल जी हैं । मैं उनके तरीके को appreciate करता हूं । दूसरा बोलने वालों का एक ऐसा हिस्सा है जिन्होंने destructive नुक्ताचीनी की है । मैं उनका नोटिस नहीं लूंगा क्योंकि यह तो कई लोगों को इस प्रकार से बोलने की आदत है । कुछ मैम्बरों ने बजट को, स्टेट को, Constitution को बिलकुल अलग रखते हुए शखसियतों को सामने रखते हुए नुक्ता चीनी की है । और चीफ मिनिस्टर साहिब और कुछ और मिनिस्टरों पर जाती हमले किए । तो मैं समझता हूं कि ऐसी बातें कहते हुए उनका एक ही नज़रिया रहा है कि हमने खोई हुई ताकत कैसे हासिल करनी है । लेकिन उन्हें समझ लेना चाहिए कि वे आज नहीं बल्कि 5 या 6 साल से बराबर इस तरह के हमले करते आए हैं और जब कुछ नहीं बिगाड़ सके तो आज भी वह क्या कामयाबी हासिल कर लेंगे । क्योंकि उनकी बातों में कोई सयासी दयानतदारी नहीं है । (प्रशंसा) । मैं उन्हें और Opposition पार्टी के सभी मैम्बरान को जो इस तरह की नुक्ता चीनी करते हैं, बतलाना चाहता हूं कि पंजाब को एक ऐसा मज़बूत चीफ मिनिस्टर मिला हुआ है कि जितना

मज़बूत अगर मैं कह दूं कि इससे पहले कभी नहीं मिला तो कोई मुबालगा नहीं होगा। (प्रशंसा) और जब से वह चीफ मिनिस्टर बने हैं उन्होंने पंजाब को इस अर्से में बहुत आगे बढ़ाया है। अगर आज Opposition की पार्टी या पार्टियां यह चाहती हैं कि ऐसी २ बातों से वह कांग्रेस को कमज़ोर हो जाए या वे कर सकें तो वे भूल करते हैं। कांग्रेस गवर्नमैंट कमज़ोर नहीं हो सकती जब तक कि इस का मजबूत लीडर है। और उन्होंने खुद यहां पर बड़े बड़े आन्दोलन कर के देखे हैं और अभी कल की ही बात है कि एक बड़े आन्दोलन को नाकामयाबी हुई है अपने मकसद हासिल करने में। इसलिए मैं समझता हूं कि Opposition पार्टियां भले ही ज़ाती हमले करें वे कांग्रेस गवर्नमैंट को कमजोर नहीं कर सकतीं। आज पंजाब के अवाम को जितनी कशिश पंजाब के चीफ मिनिस्टर से है उतनी कभी नहीं रही। (प्रशंसा) मैं Opposition पार्टी के मैम्बरों की नुक्ता चीनी को तो कुछ समझ सका हूं लेकिन जो Treasury Benches पर बैठे हुए चीफ मिनिस्टर पर हमला करते हैं उनकी सियासी दयानतदारी को मैं नहीं समझ पाया। मैं उनके लिए यही बात कहूंगा कि जिस पार्टी से वह सम्बन्ध रखते हैं उसके लिए उनकी loyalty ज़रूरी है। यह ठीक बात है कि कई बातों में पार्टी के सभी मैम्बरों का इत-फाक नहीं होता लेकिन ज़ाती हमला चीफ मिनिस्टर पर करना और वह भी बहुत नीची level पर आ कर यह कहां की दयानतदारी है। अगर वह इस पार्टी के लीडर को अपना लीडर नहीं मानते थे या इन Benches को ठीक नहीं समझते थे तो वह कहीं और जगह हासिल कर लेते।

मैं समझता हूं कि उन में किस किस्म की दयानतदारी नहीं है मैं इस बात को reconcile नहीं कर सक्ता कि Treasury Benches पर बैठे हुए कांग्रेस पार्टी से ताल्लुक रखने वाले कुछ ऐसे मैम्बर साहिबान हैं जो लगातार पांच साल से Opposition के मैम्बरों के साथ मिल कर conspiracy करते चले आए हैं। यह बात किसी से छिपी हुई नहीं। बारबार ऐसे वाक्यात देखने में आते हैं कि Treasury Benches के कुछ मैम्बर साहिबान Opposition की पार्टियों से मिलते हैं और उन से conspire करते हैं, बाकायदा प्रोग्राम बनते हैं और उसी सिलसिला में मौजूदा हमलों का सिलसिला चला है। हम यह भी जानते हैं कि जो कुछ इस Budget Debate में हुआ वह भी उसी सिलसिला की एक कड़ी है। मैं दुहरा कर यह बात कहूंगा कि मुझे उन लोगों की स्यासी दयानतदारी समझ नहीं आ सकी कि लगातार इतनी देर से Opposition के साथ मिल कर अपनी पार्टी के लीडरों पर ज़ाती हमले किए जाएं। लेकिन मैं किसी की ज़ाती बात में नहीं पड़ूंगा और न मैं सफाई दिया चाहता हूं, किसी ज़ाती हमले की, कि जो कुछ यहां हुआ। न मैं चीफ मिनिस्टर के परिवार के मुतअल्लिक सफाई के लिए खड़ा हुआ हूं, न मैं कुछ कहूंगा और न ज़ाती बातों की सफाई में जाऊंगा क्योंकि मेरी duty और है—Constructive बातें करने की। मैं अर्ज़ करूंगा कि मेरे साथी चौधरी सूरज मल ने कहा कि शीशे के घरों में बैठे हुए दूसरों पर पत्थर फैंक रहे हैं इस बात को न जानते हुए के जिस घर में वे खुद रहते हैं वह शीशे का बना हुआ है। मैं तो उन से कहूंगा कि जिस ओढ़नी को ले कर

[उद्योग मन्त्री]
वे बैठे हुए हैं उस का एक एक इंच नहीं नहीं एक एक तार धब्बों से भरा हुआ है । (Loud Thumping) मैं कोई ऐसी बात नहीं कहूंगा और न मेरे किसी साथी ने कोई ऐसी बात कही जिस तरह कि उन्होंने इस बजट की debate का level गिराया और हाउस के वकार को गिराया—मेरा यह काम नहीं । मैं इस बात को भी समझता हूं कि यह debate जो कोई भी पढ़ेगा तो वह समझेगा कि कौन कौन कितनी low level पर पहुंचा । शायद जो बातें यहां पर कही गई हैं उन्हें हिकारत की नज़र से देखा जाय । मैं सिर्फ यह कहता हूं कि उन्होंने बजट की debate के वकार को गिराया । काश कि उनका अपना वकार भी होता जिस को कि मैं कह सकता कि उन्हों ने गिराया लेकिन मैं ऐसा कहने से कासिर हूं ।

अब मैं असल बात पर आता हूं । लेकिन इस से पहले एक बात और अर्ज़ कर देना चाहता हूं । वह यह कि यहां पर Administration के सिलसिले में कहते हुए उनमें से एक मेम्बर साहिब ने कहा कि Administration में demoralisation आ चुकी है और वे काम करने से घबराते हैं, क्योंकि एक शख्स की हकूमत है उसे खुश रखना होता है वगैरह, वगैरह । इस में मैं लम्बी चौड़ी defence की ज़रूरत महसूस नहीं करता । Administration से मेरा चार पांच साल का सम्बन्ध है मैं समझता हूं कि आज सरकारी कर्मचारी हकीकी मानों में लोगों के अपने आप को सेवादार समझकर काम करते हैं, निडरता से काम करते हैं, इस बात को मैं अच्छी तरह से जानता हूं । शायद उन्होंने कोई ग़लती नहीं की यह कहने में कि आज Administration में demoralisation है । वह इस लिए कि उन का वास्ता ही कुछ ऐसे निकम्मे ऐसे अफसरों से पड़ता है जिनको ये demoralised करते अथवा कहते हैं । Services में ऐसे अफसर हमेशा हुआ करते हैं । लेकिन high percentage उनकी है जो बहुत अच्छे अफसर हैं । ऐसे भी अफसर हैं जो किसी एक या दूसरी वजह से demoralise व corrupt हुए हों । अभी आप ने देखा कि confidential, secret D.O. letters किसी एक Minister के लिखे हुए यहां पर पढ़े जाते हैं । इसी तरह से किसी और letter का हवाला दिया जाता है कि वहां से यह information मिली । लेकिन जब बात उन से पूछतें हैं कि कहां और कैसे यह इत्तलाह मिली तो कहते हैं कि हमने किसी ढंग से भी information हासल की हो, आप कौन पूछने वाले हैं । अगर कोई अफसर corrupt हो या अपनी duty में कोताही करता हो तो उसे राहे रास्त पर लाना हमारा काम है । जब उन पर कोई कारवाई की जाती है तो यह कहते हैं कि सरकारी कर्मचारियों में demoralisation है । Demoralisation तो इन को दिखाई देगी क्योंकि इन का वास्ता उन से पड़ता है जो कि demoralised हैं । पंडित अमर नाथ शर्मा जी ने हंस, मोती और सीप की मिसाल दी । मुझे और भी अच्छी मिसाल दिखाई देती है । वह यह कि शहद की मक्खी सुगन्ध के पास ही जाया करती है लेकिन एक और मक्खी भी हुआ करती है जिस को गन्दगी के अलावा और कोई चीज़ अच्छी नहीं लगती । (*At this stage, Mr. Speaker occupied the Chair.*)

दूसरी बात, स्पीकर साहिब, जो मैं कहा चाहता हूं वह taxation के मुतअल्लिक है। बहुत से मैम्बर साहिबान ने इस पर काफी कुछ कहा—इसके बरखिलाफ भी और इस के हक में भी। यह एक अहम मसला है इस लिए दूसरी बातें करने से पहले मैं हाऊस का वक्त ऐसी बातों पर लिया चाहता हूं। कुछ मैम्बर साहिबान ने taxation के बारे में इतना कुछ कहा कि ऐसा मालूम होता था कि शायद वे 18वीं या 19वीं सदी की बातें करते हैं। आज हमें समझना चाहिए कि taxation के मुतअल्लिक विचारधारा बदल चुकी है। Welfare State के कायम हो जाने से हमारा नज़रिया बदल चुका है और आज की गवर्नमेंट का काम लोगों की तरक्की के बारे में सोचना है।

आप ने बेकारी को दूर करना है, हर एक को काम मुहैया करना है, रोटी देनी है और मुल्क से गरीबी दूर करनी है इस लिए हम ने देखना है कि यहां industries कायम की जाएं। Industries किस तरह से कायम की जा सकती हैं? हमारे देश में बिजली, लोहा और पानी नहीं और न ही raw material है। इस लिए बहुत से इस स्टेट को सोचना होगा कि हम बड़े बड़े लोहे के कारखाने लगाएं। तेल और पैट्रोल के कारखाने लगाएं। इसी तरह से agriculture के लिये बिजली और पानी की जरूरत है। हमें tube-wells के लिये बिजली देनी होगी, खेती की पैदावार बढ़ाने के लिये fertilisers देने होंगे ताकि किसान अपनी production बढ़ा कर तरक्की के मैदान में आगे बढ़ सके। इस के साथ साथ transport के साधन पब्लिक को मुहैया करने होंगे, सब को तालीम देनी होगी, सिहते आमा में सुधार लाना होगा। चूंकि हमने Welfare State कायम करने का फैसला किया हुआ है इस लिए इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये funds चाहियें। सरकार की जिम्मेदारियों में जितना इज़ाफा होता जाएगा उतने ही ज़्यादा रुपये की ज़रूरत होगी। यह सीधी और साधारण बात है। अगर कोई आदमी चाहे कि हिन्दुस्तान या इस स्टेट की तरक्की की रफतार को रोक सके तो यह नहीं रुक सकेगी। जो इसे रोकना चाहेगा वह इस की रौ में फंस जाएगा। इसलिए किसी शक्ल में भी तरक्की की रफ्तार को कम नहीं किया जा सकता। इस तरक्की की रफतार को तेज़ करने के लिये गवर्नमेंट का काम है पैसा इकट्ठा करना। पैसे के बिना हम नुमायां तरक्की नहीं कर सकते। हमें पैसा इकट्ठा करने के साधन ढूंढने पड़ेंगे। यह realistic view है जो हमें लेना पड़ेगा। स्पीकर साहिब, आप जानते हैं कि पैसा इकट्ठा करने के तीन साधन होते हैं—एक तो यह कि बाहर के देशों से हमें इमदाद मिले कर्ज़े की शकल में या किसी और शकल में, दूसरा यह है कि deficit financing हो यानी नोट छापे जाएं और तीसरा है अपने domestic resources, इस मौज़ूह पर ज़्यादा लम्बी चौड़ी बहस की गुंजाइश नहीं। जहां तक foreign aid का ताल्लुक है आप ने देखा है कि हमारा देश foreign aid पर भी बहुत हद तक निर्भर रहा है और आज भी हमारी plans के लिए foreign aid लिया से चल रही हैं। जो माली इमदाद हमें कर्ज़े की शकल में मिलती है वह रकम हमें वापस करनी पड़ती है और उस का सूद भी अदा करना पड़ता है। Foreign aid पर ज़्यादातर depend नहीं किया जा सकता क्योंकि हो सकता है कि international हालात किसी वक्त बिगड़ जाएं। इसलिए कोई भी देश मैं समझता हूं कि तरक्की नहीं कर सकता जब तक कि वह अपने पाँव पर

[उद्योग मन्त्री]

खड़ा न हो सके । दूसरे deficit financing का जहां तक ताल्लुक है थोड़ी देर हुई माननीय मैम्बर सरदार सरूप सिंह holding of the price line की बात कर रहे थे । यह ठीक है कि कीमतें बढ़ीं लेकिन इस का कारण क्या है ? इस का सब से बड़ा कारण यह था कि हम ने ज़्यादा तर deficit financing पर depend किया । स्पीकर साहिब, आप जानते हैं कि 1,100 करोड़ रुपये की deficit financing हुई, currency notes छपे इसलिये कीमतें बढ़ी । जब Third Five-Year Plan बनाने लगे तो सब से important बात जो planners के सामने थी वह यह थी कि हम price line को किसी तरह hold कर सकें क्योंकि commodities की prices इतनी बढ़ रही हैं कि इस बात का अंदेशा था कि अगर prices के upward trend को check न किया गया तो हमारी economy shatter हो जाएगी । हमारी भारत सरकार का इरादा price line को hold करने का था । जब दूसरी पांच-साला प्लान बनी तो 1,100 करोड़ की deficit financing हुई । तीसरी पांच-साला प्लान हालांकि 10,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की बनने वाली है लेकिन फिर भी दूसरी पांच साला प्लान के मुकाबले में deficit financing 50 फीसदी कम कर दी है । इसलिये deficit financing पर ज़्यादा दारोमदार नहीं किया जा सकता । तीसरी बात रह जाती है domestic resources की यानी अपने घर से पैसे इकट्ठे किये जाएं । स्पीकर साहिब, आप जानते हैं कि domestic resources को tap करने के लिये दो ढंग हैं–एक तो यह कि लोगों से कर्ज़ा लिया जाए और दूसरा यह कि लोगों पर टैक्स impose किये जाएं । जहां तक कर्ज़े का सवाल है उस के मुतअल्लिक कई स्कीमें जारी हैं। National Small Savings Scheme के मातहत public loan को raise किया जा रहा है। यह बहुत important scheme है जिस को बाज़ औकात यहां हंसी मज़ाक में टाल दिया जाता है यह कह कर कि रुपया collect करने के लिये जबर किया जाता है । मैं समझता हूं कि public loan raise करने के लिये Small Savings Scheme को implement करने की एक खासी हैसियत है ।इस के अलावा, स्पीकर साहिब, टैक्स लगाने के बगैर हमारे लिये कोई चारा नहीं । मुझे खुशी हुई कि opposition के मैम्बर साहिबान ने भी यह तसलीम किया है कि टैक्सों के ज़रिये गवर्नमेंट को अपने resources augment करने चाहियें । अब दो किस्म के टैक्स लगने चाहियें–एक direct tax और दूसरा indirect tax. Socialisti Ecconomy में direct taxes लगाये जाने की एक खासी अहमियत है । Income में से कुछ हिस्सा ले लिया जाए यह direct tax है इसी तरह से Death Duty or Expenditure tax है । मैम्बर साहिबान ने जो Stamp Duty के ज़्यादा करने पर एतराज़ उठाया था वह भी एक किस्म का direct tax है । जो कोई जायदाद खरीदता, या बेचता है उन transactions पर यह tax लगता है । Income में disparity को दूर करने के लिये direct taxes एक अहम part play करते हैं लेकिन हमें यह बात समझनी होगी कि direct taxation की एक हद हुआ करती है

हद से ज्यादा direct tax की imposition नहीं हो सकती । मैं लम्बी तफ़सील में नहीं जाना चाहता लेकिन Democratic Government में जो कानून और Constitutions की पाबंद हो वहां पर taxes के ज़रिये disparity remove नहीं हो सकती। बाकी देशों में एक ही वक्त में जितनी disparity income में या जायदाद में हो वहां उसे remove करने के लिये यह ढंग इस्तेमाल हो रहा है । लेकिन indirect tax की अपनी अहमियत है और indirect taxes के ज़रिये काफी कुछ करना पड़ेगा । मैं इसलिए यह बात कहता हूं क्योंकि Opposition के कुछ मैम्बर साहिबान ने इस पर एतराज़ उठाया था कि आप Direct Tax न लगाएं। उन्होंने indirect tax यानी Sales Tax का हवाला दिया। Sales Tax एक indirect tax है और यह बात भी ठीक है कि इसकी incidence हरेक पर पड़ती है। लेकिन जैसे मैंने कहा direct taxation की एक हद हुआ करती है, उसके आगे जाने से काम नहीं चलता इसीलिए आप को indirect taxes लगाने पड़ते हैं । देश की development के लिए हरेक इन्सान को अपनी contribution देनी होती है और जब तक इस काम में एक एक आदमी हिस्सेदार नहीं बनता, taxes में contribution नहीं करता तब आप का काम चल सके, यह असम्भव और नामुमकिन बात है । इसीलिए indirect taxation पर काफी वज़न और ज़ोर दिया जा रहा है और इस में और भी ज़ोर चलेगा । इसलिए जहां तक indirect taxation का ताल्लुक है यहां पर दो ही किस्म के important indirect taxes हैं एक Excise Duty और दूसरा Sales Tax। जहां तक Excise Duty का सवाल है यह आहिस्ता आहिस्ता घटने वाली है। मैं नहीं कह सकता कि कल को क्या फैसला होने वाला है लेकिन जैसा कि आप जानते हैं आप के देश की policy इस वक्त prohibition की policy है, prohibition के लिए हम committed हैं। एक-आध मद में prohibition हुई भी है और बाकियों में कब तक होगी यह तो कहा नहीं जा सकता लेकिन आप उसकी तरफ जा रहे हैं । इसलिए जहां तक इस Duty का सवाल है वह आहिस्ता आहिस्ता कम होगी और शायद किसी दिन बिल्कुल खत्म भी हो जाए तो बहुत बड़ी बात नहीं । ऐसी हालत में Sales tax ही एक ऐसा tax रह जाता है जिस पर आपको बहुत सा दारोमदार करना पड़ता है । इसलिए जहां तक Sales Tax का ताल्लुक है इस साल हमने एक per cent बढ़ाया है । लेकिन अभी जब मैं आप के सामने आंकड़े रखूंगा तो आप देखेंगे कि दूसरी States के मुकाबला में Sales Tax पंजाब के अन्दर अभी भी कम है। आप की वाकफियत के लिए और यह जाहिर करने के लिए कि दूसरी States के मुकाबले में general revenues में Sales Tax की percentage पंजाब में अभी भी कम है। मैं कुछ figures देना चाहता हूं । सन् 1955-56 में Sales Tax के ज़रिए जो revenue पंजाब में हुआ था वह total revenue का 28 प्रतिशत था । इसके मुकाबले में उसी साल में यह revenue—

बम्बई में	49 प्रतिशत था,
वैस्ट बंगाल में	34 प्रतिशत था,

[उद्योग मन्त्री]

मद्रास में	43 प्रतिशत था और
मैसूर में	25 प्रतिशत था ।

सन् 19585-59 में पंजाब में यह percentage कम हुई—25 फीसदी रह गई। जब कि—

बम्बई में	.. 50 प्रतिशत
वैस्ट बंगाल में	.. 35 प्रतिशत
मद्रास में	.. 37 प्रतिशत और

मैसूर में 25 से बढ़ कर 32 प्रतिशत हो गई ।

अब जो सन 1960-61 के आंकड़े हैं वह यह हैं —

पंजाब	.. 25 प्रतिशत
बम्बई	.. 48 प्रतिशत,
वैस्ट बंगाल	.. 35 प्रतिशत,
मद्रास	.. 47 प्रतिशत, और
मैसूर	.. 35 प्रति शत ।

इसलिए मैं आप से अर्ज़ करूंगा कि Sales Tax में जो इस साल इजाफ़ा किया गया वह इस बात को सामने रखते हुए किया गया कि पंजाब में दूसरे प्रदेशों के मुकाबला में Sales Tax ....

मौलवी अब्दुल ग़नी डार : यह तो आपने सिर्फ चार पांच-सूबों की बाबत बताया । क्या बाकियों के मुतअल्लिक भी बताएंगे कि उनकी percentage क्या है ?

उद्योग मंत्री : मैंने important states को ही लिया है । जो पंजाब के मुकाबले में important states हैं उन्हीं के साथ मैंने मुकाबला किया है । दूसरी States की figures इस वक्त मेरे पास नहीं है । अगर आप interested होंगे.....

श्री जगत नारायण चोपड़ा : आप U.P. की बाबत ही बता दें वह तो आप की neighbour state है ।

उद्योग मंत्री : अगर आप इतने interested हैं तो उनकी figures भी मंगवा कर दे सकता हूँ लेकिन इस वक्त मेरे पास उन्हीं states की figures हैं जो important हैं और तरक्की के मैदान में पंजाब के मुकाबले पर हैं । (Hear, hear). अब मैं tax-revenue के सिलसिले में एक बात और अर्ज करना चाहता हूँ । मैं आप के ज़रिए House को बताना चाहता हूँ कि इस वक्त हमारे मुल्क की as a whole जो tax-revenue के ज़रिए आमदन है वह तमाम कौमी आमदन की सिर्फ 8.5 प्रतिशत है । आप देखें कि आप ने पहली Plan के दौरान 1960 करोड़ रुपया public sector में development के कामों पर खर्च किया । इसमें से हमने सिर्फ 599 करोड़ रुपया taxes के ज़रिए इकट्ठा किया जो कि सारी outlay का 30.56 प्रतिशत था । दूसरी Plan

के दौरान जैसा कि आप जानते हैं 4,800 करोड़ रुपया का खर्चा हुआ । उसमें पिछले tax revenue को शामिल करते हुए और जो नए taxes लगाए गए उनको भी शामिल करते हुए tax-revenue की कुल रकम 800 करोड़ थी । यानी दूसरी plan period में Total Plan outlay के मुकाबले में tax revenue की percentage सिर्फ 16.56 प्रतिशत रही यानी कम हुई । अब पहली और दूसरी Plans के मुकाबले तीसरी Plan में, जैसा कि आप जानते हैं, हमारा expenditure Public Sector में 7,200 करोड़ रुपया है जिसमें पिछला और नया tax-revenue शामिल करके 1,650 करोड़ रुपया होगा जोकि 23 प्रतिशत बनता है । इसके साथ ही मैं एक बात और अर्ज़ करना चाहता हूँ और वह यह कि जैसा आप जानते हैं पहले Plan में हमारी national income 18 फीसदी बढ़ी । दूसरी Plan में अन्दाज़ा लगाया जाता है कि बीस-इक्कीस फीसदी के करीब बढ़ेगी । और तीसरी Plan में हमारा national income को बढ़ाने का जो target है वह 25 प्रतिशत है और जो ultimate target है, चाहे चौथी Plan में पूरा हो या पांचवीं में, वह 40 प्रतिशत national income को increase करने का है । इससे आप अन्दाज़ा लगा सकते हैं कि हमारी हर Plan में national income progressively बढ़ रही है । अभी अभी सरदार सरूप सिंह जी ने फरमाया था कि nation की self-developing economy के ज़रिए self-sustained national growth लाई जानी चाहिए । यह बात बिल्कुल सही और ठीक है लेकिन यह उसी वक्त possible है जब कि हमारी national income की जो increase है वह 8 प्रति शत के करीब सालाना हो । वह stage लाने के लिए ज़ाहिर है कि हमें काफी कुछ करना होगा । लेकिन सब से ज़रूरी बात देखने वाली यह है कि हम उस पैसे का उपयोग किस तरह करें, किस तरह से वह रुपया इस्तेमाल हो । यह बात तो सीधी है कि हर Plan में, हर साल national income बढ़ेगी लेकिन सब से ज़रूरी बात यह है कि उस बढ़ती हुई income का उपयोग किस तरह से हो । सीधी बात है कि इस का उपयोग तीन ढंग से हो सकता है । एक तो यह कि जितनी भी income बढ़ रही है उसे हम अपने सुख और आराम के लिए खर्च करें । दूसरे यह कि Private Sector में चाहे कोई industry में लगा हुआ है या agriculture में लगा हुआ है यानी जहां कहीं भी वह है वह अपनी रास को अपनी income contribute करके बढ़ाए ।

और तीसरा यह ज़रिया हो सकता है कि हम देश के अपने कामों के लिए Public Sector में इस्तेमाल के लिए पैसा दें । तीनों ही बातें important हैं और यह नहीं हो सकता कि लोगों के आरामों को किसी तरह से नज़रअंदाज़ किया जाए । जैसा कि मैं ने अभी-अभी कहा जब political consciousness आती है तो लोगों में सुख और आराम हासिल करने का ख्याल भी बढ़ता है । इसलिए तीनों ही बातों पर proportionately खर्च करना पड़ता है । इस सिलसिले में पंजाब के

[उद्योग मंत्री]

मुतअल्लिक जो गलत फहमी डाली गई है उसे दूर करना चाहता हूँ । यहां यह कहा गया कि पंजाब में highest incidence of taxation है । यह बात सही नहीं है । यह सही है कि पंजाब की *per capita* income, nat onal *per capita* income से ज़्यादा है । यह बात कई दफा हमारे रास्ते में रोड़ा भी बनी है, खास कर Plan allocations के वक्त । कई states के मुकाबले में भी हमारी यह income ज्यादा है । इस वक्त मेरे पास सब states के बारे figures तो नहीं हैं मगर चंद एक important states के आंकड़े मेरे पास हैं । पंजाब की last available figure, *per capita* income बारे है । 296 रुपए सालाना जब कि इस के मुकाबले में मद्रास की 227 रुपए, आंधरा की 227 रुपए और मध्य प्रदेश की 248 रूपए है । अब ज़रा tax-ratio की figures मुलाहज़ा फरमाएं । पंजाब में यह है 2.95, मद्रास में 3.7, आंधरा में 3.1 और मध्य प्रदेश में 3.1 है । यानी इन states की *per capita* income जहां पंजाब से कम है वहां tax-ratio ज्यादा है । (*Interruption*) आप के फायदे की बात है ज़रूर सुनते जाइये । अब *per capita* tax revenue की figures पेश करता हूँ । 1951-52 में पंजाब में यह 6.4 था, West Bengal में 9.4 और बम्बई में 9.3 था । 1955-56 में यह figures इस तरह हो गईं पंजाब 8.1, West Bengal 11.3 और बम्बई 13.5, इस के बाद आखरी साल यानी 1960-61 में *per capita* tax revenue बारे यह position थी : पंजाब 14.9, West Bengal 16.2 और बम्बई 15.4 । इन figures से पंजाब बारे जो गलत फहमी यहां पर डालने की कोशिश की गई वह नहीं रहनी चाहिए । यह ठीक है कि 1951-52 के मुकाबले में 1960-61 में *per capita* tax बढ़ा मगर उस की भी वजूहात थीं । मैं ज़्यादा तफसील में वक्त की कमी की वजह से नहीं जा सकता तो भी यह कहूँगा कि First Five-Year Plan के वक्त पंजाब ने बहुत कम resources raise किए थे । 81 प्रतिशत contribution हमें Centre से मिली थी और हम ने 19 प्रतिशत raise की थी । हमें दूसरी Plan के वक्त ज़्यादा effort करनी पड़ी और यह कामयाब भी रही । मैं ने ऊपर अर्ज़ किया कि हमारी आमदनी बढ़ी है, tax revenue बढ़ा है और जो सब से अहमियत वाली बात है, कि तरक्की के कामों पर हो रहा खर्च भी बहुत बढ़ा है । अब मैं जो figures आप को देने लगा हूँ यह बहुत important हैं । 1951-52 से लेकर 1958-59 तक जहां हमारी आमदनी की बढ़ौतरी 108 प्रतिशत हुई वहां development के कामों पर खर्च 126 प्रतिशत बढ़ा । (*Hear, hear*) इस से आगे देखिए । 1951-52 से लेकर 1959-60 तक जहां हमारी income 133 प्रतिशत बढ़ी वहां development expenditure 152 प्रतिशत बढ़ा । और इस अखिरी साल बारे यानी 1960-61 तक यह figures हैं: आमदनी बढ़ी 143 प्रतिशत और तरक्की के कामों पर खर्च बढ़ा 188 प्रतिशत यानी करीबन 200 प्रतिशत । इस से

आप अंदाज़ा लगा सकते हैं कि आमदनी के मुकाबले में हमारा development expenditure बहुत ज़्यादा बढ़ा है । मेरे पास वह figures भी हैं जो दिखाती हैं कि हम ने tax revenue, total revenue के मुकाबले में कितना-कितना raise किया : 1951-52 में 52.3 प्रतिशत, 1958-59 में 43.5 प्रतिशत यानी कमी हुई और 1960-61 में 49.9 प्रतिशत। इस से ज़ाहिर है कि चाहे हमारी incom-tax revenue से बढ़ी है लेकिन total revenue के मुकाबले में ratio पहले से कम हुई है । सरदार सरूप सिंह जी ने कहा कि हमारा जो administration का खर्च है उस की percentage बहुत high है । मुझे ख्याल था कि कोई न कोई Opposition के भाई इस बात को कहेंगे इसलिए मैं ने यह figures इकट्ठी की हैं और यह आप के सामने रखता हूँ । 1951-52 में administration पर खर्च की percentage थी 32, 1958-59 में यह percentage कम हो कर 19 रह गई, 1959-60 में 16 प्रतिशत और 1960-61 में 15.9 प्रतिशत (तालियां) सरदार सरूप सिंह ने इस percentage बारे कहा था कि यह 25, 26 होगी । मैं ने उसी वक्त contradict किया था । मैं ने जो figures आप के सामने रखी हैं उन से ज़ाहिर है कि 1951-52 से लेकर हमारा Civil Administration का खर्च 32 प्रतिशत से कम हो कर 15.9 प्रतिशत हो गया है । (तालियां) इस के साथ ही साथ beneficient activities पर हमारे खर्च की percentage बढ़ी है ।

6.00 p.m.

तालीम के मुतअल्लिक 1951-52 में खर्च की जो percentage थी वह 10 फी सदी थी । 1959-60 में 18.4 फीसदी, 1960-61 में 20 फी सदी । और यही नहीं सोशल सर्विसिज़ के मुतअल्लिक देखिए 1951-52 में हमें 18 प्रतिशत खर्च करना पड़ता था और आखिरी साल 1960-61 में हमें 32 प्रतिशत खर्च करना पड़ा । यह काबिले तारीफ नहीं तो क्या है ? (प्रशंसा) और development activities जो हैं वह 1951-52 में 7 प्रतिशत, 1959-60 में 19.5 प्रतिशत खर्च लेकर आगे बढ़ीं । तो अब आप इससे अंदाज़ा लगा लीजिए कि हमने तरक्की की है या नहीं और यह है तरीका बजट की जांच-पड़ताल करने का । आप देखें कि administration के खर्च की percentage 30 से लेकर 15 रह गई लेकिन सोशल सर्विसिज़ और development activities पर क्रमश: 18 से लेकर 32 और 7 से लेकर 19 per cent पहुँची तो यह है test किसी स्टेट की तरक्की देखने का । लेकिन सिर्फ यहां नुक्ताचीनी करते रहें आप तो उसका तो कोई इलाज नहीं है ।

अब मैं, स्पीकर साहिब, तीसरी फाइव-ईयर प्लैन के मुतअल्लिक कुछ कहना चाहता हूँ । जैसा कि आप जानते हैं हमने 298 करोड़ की प्लैन बनाई थी और 231 करोड़ की प्लैन प्लैनिंग कमीशन ने मंज़ूर की जिसमें से हमने 97 करोड़ रुपया खुद इकट्ठा करना है । और 134 करोड़ रुपया सैंटर से हासिल करना है । और यह बात सीधी है कि जब तक कोई Stat अपने main resources raise नहीं करती सैंटर से उसे रुपया लेने का हक नहीं बनता । और न ही सैंटर इतना liberal है कि आपके बगैर अपनी resources tap

[उद्योग मन्त्री]

किए रुपया देता चला जाए। इसलिये यह ज़रूरी बात है कि जो internal resources हैं उनसे पैसा इकट्ठा करें। एक बात मैं मैंबर साहिबान को याद कराना चाहता हूँ कि जब Draft Third Plan इस हाउस में discuss हुई थी तो मैम्बरों ने उस वक्त बड़ी दिलचस्पी ली और उस वक्त जब हमने Draft Plan की figures 298 करोड़ रुपए रखी थीं तो सब तरफ से यही कहा गया था कि यह बड़े modest figures रखे हैं। इससे भी ज़्यादा होनी चाहिए थीं। और यह कहा गया कि सैंटर से fight करके किसी प्रकार की कमज़ोरी न दिखाते हुए यह प्लैन कट न करवाएं। और इसके लिए जो यहां का नुमाइंदा हो वह बहुत मज़बूत हो। तो जिस वक्त यह बातें हुई थीं उस वक्त हमारे मैम्बर साहिबान के सामने यह बात थी कि प्लैन उसी शक्ल में पूरी हो सकती है जब कि हम अपने resources एक हद तक इकट्ठे कर पाएंगे। अब चूंकि यह प्लैन 298 की जगह 231 करोड़ की रह गई इस तरह से हमने 97 करोड़ रुपया इकट्ठा करना है। इसलिये मैं यह समझता हूँ कि मैम्बर साहिबान को यह बात शोभा नहीं देती कि वे यह कहें हम अपने internal resources इकट्ठा न करें। या ऐसी नुकताचीनी न करें जिससे इन resources के जुटाने में कोई रुकावट पड़े। यह बात ठीक है कि जब तक हम खुद पैसा इकट्ठा नहीं करते सैंटर से हमें सहायना नहीं मिलेगी। इसलिये सभी मैम्बरान से मेरी यह दरखास्त है और खास तौर पर Opposition के मैम्बरान से कि वे इस minimum plan को पूरा करने के लिए सरकार की मदद करें।

मैं गवर्नमैंट की दयानतदारी को आपके सामने रखना चाहता हूँ। यह जो बजट हाउस में पेश किया गया है इसको election बजट समझा जा सकता था क्योंकि यह आखिरी बजट है। हम यह जानते थे कि opposition की कुछ parties ऐसी हैं जो taxes को ले कर exploitation करेंगी और गवर्नमैंट को embarrass करने के लिए जलसे भी करेंगी लेकिन बावजूद इसके हमने यह यत्न किया कि हमें यह टैक्स लगाना होगा। हमारे लिए यह मुश्किल बात नहीं थी कि हम इस साल टैक्स न लगाते और electorate के पास जा कर यह कहते कि हमने कोई टैक्स इस साल नहीं लगाया। लेकिन मैं कहूँगा कि गवर्नमैंट ने बड़ी हिम्मत से यह टैक्स लगाया और अपनी दयानतदारी दिखाई और यही दयानतदारी की तवक्को करूँगा कि जहां तक taxes या revenue का सवाल है इसको कोई भी election purposes के लिए इस्तेमाल न करे बल्कि गवर्नमैंट की इस दयानतदारी की दाद देते हुए हमारी मदद करें।

अब, स्पीकर साहिब, बहुत सी बातें हैं, मैम्बर साहिबान ने कही हुई, मैं इतने थोड़े समय में हरेक का तो जवाब दे नहीं सकूंगा लेकिन सरसरी तौर पर कहता जाता हूँ ताकि जितने भी points raise हुए हैं उनका थोड़ा थोड़ा जवाब देता जाऊँ। एक मैम्बर साहिब ने यह बात कही थी कि यह स्टेट गवर्नमैंट की कमज़ोरी है कि इस साल भी जो Plan की provision रखी थी उस में से Government of India की contribution 39.18 करोड़ का थी। Planned provision of budget 39 करोड़ का थी। 19.5 करोड़ सैंटर से मिलेगा बाकी हम ने खुद

खर्च करना है। इस की background मुख्तसर तौर पर यह है कि Government of India ने phasing की हुई है। उस में से पहले साल over all 14-15 % रखा हुआ है क्योंकि progressive figures होती हैं लेकिन हम ने अपनी प्लैन की अहमियत को सामने रखते हुए 14-15 % नहीं माना इस लिए उन्होंने contribution ज़्यादा की।

एक मैम्बर साहिब ने बात कही कि 10 करोड़ रुपया बतौर सूद हम ने अदा किया। यह ठीक है कि हम ने अदा किया और इस का break up मैं आप के सामने रखता हूँ। दस करोड़ में से 6.52 करोड़ भाखड़ा-नंगल का सूद है जिसमें से 3.61 करोड़ रुपया electric power के under देना है, स्टेट गवर्नमैंट ने 2.91 रुपया देना है।

पंडित राम किशन भड़ोलियां : मैं ने पूछा था कि सूद किस हिसाब से देना पड़ा।

उद्योग मंत्री : उस के मुख्तलिफ दर हैं, इस वक्त तफसील के साथ नहीं बता सकता क्योंकि किसी पर ज़्यादा है, किसी पर कम है। इस के अलाव 3.60 करोड़ रुपया लोक भलाई के मख्तलिफ कामों के लिए लोगों का देना है, मिस्साल के तौर पर flood control की स्कीम पर Community Development, National Extension Service Blocks, Low income group housing scheme, national water supply, small scale industries, Rehabilitation loans, grow more food loan, subsidised housing, वग़ैरह वग़ैरह। 3.60 करोड़ रुपया सूद इन के लिए है। इस में से जितनी हमारे ऊपर जिम्मेदारी है उस के आंकड़े 4.80 करोड़ रुपए है—यह हमारी गवर्नमैंट ने देना है जिस में से 2.91 करोड़ रुपया भाखड़ा-नंगल का सूद है, 1.89 दूसरी स्कीमों का है। पेश्तर इसके कि मैं और बातों पर मैम्बर साहिबान को जवाब दूं मैं regions में खर्च के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूँ। हमारे एक साथी ने regional disparities का सवाल उठाया और services में disparity का ज़िक्र किया। इस वक्त services में हिन्दी रिजन और पंजाबी रिजन में जो proportion है उस के आंकड़े मेरे पास नहीं हैं इस लिए जो कुछ उन्हों ने कहा उस के मुतअल्लिक ज़्यादा कुछ कहने के काबल नहीं हूँ। जहां तक इस साल का बजट है, मैं ने इस की percentage नहीं निकाली, न ही देने के काबल हूँ। लेकिन इस से पहले भी यह सवाल उठा था। उस वक्त हम ने जहां तक हमारी Second Five-Year Plan का सम्बन्ध है उस के आंकड़े हमने निकाले थे। जहां तक Regional Local Schemes का ताल्लुक है दूसरी पांच साला प्लैन में हिन्दी रिजन की जो schemes हैं वह 74.85 करोड़ रुपए की हैं और पंजाबी रिजन की 74.23 करोड़ रुपए की—यानी बिल्कुल तकरीबन एक जैसी। यह मैं उन schemes की बात करता हूँ जो local schemes हैं। जो तसल्ली करना चाहें हम से कर सकते हैं। इस के अलावा हमने एक साल के आंकड़े वाज़्या तौर पर निकाले थे। 1957-58 के आंकड़े मेरे पास नहीं वह हम work out करवाने का यत्न करेंगे। New schemes पर 9.69 करोड़ रुपया सारे पंजाब का है जिस में से अम्बाला डिवीज़न पर 3.24 करोड़ रुपया यानी 33 % था, जालन्धर डिवीजन पर 4 करोड़ यानी 42 % था और पटियाला डिवीज़न पर 2.42 करोड़ यानी 25 % था। इस तफसील से ज़ाहिर होता है कि गवर्नमैंट fair distribution करती है। यह हकीकत

[उद्योग मन्त्री]

है कि गवर्नमैंट की यह पालिसी है कि जो under-developed areas हैं या backward classes हैं चाहे वे किसी जगह भी हों उन की ओर गवर्नमैंट ने ध्यान देना है। यह गवर्नमैंट की declared policy है कि हिन्दी रिजन के जहां जहां backward areas हैं या backward classes वे गवर्नमैंट के ध्यान में हैं और गवर्नमैंट को और भी ज़्यादा ध्यान देना होगा।

जहां तक services की बात रही उन्होंने I.C.S. वालों के नाम नोट करके दिए कि इतने I.C.S. हैं और उन में से हरियाना का कोई नहीं; चीफ इंजीनियर बहुत कम हैं, P.C.S. के बहुत कम आदमी हैं और इसी तरह से secretaries में नहीं हैं। इसके लिये मैं उन से प्रार्थना करूँगा कि I.C.S. बहुत पुराने बने हुए हैं। इस गवर्नमैंट ने नहीं बनाए और वे कम्पीटीशन से बना करते थे, इसी तरह से किसी अनपढ़ को Chief Engineer नहीं बनाया जा सकता। अब हिन्दी रिजन में भी Engineering College खुल रहा है, Medical College खुल रहा है, इस से हिन्दी रिजन के लोग भी Engineer बन सकेंगे। जहां तक P.C.S. और I.A.S. का सवाल है वे सिफारिश से नहीं बन सकते। जो लोग competition में ऊपर आएं वही बनते हैं और इस सिलसिले में हम काफी facilities दे रहे हैं। जहां कम्पीटीशन का सावल हो वहां हम nominate नहीं कर सकते। यही बात Secretaries के सिलसिले में है। मेरे पास आंकड़े तो कुछ और भी हैं। Communitiy Development Programme के मुतअल्लिक दोनों regions में 31 मार्च, 1959 तक $4\frac{1}{4}$ करोड़ रुपया खर्च हुआ। पुरानी बात को छोड़िए। उस वक्त की हकूमत का इस तरफ ध्यान कम रहा था। आज की हकूमत के ध्यान में यह बात है और इस पर मजबूती से अमल हो रहा है कि जितने backward areas हैं उन को develop करने की तरफ ज़्यादा से ज़्यादा ध्यान दिया जाए। स्पीकर साहिब, कई और बातें हैं लेकिन मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गया है कि इस थोड़े से वक्त में सब का जवाब दूं। जहां तक Irrigation और Roads के महकमों का ताल्लुक है उन्हों ने खुद इस बात को तसलीम किया है कि अरसा से Irrigation Department हमारे colleague के charge में रहा है जो हरियाना प्रांत से ताल्लुक रखते हैं। मैं नहीं जानता कि उन से ज़्यादा हरियाने के लिए दर्द किसी और को हो सकता है। वे ज़िम्मेदारी से काम करते रहे लेकिन काम करने की मजबूरियां हुआ करती हैं। दोनों महकमे Hariana Division के भाइयों के पास रहे। हमारी मिनिस्टरी में जो भी इन महकमों के incharge रहे उन की हरियाना के साथ उतनी ही हमदर्दी, उतना ही प्यार था जितना कि और किसी को हो सकता है। फिर भी पिछले सारे काम आहिस्ता आहिस्ता पूरे होंगे। हम इसी कोशिश में लगे हुए हैं। लेकिन अगर यह कहा जाए कि पिछले सारे काम यकलख्त पूरे हो जाएं यह कैसे हो सकता है? एक माननीय मैम्बर ने industries के सिलसिले में कहा कि जो industries वहां लगी हुई हैं वह भी हरियाना डिवीज़न से ताल्लुक रखने वाले भाइयों ने कम लगाई हैं। इधर से लोग ज़्यादा गये हैं industries को लगाने के लिये। मैं उन से अर्ज़ करूँगा कि industry कोई ऐसी चीज़ नहीं जो यहां

से भेजी जा सके—industry लोगों को खुद लगानी पड़ती है। इस के लिए गवर्नमैंट उधर के रहने वाले भाइयों को सहूलियात देने में first preference देती है लेकिन बहुत कम ऐसे आदमी मिलते हैं जो industries लगाएं। वहां के लोगों को खुद हिम्मत करनी चाहिये। अगर वे खुद हिम्मत कर के काम नहीं करेंगे तो गवर्नमैंट उन की कैसे इमदाद कर सकती है ? पंजाब गवर्नमैंट ने कोई industry पिछले दस सालों में वहां नहीं लगाई। इसलिये वे गवर्नमैंट पर कैसे इलज़ाम थोप सकते हैं। जब Private Sector में गवर्नमैंट encouragement देने के लिये तैयार है तो उन्हें यत्न करने चाहियें।

फिर, स्पीकर साहिब, small scale industries और large scale industries के मुतअल्लिक कुछ कहा गया था। मैं इस के मुतअल्लिक तफसील से उस दिन अर्ज़ करूँगा जब industry की demand हाउस के सामने पेश होगी। जहां तक नगरोटा में industrial estate का ताल्लुक है हमारी स्टेट गवर्नमैंट ने recommend किया था Government of India को कि इस साल set up की जाए लेकिन इस साल मंजूरी नहीं मिल सकी। यह next financial year में नगरोटा में industrial estate कायम कर दी जाएगी। इस के अलावा, स्पीकर साहिब, मेरे मुअज़िज़ दोस्त सरदार दरबारा सिंह ने वजनदार बात की जब उन्हों ने कहा कि हमें implementation की तरफ ज्यादा ज़ोर देना चाहिये ताकि surrenders वग़ैरह न हों। मैं वक्त की कमी की वजह से नहीं बता सकूंगा कि इस वक्त हमारा काम किस तरह चलता है। मैं उन्हें यकीन दिलाता हूँ कि implementation part की तरफ ज्यादा से ज्यादा ध्यान और तवज्जुह दी जा रही है। हर महीने, बल्कि हर fortnight meetings होती हैं कि implementation तेज़ी से हो। स्पीकर साहिब, अभी बहुत से points रह गए हैं जिन का कि मैं इस वक्त जवाब नहीं दे सकता।

श्री अध्यक्ष : आप इन points का जवाब Appropriation Bill की discussion के दिन दे देना। (The hon. Minister can give reply to these points on the day when Appropriation Bill is discussed in the House.)

उद्योग मंत्री : मैं आप का धन्यवाद करता हूँ कि आप ने मेरी खुश्क तकरीर को बड़ी दिलचस्पी से सुना है। आखिर में मैं सब मैम्बर साहिबान से यही अपील करूँगा कि यह आप का Third Five-Year Plan का पहला बजट है और इस में खास तौर पर हमारे resources को raise करने का बन्दोबस्त है। मैम्बर साहिबान ने अपनी अपनी constituencies में जाना है। मैं जानता हूँ कि आप के दिल में पंजाब की तरक्की का एहतराम है, पंजाब बढ़ रहा है—तेज़ी से बढ़ रहा है। हम ने तरक्की के रास्ते पर और तेज़ी से चलना है। मुझे आशा है कि आप अपनी contribution से सब मिल कर पंजाब को तरक्की की मन्ज़िल की तरफ तेज़ी से ले जाने के लिए पूरा यत्न करेंगे।

6.30 p.m.

The Sabha then adjourned till 2 p.m. on Wednesday the 15th March, 1961.

13238 PVS —350—20-11-61 C. P. and S., Chandigarh.

Punjab Vidhan Sabha Debates

15th March, 1961

Vol. I No. 18

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Wednesday, the 15th March, 1961

Price : Rs. 0.15 nP.

ERRATA

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES, VOL. I, No. 18, DATED THE 15TH MARCH, 1961

Read	*for*	*on page*	*line*
Government	Gover ment	(18)13	against S. No. 32
Serial No.	Seria No.	(18)19	Heading under Jullundur Division
को	ो		First
तौर	ैर	(18)44	2
Sardar Atma Singh	Sardar Avtar Singh	(18)46	6th from below
therefore	ther for	(18)47	7
time	tin	(18)48	1, Col. D
cases	c	(18)48	2, Col. D
said	sai	(18)48	3, Col. D
मीटिंग	मीतिंग	(18)54	4
ਜਿਨ੍ਹਾਂ	ਉਨ੍ਹਾਂ	(18)54	19
assistant	asststant	(18)56	item 25, col. 1
Shri Harbhagwan Maudgil	Shri Harbhagwan Singh Maudgil	(18)79	13
दखा	दख	(18)81	20
जनाब	जानब	(18)82	10
पहले	पहल	(18)82	21
जिनको	जिनकों	(18)82	39
दो	ो	(18)91	23
जवांमर्दी	जवानमर्दी	(18)91	21
tactics	tactic	(18)97	13
ਪਰਮ	ਪਰਮਾਂ	(18)105	28

Read	*for*	*on page*	*line*
ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰੀ	ਗਾਰਫ਼ਤਾਰੀ	(18)109	32
ਆਉਂਦੇ	ਆਕੁਦੇ	(18)110	33
Condemn	Condem	(18)115	15
ਕਸ਼ਮੀਰ	ਕਸ਼ਮੀ	(18)115	24
ਸਕੇਗੀ	ਸਕਦੀ	(18)116	9
sections	section	(18)116	18
Police	Pollice	(18)116	22
ਅਸਾਂ	ਅ ਸ	(18)119	11
ਬੰਦ ਰਹੀ	ਰਹੀ	(18)119	21
ਕਰ	ਕ	(18)119	24
ਕਿ	f	(18)126	12
ਕੜੀਆਂ	ਕਦੀਆਂ	(18)128	14th from below
ਹੁੰਦੇ	ਹੁਦੇ	(18)128	3rd from below
[illegible]	ਛਡ	(18)129	25

PUNJAB VIDHAN SABHA

Wednesday, the 15th March, 1961.

The Vidhan Sabha met in the Assembly Chamber, Sector 1, *Chandigarh, at* 2.00 *p.m. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Gurdial Singh Dhillon) in the Chair.*

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

COTTAGE INDUSTRIES IN RURAL AREAS OF SANGRUR DISTRICT

***6845. Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state —

(a) the total amount spent on Cottage Industries in the Rural Areas of Sangrur District during the years 1958, 1959 and 1960, respectively ;

(b) the names of the places where such industries have been started and nature of each one of them ?

Dr. Gopi Chand Bhargava : (a) and (b) Three statements 'A', 'B' and 'C' giving the requisite information are laid on the Table of the House.

STATEMENT 'A'

Statement showing loans advanced under the Punjab State Aid to Industries Act, 1935 in the rural areas of Sangrur District for the Development of Cottage Industries during the years 1958-1959 and 1960.

Year	Industry		Amount of loan sanctioned	Location
			Rs	
1958	Rubber Tyre carts	..	800	Langrian
	Ban making	..	500	Kalsian
1959	Leather Tanning	..	16,000	Bagrian, Station Majri, Majri.
	Cycle parts	..	4,000	Phillond Kalan, Jamalpur, Sheriwala Kot
	Ban making	..	5,000	Bhanbhoura, Gowara, Mandian, Bhani, Solar, Sarand, Bhatan, Issra, Bagrian, Katra
	Soap making	..	750	Gowara
	Flour milling	..	10,000	Bhanbhoura, Narike
	Nut making	..	1,000	Benna
	Agricultural implements		1,000	Mahauli

[Minister for Finance]

Year	Industry		Amount of loan sanctioned	Location
			Rs	
	Cart wheels	..	1,000	Langrian
	Repairing workshop	..	2,000	Mubarkpur
	Motor parts	..	2,000	Benra
	Furniture making	..	2,000	Sherpur, Bagrian
	Piggery	..	1,000	Ban bhoura
	Shoe making	..	9,700	Mankwal, Kalsian, Kheri, Shodian, Q. Rahamatgarh, Dhodogal, Bhaini, Mahauli Khurd, Fatehgarh, Panjgarian
1960	Dairy farming	..	11,750	Hakimpura, Banbhouri, Manshiwala, Jhunda, Ballewal, Ahmedabad
	Poultry farming	..	2,000	Phillend Khurd
	Ban making	..	5,925	Bhatan, Badshahpur, Batuka, Baliara, Bamel, Kuthala, Jatimajra, Harchandpura, Roorki-kalan
	Soap making	..	1,500	Himtana, Sekha
	Cotton ginning	..	7,500	Kanganwal, Kauhrian, Bhalram, Choirnda
	Cycle parts	..	3,000	Naudhrani, Ahankheri
	Piggery	..	5,950	Dhadegal, Bennera, Bamal, Ahmedgarh, Chhana
	Shoe making	..	38,575	Langrian, Kanganwal, Jamalpura, Mohala, Manakwal, Banthoura, Bunga, Manir, Ahemdgarh, Channa, Kheri-khurd, Mubarkpur, Ahain Kheri, Baurhai Kalan, Dhebli Kalan, Narike Dhanaula, Bhawanigarh, Pharwahi Ekas, Gobindpur, Karangarh, Wall, Khurd, Shiniwal
	Nut	..	1,000	Benra
	Sericulture	..	900	Kamomajra
	Oil Ghani	..	500	Jhangir
	Furniture making	..	6,000	Bhadalwad, Bhawanigarh
	Carpentry	..	5,800	Katron, Challian, Karangarh
	Agricultural implements		2,000	Kakarwal
	Saw and flour mill	..	4,000	Bharlwan, Daulia
	Oil and soap	..	2,000	Langrian
	Repairing work shop	..	2,000	Bagriana
	Tanning	..	500	Majri
	Hosiery	..	12,450	Khudi Kalan, Babyal
	Handloom	..	2,700	Phagnwala, Banal
1958		..	1,300	
1959		..	55,450	
1960		..	1,16,050	
	Total amount spent	..	1,72,800	

STATEMENT 'B'

Statement showing the financial assistance given by the Khadi Board for the Development of Village Industries in the Rural Areas of Sangrur District, during the years 1958, 1959 and 1960.

Serial No.	Year	Industry	Amount Rs.	Location
	1958		Nil	
1.	1959	Village Oil ..	7,200	Jindal, Hamayatpore, Narwana
2.		Village Leather ..	21,020	Bagrian, Dhuri, Murdkhera, Bhikipur
3.		Soap ..	13,400	Dhuri
4.		Gur-khandsari ..	6,200	Jamni
	1960	Village Oil ..	3,200	Sekha and Sunam
	1958	..	..	
	1959	..	47,820	
	1960	..	3,200	
		Total ..	51,020	

STATEMENT 'C'

Statement showing the total amount spent on Cottage Industries by the Kasturba Sewa Mandir, Rajpura, during the years 1958, 1959 and 1960 in the Rural Areas of Sangrur District together with the names of places where such industries have been started and the nature of each one of them.

(a) Rupees 3,69,133.34 nP.

(b)—

Serial No.	Name of the place	Industry
1	Sangrur ..	Village Oil Ghani and Khadi Production-cum-Sale Centre
2	Ahmedgarh ..	Khadi Production-cum-Sale Centre
3	Amargarh ..	Ditto
4	Bhawanigarh ..	Ditto
5	Dhuri ..	Ditto
6	Barnala ..	Ditto
7	Hadiaya ..	Ditto
8	Jakhal ..	Ditto
9	Lahragaga ..	Ditto
10	Longowal ..	Ditto
11	Maloudh ..	Ditto
12	Malerkotla ..	Ditto
13	Sherpur ..	Ditto
14	Sunam ..	Ditto
15	Himtana ..	Ditto
16	Uchana ..	Ditto

BRICK-KILNS IN DEVELOPMENT BLOCKS IN NUH AND REWARI TEHSILS

*6568. **Chaudhri Balbir Singh** (on behalf of **Maulvi Abdul Ghani Dar**) : Will the Minister for Industries be pleased to state —

(a) the names of blocks in tehsil Nuh and tehsil Rewari in district Gurgaon where brick-kilns exist and the number of wagons of coal supplied to each of them during the years 1958-59, 1959-60 and 1960-61 ;

(b) the percentage of bricks procured from the said kilns for Government or semi-Government works during each of the said years ?

Shri Benarsi Dass Gupta Deputy Minister) : A statement containing the requisite information is placed on the Table of the House.

Statement

(a)							(b)		
Serial No.	Tehsil	Name of the Block	District	Number of wagons allotted			Percentage of bricks procured		
				1958-59	1959-60	1960-61	1958-59	1959-60	1960-61
1	Rewari..	Rewari	Gurgaon	40	48	53	Cent per cent	Cent per cent	Cent per cent
		Khol	Do	44	26	45	Ditto	Ditto	Ditto
		Pataudi	Do	45	50	24	Bricks not manufactured as allotted coal was not received	Ditto	Ditto
		Bawal	Do	44	35	30	Cent per cent	Ditto	Ditto
2	Nuh..	Nuh	D	35	25	..	Ditto	Ditto	Ditto
		Hathin	Do	30	10	10	Ditto	Ditto	Ditto

LOANS ADVANCED BY INDUSTRIES DEPARTMENT DURING 1960

***6771. Dr. Parma Nand :** Will the Minister for Industries be pleased to state —

(a) the total amount of loans advanced by the Industries Department during 1960 and upto 31st January, 1961, disrictwise in the State ;

(b) the ratio, which the loans referred to in para (a) above advanced in the urban areas, rural areas, block areas and non-block areas, bear to each other ?

Shri Mohan Lal : (a) A statement giving the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Statement showing Loans advanced by Industries Department during 1960 and January, 1961.

Serial No.	Name of the district		Amount Advanced during 1960	Amount Advanced during January, 1961.
			Rs	Rs
1	Patiala	..	1,61,700	24,000
2	Kapurthala	..	49,400	19,400
3	Mohindergarh	..	27,900	46,500
4	Bhatinda	..	1,44,150	51,500
5	Malerkotla	..	2,05,050	..
6	Ambala	..	2,32,400	42,900
7	Rohtak	..	2,07,750	14,600
8	Gurgaon	..	86,800	9,000
9	Hissar	..	1,76,400	18,500
10	Karnal	..	1,24,295	300
11	Simla	..	16,000	..
12	Ludhiana	..	2,47,950	..
13	Jullundur	..	1,78,400	14,000
14	Amritsar	..	1,32,900	..
15	Ferozepur	..	51,650	24,800
16	Hoshiarpur	..	82,600	15,950
17	Kangra	..	60,500	5,850
18	Gurdaspur	..	1,40,300	5,400
	Total	..	23,26,145	2,92,700

[Minister for Industries]

(b) **Ratio of the loans advanced.**

Years	*Urban*	*Rural Block Areas*	*Rural non-Block Areas*
1960 ..	15	6	2
January, .. 1961	9	6	1

श्री राम प्यारा : जो statement दी गई है इसमें मुख्तलिफ ज़िलों की amounts में भारी फर्क है। क्या मनिस्टर साहिब बताएंगे कि उन ज़िलों से applications ही नहीं आई या जानबूझ कर उन को थोड़ा रुपया दिया गया है ?

मंत्री : जरूरत के मुताबिक मुख्तलिफ ज़िलों के लिए allocations की जाती है। उसके बाद applications आती हैं, उन को decide करके loans दिए जाते हैं लेकिन, unfortunatety, इस दफा ऐसा हुआ कि हम ज़िलों के लिए जितनी amount allocate करते हैं उसके मुताबिक demand नहीं आई। इस लिए allocated amounts वहां पर पूरी पूरी utilise नहीं हो सकीं।

श्री राम प्यारा : क्या मनिस्टर साहिब बताएंगे कि amounts allocate करते वक्त किन किन points को मद्देनज़र रखा जाता है ?

मंत्री : हर एक ज़िले की industrial development को सामने रखते हुए उसकी जरूरत।

श्री राम प्यारा : क्या मनिस्टर साहिब बताएंगे कि जिन ज़िलों के सामने थोड़ी रकम दिखाई गई है उन की बहुत सी applications pending पड़ी हैं ?

मंत्री: यह तो general सवाल है, इसका जवाब इस ढंग से नहीं दिया जा सकता। अगर किसी खास ज़िले के बारे में पूछना चाहें तो उसके लिए अलग नोटिस दें।

BASIC TEACHERS TRAINING SCHOOLS

***6795. Shri Ram Piara :** Will the Minister for Education be pleased to state :—

(a) the total number of Basic Training Schools for men and women teachers in the State and the names of places where they are located ;

(b) the number of units in each of the said schools and the number of teachers in each ;

(c) the strength of the students in each of the said schools ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : (a) Total number of Basic Training Schools for Men—43. Total number of Basic Training Schools for Women—40. Total number of Co-educational Basic Training Schools—4.

Statement showing the names of places where the above institutions are located is laid on the Table.

(b) and (c) The statement laid on the Table also includes this information.

STATEMENT

BASIC TRAINING SCHOOLS FOR MEN—43

Serial No.	Name of the Training Institution	Place where located	No. of Unit in each			No. of teachers	Strength of the Students		
			II year 1959—61	I year 1960—62	Total		II year 1959—61	I year 1960—62	Total
	GURDASPUR								
1	S. K. D. Khalsa High School ..	Tughalwala	1	..	1	7	42	..	42
2	S. D. High School ..	Fatehgarh Churian	(Admissions were not made)	1	1	..	Admissions have not been made		
	AMRITSAR								
3	Government Basic Training School ..	Sarhali	1	2	3	13	35	68	103
4	S. G. G. S. Khalsa High School ..	Kairon	(Admissions were not made) 1	1	1	5	..	40	40
5	S. I. S. Trust High School ..	Verka	1	..	1	8	36	..	36
	JULLUNDUR								
6	Montg. G. N. Basic Training School ..	Jullundur	1	..	1	7	28	..	28
7	Daya Nand Training Institute ..	Do	2	2	4	6	79	78	157
8	Khalsa High School ..	Samrai Jandiala	1	..	1	6	25	..	25

[Deputy Minister for Education]

Serial No.	Name of the Training Institution	Place where located	No. of unit in each: II year 1959—61	I year 1960—62	Total	No. of teachers	Strength of the students: II year 1959—61	I year 1960—62	Total
	JULLUNDUR—CONCLD								
9	Dayanand Training Institute ..	Nawan-shahar	1	1	2	..	40	40	80
10	National High School ..	Lambra	1 (Admissions were not made)	1	1	6	..	40	40
	HOSHIARPUR								
11	Government Basic Training School ..	Dholbaha	2	..	2	7	71	..	71
12	Rajput High School ..	Binjon	1	..	1	6	39	..	39
	KANGRA								
13	Government Basic Training School ..	Hamirpur	2	1	3	10	75	37	112
14	S. D. Teachers Training Institute ..	Baijnath	1½	1½	3	7	40	51	91
	FEROZEPUR								
15	Government High School ..	Ferozepur	1	..	1	2	37	..	37
16	Government High School ..	Fazilka	1	..	1	2	30	..	30
	LUDHIANA								
17	Government Basic Training School ..	Jagraon	2	1	3	11	38	77	115
18	G. H. G. Khalsa Basic Training School	Gurusar Sudhar	1	..	1	6	40	..	40

	AMBALA								
19	Government Basic Training School ..	Naraingarh	2	1	3	13	77	37	114
20	Christian High and Basic Training School	Kharar	1	1	2	12	40	40	80
21	Khalsa High and Basic Training School ..	Kurali	1	..	1	5	39	..	39
	KARNAL								
22	Government Normal School ..	Karnal	3	1	4	9	112	39	151
23	G. M. High School ..	Naraina	1	..	1	7	39	..	39
24	L. B. High School ..	Panipat	1	..	1	6	40	..	40
	ROHTAK								
25	Government High School ..	Dujana	1	..	1	2	36	..	36
26	Janta High and Basic Training School ..	Butana	2	..	2	8	80	..	80
	GURGAON								
27	Teachers Training College ..	Rewari	1	1	2	8	38	40	78
28	Janta High School ..	Kund	1	..	1	3	39	..	39
29	B. L. High School ..	Khol	1	..	1	6	38	..	38
30	Jat High School ..	Hodal	1	1	2	7	40	40	80
	HISSAR								
31	Government Basic Training School ..	Pabra	2	1	3	8	76	34	110
32	Jat High School ..	Hissar	1 (Admissions were not made)	1	1	5	..	40	40
	KAPURTHALA								
33	N. S. Khalsa High School ..	Sultanpur Lodhi	1	..	1	6	23	..	23

[Deputy Minister for Education]

Serial No.	Name of the Training Institution	Place where located	No. of Unit in each			No. of teachers	Strength of the students		
			II year 1959—61	I year 1960—62	Total		II year 1959—61	I year 1960—62	Total
34	S. D. High School ..	Sultanpur Lodhi	1 (Admissions were not made)	..	..	..	..	..	..
	PATIALA								
35	Government Basic Training School ..	Nabha	2	1	3	9	77	40	117
	BHATINDA								
36	Government Junior Basic Training School	Faridkot	2	1	3	6	74	40	114
37	M. H. R. High School ..	Bhatinda	1 (Admissions were not made)	1	1	5	..	39	39
38	S. S. Bhai Pheru Khalsa High School ..	Faridkot	1	..	1	6	40	..	40
	MOHINDERGARH								
39	A. S. D. High School ..	Narnaul	1 (Boys)	½ 1 (Girls) (Admissions of girl candidates were not made)	2	6	40	40	80
	SANGRUR								
40	Government J. B. T. Institute ..	Khunga Kothi, Jind	2	1	3	10	76	39	115
41	M. G. M. N. High School ..	Ahmedgarh	1	1	2	12	37	38	75
42	Jat High School ..	Jind ..	1	..	1	7	25	..	25
43	Khalsa High School ..	Bakhtgarh	1	..	1	7	40	..	40

BASIC TRAINING SCHOOLS FOR WOMEN 40

	GURDASPUR								
1	Government Girls Normal School ..	Gurdaspur	2	1	3	10	80	40	120
	AMRITSAR								
2	M. S. K. Girls High School ..	Kairon ..	2	2	4	9	80	80	160
3	Saraswati Teachers Training Institute ..	Amritsar	1	1	2	10	39	40	79
	JULLUNDUR								
4	Government Girls High and Normal School	Jullundur	1	..	1	2	39	..	39
5	Ghandi Vanita Ashram ..	Do	1	2	3	10	40	80	120
6	Government Basic Training School for girls	Naura ..	1	..	1	3	39	..	39
7	Khalsa High School ..	Shankar	1	1	2	6	37	28	65
8	Montg. G. B. Basic Training school for girls	Jullundur	1	1	2	7	40	41	1
9	Arya Girls High School ..	Rahon ..	1	..	1	6	41	..	41
10	Guru Ravi Das High School ..	Jullundur	..	1	1	6	..	40	40
	HOSHIARPUR								
11	Government Girls High and Normal School	Hoshiarpur	1½	..	1½	2	56	..	56
	KANGRA								
12	Government Basic Training School for Women	Dharamsala	2	..	2	9	55	..	55
13	S. D. Girls Middle School, Ghugghar ..	Palampur	1	1	2	6	17	31	48

[Deputy Minister for Education]

Serial No.	Name of the Training Institution	Place where located	No. of unit in each			No. of teachers	Strength of the Students		
			II Year 1959—61	I year 1960—62	Total		II uear 1959—61	I year 1960—62	Total
	FEROZEPUR								
14	Government Girls High School ..	Ferozepur	1	1	2	5	39	40	79
15	Government Girls High School ..	Fazilka ..	1	..	1	2	41	..	41
16	Dev Samaj College, for women ..	Ferozepur	1	2	3	12	39	80	119
17	Sikh Kanya Mahavidyala ..	Ferozepur	1	1	2	5	37	26	63
	LUDHIANA								
18	Government Girls High School ..	Ludhiana	1	..	1	3	40	..	40
19	Khalsa College for women ..	Sidhwan Khurd	2	3	5	8	80	121	201
	AMBALA								
20	Government Basic Training School for girls	Chandigarh	2	..	2	13	79	..	79
21	Arya Kanya Vidyala ..	Kharar ..	..	1	1	6	..	45	45
22	Khalsa Girls High School ..	Morinda	1	..	1	5	40	..	40
23	S. D. High School ..	Jagadhri ..	1	1	2	8	40	39	79
	KARNAL								
24	Government Girls High and Normal School	Karnal	1	..	1	2	42	..	42

	Arya Girls High School, Model Town	Panipat ..	..	1	1	7	..	40	40
26	Daya Nand Training College for women	Karnal ..	1	1	2	9	40	40	80
	ROHTAK								
27	Government Girls High and Normal School	Rohtak ..	1	..	1	2	40	..	40
28	Chhotu Ram College of Education ..	Rohtak ..	..	2	2	6	..	80	80
29	Kanya Gurukul Basic Training School ..	Khanpur Kalan	1	2	3	6	40	80	120
	GURGAON								
30	Government Basic Training School for girls	Rewari ..	2	..	2	9	71	..	71
31	B. B. Ashram, Rampura ..	Rewari ..	1	2	3	8	39	80	119
	HISSAR								
32	Gover ment Girls High School ..	Hissar ..	1	..	1	2	37	..	37
	KAPURTHALA								
33	Montg. G. R. Basic Training School for Girls	Kapurthala	1	1	2	6	37	40	77
	PATIALA								
34	State College of Education ..	Patiala ..	2	1	3	1	69	39	108
35	S. D. Girls High School ..	Patiala ..	1	1	2	5	39	39	78
36	Mohindra Kanya Mahavidyala ..	Patiala ..	1	..	1	4	32	..	32
	BHATINDA								
37	Government Basic Training Institute for Girls	Faridkot	2	1	3	6	78	40	118
38	Arya Girls High School ..	Bhatinda	1	1	2	7	39	40	79
	SANGRUR								
39	Jain Girls High School ..	Malerkotla	1	1	2	9	40	40	80
40	G. N. High School for Girls ..	Sangrur ..	1	1	2	6	40	37	77

[Deputy Minister for Education]

BASIC TRAINING SCHOOLS (CO-EDUCATIONAL)—4

Serial No.	Name of the Institution	Place where located	No. of unit in each: II year 1959—61	No. of unit in each: I year 1960—62	No. of unit in each: Total	No. of teachers	Strength of the students: II year 1959—61	Strength of the students: I year 1960—62	Strength of the students: Total
	KANGRA								
1	Government High School ..	Kulu ..	½	1	1½	2	14	32	46
	FEROZEPUR								
2	Training School for village teachers ..	Moga ..	2	2	4	13	79	80	159
	GURGAON								
3	Government Teachers Training School (Nai Talim Centre)	Faridabad	2	1 (women)	3	7	75	40	115
	KAPURTHALA								
4	Ramgarhia Training College ..	Phagwara	2	1 (women)	3	11	74	42	116

श्री राम प्यारा : यह जो statement दी गई है इसके सफा 1 पर गवर्नमैंट बेसिक ट्रेनिंग स्कूल, सरहाली का नाम दिया हुआ है और सफा 2 पर गवर्नमैंट नारमल स्कूल, करनाल का नाम लिखा हुआ है। क्या डिप्टी मनिस्टर साहिब बताएंगे कि इस की क्या वजह है कि करनाल के स्कूल में चार units पर 9 teachers हैं और सरहाली के स्कूल में तीन units पर 13 teachers हैं? इतने भारी फर्क की क्या वजूहात हैं?

उप मन्त्री : जितनी ज़रूरत होती है उतने teachers दे दिए जाते हैं।

श्री राम प्यारा : मैं यह दरियाफत करना चाहता हूं कि तीन units पर तो 13 teachers हैं हालांकि students की गिनती कम है लेकिन इसके मुकाबले में करनाल में चार units पर 9 teachers ही क्यों हैं हालांकि वहां पर students की गिनती बहुत ज्यादा है?

उप मन्त्री : जहां और ज़रूरत हो वहां और teachers दिए जा सकते हैं। यह तो factual position मैंने आप के सामने रख दी है।

श्री राम प्यारा : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि ज़रूरत को नापने का म्यार किसी एम. एल. ए. या मिनिस्टर के साथ वाबस्ता है या कि students की गिनती पर?

श्री अध्यक्ष: ऐसे सवाल मत किया करो। (Please avoid putting such questions.)

श्री राम प्यारा : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि ज़रूरत को जांचने के लिए किन किन बातों का ख्याल रखा जाता है?

श्री राम प्यारा : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि चंडीगढ़ के बेसिक स्कूल में students की गिनती करनाल के नारमल स्कूल की गिनती के मुकाबले में कम होने के बावजूद भी यहां पर ज्यादा teachers लगाने की क्या वजूहात हैं?

Deputy Minister: Sir, the hon. Member is repeating the same question reply to which has already been given.

श्री राम प्यारा : मैं जानना चाहता हूं कि इस सिलसिले में किस म्यार को सामने रखा जाता है। अगर मैं हिन्दी रिजन और पंजाबी रिजन का इशारा करूंगा तो फिर आप कह देंगे कि यह दोनों रिजनों में तमीज़ पैदा कर रहा है?

श्री अध्यक्ष : जो questions श्री राम प्यारा जी ने staff के बारे में पूछे हैं वह बहुत pertinent थे मगर उन का जवाब नहीं दिया गया। आयंदा के लिए मैं चाहता हूं कि ऐसे questions का जवाब ज़रूर आना चाहिए। (The supplementary questions regarding the staff asked by Shri Ram Piara were quite pertinent but the Deputy Minister concerned has not replied the same. I would like that in future such questions must be replied to.)

COST OF BHAKRA-NANGAL HIGH POWERED COMMITTEE

*6858. **Shri Balram Dass Tandon :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) the date when Bhakra Nangal High Powered Committee was appointed by the Government and the date when the same submitted its report to the Government ;

(b) the total expenditure incurred by the Government on the said Committee and its enquiries ;

(c) the date of appointment of Special Officer in connection with the report of the said Committee and the expenditure incurred on his salary, establishment, etc.?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) **:** (a) (i) April, 1956.

(ii) November, 1957.

(b) (i) Rs 3,00,796.00.

(ii) To estimate the excess expenditure on Nangal Hydel Channel and Bhakra Canals attributable to malpractices, inefficiency or neglect.

(c) May, 1959. No pay was drawn by the Special Officer. However, an expenditure of Rs 7,490.04 nP. was incurred on the establishment attached to him.

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ Minister ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ High Powered Committee ਦੀ report ਆਉਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ Special Officer appoint ਕਰਨ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਸੀ ?

उप मंत्री : जो material High Powered Committee ने दिया था उस को examine करने के लिये Special Officer appoint किया गया था ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੁਝ charges ਲਾਏ ਗਏ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ Special Officer ਨੇ ਕੀ finding ਦਿੱਤੀ ਹੈ ?

उप मंत्री : हरेक case में अलग अलग है ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ High Powered Committee ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ action ਲੈਣਾ ਚਾਹਿਆ ਉਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ Special Officer ਨੇ ਕੋਈ ਗੌਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ?

उप मंत्री : यह बात बिल्कुल गलत है ।

Mr. Speaker : I may inform the hon. Member that a Committee of the House has already made a report in this regard.

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Minister ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਉਹ ਠੀਕ ਹੈ ਜਾਂ Public Accounts Committee ਦੀ report ਦਰੁੱਸਤ ਹੈ ?

उद्योग मंत्री : दोनों ही दरुस्त होंगे, पूछने वाला ही गलत है।

SUPPLEMENTARIES ON STARRED QUESTION No. 6592

श्री बलराम दास टंडन : क्या Minister साहिब बताएंगे कि जब Dodge make की बसों का Depot सिर्फ गुड़गावां में ही है तो फिर बाकी जगहों पर Dodge मोटरें क्यों खरीदी गई हैं ?

सिचाई मन्त्री : Hon'ble मैम्बर साहिब की information गलत है। और जगहों पर भी Dodge के depot हैं।

श्री बलराम दास टंडन : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि गुड़गांव के अलावा Dodge गाड़ियों के लिए और कौन सा depot है ?

सिचाई मन्त्री: गुड़गांव और अम्बाला।

श्री बलराम दास टंडन : क्या वज़ीर साहिब बताएंगे कि पिछले House में जो इन्होंने जवाब दिया था कि सिर्फ गुड़गांव में ही Dodge गाड़ियां रखी गई हैं, वह जवाब ठीक था या यह जो अब दिया है ?

मन्त्री : मैं ने यही कहा था कि अम्बाला और गुड़गांव Depots Dodge गाड़ियों के लिए बनाए गए हैं।

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

NEW ROUTE PERMITS FOR BUSES, SCOOTERS, ETC., IN 1960

***6593. Maulvi Abdul Ghani Dar :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the names of the parties who were allotted new route permits for plying buses, public carriers, scooter rickshaws and taxis in the State during 1960?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) **:** A statement is laid on the Table of the House.

Note: Starred Question No. 6592 along with its reply appears in the Punjab Vidhan Sabha Debate, Vol. I No. 16, dated 13th March, 1961.

[Deputy Minister]

STATEMENT

LIST OF STAGE CARRIAGE COMPANIES/CO-OPERATIVE SOCIETIES TO WHOM STAGE CARRIAGE PERMITS WERE ISSUED IN 1960

Serial No.	Name of the Co./Co-operative Societies	Name of the route	No. of permits
1	Haryana Co-operative Transport Co., Kaithal	Kaithal-Tohana ..	1
2	Kaithal Nagwan Co-operative Society Ltd., Kaithal	Kaithal-Habri *via* Pundir	1
3	Matan Hail Ex-Servicemen Co-operative Transport Society Ltd., Matan Hail, district Rohtak	Rohtak-Sonepat (Kacha)	1
4	Haryana Backward Classes Co-operative Transport Society Ltd., Rohtak	Jhajjar-Farukh Nagar-Shoojipura	1
5	Bahu Janta Cooperative Transport Society Ltd., Bahu, district Rohtak	Sonepat-Rohtak (Kacha)	1
6	The Harijan Balmiki Friends Co-operative Transport Society Ltd., Mandi Dabwali, district Hissar	Dabwali-Jhuti ..	1
7	Chivenadra Co-operative Society Ltd., Jagadhri Gate, Ambala City	Jind-Barwala *via* Kapura Kot	1
8	Haryana Co-operative Transport Society, Ltd., Mandi Dabwali	Jind-Barwala *via* Kapura Kot	1
		Odhan-Rori *via* Kalyan Wali	1
9	The Bhutana Ashoka Co-operative Transport Society Ltd., Gohana	Gohana Jagsi-Uklana ..	1
10	Sirsa Janta Co-operative Transport Society, Sirsa, district Hissar	Fatehabad-Bhatu Chuli-Nagrian	1
11	Chautala Workers Co-operative Transport Society Ltd., Chautala	1. Dabwali-Chautala ..	1
		2. Dabwali-Munawali ..	2
12	Tehsil Sirsa Dehat Co-operative Transport Society Ltd., Sirsa	Sirsa-Chautala *via* Kharka Kharian (Kacha)	2
13	Abohar Hanumangarh Transport Co-operative Society Ltd., Haborana, district Ferozepore	Fatehabad-Bhatu *via* Bagrian	1
14	Karnal Jai Bharat Co-operative Society Ltd., Karnal	Kaithal-Habri *via* Pundri	1
15	Sonepat National Transport Co-operative Society Ltd., Sonepat	Gohana-Jagri-Uklana ..	1
16	Hissar Nilibar Co-operative Transport Society Ltd., Jointly with Hissar District Co-operative Transport Society	Fatehabad-Jogiwala *via* Bhatu	

Serial No.	Name of the Co./Co-operative Societies	Name of the route	No. of permits
17	Model Co-operative Transport Society Ltd., Gurgaon	1. Faridabad-Hodel 2. Gurgaon-Hodel 3. Delhi-Hodel 4. Gurgaon-Farukh nagar (New route)	Temp.
18	Modern Co-operative Transport Society Ltd., Gurgaon	Delhi-Narnaul	Temp.
19	Gajjibar Bus Service, Hansi-Rohtak General Transport Co. (P.), Rohtak, Jointly with Kapur Bus Service, Hansi	Hansi-Khanda Kheri	Temp.
20	Gurgaon District Ex-Servicemen Co-operative Transport Society Ltd., Gurgaon	Rewari-Narnaul	Temp.
21	Punjab Roadways, Gurgaon ..	1. Hansi-Khanda Kheri 2. Gurgaon-Farukh Nagar (New route) 3. Faridabad-Hodel 4. Gurgaon-Hodel 5. Delhi-Hodel 6. Delhi-Narnaul 7. Rewari-Narnaul	Temp.

JULLUNDUR REGION

Seria No.	Name of the Co./Individual	Name of the route	No. of permits
1	Jullundur Mahalaxmi Co-operative Transport Society Ltd., Jullundur	Maini-Adampur-Dasuya-Rampur	
2	Bhogpur, Sirewal Ex-Servicemen Transport Society Ltd., Bhogpur, district Jullundur	Hariana-Kartarpur *via* Alawalpur-Adampur-Sham Churasi	
3	Ex-Servicemen Motor Transport Co-operative Society Ltd., Kapurthala	Jullundur-Gakhal-Talwandi-Dalla Sahib	
4	Parbat Roadways, Co-operative Transport Society Ltd., Hoshiarpur	1. Mukerian-Talwara-Jawalamukhi Mandir 2. Hamirpur-Awadevi	
5	Harsamansar Parbhat Co-operative Transport. Society Ltd., Harsamansar	1. Mukerian-Talwara-Jawalamukhi Mandir 2. Talwara-Hajipur-Harsamansar 3. Ghati-Bilawan-Nadaun *via* Dada	
6	Doaba Roadways, Ltd., Hoshiarpur	Jullundur-Hoshiarpur-Nangal	
7	Hoshiarpur Doaba Transport Co., Ltd., Hoshiarpur	Ditto	
8	Victory P. H. Motor Transport Co., Ltd., Hoshiarpur	Ditto	
9	Shiwalik Transport Co., Hoshiarpur	Hoshiarpur-Takli *Via* Chowki Minar	

[Deputy Minister]

Serial No.	Name of the Co./Individual	Name of route	No. of permits
10	Tourist Bus Service, Nagrota Bhagwan, Kangra	1. Pathankot-Baijnath 2. Jaisinghpura-Baijnath 3. Jawali-Hari-Nurpur	
11	Kulu Transport Co-operative Society Ltd., Kulu	(i) Bajaura-Kulu-Manali (ii) Nurpur-Saliali-Ladauri (iii) Nurpur-Bodh Raja Talab-Dhameta-Ray (iv) Gamgeth-Pathankot *via* Nurpur	
12	New Valley View Transport (P), Ltd., Pathankot	1. Baijnath-Jaisinghpura 2. Palampur-Bharwarana-Khaira-Aalampur 3. Broh-Smloti-Kangra	
13	Jubilee Highways (P), Ltd. Pathankot..	Palampur-Bharwarana-Khera-Alampur	
14	New Show View Transport (P.) Ltd., Pathankot	Pathankot-Jaisinghpura-	
15	Azad Transport Co-operative Society Ltd., Amritsar	Amritsar-Naushera-Dhalla *via* Attari Sham Singh	
16	District Transport Co-operative Society Ltd., Amritsar	Ditto	
17	Mahrana Co-operative Transport Society Ltd., Marhana, district Amritsar	Ajnala-Pindi Saidan *via* Jasroor	
18	Akal Transport Co. (Private) Ltd., Ludhiana	Jagraon-Mallan	
19	Fazilka-Dabwali Transport Co., Abohar	Abohar-Hanumangarh	
20	Jai Co-operative Transport Society Ltd., Kabarwal, tehsil Muktsar, district Ferozepur	Abohar-Sadhuwala-Ganganagar-Hindumalkot	
21	Malout Transport Co. Ltd. Malout	Muktsar-Giderbaha	
22	Bodiwala Beganwali Transport Co-operative Society Ltd., Beganwali, tehsil Muktsar, district Ferozepur	Abohar-Vazidpur	
23	Malout Mandi Co-operative Transport Society Ltd., Malout	Ditto	

Serial No.	Name of the Co./Co-operative Societies	Name of the route	No. of permits
24	Abohar-Pursharthi Transport and Goods Society Ltd., Abohar	Zira-Fatehgarh-Panjtoor-Jogewala	
25	Muktsar National Transport Co-operative Society Ltd., Muktsar	Moga-Chirak	
26	Upper India Transport Co. (P) Ltd., Abohar	Muktsar-Abohar *via* Chibranwali, Mandha, Paniwala and Patti	
27	Sharnarthi Transport Co-operative Society Ltd., Abohar	Ditto	
28	Abohar Bharat Co-operative Transport and Goods Society Ltd., Abohar	Abohar-Khuban	
29	Janta Co-operative Transport Society Ltd., Abohar	Ditto	
30	Kangra Goods Transport Co., Pathankot	Nagrota-Broh-Aerla	
	PATIALA REGION		
1	Pepsu Road Transport Corporation, Patiala	Sangrur-Ahmedgarh	
	Ditto	Bhatinda-Budhlada	
	Ditto ..	Patiala-Kalka	
	Ditto ..	Patiala-Nabha	
	Ditto ..	Patiala-Kapurthala	
	Ditto ..	Sunam-Mansa	
	Ditto ..	Patiala-Rajpura	
	Ditto ..	Patiala-Delhi	
	Ditto ..	Patiala-Jakhal	
	Ditto ..	Patiala-Bhatinda	
	Ditto ..	Patiala-Hissar	
	Ditto ..	Patiala-Dadri	
	Ditto ..	Sangrur-Jind	
2	Primer Bus Service, Registered, Patiala	Mansa-Sardulgarh	
	Ditto ..	Sangrur-Mansa *via* Barnala	
3	Pritam Bus Service, Registered, Ahmedgarh	Barnala-Bhatinda	
4	Malerkotla Bus Service, Registered, Malerkotla	Ditto	
5	M/s Bachan Singh Badan Singh Lal Singh, Ahmedgarh	Ditto	
6	M/s Hira Bus Service Registered, Amloh	Patiala-Samana	
7	The Patiala Bus Service (Private) Ltd., Sirhind	Barnala-Bhatinda	
	Ditto ..	Malerkotla-Bhatinda	

[Deputy Minister]

Statement showing the addresses of those who were issued Contract Carriage Permits (Taxi Cabs/Station Wagons/Jeeps) during the year 1960

AMBALA REGION

1. Shri Manohar Lal Vij, son of Lal Sachu Ram, c/o Gurdial Singh Uppal, Advocate, House No. B, 326, Karnal.
2. Shri Gopi Ram, son of Shri Sardara Ram, village and post office Bhattu Kalan, district Hissar.
3. Shri Mohinder Singh, son of Shri Tek Singh, Sirsa, district Hissar.
4. Shri Vasdev Singh, son of Shri Tara Chand, c/o Messrs Lahore-Sargodha Transport Company, Hissar.
5. Messrs Dayal Singh, village Santanwali, post office Jiwan Nagar, district Hissar.
6. Shri Suraj Bhan, son of Shri Ram Mehar, village and post office Gurgaon.
7. Shri Santokh Singh Malhotra, son of Shri Dayal Singh Malhotra, Fatehabad.
8. The Sirsa Janta Co-operative Transport Society Limited, Sirsa, district Hissar.
9. Shri Roshan Lal, Harijan, son of Shri Badhan Lal, Harijan, Ferozepore-Jhirka, district Gurgaon.
10. Shri Mohan Lal, son of Ram Lal, Lal Sarak, Mohalla Rampura, post office Hansi, district Hissar.
11. Shri Sunder Dass, son of Shri Gurmukh Dass, c/o New United Goods Transport Company, Hansi.
12. Messrs Bali Ram-Des Raj, Sirsa, district Hissar.
13. Shri Hira Singh, son of Shri Budh Singh, village Nandranpur Bas, district Gurgaon.
14. Messrs Mehar Singh-Harnam Singh, Kheri Raowali, district Karnal.
15. Shri Surat Singh, son of Shri Nana Ram, village Doghap, post office Dadri, tehsil Hansi, district Hissar.
16. Shri Ram Lal, son of Shri Lakhu Ram, Sabzi Mandi, Hissar.
17. Shri Mangh Nath, son of Shri Lal Chand, Adhoi, district Ambala.
18. Shri Karam Singh, son of Shri Ram Singh, c/o Shri Dharam Singh, Kothi Gate, Kaithal (Karnal).
19. Shri Ishwar Chand, son of Sita Ram, c/o Kaithal (Mill Store, Kaithal).
20. Shri Gurbachan Singh, son of Shri Hazara Singh, Sirsa, district Hissar.
21. The Punjab Roadways, Ambala.
22. Shri Jai Dev, son of Shri Fateh Chand, House No. 456, Roshanpura, Holi Ground, Gurgaon Cantt.
23. Shri Bachan Singh, son of Kirpal Singh, House No. 12-JA/70, Sector 22-A, Chandigarh.
24. Braham Sarup, son of Achhar Mal, c/o Vijay Motor, Chandigarh.
25. B. S. Bajwa, 7/J, 18-C, Chandigarh.
26. Shri Gajan Singh, son of Attar Singh, Kharar, district Ambala.
27. Karam Singh, son of Kaula Singh, Taxi Stand, Chandigarh.
28. Surjit Singh, son of Attar Singh, village Mathaur, district Ambala.
29. Gojinder Singh, son of Rulla Singh, c/o Jagdish Chand, House No. 3 Sector 22-B, Chandigarh.
30. Gurdiv Singh, son of Hari Singh, c/o Kesar Singh Pleader, Rupar.
31. Karnail Singh Parmar, village and post office Bado, tehsil Garhshankar, district Hoshiarpur.
32. Mehar Singh, son of Santokh Singh, near Health Centre, Chandigarh.

List of the persons who have been issued Contract Carriage Permits in respect of Station Wagons and Cars during the year 1960

JULLUNDUR REGION

1. Lahaul Spiti Co-operative Transport Society, Keylong.
2. Shri Amrik Singh, son of S. Sohan Singh, district Amritsar.
3. Mandi-Kulu Road Transport Corporation, Mandi.
4. Shri Sukhdev Singh, son of Sham Singh, Katchery Road, Moga.
5. Shri Bishan Singh, son of Bhagwan Singh, Moga, district Ferozepore.
6. Shri Ved Parkash, son of Narain Dass, of Batala, district Gurdaspur.
7. Shri Gurmukh Singh, son of Wadhawa Singh, Jaimal Singh Road, Moga.
8. Shri Bhan Singh, son of Sobha Singh, Katchery Road, Moga.
9. Shri Jodh Singh, son of Sobha Singh, Moga.
10. Shri Hukam Singh, son of Isher Singh, Katchery Road, Moga.
11. Kulu Transport Co-operative Society, Kulu.
12. Kulu Transport Co-operative Society, Kulu.
13. Shri Kartar Singh, son of Narain Singh, village Her, district Amritsar,

List of Taxi/Car Permits allotted in the year 1960

Serial No.	Name and address to whom granted		Operational area
	PATIALA DISTRICT		
1	Shri Gurbachan Singh of Patiala	..	Patiala District with two main routes connecting the adjoining districts
2	Chaunakal Singh, Patiala	..	Ditto
3	Shri Prem Parkash Korrin, Patiala	..	Ditto
4	Vaid Bhushan, Patiala	..	Ditto
5	Shri Santosh Kumar, Patiala	..	Ditto
6	Shri Jagir Singh, Nabha	..	Ditto
7	Shri Sohinder Singh, son of Shri Mool Singh, Patiala		Ditto
8	Shri Sat Tandon, son of late Gur Pershad, of Patiala		Ditto
	MOHINDERGARH DISTRICT		
9	Ram Kumar, Dadri	..	Mohindergarh District with head-quarters at Dadri with two main routes connecting the adjoining districts
10.	The Dadri Kisan and Mazdoor Co-operative Transport Society, Dadri		Ditto
11	Shri Duli Chand, Dadri	..	Ditto
12	The Tehsil Labour and Construction Co-operative Society, Dadri		Ditto
13	Shri Ram Sarup, Dadri	..	Ditto
14	The Illaqa Bhadra Co-operative Transport Society, Dadri		Ditto
	BHATINDA DISTRICT		
15	Shri Makhan Lal of Mansa	..	Bhatinda District *plus* two main routes connecting the adjoining districts
16	Sarup Chand of Patia'a	..	Ditto
17	Gurdial Singh, Bhatinda	..	Ditto
18	Shri Ram Lal, Jaitu Mandi	..	Ditto
19	Shri Jarnail Singh of Nathana	..	Ditto
20	Shri Sukhdev Singh, Bhatinda	..	Ditto
	SANGRUR DISTRICT		
21	Shri Sudarshan Chakar, Barnala	..	Sangrur District with two main routes connecting the adjoining districts
22	Shri Gurcharan Singh, Malerkotla	..	Ditto

[Deputy Minister]

Statement showing the addresses of those who were issued Motor Cycle Rickshaws permits during 1960

AMBALA REGION

1. Shri Sher Singh, son of Shri Sham Singh, House No. 34, Sector 19-D, Chandigarh.
2. Shri Satya Paul, son of Shri Shadi Ram, 84, Model Town, Karnal.
3. Shri Kanaya Ram, son of Bhola Ram of Sandapur, district Karnal.
4. Shri Lakhmi Chand, son of Mehh Raj of Sonepat, district Rohtak.
5. Shri Ram Chander Sharma, son of Shri Madho Ram, Mohalla Dukotan, Hissar.
6. Shri Suraj Bhan, son of Shri Man Singh, Kath Mandi, Sonepat, district Rohtak.
7. Shri Agya Ram, son of Shri Krishan Lal, Gohana, district Rohtak.
8. Shri Ram Singh, son of Shri Mansa Ram, village Tehar, post office Farmana, district Rohtak.
9. Shri Bhagwan Dass, son of Shri Thakar Dass of Sonepat, district Rohtak.
10. Shri Mohan Lal, son of Shri Hira Lal, resident of Bhona, district Hissar.
11. Shri Harbhajan Singh, son of Shri Balwant Singh, village Tihar, district Karnal.
12. Shri Harbans Singh, son of Shri Bhaj Rai, district Karnal.
13. Shri Narain Dass, son of Shri Hukam Chand, Taxi Ada, Hissar.
14. Shri Kesar Singh, son of Shri Hari Singh, Model Town, Karnal.
15. Shri Ram Parkash, son of Shri Boda Ram, village Garugwa, tehsil Hissar.
16. Shri Inder Kumar Nagpal, son of Shri Khan Chand, Hissar.
17. Shri Inder Pal, son of Shri Hari Singh, Tihar, district Rohtak.
18. Shri Bhup Singh, son of Shri Harnam Singh, Bahu Akbarpur, district Rohtak.
19. Shri Bachan Singh, son of Shri Sahile Ram, More Khri, district Rohtak.
20. Shri Hukam Singh, son of Shri Kanwal Singh, Gochhi, tehsil Jhajjar, district Rohtak.
21. Shri Raj Ram, son of Shri Ganpat Ram, Durjanpur, district Hissar.
22. Shri Gharsi Ram, son of Shri Nam Ram of Dhingsara, district Hissar.
23. Shri Gurdev Singh, son of Shri Sewa Singh, Nagal Road, Ambala City.
24. Shri Sapuran Singh, son of Shri Ram Singh, Singhpura, district Karnal.
25. Shri Inder Datt, son of Shri Bingha Ram, Naionki Gali, Bhiwani.
26. Shri Pat Ram, son of Shri Sadhu Ram, Hissar.
27. Shri Sheo Ram, son of Shri Jalu Ram, village Mirka, district Hissar.
28. Shri Ram Singh Sharma, son of Shri Gopal Dass, village and post office Jakhod Khera, district Hissar.
29. Shri Tarlochan Singh, son of Shri Tak Singh, c/o Guru Nanak Auto Stores, Sirsa.
30. Shri Raja Ram, son of Shri Rati Ram, village Bhuna, district Hissar.
31. Shri Tara Chand, son of Malday Ram, Chaikarwas, district Hissar.
32. Shri Joginder Singh Gill, son of Shri Surajan Singh, c/o S. Gurbachan Singh, Ukalana.
33. Shri Ram Kishan, son of Shri Kundan Lal, Mohalla Thatherian, district Karnal.
34. Shri Ram Saran Dass, son of Shri Ram Dass, Kalanaur, district Rohtak.
35. Shri Tulsi Dass, son of Shri Santu Ram, Ram Nagar Camp, Karnal.
36. Shri Amin Lal, son of Shri Harbhaj, village and post office Juglan, district Hissar.
37. Shri Harnam Singh, son of Shri Mehar Singh, village Kheri Raowali, post office Rajund.
38. Shri Hans Raj, son of Pt. Sada Ram of Kalanwaur, district Rohtak.
39. Shri Harbans Singh, son of Shri Gurmukh Singh, Junjpura Road, Karnal.
40. Shri Vijay Singh, son of Shri Chandgi Ram, Naran Khera, district Rohtak.
41. Shri Bhagwan Garag, son of Shri Kishan Lal Garag, village and post office Jundla, district Karnal.

42. Shri Kashmiri Lal, son of Shri Ramjesh, Ward No. 3, Panipat, district Karnal.
43. Shri Ved Parkash, son of Shri Devi Singh, Lalat Ganj, Rohtak Road, Sonepat.
44. Shri Bhim Singh, son of Shri Sheo Ram Singh, post office Tigrana, district Hissar.
45. Shri Wazir Chand, son of Shri Khan Chand, Asandh, district Karnal.
46. Shri Sant Lal, son of Shri Mool Chand, Dogran Mohalla, Hissar.
47. Shri Sita Ram, son of Shri Rati Ram, Jandwala Bishonian, district Hissar.
48. Shri Munshi Ram, son of Shri Ditto Ram, Arya Bazar, Hissar.
49. Shri Ram Sarup, son of Shri Molu Ram, Mohalla Gujran, Hissar.
50. Shri Jai Dev Sharma, son of Shri Gauri Shankar, village and post office Jundla, district Karnal.
51. Shri Satya Paul Sharma, son of Shri Ram Chander, village and post office Jundla, district Karnal.
52. Shri Bhagwan Singh, son of Shri Attar Singh, Quarter No. 10, Ashoka Colony, Karnal.
53. Shri Bhajan Lal, son of Shri Mam Chand, Sonepat, district Rohtak.
54. Shri Khazan Chand, son of Shri Lazmi Narain, Sham Nagar, Mill Road, Hissar.
55. Shri Phul Singh, son of Shri Kalu Ram, village and post office Bhojran, district Hissar.
56. Shri Hari Krishan Sharma, son of Shri Mohan Lal Sharma, village and post office Lohani, tehsil Bhiwani.
57. Shri Lakhmi Chand, son of Shri Teeka, village Chhitana, district Rohtak.
58. Shri Jagdish Parkash, son of Shri Kalu Ram, Anaj Mandi, Hissar, c/o Messrs Bhagwan Dass-Bal Mukand.
59. Shri Dalip Singh, son of Shri Boota Singh, c/o Shri Guru Nanak Stores, Sirsa, district Hissar.
60. Shri Thakar Singh, son of Shri Gurdit Singh, Karnal.
61. Shri Sada Nand, son of Shri Hazri Ram, 8 Marla Quarter No. 193, Sonepat, Rohtak District .
62. Shri Ram Kishan, son of Shri Gorkha Singh, village Silalpur, Majra, district Rohtak.
63. Shri Ram Parkash, son of Shri Bodh Raj, c/o Shri Gokal Chand, Halwai, Mohalla Rampura, district Hissar.
64. Shri Dalip Singh, son of Shri Mool Chand, Jheraut, post office Kharkhouda, district Rohtak.
65. Shri Sant Singh, son of Shri Nawab Singh, 119, Model Town, Ambala City.
66. Shri Gurcharan Singh, son of Shri Pala Singh, village Dewana, tehsil and district Hissar.
67. Shri Raghbir Singh, son of Shri Humak Singh of Hissar.
68. Shri Mangal Singh, son of Shri Muloojat Dehan, tehsil Sonepat, district Rohtak.
69. Shri Chhotu Ram, son of Shri Manji Ram, village Pinanan at present Kath Mandi, Sonepat, district Rohtak.
70. Shri Puran Chand, son of Khaurma Chand of Bawalawas Khurd, district Hissar.
71. Shri Hardip Singh, son of Giani Sohan Singh, House No. 23/358, Baldev Nabag, Ambala City.
72. Shri Rameshwar Chand Latkha, son of Shri Munna Lal of Kaithal, Mohalla Lakhan, Kaithal.
73. Shri Chander Singh, son of Shri Hari Singh, Purkahs, district Rohtak.
74. Shri Tikhaya Ram, son of Shri Narain Dass, Muktan Nagar, Hansi.
75. Shri Bhal Singh, son of Shri Mukh Ram, post office Mansala, district Hissar.
76. Shri Daulat Ram, son of Shri Chetan Lal, Cycle Dealer, village and post office Ghinnaur, district Rohtak.
77. Shri Siri Chand Kaushik, son of Shri Hukam Chand, Balora Kalan, district Gurgaon.
78. Shri Raja Ram, son of Shri Gulraj, Mohalla Khadi Bhiwan, district Hissar.
79. Shri Hem Raj, son of Shri Nanoo Ram, c/o Hissar-Delhi Goods Transport Company, Hissar.
80. Shri Karam Chand, son of Shri Chandgi Ram, village Mohana, tehsil Sonepat, district Rohtak.

[Deputy Minister]

81. Shri Satnam Singh, son of Shri Gurmukh Singh, Sirsa, district Rohtak
82. Shri Hari Ram, son of Shri Bharat Singh, Sonepat Mandi, distric Rohtak.
83. Shri Lachhman Singh, son of Shri Sheo Lal, village Juglan, tehial and district Hissar.
84. Shri Naurang Singh, son of Shri Hazara Singh, village Fatehgarh Chatuali Tehsil Kharar, district Ambala.
85. Shri Ram Kishan, son of Shri Bansi Ram, village and post office Jhajjar, Cantt., district Rohtak.
86. Shri Sumer Singh, son of Shri Piyara Lal, post office and district Rohtak.
87. Shri Atma Singh, son of Shri Saran Singh, Gurdawara Mohalla, Sirsa, district Hissar.
88. Shri Viru Ram, son of Shri Chetan, Mohalla Quziwala, Hissar.
89. Shri Ram Karan, son of Shri Dhami Ram, village Bilan, tehsil Gohana, district Rohtak.
90. Shri Nand Lal, son of Shri Ram Kishan, House No. 915, Gol Gathi, Mohalla Rampur, Hansi, district Hissar.
91. Shri Hem Raj, son of Shri Hans Ram, Jakhauli, Kaithal, district Karnal.
92. Shri Devi Chand, son of Shri Puran Chand, Gau Shalla Mandi, Panipat, district Karnal.
93. Shri Narain Dass, son of Shri Sundagar Mal, House No. 14/4 Mohalla Bishti Pura, Rohtak.
94. Shri Ram Parkash, son of Shri Mehar Chand, Multan Nagar Colony, Hansi, district Hissar.
95. Shri Chhotu Ram, son of Shri Tak Chand, village and post office Kansala, police station Sampla, tehsil and district Rohtak.
96. Shri Ramal Dass, son of Shri Sewa Ram, Ghali Ghasita, Sonepat, district Rohtak.
97. Shri Brij Lal, son of Shri Arjan, village and post office Bhuttu, district Hissar.
98. Shri Jaimal Singh, son of Shri Jawahar Singh, village Dhakora Kalan, post office Sialbah Majri (Ambala).
99. Shri Raghbir Singh, son of Shri Bharat Singh, village and post office Rauhna, district Rohtak.
100. Shri Gurdial Singh, son of Shri Jaimal Singh, village Palheri, Kharar district Ambala.
101. Shri Kesar Dass, son of Jodha Ram, Kharkhauda, district Rohtak.
102. Shri Amri Chand, son of Shri Raghu Nath Sahai, R-94, Ward No. 3, Panipat, district Karnal.
103. Shri Surjit Singh, son of Shri Rattan Singh, village Odhan, district Hissar.
104. Shri Raghbir Singh, son of Shri Hukam Singh, 98-B-18, Mohalla Dogran, Hissar.
105. Shri Giani Ram, son of Shri Sukh Ram Sultan Pur, tehsil Hansi, district Hissar.
106. Shri Bachan Lal, son of Shri Jaimal Chand, Chown, Sirsa, district Hissar.
107. Shri Umed Singh, son of Chaudhri Pokhar Singh, Mohalla Gujran Parao, Hissar.
108 Shri Nanu Ram, son of Shri Jahwar, village and post office Sanghi, district Rohtak.
109. Shri Chaman Lal, son of Shri Pujara Ram, village and post office Bapora, tehsil Bhiwani, district Hissar.
110. Shri Lakhmi Chand, son of Shri Pare Lal, c/o Sampla Goods Transport, Union, Sampla, district Rohtak.
111. Kulwant Singh, son of Asa Singh, 105, Model Town, Ludhiana.
112. Shri Nahar Singh, son of Chhaja Singh, village Gurukul, Panchkula, Chandigarh.
113. Shri Balwant Singh, son of Chet Singh, House No. 9, Sector 21-C, Chandigarh.
114. Jot Singh, son of Sarain Singh, House No. 7, Sector 22-D, Chandigarh.
115. Inderjit, son of Rai Chand, Taxi Stand, Chandigarh.
116. Prem Singh of Suraj Pur, district Ambala.
117. Mansa Singh, son of Bagh Singh, House No. 2, Street N, Sector 22 Chandigarh.
118. Naranjan Singh, son of Man Singh, village Gadhokalan, district Ambala.

JULLUNDUR REGION

119. S. Gobind Singh, son of S. Harnam Singh, Pathankot.
120. Shri Seral Kumar, son of Ganga Bishan, Fazilka, district Ferozepore.

121. Shri Hukam Chand, son of Suraj Bhan, district Gurdaspur.
122. Shri Davinder Mehta, son of Hari Bhagat Mehta, Dalhousie Road, Pathankot.
123. Shri Kharaiti Lal, son of Dharam Chand, Abohar.
124. Shri Bishan Dass, son of Tara Chand, Gurdaspur.
125. Shri Suba Singh, son of S. Gurmukh Singh, district Jullundur.
126. Shri Bhagirath Ram, son of Gopi Ram, Abohar.
127. Shri Wasan Singh, son of Sultan Singh, Batala, district Gurdaspur.
128. Shri Daulat Singh Bedi, son of Shri Charan Singh, Jullundur.
129. Shri Gurcharan Singh, Samrala, district Ludhiana.
130. Shri M. S. Sohal, son of S. Jaimal Singh, Sunder Nagar, Pathankot.
131. Shri Kuldip Singh, son of Late S. Labh Singh, Jullundur.
132. Shri Beant Singh, son of Dhanpat Singh, Amritsar.
133. Shri Daulat Ram, son of Lachhman Dass, tehsil Fazilka, district Ferozepore.
134. Shri Harbans Singh, son of Prem Singh, Jullundur.
135. Shri Jagjit Singh, son of Avtar Singh, village Biring, post office Jullundur Cantt.
136. Shri Raj Kumar, son of Beant Singh, 70 Hide, Market, Amritsar.

List of Motor-cycle-rickshaws/Scooters/Tampos permits allotted in the year 1960 in the Patiala Region

Serial No.	Name and address	Name of the route	Type of vehicle
	MOHINDERGARH DISTRICT		
137	Gobberdhan Singh, son of Jathu Ram of tehsil Dadri	Dadri-Mandola	Tampo/Rickshaw
138	Het Ram, Son of Shri Shub Ram, Dadri	Dadri-Ach na	Ditto
139	Budh Ram, son of Hira Lal, Mohindergarh City	Mohindergarh-Bhuchowas	Ditto
140	Shri Udhe Singh, son of Bhur Singh, tehsil Dadri	Dadri to Barsana	Tampo
141	Shri Tara Singh, son of Udhe Singh, Dadri	Dadri-Katiana	Do
142	Shri Raghuvind Dyal, son of Shri Kalu Mal, Narnaul	Narnaul-Bachaud	Do
143	Brij Lal Tewari, son of Shri Raghunandan Lal, Mohindergarh	Mohindergarh-Pali	Do
	PATIALA DISTRICT		
144	Mehnga Singh, son of Bishan Singh, Patiala	Patiala-Sanaur	Tampo
145	Narang Singh, son of Dhanna Singh, Patiala	Ditto	Do
146	Nand Singh, son of Kheru Ram, village Amloh	Sirhind-Bassi	Do
147	Chanan Singh, son of Puran Singh, village Amloh	Ditto	Do
148	Bakhtawar Singh, son of Harnam Singh, Patiala	Municipal limits of Patiala City	Scooter Rickshaw

[Deputy Minister]

Serial No.	Name and address	Name of the route	Type of vehicle
	PATIALA DISTRICT—CONCLD		
149	Hari Singh Sodhi, son of Udhe Singh Sodhi, Patiala	Municipal limit of Patiala City	Scooter Rickshaw
150	Shri Kirpal Singh, son of Tara Singh, Bassi, Patiala	Patiala to Kalyan	Tampo
151	Shri Jagat Singh, son of Arjan Singh, Patiala	Patiala to Seel Chapar	Do
152	Shri Ravinder Singh, son of Shri Bakhtawar Singh, tehsil Rajpura	Patiala Municipal limits	Scooter Ricksh w
153	Shri Sant Singh Bhogal, son of Gurnam Singh, tehsil Rajpura	Rajpura to Shambu	Tampo
154	Shri Atma Sarup, son of Shri Bhagwan Dass, village and post office Kakra	Patiala-Bhunerheri	Do
155	Shri Daulat Ram, son of Munshi Ram, Patiala	Ditto	Do
156	Shri Sardul Singh, son of Roop Singh, Patiala	Patiala-Bahadurgarh	Do
157	Shri Babu Ram of Patiala ..	Bhunerheri-Dudhan	Do
158	Shri Shanker Lal, son of Shri Basu Ram, near V. G. High School, Patiala	Patiala-Bhunerheri	Do
159	Jal Bharat, son of Shri Puran, Arna Barna Chowk, Patiala	Patiala-Wazidpur	Do
	BHATINDA DISTRICT		
160	Raghunath Dass Bansal, son of Vir Chand, Kotkapura	Kotkapura-Faridkot	Tampo
161	Mangal Singh, son of Thakar Singh, Jaitu	Jaitu-Bajekhana	Do
162	Hardit Singh, son of Hukam Singh, Bhatinda	Ditto	Do
163	Gauri Shankar, son of Nanak Chand, Bhatinda	Civil Station Courts Bhatinda-Kotshamir	Do
164	Krishan Chand, son of Rishi Ram, Kot Fateh	Goniana-Jandanwala	Do
165	Kartar Singh of Rori Kapura ..	Bhatinda-Kotshamir	Do
166	Shamsher Singh, son of Bhag Singh, Singh, Goniana	Goniana-Tikoni	Do
167	Shri Gokal Chand, son of Inder Ram, Bhatinda	Bhatinda local within Municipal limit	Scooter-Rickshaw

Serial No.	Name and address	Name of the route	Type of vehicle
	BHATINDA DISTRICT—CONCLD		
168	The Bhucho Co-operative Transport Society, Bhucho	Nathana-Bhucho	Tampo
169	Shri Gurdev Singh, son of Shri Hazoora Singh, tehsil Mansa	Bhikhi-Badwal	Do
170	Gyani Dalip Singh, son of Shri Hazoora Singh, tehsil Mansa	Mansa	Do
171	Shri Amarjit Singh, son of Ganga Singh, Bhatinda	Bhatinda-Takoni-Goniana	Do
172	Shri Tek Chand, son of Hakam Chand, Rampura Phul	Rampura Phul-Gharat	Do
	SANGRUR DISTRICT		
173	Hira Singh Bathal, son of Chanan Singh, village Bathal	Sangrur-Badbar	Tampo
174	Dharam Singh, son of Mahan Singh, village Gabel	Barnala-Thikriwala	Do
175	Dal Singh, Manager, Sewak Ex-Military Men Transport Co-operative Society, Jind	Jind to Shahpur	Do
176	Avtar Singh, son of Teja Singh, Bhadaur	Barnala-Chima	Do
177	Shri Kehar Singh, son of Bakhshish Singh of Phul	Rampura-Dhadda	Do
178	Shri Narsi Ram, son of Chet Ram, Narwana	Narwana-Garhi	Do
179	Shri Madan Lal, son of Shri Shivji Ram, Patiala	Barnala-Pakho	Do
180	Shri Ram Sarup, son of Ram Nath, Jind	Jind Junction to Jind City	Do
181	Shri Gurbakhsh Singh, son of Chatter Singh, Malerkotla	Dhuri-Sherpur	Do
182	Shri Gopal Dev, son of Shri Girja Nand, Barnala	Barnala-Mehal Kalan	Do
183	Shrimati Dhan Kaur, w/o Shri Sampuran Singh, village and post office Dhaula	Barnala-Dhaula	Do
184	Shri Karnail Singh, c/o P.R.T.C. Patiala	Barnala-Pakho	Do
185	Shri Jagir Singh, son of Chattar Singh, Dhuri	Dhuri-Sangrur	Do
186	Shri Ujjar Singh, son of Narinjan Singh, Ludhiana	Barnala-Mehal Kalan	Do
187	The Phul Tanga Drivers Co-operative Society Limited, Rampura Phul	Rampura to Phul	Do
188	Ram Singh, son of Shri Monar Lal of Jhajjar, district Rohtak	Dadri-Morewali	Do
189	Shri Tirlochan Singh, son of Shri Hazura Singh, Bhatinda	Faridkot to Sadik	Do

[Deputy Minister]

List of Public Carrier permits issued during the year 1960

Serial No.	Name of the permit-holder
	AMBALA REGION
1	Shri Wasawa Singh, son of Kabal Singh of Karnal
2	Shri Sarmukh Singh, son of Mansa Singh of Simla
3	Shri Khushi Ram, son of Brij Lal of Chandigarh
4	Shri Kasturi Lal, son of Suraj Parkash of Rohtak
5	Shri Ganga Bishan-Nand Kumar of Kalka
6	Shri Hardyala Singh, son of Mansa Singh of Ballo Majra
7	Shri Bakhshi Singh, son of Attar Singh of Fatehgarh Chautala
8	Shri Krishan Lal, son of Kuldipk Ram of Kalka
9	Chandigarh Transport Company, Rupar.
10	Punjab Singh, son of Amar Singh of Saharenpur
11	Shri Tara Singh, son of Kirpa Singh of Delhi
12	Shri Bhoja Ram, son of Bhajan Chand of Rohtak
13	Chaudhari Ram Singh, son of Jiwan Singh of Chandigarh
14	Shri Gobind Ram, son of Jinda Ram of Jagadhri
15	Shri Daulat Ram, son of Malik Ram of Ambala City
16	Shri Thakur Singh, son of Bhag Singh of Ambala City.
17	Shri Jatindra Singh, son of Dhian Singh of Ambala City.
18	Shri Sarwan Co-operative Construction Society, Gurgaon
19	Shri Sham Dass, son of Ram Ditta Mal of Rohtak
20	Shri Dharam Singh, son of Sadha Singh of Jamna Nagar
21	Shri Gurdial Singh, son of Mansa Singh of Simla
22	Shri Hari Chand-Balmukand of Rohtak.
23	Shri Manphool Singh, son of Ghina Singh of Karnal
24	Shri Tola Ram, son of Ganga Ram of Kharar
25	Shri Shiv Shankar, son of Kirpa Ram of Palwa
26	The Ex-Servicemen Motor Co-operative Transport Society, Rupar
27	M/s Bishan Singh-Kartar Singh of Jamna Nagar
28	Shri Lekh Raj, son of Puran Chand of Jamna Nagar.
29	Shri Sampuran Singh, son of Kishan Singh of Ambala City
30	Chandigarh Transport Company Private Limited, Rupar
31	Ch. Chet Ram-Faquir Chand, Chandigarh
32	Captan Jai Singh, son of Devi Singh of Rohtak.
33	Pishora Singh, son of Dharam Singh of Rohtak
34	Shri Madan Lal, son of Gokal Chand of Rupar
35	The Hill Timber Supply Company of Jagadhri
36	Captain Ram Nath of Chandigarh
37	Shri Raghbir Singh, son of Jai Singh of Ambala City
38	Shri Kikar Singh, son of Chhotu Ram of Rohtak
39	Shri Pritam Singh, son of Banta Singh, Ludhiana
40	Shri Jai Bhagwan, son of Dip Chand of Sonepat
41	Shri Balram, son of Tirath Ram of Jamna Nagar
42	M/s Harnam Singh-Sardara Singh of Chandigarh
43	The Ex-servicemen Motor Co-operative Transport Society, Rupar
44	Shri Ram Lubhya, son of Ram Chand of Chandigarh
45	Shri Suraj Bhan, son of Dhani Ram of Hissar
46	Shri Daljit Singh, son of Gurcharan Singh of Sirsa
47	Shri Ram Saran Dass, son of Mohan Chand of Jamna Nagar
48	Shri Bahadur Singh, son of Phuman Singh of Ambala City
49	Shri Ishar Singh, son of Bishan Singh of Morinda
50	Shri Raghu Nath Singh, son of Sunder Singh of Narnaul
51	Shri Brij Lal, son of Ganga Ram of Ambala
52	Shri Bhudu Ram, son of Lakhu Ram of Ambala City
53	Shri Raj Kumar, son of Piara Lal of Chandigarh
54	Shri Kharati Lal, son of Tara Chand of Chandigarh
55	Shri Ram Nand, son of Ram Lal of Jamna Nagar
56	Shri Kashmir Singh, son of Badan Singh of Karnal
57	Shri Sardari Lal, son of Pream Nath of Jamna Nagar
58	Shri Kabal Singh, son of Attar Singh of Kurali

Serial No.	Name of the permit-holder
59	Shri Jagjit Singh, son of Darshan Singh of Gurgaon
60	Shri Jasmehr Singh, son of Jaspal Singh of Chandigarh
61	Shri Jit Singh, son of Bhagan Singh of Ambala Cantt.
62	Shri Kuldip Parkash, son of Har Chand of Chandigarh
63	Shri Bali Ram, son of Jemal Chand of Sirsa
64	Shri Baru Ram, son of Hera Lal of Mibarakpur
65	Shri Iqbal Singh, son of Sunder Singh of Chandigarh
66	Shri Davinder Kumar of Chandigarh
67	M/s Harbilas-Baldev Raj of Chandigarh
68	Shri Pishori Lal, son of Kirpa Ram of Jamna Nagar
69	Shri Modan Singh, son of Kartar Singh of Ambala City.
70	Shri Gurdial Singh, son of Bhan Singh of Delhi
71	Shri Surinder Singh, son of Balwant Singh of Ambala Cantt.
72	Shri Makhan Singh of Delhi
73	Shri Kishori Lal, son of Dhani Chand of Hissar
74	Shri Shiv Narain, son of Gurditta Mal of Kharar
75	Shri Bhagat Singh-Kaka Singh of Ambala City
76	Shri Shanti Parkash-Ganesh Dass
77	Shri Hans Raj-Ram Lubhya , Chandigarh
78	Shri Gurmukh Singh, son of Hukam Singh of Sirsa
79	Shri Sham Lal-Manohar Lal of Jamna Nagar
80	Shri Kesar Singh, son of Basta Singh of Samalka Mandi
81	Shri Mehar Singh, son of Devi Ditta Mal of Chandigarh
82	Shri Raghbir Saran, son of Bhagwan Dass of Ambala City
83	Shri Ram Sarup, son of Ditta Ram of Ambala City
84	Shri Prehlad Singh, son of Chet Ram of Gurgaon
85	Shri Lalit Mohan, son of Gurbachan Singh of Chandigarh
86	Shri Amar Singh, son of Girdhari Singh of Rupar
87	Shri Prabh Dayal, son of Uttam Singh of Chandigarh
88	Shri Sukh Raj Singh, son of Kartar Singh, Chandigarh
89	Shri Mohar Singh, son of Gian Singh, Chandigarh
90	Shri Ram Parkash, son of Kirpa Ram , Jamna Nagar
91	Shri Surinder Singh, son of Mohan Singh, Chandigarh
92	Shri Sita Ram, son of Shri Ram of Karnal
93	Shri Jai Singh, son of Harnam Singh of Ladwa
94	Shrimati Rattan Devi, wd/o Lal Chand of Gurgaon
95	Shri Ram Nath, son of Matwal Chand of Rewari
96	Shri Lal Chand, son of Shiv Ram of Loharu
97	Shri Bahadur Singh, son of Sant Singh of Chandigarh
98	Shri Dewan Singh, son of Prem Singh of Rohtak
99	M/s Ved Mittar-Hukam Singh of Kanchli
100	Shri Ajmer Singh, son of Nawant Singh of Khanpur, Kharar
101	Shri Sham Lal, son of L. D. Bhandari of Chandigarh
102	Shri Joginder Singh, son of Tara Singh of Chandigarh
103	M/s Assian Goods Transport Company, Delhi
104	Shri Prem Chand, son of Inder Muni of Chandigarh
105	Shri Salig Ram, son of Jagat Ram of Chandigarh
106	Shrimati Kiran Kala, w/o Amolak Singh of Hansi
107	The Chandigarh Transport Company Private Limited, Rupar
108	Ditto
109	Asian Transport Company, Delhi
110	Shri Gurdarshan Singh, son of Ajaib Singh, Hissar
111	M/s Lakhi Ram & Sons, Rohtak
112	Shri Hasura Singh, son of Sarwan Singh of Chandigarh
113	M/s Chhaju Ram-Kaka Ram-Hari Singh, Morinda
114	Shri Bharat Singh, son of Hari Lal, village Mona Majra
115	Shri Jaswant Rai, son of Naurang Lal Jain, Rohtak
116	Shri Pritam Singh, son of Ajaib Singh, Hissar
117	M/s Gian Singh-Naurang Singh, Kharar
118	Shrimati Harbans Kaur, daughter of Balwant Singh, Ambala City
119	Shri Baby Singh, son of Sewa Singh of Ambala City
120	Shri Lalit Mohan Sharma, son of Ram Krishan, Chandigarh
121	Shri Raghbir Singh, son of Ram Singh of Ambala Cantt.
122	Shri Mohinder Singh Bansal, son of Kidar Nath, Ambala Cantt.
123	Shri Karam Singh, son of Risal Singh of Sonepat
124	M/s Rohtak M. P. Co-operative Society Limited, Rohtak
125	Shri Harbans Singh, son of Hasant Singh, Shahpur
126	M/s Kartar Singh-Kapoor Singh, Mani Majra
127	M/s Gurbachan Singh-Hazara Singh, Kurali
128	M/s Harish Chander Joshi, son of Sant Ram of Kurali

[Deputy Minister]

Serial No.	Name of the permit holder
129	Shri Jaspal Singh, son of Jaimit Singh, Jamna Nagar
130	M/s Girdhari Lal and B os., Solan
131	Shri Pal Singh, son of Nand Singh, Baldev Nagar, Ambala
132	Shri Raghbir Singh, son of Lala Jai Ram, Rohtak
133	Shrimati Kaushalya Devi, Doughter of Ram Sahai of Jullundur
134	Shri Jai Dev Singh, son of Attar Singh of Ambala City
135	Shri Babu Ram, son of Asa Ram of Jamna Nagar
136	Shri Jagan Nath Sharma of Jamna Nagar
137	Shri Rulda Singh, son of Chhaja Singh of Ballo Majra
138	Shri Om Parkash, son of Gulab Rai of Panipat
139	Shri Sant Singh, son of Sham Singh of Chandigarh
140	Ex-Servicemen Motor Transport Co-operative Society, Rupar
141	D)
142	Shri Abnash Singh, son of Atama Singh of Karnal
143	Shri Kartar and Co., Bricks Kilan of Chandigarh
144	Shri Hukam Singh, son of Mir Singh of Jhajjar
145	Shri Tehal Singh, son of Mangal Singh of Behankhere
146	M/s Bag Ram-Basant Lal of Mani Majra
147	Miss. Darshan Kaur, daughter of Madan Gopal of Chandigarh
148	Shri Jai Singh, son of Phoola Singh of Madina
149	Shri Dal Chand, son of Chaudi Ram of Palwal
150	Shri Harbhajan Singh, son of Jawand Singh of Delhi
151	Northern India Goods Transport Company, Simla
152	M/s Modren Bricks and Tiles Manufacturers, Rohtak
153	M/s Chhikara Bros., Rohtak
154	M/s Dharam Vir-Raghu Nath of Chandigarh
155	M/s Thakar Dass-Nihal Chand of Chandigarh
156	M/s Bakhatawar Singh son of Bakshish Singh of Ambala
157	Shri Boota Ram, son of Sankar Dass of Ambala City
158	Shri Ganga Singh, son of Attar Singh, Morinda
159	Shri Amrik Singh, son of Charbasl Singh of Ludhiana
160	M/s Shambu Mall & Sons of Ambala City
161	Shrimati Laj Wanti, wife of Dewan Chand of Rohtak
162	Shri Jagjit Singh, son of Multani Shah of Chandigarh
163	Shrimati P. K. Uppal, wife of S. S. Uppal of Ambala City
164	M/s Atma Singh-Ram Gopal of Kharar
165	Shri Om Parkash, son of Devi Dass of Rohtak
166	Hissar Prem Co-operative Society
167	Shri Onkar Mal, son of Tan Sukh Raj of Mandi Adampur
168	M/s Jagdev Singh-Balbir Singh of Sanjoli
169	Mathur Singh, son of Thakur Singh of Ambala City
170	Shri Prem Singh, son of Jaimal Singh of Bhankur Pur
171	Shri Kashmira Singh, son of Waryam Singh of Mubarakpur
172	M/s Santosh Kumar-Ram Sarup of Jagadhari
173	Janta Co-operative Transport Society Limited, Meham
174	Shri Dhonkal Ram, son of Sukh Ram of Hissar
175	Shri Dilbhag Rai, son of Jawala Dass of Jamna Nagar
176	Shrimati Santosh Kapur wife of Rajesh Kapur of Ambala
177	M/s Raj Kumar-Sita Ram of village Chunat, Hansi
178	Harjit Singh, son of Thakar Singh, Jamna Nagar
179	Jaspal Singh, son of Santa Singh of Jamna Nagar
180	Puran Singh, son of Narinjan Singh of Morinda
181	M/s Harnam Singh-Harbans Singh, Ambala City
182	Raj Kanwar, son of Jodha Ram of Rewari
183	Brij Lal, son of Gokal Chand of Ambala City
184	Raunak Singh, son of Attar Singh of Manak Majra
185	Inderjit, son of Mela Ram of Chandigarh
186	Ram Singh, son of Ganga Singh, Dhak Majra, Rupar
187	M/s Mangal Sain-Jai Lal of Hansi
188	Jagdish Chander, son of Devi Dyal of Radhour
189	Hazari Lal-Shiv Karan of Jhaaggar
190	Madan Singh, son of Diwan Singh of Chandi Mandar
191	Om Parkash, son of Babu Ram of Ambala City
192	M/s Duni Chand-Gian Chand of Chandigarh
193	Anup Lal, son of Ram Narain of village Shah
194	Sudaghar Singh son of Ram Singh of Mani Majra
195	M/s Ram Singh-Gurbax Singh of Chandigarh
196	Gian Chand, son of Jiwan Singh of Chandigarh
197	Shrimati Parkash, wife of Harbans Lal, Ambala City
198	The Baldev Transport Private Limited, Rupar

Serial No.	Name of the permit-holder
	AMBALA REGION—CONTD
199	Rameshwar Dass, son of Dewarka Dass, Mubarakpur
200	Harish Chand Goel, son of Ram Saroop of Chandigarh
201	Ujaggar Singh, son of Baru Ram of Balmaora (Kharar)
202	Ajmer Singh, son of Shore Singh of Balomajra
203	M/s Krishan Lal and Co. of Chandigarh
204	M/s Ved Parkash-Khushi Ram of Samalka Mandi
205	M/s Kishori Lal-Rameshwar Dass of Samalka Mandi
206	Ram Bux, son of Sewa Ram of Ambala Cantt.
207	Ram Singh, son of Chanan Singh of Chandigarh
208	M/s Ajit Singh-Nasib Singh of Chandigarh
209	M/s Kuldip Industrial Corporation of Chandigarh
210	Gurbax Singh, son of Attar Singh of Ambala City
211	Charanjit Singh, son of Kotu Ram of Chandigarh
212	Chandgi Ram, son of Sukh Ram, Aghwan Pur, Sonepat
213	Dasosandi Khan, son of Rubi Khan, Nalagarh
214	Behram, son of Udhmi Ram of Bhai Anandpur (Rohtak)
215	Jodh Singh, son of Lakha of Karnal
216	Bakhshish Singh, son of Partap Singh of Ambala City
217	Gulara Singh, son of Baswa of Kurali
218	Davinder Pal, son of Prithi Pal of Chandigarh
219	Makhan Singh, son of Rama Partap, of Delhi
220	Narain Dass, son of Sobha Ram of Rohtak
221	Jaspal Singh, son of Kanal Singh of Chandigarh
222	Baldev Raj, son of Balk Ram of Rupar
223	Madan Lal, son of Reghu Nath Rai of Dabwali
224	Ghania Lal, son of Jag Ram of Kaithal
225	Pritam Singh, son of Chanan Singh, Kharar
226	Lachhmi Narain, son of Gopi Chand of Smalka Mandi
227	Ranoq Singh, son of Bakhtawar Singh of Ballow Majra
228	M/s Gurbachan Singh-Manohar Singh, Jamna Nagar
229	Ram Chand, son of Khan Chand of Radaur
230	M/s Gurdial Singh-Arjan Singh of Kurali
231	The Ex-Servicemen Motor Transport Co-operative Society, Rupar
232	Amarjit Singh, son of Sujan Singh of Mani Majra
233	Udhay Bhan, son of Khan Chand of Panipat
234	Deputy Ram, son of Ganesh Dass of Nangal Township
235	M/s Maya Dhari-Hari Chand of Kalka
236	M/s Gurdial Singh-Saran Singh and Bros. of Simla
237	M/s Aroma Hotel, Chandigarh
238	Vishwa Mittar, son of Ascharaj Mal of Chandigarh
239	Shiviji Ram, son of Nanwa of Gurgaon
240	Keshwa Nand, son of Tulsi Ram of Ambala City
241	Major Kehari Singh, son of Ram Bhagat of Dighal
242	Pritam Singh, son of Udham Singh of Singhpura
243	Udhaya Nath, son of Bansi Lal of Rewari
244	Harjet Singh, son of Harsaran Singh of Ambala City
245	Maya Wanti, Daughter of Karam Singh of Ambala City
246	Mehma Singh, son of Nand Singh of Kharar
247	Shri Gopal Singh, son of Beant Singh, 233-C, Patel Nagar, Delhi
248	Subash Chander Gupta, son of Kanaya Lal of Dadupur, Jagadhari
249	Shri Balwant Singh, son of Bindi Singh of Chandigarh
250	Shri Om Parkash, son of Mani Ram of Assan Rohtak
251	Shri Shishpal Singh, son of Salig Ram , Bhapnod, Jhajjar
252	Dharam Singh, son of Bhani Ram, Bhoparda, Jhajjar
253	M/s Waryam Singh and Sons of Chandigarh
254	Raj Ram, son of Munshi Ram of Sirsa
255	Girdhari Lal and Bros., of Solan
256	Shri Ujjagar Singh, son of Amar Singh of Ambala Cantt.
	JULLUNDUR REGION
1	The Doaba Transport Co-operative Society, Nawanshahr
2	Shri Gurbax Singh, son of Gema Singh, Rohtak
3	Parbat Roadways Co-operative Transport Society, Hoshiarpur
4	Ganesh Singh, son of Ujagar Singh, Khinyara
5	Sant Kumar, son of Dharam Chand, Kangra
6	Ram Sarup, Desuya
7	Samuel Akhtar, Pad mpur
8	Kartar Singh Sarhadi, Jullundur
9	Hans Raj Suri, Ambala City

[Deputy Minister]

Serial No.	Name of the permit-holder
	JULLUNDUR REGION—CONTD
10	Wadhawa Singh Dugri, Tarn Taran.
11	Mehar Chand, son of Kesar Ram, Muktsar.
12	Nasib Singh, son of Hira Singh, village Janda i.
13	Kesar Singh Pahlwan Patiala.
14	Kehar Singh Sandhu, Amritsar.
15	Gurdi Singh, son of Hari Singh, village Shahbazpur.
16	Ram Singh Jakhar, village and post office Ladinana.
17	S. R. Dhir, Jullundur.
18	Banta Ram, son of Dasaundhi Ram, village Bajwara.
19	Vishwa Mitter, son of Achhar Mal, Pathankot.
20	Balwant Singh, M. G. Road, Rohtak.
21	Lal Man Sharma.
22	Radha Krishan, Hamirpur.
23	Shankar Singh, son of Natha Singh, village Sangatpura.
24	A.C. Samuel, Baijnath.
25	Shankar Singh, son of Bakhtawar Singh, village Padrani.
26	Doaba Co-operative Transport Society, Nawanshahr.
27	Messrs Kishan Chand-Uttam Singh, Kangra.
28	Messrs Prem Chand and Co. Nagrota Bagwan.
29	Salig Ram, son of Nihal Singh, village Wazirpuri.
30	Mohan Singh, son of Subh Singh, Amritsar.
31	Mauji Ram, son of Jawahar, village Awarni.
32	Arjan Singh Pahlwan, village Dhelran.
33	Pathankot-Kangra Workers Co-operative Society, Pathankot.
34	Munshi Ram, son of Khazana Ram, Palampur.
35	Messrs Harijan Transport Company, Jullundur.
36	Des Raj, son of Hem Raj, Moga.
37	Messrs Lal Chand-Gian Chand, Gurdaspur.
38	Amin Chand, son of Chaudhri Ram Bhareri.
39	Chandu Ram, Nagrota Bagwan.
40	Kashmira Singh Randhawa, village Udhonangal.
41	Banu Ram Gupta, Jullundur.
42	Joginder Singh Tigar, village Sheran.
43	Harwant Singh Sehgal, Jullundur.
44	Tikka Udhe Bhan Chandra, village Datarpur.
45	Parshotam Dass Marwaha, Pathankot.
46	Gurdev Singh, son of Niranjan Singh, Jullundur.
47	Tara Singh, son of Gurdial Singh, village Ghuman Khurd.
48	Boota Singh, son of Gujjar Singh, village Sewa Nagar.
49	Sham Singh, Dehradun.
50	Prithipal Singh, Amritsar.
51	Devi Ditta, Bahadurgarh Mandi.
52	Balkrishan, son of Master Nand Lal, Jullundur.
53	Messrs Piara Singh-Ajit Singh, village Thata.
54	Dharam Vir Bahal, Kangra.
55	Kartar Singh, son of Ganda Singh, village Rampur.
56	Sukh Lal Singh and Sons, Kangra.
57	Mota Singh, son of Malla Singh, village Bahalpur.
58	Gurdial Singh, son of Labh Singh, village Nainowal Jattan.
59	Mohinder Singh, son of Sant Sarup Singh, Naushahra Pannuan.
60	Muni Lal, son of Atru Ram, Hoshiarpur.
61	Nathi Ram, Editor, Weekly Sachai, Ambala.
62	Arjan Balmik, village Jalorpal.
63	Hamirpur Transport Co-operative Society, Hamirpur.
64	Chanan Singh, village and post office Kairon.
65	Major Dina Nath, village and post office Ranu.
66	Dhiana Ram, village Dhaduamb.
67	Kirpal Singh, Sant Villa, Amritsar.
68	Sant Ram Sharma, village Chabian.
69	Ved Parkash, son of Badri Nath, Gurdaspur.
70	Udham Singh, son of Budha Singh, village Margindpur.
71	Shanti Sarup Sharma, Karnal.
72	Messrs Makhan Lal-Chand Parkash, village Shahpur.
73	Ram Singh, son of Jiwan Singh, village Kishanpura, district Ferozepore.
74	Virinder Kumar, son of Shanti Sarup, Amritsar.
75	Pritam Singh Karak, Dasuya.
76	Jagan Nath, son of Duni Chand, village Katrain, Kulu.
77	Parbat Roadways Co-operative Transport Society, Hoshiarpur.
78	Batala National Transport Co-operative Society, Batala.

Serial No.	Name of the permit-holder
	JULLUNDUR REGION—CONTD
79	Muni Lal, son of Salig Ram, Amritsar.
80	Gurbax Singh, son of Budh Singh, village and post office Kundal.
81	Shrimati Rukman Rani, Amritsar.
82	Sarup Singh Pannu, village Naushahra Pannu.
83	Baksha Singh, Sonepat.
84	Dial Singh, son of Saudagar Singh, village Daroka.
85	The Gurdaspur Harijan Co-operative Transport Society, Pathankot.
86	Om Parkash, son of Lehra Singh, village Pansoi.
87	Parbat Roadways Co-operative Transport Society, Hoshiarpur.
88	Jai Ram, son of Chaudhri, village Lahra.
89	Manohar Lal Sud, Kulu.
90	Prem Singh Rana, village Chadiar.
91	Dhian Singh, son of Sadhu Singh, village Dehla-Majra-Hiran.
92	Manmohan Kumar, son of Mulkh Raj, village Dera.
93	Sahib Singh, son of Kharak Singh, village Tikkar.
94	Sudama Ram, son of Banka Ram, village Bawarna.
95	Balkrishan, son of Amar Nath, Hoshiarpur.
96	Messrs Baldev Raj Hem Raj, village Jakholari.
97	Bakhshi Sarv Sarup, village Sujanpur.
98	Jodh Ram, son of Behari Lal, Jullundur Cantt.
99	Surjan Singh, son of Kesar Singh, village Nagoke.
100	Sohan Singh, son of Jawala Singh, Dhukka.
101	Capt. Rattan Singh, I.N.A., Jagiana Garden Colony.
102	Vijay Kumar, son of Janardhan Dutt, Ludhiana.
103	Ujaggar Singh, son of Achhar Singh, village Sokhwan.
104	Kundan Singh, son of Harnam Singh, Jullundur.
105	Sohan Singh, son of Gopal Singh, village Khera.
106	Ganga Bishan, son of Sohawa Mal, Jagraon.
107	Harcharn Singh, son of Malik Ram, Amritsar.
108	Jai Singh, son of Chaudhri Ram, village Thakurdwara.
109	Harbans Singh, son of Daulat Ram, Moga.
110	Om Parkash Sharma, Nawankot, Amritsar.
111	Karam Singh Uppal, Ludhiana.
112	Mohan Singh, son of Ganda Singh, village Badlan, tehsil Dasuya.
113	Suraj Bus Service, Limited, Amritsar.
114	Jiwan Lal, son of Sohan Lal, Amritsar.
115	Sohan Singh, son of Dalip Singh, Muktsar.
116	Bakhshish Singh, son of Lal Singh, village Naurangabad.
117	Bishan Dass, son of Chander Bhan, Jullundur.
118	Jaimal Singh, son of Megh Singh, village Khalua.
119	Jaswant Singh, son of Boota Singh, Chandigarh.
120	Des Raj Gandhi, Hoshiarpur.
121	Ram Rattan, son of Amin Chand, village Chahoowal.
122	Bawa Ram, son of Chuni Lal, Amritsar.
123	Salahudin Malik, M.A., Darul Masin , Qadian.
124	New Suraj Trasport Company, Amritsar.
125	Jaimal Singh, son of Benat Singh, Ludhiana.
126	Dula Singh, son of Arjun Singh, village Sammipur.
127	Northern India Transport Co-operative Society, Hoshiarpur.
128	Ratti Ram, son of Gand Ram, Jullundur.
129	Northern India Goods Transport Society, Jullundur.
130	Northern India Goods Transport Society, Jullundur.
131	Hari Singh, son of Jaimal Singh, village Badhu Majra.
132	Sampuran Singh, son of Jaswant Singh, village Baring.
133	Bhagat Singh, son of Ram Singh, Jullundur.
134	Hardip Singh, B.A., LL.B., Jullundur.
135	Balbir Singh, son of Bhag Singh, Jullundur.
136	Raj Singh, son of Harnam Singh, Hoshiarpur.
137	Brijpal Singh, son of Mehtab Singh, village Palampur.
138	Mohinder Singh, son of Natha Singh, Hoshiarpur.
139	Giani Dhian Singh, Lal Quarter, Ludhiana.
140	Chanan Singh, son of Ram Singh, village Rampur Janjhowal.
141	Hari Chand, son of Pala Ram, village Balauni, district Kangra.
142	Gian Ram, son of Johri Ram, village Mendwa, district Hoshiarpur.
143	Mela Singh, son of Suba Singh, Ferozepur.
144	Thakur Singh, son of Naurang Singh, village Chamiara.

Serial No.	Name of the permit-holder
	JULLUNDUR REGION—*Contd*
145	Dharam Singh, son of Balwant Singh, Ferozepur.
146	Hans Raj Abet, Amb.
147	Ajudhya Dass, son of Munshi Ram, village Dhadsali.
148	Sadhu Singh, son of Natha Singh, village Pandori Biha.
149	Sardara Singh, son of Ram Singh, Jullundur.
150	Paras Ram, Hoshiarpur.
151	Tulsi Ram, son of Darshan Ram, village Bharori.
152	Harbans Singh Mekha, Amritsar.
153	Sohan Lal Ahuja, Gali No. 12, Abohar.
154	Krishen Gopal son of Budhu Ram, Jullundur.
155	Amar Nath, son of Bakhshi Jai Ram, Amritsar.
156	Charanjit Singh, son of Ganda Singh, Jullundur Cantt.
157	Suraj Goods Carrier (P.) Limited, Amritsar.
158	Ranjit Singh, son of Amrik Singh, Jullundur.
159	Messrs Bhagat Singh-Sarwan Singh, Hoshiarpur.
160	Puran Singh, son of Baggu Mal, Jullundur.
161	New Jolly Goods Transport Company (Private) Limited, Amritsar.
162	Harchand Singh, son of Arjan Singh, Ferozepore.
163	Maharaj Krishan Mehta, Hoshiarpur.
164	Mehr Bakshi Ram, son of Khaiya Ram, village Bari.
165	Iqbal Singh, son of Kehar Singh, village Kiryam.
166	Harcharan Singh Jolly, Amritsar.
167	Gurmukh Singh, son of Ditta Ram, village Bajwara Khurd.
168	Messrs Krishan Dev-Nanak Chand, village Sanauran.
169	Northern India Co-operative Transport Society, Jullundur.
170	Messrs Roop Lal-Bhim Sain, Hoshiarpur.
171	Shrimati Amar Kaur, Jullundur.
172	Banta Singh, son of Dya Singh, village Katra Chucharui.
173	Darshan Singh, son of Gurdit Singh, village Kahlon.
174	Sumand Singh, Hide Market, Amritsar.
175	Amar Singh Jathedar, village Dadhowal.
176	Messrs Kangra Co-operative Transport Society, Limited, Kangra.
177	Gajinder Singh, son of Gopal Singh, village Thana.
178	Pritam Singh, son of Banta Singh, Ludhiana.
179	Darshan Singh, son of Ganesha Singh, Hoshiarpur.
180	Ram Singh, son of Avtar Singh, village Kang.
181	Durlabh Singh Jolly, Amritsar.
182	Messrs Jagat Singh-Partap Singh, Hoshiarpur.
183	Guran Ditta, C/o Himalaya Transport Service, Amritsar.
184	Gurdit Singh, son of Baiju Ram, village Sehuni.
185	Chiranji Lal Chopra, Hamirpur.
186	Comrade Jaswant Singh, Hoshiarpur.
187	Shri Bansi Lal, son of Luturia Ram, Hamirpur (Kangra).
188	Shri Bhan Singh, son of Uttam Singh, Amritsar.
189	Shrimati Pritam Kaur, wife of Karam Singh, Moga (Ferozepur).
190	Shri Jaswant Singh, son of Sadhu Singh, Jullundur.
191	Shri Subbey Ram, son of Mehtab Ram, Kapurthala.
192	S. Balwant Singh, son of Sadhu Singh, Jullundur City.
193	S. Kartar Singh, son of Harnam Singh, Railway Road, Phagwara.
194	Shri Lakhmi Singh, son of Harnam Singh Banga (Jullundur).
195	Shrimati Vishan Devi, wife of Late Capt. Baldev Singh, Jullundur.
196	S. Amar Singh, son of Santa Singh, Hoshiarpur.
197	Shri Gopal Singh, son of Ganga Ram, Ambala Cantt.
198	Shri Goverdhan Lal, son of Faqir Chand, district Kangra.
199	Shri Harnam Singh, son of Naranjan Singh, village Mand, Hoshiarpur.
200	Shri Surjit Singh, son of Gurdial Singh, Jandiala, district Jullundur.
201	Messrs Durga Charan-Avtar Singh, Jullundur.
202	Shri Manta Singh, Tarn Taran, District Amritsar.
203	Shri Jaswant Singh, son of Punjab Singh, Jullundur.
204	Shri Hans Raj Sharma, son of Panju Ram, Hoshiarpur.
205	Bhagat Singh, son of Dogar Singh, Jullundur City.
206	Shri Ram Nath, son of Narain Dass, Hoshiarpur.
207	Shri Gurbax Singh, son of Ganda Singh, Hoshiarpur.

Serial No.	Name of the permit-holder
	JULLUNDUR REGION—CONTD
208	Shri Faqir Chand, Ex-M.L.A., Batala Road, Amritsar.
209	Shri Nathu Ram, son of Achru Ram, Palampur, Kangra.
210	Shri Dilbag Singh, son of Sant Singh, Ludhiana.
211	Shri Jagan Nath, son of Ram Dass, Batala, District Gurdaspur.
212	Shri Santa Singh, son of Sawan Singh, Tehsil Nakodar, District Jullundur.
213	Shri G.C. Sehgal, son of Shankar Dass, Secretary, Punjab Motor Union, Punjab, Chandigarh.
214	Shri Avtar , son of Darbara Singh, Tarn Taran (Amritsar).
215	Shri Nika Ram, son of Dula Ram, village and post office Muhal (Kangra).
216	Shri Pakhar Singh, son of Kabal Singh, Jullundur.
217	Sud and Co., Limited, Akhara Bazar, Kulu .
218	Sud and Company, Limited, Akhara Bazar, Kulu.
219	Sud and Company, Limited, Akhara Bazar, Kulu.
220	Sud and Company, Limited, Akhara Bazar, Kulu.
221	Sud and Company, Limited, Akhara Bazar, Kulu.
222	Shrimati Satwant Kaur, daughter of Balwant Singh, Jullundur City.
223	Shri Sant Ram, son of Phuman Ram, Una, district Hoshiarpur.
224	Shri Bal Raj, Sarpanch, village Palai, district Hoshiarpur.
225	Shri Bal Krishan, son of Kanahya Ram, Amritsar.
226	Shri Ranbir Dev, son of Jetha Nand, Amritsar.
227	Shri Dhani Ram, son of Brij Lal, Hoshiarpur.
228	Shri Jiwan Singh, Hoshiarpur.
229	S. Jagdish Pal, son of M.L. Sapru, Ramnagar, Hoshiarpur.
230	Shri Hari Ram, son of Mangat Rai, District Hoshiarpur.
231	Shri Bhupinder Singh, son of Wazir Singh, Ludhiana.
232	Doaba Co-operative Flour Mills, Hoshiarpur.
233	Shri Thakar Singh, son of Naurang Singh, District Jullundur.
234	Muktsar Janta Co-operative Transport Society, Limited, Muktsar.
235	Sarvshri Ganga Ram and Shrimati Banti Devi, Son and Widow of Late Shri Duni Chand, Harijan, village and post office Nagrota Bhagwan, district Kangra.
236	Mandi-Kulu Road Transport Corporation, Mandi.
237	Mandi-Kulu Road Transport Corporation, Mandi.
238	Mandi-Kulu Road Transport Corporation, Mandi.
239	Mandi-Kulu Road Transport Corporation, Mandi.
240	Suraj Hill Co-operative Transport Society, Limited, district Kangra.
241	New Suraj Transport Company (Private) Limited, Amritsar.
242	Shri Mehar Singh, son of Pritam Singh, district Hoshiarpur.
243	Rattan Chand Aggarwal, son of Shri Karam Chand, Civil Lines, Jullundur.
244	Shri Hardip Singh, son of Harbans Singh, Jullundur.
245	Shri Balbir Singh, son of Bhag Singh, Jullundur.
246	Shri Bhura Ram, son of Sunder Ram, district Kangra.
247	Shri Ajudhya Dass, son of Munshi Ram, village and post office Badhali district Hoshiarpur.
248	Shri Inderjit Singh, son of Chet Ram, c/o Krishan Chand.
249	Shri Banta Singh, son of Daya Singh, district Ludhiana.
250	Shri Roshan Singh, son of Rulia Singh, district Hoshiarpur.
251	Shri Bawa Singh, son of Inder Singh, Model Town, Hoshiarpur.
252	Shri Harcharan Singh, son of Malik Ram, Amritsar.
253	Shri Gian Chand, son of Rala Ram, district Amritsar.
254	Shri Sohan Lal, son of Shri Jamil Ram.
255	Shri Hari Chand, son of Shri Pala Ram, district Kangra.
256	Shri Mohinder Singh, son of Natha Singh, Sabzi Mandi, Hoshiarpur.
257	Shri Narain Dass, son of Tirath Ram, district Kangra.
258	Shri Darshan Singh, son of Arjan Singh, Hoshiarpur.
259	Shri Sant Ram, son of Phuman Ram, district Hoshiarpur.
260	Shri Asa Ram, son of Brij Lal, Jullundur.
261	Shri Harbans Singh, son of Kahan Singh, district Amritsar.
262	Shri Sat Pal, son of Gian Chand, district Amritsar.
263	Shri Giani Dhaian Singh, son of Hari Singh, Railway Road, Ludhiana.
264	Shri Sadhu Singh, son of Natha Singh, district Hoshiarpur.
265	Suraj Goods Carrier (Private) Limited, Amritsar.
266	Shri Dula Singh, son of Arjan Singh, district Jullundur.
267	Shri Harbans Lal, son of Shri Mohan Lal, district Jullundur.
268	Shri Kundan Lal, son of Shri Malik Chand, Nangal Township.

[Deputy Minister]

Serial No.	Name of the permit holder
	JULLUNDUR REGION—CONTD
269	Messrs Pritam Singh-Charan Singh, Ludhiana.
270	Shri Ajit Singh, son of Banta Singh, village and post office Nakodar, Jullundur.
271	Messrs Basant Singh-Mohinder Singh, Ludhiana.
272	Shri Shadi Singh, son of Chanda Singh, district Ludhiana.
273	Messrs Roop Lal-Bhim Sain, son of Shri Nagetan Ram, district Hoshiarpur.
274	Shri Amar Nath, son of Shri Raghu Ram, district Hoshiarpur.
275	Messrs Bhagat Singh-Sarwan Singh, Hoshiarpur.
276	Shri Jagdish Chander, son of Shri Amri Chand, Banga, Jullundur.
277	Shri Karam Singh, son of Bakhtawar Singh, Moga.
278	Messrs Dhian Sagar-Amritsar Sagar, Moga.
279	Surjit Singh, son of Puran Singh, Moga.
280	Messrs Nazir Singh-Bachan Singh, Moga.
281	Shri Lop Singh, son of Sajan, Dharamsala, district Kangra.
282	Shri Gurbachan Singh, son of Malik Ram Jolly, Amritsar.
283	Shri Chanan Singh, son of Rajinder Singh, district Hoshiarpur.
284	Shri Bhulla Singh, son of Rulia Singh, district Jullundur.
285	Shri Dina Nath, son of Shri Sunder Dass, District Kangra.
286	Candian Transport (Private) Limited, Jullundur.
287	Shri Kulwant Singh, son of Mehar Singh, C/o Chadha Motor Transport, Jullundur.
288	Shri Gindhara Singh, son of Midda Singh, Ludhiana.
289	Shri Balwant Singh, son of Shri Sher Singh, Model Town, Ludhiana.
290	Candian Transport (Private) Limited, Jullundur.
291	Messrs Lachman Singh-Inder Singh, Model Town, Ludhiana.
292	Messrs Makhan Singh and Sons, Model Town, Ludhiana.
293	Shri Dharambir, son of Ram Ditta Mal, district Ferozepur.
294	Shri Hans Raj, son of Munsha Singh, General Lorry Stand, district Hoshiarpur
295	Northern India Co-operative Transport Society, Jullundur.
296	Messrs Gian Chand-Shukal Chand, son of Banarsi Dass, Hoshiarpur.
297	Messrs Joginder Singh-Bhagat Singh, Ludhiana.
298	Shri Satinder Pal Singh, son of S. Pritam Singh, Ludhiana.
299	Shri Avtar Singh, son of Bhagwan Singh, Jullundur City.
300	Shri Dilbag Singh, son of Sant Singh, Model Town, Ludhiana.
301	Shri Faqir Chand, Ex-M.L.A., son of Pt. Ram Chand, Batala Road, Amritsar.
302	The Sud and Company, Dalhousie Road, Pathankot.
303	Shri Kishori Lal, son of Shri Tiharu Ram, district Kangra.
304	Shri Harjinder Singh, son of Shri Kalwant Singh, Ferozepur.
305	Hari Singh, son of Shri Kartar Singh, district Ferozepur.
306	Shri Amar Singh, son of Bachan Singh, Moga, district Ferozepore.
307	Shri Kartar Singh, son of Dhana Singh, district Hoshiarpur.
308	Messrs Ram Parkash-Romesh Pal, Mohalla Jagatpura, Hoshiarpur.
309	Shri Bal Krishan, son of Kahnaiya Ram, Amritsar.
310	Messrs Gurnam Singh-Gurchait Singh, district Ludhiana.
311	The Allied Trader and Transport Association, Afgan Road, Hoshiarpur.
312	Messrs Sud and Company, Kulu.
313	Shri Mehar Singh, son of Harnam Singh, district Jullundur.
314	Messrs Ajit Singh-Pritam Singh, son of Labh Singh, district Hoshiarpur.
315	Shri Mool Raj, son of Beli Ram, Batala.
316	Shri Braham Parkash, son of Shri Amin Chand, Jullundur.
317	Shri Gian Singh, son of Avtar Singh, Adarsh Nagar, Jullundur City.
318	Shri Kulwant Rai, son of Amin Chand, Kapurthala Road, Jullundur.
319	Shri Karam Singh, son of Ghanaya Singh, Hoshiarpur.
320	Shrimati Bishan Devi, w/o Late Capt. Baldev Singh, Hoshiarpur.
321	Messrs Beant Singh and Company, Amritsar.
322	Shri Mohan Singh, son of Avtar Singh, Jullundur City.
323	Messrs Joginder Singh-Gurminder Pal Kaur, Deep Nagar, Ludhiana.
324	Shri Sham Sarup, son of Munshi Ram, Nangal Township, Hoshiarpur.
325	Shri Delel Singh, Pacca Bag, Jullundur City.
326	Shri Gurcharan Singh, son of Makhan Singh, Pacca Bag, Jullundur.
327	Shri Hitesh Chand Jain, son of Banarsi Dass, Hoshiarpur.
328	Shri Nachhittar Singh, son of Dalip Singh, Shri Hardyal Singh, son of Sucha. Singh, district Ludhiana.

Serial No.	Name of the permit holder
	JULLUNDUR REGION—CONTD
329	Messrs Phuman Singh-Nirmal Singh, c/o Malwa Bus Service, Moga.
330	Shri Pritam Singh, son of Sunder Singh, district Ludhiana.
331	Shri Niranjan Singh, son of S. Lehna Singh, Amritsar.
332	Sajjan Singh, son of Jassu Ram, Model Town, Jullundur City.
333	Shri Udham Singh, son of Harnam Singh, district Amritsar.
334	New Suraj Transport (Company) (Private) Limited, Amritsar.
335	Shri Hardit Singh, son of Asa Singh, Jullundur City.
336	Shri Manmohan Singh, son of Ajaib Singh, Model Town, Ludhiana.
337	Shri Durga Dass, son of Shri Harnam Dass, Hoshiarpur.
338	Shri Chainta Singh, son of Ram Ditta Mal.
339	Shri Prem Nath Sharma, son of T.R. Sharma, Jullundur City.
340	Allied Transport Association, Afgan Road, Hoshiarpur.
341	Kartar Goods Transport Company, Railway Road, Ferozepore.
342	Shri Bahadur Singh, son of Pal Singh, c/o The United Goods Transport, Moga.
343	Shri Sukh Dev Singh, son of Pritam Singh, district Ludhiana.
344	Shri Prem Singh, son of Sunder Singh, Jullundur City.
345	Shri Ranbir Dev, son of Jetha Nand, Amritsar.
346	Shri Kartar Singh, son of Bakshish Singh, Amritsar.
347	Shri Tilak Raj, son of Shri Chuni Lal, Amritsar.
348	Shri Harbajan Singh, son of Shri Kartar Singh, Jullundur.
349	Shri Roop Narain, son of Mahabir Singh, Jullundur.
350	Shri Kuldip Chand, district Ferozepore.
351	Shri Dharam Singh, district Ludhiana.
352	Shri Kashmiri Lal, son of Lachhman Dass, Ferozepore.
353	Shri Satwant Singh, son of Gurdial Singh, Ferozepur.
354	Shri Mohinder Singh, son of Mehar Singh, Hoshiarpur.
355	Shri Kartar Singh, son of Udhey Singh, Ludhiana.
356	Shri Joginder Singh, son of Dhanna Singh, Ludhiana.
357	Shri Kartar Singh, son of Jodh Singh, Ludhiana.
358	Shri Rajinder Kumar, son of Gian Chand, Amritsar.
359	The Sud and Company, Dalhousie Road, Pathankot.
360	The Sud and Company, Dalhousie Road, Pathankot.
361	Shri Madan Lal, son of Jagan Lal, Ferozepur.
362	Shri Dalip Singh, son of Kehar Singh, Ferozepore.
363	Chaudhri Hira Lal, son of Chaudhri Balmukand, district Ferozepore.
364	Shri Bakhtawar Singh, son of Sher Singh, Ludhiana.
365	Shri Ram Lal, son of Shri Ram Rakha Mal, Jullundur.
366	Shri Resham Singh, son of Banta Singh, Jullundur.
367	Shri Piara Singh, son of Ram Singh, Amritsar.
368	Shri Amar Nath, son of Kharaiti Ram, Kangra.
369	Messrs Beant Singh, and Company, Amritsar.
370	The Allied Trader and Transport Association, Hoshiarpur.
371	Shri Pritam Dass, Batala, district Gurdaspur.
372	Shri Ram Rakha, son of Lachhman Dass, Hoshiarpur.
373	Messrs Chander Bhan-Amar Singh, Jullundur City.
374	Messrs Manohar Lal and Brothers, Pathankot.
375	Messrs Kasturi Lal-Bimal Parkash, Hoshiarpur.
376	Shri Gurdial Singh, district Hoshiarpur.
377	Shri Gurbachan Singh, son of Takhat Singh, Jullundur.
378	Messrs Gauri Shankar, Hoshiarpur.
379	Messrs Puran Singh-Bakhshish Singh, Jullundur.
380	Shri Gian Singh, son of Mathra Dass, Amritsar.
381	Shri Sarwan Singh, son of Nika Singh, Moga.
382	Shri Balwant Singh, son of Thakar Singh, Amritsar.
383	Shri Inder Singh, son of Bhag Singh, Jullundur.
384	Messrs Mehtab Singh-Gurcharan Singh, Ludhiana.
385	Shri Dalbir Chand, s/o Duni Chand, Ludhiana.
386	S. Faqir Singh, son of Narain Singh, Ferozepur Cantt.
387	Messrs Pritam Chand-Dalbir Chand, district Kangra.
388	Harbhajan Singh, son of Lahra Singh, district Hoshiarpur.
389	Shri Des Raj, son of Nihal Chand, Jullundur.
390	Messrs Parkash Nath-Chanan Lal, Jullundur City.
391	Shri Sat Mohan, son of Lal Chand, district Ferozepore.
392	Shri Harbans Singh, son of Gurdial Singh, Moga, district Ferozepore.

[Deputy Minister]

Serial No.	Name of the permit holder
	JULLUNDUR REGION—CONTD
393	Shri Ram Murti, son of Hari Chand of Pathankot.
394	Shri Darshan Singh, son of Sardar Singh, Jullundur.
395	Shri Jagat Singh, son of Mohan Lal, Hoshiarpur.
396	Messrs Agya Ram-Atma Ram, Pathankot.
397	Shri Hans Raj and Shri Som Nath, Jullundur City.
398	Messrs Bir Singh-Basawa Singh, Jandiala, Jullundur.
399	Messrs Mehar Singh-Krishan Singh, district Jullundur.
400	New Suraj Transport Company (Private) Limited, Amritsar.
401	S. Kartar Singh, son of Waryam Singh, Jullundur.
402	Messrs Sadhu Singh-Dalel Singh, Jullundur.
403	Sunder Singh, son of Banta Singh, Ludhiana.
404	S. Ajmer Singh, son of Rattan Singh, district Ferozepore.
405	Messrs Bhagwan Dass-Ram Sarup, Jullundur Cantt.
406	Shri Gurbax Singh-Kabul Singh, Hoshiarpur.
407	Messrs Ram Rachhpal - Sohal Lal, Jullundur City.
408	Shri Sohan Singh, son of Narain Singh, Pathankot.
409	Shri Bachan Singh-Sital Singh, Ludhiana.
410	Shri Jaswant Singh, son of Jawind Singh, Ludhiana.
411	Shri Balwant Singh, son of Ram Singh, Amritsar.
412	Pritam Singh, son of Chattan Singh, Ludhiana.
413	Shri Jagdish Mittar Nanda-Sahib Dayal, Moga.
414	Shri Joginder Singh, son of Ram Singh, Ludhiana.
415	Messrs Arjan Kumar-Sham Singh, Pathankot.
416	Shri Jagdish Kumar, son of Hari Chand, Pathankot.
417	Messrs Arjan Kumar and Brothers, Pathankot.
418	Bakhshish Singh, son of Santa Singh, Ludhiana.
419	Messrs Daulat Singh-Wattan Singh, Jullundur.
420	Shri Malkiat Singh, son of S. Banta Singh, Jullundur.
421	Shri Sant Lal-Dharam Singh, Basti, Ludhiana.
422	Raj Kumar-Walu Ram, Jullundur.
423	Mohan Lal-Dwarka Parshad, Amritsar.
424	Sawan Singh, son of Desa Singh, Amritsar.
425	Didar Singh, son of Amar Singh, Jullundur.
426	Shri Parkash Chand, son of Bhagi Ram, Kangra.
427	Shri Roshan Lal, son of Shri Daulat Ram, Muktsar.
428	Shri Dal Sukh, son of Kheta Ram, Ferozepore.
429	Shri Bahadur Singh, son of Ram Sukh Dass, Ferozepore.
430	S. Harbans Singh, son of Dalip Singh, Jullundur.
431	Shri Sajjan Singh, son of Partap Singh, Hoshiarpur.
432	Shri Ram Parkash, son of Ghape Ram, Hoshiarpur.
433	Shri Harbhajan Singh, son of Kartar Singh, Jullundur.
434	Shri Tarlochan Singh, son of Gurdas Singh, Jullundur.
435	Shri Sarwan Singh, son of Basant Singh, Jullundur.
436	Shri Kartar Nath, son of Mehar Chand, Jullundur.
437	Shri Hazara Singh, son of Ganda Singh, Gurdaspur.
438	Shri Bhagwant Singh, son of Saudagar Singh, Ludhiana.
439	Shri Dayal Singh, son of Saudagar Singh, district Kangra.
440	Shri Sampuran Singh, son of Dharam Singh, district Ludhiana.
441	Shri Hari Singh, son of Kartar Singh, Amritsar.
442	Ex-Capt. Boota Ram, son of Chajju Ram, Hoshiarpur.
443	Shri Munshi Shani, son of Sohne Shah, Pathankot.
444	Shri Balbir Singh, son of Kehar Singh, Moga.
445	Shri Dewan Singh, son of Jai Ram, Jullundur.
446	Shri Jarnail Singh, son of Daya Singh, Amritsar.
447	Shri Sarwan Singh, son of Waryam Singh, Samrala.
448	Shri Darshan Dayal, son of Mulla Singh, district Jullundur.
449	Shri Suresh Kumar, son of Satya Pal, Amritsar.
450	Messrs Balbir Singh, son of Daljit Singh, district Amritsar.
451	Shri Kartar Singh, son of Ajaib Singh, Jullundur.
452	Shri Lekh Raj Grover, Amritsar.
453	Gulzari Lal, son of Mela Ram, Amritsar.
454	S. Jagir Singh, son of Ram Singh, district Amritsar.
455	Harbans Singh, son of Pritam Dass, Gurdaspur.

Serial No.	Name of the permit holder
	JULLUNDUR REGION—CONTD
456	Shri Krishan Mal, son of Raghu Mal, district Hoshiarpur.
457	Mam Chand-Kirpa Dial Jain, district Ludhiana.
458	Gurcharan Singh, son of Himat Singh, district Hoshiarpur.
459	S. Ujagar Singh, son of Pritam Singh, Ludhiana.
460	Shri Bishan Singh, son of Puran Singh, district Jullundur.
461	Mehanga Singh-Charn Singh, district Amritsar.
462	Murari Lal, son of Boota Ram, Ferozepur.
463	Amar Singh, son of Partap Singh, Dasuya.
464	Harjang Singh, son of Bhag Singh, Fazilka.
465	Salakhan Singh, son of Sardara Singh, Moga.
466	Shri Dhani Ram, son of Jamiat Rai, Tarn Taran.
467	Shri Pritam Singh, son of Wazir Singh, Ludhiana.
468	Messrs Sud and Company, Kulu.
469	Messrs Sud and Company, Kulu.
470	S. Gurcharan Singh, son of Methra Singh, Jullundur.
471	Shri Malik Singh, son of Jai Ram Dass, Ludhiana.
472	Mohinder Singh, son of Kehar Singh, Nawanshahr.
473	Shri Gurmez Singh, son of Ujagar Singh, Phagwara.
474	Shri Ghai Singh, son of Bir Singh, Ludhiana.
475	Bhajan Singh, son of Nihal Singh, Samrala.
476	Kartar Singh, son of Isher Singh, Moga.
477	S. Kartar Singh, son of Puran Singh, Moga.
478	Shri Ram Lal, son of Ladha Singh, Ludhiana.
479	Shri Bawa Singh, son of Jaimal Singh, Ludhiana.
480	Shri Kewal Krishan, son of Charanjit Lal, Ludhiana.
481	Shri Thaman Singh, son of Inder Singh, district Ludhiana.
482	Shri Bikram Singh, son of Assa Singh, Pathankot.
483	Iqbal Singh, son of Pritam Singh, Ferozepur City.
484	Shri Jaswant Rai, son of Jai Ram, Ludhiana.
485	Messrs Ram Dutta-Chuni Lal, Ferozepur City.
486	Kharaiti Lal-Des Raj, district Gurdaspur.
487	Messrs Bhakhtawar Singh-Pritam Singh, district Ludhiana.
488	S. Kartar Singh, son of Sarwan Singh, Moga.
489	Messrs Harkaran Singh-Sukhdev Singh, Ferozepur.
490	Shri Lachman Singh, son of Hardit Singh, Ludhiana.
491	S. Nachhatar Singh, son of Mohinder Singh, Moga.
492	Messrs Jagat Ram-Amrik Chand, Moranda.
493	Amrik Singh, son of Puran Singh, district Gurdaspur.
494	Siri Ram, son of Bagha Ram, district Ferozepur.
495	Parkash Singh, son of Sahib Singh, Ludhiana.
496	Shri Prem Nath, son of Sadhu Ram, Pathankot.
497	Shri Bhagat Ram, son of Poham Ram, district Kangra.
498	Shrimati Kamla Devi, daughter of Chaman Lal, Jullundur City.
499	Shri Jagdish Chander Dewan, son of Charanji Lal, Pathankot.
500	Shri Dev Raj, son of Mast Ram, district Hoshiarpur.
501	Shri Joginder Singh, son of Kala Singh, Jagraon.
502	Messrs Rup Lal - Bhim Sain, Hoshiarpur.
503	Kartar Singh, son of Basta Singh, district Hoshiarpur.
504	Parma Nand, son of Lal Chand, district Ferozepur.
505	Thakur Hamit Singh, son of Amar Singh, district Hoshiarpur.
506	Arjan Singh, son of Ganda Singh, district Jullundur.
507	Rajinder Singh, son of Joginder Singh, district Ludhiana.
508	Shankar Dass and Sons, Chandigarh.
509	Shri Ganga Ram, son of Khata Ram, district Ferozepur.
510	Shri Bhag Singh, son of Sher Singh, district Ludhiana.
511	Harbhajan Singh, son of Bishan Singh, district Jullundur.
512	Maghar Singh, son of Natha Singh, district Ludhiana.
513	Messrs Ram Saran-Rattan Chand, district Gurdaspur.
514	Hav.-Major Balwant Singh, son of Ram Singh, district Ludhiana.
515	Lachhman Singh, son of Munshi Singh, Lachhman Singh, son of Inder Singh, Shahkot, district Jullundur.
516	Chet Ram, son of Mall Ram, district Ferozepur.
517	Mewa Singh, son of Naranjan Singh, Khanna.
518	Bishan Dass, son of Nihal Chand, Palampur.

[Deputy Minister]

Serial No.	Name of the permit-holder
	JULLUNDUR REGION—CONCLD
519	Raj Singh, Sardar Singh, son of Sukha Singh, Uttam Singh, Ludhiana.
520	Nachhattar Singh, son of Nahar Singh, Ludhiana.
521	Dan Singh, son of Gopal Singh, district Ludhiana.
522	Gurbax Singh, son of Mehar Singh, Jullundur.
523	Rattan Chand, son of Khushi Ram, Pathankot.
524	Messrs Manohar Lal-Jagasohan Singh, Pathankot.
525	Mani Ram, son of Mota Ram, Fazilka.
526	Ram Chand, son of Guli Ram, Samrala.
527	Shrimati S.R. Khanna, w/o Hans Raj, Jullundur Cantt..
528	Bachhittar Singh, son of Jaila Singh Santok, son of Lal Singh, Muktsar.
529	Joginder Singh, son of Labh Singh, Khanna Mandi.
530	Sohan Singh-Sawarn Singh, Nawanshahr.
531	Chanan Singh, son of Tehal Singh and Shrimati Khem Kaur, w/o Hakam. Singh, Nakodar.
532	Messrs Manali Goods Transport Co. Kulu.
533	Ram Dass Sethi, son of Thakar Dass, Pathankot.
534	Vidya Ram, son of Dasondhi Ram, district Kangra.
535	Sham Lal, son of Chuni Lal, Moga.
536	Shri Satya Parkash, son of Bhagwan Dass, Ludhiana.
537	Harmohinder Singh, son of Ganda Singh, Jullundur.
538	Jagdish Raj, son of Telu Ram, Nawanshahr.
539	Shrimati Swaran Kaur, w/o Avtar Singh, Jullundur.
540	Joxa Ram, son of Bangali Ram, district Kangra.
541	Nem Chand, son of Brij Lal, Raikot.
542	Dina Nath, son of Gokal Chand, Jagraon Mandi.
543	Kirpal Singh, son of Teja Singh, Khanna.
544	S. Ujagar Singh, son of Ram Singh, district Ludhiana.
545	Janak Raj, son of Sohan Ram, district Hoshiarpur.
546	Harbhajan Singh, son of Sampuran Singh, district Ludhiana.
547	Harjinder Singh, son of Gurmit Singh, district Ferozepur.
548	Sohan Singh, son of Gulwant Singh, Nawanshahr.
549	Messrs Sat Narain-Harbans Lal, district Ferozepur.
550	Rukhpal Singh, son of Tehal Singh, Pathankot.
551	Ram Krishan, son of Durga Dass, Hoshiarpur.
552	Harbaksh Singh, son of Bishan Singh, Moga.
553	Shri Parshotam Dass, son of Nathu Ram, Pathankot.
554	Malkiat Singh, son of Budh Singh, Ferozepur.
555	Anoop Singh, son of Tareef Singh, Malout Mandi.
556	Basawa Singh, son of Kabul Singh, Jullundur.
557	Isher Singh, son of Nikka Singh, Khanna.
558	Sikander Singh, son of Bishan Singh, Khanna.
559	Parmjit Singh, son of Mal Singh, Khanna.
560	Ajaib Singh, son of Mehma Singh, Khanna.
561	Joginder Singh, son of Ram Singh, Khanna.
562	Pritam Singh, son of Bishan Singh, Khanna.
563	Mal Singh, son of Partap Singh, Khanna.
564	Ram Murti, son of Hira Nand, Pathankot.
565	Pritam Singh, son of Amar Singh, District Ludhiana.
566	Rajinder Kumar, son of Gian Chand, Amritsar.
567	Teja Singh, son of Bhagat Singh, Patti.
568	Shri Rajinder Singh, son of Banta Singh, Ludhiana.
	PATIALA REGION
1	Des Raj, son of Paras Ram of Kalka.
2	Om parkash, son of Banarsi Dass, Navatia, Bhatinda.
3	Harnam Singh, son of Amir Singh, Patiala.
4	Gurdev Singh, son of Bakhtawar Singh, Vice-President, Municipality, Barnala.
5	Shri Kundan Lal, son of Dia Ram, C/o Nathu Ram, Achar Bazar, Patiala.
6	Balwant Singh, son of Hardit Singh, Patiala.

Serial No.	Name of the permit holder
	PATIALA REGION—CONCLD
7	Gurcharan Singh, C/o Patiala Bus Service, Patiala.
8	Isher Dass, son of Sawan Mal, Municipal Committee, Patiala.
9	Brij Lal, son of Jagan Nath of Badho Mandi, district Bhatinda.
10	Messrs Brij Lal-Kewal Krishan and Ved Parkash of Bhucho Mandi.
11	Surjit Singh, son of Harnam Singh, Patiala.
12	Asa Singh, son of Karam Singh, Nabha.
13	Gurdit Chand Gopal, son of Pt. Jagdish Ram, Nai Abadi, Malerkotla.
14	Shri Gian Singh, son of Isher Singh, Ragho Majra, Patiala.
15	The Mahabir Transport Society, Kothapur.
16	The Mahabir Transport Society, Kothapur.
17	Gurcharan Singh, son of Waryam Singh, Malerkota.
18	Harbhajan Singh, son of Jagir Singh of Malerkotla.
19	Jagir Singh, son of Chittar Singh, Dhuri.
20	Jagir Singh, son of Isher Singh, village Sultanpur, Malerkotla.
21	Charan Singh, son of Manak Singh, Patiala.
22	Harmehar Singh, son of Hazara Singh, Bassi,
23	Pritam Singh, son of Dalip Singh, Patiala.
24	Des Raj Bansal, son of Nand Ram, Kotkapura.
25	Messrs Malkiat Singh-Jagvinder Singh, Malerkotla.
26	Kaka Ram, son of Bhagwan Dass, Narwana.
27	Sarvshri Karam Singh-Charan Singh of Patiala.
28	Raunaq Singh, son of Shri Kirpa Singh, village and post office Sheedgarh, Patiala.
29	Surjit Singh Dhillon, son of Gurdial Singh, Sangrur.
30	Shri Surjit Singh, son of Amar Singh, village and post office Rajpura, district Patiala.
31	Rajinder Parshad, son of Ram Nath Sharma, of Nabha.
32	Gurbachan Singh, son of Harnam Singh, C/o Kartar Goods Transport, Rajpura.
33	Nanak Singh, son of Lakha Singh, G.T. Road, Rajpura, C/o Mathur Singh.
34	Rawel Singh Sehgal, son of Piara Singh, Mohalla Rup Chand, Patiala.
35	Messrs Amar Singh and Co., Registered, Patiala.
36	Jaimal Singh, son of Anar Singh, Patiala.
37	Tarlok Singh, son of Kalyan Singh, Bahera Rao, Patiala.
38	Shri Jagan Nath, son of Ganga Ram, G.T. Road, Rajpura.
39	Shri Prem Dass, son of Devi Ditta Mal, Bhatinda.
40	Darshan Singh, son of Teja Singh, Sheran Wala Gate, Patiala.
41	Lt.-General Gurdial Singh, son of Buchittar Singh, Patiala.
42	Manak Singh, son of Ishar Singh, Patiala.
43	Gurcharan Singh, son of Mehma Singh, village Gazipur, district Patiala.
44	Jaswant Singh, son of Ram Singh of Patiala.
45	Harbans Singh, son of Kirpal Singh of village Dod, district Bhatinda.
46	Shah Bhag Singh, son of Bir Singh of Faridkot.
47	Balwant Singh, son of Karam Singh, village and post office Ahmedgarh, tehsil Malerkotla.
48	Shri Ajit Singh, Driver, son of Hari Singh of Patiala.
49	Shri Mohinder Singh, son of Chand Singh, G.T. Road, Rajpura.
50	S. Tarlochan Singh-Naranjan Singh of Bassi Pathana.
51	Ramji Dass-Raja Ram of Mansa.
52	Shri Sant Singh, son of Gurnam Singh of Rajpura.
53	Messrs Mohinder Singh-Ishar Dass of Patiala.
54	Shri Kewal Krishan, son of Piara Lal, of Samana.
55	Messrs Chowdhary Stone Crushing and Supplies, Kalyan.
56	Shri Siri Ram, son of Gian Chand, G.T. Road, Rajpura.
57	Shri Om Parkash, son of Jiwa Ram of Doraha Mandi.
58	Kanshi Ram, son of Ratti Ram of Badhwana, district Mohindergarh.
59	Shri Ishar Singh, son of Randhir Singh of Doraha Mandi.
60	Girdhari Singh, son of Maya Ram of village Kheri, Tehsil Narwana.
61	Chandan Kaur, w/o Sub. Lal Chand, village and post office Sonepat, district Patiala.
62	Shri Megh Raj Goyal, son of Gondi Ram, Rampura Phul.
63	Mohinder Singh, son of Hari Singh, Ragho Majra, Patiala.
64	Jaimal Singh Keebri, son of Darbari Singh, C/o Premier Bus Service, Patiala.
65	Jathedar Diwan Singh, son of Murli Singh of Patiala.
66	Gurdev Chand, son of Pt. Jagdish Ram of Malerkotla.
67	Harnam Singh, son of Mehar Singh, Ajit Nagar, Patiala.

श्री अध्यक्ष: यह इतना लम्बा चौड़ा जवाब है कि महकमा ने तैयार करने में एक हफ्ता लगा होगा और फिर पूछा गया है एक starred question के तौर पर और पूछने वाले मैम्बर हाज़िर भी नहीं। (The reply to this question is so lengthy that it must have taken the Department a week to prepare it, and then this has been tabled as a starred question. Now the hon. Member giving notice of it is not present in the House to put it.)

सिंचाई मन्त्री: जनाब, कई बार जवाब दे चुका हूं; lists दी हैं, मगर निकलता कुछ नहीं।

श्री अध्यक्ष: Members काफी होशियार हो गए हैं और थोड़ा बहुत बदल कर सवाल करते हैं। (The hon. Members have become quite adept in putting the same question in a slightly different form.)

COMPLAINT AGAINST PUNJAB ROADWAYS PASSENGER SERVICES

*6968. **Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total number of complaints made by the Passengers who travelled in buses run by the Punjab Roadways received by Government during the period from January 1, 1960 to December 31, 1960 ;

(b) the procedure adopted for the disposal of the complaints mentioned in part (a) above ?

Rao Birendar Singh : (a) 47.

(b) The complaints are looked into by the officers of the Department and the complainant contacted for evidence, where necessary. The results of the enquiries held are communicated to the parties concerned.

ENCOURAGEMENT OF SPORTS AND GAMES IN THE STATE

*6967. **Sardar Rajinder Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the steps taken by the Government to popularize games and Sports during the last year ?

Rao Birendar Singh : Apart from extending grants to the voluntary sports organisations/ institutions for organising sports Meets, Tournaments and participation in National Competitions, the following activities were also undertaken by the Government for the encouragement of sports during the year 1959-60 :—

(1) financial assistance for setting up of 81 playgrounds in rural areas and educational institutions ;

(2) formation of Shooting Clubs and extending of financial assistance for their activities;

(3) Organisation of Coaching Camps, in the major items of the games like Football, Hockey, Athletics etc., for imparting training in their latest techniques to the promising sportsmen;

(4) setting up of a Boat Club at Chandigarh with a fleet of boats to encourage acquatic sports.

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਚੰਗੇ ਖਿਲਾੜੀਆਂ ਨੂੰ ਵਜ਼ੀਫ਼ੇ ਦੇਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫੀਸਾਂ ਮਾਫ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਰਖਦੀ ਹੈ?

सिंचाई मन्त्री : अभी बहुत सी तजवीजें under consideration हैं। वज़ीफे देने की बात अभी तय नहीं हुई।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਆਇਆ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਿਸੇ Hockey Association ਨੂੰ, ਇਸ game ਨੂੰ popularise ਕਰਨ ਲਈ ਰੁਪਿਆ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ?

मन्त्री : हां जी, दिया गया है ।

CONSTITUTING PRESS ACCREDITATION COMMITTEE

***6971. Sardar Rajinder Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to constitute a Press Accreditation Committee in the State having representatives of the Punjab Working Journalists Union on it ; if so, the time by which the said Committee is expected to be constituted ?

Sardar Partap Singh Kairon : (a) Yes.

(b) As soon as the new Press Advisory Committee is constituted and personnel finalised.

MIGRATION OF RAI SIKHS, ETC. TO U.P. AND OTHER PLACES

***7050. Sardar Gurmit Singh 'Mit':**—Will the Chief Minister be pleased to state whether he is aware of the fact that Rai Sikhs and Kamboj Communities residing on the Indo-Pakistan border are leaving for Alwar, Nainital, U.P. etc., due to unemployment, waterlogging and failure of crops in the border area ; if so, the measures proposed to be adopted by Government to check this migration ?

Prof. Yashwant Rai : (Deputy Minister) : (i) There is no such migration.

(ii) Does not arise.

GRANT OF LOANS AND GRANTS FOR HOUSES TO RAI SIKHS ETC. IN FAZILKA AND FEROZEPUR TEHSILS

***7051. Sardar Gurmit Singh 'Mit'** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to give loans and free grants for building pucca houses to the Rai and the KambojSikhs residing in the border areas of tehsils Fazilka and Ferozepur ; if so the details thereof ?

Prof. Yashwant Rai (Deputy Minister) : (i) No.

(ii) Question does not arise.

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ' : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜਾਣਦੇ ਹੋਏ ਕਿ ਸੈਲਾਬ ਨਾਲ border ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਕਾਨ ਗਿਰ ਰਹੇ ਨੇ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੋਈ ਕਦਮ ਉਠਾਇਆ ਹੈ ?

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਸੁਣਿਆ ਨਹੀਂ । (I have not been able to hear what the hon. Member has asked.)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ' : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਸਾਰੇ border ਤੇ ਜੋ ਸੈਲਾਬ ਨਾਲ ਸਾਰੀ ਆਬਾਦੀ ਦੇ ਮਕਾਨ ਗਿਰ ਰਹੇ ਨੇ, ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਮਦਾਦ ਦੇਣ ਲਈ ਕੋਈ ਕਦਮ ਉਠਾਇਆ ਹੈ ?

उप-मंत्री : इस के लिये आप separate notice दें ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ' : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਤੇ scheduled castes ਨੂੰ ਮਕਾਨਾਂ ਲਈ ਜੋ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਛੇ, ਛੇ ਸੋ ਰੁਪਏ ਦੀ grant ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਕੀ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਗਰਾਂਟ ਰਾਏ ਸਿਖਾਂ ਤੇ ਕੰਬੋਜਾਂ, ਜਿਹੜੇ ਕਿ backward classes ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ, ਨੂੰ ਵੀ ਦਿੱਤੀ ਹੈ, ਜਾਂ ਦੇਣ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਰਖਦੀ ਹੈ ?

उप-मंत्री : मकानों के लिये सरकार scheduled castes को तो पैसे देती है लेकिन backward classes को नहीं देती ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ' : ਕੀ Low-income Housing Scheme ਦੇ ਤਹਿਤ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਕਰਜ਼ੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ ?

उप-मंत्री : इस के लिये भी आप separate question का notice दें ।

CASES OF AKALI UNDER TRIALS IN KAPURTHALA JAIL

***6548. Sardar Avtar Singh** :—Will the Chief Minister be pleased to State—

(a) whether any Akali under-trial prisoners lodged in Kapurthala Jail were produced before any Magistrate on 6th December, 1960 ; if so, their names, the dates of their arrests and the provisions of law under which they were arrested ;

(b) the dates on which the prisoners mentioned in para (a) above were produced before the Magistrates since they were arrested and the details of the proceedings against them on each of these dates ;

(c) whether any evidence was produced against the said pri soners during the period of their arrest ; if so, when ; if not, the r asons ther for ;

(d) the time by which cases against the said prisoners are expected to be finalised ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) to(d) Yes. their names and other information is given in the statement laid on the Table.

[Deputy Minister]

Statement regarding cases of Akali undertrials in Kapurthala Jail

(a) *whether any Akali undertrial prisoners lodged in Kapurthala jail were produced before any Magistrate on 6th December, 1960 ; if so, their names, the dates of their arrest and the provisions of law under which they were arrested*			(b) *the dates on which the prisoners mentioned in part (a) were produced before the Magistrate since they were arrested and the details of the proceedings against them on each of these dates*		(c) *whether any evidence was produced against the said prisoners during the period of their arrest, if so, when, if not, the reasons therefor*	(d) *the tin by which c against the sai prisoners are expected to be finalised*
Names	Date of arrest	Provisions of law under which arrested	Date	Details of proceedings		
1. Atma Singh, M.L.A., s/o S. Jhanda Singh			5-11-60	Remanded to judicial custody upto 16th November, 1960	Prosecution witnesses were present on 5th December, 1960, 20th December, 1960 and 21st December, 1960 but they could not be examined due to reasons given in (b)	Case against 14 Akalis was withdrawn on 10th January, 1961 and against S. Atma Singh, M.L.A. on 1st February, 1961
2. Manohar Singh, s/o Jiwan Singh			16-11-60	Challan was presented in court of A.D.M. Kapurthala and case adjourned to 21st November, 1960 for framing charges against the accused		
3. Narain Singh, s/o Hari Singh			21-11-60	Accused were charged under section 6 (1) Punjab Criminal Law (Amendment) Ordinance, 1960, and the case adjourned to 5th December, 1960 for prosecution evidence		
4. Amarjit Singh, s/o Dharat Singh						
5. Darshan Singh, s/o Atma Singh	5-11-60	6 (1) Punjab Criminal Law (Amend-	5-12-60	2 P.W.s were present but accused filed an application for regular identification parade		

6. Hari Singh, s/o Malla Singh	ment) Ordinance, 1960	6/7-12-60	Arguments were advanced in connection with identification parade application, which was rejected by A.D.M. on 7th December, 1960. The case was adjourned for prosecution evidence on 20th December, 1960
7. Darshan Singh, s/o Jagat Singh			
8. Mangal Singh, s/o Amar Singh			
9. Jagga Singh, s/o Khem Singh		20-12-60	2 P.W.s were present, but Manohar Singh accused was in hospital and thus case was adjourned to 21st December, 1960
10. Piara Singh, s/o Santa Singh			
11. Lachman Singh, s/o Chanan Singh		21-12-60	Accused filed an application for transfer of case and the case was adjourned to 5th January, 1961
12. Baldev Singh, s/o Krishan Singh			
13. Hari Singh, s/o Kehar Singh		5-1-61	Case adjourned to 19th January, 1961
14. Pritam Singh, s/o Bahadur Singh		10-1-61	Case against all, except Shri Atma Singh, M.L.A., withdrawn
15. Nand Singh, s/o Jawala Singh		19-1-61	Case adjourned to 1st February, 1961
		1-2-61	Case against Shri Atma Singh, M.L.A., withdrawn

ARREST OF WOMEN AT KAPURTHALA ON 5TH JANUARY, 1961

*6657. **Sardar Atma Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the names of women arrested at Kapurthala on 5th January, 1961 in connection with the Punjabi Suba movement together with the section of the Cr. P.C. under which they were arrested and the time of their arrest ;

(b) whether the women referred to in part (a) above violated any ban at Kapurthala on the said date,

(c) whether the said arrests were made by the women police ;

(d) the name of the jail in which the arrested women were kept and the time when they were taken to that jail ;

(e) whether the said women prisoners were served any meals in the Kotwali Kapurthala before their transfer to the jail ; if so the amount spent in this connection ;

(f) whether any women police accompanied the said women to the jail ; if not, the reasons therefor ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) A statement giving the requisite information is laid on the Table.

(b) No. They had instigated others for violation of section 144 Cr. P.C. promulgated at Amritsar which was an offence under the Punjab Criminal Law (Amendment) Act, 1960.

(c) No.

(d) The arrested women were first lodged in Kapurthala jail but were later on taken to Ludhiana jail, there being no female accommodation in Kapurthala jail. They left Kapurthala at 8 p.m. reaching Ludhiana at 12 night on 5th January, 1961.

(e) (i) Yes.

(ii) Rs. 3.50 nP.

(f) No, because no women police was available in Kapurthala district.

STATEMENT

List of women arrested at Kapurthala on 5th January, 1961 togetherwith the offence under which they were arrested and the time of their arrest.

Serial No.	Name	Section of law under which arrested	Time of arrest
1.	Shrimati Mehtab Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib	Section 6 (1) of Punjab Criminal Law (Amendment) Act, 1960	3.30 P.M.
2.	Shrimati Sant Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib		
3.	Shrimati Kartar Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib		
4.	Shrimati Amarjit Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib		
5.	Shrimati Satnam Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib		
6.	Shrimati Kartar Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib		
7.	Shrimati Prem Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib		
8.	Shrimati Agya Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib		
9.	Shrimati Mohinder Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib		
10.	Shrimat Prem Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib		
11.	Shrimati Narinder Kaur, daughter of Guru Gobind Singh resident of Anandpur Sahib		

MURDER OF SCHOOL MISTRESS OF HOSHIARPUR IN TRAIN

***7028. Shri Balram Dass Tandon :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the date of murder of the school mistress of Hoshiarpur in a train ;

(b) the names and designations of the officers of the Police Department, who were appointed for the investigation of the said case from time to time and the name of the officer investigating the case at present ;

(c) the stage at which the investigation of the said case is at present ?

Shri Harbans Lal (Deputy Minister) : (a) 22nd November, 1958.

(b) A statement showing the requisite information is laid on the Table. The case is under investigation with Pandit Bakhshi Ram, Sub-Divisional Inspector, Government Railway Police, Jullundur, at present.

(c) Still under investigation.

List of Officers and NGOS who investigated the Harjit Kaur Head Mistress Murder case, GRPS, Jullundur.

1. Shri Faqir Chand, SHO/GRP, Jullundur.
2. Shri Joginder Singh Dulat, S.D.O./G.R.P., Ferozepore.
3. Shri Tara Singh, A.S.I./G.R.P.

[Deputy Minister]

4. Shri Jai Dyal, Inspector, C.I.A./G.R.P.
5. Shri Harbans Lal, S.I./G.R.P.
6. Shri Khushal Singh, S.I./G.R.P.
7. Shri Chhotu Ram, A.S.I./G.R.P.
8. Shri Pritam Singh, S.D.I./G.R.P., Jullundur Cantt.
9. Shri Bhag Singh, S.I./G.R.P.
10. Shri Walaiti Ram, A.S.I./G.R.P.
11. Shri Amar Singh, AS.I../G.R.P.
12. Shri Sham Lal, A.S.I./G.R.P.
13. Shri Balbir Singh Cheman, A.S.I./G.R.P.
14. Shri Balbir Singh, A.S.I./G.R.P.
15. Shri Jagir Singh, A.S.I./G.R.P.
16. Shri Ram Kishan, S.I./G.R.P.
17. Shri Udham Singh, Inspector, C.I.A./G.R.P.
18. Shri Banta Singh, S.I./G.R.P.
19. Shri Harbhajan Singh, S.I./G.R.P.
20. Shri Sardul Singh A.S.I., Special Staff, Ludhiana.
21. Shri Chanan Singh, A.S.I./Special Staff, Ludhiana.
22. Shri Bakhshi Ram, S.D.I./G.R.P., Jullundur Cantt.
23. Shri Joginder Singh, Inspector Special Staff, Amritsar.
24. Shri Panna Lal, A.S.I., Hoshiarpur
25. Shri Balbir Singh, A.S.I., Special Staff, Amritsar.
26. Shri Shivdev Singh, A.S.I./ Hoshiarpur
27. Shri Nowal Singh, S.I./District Police.
28. Shri Smitter Singh, Inspector, C.I.D, Amritsar.
29. Shri Shadi Lal, S.I./District Jullundur.
30. Shri Sadhu Singh, S.I./Interrogation Staff, Amritsar.
31. Shri Baboo Ram, S.I./Interrogation Staff, Amritsar.
32. Shri Gurdial Singh, Inspector, Interrogation Staff, Amritsar.

श्री बलराम दास टंडन : क्या डिप्टी मिनिस्टर साहिब यह बताएंगे कि यह investigation कहां तक पहुंची ?

उप मन्त्री : उस हद तक कि कोई नतीजा बरमाद नहीं हुआ ।

चौधरी बलबीर सिंह : जनाब, एक आदमी आदमपुर के थाने में arrest किया गया और बाद में discharge कर दिया गया....

Mr. Speaker : This is no supplementary question.

IRON AND STEEL DISTRIBUTED BY DISTRICT INDUSTRIES OFFICER, PATIALA

***7020. Shri Ram Piara :** Will the Minister for Industries be pleased to state —

(a) the total quantity of iron and steel including G.P. sheets rounds, distributed by the District Industries Officer, Patiala, during the year 1958-59, 1959-60 and 1960-61 ; the names of persons to whom allotments were made and the criteria kept in view for making allotments ;

(b) whether any enquiry or inspection was made by the Industries department in respect of the proper use of the iron and steel mentioned in part (a) above; if so, when and by whom;

(c) whether any cases of misuse of iron and steel by the allottees have come to the notice of the Industries Department ; if so, the names of those who misused and the action, if any, taken in the matter ?

Shri Mohan Lal : The time and labour involved in collecting the information will be incommensurate with the benefit sought to be derived therefrom.

Shri Ram Piara : It is unfair on the part of the Government to say so. So much corruption has taken place. (*interruptions*)

श्री अध्यक्ष : यह क्या है ......

(What is all this ?) The hon. Member should behave properly.

Shri Ram Piara : Sir, I seek your protection.

Mr. Speaker : There is no question of seeking protection.

Shri Ram Piara : The Minister has said that I have made an irresponsible statement. I assume full responsibility for what I have said.

उद्योग मन्त्री : जनाब, कुछ decorum तो होना चाहिए ।

श्री बलराम दास टंडन : जनाब स्पीकर साहिब, पिछली बार भी यह सवाल raise हुआ था और आपने कहा था कि जो सवाल postpone होगा उसके लिए मिनिस्टर साहिब वजह देंगे ।

Mr. Speaker : Yes, it was decided but this is not the way as **Shri Ram Piara** acted in the House.

SUPERSESSION OF MUNICIPAL COMMITTEE, MUKTSAR

***7052. Sardar Gurmit Singh 'Mit' :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether Government received any complaints last month against the Municipal Committee, Muktsar in Ferozepore District ; if so, the details thereof ;

(b) whether it is a fact that the said Municipal Committee has been superseded ; if so, the reasons therefor ?

Prof. Yashwant Rai (Deputy Minister) : (a) No.

(b) Yes. The Committee was incompetent to perform and had persistently defaulted in the performance of duties imposed on it by or under the Punjab Municipal Act, 1911.

ਸਰਦਾਰ ਹਰਗੁਰਅਨਾਦ ਸਿੰਘ : Municipal Committee ਦੇ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋਣ ਦੇ ਕੀ ਕਾਰਨ ਸਨ ?

उप मंत्री (प्रो० यशवन्त राय) : आप Municipal Act उठा कर देख लें तो यह बात साफ हो जाएगी ।

उद्योग मन्त्री : अगर मैम्बर साहिबान को इस बात में दिलचस्पी है तो मैं अर्ज करूं कि इस के लिये काफी वजूहात थीं। एक तो यह कि वहां मीटिंग में मैम्बरान का behaviour एक दूसरे के साथ unruly था। Party faction इतना acute हो चुका था कि बाकायदा तौर पर मीटिंग होना ही मुश्किल हो गया था। फिर जो बजट 1958-59 का कमेटी ने पास किया था वह काफी defective था। इस के अलावा कमेटी की जो duties Municipal staff की तरफ होती हैं उन में भी काफी incompetency जाहिर हुई। E.O. और सैक्रेटरी जो कमेटी के थे उन के बारे में भी misbehaviour और incompetency की इत्तलाह गवर्नमैंट को मिली थी। कमेटी की income बहुत कम हो गई थी जिस का कारण कमेटी में mismanagement था। शहर की sanitation भी बहुत खराब हो चुकी थी।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ unruly behaviour ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਸੀ, ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਪੁਲਿਸ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਹੋਈ ਸੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਪਤਾ ਕਰਕੇ ਦਸਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਅੱਡ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਉ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ' : ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਕਮੇਟੀ ਦੀ income ਘਟ ਹੋ ਗਈ ਸੀ। ਕੀ ਇਸ ਸੰਬੰਧ ਵਿਚ ਕੋਈ figures ਉਹ ਦਸ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗੇ ਕਿ ਵਾਕਈ income ਘਟ ਗਈ ਸੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ general ਤੌਰ ਤੇ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਜੇਕਰ figures ਜਾਣਨੀਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ detail ਮੰਗਵਾਣੀ ਪਵੇਗੀ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ' : ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ "incompetency' ਦਾ reason ਦਿਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਕੀ details ਹਨ ?

ਮੰਤਰੀ : Details ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਜੇ ਕਰ details ਜਾਣਨੀਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਅਲਗ ਨੋਟਿਸ ਦਿਉ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ' : ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ staff ਵਲ ਜਿਹੜੀਆਂ duties ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ discharge ਕਰਨ ਵਿਚ ਵੀ incompetency ਸੀ। ਕੀ ਮੈਂ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਕੀ ਸੀ ?

मंत्री : मुझे मैंम्बर साहिब को बताना पड़ेगा कि यह क्या procedure है। जो शिकायत आती है उस की डिप्टी कमिश्नर की मार्फत enquiry होती है। फिर कमिश्नर किसी कमेटी की supersession के लिये गवर्नमैंट के पास सिफारिश करता है तो उस में सारे reasons दिये होते हैं। अगर आप उन reasons की details जानना चाहते हैं तो separate notice दें, मैं पता कर के बता सकता हूँ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ' : (a) part ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਹੁਣ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈ ਹੈ, ਕਿਹੜੀ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੈ ?

मंत्री : वहां पर लोकल बाडीज़ का Inspector भी inspection करने के लिये जाता है, उस के अलावा Examiner, Local Fund Accounts जो होता है वह inspection करता है। वह अगर कोई खराबी देखे तो रिपोर्ट कर देता है। उस पर भी गवर्नमैंट action ले लेती है।

श्री बलराम दास टंडन : क्या इस केस की रिपोर्ट लोगों की तरफ से आई या Local Body की inspection report पर कार्रवाई की गई ?

मन्त्री : Local Body inspection note पर यह कारवाई हुई।

EMPLOYEES OF THE CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT AT AMRITSAR

***7027. Shri Balram Das Tandon** : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the names of the employees of the Civil Supplies Department posted at Amritsar at present with their designations ;

(b) the duties assigned to each of those mentioned in part (a) above and the date when each of them was posted at Amritsar.

Shri Benarsi Das Gupta Deputy Minister : (a) and (b) A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

Statement showing the names of the employees of the Food and Supplies Department at present working at Amritsar, their designation, duties assigned and the date of posting.

Serial No.	Name and designation	Date of posting at Amritsar	Duties assigned
1	Shri Kehar Singh, District Food and Supplies Controller	14-5-60	Head of Office
2	Shri Lal Chand Sikka, District Food and Supplies Officer	15-4-59	Incharge, Provincial Reserve Work
3	Shri Rade Ram Sharma, Assistant Food and Supplies Officer	1-2-60	Incharge, Distribution and Supplie's Branch
4	Shri Mohinder Singh Cheema, Senior Auditor	30-1-61	Incharge, Accounts Branch

[Deputy Minister]

Serial No.	Name and designation	Date of posting at Amritsar	Duties assigned
5	Shri Bakhshish Singh, Head Clerk	4-11-59	Supervision of work in General Distribution and Supplies Branch
6	Shri Mast Ram, Accountant ..	2-10-60	Accounts work
7	Shri Inderjit Gupta, Junior Auditor	5-9-60	Accounts work
8	Mrs. M. Ingles, Steno typist ..	16-3-49	Type work
9	Shri Gurnam Singh, Head Analyst	14-9-59	Analysis and Inspection of rice samples
10	Shri Naubat Rai, Junior Analyst	30-9-59	Ditto
11	Shri Prem Parkash Mehra, Junior Analyst	30-10-59	Ditto
12	Shri Sham Lal Joshi, Junior Analyst	21-5-60	Ditto
13	Shri Piara Singh, Junior Analyst..	21-11-60	Ditto
14	Shri Gurdev Dutt, Junior Analyst	10-9-60	Ditto
15	Shri Kartar Singh, Inspector, Food and Supplies Enquiry Officer	6-10-59	Internal audit of Amritsar Circle
16	Shri Prithvi Raj Saini, Inspector, Food and Supplies Enquiry Officer	6-5-60	Incharge P. R. Centre, Amritsar for wheat
17	Shri Kirpal Singh, Inspector, Food and Supplies Enquiry Officer	28-4-60	Working in Distribution Branch
18	Shri Gurdev Ram, Inspector, Food and Supplies Enquiry Officer	28-12-59	Working at Provincial Reserve Centre, Amritsar (for rice)
19	Shri Himmat Singh, Inspector, Food and supplies Enquiry officer	11-8-60	Fumigation work
20	Shri Surjit Singh, Inspector Food and Supplies Enquiry Officer	13-7-60	Inspector (Supplies)
21	Shri Madhusudan Lal Kaul, Inspector Food and Supplies Enquiry Officer	7-9-59	Incharge Distribution Branch
22	Shri Surjit Singh, Sub-Inspector, Food and Supplies Assistant Enquiry Officer	10-10-60	To assist the Inspector Supplies
23	Shri Gurcharan Singh Sub-Inspector, Food and Supplies Assistant Enquiry Officer	1-6-60	Rice Procurement Work
24	Shri V. M. Puri, Sub-Inspector, Food and Supplies,/Assistant Enquiry Officer	1-12-60	Provincial Reserve Centre, Amritsar
25	Shri B. S. Sharma, Sub-Inspector, Food and Supplies Asststant Enquiry Officer	8-7-59	Ditto
26	Shri Bakhshish, Sub-Inspector, Food and Supplies Assistant Enquiry Officer	1-7-60	Working in Distribution Branch

Serial No.	Name and designation	Date of posting at Amritsar	Duties assigned
27	Shri Gurnam Chand, Sub-Inspector, Food and Supplies Assistant Enquiry Officer	13-8-60	Working in Distribution Branah
28	Shri Sukhwinderjit Singh, Sub-Inspector Food and Supplies Assistant Enquiry Officer	16-8-60	Ditto
29	Shri Madan Lal, Sub-Inspector, Food and Supplies Assistant Enquiry Officer	2-5-60	Ditto
30	Shri Sat Pal Sharma, Sub-Inspector, Food and Supplies Assistant Enquiry Officer	8-8-59	Provincial Reserve Centre, Amritsar
31	Shri Bhupinder Singh, Sub-Inspector, Food and Supplies Assistant Enquiry Officer	17-8-59	Ditto
32	Shri Madan Lal, Sub-Inspector, Food and Supplies Assistant Enquiry Officer	11-4-60	To assist the Inspector (Audit)
33	Shri Swaran Singh, Clerk ..	13-12-48	Typist
34	Shri Rattan Singh Brar, Clerk ..	8-4-60	Rice Procurement Clerk
35	Shri Janak Raj, Clerk ..	14-5-59	Licensing Clerk, Foodgrain Wheat, Rice, Milling
36	Shri Surat Singh, Clerk ..	13-12-48	Establishment and Pay Bills Clerk
37	Shri Kishan Chand, Clerk ..	23-2-60	Working in Accounts Branch
38	Shri Kharaiti Lal Bhatia, Clerk ..	13-6-60	Diary and Despatch work
39	Shri Harbhajan Singh, Clerk ..	3-4-59	Nazir and Stationery Clerk
40	Shri Ram Sarup, Clerk ..	9-5-60	Working in the Distribution Branch
41	Shri Sarwan Lal Clerk, ..	12-5-59	Working in Accounts Branch
42	Shri Surrinder Singh, Clerk ..	23-2-60	Statistical Clerk
43	Shri Raghunath Sahai, Clerk ..	23-2-60	Working in Distribution Branch for preparation of Ration Cards
44	Shri Rajinder Kumar, Clerk ..	25-2-60	Working in Accounts Branch
45	Shri Tarlok Singh, Daftri ..	1-8-60	Daftri
46	Shri Charan Dass, Peon ..	11-4-51	Attached with District Food and Supplies Controller
47	Shri Paltu Ram, Peon ..	5-7-49	Distribution of Local Dak
48	Shri Budhu Ram, Peon ..	25-9-56	Attached with D.F.S.O./ A. F. S. O.
49	Shri Partap Singh, Peon ..	5-3-49	Office Peon
50	Shri Sadhu Singh, Sweeper-cum-Chowkidar	1-5-59	Sweeper/Chowkidar work

श्री बलराम दास टंडन : क्या मैं पूछ सकता हूं कि इतनी देर से जो मुलाज़म वहां बैठे हैं उन की transfer क्यों नहीं होती ?

उप मन्त्री : Administrative वजह है। (*Laughter*)

श्री बलराम दास टंडन : कौन सी administrative वजह है ?

उप मन्त्री : कोई आदमी अच्छा काम करता हो तो लोगों की मांग होती है कि उसे वहीं रखा जाए।

CULTIVABLE AND UNCULTIVABLE LAND IN THE STATE

***6596. Maulvi Abdul Ghani Dar** : Will the Minister for Revenue be pleased to state the total area of cultivable land in the State, during 1960 and the area out of this that remained uncultivated, seperately, tehsil-wise ?

Giani Kartar Singh : A statement is laid on the Table.

Statement showing the total area of cultibvable land in the State during the year 1960 *and the area that remained uncultivated out of this*

Serial No.	District	Tehsil	Total area of cultivable land during 1960	The area out of this that remained uncultivated
1	Kapurthala ..	(1) Kapurthala	2,49,525	30,517
		(2) Phagwara ..	50,396	4,900
2	Jullundur ..	(1) Jullundur ..	2,29,041	42,818
		(2) Nakodar ..	1,90,645	35,439
		(3) Phillaur ..	1,58,099	4,782
		(4) Nawanshahr ..	1,62,076	27,406
3	Mohindergarh	(1) Narnaul ..	1,85,870	455
			2,11,348	13,372
		(3) Dadri ..	3,24,821	2,080
4	Gurdaspur ..	(1) Batala ..	2,44,221	12,943
		(2) Gurdaspur ..	2,52,527	57,468
		(3) Pathankot ..	1,28,188	22,242
5	Kangra ..	(1) Kangra ..	59,109	6,215
		(2) Nurpur ..	1,03,201	33,

Serial No.	District	Tehsil	Total area of cultivable land during 1960	The area out of this that remained uncultivated
5—*contd*		(3) Dehra	1,02,818	17,146
		(4) Hamirpur	1,42,192	29,444
		(5) Palampur	74,833	1,880
		(6) Kulu	44,377	3,054
		(7) Seraj	41,975	3,987
6	Patiala	(1) Patiala	3,91,354	14,274
		(2) Nabha	1,15,704	4,523
		(3) Rajpura	2,36,065	4,750
		(4) Sirhind	2,93,310	13,209
7	Ambala	(1) Ambala	1,98,455	10,138
		(2) Naraingarh	1,48,705	5,096
		(3) Kharar	1,68,214	9,811
		(4) Rupar	1,19,164	7,117
		(5) Jagadhri	2,04,170	21,670
		(6) Nalagarh	54,715	7,423
8	Amritsar	(1) Amritsar	3,08,461	42,111
		(2) Ajnala	2,10,405	1,02,809
		(3) Taran Taran	3,28,052	40,901
		(4) Patti	2,27,097	48,840
9	Hissar	(1) Hissar	5,31,351	2,851
		(2) Hansi	4,63,063	17,755
		(3) Bhiwani	5,63,587	39,947
		(4) Fatehbad	5,06,517	39,430
		(5) Sirsa	10,07,643	8,636
10	Sangrur	(1) Sangrur	4,95,376	3,135
		(2) Barnala	3,35,571	82
		(3) Narwana	3,33,992	21
		(4) Malerkotla	2,86,445	778
		(5) Jind	2,66,485	427

[Minister for Revenue]

Serial No.	District	Tehsil	Total area of cultivable land during 1960	The area out of this that remained uncultivated
11	Hoshiarpur ..	(1) Hoshiarpur ..	1,71,585	16,084
		(2) Una ..	1,53,331	7,842
		(3) Garhshankar ..	1,84,011	14,972
		(4) Dasuya ..	1,93,546	12,632
12	Ferozepur ..	(1) Ferozepur ..	4,96,229	30,918
		(2) Zira ..	2,80,753	33,803
		(3) Moga ..	3,80,919	24,552
		(4) Muktsar ..	6,15,562	39,710
		(5) Fazilka ..	6,83,648	49,990
13	Ludhiana ..	(1) Samrala ..	1,82,543	6,162
		(2) Jagraon ..	2,26,088	11,407
		(3) Ludhiana ..	2,77,554	11,362
14	Karnal ..	(1) Karnal ..	3,70,393	88,976
		(2) Panipat ..	1,93,810	36,494
		(3) Thanesar ..	2,60,896	55,060
		(4) Kaithal ..	4,36,111	58,961
		(5) Sub-tehsil Guhla ..	1,71,409	29,508
15	Bhatinda ..	(1) Mansa ..	5,02,260	3,634
		(2) Bhatinda ..	7,52,120	8,388
		(3) Faridkot ..	3,30,249	5,569
16	Simla ..	(1) Simla ..	55	55
		(2) Kandaghat ..	35,657	12,892
17	Rohtak ..	(1) Rohtak ..	3,04,865	18,758
		(2) Gohana ..	3,17,004	20,298
		(3) Sonepat ..	2,39,233	23,093
		(4) Jhajjar ..	4,78,369	50,360
18	Gurgaon ..	(1) Gurgaon ..	1,90,138	1,050
		(2) Rewari ..	3,06,210	18,559
		(3) Nuh ..	2,16,186	40,616
		(4) Ferozepur-Jhirka ..	1,66,217	33,613
		(5) Palwal ..	2,00,206	7,457
		(6) Ballabgarh ..	1,19,133	5,257

SUB-REGISTRARS

***6648. Sardar Atma Singh** : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the names of persons who have been appointed as Sub-Registrars in the State during the current year together with the names of places where they are posted ;

(b) the total amount of emoluments earned by them during the said period ?

Giani Kartar Singh : (a) Sarvshri Faqir Chand and Ravel Singh have been appointed as Honorary Sub-Registrars at Amritsar City and Chandigarh respectively.

(b) Rs 3,205.06 and 2,254.21 nP., up to 31st January, 1961, by Sarvshri Faqir Chand and Ravel Singh, respectively.

श्री मंगल सेन: क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि Sub-Registrars appoint करते समय उनकी किस योग्यता का ध्यान रखा जाता है ?

मन्त्री: जिसे योग्य समझा गया उसे लगा दिया गया।

श्री मंगल सेन : मैं ने academic qualifications पूछी हैं ।

श्री अध्यक्ष: यह बात नहीं बनती । (This is not a supplementary question.)

श्री मंगल सेन: स्पीकर साहिब, जो बनती है वह आप बनाने नहीं देते, मैं क्या करूं । (*Laughter*) ।

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਦੋ ਹੀ posts ਖਾਲੀ ਸਨ ਜਾਂ ਹੋਰ ਵੀ ਸਨ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ supplementary ਬਣਦਾ ਨਹੀਂ ਜੀ । (This is no supplementary, please)

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹੋਰ ਵੀ ਦਰਖਾਸਤਾਂ pending ਪਈਆਂ ਹਨ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਇਕ specific ਸਵਾਲ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹੋਰ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਹੀ ਨਹੀ ਹੋ ਸਕਦਾ । (It is a specific question. No other question can arise out of the original question.)

REPRESENTATION AGAINST INCREASE IN STAMP DUTY

***7065. Shri Mangal Sein** : Will the Minister for Revenue be pleased to state whether he has received any representations, deputations or applications against the increase in stamp fees etc., for registration of transfers of lands in rural and urban areas in the State ; if so, the action taken thereon ?

Giani Kartar Singh : *Part First*—Yes.
Part Second—Nil.

'श्री मंगल सेन : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि जो stamp fee बढ़ाई गई है क्या सरकार का इस को कम करने का भी विचार है ?

मुख्य मन्त्री : नहीं, बिलकुल नहीं ।

INSPECTION OF SCHOOLS IN KANGRA DISTRICT

*6692. **Shri Rup Singh 'Phul'** : Will the Minister for Education be pleased to state the number and names of High, Middle and Primary Schools for Girls in Kangra District and the number and names of those amongst them inspected by Assistant District Inspector of Schools and District Inspector of Schools respectively during the current financial year ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) :—

(1)	Girls High/Higher Secondary Schools ..	18
(2)	Girls Middle Schools ..	23
(3)	Girls Primary Schools ..	484
(4)	Schools inspected by District Inspector of Schools	18
(5)	Schools inspected by Assistant District Inspector of Schools ..	7

The names of all the schools are not given because the time and labour involved will not be commensurate with the results to be achieved. A list showing the names of Schools which were inspected by Assistant District Inspector of Schools and District Inspector of Schools during the current Financial year 1960-61 is as follows.

Names of Girls Schools inspected by the District Inspectress of Schools Kangra District Dharamsala during the Financial year 1960-61.

Serial No. *Names of Government Girls Middle Schools*

1 Dhugirari.
2 Norti.
3 Ptuhal.
4 Banni.
5 Gauna.
6 Bijhar.
7 Nadaun.
8 Dari.
9 Nagrota Bhagwan.

Names of Government Primary Schools

1 Kangra.
2 Shahpur.
3 Bharoli Kuhala.
4 Kotla.
5 Tarkwari.
6 Lambloo.
7 Saloh.
8 Malan
9 Daroli.

Names of Government Girls Primary Schools which have been inspected by the Assistant District Inspectress of Schools, Dharamsala during the current Financial year 1960-61

1 Government Girls Primary School, Kangra.
2 Government Girls Primary School, Dhawarna.
3 Government Girls Primary School, Sullah.
4 Government Girls Primary School, Hatwas.
5 Government Girls Primary School, Bergatta.
6 Government Girls Primary School, Manali.
7 Government Girls Primary School, Badali.

श्री रूप सिंह फूल: जितने स्कूल District Inspectress को साले रवां में inspect करने चाहिये थे आया वह inspect किये गए या कि नहीं ?

उप मन्त्री: यह schools D.I.s. नहीं बल्कि A. D. I.s inspect करती हैं ।

Shri Rup Singh Phul : According to the list supplied to me, only 7 schools have been inspected by the Assistant District Inspectress of Schools May I know why she has inspected such a small number of schools ?

उप-मन्त्री : इस की वहज यह है कि इस अरसा में 6 A. D. I.s की जगहें खाली रहीं। अब यह पुर की जा रही हैं। इस लिय यह आयंदा को बाकायदा inspect किये जाया करेंगे ।

श्री रूप सिंह फूल: क्या सब की सब A. D. I.s ले ली गई हैं ?

श्री स्पीकर: यह बात मैं साफ कर दूं कि Government Departments में इतने सवालात जाते हैं कि वहां काफी अबतरी फैल जाती है। मगर जितने भी सवालात जायें उन के जवाबात इन के मुताबिक आने ही चाहियें।

(I want to make it clear that so many questions are put that they create good deal of upsetting in the Government Departments . However, it is expected of the Departments that answers to the questions must be given in time).

GOVERNMENT COLLEGE, HISSAR

***7044. Chaudhri Chander Bhan** : Will the Minister for Education be pleased to state the time by which the buildings of the Government College, Hissar and its Hostel are expected to be ready ?

Shri Yash Pal (Deputy Minister) : Government College, Hissar is already housed in a Government owned building and the question of providing a hostel building is under consideration.

SMALLER DEVELOPMENT BLOCKS IN HILLY AREAS OF THE STATE

***6993. Shri Ram Chandra Comrade**: Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) whether Government have considered any proposal to form development blocks in the hilly areas of the State in small areas with a population of 40,000 people only ; if so, the final decision, if any, arrived at by the Government in this respect ;

[Shri Ram Chandra Comrade]

(b) whether any steps have been taken to reorganise and distribute the block areas in the Hilly areas ;

(c) if the answer to part (b) above be in the affirmative, the number and names of the recognised blocks, with the area and population of each, the amount placed at the disposal of and the staff appointed for each ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) Yes.

(b) Yes.

(c) Two statements are laid on the Table of the House as annexure 'A' and 'B'.

ANNEXURE 'A'

District	Name of Block	Area in acres	Population	Allotment placed during 1960-61	Staff appointed
Kangra ..	Banjar ..	25,429	26,097	184,520	*See* Annexure 'B'
	Bhota ..	63,834	35,036	164,780	
	Shahpur ..	125,854	40,707	112,760	
	Indora ..	Sq. Miles 226	45,999	175,370	
	Barsar ..	91,995	27,063	138,940	
	Bhoranj ..	43,900	46,735	78,850	
	Hamirpur ..	62,351	45,856	132,030	
	Nurpur ..	Sq. Miles 347.6	50,212	127,560	
	Kulu ..	Sq. Miles 842	32,000	114,970	
	Kangra ..	85,008	45,352	167,990	
	Outer Seraj	36,367	37,062	103,685	
	Palampur ..	49,037	43,099	327,990	

District	Names of Block	Area in acres	Population	Allotment placed during 1960-61	Staff appointed
Kangra—*concld*	Dera Gopipur	119,738	47,559	111,010	
	Lambagraon	58,005	44,674	173,830	
	Pragpur ..	115,852	53,198	230,980	
	Nagrota ..	64,446	39,333	Shadow Blocks	
	Baijnath ..	163,284	40,277	Shadow Blocks	
	Mahal Palampur	77,708	41,228	Shadow Blocks	
	Nadaun ..	48,843	38,419	Shadow Blocks	
	Sujanpur ..	50,611	27,225	Shadow Blocks	
	Mangwal ..	81,375	41,251	Shadow Blocks	
	Kharral	Sq. Miles 449	29,000	Shadow Blocks	
Simla ..	Kasauli ..	Sq. Miles 100	29,200	277,650	
	Simla ..	Sq. Miles 107	33,847	231,610	
Gurdaspur ..	Dhar Kalan	85,916	29,364	Shadow Block	

[Deputy Minister]

ANNEXURE 'B'

Staff appointed

Name of the Block	B.D.P.O.	S.E..PO.	Mukhya Sevika	Progress Assistant	Overseer	Steno-Typist	Accoun-tant	Clerk	Gram Sevak	Gram Sevika	Driver	Peon	REMARKS
KANGRA DISTRICT													
1. Banjar ..	1	1	..	1	1	1	1	1	10	..	1	2	
2. Bhota ..	1	1	1	1	1	1	1	1	10	..	1	2	
3. Shahpur ..	1	1	..	1	..	1	1	1	10	2	..	2	
4. Indora ..	1	1	..	1	1	1	..	1	10	1	1	2	
5. Barsar ..	1	1	1	1	1	1	1	1	10	..	1	2	
6. Bhoranj ..	1	1	1	1	1	1	..	1	10	1	1	2	
7. Hamirpur ..	1	1	..	1	..	1	1	1	10	2	1	2	
8. Nurpur ..	1	1	1	1	..	1	1	1	10	1	1	2	
9. Kulu ..	1	1	1	1	..	1	1	1	10	1	..	2	
10. Kangra ..	1	1	..	1	..	1	1	1	10	2	1	2	
11. Outer Seraj ..	1	1	1	1	..	1	1	1	10	..	..	2	
12. Palampur ..	1	1	..	1	..	1	..	1	10	1	1	2	
13. Dera Gopipur ..	1	1	1	1	..	1	..		10	..		2	

14. Lambagraon ..	1	1	..	1	1	1	1	1	10	2	1	2
15. Pragpur ..	1	1	1	1	1	1	1	1	10	1	1	2
16. Nagrota ..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
17. Baijnath ..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
18. Mahal Palampur ..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
19. Nadaun ..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
20. Sujanpur ..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
21. Mangwal ..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
22. Kharral ..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
SIMLA DISTRICT												
23. Kasauli ..	..	1	..	1	1	1	1	1	10	1	1	2
24. Simla ..	1	1	1	..	1	1	1	1	10	..	1	2
GURDSAPUR												
25. Dhar Kalan ..	..	1	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..

श्री राम चन्द्र कामरेड : मैं ने सवाल में दरियाफ्त किया था कि क्या कांगड़ा या पहाड़ी इलाके में छोटे रक्बे के बलाक बनाये जा रहे हैं और क्या उन्हें reorganise करने के लिये सरकार कोई कदम उठा रही है तो इस का जवाब डिप्टी मिनिस्टर साहिब ने दिया कि reorganisation की गई है। लेकिन जो list मुझे मुहैया की गई है उस से पता चलता है कि small areas में 40,000 की आबादी का असूल follow नहीं किया गया। सिर्फ इतना असूल मान लिया है कि वहां पर छोटे छोटे blocks होने चाहियें। मैं दरियाफ्त करना चाहता हूं कि कांगड़ा और दूसरे पहाड़ी इलाकों में blocks की कितनी population होनी चाहिये ?

ਸਮੂਹਕ ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰੀ : Statement ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਵੇਖ ਲਵੋ ਕਿਧਰੇ ਤਾਂ ਆਬਾਦੀ 40,000 ਹੈ, ਕਿਧਰੇ 29,000, ਤੇ ਕਿਧਰੇ 45000 ।

श्री राम चन्द्र कामरेड : मैं यही दरियाफ्त करना चाहता हूं कि जब 40,000 का मियार मुकर्रर किया गया है तो क्या वजह है कि किसी ब्लाक में 27,000, किसीं में 29,000, किसी में 53,000 और कहीं 45,000 आबादी है ?

ਮੰਤਰੀ : Boundary ਬਣਾਉਂਦੇ ਵਕਤ ਵੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਹੜੇ ਕਿਹੜੇ blocks ਹਨ ਜਿਥੇ 40,000 ਆਬਾਦੀ ਨਹੀਂ । ਜੇ ਕਿਸੇ block ਵਿਚ 29,000 ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਵਿਚ ਹੋਰ ਪਿੰਡ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕੁਝ ਦੇਰ ਲਗ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਵੈਸੇ ਮਿਆਰ 40,000 ਦਾ ਹੈ । ਸਾਨੂੰ ਦੇਖਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਦਰਿਆ ਦੀ ਦੂਜੀ ਤਰਫ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਪੈਂਦਾ । ਇਸ ਲਈ ਕਿਧਰੇ 45,000, ਕਿਧਰੇ 35,000 ਤੇ ਕਿਧਰੇ 40,000 ਆਬਾਦੀ ਹੈ ।

श्री राम चन्द्र कामरेड : अभी अभी मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि जहां दरिया रास्ते में पड़ जाता है वह इलाका अलग कर दिया जाता है। क्या इन्दौरा का ब्लाक ब्यास के इलाके के साथ है या मुकेरियां block में है ?

ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਵੇਖਿਆ । ਉਹ ਕਿਸੇ ਪਾਸੇ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ ਹੋਵੇਗਾ, ਇਸ ਲਈ ਲੈ ਲਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ।

राजा रघुबीर सिंह : मिनिस्टर साहिब ने बताया है कि blocks बनाते वक्त geographical strategy का ख्याल रखा जाता है। क्या geographical position ही देखते हैं या population का भी ख्याल रखा जाता है ?

ਮੰਤਰੀ : Population ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਮੈਂ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ 40,000 ਦੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਪਰ ਕਈ ਐਸੇ ਬਲਾਕ ਵੀ ਹਨ ਜਿਥੇ ਆਬਾਦੀ 40,000 ਦੀ ਨਹੀਂ । ਰਾਜਾ ਸਾਹਿਬ ਦੇ block ਦੀ ਆਬਾਦੀ 29,000 ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪਿੰਡ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਾ ਸਕਦੇ ।

श्री राम चन्द्र कामरेड : क्या मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि क्या block ही बनाये जाते हैं या उन के लिये staff भी मुकर्रर किया जाता है ?

ਮੰਤਰੀ : Staff ਵੀ appoint ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਕੋਈ Gram Sevaka ਨਾ ਮਿਲੇ ਤਾਂ ਇਹ ਅਲਗ ਬਾਤ ਹੈ ।

श्री राम चन्द्र कामरेड : स्पीकर साहिब, Annexure में इन्होंने बताया है कि 9 blocks ऐसे हैं जहां B.D.O.s नहीं, मुख्य सेवका नहीं, steno-typists या clerks वगैरा नहीं हैं। मैं जानना चाहता हूं कि ऐसे blocks का क्या फायदा है ?

मंत्री : B.D.O.s सब Blocks में हैं। सिर्फ 9 Blocks ऐसे हैं जिन में से किसी में एक clerk नहीं, किसी में मुख्य सेवका नहीं। इस की वजह यह है कि कई जगहों पर हमें मुश्किल पड़ जाती है। वहां पर Accountant या Lady Social Education Officer जाना नहीं चाहते।

श्री राम चंद्र कामरेड । क्या मैं जान सकता हूं कि यह Annexure ठीक है या गलत है ?

मंत्री : जनाब, इस में लिखा हुआ है कि 7 shadow blocks हैं जिन में सिवाए Panchayat Officers के और कोई भी नहीं है।

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ shadow blocks ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਬਾਰੇ Government ਦੀ ਕੀ policy ਹੈ ?

ਮੰਤ੍ਰੀ : ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ areas demarcate ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਉਥੇ ਸਿਵਾਏ ਇਕ Panchayat Officer ਦੇ ਹੋਰ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

श्रीमती सरला देवी शर्मा : क्या Minister साहिब बताएंगे कि अगर कांगड़े की Graduate लड़कियां Social Education Officers लगने के लिए apply करें तो उन्हें लगा लिया जाएगा ?

मंत्री : हां जी, आप उन्हें कहें apply करने के लिए। हम consider करेंगे और जिन्हें suitable समझेंगे उन्हें लगा देंगे।

राजा रघुबीर सिंह : इन्होंने बताया है कि कई blocks under staffed हैं, in writing दिया है। क्या बताया जा सकता है कि इस हालत में blocks का काम कैसे पूरा होगा ?

श्री अध्यक्ष: यह तो opinion का सवाल है। उन्होंने figures supply कर दी हैं। (This is a question of opinion. He has, however, supplied the figures.)

राजा रघुबीर सिंह: मैं policy की बाबत तो पूछ सकता हूं कि जब blocks function ही नहीं कर रहे तो उस portion की progress कैसे होगी ?

मन्त्री : सब जगह blocks function कर रहे हैं। बाकी staff की फहरिस्त दी गई है। क्या एकाध आदमी कम होने से functioning ही बन्द हो गई ? सब जगह ठीक तरह function कर रहे हैं।

SHIFTING OF OFFICES OF BLOCKS TO VILLAGES

*7037. **Shri Ram Chandra Comrade :** Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) whether Government have issued any instructions that the Block Development Offices in the State be shifted to villages ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether the buildings which have been built out of Community Development funds, in which the said offices are at present located, are intended to be handed over to other Government Departments; if so, on what terms ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) Yes. The instructions are that Block Head quarters should be located in a central place of the block, preferably in a village.

(b) No. These instructions will not apply to cases where block buildings have either been constructed or are in the process of construction.

BLOCK OFFICE BUILDING , NURPUR

*7038. **Shri Ram Chandra Comrade:** Will the Minister for Community Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Sub-Divisional Officer, Nurpur has recommended to the Government through the Deputy Commissioner, Kangra, to shift the Block Office to some village and hand over the Block Office Building to the Education Department ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether Government intend accepting the said recommendation ;

(c) if the answer to part (b) above be in the affirmative, whether Government propose to sanction money for building a new Block Office in some other place ?

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : (a) No.

(b) and (c). Question does not arise.

श्री राम चन्द्र कामरेड : क्या मैं वज़ीर साहिब से दरियाफ्त कर सकता हूं कि उन्होंने D.C. Kangra से इत्तलाह मंगवाई है, S.D.O. नूरपुर से भी ऐसी कोई report आई है या यहीं से जवाब तैयार कर दिया गया है ?

Mr. Speaker : He has already replied to the main question.

श्री राम चन्द्र कामरेड : जनाब, मैं इन के ब्यान को challenge करता हूं । मुझ तो S.D.O. साहिब ने खुद कहा है कि यह recommendation D.C. को भेजी हुई है। क्या मैं पूछ सकता हूं कि इन्होंने D.C. से information मंगवाई है या नहीं ?

अध्यक्ष : वैसे तो correspondence कितने hands से pass होती है। जो जवाब यहां दिया जाता है वही final समझा जाएगा। (Correspondence passes through various hands. The reply given on the floor of the House should be considered as final.)

श्री राम चन्द्र कामरेड : मगर, जनाब, यह facts के खिलाफ है।

BETTERMENT LEVY

*7045. **Sardar Dhanna Singh Gulshan:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the total amount of Betterment Levy realised from the agriculturists in the State, district-wise during the year 1959-60 ?

श्री अध्यक्ष : यह बहुत लम्बा चौड़ा जवाब है और statistical data ही है। ऐसे जवाबों को आप Table पर रख दिया करें। (This is a very lengthy reply consisting of statistical data. It will be better if such replies are placed on the Table of the House.)

उप मन्त्री : तो फिर मैं इसे Table पर ही रख देता हूं।

Shri Dalbir Singh (Deputy Minister) : The reply is long statistical statement.

Serial No.	Name of District		Kharif, 1958	Rabi, 1958-59	Total
			Rs	Rs	Rs
1	Hissar	..	24,76,429.00	37,99,557.00	62,75,986.00
2	Rohtak	..	3,40,427.22	5,82,003.75	9,22,430.97
3	Karnal	..	5,57,418.00	6,00,509.00	11,57,927.00
4	Ambala	..	37,967.00	24,700.00	62,667.00
5	Jullundur	..	1,60,706.51	1,18,749.67	2,79,456.18
6	Ludhiana	..	1,24,748.15	76,553.70	2,01,301.85
7	Ferozepore	..	13,13,524.00	10,70,813.00	23,84,337.00
8	Hoshiarpur	..	2,111.00	661.00	2,772.00
9	Kapurthala	..	17,774.43	7,518.10	25,292.53
10	Patiala	..	3,77,889.99	3,63,903.34	7,41,793.33
11	Sangrur	..	7,10,275.00	12,35,290.00	19,45,565.00
12	Bhatinda	..	13,04,940.00	11,83,785.00	24,88,725.00
13	Mohindergarh	..	52,705.00	1,39,190.00	1,91,895.00
	Total	..	74,76,915.30	92,03,233.56	1,66,80,148.8

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਔਰ supplementaries ਕਲ੍ਹ ਹੋਣਗੀਆਂ ?

श्री अध्यक्ष : हां जी , कल हो सकेंगी । (Yes, the supplementaries can be put tomorrow.)

GROSS AND NET INCOME FROM PUNJAB ROADWAYS

*6594. **Maulvi Abdul Ghani Dar :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the amount of *gross* as well as *net income* derived from the Punjab Roadways during the year 1960 ?

Rao Birendar Singh : 1. Total gross income January to December, 1960 Rs 2,42,79,175

2. Net Income (same period) .. Rs 79,44,304

The above figures are subject to *proforma* adjustments after audit by the Accountant-General, Punjab, which will be conducted after the close of the financial year 1960-61.

MAINTENANCE OF DODGE, MERCEDES AND LEYLAND (VEHICLES)

*6595. **Maulvi Abdul Ghani Dar :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the expenditure incurred on the maintenance of each Dodge, Leyland and Mercedes vehicle of the Punjab Roadways during 1960 and the number of vehicles of each make with the Punjab Roadways ?

Rao Birendar Singh : The statement containing the information is laid on the Table of the House.

Figures of average Annual Expenditure during 1960 on different makes in Government Transport Services

Serial No.	Make	Annual maintenance expenditure per mile with effect from January, 1960 to December, 1960	
		Rs nP.	
1	Units having mainly Dodge fleet	15.03	(including Tyres, Oil and Repair and Renewals)
2	Units having mainly Mercedes fleet	14.05	Ditto
3	Units having mainly Leyland fleet	11.07	Ditto
	Total number of vehicles of each make are		
	Dodge ..	321	
	Mercedes ..	130	
	Leyland ..	111	

DISTANCE BETWEEN AMRITSAR-KHALRA, ETC., BUS ROUTES IN AMRITSAR DISTRICT

***7023. Sardar Gurwaryam Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the distance, in miles, between Amritsar-Khalra, Amritsar-Khem Karan, Amritsar-Harike via Bhikhiwind, Amritsar-Bhikhiwind, Amritsar-Tarn Taran, Amritsar-Patti via Tarn Taran, Khalra-Bhikhiwind, Bhikhiwind-Patti, Patti-Harike and Bhikhiwind-Harike, in district Amritsar together with the rates of bus fare inclusive of passenger tax per mile, charged on each of the said routes, respectively and the reasons for the difference, if any ?

Rao Birendar Singh : The statement containing the information is laid on the Table of the House.

(a) *Statement*

	Name of route	Distance in miles	Fare charge
1.	Amritsar-Khalra ..	30	At the rate of 7 pies per mile per passenger
2.	Amritsar-Khem Karan ..	40	6 pies direct (7 pies stage wise)
3.	Amritsar-Harike *via* Bhikhiwind	46	5 pies direct (7 pies stage wise)
4.	Amritsar-Bhikhiwind ..	24	7 pies direct (7 pies stage wise)
5.	Amritsar-Tarn Taran ..	(15 miles from Hall Gate and 12 miles from Chatiwind)	6 pies direct (7 pies stage-wise)
6.	Amritsar-Taran Taran-Patti	28	(From Amritsar to Tarn Taran 6 pies and Tarn Taran to Patti below 6 pies)
7.	Khalra-Bhikhiwind ..	6	7 pies
8.	Bhikhiwind-Patti ..	13	7 pies
9.	Patti-Harike ..	15	7 pies
10.	Bhikhiwind-Harike ..	22	7 pies

The above fares are exclusive of passenger tax which is charged on the basis of 1/6th of the fare.

(b) There is a difference in fare between various stages on Amritsar-Tarn Taran and Amritsar-Patti routes on the one side and those on Amritsar-Bhikhiwind-Khem Karan and Khem Karan-Bhikhiwind routes on the other side. The difference is due to the fact that the roads in the second case are not as good as Amritsar-Tarn Taran Road, and the private Companies and Punjab Roadways which operate services on Amritsar-Khem Karan, Amritsar-Bhikhiwind-Harike and Khalra-Patti-Harike route charge fare on the basis of 7 pies per seat per mile stage-wise. Amritsar-Tarn Taran with extension up to Patti route lies parallel to the rail and there is also Railway Station at Khem Karan and fare has to be kept as low as possible in order to ensure that traffic does not divert from road to rail. The fare rates vary within the minimum and maximum rates of 6 and 7 pies per mile respectively except for Tarn Taran-Patti portion and Amritsar-Harike *via* Bhikhiwind where the fare is less than 6 pies.

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦਰਿਆਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜੋ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਕਿਰਾਇਆਂ ਦਾ difference show ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਔਰ ਜੋ ਸਵਾਲ ਦੇ part (b) ਦਾ ਜਵਾਬ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ—

> "There is a difference in fare between various stages on Amritsar-Tarn Taran and Amrtisar-Patti routes on the one side and those on Amritsar-Bhikhiwind-Khem Karan and Khem-Karan-Bhikhiwind routes on the other side. The difference is due to the fact that the roads are not as good as Amritsar-Tarn Taran Road............"

ਤੋਂ ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਹਾਂ ਸੜਕਾਂ ਵਿਚ ਫਰਕ ਕੀ ਹੈ ਜਦ ਉਹ ਵੀ ਪਕੀ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਵੀ ਪਕੀ ਹੈ ? ਕੀ material ਦਾ ਫਰਕ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਕਰਾਏ ਵਿਚ ਫਰਕ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ?

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਆਇਆ ਇਹ ਦੋਵੇਂ ਸੜਕਾਂ metalled roads ਹਨ ਜਾਂ ਕੱਚੀਆਂ ਹਨ ?

मंत्री : इस के लिये आप अलग notice दे दें ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਸੜਕ ਖਰਾਬ ਹੈ ਤੇ ਦੂਜੀ ਖਰੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਕ ਸੜਕ metalled ਹੈ ਔਰ ਦੂਜੀ unmetalled ਹੈ?

श्री अध्यक्ष : देखिये, यहां पर खराब और खरी तो बताया नहीं । जो जवाब दिया गया है आप उस को पढ़ें । (In the reply there is no mention of the roads being good or bad. The hon. members should go through the reply to the question.)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਸੜਕ ਤੇ ਬਸ ਦਾ ਕਰਾਇਆ ਘਟ ਹੈ ਤੇ ਕਿਸੇ ਤੇ ਵਧ ਹੈ, ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹਨ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਵੀ ਤਾਂ ਦਸਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਸੜਕ railway line ਦੇ parallel ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਕਿਰਾਇਆ ਘਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤੇ ਜਿਹੜੀ ਸੜਕ railway line ਦੇ parallel ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਉਸ ਦਾ ਕਿਰਾਇਆ ਵਧ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। (But it is also mentioned in the reply that rate of bus fare is less on the road which runs parallel to a railway line than on the road which does not run parallel to a railway line.)

श्री बलराम दास टण्डन : जो reply मिनिस्टर साहिब ने दिया है उस में इन्होंने बताया है कि जहां सड़क खराब है वहां बस के किराये का rate 7 या 6 पाई फी मील है और दूसरी सड़क जो अच्छी है वहां 5 पाई per मील passenger का किराया charge कर रहे हैं। तो मैं पूछना चाहता हूं कि किस basis पर यह फर्क रखा गया है क्योंकि यह दोनों सड़कें तो एक जैसी हैं ?

मन्त्री : स्पीकर साहिब, जैसा कि आप ने फरमाया है वह भी किराये के rate में फर्क होने का एक reason है कि अगर कोई Road railway line के parallel जाती है तो वहां किराया कम रखना पड़ता है क्योंकि वहां road transport का railway के साथ competition होता है। इसी तरह से कई roads पर Punjab Roadways को Private Transport Companies के साथ भी compete करना पड़ता है और कई और चीजों को भी देखना पड़ता है। फिर road transport के लिये 5 पाई per mile minimum rate मुकर्रर है और 7 पाई per mile maximum rate रखा हुआ है और हालात के मुताबिक rates इन दो रेट्स में fluctuate करते रहते हैं। जहां private transporters पांच पाई से ज्यादा rate charge करते हैं वहां Punjab Roadways को भी उस के मुताबिक ही rate charge करना पड़ता है।

(सरदार गुरबरियाम सिंह supplementary पूछने के लिये उठें)

श्री अध्यक्ष : देखिये, मैंने आप को सब से पहले supplementary पूछने का chance दिया था लेकिन आप ने उस वक्त कोई supplementary नहीं पूछा। मैं हमेशा उस मैम्बर को जिस का सवाल होता है supplementary पूछने का सब से पहले chance देता हूं। आप को भी chance दिया था लेकिन आप ने उस वक्त कोई supplementary पूछा नहीं। (The hon. Member did not ask any supplementary even though I had given him the first opportunity to ask supplementaries. I always allow that hon. Member the first opportunity to ask supplementaries in whose name that question stands. I had also given a similar chance to the hon. Member but he did not avail of it.)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ....

Mr. Speaker : Further supplementaries may be asked tomorrow.

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

FLOOD RELIEF IN THE FORM OF TACCAVI ETC. GIVEN IN SANGRUR DISTRICT

3486. Sardar Rajinder Singh : Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the total amount spent by Government in Sangrur District for providing relief in the form of taccavi loans, subsidies, grants and loans for the repairs of houses, gratuitous relief for food, loans or grants for seed, free wheat and medicines, separately, from the date of the start of flood relief measures in 1960 to date ;

(b) the total loss estimated by Government due to heavy rains and flood in the said district in 1960 ;

(c) the name of the worst affected town in Patiala Division where damage to houses was heavy due to floods in 1960 ?

Giani Kartar Singh : (a) Expenditure incurred upto 28th February, 1961 is as under :—

		Rs
1	House repair loan in rural areas ..	47,67,530
2	House repair loan in urban areas ..	9,97,050
3	Seed, fodder and cattle loan ..	58,57,206
4	House repair grant ..	5,49,540
5	Gratuitous relief for food ..	5,69,177·01
6	Other expenditure for transport etc. ..	49,604.21
7	Wheat-seed on concessional rate ..	2,18,809 Mds
8	Gram-seed on concessional rate ..	78,112 Mds 25 seers
9	Free wheat ..	3,21,262 Mds
10	Medicines ..	List follows

(b) Damage caused by heavy rains and floods in 1960 :—

Crops	Property	Cattle No.	Cattle Value	Human lives lost No.
Rs 6,39,30,554	Rs 79,51,528	128	Rs 31,737	2

(c) Sangrur, Dhanaula, Longowal and Nabha.

Medicines distributed during the floods of 1960.

1	Av-loclor tablets ..	6,750	tablets
2	Camaginne tablets ..	4,000	tablets
3	Paludrine tablets ..	4,960	tablets
4	Entromycine caps ..	700	caps.
5	Sulphaguanadine tablets ..	41,800	tablets
6	Sulphadiazine tablets ..	13,000	tablets
7	Sulphamezathine tablets ..	15,000	tablets

8	Quinine sulph. tablets	..	4,000 tablets
9	Paludrine tablets	..	3,000 tablets
10	Pamaquinne tablets	..	5,000 tablets
11	Salphthalazol tablets	..	2,000 tablets
12	Asprine powder	..	2 lbs.
13	Avil tablets	..	1,000 tablets
14	Enteroviofom tablets	..	2,000 tablets
15	Skimned milk	..	486 lbs.
16	Gammaxine 50 per cent (W.D.)	..	10 Cwt.
17	Cholorophenicol Capevit	..	1,000 tablets
18	Gammaxine 5 per cent BHC.	..	5 Cwt.
19	Bleaching powder	..	10 Cwt.
20	Diarzine powder of 1 oz. packet	..	166 packets
21	Pectokab suspension plain 8 oz.	..	84 packets

DHARAM ASTHAN DEMOLISHED BY IMPROVEMENT TRUST AMRITSAR.

3488. Maulvi Abdul Ghani Dar : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether the buildings of any Dharam Asthans were demolished by the Improvement Trust Amritsar for improvement purposes ; if so, their names ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether the demolition took place with the permission of the Government ;

(c) if the answer to part (b) be in the negative, whether any action has been taken against the Officer responsible for such demolition ?

Shri Mohan Lal : (a) No building of Dharam Asthan proper was ever demolished for improvement purposes. Certain structures attached with Dharam Asthan affected by the development schemes of the Trust were, however, demolished by the Trust direct or through the authority responsible for the managemnet etc. of these Asthans. Their names are as under :—

1. Property attached to Mandir Raghunath Ji.
2. Property belonging to Mandir Banke Bihari Ji.
3. Property belonging to Siri Darbar Sahib Committee.
4. Property attached with Dharamsala.

5. Property belonging to Akhara Brahambuta.

6. Property attached to the Shivala Amlawala.

7. Properties belonging to Akhara Brahambuta.

8. Properties belonging to Akhara Beriwala.

9. Properties belonging to Dharamsala Baba Prem Dass Ji.

(b) The question of obtaining permission of the Government does not arise as the demolition, etc. was in accordance with the provision of Land Acquisition Act, 1894, Development of Damaged Areas Act, 1951, and Punjab Town Improvement Act, 1922.

(c) Does not arise.

PAPERS LAID ON THE TABLE

3 00 p.m. **Minister for Irrigation and Power** (Rao Birendar Singh) : Sir, I beg to lay on the Table the Second Annual Administration Report of the Punjab State Electricity Board for the year 1959-60, as required under section 75(1A) of the Electricity (Supply) Act, 1948.

GOVERNMENT DEMANDS FOR GRANTS

(1) 25-General Administriation ;

(2) 29-Police.

Minister for Industries : (Shri Mohan Lal) : Sir I beg to move –

That a sum not exceeding Rs. 3,84,00,100 be granted to the Governor to defray the charges that will come in the course of payment for the year 1961-62, in respect of charges under head 25-GENERAL ADMINISTRATION..

Sir, I also beg to move—

That a sum not exceeding Rs. 5,86,03,500 be granted to the Governor to defray the charges that will come in the course of payment for the year 1961-62, in respect of charges under head 29-POLICE·

Mr. Speaker : Motions moved—

That a sum not exceeding Rs. 3,84,00,100 be granted to the Governor to defray the charges that will come in the course of payment for the year 1961-62, in respect of charges under head 25-GENERAL ADMINISTRATION.

That a sum not exceeding Rs. 5,86,03,500 be granted to the Governor to defray the charges that will come in the course of payment for the year 1961-62, in respect of charges under head 29—Police

The following cut motions given notice of by various Members in respect of these Demands will be deemed to have been read and moved.—

Note—Reply to Unstarred Question No. 3487 having been received late from the Government is being printed at the end of this debate as an annexure.

DEMAND NO. 9 (25-GENERAL ADMINISTRATION)

1. Rao Gajraj Singh :

That the demand be reduced by Re. 1/-.

2. Chaudhri Dharam Singh Rathi :

That the demand be reduced by Re. 1/-.

3. **Shri Rup Singh Phul :**

That the demand be reduced by Rs. 100/-.

4. **Thakur Mehar Singh :**

That the demand be reduced by Rs. 100/-.

5. **Raja Raghuvir Singh :**

That the demand be reduced by Rs. 10/-.

6. **Shri Harbhagwan Singh Maudgil :**

That the demand be reduced by Re 1/-.

7. **Maulvi Abdul Ghani Dar :**

That the demand be reduced by one Naya Paisa.

8. **Shri Ram Parkash :**

That the demand be reduced by Re 1/-.

9. **Dr. Bhag Singh :**

10. **Shri Bhalla Ram :**

11. **Shri Ram Kishan Bharolian :**

That the demand be reduced by Rs. 100/-.

12. **Sardar Dhanna Singh Gulshan :**

13. **Comrade Jangir Singh :**

That the demand be reduced by Rs. 2/-.

DEMAND NO. 12 (29-POLICE)

1. **Chaudhri Dharam Singh Rathi :**

That the demand be reduced by Re 1/-.

2. **Shri Rup Singh Phul :**

That the demand be reduced by Rs. 100/-.

3. **Shri Harbhagwan Maudgil :**

That the demand be reduced by Re 1/-.

4. **Maulvi Abdul Ghani Dar :**

That the demand be reduced by one Naya Paisa.

5. **Shri Ram Parkash :**

That the demand be reduced by Re. 1/-.

6. **Dr. Bhag Singh :**
7. **Shri Bhalla Ram :**
8. **Shri Ram Kishan Bharoilan :**

That the demand be reduced by Rs 100/-.

9. **Sardar Dhanna Singh Gulshan :**

That the demand be reduced by Rs, 2/-/-

डा० बलदेव प्रकाश (अमृतसर शहर, पूर्व) : स्पीकर साहिब, General Administration और पुलिस की Demands हमारे सामने हैं। सारा काम जो ज़िलों में या Secretariat level पर होता है इन में आ जाता है। स्पीकर साहिब, इस में वज़ीरों का खर्च, उन की कारों और कोठियों का खर्च भी शामिल है। अगर 1958-59 के मुकाबला में इस साल का खर्च देखें जो मांगा गया है वह उस से एक करोड़ के करीब ज़्यादा है। 1958-59 में यह खर्च 283 लाख था, 1960-61 में 297 लाख और इस बार 366 लाख है। इसी तरह से पुलिस में भी खर्च 3¾ करोड़ से बढ़ कर 5¾ करोड़ हो गया है। जनाब, मेरे कहने का मतलब यह है कि बढ़ौतरी करोड़ों में है, लाखों और हज़ारों में नहीं।

अब, जनाब, इस सारे बढ़ रहे खर्च से हमारी सरकार की मशीन कैसे चल रही है, इसे परखने के लिए हमें कुछ आधार बनाने होंगे, कोई कसौटी निश्चित करनी होगी। एक तो यह बात देखने की है कि सरकारी महकमों की efficiency पहले के मुकाबलह में कैसी है। क्या हमारी national सरकार ने इतनी efficiency administration में की है या red-tapism को कम कर दिया है कि जो काम किसी आदमी का पहले दो घण्टे में होता था वह अब 10 या 15 मिनट में हो जाता है या पहले से भी ज़्यादा वक्त में होता है। एक तो यह efficiency देखनी होगी। दूसरी बात यह देखनी होगी कि इन महकमों में जिन पर करोड़ों का खर्च हर साल बढ़ रहा है, और जिन के ultimate head वज़ीर महोदय हैं, इन में corruption की कैसी दशा है, उस की मात्रा कम हुई है या ज़्यादा और आज आदमी को अपना काम करवाने के लिए District level पर ही रहने से संतोष हो जाता है या उसे भागे भागे चंडीगढ़ आ कर इन की कोठियों के चक्कर काटने पर मजबूर होना पड़ता है। यह बात पंडित मोहन लाल जी के आंकड़ों से नहीं देखी जा सकती, मुख्य मन्त्री जी की दी हुई crime figures में नहीं देखी जा सकती बल्कि यह तो असेम्बली और Secretariat के बाहर लोगों के लम्बे लम्बे queues से देखी जा सकती है और यह queues उन लोगों के होते हैं जिन की अर्ज़ियां तीन तीन महीने तक एक मेज़ से दूसरी मेज़ तक

नहीं सरकती। Clerks हंसते हैं कि कैसा बेवकूफ आदमी है कि अर्ज़ी तो दे गया मगर पता करने नहीं आया कि क्या बना उस का, आगे चली कि नहीं। यह इस Administration की जीती जागती तसवीर है और यह इस से इनकार नहीं कर सकते। जिस आदमी का काम पहले District Headquarters पर दो घंटे में हो जाता था आज सारा दिन टकरें मारने पर भी नहीं होता। जिस काम को वह पहले 5, 10 रुपए दे कर करवा लेता था आज उसी को करवाने के लिए उसे 25, 30 रुपए रिश्वत के तौर पर खर्च करने पड़ते हैं, wrestling matches टिकट खरीदने पड़ते हैं, Small Savings में देने पड़ते हैं, पाकिस्तान Cricket Team के मैच का टिकट खरीदने के लिए देने पड़ते हैं, तब जा कर उस का काम होता है। यह, स्पीकर साहिब, General Administration की एक तस्वीर है। यही नहीं, यहां पर पुलिस की figures बताई जाती हैं कि crimes कम हो गए हैं। लेकिन हालत यह है कि किसी भी Police Station पर जाइए और देखिए तो पता चलता है कि एक साधारण आदमी किसी चोरी, लड़ाई, झगड़ा आदि के केस की रिपोर्ट दर्ज करने जब जाता है तो रिपोर्ट नहीं लिखी जाती। यहां तक, जनाब, कि सिर तक फूट जाते हैं मगर एक साधारण आदमी की रिपोर्ट नहीं लिखी जाती।

और, जनाब, General Administration के अन्तरगत मैं यह भी कहना चाहता हूं कि यह भी देखने वाली बात है कि आया कोई आदमी जो privileged आदमी है किसी Minister का या किसी खास पार्टी का उसे हर तरह का फायदा पहुंचाया जाता है। और जब इन बातों को दखा जाता है तो पता चलता है कि इस General Administration का दीवाला निकल चुका है। एक सवाल के जवाब में जो कि Public Relations के महकमे से ताल्लुक रखता था और वह यह था कि ऐसे कितने लोग हैं जो सिर्फ अंगूठा लगाना जानते हैं, तो Chief Parliamentary Secretary साहिब ने यह कहा था कि वह लोग भले ही अंगूठा लगाना जानते हों लेकिन स्पीकर अच्छे हैं। और Chief Minister साहिब ने तो एक आदमी के लिए यहां तक कहा था कि वह Edmund Burke है पंजाब के अन्दर। जब इस तरह की बातें यहां होती हों तो, जनाब, General Administration का अंदाज़ा लग सकता है। इन्होंने यह भी कहा कि हज़ारों दरखास्त उन पोस्टों के लिए आई थीं और हज़ारों स्पीकर्स सुने गए व जो सबसे अच्छे थे उनको लगाया गया। जो जवाब हमारे ज़िम्मेदार वज़ीरों और Parliamentary Secretary की तरफ से दिया जाता है वह General Administration की खुद बखुद एक तस्वीर उपस्थित करता है। आज यह हालत है कि जो आदमी चहेतों में से हैं और जो वज़ीरों के पास जाता है उसका काम हो जाता है।

जनाब, आज दूर दूर से लोग चंडीगढ़ में आ कर काम करवाते हैं, क्योंकि उनका काम district leve पर नहीं होता। चाहिए तो यह कि red-tapism को रोका जाए और effeciency को बढ़ाया जाए और जो काम district level

[डा० बलदेव प्रकाश]
पर होना चाहिए वह वहीं हो, ऐसी instructions होनी चाहिएं। और जो इनके पास आए उसको कहा जाए कि काम district level पर होगा। लेकिन होता, जनाब, इसके बरअक्स है। जो काम district level या tehsil level के अफसर नहीं करते वह काम यहां होता है। मैं, जनाब, यह कहना चाहता हूं कि जिन कामों को हमारे वज़ीरों को सरअंजाम देना चाहिए वह नहीं दिया जा रहा बल्कि और का और काम हो रहा है। Red-tapism को बढ़ा रहे हैं। Inefficiency को बढ़ा रहे हैं। मैं, जानब, एक concrete example आपके सामने पेश करना चाहता हूं कि अमृतसर की एक concern है जिसका नाम है 'खालसा कृपाण फैक्ट्री'। यहां पर हाउस के अन्दर तो यह कहा जाता है कि कृपाण stainless steel की नहीं बनती। और इसको सब लोग अच्छी तरह से जानते हैं। एक layman तक यह जानता है कि कृपाण कभी stainless steel की नहीं बना करती और अगर बने तो 100 रुपए से कम की न बिके। फिर खरीदेगा भी कौन। खैर, जो बात मैं इस concern के मुताल्लिक कहना चाहता हूं वह यह है कि इस concern 'खालसा कृपाण फैक्ट्री' के जो सज्जन हैं वह हमारे चीफ मिनिस्टर साहिब के नज़दीकी हैं। उसके लिए 5 टन का stainless steel का परमिट मिलता है जिसमें एक एक टन पर 10, 10 हज़ार की black marketing होती है। और उनको परमिट किस तरह मिला! यह भी मैं आपके सामने बतलाना चाहता हूं। पहल उनको कृपाणों के लिए परमिट मिला था। कृपाणों के लिए जो स्टील होता है वह मोटे गेज का इस्तेमाल होता है और बर्तनों के लिए जो इस्तेमाल होता है, वह पतले गेज का होता है। तो खालसा फैक्ट्री के सज्जन यहां आते हैं और अपना केस बतलाते हुए कहते हैं कि हमें खंडे बनाने के लिए पतला stainless steel चाहिए और हमारे वज़ीर साहिब उनकी बात मान लेते हैं। हमारे वज़ीर साहिब का फर्ज तो यह था कि वह पूछते या जांच करते कि अगर कृपाणों बनानी हैं तो वह कौन से स्टील से बनेंगी। आज पंजाब का एक वह आदमी जिसकी intelligence ज़ीरो मान कर चलें, अगर उसको भी लें तो उसे इस बात का पता है कि बर्तनों के लिए सिर्फ पतला स्टील इस्तेमाल होता है और कृपाणों के लिए मोटा स्टील लगता है। तो, जनाब, मैं यह बतलाना चाहता हूं कि वह खालसा फैक्ट्री के सज्जन यहां आते हैं और वजीर साहिब के पास application ले कर जाते हैं और हमारे पंडित मोहन लाल जी, Industries Minister साहिब 15 तारीख को उस पर यह लिखते हैं कि "Presented personally today. Please hear him and do the needful." और यह मार्क करके डाइरेक्टर आफ इंडस्ट्रीज़ को भेज देते हैं। तो, जनाब, अफसर तो इनके इशारों पर चलते हैं। वह डाइरेक्टर महोदय कलकत्ते की फैक्टरी को चिट्ठी लिखते हैं कि हम इस फर्म को अच्छी तरह से जानते हैं। इसको पतले गेज का stainless steel दे दो। जनाब, इस बात का proof देने के लिए मेरे पास दो *photostats हैं जिनको मैं हाउस के मेज़ पर रखता हूं —

**Note*.—Photostate Copies kept in the library.

(इस समय दोनों photostats हाउस की मेज़ पर रख दिए गए) जनाब, इनको देखा जा सकता है और यह verify किया जा सकता है कि यह मिनिस्टर साहिब के original दस्तख़त हैं या नहीं। कोई भी आदमी, जनाब, इस बात को आसानी से समझ सकता है कि जो कृपाण बनती है वह मोटे गेज से बनती है और वह भी लोहे से बनती है लेकिन हमारे मिनिस्टर साहिब का फौरन यह लिख देना कि हमने इस दरखास्त को देख लिया है और इसको पतले गेज का परमिट दे दो और इनके इशारे के मुताबिक डाइरेक्टर साहिब ने भी कंट्रोलर को लिख दिया कि यह बड़ी important Industry है, इसको पतले गेज का स्टेनलैस स्टील चाहिए क्योंकि कृपाण बनानी है। स्पीकर साहिब, यह हालत है हमारे वज़ीरों की। और इस पर यह दावा करते हैं कि हमने administration को purify किया है।

जनाब, कोई question इनके सामने रखा जाए लेकिन यह एक ऐसा vague सा उत्तर देंगे कि जिसका कोई मतलब नहीं निकल सकता। और अगर कोई बात इनसे पूछी जाए तो उस बात का जवाब न देकर हमारे चीफ मिनिस्टर साहिब कहते हैं कि जनसंघ के पास कोई प्रोग्राम ही नहीं। यह फिरकापरस्त लोग हैं। अगर हम फिरकापरस्त हैं तो मैं इन से पूछना चाहता हूं कि यह कौनसे फिरकापरस्त नहीं और इनके पास भी क्या प्रोग्राम है।

चीफ मिनिस्टर के खिलाफ privilege motion की बात में मैं नहीं जाना चाहता लेकिन मैं यह कहता हूं कि एक तरफ स्टेट का चीफ मिनिस्टर यह कहे कि मेरी नज़र में एक एक बात है और दूसरी तरफ यह कहे कि मुझे इस बात का इल्म नहीं कि पटियाला के सिनेमा का लाइसैंस उनके लड़के के नाम है या नहीं तो इस से आप अन्दाज़ा लगा सकते हैं कि इस तरह के administrator के खिलाफ privilege motion बनता है या नहीं। (Opposition Cheers) स्पीकर साहिब, आज पंजाब का एक एक शहरी जानता है कि किस के cold storage चल रहे हैं, किस के सिनेमे चल रहे हैं। जब इन से पूछा जाता है तो ये कहते हैं कि मेरा उनके साथ क्या वास्ता है। ठीक है कि इन के लड़के major हो गए हैं और इन का ताल्लुक न हो लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि क्या उन को यह भी इल्म नहीं कि मेरे नज़दीकी आदमी मेरा नाम ले कर कोई नाजायज़ काम तो नहीं करवा रहे, सूबे में lawlessness तो नहीं कर रहे या कोई नाजायज़ फायदा तो नहीं उठा रहे। अगर एक चीफ मिनिस्टर की आंखों को इतना भी नज़र नहीं आता तो मैं यह कहूंगा कि he is not fit to be a Chief Minister। यह ठीक बात कही जा रही है कि अमृतसर और पटियाला के अन्दर जो धान्धलियां मची हुई हैं और जो काली करतूतें हो रही हैं वह किसी से छिपी नहीं। (Opposition : Thumping) ये कहते हैं कि हम इस स्टेट के अन्दर administration को ठीक ढंग से चला रहे हैं लेकिन अभी पब्लिक सर्विस कमीशन की रिपोर्ट आप के सामने आई जिस से इन के administa-tive set up की सही तस्वीर सामने आ जाती है। आप कोई भी महकमा ले लें। अपने आदमियों को लगाने के लिए सरकार हर तरह के ग़लत ढंग इस्तेमाल कर

[डा : बलदेव प्रकाश]

रही है। जब सूबे की administeration की ऐसी हालत हो तो मैं पूछता हूं कि क्या गवर्नमैंट की general administeration ठीक है। Constitution ने पब्लिक सर्विस कमीशन की बुनियाद इस लिए रखी कि किसी शहरी के साथ बेइन्साफी न हो और लोगों को Government service में merit पर लिया जाय। इस आधार पर पब्लिक सर्विस कमीशन का जन्म हुआ लेकिन होता क्या है? जो भी important सर्विस शुरू होती है नयी भरती करने के लिए उसे पब्लिक सर्विस कमीशन के purview से बाहर निकाल लिया जाता है। एक मिसाल मैं आप के सामने रखता हूं। कुछ आसामियों को ये purview से निकालना चाहते थे इस बिना पर कि इन्हें जल्दी आदमी दरकार हैं। पब्लिक सर्विस कमीशन ने कहा कि हम चार हफ्ते के अन्दर अन्दर आदमी दे देंगे लेकिन हमारे purview से निकालना ग़लत बात है, ऐसा करना Constitution से बनाई गई इस statutory body के साथ अन्याय होगा। लेकिन हमारी सरकार ने उनकी बात न सुनी। यही एक सर्विस नहीं; हमारी सरकार ने स्टेट ट्रेडिंग का महकमा खोला। उस के नीचे जितनी भी services थीं वे सारी की सारी purview से निकाल ली गई और यह हुक्म दिया कि उन की temporary भरती कर ली जाय और कमीशन की approval बाद में ले ली जाय हालांकि कमीशन ने इस बात पर protest भी किया। इन सब चीज़ों के बावजूद भी हमारे मुख्य मन्त्री अभिमान से कहते हैं कि इस बात का निर्णय जनता देगी कि वे कितनी कुशल हैं। कमीशन ने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए लेकिन हमारी सरकार ने ध्यान नहीं दिया। (घंटी)

स्पीकर साहिब, एक दो बातें मैं और कहना चाहता हूं। वह ये हैं कि अगर हमारी सरकार चाहती है कि इस स्टेट की General Administration ठीक हो तो कम से कम हमारे वज़ीरों को ईमानदारी के साथ इन बातों की तरफ ध्यान देना चाहिए। यह नहीं करना चाहिए कि जो opposition ने कहा है वह हमेशा ग़लत होता है। हमारे मिनिस्टरों ने Civil Odministration को चलाना होता है। उन्हें देखना चाहिए कि इस कार्य के लिए उनके पास नियत स्टाफ है या नहीं। यहां पंडित मोहन लाल जी जवाब देते हैं कि Civil administration पर इतने per cent कम खर्च होगा। मैं समझता हूं कि खर्च में कमी नहीं हुई है बल्कि एक करोड़ रुपया एक साल के अन्दर ज्यादा मांगा है जो कि कोई छोटी सी रकम नहीं है। मैं उन से दरखास्त करूंगा कि कम से कम इस को सोच कर चलाएं क्योंकि civil administration को चलाने के लिए आखिरी ज़िम्मेदारी ministers के ऊपर है, district heads के ऊपर नहीं है और corruption को रोकने की भी ज़िम्मेदारी उनके कन्धों पर है।

अमृतसर में एक Hind Weaving Co-operative Society है और इस Society ने 14 handlooms लगाए हुए हैं......

Mr. Speaker : How is it relevant to the debate ?

डाक्टर बलदेव प्रकाश : जनाब, मैं अर्ज करता हूं कि इस Society ने silk yarn की production के लिए एक लाख रुपए की मशीनरी खरीदने के लिए पंजाब गवर्नमैंट को दरखास्त दी। दूसरी तरफ उन्होंने बम्बई भी चिट्ठी लिखी और उन का जवाब एक महीने के अन्दर आ जाता है और inquiry भी शुरू हो गई है और details मांगी गई हैं लेकिन यहां यह हालत है कि Ministers को चिट्ठी के reminder दिए गए लेकिन उस का कोई जवाब नहीं दिया गया। हो सकता है कि उस केस को file ही कर दिया गया हो। स्पीकर साहिब, ये बातें ऐसी हैं जिन को छुपाया नहीं जा सकता और इन को देखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि general administration ठीक है। आज हालत यह है कि चन्द आदमी करोड़पति बन रहे हैं लेकिन जो मेहनत करने वाले हैं उन की कोई शुनवाई नहीं होती।

स्पीकर साहिब, मैं अन्त में चीफ मिनिस्टर साहिब से दरखास्त करूंगा कि वह general administration को ठीक करें और तमाम अफसरों को हिदायत जारी करें कि वे किसी किस्म की collection न करें ताकि जनता को इस वजह से जिस मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है उस से राहत मिले।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ' (ਬਾਘਾ ਪੁਰਾਣਾ, 'ਜਨਰਲ'): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਇਸ ਬਜਟ ਦੀ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਹੱਤਵ-ਪੂਰਨ ਮਦ general administration ਤੇ ਬਹਿਸ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਤੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਫਾਦਾਰ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣ ਦੀ ਹੈਸੀਅਤ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਰਾਜਪ੍ਰਬੰਧ ਨੂੰ ਸੁਧਾਰਨ ਲਈ ਆਪ ਜੀ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਕੁਝ ਸੁਝਾਉ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਔਰ ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਜਿਹੜੀਆਂ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਊਣਤਾਈਆਂ ਹਨ ਉਹ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। Constructive criticism ਭਾਵੇਂ Opposition ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਹੋਵੇ ਤੇ ਭਾਵੇਂ ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਹੋਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਸੁਣਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਊਣਤਾਈਆਂ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਮਹਿਜ਼ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿ ਕੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਟਾਲ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਕਈ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਕੰਮ ਹੀ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਕਈ ਗੱਲਾਂ ਐਸੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਨਾ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਕੋਤਾਹੀ ਦੀ ਗਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਅਜ ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹਰ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਵਿਚ ਔਰ ਹਰ ਸ਼ੋਬੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਹਾਹਾਕਾਰ ਮਚੀ ਹੋਈ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ। ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਜਦੋਂ ਕਿਸਾਨ ਰਜਿਸਟਰੀਆਂ ਕਰਾਉਣ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਬਾਵਜੂਦ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਕਿ ਰਜਿਸਟਰੀ ਦੀ ਫੀਸ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਧਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਅਰਜ਼ੀ ਨੂੰ ਭਵਾਂਕੇ ਮਾਰਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਇਹ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਤੂੰ ਇਤਨੇ ਪੈਸੇ ਰੈਡਕਰਾਸ ਲਈ ਦੇਵੇਂਗਾ ਜਾਂ ਇਤਨੀ ਰਕਮ Small Saving Scheme ਲਈ ਦੇਵੇਂਗਾ ਤਾਂ ਤੇਰੀ ਰਜਿਸਟਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

Mr. Speaker : Today I have decided to give time to those back benchers, who have not been given time to speak so far. There are some hon. Members who have spoken on Governor's Address as well as during the general discussion on the budget. They should not take the trouble of rising up as I am not going to give them any time to-day.

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ' : ਤਾਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਜੇਕਰ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਵਿਚ ਹੋਣ ਤਾਂ ਇਹ ਸੂਬੇ ਦੀ ਭਲਾਈ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਅਸੀਂ ਜੋ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਊਣਤਾਈਆਂ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਵਿਚ ਚਲਦੀਆਂ ਹਨ, ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਸਾਰਿਆਂ ਦਾ ਇਹ ਫਰਜ਼ ਹੈ, ਕਿਉਂਕਿ ਅਸੀਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਤੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਫਾਦਾਰ ਹਾਂ, ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਤਨ ਕਰੀਏ ਤਾਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਏ । ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਗੱਲਾਂ Opposition ਵਲੋਂ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਭਾਵੇਂ ਇਹ Treasury Benches ਵਲੋਂ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਊਣਤਾਈਆਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕਈ ਦਫਾ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ injustice ਨੂੰ ਵੀ legalize ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜਦ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚ ਕਈ ਦਫਾ ਫਾਈਲਾਂ ਦੇ ਉਤੇ Magistrates ਜਾਂ ਅਫਸਰ ਇਹ ਲਿਖ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ Small Saving Scheme ਦੀ ਮੁਹਿਮ ਪਰ ਜਾਣ ਲਈ ਜਾਂ Red Cross ਲਈ ਚੰਦਾ ਇਕੱਠਾ ਕਰਨ ਲਈ ਜਾਣਾ ਪਿਆ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਤਾਰੀਖ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਕਈ ਦਫਾ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿਚ ਚੰਦੇ ਲੈ ਲਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜੁਰਮਾਨਾ ਘਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨਸਾਫ ਵਿਕਦਾ ਹੈ । Justice is being sold. ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ efficiency ਵਿਚ ਵੀ ਫਰਕ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਤਨੀ ਰਕਮ ਇਕੱਠੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਤਨਾ ਰੁਪਿਆ ਲੋਕ Small Saving Scheme ਵਿਚ ਜਮ੍ਹਾ ਕਰਾਉਂਦੇ ਹਨ ਉਤਨਾ ਹੀ ਉਹ ਵਾਪਸ ਕਢਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਫਿਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਾਰੇ High Court ਦੇ Chief Justice ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵੀ ਅਪਣੇ Judicial Officers ਨੂੰ ਤਾੜਨਾ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਮਾੜੀ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਗੱਲ ਵੱਲ ਦਿਵਾਵਾਂਗਾ ਅਤੇ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰੇ ।

ਫਿਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਮੈਂ ਪੁਲਿਸ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ। Police ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੀ ਰੀੜ੍ਹ ਦੀ ਹੱਡੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਸ Police ਦੇ ਛੋਟਿਆਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਨਹੀਂ ਵਧਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਾਲਾਂਕਿ ਪੁਲਿਸ ਦੀ machinery ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਅਤੇ ਜਰਾਇਮ ਭਾਲਣ ਦੀ machinery ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਕਰਨ ਲਈ ਚੰਗੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਸਾਡਾ ਸਾਰਿਆਂ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਜੋ ਊਣਤਾਈਆਂ ਹਨ ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਦੇ notice ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀਆਂ ਜਾਣ । ਅਸੀਂ ਵੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜੁਰਮਾਂ ਦੇ ਜਿਤਨੇ ਅੰਕੜੇ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਲਿਆਂਦੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲੋਂ crimes ਹੁੰਦੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਨ । ਇਹ ਵੇਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ 518 ਕਤਲ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹੋਏ ਸਨ ਜਦੋਂ ਕਿ ਉਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ 556 ਕਤਲ ਹੋਏ ਸਨ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ figures ਘਟ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਜੇ ਪੜਤਾਲ ਕਰਾਈ ਜਾਏ ਸੈਸ਼ਨ ਜੱਜਾਂ ਤੇ Committing Magistrates ਦੀਆਂ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿਚੋਂ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲਗੇਗਾ ਕਿ ਅਸਲੀਅਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਤਲਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ । ਕਈ ਪੋਸਟ ਮਾਰਟਮਾਂ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਬਾਰੇ ਤੇ ਵਧੇਰੇ ਗਿਣਤੀ ਬਾਰੇ ਇਹ ਕਹਿ ਕੇ ਟਾਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ

ਉਹ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਵਾਲੀਆਂ ਮੌਤਾਂ ਹਨ । ਜੇ ਇਹ ਸਾਰੀ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾਏ ਤਾਂ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਕਤਲ ਦੇ ਕੇਸਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 700 ਜਾਂ 800 ਤਕ ਪਹੁੰਚ ਜਾਏਗੀ । ਹੁੰਦਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਥਾਣੇ ਵਿਚ ਕਈ ਕੇਸਾਂ ਵਿਚ ਦਫਾ 308 ਜਾਂ 304 ਲਗਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੇਸਾਂ ਦੀ 302 ਕਤਲ ਦੀ ਨੌਈਅਤ ਨਾ ਗਿਣੀ ਜਾਏ ਪਰ ਜਦ ਉਹ ਕੇਸ ਸੈਸ਼ਨ ਜਜਾਂ ਦੀ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ 302 ਦਫਾ ਲਗ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਅੱਲਗ ਅੱਲਗ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਾਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਚਲਾਨ ਤਾਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੋਵੇ 308 ਜਾਂ 304 ਦਫਾ ਵਿਚ ਪਰ Sessions Courts ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ 302 ਦਫਾ ਲਗਾਈ ਗਈ ਹੋਵੇ, ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵੇਖੀ ਜਾਏ ਤਾਂ ਉਹ ਬਹੁਤ ਕਾਫੀ ਹੋਵੇਗੀ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੇਰੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ reports ਤੇ ਜੋ ਥੱਲੇ ਤੋਂ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਯਕੀਨ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਅਤੇ ਜੇ crimes ਵਧੇ ਹਨ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲੁਕਾਉਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦਾ, ਸਗੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਰੁਸਤ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜੋ case 302 ਦਫਾ ਦਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਤੇ 308 ਜਾਂ 304 ਦਫਾ ਲਗਾ ਕੇ ਉਸ ਦੀ ਨੌਈਅਤ ਹੀ ਬਦਲ ਦੇਣੀ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । ਅਜ ਕਲ case register ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਦਫਾ ਦਿਖਾਉਣ ਦੀਆਂ ਹੋਰ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਲਗਾਉਣ ਦੀਆਂ ਹੋਰ । State ਦੇ Law and Order ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਨਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਜਿਸ ਦੇ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਵਫਾਦਾਰ ਹਾਂ, ਸਾਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਜਰਾਇਮ ਵਧੇ ਹਨ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਇਕਬਾਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਫਿਰ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ Address ਤੇ ਹੋਈ discussion ਦਾ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ Chief Minister ਸਾਹਿਬ ਨੇ credit ਦੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਸੀ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ illicit liquor ਦੇ ਜ਼ਿਆਦਾ cases register ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜ਼ਿਆਦਾ cases ਪਕੜਨ ਵਿਚ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋਈ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਕ ਬਹੁਤ ਖਾਸ ਤੇ ਸਨਸਨੀ ਖੇਜ਼ ਗਲ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਬਕਾਰੀ ਦੇ ਸਾਰਿਆਂ ਠੇਕਿਆਂ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਭਰ ਵਿਚ, ਜਿਤਨੇ ਹਜ਼ਾਰ ਦਾ ਮਾਲ ਉਸ ਠੇਕੇ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਯਾਨੀ ਜਿਤਨੇ ਦਾ ਉਸ ਦਾ ਕੋਟਾ (quota) ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਨਾਲੋਂ 5 ਜਾਂ 6 ਗੁਣਾ ਰੁਪਏ ਤੇ ਉਹ ਠੇਕਾ ਨੀਲਾਮ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਅਗਰ 20 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਦਾ ਕਿਸੇ ਠੇਕੇ ਦਾ ਮਾਲ ਦਾ ਕੋਟਾ ਹੋਵੇ ਯਾਨੀ ਉਸ ਠੇਕੇ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਤਰਫੋਂ 20 ਹਜ਼ਾਰ ਦਾ ਮਾਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਠੇਕਾ 80 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਵਿਚ ਨੀਲਾਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਘਾਟਾ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਸ਼ਰਾਬ ਵਿਚ ਮਿਲਾਵਟ ਤੇ ਅਫੀਮ ਦੀ smuggling ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਠੇਕੇ ਤੇ ਵੇਚੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਸ਼ਰਾਬ ਕਢ ਕੇ ਉਥੇ ਵੇਚੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਔਰ ਉਹ Excise Department ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਔਰ ਕਈ Civil ਅਤੇ Police ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਹਿਸਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸ਼ਹਿ ਤੇ ਉਹ smuggled ਅਫੀਮ ਅਤੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਸ਼ਰਾਬ ਵੇਚਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਗੱਲ ਆਈ ਹੈ ਕਿ 1600 cases ਇਸ ਸਾਲ ਵਿਚ illict liquor ਦੇ ਵਧ ਪਕੜੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਅਗੇ ਨਾਲੋਂ ਵਧ register ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਇਹ ਕੋਈ ਵਡੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ । ਇਹ ਤਾਂ ਜੇਕਰ 16,00 ਦੀ ਥਾਂ 16000 ਵੀ register ਕੀਤੇ

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ']
ਜਾਂਦੇ ਤਾਂ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਾ ਹੁੰਦੇ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਹਰ ਠੇਕੇ ਤੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਸ਼ਰਾਬ ਔਰ smuggled ਅਫੀਮ ਵਿਕ ਰਹੀ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰੀ ਅਫਸਰ encourage ਕਰਦੇ ਪਏ ਹਨ। 20 ਹਜ਼ਾਰ ਦਾ ਠੇਕਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ 80 ਹਜ਼ਾਰ ਵਿਚ ਨੀਲਾਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਇਹੋ ਹੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਠੇਕੇਦਾਰ Excise Department ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨਾਲ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਰਲ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਔਰ ਉਹ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਨਾਜਾਇਜ਼ distillation ਕਰਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਔਰ ਇਹ ਤਦ ਹੀ ਬੰਦ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਠੇਕਿਆਂ ਤੇ ਜਿਤਨੀ ਕੀਮਤ ਦਾ ਮਾਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਉਤਨੀ ਰਕਮ ਤੇ ਹੀ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਠੇਕਿਆਂ ਤੇ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਜਿਤਨੀ ਹਦ ਰਖੀ ਜਾਏ ਉਤਨੀ ਹੀ ਸ਼ਰਾਬ ਉਥੇ ਵਿਕੇ ਅਤੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਸ਼ਰਾਬ ਉਥੇ ਨਾ ਵੇਚਣ ਦਿੱਤੀ ਜਾਏ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਬੰਦ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, General Administration ਦੀ ਮੱਦ ਵਿਚ Food and Civil Supply Department ਦਾ ਖਰਚ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ 20,02,350 ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ detail ਵਿਚ ਇਹ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ Economic Enquiry ਤੇ 51,080 ਰੁਪਿਆ ਵਖਰਾ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ Scheme regarding expansion of existing Economic Statistical Organisation ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਲਈ 2,65,900 ਰੁਪਏ ਰਖੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ sample survey studies ਲਈ ਇਕ ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਯਾਨੀ total schemes regarding expansion of existing Economic and Statistical Organisation ਲਈ Non-plan provision ਹੇਠ 4,10,310 ਰੁਪਏ ਰਖੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ Non-plan ਤੇ Plan ਸਕੀਮਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਾ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕੁਲ 6,47,800 ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ। ਪਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗੱਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਇਸ ਲਈ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਦੀਆਂ reports ਛਪਾ ਕੇ ਸਿਰਫ ਸਾਡੇ ਹਾਊਸ ਦੀ Table ਤੇ ਰਖੀਆਂ ਜਾਣ ਜਾਂ ਇਹ ਸਾਨੂੰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣ ਬਲਕਿ ਇਹ ਤਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ cost of production of wheat ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ foodgrains ਦੀ cost of production ਦੇਖਣ ਲਈ ਤਾਕਿ ਦੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਉਸਦੀ cost ਪੂਰੀ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਜੋ figures ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਲਈ ਕੱਢੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੁਤਾਬਕ ਕਣਕ ਦੀ cost of production Rs 15.57 n.P. ਆਈ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਕਿਸਾਨ ਤੋਂ Food and Civil Supplies Department, ਜਿਹੜਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਇਕ ਸੁਫੈਦ ਹਾਥੀ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਨੇ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ 14 ਰੁਪਏ ਮਣ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਕਣਕ ਮੰਡੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਖਰੀਦੀ ਅਤੇ ਇਸ ਨੇ ਫਰਜ਼ੀ shortage ਪੈਦਾ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਕੀਤੀ। ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ ਜਿਤਨੀ ਉਸ ਦੀ ਕਣਕ ਦੀ cost of production ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਆਈ ਸੀ ਉਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਸਾਨ ਨਾਲ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ,

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਦੋ ਦੋ ਜਾਂ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ ਲਖ ਮਣ ਕਣਕ ਦੇ ਪਰਮਿਟ ਕਈ ਵਪਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਸੂਬੇ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਭੇਜਣ ਲਈ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਤੇ ਵਪਾਰੀਆਂ ਨੇ ਜੋ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ 5, 5, ਜਾਂ 6, 6 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ black-mailing ਕਿਸਾਨ ਦੀ cost ਤੇ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਸ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਔਰ ਇਹ ਜੋ 2 ਲਖ 65 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ statistics ਇਕੱਠੇ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਅਤੇ food grains ਦੀ cost of production ਕਢਣ ਵਾਸਤੇ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਇਹ ਤਾਂ ਹੀ ਅਰਥ ਲਗ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇ ਇਸ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਜੋ cost of production ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ, ਉਹ ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਦੇਈਏ ਔਰ ਜੇ ਉਸ ਰਿਪੋਰਟ ਤੇ ਭਰੋਸਾ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਤਾਂ ਹੀ ਇਸ ਖਰਚ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਹੈ, ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਇਹ ਸੂਬੇ ਦੇ ਉਤੇ ਬੋਝ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਫਿਰ ਜਾਰੀ ਰਖਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ, ਇਸ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕੀਤਾ ਜਾਏ, ਜੇਕਰ ਇਸ ਨੂੰ implement ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਫਸਲਾਂ ਦੇ ਬੀਮੇ ਵਾਸਤੇ ਜੋ ਕਦਮ ਚੁਕੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਕੁਲ 17,680 ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ crop insurance ਦੇ ਦਫਤਰਾਂ ਲਈ ਅਤੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਲਈ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਤਨੀ ਛੋਟੀ ਜਿਹੀ ਰਕਮ ਨਾਲ ਇਸ scheme ਦਾ ਖਿਲੌਣਾ ਬਣਾ ਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਮਜ਼ਾਕ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਦ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਗੜਿਆਂ ਨਾਲ, floods ਨਾਲ, ਸੇਮ ਨਾਲ, ਘਟ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਨਾਲ ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਦੀਆਂ ਬੀਮਾਰੀਆਂ ਆਦਿ ਕਈ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨਾਲ ਖਰਾਬ ਹੋ ਜਾਂਦੀਆਂ ਨੇ । ਕਿਸਾਨ ਅਨਾਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਰਮਾਏ, ਬੈਲਾਂ ਉਪਰ depend ਕਰਦਾ ਹੈ । Board of Economic Enquiry ਨੇ ਰਿਪੋਰਟ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ 18% ਬੈਲ ਪਾਵਰ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ । ਇਹ ਮੇਰੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਥੇ ਟਰੈਕਟਰਾਂ ਦਾ ਕਾਰਖਾਨਾ ਲਾ ਕੇ ਪੂਰੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ Crop Insurance Scheme ਚਾਲੂ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਥੇ ਕਿਸਾਨ ਦੇ Basic implement ਬੈਲ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਲਈ Cattle Insurance Scheme ਵੀ ਲਾਗੂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਦੂਸਰੇ progressive countries ਵਿਚ ਹੈ । ਨਾਲ ਹੀ ਕਿਸਾਨ ਦੇ ਖਤਰੇ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ food grains ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਾਉਣ ਲਈ, ਕਿਸਾਨ ਦੇ risks cover ਕਰਨ ਲਈ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ incentive ਦੇਣ ਲਈ Crop Insurance Scheme ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ Cattle Insurance Scheme ਵੀ ਚਾਲੂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਬਜਟ ਵਿਚ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਆਈ ਹੈ ਕਿ immoral traffic in women ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰਨ ਲਈ, ਸਮਾਜ ਦੀ ਇਸ ਬੀਮਾਰੀ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ, ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਹੈ । ਇਹ ਵੀ ਚੀਜ਼ ਲਿਖੀ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ 5 D. S. P. ਹੋਰ ਰਖੇ ਜਾਣਗੇ । ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕਰ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਕਸਬਿਆਂ ਅੰਦਰ, ਥਾਣੇ ਅਤੇ ਤਹਿਸੀਲ

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ 'ਮੀਤ']

headquarters ਵਿਚ, ਢਾਹੀ ਢਾਈ ਸੌ ਅਤੇ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ ਸੌ prostitute type ਔਰਤਾਂ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ administration ਉਪਰ ਇਕ ਧੱਬਾ ਹਨ । ਇਸ ਧੱਬੇ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਪੰਜ D. S. P. ਜਾਂ ਪਹਿਲਾ staff ਜਿਹੜਾ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ ਸਫਲਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਿਆ । ਪਹਿਲਾ staff Society ਦੇ ਕੋੜ੍ਹ ਦਾ ਇਲਾਜ ਨਹੀਂ ਲਭ ਸਕਿਆ । ਸਬੂਤ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਅਫਸਰ ਅਤੇ constables ਉਨ੍ਹਾਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਘਰਾਂ ਵਿਚ shelter ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਜਿਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਐਨਾ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਉਹ ਅਜੇ ਤਕ ਜਾਰੀ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਬੀਮਾਰੀ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਦੇ ਵਫਾਦਾਰ ਹਾਂ, ਇਸ ਦੀ ਸ਼ਾਨ ਨੂੰ ਚਮਕਾਉਣਾ ਸਾਡਾ ਜ਼ਿੰਮਾ ਹੈ । ਸਾਨੂੰ ਸਭ ਨੂੰ ਮਿਲ ਕੇ ਪ੍ਰਯਤਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ administration ਅਤੇ justice ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾ ਸਕੀਏ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਤਕਰੀਰ ਖਤਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਜੈ ਹਿੰਦ।

श्री राम प्रकाश (जगाधरी, रिज़र्वड) : स्पीकर साहिब, आपने दूसरे सूबों के दौरे भी किये और बाहर की parliaments को visit भी किया और इस तरह पंजाब की administration का बाकी सूबों की administration के साथ मुकाबला भी किया होगा। मैं समझता हूं कि पंजाब की administration बाकी सूबों की administration से बदरजहा बेहतर है । Opposition के भाई अजीब किस्म की नुक्ताचीनी गवर्नमैंट पर करते हैं और खास तौर पर उनका निशाना चीफ मिनिस्टर साहिब पर होता है। उन पर वह तरह तरह के इलज़ामात तराशा करते हैं, यहां तक कि वह चीफ मिनिस्टर साहिब की शान में, उनके परिवार की शान में या उनके लड़कों की बाबत बेबुनियाद इलज़ाम लगाकर अपने इखलाक का सबूत देते हैं। उनके लड़कों की बाबत यह शिकायत की जाती है कि उन्होंने smuggling की, नाजायज़ कोटे लिए, Cinema बनाया, Cold Storage बनाया लेकिन मैं उन लोगों को बता देना चाहता हूं कि अगर एक किसान का लड़का.....

श्री अध्यक्ष : यह बात जेरे बहस नहीं है। आप Demands पर बोलना चाहें तो बोल सकते हैं। (This is not under discussion. The hon. Member should confine his remarks to the Demands if he wants to speak.)

श्री राम प्रकाश : मैं यह निवेदन करने जा रहा था कि अगर एक लड़का लायक है, अपनी लियाकत से, मेहनत से रुपया कमाता है तो इन को जलन महसूस क्यों होती है। जो business पहले इनके अपने हाथों में था वह अब अगर एक किसान के हाथ में जा रहा है तो उन्हें बुरा महसूस क्यों होता है। मैं आप के द्वारा इन लोगों को बताना चाहता हूं कि इन्होंने अपनी तरफ से तो चीफ मिनिस्टर साहिब को बदनाम करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। Socialist Party के एक leader ने इनके लड़के

के खिलाफ बेबुन्याद अलज़ाम लगाए थे। वह Court में गए, High Court में गए और Supreme Court में उनका क्या हशर होने वाला है .....

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : On a point of order, Sir. ਇਹ ਕੇਸ Supreme Court ਵਿਚ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਕੇਸ ਨੂੰ refer ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ।

श्री राम प्रकाश : इनका तो पेशा ही यह है कि जिस किसी तरीके से भी हो, गवर्नमैंट की नुक्ताचीनी की जाए।

श्री अध्यक्ष : राम प्रकाश जी, इस वक्त सिर्फ पुलिस और General Administration की demand ज़ेरे बहस हैं। इसका scope limited है। जो बातें आप आज कर रहे हैं लोग बाहर पढ़ेंगे तो क्या कहेंगे? आप demands से बाहर जाने की कोशिश न करें। (Addressing Shri Ram Parkash) (I would like to point out to the hon. Member that the demands of Police and General Administration only are under discussion today. The scope of the discussion is limited. What will the people outside think when they read what he is saying now? He should avoid going beyond the Scope of the demands under discussion.)

श्री राम प्रकाश : मैं आप से यह निवेदन करना चाहता था कि इन मुख्तलिफ पार्टियों ने सूबे की फिज़ा को खराब करने की इन्तहाई कोशिश की। पिछले दिनों की बात है, जब अकाली agitation चल रही थी तो बहुत से अकालियों ने हरिजनों पर दबाव डाला कि तुम इस अकाली agitation में हिस्सा लो और गवर्नमैंट का साथ छोड़ो। लेकिन हमारे चीफ मिनिस्टर साहिब का कमाल है जो उन्होंने उन पर काबू पाया। उन को एक आला इन्सान ही नहीं बल्कि Second Patel कहा जाए तो बेजा न होगा। उन्होंने पंजाब में हरेक agitation को जुर्रत से दबाया, दलेरी से दबाया। Betterment Levy के खिलाफ agitation चली, हिन्दी आन्दोलन चला। जिस जवानमर्दी के साथ इन्होंने उन का मुकाबला किया, शायद ही हिन्दुस्तान में कोई और चीफ मिनिस्टर होगा जो ऐसी सूरते हालात का मुकाबला कर सकता। मैं उम्मीद करता हूं कि अगर वह आइन्दा भी बतौर चीफ मिनिस्टर रहे तो लोगों को कोई तकलीफ महसूस नहीं होगी।

गिरते हैं शाहसवार ही मैदाने जंग में, वह तिफल क्या गिरेगा जो घुटनों के बल चले। ठीक है कि यहां पर सब इनसान हैं और परमात्मा नहीं; administration में, सरकार में और अवाम में खामियां भी कुछ न कुछ हुआ करती हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन खामियों को सामने रखकर किसी गवर्नमैंट को बदनाम किया जाए, किसी हकूमत को और उसके मिनिस्टर साहिबान को बुरा भला कहा जाए। ये बात शोभा देने वाली नहीं है। जो अच्छे काम सरकार करती है उनकी सराहना भी करनी चाहिए और जो गलतियां हैं वह हम उनके notice में ला सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : यह general discussion of the budget नहीं है। यह General Administration और Police की demands पर बहस चल रही है।(This is not a general discussion on the budget but only on the demands of General Administration and Police.)

श्री राम प्रकाश : अच्छा जी, अब मैं इस बात को छोड़ता हूं। अब मैं कुछ बातें मुज़ारों की बाबत कहना चाहता हूं। सन् 1947 से आज तक जितने भी कानून मुज़ारों के भले के लिए बनाए गए हैं सब के सब बेकार साबत हुए हैं।

श्री अध्यक्ष : देखिए, अगर आप तैयार नहीं होकर आए तो यह सब कुछ कहने का क्या फायदा! यह demands जैसा कि मैंने पहले भी point out किया है, specific items को deal करती है जिन में Governor की salary, inisters की salaries, Assembly और Council का staff, Public Service Commission और district administration वगैरा आती हैं। इसमें मुज़ारों का क्या सम्बन्ध है? (Order please. What is the use of saying all this if the hon. Member has not come prepared? As I have already pointed out these demands concern specific items of expenditure, i. e., salary of the Governor, salaries of the Ministers, Assembly and Council staff, Public Service Commission and district administration, etc. How is a reference to the question of tenants relevant here?)

श्री राम प्रकाश : स्पीकर साहिब, इस असैम्बली से जो कानून बनते हैं उनमें जो खामियां रह गई हैं मैं उन्हीं का जिक्र करने जा रहा था।

श्री अध्यक्ष : No please. यही proceedings कल को जब बाहर जाएंगी तो कोई क्या कहेगा कि यहां पर ऐसे ही Members हैं जिन्हें relevancy का भी पता नहीं और ऊपर जो बैठा है उसे भी किसी चीज़ का पता नहीं। कम से कम मैं तो आप की खातिर अपनी पोजीशन मज़हकाखेज़ नहीं बनाना चाहता। आप को तैयार होकर आना चाहिए था। (No please. When these proceedings will go out in the press, what will the people reading them think about the sense of relevancy of the Members of this House and its Presiding Officer ? At least, I would not like to make my position ridiculous for his sake. He should have come prepared.)

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ (ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ 'ਜਨਰਲ') : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, General Administration ਦਾ subject ਬੜਾ ਲੰਮਾ ਚੌੜਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਰਕਬਾ cover ਕਰਦਾ ਹੈ। ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਇਸ ਮਹਿਲ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਇਕ ਨਿਕੇ ਜਿਹੇ ਚਪੜਾਸੀ ਦੀ ਕੁੱਲੀ ਤੱਕ ਇਸ ਦਾ ਦਾਇਰਾ ਹੈ ਜਿਸ ਤੇ ਕਿ ਬਹਿਸ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਪਰ ਦੋ ਤਿੰਨ ਗੱਲਾਂ ਚੁਭਦੀਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ

ਕਿ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿ ਕੁਝ member ਸਾਹਿਬਾਨ ਭਾਵੇਂ ਮਜ਼ਮੂਨ ਤੇ ਕੁਝ ਨਾ ਬੋਲਣ ਪਰ ਉਹ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। They should be asked not to put on themselves the glittering, but very onerous mantle of the Ministers.

Chief Minister : Are you paid for speaking against us ?

Dr. Bhag Singh : I am not speaking against you.

Chief Minister : Then, it is all right.

श्री अध्यक्ष : यहां जितनी parties हैं, इन के हर मैम्बर को हक है कि वह अपनी Party का नज़रिया House के सामने रखे जैसा कि आप को है। (Each Member of the various parties represented here, has a right to place before the House the point of view of his Party, as is the case with the hon. Member.)

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਜਨਾਬ ਦਾ ਫਰਮਾਣਾ ਦਰੁਸਤ ਹੈ। ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਖੁਦ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦੇਣ ਪਰ ਮੇਰੇ ਵਰਗੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਉਨ ਕੇ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦੇਣ ਲੱਗ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਚੰਗਾ ਜੀ, ਮੈਂ ਬਹੁਤਾ ਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਇਹੋ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਅਸੈਂਬਲੀ ਹਾਲ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਇਕ ਛੋਟੇ ਜਿਹੇ ਖਾਦਮ ਦੀ ਕੁੱਲੀ ਤੱਕ ਇਸ demand ਵਿੱਚ ਲਿਆਉਂਦੇ ਹੋਏ discussion ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸਾਰੀ ਸਰਕਾਰੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ; Secretary, Deputy Secretary, Under-Secretary, Secretariat ਦਾ ਅਮਲਾ, ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ Governor ਤੋਂ ਲੈ Commissioner ਸਹਿਬਾਨ, Deputy Commissioner ਸਾਹਿਬਾਨ, Assistant Commissioner ਸਾਹਿਬਾਨ ਹਨ ਫੇਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਭਾਰੀ staff, ਇਹ ਵੀ ਏਸੇ demand ਵਿਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਏਥੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਮੁਲਕ ਦੀ development ਵਾਸਤੇ ਬੜੇ ਕੰਮ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਬੜਾ ਪੈਸਾ ਖਰਚਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਪੰਡਤ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਜੀ ਤਾਂ ਏਥੋਂ ਤਕ ਸੱਚੀਆਂ ਸੱਚੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਵੀ ਕਹਿ ਗਏ ਕਿ ਜਦੋਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਲੋੜ ਪੈਂਦੀ ਹੈ development ਲਈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ taxes ਲਾਉਣੇ ਪੈਂਦੇ ਹਨ। Direct taxes ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਸੀਂ ਲਾਉਂਦੇ ਥਕ ਗਏ ਹਾਂ, ਕਿਉਂਕਿ ਇਤਨੇ direct taxes ਲੱਗੇ ਹਨ ਕਿ ਹੁਣ ਕਿਸੇ ਪਾਸੇ ਗੁੰਜਾਇਸ਼ ਹੀ ਨਹੀਂ ਰਹੀ। ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਉਹ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਫੇਰ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਹੁਣ ਅਸੀਂ indirect taxes ਤੇ ਆ ਗਏ ਹਾਂ, ਹਾਲਾਤ ਤੋਂ ਮਜ਼ਬੂਰ ਹੋ ਕੇ। ਉਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਕਹਿ ਗਏ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਗੱਲ ਦਿਆਨਤਦਾਰੀ ਦੇ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਬੇਸ਼ਕ ਤੁਸੀਂ development ਦੇ ਕੰਮ ਕਰੋ ਪਰ ਜਿਥੇ ਕਿਤੇ ਕੋਈ saving ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੋਵੇ ਉਹ ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਭਾਵੇਂ development ਦਾ ਮਹਿਕਮਾ ਹੋਵੇ ਚਾਹੇ ਕੋਈ ਹੋਰ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਕਿਤੇ ਵੀ ਗੁੰਜਾਇਸ਼ ਹੋਵੇ ਬਚਤ ਦੀ ਉਹ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਛੀਨਾ ਜੀ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੀ ਤਕਰੀਰ ਵਿੱਚ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਸਨ

[ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ]

ਅਤੇ ਏਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਜੀ ਨੇ ਵੀ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ State ਦੇ income ਦੇ ਬੜੇ small resources ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ expenditure ਬਾਰੇ ਕਿਸੇ ਇਕ person ਦੀਆਂ liabilities ਨਹੀਂ ਹਨ। ਇਸ ਤੇ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਬੜੇ ਵੱਡੇ ਦਿਲ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ unnecessary expenditure of funds ਹੈ ਉਹ avoid ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਰਫਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਹੁੰਦਾ ਕੀ ਹੈ ? ਜੇ ਕਿਤੇ ਕੁਝ ਸਰਫਾ ਹੋ ਵੀ ਜਾਂਦਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਹੋਰ ਪਾਸੇ ਦਾ ਖਰਚ ਵਧਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਜੇ ਹੁਣ 11, 11 ਮੰਜ਼ਲ ਦੀ Secretariat Building ਹੈ ਤਾਂ ਕਲ ਨੂੰ ਕਹਿਣਗੇ ਕਿ ਇਸੇ ਵਾਂਙ 30-30 ਮੰਜ਼ਲ ਦੀਆਂ ਬਿਲਡਿੰਗਾਂ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਪਰ ਸਾਡੇ ਹਾਲਾਤ ਇਹ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ tax ਲਾਉਣ ਤੇ ਮਜ਼ਬੂਰ ਹਾਂ, ਇਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ plea ਲੈਂਦੇ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਬੇਸ਼ਕ ਖਰਚ ਕਰੋ ਪਰ ਜਿਥੇ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਉਥੇ ਤਾਂ economy ਕਰੋ। ਜਿਸ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਸਰ ਸਕਦਾ ਹੈ, unproductive ਖਰਚ ਨਾ ਹੋਣ, ਮਹਿਜ਼ productive schemes ਤੇ ਹੀ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਪਣੇ ਤਜਰਬੇ ਦੀ ਬਿਨਾ ਤੇ ਕਹਿਣੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਇਹ ਸੁਣੀਆਂ ਸੁਣਾਈਆਂ ਨਹੀਂ। ਜਨਾਬ, ਇਹ facts ਹਨ। ਅਜ ਹਰ department ਵਿਚ ਵੇਖੋ ਕਿ ਕਿਤਨਾ paraphernalia ਹੈ which is just like an army of officials. ਜਿਸ ਪਾਸੇ ਨਿਗਾਹ ਮਾਰੋ ਇਕ ਦੀ ਥਾਂ ਚਾਰ ਬੈਠੇ ਹਨ। ਪਰ ਫੇਰ ਵੀ ਕੰਮ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਿਹਾ। ਇਹ ਕੰਮ ਠੀਕ ਨਾ ਹੋਣ ਦੀ ਹੀ ਨਿਸ਼ਾਨੀ ਹੈ ਕਿ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ Secretariat ਅੰਦਰ ਐਨੀ ਰੌਣਕ ਲੱਗੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ। ਕੰਮ ਹੋਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਹਰ ਇਕ ਅਫਸਰ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ disturbance ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਜੇ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂ ਕਿ ਏਥੇ corruption, red-tapism ਦਾ ਦੌਰ ਦੌਰਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੋਈ ਬੇਜਾ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ। ਏਥੇ ਮੈਂ ਚੰਦ ਮਿਸਾਲਾਂ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੈਨੂੰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ।

ਇਕ ਆਦਮੀ Mill-owner ਹੈ, ਉਸ ਨੇ ਨਾਲ ਚੌਲ ਸਾਫ ਕਰਨ ਦੀ ਮਸ਼ੀਨ ਲਾਈ ਹੋਈ ਹੈ। Husking ਮਸ਼ੀਨ ਤਾਂ ਉਹ ਲਾ ਬੈਠਾ, ਜਨਾਬ, ਪਰ ਉਸ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। ਉਸ ਦੀ ਚਾਉਲਾਂ ਦੀ Husking Machine ਅਜ ਤੀਕ sealed ਹੈ। ਉਸ ਦੀ seal ਖੋਲ੍ਹਣ ਨੂੰ ਕਿਤਨਾ ਚਿਰ ਲਗਦਾ ਹੈ, ਇਹ ਮੈਂ, ਜਨਾਬ, ਨੂੰ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਉਹ ਮਸ਼ੀਨ ਦੀ seal ਤੁੜਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਹਰ ਥਾਂ ਗਿਆ ਪਰ ਉਸ ਦਾ ਕੁਝ ਨ ਬਣਿਆ ; ਆਖਿਰ ਵਿਚ ਉਸ ਮੈਨੂੰ ਘਸੀਟਿਆ। ਮੈਂ ਵੀ ਬਹੁਤ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ। ਪਰ ਪੂਰਾ ਇਕ ਸਾਲ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਹ seal ਨਹੀਂ ਟੁੱਟੀ। ਮੈਂ ਤੰਗ ਆ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਲਾਲ ਤਾਲ ਵੀ ਕੀਤੀ ਤਾਕਿ ਉਹ ਮੈਨੂੰ ਨਾਲ ਨਾ ਘਸੀਟੇ, ਪਰ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਆਕੇ ਮਜਬੂਰ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਨਾਲ ਜਾਣਾ ਹੀ ਪੈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਹੁਣ ਮੈਂ ਤਾਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਬੈਠਾ ਹਾਂ, ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਭਾਵੇਂ ਮੋਹਰ ਟੁੱਟ ਗਈ ਹੋਵੇ। ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਸ ਨੂੰ administration ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਲ ਸਾਲ ਕਿਸੇ ਦਾ ਕੰਮ ਹੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ?

ਇਕ ਹੋਰ ਮਿਸਾਲ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਉਸ ਸ਼ਖਸ ਦਾ ਮੈਂ ਨਾਉਂ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦਾ। ਜਦੋਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਪੁਛਣਗੇ ਤਾਂ ਉਹ ਵੀ ਦੱਸ ਦਿਆਂਗਾ। ਮੁਰੱਬਾਬੰਦੀ ਵਿਚ ਇਕ

ਸ਼ਖਸ ਨਾਲ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਪਾਸ ਗਿਆ । ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ Consolidation Director, Jullundur ਨੂੰ order ਕੀਤਾ ਕਿ ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਬਾਰੇ ਪੜਤਾਲ ਕਰੋ । ਇਸ order ਹੋਏ ਨੂੰ ਵੀ ਅੱਜ ਇਕ ਸਾਲ ਤੋਂ ਉਤੇ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਪਰ ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। ਉਸ ਨੇ ਫਿਰ Director of Consolidation ਨੂੰ ਵੀ ਇਕ ਅਰਜ਼ੀ ਦਿੱਤੀ । ਉਥੋਂ ਵੀ ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਅਜ ਕਲ, ਫਾਈਲਾਂ ਨੂੰ ਜਦੋਂ ਤਕ ਰੁਪਈਆਂ ਦੇ ਪਹੀਏ ਨਾ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਜਾਂ ਜਦੋਂ ਤਕ ਰਿਸ਼ਵਤ ਨਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਉਦੋਂ ਤਕ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਬਣਦਾ । ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਇਹ ਗੱਲਾਂ ਨਹੀਂ ਘੜ ਰਿਹਾ, ਇਹ ਖੁਦ ਬੀਤੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹਨ । ਐਸੀ ਹਾਲਤ ਵਿੱਚ ਜੇ ਕੋਈ ਪੁਛਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਹਕੂਮਤ ਠੀਕ ਚਲਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਚਲਦੀ ਤਾਂ ਮੇਰੀ ਤਾਂ ਰਾਏ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਤੁਰਦੀ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦੇ ਜ਼ਮਾਨੇ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ ਪਟਵਾਰੀ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਸੀ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਉਥੋਂ ਬਦਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ । ਮਗਰ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੈਰਮੁਲਕੀ ਹੁਕਮਰਾਨਾਂ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਅੱਗੇ ਵਧ ਗਈ ਹੈ । ਬਲਾਚੌਰ ਦੇ ਪਟਵਾਰੀ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਬੜੀਆਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਬਦਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਔਰ ਇਹ ਮੇਰੇ ਇਲਮ ਵਿਚ ਹੈ ਕਿ ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਗੱਲ ਮੰਨ ਲਈ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਤਬਦੀਲੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਲੋਕ ਇਸ ਤਸੱਲੀ ਤੇ ਵਾਪਸ ਆ ਗਏ ਮਗਰ ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਪਤਾ ਲਗਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਦੂਸਰੇ ਵਜ਼ੀਰ ਨੇ ਉਸ ਗਲ ਦੇ ਵਿਚ ਦਖਲ ਦੇ ਕੇ ਉਸ ਪਟਵਾਰੀ ਦੀ ਤਬਦੀਲੀ ਦੇ ਆਰਡਰ ਰੁਕਵਾ ਦਿਤੇ ਹਨ । ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਾਉ ਕਿ ਜਿਸ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਿਚ ਦੋ ਵਜ਼ੀਰ ਇਕ ਮਾਮੂਲੀ ਪਟਵਾਰੀ ਦੇ ਤਬਾਦਲੇ ਤੋਂ ਝਗੜ ਪੈਣ ਉਥੇ administration ਦਾ ਕੀ ਹਾਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਹੁਣ ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਪਰਸੋਂ ਵਾਕਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਪਰਸੋਂ ਕਿਰਨ ਸਿਨਮੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਏਥੇ ਇਕ ਏ. ਐਸ. ਆਈ. ਨੇ ਇਕ worker ਨੂੰ ਮਾਰ ਕੁਟ ਕੀਤੀ । ਉਸ ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ protest ਕੀਤਾ ਔਰ ਕੁਝ ਦੂਸਰੇ workers ਜਿਹੜੇ ਸਿਨਮਾ Employees Union ਦੇ workers ਸਨ ਉਹ ਵੀ ਇੱਕਠੇ ਹੋਏ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਨੇ ਇਹ ਦਰਖਾਸਤ ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਉਸ ਥਾਣੇਦਾਰ ਦਾ ਡਾਕਟਰੀ ਮੁਆਇਨਾ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਏ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਨੇ ਸ਼ਰਾਬ ਪੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ । ਵਾਜਬ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਸੁਣੀ ਜਾਂਦੀ। ਅਸਲ ਵਿਚ ਉਥੇ ਸਿਨਮੇ ਦੇ ਮਾਲਿਕ ਅਤੇ ਵਰਕਰਾਂ ਦੇ ਦਰਮਿਆਨ ਝਗੜਾ ਸੀ ਔਰ ਉਹ ਥਾਣੇਦਾਰ ਸਿਨਮੇ ਦੇ ਮਾਲਿਕ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਸੀ । ਉਸ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਸ਼੍ਰੀ ਸੋਹਨ ਲਾਲ, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਇਕ worker ਸੀ, ਉਸੇ ਹੀ ਦਿਨ ਗਰਿਫਤਾਰ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ । ਫੇਰ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਮਾਨਤ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਕਾਮਰੇਡ ਪਲਟਾ ਜੀ ਗਏ ਸਨ ; ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਗਰਿਫਤਾਰ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਇਕ ਹੋਰ ਆਦਮੀ ਜਿਸ ਦਾ ਨਾਮ ਕਸ਼ੋਰੀ ਲਾਲ ਹੈ, ਉਸ ਦੀ ਨਾਲੇ ਥਾਣੇਦਾਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮਾਰ ਕੁਟਾਈ ਕੀਤੀ ਸੀ ਅਤੇ ਨਾਲੇ ਉਸ ਨੂੰ arrest ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ।

4 p. m.

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੀ ਉਹ ਪਿਕਟਿੰਗ ਕਰਦੇ ਫੜੇ ਗਏ ਹਨ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਗਲ ਵਿਚ ਫੜੇ ਹਨ ?

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਪਤਾ ਕਰੋ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਫੜਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਜੋ ਕੁਝ ਜਾਣਦਾ ਸੀ ਤੁਹਾਡੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆ ਚੁਕਾ ਹਾਂ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕ ਗਲ ਮੈਂ ਹੋਰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਉਸ ਗਲ ਨੂੰ ਕਿਤੇ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਸਮਝ ਕੇ ਉਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਹੀ ਨਾ ਬੰਦ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਕ ਨੇਕ ਕਦਮ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਡੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ 5 ਮਾਰਚ ਨੂੰ ਸ੍ਰੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਸਰਾਭੇ ਦਾ ਬੁਤ ਨਸਬ ਕਰਕੇ ਆਏ ਹਨ । ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜੋ ਥੈਲੀ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਉਹ ਰੁਪਿਆ ਕਿੱਥੋਂ ਆਇਆ ਸੀ ਤੇ ਕਿਵੇਂ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਮੈਂ ਅਖਬਾਰ ਵਿਚ ਇਕ ਖਬਰ ਪੜ੍ਹੀ ਹੈ । ਉਸ ਤੇ ਦਸਖਤ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਨਾਮ ਹਨ ਸ੍ਰੀ ਦੇਵਕੀ ਨੰਦਨ District Secretary, P.S.P., ਲਾਲਾ ਲਾਜਪਤ ਰਾਏ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ., ਸ੍ਰੀ ਮਦਨ ਲਾਲ, ਸੈਕਟਰੀ, Communist Party, ਸ੍ਰੀ ਅਜੀਤ ਕੁਮਾਰ, ਸੈਕਟਰੀ, ਪੰਜਾਬ Republican Party । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਿਵਾਏ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਹੋਰ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਬੰਦਿਆਂ ਨੇ ਉਸ ਤੇ ਦਸਖਤ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਹਨ । ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿਸੇ ਅਫਸਰ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਸਿਰਫ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਥੇ ਜਿਹੜਾ Sub-Registrar ਹੈ ਉਸ ਨੇ 8 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਅਜ ਤੋਂ ਚਾਰ ਸਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਸੀ । ਕੀ Chief Minister ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਸ ਦਾ ਹਿਸਾਬ ਕਿਤਾਬ ਲਿਆ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ; ਜੇ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਤਾਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । (*Interruptions*)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਤਸ਼ਰੀਫ ਰਖੋ । (The hon Member should resume his seat now.)

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਅੱਛਾ ਜੀ, ਰਖ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ ।

श्री राम प्यारा (करनाल) : स्पीकर साहिब, फील्ड में पुलिस वालों को कुछ मुश्किलात होती हैं जिनका ज़िक्र मैं करना चाहता हूं । और वह, जनाब, यह हैं कि चूंकि Constable, Head Constable, A.S.I., S. I., वगैरह जो हैं, जिन्हें काम ज़्यादा करना पड़ता है, उनकी तनखाहें बहुत थोड़ी हैं और जब तक इनमें improvement नहीं होती तब तक यह corruption जो rampant है उसको दूर नहीं किया जा सकता । उनको जो T. A. मिलता है, वह भी बहुत थोड़ा मिलता है, हाउस रैंट भी बहुत थोड़ा मिलता है । और उन लोगों को जो stationery दी जाती है वह भी 3 महीने के हिसाब से दी जाती है और वह भी बहुत थोड़ी जब कि उन्हें रोज़ खर्च करनी पड़ती है और वह भी 5, 5 रुपए रोज़ तक की । तो इस सब को वह कैसे

meet कर सकते हैं। इस लिए अगर इन चीज़ों में इज़ाफा नहीं होता तो corruption दूर नहीं हो सकती। एक ओर तो गवर्नमैंट छोटी छोटी बचतें करती है लेकिन दूसरी ओर गवर्नमैंट का बहुत ज्यादा नुक्सान हो जाता है। इस लिए गवर्नमैंट को चाहिए कि ऐसे सब कारणों को जो गवर्नमैंट के खर्चे का कारण हो उनको दूर करे और इन लोगों की तनखाहों वगैरह के बारे में ध्यान दे।

एक बात में Vigilance Department की करना चाहता हूं, वह यह कि यह बहुत अच्छी तरह से और मज़बूती से काम कर रहा है और कर सकता है बशर्ते कि ऊपर से interference न हो। उनके लिए conveyance का इन्तज़ाम हो।

मैं समझता हूं कि सरकार जितना रुपया पुलिस कमिशन के चेयरमैन पर खर्च कर रही है अगर यही रुपया मुलाज़मों पर खर्च हो तो ज्यादा बेहतर होगा। मैं समझता हूं कि सरकार का यह कदम सिर्फ एक political tactic है वरना हकीकत में इस से State की administration को बेहतर बनाने की कोशिश नहीं की गई। हमें इतनी महंगी administration बनाने की जरूरत नहीं। Administration में efficiency लाने के लिए हमें कुछ कम पैसे दे कर उतने ही अच्छे आदमी मिल सकते हैं। लेकिन दर असल होता यह है कि हम efficiency को न सोचते हुए यह सोचते हैं कि फलां आदमी को accommodate करना है। इस तरह से State की development के नाम पर आदमियों की development हो रही है।

करनाल के बारे में administrative efficiency की एक मिसाल मैं आप के सामने रखता हूं। करनाल म्युनिसिपल कमेटी के वोटरों की फेहरिस्तें तैयार हुईं तो चंडीगढ़ में आ कर राम प्यारा और श्री मूल चन्द जैन की वोटें कटवा दी गई। मैं ने Minister concerned और D.C. दोनों को चिट्ठियां लिखीं। दोनों के जो जवाब आए अगर उन को एक वक्त में पढ़ा जाए तो गवर्नमैंट की efficiency का पता चलता है।

District Offices में बददयानती इतनी बढ़ी हुई है कि सैंकड़ों files पड़ी हुई हैं, उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। Flying Squads बने हुए हैं लेकिन उन के छापों का असर छोटे मुलाज़मों पर ही पड़ता है। जब तक बड़े बड़े आदमियों पर छापा नहीं मारा जाता तब तक यह मसला हल नहीं हो सकता। आज हमारी administration में bold आदमियों की जरूरत है। जब महात्मा गान्धी की call पर Sir Shankar Nayar ने अस्तीफा दे दिया तो वाइसराय ने कहा :

"Can you suggest any substitute who may replace you?"

Sir Shanker Nayar ने कहा, "Yes". उसने कहा कि मुझे एक हफ्ता के बाद सोच कर बताना। Sir Shanker Nayar ने कहा :

[श्री राम प्यारा]

" I can suggest just now". जिस पर वाइसराय ने कहा, "Please suggest".

उसने कहा, " My peon."

वाइसराय ने गुस्से में आ कर कहा : "You have insulted me".

सर शंकर नायर ने कहा : "I have not insulted you. You want a 'yesman' and my peon will never say "No".

आज यहां ऐसे अफसरों की जरूरत है जो never say 'No' के आदी हों ताकि State की बदनामी न हो ?

मेरी चिट्ठी के मुताल्लिक भी काफी चर्चा रही। हाउस में भी यह बात आई कि address गलत था हालांकि address बिल्कुल ठीक था। उसके ऊपर लिखा था 'Chairman, Vigilance Committee, Chandigarh' लेकिन हैरानी की बात है।

Mr. Speaker : Please do not refer to that.

श्री राम प्यारा : जनाब, इस के बारे म मैं सिर्फ D.O. का reference दूंगा। मैंने Post Master General को चिट्ठी लिखीं और Communication Minister को भी तीन बार चिट्ठियां लिखीं कि enquiry करें। Post Master General ने लिखा :

> "As to the various points raised in your letter, I will request you to pursue the matter with the Chief Minister of Punjab, who alone will be able to throw light on them."

Mr. Speaker: But how is it relevant here ? Why do you stretch this matter further when Government has already given its statement on it and there has been sufficient discussion on it during the Question Hour.

श्री राम प्यारा : बहुत बेहतर, जनाब, मैं इस मामले को यहीं पर छोड़ देता हूं। इस के इलावा मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि पानीपत शूगर मिल के मुताल्लिक शिकायतें हुई और गवर्नमैंट ने inquiry पुलिस के हवाले की। पुलिस वालों ने inquiry करने के बाद रिपोर्ट दी लेकिन गवर्नमैंट ने वह inquiry एक साल के लिए cold storage में रख दी। मैं ने इस पर सवाल भी दिया था कि जब inquiry complete हो गई है तो फिर शाया क्यों नहीं की जाती। जवाब में इन्होंने फरमाया कि inquiry complete हो रही है। इस के मुताल्लिक मैं अर्ज़ करूं कि पंडित अमर नाथ Sub-Inspector जिसे inquiry पर लगाया गया था, को retire हुए एक साल हो गया है लेकिन यह कह रहे हैं कि inquiry अभी complete हो रही है। कितनी हैरानी की बात है कि जो Sub-inspector inquiry कर रहा है उसे retire हुए एक साल हो गया है। उस के मातहत जो A.S.I. था उसे retire हुए एक साल हो गया है, जो उन के साथ Head Constable था उसे भी उस post से गए 7-8 महीने हो गए हैं। Inquiries का यह हाल है कि जो inquiry नीचे होती है ऊपर आ कर दबा दी जाती है और गवर्नमैंट की बदनामी होती है। मैं चाहता हूं कि जो inquiry नीचे से आए उस में ऊपर जा कर किसी किस्म को favouritism नहीं होनी चाहिए। इस लिए मैं अर्ज़ करूंगा कि अगर गवर्नमैंट में हिम्मत हो और courage हो तो वह मेरी

ग्रौर Commissioner, Ambala Division, के दर्म्यान correspondence को शाया कर दे। मेरी तीन चिट्ठीयों के बाद, पता नहीं किस की सलाह पर Commissioner, Ambala Division, ने एक सम्मन मेरे नाम निकाल दिया। मैं ने उस का सख्त जवाब दिया। अगर गवर्नमैंट में courage होती तो गवर्नमैंट अख्तियार दे देती कि मुझे गिरफ्तार कर लो और मैं साबत करता कि किस तरह की बेईमानियां हो रही हैं। इसी तरह से एक और केस की inquiry 1956 से हो रही है। उस सिलसिले में मैंने एक D.O/H.L./18/1027-C, dated 3rd February, 1956 मुतग्राल्लका अफसर को लिखा लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस तरह से चार चार साल से files Vigilance Department में पड़ी रहती हैं। हैरानी की बात यह है कि application तो दी जाती है 10 हज़ार की और department वाले 14 हज़ार की कर देते हैं। यह नामुनासब है।

इसी तरह से एक Honorary Sub-Registrar को suspend किया गया था। 17-1-59 को जो charge-sheet उसे दिया गया था उस में यह बात वाज़ेह थी कि 6 महीने के अन्दर inquiry मुकम्मल की जाए लेकिन आज 26 महीने हो गये हैं कि वह inquiry एक इंच भी आगे नहीं चली। मुझे इस बात की समझ नहीं आती कि गवर्नमैंट को इस से क्या अंदेशा है और ऐसा न करने में कौन सा मकसद involved है। अगर गवर्नमैंट इस मामले में sincere है तो वह inquiry करवाए। अगर वह Sub-Registrar बेगुना है तो उसे बहाल किया जाए और अगर गुनाहगार है तो उसे सज़ा दी जाए। मुझे इस से कोई सरोकार नहीं कि उसे सज़ा हो या वह बरी है। चिट्ठी में यह कहा गया कि Industries Minister को भेज दी गई है। उस का न Co-operative Department से ताल्लुक था, न Chief Minister के Department से।

Mr. Speaker: The hon. Member is not relevant.

श्री राम प्यारा : Item No. 2 में मैं ने लिखा था कि अगर गवर्नमैंट को जुर्रत है तो उस complaint की enquiry करवाएं और अगर charge sheet साबित न हो तो मैं सज़ा भुगतने के लिये तैयार हूं। R. K. Raina, Technical Adviser और एक इंस्पैक्टर की appointments most scandalous हैं क्योंकि आदमी technical qualifications possess नहीं करते। उन्हें बड़ी बड़ी तनखाहें इस लिये दी जा रही हैं कि उन से कोई और काम लेना मतलूब है। (A voice from the Treasury Benches : अगर वे technical hands नहीं होंगे तो उन की appointments नहीं हो सकतीं।) स्पीकर साहिब, जैसे मैं ने कल अर्ज़ किया था कि Industries Department में बाज औकात appointments चीफ मिनिस्टर साहिब कर देते हैं और Director of Industries को या Industries Minister को पता भी नहीं होता।

श्री श्री कृष्ण शास्त्री (सुफीदों) : स्पीकर साहिब, पंजाब की पुलिस बड़ी बहादुर और चतुर है। पंजाब की पुलिस पर हर आदमी गौरव कर सकता है। कुछ मैम्बर साहिबान ने तो अपने views इस तरह से express किये हैं जैसे उन्होंने सरकार से कोई बदला चुकाना होता है लेकिन इस तरह से ज़ाती रंजशों की बिना पर गवर्नमैंट को condemn करना उन्हें शोभा नहीं देता। इस हकीकत से इन्कार नहीं किया जा सकता कि पंजाब पुलिस में बड़े बड़े बहादुर नौजवान हैं जिन्हों ने जग्गा जैसे डाकू को इस सूबे से भगा दिया और उसे आखिर में पाकिस्तान में जा कर पनाह लेनी पड़ी। पंजाब की पुलिस ने बहुत काबिले तारीफ काम किये हैं जिन्हें नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। पुलिस पर तो नुक्ताचीनी महज़ चीफ मिनिस्टर साहिब को बदनाम करने की गर्ज़ से की जाती है या इस तरह की बातों से कांग्रेस गवर्नमैंट को बदनाम करना मतलूब होता है। इस तरह का तर्ज़े अमल अपनी गवर्नमैंट के बारे में रखना मैं समझता हूं कि काबिले मुज़म्मत है। इस सिलसिले में मैं यह अर्ज़ करूंगा कि पुलिस को किसी वारदात की इत्तलाह देने में पब्लिक को खासी तकलीफ का सामना करना पड़ता है क्योंकि कई ऐसी जगहें हैं जहां मण्डी एक मील दूर और थाना भी एक मील की दूरी पर होता है। थानों में telephone न होने की वजह से वारदात की जल्दी इत्तलाह देने में लोगों को काफी दिक्कतें पेश आती हैं। कई गांव तो पंजाब में ऐसे हैं जहां water-logging की वजह से गांव से पुलिस स्टेशन तक पहुंचना बहुत मुश्किल हो जाता है। अगर गवर्नमैंट हर police station में telephone लगाने का बंदोबस्त करे तो इस तरह से लोगों को काफी सुविधा मिल सकती है। खास कर दिलाना और सुफीदों के थानों में तो telephones का instal किया जाना बहुत ज़रूरी है क्योंकि इस इलाके में न सड़कें हैं और रास्ते इतने खराब हैं कि अफसर वारदात की जगह पर असानी से नहीं पहुंच सकते। उस अलाके में सांप और दूसरे ज़हरीले जानवर पैदा हो जाते हैं जिस की वजह से अगर वहां आदमी पैदल सफर करे तो उसे जान का खतरा पैदा हो जाता है। इस लिए ऐसे हालात में थानों में jeeps का होना बहुत ज़रूरी है। Jeeps का D.S.P. के पास होना कोई मायनी नहीं रखता बल्कि यह jeep थानेदार के पास होनी चाहिये ताकि अगर किसी गांव में ज़बरदस्त वारदात हो जाए तो वह मौका पर जल्दी पहुंच कर मुकद्दमे की तफतीश कर सके। इस में शक नहीं कि इन्हें घोड़े मिले हुए हैं और उन्हें घोड़े की maintenance का खर्च भी मिलता है लेकिन इन की तनखाह कम होने के बाइस यह अपने घोड़े का खर्च ज़मीदारों पर डाल देते हैं। इसी तरह से, स्पीकर साहिब, police constable सब से ज्यादा काम करता है लेकिन वह सब से ज्यादा तकलीफ में है। बच्चे उस के बहुत ज्यादा होते हैं, मकान उस के पास नहीं होता, तनखाह बहुत थोड़ी लेकिन डाकुओं की मुठ भेड़ में सिपाही गोली का निशाना बनता है। गवर्नमैंट को चाहिये कि इस की तनखाह raise कर के 100 रुपया माहवार कर दे। आम तौर पर यहां पुलिस की बेज़ाब्तगियों का ज़िक्र किया जाता है लेकिन वे बेचारे क्या करें—थोड़ी सी तनखाह में वे अपने बाल बच्चों का पेट नहीं पाल सकते इस लिये उन्हें अपनी income को supplement करने के लिये बाज़ औकात बेज़ाब्तगियां करनी पड़ती हैं।

(*At this stage Mr. Deputy Speaker occupied the Chair.*)

मैं समझता हूं कि सिपाही की तनखाह 100 रुपया माहवार होनी चाहिये ताकि वे अपना और अपने बाल बच्चों का पेट पाल सकें। इसी तरह से चंडीगढ़ में छोटे कर्मचारी यानी चपड़ासी हैं जो सुबह से ले कर शाम तक काम करते हैं और उन्हें सारा दिन खड़ा रहना पड़ता है। मैं मानता हूं कि सरकार ने छोटे दर्जे के मुलाजमों की तनखाहों में पांच रुपये माहवार का इज़ाफा किया है लेकिन मैं समझता हूं कि यह काफी नहीं। उनकी तनखाह में कम से कम 20 रुपये का इजाफा किया जाना चाहिये था। जब तक गरीब आदमी को पेट भर कर खाना मुयस्सर नहीं होता उस की तरक्की की मन्ज़िल पर पहुंचने का सवाल ही पैदा नहीं होता। अगर गरीब आदमी अपनी गुरबत और लाचारी में आहो फगां कर रहा हो तो बड़े बड़े आदमियों के पेट भरने से क्या फायदा।

मैं कहता हूं कि आप बेशक ऐम. ऐल. एज़. की तनखाहों का कानून बदल दो, उन की तनखाह डेढ़ डेढ़ सौ रुपया कर दो और बड़े बड़े अफसरों की तनखाहें घटा दो लेकिन छोटे आदमियों की तनखाह कम से कम सौ रुपया जरूर होनी चाहिए। उन को सौ रुपया मिलेगा, काम ज्यादा करेंगे, बेईमानी नहीं करेंगे और इन मेरे साथियों के मूंह अपने आप बन्द हो जाएंगे। आप क्या पूछते हैं इन लोगों की बात। यह तो अफसरों को धमकियां देते हैं कि या तो काम कर दो नहीं तो पता लगेगा उस वक्त जब असेम्बली में हम लगाएंगे तुम्हारे खिलाफ इलज़ाम। (*Interruptions*) यह बात ठीक है कि वह हमारे भी काम करते हैं और हम भी उन के पास जाते हैं लेकिन वह काम नाजायज नहीं होते, कानून और कायदे के मुताबिक होते हैं। मैं यह भी बता दूं कि हमारे अफसर इन से नफरत नहीं करते बल्कि इन की ग़लत बातों से नफरत करते हैं जो कि यह उन से करवाना चाहते हैं।

पटवारियों का भी ज़िक्र किया गया है। ठीक है कि पटवारी भी यूं ही बेईमानियां करते हैं क्योंकि उन की तनखाह थोड़ी है। हैड मुहर्रर थाने में लगा होता है, उसने बस्ता, स्याही, कलम दवात लेनी होती है, वह भी यूं ही पैसे लेता है। लेकिन जैसा कि मैंने बताया वह इस लिए करता होगा कि उसको तनखाह थोड़ी है। वह गुजारा नहीं कर सकता। इसी लिए तो मैंने निवेदन किया कि हमारी सरकार को चाहिए कि वह उन की तन्खाह कम से कम सौ रुपया करे। डिप्टी स्पीकर साहिब, यहां जो इतना बड़ा महल बनाया गया है। इसका क्या फायदा जबकि नीचे दो दो सौ किसान खड़े हैं और उन के लिए यहां आने के वास्ते कोई जगह नहीं। आखिर इसका नक्शा जिन्होंने बनाया, जिन्होंने इसको तैयार किया उन को इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए था कि क्या क्या तकलीफ लोगों को होगी और उसको कैसे दूर किया जाए। अगर यह कहा जाए कि यह सरदार प्रताप सिंह कैरों का कसूर है, पंडित मोहन लाल का कसूर है या चौधरी सूरज मल का कसूर है तो यह गलत बात होगी। इन्होंने तो रुपया दे दिया और कह दिया कि इस इमारत को बनाना है। यह तो उन लोगों को चाहिए था कि जो जगह बनानी है वह तरीके से बनाई जाए, सब बातों का ख्याल रखा जाए। उन्होंने तो उन लोगों की ईमानदारी पर छोड़ दिया था। (*Interruptions*)

[श्री श्री कृष्ण शास्त्री]

सैक्रेटेरिएट की बाबत लोग शिकायत करते हैं कि वहां पर इन्साफ नहीं मिलता। मैं यह कहना चाहता हूं कि सैक्रेटेरिएट में छोटे से छोटे अफसर भी बड़े शानदार हैं। वह लोगों की भलाई के लिए काम करते हैं। लेकिन अगर इनकी गलत बातों को न मानें तो यहां आकर वावेला मचा देते हैं। जहां तक मेरे चीफ मनिस्टर का सम्बन्ध है वह तो बज़ाते खुद एक बहुत आर्द्रहृदय व्यक्ति हैं, बड़े नर्म दिल हैं। इसी लिए तो दो दो सौ आदमी उन के पीछे हर वक्त लगे रहते हैं। वह सब की बात सुनते हैं। किसी को दुःख नहीं होने देते। जब किसी की तकलीफ सुनते हैं तो यहीं से हुक्म कर देते हैं कि इसकी तकलीफ को दूर किया जाए। (*Interruptions*) मैं खुद रेल्वे बोर्ड का मैम्बर हूं। मैंने आधा हिन्दुस्तान देखा हुआ है। जहां कहीं मैं जाता हूं तो मुझ से पूछते हैं कि तुम्हारे चीफ मनिस्टर के अन्दर क्या खूबी है। तो मैं उन को बताता हूं कि उनका जहां हृदय बड़ा कोमल है वहां वह बड़े मजबूत इरादों के हैं। कोमल हृदय पत्थर दिल से ज्यादा मजबूत होता है। इसी लिए वह लौहपुरुष भी हैं। जब उन के खिलाफ मेरे भाइयों ने आरोप लगाए तो कई बार उन्होंने चेलंज किया कि कोई आए और दिखाए कि कौन सा सबूत उसके पास है। वैसे तो किसी में हिम्मत नहीं कि कोई बात लेकर सामने आए मगर यहां पर भां, भां, भां, भां करते हैं। यह जो भोलेभाले लोग गैलरियों में बैठे हैं उन को रिझाने के लिए लम्बा लम्बा मुंह बनाकर बातें बनाते हैं। चौधरी धर्म सिंह राठी भी बोला मगर यह नहीं बताया कि उसमें तथ्य क्या था। (*Interruptions*) मैं अपने दोस्त को कहूंगा कि जो कहना चाहता है वह लिख कर दे। ऐसे काम नहीं चलेगा। वह लड़की कौन है, क्या है वह मामला, यह सब बातें हाऊस में करनी आसान हैं। क्यों रोज़ रोज़ राग अलापते हो कि सरदार सुरेन्द्र सिंह ने सिनेमा बना लिया? क्या तुम चीफ मनिस्टर के बेटों को भिखारी देखना चाहते हो? क्या चीफ मनिस्टर के लड़के इनसान नहीं? क्या वह योग्य नहीं जो तुम उन पर बात बात पर लांछन लगाते हो? तुम्हें क्या पता कि उन की जायदाद क्या है? मुझे पता है। मैं जानता हूं। ज़रा जींद के पास जाकर देखो, कितनी जायदाद है। यूं ही उठ कर कीचड़ उछालना शुरू कर दिया जाता है। (*Interruptions by Chaudhri Dharam Singh Rathi*) तुम्हारे कूओं पर तो चिड़, चिड़, चिड़, चिड़ होती है, मुझे सब पता है। मुझे पता है तुम्हारे गांव के अन्दर क्या रखा है। मैं सब जानता हूं, किस से बात करते हो, जो सब कुछ जानता है? दर असल, डिप्टी स्पीकर साहिब, बात यह है कि अगर कोई आदमी भूखा मरे तो इन को खुशी होती है और अगर किसी को रोटी मिल जाए तो इनको दुःख होता है। अगर किसी अफसर ने इन का काम न किया तो लगे यहां पर उसको कोसने। आखिर मैं पूछता हूं कि क्या है उनके कोसने में? हमारे अफसर बड़े अच्छे और काबिल आदमी हैं।

फिर यहां पर गिनती करके बताई जाती है कि वहां के इतने हैं और यहां के इतने हैं। भूल जाते हैं कि यह तो सब appointments qualifications के आधार पर, योग्यता के आधार पर होती हैं। आप देखें कि

Subordinate Services Selection Board का जो चेयरमैन है, राम्रो भीम सिंह वह हरियाना का है, पब्लिक सर्विस कमीशन में हमारे हरियाना के दो तीन आदमी हैं, हमारे चार वज़ीर हैं और तीन डिप्टी वज़ीर हैं और इस के अलावा आप हमारे डिप्टी स्पीकर साहिब यहां पर बैठे हुए हैं। इतना होते हुए भी अगर यह तकरार करें तो क्या किया जाए। बात, डिप्टी स्पीकर साहिब यहां पर बाबा के कम्बल की है। बस यही झगड़ा है। खैर, अब मैं इन बातों को छोड़ता हूं।

मैं पुलिस की बाबत आप की सेवा में निवेदन कर रहा था। पुलिस वालों को बड़ी तकलीफ है। उन की तरफ सरकार को ख्याल रखना चाहिए। जैसे water-logging के मसले को बड़ी तेज़ी के साथ हल किया जा रहा है यह भी ख्याल रखना चाहिए कि हर थाने पर एक टैलीफोन हो ताकि उन को सूचना देने में देरी न लगे।

जहां तक Sub-Registrars का ताल्लुक है अगर कोई Sub-Registrar ज्यादा पैसे लेता है तो क्यों नहीं चौधरी धर्म सिंह राठी उसको पकड़वा देते? अगर उन के नोटिस में यह चीज आए तो वह तो उसे अन्दर करवा दें। इस लिए ज़रूर कोई ऐसा आदमी होगा जो कि उन का रिश्तेदार होगा और जिस को यह नुक्सान नहीं पहुंचाना चाहते होंगे वरना यह कैसे किसी को छोड़ सकते हैं। जहां तक ज्यादा पैसे लेने का ताल्लुक है यह भी ठीक है कि कोई ऐसा करता होगा। मगर उन को चीफ मनिस्टर ने तो नहीं कह रखा कि तुम पैसे लो। इसमें चीफ मनिस्टर को आप कैसे कोसते हो? वह लोग तो, डिप्टी स्पीकर साहिब, कोई पैसा वैसा नहीं लेते। वह तो अपनी फीस लेते हैं। हां राठी साहिब को यह दुःख होगा कि वह किसी को Sub-Registrar लगवाना चाहते होंगे वह नहीं लिया गया होगा, कोई दूसरा आदमी ले लिया गया होगा इस लिए यह सारा बवंडर पैदा कर दिया।

इन्होंने भट्टों का भी झगड़ा किया। मैं आप के द्वारा सदन को बताना चाहता हूं कि वह मेरे साथी पंडित मोहन लाल के पास गए और कहने लगे कि भट्टा दे दो। उन्होंने कहा कि उन की तो Association बनी हुई है, Union है और उन लोगों को मिलता है जो कि दस बारह साल से काम कर रहे हैं आप को तो इस काम का कोई तजरुबा नहीं कैसे भट्टा दे दिया जाए। तो झट असेम्बली में आए और कहने लगे कि हरियाणा वालों को कोई भट्टा नहीं मिलता। साहिब, मेरे तो एक साथी जान पहचान वाले दीवान शान्ति स्वरूप हरियाना के ही हैं जिन को भट्टा मिला हुआ है। आप कैसे कहते हो कि किसी हरियाना वाले को भट्टा नहीं मिला हुआ। बस बात असल में यही है कि उन का कहना नहीं माना गया तो यहां पर आकर ज़हर उगल दिया। अगर सरदार गुरबन्ता सिंह ने किसी पंचायत अफसर का तबादला न किया तो उसी को बुरा भला कहना शुरू कर दिया। अगर किसी दूसरे मिनिस्टर ने उन की गलत बात को न माना तो चल दिए असेम्बली को। डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं आप के ज़रिए उन दोस्तों को बताना चाहता हूं कि वह तो लोगों की नजरों में condemn हो चुके हैं, अब उन की आवाज़ में सच्चाई न रहने से लोगों पर उन की बातों का कोई असर नहीं होने वाला चाहे जिस किसी को बदनाम करना शुरू कर दें। हाई कमांड तक, पंडित जवाहर लाल

[श्री श्री कृष्ण शास्त्री]

नेहरु तक सब बातों की enquiry हो चुकी है और गंगाजल जैसा इन्साफ हो चुका है। अब वह क्या कह सकते हैं?

इन शब्दों के साथ, डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं आप का धन्यवाद करता हूं कि आप ने मुझे टाइम दिया।

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਰੀਜ਼ਰਵਡ): ਜਨਾਬ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ administration ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਆਪਣੇ ਖਿਆਲਾਤ ਦੱਸਣ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਨੀ ਬੜੀ ਆਸਾਨ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਮਜ਼ਮੂਨ ਵੀ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਲਗਦਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਜਿਹੜੀ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੋਵੇ ਉਸ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਵੀ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਾਲੇ ਭਾਈਆਂ ਨੂੰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਕਿ ਮੈਂ ਹਮੇਸ਼ਾ ਸੋਚ ਸਮਝ ਕੇ ਹੀ ਗਲ ਬਾਤ ਕਰਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਵੈਸੇ ਤਾਂ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਵਿਚ ਹੀ ਇਹ ਹਾਲ ਹੈ ਮਗਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਫਿਰਕਾਪ੍ਰਸਤੀ ਦਾ ਜ਼ਹਿਰ ਫੈਲਾਉਣ ਵਾਲੇ ਵਾਯੂਮੰਡਲ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਖਰਾਬ ਕਰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਮੈਂ ਦਾਅਵੇ ਨਾਲ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਹਕੂਮਤ ਕਰਨਾ ਕੋਈ ਖਾਲਾ ਜੀ ਦਾ ਵਾੜਾ ਨਹੀਂ। ਕਈ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੁਲਿਸ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਭਰਾਵਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮਜ਼ਹਬਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਜਿਹੜੀਆਂ associations ਕਰਦੇ ਹੋ ਉਹ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਉ ਤਾਂ ਪੁਲੀਸ ਆਪੇ ਹੀ ਘਟ ਜਾਏਗੀ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਏਥੇ ਮਜ਼ਹਬ ਦਾ ਨਾਂ ਲੈ ਕੇ ਭੋਲੇ ਭਾਲੇ ਔਰ ਬੇਗੁਨਾਹ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜੇਲਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਭਿਜਵਾਇਆ ਗਿਆ। ਤੁਸੀਂ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕਿਤਨਾ ਕੁ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਤਾਂ ਇਹ ਹਾਲਤ ਸੀ ਕਿ ਕਿਤੇ 1947 ਦਾ ਨਜ਼ਾਰਾ ਫੇਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਨਾ ਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨਾ ਕਿਸ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ। ਇਹ ਪੁਲਿਸ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਆਦਮੀ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ। ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਸਾਰਾ credit ਸਾਡੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਏਥੇ ਪਹਿਲੇ Hindi agitation ਹੋਈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੇ agitation ਚਲਾਈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਨਾਂ agitations ਦੇ ਵਕਤ ਫ਼ਸਾਦ ਦਾ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਖਤਰਾ ਸੀ। ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਜਦੋਂ All-India Congress ਦਾ ਇਜਲਾਸ ਹੋਇਆ ਸੀ ਤਾਂ ਉਦੋਂ ਵੀ ਲੜਾਈ ਦਾ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਖਤਰਾ ਸੀ। ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਇਤਨਾ ਡਰ ਬੈਠ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕਾਰਖਾਨੇ ਏਥੋਂ ਚੁਕ ਕੇ ਦੂਸਰੇ ਸੂਬਿਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਖੋਲ੍ਹਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਸਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਕਾਬੂ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਜਿਤਨੀ ਵੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਉਤਨੀ ਹੀ ਥੋੜੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਚੰਗੀ administration ਹੋਰ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਨੂੰ ਇਤਨੀ ਕਾਮਯਾਬੀ ਦੇ ਨਾਲ ਕਾਬੂ ਕਰ ਸਕੇ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ: ਕਲ ਸ਼ਾਮ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਕੀ ਆਖਦੇ ਸੀ? ਇਤਨੀ ਜਲਦੀ ਬਦਲ ਗਏ ਹੋ।

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਅਮਨ ਰਖਣਾ ਕੋਈ ਖਾਲਾ ਜੀ ਦਾ ਵਾੜਾ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ opposition ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਮਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਲਫ਼ਜ਼ ਵੀ ਆਪਣੇ ਮੂੰਹ ਵਿੱਚੋਂ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ । ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਅਫ਼ਸੋਸ ਹੈ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣ ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਵਲ ਆਪਣੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦਾ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੁਲਿਸ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਬਹੁਤ ਘਟ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਚਲਣਾ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਹੈ । ਅਜ ਕਲ ਕਿਉਂਕਿ ਜ਼ਮਾਨੇ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਬਦਲੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਹਰੇਕ ਆਦਮੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਬੱਚੇ ਚੰਗੀ ਤਾਲੀਮ ਹਾਸਿਲ ਕਰਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾਣ-ਪਹਿਨਣ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਮਿਲੇ, ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਉਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ ਜਿਹੜੀ ਉਹ ਰਿਸ਼ਵਤ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ । ਮੈਂ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਪੁਲਿਸ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਉ । ਫੇਰ ਤੁਸੀਂ ਦੇਖਣਾ ਉਹ ਕਿਤਨਾ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਕੰਮ ਕੀਤੇ ਹਨ ਉਹ ਧਾਰਮਕ ਆਗੂਆਂ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਨ । ਦੋ ਸਾਲ ਜਿਹੜੀ ਧਰਮ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਲੜਾਈ ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਜਿਤ ਹੋਈ ਹੈ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਧਰਮ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਆਚਾਰ ਔਰ character ਉੱਚਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਉਹ ਚੰਗੇ ਕੰਮ ਕਰਨ, ਮਗਰ ਏਥੇ ਧਰਮ ਨੂੰ exploit ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਸਿਆਸੀ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਧਰਮ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਚੁਪ ਕਰ ਕੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਗੋਲੀ ਮਾਰ ਕੇ ਗੁਰਦਵਾਰੇ ਦੇ ਵਿਚ ਵੜ ਜਾਉ । ਧਰਮ ਉਹ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਰਾਜਾ ਹਰੀਸ਼ਚੰਦਰ ਨੇ ਮਿਸਾਲ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦਿਖਾਈ ਸੀ । ਧਰਮ ਦੇ ਵਿਚ ਤਿਆਗ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਨੂੰ ਕੱਖ ਨਹੀਂ ਸੁਣਦਾ ।

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਧਰਮ ਦਾ ਕੋਈ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ ਕਿਉਂਕਿ ਧਰਮ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈ ਲੈ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਿਚ ਲੈ ਆਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਧਰਮ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੰਗਲਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਭਗਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਔਰ ਮੁਕਤੀ ਹਾਸਿਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੰਦਰਾਂ ਗੁਰਦੁਵਾਰਿਆਂ ਵਿਚ ਵੜ ਕੇ ਧਰਮਾਂ ਨੂੰ exploit ਕਰੋ ਔਰ political power ਲੈਣ ਦਾ ਸਾਧਨ ਬਣਾਉ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਇਹ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਕਿ administration ਕਮਜ਼ੋਰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਨੁਕਸ ਹਨ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਧਰਮ ਦਾ ਅਸਲੀ ਪ੍ਰਚਾਰ ਕਰਨ ਤਾਕਿ ਉਹ ਨੁਕਸ ਦੂਰ ਹੋ ਸਕਣ । ਜੇ ਧਰਮ ਦਾ ਸਹੀ ਪ੍ਰਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਇਖਲਾਕ ਉੱਚਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਮਗਰ ਇਹ ਉਹ ਗਲ ਤਾਂ ਕਰਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ । ਇਹ ਤਾਂ ਧਰਮ ਦਾ ਨਾਂ ਲੈ ਕੇ political ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਚਾਰ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਦਿਲਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਧਰਮ ਸਬੰਧੀ

[ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ]

ਜੋ ਸ਼ਰਧਾ ਸੀ ਉਹ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਹੁਣ ਤਾਂ ਗੁਰਦਵਾਰੇ ਪਹਿਲੇ ਵਾਲੇ ਨਹੀਂ ਰਹੇ ਹਨ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਮੰਦਰ ਹੀ ਰਹੇ ਹਨ। ਉਹ ਸਾਰੇ ਇਕ ਕਿਸਮ ਦਾ ਢੋਂਗ ਬਣ ਗਏ ਹਨ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਧਰਮ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ ਵਕਤ ਮੁਲਕ ਤੇ ਕੋਈ ਹਮਲਾ ਕਰੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਗੋਲੀਆਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਜਾ ਕੇ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਅਸੀਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਸੱਚਾ ਧਰਮ ਸਮਝਦੇ ਹਾਂ। ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਜਿਹੜਾ ਆਦਮੀ ਆਪਣੀ ਜਾਨ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲੋਂ ਹੋਰ ਕੋਈ ਵੱਡਾ ਧਰਮਾਤਮਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਧਰਮ ਉਥੇ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਲੋਕ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨ ਔਰ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਨ। ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਧਰਮ ਦਾ ਨਾਂ ਲੈ ਲੈ ਕੇ exploit ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ snub ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਿਤਨਾ discourage ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਉਤਨਾ ਹੀ ਚੰਗਾ ਹੈ। ਬਸ ਮੈਂ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਿ ਕੇ ਆਪ ਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ 'ਜਨਰਲ'): ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੁਰਾਣੇ ਮਰਾਸੀ ਚਲੇ ਗਏ ਹਨ ਪਰ ਹੁਣ ਨਵੇਂ ਮਰਾਸੀ ਜੰਮ ਪਏ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਲੈਣ ਦੀ ਖਾਤਰ ਅੱਜ ਚੀਫ਼ ਮਿਨਿਸਟਰ ਦੇ ਟੱਬਰ ਦੇ ਕਾਲੇ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਤੇ ਸੁਫੈਦੀ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। (*Interruptions*)

Mr. Deputy Speaker: Order, please.

Sardar Bhupinder Singh Mann: On a point of order, Sir. However one may differ with the opinion of another hon. Member, is it proper to use the word 'Marasi' for an hon. Member in this manner? Moreover, Sir, such like expressions made on the Floor of the House lower the level of the debate. I would, therefore, request you to ask the hon. Member to withdraw this remark.

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ: ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣੇ ਵੈਦ ਸ਼੍ਰੀ ਕਿਸ਼ਨ ਨੇ ਇਤਨੇ derogatory ਲਫਜ਼ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੇ ਸਨ, ਉਸ ਵੇਲੇ ਤਾਂ ਕਿਸੇ point of order raise ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ।

श्री उपाध्यक्ष: मैं मरासी का लफ़ज़ हरगिज़ पार्लियामैंट्री करार नहीं दे सकता।
(I can never declare the word 'marasi' as Parliamentary.)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ: ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਲਫਜ਼ ਮੈਨੂੰ withdraw ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ, ਇਸ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਸਖਤ ਲਫਜ਼ ਇਨਾਂ ਨੇ ਇਥੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਵੀ ਸੀ। ਖੈਰ, ਮੈਂ ਲਫਜ਼ ਮਿਰਾਸੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲਫਜ਼ ਖੁਸ਼ਾਮਦੀ ਵਰਤ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ। (ਕਈ ਆਵਾਜ਼ਾਂ: Withdraw, Withdraw.) ਮੈਂ ਮਿਰਾਸੀ ਦਾ ਲਫਜ਼ withdraw ਕਰਕੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ

ਖੁਸ਼ਾਮਦ ਇਸ ਹਦ ਤਕ ਪਹੁੰਚ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਟੱਬਰ ਦੇ ਕਾਲੇ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਤੇ ਸਫੈਦੀ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਗਲੀ general elections ਲਈ ਟਿਕਟਾਂ ਲੈਣੀਆਂ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਇਲਜ਼ਾਮਾਤ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਰ ਦੇ ਟੱਬਰ ਤੇ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ। ਇਹ ਨਾ ਤੇ ਕਿਸੇ political ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਤੇ ਨਾ ਹੀ Opposition ਦੇ ਕਿਸੇ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਲਗਾਏ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਲਜ਼ਾਮਾਂ ਬਾਰੇ ਤਾਂ High Command ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਚੀਫ ਮਿਸਿਟਰ ਦੀ ਆਪਣੀ ਸ਼ਖਸੀਅਤ ਤਾਂ ਠੀਕ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਟੱਬਰ ਤੇ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਇਲਜ਼ਾਮਾਤ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਸਚਾਈ ਹੈ।

Mr. Deputy Speaker : Order, please

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ remarks ਦੀ ਗੱਲ ਕਰ ਰਿਹਾਂ ਹਾਂ ਜਿਹੜੇ High Command ਨੇ ਕੀਤੇ ਸਨ। ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਕੋਈ ਐਸਾ ਲਫਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਮੈਂ ਤਾਂ Congress High Command ਦੇ ਲਫਜ਼ ਦੁਹਰਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ।

श्री उपाध्यक्ष : आप पुलिस पर कुछ कहना चाहें तो कहिए। इस में हाइकमांड और चीफ मिनिस्टर कहां से ले आए। अगर आप indirectly charges लगाना चाहते हैं तो मैं allow नहीं करता। (The hon. Member may speak about the Police, if he so desires. He should not make references to the High Command and the Chief Minister. If he intends to level charges indirectly, then I will not allow it.)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਅਜ ਥੋੜੀ ਦੇਰ ਹੁਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਹੀ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਸੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਮੈਂ ਅਰਜ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਜੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਸਾਡਾ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਇਕ ਲੋਹ-ਪੁਰਸ਼ ਹੈ, ਕੁਲੀਨ ਹੈ ਔਰ ਇਕ ਚੰਗਾ administ-rator ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਬਚੇ ਬੜੇ ਸ਼ਰੀਫ ਹਨ, ਈਮਾਨਦਾਰ ਹਨ ਔਰ administ-ration ਵਿਚ ਦਖਲ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਗਲਤ ਗਲਾਂ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ ਤਾਂ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾਂ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਜ਼ਮਾਤ ਦੀ ਟਿਕਟ ਉਤੇ ਇਹ ਲੋਕ ਇਥੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਰਾਜ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਮਹਿਜ਼ ਇਸ ਜਮਾਤ ਦੀ ticket ਲੈਣ ਵਾਸਤੇ ਹੀ ਖੁਸ਼ਾਮਦ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। (Interruption by an hon. Member from the Treasury Benches.) ਚਪੜਾਸ ਕਰਨ ਦੀ ਵੀ ਕੋਈ ਮਾੜੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ। ਜੇ ਲੋਕੀ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਗਿਰਾ ਕੇ ਖੁਸ਼ਾਮਦ ਕਰ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਚਪੜਾਸ ਕਰਨੀ ਵੀ ਕੋਈ ਮਾੜੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਦਿਸਦੀ। ਅਜ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਦੇ ਟੱਬਰ ਦੇ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਤੇ ਸਫੈਦੀ ਕਰਨ ਦੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਕਾਲੇ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਤੇ ਸੁਫੈਦੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਮਝਦਾ

[ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ]

ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਦਾਨ ਦੋਸਤ ਹਨ ਔਰ ਬਜਾਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ position ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਸਗੋਂ ਪਿਛੇ ਕੀਤਾ ਹੈ।

ਅੱਜ administration demoralised ਹੈ। ਇਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਅਫਸਰ ਖ਼ਰਾਬ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਅਦਾਲਤਾਂ strictures ਪਾਸ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀਆਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਕਾਂਡ ਹੋਇਆਂ ਔਰ ਉਸ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ Congress High Command ਨੇ ਇਕ enquiry ਕਮੇਟੀ ਮੁਕਰੱਰ ਕੀਤੀ। ਔਰ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਇਹ finding ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਉਸ ਦੁਰਘਟਨਾ ਲਈ ਉਥੋਂ ਦੇ ਅਫਸਰ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰ ਹਨ ਪਰ ਇਹ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਲਈ ਕਿਤਨੀ ਸ਼ਰਮ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਲਈ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰ ਸੀ ਬਜਾਏ ਸਜ਼ਾ ਦੇਣ ਦੇ medal ਦਿਤੇ ਅਤੇ ਇਕ ਨੂੰ extension ਦਿੱਤੀ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, Opposition ਦਾ ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ charge ਹੈ ਕਿ B.D.Os ਜਿਤਨੇ ਵੀ ਭਰਤੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਜਾਂ ਹੋਰ ਐਸੇ ਅਫਸਰ ਜੋ Public Service Commission ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪ ਭਰਤੀ ਕੀਤੇ ਹਨ, ਉਹ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਨਾਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਫਿਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ promotions ਪੁਲਿਸ ਵਿਚ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਹ ਇਸ ਕਾਬਲ ਨਹੀਂ ਸਨ। ਇਕ case, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਆਪਣੇ ਕਹਿਣ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਚਲਾਨ ਲਈ ਬੜਾ fit case ਸੀ ਅਤੇ ਜਿਸ ਉਪਰ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ administration ਨੇ ਜ਼ੋਰ ਲਾ ਕੇ fight ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਜਿਸ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਕਮਾਈ ਦਾ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ। ਇਹ ਫਿਰ ਵੀ ਹਾਰ ਗਏ। ਅਜ administration ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਖਰਾਬ ਆਦਮੀ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਅੱਛੇ ਆਦਮੀ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ degrade ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿਚ ਇਕ ਤਾਜ਼ਾ case ਹੋਇਆ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਸ ਬਾਰੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਉਥੇ ਇਕ ਆਦਮੀ ਤਾਜ਼ਾ ਤਾਜ਼ਾ ਕਾਂਗਰਸੀ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਉਥੇ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਗਏ, ਉਸ ਨੇ ਉਥੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਜਲੂਸ ਵਿਚ ਫੋਟੋ ਵੀ ਖਿਚਵਾਈ। ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਉਸ ਨੂੰ depot ਮਿਲ ਗਿਆ ਅਤੇ ਇਕ permit ਵੀ ਮਿਲ ਗਿਆ। ਉਹ ਰਹਿਣ ਵਾਲਾ ਤਾਂ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦਾ ਸੀ ਪਰ ਉਸ ਨੂੰ depot ਲੁਧਿਆਨੇ ਵਿਚ ਮਿਲਿਆ। ਫਿਰ ਉਸ ਤੇ ਇਕ ਕੇਸ ਬਣ ਗਿਆ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਉਸ ਦਾ license cancel ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ permit ਇਸ ਕਰਕੇ ਮਿਲ ਗਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਜਨਸੰਘ ਦੇ ਇਕ worker ਦੀ ਬੇਇਜ਼ਤੀ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਪੁਲਿਸ ਹਰਕਤ ਵਿਚ ਆਈ ਅਤੇ ਉਸ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਇਸ ਨੇ ਗਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ। ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਤਕ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਮਾਨਤ ਨਾ ਹੋ ਸਕੀ। ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਚੀਫ

ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਉਥੇ ਗਏ । ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਆਦਮੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੁਤਬੰਨਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ, ਇਸ ਲਈ police ਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਇਸ਼ਾਰਾ ਮਿਲ ਗਿਆ । ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਜਿਸ ਆਦਮੀ ਦੀ ਪਹਿਲੇ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਤਕ ਜ਼ਮਾਨਤ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋ ਸਕੀ, ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜਿਹੜਾ case ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ police ਨੇ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਿਆ । ਇਹ ਹੈ law and order ਦੀ ਹਾਲਤ ।

ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਕ ਹੋਰ ਗੱਲ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸੁਣਾਉਂਦਾ ਹਾਂ । ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿਚ ਇਕ ਲੜਕੀ ਬਹਾਦਰਪੁਰ ਦੇ area ਵਿਚ ਇਕ ਬਾਂ ਰੌਣਕ ਜਗ੍ਹਾ ਤੇ ਜਾ ਰਹੀ ਸੀ । ਉਸ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਉਥੋਂ ਦੀ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ Secretary ਦੇ ਭਰਾ ਨੇ ਛੇੜਿਆ ਜਿਸ ਕਰ ਕੇ ਉਹ ਗਰਿਫਤਾਰ ਹੋ ਗਿਆ । ਲੇਕਿਨ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਹ case ਵੀ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਿਆ ਗਿਆ । Administration ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਲ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜਦ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਸ ਵਿਚ ਦਖਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜੋ ਅਫਸਰ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅੱਜ ਜੁਰਅਤ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦੀ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸੇ ਬਦਮਾਸ਼ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ action ਹੀ ਲੈ ਸਕਣ ।

ਅੱਜ ਇਥੇ ਜੋ ਦੋ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਬੋਲੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ police ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਨਹੀਂ ਵਧਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਪਰ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤਨਖਾਹਾਂ ਤਾਂ ਵਧਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਪਰ ਬਜਾਏ ਇਸ ਦੇ ਕਿ ਉਹ constables ਦੀਆਂ ਜਾਂ Head Constables ਦੀਆਂ ਜਾਂ A.S.Is. ਜਾਂ S. Is. ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਉਂਦੇ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ D. S. P. ਔਰ S. P. ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਈਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਛੋਟੇ staff ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਤਾਂ ਵਧਾਈਆਂ ਨਹੀਂ ਗਈਆਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਉਣੀਆਂ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸੀ । ਫਿਰ ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ ਕਿ law and order ਦੀ ਹਾਲਤ ਬਹੁਤ ਅੱਛੀ ਹੈ ।

ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਚਾਂ ਅਤੇ ਸਰਪੰਚਾਂ ਦਾ ਬੜਾ ਮਾਨ ਹੋਵੇਗਾ, ਇੱਜ਼ਤ ਹੋਵੇਗੀ । Law and Order ਦੀ ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਜੁਲਾਈ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਹਮੀਰਪੁਰ ਤਹਿਸੀਲ ਦੇ ਖੁਰਸਾਲਾ ਪਿੰਡ ਦੇ ਇਕ ਸਰਪੰਚ ਨੂੰ ਪੰਚਾਇਤ ਦੀ meeting ਵਿਚ ਕਤਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ, ਗੋਲੀ ਨਾਲ ਮਾਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ । ਇਸ ਵਾਰਦਾਤ ਨੂੰ ਅੱਠ ਮਹੀਨੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਪਰ ਅਜੇ ਤਕ ਕਾਤਲ trace ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਕਾਤਲ ਦਾ ruling party ਨਾਲ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ । ਸਰਪੰਚ ਨੂੰ meeting ਵਿਚ ਕਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਘਰ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ threaten ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਮੁੱਕਦਮੇ ਦੀ ਪੈਰਵੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਤਾਂ ਤੁਹਾਡਾ ਵੀ ਉਹੋ ਹਾਲ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਉਸ ਦਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਉਸ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ threaten ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਸਰਕਾਰ ਹਰਕਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ । ਕਤਲ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਦੀ ਅਜੇ ਤਕ ਗਰਿਫਤਾਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ, ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ law and order ਦੀ administration ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਚਲ ਰਹੀ ਹੈ । Red-tapism ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਕ ਆਦਮੀ ਨੇ ਲੁਧਿਆਣੇ ਦੇ D.C. ਨੂੰ ਦਰਖਾਸਤ ਦਿਤੀ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਮੌਰੂਸ ਦੇ ਪੈਸੇ ਹਨ ਉਹ ਮੈਨੂੰ ਦਿਵਾਏ ਜਾਣ । D.C. ਨੇ

5·00 p.m

[ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ]

ਕਿਹਾ ਕਿ ਖੁਦ ਪੇਸ਼ ਹੋ । ਉਹ ਆਦਮੀ ਪੇਸ਼ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਪਰ ਉਸ ਕੇਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । 1958 ਦਾ ਇਹ ਕੇਸ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਮਹਿਕਮੇ ਵਾਲੇ ਲਿਖਦੇ ਹਨ D.C. ਨੂੰ ਕਿ ਜਗਰਾਉਂ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਕੀਮਤ ਰਾਏ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ payment ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਪਰ D.C. ਸਾਹਿਬ ਹਰਕਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੇ ਉਹ ਕੋਈ ਹੋਰ objection ਲਗਾ ਕੇ ਭੇਜ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । Under-Secretary, Revenue ਨੇ ਫਿਰ ਉਸ D.C. ਨੂੰ ਚਿੱਠੀ ਲਿਖੀ ਕਿ ਉਸ ਆਦਮੀ ਨੂੰ full payment ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਏ ਅਤੇ ਐਨੇ ਵਕਤ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ payment ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਅਤੇ payment ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਦ ਵਾਪਸ ਇਤਲਾਹ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । ਪਰ D.C. ਨੇ ਫਿਰ ਵੀ ਕੋਈ action ਨਾ ਲਿਆ । ਛੋਟੀ ਜਿਹੀ ਗਲ ਦੇ ਪਿਛੇ ਐਡੀ ਵੱਡੀ file ਬਣ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਹੋਰ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਵਿਚ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਇਕ ਕੇਸ ਹੈ । ਅਫਸਰ ਮਾਲ ਦੇ ਹੁਕਮ ਦੇ ਨਾਲ ਖਸਰਾ ਗਿਰਦਾਵਰੀ ਦੀ ਦਰੁਸਤੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਦੁਬਾਰਾ ਅਫਸਰ ਮਾਲ enquiry ਕਰਦਾ ਹੈ । ਅਫਸਰ ਮਾਲ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ enquiry ਕਰਨ ਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਕੋਈ ਇਖਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਪਰ ਚੂੰਕਿ Congress ਕਮੇਟੀ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਦੁਬਾਰਾ enquiry ਹੋਏ ਇਸ ਲਈ ਉਹ ਦੁਬਾਰਾ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਦੁਬਾਰਾ enquiry ਕਰਕੇ ਉਸ ਨੇ ਫਿਰ judgment ਦਿਤੀ ।

> "Certified that entries with regard to correction of girdawari in respect of khasra Nos. 2921 to 2925 situated in village Hariana, tahsil Hoshiarpur were corrected under para 9.9 of the Land Records Manual under my orders dated 1st November, 1958. No other file is pending in this office regaring the further correction of the khasra girdawari in respect of the above said khasra numbers."

Mr. Deputy Speaker : How is it relevant?

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇਹ ਸਾਬਤ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਜ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ District level ਤੇ ਜਾਂ State level ਤੇ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਉਹੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜੋ ਕੁਝ ਕਾਂਗਰਸ ਦਾ ਖਿਆਲ ਹੋਵੇ । ਚਾਹੇ ਕਾਨੂੰਨ ਉਸ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿੰਦਾ ਹੋਵੇ ਚਾਹੇ ਨਾ ਦਿੰਦਾ ਹੋਵੇ । (ਘੰਟੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼) ਮੈਂ ਦੋ ਮਿੰਟਾਂ ਵਿਚ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ । Public Relations Department ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਾਲੰਧਰ ਵਿਚ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ Prime Minister ਆਉਂਦੇ ਹਨ । ਉਹ ਕਾਂਗ੍ਰੇਸ ਦੇ ਲੀਡਰ ਦੀ ਹੈਸੀਅਤ ਵਿਚ ਉਥੇ ਆਏ, ਪਾਰਕ ਵਿਚ ਜਲਸਾ ਹੋਇਆ । ਉਸ ਜਲਸੇ ਨੂੰ Congress Committee ਨੇ organise ਕੀਤਾ । ਜਲਸੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਮਹਿਕਮਾ ਇਤਲਾਹਾਤ ਪੰਜਾਬ ਵਲੋਂ ਛਾਪੇ ਗਏ ਕਿ ਮਹਿਬੂਬ ਨੇਤਾ ਦੇ ਦਰਸ਼ਨਾਂ ਲਈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲ ਸੁਣਨ ਲਈ ਉਥੇ ਪਹੁੰਚੋ । ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ political ਪਾਰਟੀ ਦੇ leader ਆਉਂਦੇ ਹਨ, ਜਲਸੇ ਵਿਚ ਭਾਸ਼ਣ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਸ ਜਲਸੇ ਦੀ publicity ਲਈ State Exchequer ਵਿਚੋਂ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਛਾਪੇ ਜਾਣੇ ਜਾਂ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚਿਆ ਜਾਣਾ ਨੀਮ ਡਿਕਟੇਟਰਸ਼ਿਪ ਹੈ । ਇਸ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਰਾਜ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਅਤੇ administration ਵਿਚ ਕੁਝ ਫਰਕ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਤਾਨਾਸ਼ਾਹੀ ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਰਖਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ administra-

tion ਕਾਂਗ੍ਰੇਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਇਸ਼ਾਰੇ ਉਪਰ ਚਲਦੀ ਹੈ । ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਨਸਾਫ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ । ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ dictatorship ਚਲ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਨੇਤਾ ਚੀਫ਼ ਮਨੀਸਟਰ........... (*Interruptions*) (ਘੰਟੀ ਦੀ ਅਵਾਜ਼) (*Interruptions*) (The hon. member resumed his seat.)

श्री निहाल सिंह (महेन्द्रगढ़) : डिप्टी स्पीकर साहिब, आज General Administration और Police के ऊपर हमारे हाउस में बहस हो रही है। जहां तक पंजाब की General Administration और पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन का सवाल है जब कभी भी democratic history लिखी जायगी उस में इस गवर्नमैंट का नाम सब से प्रथम स्थान पर होगा। इस गवर्नमैंट ने इतनी agitation के बावजूद जिस तरह से general administration को ऊंचा किया है और Law and Order को maintain किया है उसने इस गवर्नमैंट के नाम को चार चान्द लगा दिए हैं । (Loud applause) (*Thumping by Treasury benches*) यहां पर कहा गया कि हमारा expenditure on services top heavy होता जा रहा है । अगर बजट को पढ़ा जाय तो इस से जाहिर है कि 1956-57 के मुकाबला में services के बारे में मौजूदा बजट में expenditure सिर्फ 26 फी सदी बढ़ा है इस के मुकाबले में education पर 200 फी सदी हम ने बढ़ाया है, Public health पर 300 फी सदी बढ़ाया है, Medical पर more than 200 फी सदी बढ़ाया है। इसी तरह से Agriculture, Development services, Social services में budget expenditure more than three times हो गया है। मैं समझता हूं कि पंजाब में जब आबादी बढ़ रही है और development services में अजाफा हो रहा है तो यह expenditure में ज्यादती एक negligible increase है। अगर इस की total revenue expenditure के साथ के 1955 के मुकाबले में average निकालें तो जहां 1956 में 32.3 थी तो आज यह घट कर 22.9 हो गई है। हमारा administrative services का expenditure State की तरक्की की रफ्तार के मुकाबले में ज्यादा नहीं बढ़ा।

Law and order के बारे में कहा गया कि पंजाब का law and order ठीक नहीं है और यहां पर जरायम में अजाफा हुआ है लेकिन मैं figures देता हूं और साबत करता हूं कि किस तरह से इस में improvement हुई है। Law and order की पोजीशन की जांच करनी हो तो उसका एक ही तरीका है, वह यह कि अवाम की जिन्दगी और माल महफूज़ है या नहीं इस लिहाज से नहीं कि total crime कितना हुआ है । Total crime में excise और smuggling के cases भी आ जाते हैं। मैं समझता हूं कि पुलिस को इस बात का credit देना चाहिए कि उन की detection किस तरह से efficient रही और किस तरह उन्होंने anti-social element को काबू किया ।

[चौधरी निहाल सिंह]

Dacoities की figures अगर मैं आप के सामने रखूं तो आप को ताज्जुब भी होगा और खुशी भी कि पंजाब में dacoities की तादाद दूसरी स्टेटस के मुकाबले में बहुत कम है । अगर dacoities की वारदात कम हुई तो वह पंजाब स्टेट है जहां पिछले साल सिर्फ पांच dacoities हुईं। 1952 में dacoities की तादाद 49 थी और 1953 में 40 और पिछले साल 5 dacoities की वारदात होना मैं समझता हूं कि हमारी स्टेट के लिये काबिले तारीफ बात है। अब, डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं आप को robberies की तादाद बताता हूं । 1951 में 512 robberies हुईं, 1960 में 72 । इसी तरह से burglaries की तादाद 1956 में 3,914 और 1960 में 3,296 । Thefts की figures पिछले सालों के मुकाबले में बहुत कम हैं । इन आंकड़ों को मद्देनज़र रखते हुए हम यह कह सकते हैं कि पंजाब में Law and order की पोज़ीशन बहुत तसल्ली बख्श है जिस पर कि पंजाब निवासी बजा तौर पर फख्र कर सकते हैं। यहां हर एक की जानो-माल महफूज़ है और वह इस बात पर इतमीनान का सांस ले सकते हैं। यहां, डिप्टी स्पीकर साहिब, Law and order के मुताल्लिक ज़ोर दार अलफाज़ में बहुत कुछ कहा जाता है। मैं समझता हूं कि आज इस सूबे में अगर किसी से खतरा है तो उन आदमियों से जो political agitations कर के law and order को बिगाड़ने की कोशिश करते हैं। जैसे मैं ने इस से पहले dacoities, robberies, burglaries और thefts की facts and figures बताए इसी तरह, डिप्टी स्पीकर साहिब, जो यहां murders के cases हुए अगर उन का मुकाबला बाकी States के साथ किया जाए तो पता लगेगा कि हमारी State की पोज़ीशन आठवें नम्बर पर है। Robberies के सिलसिले में हम 12 States से ऊपर है। दो States ऐसी हैं जहां robberies हमारी स्टेट से कम हुई हैं । इन facts and figures के होते हुए क्या कोई आदमी कह सकता है कि पंजाब में Law and order की पोज़ीशन खराब है । अगर political agitators के असर को पंजाब से minus कर दिया जाए तो मैं कहूंगा कि यहां Law and order की पोज़ीशन को discuss करने की कतअन ज़रूरत नहीं रहेगी। अगर पिछले चार सालों में crimes की figures का मुलाहज़ा किया जाए तो उन में से अगर आप agitators की गिरफ्तारियों की figures निकाल दें तो यह साफ जाहिर होगा कि दूसरी स्टेटस के मुकाबले में यहां Law and order की पोज़ीशन बेहतर है। डिप्टी स्पीकर साहिब, इन agitators का यह असर हुआ है कि गवर्नमैंट ने उस area में खर्च किया जहां पहले ही काफी development हो चुकी है। इन हालात में मैं, डिप्टी स्पीकर साहिब, आप की विसातत से चीफ मिनिस्टर साहिब से और गवर्नमैंट से दरखास्त करूंगा कि वह यह बात नोट कर लें कि जिस ज़िले में ज्यादा agitations हुई हों वहां पर development पर कम खर्च किया जाना चाहिये और जहां लोगों ने agitations में बहुत कम हिस्सा लिया हो उस इलाके में development पर ज्यादा खर्च करना चाहिये । इस तरीके से उन लोगों को सबक मिल सकेगा कि anti-social

activities में हिस्सा लेने का यह हशर होता है और जिन ज़िलों के लोगों ने agitations में कम हिस्सा लिया होगा उन्हें encouragement मिलेगी।

अब मैं General election के बारे में कुछ अर्ज़ करना चाहता हूं। कल चौधरी देवी लाल ने फरमाया था कि चीफ मिनिस्टर ने महेन्द्रगढ़ के ज़िले को अपना लिया है यानी इशारा यह था कि चीफ मिनिस्टर साहिब अगली elections महेन्द्रगढ़ से लड़ना चाहते हैं। ऐसी अफवाहों से ग़लत फहमी पैदा हो जाने का इमकान है। मैं कहूंगा कि चीफ मिनिस्टर साहिब यह कभी बरदाश्त नहीं कर सकते और न ही सोच सकते है कि वह अपनी constituency को छोड़ दें।

चौधरी देवी लाल: मैंने तो नहीं कहा।

श्री निहाल सिंह: मैं कहता हूं कि महेन्द्रगढ़ के लोग उन्हें ख़ुशआमदेद कहेंगे कि वह वहां से election contest करें।

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ: ਕੀ hon. Member ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ elections ਬਾਰੇ ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੇ ਗਲ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਆਪ ਦੀ ruling ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

Mr. Deputy Speaker: Order please.

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ: ਜਨਾਬ ਮੈਂ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਇਹੋ ਜਿਹਾ point raise ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਇਹ ਸਿਰਫ hon. Member ਦੇ ਦਿਮਾਗ਼ ਦੀ ਇਖਤਰਾਹ ਹੈ।

Mr. Deputy Speaker: I would ask the hon. members that they should try to raise the level of the debate. If they were to recite the cases pending in the Courts then such a debate cannot be called a high level debate. They can only make a reference to any case which might be pending in the Court of law but they should not try to discuss the merits of that case in the House. An hon. member had previously made mention of general elections and now he has said something in reply to that.

श्री निहाल सिंह: महेन्द्रगढ़ गद वालों को चाहने वाला नहीं मिलता था।

अफसोस है कि हमें चाहने वाला नहीं मिलता।
वह लैला थी कि जिस को मिल गया मजनूं मुकद्दर से ।।

उन का ध्यान एक backward ज़िले की तरफ गया था। इस को गलत समझने की कोशिश न की जाए।

अब मैं पुलिस की working के बारे में कहना चाहता हूं। हमारी जो पुलिस है उस की working का अगर दूसरी States की police की working के साथ मुकाबला करें तो पता लगेगा कि हमारी पुलिस बहुत efficient है। जो present

[श्री निहाल सिंह]
I. G. Police हैं उन्हें सब जानते हैं। पहले पैप्सू और पंजाब के different rules थे। लेकिन उन को integrate करना और पुलिस को दूसरे सूबों के मुकाबला में लाना उन्हीं का काम था। लेकिन इसके साथ ही एक अर्ज़ और करना चाहता हूं कि जो Police Rules हैं वह बहुत पुराने वक्तों के बने हुए हैं जो मौजूदा times में fit in नहीं करते। ठीक है कि उन खामियों को दूर करने के लिए सरकार ने Police Commission मुकर्रर किया है। (घंटी) सिपाहियों को facilities देने के बारे में अर्ज़ करूंगा कि जो police lines में रहते हैं उनको residential facilities, नाई, धोबी, मोची वगैरह की facilities मिल जाएं तो हमारी police का outlook better हो सकता है। आज सब कि पुलिस नई lines पर चल रही है उनके बारे हमारा अपना जो पुराना attitude है, जो approach है वह भी बदलने की ज़रूरत है। जो झूटे cases होते हैं, जो पुलिस दर्ज कर लेती है उनको cancel करने में पुलिस हिचकिचाहट महसूस करती है। वह सोचते हैं कि जब एक case report हो चुका है तो उसको cancel कैसे करें। मैं चाहूंगा कि जो case wrong report हुआ है उसे cancel किया ही जाना चाहिए। इतना कहकर मैं समझता हूं कि इस demand को पास किया जाना चाहिए।

ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ (ਰਾਏਕੋਟ ਰਿਜ਼ਰਵਡ): ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ General Administration ਦੀ ਜਿਤਨੀ ਅਹਿਮ ਡੀਮਾਂਡ ਸੀ ਉਤਨੀ ਚੰਗੀ ਇਸ ਤੇ ਬਹਿਸ ਨਹੀਂ ਹੋਈ। ਮੁਖਤਲਿਫ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਜਿਹੜੇ important ਸਪੀਕਰ ਸਨ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਪੀਚਾਂ ਬੜੇ ਗੌਰ ਦੇ ਨਾਲ ਸੁਣੀਆਂ ਹਨ ਔਰ ਮੈਂ ਇਸ ਨਤੀਜੇ ਤੇ ਪਹੁੰਚਿਆ ਹਾਂ ਕਿ Administration ਦੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ basic difficulties ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਾਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਚੰਗੇ ਸੁਝਾਉ ਵਗੈਰਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਂ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਦੋ ਤਿੰਨ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ personal ਗੱਲਾਂ ਕਰਨ ਤੋਂ ਸਿਵਾ ਹੋਰ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ਆਖੀ ਜਾਂਦੀ ਰਹੀ। ਜੇ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀਆਂ ਪਿਛਲੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਤਕਰੀਰਾਂ ਨੂੰ ਵੇਖੀਏ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲਗੇਗਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੋਰ ਤਾਂ ਕੀ ਕਹਿਣਾ ਸੀ ਕਿਤੇ ਇਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਸਵੀਰ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ। ਉਸ ਦੀ ਵਜਾਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਸਾਰੀਆਂ ਪੋਲੀਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਹਨ ਉਹ confused ਹੋਈਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਮਝਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦੇ ਵਿਚ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਤਾਕਤ ਨਹੀਂ ਖੋਹੀ ਜਾ ਸਕਦੀ। ਇਸ ਵਜਾਹ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਆਪ ਦੀ ਹੋਸ਼ ਭੁਲੀ ਹੋਈ ਹੈ ਔਰ ਉਹ desparate ਹੋ ਕੇ ਐਸੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ destructive ਹਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਂ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੀਆਂ ਅਜਿਹੀਆਂ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੀਆਂ ਸਪੀਚਾਂ ਵੀ ਸੁਣੀਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਜਨਤਾ ਦੇ ਹਿਤ ਦੀਆਂ ਅਤੇ scientific ਪਾਰਟੀਆਂ ਕਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਉਹ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਦਾਅਵਾ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡਾ ਜਿਹੜਾ ਸਮਾਜ ਹੋਵੇਗਾ ਉਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਬਰਾਬਰ

ਹੋਣਗੇ । ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬਰਾਬਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਜਿਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਇਥੇ vested interests ਵਾਲੀਆਂ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਮੌਜੂਦ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦਾ ਸੋਸ਼ਲ ਆਰਡਰ ਤਬਦੀਲ ਨਾ ਹੋਵੇ । ਮੈਂ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਮੁਖਾਤਿਬ ਕਰਕੇ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । ਉਹ ਜਿਤਨੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ personal basis ਤੇ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਅਫਸਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਕੋਈ ਨਾ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਕੋਈ ਗਲਤੀ ਕਰ ਜਾਂਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿਉਂਕਿ ਆਖਰ ਉਹ ਵੀ ਸਾਡੇ ਵਰਗੇ ਇਨਸਾਨ ਹਨ ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਇਤਨਾ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ cream ਹਨ (ਤਾਲੀਆਂ) । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਪਿਛੇ ਜਿਹੜੀ ਐਜੀਟੇਸ਼ਨ ਚਲੀ ਸੀ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਇਤਨਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਲਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਮੇਰਾ ਮਤਲਬ ਅਕਾਲੀ ਐਜੀਟੇਸ਼ਨ ਤੋਂ ਹੈ । ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਮੁਤੱਲਿਕ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਇਕ ਲਫਜ਼ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਉਹ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਜੰਨਤਾ ਦੇ ਹਿਤ ਦੀ ਪਾਰਟੀ claim ਕਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਹ ਫਰਜ ਨਹੀਂ ਸੀ ਬਣਦਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ condem ਕਰਦੇ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੂਹੋਂ ਇਹ ਗਲ ਨਹੀਂ ਨਿਕਲ ਸਕੀ ਕਿ ਕਮਿਊਨਲ ਜਮਾਤ ਜਿਹੜੀ ਧਰਮ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈ ਕੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਤਾਕਤ ਲੈਣ ਲਈ ਹੁੱਲੜਬਾਜ਼ੀ ਕਰਦੀ ਹੈ, ਉਹ ਬੁਰੀ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਗਲ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਨਹੀਂ ਕਹੀ ਕਿ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਉਹ ਆਪਣੀ ਗਿਨਤੀ ਪੰਜਾਂ ਤੋਂ ਸਤ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਜਨਰਲ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਉਹ ਇਨਕਲਾਬ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਸਕਦੇ ਮਗਰ ਉਹ ਆਪਣੀ ਗਿਨਤੀ ਜ਼ਰੂਰ ਇਕ ਦੋ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਆਸ ਰਖਦੇ ਹਨ । ਸੋ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਮੱਦੇਨਜ਼ਰ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਕਮਿਊਨਿਸਟਾਂ ਨੇ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਵਾਲਿਆਂ ਤੇ ਹਮਲਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਜਨਾਬ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਸੂਬੇ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਦ ਚੀਨ ਦੇ ਨਾਲ ਲਗਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕ ਸਾਡਾ ਕਸ਼ਮੀਰ ਦਾ ਸੂਬਾ ਵੀ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਕਿ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੇ aggression ਕਰਕੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਫੌਜਾਂ ਬੈਠਾਉਣੀਆਂ ਪਈਆਂ ਹਨ । ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਪੰਜਾਬ ਇਕ ਐਸਾ ਸੂਬਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਬਾਰਡਰ ਚੀਨ ਦੇ ਨਾਲ ਲਗਦਾ ਹੈ । ਚੀਨ ਵਾਲੇ ਇਹ claim ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਫਲਾਣੇ ਫਲਾਣੇ ਇਲਾਕੇ ਸਾਨੂੰ ਮਿਲਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਏਸੇ ਵਾਸਤੇ ਸਾਡੀ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਇਕ ਨਵਾਂ ਪਹਾੜੀ ਡਿਵੀਜ਼ਨ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ਤਾਕਿ aggression ਨੂੰ ਰੋਕਿਆ ਜਾ ਸਕੇ ਔਰ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਉਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ । ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਉਥੇ communication ਦੇ ਜ਼ਰੀਏ ਨੂੰ ਅਤੇ ਜਨਰਲ administration ਨੂੰ ਠੀਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਇਕ ਗਲ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੀ ਇਕ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀ ਨੇ ਕਹੀ ਹੈ ਔਰ ਜਿਸ ਦੀ ਕਿ ਅਖਬਾਰਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕੋਈ contradiction ਵੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ । (*At this stage Mr. Speaker occupied the Chair*)

[ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ]

ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਅਖਬਾਰ ਵਿਚ ਅਜ ਤਕ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਸਾਡੇ ਚੀਨ ਦੇ ਨਾਲ ਲਗਦੇ border ਬਾਰੇ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ stand ਠੀਕ ਹੈ ਅਤੇ ਚੀਨ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਗਲਤ ਹੈ ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਯੂ. ਪੀ., ਮਗਰਬੀ ਬੰਗਾਲ ਅਤੇ ਆਸਾਮ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ party ਦੇ ਬੰਦਿਆਂ ਨੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਿਆਨ ਦਿਤੇ ਨੇ ਅਤੇ ਉਹ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਛਾਪੇ ਗਏ ਨੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੀ Cabinet ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਮੰਗ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜ਼ਰੂਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ political ਕਦਮ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਬੜੀ ਖਤਰਨਾਕ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਇਥੇ ਕਲ੍ਹ ਨੂੰ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ in power ਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਸਾਲ ਜਾਂ ਦੋ ਸਾਲ ਹੀ power ਵਿਚ ਰਹਿ ਸਕਦੀ ਕਿਉਂਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਅਸਲੀਅਤ ਦਾ ਪਤਾ ਲਗ ਗਿਆ ਤਾਂ ਲੋਕ ਉਸ ਨੂੰ ਬਦਲ ਦੇਣਗੇ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਥੇ ਜੇਕਰ ਸੁਤੰਤਰ ਪਾਰਟੀ in power ਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਲੋਕ ਛੇਤੀ ਬਦਲ ਦੇਣਗੇ ਜਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਖੋਖਲੇ programme ਦਾ ਪਤਾ ਚਲ ਗਿਆ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੋਕ ਹੋਰ ਕਿਸੇ party ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵੀ ਲਾਹ ਦੇਣਗੇ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ Communist ਪਾਰਟੀ ਇਕ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ party ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਐਥੇ ਇਸ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਬਣ ਗਈ ਤਾਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਨਾ ਇਹ ਹਾਊਸ ਰਹੇਗਾ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ democracy ਰਹੇਗੀ ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਕਦੇ ਬਦਲੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕੇਗੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਉਮੀਦ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਚੀਨ ਪਾਸ ਵੇਚ ਦੇਣ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਬਾਕੀ ਸਾਰੇ section ਦਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਪਾਸੇ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਥੇ ਇਸ party ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਕਦੇ ਨਾ ਬਣਨ ਦੇਣ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਕ ਹੋਰ ਗੱਲ ਵੀ ਤੁਹਾਡੀ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਨੇ ਜਿਹੜਾ Pollice Commission ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਹ ਇਕ ਬਿਹਤਰੀ ਵਾਲਾ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਅੱਛਾ ਕੰਮ ਹੈ ਇਸ ਨੇ ਉਸ Commission ਨੂੰ ਜਿਹੜੇ reference ਕੀਤੇ ਨੇ ਉਹ ਵੀ ਠੀਕ ਨੇ ਅਤੇ ਇਸ Police Commission ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ Supreme Court ਦੇ retired Chief Justice ਨੂੰ ਰਖਿਆ ਹੈ ਇਹ ਵੀ ਬਹੁਤ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜੋ ਇਸ ਨੇ ਇਕ ਬਹੁਤ ਬੜੇ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਉਸ ਵਿਚ ਪਾਇਆ ਹੈ। ਉਸ Commission ਦੇ ਅੰਦਰ ਇਸ ਨੇ ਹੋਰ ਵੀ ਕੁਝ ਬੰਦੇ ਪਾਉਣੇ ਨੇ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਥੇ ਜਿਹੜੀਆਂ political parties ਹਨ, ਕਾਂਗਰਸ ਹੈ ਜਾਂ ਦੂਜੀਆਂ ਹਨ, ਜਿਹੜੀਆਂ democracy ਵਿਚ believe ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਵੀ ਕੁਝ ਆਦਮੀ ਇਸ Commission ਵਿਚ ਪਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। Congress ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਇਹ conception ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਹਮੇਸ਼ਾਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਨੇ ਕਿ ਪੁਲੀਸ ਦੀ administration ਵਿਚ ਵੀ decentralization ਆਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ Commission ਵਿਚ ਕੁਝ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬੰਦੇ ਵੀ ਪਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਨੇ ਜਿਹੜੇ decentralization of power ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਰਖਦੇ ਹੋਣ। ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਜੋ social ਆਦਮੀ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ

Commission ਵਿਚ appoint ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਪੁਲੀਸ Commission ਜੋ ਬਣਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਉਹ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ political minds ਨੂੰ reflect ਕਰ ਸਕੇ ।

ਫਿਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਅੰਦਰ prohibition ਦਾ ਤਜਰਬਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਬੜੇ ਹੌਸਲੇ ਨਾਲ ਤਜਰਬੇ ਕਰਿਆ ਕਰਦੇ ਨੇ ਸਾਡੀ conception ਹੈ decentralization of power ਦੀ । Administration ਵਿਚ decentralization ਬੜੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਵੇਖਦਾ ਹਾਂ ਕਿ at the same time ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਹਥਾਂ ਵਿਚ ਤਾਕਤ ਬਹੁਤ ਜਮ੍ਹਾ ਹੁੰਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਉਹ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ dictator ਕਾਇਮ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਚੀਫ ਮਨੀਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਦੋ ਤਿੰਨ ਸਾਲਾਂ ਮਗਰੋਂ ਬਦਲ ਦੇਣਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ Deputy Commissioner ਦੀ ਜਿਹੜੀ post ਹੈ ਉਸ ਤੇ ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਆਦਮੀ ਲਗਾ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇ, ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਵਧ power ਉਸ ਦੇ ਹਥਾਂ ਵਿਚ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ suggest ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਉਹ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਜੋ ਦੋ ਵਖਰੇ ਵਖਰੇ ਕੰਮ ਹਨ as collector ਅਤੇ District Magistrate, ਇਹ ਦੋ ਆਦਮੀਆਂ ਦੇ ਹਥਾਂ ਵਿਚ ਦੇ ਦੇਣ ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ administration ਵਿਚ ਵਧੇਰਾ ਸੁਧਾਰ ਹੋ ਜਾਏਗਾ ।

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ (ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਖਿਆਲ ਸੀ ਕਿ ਤਿਆਰੀ ਕਰ ਕੇ ਚਲਾਂ ਅਤੇ ਰਾਤ ਦਿਨ ਇਹ ਹੀ ਸੋਚਦਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ General Administration ਤੇ Police ਤੇ ਬਹਿਸ ਹੋਣੀ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਹਰ ਗੱਲ ਦੀ ਵਾਕਫੀ ਹੋਏ ਤਾਂ ਕਿ ਜੋ ਵੀ constructive ਨੁਕਤਾ ਚੀਨੀ ਹੋਵੇ ਉਸ ਦਾ ਉਤਰ ਦੇਵਾਂ ਤੇ ਜੋ ਜ਼ਟੀਅਲ ਨੁਕਤਾ ਚੀਨੀ ਹੋਏ ਉਸ ਦਾ ਮੈਂ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਜਵਾਬ ਦੇਵਾਂ । ਇਸ discussion ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਦੋ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰ ਆਦਮੀ Opposition ਦੇ ਬੋਲੇ ਨੇ ਔਰ ਉਹ ਬੋਲੇ ਨੇ ਗੈਰ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਜੋ ਚਿਕੜ ਸੁਟਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਉਹ ਮੈਂ ਵਾਰੀ ਵਾਰੀ ਧੋਣਾ ਹੈ, ਔਰ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਕਪੜੇ ਤੇ ਇਕ ਦਾਗ ਵੀ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਜਾਵੇਗਾ । ਮੈਂ ਐਸੇ bleaching ਢੰਗ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਾਂਗਾ । ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ ਲਈ ਇਜ਼ਤ ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ America ਤੋਂ ਪੀ. ਐਚ. ਡੀ. ਕਰ ਕੇ ਆਏ ਹੋਏ ਨੇ । ਉਹ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਇਕ scientific ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਕਹਾਉਂਦੇ ਨੇ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜ਼ਰਾ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਸੁਣੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੀ ਆਖਿਆ ਹੈ । ਜਿਹੜੀਆਂ ਗਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਖੀਆਂ ਨੇ ਉਹ ਜ਼ਰਾ ਸੁਆਦਲੀਆਂ ਨੇ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਪਟਵਾਰੀ ਸੀ । ਉਸ ਨੂੰ ਇਕ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਬਦਲ ਦਿੱਤਾ । ਪਰ ਦੂਜੇ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਉਸ ਦੀ ਤਬਦੀਲੀ ਰੋਕ ਦਿੱਤੀ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾਓ, America ਦਾ ਪੀ. ਐਚ. ਡੀ. ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹੈ General Administration ਤੇ ਔਰ ਚਲਾ ਗਿਆ ਹੈ ਪਟਵਾਰੀ ਤੇ । ਫਿਰ ਕੀ ਆਖਿਆ ਹੈ ਉਸ ਨੇ । ਆਖਰ ਜੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਆਖਣਾ ਹੀ ਸੀ ਤਾਂ ਇਹ ਪੁਛ ਹੀ ਲੈਂਦੇ ਕਿ ਉਸ ਪਟਵਾਰੀ ਦੀ ਪਹਿਲੇ ਤਬਦੀਲੀ ਕਰਕੇ ਫਿਰ ਕਿਉਂ ਰੋਕ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨੀਤੀ

[ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ]

ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਬਸ ਇਕ ਥਾਂ ਤੋਂ ਦੂਜੀ ਥਾਂ ਤੇ ਬਦਲ ਦਿਉ । ਇਸ ਦੀ ਨੀਤੀ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਹੀ ਉਸ ਨੂੰ suspend ਕਰਕੇ, ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਅਫਸਰ ਤੋਂ ਉਸ ਦੀ enquiry ਕਰਾਈ ਜਾਏ । ਜੇ ਉਸ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਇਲਜ਼ਾਮ ਠੀਕ ਸਾਬਤ ਹੋ ਜਾਏ, ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ service ਖਤਮ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਏ । ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨੀਤੀ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰੇ ਉਸ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਏ । ਉਸ ਨੂੰ ਇਕ ਥਾਂ ਤੋਂ ਦੂਜੀ ਥਾਂ ਤੇ ਬਦਲ ਦੇਣਾ ਇਹ ਕਾਫੀ ਸਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦੀ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਜੇ ਦੂਜੀ ਥਾਂ ਤੇ ਤਬਦੀਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਹ ਉਥੇ ਵੀ ਗੰਦ ਪਾਵੇਗਾ । ਇਸ case ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਬਦਲ ਦਿੱਤਾ ਹੋਏਗਾ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਇਸ ਲਈ ਬਦਲਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਪਾਸ ਦਸ ਆਦਮੀ ਇਹ ਕਹਿਣ ਲਈ ਆ ਗਏ ਹੋਣਗੇ ਔਰ ਜੇਕਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਦਮੀ ਆ ਜਾਣ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਾਣ ਤਾਂ ਰਖਣਾ ਹੀ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਇਤਨਾ ਮੈਂ ਆਖ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਇਹ ਕੰਮ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਉਸ ਪਟਵਾਰੀ ਨੂੰ suspend ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਔਰ Revenue Assistant ਨੂੰ ਜਾਂ ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦੇ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਅਫਸਰ ਨੂੰ ਉਚੇਚਾ ਉਸ ਦੀ enquiry ਲਈ ਲਗਾ ਦਿੰਦੇ । ਉਸ ਦੀ departmental enquiry ਕਰਾਈ ਜਾਂਦੀ । ਜੋ ਉਸ enquiry ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਨਿਕਲਦਾ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਉਸ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਗਲ ਆਪਣੇ ਵੀਰ ਨੂੰ, ਜਿਸ ਨੇ America ਤੋਂ ਪੀ. ਐਚ. ਡੀ. ਤਾਂ ਕਰ ਲਈ ਹੈ, ਇਹ ਆਖਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਇਹ ਸਮਝਣ ਦਾ ਜਤਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਕਿ ਜਿਸ ਵਜ਼ੀਰ ਨੇ ਉਸ ਪਟਵਾਰੀ ਨੂੰ ਉਥੇ ਰਖਿਆ ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਕਿਉਂ ਰੋਕਿਆ ਹੈ ।

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : On a Point of order, Sir. ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੂਜਿਆਂ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਜਟੀਅਲ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਪਰ ਇਸ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਰ ਕੀ ਜਟੀਅਲ ਗੱਲ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਉਹ ਬਾਰ ਬਾਰ ਪੀ. ਐਚ. ਡੀ. ਕਹਿ ਕਹਿ ਕੇ ਮੇਰਾ ਮਜ਼ਾਕ ਉਡਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਜ ਤਕ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੁਖਾਤਬ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਹੁਣ ਮੈਨੂੰ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਮੇਸ਼ਾ ਇਜ਼ਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ......

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : I honour Dr. Bhag Singh for the high degree which he has got from U. S. A. ਮੈਂ ਵੀ ਇਜ਼ਤ ਘੱਟ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ । ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਆਖਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਥੇ ਇਹ ਗੱਲ ਕਹਿਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਆਉਂਦਾ ਔਰ ਪੁਛਦਾ ਕਿ ਕੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਬਦਲਿਆ ਨਹੀਂ ਗਿਆ ।

ਦੂਜੀ ਗੱਲ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਕਹੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਇਥੋਂ cinema ਵਿਚੋਂ ਸੋਹਣ ਲਾਲ ਨੂੰ ਫੜ ਲਿਆ ਗਿਆ । ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਉਹ ਬੋਲੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ।

ਮੈਂ C. I. D. ਦੇ Inspector ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਮੰਗਵਾਈ ਹੈ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਮੋਹਣ ਲਾਲ ਨਾਂ ਦਾ ਆਦਮੀ 5 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਸਿਨੇਮਾ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਭੈਣ ਨਾਲ ਬੈਠਾ ਸੀ। ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਸਿਨੇਮਾ ਦੇ ਕਿਸੇ ਆਦਮੀ ਨੇ ਛੇੜਿਆ, ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਭਾਈ ਨੇ Manager ਕੋਲ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ। Manager ਨੇ ਉਸ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਸ ਕੋਲੋਂ ਮਾਫੀ ਮੰਗੋ ਜਿਸ ਦੀ ਭੈਣ ਨੂੰ ਉਸ ਨੇ ਛੇੜਿਆ ਹੈ। ਪਰ ਉਸ ਆਦਮੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੈਂ ਬੇਗੁਨਾਹ ਹਾਂ ਮੈਂ ਮਾਫੀ ਨਹੀਂ ਮੰਗਣੀ। ਪਰ Manager ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਹੋ ਗਿਆ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਅਜੇਹੀ ਸ਼ਰਾਰਤ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਨੇ ਉਸ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਕਢ ਦਿਤਾ। ਸਿਨੇਮਾ ਦੇ workers ਨੂੰ Communist ਪਾਰਟੀ ਦੀ support ਮਿਲ ਗਈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 12 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਲਿਆ ਕੇ cinema ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ picketing ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੀ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤਕ ਸਾਲਗ ਰਾਮ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਰਖੋਗੇ ਅਸ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਅੰਦਰ ਨਹੀਂ ਜਾਣ ਦੇਣਾ। ਇਸ ਗੱਲ ਕਰ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗਿਰਫਤਾਰ ਕਰਨਾ ਪਿਆ। ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਕਿ ਮੈਂ ਅਜਿਹੇ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਫੜਾਂ ਕਿ ਨਾ ਫੜਾਂ? ਮੈਂ ਫ਼ੌਰਨ ਰਿਪੋਰਟ ਮੰਗਵਾਈ ਹੈ। ਸਾਡੀ ਮਤ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਮਾਰੀ ਹੋਈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਐਵੇਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਫੜਦੇ ਫਿਰੀਏ। ਰਿਪੋਰਟ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ cinema ਦੇ second show ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਾਣ ਤੋਂ obstruct ਕਰਦੇ ਸਨ ਜਿਸ ਕਰ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਕੜਿਆ ਗਿਆ। ਇਕ ਆਦਮੀ ਨੇ ਸ਼ਰਾਰਤ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ ਉਸ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਦਿਤੀ ਗਈ। ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਰੀਬ ਤਬਕੇ ਨੂੰ ਵਰਗਲਾ ਕੇ ਸਿਨੇਮਾ ਵਿਚ ਜਾਣ ਤੋਂ ਰੋਕਿਆ ਇਹ ਤਾਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ election stunt ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸਨ। ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਕਹੋਗੇ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਪਕੜਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਗਲ ਦੀ ਸਮਝ ਲਗ ਗਈ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਮੇਰੇ ਵੀਰ ਨੇ ਚੱਕੀ ਦੇ ਕੇਸ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਚੌਲ ਛੜਨੇ ਸਨ ਪਰ ਉਸ ਦੀ ਚੱਕੀ ਇਕ ਸਾਲ ਤਕ ਬੰਦ। ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਸਾਲ ਤਕ ਉਹ ਦੀ ਚੱਕੀ ਬੰਦ ਰਹੀ, ਰਹੀ ਹੋਵੇਗੀ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਫਜ਼ਾਂ ਤੇ ਯਕੀਨ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਮਾਫੀ ਮੰਗ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ। ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਸਮੇਂ ਉਪਰ ਨਹੀਂ ਕਹੀ। ਜੇ ਕਰ ਉਹ Industry ਦੀ Demand ਉਪਰ ਗਲ ਕਰਦੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੁਹਣਾ ਜਵਾਬ ਮਿਲ ਜਾਂਦਾ। General Administration ਦੀ ਬਹਿਸ ਉਪਰ ਚੱਕੀ ਦੀ ਗਲ ਛੇੜ ਕੇ ਜਵਾਬ ਮੰਗਣਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ੋਭਾ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ। ਮੈਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਸਿਆਣਾ ਸਮਝਦਾ ਸਾਂ, ਉਹ ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਹੀਂ ਨਿਕਲੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਲੰਧਰ ਦਾ ਇਕ ਕੇਸ ਮੁਰਬਾਬੰਦੀ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ quote ਕੀਤਾ। 6 ਮਹੀਨੇ ਹੋ ਗਏ, ਇਕ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ, ਫੈਸਲਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਗਿਲਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 6 ਮਹੀਨੇ ਬਾਦ ਜ਼ਾਹਿਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਉਸ ਵੇਲੇ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਂਦੇ ਤਾਂ ਪਤਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ। ਖੈਰ, ਮੈਂ ਚਾਹਵਾਂਗਾ ਕਿ Minister concerned ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣ। ਜੇਕਰ ਦੇਰ ਲਗ ਗਈ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਮਾਫੀ ਦਿਉ। ਕੰਮ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦ ਹੋਣ ਕਟਕੇ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਢਿਲ ਕਈ ਵਾਰ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗਲ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ General

[ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ]

Administration ਦੀ ਬਹਿਸ ਵੇਲੇ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ । ਸਿਨੇਮਾ ਦੇ ਕੇਸ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਮੈਂ ਦਸ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਪਟਵਾਰੀ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਰਾਓ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁਛਾਂਗਾ, Director ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਵੀ ਪੁਛਾਂਗਾ, ਇਸ ਵੇਲੇ ਮੈਂ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦਾ । ਇਹ ਗਲ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਦਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇਕ ਕੇਸ ਵੀ ਅਜਿਹਾ ਹੋਵੇ ਜਿਸ ਵਿਚ justice ਨਾ ਮਿਲੇ । ਗੋ ਇਸ mission ਵਿਚ ਪੂਰੀ ਕਾਮਯਾਬੀ ਅਜੇ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਚਾਹੁਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਦੇਰ ਨਾ ਲਗੇ । Communist Party ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਤੇ, ਨਾਲ scientific ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹੋ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ Budget ਦੀ general discussion ਤੇ ਇਹ ਇਤਰਾਜ਼ ਉਠਾਏ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ leakage ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਰੋਕਦੇ । ਅਸੀਂ leakage ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਕੀ ਅਸੀਂ economy ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਅਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਂ economy ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਸੀਂ unproductive ਕੰਮਾਂ ਉਪਰ ਖਰਚ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਕਿ ਉਹ unproductive ਕੰਮ ਕਿਹੜੇ ਹਨ । ਜੇ ਕਰ ਦਸ ਦਿੰਦੇ ਤਾਂ ਸਮਝ ਆ ਜਾਂਦੀ । ਜੇ ਕਰ ਅਸੀਂ Service ਵਿਚ ਕੁਝ ਆਦਮੀ ਜ਼ਿਆਦੇ ਵਧਾਏ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੰਮ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਇਆ । ਜੇ ਕਰ ਉਹ buildings ਨੂੰ unproductive ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚ ਸਾਡੀ ਪੁਲਿਸ ਦੇ ਆਦਮੀ ਉਥੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਜਿਥੇ ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ ਕੁਕੜੀਆਂ ਰਖਦੇ ਸਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਅਸਾਂ ਨਵੇਂ ਮਕਾਨ ਨਹੀਂ ਬਣਾਏ । ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਹ ਕੰਮ productive ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜੇ ਕਰ ਪੁਲਿਸ ਨੂੰ ਆਰਾਮ ਨਾ ਮਿਲੇ ਤਾਂ ਕੰਮ ਘਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਅਫਸਰ ਵੀ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਵੀ ਮਕਾਨ ਨਹੀਂ ਬਣਾ ਸਕੇ ਕਿਉਂ ਜੋ ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ development ਦਾ period ਹੈ, ਅਗਾਂਹ ਵਧੂ ਯੁਗ ਹੈ, ਇਸ ਵਿਚ ਔਖੇ ਸੌਖੇ ਹੋ ਜਾਈਏ । ਆਦਮੀ ਔਖੇ ਹਨ, ਸਾਡੇ ਅਫਸਰ ਔਖੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਕੰਮ ਵੀ productive ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜੇ ਅਫਸਰ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਨਾ ਰਹਿਣ ਤਾਂ ਲੋਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ approach ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਅਫਸਰ ਰਸੀਦ ਲੈ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ rent ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ । ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਕਿ ਅਸੀਂ productive ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ unproductive ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਕਾਨ ਵੀ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਂਦੇ । ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਡਰ ਹੈ ਕਿ Education Minister ਨੂੰ ਖੜੇ ਹੋ ਕੇ ਮਾਫੀ ਮੰਗਣੀ ਪਵੇਗੀ ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਲੜਕੀਆਂ ਪੜ੍ਹਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀਆਂ ਛਤਾਂ ਡਿਗਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਪਰ ਅਸੀਂ ਮਕਾਨ ਨਹੀਂ ਬਣਵਾ ਰਹੇ । ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਪੈਸਾ development ਉਪਰ ਖਰਚ ਹੋਵੇ .. (*Interruption by Sardar Harguranad Singh*) ਤੁਸੀਂ ਸ਼ਾਂਤ ਰਹੋ, ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਵਾਰੀ ਸ਼ਾਂਤ ਰਹੇ ਹੋ ਤਾਂ ਮੈਂ ਵੀ ਸ਼ਾਂਤ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ Scientific Party ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ (*Interruptions*) ਜੇ ਕਰ ਤੁਸੀਂ ਚੰਗੇ ਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਐਧਰ ਨਾ ਹੁੰਦੇ

ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ : ਸਾਨੂੰ ਮਾਨ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਐਥੇ ਬੈਠੇ ਹਾਂ ।

ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ : ਤੁਹਾਨੂੰ ਮਾਨ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਮਾਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਗਲਤ ਪਾਸੇ ਚਲੇ ਗਏ ਹਨ । ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਹੈ । ਮੇਰਾ ਫਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦਸਾਂ ਕਿ economy ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਅਸੀਂ ਕੀ ਕੁਝ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਅਸਾਂ offices ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੇ hours ਵਧਾ ਦਿਤੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਤਿਹਵਾਰਾਂ ਦੀ ਛੁਟੀ optional ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਸਵੇਰੇ 9 ਵਜੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਸ਼ਾਮ ਦੇ 5½ ਵਜੇ ਤਕ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਾਂ । ਅਸੀਂ ਅਜੇ ਹੋਰ ਵੀ ਇਰਾਦਾ ਰਖਦੇ ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ hours ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਦਾ ਤਾਂ ਜੋ economy ਚੰਗੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕਰ ਸਕੀਏ । ਅਫਸਰ ਛੇਤੀ ਛੇਤੀ ਨਹੀਂ ਰਖਦੇ । ਜੇ ਕਰ ਕੋਈ ਛੁਟੀ ਚਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਰਖਦੇ । ਪਹਿਲਿਆਂ ਕੋਲੋਂ ਹੀ ਕੰਮ ਲੈਂਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਜੋ ਚਾਰ ਪੈਸੇ ਬਚ ਜਾਣ । ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਨਾਲ ਛੁਟੀ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ, due leave ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ । ਜੇ ਕੋਈ ਬਹੁਤੀ ਛੁਟੀ ਮੰਗਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਥੋੜੀ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਜੋ ਕੰਮ suffer ਨਾ ਕਰੇ । ਛੁਟੀ ਰੋਕ ਲੈਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੰਮ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਰੇ । Increment ਦੇ ਪੈਸੇ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ, ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਇਹ ਵੀ ਨਾ ਦੇਈਏ ?

ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਸਾਰੇ ਸੁਖ ਮਿਲਣ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਖਰਚ ਵੀ ਘਟ ਕਰੋ । ਅਸੀਂ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਖਰਚ ਘਟਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ, ਜਿਵੇਂ ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਲਰਕਾਂ ਦੀ ਭਰਤੀ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ; ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਕੰਮ ਲੈਣਾ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਪਹਿਲਾਂ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ । Education ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ ਖਾਸੇ ਆਦਮੀ ਚਾਹੀਦੇ ਸੀ, ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਕਿ department ਅਗੇ ਨਾਲੋਂ ਬਹੁਤ ਵਧ ਗਿਆ ਹੈ, ਜਿਥੇਂ ਦਾ ਪਹਿਲਾ 5 ਲੱਖ ਦਾ ਬਜਟ ਸੀ ਅਜ ਉਹ 30 ਲੱਖ ਦਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਬਾਹਰੋਂ ਆਦਮੀ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਰੱਖਣਾ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਕੰਮ ਆਪਣੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚੋਂ ਹੀ ਕਰਾਕੇ ਪੂਰਾ ਕਰੋ ਭਾਵੇਂ ਵਕਤ ਬਹੁਤਾ ਲਾ ਕੇ ਕੰਮ ਕਿਉਂ ਨਾ ਖਤਮ ਕਰਨਾ ਪਵੇ । ਅਜ ਹਰ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਕੰਮ ਵਧਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਹੋਰ ਖਰਚ ਹੋਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਏਸੇ ਨਾਲ ਕਿਵੇਂ ਨਾ ਕਿਵੇਂ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਤਜਰਬਾ ਅਸੀਂ 5 Branches ਰਾਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਜਿਥੇ ਪਹਿਲਾਂ ਦੋ Assistants ਸਨ ਅਸੀਂ ਉਥੇ ਇਕ ਲਾ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਨਿਕਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ 7-8 ਹਜ਼ਾਰ ਦੀ ਬਚਤ ਹੋਈ ਹੈ । ਇਸ ਬਚਤ ਨੂੰ ਵੇਖਦੇ ਹੋਏ ਅਸੀਂ ਬਾਕੀ ਸਾਰੀਆਂ Branches ਵਿਚ ਵੀ ਬਚਤ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਅਸੀਂ ਸਾਰਿਆਂ ਦਾ ਕੰਮ ਬਾਕਾਇਦਾ ਹੋਣ ਬਾਰੇ Flying Squads ਰਖੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ । ਉਹ control ਰਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਕੰਮ ਹੋਵੇ ਉਹ fully ਹੋਵੇ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ delay ਨਾ ਹੋਵੇ । ਅੱਜ Opposition ਵਿਚ ਬੈਠਣ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਨਾਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਆਖਿਰ ਜਨਤਾ ਤਾਂ ਵੇਖਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਅੱਜ ਇਸ ਲਈ ਬਰਖਲਾਫ ਗੱਲਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ Chief Minister ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਹੈ ਤੇ ਵਜ਼ੀਰ ਇਸੇ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਐਵੇਂ ਢੀਮਾਂ ਮਾਰਨ ਦਾ ਕੀ ਫ਼ਾਇਦਾ ਹੈ,

[ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ]

ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਜਨਤਾ ਦੇ ਵਰਕਰ ਹਾਂ, ਜਨਤਾ ਸਾਡੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਜੇ ਪਸੰਦ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਤਾਂ ਭਾਵੇਂ ਹਟਾ ਦੇਵੇ। ਅੱਜ ਮਾੜੀ ਜਿਹੀ ਗੱਲ ਤੇ ਐਵੇਂ ਲਲਾ ਲਲਾ ਕਰ ਦੇਣੀ ਇਸ ਨਾਲ ਤੁਹਾਨੂੰ ਖੁਸ਼ੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਜੇ ਸੱਚੀ ਖੁਸ਼ੀ ਲੈਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਕਹੋ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਅਗੇ ਲਾਵੇ, ਪਰ ਉਹ ਫੇਰ ਵੀ ਸਾਨੂੰ ਹੀ ਮੂਹਰੇ ਰਖਦੇ ਹਨ।

ਹੋਰ ਸੁਣੋ, ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਿਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਚਲਦੇ ਹਾਂ। ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਿੰਨਾ Revenue collect ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਨਾ ਹੀ ਇਸ ਦੀ collection ਤੇ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ leakage of revenue ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਉਹ ਇਹ ਤਾਂ ਵੇਖਣ ਕਿ ਕਿਤਨੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਅਸੀਂ action ਲਿਆ ਹੈ। ਜਿਥੋਂ ਕਿਤੋਂ ਵੀ ਸਾਨੂੰ ਥੋੜੀ ਬਹੁਤ ਇਤਲਾਹ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਕਿ ਏਥੇ ਕੋਈ ਗਲਤੀ ਹੈ ਜਾਂ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕੀਤਾ ਖਰਚ ਜ਼ਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਸੀਂ ਫੌਰਨ action ਲੈਂਦੇ ਹਾਂ। ਅਸੀਂ excise ਨੂੰ ਛਡਦੇ ਨਹੀਂ ਪਰ ਜਿਉਂ ਜਿਉਂ ਅਸੀਂ ਦੇਖਾਂਗੇ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਪੁਜਦਾ ਹੈ ਅਸੀਂ ਉਸ ਪਾਸੇ ਆਪਣੀ ਤਾਕਤ ਲਾਵਾਂਗੇ। ਇਰਾਦਾ ਸਾਡਾ ਵੀ ਛਡਣ ਦਾ ਹੈ ਪਰ ਹੌਲੀ ਹੌਲੀ ਜਿਉਂ ਜਿਉਂ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਤਰੱਕੀ ਦੇ ਰਾਹ ਤੇ ਆਵੇਗਾ ਇਹ ਗਲਤ ਪਾਸੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਠੀਕ ਹੁੰਦੇ ਜਾਣਗੇ। ਏਥੇ ਕੁਝ ਗਲਾਂ ਜਨ ਸੰਘ ਦੇ ਲੀਡਰਾਂ ਨੇ ਕਹੀਆਂ ਸਨ ਪਰ ਉਹ ਭੱਜ ਗਏ ਹਨ, ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਉਹ ਜ਼ਰਾ ਸੁਣ ਤਾਂ ਲੈਂਦੇ ਆਪਣੀਆਂ ਗਲਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰਾ 73 ਲੱਖ ਦਾ ਖਰਚ ਹੋਇਆ ਹੈ—53 ਲੱਖ ਦਾ ਇਕ ਅਤੇ 20 ਲੱਖ ਦਾ ਇਕ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਦਾ ਹਾਂ ਕਿ General Administration ਤੇ ਪਹਿਲੇ ਸਾਲ ਨਾਲੋਂ 52 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਵਧ ਖਰਚ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਦੀ ਤਫਸੀਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੈ ਕਿ 6 ਲੱਖ ਅਸੀਂ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ elections ਤੇ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਦਸੋ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਕਰੀਏ ਜਾਂ ਨਾ ਕਰੀਏ। ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ welfare ਦਾ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। ਅਸੀਂ Social Welfare ਲਈ 20 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਵਧਾਇਆ ਹੈ, ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਵਧਾਈਏ ਕਿ ਨਾ ਵਧਾਈਏ। ਅਸੀਂ 3 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਅਸੀਂ ਨਵੇਂ Sub-Divisions ਖੋਲ੍ਹਣੇ ਹਨ ਤਾਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤਾ ਦੂਰ ਨਾ ਜਾਣਾ ਪਵੇ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨੇੜੇ ਦੇ Sub-Divisions ਵਿਚ ਹੀ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਹੁੰਦਾ ਰਹੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਜਾਣ ਨਾਲ 90% ਲੋਕਾਂ ਦੇ cases ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਠੀਕ ਹੋ ਜਾਇਆ ਕਰਨਗੇ। ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਇਹ ਖਰਚ ਕਰੀਏ ਕਿ ਨਾ ਕਰੀਏ। Development ਦੇ ਹਰ ਕੰਮ ਦੇ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਕੰਮ ਦੇ ਅੰਕੜੇ ਲਾਕੇ ਹਿਸਾਬ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। Statistics Department ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਉਣ ਵਾਲੀ ਹਰ ਮੁਸੀਬਤ ਦਾ ਪਹਿਲਾਂ ਹਿਸਾਬ ਲਾ ਕੇ ਦਸੇ ਤਾਂ ਜੋ ਉਸ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਅੱਜ ਅਨਾਜ ਦੀ ਕਿਤੇ ਕਮੀ ਹੈ ਕਿਤੇ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੈ, ਇਸ ਮੁਸੀਬਤ ਵਿਚ ਦੁਨੀਆਂ ਰੁੜ੍ਹਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕੋਈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ ਕੀ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਕੀ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਅਸੀਂ ਇਸ ਮੁਸੀਬਤ ਤੋਂ ਬਚਣ ਦੀ ਖਾਤਰ ਜੇ 4 ਲਖ ਰੁਪਿਆ statistics ਵਾਸਤੇ provide ਕਰ ਦਿਤਾ, ਇਹ ਕਰਦੇ ਕਿ ਨਾ ਕਰਦੇ। ਫੇਰ ਅਸੀਂ Government ਦੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਹਰ ਸਾਲ increment ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ, ਇਹ ਜਿਹੜੀ increase 19

ਲੱਖ ਦੀ ਹੋ ਜਾਣੀ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਦਸੋ ਕਿ ਇਹ ਦਿੰਦੇ ਕਿ ਨਾ ਦਿੰਦੇ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਾਵਜੂਦ ਇਤਨੀ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਦੇ ਕਿ ਕੋਈ ਫਾਲਤੂ ਖਰਚ ਨਾ ਹੋਵੇ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਪੈਸਾ ਵਧਾਉਣਾ ਪਿਆ ਹੈ । 20 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਿਹੜੀਆਂ Divisions ਚਲਾਉਣੀਆਂ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ police ਰਖਣੀ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਦਸੋ ਕਿ ਰਖੀਏ ਕਿ ਨਾ ਰਖੀਏ । ਫੇਰ ਅਸੀਂ 2 ਲੱਖ 22 ਹਜ਼ਾਰ ਦੀ provision ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ D. S. P.'s ਵਾਸਤੇ Typists ਰੱਖਣੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਸ ਕੰਮ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਸਾਰੇ D. S. P.s ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਫਾਜ਼ਲਕਾ, ਮੋਗਾ, ਬਠਿੰਡੇ, ਜਾਲੰਧਰ ਪਟਿਆਲਾ ਵਗੈਰਾ ਨੂੰ ਦਿਤੇ ਜਾਣੇ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਵੀ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਹੈ ।

ਮੈਨੂੰ ਇਕ ਗੱਲ ਪੰਡਿਤ ਸ਼੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਸ਼ਾਸਤ੍ਰੀ ਦੀ ਬੜੀ ਪਸੰਦ ਆਈ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਥਾਨੇ ਵਿਚ Telephone ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਵੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ culprit ਭਜ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਫੌਰਨ ਇਮਦਾਦ ਦਿਤੀ ਜਾ ਸਕੇ । ਅਸੀਂ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਾਂਗੇ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੇ ਲਗ ਜਾਣ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਅਜੇ ਜੇ ਸਾਰੇ provision ਨਾ ਹੋ ਸਕੇ ਤਾਂ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਥਾਣਿਆਂ ਵਿਚ ਲਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਤਾਂ ਜੋ ਅਸੀਂ ਫੌਰਨ ਮੌਕੇ ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਕੇ ਇਕ ਦੂਸਰੇ ਥਾਨੇ ਰਾਹੀਂ ਇਮਦਾਦ ਲੈ ਸਕੀਏ । ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰ ਥਾਨੇ ਵਿਚ ਜੀਪਾਂ ਵੀ ਹੋਣ ਪਰ ਅਜੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਾਇਜ਼ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਇਹ wastage ਵਿਚ ਚਲਿਆ ਕਰਨਗੀਆਂ । ਜਦੋਂ ਮੈਨੂੰ ਯਕੀਨ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ wastage ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ਇਹ ਵੀ ਦੇ ਦਿਆਂਗੇ । ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ crimes ਨੂੰ ਘਟ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਹ ਕੰਮ ਕਰੀਏ ਜਾਂ ਨਾ ਕਰੀਏ । ਅਸੀਂ ਵੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਾਹਰਲੇ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਚੋਰੀਆਂ ਡਾਕੇ scientific ਢੰਗ ਨਾਲ detect ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਏਥੇ ਵੀ ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਹੋਵੇ । ਅਸੀਂ ਡੰਡੇ ਵਾਲਾ ਤਰੀਕਾ ਇਖਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ । ਅਸੀਂ brilliant ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਭਰਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ । ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਕਿ detection ਦੇ scientific ਤਰੀਕੇ ਨੂੰ ਅਪਣਾਇਆ ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਨਾਂ । ਇਸ ਤੇ ਕੋਈ ਇਕ ਲਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਹੈ । ਫੇਰ Indo-Tibetan border ਤੇ ਕੁਝ ਪੈਸਾ ਖਰਚ ਆਉਣਾ ਹੈ । ਇਹ ਖਰਚ ਦਸੋ ਕਿ ਕਰੀਏ ਕਿ ਨਾ ਕਰੀਏ । ਪੁਲਿਸ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਨੂੰ increments ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣੀਆਂ ਹਨ ਜਿਸ ਤੇ ਕੋਈ 5½ ਲਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਖਰਚ ਹੈ । ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਲੋਂ ਜਿਹੜਾ 20 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕੀ ਇਹ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਜਨ ਸੰਘ ਵਲੋਂ ਕੁਝ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਕਿ Education Department ਵਿਚ corruption ਹੈ, ਅਤੇ bogus ਖਰਚੇ ਦਿਖਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਤੁਸੀਂ ਜਾਕੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ, ਲੁਧਿਆਣਾ, ਜਾਲੰਧਰ ਸ਼ਹਿਰ ਵੇਖੋ ਕਿਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਚਲ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਕ ਅਸੀਂ *sample survey* ਦੀ ਮੁਹਿਮ ਬਚਿਆਂ ਵਿਚ ਚਲਾਈ ਹੈ । ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਵੇਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਤਨੇ per cent ਜੁਰਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਘਟੇ ਹਨ ਜਾਂ ਵਧੇ ਹਨ । ਇਹ ਵੇਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕੌਣ ਕਿਸੇ ਦੀ ਕਾਪੀ ਚੁਕਦਾ ਹੈ, ਕੌਣ ਸਿਆਹੀ ਚੁਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕੌਣ ਕਲਮਾਂ ਯਾ ਕਿਤਾਬਾਂ ਚੁਕਦਾ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਇਸ

[ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ]

ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਚਿਆਂ ਦਾ ਕਲਬ ਬਨਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ ਮੁਹੱਲੇ ਦੇ ਆਦਮੀ ਵੀ ਹੋਣ ਅਤੇ ਜਿਸ ਦਾ Chairman ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ School Teacher ਹੋਵੇ। ਅਸੀਂ ਨਾ ਸਿਰਫ ਆਪਣੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਹੀ intelligent ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਬਲਕਿ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਪੈਣ ਵਾਲੀਆਂ ਬੁਰੀਆਂ ਆਦਤਾਂ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਇਕ ਨਵੀਂ research ਦੀ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਬਚਪਨ ਵਿਚ ਪੈਣ ਵਾਲੀਆਂ ਬੁਰੀਆਂ ਆਦਤਾਂ ਨੂੰ weed-out ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਦੇਖੋ ਇਹ ਕਿਤਨਾ constructive ਕੰਮ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਾਲੇ ਵੀਰਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਤੁਸੀਂ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹੋ ਉਥੇ ਕਮ ਅਜ਼ ਕਮ ਦੋ ਲਫਜ਼ ਤਾਰੀਫ ਦੇ ਵੀ ਕਹਿ ਦਿਆ ਕਰੋ ਕਿ ਫਲਾਨਾ ਕੰਮ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਚੰਗਾ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮਗਰ ਇਹ ਗੱਲ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਿਖੀ ਹੋਈ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਹਮੇਸ਼ਾ constructive ਸੁਝਾਉ ਦੇਣ ਵਾਲੀ ਸਪੀਚ ਕਰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਸਨ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦਫਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਪੀਚ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਦੀ ਵਜਾਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਨੇੜੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ। ਜੇ ਉਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਪੀਚ ਨਾ ਕਰਦੇ ਤਾਂ ਸ਼ਾਇਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਿਰ ਕਢ ਦਿੰਦੀ। ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰਖੋ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਚੀਨ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਜ਼ ਬਾਜ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਹ ਗੱਲ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਐਲਾਨੀਆ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਵੀ ਪਾਰਟੀਆਂ anti-national ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਮੌਤੇ ਆਪ ਮਰਨਾ ਹੈ। ਲੋਕ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੋਟਾਂ ਦੇਣੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਨਿਆਣੇ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਜਦੋਂ ਚੋਣਾਂ ਹੋਣਗੀਆਂ ਉਦੋਂ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਮਿਊਨਿਸਟਾਂ ਨੂੰ ਦੇਖਾਂਗਾ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਡੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਦੇ ਵਿਚ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋ ਕੇ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗਾ ਹੈ ਕਿ ਅਕਾਲੀਆਂ ਨੇ ਅਤੇ ਕਮਿਊਨਿਸਟਾਂ ਨੇ ਆਪਸ ਵਿਚ ਸਮਝੌਤਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਦਿਆਂ ਹਲਕਿਆਂ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਉਮੀਦਵਾਰ ਖੜੇ ਕਰਕੇ ਦੋਵੇਂ ਸੀਟਾਂ ਲੈਣੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਆਪਣੇ ਉਮੀਦਵਾਰ ਖੜ੍ਹੇ ਕਰਨ। ਮੈਂ ਦੇਖਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਿਤਦੇ ਹਨ। ਸਰਦਾਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਮਿਊਨਿਸਟਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਖਬਰਦਾਰ ਰਹੋ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਾਰਨ ਲਈ ਕੋਈ ਜਤਨ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਹੀ ਮਾਰ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਜਿਉਂ ਜਿਉਂ ਏਥੇ socialist pattern ਕਾਇਮ ਹੁੰਦਾ ਜਾਣਾ ਹੈ ਤਿਉਂ ਤਿਉਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖਤਮ ਹੁੰਦੇ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਫਿਕਰ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜਨ ਸੰਘ ਵਾਲੇ ਏਥੇ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਫਲਾਣੇ ਅਫਸਰ ਨੇ ਫਲਾਣਾ ਕਸੂਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਐਕਸ਼ਨ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰੀ ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਮਾਰਨ ਦੀ ਪਾਲੀਸੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜੇ ਕਿਸੇ ਅਫਸਰ ਕੋਲੋਂ ਗ਼ਲਤੀ ਹੋ ਗਈ ਹੋਵੇ ਔਰ ਉਹ ਮੰਨ ਜਾਵੇ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੋਲੋਂ ਗ਼ਲਤੀ ਹੋਈ ਔਰ ਇਹ ਕਹਿ ਦੇਵੇ ਕਿ ਆਇੰਦਾ ਮੈਂ ਐਸੀ ਗ਼ਲਤੀ ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ ਮੁਆਫ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਇਕ ਮਾਡਲ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਉਹ ਡੰਡੇ ਦੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਪਿਆਰ

6.00 p.m.

ਦੇ ਨਾਲ ਜਿਤਨਾ ਕੰਮ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਉਤਨਾ ਡੰਡੇ ਦੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਕ ਗੱਲ ਹੋਰ ਦੱਸਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਲੁਧਿਆਣੇ, ਜਲੰਧਰ ਔਰ ਪਟਿਆਲੇ ਦੇ ਵਿਚ ਜੁਰਮ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਫੜਨ ਲਈ ਅਸੀਂ Flying Squad ਰਖੇ ਹੋਏ ਹਨ । ਜਦੋਂ ਖਬਰ ਮਿਲੇ ਕਿ ਫਲਾਣੀ ਜਗ੍ਹਾ ਜੁਰਮ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸੇ ਵੇਲੇ ਉਸ ਸਟਾਫ ਦੇ ਆਦਮੀ ਉਥੇ ਮੌਕੇ ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਕੇ ਪੜਤਾਲ ਕਰਿਆ ਕਰਨਗੇ । ਤੁਸੀਂ ਬੇਸ਼ਕ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਝੂਠਾ ਰੌਲਾ ਪਾ ਕੇ ਵੇਖ ਲਉ । ਸਾਡੇ ਅਫਸਰ ਫੌਰਨ ਉਥੇ ਪਹੁੰਚ ਜਾਣਗੇ ਭਾਵੇਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਮੂੰਹ ਲੈ ਕੇ ਹੀ ਕਿਉਂ ਨਾ ਵਾਸਪ ਆਉਣਾ ਪਏ ।

ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਜੇ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਕਿਉਂ ਚੁਪ ਕਰਕੇ ਬੈਠੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹੋ ਜਦੋਂ ਸਪੀਚ ਕਰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹੋ । ਦੂਸਰੇ ਬੇਸ਼ਕ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨੁਕਤਾ-ਚੀਨੀ ਕਰਦੇ ਰਹਿਣ ਮਗਰ ਮੈਂ ਕਮ ਅਜ਼ ਕਮ ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਕੋਲੋਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਪੀਚ expect ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਰਦਾ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਜ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਬਾਕੀ ਜਿਹੜੇ ਜਨ ਸੰਘ ਵਾਲੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਾਂ ਗੱਲ ਹੀ ਛੱਡ ਦਿਉ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਤਾਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਸਾਰਾ ਕੁਝ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕ ਦੋ ਗੱਲਾਂ ਹੋਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਲੋਕ ਅਕਸਰ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕਰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਫਸਰ ਲੋਕ ਪੈਸੇ ਕਿਉਂ ਉਗਰਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਹਿਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਵੀ ਕੋਈ ਵਜ਼ੀਰ ਜਾਏ, ਕੋਈ ਹੋਰ dignitary ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਪਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਜਾਵੇ, ਉਸ ਦੀ ਆਉ ਭਗਤ ਕਰਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਚੰਦਾ ਨਾ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਹਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਤਨੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਜ਼ਰੂਰ ਦਿਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਉਹ Red Cross ਲਈ ਜਾਂ Small Savings Scheme ਲਈ ਜ਼ਰੂਰ ਫੰਡ ਇਕੱਠੇ ਕਰਨ । ਮੈਂ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਤਸਲੀਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਈ ਅਫਸਰ Small Savings Scheme ਲਈ ਪੈਸੇ ਇਕਠੇ ਕਰਨ ਵਿਚ ਗ਼ਲਤੀ ਵੀ ਕਰਦੇ ਹੋਣਗੇ । ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਦੋਸਤਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਸਾਡਾ ਇਹ ਫਰਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਬਾਹਰਲੇ ਪੈਸੇ ਦੀ ਝਾਕ ਛਡੀਏ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਕੋਲੋਂ ਪੈਸੇ ਇਕਠੇ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਭਲੇ ਲਈ ਤਾਮੀਰੀ ਕੰਮ ਕਰੀਏ । ਕੀ ਇਹ ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਤੇ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਹੀ ਕੰਮ ਹੈ ਜਾਂ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਵੀ ਫ਼ਰਜ਼ ਬਣਦਾ ਹੈ ? ਸਾਡੇ ਪਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਹਰ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਪਣੀ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਆਮਦਨ Small Savings Scheme ਲਈ ਦੇਣ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਕੋਲੋਂ ਔਰ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਕੋਲੋਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਆਮਦਨ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਜਮਾ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ । ਕੀ ਇਹ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦਾ ਹੀ ਕੰਮ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਪੈਸੇ ਇਕਠੇ ਕਰਕੇ ਦੇਣ ? ਪਬਲਿਕ ਦੇ ਆਦਮੀਆਂ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਨਹੀਂ ਬਣਦਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਨੇਕ ਕੰਮ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਪੈਸੇ ਇਕਠੇ ਕਰਨ ਵਿਚ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਮਦਦ ਕਰਨ ? ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਮੇਰੇ ਮਿਤਰ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਨ ਦੀ ਬਜਾਏ ਕੁਝ

[ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ]
ਕੰਮ ਕਰਨ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਕੰਮ ਕਹਿਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੀ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦੀ। ਇਹ ਆਪ ਤਾਂ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਔਰ ਅਫਸਰਾਂ ਤੇ ਬੜੀ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਪਸੰਦ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਕੰਮ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਜ਼ਿਮੇ ਨਾ ਰਹੇ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਕੰਮ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦਾ future ਬਨਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਅਤੇ India ਦਾ future ਬਨਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਤਾਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਚ ਅਤੇ ਸਰਪੰਚ ਇਹ ਕੰਮ ਆਪ ਸੰਭਾਲ ਲੈਣ। Municipal ਕਮੇਟੀਆਂ ਸੰਭਾਲ ਲੈਣ ਅਤੇ ਇਹ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਨਾ ਕਰਨਾ ਪਏ। ਮੈਂ Opposition ਦੇ ਸਾਰਿਆਂ ਭਰਾਵਾਂ ਨੂੰ ਅਪੀਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਕੰਮ ਵਿਚ ਸਾਡਾ ਸਾਥ ਦੇਣ। ਕੀ ਇਹ ਦੇਸ਼ ਤੁਹਾਡਾ ਨਹੀਂ ? ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਸਾਰੀਆਂ communities ਦੀ ਹਕੂਮਤ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ, ਕੀ ਸਾਰੀਆਂ communities ਦਾ ਹੱਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਖਾਤਰ ਕੰਮ ਕਰਨ ? ਫਿਰ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਭਰਾਵਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਹੀ ਜਮਾਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਅਫਸਰ ਸਿਰਫ ਆਪਣੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਖਾਤਰ ਇਹ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਮਾੜੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗਾਂ ਨਹੀਂ ਆਖਦਾ। ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਕੰਮ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਆਪਣੇ ਜ਼ਿਮੇ ਲੈ ਲੈਣ ਅਤੇ ਇਹ ਕਮਿਸ਼ਨ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਆਏ। ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਕੰਮ ਮਿਉਨਿਸੀਪਲ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੇ ਜ਼ਿਮੇਂ ਲੈ ਲਉ। ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਆਪ ਤਾਂ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਤਾਂ ਫਿਰ ਜੇਕਰ ਇਹ ਕੰਮ ਅਫਸਰ ਕਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਦੀ criticism ਕਰਦੇ ਹੋ। ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜੋ Small Savings Scheme ਥਲੇ ਰੁਪਿਆ ਇਕਠਾ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕੀ ਇਹ ਮਾੜਾ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਦੂਜਿਆਂ ਦੇਸ਼ਾਂ ਤੋਂ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਰੁਪਿਆ ਲੈਣਾ ਪਏ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ Justice Tek Chand ਗਏ ਜਾਂ Chief Justice ਖੋਸਲਾ ਸਾਹਿਬ ਗਏ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਕੰਮ particularly Judicial Officers ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ Executive ਨੂੰ ਇਹ ਕੰਮ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ High Court ਦੇ ਜੱਜਾਂ ਨੇ ਆਪ ਇਕ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਆਪਣੀ ਤਨਖਾਹ Small Savings Scheme ਹੇਠ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਾਈ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਕੱਢ ਕੇ Small Savings Scheme ਹੇਠ ਆਪਣੀ ਬੀਵੀ ਦੇ ਨਾਂ, ਆਪਣੇ ਭਰਾ ਦੇ ਨਾਂ, ਆਪਣ ਪੁਤਰ ਦੇ ਨਾਂ, ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਾਵੇ। ਬੱਸ ਇਹ ਕਰਦੇ ਕਰਾਉਂਦੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਇਥੇ ਰੌਲਾ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਵਿਚ ਇਹ ਹੋ ਗਿਆ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਚ ਉਹ ਹੋ ਗਿਆ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿਚ ਇਹ ਹੋ ਗਿਆ। ਸਿਵਾਏ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਨ ਦੇ ਇਹ ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। ਤੁਸੀਂ ਕੁਝ ਕਰ ਤਾਂ ਸਹੀ। ਮੇਰਾ ਦਿਲ ਤਾਂ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਇਕ ਟੱਬਰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇਸ scheme ਹੇਠ ਪੰਜ ਰੁਪਏ ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਜੋੜੇ। ਇਹ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਨਾਂ ਤੇ ਜੋੜਨ ਲਈ ਆਖਿਆ ਹੈ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਦੇਸ਼ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਮੰਗਿਆ ਤਾਂ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਹੀ ਰਹਿਣਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਬਾਹਰ ਤੋਂ ਆਇਆ ਰੁਪਿਆ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ, ਅਸੀਂ ਰੂਸ ਤੋਂ ਆਇਆ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ America ਤੋਂ ਆਇਆ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ । ਅਸੀਂ ਇਸ ਦੇਸ਼ ਦੀ development ਲਈ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਔਰ ਤੁਸੀਂ ਨਹੀਂ ਕਰੋਗੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਹੋਰ ਕਿਧਰੋਂ ਨਾ ਕਿਧਰੋਂ ਪੂਰਾ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ । ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਤਾਂ ਅਜ ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਜ਼ਿਲਾ headquarters ਤੋਂ ਇਥੇ Secretariat ਵਿਚ ਭਜੇ ਆਉਂਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਕੀ ਹੈ ? ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਥੇ Small Savings Scheme ਲਈ ਰੁਪਿਆ ਉਗਰਾਹੁਣ ਨਾਲ ਬਦਨਾਮ ਹੁੰਦੇ ਹਾਂ, ਇਸ ਲਈ ਉਹ ਇਥੇ ਆ ਗਏ ਹਨ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਘੜੀ ਵੇਖੀ ਹੈ, ਖਾਸਾ ਵਕਤ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਤਾਂ ਬਾਕੀ ਕੁਲ 15 ਮਿੰਟ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ.....

श्री अध्यक्ष : आप को और कितना वक्त चाहिये, आप बतला दें मैं extend कर देता हूं । (How much more time would the hon. Chief Minister like to have to complete his reply ? He should let me know and I will extend the sitting accordingly.)

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਜਿਤਨਾ time ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਹੋਰ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹੋ ਉਤਨਾ ਦੇ ਦਿਓ, ਮੈਂ ਹਾਲੇ ਗੱਲਾਂ ਤਾਂ ਕਈ ਕਹਿਣੀਆਂ ਹਨ ।

श्री अध्यक्ष : 15 मिनट यह और 15 मिनट और बढ़ा दूं । इतना काफी होगा ? (Should I extend the time by 15 minutes more as there are already 15 minutes at his disposal ? Will that do. ?)

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਇਤਨਾ ਕਾਫੀ ਹੈ ।

Mr. Speaker : The time is extended by 15 minutes.

ਮੁਖ ਮੰਤ੍ਰੀ : ਫਿਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਸਤਾਂ ਨੇ criticise ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਈ jobs Public Service Commission ਦੇ purview ਤੋਂ ਖੋਹ ਲਏ ਨੇ ਪਰ ਇਹ ਜਿਸ ਨੂੰ ਆਖਦੇ ਨੇ ਕਿ ਅਸੀਂ Public Service Commission ਕੋਲੋਂ ਖੋਹ ਲਏ ਨੇ । ਉਸ ਬਾਰੇ ਇਹ ਨਹੀਂ ਸੋਚਦੇ ਕਿ ਕੀ ਅਸੀਂ ਉਹ jobs ਆਪਣੇ ਕੋਲ ਰੱਖੇ ਨੇ । ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪਹਿਲੇ ਕਈ posts Public Service Commission ਭਰਿਆ ਕਰਦੀ ਸੀ । ਉਹ 150 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨੇ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹ ਵਾਲੀਆਂ posts ਸਨ । ਹੁਣ ਅਸੀਂ ਉਹ posts Subordinate Services Selection Board ਦੇ ਹਵਾਲੇ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਨੇ । ਇਸ ਵਿਚ ਕੀ ਮਾੜੀ ਗੱਲ ਅਸੀਂ ਕੀਤੀ ਹੈ ? ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਵਿਚ ਕੀ ਫਰਕ ਪੈਂਦਾ ਹੈ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਨੌਕਰੀਆਂ Public Service Commission ਭਰੇ ਤੇ ਚਾਹੇ Subordinate Services Selection Board ਭਰੇ । ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ, ਤੁਸੀਂ

[ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ]

ਸਮਝਦਾਰ ਹੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਸਮਝਾ ਛਡੋ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਮਾੜੀ ਗੱਲ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਫਿਰ ਅਸੀਂ ਕੁਝ posts ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ cafeteria ਵਾਸਤੇ supervisors ਜਾਂ ਹੋਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ posts ਹਨ, ਉਹ Public Service Commission ਦੇ purview ਤੋਂ ਕਢੀਆਂ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਅਸੀਂ ਸਮਝਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਹਿਸਾਬ ਕਿਤਾਬ ਰਖਣ ਲਈ ਤਾਂ degree ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ expert ਆਦਮੀਆਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਇਸ ਵਿਚ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ 50 ਹਜ਼ਾਰ ਦਾ ਘਾਟਾ ਸੀ ਪਰ ਹੁਣ ਅਸੀਂ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੁਝ ਰੁਪਏ ਬਚਾ ਲਈਏ

ਫਿਰ Food & Civil Supplies Department ਦੀਆਂ ਨੌਕਰੀਆਂ ਕਢੀਆਂ ਹਨ । ਇਹ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਕਢੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਜੋ ਆਦਮੀ ਇਸੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਪਹਿਲੇ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਲੈਣਾ ਸੀ । ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਗਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ ਤੇ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਗਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਵਾਪਸ ਬੁਲਾ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਤੇ ਦੋ ਚਾਰ retire ਹੋ ਗਏ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਸਦ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਦਸੋ ਅਸੀਂ ਇਸ ਵਿਚ ਕੀ ਮਾੜੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਹੈ ।

ਫਿਰ ਕੁਝ ਨੌਕਰੀਆਂ ਲਾਹੌਲ ਸਪਿਤੀ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਲਈ ਭਰਨੀਆਂ ਸਨ । ਉਹ ਇਸ ਲਈ ਕਢ ਲਈਆਂ ਸਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਉਥੋਂ ਲਈ ਉਥੋਂ ਦੇ local ਆਦਮੀ ਹੀ ਰਖੇ ਜਾਣ । ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹੜੇ ਆਪਣੇ ਆਦਮੀ ਉਥੇ ਰਖ ਲਏ ਹਨ ? ਉਹ ਕੋਈ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਦੇ ਦੋਸਤ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਇਤਨੀ ਗੱਲ ਜ਼ਰੂਰ ਹੈ ਕਿ ਲਾਹੌਲ ਸਪਿਤੀ ਵਿਚ ਜਿਤਨੇ ਆਦਮੀ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਨਾਲ ਬੜਾ ਪਿਆਰ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ sports ਦੇ coaches ਦੀਆਂ posts ਅਸੀਂ Public Service Commission ਦੇ purview ਵਿਚੋਂ ਕਢੀਆਂ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ posts ਲਈ ਅਸੀਂ ਬੰਦੇ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਨਾਲ ਖੋਜ ਕੇ ਲਿਆਏ ਹਾਂ ਤਾਂਕਿ ਤੁਹਾਡੇ ਬਚੇ sports ਵਿਚ ਆ ਜਾਣ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਕਿਹੜੀ ਗੱਲ ਦਾ ਇਹ ਉਲਾਂਭਾ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਫਿਰ Home Guards ਦਾ staff ਕਢਿਆ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਖੁਸ਼ ਹੋਵੋਗੇ ਕਿ Home Guards ਦਾ incharge most competent ਆਦਮੀ ਲਗਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਔਰ ਉਹ ਹੈ Major General ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ। ਉਸ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛ ਲਓ ਕਿ ਕਿਸ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਪਵਾਈ ਹੈ ਉਸ ਨੇ । ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਸ ਤੋਂ ਚੰਗਾ ਕੋਈ ਹੋਰ ਆਦਮੀ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਲਭ ਸਕਦਾ ਸੀ । ਉਹ Home Guards ਦਾ ਕੰਮ ਬੜਾ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ organise ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਉਹ ਤਾਂ ਔਖਿਆਈ ਦੇ ਵੇਲੇ ਲਈ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਦਸੋ, ਇਸ ਵਿਚ ਕੀ ਮਾੜਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਫਿਰ ਕਹਿੰਦੇ ਨੇ ਕਿ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਸਾਨੂੰ ridicule ਕਰਦਾ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ridicule ਤਾਂ ਆਪ ਹੁੰਦੇ ਹੋ ਜੋ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹੋ । ਖੈਰ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਇਸ ਵੇਲੇ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ । ਫਿਰ ਕਦੇ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ ਤਾਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ । ਫਿਰ technical ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਜੇ ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ ਦੂਜੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚੋਂ ਕੋਈ

technical expert ਖਿਸਕਾ ਕੇ ਲੈ ਆਏ ਹਾਂ ਤਾਂ ਕੀ ਉਹ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਾਂ ਮਾੜਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ? Public Service Commission ਨੂੰ ਤਾਂ ਉਹ ਆਦਮੀ ਸ਼ਾਇਦ ਮਿਲ ਹੀ ਨਾ ਸਕਦੇ । ਜੇ ਅਸੀਂ ਸਮਝ ਲਿਆ ਕਿ ਪੇਪਰਮੈਂਸ਼ੀ ਦਾ ਫਲਾਣਾ expert ਹੈ ਅਤੇ trained engineer ਹੈ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣੀ State ਵਿਚ ਲੈ ਆਏ ਹਾਂ । ਉਸ post ਨੂੰ Public Service Commission ਵਿਚੋਂ ਕਢ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ ਆਖਰ ਅਸੀਂ ਕੀ ਗੁਨਾਹ ਕੀਤਾ ਹੈ ? ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕਾਂਗੜੇ, ਕੁਲੂ ਤੇ ਕੰਢਾ ਘਾਟ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਘਰ ਘਰ ਵਿਚ ਪੇਪਰਮੈਂਸ਼ੀ ਦਾ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਵੇ । (ਤਾੜੀਆਂ) ਤੁਸੀਂ ਸਗੋਂ ਸਾਨੂੰ ਸ਼ਾਬਾਸ਼ ਦਿਉ । This view is right and that view is wrong. ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਖਾਹ ਮਖਾਹ criticism ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹੋ । ਸਰਦਾਰ ਅੱਛਰ ਸਿੰਘ ਛੀਨਾ ਬੋਲਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੇ ਸਾਰੀ ਸੋਟੀ ਫੇਰ ਦਿੱਤੀ । ਕਾਮਰੇਡ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆ ਬੋਲਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ । ਕਿਸੇ ਨੇ ਕਰਨਾਲ ਦੀ ਲੜਾਈ ਛੇੜ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਨੇ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦੀ ਲੜਾਈ ਛੇੜ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ।

ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਵੀ ਸੁਣ ਲਉ । ਲੋਕ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਦੇ ਲੜਕੇ ਚੰਗੇ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਤਾਰੀਫ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਹਕੀਕਤ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦਸਣ ਲਗਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਮੁੰਡਿਆਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠਿਆਂ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਾਰੀ ਉਮਰ ਚੰਗੀ ਕੱਟੀ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਅਜਿਹੇ ਕੰਮ ਕਿਉਂ ਕਰਦੇ ਹੋ ਜਿਸ ਨਾਲ ਮੈਨੂੰ ਬਦਨਾਮੀ ਆਵੇ ? ਛੋਟੇ ਨੇ ਹੱਥ ਜੋੜ ਕੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਪਾ ਜੀ ਤੁਸੀਂ Chief Ministership ਛਡ ਦਿਉ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਕਲ ਹੀ ਚੰਗੇ ਹੋ ਜਾਵਾਂਗੇ । ਅਸੀਂ ਨਹੀਂ ਬਦਨਾਮ ਕਰਦੇ ਬਲਕਿ ਤੁਹਾਡੀ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰੀ ਬਦਨਾਮ ਕਰਦੀ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ Chief Minister ਨਾ ਰਹੋ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਕਲ ਹੀ ਸ਼ਰੀਫ ਹੋ ਜਾਵਾਂਗੇ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਕੀ ਮੈਂ ਛਡ ਦੇਵਾਂ ? ਉਹ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਇਹ ਤੁਹਾਡਾ ਕੰਮ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਜਾਣੋ । ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਜੇ ਕਰ ਸਰਕਾਰੀ ਨੌਕਰੀ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਕਹਿਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਕਿ ਉਥੇ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਲਗਾ ਹੈ । ਜੇ ਉਹ ਛਡ ਕੇ private ਨੌਕਰੀ Dunlop Company ਵਿਚ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਉਥੇ ਵੀ ਚੀਫ ਮਿਨਿਸਟਰ ਦਾ ਇਖਤਿਆਰ ਹੈ । ਉਹ ਵੀ ਛਡ ਦਿਤੀ । ਫਿਰ ਜੇ ਕਰ ਢਠੀ ਹੋਈ Co-operative Society ਨੂੰ ਖੜ੍ਹਾ ਕਰ ਕੇ ਥੋੜੇ ਆਦਮੀ ਛਾਂਟ ਕੇ ਬਣਾਇਆ ਤਾਂ ਵੀ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਹੋਈ । ਜਿਹੜੇ ਤੁਹਾਡੇ ਮੁਖਾਲਿਫ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਦਨਾਮ ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ । ਉਹ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਤੂੰ ਹਣ ਭਾਵੇਂ ਨਾ ਹਣ ਅਸੀਂ ਤੇ ਬਦਨਾਮ ਕਰਨਾ ਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਬਦਨਾਮ ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਹੋ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕਰ ਮੈਂ ਕੋਈ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਕੰਮ ਕਰਾਂ ਤਾਂ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਕ ਮਿੰਟ ਖੜ੍ਹਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ base ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਉਹ ਗਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ cinema ਵਿਚ ਮੁੰਡੇ ਨੇ ਫੌਜੀ ਦੀ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਛੇੜਿਆ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਚ ਜਨ ਸੰਘ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਝੂਠਾ propaganda ਕੀਤਾ । ਬੰਬਈ ਤਕ ਜਾ ਕੇ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਕਢਵਾਇਆ ਕਿਉਂਕਿ communist party ਦੇ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀ ਵਾਕ-

[ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ]

ਫੀਅਤ ਸੀ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਪੁੱਛ ਲਓ ਬਿਲਕੁਲ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਜੋ ਮਰਜ਼ੀ ਹੋਵੇ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਾਲੇ ਲਿਖ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਮੁੱਝੇ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਕੰਮ ਨਾ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਲੋਕ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੁੱਤੇ ਖੱਸੀ ਕਰਦੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ ਜੇ ਕਰ ਕੋਈ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਭੀ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਜੇ ਕਰ ਕਿਸੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਚਾਰ ਪੈਸੇ ਹਨ ਤਾਂ ਦੂਸਰੇ ਲੋਕੀਂ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਕਰ ਲੈਂਦੇ ਕਿਸੇ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਪਾਬੰਦੀ ਤਾਂ ਹੈ ਨਹੀਂ । ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਅਸੀਂ 24 ਘੰਟਿਆਂ ਵਿਚ 18 ਘੰਟੇ ਕੰਮ ਕਰ ਕੇ ਸਫਲਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਤਾਰੀਫ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ, ਮੈਂ ਗਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰੀ ਛਡੇ ਤਾਂ ਠੀਕ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਇਹ ਗਲ ਹੈ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਜੀ ਵਿਚ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਕਹਾਂ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਛੁਟੀ ਦੇ ਦਿਉ । ਫਿਰ ਸੋਚਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਦਬਾ ਹੇਠਾਂ ਆ ਕੇ ਨਹੀਂ ਛਡਾਂਗਾ । ਬਲਕਿ ਮੁਖਾਲਫਾਂ ਦਾ ਦਲੀਆ ਬਣਾ ਕੇ ਛਡਾਂਗਾ । (Interruptions) ਜਿੰਨੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮੁਖਾਲਫਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਰੋਹ ਆਉਂਦਾ ਹੈ, ਉਨਾਂ ਹੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜੋਸ਼ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਮੇਰੀ ਤਾਂ ਉਹ ਹਾਲ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕਿਸੇ ਦਿਉ ਨੂੰ ਮਾਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਕ ਪਿਪਲ ਹੈ, ਪਿਪਲ ਤੇ ਪਿੰਜਰਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਪਿੰਜਰੇ ਵਿਚ ਤੋਤਾ ਹੈ, ਤੋਤੇ ਨੂੰ ਮਾਰ ਦਿਉ ਤਾਂ ਦਿਉ ਮਰ ਜਾਵੇਗਾ । ਜੇ ਕਰ ਲੜਾਈ ਛਡ ਕੇ ਦੋ ਚਾਰ ਮਿਠੀਆਂ ੨ ਗਲਾਂ ਕਰੋ ਤਾਂ ਮੈਂ ਆਪ ਹੀ ਮਰ ਜਾਵਾਂਗਾ । ਜਿੰਨੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲੜਾਈ ਕਰਦੇ ਹੋ ਮੈਂ ਉਨਾਂ ਹੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸ਼ੇਰ ਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਕਿਸ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਵੇਖਿਆ ਹੋਇਆ ਮੈਦਾਨ ਵਿਚ, elections ਆ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਧਜੀਆਂ ਉਡਾ ਕੇ ਰਖ ਦਿਆਂਗਾ (Thumping from the Treasury Benches) ਜਨ ਸੰਘ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ murder ਦਰਜ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ, ਚੋਰੀਆਂ ਦਰਜ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਜਨ ਸੰਘ ਵਾਲੇ ਦੀ ਚੋਰੀ ਜਨ ਸੰਘ ਵਾਲੇ ਨੇ ਹੀ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇਗੀ ਜਿਸਦਾ ਸਾਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ । (ਹਾਸਾ) ਕਈ ਅਖਬਾਰਾਂ ਦੀ ਤਾਂ ਬਿਕਰੀ ਹੀ ਇਸ ਗਲ ਉਪਰ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਮੈਨੂੰ ਗਾਲੀਆਂ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾ ਕਰੋ, democracy ਵਿੱਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ । ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਉਥੇ ਭਰਾ ਨੇ ਭਰਾ ਨੂੰ ਮਾਰਿਆ ; ਉਸਨੇ ਪੰਚਾਇਤ ਵਿਚ ਸ਼ਕਾਇਤ ਕੀਤੀ । ਪੰਚਾਇਤ ਨੇ 25 ਰੁਪਏ ਜੁਰਮਾਨਾ ਕਰ ਦਿਤਾ । ਉਹੋ ਘਰੋਂ ਭਜ ਗਿਆ ਅਤੇ ਬੰਦੂਕ ਨਾਲ ਭਰਾ ਨੂੰ ਵੀ ਮਾਰ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਭਰਜਾਈ ਨੂੰ ਵੀ ਮਾਰ ਦਿਤਾ । ਉਸ ਦੇ ਪਿਛੋਂ ਉਹ ਦੌੜ ਗਿਆ । ਉਸ ਦਾ ਘਰ ਵੀ ਕੁਰਕ ਕਰ ਲਿਆ, ਜਾਇਦਾਦ ਵੀ ਕੁਰਕ ਕਰ ਲਈ । ਉਹ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਨਸ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਿਧਰੇ communists ਨਾਲ ਚੀਨ ਵਿਚ ਨਸ ਗਿਆ ਹੈ । ਤੇ ਜੇ ਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਲਾਹ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਦਸ ਦੇਣ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਪਕੜਵਾ ਦੇਣ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, murders ਨੂੰ ਘਟ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਹੋਰ ਢੰਗ ਲਭਿਆ ਹੈ । ਜੀਂਦ ਵਿਚ ਗੋਸਾਈਂ ਖੇੜਾ ਇਕ ਜਗ੍ਹਾ ਹੈ ਉਥੇ ਇਕ ਸਰਪੰਚ ਨੂੰ ਮਾਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ । ਮੈਂ order ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਾਰਿਆ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਪਰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਰਚ ਉਪਰ, ਸਰਕਾਰੀ ਵਕੀਲ ਦੀ ਮਦਦ ਦੇ ਨਾਲ ਇਕ ਲਖ ਰੁਪਏ ਹਰਜਾਨੇ ਦਾ ਦਾਵਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਮਕਤੂਲ ਦੇ ਬਚਿਆਂ ਅਤੇ ਔਰਤ ਦੇ ਗੁਜ਼ਾਰੇ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਹੋ ਜਾਵੇ । ਬਾਹੂ ਅਕਬਰ ਪੁਰ ਇਕ ਕਤਲ

ਹੋਇਆ, ਮੈਂ ਕੇਸ ਦੇ merits ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ । ਅਜੇ ਮੁਕਦਮਾ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਉਥੇ ਇਕ ਫੌਜੀ ਮਾਰਿਆ ਗਿਆ ਸੀ । ਉਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਮੈਂ order ਦੇ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਲਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਦਾਵਾ ਉਸ ਦੇ ਬਚਿਆਂ ਵਲੋਂ ਕਰੋ ਸਰਕਾਰੀ ਖਰਚ ਤੇ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅੰਬਾਲੇ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਇਕ ਲਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਦਾਵਾ ਕਰਵਾ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਇਹ ਅਸੀਂ ਕਿਉਂ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ? ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਪਰੀਵਾਰ ਨੂੰ ਗੁਜ਼ਾਰੇ ਲਈ ਪੈਸੇ ਮਿਲ ਜਾਣ । Murders ਪਹਿਲਾਂ ਨਾਲੋਂ ਘਟ ਹਨ । ਅਜ ਤਾਂ ਅਖਬਾਰ ਵਿਚ ਨਿਕਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ population 1 ਕਰੋੜ 60 ਲਖ ਤੋਂ 2 ਕਰੋੜ ਤਿੰਨ ਲਖ ਹੋ ਗਈ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਨਿੱਗਰ ਅਤੇ ਜੀਂਦੀ ਜਾਗਦੀ population ਹੈ । ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਉਨੀ ਪੁਲਿਸ ਨਾਲ ਹੀ ਐਨੀ ਵਧੀ ਹੋਈ population ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਂਦੇ ਆਏ ਹਾਂ--

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਇਹ family planning ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹੈ ।

ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ : Family planning ਤੁਹਾਡੇ ਉਪਰ ਛਡੀ ਹੋਈ ਹੈ । (ਹਾਸਾ) (*interruptions*) ਜੇ ਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੂਬੇ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਢੰਗ ਦਸਣ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ murders ਨੂੰ ਕਾਬੂ ਕਰੋ । Murders ਨੂੰ ਘਟ ਕਰਨ ਦੇ ਦੋ ਹੀ ਤਰੀਕੇ ਹਨ । ਇਕ bereaved family ਵਾਸਤੇ compensation ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ security measures ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਰਨਾ ।

ਅਸੀਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਇਸੇ ਲਈ ਤਾਕਤ ਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਇਕ ਅਖਬਾਰ ਨੇ ਲਿਖ ਦਿਤਾ ਕਿ ਦੇਖ ਲਿਆ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਦਾ ਸਰਪੰਚ, ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਕਤਲ ਕਰ ਗਿਆ । ਉਸ ਨੂੰ ਪੁਛੋ ਕਿ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਦਾ ਕਿਉਂ ਹੈ ਤੇਰਾ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ? ਤੂੰ ਵੀ ਤੇ ਇਸੇ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਹੀ ਰਹਿਣ ਵਾਲਾ ਹੈਂ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾ ਕਿ 15-20 ਸਾਲਾਂ ਤਕ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਨੇ ਸੋਨਾ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੋਕ ਕੂੜੇ ਨੂੰ ਹੂੰਝ ਕੇ ਗੰਦਗੀ ਦੇ ਢੇਰ ਉਪਰ ਸੁੱਟ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਜਿਵੇਂ ਜਿਵੇਂ ਲੋਕ ਸਿਆਣੇ ਹੁੰਦੇ ਗਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗੰਦੇ ਅਤੇ ਸ਼ਰਾਰਤੀ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਹੂੰਝ ਕੇ ਗੰਦਗੀ ਦੇ ਢੇਰ ਉਪਰ ਸੁੱਟ ਦੇਣਾ ਹੈ । ਬਾਹਰ ਸੁਟ ਦੇਣਾ ਹੈ । transitional period ਕੁਝ ਤਕਲੀਫ ਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ struggle ਕਰਨੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਇਕ ਹੋਰ order ਕੀਤਾ ਹੈ corruption ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦਾ । ਜੇ ਕਰ ਕਿਸੇ ਅਫਸਰ ਨੇ ਆਪਣੇ ਲੜਕੇ ਜਾਂ ਲੜਕੀ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਉਸੇ station ਉਪਰ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇ ਜਿਥੇ ਕਿ ਉਹ ਲਗਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲੋਂ permission ਲੈਣੀ ਪਵੇਗੀ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਉਪਰ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਬੋਝ ਨਹੀਂ ਪਵੇਗਾ ।

ਜਦੋਂ ਵੀ ਖਰਚ ਦੇ ਵਾਧੇ ਦੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਿਸੇ ਨੇ ਹੋਰ ਸਾਲ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਸਿਵਾਏ 1957-58 ਤੇ 1958-59 ਦੇ । ਮੈਂ ਵੀ ਸੋਚਿਆ ਆਖਿਰ ਇਹ ਗੱਲ ਕੀ ਹੈ । ਫੇਰ ਪਤਾ ਚੱਲਿਆ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ ਹਿੰਦੀ ਸੰਮਤੀ ਦੀ agitation ਚੱਲੀ ਸੀ ਇਸ ਕਰਕੇ ਖਰਚ ਵੱਧ ਹੋਇਆ ਸੀ । ਖਰਚਾਂ ਦੇ ਸਿਲਸਲੇ ਦੀ ਗੱਲ ਛੱਡੋ । ਇਕ ਵੀਰ ਨੇ ਤਾਂ ਏਥੋਂ ਤੱਕ ਮਾੜੀ ਗੱਲ ਕਹੀ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਆਦਮੀ retire ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਮਾੜਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ pension ਘਟ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ pension ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਵੀ ਹਿੰਦੂਆਂ ਦੀ pension ਘਟ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੀਰਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ

[ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ]

corruption ਵਿਚ ਵੀ ਤੁਸੀਂ ਹਿੰਦੂ ਸਿੱਖਾਂ ਦੀਆਂ ਵੰਡੀਆਂ ਪਾਉਣ ਲੱਗੇ ਹੋ ? ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ corruption ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । ਇਸ ਵਿਚ ਹਿੰਦੂ ਅਤੇ ਸਿੱਖ ਦਾ ਕੋਈ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ । ਜਿਉਂ ਜਿਉਂ ਕਿਸੇ ਥਾਂ ਦੀ ਖਰਾਬੀ ਦਾ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਦੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਾਂ । Opposition ਵੱਲੋਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਗਈਆਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੈਂ ਇਥੇ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਪਰ ਮੈਂ ਇਸ House ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਦਿੱਲੀ ਖਾਹਸ਼ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਸੁਖੀ ਤੇ ਖੁਸ਼ੀ ਹੋਵੇ । (ਤਾੜੀਆਂ) ਪਰ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਸਭ ਦੀ ਮਿਲ ਵਰਤਨ ਨਾਲ ਹੀ ਹੋਣਾ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਇਥੇ ਆ ਕੇ ਕਰਦੇ ਹੋ ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰ ਕਰਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੀ ਨਿਪਟਾ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ ? ਇਥੇ ਪੰਡਤ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਭੜੋਲੀਆਂ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰ ਬਲਦੇਵ ਪਰਕਾਸ਼ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਇਥੇ ਚੰਡੀਗੜ ਦੇ secretariat ਵਿੱਚ ਰੌਣਕ ਲੱਗੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਉਂ ਜਿਉਂ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਜਾਗਰਤੀ ਆਵੇਗੀ ਉਹ ਇਧਰ ਧਿਆਨ ਆਪਣੇ ਆਪ ਦੇਣਗੇ । ਅਸੀਂ ਮਿਲਣ ਵਾਸਤੇ hours fix ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਆਕੇ ਮਿਲਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਬਜਾਏ ਇਸ ਦੇ ਕੋਈ ਦਿਹਾੜੀ ਖਰਾਬ ਕਰੇ ਅਸੀਂ ਵਕਤ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਉਹ ਵਕਤ ਸਿਰ ਆਵੇ ਅਤੇ 2-2½ ਘੰਟੇ ਵਿਚ ਹੀ ਮਿਲ ਕੇ ਚਲਿਆ ਜਾਵੇ । ਅਸੀਂ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਕਿ ਕੋਈ ਸਵੇਰੇ ਹੀ ਆ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਕਤ ਖਰਾਬ ਕਰੇ । ਜੇ ਕਿਸੇ ਨੇ ਮਿਲਣਾ ਹੋਵੇ ਉਹ ਦੋ ਵਜੇ ਆਕੇ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਵਕਤ 2½ ਘੰਟੇ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਪਰ ਅਸੀਂ 1½ ਘੰਟੇ ਵਿਚ ਹੀ ਸਾਰਿਆਂ ਦਾ ਮਿਲਣ ਮਿਲਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਨਿਪਟਾ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ । ਅਜੇ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਵੀਰ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗਿਲਾ ਕਰਦੇ ਹਨ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਜਾਇਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਸਾਰਾ ਮਾਹੌਲ ਬਦਲ ਕੇ ਰੱਖ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਜ bureaucracy ਦਾ ਜ਼ਮਾਨਾ ਨਹੀਂ । ਅਜ ਜਨਤਾ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਹਰ ਗੱਲ ਨੂੰ ਸਮਝਦੀ ਹੈ । ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਨਫੇ ਨੁਕਸਾਨ ਦਾ ਪਤਾ ਲੱਗਦਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ । ਅੱਜ ਮੁਲਾਜ਼ਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਪੁਛੋ ਕਿ ਉਹ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਹਨ ਜਾਂ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਹਨ । ਜਿਹੜੇ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਦਿੱਲੀ ਭੇਜਦੇ ਹਾਂ, ਉਸ ਨੂੰ ਜੇ ਪੁਛੀਏ ਕਿ ਦਸ ਤੂੰ ਦਿੱਲੀ ਜਾਣਾ ਹੈ ਜਾਂ ਇਥੇ ਰਹਿਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸਦਾ ਜਵਾਬ ਇਹੋ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਦਿੱਲੀ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਮੈਂ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹੀ ਰਹਿਣਾ ਹੈ । ਜੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ administration ਚੰਗੀ ਹੈ ਤਦ ਹੀ ਉਹ ਇਥੇ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਭਾਵੇਂ ਕੋਈ ਕੁਝ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ, administration ਤੇ discussion ਕਰਨ ਦਾ credit ਬਲਦੇਵ ਪਰਕਾਸ਼ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਉ, ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ, ਡਾਕਟਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ ਨੂੰ credit ਦੇ ਦਿਉ ਪਰ ਇਹ credit ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਤਾਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਸਮਝ ਹੀ ਨਹੀਂ । (ਹਾਸਾ) ਵੈਸੇ ਜੇ ਵੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ administration ਦਾ ਖਰਚ ਤੇ ਪੁਲਿਸ ਦਾ ਖਰਚ ਅੱਗੇ ਨਾਲੋਂ ਘਟਿਆ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਂ 2-4 ਗੱਲਾਂ ਫੜ ਲਈਆਂ ਅਤੇ ਉਸ ਤੇ ਹੀ ਟਪਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਗੱਲ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਸਿਧੇ ਮੈਨੂੰ ਮਿਲੋ । ਮੈਨੂੰ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ ? ਜੇ ਮੈਂ Opposition ਵਾਲਿਆਂ

ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਤਾਂ ਫਿਰ ਦੱਸੋ ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਕਾਹਦਾ ਹੋਇਆ ? ਵਿਰੋਧੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਵੀਰ ਜੇ ਮੈਨੂੰ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੁਣਗੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕੰਮ ਛਡ ਕੇ ਮਿਲਾਂਗਾ। ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਮੈਂ ਇਕ ਗੱਲ ਜ਼ਰੂਰ expect ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਉਹ ਇਹ ਕਿ ਜੇ ਇਹ administration ਤੇ ਬੋਲਣ ਤਾਂ ਚੰਗੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਨ ਐਵੇਂ ਯਭਲੀਆਂ ਨਾ ਮਾਰਨ। ਜੇ ਉਹ ਚੰਗੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਮੰਦੀਆਂ ਵੀ ਨਾ ਕਰਨ। ਇਸ ਲਈ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬਹੁਤੀਆਂ ਗੱਲਾ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਇਹੋ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ with one voice ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

DEMAND NO. 9

Mr. Speaker : Now, I will put the cut motions in respect of Demand No. 9 to the vote of the House. The first motion stands in the name of Rao Gajraj Singh.

Rao Gajraj Singh : Sir, I withdraw my cut motion.

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House that the hon. Member be allowed to withdraw his amendment ?

Hon. Members : Yes.

The cut motion was, by leave, withdrawn.

Mr. Speaker : Question is—

That the demand be reduced by Re. 1/-.

The motion was lost.

Mr. Speaker : There is a cut motion standing in the name of Shri Rup Singh 'Phul'.

Shri Rup Singh 'Phul' : Sir, I withdraw my cut motion.

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House that the hon. Member be allowed to withdraw his amendment ?

Hon. Members : Yes.

The cut motion was, by leave, withdrawn.

Mr. Speaker : There is also a cut motion by Thakur Mehar Singh.

Thakur Mehar Singh : Sir, I withdraw my cut motion.

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House that the hon. Member be allowed to withdraw his cut motion ?

Hon. Members : Yes.

The cut motion was, by leave, withdrawn.

Mr. Speaker : There is also a cut motion standing in the name of Raja Raghuvir Singh.

Raja Raghuvir Singh : Sir, I withdraw my motion.

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House that the hon. Member be allowed to withdraw his cut motion ?

Hon. Members : Yes.

The cut motion was, by leave, withdrawn.

Mr. Speaker : There is an other cut motion standing in the name of Shri Harbhagwan Maudgil.

Shri Harbhagwan Maudgil : Sir, I withdraw my motion.

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House that the hon. Member be allowed to withdraw his cut motion ?

Hon. Members : Yes.

The cut motion was, by leave, withdrawn.

Mr. Speaker : Question is—

That the demand be reduced by one Naya Paisa.

The motion was lost.

Mr. Speaker : There is another cut motion. It is in the name of Shri Ram Parkash.

Shri Ram Parkash : Sir, I withdraw my cut motion.

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House that the hon. Member be allowed to withdraw his cut motion ?

Hon. Members : Yes.

The cut motion was, by leave, withdrawn

Mr. Speaker : Question is—

That the demand be reduced by Rs. 100/-.

The motion was lost.

Mr. Speaker : Question is—

That the demand be reduced by Rs. 2/-.

The motion was lost

Mr. Speaker Question is—

That a sum not exceeding Rs. 3,84,00,100 be granted to the Governor to defray the charges that will come in the course of payment for the year 1961-62, in respect of charges under head of 25-GENERAL ADMINISTRATION.

The motion was carried.

DEMAND No.12

Mr. Speaker : Now, I will put the cut motions in respect of Demand No. 12.

Question is—

That the demand be reduced by Re 1/-.

The motion was lost.

Mr. Speaker : There is also a cut motion by Shri Rup Singh 'Phul'.

Shri Rup Singh 'Phul' : Sir, I may be allowed to withdraw my cut motion.

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House that the hon. Member be allowed to withdraw his cut motion ?

Hon. Members : Yes.

The cut motion was, by leave, withdrawn.

Mr. Speaker : There is another cut motion standing in the name of Shri Harbhagwan Maudgil.

Shri Harbhagwan Maudgil : Sir, I withdraw my cut motion.

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House that the hon. Member be allowed to withdraw his cut motion ?

Hon. Members : Yes.

The cut motion was, by leave, withdrawn.

Mr. Speaker : Question is—

That the demand be redueed by one Naya Paisa.

The motion was lost

Mr. Speaker : There is another cut motion standing in the name of Shri Ram Parkash :

Shri Ram Parkash : Sir, I may be allowed to withdraw my cut motion,

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House that the hon. Member be allowed to withdraw his cut motion ?

Hon. Members : Yes.

The cut motion was, by leave, withdrawn.

Mr. Speaker : Question is—

That the demand be reduced by Rs. 100/-.

The motion was lost.

Mr. Speaker : Question is—

That the demand be reduced by Rs. 2/-.

The motion was lost.

Mr. Speaker : Question is—

That a sum not exceeding Rs. 5,86,03,500 be granted to the Governor to defray the charges that will come in the course of payment for the year 1961-62 in respect of charges under head 29-POLICE.

After ascertaining the votes of the Members by voices, Mr. Speaker said "I think the Ayes have it". This opinion was challenged and division was claimed. Mr. Speaker after calling upon those Members who were for 'Aye' and those who were for "No", respectively, to rise in their places and on a count having been taken, declared that the motion was carried.

The motion was carried.

OBSERVATIONS BY THE SPEAKER

Mr. Speaker : I would request the Ministers that they should fix time for interviews while they are here in the Assembly so that their work in this House may not be obstructed by the chits sent to them by the public intermittently. Secondly, I would request the hon. Members that the visitors accompanying them should stay in the hall meant for them at the basement . We have to set up happy traditions here in this new Chamber and if we adhere to them strictly we shall facilitate the smooth working of the Legislature. I do admit that the members and the Ministers have their duties to the public as well but while they are here there primary duty is to attend to Assembly business. So, I would request them to fix time for interviews.

The Sabha then adjourned till 2.00 *p.m. on Thursday, the* 16*th March,* 1961.

12960/PVS—350—14-12-61.—C., P. and S., Pb., Chandigarh

ANNEXURE

(Please see foot-note appearing at page (18) 78 of the debate dated 15th March, 1961, Vol. I, No. 18).

Ownership Rights Acquired by Tenants by pre-emption.

3487. Chaudhari Sadhu Ram : Will the Minister for Revenue be pleased to state the number of tenants who acquired ownership rights by pre-empting sales under Section 17 of the Punjab Security of Land Tenures Act, 1953, along with the total area taken by them under the above Section of the said Act?

Sardar Partap Singh Kairon : 235 tenants have acquired ownership rights over an area of 3,620 acres.

12960 PVS—350—16-12-61—C.,P. & S., Punjab Chandigarh

Published under the authority of the Punjab Vidhan Sabha and printed by the Controller, Printing & Stationery, Punjab, Chandigarh.

ਮਿਸਲ ਰਿਕਾਰਡ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਉਸ ਦਾ ਸੰਭਾਲ ਸਮਾਂ

'A', 'B' or 'C' proceedings in which the file was recorded and its retention period

ਕੀ ਕੇਸ ਸਬੰਧੀ ਨੋਟ ਸ਼ਾਖਾ ਸੈਕਸ਼ਨ ਦੀ ਨੋਟ ਬੁੱਕ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ

whether note regarding case has been kept in the Branch/Sectional Note Book or not

ਸਬੰਧਤ ਸਹਾਇਕ ਦੇ ਹਸਤਾਖਰ

Initials of the concerned Assistant

ਰਿਕਾਰਡਰ ਦੇ ਹਸਤਾਖਰ

Initials of the Recorder

ਪਿਛਲੇ ਹਵਾਲੇ Previous References	ਬਾਅਦ ਦੇ ਹਵਾਲੇ Later References